


## प्रस्तावना

अर्थ व सांख्यिकी संचालनालय 'महाराष्ट्राची आर्थिक पाहणी' हे प्रकाशन दरवर्षी तयार करते. मराठी व इंग्रजी अशा संयुक्त स्वरूपातील सदर प्रकाशन २००७-०८. या वर्षासाठी तयार करण्यात आले असून प्रकाशनाच्या मालिकेतील त्याचा हा $७ ७$ वा अंक आहे.
२. प्रकाशनाच्या पहिल्या भागात महाराष्ट्र राज्याच्या अर्थव्यवस्थेची ठळक वैशिष्टये दिली असून दुस-या भागात सांख्यिकीय तक्ते दिले आहेतं.
३. या प्रकाशनात अद्ययावत् माहिती देण्याच्या प्रयत्नामुळे काही ठिकाणी अस्थायी स्वरूपाची आकडेवारी देण्यात आलो आहे. अंतिम माहिती प्राप्त झाल्यावर अशा आकडेवारोमध्ये बदल होण्याची शक्यता आहे.

```
                    द.रा.भोसले
अर्थ व सांख्यिकी संचालक
                                    नियोजन विभाग
                                    महाराष्ट्र शासन
मुंबई,
दिनांक: १८ मार्च, २००८
```


## PREFACE

The Directorate of Economics and Statistics brings out the publication 'Economic Survey of Maharashtra' every year. The present publication for the year 2007-08 is the $47^{\text {th }}$ issue in the series and is prepared in a combined form of Marathi and English.
2. The salient features of the State's economy are given in Part-I and statistical tables are presented in Part-II of this issue.
3. In attempting to give up-to-date data in this publication, provisional figures have been included at some places and those are likely to be revised after final data become available.

## D.R.Bhosale

Director of Economics and Statistics
Planning Department
Government of Maharashtra

Mumbai,
Dated : $18^{\text {th }}$ March, 2008

माIवा एवज - पाहणी
अनुक्रमणिका

| प्रकरण <br> क्र. | विषय | पृष्ठ <br> क्र. |
| :---: | :---: | :---: |
| 1. | समग्र आढावा | 1 |
| 2. | आर्थिक दृष्टिक्षेप व आनुषंगिक धोरणे | 7 |
| 3. | राज्य उत्पन्न | 12 |
| 4. | लोकवित्त <br> राज्यशासनाची वित्तीय स्थिती स्थार्नक स्वराज्य संस्थांची वित्तीय स्थिती | 18 |
| 5. | कृषि व संलग्न कार्ये कृषष <br> सिंचन <br> फलोत्पादन पशुसंवर्धन <br> दुग्धव्यवसाय <br> मत्स्यव्यवसाय <br> वने व सामाजिक वनीकरण | 29 |
| 6 | उद्योग | 46 |
| 7. | पायाभूत सुविधा <br> ऊर्जा <br> परिवहन व दळणवळण | 57 |
| 8. | संस्थांद्वारे वित्तपुरवठा | 72 |
| 9. | सहकार | 78 |
| 10. | किमती व वितरण किमर्तोंविषयक स्थिती नागरी पुरवठा | 84 |
| 11. | लोकसंख्या | 92 |
| 12. | रोजगार, दारिद्रघ निर्मूलन व मानवविकास निद्देशांक रोजगार दारिद्र्य निर्मूलन मानवविकास निदेशांक | 96 |
| 13. | सामाजिक क्षेत्रे शिक्षण सार्वर्जनिक आरोग्य महिला व बालकल्याण गृहानमांण पाणीपुरवठा व स्वच्छता | 104 |
| 14. | विशेष अभ्यास | 125 |

PART I - SURVEY CONTENTS

| Chapter No. | Subject | Page <br> No. |
| :---: | :---: | :---: |
| 1. | Exccutive Summary | 141 |
| 2. | Economic Outlook and Policy Imperatives | 147 |
| 3. | State Income | 152 |
| 4. | Public Finance <br> Finances of State Government Pinances of Local Self Governments | 158 |
| 5. | Agriculture and allied activitics <br> Agriculture <br> Irrigation <br> Horticulture Animal husbandry Dairy development Fisheries Forests and social forestry | 169 |
| 6. | Industries | 187 |
| 7. | Infrastructure <br> Energy <br> Transport \& Communications | 198 |
| 8. | Institutional Finance | 213 |
| 9. | Co-operation | 219 |
| 10. | Prices and Distribution <br> Price situation <br> Civil supplies | 225 |
| 11. | Population | 233 |
| 12. | Employment, Poverty <br> Eradication \& Human <br> Development Indicators <br> Employment <br> Poverty eradication <br> Human development Indicators | 237 |
| 13. | Social sectors <br> Education <br> Public Health Women \& Child Welfare Housing Water Supply \& Sanitation | 245 |
| 14. | Special Studies | 268 |

## अनुक्रमणिका / CONTENTS

आलेख पृष्ठ क्रमांक १३० नंतर
Graphs after Page No. 130

| आलेख | GRAPHS |
| :---: | :---: |
| 1. राज्य उत्पन्न <br> 2. स्थूल राज्य उत्पन्न व स्थूल देशांतगंत उत्पत्राची क्षेत्रवार विभागणी <br> 3. दरडोई राज्य व राष्ट्रीय उत्पन्न <br> 4. अन्नधान्य उत्पादन <br> 5. क्क़षष उत्पादनाचे निर्देशांक <br> 6. कारखाने आणि कारखान्यांतील रोजगार <br> 7. विजेची एकूण निर्मिती आणि वापर <br> 8. सहकारी संस्थांची वाढ <br> 9. महाराष्ट्र आणि उर्वरित भारतातील साखर कारखान्यांची संख्या व साखर उत्पादन <br> 10. अखल भारतीय घाऊक किमतीचे निर्देशांक <br> 11. औद्योगिक कामगारांकरिता ग्राहक किमतींचे निर्देशांक <br> 12. महाराष्ट्रातील नागरी व ग्रामीण भागांकरिता ग्राहक किंमतींचे निदंशांक <br> 13. लोकसंख्या व साक्षरतंचे प्रमाण (जनगणनेनुसार) | State Income <br> Sectoral Composition of GSDP \& GDP <br> Per capita State and National Income <br> Foodgrains production <br> Index numbers of agricultural production <br> Factories and factory employment <br> Total electricity generation and consumption <br> Growth of co-operative socieites <br> No. of Sugar factories \& Sugar production in Maharashtra \& rest of India <br> All-India wholesale price index numbers <br> Consumer price index numbers for industrial workers <br> Consumer Price Index numbers for urban \& rural Maharashtra <br> Population and literacy rate <br> (As per population census) |


| विषय | पुष्ठ क्रमांक Page No. | SUBJECT |
| :---: | :---: | :---: |
| दृष्टिक्षेपात महाराष्ट्र <br> महाराष्ट्राची आणि भारताची तुलनात्मक माहिती <br> भारतातोल राज्यांचे निवडक सामाजिक व आर्थिक निदेशक | 131 <br> 134 <br> 136 | Maharashtra at a glance <br> Maharashtra's comparison with India <br> Selected socio-economic indicators of States in India |
|  |  |  |

भाग दोन - सांख्यिकीय तक्ते
PART II - STATISTICALTABLES

## अनुक्रमणिका/CONTENTS

| विषय | पृष्ठ क्रमांक Page No. | SUBJECT |
| :---: | :---: | :---: |
| 1. ओद्योगिक खोतांनुसार स्थृल राज्यांतर्गत उत्पाद - चाल् किमतीनुस्सर | 'T-1 | Gross State domestic product by industry of origin at current prices |
| 2. ओर्द्यागंगक स्त्रतांनुसार स्थृल राज्यांतर्गत उत्पाद - स्थिर (i९९९-२००c) किमतोनुसार | T-2 | Gross State domestic product by industry of origin at constant (1999-2000) prices |
| 3. ओद्योगिक स्वातांनुसार निव्वळ राज्यांतगंत उत्पाद - चाल् किमतीनुसार | T-3 | Net State domestic product by industry of origin at current prices |
| 4. अद्योंगक स्ञोतांनुसार निव्वळ राज्यांतगंत उत्पाद - स्तिर (३९९९-२०००) किमतींनुसार | T-4 | Net State domestic product by industry of origin at constant (1999-2000) prices |
| 5. औद्यांगिक स्योतांनुसार निब्वळ देशांतर्गत उत्पाद व रष्ट्रीय उत्ताइ - चालृ किभतोनुसार | T-5 | Net National domestic product by industry of origin and National Income at current prices |
| 6. और्योगक स्त्रोतांनुसार निल्बळ देशांतर्गत उत्पाद व रष्ट्रोय उत्पन्न-स्थिर (१९९९-२०००) किमतीनुसार | T-6 | Net National domestic product by industry of origin and National Income at Constant (1999-2000) prices |
| 7. स्यृल/निन्वळ राज्यांतर्गत उत्रादाचे अर्ाणि दरडोई उत्पत्राचे वार्षिक वृद्धिदर | 'T-7 | Annual Growth Rates of Gross/Net State Domestic Product and Per Capita Income |
| 8. स्यूल/निव्वळ जिल्ह्यांतगंत उत्पाद आणि दरड़ोई निव्वळ जिल्हा उत्पन्न | T-8 | Gross/Net District Domestic Product and Per Capita Net District Income |
| 9. म्हाराष्ट्र शासन : दृष्टिक्षेपात अर्थसंकल्प | T-10 | Government of Maharashtra : <br> Budget at a glance |
| 110. महाराष्ट्र शासन अर्थंकल्प : महसुली व भांडवली लेख्यांवरील ज्मेतोल कल | 'T-11 | Government of Maharashtra Budget : Trends in receipts on revenue and capital accounts |
| 111. महाराष्ट्र शासन अर्थसंकल्य : महसुली व भांडबली ल्ख्यांवरोल खर्चांतील कल | 'T-12 | Government of Maharashtra Budget : Trends in expenditure on revenue and capital accounts |
| 1i2. महाराष्ट्र राज्यातील कृषि क्षेत्रावरोल करांपासून महसुली जमा | 'T-14 | Revenue receipts from taxes on agriculture sector in Maharashtra State |
| 113. वर्षभरातोल कर्जे व इतर दायित्वे | T-15 | Borrowings \& Other Liabilities during the year |
| 14. महाराष्ट्र राज्यशासनाच्या अर्थसंकल्पाचे आर्थिक व उं्देशानुसार वर्गीकरण | 'T-16 | Economic and purpose classification of Maharashtra State Government Budget |
| 15. राज्य शासनाची भांडवल निर्मिती व त्यासाठी वित्तीय सहाय्य | T-18 | Capital Formation by State Government and its financing |
| 16. नगरो स्थानिक स्वराज्य संस्थांचे २००६-०७ मधोल उत्पन्न व खर्च | T-19 | Income and Expenditure of urban LSG |
| 17. महाराष्ट्रातील जामिनीच्या वापराची आकडेवारी | T-20 | Land utilisation statistics of Maharashtra |

अनुक्रमणिका - चालू
CONTENTS - contd.

|  | विषय | $\begin{aligned} & \text { पृष्ठ क्रमांक } \\ & \text { Page No. } \end{aligned}$ | SUBJECT |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | महाराष्ट्र राज्यातोल मुख्य पिकांखालील क्षेत्र, पीक उत्पादन आणण दर हेंवटरी उत्पादन | 'T-21 | Area under principal crops, production and yield per hectare in Maharashtra State |
| 19 | महाराष्ट्र राज्यातील कृषष उत्पादनांचे पीकनिहाय निदेशांक | T-24 | Cropwise index numbers of agricultural production in Maharashtra State |
|  | विर्विध स्त्रोतांनुसर महाराष्ट्र राज्यातील | T-26 | Area irrigated by various sources in Maharashtra State |
|  | कृषि गणनांनुसार महाराष्ट्रातील एकृण वहिती खातेदार, वर्वहतीच एकृषण क्षेत्र व सरासरो क्षेत्र | T-27 | Total number, area and average size of operational holdings in Maharashtra according to Agricultural Censuses |
| 92 | राज्यातील फळणकांखालोल क्षेत्र व उत्पादन | T-28 | Area and Production of Horticultural Fruits; in Maharashtra State |
|  | महाराष्ट्र राज्यातोल पशुधन आणिए कोंबड्या त्र | 'T-29 | Livestock and poultry in Maharashtra State |
| 24. | ताती | T-30 | Index numbers of industrial production in Indi.a |
|  | महाराष्ट्र राज्यातोल उद्यांगांच्या महत्वाच्या बाबी | T-31 | Important characteristies of industries in Maharashtra State |
|  | महाराष्ट्रातील निवडक उद्योग गटांतील कारखान्यांची रांजगार आकारवर्गाप्रमाणे टकेंवारी २००४-०५ | T-33 | Percentage distribution of factories by size class of employment in selected industry groups in Maharashtra 2004-05 |
|  | महाराष्ट्रातील निवडक उद्योग गटांतोल कारखान्यांची स्थिर भांडबल आकारवर्गाप्रमाणे टक्केवारी २००४-०५ | T-34 | Percentage distribution of factories by size class of fixed capital in selected industry groups in Maharashtra 2004-05 |
|  | महाराष्ट्र राज्यातील उद्योगांकरिता ढोबळ उद्योग गट समहनुसार महत्वाची गुणांत्तरे | T-36 | Important ratios for broad groups of industry divisions of industries in Maharashtra State |
|  | महाराष्ट्र राज्यातील उद्योगांना विव्तीय संस्थांनी मंजृर केलेले व वितारित केलेले अर्थसहाय्य | T-37 | Financial assistance sanctioned and disbursed by financial institutions to the industries in Maharashtra State |
|  | महाराष्ट्र राज्यातोल | T-38 | Minerals production in Maharashtra State |
|  | महाराष्ट्र राज्यातील वीजपुर | T-39 | Electricity supply in Maharashtra State |
|  | महाराष्ट्र गजज्यातोल रस्त्यांची प्रकारांनुसार लांबो (सावंर्जानक बांधकाम रिभाग व जिल्हा परिषद यांच्या देखभालीखालील) | T-41 | Road length by type of roads in Maharashtra State (Maintained by Public Works Department and Zilla Parishads) |
|  | महाराष्ट्र राज्यातोल वापरात असलेली मोटार | T-42 | Number of motor vehicles in operation in Maharashtra State |
|  | महाराष्ट्र राज्याच्या ग्रामोण, निमनागरो व नागरी/महानगर क्षेत्रांतील सर्व अनुर्सृाचित वार्णिज्यिक बँकांच्या ठेवो व कर्जे | T-43 | Deposits and credits of all scheduled commercial banks in rural, semi-urban and urban / metropolitan areas of Maharashtra State |


| विषय | पृष्ठ क्रभांक <br> Page No． | SUBJECT |
| :---: | :---: | :---: |
| （35 महाराष्ट्र राज्यार्तल सहकारी संस्था（ठळ⿱㇒⿻二亅⿱⿰㇒一乂凵）वैशिष्ट्य） | T－44 | Co－operative societies in Maharashtra State （Salient features） |
| ：36．अंखित्न भारतीय घाऊक किमतीचं निदेशांक | T－46 | All－India Wholesale Price Index numbers |
| （37．ओद्योगगक कामगारांकरिता अखिल भारतीय ग्राहक किमतींचे निद्दांक | T－47 | All－India Consumer Price Index numbers for industrial workers |
| 38．महाराष्ट्र राज्यार्तल निवडक केंद्रांमधील औद्योगिक कामगारांकरिता ग्राहक किमतींचे निर्देशांक | T－48 | Consumer Price Index numbers for industrial workers at selected centres in Maharashtra State |
| 39．नागरो श्रमिकेतर कर्मचा－यांकरिता ग्राहक किमतींचे निर्देशांक | T－50 | Consumer Price Index numbers for urban non－manual employees |
| 40．महाराष्ट्र व अखिल भारतातील शंतमजुरांकरिता व ग्रामोण मजुरांक्रिता ग्राहक किसतींच निर्देशांक | T－50 | Consumer Price Index numbers for agricultural labourers and rural labourers in Maharashtra and All－India |
| 41．महत्वाच्या किमत निदेंशांकावर आधारित चलनवाढोचे दर | T－51 | Inflation rates based on important price indices |
| 42．महाराष्ट्रातील नागरी भागाक्राता ग्रहक किमतीचे गरवार निर्देशांक | T－52 | Groupwise Consumer Price Index Numbers for urban Maharashtra |
| 13．महाराष्ट्रातील ग्रामीण भागार्करता ग्राहक किमतींचे गटवार निदंशांक | T－53 | Groupwise Consumer Price Index Numbers for rural Maharashtra |
| 44．महाराष्ट्रातोल अधकृत शिधावाटप／रास्त भाव दुकानांना देण्यात आलेला तांदूळ व गहू | T－54 | Quantity of rice and wheat issued to authorised ration／fair price shops in Maharashtra |
| 45．भारत सरकारकड्न महाराष्ट्र राज्याला मिळालेले नियतन | T－54 | Allotment by Government of India to Maharashtra State |
| 46．महाराष्ट्राची व भारताची लोकसंख्या | T－55 | Population of Maharashtra and India |
| 17．महाराष्ट्रातील ग्रामीण अणि नागरी लोकसंख्या | T－55 | Reural and urban population in Maharashtra |
| 48．महाराष्ट्र राज्याचे नमुना नोंदणी पाहणीवर आर्धारित जन्मदर，मृत्युदर，बालमृत्यू दर व एकूण जननदर | T－56 | Birth rates，death rates，infant mortality rates and total fertility rates based on sample registration Scheme，Maharashtra state |
| 49．काम करणा－या लोकांचो जनगणना २००१ अनुसार आर्थिक वर्गवारी | T－57 | Economic classification of workers as per population census， 2001 |
| 50．महाराष्ट्र राज्यातील प्रमुख उद्योग गटांनुसार कारखान्यांतोल रोजगार | T－58 | Factory employment in major industry divisions in Maharashtra State |
| 51．महाराष्ट्र राज्यातील चाल़ कारखाने व त्यांतोल रोजगार | T－59 | Working factories and factory employment in MaharashtraState |
| 52．महाराष्ट्र राज्यातोल विविध उद्योगांतील रोजगार | T－61 | Employment in different industries in Maharashtra State |


| विषय | पृष्ठ क्रभांक Page No. | SUBIICT |
| :---: | :---: | :---: |
| 53. राज्यातील रोजगार व स्वयंरोजगार मार्गदशंन केंद्रांमध्यें नोंदणी झालेल्या व्यर्कीची संख्या, अधिसूचित केलेली रिक्त पदे व भरलेली पदे | T-62 | Registrations in the Employment and SelffEmployment guidance centres in the State, the vacancies notified and placements effected |
| 54. रांजाग व स्वयंरोजगार मागंदशंन केंद्राच्या चालू नौंदवहीत डिसेंबर, २००७ अखेर असलेल्या ब्थक्तींची संख्या | T-63 | Number of persons on the live register of Employment and Self-employment guidance centres as at the end of December, 2007 |
| 55. रांजगार हमी योजनेखाली महाराष्ट्र राज्यात घेण्यात आलेलो प्रकारानुसार कामे व त्यावरोल खर्च | T-64 | Categorywise number of works and expenditure incurred thereon under the Employment Guarantee Scheme in Maharashtra State |
| 56. महाराष्ट्र राज्यात राबविण्यात येणा-या केंद्रपुरस्कृत रोजगार कार्यक्रमांची प्रगती | T-65 | Performance of Centrally sponsored employment programmes implemented in Maharashtra State |
| 57. महाराष्ट्र राज्यातील औद्योगिक विव | T-66 | Industrial disputes in Maharashtra State |
| 58. महाराष्ट्रातील शैक्षण | T-67 | Progress of education in Maharashtra |
| 59. राज्यातील वर्ष $2000.0 \ell$ मधील आरोग्य विज्ञान, परिधर्या महाविद्यालये / संस्थांचो संख्या व त्यांची प्रवेशक्षमता | T-68 | Number of Health Science, Nursing colleges / institutions in the State and their intake capacity for the year 2007-08 |
| 60. राज्यातोल वर्ष २००७-०८ मधील तंत्र, कला शिक्षणाची महाविद्यालये / संस्थांची संख्या, त्यांची प्रवेशक्षमता ब प्रवश दिलेले विद्याथी | T-69 | Number of Technical Art colleges / institutions in the State, their intake capacity and admitted Students for the year 2007-08 |
| 61. महाराष्ट्र राज्यातील उपलब्ध वैद्यकीय सुविधा (सार्वर्जनिक आणि शासन सहाय्यित) | T-71 | Medical facilities available in Maharashtra <br> State (Public and Government aided) |
| 62. उपभोग्य वस्तूंच्या गटांनुसार दरडोड़ मासिक खर्च (द. मा.ख.) | T-72 | Monthly per capita expenditure (MPCE) by group of items of consumption |
| 63. दरडोई मासिक खर्चाच्या वर्गानुसार लोकसंख्येधी टफ्केषारी | T-74 | Percentage distirbution of population according to monthly per capita expenditure class |
| 64. दृष्टिक्षेपात आर्थिक गणना १९९८ आणि २००५ | T-75 | Economic Census 1998 and 2005 at a glance |
| 65. प्रमुख उद्योग गटांनुसार उपक्रमांची आणि कामगारांची संख्या (आर्थिक गणना २००५) | T-76 | Number of enterprises and persons usually working according to major industry groups (Economic Census 2005) |

## भाग एक <br> पाहणी

## PART I <br> SURVEY

## समग्र आढावा

## देशातील आर्थिक स्थिती

## राष्ट्रीय उत्पत्र


१. 9 केंद्रीय सांख्यिकी संघटनेच्या पुवांनुमानानुसार देशाची अर्थव्यवस्था २०o७-०८ मध्ये (९९९९-२००० च्या स्थिर किमतीनुसार) ८.७ टक्क्यांनी वाढेल असे अर्पेक्षित आहे. अर्थन्मवस्थेतील ही वाढ २००६-०७ व २००५-०६ मध्ये अनुक्रमे ९.६ टक्के व $९ . ४$ टक्के अशी होती. देशाची अर्थव्यवस्था दहाव्या पंचवार्षिक योजनेच्या काळात आतापयंत सवर्वाधिक म्ठणजे सरासरी ७.८ टक्के इतक्या दराने वाढली. स्थूल देशांतंत्गत उत्पादाचे क्षेत्रन्रनाय वृद्धिदर २००७-०८ मध्ये प्राथमिक क्षेत्रासाठी २.७ टक्के, द्वितीय क्षेत्रासाठी ९.४ टक्के आणि सेवा क्षेत्रासाठी १०.७ टक्के इतके अंदाजित आहेत. २००६-०७ साठी चालू किमर्तीनुसार स्थूल देशांतर्गत उत्पाद ३७,९०,०६३ कोटी रुपये आणि निब्वळ राष्ट्रीय उत्पाद (म्हणजेच राष्ट्रीय उत्पन्न) ३३,३५,८१७ कोटी रुपये इतके अंदाजित करण्यात आले आहे. २००६-o७ मधील दरडोईे राष्ट्रीय उत्पन्न २९,६૪२ रुपये इतके अंदाजित असून ते आधीच्या वर्षोच्या तुलनेत १४.२ टक्क्यांनी जास्त असेल.

## मोसमी पाऊस-२००७

२.२ नैऋत्य मोसमी पाऊस जून-सप्टेंबर, २००७ या वर्षात संपूर्ण देशात दोधंकालीन सरासरोपेक्षा ५ टक्के जास्त पडला. दक्षिण द्विपकल्यात सर्वाधिक (सरासरीपेक्षा २६ टक्के जास्त) पाऊस पडला, तर त्या खालोखाल मध्य भारतात (८ टक्के) आणि इंशान्य भारतात (४ टक्के) सरासरोपेक्षा जास्त पाऊस पडला. वायव्य भारतात सरासरीपेक्षा २५ टक्के कमी पाऊस पडला. देशातील हवामानशास्र्वविषयक ५३३ जिल्य्यांपेकी ३२ टक्के जिल्द्यांत सरासरीपेक्षा अधिक, ४० टक्के जिल्द्यांत सरासरी एवढा, २४ टक्के जिल्द्यांत सरासरीपेक्षा कमी पाऊस पडला, तर उर्वरित $\gamma$ टक्के जिल्द्यांत अपुरा पाऊस पडला. संपूर्ण मोसमामध्ये देशात पडलेला पाऊस सर्व कालावधीसाठी एकसारखा न्ठता आणि त्यामुळे संबंधित दीर्घकालीन सरासरीशी लक्षणीय प्रमाणात फरक दर्शविणारा होता. १क्टोबर ते ३२ डिसेंबर, २००७ या कालावधीत पडलेला मोसमोत्तर पाऊस देशातील $९$ हवामानशास्त्र विषयक उपविभागांत सरासरीएवढा ते सरासरीपेक्षा अधिक होता, तर उउर्वरित २७ उपविभागांत तो सरासरीपेक्षा कमी/अपुरा होता.

## कृषि उत्पादन

२.३ देशातील २००७-०८ मधील अन्रधान्यांचे उत्पादन २१९.३ दशलक्ष टन अर्पेक्षित असून ते २००६-०७ मधोल २श७.३ दशलक्ष टन उत्पादनाच्या तुलनेत किंचीतसे ( 0.9 टक्के) जास्त असेल असा अंदाज आहे. तृणधान्याचे उत्पादन २००६-०७ मधील २०३.१ दशलक्ष टनांच्या तुलनेत २०५ दशलक्ष टन होण्याचे अपेक्षित आहे. मात्र, गक्काच्या उत्पादनात $१$ दशलक्ष टनांची घट अपेक्षित असून ते ७४.८ दशलक्ष टन होइल असा अंदाज आहे. तेलबियांचे उत्पादन २७.२ दशलक्ष टन इतके अपेक्षित असून ते गेल्या वर्षोच्या २४.३ दशलक्ष टनांच्या तुलनेत १२ टक्क्यांनी जास्त असेल असा अंदाज आहे. कापसाचे उत्पादन २२.६ दशलक्ष गासड्यांवरुन वादृन २००७-०८ मध्ये २३.४ दशलक्ष गासड्या असेल असे अंदाजित आहे. मात्र, उसाच्या उत्पादनात आधीच्या वर्षातोल ३५५ दशलक्ष टनांच्या तुलनेत घट अपेक्षित असून २००७-०८ या वर्षात ते ३४० दशलक्ष टन होईल असा अंदाज आहे.

## औद्योगिक उत्पादन

१.र अखिल भारतीय औद्यागिक उत्पादनाचा निदेशांक (पायाभृत वर्ष २९९३-९૪), २००७-०८ मधील एप्रिल ते डिसेंबर, २००७ या कालावधीकरिता २६३.४ होता व तो आधीच्या वर्षोच्या तत्सम कालावधीतील निर्देशांकापेक्षा ९ टक्क्ष्यांनी जास्त होता. दहाव्या पंचवार्षिक योजनेच्या कालावधीत अर्थ व्यवस्थेमध्ये झालेल्या वाढीचे विशेष म्हणजे वस्तुनिम्माण क्षेत्रातील भरपाई करणारी वाढ होय. वस्तुनिमाण क्षेत्रत नवव्या पंचवार्षिक योजनेच्या काळातील ३.३ टक्के वाढोच्या तुलनेत दहाव्या पंचवार्षिक योजनेच्या काळात ८.द टक्के इतकी मोठी वाढ झाली. मात्र, चालू वषांच्या पहिल्या आठ महिन्यांत नोकेंबर, २००७ पर्यंत औद्योगिक क्षंत्राच्या वृद्धित माफक घसरण दिसून आली. वस्तुनिम्माण क्षेत्रातील २००६-०७ मधील १२.५ टक्के वाढीच्या तुलनेत एप्रिल ते नोव्हेंबर, २००७ या कालावधीत ९.८ टक्के इतकी कमी वाढ अंदाजित आहे.

## सेवा क्षेत्र

१.4. स्यूल देशांतर्गत उत्पादात सुमारे ५६ टक्के वाटा असणा-या सेवा क्षेत्राचा वृद्धिदर २००६-०७ मधील ११.१ टक्क्यांच्या तुलनेत २००७-०८ मध्ये $२ 0 . \vartheta$ टक्के इतका अपेक्षित आहे. संपर्क क्षेत्रतील भरीव प्रग्गति आणि वाहतृक क्षेत्रातील मोठी वाढ या दोन बार्बोनी सेवा क्षेत्रातील वाढीत

महत्व्वाची भूमिका बजावली आहं. दहाव्या पंचवार्षिक योजनेच्या कालावधीत वस्तुनिमांण क्षेत्राव्यतिरिक दळणवळण आणि बांधकाम या दोन क्षेत्रांचा देशांतगंत स्थृल उत्पादातील मोठ्या वाढीमध्ये महत्त्वाचा सहभाग होता.

## लोकवित्त

२.६ केंद्र सरकारच्या वित्तीय तुटीप्या स्थूल देशांतर्गत उत्पादाशी असलेल्या प्रमाणात घट होऊन ते $200 \mathrm{o} \circ \mathrm{C}$ (सु.अं.) मधील ३.२ टक्क्यांच्या तुलनेत २००८-०९ (अ.अं.) मध्ये २.५ टक्के होईल असा अंदाज आहे. महसुली तुटीच्या स्थूल देशांतर्गत उत्पादाशी असलेल्या प्रमाणात देखील २००८-०९ (अ.अं.) मध्ये घट होऊन ते २००७-०८ च्या २.४ टक्क्यांच्या तुलनेत २.० टक्के इतके कमी होईल असा अंदाज आहे. कराचे स्थूल देशांतर्गंत उत्पादाशी असलेले प्रमाण २००८-०९ मध्ये १३ टक्क्यांग्यंत्य वाढण्याचे अपेक्षित आहे.

## आयात-निर्यात

२.७ देशाच्या निर्यातीत २००७-०८ च्या पहिल्या नऊ महिन्यांत (एर्प्रल ते डिसेंबर) आधोच्या वर्षोच्या तत्सम कालावधीतील निर्यातीच्या तुलनंत २१.६ टक्क्यांनी वाढ झाली असून सदर निर्यात १,१०,९६५ दशलक्ष अर्मोरकन डॉलर इतकी अंदाजित आहे. याच कालावधीतोल अंदाजित आयात १,६८,८०३ दशलक्ष अर्मेरकन डॉलर होती व तो २५.९ टक्क्यांनी जास्त होती. एप्रिल ते डिसेंबर, २००७ या कालादधीतील विदेशी व्यापारतील अंदारजित तूट ५७,८३८ दशलक्ष अमेरिकन डॉलर होती. मार्च, २००७ अबेर भारतीय रिझर्द्र बँकेकडे विदेशी चलनाचा साठा १९९९,९२४ दशलक्ष अर्मोरकन डॉलर इतका होता, तर ८ फेन्रुवारी, २००८ अखेर तो २,८२,२८३ दशलक्ष अरेंरिकन डॉलर इतका झाला. एप्रिल ते डिसेंबर, २००७ या कालावधीतील सरासरी विनिमय दर ४०.४१ रुपये प्रति अमेंरिकन डॉलर होता.

## आंतरराष्ट्रीय व्यवहार शेष

१.. आंतरराष्ट्रोय बाजारात पंट्रोलियम पदार्थ आणि सोन्याच्या किमतोत झालेल्या वाढोमुळे देशाच्या व्यापारी तुटीत आणि परिणामी चालू खात्यातील तुटोमध्ये वाढ झाली. २००६-०७ मध्ये आंतरराष्ट्रीय व्यवहार शेषाच्या आधारे देशाच्या निर्यांत व आयातीचे स्थूल देशांतर्गंत उत्पादाशी असलेले प्रमाण अनुक्रमें २४ टक्के व २०.९ टक्के इतके होते. त्यामुळे व्यापार तुटीचे स्थूल देशांतर्गंत उत्पादाशी प्रमाण ६.९ टक्के इतके राहिले. तथापि, मोठ्या प्रमाणावरोल अदृष्य आधिक्यामुळे (विशेषतः खाजगी हस्तांतरणापासृनच्या जमा) चालू खात्यावरील तुटीचे स्थूल देशांतर्गंत उत्पादाशी असलेले प्रमाण १.१टक्के इतके राहिले. चालू वर्षाच्या पहिल्या सहामाहीत (एप्रिल-सप्टेंबर) चालू खात्यातील तूट २०.७ अब्ज अमेरिकन डॉलर इतकी अर्पोक्षत असून, ती स्थूल देशांतर्गंत उत्पादाच्या २ टक्के इतकी असेल. मात्र, विदेशी गुंतवणूकीतोल मोठ्या प्रमाणावरील वाढ (२२.२ अब्ज अमेरिकन डॉलर) आणि व्यापारी कर्जातील वाढीमुळे २००७-०८ मधील पहिल्या सहामाहोतोल निव्वळ भांडवली आवक $4 . . १$ अब्ज अमेरिकन डॉलर इतकी होती. याशिवाय, आंतरराष्ट्रीय चलनांच्या तुलनेत रुपया बळकट झाला

असल्यानं अंतरराष्ट्रीय व्यवहार शेषात ४८.६ अब्ज अर्मिरन डॉलर एवढे आधिक्य राहिले.

## चलन पुरवठा

१. 9 चलरविषयक बदल दर्शववणा-या ढोबळ चलन पुरवठ्यातील $\left(\mathrm{M}_{3}\right)$ वर्ष ते वर्ष स्थितीच्या आधारे चालू वर्षातील वाढ $\gamma$ जानेवारी, २००८ रोजी २२.૪ टक्के होती. ही वाढ आधीच्या वर्षीच्या तन्सम दिवशीच्या २०.८ टक्के वाढीपेक्षा जास्त होतो. ढोबळ चलन पुरवठ्यातील २००७-०८ या वर्षातील वाढ निर्धारित वाढोपेक्षा जास्त होती. चालू आर्थिक वष्षांतील, व्यापारी क्षेत्रातील पतपुरवठ्यातील वाढीत ५ जानेवारी, २००७ रोजीच्या २८ टक्क्यांच्या तुलनेत ४ जानेवारी, २००८ रोजोपयंत २०.२ टक्क्स्यापयंत घसरण झाली. चलन पुरवठ्याच्या विविध घटकांपैकी जनतेकडील चलनातील वाढीचा वेष्ष ते वर्ष स्थितीच्या आधारे वेग $२ 00 ७-\circ ८$ मध्ये $\gamma$ जानेवर्राऱ, २००८ पर्यंत $२ ५ . १$ टक्के होता आणि तो ५ जानेवारी, २००७ रोजोच्यम ३६.८ टक्के वाढीच्या वेगाच्या तुलनेत किंचितसा कमी होता.

## किंमर्तीविषयक स्थिती

१.90 चालू वषांत घाऊक किमतींच्या निदेदेशांकावई आधारित असलेला बिंदू ते बिंदू चलनवाढीचा दर १९ जानेवारी, २००८ रोजी ३.९ टक्के होता. चलनवाढीचा हा वेग आर्धाच्या वर्षाच्या तत्सम आठवड्यातील ६.३ टक्क्यांच्चा तुलनेत ख़प खाली आला होता. प्रार्थमक वस्तूच्या चलनवाढीच्या दरामध्ये मोठ्या प्रमाणात घसरण होंऊन तो गेल्या वर्षोच्या ९०.२ टक्क्यांच्या तुलनेत ३८ जानेवारी, २००८ रोजी ३.८ टक्के इतका कमी झाला. त्याचप्रमाणे, घाऊक किमत निर्देशांकाच्या ‘इंधन, उजां, दिवाबत्ती व वंगण’ आणि ‘वस्त्तुनिमाण उत्पादने’ या दोन घटकांच्या वार्षिक चलनवाढीतही २००७-०८ या वर्षातघसरण झाली. २८ जानेवारी, २०१८र रांजी नोंद्दविलेला ५२ आठवड्यांचा सरासरी चलनवाढीचा वेग ४.६ टक्के होता, तर ९९ जानेवारी, २००७ रोजी संपलेल्या ५२ आठवड्यांसाठी हा वेग ४.९ टक्के होता.
१. 29 औद्योगिक कामगारांसाठीच्या अखिल भारतीय ग्राहक किमिती निर्देशांकावर आधारित चलनवाढीचा वेग २००५-८६ मध्ये ४.४ टक्के होता, तो २००६-०७ मध्ये ६.७ टक्के इतका झाला. चालू आर्थिक वर्षात हा वेग एप्रिल, २००७ मध्ये ६.७ टक्के होता. त्यात वाढ होऊन तो ऑगस्ट, २००७ मध्ये ७.३ टक्के झाला. त्यानंतर त्यात घसरण होऊन डिसेंबर, २००७ मध्ये तो ५.५ टक्के झाला. एप्रिल ते डिसेंबर, २००७ या कालावधीतील चलनवाढीचा वेग ६.२ टक्के होता.

## महाराष्ट्र राज्याची आर्थिक स्थिती

## स्थूल राज्य उत्पत्र


१.१२ पूर्वानुमानानुसार, २००७-०८ मध्ये स्थिर (३९९९-२०००) किमतींनुसार महाराष्ट्राच्या स्थूल राज्य उत्पदात ९.० टक्के दराने वाढ अपेक्षित आहे. स्थूल राज्य उत्पादाचे क्षेत्रनिहाय वृद्धिदर, प्रार्थमिक क्षेत्रासाठी $५ . ७$ टक्के, द्वितीय क्षेत्रासाठी १०.४ टक्के व तृतीय क्षेत्रासाठी ९.१ टक्के

इतके अपेंक्षित आहेत. महाराष्ट्राचे स्थृल राज्य उत्पाद स्थिर (१९९९-२०००) किंमर्तीनुसार २००६-०७ साठी ३,७६,७८३ कोटी रुपये इतके अंदाजित करण्यात आले असून ते २००५-०६ मध्ये ३,४३,५०२ कोटी रुपये होते. चालू किंमत्तोंनुसार २००६-०७ साठी राज्याचे स्थूल राज्य उत्पाद ५,०९,३५६ कोटी रुपये इतके अंदाजित करण्यात आले असून ते आधीच्या वर्षीच्या ૪,३८,०५८ कोटी रुपयांच्या तुलनेत ३६,३ टक्क्यांनी अधिक आहे.

## राज्य उत्पन्न

१.१३ प्रारंभिक अंदाजानुसार, २००६-०७ साठी चातू किममतीनुसार महाराष्ट्रातील राज्य उत्पन्न (निब्बळ राज्य उत्पाद) $૪$,३७,०३५ कोटी रुपये आणि दरडोई राज्य उत्पत्न $४ १, ३ ३ २$ रुपये आहे. स्थिर (२९९९-२०००) किमतींनुसार २००६-०७ मधील राज्य उत्पन्न ३,२५,२४८ कोटी रुपये आणि दरडोई राज्य उत्पन्न ३०,७५० रुपये इतके अंदाजित आहे.

## लोकवित्त

२.२४ राज्य शासनाची २००२-०३ मधोल महसुली जमा ३२,१०३ कांटो रुपयांवरुन वादृन २००६-०७ मध्ये ६०,२६७ कांटी रुपये झाली. दहाव्या पंचवार्षिक योजनंच्या कालावधीत राज्य शासनाची महसुली जमा जवळजवळ दुप्टीने वाढली. कर व करेतर महसुलात सारख्याच गतीने वाढ झाली. अर्थेसंकल्पीय अंदाज २००७-०८ अनुसार, राज्य शासनाची महसुली जमा २००६-o७ मधील ६०,२६७ कोटी रुपयांवरून १३.३ टक्क्यांनो वाढृन $६ ८, २ ९ ९$ कोटी रुपये होईल असे अंदाजित आहे. शासनाच्या कर महसुलात सुध्दा १४.३ टक्क्यांची वाढ अपेक्षित असून तो २००६-०७ मधील ४६,३४७ कोटी रुपयांवरुन वाढृन २००७-०८ मध्ये ५३,००२ कोटी रुपये होईल असे अर्पेक्षित आहे. चालू वर्षाच्या पहिल्या नऊ महिन्यांतील कर महसुलातील जमा अर्थंसक्लीय अंदाजाच्या ६८.८ टक्के (३६,४५८ कोटो रुपये) होती. राज्य शासनाची कर्जे २००६-०'७ मधील १,३४,४९३ कोटी रुपयांवरून वाढून २००७-०८ मध्ये १,४४,३२५ कोटी रुपये इतकी होतील असे अपेक्षित आहेत.
१.94 दहाव्या पंचवार्षिक योजनेच्या कालावधीत शासनाचा महसुली खर्च $४ ०, \gamma ७ ४$ कोटी रुपयांवरुन वाढून द३,४६० कोटी रुपये झाला व २००७-०८ मध्ये तो ६७,७८८ कोटी रुपये अपेक्षित आहे. शासनाचा एकूण खर्चातील योजनांतगंत खर्चांचा वाटा २००२-०३ मधील ८.४ टक्क्यांवरून घादून २००७-०८ मध्ये २४.३ टक्के होईल असे अंदाजित आहे. आस्थापनावरोल खर्च नियंत्रित करण्यात शासनाला यश आले असून या बर्चाचे महसुली जमेशी असलेल्या प्रमाणात घट होऊन ते २००२-०३ मधील ५९. ४ टक्क्यांबरून २००७-०८ मध्ये ૪२.७ टक्क्यांपर्यंत खाली येंइल असे अर्पेक्षत आहे.
१. $3 ६$ राज्य शासनाची महसुली व वित्तीय तूटीचे स्थूल राज्य उत्वादाशी असणारे प्रमाण २००३-०४ मध्ये सवांत जास्त म्ठणजे अनुक्रमे २.४ टक्के आणि ५.३ टक्के होते. राज्याने केलेल्या ‘राजकोषिय उत्तरदायित्व आणि अभंसंकल्प व्यवस्थापन अधिनयमाच्या' अंमलबजावणीमुले महसुलीववित्तीय

तूट कमोकरण्यास शासनाला मदत झाली आहे. राज्याच्या २००७-०८ च्या अर्थसंकल्पिय अंदाजानुसार $4 \geqslant ?$ कोटोरुपयांचे (स्थूल्ल राज्य उत्पादाच्या $0 . ?$ टक्के) महसूली आधिक्य अपेक्षित असून वित्तीय तूट २००६-०७ मधील १५,६२० कोटी रुपयांवरुन (स्थूल राज्य उत्पादाच्या ३.२टक्के) कमी होऊन २००७-०८ मध्ये २१,३५८ कोटी रुपये (स्थूल राज्य उत्पादाच्या १.९टक्क) इतकी होणे अपेक्षित आहे,

## मोसमी पाऊस २००७

१.२७ राज्यात नैत्रत्य मोसमी पावसाचे अगमन सहा दिवस उशिरा म्हणजे $१ ३$ जून, २००७ रोजी झाले. जून, जुलै, ऑगस्ट, सप्टेंकर आण ऑक्टोबर, २००७ या महिन्यात सरासरी पावसाच्या अनुक्रमे १४८ टक्के, ८९ टक्के, ११९ टक्के, १९५ टक्के व ३५ टक्के इतका पाऊस झाला. २००७ च्या मौसमात राज्यात एकंदरीत सरासरोपेक्षा ९ टक्के जास्त पाऊस पडला. फक्त नांदेड या एका जिल्हात सरासरीपेक्षा अपुरा (७३ टक्के) पाऊस पडला. धुळे, नंदुरबार, पुणे, सातारा, अमरावती व वर्धा या सहा जिल्द्यांमधें सरासरीच्या १२० टक्क्यांपेक्षा जास्त पाऊस पडला.

## कृषि उत्पादन

२.८८ राज्यात अत्रधान्याचे उत्पादन २००७-०८ मध्ये २५२.८५ लाख मे.टन अपेक्षित असून ते २००६-०७ मधील उत्पादनाव्या तुलनेत सुमारे २० टक्क्यांनी जास्त असेल. कापसाचे (रुई) उत्पादन ५८.२५ लाख गासङ्या अपोक्षित असून, ते आधीच्या वर्षाच्या तुलनंत २६ टक्क्यांनी जास्त असेल. तेलबियांच्या उत्पादनात ३२ टक्के एवढी भरीव वाढ अपेक्षित असून ते ४७.०८ लाख टन होइल असा अंदाज आहे. उसाच्या उत्पादनात देखोल मोठी वाढ अपेक्षित असृन, ते आधीच्या वर्षाच्या तुलनेत २२ टक्क्यांनी जास्त म्हणजे ८०६ लाख टन होईल असा अंदाज आहे.

## दुग्ध उत्पादन

१.9९ राज्यातील दुध उत्पादन २००७-०८ मध्ये ७२ लाख मे. टन अपेक्षित असून ते आधीच्या वर्षापेक्षा ३ टक्क्यांनी अधिक असेल. राज्यातील (बृहन्मुंबई वगळ्नू) शासकीय व सहकारी दुग्धशाळांचे दूध संकलन २००७-०८ मध्ये (नोक्केंबर, २००७ अखेरपर्यंत) सरासरी प्रतिदिन ४४ लाख लिटर होते. तर २००६-०७ मध्ये ते $४ ५$ लाख लिटर होते.

## मत्स्योत्पादन

१.२० राज्यातील सागरी क्षेत्रातील व गोड्या पाण्यातील मत्स्योत्पादन २००७-०८ मध्ये डिसेंबर, २००७ अखेरपर्यंत अनुक्रमे ३.२६ लाख मे. टन आर्णण ०.९७ लाख मे. टन होईल असा अंदाज आहे. राज्यातील २००६-०७ मधील हेच मत्स्योत्पादन अनुक्रमें $\gamma . ६$ लाख मे. टन व १.३ लाख मे. टन होते. राज्यातील सागरी व गोड्या पाण्यातील मत्स्योत्पादनाचे एकत्रित स्सूल मूल्य २००६-०७ व २००७-०८ (डिसेंबर, २००७ पर्यंत) मध्ये अनुक्रमे २,०४५ कोटी रुपये व १,४६५ कोटी रुपये होते.

## नवीन गुंतवणूक प्रस्ताव

१.२१ उदारीकरणाचे धारण अवलंबिल्यापासून जुलै, २००७ पर्यंत २५.६० लाख रोजगार क्षमतेसह ४,३७,०७८ कोटी रुपये गुंतवणुकीचे १४,१९३ औद्योगिक प्रकल्प महाराष्ट्रात उभारण्यासाठी भारत सरकारकडे नोंदणी करण्यात आले आहेत. यापैकी जुलै, २००७ अखेर १,०१,५४७ कोटी रुपयें गुंतवणुकीच्या ६,४९९ प्रकल्पांनी प्रत्यक्षात उत्पादन सुरू केले असून त्यात सुमारे ६.४१ लाख रोजगार निर्माण झाला आहे.

## विदेशी थेट गुंतवणूक

१.२२ उदारीकरणाचे धोरण अवलंबिल्यापासून जुलै, २००७ पर्यंत, विदेशी थेट गुंतवणुकीअंतर्गत महाराष्ट्र राज्यात उद्योग स्थापन करण्यासाठो ज०,८५६ कोटी रुपये गुंतवणुकीचे ३,९८२ प्रकल्प भारत सरकारने मंजूर केले आहेत. या मंजूर प्रकल्पांपैकी जुलै, २००७ पर्यंत ३९,१२२ कोटो रुपये (५५ टक्के) गुंतवणुकीचे १,६२३ प्रकल्प (४१ टक्के) कार्यान्वित झाले आहेत विदेशी थेट गुंतवणुकीखाली देशातील एकूण प्रस्तावित गुंतवणुकीमध्यं महाराष्ट्र राज्य सातत्याने प्रथम स्थानावर राहिलेले आहे. विदेशी थेट गुंतवणुकीस मान्यता मिळालेले प्रकल्प प्रामुख्याने सेवा (२४ टक्के), माहिती तंत्रज्ञान (२१ टक्के), पायाभृत सेवा (२२ टक्के) आणि ऑटोमोबाईल (१० टक्के) या क्षेत्रातोल आहेत.

## औद्योगिक उत्पादन

१.२३ राज्यातील औद्योगिक उत्पादनात (वस्तुनिर्माण) २००७-०८ या वर्षातील पहिल्या नऊ महिन्यांमध्ये ९.६ टक्के दराने वाढ होईल असे अनुमानित आहे. आधीच्या वर्षो म्हणजे २००६-०७ मध्ये ही वाढ ९ टक्के होती.

## माहिती व तंत्रजान

१.२४ सिडको व महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळ यांच्या सहकार्याने महाराष्ट्र शासन राज्यातील निरानिराळया भागांत सार्वजनिक माहिती तंत्रज्ञान उद्याने विकसित करीत आहे. या अंतर्गत ३३ शासकीय/ सार्वजनिक व २४५ खाजगी माहिती तंत्रज्ञान उद्याने उभारली जात आहेत. १५,00५ कोटी रुपये खाजगी गुंतवणूक असणा-या या माहिती तंत्रज्ञान उद्यानातून ११.५४ लाख इतक्या रोजगाराच्या संधी उपलब्ध होणार आहेत.

## औद्योगिक संबंध

१.२५ कारखान्यांतील संप व टाळेबंदीमुले २००६ या वर्षात झालेल्या काम स्थ्थगत्यांची संख्या २३ होती व तो कमी होऊन २००७ मध्ये २२ झाली. २००७ मध्ये काम स्थगित्यांमुळं, (आधीपासून चालू असलेल्या काम स्थगित्यांसह) वाया गेलेले मनुष्यदिवस ९.५५ लाख होते व ते २००६ मधील वाया गेलेल्या १०.८५ लाख मनुष्यदिवसांच्या तुलनेत कमी होते.

## खनिज उत्पादन

१.२६ राज्यातील खनिज उत्पादनक्षम क्षेत्र ५८ हजार चौरस कि.मी. (राज्याच्या एकृण भौगोलिक क्षेत्रफळाच्या १९ टक्के) आहे. राज्यातील

उत्पादित खानिजांचे एकृण मूल्य २००६-०७ मध्ये ४,३८३ कोटी रुपये होते व त्यामध्ये कोळशाचा वाटा जवळपास ८० टक्के (३,३३५ कोटी रुपये) होता.

## किमतींविषयक स्थिती

१.२७ राज्यातील नागरी व ग्रामीण क्षेत्रांसाठी स्वतंत्रपणे तयार करण्यात यंणा-या ग्राहक किमतींच्या निर्देशांकांनुसार एप्रिल ते डिसेंबर, २००७ ह्या कालावधोतील राज्यातील नागरी भागातील ग्राहक किमतीचा निर्देशांक ७.८ टक्क्यांनी वाढला, तर ग्रामीण भागात ही वाढ १०.५ टक्के इतकी होती.

## सार्वजनिक वितरण व्यवस्था

१.२८ लक्ष्यनिर्धारित सार्वजनिक वितरण व्यवस्थेअंतर्गत, २००७-৩८ मध्ये, डिसेंबर, २००७ अखेरपर्यंत दारिद्रघ रेषेखालील कुटुंबांकडून (अं.अ.यो. वगळून) तांदूळ आणि गव्हाच्या उचलीचे एकूण नियतनाशी प्रमाण अनुक्रमे $७ ९$ टक्के आणि ८९ टक्के इतके होते. त्याचप्रमाणे, अंत्योदय अन्न योजनेअंतर्गत डिसेंबर, २००७ अखेरपर्यत हे प्रमाण अनुक्रमे ८१ टक्के व ८५ टक्के इतके होते.

## बीज निर्मिती

१.२९ महाराष्ट्रातोल विद्युत् निर्मितोची बंदस्त व अपारंपरिक ऊर्जा स्त्रांतासह स्थापित क्षमता मार्च, २००७ अखेर, १५, ४५३ मे. वॅट होती. याशिवाय, एनटीपीसी/एनपीसी मधील राज्याचा हिस्सा विचारात घेता महाराष्ट्रासाठीची एकुण उपलब्ध क्षमता १७,१८૪ मे. वॅट इतकी होती. २००७-०८ मध्ये डिसेंबर, २००७ अखेरेर्यंत महार्नार्मितीतफे त्यामध्ये काहीही भर टाकलंली नाही. २००७-०८ मध्ये डिसेंबर, २००७ अखेरपर्यंत राज्यात विजेची निर्मिती ५२,०४० दशलक्ष किलोवेट तास झाली व ती आधीच्या वर्षाच्या तत्सम कालावधीतील निर्मितीपेक्षा ३. $૪$ टक्क्यांनी जास्त होती. २००७-०८ मध्ये डिसेंबर अखेरार्यंत २७,૪८९ मे. वँट विजेची अत्युच्च मागणी़ी १ डिसेंबर, २००७ रोजी नोंदविण्यात आली आणि ही मागणी ४,६१८ मे. वॅट विजेचे भारनियमन करुन भागविण्यात आली. राज्यात विजेचा तुटवडा भासत असल्यामुळे भारनियमन ही नित्याची बाब झाली आहे. २००६-०७ मध्ये शासन मालकीच्या कंपन्यांच्या विजेच्या पारेषण व वितरणातील हानी अनुक्रमे ५.५ टक्के व २९.५ टक्के इतकी होती. अकराव्या पंचवार्षिक योजनेमध्ये महानिर्मिती कंपनी व केंद्रीय प्रकल्पांकडून स्थापित क्षमतेत अनुक्रमे ६,६५७ मे. वॅट व १०,२४९ मे. वॅट इतकी वाढ अपेक्षित आहे. खाजगी सार्वजनिक सहभागाचा एक भाग म्हणून राज्य शासनाने $८$ खाजगी कंपन्यांशी १२,५०० मे. वॅट इतक्या क्षमतावाढीचे सामंजस्य करार केले आहेत.

## परिवहन व दळणवळण

१.३० मार्च, २००७ अखेर राज्यातील सार्वजनिक बांधकाम विभाग व जिल्हा परिषदा यांच्या देखभालीखालील रस्त्यांची एकूण लांबी २.३४ लाख कि.मी. होतो. राज्यातील लोहमागांची एकूण लांबो मार्च, २००७ अखेर $५, ९ \circ २$ कि.मी. होती व ती देशातील एकूण लोहमागांच्या लांबीच्या (६४, ०६८

कि.मी.) ९.२ टक्के होती. रस्यावरील मोटारवाहनांची राज्यातील संख्या १ जानेवारो, २००८ रोजो १३०.३ लाख होती. मार्च, २००७ अखेर राज्यातील टपाल कार्यालयांची संख्या १२,५९९ होती. त्यापैकी ११,३१५ टपाल कार्यालये ग्रामीण भागात, तर १,२८४ कार्यालये नागरी भागात होती. ३२ मार्च, २००७ रोंजी राज्यात असलेल्या दूर्वनी जोडण्यांची संख्या ६४.४४ लाख हांती. सपेंबर, २००७ अखेर महाराष्ट्रातील भ्रमणधन्धोंची संख्या २७९.३४ लाख होती. त्यापेको ११५.२५ लाख (४१.३ टक्के) भ्रमणध्वनी मुंबई पर्परमंडळांतर्गत होते.

## लोकसंख्या

१.३२.१ जनगणना २००१ अनुसार महाराष्ट्राची लोकसंख्या ९.६९ कोटी होती. २ मार्च, २००८ रोजीची राज्याची प्रक्षेपित लोकसंख्या सुमारे २०.८० कोटी इतकी आहे.
१.३१.२ जनगणना २००१ अनुसार, राज्यातील साक्षरतंचे प्रमाण ७६.९ टक्के होते. हे प्रमाण पुरुष व स्त्रियांसाठी अनुक्रमे ८६.० टक्के व ६७.० टक्के होंते. तथापि, राष्ट्रोय नमुना पाहणीच्या ६४ व्या फेरोच्या (जुलै, २००० - जून, २००८) पहिल्या दोन उपफे-यांमध्ये गोळा केलेल्या माहितीनुसार पुरुष व स्त्रियामधील साक्षरतेचे प्रमाण अनुक्रमे ८६. २ टक्के व ६९.३ टक्के असे झाले आहे.
१.३२.३ नमुना नोंदणी पाहणीवर आधारित माहितीनुसार राज्यातील लोकसंख्याविष्यक निर्देकांमध्ये चांगली सुधारणा झ़ाली असून २००६ मध्ये जन्मदर (३८.५), मृत्यृदर (६.७) आण बालमृत्यूदर (३५) सातत्याने कमी झाले आहेत.

## रोजगार

१.३२ राष्ट्रीय नमुना पाहणीच्या ६१ व्या फेरोमध्ये (जुले, २००४-जृन, २००५) गोळा केलेल्या आकडेवारीनुसार राज्यातील विविध क्षेत्रातोल रोजगार ४३२ लाख होता. कृषि व संलंग्न क्षेत्रात रोजगार सर्वात जास्त म्हणजे २४२ लाख (५६ टक्के) होता. वस्तुनिम्माण क्षेत्रात ४५.८ लाख ( $३ 0 . ६$ टक्के), तर संवा क्षेत्रात १२३ लाख (२८.५ टक्के) रोजगार होता. रोजगार हमी योजना लागू करणरे महाराष्ट्र हे देशातील पहिले राज्य आहे. रोजगार हमी योजने शिवाय शासन संपूणं ग्रामीण रोजगार योजना, केंद्रपुस्कृत राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना यां रोजगार पुरविण्या-या योजना राज्यात राबविते. कारखान्यासंबंधीच्या आकडेवररीनुसार २०६६ ह्या वर्षातील कारखान्यातील सरासरी दैनिक रोजगार १२.८ लाख होता व तो २००५ मधील रोजगारापेक्षा १.८ टक्क्यांनी जास्त होता.

## शिक्षण

२.३३ राष्ट्रीय तसेच वैयक्तिक विकास साधण्यामधील शिक्षण हे एक महत्त्वचे सर्वमान्य असं साधन समजले जाते. राज्यात २००७-०८ मध्ये $६ ९, ३ ३ ०$ प्रार्थमिक, ३५,७६२ मार्यममक, ३,११४ उच्च माध्यमिक शाळ, तर ६६३ कनिष्ठ महाविद्यालये कार्यरत हांती. राज्यातील प्राध्थमिक, मार्धामक, उच्च माध्यमिक शाळांतील व कनिष्ठ महाविद्यालयांतील विद्याध्यांची पटावरील संख्या २००७-०८ मध्ये अनुक्रमें ११५.७२ लाख, ५८.२४ लाख, ४५.८० लाख व ८.३२ लाख अश़ी होती.

## कृषि पतपुरवठा

१.३४ राज्यात शेतोच्या हंगामी कामांसाठी पतपुरवठा सहकार क्षेत्रातील प्राथमिक कृषि पतपुरवठा संस्था, वाणिज्यिक बैका आणि क्षेत्रीय ग्रामीण बैका यांच्याद्वारे करण्यात येतो. राज्यातील शेतीच्या हंगामो कामासाठी २००६-०७ मध्ये एकृण ७,७९८ कोटो रुपयांचा कर्ज पुरवठा करण्यात आला होता यापेकी, ५,४९८ कोटी रुपयांचा (ज० टक्क) कर्जपुरवठा प्रार्थमिक कृषि पतपुरवठा संस्थांद्वरों, १९९९९ कोटी रुपयांचा (२६ टक्के) कर्जपुरवठा वाणिज्यिक बँकांद्वारे व ३०१ कोटो रुपयांचा (४ टक्के) कर्जपुरवठा क्षेत्रीय ग्रामीण बैकांद्वारे करण्यात आला होता.

## अनुसूचित वाणिज्यिक बँका

१.३५ राज्यातील अनुसूचित वाणिज्यिक बँकांच्या कार्याललयांची (शाखा) एकूण संख्या ३० सप्टेंबर, २००७ रोजी ६,७९७ इतकी होतो व ती देशातील एकूण अनुसूचित वाणिज्यिक बँक कार्यालयांच्या (७२,३३७) ९.४ टक्के इतकी होती. राज्यातील अनुसूचित वारणजज्यिक बैकांक्डोल एकूण ठेवी ३० सप्टेंबर, २००७ रोंजी ७,३२,८३० कोटी रुपये इतक्या होत्या व त्या आधीच्य वर्षापेक्षा ३२ टक्क्यांनी जास्त होत्या. याच कालावधीत ह्या बँकांच्या स्थूल पतपुरवठ्यामध्ये २१ टक्के इतकी लक्षणीय वाढ होऊन तो ६,६९,८६१ कोटो रुपये इतका झाला. सप्टेंबर, २००७ अखेर राज्यातील सर्व अनुसूचित वाणिज्यिक बँकांच्या पतपुरवठ्याचे ठेर्वीशी असलेले प्रमाण ९२ टक्के होते. अनुसूचित वाणिज्यिक बैकांच्या एकूण ठेवी व स्थूल पतपुरवठा ह्या दोन्हीबाबतच्या ३० सप्टेंबर, २००७ रोजीच्या स्थितीनुसार, महाराष्ट्राचा भारतात पहिला क्रमांक लागतां.

## म्युच्युअल फंड

१.३६ म्युच्युअल फंड हो सेबीचे नियंत्रण असलेली एक वेगाने वृध्धिंगत होणारी वित्तोय सेवा आहे. देशात ३३ मार्च, २००७ रोंजी ४० नोंदणीकृत म्युच्युअल फंड होते व त्यांच्याकडे ३,२६,२९२ कोटी रुपये इतकी मालमत्ता होती. यापैको उ६ म्युच्युअल फंड महाराष्ट्रात नोंदणी झालेले होते. या उद फंडांनी २००६-0७ मध्ये गोळा केलेली नक्र रक्कम ८९,५६९ काटी रुपये इतकी होती.

## विशेष अभ्यास

१.३७ राष्ट्रीय नमुना पाहणीच्या ६૪ व्या फेरीमध्ये (जुले, २००७-जून, २००८) 'शिक्षणातील सहभाग व त्यावरील खर्च' आणि ‘रोजगार-बेरोजगार व स्थलांतराचा तपशील’ धासंबंधी माहिती गाळा करण्यात येत आहे. या पाहणीच्या पहिल्या दोन उपफे-यांमध्यं (जुलै-डिसेंबर, २००७) राज्य नमुन्यांतगंत गोळा करण्यात आलेल्या निवडक आकडेवारीच्या शीप्रतक्तीकरणावर आधर्धरित काही महत्त्वाचे निष्कर्ष खाली दिले आहेत.
i) राज्यातील ६-१४ वर्ष वयोगटातील शाळाबाह्य (शाळेत न जाणा-या) मुलांचे प्रमाण ग्रामीण भागात जवळजवळ ८ टक्के व नागरी भागात जवळजवळ ६ टक्के होते.
ii) कुटुंबासमवेत राहणा-या आणि प्राथमिक वर्गात शिकणा-या विद्यार्य्यांबाबत प्रति विद्यार्थी सरासरी वार्षिक खर्च ग्रामीण भागात ६७६ रुपये व नागरी भागात ३,५३७ रुपये होता. कुटुंबावर अवलंबून असणा-या आण घरापासून दूर राहून शिक्षण घेणा-या सदस्यांकरिता प्रति सदस्य वार्षिक खर्च ग्रामीण भागात $५, ८ ७ २$ रुपये व नागरी भागात २२,८९२ रुपये इतका करण्यात आला होता.
iii) मागील ३६५ दिणसात स्थलांतरित झालेल्या आंतर-स्थलांतरित कुटुंबांचे प्रमाण ग्रामीण व नागरी या दोन्हो भागांत एक्रूण कुटुंबांच्या ३ टक्के होते. आंतर-स्थलांतराचे मुख्य कारण रोजगार हे असून त्या खालोखाल शिक्षण हे कारण आहे.
iv) स्थलांतरित व्यक्कीचे प्रमाण ग्रामीण भागात ३० टक्के आर्ाणि नागरी भागात ३७ टक्के होते. विवाह.हे स्थलांतराचे एक महत्त्चाचे कारण असून त्या खालोखाल पालकांच/कमावत्या सदस्याचे स्थलांतर है कारण होते.

- v) बाह्य-स्थलांतरित सदस्य असलेल्या कुटुंबांच प्रमाण ग्रामीण भागात ८ टक्के व नागरी भागात २ टक्क होते. अशा कुटुंबाना प्राप्त झालेल्या सरासरी वार्षिक प्रात्तीची रक्कम ग्रामीण भागात २१,८१७ रुषये व नागरी भागात ३८,१४४ रुपये होती.



## आर्थिक दृष्टिक्षेप व आनुषंगिक धोरणे

## राज्य अर्थव्यवस्था

२. $१$ दहाव्या पंचवार्षिक योजनेतील अखेरच्या तीन वषांत राज्य अथंब्यवस्थंत सातत्यपृण्ण आणि प्रभावी वाढ झाल्याचे दिस्न यंते. स्थृल राज्य उत्पादामध्यं २००२-०३ व २००३-०४ (दहाव्या पंचवर्वाषंक योजनेचो पहिली दोन वर्षे) मध्ये सुमारे सरासरो ७ टक्क्यांनी वाढ झाली असून त्यानंतर ते २००४-०५ मध्ये ८.२ टक्के, २००५-०६ मध्ये ९.३ टक्के आणि २००६-०७ मध्ये ९.७ टक्के अशा दराने वाढले. दहाव्या पंचवार्षिक योंजनेसाठी ठरवृन दिलेले ८.० टक्के वाढीचे लक्ष्य अणि नवव्या पंचवार्षिक योजनेत राज्य अर्थव्यवस्थेने केलेली ३.८ टक्के इतकी बरीच कमी प्रमाणातील वृध्दी ह्या बाबी विचारात घेता दहाव्या पंचवार्षिक योजनेमधील $८ . ३$ टक्के सरासरी चक्रवाढ वृद्धिदर प्रशंसनीय ठरतो. अर्थव्यवस्थेतील ही वाढ यापुढेही चालू राहील अशी अपंक्षा असून आगाऊ अंदाजांनुसार २००७-०८ मध्ये स्थृल राज्य उत्पादाची वाढ $९$ टक्के इतकी अप्पक्षेत आहे. अर्थव्यवस्थेचे २००७-०८ मधील अपेक्षत क्षेत्र्रनहाय वृद्धिदर आश्वासक असून ते प्रारमिक क्षेत्राकरिता ५.७ टक्के, द्वितीय क्षेत्राकरिता १०.४ टक्के आणि तृतीय क्षेत्राकरिता ९.२ टक्के असे अपेक्षित आहेत. दहाव्या पंचवार्षिक योजनेच्या कालावर्धीत क्षेत्र्रानाय वृद्धिदर प्राथमिक क्षेत्राकरिता ४.३ टक्के, द्वितीय क्षेत्राकरिता ९.६ टक्के आणि तृतीय क्षेत्राकरिता ८.७ टक्के असे होते २००५-०६ ते २००७-०८ या तीन वषांत, त्या आधीच्या काळातीत दुष्काळी स्थितीच्या तुलनंत, मान्सूनचा पाऊस चांगला झाल्याने कृषि उत्पादन चांगले झाले. कृषि व संलग्न सेवा क्षेत्रांमध्ये २००४-०५ मधील ६.३ टक्के ऋण वृध्दिदरावरून २००५-०६, २००६-०७ आणि २००७-०८ मधील सरासरी $८ .0$ टक्के बृध्धिदरापयंत झालेली भरपाईं उत्साहवर्धक असून त्यामुळ राज्य अर्थव्यवस्थेच्या उचचतम वाढौस हातभार लागला आहे.
२.२. गेल्या चार वर्षांतील राज्याच्या स्थूल राज्य उत्पादात झालेली सातत्यपूर्ण वाढ ही नजीकच्या भविष्यकाळात राज्याच्या अर्थंव्यवस्थेतील सवं क्षेत्रांमध्ये अधिक उच्च वाढीची क्षमता असल्याचे संकेत देते. तथापि, व्यापक व संतुलित आर्थिक वाढीसाठो कृषि व संलग्न क्षेत्राचा विकास, ग्रामीण पायाभूत सुविधांची दर्जावाढ, नागरी व ग्रामोण क्षेत्रांचे दृढीकरण या स्वरुपाच्या केंद्रणामी

उपाययोजनांची आवश्यकता आहे. उपजीविकेसाठी शेतीवर असलेले अवलंबन कमी करण्यासाठी कामगारांच्या कोशल्यांचा विकास करणे आवश्यक आहे. शासनाने या पूर्वोच पयंटन क्षेत्राची क्षमता ओळखलो असून या क्षंत्राच्या विकासासाठी किनारी पयंटन, जीवसृष्टी पयंटन, कृषि पयंटन, आरोग्य पर्यटन, इ. सारख्या नवीन क्षेत्रांचा शोध घेतला आहे. ह्या सवांतुन रोजगार निर्मिती करण्यासाठी आणि ग्रामीण अर्थव्यवस्थेस चालना देण्यासाठो कालबध्द कार्यवाही करणे आवश्यक आहे. अर्थव्यवस्थेमध्ये उच्च दर्जांचा वृद्धिदर साध्य करीत असताना बेरोंगगारी, दारिद्रघ, आरोग्य, शिक्षण, इत्यादी सारख्या मानव विकासविषयक सामाजिक-आर्थिक बाबींकडे लक्ष पुरविण्याचो आवश्यकता आहे.

लोकवित्त
२.३ राजकोषीय उत्तरदायित्व व अर्थंकल्पीय व्यवस्थापन अधिनियम, २००५ चे मुख्य उद्दिष्ट २००८-०९ पयंत महसुलो तूट पूर्णपणे दूर करणे हे आहे. राजकोषोय उत्तरदायित्व व अर्थंसंकल्पीय व्यवस्थापन अधिनियम आर्ता मूल्यवर्धित करप्रणाली यांच्या अंमलबजावणीसाठी केलेल्या सुनियोजित प्रयत्नांमुळे वित्तीय तुटीचे स्थूल राज्य उत्पादाशी असलेले प्रमाण २००३-०४ मधील 4.3 टक्क्यांवरून २००६-०७ मध्ये ३.१ टक्क्यांपर्यंत कमी करण्यात राज्याला यश मिळाले आहे. २००३-०४ ते २००६-०७ या कालावधीत महसुलो जमेत २०.६ टक्के इतक्या वार्षिक वृद्धिदराने वाढ झाली, तर महसुली खर्च १४.१ टक्के वृध्दिदराने वाढला. २००६-o७ मध्ये कर आणि करेतर महसुलात आधोच्या वर्षाच्या तुलनेत अनुक्रमे २०.३ टक्के आणि ४०.३ टक्के इतकी प्रभावी वाढ झाली. अशा त-हेने महाराष्ट्र राज्य, आता वित्तीय बळकटीकरणाकड्रून वित्तीय स्थिरतेकडे वाटचाल करीत आहे. तथापि, राज्य शासनाची वाढती कर्जे आणि व्याजप्रदानांचे वाढते ओझे या राज्य शासनापुठोल चिंतेच्या प्रमुख बाबी आहेत. वर्ष २००७-०८ मध्ये राज्य शासनाचो एकृण कर्जे रू. २,४४,३२५ कोटी इतके होणे अपेक्षित आहे, जे स्थृल राज्य उत्पादाच्या २४.९ टक्के इतके आहे. व्याज प्रदानांवरील अपेक्षित खर्च रू. २२,४०६ कोटी असून तो महसुली जमेच्या १८.२ टक्के इतका आहे.
२.४ राज्याची वित्तीय स्थिती अधिक बळकट करण्यासाठो राजकोषीय उत्तरदायात्व व वित्तीय व्यवस्थापन अधिनियम, २००५ चो अममलबजावणी यासारख्या अवलंबिलेल्या राजकोषोय उपाययोजना राज्याने यापुढेही चालू ठेवणे आवश्यक आहे. राजकोषीय सुस्थिती प्रात्त करण्यासाठी कर व करेतर महसुलात वाढ करणे, अनुदानावरील खर्च कमी करणे, कर्जे कमी करणे, विकासंतर खर्चात कपात करणे, व्रंतन व निवृत्ती वेतन यान्र्रील खर्च मर्यादित ठेवणे, इ. उपाययोजना करणं गरजेचे आहे. बाराव्या वित्त आयोगाच्या शिफारशोनुसार केंद्र शासनाने राज्यांना कर्जे देण थांबविले आहे. कर्जे आणि त्यावरील व्याजदर या बाबो राजकोषोय सुदृढतेशी निगडीत असल्याने शासनाने भांडवली खचांकरिता खुल्या बाजारातून कर्जे उभारताना सावरणिरी बाळगणें आवश्यक आहे.

## पायाभूत सुविधा

२.५ राज्यास विदेशी गुंतवणुकदारांच्या दृष्टींने पसंतीचे राज्य मणगृन असलेले स्थान कायम राहण्यासाठी राज्यात सध्या असलेल्या मायाभृत सुविधांमध्ये वाढ करणे आणि त्या जार्गतिक दर्जाच्या तोडीस तांड स्वरुपात विकसित करणे गरजेचे आहे. राज्यात जमीन आरणि अन्य नैसर्गिक साधन संपत्ती मुबलक प्रमाणात उपलब्ध असल्याने पायाभृत सुविधांच्या विकासाच्या संधी मोठया प्रमाणावर आहंत. अर्थंव्यवस्था वृद्विचा वेग वार्ढविण्यासाठो रस्ते व रेल्वे यांचे जाळ, ंिमान व जल वाहतृक सुविधा, ऊजां, पाणी आणि मनुष्यबळ हे भौतिक पायाभूत सुविधांतील महत्त्वाचे मृलभूत घटक आवश्यक आहेत. स्थृल राज्य उत्पादात सेवा क्षेत्राचा वाटा सर्वात जास्त असल्याने एकृण पायाभूत स्वावधांतील विकासाचा राज्याच्या अर्थव्यवस्थेवर निश्चितच मोठा व अनुकूल परिणाम होऊन राज्य विकासाच्या सवांच्च स्थानी पोहोंचू शकेल. पायाभूत सुविधांच्या विकासासाठी फार मोठया प्रमाणावरील गुंतवणुकीची गरज असते. पायाभृत सुविधांचे प्रमाण व दर्जां यात कालबध्द पध्दतीने वाढ करण्यासाठो राज्यात सावंर्जनिक-खाजगी-भागीदारीस बराच मोठा वाव आहे.

## सिंचन

२.५.१ पाणी हैं केवळ शोतीसाठीच आवश्यक आहे असे नसून ते इतर क्षेत्रांची सुद्धा प्राथमिक गरज आहे. राज्यातील सिंचनाखालील एकृण क्षंत्राचे पिकाखालील एकृण क्षेत्राशी प्रमाण १७ टक्के असून राष्ट्रोय पातळीकर हे प्रमाण ४३ टक्के इतके आहे. राज्यातील निर्मित सिंचन क्षमतंचा प्रत्यक्षात पृर्णपणे वापर केला जात नाही. महाराष्ट्र जल व सिंचन आयोगाने (२९९९) राज्यातील सिंचनक्षमता २२६ लाख हेक्टर इतकी अंदाजित केली आहे. राज्यान मोठया प्रमाणावर गुंतवणूक करून देखील गेल्या २५-२० वर्षापासून सिचनाग्रालील एकृण क्षेत्राचे प्रमाण (१५ ते २७ टक्के) जवळपास

तेवढेच राहले आहं. त्यामुळे अस्तित्वात असलंल्या सिचन क्षमतंचा कमाल वापर करणे आणि प्रगत टप्यांतोल सिंचन प्रकल्य पूर्णांत्वास नेण्यास प्राधान्य देणे यार्करिता गंभीर प्रयत्न आवश्यक आहेत

## रस्त्यांचे जाळे

२.५.२ सार्वर्जानक बंध्रकाम विभाग व जिल्हा परिषदांच्या देखभालोखालील राज्यातील रस्त्यांची एकृण लांबो २.३४ लाख कि.मी. असून यापैकी जबळपास 40 टक्के रस्ते काँक्रोटचे आणिण डांबरी आहेत. दहाव्या पंचर्वाषिंक योजनेच्या कालावधोत रस्त्यांची एकृण लांबी केवळ $५$ टक्क्यांनी वाढली, तर मोटार वाहनांची संख्या $५ \gamma$ टक्क्यांनी वाढली. राज्यात प्रति हजार चौरस कि.मी. क्षेत्रामागे रस्त्यांची सरासरी लांबो ८७ कि. मी.असृन राष्ट्रीय पानळीवर ती ७५ कि.मी. आहे. परंतु ती तामिळनाड़त्तील १२८ कि.मी. आणि उत्तर प्रदेश व पशिचम बंगालमधील २०३ कि.मी. सरासरीव्या तुलनेत बरीच कमी आहे. मांटार वाहनांच्या संख्येत सातत्याने भर पडत असल्याने या वाहनांना सामावृन घंण्यासाठो पुरेशी रस्त्यांची पायाभूत सुविधा विकसित करणे तसेच रस्ते पृष्ठांकित करुन व त्यांची नियमितपणे देखभाल करुन त्यांच्या दर्जाबाबत खातरजमा करणें आवश्यक आह. ग्रामीण भागतील गावे रस्त्याने जोड़ाग्याच्या बाबतीत बारमाहो रस्त्यांनी जोडलेल्या गावांची टक्केवारो सुमारे ९६ आहे. प्रामोण-नागरो भागाच एकात्मीकरण अणि खंड्यांच्या सर्वंकष विकासार्करता सर्वंच खेंडी रस्त्यांनी जोडणं आवश्यक आहे.

## लोहमार्गाचे जाळे

२.५.३ ३२ मार्च, २००७ रांजो राज्यातील लोहमारांची एकृण लांबो $५, ९ ० २$ कि.मी. होती. गेल्या 40 वषांत लोहमागाच्या एकृण लांबीत केवळ १३ टक्के इतकीच वाढ झाली आहे. राज्यात दर हजार चो. कि.मी. क्षेत्रामागे लोहमार्गाची लांबी १९ कि.मी. असृन (जी जवळपास राष्ट्रीय पातळीइतकोच आहे) लोहमागांच्या अशा घनतेचा विचार करता, राज्य बाराव्या स्थानावर आहे. विहार, हारयाणा, पंजाब, तामिळनाड़, उत्तर प्रदेश आर्ाण पश्चिम बंगाल या राज्यांत लोहमागांची घनता ३० कि. मी. पंक्षा अधिक आहे. मुंबईंतील लोक्ल रेल्वे ही मुंबईंकरांची जीवनवाहिनी आहे. लोकल गाडयांच्या प्रवासी वाहून नेण्याच्या क्षमतेतोल वद्धिचा वेग आणि प्रत्यक्ष प्रवाशांच्या संख्येतील वाढीचा वेग यांत मोठी तफावत असल्याचे दिसून येते. राज्यातील रेल्वेचे जाळे वाढविण्याबरोबरच सर्व जिल्हयांची मुख्यालये अतिजलद रेल्वंने जोडणे आवश्यक आहे. रेल़्वेच्या पायाभृत सुविधांची दर्जांवाद करण्यासाठो अनेक प्रकल्प, विशाषतः मुंबंड सुरु करण्यात आले असले तरी त्यांच्या कामाच्या प्रगतीचा वंग संथ आहे.

## विमान वाहतूक

२.५.४ राज्यात मुंबई, पुणे व नागपूर या तीन ठिकाणी आंतरराष्ट्रोय विमानतळ आहेत याव्यतिरिक्त राज्यात देशांतर्गत वाहतुकीसाठो पाच विमानतळ आहेत. मुंबईतील विमानतळ (देशांतर्गत आणि आंतरराष्ट्रीय) आधीच गर्दीचे झाले आहे. विमान प्रवाशांच्या सातत्याने वाढणा-या मागण्या पुरविण्यासाठी विमानतळांवरील रा़विधांमध्ये वाढ करणे आणि नवीन विमानतळ प्राधान्याने बांधणे देखील गरजेचे आहे.

## जल वाहतूक

२.५.4 राज्यास ७२० कि.मी. लांबोचा समुद्र किनारा असृन त्यावर दोंन माठो बंदरे आणि $૪ ८$ लहान बंदरे आहेत. राज्यातोल माठया बंदरांची कार्मगिरो उत्साहवर्धक आहे. तथाप, दाभोळ हे एकच लहान बंदर विकसित करण्यात आले आहे. लहान बंदरांचा त्रिकास करून जल वाहतूक यंत्रणंचे बळकटीकरण करणे आवश्यक आहे. लहान बंदरांचा विकास कालबध्द पध्दतीने करायावर लक्ष केंद्रीत करणं गरजेचे आहे. याशित्राय किनारपट्टीवरोल ग्रामीण अथंव्यवस्थेला बळकटी आणण्यासाठो पकडलेल्या मासळीची चढउत्तार करण्याकरिता धक्क्यांची बांधकामे सुद्धा प्राथम्याने हाती घेणे आव्रश्यक आहे.

## सार्वजनिक वाहतूक

२.५.६ सार्वंजनिक रस्ते वाहतूक यंत्रणा सर्वंकष विकासात महत्त्वाची भृमिका बजावते. राज्यात २२ महानगरपालिका असृन त्यापैकी २२ महानगरपालिकांकडे स्वतःची सार्वजनिक वाहतूक व्यवस्था आहे. शहरी वाहतृक संवांच्या कामगिरीचे आणि कार्यक्षमतेचे मूल्यमापन आर्थिक निकषांएवजी सुविधांच्या दृष्टिकोनातृन होणे गरजंचे आहे. दुर्गम ग्रामीण भागात तोटयात चालवाव्या लागणा-या बंधनकारक सेवा, शहरी वाहतूक आणि समाजा़तील विशिष्ट प्रकारातील व्यक्तींना बस भाडयातील सवलती यामुळे रा.प. महामंडळास मांठया प्रमाणात तोटा होत आहे. राज्य शासनाने ह्या तोटयांची महामंडळास प्रतिपूर्ती करावी, जेणेकरून महामंडळास बस गाडयांच्या ताफ्यात वाढ करणे आण्ण अधिक चांगल्या दर्जांचो सेवा पुरविणे शक्य होईल. पुणे, नागपूर, औरंगाबाद आणि नाशिक या शहरांतोल नागरीकांना अपु-या व अकार्यक्षम शहर वाहतूक यंत्रणेस तोंड द्यावे लागत आहे. त्यामुळे या शहरांत मेट्रों रेल्व/मोनो रेल/ लांकल रेल्वे, इ. सारख्या जलद वाहतूक यंत्रणांचा सार्वर्जनिक-खाजगी-भागीदारीच्या माध्यमातून विकास करण्याबाबत प्राथम्याने विचार होणे आवश्यक आहे. शिवाय सध्या या शहरात अस्तित्वात असलल्या सार्त्जर्जनक वाहत्क सुन्विधा सुधारण्यासाठी देखोल खाजगोकरणाचा पर्याय तपासून पाह्यात यावा.

वीज
२.५.७ जवळपास गेल्या दशकापासून वीज समस्यंस राज्य तोंड देत असून त्या समस्येचे एक कारण म्रणजं या क्षेत्रात केलली अत्यल्प गुंतवणृक होय पाचव्या पंचवर्वांखिक याजनेत एकृण याजनांतर्गत खर्चामध्ये वीज क्षेत्रावरोल खर्चांचे प्रमाण ३४ टक्के होते, ते दहाव्या पंचवर्षिक योजनेत ११ टक्क्यांपयंत खाली आले. स्थापित क्षमतेत २०00-0? पास्न अत्यल्प वाढ झाली आहे. परिणामी, वोजेची मागणी अणि निर्मिती यांत असमानता निमांण झाली आहे. महापारेषण कंपनीस पारेषणातील हानी २००५-०६ मधील ६.४ टक्क्यांवरून २००६-०७ मध्ये $4 . ५$ टक्के अशो अल्प प्रमाणात कमी करता आली. महावितरण कंपनीस वितरणतोल हानी २००६-०७ मधील २९.५ टक्क्यांवरून चालू वर्षांतील ऑक्टोबर, २००७ पयंत २२.९ टक्के, इतकी लक्षणोय प्रमाणात कमी करता आली. विजेच्या पारेषण व वितरणातील हानी ही बाब चिताजनक असून हे चक्र असेच चाल़ आहे, परिणामी, भारनियमन ही राज्यातील नित्याची बाब झाली आहे. ह्या समस्येवर मात करण्यासाठी स्थापित क्षमतेत भर घालणा-या प्रकल्पांची (सार्वज्नानक आणि खाजगी अशा दोन्ही) अंमलबजावणी जलद गतीने होण्यासाठी सर्वंकष प्रयत्न करणं आवश्यक आहे. राज्य शासनाने सार्वजनिक-खाजगी-भागोदारोत एकृण १२,५०० मंगावंट स्थापित क्षमतंचो भर घालण्यासाठी आठ खाजगी कंपन्यांशी सामंजस्य करार केले आहेत. तथापि, हे प्रकल्प तातडीने व वेळेत पूर्ण होण्यासाठी प्रकल्पांच्या प्रगतीचे काटेकोरपणे संनियंत्रण करणे आवश्यक आहे. उर्जेच्या बाबतीत राज्यातील पर्परस्थितोत २०२२ नंतर सुधारणा होणे अर्पेक्षित आहे.

## कृषि

२.६ राज्यातोल मान्सृनचे स्वरूप तोन्र चढ उताराचे असल्यान कृषि क्षेत्राची उत्पादकता अर्निश्चित स्वरुपाची आहे. राज्यातोल मोठया प्रमाणावरोल कामगार मनुष्यबळ (५५ टक्क) ग्रामीण भागात असून ते उदरनिर्वाहासाठी शेतीवर अवलंबून आहे. योजना आयोगाने अकराव्या पंचवार्षिक योजनेत कृषष क्षेत्रासाठी $\gamma$ टक्के वाढीचे लक्ष्य ठरवून दिले आहे. अत्रधान्याचे राज्यातील उत्पादन आरण राज्याची गरज यांतोल तफावत दिवसंदिवस वाढतच आहे. तेव्दा ठरवून देग्यात आलेले वाढोबाबतचे लक्ष्य साध्य करण्यासाठी उपलब्ध क्षमतांचा पुरेपुर वापर करणे, त्रापरात नसलेली मशागतयोग्य जमीन शेतीखालो आणणे, न वापरलेली सिचन क्षमता (शेततळी, विहिरी, मालगुजारी तलाव, जलसाठं इत्यादींच्या समावेशासह) उपयोगात आणणे, कृषि विद्यापीठांचा सहभाग वाढविणे, कृषि क्षेत्रातील संशोधन आणि आधुनिक पध्दती यांना प्रोत्साहन देणे, पणन, शोतगुहे व क्रुषि प्रक्रिया सुावधांमध्यं सुधारणा करणे, इत्यार्दौसाठी गंभीर प्रयत्न करणे गरजंचे आहे. पाणी सार्ठवण्याची

क्षमता व्रारविण्यासाठी जुन्या सिंचन प्रकल्पांतील गाळ काढण्याचे काम हातो घ्वेगों आवश्यक आहे. याव्व्यातरिक्त, वित्तीय संस्थांद्धारे शंतीसाठो पुरेसा आण वेळेत पतपुरवठा उपलब्ध करुन देग्यासाठी प्रयल्न हाँणं गरजंचे आहं

उघ्योग
₹.ง राज्यातील संघटित क्षेत्रातील उत्पादन मूल्य (२२ टक्के) अणणिं नवव्यळ मृल्यवृध्दो (२० टवके) याबाबतीत राज्याने भारतात प्रथम स्थान कायम ठेवज्यात यश प्राप्त केले आहे. विदेशो थेट गुंतवणुकीचा विचार करता, महाराष्ट्र हे भारतातील सर्वाधिक भसंतोचे राज्य राहिले आहे. देशी मुंतवणुकीत देखील राज्याने सर्वांत जास्त प्रस्ताल प्राप्त केले आहेत. गुंतवणगृक ओघ स्थिर रहाग्यासाटो (देशी, तसंच विदेशेश) भोतिक पायाभृत सुविधांमधोल उलों-्ा शाधधृन उस्योगांच्या गरजा भागविण्याकरिता त्यावर उपाययोजना करणे आवश्यक आहे. विजंचा तुटवडा हा विकासातील मोठा अड्थळा राहिला आहे. राज्यातोल जलवाहतृक विकसित करण्यासाठी आर्णा रेल्वेचे जाळे सुधारण्यासाठी सुनियोंजित प्रयत्न आवश्यक आहेत. याशिवाय, आजारी उद्योग हे वस्तुनिर्माण क्षेत्राच्या वाढीतोल एक प्रमुख अडथळा असृन त्यामुळे भांडवर्ली मत्ता गुंतून पडतं, तसंच उत्पादकतंचो हानी आरण बेराजगारीत होणारी वाढ यासारख्या गंभीर समस्या निम्माण होतात या बाबतोत समस्यांचे माएया आकलन करून त्यावर वेळीच उपाययोजना करणारी यंत्रणा उभारणें गरजंचे आहे.

रोजान
२.८ जनगणना, २००१ नुसार कृषि व संलग्न संवा क्षेत्रत्तील कामगारांचे प्रमाण ३९९९ मधील ६२ टक्क्यांच्या तुलनेत २००१ मध्ये 44 टक्के इतके कमी झाल्याचे अर्ता कार्यबळ कृषि क्षेत्राकड्नन अन्य क्षेत्राक्ड वळल्याचं दिसून यंते. राष्ट्रीय नमुना पाहणीच्या उएदा अलिकडोल फेरीवरून २९९९-२०00 ते २०0४-०५ या कालावधीत रोजगार वृध्दीत ३.४ टक्के या दराने वाढोचा कल दिसृन यंता. याउलट त्या आधीच्या काळात उतरता कल दिसून यंत होंता. रोंजगार बृध्दीतोल हा वाढोच्या परिणामी २०००-२००५ या कालावधीत अंदाजे ६६ लाख नवीन रोजगार निर्माण झाला.
२.९ लोकसंख्येच्या विभागणीवरून राज्यातील सुमारे $४ ५$ टक्के लांकसंख्या $१ ५-४ ०$ वर्षे या बयोंगटात मोडत असल्याचे दिसून यंते. अर्थंव्यवस्थेच्या उदारीकरणाच्या प्रक्रियेत उदयास येत असलंल्या नवीन रोजगाराच्या संधीकडे उपलब्ध कारंबळाची ही माठी र्शात्त वळावणें गरजेवे आहे. त्यासाठी उद्योंग, व्यापार आणि संवाक्षेत्रांच्या गरणांनुसार जनतेमधील कोशल्ये, तांत्रिक व व्यावसायिक क्षमतः मोठया प्रमाणावर विक्कित करण्यासाठी शिक्षण पध्दतीची पुनरंचना करणे आवश्यक आहे. हे करण्यासाठी शासनान मानवी

कोशल्यांचा विकास करण्यामध्ये खाजगी क्षेत्रांचा सहभाग प्राप्त करण्यासाठी त्यांच्याशी संपर्क साधावा भारत सरकारने राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना देशातील सर्व जिल्हयांत रार्बावण्याचे ठरविलें असल्याने, कृषष उत्पादनात वाढ होण्यासाठो राज्य शासनानं रांहयो अंतगंत जल व मृदसंधारणाची कामे घ्यावीत.

## दारिद्रम

२.१० योंजना आयांगाने राष्ट्रोय नमुना पाहणीच्या ६१ व्या फेरीवर आधारित दारार्रयाच्या प्रमाणाचे अंदाज अगदो अलीकडे तयार केले आहेत. त्यानुसार २००४-04 मध्ये राज्यातील ३.१७ कांटी लोक दारिक्रय रेषंखाली असृन त्यांचे राज्यातील एकृण लोकसंख्येशी प्रमाण ३०.७ टक्के इतके आहे. वर्ष २९९३-९४ शो तुलना करता दाराद्रय रेषेंब्डालोल जनतंचे प्रमाण जवळपास ६ टक्क बिंदृंनी कमों झाले आहं यांजना आयोगाने ठरवृन दिलेल्या लक्ष्यानुसार राज्यातील दारिद्र्याचं प्रमाण अकराव्या पंचवराषिंक योजनेच्या अखेंरप्यंत १५ टक्के इतके कमी करावयाचे आहे. हैं लक्ष्य साध्य करण्यासाठो शासनाने दारिद्र्य रेषेखालील कुटुंबे निश्चित करून दारिद्रिय निर्मृलन धोरणाची पुनर्रचना करणे आणि विविध दारिद्र्य निर्मूलन कार्यंक्रमांचे लाभ दार्रद्रघ रेषेखालोल कुट्रुंबांना वेळेत मिळतोल याची खातरजमा करणं गरजेचे आहे नागरी भागातील दारिद्रद्याचे प्रमाण कमी करण्यावर विशेष भर देण गरजेचे आहे. तसंच दरारिक्रघ निम्मृंलन कार्यक्रमांच्या परिणामकारक अंमलबजावणीर्करता एक स्वतंत्र संनयंत्रण पध्दतो निर्माण करण आवश्यक आहे. दारिद्रच निम्मूलन कार्यंक्रमांच्या यशस्वी अमलबजावणीसाठो माहितो तंत्रज्ञानाच्या मदतीने चांगले पर्याय उपलब्ध होऊ शकतील.

## शिक्षण

२. 32 मानव जातीच्या विकासामध्ये शशक्षणाचे स्थान नेहमीच निणांयक महत्वाचे राहिलें आहे, सवांना शिक्षण पुर्रविण्यास राज्य दृढपणें बांधोल आहे. शिक्षण विषयक धोरणामध्ये प्रार्थामक शिक्षणाच्या सार्वात्रकीकरणाचो बाब ठामपणं विशद केलो आहे. साक्षरता दराच्या संदर्भांत राज्याने चांगली प्रगती केली असली तरी केरळ सारख्या राज्यांच्या बरांबरीस येग्यासाठी अद्याप बरेच प्रयत्न करणे गरजंचे आहे. जनगणना २००१ नुसार राज्याचा साक्षरतेचा दर ७६.९ टक्के इतका होता. रानपा ६४ व्या फेरोतील निष्कर्षानुसार साक्षरता दर वादृन fिसेंबर, २००७ मध्ये तो ७८.२ टक्के इतका झाला. या पाहणीवरून असेही दिस्न येते को, पुरुष साक्षरतेचे प्रमाण (८६.२ टक्के) स्त्री साक्षरतंच्या ग्रमाणाच्या (६९.३ टक्क) तुलनेत जास्त आहे एक़ण साक्षरता वार्छावाग्यासाठो आणि साक्षरतेतील लिगभेदानुसार असलेली तफावत कमी करण्यासाठी मुल्लीच्या शिक्षणावर विशेष भर देण्याची गरज आहे. शिवाय,

ई-शिक्षणासारख्या नाविण्यपूर्ण तंत्रज्ञानांचा वापर करून शालेय शिक्षण जास्त आकर्षक करण्यात यावे. सर्वांना दर्जनार शिक्षण पुर्रविण्यासाठी ईं-शिक्षण हा खर्चाच्या दृष्टीने परिणामकारक पर्याय ठरू शकेल. माहिती तंत्रज्ञान, जैव तंत्रज्ञान, बी.पी.ओ. आणि उदयास येत असलेली अन्य क्षेत्रे यांच्या गरजा भार्गावण्यासाठी उच्च शिक्षणात सुधारणा, पुनरंचना आणि पायाभृत सुविधांतील गुंतवणूक आवश्यक आहे.

आरोग्य
२.१२ 'सर्वांसाठी आरोग्य' या ध्यंयास राज्य सर कार बांधोल आहे. राष्ट्रोय कुटुंब आरोग्य पाहणी (राकुआपा-III, २००५-०६) अनुसार राज्याने जन्मदर, मृत्युदर, बालमृत्युदर, अर्भक मृत्युदर, एकूण जननदर, इ. आरोग्यविषयक निर्देशकांचा विचार करता चांगत्नी कार्मारो पार पाडली आहे. मात्र, माता मृत्युदराच्या बाबतीतील राज्याची कार्मांरो समाधानकारक नाहो. राज्यात प्रार्थामक आरांग्य केंद्रे, उपकेंद्र व ग्रामीण रुगालये यांचे विस्तृत जाळं fिमाण केलेले असूनदेखोल आरोग्य संवांच प्रमाण व दर्जा यांत अद्यापप सुधारणा करणे गरजंचे आहे. ग्रामीण दुर्गम भागात दर्जेदार वैद्यकोय सेवा पुरावण्यासाठी टेलि-मेडिसीन ही कमी खर्चिक व जलद उपाययोजना ठरु शकेल. राज्यातील एकंदर आरोग्य सेवांमध्ये सुधारणा करण्यासाठी आरोग्य यंत्रणेंस चालना द्यावयास हवो

## प्रशासकीय सुधारणा व आपत्ती व्यवस्थापन

२.१३ नारारिकांना दर्जेदार सेवा पुरविणे, अंतगंत कार्यक्षमता सुधारणं व प्रशासकीय खर्च नियंत्रणात ठंवणे यासाठो ई-गव्नंन्स आण प्रशासकोय सुधारणांवर विशेष भर दिला पाहिजे. आपत्कालोन व आणिब्बाणोच्या परिस्थितीला तोंड देण्यासाठी राज्य शासनाने अलककडेच आपत्ती व्यवस्थापन प्राधिकरणाची स्थापना केली आहे. आपत्तो व्यवस्थापन यंत्रणेच्या सज्जतेची सर्व स्तरांवर नियमितपणे खातरजमा करावयास हवी.

उपसंहार
२.१४ त्रित्तीय सुधारणा व आर्थिक वृष्दी यांचा विचार करता, राज्याने उच्च स्थान प्राप्त केले आहे. आर्थिक वृध्दोचे लाभ समाजातोल सर्व घटकांपर्यंत पोहोचतील याबाबत खातरजमा करण्यासाठी सर्व आर्थिक आणा भौगोलिक क्षेत्रांमध्ये संतुलित स्वरुपाची वृद्धि होणे आवश्यक आहे. राज्यातील कृषि क्षेत्राची कार्मागरी ही मोसमो पावसावर अवलंबृन आहे हे अवर्लंबित्न कमी करणे, अन्धधान्याची राज्यांतर्गत गरज भार्गावण्याबाबत स्वयंपूणंता प्राप्त करणं आर्णण कृषि क्षेत्रातोल दु:स्थिती दूर करणे यासाठी सिंचन क्षमतेचा व इतर संसाधनांचा कमाल उपयोग करून घेण्यासाठी गंभीरपणे प्रयत्न करण्याची आवश्यकता आहे. कृषि क्षेत्रातील सार्वजनिक गुंतवणुकीबाबत देखील पुनर्विचार ह्यायला हवा. त्याचप्रमाणे राज्यातोल वस्तुनिर्माण क्षेत्रास चालना देण्यासाठी, विशेषतः लघु-मध्यम उद्योगांमधील आजारी उद्यागांकडे लक्ष देण्याकरिता ते आजारी होण्यास कारणोभृत ठरणा-या अडचणींचा आगाऊ शाध घंणा अर्חण त्यांचे निवारण करणे आवश्यक आहे. राज्यामध्य गुंतवणुकीस पांषक त्रातावरण निर्माण करण्यासाठी उद्योग, कामगार आणि पायाभृत सुावधा यांच्याशो संबंधित नाव्विन्यपूर्ण धोरणे तयार करणे आवश्यक आहे. सवंकष आर्थिक विकासास चालना देणारा पायाभूत सुविधा हा प्रमुख घटक असल्याने सार्वजनिक-खाजगी-भागीदारी तत्त्वावर जे प्रकल्प सुरू करता येतील त्यांचा शोध घेणे, त्यांचे प्राधान्य क्रम ठरविणे, कालबध्द पध्दतीने ते कार्यान्वित करणे आणि त्यांचे काटेकोर संनियंत्रण करणे आवश्यक आहे. या पायाभूत सुविधांचा विकास करतांना पर्यटन क्षेत्राच्या गरजांचाही त्रिचार केला गेला पाहिजे. केंद्र सरकारच्या अखत्यारातील पायाभूत सुविधा प्रकल्पांच्या बाबतोत राज्य सरकारने परिश्रमपूवंक पाठपुरावा करणंण गरजेचे आहे. राज्य शासन दारिद्र्य निर्मूलन, शिक्षण, रोजगार,आरांग्य इत्यादी क्षेत्रांत विविध योजना राबवीत आहे. या योजनांचा संपृर्ण फायदा लक्ष्य गटातील लोकांपर्यत वंळेत पोहोचतो आहे याची खातरजमा करण्यासाठी नवीन तंत्रज्ञानाचा वापर करून सुयोग्य अशी स्वतंत्र संनियंत्रण व मूल्यमापन यंत्रणा त्यासाठी विकसित करणे गरजेचे आहे.


## राज्य उत्पन्न

स्थूल देशांतर्गत उत्पाद २००७-०८ : पूर्वानुमान

३. $₹$ केंद्रीय सांख्यिकीय संघटनेने प्रसिध्द केलेल्या पृर्बानुमानानुसार २००७-०८ मध्यो स्थिर (१९९९-२०००) किमतींनुसार स्थूल देशांतर्गत उत्पाद म्हणजेच एकूण राष्ट्रीय उत्पन्नात ८.ज टक्के एवढी वाढ अपेक्षित आहे तर २००६-०७ मध्ये ही वाढ ९.६ टक्के इतकी होती. देशाच्या अर्थव्यवस्थेतील ही वाढ प्रामुख्याने 'ग्यापार, हॉटेल्स, वाहतूक व दळणवळण' (१२.१ टक्के), 'वित्त, विमा, स्थावर मालमत्ता व व्यवसाय सेवा' (१२.७ टक्के), ‘बांधकाम'

निव्वळ राष्ट्रीय उत्पाद (एनएनपी) : यालाच सर्वसाधारणपणों राष्ट्रीय उत्पत्न असे संबोधले जाते. राष्ट्रीय उत्पत्न म्हणजे देशाच्या भोगोलिक सिमांतर्गत विशिष्ट कालावधीमध्ये (साधारणपणे एक वर्ष) निम्माण झालेल्या सर्व वस्तू व सेवांची (द्विरुकी टाळून) पेशाच्या स्वरुपात केलेली मोजदाद होय. यामध्ये विदेश व्यवहारातील देणी-घेणी यातील फरकाचा समावेश केला जातो.
निव्बळ देशांतर्गत उत्पाद (एनडीपी) : जेक्ता निल्वळ राष्ट्रीय उत्पादात विदेशी व्यवहारातील देणी-घंणी यामधील फरकाचा समावेश केला जात नाही तेक्का त्याला निव्वळ देशांतर्गत उत्पाद म्हटले जाते.
स्थूल देशांतर्गत उत्पाद (जीडीपी) : निव्वळ देशांतर्गत उत्पादात (एनडीपी) स्थिर भांडवलाच्या घसा-याचा समावेश केला जातो तंक्रा त्यास स्थूल देशांतर्गत उत्पाद म्हटले जाते तसेच जंक्का स्थिर भांडवलाच्या घसा-याचा निव्वळ राष्ट्रीय उत्पादात (एनएनपी) समावेश केला जातो तेंक्वा त्यास स्थूल राष्ट्रीय उत्पाद (जीएनपी) असे म्हटले जाते.
(९.६ टक्क) व 'वस्तुनिम्माण' (९.४ टक्के) या क्षेत्रांतील लाढोमुळे झाली आहे. २००७-०८ मध्ये कृषि व संलग्न कार्यं यामधील वृध्दिदर, २००६-०७ मधील ३.८ टक्के वृध्दिदरापेक्षा कमी होऊन तो २.६ टक्के इतका होईल असे अपेक्षित आहे. उद्योग क्षेत्रात २००७-०८ मध्ये ८.९ टक्के वाढ अपेक्षित असून ही वाढ प्रामुख्याने वस्तुनिमाण या उपक्षेत्रातील ९.४ टक्के व बांधकाम या उपक्षेत्रतील ९.६ टक्के इतक्या भरीव

वाढीमुळे अपेक्षित आहे. सेवा क्षेत्रात २०.७ टक्के इतकी वाढ अपेक्षत असून तो प्रामुख्याने व्यापार, हॉटेल्स् व उपाहारगृहे, वाहतूक आणि दळणवळण या क्षेत्रातील १२.१ टक्के इतक्या जोमदार वाढीच्या परिणामी अपेक्षित आहे.

## स्थूल राज्यांतर्गत उत्पाद २००७-०८ : पुर्वानुमान


३.२ महाराष्ट्राचे स्थूल राज्य उत्पाद २००७-०८ चं पृर्वांनुमान हे कृषि व औद्योगिक उत्मादनातील अरेक्षेत पातळी आणि वाहतृक, दळणवळण, व्यापार, हॉटेल्स व उपाहारगृहे, स्थावर मालमत्ता व व्यवसाय सेवा इ. सारख्या प्रमुख उपक्षेत्रांतील कार्मगिरी विचारात घेऊन तयार करण्यात आले आहेत. स्थिर (१९९९-२०००) किमतींनुसार स्थूल राज्य उत्पाद २००७-०८ मध्ये ९.० टक्के एवढ्या दराने वाढेल असं अपेक्षित आहे, त्या तुलनेत २००६-०७ मध्ये ही वाढ ९.७ टक्के होती. स्थूल राज्य उत्पादातील ही लक्षणीय वाढ समाधानकारक पाऊस, औद्योगिक उत्पादनातील सातत्यपृर्ण वाढ व सेवा क्षेत्राच्या वृध्दिदरात झालेल्या सुधारणेमुळे अपेक्षत आहे. चालू हंगामात झालेला चांगला पाऊस व परिणामतः रब्बी आर्णि खरोप उत्पादनासंबंधी चांगले भाकित यामुळे कृषि व संलग्न कार्यें या क्षेत्रातील स्थिल राज्य उत्पाद ५.८ टक्के इतके वाढेल असे अपेक्षित आहे. उद्योग क्षेत्रात २००७-०८ मध्ये २०.३ टक्क इतकी वाढ अपेक्षत असून ही वाढ मुख्यतः वस्तुनिर्माण (९.८ टक्के) व बांधकाम (१४.१ टक्के) या उपक्षेत्रांतील जोमदार वाढीमुळे अपेक्षित आहे. सेवाक्षेत्र हे राज्य अर्थव्यवस्थेचा वृध्दिदर गतिमान ठेवण्यास सहाय्यभूत ठरले असून २००७-०८ मध्ये त्यात ९.१ टक्के इतकी वाढ अपेक्षित आहे.

| अपेक्षित वृध्दिदर : २००७-०८ |  |  |
| :---: | :---: | :---: |
| (टक्के) |  |  |
| क्षेत्र | भारत (जीडीपी) | महाराष्ट्र (जीएसडीपी) |
| कृषि व संलग्न कार्य | २.६ | $५ . ८$ |
| उद्योग | ८.९ | १०.३ |
| सेवा | १०.७ | ९.१ |
| एकूण | ८.७ | ९.० |

निण्वळ राज्यांतर्गत उत्पाद（एनएसडीपी）：यालाच सर्वसाधारणपण राज्य उत्पन्न असेही संबाधलं जाते．राज्य उत्पन्न म्हणजे अर्थव्यवस्थमध्यें विशिष्ट कालावधीमध्ये（साधारणपणे एक वर्ष）राज्याच्या भौगोलिक सिमांतर्गत निर्माण झालेल्या सर्व वस्तू व सेवांची（द्विरुकी टाळ्ठन） पैशाच्या स्वरुपात कलेली मोजदाद होय．
स्थ्थल राज्यांतर्गत उत्पाद（जीएसडीपी）：निव्वळ राज्य उत्पादात （एनएए्सडीपी）स्थिर भांडबलाच्या घसा－याचा समावेश केला जातो लंका न्यास स्थूल राज्य उत्पाद असं म्हटले जाते．

## स्थूल राज्यांतर्गत उत्पाद २००६－O心

३．३ प्रारंभिक अंदाजानुसार，महाराष्ट्राचे २००६－०७ मधील स्थिर （१९९९－२०००）किमतीनुसार स्थूल राज्यांतर्गत उत्पाद ३，७६，७८३ कोटी रुपये असून ते २००५－०६ मधोल ३，४३，५०१ कोटी रुपयांच्या तुलनेत ९．७ टक्क्स्यांनी जास्त आह．आखिल भारतासाठी तत्सम वृध्दिदर ९．६ टक्क होंता．राज्यात सर्वदूर व समाधानकारक झालेल्या पावसामुळे खरीप व रब्बी पिकांत चांगली वाढ झाल्याने कृषी क्षेत्रात अगोदरच्या वर्षाच्या तुलनेत ९．१ टक्के इतकी भरीव वाढ झाली．वस्तुनिमांण व बांधकाम या उपक्षेत्रातील उच्च वाढोमुळे उद्योग क्षेत्र १२．६ टक्के इतकी वाढ दर्शविते．अर्थव्यवस्थेला गतीशील करण्यामध्ये सेवाक्षेत्र अग्रेसर असून २००४－०५ मध्ये त्यात १२．१ टक्के इतकी वाढ झाली आणि नंतर सलग तीन वर्ष ही वाढ $९$ टक्क्यांच्या जवळपास राहिली．स्थूल राज्यांतर्गत उत्पादाचे क्षेत्रनिहाय वार्षिक वृध्दिदर तक्ता क्र．३．१ मध्ये दिले आहेत．

तक्ता क्र．३．श
स्थिर（१९९९－२०००）किमतींनुसार स्थूल राज्यांतर्गत उत्पादाचे क्षेत्रनिहाय वृध्दिदर

| अनु. <br> क्रमांक | आधाच्या वषांच्या तुलनेत बदलाची टक्केवारी |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |  |
| १．कृषष व संलग्न कार्य | $6 . C$ | 9.0 | 4.6 |
| २．खाण व दगड खाणकाम | 4．e | 0.9 | 8.9 |
| ३．वस्त्तुनिर्माण | C． 8 | १२．？ | 9.6 |
| ऊ．वीज，वायू（गस） आएण पाणीपुरवठा | ६． 4 | ३．4 | ७．0 |
| ५．बांधकाम | Q ¢ ． 0 | २२．० | १४．？ |
| ६．व्यापार，हॉटेल्स्， पर्परवहन，साठवण व दळणवळण | ९．३ | 99.4 | 29．？ |
| ७．वित्त，विमा，स्थावर मालमत्ता व | 90.0 | ७．७ | C．C |
| व्यवसाय सेवा <br> c．सार्मूहक व वैर्यक्तिक सेव्रा | ७．？ | 3.0 | ૪．७ |
| १．राज्यातगत स्थूल उत्पाद | $9 . ३$ | 9.6 | 9.0 |
| १०．उद्योग（२＋३＋४＋५） | ¢．८ | १२．६ | १०．३ |
| ११．सेवा（ $¢+\cdots+C)$ | ९．२ | 6.4 | ९．？ |
| १२．बिगर－कृषि（२ ते ८） | ९．૪ | 9.6 | 9.4 |

३．$૪$ प्रारंभिक अंदाजानुसार，महाराष्ट्राचे चालृ किमतींनुसार स्थृल राज्यांतर्गत उत्पाद २००६－०७ मध्ये ५，०९，३५६ कोटी रुपये होते व ते २००५－०६ च्या तुलनेत १६．३ टवक्यांनी जास्त होते．१९९९－२००० ते २००६－०७ या सात वर्षाच्या कालावधीत स्थिर किममतीनुसार स्थूल राज्यांतर्गत उत्पादात सुमारे ५२ टक्के वाढ झाली असृन हो एक उल्लेखनीय बाब आहे．स्थृल राज्य उत्यादाबाबत क्षेत्रन्रनहाय तपशोल तक्का क्र．३．२ मध्ये दिला आहे．

तक्ता क्र．३．२
महाराष्ट्राचे क्षेत्रनिहाय स्थूल राज्यांतर्गत उत्पाद
（कोटी रुपये）
वर्ष प्रार्थमिक द्वितीय

चालू किमतींनुसार

| १९९९－00 | ૪०，८७० | ७श，२८० | १，3५，६८o |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| २000－0？ | ૪о，¢o？ | ६७，44． |  | २，ム२，२८३ |
| २00q－oर | ૪૪，¢૪२ | ज०，१६४ | 9，49，Rov | २，勺と，¢P\％ |
| २००२－०३ | 84，प99 | けС，३८？ | २，७६，३けム | ३，00，૪७૬ |
| २00३－0才 | 4२，4श？ | ९१，७२२ | १，९७，८८३ | ३，૪१，૪२૪ |
| 2008－04 | ५२，С१？ | १，०५，०९२ | २，२९，४く७ | ३，८७，३९० |
| 2004－0¢ | ५श，६५\％ | १，२०，८६？ | २，4७，¢૪३ |  |
| 200\％－06 | E९，u९？ | १，૪३，०६૪ | २，९६，५०ף | ५，0९，इ५६ |

स्थिर（१९९९－२०००）किमतींनुसार

| २000－०\％ | ३९，२०३ | ६૪，¢१४ | १，३С，५९८ | २，४२，६१५ |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 200\％－0マ | ૪१，९७૪ | ६૪，$\frac{\text { ¢ }}{}$ | \＆，ช६，६८२ | २，५३，०७२ |
| २00マ－०३ | ૪३，040 |  | १，५७，६३ム | २，৩০，९७० |
| 2003－0才 | ช७，५くく | ७६，३२० | २，६६，4\％० | २，९०，४६८ |
| 200\％－04 | ४४，९०२ | くマ，७३し | १，$¢ \digamma_{4}, \xi \cup$ ？ |  |
| 2004－0¢ | ४८，৩९६ | ¢0，¢३४ | २，०३，وง？ | ३，४₹，५०९ |
| २00६－0७ | 4२，940 | १，०२，६९३ | २，29，9\％० | ३，७¢，७く३ |

## दरडोई स्थूल राज्यांतर्गत उत्पाद

३．4 स्थिर（१९९९－२०००）किमतींनुसार दरडोई स्थूल राज्यांतर्गत उत्पादात २००५－०६ च्या तुलनेत २००६－०७ मध्ये ८．० टक्के इतकी वाढ झाली तर चालू किमततंनुसार ही वाढ १४．५ टक्के होती．दरडोई स्यूल राज्यांत्तरंत उत्पादाबाबत तपशील तक्ता क्र．३．३ मध्ये दिला आहे．

तक्ता क्र．३．३
महाराष्ट्राचे दरडोई स्थूल राज्यांतर्गत उत्पाद
（रुपये）

| वर्ष | चल्लू किमतीती | स्थिर（८९९९－२०००）किमर्तीनुसार | निर्देशांक |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| १९९९－00 | २६，२५७ | २६，२५७ | 900.0 |
| 2000－0२ | २६，२३૪ | २५，२२८ | ९६．？ |
| २०0१－०२ | २७，९९२ | २५，С૪३ | 9८．$\%$ |
| 200マ－0३ | ३०，२३८ | २ง，२८८ | १०३．५ |
| 200३－0才 | ३マ，く¢६ | २८，७¢९ | ¢O¢．E |
| poor－0¢ | ३७，७७○ | ३०，६ヶヶ4 |  |
| 2004－0¢ | र२，04\％ | ३२，९७८ | श२५．६ |
| 200¢－0才 | ૪く，१७？ | ३＇4，६३३ | श३५．${ }^{\text {¢ }}$ |

वाढीचे कल
३.६ १९९९-२००० ते २००६-०७ या मागील सात वषांच्या काळात स्थिर (१९९९-२०००) किमतींनुसार स्थूल राज्यांतर्गत उत्पादाचा चक्रवाढ वर्षार्षिक वृध्दिदर ६.६ टक्के होता. याच कालावधीत स्थूल राज्यांतर्गत दरडोई उत्पाद ४.९ टक्क्यांनो वाढले. या कालावधीत प्राथमिक, द्वितीय त्व तृतीय क्षेत्रांचे वृध्दिदर अनुक्रमे ३.९ टक्के, ६.३ टक्के आणि ७.६ टक्के असे होते.
३.७ स्थिर (२९९९-२०००) किमतींनुसार मागील सात वर्षांतील स्थृल राज्यांतगंत उत्पादातील वाढीचा कल अर्थव्यवस्थेच्या तीनही क्षेत्रांत एकसारखा नव्हता. प्राथमिक क्षेत्रातील उत्पन्न १९९९-२००० मधील ४०,८७१ कोटी रुपयांवरुन २००६-०७ मध्ये ५२,९५० कोटी रुपयांपर्यंत (२९.६ टक्के) वाढले. अवर्षणाच्या कारणामुले २०००-०१ व २००४-०५ या वर्षांत कृषि क्षेत्राचा वृध्दिदर ऋण होता, त्यामुळे प्रार्थमिक क्षेत्रावर


प्रतिकूल परिणाम झाला. या पीछेहाटीनंतर कृषि क्षेत्रात २००५-०६ व २००६-०७ या वर्षांत सरासरी ९.१ टक्के इतकी भरीव वाढ झाली. २९९९-२००० ते २००६-०७ या काळ्टात द्वितीय क्षेत्रातील उत्पन्नात ७१,२८० कोटी रुपयांवरुन १,०२,६९३ कोटी रुपये (४४.? टक्के) इतकी वाढ झाली. याच कालावधीत तृतीय क्षेत्रातील उत्पत्रात १,३५,६८० कोटो रुपयांवरून २,२१,२४० कोटी रुपये (६३.० टक्के) इतकी वाढ झाली व त्यामध्ये २.२ ते १२.२ टक्के या द्रम्यान चृध्दिदर दिसून आला स्थूल राज्यांतर्गत उत्पादाचे क्षेत्रनिहाय वार्षिक वृध्दिदर तक्ता क्र. ३.४ मध्ये दिले आहेत.
३.८ तक्ता क्र. ३.४ मधील आकडेवारीवरुन असे दिसून येते की, राज्य अर्थव्यवस्थेत मागील सलग तीन वर्षांत ९.० टक्याहून अधिक वृध्दि झाली आहे. मागील सलग दोन वर्षांत द्वितीय क्षेत्राने दोन अंकी वृध्दिदर गाठला आहे. आर्थिक वाढीतील ही उच्च वाढ द्वितीय व तृतीय क्षेत्रांतोल वाढोमुळे झाली आहे. यावरून महाराष्ट्राची अर्थव्यवस्था हो

तक्ता क्र. ३. ४
स्थूल राज्यांतर्गत उत्पादाचे क्षेत्रनिहाय वार्षिक वृध्दिदर
( टक्के)

| वर्ष | प्राथमिक | द्वितीय | तृतीय | स्थूल राज्यांतर्गत उत्पाद |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| २०00-0१ | (-) 8.9 | (-) 9.9 | २.२ | (-) $२ . ?$ |
| २००२-०२ | ७.¢ | $(-) 0 . \xi$ | 4.6 | ૪.३ |
| 200२-०३ | २.६ | ७.9 | ७. 4 | ६.C |
| २oo३-o૪ | 90.4 | 9.e | 4.6 | v. 4 |
| 2008-04 | (-) $4 . \xi$ | c. 8 | १२.१ | $6 . ?$ |
| 2004-0¢ | C. 6 | 9.9 | ९.२ | $\bigcirc .3$ |
| २००६-О७ | 6.4 | १२.९ | 6.4 | 9.6 |
| 2oov-0く* | 4.6 | १०. 8 | 9.9 | 9.0 |

* पूर्वानुमान

जोमदारपणे व उच्च वाढीच्या दिशेने वाटचाल करीत असल्याचा निष्कर्ष काढता येतो. तथापि, राज्य अर्थव्यवस्थेचा हा वृध्दिंगत दर भविष्यातही टिकविण्यासाठी सुनियोजित प्रयत्नांची आवश्यकता आहे.
३.९ अर्थव्यवस्थेचा नियोजनबध्द विकास करणे हे शासनाचे उत्तरदायित्व आहे, स्थूल राज्यांतर्गत उत्पाद है विकासाच्या पातळ्ठीचे मांजमाप करण्याचा सर्वसमावेशक निद्रेक आहे, त्यामुले विविध पंचवार्षिंक योजनांच्या काळात स्थूल राज्यांतर्गत उत्पादात झालेल्या वाढीचे सातत्याने मोजमाप व संनियंत्रण करणे क्रमप्राप्त ठरते. आठव्या, नवव्या व दहाव्या पंचवर्षिक योजनेच्या काळात स्थूल राज्यांतर्गत उत्पादाचा चक्रवाढ वार्षिक वृध्दिदर अनुक्रमे ७.८ टक्के, ३.८ टक्के व ८.३ टक्के इतका होता. योजनांच्या कालावधीतील क्षेत्रनिहाय स्थूल राज्यांतर्गत उत्पादाचे वृध्दिदर तक्ता क्रमांक ३.५ मध्ये दिले आहेत.

तक्ता क्र. ३.4
स्थूल राज्यांतर्गत उत्पादाचे योजना/क्षेत्रनिहाय वृध्दिदर
(टक्के)

| पं.वा.यो. | प्राथमिक | द्वितीय | तृतीय | एकूण |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| ६ वी | १.३ | ३.८ | 4.8 | ४.0 |
| $७$ वो | ७.9 | ७. ${ }^{\text {¢ }}$ | E.4 | ७.? |
| $<$ वी | c. $\gamma$ | ७. $¢$ | ७.७ | G.C |
| $\rho$ वी | १.3 | (-) $0 . \gamma$ | E.9 | ३. 6 |
| १० वी * | ૪.३ | ९.६ | c. ${ }^{\text {b }}$ | C.3 |

* अस्थायी


## राज्य उत्पत्र

३.१० प्रारंभिक अंदाजानुसार महाराष्ट्राचे २००६-०७ मधील चालू किमरींनुसार राज्य उत्पन्न, म्हणजेच निव्वळ राज्यांतर्गत उत्पाद ४,३७,०३५ कोटी रुपये होते व ते २००५-०६ च्या तुलनेत १६.३ टक्क्यांनी जास्त होते. प्राथमिक क्षेत्रात ३७.२ टक्के वाढ झाली तर द्वितीय व तृतीय क्षेत्रांत अनुक्रमें ३८.७ टक्के आणि ३५.० टक्के इतको वाढ झाली.

३．११ स्थिर（१९९९－२०००）किमतीनुसार २००६－०७ मधील राज्य उत्पन्न ३，२५，१४८ कोटी रुपये अंद्दाजित आहे व ते २००५－०६ मधील २，९६，१५५ कोटी रुपयांच्या तुलनेत ९．८ टक्क्यांनी जास्त आहे．ही वाढ प्राथमिक क्षेत्रातील ८．६ टक्के，द्वितीय क्षेत्रातील १३．४ टक्के व तृतीय क्षेत्रातील ८．६ टक्के इतक्या निव्वळ वाढीच्या परिणामी झलेली आहे．

दरडोई राज्य उत्पत्र
३．१२ प्रारंभिक अंदाजानुसार महाराष्ट्राचे २००६－०७ मधील चालू किमतीनुसार दरडंइं राज्य उत्पन्न（म्हणजे निव्वळ राज्यांतर्गंत दरडोई उत्पाद）४१，३३२ रुपयें होते तर २००५－०६ मध्ये ते ३६，०९० रुपये होते． स्थिर（१९९९－२०००）किमर्तीनुसार वर्ष २००६－०७ मधील दरडोई राज्य उत्पन्न ३०，७५० रुपये होते तर २००५－०६ मध्ये ते २८，४३३ रुपये होते．वृध्दिदराच्या बाबतीत २००६－०७ मध्ये ही वाढ ८．२ टक्के तर २००4－0६ मर्ये 1.9 टक्के इतकी होती．

## राज्य उत्पत्राची क्षेत्रवार विभागणी

३．१३ २००६－०७ मध्ये（चालू किंमतीनुसार）राज्य उत्पन्नाच्या क्षेत्र्रनहाय विभागणीवरून प्रार्थमक，द्वितीय व तृतीय क्षेत्राचा वाटा अनुक्रमे १४．९ टक्के， $34 . १$ टक्के व $4 ९ . २$ टक्के असल्याचे दिसून येते．१९९९－२००० या वर्षात तत्सम वाटा अनुक्रमे १७．८ टक्के，२६．७ टक्के व $4 ५ .4$ टक्के इतका होता．

३．१४ श९६०－६१ ते २००६－०७ या कालावधीत राज्य उत्पन्नाच्या क्षेत्रनिहाय विभागणीत लक्षणीय बदल झाले आहेत．या ४६ वर्षाच्या कालावधीत प्रारमिक क्षेत्राचा वाटा ३१ टक्क्यांवरून $३ ५$ टक्क्यांपर्यंत ＇्बाली आला तर द्वितीय क्षेत्राचा वाटा २३ ते ३२ टक्क्यांच्या दरम्यान राहिला，मात्र तृतोय क्षेत्राचा वाटा ४६ टक्क्यांवरून ५९ टक्के इतका वाढला．यावरून असा निष्कर्ष काढणे शक्य आहे की，अर्थन्यवस्थेतील तृतीय क्षेत्राची भरभराट अत्यंत जलद गतीने झाली आहे．राज्य उत्पन्नाची क्षेत्रनार विभागणी तक्ता क्र．३．६ मध्ये दिली आहे．


तक्ता क्र．३．६ राज्य उत्पत्राची क्षेत्रवार विभागणी
（टक्के）

| वर्ष | प्रार्थामक | द्वितीय | तृतीय |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| १९६०－६？ | ३？ | २३ | ช६ |
| १९७－－७१ | २२ | २९ | ช¢ |
| १९く0－く？ | २૪ | ३० | ช६ |
| १9९0－9९ | २ | ३२ | ช७ |
| 2000－0？ | 2ง | २५ | $4 C$ |
| २OOE－OG＊ | 34 | २६ | 49 |

## आंतरराज्य तुलना

३．३५ भारतातील प्रमुख्ड राज्यांचे २००५－०६ या वर्षातील चालू किमतींनुसार राज्य उत्पन्न व दरडोई राज्य उत्पत्र आणि १९९९－२००० ते २००६－०६ या कालावधीतील राज्य उत्पन्न व दरडोई राज्य उत्पन्न यांचे चक्रवाढ वार्षिक वृध्दिदर तका क्र．३．७ मध्यो देण्यात आले आहेत． दरडोई राज्य उत्पत्नाच्या बाबतीत भारतातील प्रमुख राज्यात महाराष्ट्र राज्य हे हरयाणानंतर द्वितीय क्रमांकावर आहे．

तक्ता क्र．३．७
प्रमुख राज्यांचे राज्य उत्पन्न，दरडोई राज्य उत्पत्र आणि वृध्दिदर

| राज्य | चालू किंमतीनुसार(२००५-0६) |  | वृध्दिदर＊$(\%)$ |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | राज्य <br> उत्पन्न （कोटी रुपये） | दरडोई राज्य उत्पन्न （रु．） | $\begin{aligned} & \text { राज्य } \\ & \text { उत्पन्न } \end{aligned}$ | दरडोई राज्य उत्पन्न |
| हरयाणा | CP，C५V | ३く，く३२ | 6.4 | 4.7 |
| महाराष्ट्र | 3，64，994 | ३६，०९० | 4.6 | ४．о |
| पंजाब | ९२，4३८ | ३४，९२९ | ३．६ | Q．C |
| गुजरात | १，८६，६४२ | ३४，ఇ५७ | $6 . C$ | E．9 |
| हिमाचल प्रदेश | २२，३९० | ३३，С0¢ | ६．३ | 8.4 |
| केरळ | १，०२，4०८ | ३०，६६८ | १२． 4 | 4.9 |
| तामिळनाडू | १，9૪，५२८ | २९，94С | ૪．૪ | ३．4 |
| कन्नाटक | श，4१，७8\％ | २७，\％०？ | 4．E | \％？ |
| आंध्र प्रदेश | ：२，२०，६५७ | २६，२१？ | ૬．३ | 4.9 |
| भारत | २८，ช६，७६२ | २ム，P५६ | ६．$\gamma$ | ૪．६ |
| पश्चिम बंगाल | २，१३，४२७ | २，२५¢ | ૬． 0 | ૪．७ |
| ओरिसा | ६७，०९० | १७，२९९ | ६．३ | 4.0 |
| मध्य प्रदेश | १，०४， $8<4$ | ใ4，く५३ | ३． 0 | 9.9 |
| उत्तर प्रदेश | २，४२，२९६ | १३，२६२ | ૪．२ | － 2.9 |
| बिहार | ७२，О०द | G，Cou | ३．9 | Q．८ |

तुलना :
अ) स्थूल देशांतर्गत व राज्यांतर्गत उत्पाद

३.२६ चालू किमतीनंनुसार २००६-०७ मध्ये स्थूल देशांतर्गत उत्पाद ३७,९०,०६३ कोटी रुपये अंदाजित होते व ते २००५-०६ मधील ३२,७५,६७० कोटी रुपयांच्या तुलनेत १५.७ टक्क्यांनी अधिक होते. स्थूल राज्यांतर्गत उत्पादातील याच काळातील तत्सम वाढ १६.३ टक्के इतकी होती. स्थिर (१९९९-२०00) किमतीनुसुसर २००६-०७ मध्ये स्थूल देशांतर्गत उत्पाद २८,६४,३०९ कोटी रुपये अंदाजित होते व ते २००५-०६ मधील २६,१२,८૪७ कोटी रुपये उत्पादापेक्षा ९.६ टक्क्यांनी अधिक होते. स्थूल राज्यांतर्गत उत्पादातील तत्सम वाढ ९.७ टक्के होती.

## ब) राष्ट्रीय उत्पन्न व राज्य उत्पत्र

३.१७ चालू किमतींनुसार २००६-०७ मध्ये राष्ट्रीय उत्पन्न (निव्वळ राष्ट्रीय उत्पाद) ३३,२५,८२७ कोटी रुपये अंदाजित असून ते २००५-०६ मधील २८,७०,७५० कोटी रुपये राष्ट्रीय उत्पन्नापेक्षा १५.९ टक्क्यांनो अधिक होते. राज्य उत्पन्नातील तत्सम वाढ १६.३ टक्के इतकी होतो. २००६-०७ मध्ये चालू किमतींनुसार दरडोई राष्ट्रीय उपत्र २९,६४२ रुपये होते तर दरडोई राज्य उत्पन्न ४१,३३२ रुपये होते. २००५-०६ च्या तुलनेत २००६-०७ मध्ये स्थिर (१९९९-२०००) किमतीनुसार राष्ट्रीय उत्पन्नात ९.७ टक्के वाढ तर राज्य उत्पत्रात ९.८ टक्के वाढ दिसून आलो.
३.३८ राज्य व राष्ट्रीय उत्पन्नाचे वृध्दिदर तक्ता क्र. ३.८ मध्ये दिले आहेत महाराष्ट्र राज्याने राष्ट्रोय उत्पन्नातील १३ टक्के वाट्यासह देशाच्या अर्थव्यवस्थेतील आपले आघाडीवरील स्थान सातत्याने कायम राखले ही एक गोरवास्पद बाब आहे.

तक्ता क्र. ३.८
राज्य व राष्ट्रीय उत्पन्नाचे वृध्दिदर
(टक्के)

| वर्ष | $\begin{aligned} & \text { राज्य } \\ & \text { उत्पत्न } \end{aligned}$ | दरडोई राज्य <br> उत्पत्र | राष्ट्रीय उत्पत्र | दरडोई राष्ट्रीय उत्पन्र |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 2000-09 | (-) 3.$\}$ | (-) 8.9 | 3.19 | १.८ |
| २००२-0२ | ३.4 | १.६. | 4.6 | ३.७ |
| २००२-०३ | ૬.9 | 4.3 | ३.६ | २.० |
| '200३-0才 | ७.२ | 4.4 | C.७ | ט.? |
| २00\%-04 | C. 8 | ૬.७ | ७.? | 4.4 |
| २004-0६ | 9.4 | ७.9 | ९.६ | ७.९ |
| २००६-०७ * | $9 . C$ | C. $\%$ | ९.७ | C.2 |

* उस्थायी
३.१९ चालू किमतींनुसार २००६-०७ या वर्षातील राष्ट्रीय उत्पन्रात़ प्राथमिक, द्वितीय व तृतीय क्षेत्रांचा वाटा अनुक्रमे २२.० टक्के, २४.२ टक्के व ५३.८ टक्के होता. राज्य उत्पन्नातील तत्सम वाटा अनुक्रमे २४.९ टक्के, २५.९ टक्के व ५९.२ टक्के होता.

३.२० चालू व स्थिर (१९९९-२०००) किमर्तीनुसार स्थूल राज्यांतर्गत उत्पाद, राज्य उत्पत्र आणि चालू व स्थिर (१९९९-२०००) किमत्तींनुसार राष्ट्रीय उत्मत्र यांच्याबाबतचा १९९९-२००० ते २००६-०७ ह्या वर्षांसाठीचा क्षेत्रनिहाय तपशील या प्रकाशनातील भाग-२ मधील तक्ता क्रमांक १ ते ७ मध्ये दर्शविला आहे.


## जिल्ह्यांतर्गत उत्पाद

३.२१ राज्य उत्पाद अंदाज तयार करण्याकरिता वापरण्यात येणा-या पध्दतीप्रमाणेच उत्पत्र स्त्रोत पध्दत' या संकल्पनेचा अवलंब करुन जिल्हास्तरावरील उत्पादाचे अंदाज तयार करण्यात आले आहेत. त्यामुळे राज्यांतर्गत उत्पाद अंदाजांतील सर्व अंगभूत मयांदा जिल्ह्यांतर्गत उत्पन्न अंदाजांबाबतही लागू आहेत. जिल्हास्तरावरील उत्पादाचे अचृक अंदाज तयार करण्यासाठी ‘जिल्द्यात संचयित होणारे उत्पन्न’ हो पध्दत वापरणे अधिक योग्य असले तरी जिल्हास्तरावरोल आर्थिक उलाढार्लीचा परिणाम जिल्द्यापुरताच मर्यादित रहात नसल्याने, तसेच संबंधित जिल्ह्याला बाहेरून प्राप्त होणा-या व संबंधित जिल्ह्यातून बाहेर जाणा-या उत्पन्नाचे मोजमाप पूर्णतः करेणे शक्य नसल्याने सदर पध्दतीचा वापर करता येत नाही. जिल्हा उत्पत्राचे अंदाज तयार करण्याकरिता लागणारी जिल्हावार मृलभूत आकडेवारी अद्यापही अपेक्षित दर्जांची नाही. वस्तुनिर्माण क्षेत्राकरिता बहुतांश आकडेवारी उपलब्ध आहे, मात्र इतर क्षेत्रांकरिता आकडेवारी अतिशय अल्प प्रमाणात उपलब्ध आहे. त्यामुळे ज्या क्षेत्रांकरिता जिल्हास्तरावरील आकडेवारी उपलब्ध आहे, त्या क्षेत्रांकरिता राज्य उत्पाद अंदाज तयार करण्याची कार्यपध्दती अवलंबून जिल्हास्तरावरोल उत्पन्नाचे अंदाज तयार केले आहेत. ज्या क्षेत्रांकरिता अशी माहिती उपलब्ध नाही, त्या क्षेत्रांकरिता जिल्हावार अनुरूप असे निर्देशक वापरून त्याआधारे राज्यस्तरावरील उत्पादाचे जिल्ह्यांमध्ये वाटप करण्यात आले

आहे. आकडेवारोच्या उपल्नब्धतेचा अभाव, अनुरूप निर्देशकांचा वापर, तसंच अंदाज तयार करण्याच्या पध्दतीमधोल विविध मर्यादा या सर्वांमुळे जिल्हा उत्पादाचे अचूक अंदाज बांधण्यामध्ये मर्यादा येत असल्याने, हे अंदाज ढोबळ मानाने जिल्ह्यातील उत्पत्राची पातळी अजमाविण्याकरिता वापरावेत. जिल्ह्यांत्गंत उत्पादाचे अंदाज या प्रकाशनातील भाग - २ मधील तक्ता क्र. ८ मध्ये दिलेले आहेत.

> निव्वळ जिल्हमांतर्गत उत्पाद (एनडीडीपी) यालाच सर्वसाधारणपणे जिल्हा उत्पत्र असे संबोधले जाते. जिल्हा उत्पत्न म्नणजे जिल्द्याच्या भौगोलिक सिमांतर्गत विशिष्ट कालावधीमध्ये (साधारणापणं एक वर्ष) निर्माण झालेल्या सर्व वस्तू व सेवांची (द्विरुकी टाळून) पेशाच्या स्वरुपात केलेली मोजदाद होय.
> स्थूल जिल्चांतर्गत उत्पाद (जीडीडीपी): निव्वळ जिल्घ्यांतर्गत उत्पादात (एनडीडीपी) स्थिर भांडवल्लाच्या घसा याचा समावेश केल्यास त्यास स्थूल जिल्द्यांतांत उत्पाद असे संबोधले जाते.

दरडोईं निल्बळ जिल्हा उत्पाद
३.२२ २००६-०७ मधील चालू किमतीनुसार दरडोई निव्वळ जिल्हा उत्पादाचा विचार करता राज्यातील सर्व जिल्द्यांमध्ये बृहन्मुंबइंचे दरडोई उत्पन्न सर्वाधिक म्हणजे ६५,३६१ रुपये इतके होते. त्या खालोखाल पुणे
(६०,३७५ रुपये), ठाणे (५८,२२૪ रुपये), रायगड (४७,६४८ रुपये), नाशिक (४६,०६४ रुपये) व नागपूर (४४,५९८ रुपये) या जिल्द्यांचा क्रम लागतो. वाराशम जिल्ह्याचे दरडोई उत्पत्र सर्वांत कमी (२०,७७૪ रुपये) होते.


## लोकवित्त

## राज्याची वित्तीय स्थिती


૪. $१$ राजकोषोय उत्तररदायित्व व अर्थसंकल्पोय व्यवस्थापन अधिनियम, २००५ च्या अंमलबजावणीसारख्या विन्तीय सुधारणांमुळे गेल्या काही वर्षांत महाराष्ट्र शासनाला राज्याची एकंदर वित्तीय स्थिती रुबावर आणता आली आहे. चालू वर्षांत महसुली तूट भरून काढृन यापूर्वीच महसुली शिलकीचा पल्ला गठलेल्या काही मोजक्या राज्यांच्या (हरयाणा, तामीळनाडू, कनाटक आणण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली) गटात स्थान मिळववण्यासाठी राज्य प्रयत्नशील आहे. राजकोषीय उत्तरदायित्व व अर्थसंकल्पीय व्यवस्थापन अर्धानयम लागू करण्यापूव्वो २९९४-९५ मध्येच राज्याने महसुली शिल्लक प्रत्यक्ष अनुभवली. त्यानंतर सतत गेली १२ वर्ष राज्याला महसुली तूट भंडसावत आहे. २००२-०३ मध्ये राज्याची महसूली तूट सर्वाधिक म्हणजे महसुली जमेच्या सुमारे ३०.१ टक्के होती. मात्र त्यात सातत्याने घट होंऊन २००६-०७ मध्ये ती सर्वांत कमी महणजे महसुली जमेच्या ५.३ टक्के इतकी झाली. दहाव्या पंचवार्षिक योजनेच्या कालावधीत महसुली जमा जवळपास दुपटीने वाढल्यामुळेच शासनाला हे शक्य झाले.
४.२ राज्याच्या वित्तीय तुटीचे स्थृल राज्य उत्पादाशी प्रमाण २००३-०४ मध्ये सवांधिक मृणजे ५.३ टक्के इतके होते. त्यामध्ये हबूहबू घट होऊंन २००६-०७ मध्ये ते ₹.? टक्क्यांप्यंत खाली आली. एकंदरीत राज्य शासनाने महसुली व वित्तीय तूट मोठ्या प्रमाणात कमी क्रागयात यश मिळविले असृन राजकोषीय उत्तरदायित्व व अर्थसंकल्पीय व्यवस्थापन अधिनियमाचे एक महत्वाचे उद्दिष्ट साध्य केले आहे. अशा रितोने महाराष्ट्र राज्य आता वित्तीय दृढीकरणाकडून वित्तीय स्थिरतेकडे मांग्रमण करीत आहे.
४. 3 राज्य शासनाने २००७-०८ चा अर्थसंकल्प वित्तीय सुधारणा आणि दृढीकरणाच्या बांधिलकीच्या पार्ध्धभूमीवर सादर केला. गेल्या काही वर्षांत महसुली जमेमध्ये भरघोस वाढ व महसुली खर्च त्यामानाने कमी करण्यात राज्य शासनास यश प्राप्त झाले आहे. २००३-०४ ते २००६-०७ या कालावधीत महसुली जमेत वर्षाला २०.६ टक्के दराने वाढ झाली, तर महसुली खर्चांच्या बाबतीत ही वाढ २४.१ टक्के इतकी होती. परिणामी, शासनाच्या महसुली तुटीमध्ये लक्षणीय घट झाली. राज्यातोल महसुली जमेतील वाढ २००५-०६ मध्ये १८.१ टक्क होती,

तर ती २००६-०७ मध्ये २४. ४ टक्के इतकी झाली. २००७-०८ मध्ये महसुली जमेतील वाढ १३.३ टक्के इतकी अप्पेक्षत आहे, तर महसुलीं खर्च ६.८ टक्क्यांनी वाढेल असे अंदाजित आहे.
૪.૪ मालमत्तेच्या परिरक्षणाकरिता भरीव तरतूद करूनही आस्थापनेवरोल खर्चात केलेल्या कपातीमुळे योजनेतर खर्च मोठ्या प्रमाणावर कमी करण्यात शासनास यश आले आहे वंतन, मजुरी, निवृत्तिवेतने आणि व्याजप्रदाने यांवर होणा-या खर्चांचे महसुली जमेशी प्रमाण २००५-०६ मध्ये ६८.४ टक्के होते. ते २००६-०० मध्ये ६१.८ टक्के इतके कमी झाले, तर २००७-०८ मध्ये ते आणखी कमी होऊन $५ ९ . ९$ टक्के होईल असे अपेक्षित आहे.

तक्ता क्रमांक ४.?
राज्य अर्थसंकल्पातील तुटीचे कल

|  |  | (रुपये कोटीत) |
| :---: | :---: | :---: |
| वर्ष | महस्रुली <br>  | प्राथमिक <br> तूट |

रा.उ.अ.व्य. अधिनियमापूर्वीची स्थिती

| po00-0¢ | ७,८३૪ | ३, ४५५ | ८,९७६ |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | (३.?) | (\%.4) | (३.६) |
| २00१-०२ | C,¢く¢ | ૪,४६९ | १०,८९८ |
|  | (३.0) | (१.६) | (૪.0) |
| २००२-०३ | ९,३७२ | $\bigcirc$ ७,¢\% | १४,२९० |
|  | (३.१) | (२.૪) | (४.C) |

रा.उ.अ.व्य. अधिनियम लागू केल्यानंतरची स्थिती

| २००३-or | $\begin{aligned} & \text { e, З२० } \\ & \text { (२.४) } \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & \rho, 4 ९ ३ \\ & (२, ८) \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & \text { १७,९२८ } \\ & (५, ३) \end{aligned}$ |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| 200\%-04 | ¢०,०३३ | ९,६४१ | १८,६२० |
|  | (२.६) | (२.५) | (४.C) |
| 2004-0¢ | ३, ८૪२ | ८,२८३ | १७,६३० |
|  | (0.9) | (\%.9) | (૪.0) |
| २००६-०७(सु.अं.) | ३,२९२ | ३, ८५о | १५,६२० |
|  | (0.६) | (o.C) | (३.१) |
| २००७-०८(अ.अं.) | (-)49\% | (-)९५६ | ११,१५८ |
|  | (-0.9) | (-0.२) | (१.९) |

सु.अं. - सुधारित अंदाज अ.अं. - अर्थसंकल्पीय अंदाज कंसांतील आकुडे स्थूल राज्य उत्पत्राशी टक्केवारी दर्शावितात. ॠण आकडे २००७-०८ साठीची शिल्लक दर्शावितात.


४．५ महाराष्ट्र राज्य हे महसुली शिलकीकडे वाटचाल करणारे राज्य असले तरी राज्य शासनावर असलेला कर्जाचा बोजा（ऋणभार） वर्षार्गणिक वाढतच चालला आहें व त्यामुळे ॠणसेवा व व्याजप्रदानाचा भारहो वाढत चालला आहे．त्यामुळे वाढता ऋणभार आणि ऋणसेवेची महसुली जमेच्या प्रमाणात होणारी वाढ ही राज्यासाठी एक चिंतेची बाब बनली आहे．तथापि，दर्जात्मक वित्तीय व्यवस्थापन आणि राज्य उत्पन्नातील वाढ यांच्या सहाय्याने ऋणभाराचे स्थूल राज्य उत्पादाशी असल्लेले प्रमाण २००५－०६ मधील २८．૪ टक्क्यांवरून २००६－०७ मध्ये २६．४ टक्के इतके कमी होऊ शकले असून २००७－०८ मध्ये ते २४．९ टक्क्स्यांपयंत कमो होण्याचे अंदाजित आहे．व्याजप्रदाने व ऋणसंवेचे महसुली जमेशी असलेले प्रमाण २००५－०६ मध्ये २०．१ टक्के इतके होते， ते २००६－०७ मध्ये २०．४ टक्क्यांपर्यंत वाढले असून २००७－०८ मध्ये १८．६ टक्क्यांपर्यंत खाली येण्यंचे अपेक्षित आहे．

## २००1ง－०८ चे अर्थसंकल्पीय स्थिती

४．६ २०ง－०८ च्या राज्य अथंसंकल्पानुसार महसुली व भांडवली लेख्यांवर अनुक्रने ५३१ कोटी रुपये व २，३९५ कोटी रुपये इतकी शिल्लाक अंदाजित असून एकूण अर्थसंकल्पीय शिल्लक २，९०६ कोटी रुपये इताको अंगजित आहे．वर्षारंभीची（－）८८९ कोटी रुषयांची शिल्लक विचारत घेता，२००७－०८ या वर्षाची एकूण अर्थसंकल्पीय स्थिती २，०२७ कोटी रुपयांची निव्वळ शिल्लक दरंविते．याविषयीचा तपशील तक्ता ब्र．४．२ मध्ये दिला आहे．

## महसुली जमा

૪．७ राज शासनाची एकूण महसुली जमा २००२－०३ मधील ३२，१०．३ कोटी रुपयांवरून वादून २००६－०७ मध्ये ती ६०，२६७ कोटी रुपये झाल्ली．माजेच，दहाव्या पंचवार्षिक योजनेच्या काळत राज्याची

तक्ता क्रमांक ४．२
२००७－०८ ची एकूण अर्थसंकल्पीय स्थिती
（कोटी रुपये）

| बाब | जमा | खर्च／ <br> संवितरणे | $\begin{gathered} \text { आधिक्य }(+) / \\ \text { तूट }(-) \end{gathered}$ |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| अ．महसुली लेखा | ६८．२९९ | ६७，७८¢ | 489 |
| ब．भांडवली लेखा （ $₹$ ते $C$ ） | ¢，0७，०९२ | ¢，0૪，¢९७ | २，३९५ |
| १）महसुली लेख्याबाहेरील भांडवली खर्च | － | २०，६९० | （－）$)$ ¢，६९० |
| २）राज्य शासनाचे देशांतर्गत ॠण | ¢8，9re | ५，२३० | $\bigcirc, ७$ ९९ |
| ३）केंद्र शासनाकडून कर्जे व आगाऊ रकमा | Ci9 | ช२ง | rop |
| ૪）राज्य शासनाने दिलेली कजे व आगाऊ रकमा |  | २，५१२ | （－）९७く |
| ५）आंतरराज्यीय तडजोड | － | 0 | 0. |
| ६）आकस्मिकता निधीत केलेली विनियोजने | － | $\bigcirc$ | － |
| ७）आकस्मिकता निधी | $\bigcirc$ | $\bigcirc$ | $\bigcirc$ |
| C）लोक लेग्डा | ¢0，ט९， | е६，¢үе | ३．९४२ |
| क．वित्तीय स्थिती（अ＋ब） | Р，७५，३९९ | ¢，७२．8८५ | २．アО¢ |
| २）आरंभीची शिल्लक |  |  | （－） 6 ¢ ${ }^{\text {P }}$ |
| २）अर्थसंकल्पात समाविष्ट योजनांतर्गत नियतव्यय | न केलेला |  | － |
| ३）२००७－०८ ची एकूण अर्थसंकल्पीय स्थिती |  |  | २，०९७ |

महसुली जमा जवळपास दुप्पट झालो．कर महसूल आणि करार्य्यतिरिक महसूल या दोन्हीत ही वाढ जवळपास सारखीच होती．गेल्या तीन वर्षांत महसुली जमेचे स्थूल राज्य उत्पादाशी असलेले प्रमाण १२ टक्क्यांच्या आसपास राहिले．याबाबतचा तपशील तक्ता क्र．४．३ मध्ये दिला आहे．

तक्ता क्र．$૪ . ३$
महाराष्ट्र राज्याची महसुली जमा
（कोटी रुपये）

| वर्ष | $\begin{aligned} & \text { कर } \\ & \text { महसूल } \end{aligned}$ | कराव्यतिरिक महसूल | एकूण महसुली जमा | स्थूल राज्य <br> उत्पत्राशी <br> टक्केवारी |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 200२－0३ | २4，0७9 | ६，०२४ | ३२，२०३ | १0． 8 |
| २००३－०४ | २く，44？ | 4,699 | ३૪，३७？ | १०．$?$ |
| 200\％－04 | ३४，२०१ | ६，८१？ | ช१，०१३ | १०．६ |
| 2004－0\％ | ३С，५२२ | 9，99\％ | ૪८，૪३し | 2？．？ |
| २००६－०७（सु．अं．） | ૪६，३૪७ | १३，९२० | ६०，र६७ | ११．८ |
| रoob－0く（अ．अं） | ५३，00२ | १५，२९७ | ६८，२९9 | ११．C |



४．८ राज्याच्या कर महसुलामध्ये राज्याचा स्वतःचा कर महसूल आणि केंद्रीय करांतून राज्याला मिळणारा हिस्सा यांचा समावेश हांतो．दहाव्या पंचवार्षिक योजनेच्या कालावधीत राज्य शासनाचा कर महसूल २००२－०३ मधील २५，०७९ कोटी रुपयांवरून वाढून तो २००६－ $\circ$ ०ध मध्ये ૪६，३४७ कोटी रुपये इतका झाला．२००७－०८ मध्ये तो $4 ३, 00$ र कोटी रुपये इतका वाढेल असे अंदाजित आहे．राज्याच्या एकूण कर महसुलात जवळपास ८८ ते ९० टक्के वाटा असणारा＇राज्याचा स्वत：चा कर महसूल＇महत्त्वाची भूमिका बजावतो．यामध्ये मूल्यवधित कर （ॅटट），मुद्रांक व नोंदणी शुल्क，राज्य उत्पादन शुल्क आणि विद्युत शुल्क इ．चा समावेश होतो．

४．९ स्वतःच्या कर महसुलाव्यतिरिक्त राज्य शासनास केंद्रीय करांतोल हिस्सा देखोल मिळतो．बाराव्या विन्त आयोगाच्या शिफारर्शोस


सु．अं．－सुधारित अंदाज अ．अं．－अर्थसंकल्पीय अंदाज

अनुसरून केंद्र शासनाच्या केंद्रोय करांतील राज्यांना वितरणासाठी निश्चित केलेल्या रकमेतील ४．९९७ टक्के हिस्सा महाराष्ट्रास मिळत आहे．त्यानुसार २००५－०६ मध्ये राज्यास ४，९८३ कोटी रुपये इतको रक्कम केंद्रीय करांतील हिश्शापोटी मिळाली होती．ही रक्कम २००६－०७ मध्ये छ，०२४ कोटी रुपये इतकी वाढली，तर २००७－०८ मध्ये ती ७，२२९ कोटो रुपयांपयंत वाढण्याचे अंदाजित आहे．याबाबतचा तपशील तक्ता क्र．૪．૪ मध्ये दिला आहे．

४．१० राज्य शासनास स्वतःच्या कर महसुलामध्ये मृल्यर्वर्धत करापासून सर्वाधिक（ $\xi_{0}$ टक्के）महसूल मिळतो．मूल्यर्वधित करापासून －मिळणा－या महसुलात २००६－०७ मध्ये २२ टक्के वाढ झाली．२००५－ $\circ$ ६ या वर्षांत कंट प्रणाली लागू केल्यामुळे झालेल्या महसुलाच्या नुकसान भरपाइपोटी केंद्र शासनाने ३，६७० कोटी रुपये राज्यास अदा केले आहेत． त्याचप्रमाणे，२००६－०७ मधील नुकसान भरपाई पोटी ३，०६२ कोटी रुपये केंद्र शासनाकडून राज्यास मिळणे अरेक्षित आहे．२००७－०८ या वर्षांत ऑक्टोबर，२००७ पयंतच्या नुकसान भरपाईपोटी $७ 00$ कोटी रुपयांची मागणी केंद्र सरकारकडे करण्यात आली आहे．याबाबतचा तपशील तक्ता क्र．૪．५ मध्ये दिला आहे．

तक्ता क्र． 8.4
महाराष्ट्र राज्याचा स्वतःचा कर महसूल
（कोटी रुपये）

| बाब | २०04－0६ <br> （प्रत्यक्ष） | $\begin{aligned} & \text { २००६-०७ } \\ & \text { (सु.अं.) } \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & \text { २००७-०८ } \\ & \text { (अ.अं.) } \end{aligned}$ |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| मूल्यर्वर्ध कर（ङॅट） | २९，६७७ | २३，९६२ | २७，૪६५ |
| मुद्रांक व नोंदणी शुल्क | ५，२६६ | ६，२40 | v，200 |
| राज्य उत्पादन शुल्क | २，८२४ | ३，240 | 3，400 |
| विजेबरील कर व शुल्क | २，६६२ | २，६९७ | श，७く？ |
| उत्पत्र व खर्चावरील | २，ף५७ | १，२३२ | १．२९८ |
| इतर कर | ， |  |  |
| वाहनांवरील कर | १，३०९ | १，＜00 | २，0७० |
| विक्रेय वस्तू व सेवा यांवरील इतर कर व शुल्क | ७८？ | Pく६ | २，२७५ |
| माल व उतारूवरील कर | $40 \%$ | 48\％ | 498 |
| जमीन महसूल | ४२९ | ६०० | ६९० |
| एकूण | ३३，५३९ | ૪०，३२३ | ૪ム，८७ |
| महसुली जमेशी \％ | （६१．२） | （६६．९） | （६७．२） |
| सु．अं．－सुधारित अंदाज | अ．अं． | अर्थसंकल्प | अंदाज |

एप्रिल ते डिसेंबर，२००७ मधील प्रत्यक्ष कर महसूल
૪．$१ १$ नागरी लेखा विभागाकडून मिळालेल्या प्रत्यक्ष कर महसुलाबाबतच्या माहितीच्या आधारे，एप्रिल ते डिसेंबर，२००७ या

कालावधांत एक्रूण महस़ली जमंत आधोच्या वर्षीच्या तत्सम कालावधीच्या तुालनंतं $१ ० . ६$ टक्यांनी वाढ झालो आहे．याच कालावधीत कर महसुल १：३．३ टक्क्यांनी वाढला，तर करार्य्यतिरिक्त महसूल १．४ टक्क्यांनी कमी झाला．राज्याच्या स्वतःच्या कर महसुलात गतवर्षोच्या तत्सम कालावधीच्या तुलनेत १२．८ टक्के इतकी वाढ झाली आहे．यामध्ये द्लंटपासून मिळणा－या महसुलात ९ टक्के，मुद्रांक व नोंदणी शुल्कात २＂५．६ टक्के，राज्य उत्पादन शुल्कात १७．२ टक्क आर्णण वाहनांवरील कर यामध्ये १२．८ टक्के इतकी वाढ झाली आहे．तथापि，विजेरील कर व शुल्क यामध्ये मागील वर्षोच्या तत्सम कालावधीतील शुल्काच्या तुलनेत १३ टक्यवांनी घट झात्रो．याबाबतचा तपशील तवता क्र．४．६ मध्ये दिढला आहे．

तक्ता क्र．४．६
एप्रिल ते डिसेंबर，२००७ मर्धील प्रत्यक्ष कर महसुली जमा
（कोटी रुपये）


૪．१२ चालू वित्तीय वर्षाच्या पहिल्या नऊ महिन्यांतील राज्याची एक्रूण महसूलो जमा अर्थंकल्पीय अंदाजाच्या ६३．९ टक्के होती．यामध्ये कर महसुली जमा अर्थसंकल्पीय अंदाजाच्या ६८．८ टक्के होती， तर याच कालावधीत कराव्यातिरिक्त महसुली जमा अर्थसंकल्पीय अंदताजाच्या ૪७．२ टक्के होती．याबाबतचा तपशील तक्ता क्र．૪．७ मध्ये दिल्या आहे

तका क्र．૪．心
एमिल ते डिसेंबर，२००७ मधील महसुली जमा
（कोटी रुपये）

|  | बाब उ | $\begin{aligned} & \text { अर्थसंकल्मीय } \\ & \text { उंदाज } \\ & \text { २००७-०く } \end{aligned}$ | पहिल्या <br> $\rho$ माहन्यांतील <br> प्रत्यक्ष जमा | अ．अं．शी टक्केवारी |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | कर महसूल $(१+२)$ | 43，00？ | ३६，¢५し | ६८．し |
|  | १）राज्याचा स्वतःचा | ช4，く७る | ३२，С७¢ | ६९．५ |
|  | कर महसूल <br> २）केंद्रीय करांतील हिस्सा | ७，२२९ | ૪，५८३ | ६४．३ |
| ब） | कराव्यर्तिरिक महस्ल（१＋२） |  | ७，२१४ | ช७． |
|  | १）कराव्यतिरिक महसूल | $4,6 \bigcirc 6$ | ३，२४६ | ५¢．4 |
|  | २）केंद्रीय अनुदाने | $9,4 \gamma \%$ | ३，९६८ | ชश．६ |
|  | एकूण महसुली जमा（अ＋ब） | ）दC，२९९ | ૪३，६७२ | € 3.9 |

## कराव्यतिरिक्त महसूल

४．१३ कराव्वर्तिरिक महसुलाच्या एकूण चार बाबी आहेत． （१）व्याजाच्या जमा रकमा，（२）नफा व लाभांश，（३）केंद्रीय अनुदाने आर्ण（४）राज्यान्या अख्यत्यारीतील कराव्यातिरिक मिळणारा इतर महसूल，उदा．शुल्क，दंड आणि शिक्षा यांद्वारे मिळणारी प्राप्ती，इत्यादी． २००६－०७ मध्यं केंद्र शासनाकडृन मिळणा－या अनुदानांमध्ये आधीच्या वर्षांच्या तुलनेत भरघोस वाढ झाल्यामुळे（दुपटीपेक्षा अधिक）कराव्यातिरिक्त महसुलात सुमारे ४०．૪ टक्के इतकी वाढ झालो．करार्य्यतिरिक्त महसुलापासूनची जमा २००५－०६ मध्ये ९，९९६ कोटी रुपये इतकी होती， ती २००६－०७ मध्ये १३，९२० कोटी रुपये इतकी झाली व २००७－०८ मध्ये ती २५，२९७ कोटी रुपये इतकी होण्याचे अंदाजित आहे．मात्र， केंद्राकडून मिळणा－या अनुदानांव्यतिरिक इतर कराव्यार्तिरक्त महसुलात विशेष वाढ झाल्याचे दिसृन येत नाही．याबाबतचा तपशील तक्ता क्रमांक ૪．८ मध्ये दिला आहे．कराव्यातिरिक महसुलातील वाढोमुळे राज्याच्या संपूर्ण महसुली जमेमध्यं वाढ होण्यास मदत होईल．करार्व्यातरिक्त महसुलाच्या वाढीचे महत्त्व विचारात घेऊन शासनाने इतर करार्व्यतिरिक महसृल＇वाढविण्यासाठी ज्यादा प्रयत्न करायला हवेत．

> तक्ता क्र. ४.८
> महाराष्ट्र राज्याचा कराव्यतिरिक्त महसूल

| बाब | २०04－0६ <br> （प्रत्यक्ष） | $\begin{aligned} & \text { २००द-0७ } \\ & \text { (सु.अं) } \end{aligned}$ | 2oovole <br> （अ．अं） |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| त्याजाच्या जमा रकमा | $\uparrow, ง$ ¢ | १，०4३ | २，०२ง |
| लाभांश व नफा | $\checkmark$ | $\gamma$ | $\checkmark$ |
| केंद्रीय अनुदाने | ३，¢C？ | 6.496 | 9,489 |
| इतर कराव्यतिरिक महसूल | \％， $99 \%$ | ४，२६५ | ช，७१ง |
| एकूण | 9，9१६ | १३，१२० | १५，२९७ |
| महसुली जमेशी टक्केवारी | २०．¢ | २३．？ | २२．४ |

## महसुली खर्च

४．३४ महसुली खर्चांचे विकास खर्च आणि विकासेतर खर्च असे दोन भाग असून राज्याचा एकृण महसुली खर्च २००२－०३ मध्ये ४०，४७४ कोटी रुपये इतका होता，तो २००५－०६ मध्ये वाढून ५२，२८० कोटी रुपये तर，२००६－०७ मध्ये ६३，४६० कोटो रुपये इतका झाला．२००७－०८ मध्ये तो छ७，७८८ कोटी रुपयांपर्यंत वाढण्याचे अपेक्षित आहे．जरी प्रत्यक्ष महसुली खर्चात वाढ होंत असली तरी गेल्या काही वषांत त्याच्या महसुर्ली जमेशी असलेल्या प्रमाणात घट होत आहे．

| महसुली लेख्यातील विकास आणि विकासेतर खर्च |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  | （रुपये कोटीत） |
| वर्ष | विकास खर्च | विकासेतर खर्च | $\begin{gathered} \text { एकूण } \\ \text { महसुली खर्च } \end{gathered}$ |
| २．0२－03 | २२，५२ง | १ง，९४ง | ४о，४७¢ |
| 200३－0\％ | २२，电० | १९，＜\％ | ૪२，६८о |
| 2008－04 | २८，७७६ | २२，२७？ | 42，06 |
| 2004－0¢ | ३०，५८३ | २२，६९७ | 4२，260 |
| २००६－०७（सु．अं．） | ३६，८¢？ | र६，६४९ | ६३，¢¢० |
| २oo७－०く（अ．अं） | ३७，९ฺง | २९，८७？ | ६७，७८८ |

४．$१ 4$ नागरी लेखा विभागाकडून महसुली खचाबाबतच्या उपलब्ध माहितोच्या आधारे，एप्रिल ते डिसेंबर，२००७ या नऊ महिन्यांच्या कालावधीतोल शासनाचा एकूण महसुलो खर्च ३९，४२३ कोटो रुपये（अर्थसंकल्पोय अंदाजाच्या ५८．२ टक्क）होता．यामध्ये विकास खर्च २३，२८८ कोटो रुपये（अर्थसंकल्पीय अंदाजाच्या ६१．४ टक्के），तर विकासेतर खर्च $१ ६, १ ३ ५ ~ क ो ट ी ~ र ु प य े ~$ （अर्थसंक्लीय अंदाजाच्या ५४ टक्के）होता．एकूण विकास खर्चातील सामाजिक सेवांवर झालेला खर्च १६，९१९ कोटी रुपये होता，तर ५，८७० कोटी रुपये इतका खर्च आर्थिक सेवांवर करण्यात आला होता．

| महाराष्ट्र राज्याची महसुली जमा व महसुली खर्च <br> （कोटी रुपये） |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| वर्ष | महसुली <br> जमा | महसुर्ला खर्च | महसुली खच महसुली ज टक्केवा |
| 2002－0\} | そ२， 0 ○ | ¢0， $60 \%$ | १₹०．？ |
| २003－0才 | ३४，३७○ | ૪२，६८o | १२४．२ |
| 200\％－04 | ૪१，०१३ | 49,080 | १२४．4 |
| 2004－0¢ | $\gamma<, \gamma 3<$ | 4२，२¢o | Yos．9 |
| २००६－О७（सु．अं．） | ६०，२६७ | ¢३，ช६० | 204.3 |
| OOW－0く（अ．अं．） | $\xi_{G} L_{1}$ 2P9 | $\xi ७, \vartheta く く$ | १९．३ |

## योजनांतर्गत आणि योजनेतर खर्च

४．१६ शासनाच्या खर्चांचे योजनांतर्गत खर्च आणि योजनेतर खर्च या आणखी दोन प्रकारांमध्ये वर्गीकरण करण्यात येते．दहाव्या पंचवार्षिक

योजनेच्या कालावधीत शासनाच्या एकूण खर्चांतोल योजनांतर्गत खर्चांचा वाटा २००२－०३ मधोल ८．४ टक्क्यांवरून २००६－०७ मध्ये २२．४ टक्के इतका वाढला．योजनांतरंत खर्चातील हो वाढ प्रामुख्याने शासनाने विकास खर्चावर（विशेषतः सामाजिक व आर्थिक संवा）विशेष भर दिल्यामुले झाली आहे．तथापि，शासनाचा योजनेतर खर्च मोठ्या प्रमाणावर असृन वेतन，मजुरी，निर्वृत्तितेतने आर्णि व्याजप्रदानाच्या खर्चाचा यामध्ये प्रामुख्याने समावेश आहे．याबाबतचा तपशील तक्ता क्रमांक ४．९ व ४．९० मध्ये दिला आहे．

तक्ता क्रमांक ४．९
एकूण अर्थसंकल्पातील योजनांतर्गत आणि योजनेतर खर्च

| वर्ष | योजनांतर्गत | योजनेतर | एकृषण खर्च |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| २००२－०३ | $4, ? \xi \bullet$ | 4\％，0ヶ¢ | द२，२२५ |
|  | （厄．૪） | （92．६） | （900．0） |
| २००३－०४ | ט，460 | ६२，७く६ | ७०，З५द |
|  | （90．6） | （く९．२） | （ 200.0 ） |
| 200\％－04 | ९，२२९ | ६६，९७७ | ७६，२०६ |
|  | （१२．१） | （c७．ア） | （200．0） |
| 2004－0¢ | १२，९＜0 | 4९，३く？ | ७२，३६१ |
|  | （ $¢ \cup 9.9$ ） | （伟．？） | （200．0） |
| २००६－0७（सु．अं） | १८，२२३ | ६२，७९९ | co，¢2？ |
|  | （२२．४） | （७๑．\＆） | （900．0） |
| २००७－०く（अ．अं） | २०，ソ৩৩ | ¢ $\gamma,<\xi_{0}$ | く५，६३७ |
|  | （२४．३） | （ 34.9 ） | （200．0） |

तक्ता क्रमांक ४．？०
वेतन，मजुरी，निवृत्तिवेतन आणि व्याजप्रदानावरील खर्च
（रुपये कोटीत）

| वर्ष | $\begin{gathered} \text { वेतन,मजुरी } \\ \text { व निवृत्तिवेतन } \end{gathered}$ | $\begin{aligned} & \text { महसुली } \\ & \text { जमेशी \% } \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & \text { व्याज } \\ & \text { प्रदान } \end{aligned}$ | महसुली जमेशी \％ |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 2000－0？ | २С，С¢ ${ }^{\text {¢ }}$ | ६३．し | ६，२३૪ | २२．？ |
| 2009－0२ | १८，C4 4 | ६२．७ | ज，¢३ $\gamma$ | २६．० |
| 200マ－o३ | १८，ช६६ | 43.8 | C，М१४ | २C． 0 |
| 200३－0才 | २९，ช७६ | 4\％． 6 | १，९०२ | २．$¢$ |
| 200\％－04 | 20，493 | 40.0 | १०，२4， | 24.0 |
| 2004－0¢ | २२，६२३ | \％$\% .19$ | \｛0，प२३ | २२．७ |
| 200६－O以 | अं） 24,984 | ช？．ง | १२，०९३ | २०．$\%$ |
| 2ool9－oc | अं．）$२ \subset, \not, \gamma \subset$ | ૪२．७ | १२，४०६ | १८．？ |

भांडवली जमा आणि खर्च
૪．२७ भांडवली जमेचे（१）कर्जांची वसुली，（२）इतर जमा म्हणजे आंतरराज्यीय तडजोड，आकस्मिकता निधीतोल विर्नियोजन व आकस्मिकता निधी यांपासूनची निब्वळ जमा इत्यादी आणि （३）कर्जे व इतर दायित्वे असे तीन भाग आहेत．


૪．३८＇कर्जे व इतर दायित्वे＇यामध्ये अ）राज्य शासनाची देशांतर्गंत कर्जे，ब）केंद्र शासनाकडील कर्जे व आगाऊ रकमा आणि क）व्याजी व बिनव्याजी गटबंधनापासृनचो लोकलेख्यातील निव्वळ प्राप्ती （भववष्य्यनिर्वाह निधी，राखीव निधी，नागरी ठेवी व आगाऊ रकमा， निलंबन व संकीर्ण आणि वित्तप्रेषणे इ．）या बाबींचा समावेश होतो． भांडवलो जमेमध्ये कर्ज आणि इतर दायित्वे यांचे प्रमाण सर्वांधिक म्हणजे जवळपास $९ \circ$ टक्के इतके आहे，कर्जं व इतर दायित्वांपासूनच्या जमेमध्यं झालंल्या कपातीमुळे शासनाची भांडबली जमा कमीकमी होत चालली आहे．

४．$१ ९$ भांडबली खर्चांचे（१）महसुली लेख्याबाहेरील भांडवली खर्चं आण（२）राज्य शासनाने दिलेली कर्जे व आगाऊ रकमा असे दोंन भाग आहेत．भांडवली खचांतोल मांठा वाटा（जवळपास ७१ ते


८१ टक्के）हा महसुली लंख्याबाहेरील भांडवली खर्चांचा आहे，जो पूर्णतः विकास खर्च आहे．भांडवली खर्च २००५－०६ मध्ये १४，३४० कोटो रुपये होता，तो २००६－०७ मध्ये १२，९३२ कोटी रुपयांपर्यंत कमी झाला．

## महाराष्ट्राची ॠण स्थिती

४．२० राज्य शासन घेत असलेल्या कर्जाचे तीन प्रकार पडतात， （१）सार्वर्जनिक कर्जे，（२）अल्गबचत ब भविष्यानवांह निधीतील उचल आणि（३）लोकलेखा व्यवहारातील उचल，म्मणजेच राखीव निधी आणि नागरी ठेवी यांसारखी व्याजी व बिन व्याजी गठबंधने．बाराव्या वित्त आयोगाने केलेल्या शिफारशींनुसार बाह्य अनुदानित प्रकल्प वगळता इतर बाबतीत कर्जे देण्याचे केंद्र शासनाने बंद केले आहे．परिणामतः केंद्र शासनाकडून राज्यास मिळणा－या कजांमध्ये मोठ्या प्रमाणावर घट झाली आहे．त्याचप्रमाणे गेल्या काही वर्षांत राज्य शासनाने अर्थसंकल्प बाह्य कर्जे घंग्याचे पूर्णंतः बंद केले आहे．राज्याचा एकूण ऋणभार प्रत्यक्षात वाढत असला तरी त्याच्या स्थूल राज्य उत्पन्नाशी असलेल्या प्रमाणात घट होत आहे．२००२－०३ मध्ये राज्यावरोल एकूण ऋण ८२，५४९ कोटी रुपये इतके होते．ते २००६－०७ मध्ये वाढून १，३४，४९३ कोटी रुपये इतके झाले．मात्र त्याचे स्थूल राज्य उत्पादाशी असलेले प्रमाण २७．५ टक्क्यांवरून २६．४ टक्के इतके कमी झाले．२००७－०८ मध्य राज्यावरील एकूण ऋण १，४४，३२५ कोटी रुपये इतके अंदाजित असून स्थूल राज्य उत्पादाशी त्याचे प्रमाण २४．९ टक्के इतके अपेक्षित आहे． याबाबतचा तपशोल तक्ता क्र．४．११ मध्ये दिला आहे．राज्याच्या मध्यम मुदतीच्या वित्तीय धोरणानुसार राज्यावरोल असलेले एकूण ऋण हे हळ्ूहळू कमी करून ते स्थूल राज्य उत्पादाच्या सुमारे २५ टक्के इतके कमी करण्याचे शासनाचे उद्दिष्ट आहे．

तक्ता क्र．४．११
एकूण थकीत दायित्व आणि व्याजप्रदान

| （रुपये कोटीत） |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| वर्ष | थकीत <br> दायित्व | ब्याज <br> प्रदान | कर्जाचे सरासरो मूल्य （द．सा．द．शे．） |
| 2002－0३ | く२，＇ヶช？ | $\ell, 028$ | १२．$\%$ |
| २००३－0才 | ९७，६७૪ | ९，९०२ | १२．० |
| P008－04 | १，०९，१६७ | १०，२५く | Q0．4 |
| 2004－0¢ | १，२४，३६५ | 20，4ママ | ९．६ |
| २००६－०७（सु．अं．） | १，३૪，४९३ | १२，०९३ | ९．७ |
| रoob－oく（अ．अं．） | २，૪૪，३२५ | १२，४०६ | ९．२ |
| सु．अं．－सुधारित <br> टीप कजांचे <br> अगोदरच्या | सरी मूल्य हे र्वाताल थकीत | －अर्थसंक <br> वर्षातील <br> त्वाशी | अंदाज <br> ज प्रदानाचे त्याच्या शेकडा प्रमाण होय |


| राज्यनिहाय ॠ्रणस्थिती वर्ष－२००६－०७ |  |  |
| :---: | :---: | :---: |
|  |  | （कोटी रुपयं） |
| राज्य | $\begin{aligned} & \text { एकूण } \\ & \text { ॠण } \end{aligned}$ | स्थूल राज्य उत्पादाशी टक्केवारी |
| बिहार | ч૪，く¢७ | ६३．८ |
| राजस्थान | ७२，द¢\％ | ५3．६ |
| उत्तर प्रदेश | १，६१，३५८ | ५२．२ |
| पंजाब | ५७，६०९ | 40.6 |
| पशिचम बंगाल | १，२६，२२६ | ४८．३ |
| ओरिसा | ३९，३८८ | ชง．${ }^{\text {¢ }}$ |
| केरळ | ५७，६८८ | ४२．¢ |
| मध्य प्रदेश | ५ア，484 | ४२．० |
| आंध्र प्रदेश | ९२，૪૪ム | ३६．२ |
| गुजरात | ८६，२३८ | ३४．२ |
| तामिळनाड़ | ६८，६५५ | २ง．६ |
| कर्नाटक | ५३，९०९ | २ง．4 |
| महाराष्ट्र | १，३४，४९३ | २६．૪ |

## व्याज प्रदान

४．२१ व्याजप्रदानावरोल खर्च हा विकासेतर खर्च आहे．व्याज प्रदानावर मोठ्या प्रमाणात होणारा खर्च राज्याच्या महसुली व वित्तीय तुटोवर प्रभान पाडत असतो．गेल्य़ा काही वषांमध्यं शासनाने कर्जांची गुनरंचना करण्यासाठी सातत्याने केलेल्या प्रयत्नांमुळ＇राज्यावरील＇कर्जाच्या सरासरी मूल्यात＇घट झाली असून ते २००२－०३ मधील १२．१ टक्क्यांवरून २००६－०७ मध्ये ९．७ टक्क्यांपर्यंत कमी झाले आहे．राज्य

व्याज प्रदान व कर्जाचे सरासरी मूल्य


शासन कर्जांचे सरासरी मृल्य कमी करण्यासाठो ॠृुणांची पुनरंचना करण्याचा प्रयन्न करीत आहे，तथाणि，आधीच्या काही वर्षांतील जास्त ब्याजदराची कर्जे परत घंण्याचा／करणएयाचा पर्याय नसल्यामुले राज्य शासनाला अशा उच्च दराच्या कर्जांचो पुनरंचना करता अली नाही शासनाने व्याज प्रदानावर केलेला ग्रचं २००५－०६ मध्ये $१ ०, ५ २ ३$ कांटी रुपये इतका होता，तो २००६－०७ मध्ये १२，०९३ कांटी रुपये झाला असृन २००७－०८ मध्ये तो १२，४०६，कोटो रुपये होईल असे अंदाजित आहे．

| काही महत्त्वाचे दरडोई वित्तीय निदेशक－२००६－0७（रुपये） |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| वित्तीय निद्देशक | आंध्र <br> प्रदेश | बिहार | गुजरात | कर्नाटक | केरळ | $\begin{aligned} & \text { मध्य } \\ & \text { प्रदेश } \end{aligned}$ | महाराष्ट्र | पंजाब | गाजस्थान | तामळ नाडॄ | उत्तर प्रदेश | पश्चिम बंगाल |
| महसुली जमा | 4，402 | २，४४६ | 4,880 | ६，६३२ | ५，६२९ | ३，६૪२ | ५，६२६ | 9， 804 | ₹，९६९ | ¢，ף३८ | ३，२७९ | ३，१२० |
| कर महसूल | ४，०९६ | १，८३२ | ३，९९६ | $4,0 \gamma \gamma$ | 8，49？ | २，६०६ | ૪，३१९ | ४，२६२ | २，८२१ | 4，२२४ | 2． 840 | २，४२८ |
| राज्याच्चा स्वत：चा कर महलूल | ३，০७く | ชくを | ३，२く4 | 6，900 | ३，५६？ | १，४＜¢ | 3,940 | ३，६७० | १，७६६ | 8，244 | १．२९१ | १，४૪६ |
| कैैद्रय करातील हिस्सा | १，0१८ | १，३४६ | $199 \%$ | Cor | १40 | १，qqu | पद？ | － 492 | 2，044 | ९६९ | 9，249 | 9e？ |
| केन्दिय अनुदाने | ७३ช | प60 | ७0\％ | くねく | col | ६९\％ | cop | २，003 | F\％ | ૪ง૪ | ૪૪३ | $4 \% 2$ |
| महसुली खर्च | 4.409 | 2，५२६ | 4,090 | ६，१३く | 6，3＜4 | ३，३く३ | ५，१२३ | C，300 | ३，9＇4 $\gamma$ | ૬，१७¢ | ३，00१ | ४，o९२ |
| चिकास खच | ช，९२७ | २，०७३ | ४，४९૪ | 4，2？\％ | 8，20¢ | २，く२३ | $x, 496$ | ૪，८३ | ३， $2 \times 0$ | $\chi$ ，६६૪ | २，३२५ | २，३२6 |
| साम्राजिक क्षेत्रातील खर्च | 2.408 | १，३३१ | २，३२९ | २，৩०२ | २，८९९ | १，६६६ | २，७८？ | २．२३२ | २，०२く | $२, ८ ૪ ¢$ | १，३५く | १，६७० |
| वेतन व मजुरीवरील खर्च | १，४६९ | उ．ना． | १，७८८ | १，१८૪ | २，४३？ | १，0११ | २．३६५ | उ．ना． | १，१२८ | १，९२६ | ६३६ | १，३१९ |
| व्याज प्रदानावरील खर्च | ९७३ | ૪१३ | १，२१४ | $७ ३ ९$ | १，३२६ | ६२३ | २，०९७ | १，६१३ | CPR | くふろ | ५दर | 2，244 |
| भांडवली जमा | १，¢P९ | $44 \%$ | १，4१२ | 900 | マ，๑ア゙ง | ७९२ | १，¢७ | २．0९\％ | १，0૪0 | ？， $9 \times 7$ | ७३० | १，६२૪ |
| भांडवली खर्च | Q，८＜$¢$ | ७९३ | १，cou | Q，4९9 | १，१४९ | Q，80＜ | २．३७९ | १，८Oく | ใ，११३ | १，९०₹ | C9\％ | C9？ |
| एकूग कर्जे | १३，५६३ | 4．२१३ | 94，C× | ९，३२२ | १६，१९५ | ט，C¢4 | P4，0¢？ | 20，¢३\％ | 29，09\％ | ？ $0,3<2$ | ¢，o७е | १ช，१८q |

## स्थानिक स्वराज्य संस्था

४．२२ स्थानिक स्वराज्य संस्था या महत्त्वपृर्ण संस्था असून त्या स्थानिक स्तरावरोल विकासात महत्व्वाची भूमिका बजावतात．स्थानिक स्वराज्य संस्था या ग्रामीण व नागरी भागांत सुस्पष्टपणे विभागल्या गेल्या अन्हित．ग्रामीण आर्ाग नागरी भागातील स्थानिक स्वराज्य संस्थांचे कित्तोय स्रांत आरण खचांचे प्रकारही भिन्न आहेत．

४．२३ राज्यात मार्च，२००७ अखेर कार्यरत असणा－या स्थानिक स्वसाज्य संस्थांची त्यांच्या प्रकारांनुसार संख्या，त्यांच २००६－oง मधील एकृण उत्पन्न（आरंभीचो शिल्लक धरून）व एकृण खर्च है तक्षा क． ૪．श२ मध्ये देण्यात आल आहेत．नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्था संख्येने कमों असल्या तरो त्यांचे उत्पन्न व खर्च या दोन्ही बाबो ग्रामीण स्थानिक स्व्वग़ज्य संस्थांपेक्षा अधिक होत्या．

तक्ता क्रमांक ४．१२
स्थानिक स्वराज्य संस्थांचे २००६－क७ मधील
उत्पत्र व खर्च

| （रुपये कोटीत） |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| स्थार्नक स्वराज्य संस्था | संख्या <br> そ२．३．०७ <br> रोजी | $\begin{aligned} & \text { एकूण } \\ & \text { उत्पत्र * } \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & \text { एकूग } \\ & \text { खर्च } \end{aligned}$ |
| ग्रामीप स्थानिक स्वराज्य संस्था |  |  |  |
| ग्रापपंचायती | २७，११६ | १，३९० | ९३८ |
| जिल्हा परिषदो | ३₹ | १२，५८？ | 80,604 |
| नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्था |  |  |  |
| महानगरपर्पाल्नका | २२ | २८，६७० | $96, \angle 20$ |
| नगग़परिषद｜ | २२२ | 2，439 | q，¢60 |
| नगरपंचायती | ३ | श\％ | १२ |
| कटक मंडळ | $\bigcirc$ | ¢CC | १६う |
| एकूण | २८，२०३ | ३ム，३०३ | २८，२४८ |

＊आरंभीची शिल्लक धरून

## ग्राम्मपंचायती

४．२४ राज्यातील सर्व ग्रामपंचायत्तींचे २००५－०६ आणि २००६－०७ या वर्षांसाठीचे प्रमुख स्रोंतनिहाय उत्पत्न व त्यांचा प्रमुख शीर्ष्षोनहाय खर्च तक्ता क्र．$૪ . ३ ३$ मध्ये दिले आहेत．

४．२४．१ राज्यातील सर्व ग्रामपंचायतींच्या एकृण जमेत मागोल वर्षाँच्या तुलनेत २००६－0ט मध्ये $3 ५$ टक्के वाढ होऊन ती ९९० कोटी रुपये इतकी झाली．ग्रामपंचायतींच्या एकूण जमेमध्ये शासकीय अनुदानाचा हिस्स्सा महत्च्वाचा असृन २००६－०७ मध्ये एकृण जमेतील त्यांचा हिस्सा जवाळगास ३८ टक्के इतका होता．शासकीय अनुदानाची रक्कम २०००－०६ मधोल २९३ कोटी रुपयांवरून वाढृन २००६－०७ मध्ये ३७६ काटटो रुपये इतकी झाली．ही वाढ सुमारे २८ टक्क इतकी होती． २००१－०२ मध्यं सर्व ग्रामपंचायतोंच्या एकृण जमेमध्ये शासकीय अनुदानाचा

तका क्रमांक ४．२३ प्रामपंचायतीचे उत्पत्र व खर्च


वाटा जवळपास २६ टक्के होता，तो २००६－०७ मध्ये जवळपास ३८ टक्क्यांप्यंत वाढला．२००६－o७ मध्ये प्रति ग्रामपंचायत सरासरी जमा ३．५૪ लाख रुपये होती．
४.२४.२ सरं ग्रामपंचायतींच्या एकत्रित एक्रण खर्चांत २००५-०६ या वषांतील ८२० कोटी रुपयांत १४.४ टक्क्यांनी वाढ होऊन २००६-०७ मध्ये तो ९३८ कोटी रुपये इतका झाला. ग्रापपंचायर्तींच्या एकृण खर्चापैकी सर्वाधिक म्हणजे ३८ टक्के खर्च सार्वर्जनिक बांधकामांवर व त्या खालाखाल २६ टक्क खर्च आरोग्य व स्वच्छता या बाबौंवर झाला. २००६-०७ मध्ये प्रात ग्रामपंचायत सरासरी खर्च ३.३६ लाख रुपये होता.

## जिल्हा परिषदा

४.२५ राज्यातील सर्व जिल्हा परिषदांचे प्रमुख स्रोतांनुसार २००५-०६ (प्रत्यक्ष) आणि २००६-०७ (सुधारित अंदाज) मधोल उत्पत्र तक्ता क्र. ४.१४ मध्ये दिले आहे.
४.२५.१ सर्व जिल्हा परिषदांच्या एकूण जमा २००६-०७ मध्ये आधीच्या वर्षांच्या ९,९९६ कोटी रुपयांच्या तुलनेत $७ . ५$ टक्क्यांनी वाढून १०, ८०१ कोटी रुपयं इतक्या झाल्या. २००६-०७ मध्य जिल्हा परिषदांच्या एकृण जमंमध्ये सुमारे ७२ टक्क्यांसह शासकोय अनुदान हा एक प्रमुख स्त्रांत राहला. शासकीय अनुदानार्व्यतिरिक्त भांडवली जमेचा एकूण जमंतोल वाटा २५ टक्के होता. जिल्हा परिषदांच्या एकूण जमेमध्ये शासकीय अनुदानाच्चा वाटा २००१-०२ मध्ये जवळपास ८५ टक्के होता तो २००६-०७ मध्ये तो कमी होऊन ७२ टक्के इतका झाला, तर याच काल्नावधोत भांडवल्नी जमंच्या वाह्यात १२ टक्क्यांवरुन २५ टक्क्यांपयंत वाढ झाली स्व्वनर्मित साधनांपासृनच्या महसुली जमेमध्य २००५-०६ मधील २५४ कोटी रुपयांवरून घट होऊन २००६-०७ मध्ये तो १४७ काटी रुपये झालो.

| तक्रा क्रमांक ४ १४ जिल्हा परिषदांचे उत्पन्र |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | (रुपये कोटीत) |  |  |  |
|  | २००५-0६ |  | २00६-0७ |  |
| बाब | प्रत्याक्ष | टक्केवारी * | सुधारित अंदाज | टक्केवारी |
| अ) आरंभीची शिल्लक | 8,460 | - | १, ७¢ ? | - |
| ब) महसुली जमा |  |  |  |  |
| १. स्वान्निर्मित साधनांपासून | 24\% | 9.4 | १४७ | १. 8 |
| २. शासकीय अनुदाने | ७,३९४ | ७૪.0 | ৩,७७३ | ७१.9 |
| २.१ सांर्वाधिक अनुदाने |  |  |  |  |
| i) सहेतुक | ३,६६२ | ३६.६ | ३, Со५ | 34.2 |
| ii) आस्थापना | Q,৩७૪ | ใ७.७ | २,७७¢ | २६.४ |
| iii) योजनांतर्गत | boe | ७.२ | cos | ง.4 |
| iv) इतर | ૪६० | ૪.६ | 4\%o | ५. $\%$ |
| एकूण (२.२) | $\xi, \xi \circ \succ$ | ६६.? | $\xi, \rho \gamma ९$ | ६४.३ |
| २.२ अभिकरण योजनांसाठी | ७¢0 | ง.9 | く२४ | ט.E. |
| ३. इतर साधनांपासून उत्पन्न | ¢C? | १.e | १८? | १.e |
| एकूण महसुली जमा $(२+२)$ | ७, ¢२¢ | ७७.३ | C, ¢OQ | 64.? |
| क) भांडवली जमा | २.२६७ | २२.' | २,६९२ | २४.९ |
| ड) एकूप जमा (ब+क) | ९,९९६ | ९00.0 | १०,८०? | 900.0 |
| एकूण उत्पत्र (अ+ड) | ११, ५द, | $\cdots$ | १२,५く२ | .... |

* आरंभीची शिल्लक वाळून
४.२५.२ जिल्हा परिषदांचा २००५-०६ (प्रत्यक्ष) व २००६-०७ (सुधारित अंदाज) या वर्षांतील प्रमुख शीर्षनिहाय खर्च तक्ता क्र. ४.१५ मध्ये दिला आहे.


तक्ता क्रमांक ४．श4
जिल्हा परिषदांचा खर्च

|  | （रुपये कोरीटत） |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| बाब | 2004－0\％ |  | 200\％－09 |  |
|  | प्रत्यक्ष्ष | टक्केवारी | सुधारित अंदाज | टक्केवारी |
| अ）महसुली खर्च |  |  |  |  |
| १ स！पान्य प्रशासन | ५E9 | E．O | ムもく | 4.4 |
| ว．शिक्षण | $3,8<9$ | ३६．८ | ३，६३८ | ३४． 0 |
| ३．सार्वर्जानक बांधकामे | प०२ | 4.3 | $49 ?$ | $4 . E$ |
| ૪．पाटबांधारे | २१६． | २．३ | २₹९ | २．३ |
| 4．कृषि | Q4 | 0.1 | ९२ | 0.9 |
| ६．पशुसंवर्धन | 200 | 9．？ | ？？ 4 | १．$\%$ |
| ง．बने | 9 | $0 . ?$ | $\bigcirc$ | 0.2 |
| 6．सार्वर्जानक आरोग्य | く२ט | $6 . \cup$ | ¢४¢ | 9.0 |
| १．समाजकल्याण | ६२९ | ६．६ | ง३७ | ৩．0 |
| 2०．इतर खर्च | २，०७？ | ११． 8 | १，२२\％ | 29.6 |
| एकूण（अ） | －\％，¢¢ | ७9．？ | C．？६？ | け७．？ |
| ब्ब）भांडवली खर्च | १，९८૪ | २०．9 | २，३१¢ | २२．९ |
| एकूण खचं（अ＋ब） | 9.869 | ९००．0 | PO，४७¢ | 900．0 |

४．२५．३ जिल्हा परिषदांचा २००६－०७ मधील एकृण खर्च १०，४७५ कोटो रुपयं होता व तो २००५－०६ मधील ९，४७९ कोटी रुपयांच्या तुलनंत २ 0.4 टक्क्यांनी जास्त होता．एकूण खर्चातील मोठा खर्च（३५ टक्के） हा शिक्षणावर झाला होता，तर त्याखालोखाल २२ टक्के खर्च भांडवली स्व्वरूपाचा होता．मागील वर्षाच्या तुलनेत सार्वर्जनिक बांधकामे आणि साार्वर्जनिक आरोग्य यावरोल खर्चात २००६－०७ मध्ये मोठ्या प्रमाणावर म्हणज अनुक्रमे १८ टक्के व १४ टक्के इतकी वाढ झाली．

## नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्था

४．२६．राज्यातोल नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्थांमध्ये मार्च， २०00 अखेर २२ महानगरपालिका，२२२ नगरपरिषदा व ३ नगरपंचायती यांचा समावेश आहे．राज्यातील २२२ नगरपरिषदांपैकी १८＇अ＇वर्गीय （एक लाखापेक्षा जास्त लोकसंख्या असणा－या），६२＇ब＇वर्गीय （ल्लोकसंख्या ४०，००० पेक्षा जास्त परंतु एक लाख पेक्षा जास्त नाही अशा） आण्ण १४२＇क＇वर्गीय（लोकसंख्या ४०，000 किवा त्यापेक्षा कमी असणा－या）नगरर्परषदा होत्या．या व्यातिरिक राज्यात $७$ कटक मंडळे वा ३ नगर पंचायती होत्या．नागरो संस्थांचे（नगर पंचायती वगळ्ठू） २०00५－०६ व २००६－०७ मधील उत्पन्न व खर्च तक्ता क्र．૪．२६ मध्ये देग्णात आले आहेत．

४．२६．१ नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्थांचे २००६－०७ मधील प्रमुख संत्रोर्तनिहाय उत्पन्र आणि ढोबळ शीर्षनिहाय खर्च ह्या प्रकाशनाच्या भाग－२ मधोल तक्ता क्र．२६ मध्ये दिले आहेत．

तक्रा क्रमांक ४．श६
नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्थांचे उत्पन्न व खर्च


## महानगरपालिका

४．२७ सर्व महानगरपालिकांची（बंस्ट उपक्रम वगळ्न्न） २००६－०७ मधील एकृण जमा १६，२२७ काटो रुपये होती व ती आधोच्या वर्षाच्या तुलनेत २५．४ टक्क्यांनी जास्त होती．एकूण जमेमध्ये मोठा वाटा जकातीद्वारे（४० टक्के），पाणीपट्टी शुल्कापासृन जमा （ $\circlearrowleft$ टक्क）आणि मालमत्ता कर（६ टक्के）यांचा होता．याशिवाय， शासकोय अनुदाने व अंशदाने आणि कर्जे व ठेवी यापासूनची जमा प्रत्यंकी $૪$ टक्के होती．

४．२७．१ सर्व महानगरपालिकांचा（बेस्ट उपक्रम वगळून） २००६－०७ या वर्षातील एकृषण खर्च १४，८२० कांटो रुपये होता आणि आधीच्या वर्षाच्या तुलनेत तो २० टक्क्यांनी जास्त होता．एकूण खर्चापेकी आस्थापनेवर झालेल्या खर्चांचे प्रमाण २००५－०६ मधील ३८ टक्क्यांवरून २००६－०७ मध्ये २९ टक्क्यांपयंत कमी झाले．पाणी पुरवठा，जल व मलनिःसारण आण्ण बांधकामांतर झालेला खर्च अनुक्रमें 9.4 टक्के，ज टक्के व श० टक्के इतका होता

४．२७．२ बृहन्मुंबई महानगरपालिकंची（बेस्ट उपक्रम वगळ्नन） २००६－०७ या वर्षातील एकृण जमा ९，६४४ कोटी रुपये होती व ती आधीच्या वर्षापेक्षा २५ टक्क्यांनी जास्त असृन राज्यातील सर्व महानगरपालिकांच्या एकूण जमेच्या ५९ टक्के होती．

૪．२७．३ बृहन्मुंबई महानगरपालिकेचा २००६－०७ या वर्षातोल （बेस्ट उपक्रम वगळ्डून）एकृण खर्च ८，५०३ कोटी रुपये होता व तो राज्यातील सर्व महानगरपालिकांच्या एकूण खर्चाच्या ५७ टक्के होता．
४.२७.४ बेस्ट उपक्रमाची २००६-०७ या वर्षातोल एकृण जमा $२, ४ ८$ ? कोटी रुपये इतकी होती. त्यपेको विद्युत पुरवठा विभागाचा हिस्सा ६४ टक्के इतका होता. बेस्ट उपक्रमाचा २००६-०७ मधील एकूण खर्च ३, ३६८ कोटी रुपये होता. यामध्ये आस्थापनेवर झालेला खर्च ९६४ कोटी रुपयं (३० टक्के) होता. २००६-०७ मध्ये विद्युत पुरवठा विभाग व परिवहन विभागाला अनुक्रभे ३२३ कोटी रुपये व ३६४ काटी रुपये तांटा झाला.

## नगरपरिषदा

४.२८ सर्व नगरपरिषदांची २००६-०७ या वर्षातील एकृण जमा २.०६,२ कोटी रुपये होती व ती आधोच्या वर्षाच्या तुलनंत ३७ टक्क्यांनो जास्त होती. सर्व नगरपरिषदांच्या एकृण जमेमध्ये शासकीय अनुदानांचा हिस्सा ६२ टक्के इतका सर्वांधिक होता. याशिवाय कर, शुल्क आणि भाडें यांचा हिस्सा २४ टक्के तर ठेवो व कर्जांचा हिस्सा $९$ टक्के होता
४.२८.१ सर्व नगरपरिषदांचा २००६-०७ वर्षातील एकूण खर्च १,८४० कोटी रुपये होता व तो आधीच्या वर्षाच्या तुलनेत २९ टक्क्यांनी जास्त होता. सर्व नगरपरिषदांच्या एकृण खर्चापेकी ३० टक्क गर्जर्च आस्थापनेवर, २० टक्के बांधकामांवर, $u$ टक्क पणीपुपरवउयावर व $१ १$ टक्के खर्च कर्जसेवांवर झाला.

## नगरपंचायती व कटक मंडटे

४.२९ राज्यात ३९ मार्च, २००७ रोजी दापांलो (रत्नागिरो जिल्हा), कणकवली (सिंधुदूर्ग जिल्हा) आणि शिर्डो (अहमदनगर जिल्हा) अशा तीन नगरपंचायतो असृन २००६-०७ मधील त्यांची एकृण जमा १४.४२ कोटी रुपये व एक्कृण खर्च १२.४२ कोटी रुपये इतका होता.
४.३० राज्यात ३२ मार्च, २००७ रोंजो सत कटक मंडळे असून त्यांची २००६-०० मधील एकृण जमा व एक्कृण ख़र्च अनुक्रमें २५९.२८ कोटी रुपये व १६३.४० कोटो रुपये इतका होता कृषि व संलग्न कार्ये

## महाराष्ट्रातील स्थिती


4.9 राज्यातील जवळ्पास 44 टक्के लोक उदर्रनवांहासाठी शेतीवर अवलंबून आहेत. हे क्षेत्र राज्यातील ग्रार्मीण जनतस मोठया प्रमाणावर रोजगार उपलब्ध करून देणारे क्षेत्र आहे. परंतु प्रतिकूल कृषि हवामान आणि इतर क्षेत्रांची विशेषत: सेवा क्षेत्रांची इपाटयाने होणारी वाढ यामुळे राज्याच्या अर्थव्यवस्थेतील कृषि क्षेत्राच्या हिश्श्यात घट होत आहे. राज्याचे जवळपास एक-वृतीयांश क्षेत्र पर्जन्यछायेच्या कक्षेत येत असृन तथे तुरळक व अनिश्चित स्वरुपाचा पाऊस पडत असतो. या क्षेत्रामध्ये फक्त कोरडवाहृ शंतो केली जात. राज्याच्या एकूण भौगोलिक क्षेत्रेपेकी पिकांग्डालोल क्षेत्राच्ये प्रमाण (२००५-०६ मधील ५६.८ टक्के) देशपातळ्ठवरील प्रमाणापंक्षा (४३.२ टक्के) बेंच-अधिक आहे. सिंचन प्रकल्पांवर मोठया प्रमाणात खर्च करूनही राज्यातोल एक़ूण सिंचनाखालील क्षेत्राचे एकूण पिक्रांखालील क्षेत्राशी असलेले प्रमाण सुमारे १७ टक्के आहे. त्या तुलनेक्ष देशपातळीवरोल हे प्रमाण जवळपास ४३ टक्के इतके आहे.
५.१.२ राज्याच्या १९६०-६१ मधील एकूण पिकांखालील १८८.२ लाख हेक्टर क्षेत्रात सुमारे २० टक्के वाढ होऊन ते २००५-०६ मध्ये २२५. ₹. लाख हेक्टर इतके झाले. परंतु अन्रधान्यांखालील क्षेत्रात उपरोक्त $४ ५$ वर्षांच्या कालावधीतोल वाढीचे प्रमाण $૪$ टक्क्यांच्या आसपास होते. कृषि उत्पादकतेत वाढ होण्याच्या दृष्टीने केलेले अथक प्रयत्न आणि मृदसंधारण व पाणलोट क्षेत्र विकासाच्या कामांवर मोठया प्रमाणावर खर्च करुनही कृषष उत्पादकतेत देशपातळीवरील वाढीच्या तुलनेत राज्यात फारशो वाढ झालेली नाही. राज्यातील अन्रधान्याचे २००५-०६ मधील प्रति हेक्टर उत्पादन (९२४ कि.ग्रू.) देशपातळीवरील उत्पादनाच्या (१,७२६ कि.ग्र.) तुलनेत बरंच कमी आहे. त्यासाठी अन्नधान्यांचे उत्पादन व उत्यादकतेमध्ये वाढ करणेची गरज आहे. त्याबरोबरच कृषि क्षेत्राच्या वाढोतोल सातत्य टिकवून ठेवण्यासाठी शेतक-यांना त्यांचे उत्पत्र वार्ढविण्याकरिता सुविधा पुरविणें आवश्यक आहे.
५.१.२ पंचवार्षिक योजना काळातील राज्य योजनेच्या एकूण खचामधोल कृषि व संलग्न सेवा आणि जलसिंचन व पूरनियंत्रण यावरील खर्चाची टक्केवारी तक्ता क्र. $4 . ?$ मध्ये दिली आहे.
५.२.३ अलिकडोल पंचवार्षिक/वार्षिक योजना काळातील कृषि व संलग्न कार्ये व स्थूल राज्य उत्पन्न यातील वृध्दिदर यांची माहिती तक्ता ऋ. ' . ? मध्यें देण्यात आली आहे.

## अन्नधान्ये : राज्यांतर्गत वापर व तूट

राष्ट्रीय नमुना पाहणी \&२ वी फेरो (२००४-०५) मध्ये संकलित केलेल्या प्रतिकुटुंब प्रतिमाह तृणधान्ये व कडधान्याचा वापर आणि २००५-०६ मधोल महत्त्वाच्या पिकांचे उत्पादन याचा वापर करुन राज्यांतर्गत अन्नधान्यांचा वापर व तूट काढण्यात आली आहे. त्याचे निष्कर्ष खालीलप्रमाणे आहेत.


## $१ १$ वी पंचवार्षिक योजना : धोरण

५.२ अन्न उपलब्धतेची शाश्वती व ग्रामीण जनतेचे राहणीमान सुधारणे याकरिता कृषि क्षेत्राचा विकास होणे महत्त्वाचे आहे. साधनांची जमवाजमव, पायाभूत सुविधांची निर्मिती, निविष्टंची सुलभ उपलब्धता, संशोधन व तंत्रज्ञान विकासास चालना, संस्थांत्मक आधारभूत सहाय्य त्याचप्रमाणे नैर्सर्गिक आपत्तीमुळे पिकांच्या होणा-या नुकसानीच्या प्रतिकूल परिणामांपासृन संरक्षण करण्यासाठी आकस्मिक उपाययोजना करणे याबाबत केंद्र व राज्य शासन महत्त्वाची भूमिका बजावतात. राष्ट्रीय विकास परिषदेने मे, २००७ मध्ये झालेल्या बैठकोत राष्ट्रिय अत्र सुरक्षा अभियान आणि

तक्ता क्र. 4.9
राज्य योजनेच्या एकूण खर्चामध्ये कृषि व संलग्न सेवा आणि जलसिंचन व पूरनियंत्रण यावरील खर्चाची टक्केवारी

| पंचवार्षिक याजना | खर्चांची टक्केवारी |  | एक्षण खर्च (रुपये कोटोत) |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | क़षष व | जलसिचन व |  |
|  | संलग्न संवा | पृरनियंत्रण |  |
| ३ रो | 30.9 | १४.? | ४३४.७३ |
| ४ थो | २२.१ | १६. 4 | १000.4\% |
| 4 वो | १२.९ | १С. 4 | र६६०.श३ |
| ६ वी | E.0 | २२.० | ६५૪९.३९ |
| $\bigcirc$ वी | ५.६ | २०.३ | ११०४૪.२? |
| $\bigcirc$ वी | ५.७ | २२.० | २५७५१.६६ |
| $\rho$ वो | ३.३ | ३६.७ | ช૪६4६.? |
| २० वी * | ३.4 | २०.५ | ५५३२३.७२ |

* अस्थायो

तक्ता क्रमांक $4 . २$
कृषि व संलग्न कायें व स्थूल राज्य उत्पत्र यामधील वृद्दिदर

| (१९९९-२०00 च्या स्थिर किमतीनुसार) (टक्क) |  |  |
| :---: | :---: | :---: |
| पंचवर्षाषिक/वर्षांक | वृध्दिदर |  |
| योजना कालावधी | स्थूल राज्य उत्पत्र | कृषि व संलग्न कार्य |
| ९ वो (१९९७-२००२)\# | ३.८ | 9.9 |
| २० वी (२००२-०७) | C.3 | ૪.३ |
| 200 -0¢* | $\bigcirc . ०$ | 4.6 |

\# सुधारित * वार्षिक योजना (अंदाजित)

राष्ट्रीय कृषि विकास योजनांच्या प्रभावी अंमलबजावणीद्वारे अकराव्या पंचवार्षिक योजनेमध्ये कृषि क्षेत्राचा विकास दर $\gamma$ टक्के इतका गाठण्यासाठी ५३ वा ठराव पारित केला. त्यातील ढोबळ उपाययोजना पुछोलग्रमाणे आहेत.
१) प्रत्येक जिल्द्याच्या आराखडयासह राज्याचा कृषि व संलग्न क्षेत्राचा आराखडा तयार करणे
२) सूक्ष्म सिंचन पध्दतीद्वारे सिंचनाच्या पाण्याचा प्रभावी व परिणामकारक वापर.
३) कोरडवाहू क्षेत्रात तृणधान्ये, कडधान्यं व गक्कितधान्ये या पिकांचे उत्पादन व उत्पादकता वाढविणे.
४) शेती, फलोत्पादन, भाजीपाला व पुष्पशेती इत्यादीच्या जोडीस पशुपालन, दुग्धव्यवसाय, मत्त्यव्यवसाय आणि रेशीम उत्पादन ह्या संलग्न व्यवसायांचा अवलंब करून शंतक-यांच्या उत्पन्नात वाढ करणे.
4) कृषि प्रक्रिया उद्योगांची उभारणी करून कृषि उत्पादनांची मृल्यवृध्दी करणे.
६) शेतमालाला आकर्षक बाजारभाव मिळवून देण्यासाठी कृषि विकासामध्ये क़षि पणन व्यवस्थापनाचा समावेश करणे.

## मान्सून २०O७

५.३ राज्यात नैऋत्य मोसमो पावसाचे आगमन सहा दिवस उशिरा म्हणजे १३ जून, २००७ रोजी झाले. सुरुवातीस हा पाऊस कोकण, मध्य महाराष्ट्र व विदर्भातील काहो भागातच पडला. दिनांक २१ जून पासून तो साक्रिय झाला व जून अखेंरोस राज्यभरात मोठया प्रमाणात पर्जन्यवृष्टो झाली. जुले, २००७ च्या पहिल्या आठवडयात राज्यात समाधानकारक पाऊस झाला. जुले महिन्याच्या दुस-या आठवडयात, औरंगाबाद व लातूर विभागांतोल जिल्हे वगळता, राज्यात पावसाची तोव्रता जास्त होती. जुलै, २००७ मध्ये नांदेड जिल्हा वगळता, मराठवाडयातोल उर्वरित जिल्ह्यांत पावसामध्ये साधारणपणे २ ते ३ आठवडयांचा खंड पडला. ऑगस्टमध्ये जळगाव, औरंगाबाद, जालना, बीड, लातूर, उस्मानाबाद, नांदेड, परभणी, हिंगोली, यवतमाळ व गोंदिया ह्या जिल्द्यांत सरासरीच्या ६० ते ८० टक्के पाऊस झाला, तर उर्वरित जिल्ह्यांत तो १०० टक्क्यापेंक्षा अधिक प्रमाणात झाला. मराठवाडा व विदर्भ विभागात ऑगस्टमध्ये पावसात दोंन आठवडयांचा खंड पडला. तर सप्टेंबर माहन्यात राज्यात समाधानकारक पाऊस झाला.
५.३.१ जून, जुले, ऑगस्ट, सप्टेंबर आणि ऑक्टोबर, २००७ मध्ये पावसाच्या सरासरी मानाच्या अनुक्रमें १४८ टक्के, ८९ टक्के, १११ टक्के, $१ १ ५$ टक्के आणि ३५ टक्क इतका पाऊस पडला मान्सून २००७ मध्य राज्यात पडलेला पाऊस सरासरोपेक्षा $९$ टक्क्यांनी जास्त होता.
५.३.२ राज्याच्या खरीप हंगामाच्या सर्वसाधारण सरासरी (१३४.२ लाख हेक्टर) क्षेत्राच्या तुलनेत जून, २००७ मध्ये सुमारे 40 टक्के, जुलै अखेर १०२ टक्के आणि खरीप, २००ं हंगामाच्या अखेरपयंत ११२ टक्के, म्हणजे १४९.२ लाख हेक्टर क्षेत्रावर पेरण्या पूर्ण करण्यात आल्या. आधीच्या वर्षात ही टक्केवारी $१ ० 4$ होती. मका, मूग, उडीद व ऊस या पिकांखालील क्षेत्रामध्ये २३ ते २८ टक्के या दरम्यान वाठ झाली. तर तांदूळ, तृर, सोयाबीन व कापूस या पिकांखालील क्षेत्रात २ ते ५ टक्के अशा अल्प प्रमाणात वाढ झाली. ऑगस्ट व सप्टेंबर, २००७ मध्ये समाधानकारक पाऊस झाल्यामुळ खरीप पिकांची स्थिती चांगली होती. जुलैचा दुसरा पंधरवडा व ऑगस्ट महिन्यामध्ये लातूर व औरंगाबाद विभागात पावसात खंड पडल्यामुळे कमी कालावधीच्या मूग आणि उडीद यासारख्या पिकांच्या उत्पादनावर काही प्रमाणात प्रतिकूल परिणाम झाल्याची शक्यता आहे. राज्यातील रब्बी पिकांखालील सर्वसाधारण सरासरी क्षेत्र ५३.६७ लाख हेक्टर असृन दिनांक ८ फेब्रुवारी, २००८ अखंरपयंत ६०.८३ लाख हेक्टर क्षेत्रावर रब्बी पेरणी झाली होंती. हे क्षेत्र सरासरी रब्बो क्षेत्राच्या ११३ टक्के होते.
५.३.३ राज्यातील ३३ जिल्न्यांपेकी (मुंबई शहर व मुंबई उपनगर हे जिल्ह वगळता) फक्त नांदेड या एका जिल्ह्यात सरासरीच्या तुलनेत अपुरा (७३ टक्के) पाऊस पडला. २६ जिल्द्यांत ८१ ते ११९ टक्क इतका सामान्य पाऊस पडला. त्यापैकी जळगाव, औरंगाबाद, जालना, उस्मानाबाद, हिंगोली, वाशशम, यवतमाळ, भंडारा व गोंदिया या ९ जिल्द्यांत ८१ ते १०० टक्के पाऊस पडला, तर ठाणे, रायगड, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, नाशिक, अहमदनगर, सोलापूर, सांगलो, कोल्हापूर, बोड, लातूर, परभणी, बुलडाणा, अकोला, नागपूर, चंद्रपूर आर्ाण गर्डचिराली या २७ जिल्द्यांत सरासरीच्या १०१ ते ११९ टक्के इतका पाऊस पडला. धुले, नंदुरबार, पुणे, सातारा,

अमरावती व वर्धा या सहा जिल्द्यांमध्ये सरासरीच्या १२० टक्क्यांपेक्षा अधिक पाऊस पडला. कैंद्र शासनाकडील हवामानशास्त्र विभागाच्या वर्गीकरणानुसार पडलेल्या पावसाच्या प्रमाणनुसार जिल्हयांची माहितो तक्ता क्र. ५.३ मध्ये दिली आहे.

> तक्ता क्रमांक ५.३

मान्सून २००७ मध्ये पडलेल्या पावसाच्या प्रमाणानुसार जिल्ह्यांचे वर्गीकरण

| पडलेल्या पावसाच्या | जिल्द्यांची संख्या * | टक्केवारी |
| :--- | :---: | :---: |
| टक्केवारोनुसार वर्गवारी |  |  |
| ४० पर्यत (अत्यंत अपुरा) | $\circ$ | $\circ$ |
| ४१-८० (अपुरा) | १ | ३.० |
| ८१-२२९ (सामान्य) | २६ | ७८.८ |
| १२० व अधिक (अधिक) | ६ | १८.२ |
| एकण | ३३ | १००.० |

* मुंबई शहर व मुंबईं उपनगर जिल्हे वगळ्नन
५.३.४ प्रत्यक्ष पडलेल्या पावसाच्या टवक्केवारीनुसार तालुक्यांचे महसूली विभाग्गानहाय वर्गीकरण तक्ता क्र. ५.४ मध्ये दिले आहे.

तक्ता क्रमांक $4 . \gamma$
मान्सून २००७ मध्ये पडलेल्या पावसाच्या
टक्केवारीनुसार तालुक्यांचे वर्गीकरण

4.३.4 प्रत्यक्ष पडलेल्या पावसाच्या मात्रेनुसार तालुक्यांची संख्या तक्ता क्र. ५.५ मध्ये दली आहे.

तक्ता क्रमांक 4.4
प्रत्यक्ष पडलेल्या पावसाच्या मात्रेनुसार तालुक्यांची संख्या

| पावसाच्या मात्रेनुसार गट (मि.मी.) | तालुक्यांची संख्या |  |
| :---: | :---: | :---: |
|  | मान्सून २००७ | दीर्घकालीन |
|  |  | सरासरीनुसार |
| २५० पर्यंत | 0 | - |
| 24? - 400 | 34 | ३ |
| 402 - 640 | ? ${ }^{\text {¢ }}$ | qo\% |
| 64? - १,000 | ७ | CO |
| १,00१ - २,000 | C૪ | Q |
| २,00१ - ३,000 | २५ | २६ |
| ३,00ף - $\gamma, 000$ | $2 \gamma$ | २४ |
| ४,00\} - 4,000 | १ | $?$ |
| 4,000 पेक्षा अधिक | ૪ | ? |
| एकूण | 344 | 344 |

## जलाशयांतील जलसाठ्याची स्थिती

५.४ राज्यातील सर्व मोञ्या, मध्यम व लघु पाटबंधारे (राज्य क्षेत्र) जलाशयांमध्ये $२ ५$ ऑक्टोबर, २००७ रोंजी एकूण उपयुक्त जलसाठा $२ ९, २ ० ७$ दशलक्ष घनमीटर (द.ल.घ.मी.) इतका होता. तो प्रकल्प क्षमतंच्या जवलपास ८९ टक्के होता, तर हो टक्केवारी २००६ मध्ये ९३ आणि २००५ मध्ये ८६ टक्के इतकी होती. याबाबतची विभागनिहाय माहिती तक्ता क्र. ५.६ मध्य दिली आहे. तक्ता क्रमांक ५.६
जलाशयांतील उपयुक्त जलसाठ्याची स्थिती

| विभाग <br> कोकण | जलाशयांची संख्या <br> २४口 |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  | ९२६ | ६९० | 64 | ७६ | ६६ |
| नाशिक | ३६४ | 3, ¢04 | 3.E96 | ९३ | ९८ | CC |
| पुणे | 404 | 9,4<0 | $9,0<4$ | ¢4 | ९३ | $9 \%$ |
| ओरंगाबाद | ५३२ | $\xi, \gamma \gamma \xi$ | ५,0८२ | 勺9 | १६ | be |
| अमरावती | ३४? | २,40\% | २,१६७ | Co | ९३ | $\checkmark$ |
| नागपूर | ३६० | 3,840 | २,९२६ | C4 | c? | CO |
| इतर* | 9r | 4, С२० | 4,480 | 94 | ९६ | ९२ |
| एकूण | २,२५६ | ३२,६०१ | २९,?०G | C9 | ¢3 | CE |

* विण्याच्या पाण्यासाठीचे जलसाठे व जर्लावद्युत प्रकल्प


## जमिनीचा वापर

५.५ २००५-०६ मधील जमीन वापराच्या आकडेवारोनुसार राज्याच्या ३०७.६ लाख हेक्टर एकूण भौगोलिक क्षेत्रापैकी पिकांखालील एकूण क्षेत्र २२५.६ लाख हेक्टर होते. निव्वळ पेरणी क्षेत्र १७४.७ लाख हेक्टर, वनांखालील क्षेत्र ५२.१ लाख हेक्टर, मशागतीसाठी उपलब्ध नसलेले क्षेत्र ३१.३ लाख हेक्टर, मशागत न केलेले इतर क्षेत्र २४.२ लाख हेक्टर, आणि पडीत जमिनीखालील क्षेत्र २५.३ लाख हेक्टर

होते. महाग़ाष्ट्र राज्यातील जमीन वापराबाबतची आकडेवारी या प्रकाशनाच्या भाग-२ मधील तक्ता क्र. १७ मध्ये दिली आहे.


२००७-०८ मधील संभाव्य कृषि उत्पादन
4.६ कृषि आयुक्तालय, पुणे यांच्या प्रारंभिक पूवानुमुमानानुसार राज्यातील २००७-०८ मधील अन्रधान्यांचे एकूण उत्पादन ३५२.८५ लाख में.टन, मुणजे आधीच्या वर्षातील १२७.७७ लाख मे.टन उत्पादनाच्या तुलनंत २० टक्क्यांनो जास्त होईल असा अंदाज आहे. अत्रधान्यांच्या व तेलीबियांच्या उत्पादनाचा तपशील तक्ता क्र. ५.७ मध्ये दिला आहे.

तक्ता क्रमांक ५.७
महाराष्ट्रातील अन्रधान्य व तेलबियांचे उत्पादन

| (लाख मे. टनांत) |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| पीक | 200६-ov (अंतिम अंदाज) | 200け-0 (तात्पुरते अंदाज) | $\begin{aligned} & \text { वाढ(+)/घट(-) } \\ & \text { (टक्के) } \end{aligned}$ |
| खरीप + रब्बी |  |  |  |
| i) तृणधान्ये | 20૪.७३ | १२२.६५ | ใง |
| ii) कडधान्ये | २३.0४ | ३०.२० | ३१ |
| एकूण अन्रधान्ये | २२७.७७ | १५२.८५ | २० |
| तेलबबिया | ३५.६३ | \%७.0e | ३२ |

## खरीप व रब्बी पिके

५.७ प्रमुख खरोप व रब्बी पिकांचे २००६-०७ (अंतिम अंदाज) आणि २००७-०८ (तात्पुरते अंदाज) मधील क्षेत्र व उत्पादन यांची भाहिती अनुक्रमम तक्ता क्र.५.८ व तक्ता क्र. 4.9 मध्ये दिली आहे. प्रमुख पिकांखालील क्षेत्र, उत्पादन व उत्पादकता याबाबतची सविस्तर माहिती या प्रकाशनाच्या भाग-२ मधील तक्रा क्र. ३८ मध्ये दिली आहे. क्षेत्र व उत्पादन याबाबतचे ढोबळ निष्कर्ष खालीलप्रमाणे आहेत.
५.७.१ वर्ष २००५-०६ मधील एकूण पिकांखालील क्षेत्रापैकी तृणधान्याचा हिस्सा सुमारे ४२.२ टक्के होता. त्याच वर्षामध्ये कडधान्ये आणि तेलबियांचा

हिस्सा सुमारे २५.२ टक्के आणि २६.२ टक्के होता. कापृस अर्णण ऊस या पिकांखालील क्षेत्रावे प्रमाण अनुक्रमें २२.८ टक्के व २.२ टक्के इतके होते.
५.७.२ वर्ष २००६-०७ मधील तृणधान्यांखालील एकृण क्षेत्रापेकी सुमारें ९२ टक्के क्षेत्र ज्वारी, तांदृळ, बाजरी आणि गहृ या पिकांखाली होंते. तर, कडधान्यांखालोल क्षेत्रापेकी हरभरा, तृर, मृग आणाण उडीद या पिकांच्या क्षेत्राचा हिस्सा सुमारे ९१.४ टक्क होता. तेलवियांखालील एकृण क्षेत्रापैकी सोयाबीन (२५.२ लाख हेक्टर) या एका पिकाखालीच २००६-०७ मधं ६५ टक्के क्षेत्र होते. २९९०-९१ मधील सोयाबीन खालील $२ . \circ १$ लाख हेक्टर क्षेत्राची २००६-०७ मधील क्षेत्राशी तुलना करता त्यात १२ पटीपेक्षा जास्त अशी लक्षर्णाय वाढ झालेली आहे.
५.७.३ १९९०-९१ ते २००६-०७ या काळात ऊस व फळ पिकांखालील क्षेत्रात अनुक्रमे 4.$\rangle$ लाख हेक्टरवरून $८ . ५$ लाख हेक्टर (अडीच पट) व २.४ लाख हेक्टरवरून १४.० लाख हेक्टर (सुमारे पाच पट) अशी लक्षणीय वाढ झाल्लो.
५.७.४ गेल्या दोन दशकांमध्ये अन्रधान्याचे उत्पादन ८७.१ लाख मे.टनांवरुन २००६-०७ मध्ये २२८.८ लाख मे.टन, तेलबिया $२ 0.0$ लाख में.टनांवरुन ३७.२ लाख मेंटन, ऊस २३२.७ लाख मे.टनांवरुन ६६२.८ लाख मे.टन आणि कापूस १९.८ लाख गासडयांवरुन ४६.२ लाख गासडया इतके वाढले.
५.७.५ राज्यातील विविध पिकांचे प्रति हेक्टर उत्पादन हे प्रमुख राज्यातील उत्पादन दराच्या तुलनेत कमो असल्याचे तत्ता क्र. ५.9० वरुन दिसून येते.

## कृषि उत्पादनाचे निर्देशांक

५.८ महाराष्ट्रतील कृषि उत्पादनाचा २००६-०७ साठीचा निर्देशांक (पाया : त्रैवार्षिक सरासरी २९७९-८२ = १००) १७८.७ होता. तो २००५-०६ मधील निदेंशांकापेक्षा ३२ टक्क्यांनी जास्त होता. गर्टानहाय २००६-०७ करिता हे निर्देशांक तृणधान्ये श२६.२, कडधान्ये २३२.७, एकृण अन्रधान्ये १३९.३, तेलबिया ८४.२, तंतृपिके ३३५.४, संकीर्ण पिके २३५.० आणिए एकूण अन्नधान्येतर पिके २२२.७ असे हांते. ह्या निर्देशांकाबाबतचे तपशील भाग-२ मधील तक्रा क्र. २९ मध्ये दिले आहंत. गेल्या २६ वषांतोल (२९८०-८१ ते २००६-०७) राज्यातील अत्रधान्याच्या उत्पादनामधील चक्रवाढ वार्षिक वृध्दिदर १.२ टक्के इतका परिगणित होतो.

## वहिती खातेदार

4.9 क्रृष गणना २०00-०१ नुसार वहितो खातेदारांची वहिती आकार वर्ग व त्यामधील क्षेत्र याबाबतची माहिती तक्ता क्र.५. ११ आणि या प्रकाशनाच्या भाग-२ मधील तक्ता क्र. २२ मध्ये दिलो आहे.

## कृषि वित्तपुरवठा

4.90 देशातील शिखर स्तरावरोल राष्ट्रीय कृषि व ग्रामीण विकास बँक (नाबाडं) ही शेती व ग्राम विकासास हातभार लावून उत्तेजन देणारी आणि कृषि क्षेत्राच्या विकासात महत्त्वाची भूमिका बजावणारी बँक आहे. शेतीच्या हंगामी कामांना वित्तपरुवठा करण्यामध्ये नाबार्ड (महाराष्ट्र राज्य सहकारी बँक आणि प्रादेशिक ग्रामीण बँकामार्फेत पुनर्वित्त), महाराष्ट्र राज्य

तक्ता क्रमांक ५．८
महाराष्ट्र राज्यातील प्रमुख खरीप पिकांचे क्षेत्र व उत्पादन
［क्षेत्र हजार हेक्टरांत，उत्पादन हजार टनांत（कापसा वर्यातरिक्र）］

| पैक | क्षेत्र |  |  | उत्पादन |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | 200६－о७ <br> （अंतिम अंदाज） | 2003－0く <br> （तात्पुरते） | वाद／घट <br> टक्केवारी | 200\％ 0.0 （अंतम अंदाज） | そOON OR <br> （तात्पुरते） | नाढ／घट टक्केवारी |
| नांदूळ ．． | १，૪११ | १，५२४ | ？ | २，४＜¢ | २，904 | १V |
| बाजरी | १，४५२ | १，२२२ | （－） ¢ $^{\text {¢ }}$ | १，049 | २，०९⿴ | $\gamma$ |
| खर्राप ज्वारी． | १，૪०९ | २，२२૪ | （－）१३ | २，६८૪ | १，८૪？ | 9 |
| नाचर्गी | श३६ | 930 | $(-) \gamma$ | २२₹ | १\％० | （－） 2 |
| मका | 604 | ¢90 | २८ | ¢\％た | १．६૪？ | งx |
| इंतर उरीप तृणधान्ये | go | ६\％ | （－）१३ | ३३ | ३४ | ३ |
| एकूण खरीप तृणधान्ये | 4,0 ३ | 8,900 | （－） 4 | द，३३द |  | २？ |
| 贸 | १，१२३ | १，१८？ | 4 | 684 | ¢३७ | 24 |
| मूग | ५७३ | vor | २३ | २३६ | ३く६ | ६\％ |
| उडीद ．－ | \％90 | ६श५ | र६ | 200 | ३३く | EP |
| इतर गरीपप कडधान्ये | Q CC | ใ७勺 | （－）छ | ६४ | 04 | ใง |
| एकूण खरीप कडधान्ये | २，३७ | 2，¢0v | ？${ }^{\text {a }}$ | २，३？4 | १，३३ | ₹ ${ }^{\text {P }}$ |
| एकूण खरीप अन्रधान्ये | 1，800 | ७，¢ ¢ | ？ | 1，\＆4？ | Р，इく२ | २ ${ }^{\text {a }}$ |
| सोयाबीन | २，५२१ | 2． 549 | 4 | २，С९२ | ३，९२૪ | 3\％ |
| खरीप भुईंम | ३४२ | ३२० | （－）\＆ | र५\％ | ३६९ | 84 |
| खरीप तीळ．． | 900 | St | $(-) ~ २ \gamma$ | २6 | २४ | 0 |
| कारंे | $4 \gamma$ | ¢C | $(-) ~ १ १$ | १？ | १३ | C |
| खरीप सुर्यफूल | १२？ | C9 | $(-)$ र६ | E\％ | E？ | $(\cdot) ३$ |
| इतर तेलेविया | १२ | १२ | $\bigcirc$ | 6 | $\gamma$ | 0 |
| एकूण खरीप तेलबिया | \＄，940 | ३，२९६ | $?$ | 3，240 | ४，३९६ | ३4 |
| कापूस（रुई）＊ | 3，206 | Э．99？ | F | 8，द१८ | 4,6 ¢ 4 | २द |
| ऊस＊＊．． | 689 | $9,0<6$ | २८ | ६६，२心⿴ | C0，499 | २२ |
| एकृण | 98，49\％ | १४，९२२ | ३ |  |  |  |

＊－कापसाचे उत्पादन＇000＇गासडयामध्यं（प्रति गासडी १७० किलो वजनाची），＊＊－तोडणोक्षेत्र

सहकारो बँक（जिल्हा मध्यवर्तों सहकारी बँकामाफंत पुर्नर्वित्त），आणि जिल्हा मध्यवर्तों सहकारी बँका，प्रार्देशिक ग्रामीण बँका，राष्ट्रीयोकृत，तसेच अनुसूचित वाणिज्यिक बैका या प्रार्थमिक कृषि सहकारी पतपुरवठा संस्थांना थेट कर्जपुरवठा करतात．
५．\％०．२ नाबाडंने २००६－०७ मध्ये राज्यातील शेतीच्या हंगामी कामासाठो १，५६९ कोटी रुपयांची अल्पमुदतीची पतमयांदा मंजूर केली． या तुलनेत श००५－०६ मध्ये मंजूर केलेली पतमयांदा ५६२ कोटी रुपये इतकी होतो．याशिवाय नाबाड़ेने राज्यातील शेतीच्या हंगामी कामांव्यितिरिक्त डतर कामांसाठी प्रादेशिक ग्रामोण बँकांना ३．५३ कोटी रुपये मंजूर केले हांते．नाबाडंने $२ 00 ७-\circ \mathrm{C}$ या वर्षामध्ये（डिसेंबर，२०0७ अखेरपर्यंत） शंतीच्या हंगामी कामांना मदत करण्यासाठी २，०४४ कोटी रूपये इतकी पतमयांदा मंजूर केली．

५．8०．२ राज्यात कृषि वित्तपुरवठा करण्याशी थेट संबंधित अशा वित्तीय संस्था म्हणजे स्वतःच्या शेतकरी सभासदांना अल्प मुदतीची पीक कजं देणा－या प्रार्थमिक क़षि सहकारी पतपुरवठा संस्था होत．राज्यात

२००६－०७ अखेर २२，२३८ प्रार्थामक कृषि सहकारो पतपुरवठा संस्था होत्या．त्यांची सभासद संख्या १२३ लाख इतकी होती．ह्वा संस्थांनी २००६－०७ मध्ये शेतक－यांना ५，४९८ कोटी रुपयांची कजें（२००५－०६ मधील $४, ९ २ ८$ कोटी रूपयांच्या तुलनेत）दिली．त्यापैकी २，२६७ कोटी रुपयांची，म्हणजे $\gamma$ टक्के रकमेची कर्जे अल्पभूधारक व सीमांतिक शेतक－यांना देण्यात आलो．
4.90 अ अनुसूचित वाणिण्यिक बँका（राष्ट्रीयकृत बँका धरून） आणि प्रादेशिक ग्रामीण बैकांनी राज्यात कृषि व संलग्न व्यवसायांसाठो २००५－०६ व २००६－०७ मध्ये के लंल्याय प्रत्यक्ष वित्त पुरवठयाचा तपशोल तक्ता क्रमांक ५．१२ मध्ये दिला आहे．

५．३०．२ २००६－०७ मध्ये राज्यात प्रार्थमिक कृषष सहकारी पतपुरवठा संस्था，अनुसूचित वाणिज्यिक बँका（राष्ट्रोयीकृत बँका धरून） व प्रादेशिक ग्रामीण बँकांनी एकत्रितपणे $२ ०, ३ ६ ०$ कोटी रुपयांची कृषि कर्जे दिली．ती मागील वर्षामध्ये दिलेल्या कृषि कर्जापेक्षा（ $८, ९ ६ ३$ कोटी रुपये）३६ टक्क्यांनी जास्त होती．

तक्ता क．4．9
महाराष्ट्र राज्यातील प्रमुख रब्बी पिकांचे क्षेत्र व उत्पादन
（क्षेत्र－हजार हेक्टरांत，उत्पादन－हजार टनांत）

| पीक | क्षेत्र |  |  | उत्पादन |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | $\begin{aligned} & \text { 200E-0ง } \\ & \text { (अंतिम अंदाण) } \end{aligned}$ | २oov．0r （तात्पुरते） | वाढ／घट <br> टक्केवारी | $\begin{aligned} & \begin{array}{l} \text { 200६-0७ } \\ \text { (अंतम उंदाज) } \end{array} \end{aligned}$ | Poug．Oe <br> （तात्पुरसे） | वाढ／घट टक्केवारी |
| रज़ी जीवारी | ३，२०९ | २，८४२ | $(-) \uparrow\}$ | २，०८८ | २，३५९ | १३ |
| गहू | २，२३२ | १，२३७ | －＊ | १，८\＆९ | २，०८？ | ？ |
| अंबां मका | く६ | く३ | $(-)$ ¢ | ใ७ง | ใง৩ | $\bigcirc$ |
| इतर रब्ब़ी तृणधान्ये | 4 | 4 | $\bigcirc$ | ३ | ？ | （－）३३ |
| एकूण रब्बी तृणधान्ये | ૪，५३？ | ૪，२६७ | $(-)<$ | ૪，२३ง | ४，६१९ | १२ |
| हरभरा | १，३०く | २，३२૪ | ？ | ९२૪ | २，२१४ | ३१ |
| इतरू रब्बी कडधान्ये | 985 | १४२ | （－）३ | ६६ | vo | ६ |
| एकुण रब्बी कडधान्ये | १，४५\％ | १，૪६६ | C | P9० | २．२८૪ | зо |
| एकूण रब्डी अन्रधान्ये | 4，9८4 | ५，६३३ | $(-) \&$ | ५，२२ง | 4，80३ | P4 |
| रब्बो तोळ | 4 | ३ | $(-)$ ४० | $२$ | ？ | （－） 40 |
| कख ${ }^{\text {c }}$ | २७९ | २१द | （－）२३ | २६9 | २५૪ | （－） 9 |
| रब्बो सुयंपूलन | २२४ | 240 | （－）३३ | १२२ | २マ凶 | $\gamma$ |
| जवस | ६し | ७२ | E | १६ | २६ | ६३ |
| सरसृ व मोहरी | १\％ | 9 | （－）३६ | 4 | $\gamma$ | （－）20 |
| एकृण रब्बी तेलबिया | 490 | 840 | （－）२૪ | ३२३ | ३२२ | $0^{*}$ |
| एकुण रब्बी पिके | ६，५७५ | ६，०८३ | $(-) \vartheta$ |  |  |  |

अ．नगण्या

## मुंतवणूक पतपुरवठा

4.90 .4 नाबार्डने राज्यात २००६－o७ मध्ये गुंतवणूक पतपुरवठ्याअंतर्गत विविध पतगुरवठा संस्थांना $४ ० \stackrel{\text { कोटी रुपयांचे पुर्वित्तोय सहाय्य मंजूर }}{ }$ तक्ता क्र．५．१०
प्रमुख पिकांचे प्रति हेक्टर उत्पादन

| （200५－०द करिता प्रति हेक्टर कि．ग्र．मध्ये） |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| राज्य | तांदूळ | गहृ | ज्वारी | बाजरो | कापस |
| आंध्र प्रदेश | २，१३९ | cie | Р，३マ૪ | १，०१२ | ३とง |
| कर्नाटक | ३，С¢く | CuC | १，0९4 | 9.6 | २२く |
|  | २，4૪¢ | － | ७そマ | २，१4\％ | 24\％ |
| गुगरात | Y，9૪9． | र，1000 | १，१३८ | १，2६9 | Gor |
| Tied प्रदेश | pe9 | Q，૬？ | १，○くく | P．४¢？ | २०\％ |
| महाराष्ट्र | २，७६く | १，३९३ | ७く३ | ६40 | २Co |
| पंजाब | ३， 4,4 | \％，pos | 0 | १，000 | ७३？ |
| हरयाणा | 3，049 | ३，く૪૪ | २७३ | श，शช | とアง |
| उत्तर प्रदेश | १，9९६ | २，६२＇ง | १，०६५ | 2，838 | 209 |
| ओर सा | १，4३？ | १，३६४ | ૬00 | 442 | ૪३५ |
| पशिचम बंगाल | 2，409 | 2，909 | ૪२९ | 0 | 480 |
| जिहार | 2.064 | २，६२७ | २，२४ | २，0190 | 0 |
| के ${ }^{\text {\％}}$ | 2，268 | 0 | ૪＜o | $\bigcirc$ | २२० |
| गजस्यान | १，४२५ | २，७६२ | २८く | 44\％ | ३१ง |
| भारत | २．२०？ | २，छ१९ | cco | COP | ३द？ |

केले．ते आधीच्या वर्षातोल सहाय्यांपक्षा सुमारे ३३．० टक्क्यांनो कमी हॉते．पुर्नवित्तीय सहाय्य केलेल्या प्रमुज बाबांगध्ये बिगर－क़षषष क्षेत्र（२५．५ टक्के），कृषष यांत्रिकीकरण（३८．२ टक्क्फ），कृष्षे आर्थिक विभाग（एइझंड） （१४．० टक्के）आणि लघु सिचन（१३．० टक्के）या बाबींचा समावेश होता．

तक्ता क्र． 4.39

| कृषिगणना २०००－०Q नुसार राज्यातील वहिती खातेदार व क्षेत्र |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| $\begin{aligned} & \text { आकार } \\ & \text { वर्ग } \\ & \text { (हेक्टर) } \end{aligned}$ | वहितो खातंदारांचो संख्या | वर्वहनोंचं <br> एकृण <br> क्षेत्र | र्वाहतीचे सरासरो क्षेत्र （हेक्टरमध्ये） |  |
|  | (शंभरात) | （शंभर हेक्टरमध्ये） | 2000－02 | २९९५－९६ |
| 0．0－ 2.0 | ५२，८८० | २६，४०८ | 0.40 | 0．89 |
| १．0－ 2.0 | ३५，९७ช | 4\％，१५३ | १．४२ | ¢．84 |
| २．0－4．0 | २६，४३५ | ७७，५५२ | २．९३ | २．99 |
| 4．0－80．0 | ૪，¢૪¢ | ३२，९२० | ६．4C | ६．EC |
| 80．0－20．0 | ७६८ | ९，ÇC | १२．く९ | १३．१३ |
| २०．० पेक्षा जास्त | － ¢ $^{\text {a }}$ | З，द¢ $¢$ | ३८．${ }^{\text {® }}$ | ३९．९५ |
| एकृण | १，२१，००२ | 2，00，¢84 | १．द¢ | १．Cu |

तक्ता क्रमांक $4 . १ ?$
वाणिज्यिक व प्रादेशिक ग्रामीण बैकांनी शेतीक्षेत्रासाठी दिलेली कर्जे

|  |  |  |  |  | （रुपये | कोटीत） |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| बाब | अनुसूर्चित वाराणज्यिक बँका＊ |  | प्रादेशक ग्रामीण बँका |  | एकूण |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
| रेंतरांची हैगामी कमे | में ¢，¢३५ | ？，¢९९ | 200 | 302 | २．192 | २，300 |
| दाध्धविकास व पशसंनधंन | २२३ | 240 | ६ | ३ | २२ง | २६३ |
| ₹क्कुटपालन | $\gamma$ | ¢0 | ？ | \＆ | ช६ | ¢\％ |
| मत्स्यव्यवसाय | 6 | ？${ }^{\text {a }}$ | ？ | 2 | $\bigcirc$ | 22 |
| कृषाष अवजारे | 293 | 280 | छ | 22 | २¢9 | २P\％ |
| फलेत्पादन | ช३९ | ५くる | ३ | ¢ | ४૪२ | $4<9$ |
| लघु सिंचन | 20 | २२3 | $\checkmark$ | Q | \＄＜8 | २з\％ |
| साठवण व | $\bigcirc$ | з | ？ | २ | ง2 | ૪o |
| बा़ारततळ |  |  |  |  |  |  |
| बन्रोकरण व | २० | 43 | ？ | २ | २\％ | 44 |
| पडौंक जमीन विकास |  |  |  |  |  |  |
| कतर | ¢PE | 9，006 | 6 | ？ | vor | ？，098 |
| एक्षण | ३，८२४ | ૪，४९и | २११ |  | ૪，०३५ | ૪，८६？ |

＊राष्ट्रीयकृत बैंका धरून

## स्व－सहाय्यता गटांना वित्तपुरवठा

4.72 अर्थव्यवस्थेतील दुर्बल घटकांच्या आर्थिक गरजा सृक्ष्म कित्तपुग्वठयाद्वारे भार्णििण्यामध्यं स्व－सहायता गट महत्वाची भ्भृमिका बजावतात． महाराष्ट्र राज्यात विविध प्रकारच्या ६९ बँका स्व－सहाय्यता गटांना अथंसहाय्य देण्यामध्ये सक्रीयपणे सहभागी आहेत．यामध्ये १९ व्यापारी बँका，७ प्रादेशिक ग्रामीग वंका，३० जिल्हा मध्यवर्तो सहकारी बँका आणि १३ नागरी सहकारो बैंकांचा समाबेश हांतो．२००७－०८ मध्ये（डिसेंबर，२०oง पयंत）याद्रारे लाभ देण्यात आलंल्या कुटुंबांची संख्या ३ंज．४६ लाख होती．स्व－सहाय्यता गटांना अर्थसहाय्य पुरविण्याच्या कारंक्रमाच्या प्रगतोची माहिती तक्ता क्र．५．२३ मधं दिली आहे．

तक्ता क्र．५．१३
स्व－सहाय्यता गटांना वित्तपुरवठा

| वर्ष | बंकांकड्नून स्व－सहायता गटांना कर्जणुरवठा |  | बैंक कर्ज（रु．कोटीत） |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | चालू वर्षात <br> （संख्या लाखात | संचयी <br> ख्या लाख | चाल वर्षात | संचयी |
| 200\％－04 | －．३३ | 0.92 | Cl | ३89 |
| 200＇ィ－0६ | 0.60 | १．३१ | १३१ | ૪＜o |
| २00६－Ob | 0.94 | २．२६ | २२૪ | छ९४ |
| 200以－0く＊ | －． 28 | 2.40 | Q04 | ७९९ |

## किसान क्रेडिट कार्ड योजना

4．？र शेतक－यांची अल्म मुदतीचे पोक कर्जे आणि वाजवी प्रमाणात देर्नोदन निकड या सारख्या स्वंसमावेशक पततुरवठा विषयक गरजा एका

खंडकीद्वारे पुरंशा प्रमाणात व वेळंबर पतपुरवठा देऊन लर्वाचक आणि सुलभ कार्यपध्दतीतून भारावाव्यासाठो राज्यामध्यें २९९९ मध्यं किसान क्रडिट काडं योजनेचो सुरुवात करण्यात आली．२००५－०६ पयंत या योजने अंतर्गत करण्यात येणारा पतपुरवठा फक्त अल्प मुदतीच्या कर्जासठीच होता．परंतु २००६－०७ पांसृन दीर्घ मुदतीची कर्जेसुध्दा मंजूर करण्यात यंत आहेत．

५．१२．१ राज्यात नोक्हेंबर，२००७ अखेरपयंत ५२．९३ लाख किसान क्र्डिट काडांचे वाटप करण्यात आले．२००५－०६ च्या रुपये ७，०३३ कोटीच्या तुलनेत २००६－०७ मध्ये ३८，૪०८ कोटी रुपयं इतकी पतमर्यांदा मंजूर करण्यात आली．

 २००७ पर्यंत）मंजूर करण्यात आलेल्या दीर्घ मुदतीच्या पतमयंद्यची रक्कम अनुक्रमे ८．१९ कोटी रुपये व १२．७४ कोटी रुपये इतको होती．

## सुधारित बियाणे

५．१३ राज्यातील कृषष उत्पादन वाढविण्यासाठी करण्यात येत असलेल्या विविध उपाययोजनांमध्ये विविध पिकांच्या संकर्रत，सुधारित वाणांच्या प्रमाणित व दर्जेदार वियाण्यांचे वितरण ही एक अत्यंत महत्त्वाची उपाययोजना आहे．अशा बियाण्यांच्या वितरणामध्ये सार्वंजनिक व खाजगो ही दोन्ही क्षेत्र महत्वाची भृमिका बजावतात．बहुतांश पिकांच्या बाबतीत राज्यात बियाणे बदलाचा कार्यक्रमदेखील मोठ्या प्रमाणात्रर राबविण्यात येतो．प्रमुख विर्कनिहाय वियाणे वितरणाची माहिती तक्ता क्र．५．१४ मध्य दिली आहे．

तक्ता क्रमांक ५．१४
महाराष्ट्र राज्यात वितरीत करण्यात आलेले बियाणे


## रासार्यनक खते व कीटकनाशके यांचा वापर

५．१४ राज्यातील रासायनिक खतांचा एकूण व प्रति हेक्टर वापर यचा तपशील तक्ता क्र． 4.34 मध्ये दिला आहे

तक्ता क्र．५．२५
रासायनिक खतांचा वापर

| वर्ष | चापर（लाख में．टन） | प्रति हैक्टर त्रापर（कि．ग्र．） |
| :---: | :---: | :---: |
| ？999－00 | २९，३ | ९०．३ |
| 2000－0\} | १६．4 | ७૪．？ |
| २00\％－0マ | २६．९ | ७५．$\%$ |
| २००२－०३ | १६．५ | ७३．७ |
| २00३－0\％ | १४．\％ | ६૪．9 |
| 200\％－04 | ใง．૪ | ७ง．८ |
| 2004－0¢ | १९．७ | くง．३ |
| २00¢－0才 | २२．६ | 200．？ |
| ₹0000く（अर्पोक्षत） | २५．？ | ใ११．$૪$ |

५．२४．१ राज्यात २००६－०७ मध्ये शेतक－यांना खतांचे वितरण ३३，४९१ खत वितरण केंद्रांमार्फत करण्यात आले．त्यापैको ३，१९८ केंद्रे सहकारी क्षेत्रात，२१९ सार्वजनिक क्षेत्रात，तर २९，२७४ केंद्रे खाजगी क्षेत्रात होती．

५．२४．२ रासायनिक खतांच्या प्रति हेक्टर वापराबाबतची राज्यानिहाय व देशपातळ्ठवरील माहिती तक्ता क्र．५．२६ मध्ये दिली आहे．

तक्ता क्र．५．२६
रासायनिक खतांचा प्रति हेक्टर वापर
（प्रति हेक्टर कि．ग्र．मध्ये）

| राज्य | २00३－0才 | २00\％－04 |
| :---: | :---: | :---: |
| पंजाब | १९४．६ | २20．？ |
| तामीळनाड़ | २५९．१ | १८३．७ |
| अंध्रप्रदेश | १५С．¢ | २०३．६ |
| हरयाणा | 244．？ | १६६．७ |
| उत्तरप्रदेश | १३૪．？ | १४०．४ |
| पाश्चिम बंगाल | १२९．७ | १२७．५ |
| बिहार | ९९．८ | १५२．३ |
| कनांटक | 98.4 | ใใง．३ |
| गुजरात | 99.4 | १११．？ |
| उत्तरांचल | CC．9 | ९४．२ |
| छत्तीसगढ | ६५．？ | ६७．$\%$ |
| महाराष्ट्र | ६૪．？ | ७७．८ |
| मध्य प्रदेश | ५३．${ }^{\text {¢ }}$ | ૪ง．？ |
| एकृण भारत | 98.4 | १०8．4 |

५．१४．३ राज्यात २००६－०७ मध्ये तांत्रिक दर्जाच्या ३，२९३ मे．टन कोटकनाशकांचा वांपर करण्यात आला．तो आधीच्या वर्षातील वापराच्या जवळपास सारखाच होता．२००७－०८ मध्ये हा वापर सुमारे ३， 040 मे．टन अपेक्षित आहे．

## सेंद्रीय शेती

4.84 सेंद्रोय शेती हा पिकांचा उत्पदन खर्च कमी करणे，अन्न－ धान्याचा दर्जा व अन्र सुरक्षा वाढवृन रासार्यनिक खते，कीटकनाशके， व तृणनाशक इ．च्या वापराचे प्रमाण कमो करणों यामुले हा एक स्वागताहे पयांय आहे．महाराष्ट्र राज्यात संद्रीय शेतींच्या अवलंबास अलिकडंच सुरुवात झालंली आहे．याबाबतीतील पहिले नांवन्यपृर्ण प्रयत्न धुछं आणि यवतमाळ जिल्द्यांतील कांही प्रगतोशोल शंतक－यांनी केले．सध्या राज्यामध्ये सुमारे ६．५ लाख हेंक्टर इतके क्षेत्र सेंद्रीय शंतीखाली आहे．

५．३५．？सध्या सेंद्रीय शेतीसाठी दोन योंजना राबविण्यात येत आहेत． त्यापेकी एक 800 टक्के केंद्र पुरस्कृत आहे，तर दुसरी वसंतराव नाईक शेती स्वावलंबन अभियानांतरंत（१०0 टक्के राज्य पुरस्कृत）आहे． २००६－०७ व २००७－०८（डिसेंबर，२००७ पर्यंत）पहिल्या योजनेवर अनुक्रमे १६．१३ कोटी रुपये व ३．५५ कोटी रुपये आणि ९．५९ कोटी रुपये व १．४७ कोटी रुपये इतका खर्च करण्यात आला．

५．२५．२ सेंद्रिय शेतोखाली डिसेंबर，२००७ पर्यंत सुमारे १．०९ लाख गांडूळ खत उत्पादन संच व १．०१ लाख बायोडायनॅमिक कंपोस्ट संच बसविण्यात आले आणण २० आदर्श सेंद्रीय शेतमळे विर्कसत करण्यात आले．
सिंचन
५．१६ राज्यातील सिंचनाखालील निव्बळ क्षेत्र २००५－०६ मध्ये $३ ३ . ५$ लाख हेक्टर होते．ते २००४－०५ वर्षातील क्षेत्रापेक्षा ७．१ टक्क्यांनी वाढले होते．सिंचनाखालील निव्वळ्ड क्षेत्रापेकी विरहरीच्या पाण्याने सिंचित क्षेत्र २०．८ लाख हेक्टर होते．२००५－०६ मध्य सिचनाखालील एकृण क्षेत्र ३८．१ लाख हेक्टर होते．सिचनाखालील एक्ण क्षेत्राची पिकांखालील एकूण क्षेत्राशी टक्केवारी २००५－०६ मध्ये २६．९ होती．ही टक्केवारी १९९०－९१ पासून सर्वसाधारणपणें १५ ते १७ टक्के द्रम्यान राहिली आहे． विविध स्रोतांनुसार राज्यातील सिंचित क्षेत्र，या प्रकाशनाच्या भाग－२ मधील तक्ता क्र．२० मध्ये दिले आहे．

## सिंचन प्रकल्प

५．१७ महाराष्ट्र जल व सिंचन आयोगाने（१९९९）राज्यातील नदीखो－यांतील पाण्याची उपलब्धता，लागवडीयोग्य जमीन，भूजलाची वाढ， पाणलोट क्षेत्र विकासाद्वारे भृजलात पडणारो भर，आधुनिक सिंचनतंत्रांचा वापर व शेतीला पाणी देण्याच्या पध्दतोतील सुधारणा ह्या बाबी विचारात घंऊन राज्याची सिंचनक्षमता कमाल १२६ लाख हेक्टरपयंत वाढविता येइल，असे अनुमान काढले．याशिवाय आयोगाने असेही अनुमानित केले आहे की，एकूण कमाल १२६ लाख हेक्टर सिंचनक्षमतेमध्ये लाभक्षेत्रामधील भूपृष्ठावरील जलसाठ्यांचा आणि विहिरींचा हिस्सा जवळपास ८५ लाख हेक्टर इतका असेल

५．१७．२ राज्यात शक्य तितकी जास्त सिंचनक्षमता निर्माण करण्यासाठो शासनाने अनेक मोठे，मध्यम व लघु पाटबंधारे प्रकल्प हाती घेतले आहेत． राज्यात हाती घेण्यात आलेले पाटबंधारे प्रकल्प आणि त्यापासून निर्माण करण्यात आलेली सिंचनक्षमता याबाबतचा तपशोल तक्ता क्र． 4. १७ मध्ये दिला आहे．

तक्ता क्र． 4. शง
राज्यातील पाटबंधारे प्रकल्पांची संख्या व त्यांपासून निर्माण झालेली सिंचनक्षमता

| बाब |  | माठठ | मध्यम | लघु | लघु（रथानिक क्षेत्र） |  |  |  |  |  | $\begin{aligned} & \text { एकूण एकूण } \\ & \text { लघु } \\ & \text { (राज्य+स्था.) } \end{aligned}$ |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  | （राज्य <br> क्षेत्र） |  | को．प． <br> बंधारे | पाझर <br> तलाव | उपसा <br> जलसिंचन |  |  | एकृण लघु（स्था． |  |  |
|  | ३०．६．२००७ पर्यंत पूर्ण झालेल्या प्रकल्मांचो संख्या＊ |  | ३२ | २く३ | २，४१९ | ९，३४७ | ३८，०८？ | २，८५૪ | १，९५३ | २०，१४६ | ५२，३८९ | ५४，Со० | － |
|  | ३०．६．२．0०७ पर्यंत प्रर्गतिपथावरोल प्रकल्पांची संख्या＊＊ | ३३ | ง३ | ३५С | १，९३२ | २，१३० | ११？ | ३७७ | २，२̄७o | ७，द¢P | ৩，P७৩ | － |
| 3．निर्मित सिंचनक्षमता（पृर्ण व प्रगतिपथावरोल प्रकल्प）（लाख हेक्टर） |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | अ）३०，६．२००७ पर्यंत＊＊＊ | २૪．३७ | ७．३々 | ११．२६ | २．६२ | 4.49 | －．3६ | २．00 | २．0ヶ | १२．६१ | २३．く७ | 44.44 |
|  | ब） $30, ६, २ 00 ६$ पर्यंत | २३．३2 | －．09 | १०．4६ | २．49 | 4.45 | －．३६ | १．९९ | १．४३ | ११．९४ | २२．40 | ५२．90 |
|  | सिचनक्षमतंचा २००६－०७ मधोल प्रत्यक्ष वापर（लाख हेक्टर） | १८．co | २．७६ | ३．७८ | 0.98 | १．३९ | －． $2 \gamma$ | $0 . ६ 0$ | १．३८ | ४．૪マ | С．२० | २२．७६ |
|  | लाभक्षेत्रातोल विहिरिंखालील सिंचनक्षेत्र（अनु．क．४ व्यद्तरिरक्त）（लाख | $\begin{array}{r} \text { ६.३५ } \\ \text { ख हैक्टर) } \end{array}$ | १．२4 | －．८६ | － | － | － | － | － | － | －．C६ | C．$¢ ¢$ |

＊सिचनक्षमता पृर्गंत：निर्मित＊＊सिंचनक्षमता अंशत：नर्मित＊＊＊अस्थायी


भारत निर्माण योजना
५．३८ केंद्र शासनाने ग्रामीण भागात २००५－०६ ते २००८－०९ या कालव्वधीमध्ये पायाभूत सुविधांचा विकास करण्यासाठी भारत निर्माण योजना जाहीर केली आहे．या कार्यक्रमाखाली देशामध्ये एक कोटी हैक्टर अरिरिक्त रिंचनक्षमता निर्माण करण्याचे प्रस्तावित आहें．महाराष्ट्रासाठी ३८．४५ लाख हेक्टरचे लक्ष्य ठरवून देग्यात आले आहे．या कार्यक्रमाखालो २००५－०६ व २००६－०० मध्ये अनुक्रमें १．२८ लाख हेक्टर व १．६२ लाख हेक्टर इतकी अर्तारक्त सिंचन क्षमता निर्माण करण्यात आली．

५．३८．१ पंचवार्षिक योजनांमध्ये मोठया प्रमाणात निधी खर्च करूनही अर्तारक सिचनक्षमता निर्माण करण्याचे कार्य समाधानकारकपणे पार पाडता आले नाही．तसेच निर्मित सिंचनक्षमता व तिचा प्रत्यक्ष वापर यातही बरीच

तफावत आहे．त्यामुळ प्रकल्प्पनिहाय कामाची प्रगती व निर्मित सिंचन क्षमतेचा वापर यांचे बारकाईने संनियंत्रण करणे गरजेचे आहे．

## पाटबंधारे क्षेत्रातील सुधारणा

4.99 पाटबंधारे क्षेत्रात सुधारणा करण्याच्या दृष्टीने राज्य शासनाने यापृर्वीच उपाययोजना हाती घंतल्या आहेत．त्यामध्ये जलनीतीची घोषणा，महाराष्ट्र जलसंपत्ती नियामक प्राधिकरणाचो स्थागना，सिंचन पध्दतीचे शेतक－यांकडृन व्यवस्थापन आणि पाणी वापर संस्थांची स्थापना या बार्बींचा समावेश आहे．राज्यात सुमारे २५．६ लाख हेक्टर लागवडोलायक लाभक्षेत्राकरिता सुमारे $७, २ 00$ पाणी वापर संस्था स्थापनेच्या विविध टप्यांमध्ये आहेत．

## सिंचन विकास महामंडके

५．२० राज्यातील सिंचन प्रकल्प जलद गतीने पूर्ण करण्यासाठी शासनाने फेब्लुवारी，९९९६ ते ऑगस्ट，१९९८ या कालावधीत पाच सिंचन विकास महामंडळांचो स्थापना केली．या महामंडळांचा तपशील तक्ता क्र．५．३८ मध्ये दिला आहे．

## जलाशयांची पुनःस्थापना

५．२१ केंद्र शासनाच्या जलसंसाधन मंत्रालयाने २००६ मध्ये जलाशयांच्या पुन：स्थापनेसाठी ज५ टक्के कैंद्रीय सहाय्यित प्रकल्प मंजाए केला आहे，शेतीशी थेट निर्गाडत असलेल्या जलाशयांची कमी झालेली साठवण क्षमता पुनः स्थापित करणे，ज्यायोगे अस्तित्वातोल सिंचन सुविधेचा विस्तार होऊ शकेल हा ह्या प्रकल्पाचा उद्देश आहे．बीड जिल्हयाच्या प्रस्तावास केंद्र शासनाने मार्च，२००६ मध्ये मंजुरी दिली असून पहिल्या टप्य्यासाठी १३．८३ कोटी रुपये इतके अनुदानही मंजूर केले आहे．राज्य हिश्श्यापोटी राज्य शासनानेही या प्रकल्पासाठी $५$ कोटी रुपये मंजूर केले आहेत．या योजनवर नोक्हेंबर，२००७ अखेरपर्यंत ४．३४ कोटी रुपयं इतका खरं झालेला आहे．

तक्ता क. ५. १८
राज्य शासनाने स्थापन केलेल्या पाटबंधारे विकास महामंडळांचा तपर्शील

₹ उपसा सिंचनासह

## तुषार व ठिबक सिंचन

५.२२ तुषार व ठिबक सिंचन पद्धतींचा अवलंब केल्याने सिंचनासाठी वापरल्या जाणा-या पाण्याच्या मात्रेमध्ये २८ ते ५६ टक्क्यांची बचत होते व त्यामुले २५ ते ४० टक्के अतिरिक्त क्षेत्र सिंचनाखाली आणणें शक्य होते. शिवाय त्यामुळे जमिनीचो धूप होण्याचे प्रमाण कमी होते, मशागतीची कामे सुलभ होतात, खतांची कार्यक्षमता वाढते, किडोंमुले हांणारंर नुकसान घटते आणि परिणामी पीक उत्पादनात पिकाच्या प्रकारानुसार २२ ते ३२ टक्के इतकी वाढ होते. शेतक-यांनी ह्या सिंचनपद्धतींचा अवलंब करावा यासाठी राज्य शासन त्यांना तुषार/ठिबक सिंचन संच खरेदो करण्यासाठी अनुदान देऊन उत्तेजन देते राज्यामध्ये माचं, २००७ अखंरपयंत तुषार व ठिबक सिचनाखालो आणलेले एकूण क्षेत्र अनुक्रमें १.६८ लाख हेक्टर व ३.८३ लाख हेक्टर इतके होते. त्यासाठी शासनाने २००६-०७ व २००७-०८ (फेब्रुवारी, २००८ अखेर) तुषाश्र सिंचनाकरिता १७.५६ कोटी रुपये व १६.३४ कोटी रुपये, तर ठिबक सिंचनाकरिता ८२.७४ कोटी रुपये व ५५.७९ कोटी रुपये अनुदान दिले आह.

## मृद् व जलसंधारण

५. २३ कोरडवाहृ शेतीतील उत्पादन वाढविणें व जामिनीची धूप थांर्बविणे यांसाठी राज्यामध्ये मृद् व जलसंधारणाची कामे मोठया प्रमाणावर हाती घेण्यात आली आहेत. मृद् व जलसंधारणांतर्गंत सध्या राबविण्यात येगा-या कार्यक्रमात एकात्मिक पाणलोटक्षेत्र विकास कार्यक्रम, पश्चिम घाट विकास कार्यक्रम, नदी खोरें प्रकल्य, पर्जन्यछायेखालील क्षेत्रासाठी राष्ट्रीय पाणलोट क्षेत्र विकास प्रकल्प व व्वसंतराव नाइंक शेती स्वावलंबन अभियान अंतर्गत कार्यक्रम यांचा समावेश होतो. ठरवून देण्यात आलेल्या

निकषांनुसार राज्यातील एकूण १७,३५१ गावांची निवड करण्यात आलो असून त्यापेंकी २३,५६९ गावांमध्ये २७,५७३ पाणलोटक्षेत्रांची कामें हाती घंण्यात आली आहेत ह्या कार्यक्रमावर २००६-०७ मध्ये ૪६५ कोटी रुपये व २००७-०८ ह्या वर्षात (डिसेंबर,२००७ पर्यंत) २९३ कोटी रुपये खर्च करण्यात आले.

## कृषि पणन

५.२४ कृषि उत्पादनांच्या विक्रीकर्करता राज्यामध्ये कृषष उत्पत्र बाजार समित्यांचे २९४ मुख्य्य बाजार व ६०७ उा बाजारांचे जाले निर्माण करण्यात आले आहे. २००३-०४, २००४-0५ त्व २००५-०६ मध्य राज्यातील बाजारसमित्यांमध्ये आवक झालंल्या शंतीमालाचे मृल्य अनुक्रमे १९,०६१ कोटी रुपये, १७,५६७ काटी रुपयें आर्णण १६,५९९ कोटी रुपये एवढे होते. त्यातील सुमारे $७ 4$ टक्के मूल्य तांदृळ, कापूस, गहू, सोयाबीन, कांदा, तूरडाळ, तृर, बटाटा, हरभरा व गूळ यांचे होते.
५.२४.२ १९८૪ मध्ये स्थागन करण्यात्त आलेले महाराष्ट्र राज्य कृषि पणन मंडळ राज्यातील बाजार समित्यांच्या कामामध्ये समन्वय ठेवणे, निर्यातीसाठी उत्तेजन देणे, कार्यशळा, प्रदर्शने आणि प्रशशक्षण कार्यक्रम आयंजित करणें इत्यादी बाबीकडे लक्ष देते. मंडळाने राज्यातील कृषि उत्पन्न बाजार समित्यांचे संगणकीकरण करण्यासाठी 'मार्कनटट' प्रकल्प सुरू केला आहे. सध्या सर्व मुख्य बाजार व ५४ उप बाजारांचे संगणकीकरण करण्यात आले असून ते इंटरनेटद्नारे मंडळाच्या वेबसाईंटशी जोडले आहेत, बाजारतळांवर बाजारविष्यक माहिती प्रस्त करण्यासाठी मंडळाने ६७ बाजार समित्यांच्या ठिकाणी इन्फॉरमेशन डिस्ले (प्रोजेक्शन टीव्हो) ची उभारणी केली आहे. मंडळाने "डब्ल्यूडब्ल्यूडबल्ल्यू एम एसए एएवी. कॉम" ही वेबसाइंट सुरू केली असून या वेबसाइंटवर मंडळाच्या विविध

योजना，प्रकल्य आणि रार्बविण्यात येणारं उपक्रम याची माहिती उपलब्ध आहे．या वेबसाइंटवर कृषि उत्पादनाची आवक आणि किमती याबाबतची माहतीसुध्दा उपलब्ध आहे．

## किमान आधारभूत किंमत योजना

4.24 राज्यात किमान आधारभूत किमत योजने अंतर्गत खरेदो करण्यासाठी महाराष्ट्र राज्य सहकारी पणन महासंघ，महाराष्ट्र राज्य सहकारी आदववासी विकास महामंडळ，राष्ट्रोय कृषि सहकारी पणन महासंघ（नाफेड） आणिण महाराष्ट्र राज्य सहकारी कापूस उत्पादक महासंघ या संस्था कार्यरत आहेत．केंद्र शासनाने जाहोर कलंल्या किमान आधारभृत किमती व या योंनेखाली करण्यात आलेली खरेदी याबाबतचा तपशोल तक्ता क．५．१९ मध्ये देण्यात आला आहे．

तक्ता क्रमांक ५．१९

| पोक कि | विक्री हंगामाकर्रिता किमती（रुपये | जाहीर क्लेलेल्या <br> प्रति क्विंटल） | （मेट्रिक टन | खरेदी <br> कापसाव्यतिरिक्त\＃） |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | 200\％－09 | 20019－0¢ | 200\％－01 | 20019－0¢ ${ }^{*}$ |
| भात（एफ．ए．क्यू） | т．क्यू）६२० | ज84 | २，६३，३४९ | く३，૪६९ |
| भात（प्रत－अ） | f）$¢ 40$ | ७७¢ | १，¢oc | २，३९९ |
| ज्वारो | 480 | ¢00 | १९4 | ७६ |
| मका | ५\％o | ६२० | $\bigcirc$ | १，६२？ |
| करडई | १，५६५ | १，५६५ | ३२，८५० | 0 |
| कापृस |  | $\begin{array}{r} \text { १,७३५ } \\ \text { ते } \\ \text { २,०७० } \end{array}$ | ३२．६५ | १．२६ |

\＃कापसार्ची ग्रेरेदी लाख क्विटलमध्ये＊डिसेंबर，२००७ पर्यंत

## राष्ट्रीय अन्न सुरक्षा अभियान

५．२६ राष्ट्रीय विकास परिषदेच्या मे，२००७ मधील ठरावानुसार तांदूळ， ＇गहृ आणि कडधान्ये यांचे उत्पादन वाढविण्यासाठो अन्न सुरक्षा अभभयानाची रब्बो २००७－०८ पासून सुरुवात करण्यात आलेली आहे．या अभियानांतर्गत महाराष्ट्र राज्यात्न कडधान्यांसाठो १८ जिल्हे，तांदळासाठी ६ जिल्हे आणि गक्कासाठो ८ जिल्हे निवडण्यात्त आले आहेत．२००७－२००८ मध्ये केंद्र शासनाने या अभियानासाठी ११．४३ कोटी रुपये इतके केंद्रीय सहाय्य मंजूर केले आहे．

## राष्ट्रीय कृषि विमा योजना

५．२७ राष्ट्रीय कृषि विभा योजना राज्यामध्ये रब्बी हंगाम १९९९－ २००० पासून रार्विण्यात येत आहे．त्यामध्ये २६ पिकांचा（२६ खरोप व १० रब्बी）समावेश करण्यात आला आहे．या योजनेच्या २००६－०७ मधील अंमतबजावणोचा तपशोल तक्ता क्र．५．२० मध्ये दिला आहे．

## शेतकरी व्यक्तिगत अपघात विमा योजना

५．२८ शेतक－यांना शेतीची कामे करताना अपघात होऊ शकतात． घरातील कत्यां व्यक्तोच्या मृत्यृ／अपंगत्वामुळे शेतकरी कुटुंबास गंभीर आर्थिक समस्यांना तोंड द्यावे लागते．अपघातग्रस्त शेतक－यांच्या कुटुंबियांना आर्थिक मदत करण्यासाठी राज्य शासनाने २००५－०६ मध्ये

तक्ता क्रमांक ५．२०
राष्ट्रीय कृषि विमा योजनेची २००६－०७ मधील प्रगती

| हंगाम／पीक | सहभागी विम्याची | हप्याची लाभ－दिलेली |
| :--- | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | शेतकरी रक्कम | रक्कम धारक भरपाई |


| （अ）खरीप |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| भात | १．৩૪ | quq．Se | ૪．ษง | २७¢ | $\xi .93$ |
| कापूस | 9.99 | १३८．૪о | १६．Cく | く३ | －．CS |
| सोयाबीन | ३．६४ | р६६．८૪ | ७．くง | १，९६० | ç．oq |
| भूईमूग | О．६६ | ३०． 40 | १．१२ | १？६ | १．09 |
| तूर | १．२८ | ३१．३३ | $0.9 \bigcirc$ | ૪૪4 | ૪．३६ |
| ज्वारी | १．५६ | ४९．२१ | १．30 | ३४？ | २．७५ |
| बाजरी | १．३१ | ३०．9९ | १．१२ | ¢0¢ | 0.48 |
| मूग | २．09 | ५く．०३ | १．९६ | १，૪૪५ | 20．4\％ |
| उडीद | २．४९ | ช३．५२ | २．4९ | १，०६く | ใง．૪० |
| तीळ | 0.84 | ७．७३ | 0.32 | ३३く | २．७७ |
| इतर（६ पिके） | $0 . २ \gamma$ | ६．4९ | $0 . \%$－ | १9 | 0.92 |
| उप－बेरीज（अ） | २६．३८ | С३4．9？ | ३८．२६ | ६，२०० | शro．4e |
| （ब）रब्बी |  |  |  |  |  |
| गहू（बागायत） | $0.9 \gamma$ | ¢．३८ | 0.90 | $\gamma$ | 0．00＊ |
| ज़्वारी（बागायत） | 0.02 | －．२१ | 0．00＊ | o＊ | 0．00＊ |
| ज्वारो（जिरायत） | 0.90 | २．oo | $0.0 \gamma$ | －＊ | 0.00 ＊ |
| हर भरा | $0.2 ?$ | ¢． 84 | 0.93 | － | 0.00 |
| －इतर（६ पिके） | －． 0 २ | $0.4 C$ | 0.02 | － | 0．00＊ |
| उप－बेरीज（ब） | $0 . ३<$ | १५．३४ | －．२९ | 4 | 0．00＊ |
| एकूण（ अ＋ब） | Р६．७६ | C40．84 | ३८．$¢ 4$ | E， | 280.46 |

शेतकरी व्यक्तिगत अपघात विमा योजना सुरू केली．या योजने अंतग्गत विविध १३ प्रकारच्या अपघातांपासून राज्यातील सुमारे १०६ लाख शेतक－यांना विमा संरक्षण देप्यात आलेले आहे．अपघाती मृत्यू，दोन अवयव किंवा दोन्ही डोले आणीण एक अवयव व एक डोळा गमावणे यासाठी $१$ लाख रुपये，आणि एक अवयव किवा एक डोळा गमावणे यासाठी 40,000 रुपये याप्रमाणे नुकसान भरपाइं देप्यात येते．या योजनेची माहिती तक्ता क्र．५．२श मध्ये दिली आहे．

तक्ता क्र．५．२१
शेतकरी व्यक्तिगत अपघात विमा योजनेची माहिती
（रुपये कोटीत）

| वर्ष | हप्ता | नुकसान भरपाई | लाभार्थी（संख्या） |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| 2004－0६ | 6.90 | ६．२९ | ६३८ |
| २00¢－0ง | ט．${ }^{\text {¢ }}$ | ६．$¢ 3^{*}$ | ६५३ |

## कृति आराखडघयअंतर्गत योजना

५．२९ कृषि क्षेत्राच्या विकासासाठी वर्ष २००१－०२ पासून कृति आराखडयाखालो ९० टक्के केंद्र सहाय्यित असलेल्या विविध योजना राबविण्यात येत आहेत．या आराखडयात पीक उत्पादन व उत्पादकता वाढविणे，

पीक पध्दतीत बदल, कृषि विस्तार सेवांचे बळकटीकरण, यांत्रिकीकरणावर भर, कृषि क्षेत्रात महिलांचा सहभाग वार्ठविणे, पायाभूत सुविधधांचा विकास, नैसर्गिक संसाधनांचे व्यवस्थापन, जलसंधारण, इत्यादी संबंधीच्या योजनांचा समावेशे आहे. २००६-०७ पर्यंत केंद्रीय हिश्श्यापोटी ७४०.३० कोटी रुपये इतका खचं करण्यात आला, तर २००७-०८ मध्ये १३७.४८ कोटो रुपये इतका खर्च अपेक्षित आहे. या आराखडयातोल महत्त्वाची साध्ये पुढोलग्रमाणं आहेत.
२) २४० प्रशशक्षण संस्था, ५२ प्रयोगशाळा, २९४ तालुका बीज गुणन क्षेंत्र आणि १३६ शासकीय फलांत्पादन रोपवाटिकांचे बळकटीकरण करण्यात आले आणण मृद् व सूक्ष्म मूलद्रव्य तपासणीसाठीच्या द केंद्रांची स्थापना करण्यात आली.
२) दुग्म क्षेत्रांत २३० कृषि निविष्टा वितरण केंद्रांची स्थापना आणि २,ज७५ काज़ प्रक्रिया केंद्रे, ₹६० साम्मृहिक कृषि प्रक्रिया केंद्रे, २,०७५ मसाला प्रशक्रया कैंद्रे, ६५ सुगांधी द्रव्यं ऊर्धंपातन केंद्रे, १,२२६ फळ रसवंती ग़हे, १,०५० फळ हाताळणो केंद्रे व ८९ पुष्पोत्पादन विकास केंद्रे स्थापन करून स्वयंगोंजगार निर्मिती करण्यात आली.
३) कृषि क्षेत्रात महिलांचा सहभाग वाढविण्यासाठो सुमारे ७४,000 स्वयंसहाख्यता गटांची स्थापना करण्यात आली.
૪) सुमारे ६०,०0० गांडूळ खत उत्पादन संचांच्या स्थापनेसह $\uparrow . ५ ०$ लाख हेक्टरपंक्षा अधिक क्षेत्र सेंद्रीय शेतीखाली आणण्यात आले.

## फलोत्पादन विकास

4.३० फळपिके ही नगदी पिके असून त्यंचे प्रति हेंक्टर उत्तादन हे अत्रधान्यांच्या तुलनंत बरेच जास्त असते. २९९०-९३ पयंत राज्यातोल फ.र्बापकांखालील एकृण क्षेत्र २.४२ लाख हेक्टर इतके होते. राज्य शासन विविवध फर्ळापकांची चांगल्या प्रतीची रोपे निर्माण करून तो शेतक-यांना पुरविण्यासाठी फळरोपवाटिकांची स्थापना करणे आणि शंतक-यांना फळझाडे वाढविण्यासाठी अनुदान देणे यांद्वारे फलोत्पादन विकासास चालना देण्यासाठी कार्यक्रम राबवीत आहे. फलोत्पादन विकासाची १९९०-९१ पासून रोजगार हमी योजनेशी (रोहयां) सांगड घालण्यात आली आहे. २००७-०८ मध्ये नोक्केंबर अखेरपपर्यंत ०,६५ लाख हेक्टंर जमीन फळपिकांखाली आणण्यात आली असून त्याचा लाभ सुमारे ८८.૪७८ शेतक-यांना देण्यात आला. मार्च, २००७ अखेर एकूण १३.९५ लाख हेक्टर क्षेत्र फर्ळपिकांखाली होते. राज्यातील प्रमुख फळपिकांखालील क्षेत्र व त्यांचे उत्पादन याबाबतची माहिती तक्ता क्र. ५.२२ व या प्रकाशनाच्या भाग-२ मधील तक्ता क्र. २२ मध्ये दिली आहे.

राष्ट्रीय फलोत्पादन अभियान आणि राष्ट्रीय औषधी वनस्पती मंडळाच्या योजना
५.३१ केंद्र सरकारने फलोंत्पादनाखालोल क्षेत्र मार्च, २०२२ पर्यंत दुप्पर करण्याच्या मुख्य हेतनेने २००-०६ मध्ये राष्ट्रीय फलोत्पादन अभियान जाहोर केल. ही यांजना $१ ०$ व्या पंचवार्षिक योजनेमध्ये $२ 00$ टक्के केंद्र पुरस्कृत होती. परंतु ११ व्या पंचवार्षिक योजनेमध्ये तो ८५ टक्के केंद्र पुरस्कृत आहे.

तक्ता क्र. ५.२२
प्रमुख फळपिकांखालील क्षेत्र व उत्पादन
(क्षेत्र 'ooo' हेक्टरमध्ये, उत्पादन 'ooo' मे.टनामध्ये)

५.३२.१ राष्ट्रीय फलांत्पादन अभियान आणि राष्ट्रीय औषधी वनस्पती मंडळाच्या योंजना रारविण्यासाठी २००५ मध्ये महाराष्ट्र राज्य फलोत्पादन व औषधी वनस्पती मंडळाची स्थापना करण्यात आली. २००७-०८ मध्ये (जानेवारी, २००८) पर्यंत मंडळास राष्ट्रीय फलोत्पादन अभभयान आणि राष्ट्रीय औषधी वनस्पती मंडळ यांच्या योंजनांसाठी अनुक्रमं ३१४ कोटी रुपये व २.२३ कोटी रुपये इतके अनुदान प्राप्त झाले. राष्ट्रीय फलोत्पादन अभियानाखाली नोक्केंबर, २००७ अखेरपपर्य २२७ कोटी रुपये आणि राष्ट्रोय औषधी वनस्पती मंडळाच्या योजनांवर जानेवारी, २००८ अखेरपर्यंत १.६२ कोटी रुपये इतका खर्च झाला.
५.३२.२ राष्ट्रीय फलोत्पादन अभियानांतर्गत साध्य करण्यात आलेल्या बार्बीमध्ये ४८ नवीन रोपवाटिकांची स्थापना, १.०१ लाख हेक्टरवर नवीन फळबाग लागवड, सुमारे $२ २$ हजार हंक्टर क्षेत्रावरील जुन्या फळबागांचे पुनरुज्जोवन, २,१६५ सामूहिक शंततळयांची बांधकामे, ११,३१६ हेक्टर क्षेत्रावर संद्रीय शेती, ४०९ पॅक हाऊसंस व काढणीपश्चात व्यवस्थापनासाठी पायाभूत सुत्विधा इत्यादींचा समावेश आहे. जानेवारी, २००८ अखेरपयंत राष्ट्रीय औषधी वनस्पती मंडळाच्या योजनांतरंत करार शेतीखालो १२२ लाभाथ्यांना लाभ देण्यात आला.

## वसंतराव नाईक शेती स्वावलंबन अभियान

५.३२ विदर्भातील शेतक-यांच्या आत्महत्यांचा प्रश्न प्रभावीपणे हाताळण्यासाठो राज्य शासनाने २००५-०६ मध्ये तीन वर्षांकरिता (२००५-०६ ते २००७-०८) १,०७५ कोटी रुपयांच्या विशेष पॅकेजची घोषणा करून वसंतराव नाइंक शेंतो स्वावलंबन अभियानाची रथापना केली. हे पॅकेज मुख्यत्वेकरून सर्वाधिक आत्महत्याग्रस्त अशा अमरावती, अकोला, यवतमाळ, वाशिम, बुलढाणा आर्गण वर्धा या सहा जिल्हयांराठो आहे. तर्थाप, या पॅकेजमधील काही योजना राज्यातील इतर भागांना देखील लागू आहेत

५．३२．२ उपरोक्त पॅकेज वर्यतिरिक्त मा．पंतप्रधानांनी वरील क्षेत्रासाठो २००६．०७ मध्ये तोन वषांकरिता（२००६－०७ ते २००८－०९）३，७५० काटो रुपयांच विशेष पुनवंसन पॅंक्ज जाहीर केले．

भ．．३२．२ तीन वषांकर्करताच्या दोन्ही पॅकेजमध्ये मिल्टन एकृण ४，८२५ कोटो रुपये इतकी तरतूद प्रस्तावित करण्यात आली आहे．या पेकेजेसची ३？ डिसेंबर，२००७ अखेरची प्रगती तक्ता क्र．५．२३ मध्ये दिली आहे．

## पशुसंवर्धन

५．३३ ग्रांमीण अर्थव्यवस्थेच्या विकासात पशुधन महत्त्वाची भूमिका बजावते．२००६－०७ मधील कृषि क्षेत्राच्या स्थूल राज्य उत्पन्नात या क्षेत्राचा हिस्सा सुमारे २२ टक्के होता．पशुपणना，२००३ नुसार महाराष्ट्रातील एकूण पशुधन सुमारे ३．७१ कोटी असून ते पशुगणना १९९७ मधील पशुधनापेक्षा ६．३ टक्क्यांनी कमी होते．कोंबडया－बदके

तक्ता क्र．५．२३

## वसंतराव नाईक शेती स्वावलंबन अभियानांतर्गत राबविण्यात येत असलेल्या योजनांची प्रगती

（रु．कोटीत）

| योजना | प्ररत्तावित तरतृद | खर्च ३१／२२／०७ पर्यंत | साध्य <br> ३२／२२／ण पयंत |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| १．राज्य शासनाचे पेकेज（२००५－०६ ते २००७－०८） |  |  |  |
| एकाधिकार कापूस योंजनेकरिता <br> 3 टक्के भांडवल ठंव निधी | ३४\％．00 | ช३८．4८ | १३．२३ लाख शेतकरी समाविष्ट |
| कापृस उत्पादक शेतक－यांना सहाय्य | १३४．00 | १३०．७६ | १२．५૪ लाख शेतकरी समाविष्ट |
| पुनर्गठित पीक कर्जावरोल व्याज अनुदान | २२५．00 | २३९．१२ | ४．२० लाख शेंतकरी समाविष्ट |
| निविष्टा व अवजारे इत्यादोंसाठो रू．र६， 000 चे पॅंकेज | 240．00 | ＜o．६¢ | बेलजांडो－१२，०००，पंपसंट－१०，०००， गांड़ळ खत संच－१४ 000 |
| शंतोला पृरक व्यवसाय | ३०．00 | २४．२रे | दुभतो जनावर－९，000，शेळया－मेंढया－४，000 युनिट्स |
| सार्माहि क्ववाए | \＆．00 | २६．५३ | १F，000 विवाह |
| सेंद्रोय शंतो | ३०．00 | ११．3६ | १ लाख हैक्टर समावावष्ट |
| पोक विमा याजना | ३०．00 | १．९३ | ३．$\% 4$ लाख शेंतकरी समावष्ट |
| विदर्भ पाणलोट अभियान | 900.00 | ૪૪．२९ | 4 लाख हेक्टर क्षेत्र हाती घेतले आहे． |
| उप－बेरीज（？） | २，0७4．00 | ९९५．૪५ |  |
| २）मा．पपतप्रधानांचे विशेष सहाय्यता पूकेज（२००६－०७ ते २००८－०९） |  |  |  |
| थरीत व्याज माफी | ७२२．00 | く३७．40 | ९．३७ लाख खात्यांवरोल व्याज माफ करण्यात आले． |
| आध्वासित सिंचन | २，१७ง．00 | १，१०३．૪३ | ४५，८६० हेंक्टर सिंचन क्षमता निमांण करण्यात आली． |
| सृक्ष्म सिंचन | งく．00 | ૪૪．९२ | २००६－०७ मध्ये २०，७७૪ हेक्टर व २००७－०८ मध्ये （डिसेंबर，२००७ पयंतन）१६，५४८ हेक्टर क्षेत्र सिंचित करण्यासाठी सूक्ष्म सिंचन संचांचे वाटप |
| जलसंधारण |  |  |  |
| अ）चेक डॅम्स | 200．00 | ५३．0६ | २．६१८ चेक डॅम्सचे काम पूर्ण आणि |
|  |  |  | ३，000 चेक डॅम्सचे काम प्रर्गततपथावर |
| ब）ग़ाणलोट विकास | 48.00 | P．4C | $१$ लाख हेक्टर |
| क）पाण्याचे पुनःभरण | ¢．00 | ०．६२ | राष्ट्रीय रोजगार हमी यांजना व रोजगार हमी योजनेअंतर्गत ३，000 शेततळ्ठी व बंधा－यांचो बांधकामे पर्ण करण्यात आलो． |
| उप－बेरीज（अ＋ब＋क） | २80．00 | ६३．२६ |  |
| क़रषि विस्तार सेवा | 3.00 | ૪．૪૪ | सवे जिल्द्यांतोल शंतक－यांच्या स्वसहाय्यता गटांच बळक्टीकरण करप्यात येत आहे． |
| १ंबयाणों बदल | Q \％o．oo | ५१． 8 २ | रब्बी हंगाम－२००६，मध्ये १．२५ लाख़ किंटल， खरीप हंगाम－२००凶 मध्यं ३．२२ लाख किविटल अर्णण रब्बी हंगाम－२००७ मध्ये १．४१ लाख क्विंटल बियाणांचे वाटप． |
| राष्ट्रोय फलोत्पादन अभियान | २२५．00 | २८．३ెく | $\bigcirc, ८ \circ \circ$ हेक्टर क्षेत्रावर नवोन लागवड हाती घंतली आहे． |
| शेती पृरक व्यवसाय | १З५．00 | १२．४२ | ६，९७७ दुभत्या जनावरांचे वाटप |
| उप－बरीज（२） | ३，७५०．00 | २，१४५．७७ |  |
| एकण（ $9+$ २） | ४，८२५．00 | ३．१४२．२२ |  |

यांचो एकृण संख्या ३．४६ कोटी होती．राज्यात दर चौं．कि．मी．मागे पशुधनाची घनता १२० इतकी होती．एकूण पशुधन आणि कोबडया－ बदके यांमधं महाराष्ट्राचा देशामध्ये वाटा अनुक्रमें ७．६ टक्के आणि ७ टक्के होता．पशुगणनांचा ताशोल या प्रकाशनाच्या भाग－२ मधोल तक्ता क．२३ मध्यं देप्यात आला आहे．

$4 . ३ \overline{3} 2$ दृध，अंडी，मांस आणि लोकर ही मुख्य पशुधन उत्पादने आहत त्यांच्या उत्पादनाची तपशोलवार माहितो तक्ता क．५．२४ मध्य दिली आहे．

तका क．५．२४
पशुधन व कुक्कुट उत्पादन

| बाब | परिमाण | २00\％－0७ | 2000－0く＊＊ | शेकडा वाढ |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| दृध | 000 मे．टन | ६，९७८ | ७，భ८७ | ३．० |
| अंडो | कांटी | ३૪० | 348 | ३．२ |
| मांस | 000 मे．टन | ₹४३ | २५० | २．१ |
| लोकर | लाख कि．ग्रे． | शद．६७ | २६．९६ | १．७ |

＊अस्थायो
५．३३．२ राज्यातील दुधाची दरडोई दैनिक उपलब्धता २००६－०७ मध्ये १८० ग्रॅम्स इतकी होती．ती राष्ट्रीय पातळीवरील（२४५ ग्रॅम्स） दुधाच्या दैनिक उपलब्धतेपेक्षा कमी होती．

५．३३．३ पशुवैद्यकीय सेवा पुरविण्यासाठी राज्यामध्ये मार्च，२००७ पयंत ३२ पशुवेद्यकीय बहुर्चिकित्सालये，१，५१७ पशुवैद्यकीय दवाखाने， २，९२८ प्रार्थमक पशुवेद्यकीय उपचार केंद्रे，६५ फिरती पशुवैद्यकीय चिक्तिस्सालय，२७ जिल्हा कृत्रिम रेतन केंद्रे आणि २७२ तालुका पशुवैद्यकीय लघु बर्हुर्चिकत्सालये यांचे जाळे निर्माण करण्यात आते आह．या सर्व $૪, ७ ४ ०$ संस्थांच्या ठिकाणी कृत्रिम रेतनाची सुविधा उपल्नब्ध करून देप्यात आलो आहे．

५．३३．४ गोंठित वीयांच्या उत्पादनासाठी राज्यात पुणे，नागपूऱ आणि औरंगाबाद यंथे प्रत्यंकी एक याप्रमाणे तोन प्रयांगशाळा कार्यरत आहेत．कृत्रिम रेतन कार्यक्रमांतर्गत माहती तक्ता क．५．२५ मध्ये दिलो आहे．

तक्ता क्र． 4.24
कृत्रिम रेतन कार्यक्रमाची प्रगती

|  |  | （संख्या लाखात） |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| बाब | 2004－0¢ | 200\％－0才9 | 2oo6－oく＊ |
| १）गाय वर्गीय |  |  |  |
| अ）संकरित | ७．३？ | C．0३ | 8.69 |
| ब）विदेशी | र．Co | 2.46 | Q．4\％ |
| क）देशो | 0.49 | －．७३ | $0.4 \%$ |
| उप－बंरोज（？） | 90.90 | ११．३३ | E．C9 |
| २）म्हैस वर्गीय | $4 . ३ 2$ | $4.8 \%$ | 3.00 |
| एकूण（१＋२） | १द．०२ | ？\％．68 | 9.99 |
| जन्मलेली वासरे |  |  |  |
| अ）गाय वर्गीय | $3 . C 6$ | ३．く0 | २．४२ |
| （ब）म्हैस वर्गीय | १．9\％ | २．७२ | १．०३ |
| एकूण | $4 . F_{1} 9$ | 4.47 | 3.84 |

राष्ट्रीय गुरे व म्हैस पैदास प्रकल्प
५．३३．५ हा १०० टक्के केंद्र पुरस्कृत प्रकल्प पशु प्रजनन संवेचे बळकटीकरण，विस्तारीकरण आणि देशी जातीचे संवर्धन करण्यासाठी महाराष्ट्र पशुधन विकास मंडळ，अकोला यांच्या माफंत राबविण्यात येत आहे．या कार्यक्रमामध्ये राज्यातील तीन रेत प्रयोगशाळंचे आधुनिकीकरण， ४८६३ पशुवैद्यक संस्थांना द्रवणत्र पात्र पुरवठा，१०५० संस्थांना फिरती कृत्रिम रेतन सुविधा इत्यार्दी बाबींची पृत्तता करण्यात आली आहे．या योजनेवर २००४－०५ ते २००६－०ज या कालावधोमध्यं ६．५६ कोटी रुपये इतका खर्च झाला，तर ₹००७－०८ मध्ये（डिसेंबर，२००७ पर्यंत）२．१२ कोटी रुपयं इतका खर्च झाला．

## पशुधन विमा योजना

५．३३．६ ही केंद्र पुरस्कृत योजना महाराष्ट्र पशुधन विकास मंडळ， अकोला यांच्यामार्फत २००६－०७ पासून अहमदनगर，पुणे，कोल्हापूर， सातारा，सांगली आण सोलापूर या ६ जिल्हयांमध्ये दोन वर्षांकरिता प्रायोगिक तत्त्वावर राबविण्यात येत आहे．या योजनेमध्ये विम्याच्या हप्त्याच्या 40 टक्के खचापोंटी १०० टक्के केंद्रीय सहाय्य मिळते．विमा हप्त्याची उर्वरित 40 टक्के रक्कम संबांधित पशुधनाच्या मालकाने भरावयाची असते．डिसेंबर，२००७ पर्यंत ३२，८२६ गाई ब म्हर्शींना पशुविमा संरक्षण देण्यात आले आहे．या योजनेवर २००६－०७ व २०ov－०८（डिसेंबर，२००७ पयंत）मध्ये अनुक्रमे २．३८ कोटी रुपये ब ०．६१ कोटी रुपये इतका खर्च करण्यात आल्न．

## कुक्कुट विकास

५．3३．७ शेतक－यांना，त्याचप्रभाणे कुक्कुट केंद्रांना गाव，तालुका व जिल्हा पातळोवर सुधारारत कोंबड्या，अंडी उपलब्ध करुन देग्यासहो शासनाने चार मध्यवत्तो अंडो उबवणी केंद्रे，२६ कुक्कुट विकास गट आर्णि दोन कुक्कुट विस्तार केंद्रे स्थापन केली आहेत． २००६－०७ मध्ये शासनाच्या मध्यवर्तो अंडी उबवणी केंद्रांमधृन पुरवठा केलेल्या कुक्कुट पक्ष्यांची संख्या २．०१ लाख होतो，तर २००५－०६ मध्ये ती ४．र६ लाख होती．

## दुग्ध विकास

५．३४ २००७－०८ मध्ये राज्यात एकृण ७६ प्रक्रिया दुग्धशाळा व $१ १ ४$ शासकीय／सहकारो दृधशीतकरण केंट्रे कार्यरत होती．त्यांची एकत्रित प्रातादिन क्षमता अनुक्रमें ७७．२२ लाख लिटर व २२．૪२ लाख लिटर इतको होती．राज्यातील शासकीय व सहकारी दुग्धशाळांचे एकत्रित सरासरी दैनिक दृधसंकलन（बृहन्मुंबई वगळ्नन）२००७－०८ मध्ये（नोन्बेबर अखेरपर्यंत） ४४ लाख लिटर होते，तर २००६－०७ मधील सरासरी दैनिक दूध संकलन ४५ लाख लिटर होते．शासकीय दूध योजनेतील दुग्धजन्य पदार्थांच्या उत्पादनाची माहिती तक्ता क्र．५．२६ मध्ये दिली आहे．

> तक्ता क्र. ५.र६

दुग्धजन्य पदार्थांचे उत्पादन

| उत्पादन | परिमाण | उत्पादन |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  | २०04－0६ | 200¢－0ง | Poovor＊ |
| दूध भुकटी | म．टन | $3,2 \cup 60$ | १，७८¢．૪ | ३६३．० |
| पांढरे लोणी | मे．टन | २，७२७．७ | १，०२३．८ | 200．\＆ |
| तूप | मे．टन | C4．9 | १२९．९ | ३ $4 . ६$ |
| श्रोखंड | म．टन | E．${ }^{\text {¢ }}$ | ૪．？ | －．६ |
| एनर्जो | लाख बाटल्या | cı．？ | 60．9 | ૪६．$¢$ |
| लस्सो | －＂－ | 勺0． 2 | ६७．३ | ૪০．७ |
| मसाला दूध | －＂ | ใ१． 8 | ¢०．७ | ६．३ |
| टिकाऊ गाय दूध | －＂ | २．८ | २．६ | २．0 |

＊नाक्केबर，२००७ पर्यंत．

५．३४．१ दुग्ध उत्पादनातील असमतोल दूर करण्यासाठी अमरावती， नांदेड，नंदूरबार，लातूर आणि नागपूर या ५ जिल्ल्यांमध्ये १० कोटी रुपये अंदाजित खर्च असलेला एकात्मिक दुग्ध विकास प्रकल्प－३ राबविण्यात यंत आहे．या प्रकल्पावर जानेवारी，२००८ अखेरपयंत ૪．३ कोटी रूपये इतका खर्च झाला आहे．

## मत्स्यव्यवसाय

५． 34 मासेमारी हा राज्यातील，विशेषतः सागरी क्षेत्रातील एक महत्त्वाचा आर्थिक उद्योग आहे．हा व्यवसाय रोजगार निर्मिती करतो आणि तो अनेक दुय्यम उद्योगांना सहाय्यभृत ठरतो．राज्यात १．१२ लाख चौ．कि．मो．क्षेत्र सागरी मच्छीमारीसाठी，३．०१ लाख चौ．कि．मी．क्षेत्र

गोड्या पाण्यातील मच्छीमारीसाठी आणि $\circ$. १९ लाख हेक्टर क्षेत्र निमखा－या पाण्यातील मच्छोमारीस योग्य आहे．

५．३५．१ मत्स्यांत्पादन वाढविण्यासाठी मध्यम आकाराच्या ७？ मच्छीमार नौकांना अर्थसहाव्य देण्यात आले आहे．खोल समुद्रातील मासेमरीसाठी यंत्रच्चलित बोटोंचा वापर करण्यात आल्यामुलं मत्त्स्योत्पादनात वाढ झाली आह．कांकण विकास कार्यक्रमांतगंत प्रस्तावित करणयात आलेल्या $१ ३$ बंदरे अरणि ३८ जेट्टीपैकी $१$ बंदर व १७ जेट्टींची कामे पूर्ण झाली असून २ बंदरे आणि $५$ जेट्टोंची कामे प्रर्गातपथावर आहेत．

५．३५．२ सागरी क्षेत्राची वार्षिक मत्स्योत्पादन क्षमता ६．३ लाख मे．टन इतकी अंदाजित करण्यात आली आहे．मत्स्यव्यवसाय क्षेत्राच्या काही महत्च्चाच्या बार्बांची माहती तक्ता क्र．५．२७ मध्ये दिली आहे

तक्रा क्र．4．२०
मत्स्यव्यवसाय क्षेत्राच्चा महत्व्वाच्या बाबींची माहिती

| बाब | परिमाग | 2004－0द | 200\＆－09 | 2009－0 ${ }^{*}$ |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| एकूण मत्स्य उत्पादन |  |  |  |  |
| सागरी | लाख मे．टन | 8．4 | צ．६ | ३．२¢ |
| गोडया पाण्यातील | लाख मे．टन | १．$\%$ | १．३ | $0.9 \bigcirc$ |
| एकूण |  | 4.9 | 4.9 | ૪．२३ |
| मत्स्य उत्पादनाचे एकूण मूल्य |  |  |  |  |
| सागरी | रु．काटीत | १，२४¢ | १，૪२३ | १，०११ |
| गोडया पाण्यातोल | रु．कोटोत | ६३५ | ६२२ | ช4\％ |
| एकूण |  | १，८८？ | २，o४4 | १，8६4 |
| मत्स्य उत्पादनाची निर्यात |  |  |  |  |
| अ）मात्रा | लाख मे．टन | १．28 | 2．80 | उ．ना． |
| ब）मूल्य | रु．कोटीत | १，२४२ | २，३とง | उ．ना． |
| सागरी पच्छिमारी बोटी | संख्या | २२，૪३૪ | २२，६९३ | २२，६९३＊＊ |
| यापैकी यांत्रिकी | संख्या | 29，084 | १२，ט९८ | १9，७¢С＊＊ |
| मासे उतरवविक्याची केंद्रे | संख्या | १८૪ | १८y | 々८૪＊＊ |

＊डिसेंबर，२००७ पर्यंत，＊＊अस्थायी，उ．ना．－उपलब्ध नाही．

## रेशीम उत्पादन

५．३६ रेशीम उद्योग हा कृषष कुटीर उद्योग असून त्यामुळ शेतक－यांच्या उत्पन्नात वाढ होते व त्यातून रोजगार निर्मितीही होते． राज्यातील हवामान रेशीम उद्योगास अनुकुल असृन या उद्योगाच्या विकासास राज्यात भरपूर वाव आहे．देशात रेशीम उत्पादन करणा－या अपारंपरिक राज्यात महाराष्ट्र प्रथम रथानावर आहे．सांटेंबर，१९९७ मध्ये रेशीम संचालनालयाची स्थापना करण्यात आलनी．रेशीम उद्योगात तुती व एन या वृक्षांची लागवड，रेशीम किडयांचे संगोपन，कोश उत्पादन आर्णण कच्च्या रेशमाचे उत्पादन यांचा समावेश होतो．२३ जिल्द्यांमध्य तुती रेशीम विकास कार्यक्रम रार्बविला जात असून विदर्भातील गडचिरोली，चंद्रपूर，भंडारा आणि गोंदिया या चार जिल्ह्यांमध्ये टसर

रेश़ीम विकास कार्यक्रम रार्बविला जात आहे．ह्या कार्यक्रमाचो प्रगती तक्षा क्र．५．२८ मध्ये दिली आहे．

तक्ता क्र．५．२८
रेशीम उत्पादन कार्यक्रमाची प्रगती

| बाब | तुती रेशोम |  |  | टसर रेशीम |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | २९९७－ SC | $\begin{aligned} & \text { Pook- } \\ & \text { Ov } \end{aligned}$ | २oo o<* | २००६－ <br> 09 | $\begin{aligned} & \text { Roov } \\ & \text { oc* } \end{aligned}$ |
| लागवड क्षेत्र（हे．）७०६ २，६६९ ૪，२१६ १८，५१९ २८，५१९ |  |  |  |  |  |
| रेशाम सृत उत्पादन（मे．टन）－१५．३२ १६．१७ ૪．३० ०．७५ |  |  |  |  |  |
| रार्गाव्ररहित अंडोपुंज | 4.43 | ใง．ช७ | २१．६३ | २．८९ | ३．९२ |
| पुरवठा（संख्या लाखात） |  |  |  |  |  |
| कोश उत्पादन\＃१६९ ७६६．० ९०८．० く६．६५ १५．२२ |  |  |  |  |  |
| रोजगार निर्मिती ९，000 ३५，000 ५२，६९५ २७，७०० १३，०६० |  |  |  |  |  |
| （व्यर्कींची संख्या） |  |  |  |  |  |

＊जानेवारो，२००८ पर्यंत．
\＃तुती रेशीम（मेट्रिक टनात）आणि टसर रेशीम（संख्या लाखात）．
वने
५．३७ राष्ट्रीय वन धोरण－१९८८ नुसार देशाच्या ३३ टवके भौगोलिक क्षेत्र वने व वृक्ष लागवडीखाली आणण्याचे लक्ष्य ठरवून देगयात आलं आहे．महाराष्ट्र राज्य वन अहवाल २००३ नुसार राज्यातोल एकूण वनक्षेत्र ६१，९३९ चौ．कि．मी．असून ते राज्याच्या भौगोलिक क्षेत्राच्या २०．१ टक्के आणि देशाच्या एकूण वन क्षेत्राच्या $८$ टक्कं आहे．वनव्याप्त क्षेत्र $૪ ६, ८ ६ ५ ~ च ौ . क ि . म ी . ~ अ स ॄ न ~ त े ~ र ा ज ् य ा च ् य ा ~$ भौगोलिक क्षेत्राच्या २५．२ टक्के आहे．एकूण वनव्याप्त क्षेत्रापैकी २७．२ टक्क क्षेत्र अन्यंत घनदाट जंगले，४३．४ टक्क साधारण घनदाट जगाले आणि ३९．४ टक्के क्षेत्र खुली जंगले या प्रकारात मोडते．

| राज्यनिहाय वनव्याप्त क्षेत्राची टक्केवारी－२००३ |  |
| :---: | :---: |
| राज्य | टक्कवारी |
| छत्तीसगड | ४१ |
| ओरिसा | $३ १$ |
| मध्य प्रदेश | २५ |
| कर्नाटक | २९ |
| तामिळनाड़ | १७ |
| आंध्र प्रदेश | १६ |
| महाराष्ट्र | १५ |
| गुजरात | $८$ |
| उत्तर प्रदेश | $६$ |
| राजस्थान | $५$ |
|  |  |

५．३७．१ वनव्याप्त क्षेत्र वाढविण्यासाठी राज्य शासन विविध वनीकरण कार्यक्रम राबावते．२००६－०७ मध्ये सुमारे ३७，९१२ हेक्टर वन जमीन，तसंच सार्मृहिक गावजमीन वनीकरण कार्यक्रमांखाली आणण्यात आली．

ती आधीच्या वष्षीच्या（३३，८૪૪ हे．）तुलनंत २२ टक्क्यांनी अधिक होती． वन उत्पादने

५．३७．२ राज्यातील मुख्य व गोण वनोत्पादने व मृल्य तक्ता क． ५．२९ मध्ये दर्शावण्यात आले आहे．

> तक्ता क्र. ५.२९ वनोत्पादन व मूल्य
（मूल्य रु．कोटीत）

| वनोत्पादन | उत्पादनाचे परिमाण＊＊ | 200६－Oソ <br> （अस्थाया） |  | २०0ง－aく <br> （अपेक्षित） |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  | उत्पादन | मृत्य | उत्पादन |  |

（अ）मुख्य वन उत्पादने

| इमारती लाकूड | लघमी | १．४० | १५०．० | १．२१ | ८४．९ |
| :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- |
| जळाऊ लाकूड | लघमी | ४．१६ | २५．८ | ३．०६ | २६．४ |
| एकूण（अ） |  |  | १७५．८ |  | १११．३ |

（ब）गौण वन उत्पादने

| बांबू | लमेट | १．६२ | २२． 2 | २．२९ | 24.9 |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| तेंदु | लस्टॅब | ¢．0¢ | 34.0 | ง．૪७ | ९५．६ |
| गवत | मे．टन | ६，३९५ | $0 . ३$ | ३२૪ | 0.9 |
| डिंक | क्विटटल | 22，く44 | $0 . ३$ | १，६о0 | 0.9 |
| इतर |  | － | ¢．U | － | 3.4 |
| एकूण（ब） |  |  | प८． 8 |  | ११४．४ |
| एकूण（अ＋ब） |  |  | २३४．२ |  | २२५．७ |

＊＊लघमो－लाख घन मीटर，लमेट－लाख मेट्रिक टन， लास्टॅबॅ－लाख स्टॅड्ड बॅग्ज，मे．टन－मेट्रिक टन．

५．३७．३ जनतेमध्ये वनाच्या व वन्य जीवांच्या महत्त्वाबाबत जागृती निमांण करणे，अवैध वृक्षतोड，अतिक्रमण इत्यादोपासून वनांचे संरक्षण करण्याकरिता २००६－०७ मध्ये संत तुकाराम वनग्राम योजना सुरु करण्यात आली．यामध्ये १२，३९१ संयुक्त वन व्यवस्थापन समित्या गठित करण्यात आल्या आहेत．सवोत्कृष्ट काम करणा－या जिल्हा आरणि राज्य स्तरावरील तोन समित्यांना संत तुकाराम वनग्राम योजना उत्कृष्ट संयुक्त बन व्यवस्थापन समितो पुरस्कार देण्यात यंतात．या योजनेंतर्गत २००६－०७ मध्ये ४८．५ लाख रूपये खर्च करण्यात आले，तर P००७－०८ करिता 40 लाख रूपये तरतूद मंजूर करण्यात आली आहे． वन्यजीव व राष्ट्रीय उद्याने／अभयारण्ये

५．३८ २००५ मधील बन्यजीव गणनेनुसार राज्यात २६८ वाघ व ७२७ बिबटे होते．२००१ च्या वन्यजीव गणनेनुसार ह्या संख्या अनुक्रमें २३८ व ५१३ अशा होत्या．कन्यज़ीव आणि राष्ट्रोय उद्याने／अभयारण्ये यांच्या अंतर्गत राब्बविण्यात येत असलेल्या केंद्र पुरस्कृत योजनांची माहिती तक्ता क्र．५．३० मध्ये दिली आहे．

## तक्ता क. ५.रु०

बन्यजीव व राष्ट्रीय उद्याने/अभ्यारण्यासंबंधीच्या योजनांची माहिती


[^0]
## सामाजिक वनीकरण

५. ३९ इंधन व वैरणीची गरज भागाविण्यामध्य सामांजिक वनीकरण विभाग महत्त्वाचो भ्भामका बजावतं २००६०० मध्यं सार्मूहक जामिनीपेकी सुमारे २,८७७ हेक्टर क्षेत्रावर व ७२४ कि.मी. मार्गावर वृक्षारापण करण्यात आले. या शिवाय विभागाने खाजगी जमिनीवर वृक्षारांपण करण्यासाठी ३.६३ कोटी रोपांच वाटप केले. २००७-०८ मध्ये (डिसेंबर, २००७ पर्यंत) सामूहिक जमिनीवरील सुमारे ३,९३६ हैक्टर क्षेत्रावर व ५४६ कि.मी. मागांवर वृक्षारोपण करण्यात आले, तर खाजगी जमिनीवरील वृक्षारापणाकरिता $૪ . ૪ ३ ~ क ो ट ी ~ र ो प े ~ प ु र व ि ण ् य ा त ~ आ ल ी . ~$

## उद्योग

## देशातील स्थिती


६. 2 देशातील औद्योगिक क्षेत्राची गेल्या पंधरा वर्षातील झालेली वाढ हो शासनाने अंगिकारलेल्या उदार व पोषक आर्थिक सुधारणांचे फलित आहे. परिणामी, या क्षेत्रातील स्पधात्मकता आणि उत्पादन व उत्पादक्ता वादीस चालना मिळालेली आहे. कामगार कायद्यातील सुधारणा, कर/शुल्क दरातील सवलती, पायाभूत सुविधांचा विस्तार व विदेशी गुंतवणूक आकर्षित करणारे सौहार्द्रपुण धोरण यामुळे उद्योग क्षेत्राची शाश्वत स्वरुपाची वाढ होण्यास मदत झाली आहे. औद्योगिक क्षेत्र हे सेवा क्षेत्राच्या वाढीस चालना देणारे असल्याने त्याची वाढ सेवा क्षेत्रच्या, विशेषतः व्यापार, वाहतूक, दळणवळण व बांधकाम यांच्या भरीव वाढोस कारणीभूत आहे.
६.२ औद्योगिक क्षेत्रातील वाढीमुळे रोजगाराच्या संधीतही वाढ झालेली आहे. राष्ट्रीय नमुना पाहणीच्या ६? वी फेरी (२००४-०५) नुसार १९९९-२००० ते २००४-०५ या कालावधीत प्रतिवर्षो सरासरी २.५ टक्के या दराने रोजगारात वाढ झालेली आहे. तथापि भारत सरकारच्या कामगार मंत्रालयाच्या रोजगार क्षेत्र माहिती कांयक्रमानुसार संघटीत क्षेत्रातील रोजगाराचा वृध्दी दर कमी झाला आहे. यावरूनच मुख्यत्वे असंघटीत क्षेत्रातील रोजगारात झालेल्या वढीमुळे एकूण रोजगारात वाढ झाल्याचे दिसून येते. द्वितीय व तृतीय क्षेत्रात रोजगाराच्या अधिकाधिक संधी उपलक्ध करुन देऊन कृषी क्षेत्रावरील अवलंबित रोजगार कमी करणे हे आकराव्या पंचवर्षांक योजनेचे उद्धिष्ट आहे. ओद्योगिक क्षेत्रातील शाश्वत वाठीमुले रोजगाराच्या अधिकाधिक संधी उपलब्ध होणार असून त्यामुळे कृषी क्षेत्रातील अवलंबित कामगार सामावून घेतले जाण्यास मदत होईल. या अनुषंगाने औद्योगिक क्षेत्राला आवश्यक असणारे कुशल मनुष्यबळ पुरविण्यासाठो प्रशिक्षणविषयक पायाभूत सुविधांची उपलब्धतता आवश्यक आहे.

## राज्यातील स्थिती


६. 3 अधिकाधिक गुंतवणूक आकर्षित करण्यासाठो व देशाच्या औद्योगिक क्षेत्रातील आपले स्थान कायम ठेवण्यासाठी केंद्र शासनाच्या धोरणास अनुसरून महाराष्ट्र शासनानेही पावले उचलली आहेत. याचाच एक भाग म्हणून विशेष आर्थिक क्षेत्र, माहिती तंत्रजान व सुक्ष्म, लघु आणि मध्यम उपक्रम या क्षेत्रातील उद्योगांसाउी विशेष धारणांची आखणी व अंमलबजावणी सुरू केली आहे.

## नवीन औद्योगिक गुंतवणूक

६. ૪ अंगिकारलेल्या औद्योगिक धोरणातील सुधारणांमुळे औद्योगिक परवान्यांसाठी आवश्यक असणा-या बाबी कमी झाल्या, उद्योगांतील गुंतवणूक व उद्योगांच्या विस्तारावरील बंधने काढृन टाकण्यात आली आणि विदेशी तंत्रज्ञान व विदेशी थेट गुंतवणुक याची द्वारे खुली झार्ली. परवाना पद्धत शिधिलीकरणाच्या धोरणांमुळे राज्यामध्ये नवीन उद्योग/अर्तिववशाल प्रकल्प उभारणीसाठी भारत सरकारकडे औद्योगिक आवेदनपत्र/इरादा पत्रे/१०० टक्के निर्यातभिमुख प्रकल्प व सामंजस्य करारपत्रे या बाबतीतोल प्रस्ताव मोठ्या प्रमाणावर प्राप्त झाले आहेत. जुलै, २००७ अखेरपपंत देशातील प्रस्तावित औद्योगिक गुंतवणृक व त्यामुछे निर्माण होणारा रोजगार यांत महाराष्ट्राचा वाटा अनुक्रमे १२ टक्के व १६ टक्के इतका आहे. राज्यातील एकूण प्रस्तावित गुंतवणुकीमध्ये रसायने व रासार्यनिक खते आणि धातृ उद्योग (प्रत्येकी १४ टक्के) आणि अन्नप्रक्रिया उद्योग (११ टक्के) या क्षेत्रांचा मोठा वाटा आहे. त्याखालोखाल वस्त्रोद्योग (६ टक्क), अभियांत्रिकी (५ टक्के), माहिती तंत्रजान आणि रबर व पेट्रोलियम (प्रत्येकी $\gamma$ टक्क) या क्षेत्रांचा वाटा आहे. ऑगस्ट, १९९१ ते जुलै, २००७ अखेरपर्यंत राज्यात कार्यान्वित झालेल्या (आवेदनपत्रे/इरादा पत्रे/१०० टक्के निर्यातभिमुख प्रकल्प व औद्योगिक परवाने व सामंजस्य करारपत्रे) प्रकल्पांची स्थिती तक्ता क्र. ६.१ मध्ये देण्यात आली आहे.

तक्ता क्र. ६.?

## महाराष्ट्रातील प्रकल्प कार्यान्वयनाची सद्य:स्थिती

(ऑगस्ट, १९९१ ते जुलै, २००७ पर्यंत संचयी)

| प्रकल्प ? | आवेदनपत्रे/ इरादापत्रे/ <br> १०० टक्के निर्यातभिमुख प्रकल्प | सामंजस्य करारपत्रे |
| :---: | :---: | :---: |
| मंजूर प्रकल्प |  |  |
| संख्या | १४, о६я | 44 |
| गुंतवणूक (कोटी रुपये) | ३, ८९,२९० | 89,400 |
| रोजगार (संख्या) | २५, ०६,७९८ | ४३,929 |
| पूर्ण झालेले प्रकल्प <br> (उत्पादन सुरु झालेले) |  |  |
| संख्या | ६, ¢७ム | * |
| गुंतवणूक (कोटी रुपये) | २,०१, ช२E | * |
| रोजगार (संख्या) | ६,३८, 4५¢ | * |

* अद्याप सुरु झालेले नाहीत.

६.४.२ देशातील प्रमुख राज्यांमधील औद्योगिक गुंतवण्क (आवेदनपचें/ इरादा पत्र/ $/ 900$ टक्के निर्यांतभिमुख प्रकल्प) तक्ता क्र.६.२ मध्ये देप्यात आली आहे. त्यावरून असे निदर्शनास येते को देशातील औद्योगिक गुंतवणुकीसाठी महाराष्ट्र हे अद्यापही अधिक पसंतीचे राज्य राहिले आहे. सर्वाधिक औद्योगकीकरण झालेले राज्य म्हणून असणारे आपले स्थान कायम ठेवोत महाराष्ट्राने उदारीकरणानंतरच्या काळात देशांतर्गंत व त्याचप्रमाणे विदेशी ह्या दोन्ही प्रकारच्या संस्थांकडून औद्योगिक गुंतवणुकीतील मोठा हिस्सा यशस्वोपणे आकर्षित केला आहे.

तक्ता क्र. ६.२
ओद्योगिक गुंतवणूक प्रस्ताव
(अंस्ट, १९९१ ते जुलै,२००७ पर्यंत संचयी)

| राज्य | प्रस्ताव (आवेदनपत्रे/इरादापत्रे/800 टक्के निर्यात्तभिगुख) |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | संख्या | गुंतवणूक | रोजगार |
|  |  | (रु.कोटीत) | (संख्या लाखात) |
| गुजरात | $\bigcirc, ४>\circ$ | ૪,4२,९८३ | श $4 .<\gamma$ |
| महाराष्ट्र | १४, о६९ | ३, ८९, ¢¢० | P4.0७ |
| छत्तीसगड | १.८८३ | ३,२३,१५६ | ૪. ? |
| आंध्र प्रदेश | ५, ९७६ | २,७३, ५૪० | १०.३६ |
| ओरिसा | १,२१२ | २,40,4४¢ | ३. ५६ |
| कनाटंक | ३,६२८ | २,३७,く३३ | ६.६० |
| तामिळनाडू | ७,६५૪ | २.२९, ५२९ | २१.00 |
| उत्तर प्रदेश | ६,७९० | २,८६,३१४ | १६.२१ |
| मध्य प्रदेश | २, く६० | ९८,३७० | 4.96 |
| भारत | ७Р, ૪६५ | ३९,६५,६४५ | P4५. 6 |

६. 4 उदारीकरणास सुरुवात झाल्यानंतर ऑगस्ट, १९९१ ते जुलै, २००७ पयंत भारत सरकारने राज्यातील एकूण ७०,८५६ कोटी रुपये गुंतवणूक असणा-या ३,९८२ प्रकल्पांना मंजुरी दिली असून देशातील विदेशी गुंतवणुकीमध्ये राज्याचा हिस्सा २४ टक्के इतका आहे. या मंजूर प्रकल्यापैकी ३९,२२१ कोटी रुपये (५५.२ टक्के) गुंतवणूक असणारे १,६२३ प्रकल्प जुलै, २००७ पर्यंत कार्यान्वित झाले आहेत.

महाराष्ट्र व प्रमुख राज्यांमधील विदेशी थेट गुंतवणूक (संचयी ऑगस्ट, १९९१ ते जुलै, २००७)


## महाराष्ट्रातील विदेशी थेट गुंतवणुकीची ठळक वैशिष्ट्ये

## * मंजूर प्रकल्प

| संख्या | ३, ९८? |
| :--- | ---: |
| गुंतवणिक | जै,८4६ |

(कोटी रुपये)
*) कार्यान्वित प्रकल्प

| संख्या | १,६२३ |
| :--- | ---: |
| गुंतवणूक | ३९,१२१ |

(कोटी रुपये)
$\therefore$ सर्वात जास्त गुंतवणुकीची क्षेत्रे *
सेवा
माहिती तंत्रज्ञान उद्योग
पायाभूत सुविधा
मोटारवाहने
( $२ \circ \%$ )

* कंसातील आकडे विदेशी केट गुंतवपूकीशी टक्केवारी दर्शावितात

विशेष आर्थिक क्षेत्रे
६.६ नवीन उद्योग सुरु करण्याशी संबंधित कार्यपद्धतीचे अत्यंत सुलभीकरण आणि केंद्र व राज्य शासनांशी संबंधित प्रकरणांचा एक खिडकी पद्धतीद्वारे निपटारा यांची तरतूद असणारा विशेष आर्थिक क्षेत्र अधिनियम, २००५ त्यासंबंधातील नियमांसह १० फेब्रुवारी, २००६ पासून लागू झाला आहे. या अधिनियमाची प्रमुख वैशिष्टये खालीलप्रमाणे आहेत.

- उत्पादित माल व सेवा नियांतीस प्रोत्साहन देणे.
- देशांतर्गत तसेच बिदेशी गुंतवणुकीस प्रोत्साहन देणे.
- रोजगाराच्या संधी निर्माण करणे
- पायाभूत सुविधांचा विकास करणे
- अतिरिक्त अर्थोत्पादनाची साधने निर्माण करणे
६.६. $१$ यामुळे विशेष अर्थिक क्षेत्रांतील पायाभूत सुविधा व उत्पादन क्षमता यांकडे मोठ्या प्रमाणावर विदेशी, तसेच स्थानिक गुंतवणूक आकर्षित होणे अपेक्षित असून त्यायोगे अतिरिक्त अर्थोत्पादनाची साधने आणि

रांजगाराच्या संधी निमाण होतील．राज्यातील विशेष आर्थिक क्षेत्रासाठी ऑक्टोबर，२००७ अखेरपयंत १७५ प्रकल्पांचे प्रस्ताव प्राप्त झाले असून २२२ प्रकल्पांना मान्यता（८૪ औपचारिकरित्या व ३८ तत्वतः मान्य） देण्यात आली आहे．२२ प्रकल्प अधिसृचितसुद्धा झाले आहेत．विभागनिहाय मंजूर प्रकल्पांचो संख्या，जमिनीची गरज，गुंतवणूक आणि प्रकल्पांतील संभाव्य रोजगार निर्मिती याबाबतची माहिती तक्ता क्र．६．३ मध्ये देण्यात आली आहे．

तक्ता क्र．६．३
राज्यातील मंजूर विशेष औद्योगिक क्षेत्रांची माहिती
（३२．१०．२००ज रोजी）

| विभाग | प्रस्ताव |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | संख्या | $\begin{gathered} \text { क्षेत्र } \\ \text { हेक्टरमध्ये } \end{gathered}$ | गुंतवणूक＊ | रोजगार \＃ |
| कोकण | 4. | २९，६६८ | ९५，२¢६ | ३५．३ื |
| पश्चिम महाराष्ट्र | ૪२ | २०，२२८ | २२，६०७ | ¢0．७३ |
| मराठवाडा | १३ | ३，9く0 | ૪，२६५ | १．4\％ |
| विदर्भ | $\rho$ | ६，oo૪ | १०，$\bigcirc 0$ ¢ | 4．e૪ |
| एकूण | २२२ | 89，ClO | १，३२，५७く | ч३．$¢ ¢$ |

६．६．२ मंजूर झालेल्या २२२ विशेष आर्थिक क्षेत्रांपैकी ९८ प्रकल्प खाजगी／संयुक्त भागीदारीतील आहेत．मंजूर प्रकल्पांपैकी सर्वांत जास्त प्रकल्प（४५）माहिती तंत्रज्ञान क्षेत्रातील असून २२ प्रकल्प विविध स्वरूपाच्या उत्पादनांचे तर ५६ प्रकल्प एकएकच उत्पादन करणारे आहेत．या एकएकच उत्पादक प्रकल्पांपैकी २ बंदिस्त वीर्जार्मिती प्रकल्प आहेत．

## संघटित वस्तुनिर्माण

६．७ उदारीकरणाच्या धोरणामुले औद्योगिक क्षेत्राचा स्थूल मूल्यवृद्धी व रोजगार यातोल वाटा जलद गतीने वाढला आहे．वस्तुनिर्माण क्षेत्र हे संधटित औद्योगिक क्षेत्रातील प्रमुख घटक आहे．संघटित औद्योगिक क्षेत्राची आकडेवारी वार्षिक उद्योग पाहणी（वाउपा）माफ्फत गोळा केली जाते． वाउपाच्या अगदी अलिकडील（२००४－०५）निष्कषांनुसार भारतातील संघटित


औद्योगिक क्षेत्रातील उत्पादन मृल्य व निव्वळ मृल्यवृद्धीमध्यं महाराष्ट्र राज्याचा वाटा अनुक्रमे सुमारे २१ टक्के व २० टक्के आहे．अशा प्रकारे महाराष्ट्र राज्याने भारतातील औद्योगिकीकरणातील आपले आघाडीवरील स्थान कायम राखण्यात यश संपादन केले असून ते प्रमुख भूमिका बजावीत आहे．

## औद्योगिक उत्पादनाचा निर्देशांक



६．८ खाणकाम，वस्तुनिमाण व विद्युत या क्षेत्रांचा समावेश असलेला औद्योंगिक उत्पादनाचा निर्देशांक हे औद्योगिक वाढ मोजण्याचे एक सांख्यिकीय साधन आहे．अखिल भारतासाठी असे निर्देशांक पायाभृत वर्ष १९९३－९४ अनुसार मासिक मालिकेच्या स्वरूपात केंद्रोय सांख्यिकीय संघटनेकडून प्रकाशित करण्यात येतात．औद्योगिक उत्पादनाच्या निदेंशांकामध्ये वस्तुनिर्माण क्षेत्राचा भार ७९．४ टक्के आहे． २००६－०७ मध्यं वस्तुनिम्माण क्षेत्राच्या निर्देशांकात १२．५ टक्के वाढ झालो， तर २००५－०६ मध्ये ती ९．२ टक्क होंती．वस्तुनिमांण क्षेत्राच्या निर्देशांकात २००७－०८ मध्ये（एप्रिल ते डिसेंबर）२००६－०७ मधील तत्सम कालावधीतील निर्देशांकापेक्षा ९．६ टक्के इतकी वाढ झाली．वस्तुनिमांण क्षेत्राचा निर्देशांक


डिसेंबर，२००७ या महिन्यात ३०५．७（अस्थायो）होता．तों डिसेंबर，२००६ च्या निर्देशांकापेक्षा ८．४ टक्क्यांनी，तर एप्रिल，२००७ च्या निर्देशांकापेक्षा १२．४ टक्क्यांनी जास्त होता．अखिल भारतीय स्तरावरील औद्योगिक उत्पादन निर्देशांकांची सविस्तर माहिती या प्रकाशनाच्या भाग－२ मधील तक्ता क्र．२४ मध्ये देण्यात आली आहे．

तक्ता क्रमांक ६． ४
भारतातील औद्योगिक उत्पादनाचे निर्देशांक
（पायाभृत वर्ष १९९३－९૪＝१००）

| बाब | 975 | सरासरी निदेशक |  | शेकडा त्राद |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  | २ook－ob | 20019－06 | 200E－Oい | 2006－0，＊ |
| सर्वसाधारग निदेशांक | 800.00 | २ชง．श | २६ף．${ }^{\text {¢ }}$ | १२．¢ | 9.0 |
| खाणकाम | YO． 8 l | १६३．२ | १६૪．३ | 4.8 | 8.9 |
| वस्स्तुनिमाण | ७९．३६ | २६३．4 | PV9．9 | १२．4 | Q．E |
| विद्युत् | Q०．） | २०४．＇ | २२६．け | 1． 2 | E．$\%$ |

＊एप्रिल ते डिसेंबर，२००७（अस्थायी）


६．९ राज्याच्या तसेच अखिल भारतीय पातळीवरोल निव्वळ मृल्यवृद्धीत शुध्द पेट्रोलियमची उत्पादनें；रसायने व रासार्यानक उत्पादनें；यंत्रे व यंत्र सामग्री（इतरत्र वर्गीकरण न केलेली）；मूलभूत धातू； मोटार वाहने，ट्रेलर्स；खाद्य उत्पादनें；इतर परिवहन सामग्री व धातूची उत्पादने ह्या उद्योग गटांचा भरीव वाटा असल्याचे दिसून येते．या गटांचा २००४－०५ मध्य वस्त्तुनिर्माण क्षेत्रातील एकूण निव्वळ मूल्यवृद्दीमध्यं एकत्रित वाटा राज्यामध्ये ७७ टक्क्यांपेक्षा जास्त होता आणि अखिल भारताकरिता तो सुमारे ७१ टक्के होता．अखिल भारतीय औद्योगिक उत्पादनाच्या सरासरी निद्देशांकाच्या（एप्रिल ते डिसेंबर，२००७）आधारे राज्यातोल औद्योगिक उत्पादन（वस्तुनिमाण）९．६ टक्क्यांनी वाढेल असे अनुमानित आहे．या आधीच्या वर्षातील तत्सम कालावधीकरिता सदर अनुमानित वाढ ९．० टक्क होती．

## वाउपा ：महाराष्ट्राचे चित्र

६．९० वार्षिक उद्योग पाहणी २००४－०५ च्या निष्कर्षांनुसार भारतातील संघटित औद्योगिक क्षेत्रतील स्थृल उत्पादन मृल्यात राज्याचा वाटा २९．५ टक्के आणि निव्वळ मूल्यवृद्धीत तो २९．७ टक्के होता． अखिल भारतोय स्थिर भांडबलात राज्याचा वाटा १८．७ टक्के व उत्पादक भांडवलात तो १७．९ टक्के होता．वाउपा २००३－०४ आणि २००४－०५ वर आधारित राज्य व अखिल भारताकरिता काही महत्त्वाचे प्रति कारखाना निद्देशक तक्ता क्रमांक ६． 4 मध्ये दिले आहेत．

तक्ता क्रमांक ६．५
वाउपानुसार प्रति कारखाना निदेशेशक
（रुपये लाखात）

| निर्देशक | २००३－0४ | 200૪－04 |
| :---: | :---: | :---: |
| स्थिर भांडवलात गुंतवणूक |  |  |
| मह7राष्ट्र | ૪く？ | 409 |
| भारत | ३६4 | ३७६ |
| उत्पादित वस्तू व सेवा यांचे मूल्य |  |  |
| महाराष्ट्र | १，३५२ | १，८९C |
| भारत | P汘 | १，२२७ |
| निक्बष्ट मूल्यवृद्धी |  |  |
| महाराष्ट्र | २૪？ | २७9 |
| भारत | १६९ | १९？ |
| रोजागार（संख्या） |  |  |
| महाराष्ट्र | ६३ | ६१ |
| भारत | ६？ | द२ |

६． 92 वाउपा २००४－०५ नुसार प्रमुख २५ उद्योग गटांपैकी （राष्ट्रीय औद्योगिक वर्गीकरण २००४ नुसार दोन अंकी स्तरावरील）३५ उद्योग गटात राज्याने उत्पादन मूल्याच्याबाबतीत भारतात पहिले स्थान मिळविले आहे．यापैकी ठळक ५ गट म्हणजे（१）खाद्य उत्पादने व पंये，（२）मृलभूत धातू，（३）यंत्रे व यंत्रसामण्रो，（४）मोटार वाहने आणि （५）फर्निचर हे होत．आलेखात दर्शविल्याप्रमाणे प्रत्येकी $ง$ उद्योग गटांमध्ये भारतातील एकूण उत्पादन मूल्यात किंवा निम्वळ मूल्यवृद्धीत किंवा दोन्होत राज्याचा वाटा २० टक्क्यांपेक्षा जास्त होता．

## वार्षिक उद्योग पाहणी（वाउपा）

आद्योगिक आकडेवारीकरिता वार्षिक उद्योग पाहणी हा प्रमुख स्रोत असून देशामध्ये सदर पाहणी केंद्र शासनाच्या राष्ट्रीय नमुना पाहणो संघटनेद्वारे केली जाते．या पाहणोत कारखाने अंधनियम， १९४८ च्या विभाग－२एम्（एक）आणि २एम्（दोन）खाली नोंद झालेल्या सर्व कारखान्यांचा आणि विडी व सिगार कामगार （रोजगाराच्या अटो）अधिनियम，१९६६ खाली नोंद झालेल्या विडी व सिगार या आस्थापनांचा समावेश होतो．यामध्ये केंद्रीय विद्युत प्राधिकरणाखाली नोंद झालेले विद्युत उपक्रम，शीतगृहे，पाणीपुरवठा व मोटार वाहनांची दुरुस्ती इत्यादी सारख्या सेवांचा सुद्धा समावेश होतो．वार्षिक उद्याग पाहणीच्या नमुन्याचो रचना व व्याप्ती यामध्यं २९९७－९८，२९९८－९९ व पुन्हा २००४－०५ मध्येहो सुधारणा करण्यात आली आहे．सर्व विभागोय उपक्रम व सर्व विद्युत उपक्रम यांना २००४－०५च्या पहणीतून वगळण्यात आल आहे． २००४－०५ च्या पाहणीपासून राष्ट्रोय औद्यांगिक वर्गीकरण，२००४ चा वापर सुरू करण्यात आला आहं．

वार्षक उद्योग पाहणी २००४－०५ च्या निष्कषांनुसार，महाराष्ट्रातील दरडोई निव्वळ मूल्यवृद्धी（रुपये ५，००२）अखिल भारताच्या （रुपये २，३८३）तुलनेत दुपटोहृन जास्त होतो．

भारताच्या एकूण उत्पादन मूल्यात किंवा मूल्यवृद्धीत किंवा दोन्हीत महाराष्ट्राचा २० टक्क्यांपेक्षा जास्त वाटा असलेले उद्योग गट＊


आधार ：－बाउपा २०००．0५

६．१२ वाउपा २००४－०५ च्या निष्कषांनुसार राज्यातील औद्योगिक उत्पादनामध्ये १० टक्क्यापेंक्षा जास्त वाटा असलेले उद्योग गट म्हणजे （१）मोटार वाहने（२०．६ टक्के），（२）रसायने व रासायनिक उत्पादने

（१२．४ टक्के），（३）मृलभूत धातू（११．६ टक्के），（४）कोठ्ठसा，शुद्ध पंट्रोलियमचो उत्पादने आणि अणुइंधन इ．（११．६ टक्के）．त्याचप्रमाणे राज्यातील वाउपा अंतर्गत सर्व उद्योगातील निविष्टीच्या वापरामध्ये वरील प्रमुख उद्योग गटांचा एकत्रित वाटा सुमारे ५६ टक्के तर एकूण स्थिर भांडवलामध्ये तो 40 टक्के होता＇मोटार वाहने＇या उद्योग गटाचा एक्ण उत्पादनातील वाटा सातत्याने वाढते असल्याचे तर＇खाद्य उत्पादने＇या गटाचा वाटा कमी होत असल्याचे दिसते．＇मूलभूत धातृ＇या उद्योग गटाचा वाटा पूर्वी कमी होत होता，तर २००४－०५ या वर्षात त्यात वाढ झाली आहे．

६．३३ महाराष्ट्रातील संघटित उद्योग क्षेत्रातील घटकांच्या संरचनेत गेल्या काही दशकांत लक्षणीय बदल झाल्याचे वार्षिक उद्योग पाहणोच्या आकडेवारोवरून दिसून येते．९९६० मध्ये सर्व उद्योगाच्या एकूण निव्वळ मृल्यव्द्धीत ५२ टक्के वाटचासहित ग्राहक वस्त् उद्योगाचे वर्चस्व होते， २९९२－९३ ते २००४－०५ या कालावधीत निव्वळ मूल्यवृब्दीतील ग्राहक वस्तृ उद्यांग गटांचा वाटा हळूहळू कमी झाला अस्न पुनर्निर्माण वस्तू उद्योग गटाचा वाटा बाढला आहे，तर भांडवली वस्तृ उद्योगांचा वाटा जबळपास स्थिर（३१ टक्के）राहिला आहे．


६．१४ वर्षिक उद्योंग पाहणी अंतर्गत समर्ाविष्ट सर्व उद्यांगांचो राज्यातील निव्वळ मूल्यवृद्धी २००४－०५ मध्य ५२，३०९ कोटी रुपये होती व ती २००३－०४ मधील निव्बळ मूल्यवृद्धीपेक्षा २०．४ टक्क्यांनी जास्त होती．वार्षिक उद्योग पाहणीमध्ये गोळा करण्यात आलेल्या माहितीवर आधारित राज्यातील औद्योंगिक क्षेत्राची ठळक वैशिष्टये या प्रकाशनाच्या भाग २ मधील तक्ता क्रमांक २५ मध्ये दिली आहेत．

६．$१ 4$ उद्योगासंबंधीचंच काहो आर्थिक निर्देशक तक्ता क्रमांक ६．६ मध्ये दिले आहेत．

६．६६ एक रुपया निम्वळ मृल्यवृद्धी होण्यासाठी आवश्यक असणा－या भांडवलाचे मांजमाप स्थिर भांडवलाच्या मूल्यवृद्धीशी असणा－या गुणोत्तराने दर्शाविले जाते．हे गुणोत्तर २००३－०४ मध्ये २．० होते，तर २००४－०५ मध्ये ते 3.9 झाले．उद्योगाची कार्यक्षमता निव्वळ मूल्यवृद्दीच्या स्थृल उत्पादनाशी यंणा－या गुणोत्तरानं मोजली जाते．हे गुणोत्तरंर२०३－०४ मध्यें $0 . १ ८$ होते，तर २००४－०५ मध्ये ते $0 . १ \gamma$ झाले．राज्यातील संघटित उद्योगाबाबत ढोबळ उद्यांग गटांनुसार आर्थिकदृष्ट्या महत्त्वाची गुणोंत्तरे या प्रकाशनाच्या भाग－२ मधील तक्ता क्र．२८ मध्ये दिली आहेत．

तक्ता ६．६
उद्योगासंबंधीचे काही आर्भिक निर्देशक

| राज्य | कामगारांची उत्पादकता （प्रति रुपया वेतनामागे निव्वळ मल्यवृद्धी） |  | प्रति कामगार एकूण निविष्टी （रुपये लाखात） |  | प्रति कामगार एकूण उत्पादन （रुपये लाखात） |  | प्रति कामगार वार्षिक वेतन （रुपयात） |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | २00३－0૪ | 200\％－0¢ | २00३－0¢ | 200\％－04 | २००३－0૪ | 200\％－04 | २००३－०४ | 200\％－04 |
| भारत | ६．६६ | ७．७३ | १७．0く | $20 . ६ 4$ | २२．२५ | २५．३४ | 40,092 | 40，9\％く |
| महाराष्ट्र | ७．4． 8 | 6.34 | २४．३९ | ३६．६४ | ३०．७९ | ૪૪．о६ | ७ワ，७७く | ४५，ชо\％ |
| गुजरात | 90.34 | 29．09 | ३2．६७ | ३५．दף | ३८．५३ | ૪२．९ง | 49.629 | 43，434 |
| तापमळनाडु | 4.00 | 4.09 | ११． 99 | १२．६६ | १३．७१ | १५．२४ | ३९，৩३२ | ૪o，૪ט૪ |
| कर्नाटक | ७．२३ | C．Cr | १६．४२ | १९．द६ | २०．C？ | २५．२४ | ૪९，३१२ | 4३，く49 |
| आंध्र प्रदेश | ५．६१ | 4.66 | $9 . १ ३$ | 20.44 | ११．४३ | १३． $0 ¢$ | ३३，००७ | ३४，६१？ |

सूक्ष्म，लघु आणि मध्यम उपक्रम विकास（MSMED） अधिनियम，२००६

६．२७ सॄक्ष्म，लघु आणि मध्यम（सू．ल．म．）उपक्रमांना भेडसावत असलेल्या समस्या ओळखून त्यांना मार्गीं लावण्यासाठी भारत सरकारने सूक्ष्म，लघु आणि मध्यम उपक्रम विकास अधिनियम，२००६ लागू केला असृन महाराष्ट्र शासनाने २ ऑक्टोबर，२००६ पासून त्याची अंमलबजावणी सुरू केर्ली आहे．ह्या अर्धिनयमामध्ये इन्स्पेक्टर राज，सृक्ष्म उगक्रमांच्या देन्नंदन कामकाजात हस्तक्षेप करणारे कामगार कायदे यांच्याशी संबंधित बाबो हाताळण्यात आल्या असून त्यामध्ये थकित येणी यावर नियंत्रण ठेवणं आणि सूक्ष्म उपक्रमांना कर्जपुरवठा करावा यासाठी बँका व वित्तीय संस्थांना प्रोत्साहित करणे यासाठो उपाययोजना सुर्चविण्यात आल्या आहेत．या कायद्यामुळं ‘उद्याग’＇ही संकल्पना बदलून ‘उपक्रम’ही संकल्पना अस्तित्वात आलो आहे．उपक्रमांची ढोबळमानाने १）उत्पादक आणि २）संवा पुर्रविणारे या दोन प्रकारात विभागणी करण्यात आलो आहे．ह्या दोन्ही प्रकारांतोल उपक्रमांचेत्यांच्याप्रकल्प व यंत्रसाभग्रीतोलगुंतवणुकीच्या आधारे （उत्पादक उपक्रमांबाबत）किंवा त्यांच्या साधनसामग्रीच्या आधारे（सेवा पुरव्रिणा－या उपक्रमांबाबत）त्यांचे वर्गीकरण सूक्ष्म，लघु आणिमध्यम उपक्रम असे करण्यात आले आहे，या कायद्याखाली जुलै，२००७ पर्यंत ३८८ कोटी रुपयांची गुंतवण्क असणा－या व अंदाजे ९，१३० रोजगार पुर्रविणा－या ६९ ननोन उपक्रमांची नोंदणो झाली आहे．यापैकी १३१ कोटी रुपये गुंतवणुक असणा－या व २，१४६ लोकांना रांजगार पुरविणा－या २४ उपक्रमांमध्ये याआधीच उत्पादन सुरू झाले आहे．राज्यात कार्यरत असणा－या सूक्ष्म， लधु आणि मध्यम（आतापयंत लघु उद्योग म्हणून ओळखले जाणारे ）आणि मांठ्या उपक्रमांची विभागनिहाय माहितो तक्ता क्र．६．ज मध्ये देण्यात आली आहे．

तक्ता क．६．७
महाराष्ट्रातील सूक्ष्म，लघु，मध्यम व मोठे उपक्रम
（३० सप्टेंबर，२००७）

| विभाग | सू．ल．म．उपक्रम |  | मोठे उपक्रम |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | घटक | रोजगार | घटक | रोजगार |
| कोकण | २४，५२६ | २，09，4७9 | १．२く¢ | १，३०，9१\％ |
| नारशिक | २०，Р७く | १，३ $4, ३ 34$ | ३F？ | ७३，३४२ |
| पुणे | ७२，६३૪ | ३，६२，६८૪ | १．९८२ | ३，४५，१४¢ |
| आरंगाबाद | ९，९७६ | ७९，९२० | २४० | く२，३६३ |
| अमरावती | ६，३३२ | ३५，२४५ | ६० | १३，११४ |
| नागपूर | १३，७७¢ | ९७，६५८ | २૪३ | ५२，७द？ |
| महाराष्ट्र | २，૪७，५२૪ | ९，२०，४२९ | 8，P64 | $\xi, ९ \xi, ८ ૪ \bigcirc$ |

## सामूहिक प्रोत्साहन योजना，२००७

६．१८ राज्यात उद्योगाचा संतुलित विकास साधण्यासाठी सामूहिक प्रांत्साहन योजना १९६४ मध्यं सुरू करण्यात आली आणि अर्थव्यवस्थेतील संरचनात्मक बदलांच्या अनुषंगाने त्यात वेळोवेळी सुधारणाही करण्यात आल्या आहेत．राज्य शासनाने अलिकडेच सारूहिक प्रोत्साहन योजना， २००७ घोषित केली असून ती १ एप्रिल，२००७ पासृन पुढील चार वर्ष

कारंरत राहणार आह．केंद्रीय सार्वर्जनिक क्षेत्रातील उद्योग वगळता इतर सर्वे पात्र सूक्ष्म，लघु व मध्यम उपक्रम आणि मोठे उद्योग सामूहिक प्रोत्साहन योजना，२००७ खाली प्रोत्साहन देण्यासाठी विचारात घेतले जातात．सदर योजना परिणामकारकरित्या लागू करण्यासाठी राज्यातील तालुक्यांचे वर्गीकरण औद्योगिक विकासाच्या स्तरानुसार अ，ब，क，ड，ड＋आर्ण＇उद्योग रहित जिल्हा＇या प्रकारांत करण्यात आले आहे ．

या योजनेची ठळक वरशिष्ट्ये पुढीलप्रमाणं आहेत．
－लघु व मध्यम प्रकारांतील नवोन तसेच सध्या कार्यंत उद्योगांच्या विस्तारास त्यांच्या स्थिर भांडवली गुंतवणुकीकरिता ‘औद्योगिक प्रोत्साहन अनुदानांद्वारें उत्तेजन देणे．
－वस्त्रोद्योग，होजिअरी，निटवेअर व तयार कपडे या क्षेत्रातील नवीन लघु व मध्यम उपक्रमांना स्थिर भांडवली मत्ता प्राप्त करण्यासाठो व्याज अनुदानाद्वारे सहाय्य पुराविणे．
－लघु व मध्यम उद्योगांच्या टिकाऊ वाढोसाठी त्यांना विद्युत शुल्कातून सूट，नोंदणी शुल्क माफो，स्त्रामित्वधनाचा परतावा（केवळ विदर्भातील घटकांसाठो），जकात कर／प्रवेश कराचा परतावा （जकातकराऐवजी़ी प्रवेशकर）याद्वारे त्यांच्यावरील करांचा／शुल्कांचा भार कमी करणे．
－मों्या प्रमाणावर गुंतवणूक आर्कर्षत करण्यासाठो उद्योगांकरिता पोषक वातावरण निर्माण करण्याच्या हेतूने यापैकी काही लाभ माहिती तंत्रज्ञान／जैव तंत्रज्ञान उद्योग घटक आणि अतिविशाल प्रकल्पांना देय कराग्यात आले आहेत．
－सूक्ष्म，लघु व मध्यम उपक्रमांच्या उत्पादनांच्या दर्जात व कार्यक्षमतंत वाढ होण्यार्करिता त्यांच्या（i）तांत्रिक श्रेणी वाढीसाठी लागणा－या स्थिर भांडवली गुंतवणुकीसाठी，（ii）गुणात्मक प्रमाणपत्र प्राप्तोसाठी，（iii）स्वच्छ उत्पादन उपाययोजनांसाठी（iv）विशेष अधिकारपत्र（पेटंट）नोंदणीसाठो अनुदान देणे．
－प्रतिष्ठेच्या अतिविशाल प्रकल्पांना प्रकल्पानुरुप विशेष／अतिरिक्त प्रोत्साहने देणे．

## माहिती तंत्रज्ञान

६． 99 राज्यातील माहिती तंत्रज्ञान व माहाहती तंत्रज्ञान सहाय्यभूत सेवा क्षेत्रांच्या विकासास चालना देण्यासाठी राज्य शासनाने अनेक पाउले उचलली आहेत．यामध्ये प्रारतिक क्षेत्राविशिष्ट धोरण ठरविणे，माहिती तंत्रज्ञान उद्यानांचा विकास करणे आणि ज्ञानमार्गिका तयार करणे यांचा समावेश आहे．राज्याच्या ＇भाहिती तंत्रज्ञान व माहितो तंत्रज्ञान सहाय्यभूत सेवा धररण，२००३’ नुसार शासनाने माहिती तंत्रज्ञान व माहिती तंत्रज्ञान सहाय्यभूत सेवा क्षेत्रास विविध आर्थिक प्रोत्साहने देऊ के ली आहेत．आर्थिक प्रोत्साहनांव्यतिरिक अरिरिक्त चटई क्षेत्र निर्देशांक देगे，सॉफ्टवेअर उद्योग घटकांना निवासी क्षेत्रात परवानगी देणे，दुकाने व आस्थापना अर्धिनयमाखाली र्माहलांच्या कामाच्या वेळेत वाढ करून देणे，संपर्क साधनांच्या विकासासाठी सुयोग्य परवानग्या देणे，कामगार कायद्याखाली स्वयंप्रमाणित अहवाल／विवरणपत्रेदाखल करण्यास परवानगी देणे यासारखी इतर प्रोत्साहनेही देण्यात आली आहेत．

सार्वजनिक व खाजगी माहिती तंत्रज्ञान उद्याने
६.९९. $२$ माहिती तंत्रज्ञान उद्यानांच्या उभारणीमुळं या क्षेत्रासाठी लागणा-या पायाभूत्त सुविधांच्या एकात्मिक विकासास चालना मिळाली आहे. हो उद्नाने या उद्योगक्षेंत्रासाठी लागणा-या विविध पायाभूत सुविधा अणि एक़ंदरीत परिसर यासंदभांत उत्कृष्ट केंद्रे म्हणून उदयास येतील असे अर्पेक्षित आहे. या दृष्टिकोनातून म.ओ.वि.मं. व सिडकोने एकृण ३३ माहती तंत्रज्ञान उद्यानांची स्थापना केली आहे. माहिती तंत्रज्ञान उद्योगासाठी जाग्गतिक दर्जाच्या पायभूत्त सुविधा निमाण करण्यामध्ये खाजगी क्षेत्राचा सहभाग प्राप्त करण्याकरिता २४५ खाजगी माहिती तंत्र्जान उद्यानांना परवानगी देग्यात आली आहे. या खाजगी उद्यानापेकी २,९५२ कोटी रुपये गुंतवणूकीची ९३.६२ लाख चौ.फ़ट बांधकाम क्षेत्र असलेली व $१ .40$ लाख रोजगार उपलब्ध करून देणारी ४६ उद्याने कार्यत झाली आहेत. उर्वरित ३९९ उद्यानांमध्य $१ ३, ० ५ ३ ~ क ो ट ी ~ र ु प य ा ं च ी ~ ग ु ं त व ण ू क ~ अ स ण ा र ी, ~ ६ ५ ३ ~ ल ा ख ~$ चों फूट बांधकामक्षेत्र असणारी व २०.०४ लाख रोजगार निर्माण करणे अर्पेक्षत असणारी असून त्यांनी इरादापत्रे दिली आहेत. मात्र ही सर्व खाजगी माहती तंत्रजान उद्याने मुख्यत्वे बृहन्मुंबई (२०७), ठाणें (२८) व पुणे (१०६) या जिल्ह्यांमध्यंच एकवटलेली आहेत.
६.२९.२ राज्यातील माहिती तंत्रज्ञान उद्यानांकडून होणा-या सॉफ्टवेअर निर्यांतीत २०00-०? ते २००४-०५ या कालावधीत, देशभरातून होणा-या तत्सम सॉफ्टवेअर नियांतीतील ३७ टकेके (चक्रवाढ वार्षिक वृद्धद्दर) वाहीपेक्षा बरीच जास्त अशी ४४ टक्के (चक्रवाद वार्षिक वृद्धिदर) वाढ झाली आहे. राज्यातोल माहिती तंत्रज्ञान उद्यानांकडून होणा-या सॉफ्टवेअर नियांतीची कन्नांटक, तामिळनाडू व इतर राज्यांतून होणा-या सॉफ्टवेअर निर्यांतीची तुलनात्मक माहितो तक्ता क्र. ६.८ मध्ये देण्यात आली आहे.

तक्ता क्र. ६.८
राज्यनिहाय माहिती तंत्र्रान उद्यानांकडून झ्ञालेली सॅफ्टवेअर निर्यात

| (कोटी रुपये) |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| राज्य | 200009 | 200¢-0々 | 2002-0३ | २00३-0\% | 200\%-04 |
| कनांटक | ง, ४94 | 9,por | १२,३५० | १८, 200 | २७,\%०0 |
| तामिळनाडू | २,९५६ | 4,09\% | ¢, 304 | ७,६२? | १०,१९० |
| महाराष्ट्र | २,4७0 | ૪,६о३ | ५,40¢ | ८, ५\% | Р१,६४२ |
| इतर राज्ये | ง,०40 | ¢0,0०२ | १२, 9 ¢ ${ }^{\text {¢ }}$ | १७, २२¢ | र३, ¢¢0 |
| भारत | 20,049 | २९,५२३ | ३७,ఇ७६ | 4P, 8६¢ | ७¢, op¢ |

मुंबई-पुणे ज्ञानमार्गिका
६.९९.३ महाराष्ट्र शासनाच्या पुढाकाराने निर्माण होत असलेला मुंबई-पुणं ज्ञानमार्गिका हा अशा प्रकारचा पहिलाच व एकमेव प्रकल्प असून तो माहिती तंत्रज्ञानाचा देशातील केंद्रबिंदू ठरू पहात आहे. या मार्गिकेची प्रमुख वैशिष्ट्ये खालीलप्रमाणें आहेत.

- दोन शहरांना जोडणारा सहामार्गी दुहंरी द्रुतगती मार्ग
- दोन शहरांमध्ये प्रकाशतंतूंच्या माध्यमातून संपर्कंजोडणी
- जार्गतिक दर्जाच्या पायाभृत सुविधा असणारी, मुंबई व पुणे या शहरांमध्ये प्रत्येकी तीन याप्रमाणे ६ प्रमुग्र माहिती तंत्रज्ञान उद्याने
- मुंबई व पुणे येथे गृहबांधणी, शिक्षण, वाहतूक आणाण वोज याबाबतच्या सवोत्कृष्ट पायाभूत सुविधा पुरवितात.


## जैव तंत्रज्ञान

६.२० राज्यामध्यं असणारे समृब्ध असे जैविक वैविध्य व औषधीद्रव्ये निर्मिती क्षेत्रातोल मोंग्या प्रमाणावरील उद्योगांमुळ जैव तंत्रज्ञानासाठी भरपृर वाव आहे. भारतातील जैव तंत्रज्ञान क्षेत्रामध्ये गुणित प्रमाणात वाढ होणार असून जैव तंत्रज्ञानाधारित उत्पादनांचा खप नजीकच्या काळात दसपटीने वाढणार आहे. राज्याकडे प्रबळ संशोधन क्षमता असृन देशातील पेंटंट्सपेकी मोठ्या प्रमाणात पेटंट्स राज्याकडे आहेत जैव तंत्र्ञानाधारित कार्य करणा-या विविध विशेषीकृत संशोधन संस्था व नामांकित कंपन्या यांची उपस्थिती राज्याच्या दृष्टीने लाभकारक ठरली आहे. राज्यातील जैव तंत्रज्ञान क्षेत्राच्या वाढीसाठी राज्य शासनाने जैव तंत्रज्ञान धोरण, २००१ मध्यो घोषित केले. राज्यामध्ये जैव तंत्रज्ञानावर आधर्धारत उद्याने जालना व हिंजवडी (पुणे) येथे विकसित करण्यात आली आहेत. राज्यात एकृण २०५ कोटी रुपये गुंतवणुकीचे ५१ जैव तंत्रज्ञान उपक्रम (सू.ल.म.) व १३ मोठे जैव तंत्रज्ञान उद्योग कार्यरत आहेत.

## सहकारी औद्योगिक वसाहती

६.२२ कमी प्रमाणात औद्योगिकीकरण झालेल्या भागामध्ये उद्योग उभारणीस उद्योजकांना प्रोत्साहन देणे व त्याद्वारे रोजगाराच्या अधिक संधी निर्माण करणे, हा सहकारी औद्योगिक वसाहती स्थापन करण्यामागील उद्देश आहे. महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळ (MIDC) क्षेत्राबाहेर सहकारो औद्योगिक वसाहती स्थापन करण्यात येतात. राज्यातील ३१ ङिसेंबर, २००७ रोजीची सहकारी ओद्योगिक वसाहतींची स्थिती तक्ता क्र. ६.९ मध्ये देप्यात आली आहे.

तक्ता क. ६.९
राज्यातील सहकारी औद्योगिक वसाहतींची स्थिती

|  | (३२ डिसैंबर, २००७ रोजीची) |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| विभाग | औद्योगिक वसाहती |  | उद्योग | रोजगार |
|  | नोंदणीकृत | कार्यरत | घटक |  |
| बृहन्मुंबई | ३ | ३ | २२૪ | ११,२マ३ |
| कोकण | १४ | १२ | 400 | ९,६५३ |
| नाशिक | ३३ | २६ | २.२७२ | ३८,२९४ |
| पुणे | ૪૪ | ३३ | २,७૮३ | ૪८,२०३ |
| औरंगाबाद | २६ | १३ | ૪३० | ३,९६१ |
| अमरावती | \% | ३ | ७¢ | ५७५ |
| नागपूर | \% | $\gamma$ | २६७ | २,७१० |
| एकूण | १४० | ९४ | 4,440 | १,१४, ५१९ |

तक्ता क्र．६．१०
राज्यातील मऔविमं क्षेत्रांची माहिती（३२ मार्च，२००७ रोजी）

| प्रदेश | महामंडळाची औद्योगिक क्षेत्रे |  |  |  | उद्योग घट क |  |  | भूखंडांची संख्या |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | मोठे | लहान | विकास केंद्रे | एकूण | संख्या | गुंतवणूक （कोटी रुपये） | रोजगार | विकसित | वितरित |
| बृहन्मुंबई | $?$ | － | － | $?$ | ३०4 | ३४६ | २८，६७० | ३५૪ | ३३२ |
| कोकण | २マ | ३ | $3^{*}$ | २८ | ९，५७० | ६，000 | १，६६，२०१ | १६，३२३ | १४，५५२ |
| नाशिक | \％ | $\rho$ | q？＊ | ३० | ५३७ | ३，३६३ | ९८，४११ | く，६७२ | ७，६८२ |
| पुणं | 2C | 2 | ใง | ६३ | ७，¢०？ | १०，७७९ | १，५१，५५२ | १४，९२९ | १२，९७२ |
| औरंगाबाद | १४ | १ | १२＊ | ช५ | ३，८९५ | १，२oo | ४९，२७२ | p，qre | く，२५३ |
| अमरावती | $\checkmark$ | ३२ | $\iota^{*}$ | ชง | १，२६९ | ३९\％ | १६，५६४ | ૪，४५？ | ३，०૪६ |
| नागपूर | ใ？ | २५ | 20＊ | ૪६ | २，099 | ६，९६५ | ७३，८८？ | 4，૪३६ | ૪，३२२ |
| एकूण | ९३ | १०द | ¢？ | २६० | ३०，३३३ | २९，०૪७ | ५，८૪，4५？ | 49，३१३ | ५श，Р५С |

＊केंद्र शासनाकडून यापैकी प्रत्येकी एक विकास केंद्र विकसित करण्यात येत आहेत．

उद्योगांना सहाय्य
६．२२ जार्गतिकीकरणाच्या छायेत असणा－या स्थानिक उद्योगांना， विशेषतः सू．ल．म．उपक्रमांना केंद्र शासन व राज्यशासन ह्या दोहोंकडून मदतीची आवश्यकता आहे．प्रशासन व अंमलबजावणीत सुटसुटीतपणा आणणे，कायद्यांच्या अनुपालनाचा बोजा कमी करणे，स्पर्धात्मक क्षमता वाढविणे，आर्थिक व तांत्रिक पाठबळ उपलब्ध करून देणे यासाठी राज्य शासन पावले उचलत असून राज्य शासनाच्या महाराष्ट्र राज्य वित्तीय महामंडळ，महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळ，महाराष्ट्र लघु उद्योग विकास महामंडळ यासारख्या संस्था तसंच केंद्र शासनाच्या भारतीय लधु उद्योग विकास बँक，भारतीय औद्योगिक वित्तीय महामंडळ यासारख्या वित्तीय संस्था यांच्याद्वारे त्यांना आवश्यक ती मदत उपलब्ध करून दिली जात आहे． राज्यातील उद्योगांना या सर्व संस्थांकडून दिल्या जाणा－या सहाय्याबाबतचा संक्षिप्त तपशील पुठील परिच्छेदांत दिला आहे．

## अ）राज्यस्तरीय औद्योगिक विकास संस्था

## （i）महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळ

६．२३ राज्यभरात नियोजनबद्ध व पद्धतशीर विकास साधण्यासाठी महाराष्ट्र औद्योंगिक विकास महामंडळ अंतर्गत रस्ते，पाणी，वीजपुरवठा व उद्योजकांसाठी इतर अंतर्गत सेवा यासारख्या अत्यावश्यक पायाभूत सोर्योंनी युक्त अशा औद्योगिक वसाहती विकसित करीत आहे．राज्यात विकेंद्रित， तसेच अतिजलद गतीने औद्योगिक विकास साध्य क्हावा，यासाठी राज्य शासन म．औ．वि．मंडळाद्वारे पुढील महत्त्वाचे कार्यक्रम राबवीत आहे．
－विकास केंद्रांची स्थापना
－औद्योगिकीकरणाची व्याप्ती सर्व तालुक्यांपर्यंत वाढविण्याच्या दृष्टीने लघु औद्योगिक क्षेत्रांची स्थापना
－पंचतारांकित औद्योगिक वसाहतींची स्थापना

६．२४ राज्यातील म．औ．वि．महामंडळाच्या औद्योगिक क्षेत्रांची माहिती तक्ता क्र．६．१० मध्ये व महामंडळाच्या कार्याबाबतची सद्य स्थिती（३१ मार्च， २००७ रोजीची）तक्ता क्र，६．२१ मध्ये देण्यात आली आहे．

तक्ता क्र．६．११
महाराष्ट्र औद्योगिक विकास मंडळाचे कार्य
（३२ मार्च，२००७ रोजी）

| बाब | सद्य：स्थिती |
| :---: | :---: |
| एकूण मऔविमं क्षेत्रे | २६० |
| अधिसूचित क्षेत्र（हेक्टर） | ६८，०९३ |
| ताब्यातोल क्षेत्र（हेक्टर） | ५३，१२？ |
| आखणी केलेले भूखंड |  |
| अ）संख्या | ५९，३१३ |
| ब）क्षेत्र（हेक्टर） | २४，२४६ |
| वितरित भूखंड |  |
| अ）संख्या | 4श，24¢ |
| ब）क्षेत्र（हेक्टर） | २२，С३२． |
| गाळे／शेड（संख्या） |  |
| अ）बांधकाम झालेले | ६，५३६ |
| ब）विर्तरित झालेले | ५，२९६ |
| औद्योगिक घटक（संख्या） |  |
| अ）उत्पादन सुरू झालेले | ३०，३३३ |
| ब）बांधकामाधीन | ३，०१८ |
| प्रतिदिन पाणी पुरवठ्याची क्षमता（दशलक्ष लिटर） | २．२४२ |

## （ii）महाराष्ट्र लघुउद्योग विकास महामंडळ

६．२५ महाराष्टू लघुउद्योग विकास महामंडळाची स्थापना लघु उद्योगांच्या विकासाचा उद्देश समांर ठे वून १९६२ साली करण्यात आली．महामंडळाची प्रमुख कामे पुढीलप्रमाणे आहेत．（i）लघुउद्योगाना लागणारा कच्चा माल मिळवणे व त्याचे वाटप करणे，（ii）लघुउद्योगांनी उत्पादित केलेल्या मालाला बाजारपेठ मिळवून देण्यासाठी सहाय्य करणे आणि माल साठवणूक व हाताळणोसाठी सोयी उपलब्ध करून देणे， （iii）आयात－निर्यातीकरिता लघुउद्योगांना सहाय्य करणे，（iv）हस्तकौशल्य

कारागिरांना मदत करणे आणि（v）प्रदर्शने आयोजित करणे．महाराष्ट्र लघुउद्योग विकास महामंडळाच्या कार्याचा तपशील तक्ता क्र．६．१२ मध्ये देण्यात आला आहे．

तक्ता क्रमांक ६．१२
महाराष्ट्र लघु उद्योग विकास महामंडळाचे कार्य

| बाब | उलाढाल（कोटी रुपये） |  |
| :---: | :---: | :---: |
|  | 200¢－0才 | 2oob－oく＊ |
| कच्य्या मालाची खरेदी | २६．१२ | ३९．३८ |
| पणन सहाय्य | २．७७ | 0.84 |
| इतर | ३६．३८ | १९．२३ |
| एकूण | ¢\％．06 | 49．0६ |

## （iii）महाराष्ट्र राज्य खादी आणि ग्रामोद्योग मंडळ

६．२६ महाराष्ट्र राज्य खादी आणि ग्रामोद्योग मंडळाची स्थापना वर्ष १९६२ मध्ये झाली．या मंडळाचे प्रमुख कार्य म्हणजे राज्यातील खादी व ग्रामोद्योग उपक्रमांचे सुसूत्रीकरण，विकास व वाढ करणे हे आहे．मंडळ व्व्यक्तिगत，नोंदणीकृत संस्था व सहकारी संस्थांना वित्तीय सहाय्य पुराविते． याव्यतिरिक्त मंडळ व्यक्तिगत लाभधारकांना तांत्रिक मार्गदरंन आणि प्रशिक्षण देते व ग्रामोद्योगांतोल उत्पादनांच्या विक्रीची सोय उपलब्ध करून देते．खादी व ग्रामोद्योग क्षेत्राच्या कक्षेत सध्या ११६ प्रकारचे उद्योग येतात．

६．२ज राज्यातील खादी व ग्रामोद्योगांना २००६－०७ मध्ये ૪७० लाख रुपये वित्तीय सहाप्य अनुदानाच्या स्वरूपात देण्येंत आले आणि २००७－०८ मध्ये खादी व ग्रामोद्योग आयोगाच्या माध्यमातून अंदाजे १५० लाख रुपयांचे वाटप करण्याचे प्रस्तावित आहे．राज्य शांसनानेदेखील खादी व ग्रामोद्योगांस २००६－०७ मध्ये २५० लाख रुपये अनुदानाचे वाटप केले आहे．

६．२८ कारागीर रोजगार हमी योजनेअंतर्गत २००६－०७ मध्ये कारागिरांना ४．४६ लाख रोजगाराच्या संधी उपलब्ध करून देण्यात आल्या होत्या तर आधीच्या वर्षात ३．२८ लाख रोजगाराच्या संधी उपलब्ध करून देण्यात आल्या होत्या．२००७－०८ मध्ये ५ लाख कारागिरांना रोजगाराच्या संधी उपलब्ध करून देणे अपेक्षित आहे．

६．२९ राज्यात खादी व ग्रामोद्योगांनी उत्पादित केलेल्या मालाची किमत व निर्माण केलेला रोजगार तक्ता क्र．६．३३ मध्ये दर्शविण्यात आला आहे．

तक्ता क्र．६．१३
खादी व ग्रामोद्योग घटकांचे कार्य

| वर्ष | सहाय्यित <br> घटक | उत्पादन मूल्य （कोटी रुपये） | रोजगार <br> （लाखात） |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| २००३－०४ | २，¢く，०८¢ | १，१३२ | 4.30 |
| 200\％－04 | २，4९，१६२ | －१，३३३ | 4.30 |
| २004－0¢ | २，२६，४४९ | CPC | ३．4६ |
| २००६－0७ | ३，४५，9૪० | ६२२ | ૬．१७ |
| 200ษ－0く＊ | २，40，000 | १，000 | ६．२० |

＊अंदाजित

## ब）राज्य व केंद्रस्तरावरील वित्तीय संस्था

६．३० केंद्र，तसेच राज्य स्तरावरील विविध प्रमुख वित्तीय संस्था राज्यातील उद्योगांना वित्तीय सहाय्य पुरवितात．यापैकी प्रमुख केंद्रस्तरीय संस्था म्हणजे भारतीय आयुर्विमा महामंडळ，भारतीय सर्वसाधारण विमा महामंडळ，भारतीय औद्योगिक वित्त महामंडळ मर्यादित，भारतीय लघु उद्योग विकास बँक व भारतीय औद्योगिक गुंतवणूक बँक मर्या．，तर राज्यस्तरीय वित्तीय संख्था म्हणजे सिकॉम मर्यादित व महाराष्ट्र राज्य वित्तीय महामंडळ वित्त सहाय्य करतात．वित्तीय संस्थांनी महाराष्ट्रातील उद्योगांना मंजूर केलेले व वाटप केलेले अर्थसहाय्य भाग－२ च्या तक्ता क्र．२९ मध्ये देण्यात आले आहे．

## आजारी उद्योगांचे पुनर्वसन

## मोठे उद्योग

६．३३ उद्योगांचे आजारणपण हा औद्योगिक वाढोतील अडथळ्कयांपैकी एक महत्त्वाचा अडथळा आहे．त्यामुळे भांडवली मत्ता अडकून पडते， उत्पादकता कमी होते आणि बेरोजगारो वाढते．भारत सरकारच्या औद्योगिक व वित्तीय पुनरेचना／पुर्नबांधणो मंडळाच्या（बी．आय．एफ．आर．）स्थापनेपासून डिसेंबर，२००७ पर्यंत आजारो उद्योग संस्था अर्धिनियम（विशेष तरतूद）， १९८५ अंतरंत पुनवर्वसनासाठी राज्यातील ९०० मोठ्या व मध्यम उद्योगांकडून अर्ज प्राप्त झाले आहेत，यापैकी कामगार सहकारी योजनेमार्फत पुनर्वसन करावयाच्या ५ प्रकरणांसह १४० प्रकरणांमध्ये पुनर्वसन मंजूर करण्यात आले आहे．तसेच १०१ प्रकरणांमध्ये उद्योग बंद करण्याबाबत शिफारस करण्यात आली तर ११४ प्रकरणे नाकारण्यात आली．बीआयएफआर （BIFR）कडे प्राप्त देशातील प्रमुख राज्यांमधील उद्योगांच्या प्रकरणांची माहिती तक्ता क्र．६．१४ मध्ये देण्यात आली आहे．या माहितीनुसार बीआयएफआर（BIFR）कडे नोंदविण्यात आलेल्या प्रकरणांपैकी २० टक्के वाटा राज्याचा असून एकूण प्राप्त प्रकरणांपैकी राज्यातील प्रकरणांमध्ये अडकलेल्या निव्वळ संपत्तीचा वाटा देशामध्ये २४ टक्के，संचयी नुकसानीचा वाटा २२ टक्के व रोजगारातील नुकसानीचा वाटा १३ टक्के इतका होता．

तक्ता क्र．६．१४
राज्यनिहाय बीआयएफआरकडे नोंदविलेल्या प्रकरणांचा तपशील
（संचयी ३१२२．२००५ रोजी）

| राज्य | नोंदविलेली प्रकरणे | निव्वळ <br> संपत्ती＊ | संचयी नुकसान＊ | कामगार <br> संख्या |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| महाराष्ट्र | १，०७६ | १६，4૪७ | २९，४२९ | ३，३१，०४३ |
| तामिळनाड़ु | ५२？ | ३，३७५ | ง，२२० | १，५९，९६२ |
| गुजरात． | 40\％ | ७，३६૪ | १६，१५१ | २，१५，०२३ |
| आंध्र प्रदेश | 40३ | ૪，くマ७ | ९，૪३३ | २，१४，३३९ |
| पश्चिम बंगाल | ३९२ | ९，ఇ६૪ | २ง，२७३ | ६，१५，४९६ |
| उत्तर प्रदेश | ३४૪ | २，९२७ | ६，०६२ | १，६०，५७？ |
| दिल्ली | ३३५ | ७，૪३० | १४，५५\％ | c૪，७૪？ |
| कर्नाटक | २く२ | २，७૪६ | $\gamma, 99 \gamma$ | १，१२，७५० |
| इतर राज्ये | २，३७৩ | २૪，०७२ | २९，९७९ | ६，१५，¢४¢ |
| एकूण भारत | ५，३マง | ६८，૪५२ | २，३४，९९२ २ム | २५，०९，८७५ |

महाराष्ट्राची आर्धिक पाहणी २००७－००

महाराष्ट्र व भारतामधून बीआयएफआर कडे नोंदलेली प्रकरणे


आजारी उद्योग（सू．ल．म．）
६．३२ नोक्केंबर，२००७ पर्यंत राज्याने २，७१२ रोजगार असणा－या २५४ सूक्ष्म，लघु व मध्यम उद्योगांना आजारी असल्याचे प्रमाणपत्र दिले आहे．यामुळ त्या उद्योगांना विक्रोकर व विद्युत बिलाची देणी या बाबीच्या परतफेडीची पुनआखणी करणे शक्य झाले आहे．

## महाराष्ट्रामधून निर्यात

६．३३ महाराष्ट्रातून होणा－या निर्यातीने भारतातील अर्थन्यवस्थेच्या वाढोशी सुसंगत असा २००१－२००२ ते २००५－२००६ या कालावधीत २६．५ टक्के इतका वाढीचा दर（चक्रवाढ वार्षिक वृद्धिदर）कायम राखला आहे． भारत व महारष्ट्र्रातील निर्यातीची तुलनात्मक माहितो तक्ता क्र．६．३५ मध्ये देण्यात आलो आहे．राज्यातृन मुख्यत्वे सॉफ्टवेअर，हिरे व आभूषणे，

तक्ता क्रमांक ६．$२ 4$
महाराष्ट्र व भारतातून झालेली निर्यात

|  |  | （कोटी रुपये） |
| :---: | :---: | :---: |
| वर्ष | महाराष्ट्र | भारत |
| २o०q－o२ | ७マ，く¢ム | २，४૪，२४५ |
|  | （३०．२૪） |  |
| २००२－०३ | $\begin{aligned} & \text { ९९,७७८ } \\ & \text { (३३.२३) } \end{aligned}$ | ३，००，२९० |
| 200३－०૪ | く4，¢१६ | ३，४९，६१७ |
|  | （२४．५७） |  |
| 200\％－04 | १，९३，८३२ | ४，३४，९७९ |
|  | （૪૪．५६） |  |
| 2004－0६ | १，१३，७00 | ४，५४， 000 |
|  | （२५．00） |  |
| 200¢－о७＊ | १，0૪，00२ ${ }^{\text {（2）}}$ | ४，१६，०११ |
|  | （२५．00） |  |

[^1]कापड，तयार कपडे，सुती धागा，कृत्रिम धागे，धातू व धातू उत्पादने，शेतमालावर अधारित उत्पादने，यंत्रोपकरणे，औषधे व औषधी द्रव्ये，प्लॅस्टिक आणि प्लॅस्टिकपासून तयार केलेल्या वस्तू यांची नियांत होते．राज्यातील निर्यातदारांना कामाचे श्रेय देणे व नियांत वाढीस चालना देणे यासाठी＇सर्वोत्तम निर्यातीसाठो बक्षीस＂देण्याची योजना वनियातयोग्य मालाचीपरदेशांमध्ये प्रदर्शने आयोजित करणे शासनाने सुरू केले आहे．२००६－०७ पासून वेगवेगळया देशांमध्ये दहा आंतरराष्ट्रीय प्रदर्शने आयोजित करण्यात आली आहेत．

औद्योगिक प्रदूषण
६．३४ औद्योगिक प्रदूषण ही राज्याच्या पर्यावरणासाठी एक अत्यंत गंभोर बाब आहे．महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळाकडून（मप्रनिमं）प्राप्त माहितीनुसार मार्च，२००७ अखेरीस एकूण ६२，७९२ कारखान्यांपैकी हवा प्रदूषित करणारे १७ टक्के，पाणी प्रदूषित करणारे १४ टक्के，आणि हानिकारक टाकाऊ पदार्थ निर्माण करणारे $७$ टक्के कारखाने होते． प्रदूषण कमी करण्याच्या हेतृने मंडळाने २००६－०७ मध्ये पाणी अधिनियम， १९७४ अंतर्गत कलम ३३अ खाली १，१४८ कारखान्यांना，तर हवा अधिनियम，१९८१ अंतर्गत कलम ३१अ खाली ७८१ कारखान्यांना निद्देश दिले आहेत．राज्यातील ७，७१४ कारखान्यांचा समावेश असलेल्या २२ औद्योगिक वसाहतीत सामायिक सांडपाणी प्रक्रिया संयंत्रे कार्यान्वित करण्यात येत आहेत．या संयंत्रापैकी मार्च，२००७ अखेरीस २६ संयंत्रे कार्यांन्वित होती．ह्या प्रयत्नांव्यतिरिक्त काही कारखान्यांकडून बँक हमी घेण्यात आली असून काही प्रदूषणकारी कारखान्यांचा विद्युत व जलपुरवठा प्रदूषण नियंत्रण उपाययोजना अंमलात आणली जाईपर्यंत खंडीत करण्यात आला होता．

प्रदूषक व अप्रदूषक कारखाने

> 团 वायु प्रदूषक प्रदूषक 国 हानिकारक टाकाऊ पदार्थ निर्मिणारे ब अप्रदूषक


खनिज संपत्ती
६．३५ महाराष्ट्रातील विदर्भ विभागातील भंडारा，चंद्रपूर，गडचिरोली， नागपूर，यवतमाळ या जिल्द्यांमध्ये आणि पश्चिम घाटांतील कोल्हापूर，, सातारा，रायगड，रत्नागिरी，सिधुदूर्ग व ठाणे या जिल््यांमध्ये कोळसा， चुनखडी，कच्चे मँगेनीज，बॉक्षसाईट，कच्चे लोखंड，डोलोमाईट，लॅटेराईट， कायनाईट，फ्लोराईट（ग्रेडेड），क्रोमाईट，इत्यादी खानिजांचे साठे आहेत．

राज्यात उत्पादनक्षम खनिज साठा असणारे सुमारे $५<$ हजार चौरस कि मी. इतके क्षेत्र असून ते राज्याच्या एकूण भौगोलिक क्षेत्राच्या १९ टक्के आहे. राज्यातील महत्त्वाच्या खनिजांचे उत्पादन व मूल्य भाग-२ मधील तक्ता क्र. ३० मध्ये दिले आहे.
६. ३६ ३१ मार्च, २००७ च्या अखेर एकूण ३३,६२८ रोजगार असलेल्या १५१ खाणी राज्यात कार्यरत आहेत. देशामधील खाणकाम क्षेत्रातील रोजगाराचा विचार करता, राज्याचा वाटा ६.२ टक्के आहे. राज्यातील खनिजांच्या उत्पादनाचे २००६-०७ मध्ये एकूण मूल्य ४,१८३ कोटी रुपये (स्थूल राज्य उत्पादाच्या अंदाजे एक टक्का) होते. उत्खनन केलेल्या कोळशाचे एकूण मूल्य ३,३३५ कोटी रुपये होते व ते राज्यातील सर्व खानिजांच्या एकूण मूल्याच्या ८० टक्के होते.

पर्यटन
६.३७ स्वच्छ व सुंदर समुद्रकिना-यांनी युक्त ७२० कि.मी. लांबीची किनारपट्टो, किल्ले व स्मारके, थंड हवेची ठिकाणे, सांस्कृतिक वारसा असणारी ठिकाणे, धार्मिक स्थळे आणि अभयारण्ये अशी विविधाँगी पर्यटन स्थळे राज्यात असून त्यांचा पर्यटन व्यवसायाच्या दृष्टिने पूर्णांशाने उपयोग झालेला नाही. महाराष्ट्राच्या दृष्टिने वैशिष्ट्यपूर्ण बाब म्हणजे आँतरराष्ट्रीय पर्यटकांसाठी मुंबई हे देशाचे प्रवेशद्वार आहे. राज्यातील महत्त्वांच्या पर्यटन स्थळांशी मुंबई जोडलेली आहे. प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजागाराच्या उपलब्ध होणा-या संधी विचारात घेऊन राज्य शासनाने पर्यटन क्षेत्राच्या विकासासाठी 'पर्यटन धोरण, २००६' ची आखणी के लेली आहे. पर्यटन स्थळांना आवश्यक

त्या पायाभूत सुविधांमध्ये सुधारणा करणे तसेच पर्यटकांसाठी निवासस्थाने, करमणुकीची साधने इत्यादिंच्या अधिक चांगल्या सोयी निर्माण करणे यासाठी वित्तीय सहाय्याद्वारे खाजगी क्षेत्राच्या सहभागास उत्तेजन देणे हा या धोरणाचा गाभा आहे. शासनाच्या धोरणांची अंमलबजावणी करण्याची जबाबदारी महाराष्ट्र पर्यटन विकास महामंडळावर सोपविली आहे.
६.३८ सद्य:स्थितीत राज्यातील पयंटन विकासाचे विविध प्रकल्प म.प.वि.महामंडळ राबवित आहे. या प्रकल्यांमध्ये पयंटन स्थळांच्या ठिकाणी पायाभूत सुविधांचा विकास करणे, पुणे फेस्टिवल, एलोरा फेस्टिवल, एलिफंटा फेस्टिवल यांसारखे सुप्रसिद्ध पर्यटन महोत्सव आयोजित करणे यांचा समावेश आहे. म.प.वि. महामंडळाकडून हाती घेण्यात आलेल्या प्रकल्पांची वित्तीय माहिती तक्ता क्र. ६.१६ मध्ये देण्यात आली आहे.

तक्ताक्रमांक६.३६
म.प.वि.महामंडळाकडून हाती घेतलेले प्रकल्पांची विन्तीय माहिती
(रुपये लाखांत)

| वर्ष | मंजूर प्रकल्पांची <br> अंदाजित किमत | वितरीत <br> निधी |
| :---: | :---: | :---: |
| २००५-०६ | २०३०.७२ | २६२९.५४ |
| २००६-०७ | २८६९.३२ | २२९६.४६ |
| २००७-०८* | ९०५.०२ | ७२४.०२ |

* डिसेंबर , २००७ पर्यंत


## पायाभूत सुविधा

७. 2 आर्थिक वृध्दी टिकवून ठेवण्यामध्ये भौतिक पायाभूत सुविधा महत्त्वाची भूमिका बजावतात. यामध्ये ढोबळमानाने ऊर्जा, पाटबंधारे, दछणवळण आणि भूपृष्ठ-जल-हवाई यांद्वारे वाहतूक यांचा समावेश होतो. ऊर्जा, पाटबंधारे, दळणवळण व वाहतूक अशा पायाभूत सुविधांसाठो मांठया प्रमाणात भांडकली गुंतवणुकीची आवश्यकता असते. अगदी अलिकडोल काळपपंत सार्वर्जानक क्षेत्रातोल उपक्रम पायाभूत सुविधांच्या विकासासाठी पुठाकार घेत होते. तथापि, तणावपूर्ण वित्तीय स्थिती, दूरदृष्टीचा आणि स्पर्धात्मकतंचा अभाव यामुळे सार्वंजनिक क्षेत्रातील उपक्रम सातत्याने वाढत्या मागणोची पूर्तंता करू शकले नाहीत. ही वस्तुस्थिती आणिण आर्थिक विकासामधोल पायाभृत सुविधांची असणारी महत्त्वाचो भूमिका विचारात घंऊन शासनाने ९९९० पससून उदारोकरणाचे धोरण अवलंबिले असून विदेशी थेट गुंतवणूकदार व देशातील संयुक्त खाजगी क्षेत्रंना पायाभृत क्षेत्राच्या विकासासाठी दारे उघडली आहेत. भारतीय संघराज्य हे वर्ष २०२० पयंत जगातील महासत्ता बनण्याचे स्वप्न पहात आहे. याकरिता उच्चतम दर्जांच्या पायाभूत सेवा स्पर्धांत्मक किमतीत कार्यक्षमतने पुरविल्या जातील, असे धोरण अनुसरणे आवश्यक आहे. अखेर पायाभूत सुविधांबाबतच्या धोरणाचे यश हे ग्राहकास पुराविलेल्या पायाभूत सेवांची गुणवत्ता, प्रमाण व आकारलेली किंमत या बाबी जागतिक मानकांच्या तुलनेत अजमावणे आवश्यक आहे.
ऊर्जा
बीज
ง. $२$ वीज हा अर्थव्यवस्थेच्या विकासातोल एक महत्त्वाचा घटक आहे. साधारणपणे दीड दशकापूर्वो राज्यातील विजेची उपलब्धता मागणीपेक्षा जास्त होतो. तथापि, उदारीकरणाचे धोरण अवर्लंबल्यानंतरच्या काळात सार्वर्जनिक क्षेत्राचो ऊर्जा क्षेत्रातील गुंतवणूक बरोच कमी झाली. परिणामी, विजेच्या स्थापित क्षमतेत वाढ झालेली नाही. त्यामुळ राज्यातील विजेची मागणी आणि पुरवठा यांमधील दरी सतत रुंदावत असून ती एक चितेची बाब झाली आहे. शासनाने हया समस्यंचे गांभीय ओळखले असून स्थापित क्षमतेत भर घालण्यासाठी आणि अस्तित्वात असलेल्या पारेषण व वितरण व्यवस्थेतील पायाभूत सुविध्धांच्या आधुनिकीकरणासाठी पावलें उचलेली आहेत.

## स्थापित क्षमता

७.३ राज्यातोल विद्युत् निर्मितीची स्थापित क्षमता आधीच्या
 इतकी झाली. हो वाढ मुख्यत्वे अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतातील (३४५ मेगावॅट) वाहीमुळे झाली आहे. २०६६-०७ मध्ये, तसेच चालू वर्षांत जानेवारी, २००८ पयंत महानिर्मितीच्या स्थापित क्षमतेत वाढ झालेली नाही. तथापि, महार्मिंती कंपनीने अकराव्या पंचवार्षिक योजनेत विजेची स्थापित क्षमता ६,६५७ मेगावॅटने वाढविण्याचे योजले आहे. यार्यातिरक्त, राज्यास केंद्रोय प्रकल्पातून १०,२४९ मेगावेट स्थापित क्षमता उपलब्ध होण्याची शक्यता आहे. स्रोतप्रकारानुसार स्थापित क्षमतेचा तपशील तक्ता क्र. ७.२ मध्ये दिला आहे.

तक्ता क्रमांक ७.?
स्थापित क्षमता
(मेगावॅट)

(अ) राज्यातील
(१) महानिर्मिती

| औष्णिक | ६,४२५ | ६,४२५ |
| :--- | ---: | ---: |
| जलजन्य | २,४५० | २,४५० |
| नैसर्गिक वायुजन्य | ८५२ | く५२ |
| बेरीज (१) | ९,७२७ | ९,७२७ |

उप-बेरीज (१)
९,७२७
(२) टाटा


उप-बेरीज (२)
প,७७૪ २,७७७
(३) रिलायन्स
औष्पिक 400400
( $૪$ ) दाभोळ (आरजीपीपीएल)
नैर्सरिक वायुजन्य ७२८ ७२く
(५) बंदिस्त विद्युत् ९०८ ९०८
(६) अपांरपरिक ऊर्जा २,३०८ १,६५३
( ) अणुर्शक्तिजन्य * २६० २६०
एकूण (अ)
Р५.१०५ १५.૪५३
(ब) एनटीपीसी/एनपीसी @ २,३९४ २,५३९
एकूण (अ+ब)
१७,૪९९ ९७,९८૪

* राज्याचा वाटा
@ केद्राकडून वाटप


७．૪ ३१ मार्च，२००७ रोजी सर्व प्रकारच्या स्रोतांपासून राज्यातोल एक्कुण स्थापित क्षमतेत अष्णिक स्रोत हा पूर्वीप्रमाणेच ५२ टक्के वाटयासह प्रमुख स्रोत होता．महार्नार्मिती कंपनीच्या विद्युत् निर्मिती संयंत्रांची दिनांक ३३ मार्च，२००७ रोजीची अवर्वर्धारित क्षमता ९，५९२ मेगवॅट इतको होती．


७． 4 अकराव्या पंचवार्षिक योजनेत प्रस्तावित केलेल्या स्थापित क्षमता वाढोच्या कार्मक्रमाचा तपशील तक्ता क्रमांक ७．२ मध्ये दिला आहे．

## विद्युत् निनिती

७．६ २००६－०७ मध्ये राज्यातील एकूण विद्युत् निर्मिती（अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतासए）७३，२२९ दशलक्ष किलोवेट तास होती व ती आधीच्या वर्षांच्या तुलनेंत ६．२ टक्क्यांनी अधिक होती．विद्युत् निर्मितीमध्ये महार्निमिती कपनोचा वाटा ७० टक्के，त्याखालोखाल टाटा $३ ५$ टक्के आणि रिलायन्स सहा टक्के असा होता．राज्यातील विद्युत निर्मितीचा स्रोतप्रकारानुसार तपशील तक्ता क．७．३ मध्ये दिला आहे．

तक्ता क्र．७．२
अकराव्या पंचवार्षिक योजनेत राज्यास उपलब्ध होणारी अपेक्षित स्थापित क्षमता
（मेगावं：्ड）

| वर्ष／प्रकल्प | महार्निर्मिती | केद्रीय प्रकल्ल |
| :---: | :---: | :---: |
| २006－0¢ |  |  |
| जीटीपीएस | ७९२ | － |
| परळी टीपीएस विस्तार－？ | २५o | － |
| पारस टीपीएस विस्तार－१ | 240 | － |
| विंध्याचल टप्पा－३ यु－१० | － | २६९ |
| कहलग़ाव टप्पा－२ यु－५ | － | wo |
| कहलगाव टषा－२ यु－६ | － | \＄30 |
| सिपात टप्पा－२，यु－४ व ५ | － | $3 \% 9$ |
| कावस विस्तार प्रकल्प | － | ३७4 |
| उप－बेरीज | १，२९२ | ९६३ |
| २००८－०९ |  |  |
| सिपात टप्पा－१，यु－१ व २ | － | २३； |
| बह यु－？ | － | ३．${ }^{\text {\％}}$ |
| कावस विस्तार प्रकला | － | 364 |
| घाटघर जलजन्य प्रकल्प | 240 | － |
| उप－बेरीज | २५० | ६३．し |
| २००९－२० |  |  |
| नवीन परळी विस्तार－२ | 240 | － |
| पारस विस्तार－२ | २५० | － |
| उरण गॅस टबोंइन विस्तार ब्लॉक－？ | 勺00 | － |
| सिपात टप्पा－१，यु－३ | － | ใ१4 |
| बह यु－२ | － | ३ ३ |
| गंधार विस्तार प्रकल्प | － | ३७¢ |
| उप－बेरीज | 2，480 | ५२＇३ |
| २०१०－१？ |  |  |
| खापरखेडा टोपीएस विस्तार | 400 | － |
| भुसावळ टीपीएस विस्तार－यु－？ | 400 | － |
| भुसावळ टीपीएस विस्तार－यु－२ | 400 | － |
| बह यु－३ | － | ३＇ช |
| गंधार विस्तार प्रकल्प | － | ३けム |
| उत्तर करणपुरा यु－？ | － | ३ ३ |
| उत्तर करणपुरा यु－३ | － | ३＇ |
| सुभानश्रो जलजन्य | － | \％010 |
| उरण－गॅस टर्बाईन विस्तार ब्लॉक－२ | ३४० | － |
| जुने प्रकल्प | १，०३५ | － |
| उप－बेरीज | ३，५७५ | १，0७¢ |
| २०११－१२ |  |  |
| बह टप्पा－२ यु－१ | － | ६＇६ |
| उत्तर करणपुरा यु－२ | － | ३ ३ |
| मौदा वीज प्रकल्प | － | ૪ою |
| धोपवे यु－？ | － | COO |
| धोपवे यु－？ | － | CO\％ |
| मुंद्रा मेगा वोज प्रकल्प | － | Coro |
| कृष्णापट्ट्णणम | － | COO |
| झारखंड | － | 3010 |
| कोस्टल तामिळनाडू | － | Yoio |
| उप－बेरीज | － | ¢，३९＇9 |
| लॅनकी इनजा प्रा．लि． | － | 1400 |
| आरजीपापीएल（डापीसी） | － | 2，940 |
| एकूण बरीज | द，द¢¢ | Р०，२४＇¢ |

तक्ता क्रमांक ७．३

## राज्यातील विद्युत् निर्मिती

（दशलक्ष किलोवॅट तास）

| स्त्रोत प्रकार | 2004－0६ | 200६－0才 | शेकडा बदल |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| （अ）राज्यातील |  |  |  |
| （१）महानिर्मिती |  |  |  |
| औष्षिंक | ४०，१२く | ४१，२६？ | O．C |
| जलजन्य | 4，६4？ | ५，६५？ | $\bigcirc$ |
| नेर्सागक त्रायुजन्य | ३，けฺ७ | $\gamma, 0$ Q | ६．\％ |
| उप－बेरीज（१） | 40，३५६ | 40，980 | १．२ |
| （२）टाटा |  |  |  |
| औष्पिक | ७．C4\％ | ง，C૪० | （－） $0 . ?$ |
| जलजन्य | २，०マ० | २．ף३७ | 4．l |
| नैसर्गक वायुजन्य | १，३३१ | २，३३९ | $0 . ६$ |
| उप－बेरीज（२） | १？，204 | ११，३१६ | १．O |
| （३）रिलायन्स |  |  |  |
| औष्टिक | ४，३२६ | r，84e | 3.9 |
| （४）दाभोळ（ आरजीपी नैर्सारगक वायुजन्य | पीपीएल） | १，६૪o | － |
| （५）बंदिस्त विद्युत् | 340 | ૪ $¢ 0$ | 24．19 |
| （६）अपारंपरिक ऊर्जा | cel | १，८९३ | ११३．२ |
| （७）अणुर्शाक्तजन्य＊ | P，৩४о | २，૪૪२ | ૪०．३ |
| एकण（अ） | द८，¢¢ | ७३，२२९ | द．${ }^{\text {P }}$ |
| （ब）एनटीपीसी／एनपीसी＠ | १९，१९३ | २२，Р६८ | १६．० |
| एकूण（अ＋ब） | $\bullet \bullet, 9 ७ C$ | ア५，२९७ | ८．३ |

＊राज्याचा वाटा＠केंद्राकडून वाटप
७．६．१ २००७－०८ या वर्षात डिसेंबर अखेरपयंत राज्यात ५२，०४० दशलक्ष किलोवॅट तास विद्युत् निर्मितो झाली व ती २००६－०७ मधोल तत्सम कालावधीतील वीज निर्मितीपेक्षा ३．४ टक्क्यांनी जास्त होती．


## वीज निर्मिती खाजगीकरण

७．७ ऊर्जा निर्मितीमध्ये खाजगी व सार्वजनिक भागीदरीस उत्तेजन देण्यासाठी महाराष्ट्र शासनाने एक पाऊल पुढे टाकले असून एकृण १२，५०० मेगावेंट क्षमतेची वाढ करण्यासाठो २००५－०६ मध्ये पुढील आठ खाजगी कंपन्यांशी सामंजस्य करार केले आहेत．（१）सिपको（२，000 मेगावंट）， （२）एस्सार（१，५०0 मेगावँट），（३）जीएमआर एनजी（१，000 मेगावॅट，（४） इस्पात एनर्जी（१，००० मेगावॅट），（५）रिलायन्स एनर्जो（४，००० मेगावॅट）， （६）स्पेक्ट्रम टेकॉलॉजी（ 400 मेगावॅट），（ง）टाटा पॉवर कॉर्पोरेशन （२，५०० मेगावॅट）आणि（८）जिंदाल पॉवर कॉर्पोरेशन（१，000 मेगावँट）． महाराष्ट्र राज्य विद्युत् वितरण कंपनी उपरोक्त संस्थांकडून स्पधात्मक किमतीत वीज खरेदो करणार आहे．जीएमआर आणि सेक्ट्रम टेक्नॉलॉजी या कंपन्यांव्व्यतिरिक्त इतर सर्व कंपन्यांनी जमीन संपादन，इंधन उपलब्धतेची व्यवस्था，जागा रिकामी करुन घंणे व पर्यांवरागाचा अभ्यास，इत्यादी कामांना सुरुवात केली आहे．तथापि，सदर कंपन्यांच्या प्रगतीचा वेग फार कमी असल्याचे दिसून आल्याने त्यावर काटकोरपणे संनियंत्रण करणे गरजेचे आहे．

## बीज खरेदी

७．८ राज्याने २००६－०७ मध्यं एकृण ११，९०६ कोटी रुपयांची ४९，७१० दशलक्ष किलोवॅट तास इतकी वीज खरेदी केली．ती २००५－०६ या वर्षातोल खरेदीपेक्षा २७，४७५ दशलक्ष किलोवॅटने जास्त असून त्याकरिता ५，८८९ कोटो रुपये इतका वाढोव खर्च झाला वीज खरेदीबाबतचा तपशील तक्ता क्र．७．૪ मध्ये दर्शाविला आहे．

तक्ता क्र．७．४
२००६－०७ मधील वीज खरेदी

| कंपनीचे नाव द | दशलक्ष कि．वॅ．तास | कोटी रुपये |
| :---: | :---: | :---: |
| एनटीपोसी व एनपीसी | \＄9，4 90 | ३，५४३．६३ |
| बीएचईपी（डॉडसन） | 48 | ११．9 ${ }^{\text {¢ }}$ |
| पॉवर ट्रेंडिंग कॉर्पोरशन ऑफ इंडिया | या 430 | २२२．८६ |
| अदाणी एक्स्पोर्ट लिमिटेड | \％9C | २३७．७9 |
| लँडेड कॅस | २३，९०८ | ५，¢\％\％．५र |
| इतर | 4，940 | २，04द．0？ |

वीज वापर
७．९ राज्यात २००६－०७ मध्ये विजेचा एकूण वापर ६२，०८५ दशलक्ष किलोवॅट तास इतका झाला．तो २००५－०६ मधील एकृण ५९，२८७ दशलक्ष किलोवॅट तास वीज वापराच्या तुलनेत ४．७ टक्क्यांनी अधिक होता．राज्यातील विजेचा वापर सर्वांत मोठ्या प्रमाणात औद्योगिक क्षेत्रात（४२．७ टक्के），तर त्या खालोखाल घरगुती（२३ टक्के）आणि कृषि क्षेत्रात（३५．७ टक्के）असल्याचे दिसून येते．राज्यातोल एकृण वीज वापरामध्ये या तोन क्षेत्रांचा एर्कत्रत्रत वाटा ८१．५ टक्के होता राज्यातोल विजेच्या वापराचा तपशील तक्ता क्रमांक $७ . ५$ मध्ये दिला आहे．

तक्का क्रमांक $७ .4$

## राज्यातील विजेचा वापर

（दशलक्ष किलोवॅट तास）

| प्रकार | २00¢－0¢ | २००६－0७ | शेकडा बदल |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| घरगुती | १३，¢७？ | १४，२८૪ | $4 . ३$ |
| वारणणज्यिक | ૪，८૪？ | ६，9४० | ૪३．૪ |
| और्द्योगक | २५，६९२ | २६，५३५ | ३．३ |
| कुषष | ११，०९૪ | ¢，७४¢ | $(-) \uparrow$ २．？ |
| सार्वर्जनिक दिवाबत्ती | ६२२ | ६७२ | C．O |
| रेल्वं | १，८६१ | १，¢¢0 | ६．८ |
| सार्वजनिक पाणीपुरवठा | २，५२६ | १，६00 | ૪．く |
| संकीरण | ७¢ | ३\％ | ३०२．२ |
| एकृण | ५¢，२く७ | ६२，०く५ | ૪．७ |

७．९．१ सर्वांत अलिकडील उपलब्ध आकडेवारीनुसार，२००४－०५ या वर्षात अखिल भारतातील विजेचा दरडोई एकृण，औद्योगिक आर्ाण घरगुती वापर अनुक्रमे ४११．० किलोवेट तास，१२६．२ किलोवॅट तास आण ८७．८ किलोवॅट तास इतका होता，तर महाराष्ट्रासाठी तत्सम वापर अनुक्रमे ५३७．९ किलोवॅट तास，२१७．५ किलोवॅट तास व १२४．७ किलोवॅट तास असा होता．२००६－०७ करिता महाराष्ट्रासाठी तत्सम आक．डंवारी अनुक्रमे ५७८．५ किलोवॅट तास，२४७．२ किलोवॅट तास व १३३．१ क्लांवॅट तास अशी होती．


संयंत्र उपलब्धता आणि भारांक
Q． 20 औष्पिक विद्युत् केंद्रांची कार्यान्वित गुणवत्ता मोजण्याची संयंत्र भारांक व संयंत्र उपलब्धता अंक ही दोन महत्त्वाची परिमाणे आहेत． कोंळशाचा व दंख्रभालीचा दर्जा，तसेच संयंत्राचा कार्य कालावधी अशा अनेक घटकांचा परारणाम संयंत्र उपलब्धता अंकावर होतो，तर संयंत्र भारांक हा भार व्यवस्थापन दर्जावर अवलंबृन असतो．तत्त्वतः संयंत्र उपलब्धता अंक आणण संयंत्र भारांक हे जवळपास सारखेच असायला हवंत संयंत्र भारांक व संयंत्र उपलब्धता अंक यांचा तपशील तक्ता क्र．७．६ मध्ये दिला आहे．

तक्षा क्र．$勹$ ६
२००६－०७ मधील औष्णिक विद्युत केंद्रांचे संयंत्र भारांक व सयंत्र उपलब्धता अंक

| कंपनी | （\％）संयंत्र <br> भारांक <br> （पीएलएफ） | （\％）संयंत्र <br> उपलब्धता <br> अंक <br> （एव्दीएफ） |
| :--- | :---: | :---: |
| महानिर्मिती | ७३．७ | ८२．？ |
| टाटा इलेक्ट्रिसटी के． | ७८．८ | ९१．६ |
| रिलायन्स एनर्जो | १०२．८ | ९६．८ |

७．११ २००६－०७ मध्यं विजचो १६，३८८ मंगावँटचो कमाल मागणी दिनांक ३० डिसेंबर，२००६ रोजी होती व तो ३，९९२ मेगावँटचे भार नियमन करून भागविण्यात आलो．२००७－०८ मध्ये डिसेंबर अखेरपयंत विजेची कमाल मागणी ३८ डिसेंबर，२००७ रोजी २७，४८२ मेगावॅट होती व ती ४，६भ८ मेगावॅटचे भार नियमन करून भागविण्यात आली．


७．११．१ २००६－०७ मधील सर्वांत जास्त मासिक सरासरी कमाल मागणी फेब्रुवारी，२००७ या महिन्यात १६，८४१ मेगावॅटची होती व ती सरासरी ४，८२५ मेगावॅटचे भार नियमन करून भागविण्यात आली．

## पारेषण हानी

७．१२ ३१ ऑक्टोबर，२००७ रोजी महापारेषण कंपनीकडे ५८，५२९ एमव्हीए पारेषण क्षमता असलेली उच्च दाबाची $૪ ९ ०$ उपकेंद्रे होती． तसेच，महापरेषण कंपनीकडे ३५，८४२ सकिंट कि．मी．चे उच्च दाबाचे पारेषण जाळे होते，अकराव्या पंचवार्षिक योजनेमध्ये उच्च दाबाची उपकेंद्रे，पारेषण क्षमता व उच्च दाबाचे पारेषण जाळे यांत अनुक्रमे १३૪， ३९，५७५ एमक्हीए आणि २०，१४२ सर्कंट कि．मी．ची भर अरंक्षित आहे． पारेषण हानीचे प्रमाण २००५－०६ मधील ६．४ टक्क्यांवरून कमी होऊन २००६－०७ मध्ये ते ५．५ टक्के इतके झाले．

## वितरण हानी

७. 33 महावितरण कंपनीने सदोष मीटर्स बदलणे, कमी दाबाच्या परिपत्रांची विभागणी करणे, अत्याधिक भार असलेल्या वाहिन्यांवरील (फिडर्स) भार दुसरीकडे वळ्ळविणे, नवीन उपकेंद्रे, रोहित्र उभारणे व कार्यान्वित करणे आण तारा टाकणे अशा विविध उपाय्योजना सुरु केल्या आहेत. तसेच, वीज चोरी आणि अनधिकृत वीज वापर यावर नियंत्रण ठेवण्यासाठो मोठया प्रमाणावर मोहीम सुरु केली आहे. परिणामी, वितरणातील हानीचे प्रमाण २००५-०६ मधील ३२.७ टक्क्यांवरुन कमी होऊन २००६-०७ मधे ते २९.५ टक्के इतके झाले. तथापि, चालू वर्षात ऑक्टाबर २००७ पर्यंत ते आणाी कमी होऊन २१.९ टक्के इतके झाले. हो महावितरण कंपनीची एक उल्लेखनीय कामगिरी ठरावी.
७.१३.१ विजेच्या चो-या शोधृन काढण्यासाठी व चो-यांना प्रतिबंध करण्यासाठो राज्याच्या निरनिराळया भागांत ३६ भरारी पथके कार्यंत आहेत. सदर फिरत्या पथकांना २००६-०७ मष्ये २२,२९९ विद्युत् जोडणया नियमबाह्य/ अनधिकृत आढळ्न आल्या व त्यापैकी ३,०६३ प्रकरणे वीज चोरीची होती. २००७-०८ मध्ये डिसेंबर अखेरपयंत तत्सम वीज चोरोची प्रकरणे २,२४? इतकी होती.

## ग्रामीण विद्युतीकरण

७.२४ लघुउद्योगांच्या वाढोस व कृषष पंपांच्या विद्युतीकरणास उत्तेजन देण्यासाठी, तसेच अधिक संतुलित व वेविध्यपूण्ण अशा अर्थव्यवस्थेस चालना देण्यासाठी आणि ग्रामीण विद्युतीकरण जलद गतीने करण्यासाठी केंद्र शासनाने नवीन ग्रामीण विद्युतीकरण धोरण घोषित केले आहे. नवीन धोरणानुसार "जर गावात शाळा, पंचायत कार्यालय, आरोग्य केंद्र, दवाखाना, समाजमंदिर, इ. सार्वजनिक ठिकाणी बीज पुरविण्यात आली असेल, तसेच गावातील एकूण कुटुंबापेकी किमान १० एक्के कुंबुंकडे वोज जोडणी झालेली असेल, तर त्या गावाचे विद्युतीकरण झालें आहे, असे समजण्यात येत"". ग्रामीण विद्युतीकरणाच्या नवीन व्याख्येनुसार $३ १$ मार्च, २००७ अखेरपर्यंत एकूण $३ ६, १ १ ५$ खेडयांचे विद्युतीकरण झालेले होते, आधीच्या वराप्यंत अशा खंडयांची संख्या ३६,००० इतकी होती. गावाच्या विद्युतीकरणाच्या नवीन व्याख्येची व्याप्ती विचारात घेता राज्यातील अद्याप $४, ९ ८ ०$ गावे विद्युतीकरण होण्याची शिल्लक आहेत. राज्यातील विद्युतीकरण शक्य असलेल्या सर्व हरिजन

| वीज जोडणीतील प्रगती |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  | (संख्य्या लाखात) |
| मार्च | विद्युतीकरण केलेले | कृषि पंपासाठी | घरगुती ग्राहक |
| अखेर | कृषि पंप (संचयी) | नवीन अर्ज | (संचयी) |
| २00? | २३.२८ | $0 . ७ ७$ | १२९.७३ |
| २o०२ | २३.६७ | 0.44 | १३०.૪३ |
| २00३ | २૪.?ง | 0.8 C | १३३.१२ |
| poor | २૪.99 | १.0¢ | १३५.३२ |
| 2004 | २५.७३ | -.३२ | १३६.4६ |
| २00६ | २६.५३ | १.०२ | १३९.१७ |
| 200 | २ง.७७ | -. 89 | १४६.८३ |

वस्स्यांचे (३३,७१२) विद्युतीकरण पृर्ण करण्यात आले आहे. याव्यत्तिरिक्त, २००६-०७ मध्ये १२२ वाज्यांचे विद्युतीकरण करण्यात आले असून विद्युतीकरण झालेल्या वाङ्यांची एकृण संख्या आता ३८,०६२ झाली आहे.
७.१४.२ २००६-०७ मध्ये १,२३,५५८ कृषिपापांचे विद्युतीकरण करण्यात आले. त्यामुळे राज्यात विद्युतीकरण करण्यात आलेल्या कृषिपंपांची एकृण संख्या मार्च,२००७ अखेर २७.७७ लाख इतकी झाली. ३ः मार्च, २००७ रोजी कृषिपंपांच्या वीज जोडणीसाठी प्रलंबित अर्जांची संख्या ३ लाख होती. प्रत्येक वर्षी सरासरी 90,000 नवीन कृषि पंप विद्युत् जोडणी अजांची भर पडल्याचे आकडेवारीवरूून दिसून येते.

## महाराष्ट्र वीज नियामक आयोग

७.२५ महाराष्ट्र शासनाने विजेच्या दरआकारणीचे सुसूत्रीकरण, आर्थिक व्यवस्थापन आणि ऊर्जा क्षेत्रातील सुधारणांसाठी असलेल्या वोज नियामक आयोग अधिनियम, १९९८ अंतगंत तरतुदींनुसार महाराष्ट्र वीज नियामक आयोगाची स्थापना केली आहे. या आयोगाकडे प्रामुख्याने तर्कशुद्ध व पारदशंक पद्धतीने वीजदर ठरविण्याचे काम सोपविण्यात आले आहे.
७.१५. $१$ महाराष्ट्र वीज नियामक आयोगाच्या अगदी अलिकडील दिनांक ३८ मे, २००७ च्या आदंशानुसार प्रति युनिट वोज पुरवक्याचा सरासरी खर्च रु.३.५० असल्याचे जाहीर करण्यात आले आहे. तथापि, वोज बबलाचों आकारणा सवंच ग्राहकांना समान दराने केली जात नाही. याबाबतचा तपशील तक्ता क्र. ७.७ मध्ये दिला आहे.

तक्ता क्रमांक. ט.७
प्रति युनिट सरासरी प्राप्त रक्कम आणि वीज पुरवठयापासून प्राप्ती व किंमत यांतील तफावत

| ग्राहकाचा प्रकार | सरासरी प्राप्त शुल्क (रु./युनिट) | तफावत* <br> (रु./युनिट) |
| :---: | :---: | :---: |
| कमी दाबाने वीज पुरवठा |  |  |
| घरगुती | 3.43 | 0.03 |
| बिगर-घरगुती | 4.00 | २.4७ |
| सर्वसाधारण प्रेरक शक्ती | ૪.จง | 0.96 |
| सार्वर्जनिक पाणीपुरवठा | २.९ง | (-) ¢ $^{\text {¢ }}$ ¢३ |
| शेती | १.८८ | (-)¢.६२ |
| सार्वजनिक दिवाबत्ती | २.७? | (-)0.69 |
| उच्च दाबाने वीज पुरवठा औद्योगिक |  |  |
| अ) अखंडित | ૪.0? | 0.42 |
| ब) खंडित | 4.46 | २.०७ |
| रेल्वे | ¢. 24 | -.६५ |
| पाणी पुरवठा | ३.८३ | -.३३ |
| शेती | १.७१ | $(-) \uparrow . ७ ¢$ |
| एकत्रित पुरवठा |  |  |
| अ) निवासी | २.१३ | (-)0.4७ |
| ब) वाणिज्यिक | ૪.C? | १.३२ |

टीप : प्रति युनिट वीज पुरवठ्याचा सरासरी खर्च रु.३.५०

* प्रति युनिट सरासरी प्राप्त शुल्क आणि पुरवठयाचा सरासरी खर्च यातील तफावत.


## बंदिस्त (कॅप्टिद्क) विद्युत् निर्मिती

ง.६६ औद्योगिक घटकाने प्रामुख्याने स्वतःच्या वापरासाठी वोज निर्मितीकरिता उभारलेल्या विद्युत् संचास बंदिस्त विद्युत् निर्मिती संच असे म्हणतात. या योजनेअंतर्गत उद्योगाने उभारलेल्या बंदिस्त (कॅप्टिक) विद्युत् निर्मिती संचांमधून घटकाच्या स्वतःच्या वीज वापरासाठी मर्यादापातळी विहित करण्यात येते आणि अतिरिक्त वीज जाळ्यामध्ये विकण्यास त्यांना अनुमती दोग्यात येते. या धोरणास अनुसरून मार्च, २००७ अखेरपर्यंत महावितरण कंपनीने एकूण १,७५७ मेगावॅट क्षमतेच्या पारंपरिक ऊर्जा निर्मितीवर आधारित १६३ प्रकल्पांना अनुमती देऊन या-हरकत प्रमाणपत्रे दिली आहेत. या प्रकल्पापैकेकी ७८ प्रकल्पांनी आतापयंत एकूण ९०८ मेगावॅट विद्युत् निर्मिती चालू केली आहे.

## अपारंपरिक ऊर्जा स्रोत

७.३७ महाराष्ट्र ऊर्जा विकास अभिकरण (मेडा) हा महाराष्ट्र शासनाचा उपक्रम असून तो अपारंपरिक ऊर्जा विभागाच्या अंतर्गत कार्यरत आहे. मेडाच्या स्थापनेपासून (१९८५) त्यांनी अपांरपरिक ऊर्जा क्षेत्रंच्या विकासाचा विडा उचलला असून पुनवर्वापरयोग्य ऊर्जा निर्मितीची एकल उपकरणे तयार करणे व ऊर्जा संधारण, विशेषतः ग्रामीण भागातील, कार्यक्रमावर लक्ष केंद्रित केले आहे.
७.२७.२ खाजगी क्षेत्राच्या उत्कृष्ट सहभागामुळे मेडास सप्टेंबर,२००७ अखेरपयंत १,९५० मेगावेट स्थापित क्षमतेच्या पुनर्निर्मितीक्षम ऊँ्जा स्रोंतापासून ऊर्जा निर्मिती प्रकल्पांची स्थापना करणे शक्य झाले.

## साखर कारखान्यांकड्नन विजेची सहनिर्मिती

७.३८ महाराष्ट्रतील १८५ साखर कारखान्यांकडे सुमारे १,२५० मेगावॅट विद्युत् निर्मितीची क्षमता आहे. महावितरण कंपनीने ४६४ मेगॅवॅट क्षमतेच्या वोज सहर्मिर्मितीसाठी ४० साखर कारखान्यांशी करार केला असून १८३ मेगावॅट क्षमता असलेल्या २२ प्रकल्पांकडे काम सोपविण्यात आले आहे. त्या २२ प्रकल्प्पंपेकी १५९ मेगावॅट क्षमतेचे १८ प्रकल्प ३२ डिसेबर,२००७ अंडेर कार्यान्वित झाले आहेत. याशिवाय मेडाने २८२ मेगावॅट क्षमता असलेल्या $१ ८$ प्रकल्पांना मान्यता दिलेली आहे.

## पवन ऊर्जा

७. 99 महाराष्ट्राची पवन ऊर्जंचो क्षमता ४,५८૪ मेगावँट इतकी आहे. वार्षिक सरासरी पवन ऊर्जा घनता २०० वॅट प्रति चौरस मीटरपेक्षा जास्त असलेली स्थाने पवन ऊर्जा निर्मितीसाठी सक्षम स्थाने समजली जातात. महाराष्ट्रात अशी ३२ स्थाने आहेत. पथदर्शी प्रकल्पांमुळे दिसून आलेली तांत्रिक व्यवहार्यां, तसेच महाराष्ट्र शासनाने घोषित केलेले आकर्षक गुंतवणुक धोरण यामुळे पवन ऊर्जा क्षेत्रात ९,००० कोटी रुपयांपेक्षा जास्त खाजगी गुंतवणूक सुकर झाली आहे. सप्टेंबर, $२ \circ 0 \bullet$ उसखेरपयंत राज्यात ३६ ठिकाणी जवळपास १,६०० मेगावॅटचे खाजगी पवन ऊर्जा प्रकल्प उभारण्यात आले आहेत. २००६-ov मध्ये या प्रकल्पांकडून

१,६६३ दशलक्ष किलोवॅट तास वोज निर्मिती झाली. मेडाने ५४५ मेगावॅट क्षमतेचा आशिग्रा खंडातील सर्वात मोठा पवन ऊर्जा प्रकल्प धुळे जिल्हयात उभारला आहे.


जैविक (बायोमास) ऊर्जा
७.२० राज्यात अर्तिरिक असलेल्या कृषिजन्य टाकाऊ जैविक पदार्थापासून पारेषण जाळ्याच्या दर्जांची वीर्जनर्मिती करण्याची ७८? मेगावॅट इतकी क्षमता आहे. महाराष्ट्रात खाजगी क्षेत्रातील गुंतवणूक आकर्षित करण्यासाठी आखलेल्या धोरणामुळे या क्षेत्राकडे गुंतवणूकदारांचा उत्साहवर्धक कल दिसून येत आहे. याचा परिणाम म्हणून १४ मेगावॅट क्षमतेचा टाकाऊ कृषिजन्य पदाथांपासून ऊर्जां निर्मितोचा प्रकल्प कार्यांन्वित झाला आहे. महावितरण कंपनीने २६८ मेगावॅट क्षमतेच्या २४ जैविक ऊर्जा उत्पादकांसोबत बीज खरेदी करार केलेला आहे. यापैकी बहुतांश प्रकल्प २००८-०९ मध्ये कार्यांन्वित होण्याची शक्यता आहे.

## ऊर्जा संधारण कार्यक्रम

७.२१ औद्योगिक आस्थापनांतील ऊर्जेचा अकार्यक्षमपणे होणारा वापर शोधून काढण्यासाठी व ऊजंची बचत करण्याकरिता मार्ग व उपाय सुचविण्यासाठो मेडाकडून या कार्यंक्रमांतर्गत विविध औद्योगिक आस्थापनांची ऊर्जा तपासणी केली जाते. औद्योगिक, कृषि, घरगुती आणि वाणिज्यिक क्षेत्रांमध्ये ऊर्जा संधारणासाठी असलेला अंदाजित वाव अनुक्रमे २५ टक्के, ३० टक्के, २० टक्के आणि ३० टक्के इतका आहे. 'ऊर्जा बचत कार्यंक्रमांतर्गतंत मेडाने प्रशंसनीय काम केले असून ३० सप्टेंबर ,२००७ पयंत ४२५ औद्योगिक कंपन्यांत ऊर्जा तपासणीचे काम केले आहे. परिणामी औद्योगिक क्षेत्रात मोठया प्रमाणात वीज बचत झाली आहे.
७.२२.२ मेडाकड्न राबविल्या जाणा-या महत्व्वाच्या योजनांची प्रगती तक्ता क्रमांक ७.८ मध्ये दर्शंविली आहे.

तक्ता क्रमांक ७．८
मेडाकडून राबविल्या जाणा－या महत्त्वाच्या योजनांची प्रगती

| बाब | २००६－о७ मध्ये | मार्च，○๑ पयंत संचयी |
| :---: | :---: | :---: |
| （१）स्थापित क्षमता（मेगावॅट） |  |  |
| （अ）पवन ऊर्जा प्रकल्प | уех．ч | १，૪く५．६ |
| （ब）बायोमास ऊर्जा प्रकल्प | 6.0 | १४．0 |
| （क）बॅगस सहर्निर्मिती विद्युत् प्रकल्प | く．६ | २५३．${ }^{\text {¢ }}$ |
| （२）सौर ऊर्जा कार्यक्रम |  |  |
| （अ）विकरोले सौर कुकर्स（संख्या） | २く५ | ૪७，९३ง |
| （ब）पुरार्बॉलक सौर कुकर्स（संख्या） | ？¢ | くマ。 |
| （क）पाणी गरम करण्याच्या सोर संयंत्रांची एकूण क्षमता （लाख लिटर प्रतिदिन） | २．० | C4．4 |
| （ड）सौर फोटोकोल्टेक पथदीप（संख्या） | ૪＜२ | २，९५३ |
| （इ）स्थाप्तित केलेले फोटोक्होल्टेक पद्धतीचे सौर कंदील（संख्या） | ૪१४ | ११，२३२ |
| （फ）पवन ऊर्जा संर्करितप्रकल्प | २२ | $\bigcirc \uparrow$ |

## परिवहन व दळणवळण

## सार्वजनिक परिवहन

७．२२ परिवहन यंत्रणा ही वेगवेगळे प्रकार व सेवा यांनी युक्त असून त्यामध्ये प्रामुख्याने रस्ते，रेल्वे，जल आणि हवाई यांद्वारे होणा－या वाहतुकींचा समावेश होतो．सातत्यपूर्ण व एकंदर आर्थिक विकासासाठी कार्यक्षम परिवहन सेवा ही आवश्यक असते，कारण ती दुर्गम मागास भाग व नागरी क्षेत्र एकत्र जोडते．अर्थव्यवस्थेच्या वाढीच्या प्रक्रियेमध्ये ती एक महत्वाची पायाभूत स्वरूपाची बाब आहे．उत्पादकता वाढविण्यासाठी कार्यक्षम परिवहन यंत्रणा महत्त्वाची भृमिका बजावते．
रस्त्यांचे जाळे
७．२३ राज्यामध्ये रस्त्यांच्या पायाभूत सुविधांचा विकास महाराष्ट्र शासनाचा सार्वजनिक बांधकाम विभाग，जिल्हा परिषदा，महानगरपालिका， नगर परिषदा，महाराष्ट्र राज्य रस्ते विकास महामंडळ（एम्एसआरडीसी）， वन विभाग，महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळ（एमआयडीसी），शहर व औद्योगिक विकास महामंडळ（सिडको），इत्यार्दीकडून करण्यात येतो． वाहतूक सेवा सुरळीतपणे चालू राहण्यासाठी रस्त्यांच्या जाळयांची नियमित देखभाल होणे व ती चांगल्या स्थितीत ठेवणे महत्त्वाचे असते．वाहतुकीची हांणारी कोडी टाळण्यासाठी व सुरक्षित वाहतुकीसाठी वाहतृक वाढीच्या प्रमाणात रस्त्यांच्या जाळयांचा विस्तार होणे जरुरीचे असते．मार्च，२००७ अखेर सार्वर्जनिक बांधकाम विभाग व जिल्हा परिषदांच्या देखभालीखालील रस्त्यांची एकत्रित लांबो（स्थानिक स्वराज्य संस्थांकडील अंतर्गत रस्त्यांची लांबो वगळ्ळून）२．३४ लाख कि．मी．इतकी होती．पृष्ठांकित（२，०८，५७१ कि．मी．）व अपृष्ठांकित（२५，०९३ कि．मी．）रस्त्यांच्या लांबीचे रस्त्यांच्या एकृण लांबीशी प्रमाण अनुक्रमे ८९．३ टक्के व १०．७ टक्के इतके होते．

रस्त्यांच्या प्रकारानुसार रस्त्यांची लांबी तक्ता क्र．$७ . ९$ मध्ये दर्शविण्यात आली आहे．रस्त्यांच्या प्रकारानुसार रस्त्यांच्या लांबीबाबतची वर्षनिहाय आकडेवारी या प्रकाशनाच्या भाग－२ मधील तक्ता क्र．३२ मध्ये दिली आहे．

तक्ता क्रमांक ७．९
सार्वजनिक बांधकाम विभाग व जिल्हा परिषदांच्या देखभालीखालील रस्त्यांची लांबी
（कि．मी．मध्ये）

| रस्त्याचा प्रकार | मार्च अखेर |  | टक्के |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | 200६ | －2006 | वाढ |
| राष्ट्रीय महामार्ग | ૪，३६७ | ૪，३३६ | 0.00 |
| राज्य महामार्ग | ३३，4け？ | ३३，६७¢ | －३？ |
| प्रमुख जिल्हा रस्ते | ชС，9Сs | ช९，१૪ง | －．३३ |
| इतर जिल्हा रस्ते |  | $\gamma 4, \xi \bigcirc \gamma$ | 0.99 |
| ग्रामीण रस्ते | ९९，२७¢ | १，00， $00 \%$ | 2.43 |
| एकूप | २，३१，४३० | २，३३，६६४ | $0.9 ७$ |



७．२४ याशिवाय，वन विभाग，एमआयडोसी，सिडको व महानगरपालिका यांच्या देखभालीखालील माचं，२००६ व मार्च，२००७ अखेरच्या रस्त्यांची लांबी तक्ता क्र．७．२० मध्ये दिली आहे．

तक्ता क्रमांक ७．१०
वन विभाग，एमआयडीसी，सिडक़ो व महानगरपालिका यांच्या देखभालीखालील रस्यांची लांबी

|  | （कि．मी．मध्ये） |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| संस्था | मार्च अखेर |  | टक्के |
|  | २००६ | २00७ | वाढ |
| वन विभाग | ११，४१२ | ११，४१२ | 0．00 |
| एम आयडोसो | २，૪२३ | २，4१४ | ३．७६ |
| सिडको | ३४？ | ૪३く | २८．४५ |
| महानगरपालिका | १५，¢о¢ | १६，२८く | २．3८ |
| एकूण | ३०，०८4 | ३०，६५२ | १．८८ |

७．२५ मार्च，२००७ अखेर राज्यातील सुमारे ९६ टक्के गावे बारमाही रस्त्यांना，तर सुमारे तीन टक्के गावे हंगामी रस्यांनी जोडलेली होती．उर्वरित ४२५（सुमारे एक टक्का）गावे बारमाही किंवा हंग़ामी रस्यांनी जोडलेलो नक्कती．

## महाराष्ट्र राज्य रस्ते विकास महामंडळ

७．२६ महाराष्ट्र राज्य रस्ते विकास महामंडळाची स्थापना १९९६ मध्ये，प्रामुख्याने खाजगी क्षेत्राच्या सहभागाने रस्ते विकासाचा कार्यक्रम राबविण्यासाठी करण्यात आली．महामंडळाने हाती घेतलेले बहुतांश प्रकल्प＇बांधा，वापरा व हस्तांतरण करा’ या तत्त्वावर आधारित आहेत． या प्रकल्पांची सावस्तर माहिती तक्ता क्र．७．२१ व ७．१२ मध्ये दिली आहे．

तक्ता क्रमांक ७．११
महाराष्ट्र राज्य रस्ते विकास महामंडळाने पूर्ण केलेले प्रकल्प

|  |  | （रुपये कोटीत） |
| :---: | :---: | :---: |
| प्रकल्पाचे नाव | प्रकल्पाचा एकूण अर्पेक्षित खर्च | डिसंबर，o७ अखेरपर्यंतचा खर्च |
| मुंबई－पुणे द्रुतगती मार्ग | २，१३६ | २，१२२ |
| मुंबईतील ५० उड्डाणपूल | २，६१७ | १，२०५ |
| व 4 पादचारी भुयारी मागं |  |  |
| रेल्वे उड्डाणपृल | 994 | 999 |
| कल्याण－दुगांडी पूल | उ．ना． | \＆ |
| ठाणे－घोडबंदर रस्ता | २२८ | ७२ |
| वर्धा－नाकोडा रस्ता | उ．ना． | ＜ |
| सार्वर्जानक बांधकाम प्रकल्प | ४३ | ७¢ |
| लातूर शहरातील रस्ते | ३३ | ३३ |
| रा．म．$૪$ ：सातारा－कोल्हापूर－ कागलचे चोपदरीकरण | ง40 | ७९२ |

[^2]तक्ता क्रमांक ७．१२
महाराष्ट्र राज्य रस्ते विकास महामंडळाने हाती घेतलेले प्रकल्प
（रुपये कोटोत）

| प्रकल्पाचे नाव | प्रकल्पाचा एकूण अंप्षित खर्च | डिसेंबर，०७ अखेरपर्यंतचा खर्च | काम पूर्ण होण्याचे अपेक्षित वर्ष |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| वांद्रे－वरळी सागरीसंतू | १，३०६ | ७४४ | 200¢－09 |
| पश्चिम सागरीसेतू | ૪，१४३ | $\gamma$ | २०२२－१३ |
| मुंबई पारबंदर सागरी मार्ग | ३，४२० | $\gamma$ | 209\％－92 |
| नागपूर－औरंगाबाद－सिन्नर－ घोटी रस्ता सुधारणे | ७२२ | 493 | 200¢－१० |
| नागपूर शहरातील रस्ते | ૪२マ | ३०१ | 2009－90 |
| औरंगाबाद शहरातोल रस्ते | १४२ | ૪३ | २००९－१० |
| नंदुरबार शहरातील रस्ते | २？ | Re | 2009－80 |
| अमरावती शहरातोल रस्ते | ใ\％4 | १\％ | २००९－ヶ० |
| नांदेड शहरातोल रस्ते | く | ३ง | 200९－ヶ० |
| पुणे शहरातील रस्ते | २७？ | ใ५\％ | 2009－90 |
| बारामती शहरातील रस्ते | ३६ | ३く | 2009－90 |
| सोलापूर शहरातील रस्ते | くく | ९२ | 2009－90 |
| कोल्हापूर शहरातोल रस्ते | १७२ | २ | 2009－80 |

७．२७ पूर्ण झालेल्या प्रकल्पांच्या एकृण ६，६७४．४ कोटी रुपये खर्चाच्या तुलनेत ३१ डिसेंबर，२००७ पर्यंत एकृण २，२५९．५ कोटी रुपये टोल जमा करण्यात आला．

## मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण

७．२८ मुंबईं महानगर प्रदेश क्षेत्रातील पायामृत सुविध्रांच्या विकासास चालना देण्यासाठी व नार्गारकांचे जोवनमान सुधारण्यासाठी मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणाने（एमएमआरडीए）मुंबई नागरो परिवहन प्रकल्प （एमयुटोपी），मुंबई नागरी पायाभूत सुविधा प्रकल्प（एमयुआयपी），मिठो नदी विकास प्रकल्प，निर्मल महानगर अभियान，मेट्रो रेल्वे，मोनोरेल व पादचा－यांसाठी उत्रत मार्ग हे महत्त्वाकांक्षी व नावीन्यपृर्ण प्रकल्प हाती घेतले आहेत या प्रकल्पांची सद्य：स्थिती तक्ता क्रमांक ७．१३ मध्ये दिली आहे．

मोटार वाहने

७．२९ राज्यात १ जानेवारी，२००८ रोजो १३०．३ लाख मोटार वाहने （दर लाख लोकसंख्येमागे १२，०९२）होतो व ती मागील वर्षाच्या तुलनेत ९．९८ टक्क्यांनी जास्त होती．एक्ण वाहनांपैकी सुमारे १६ लाख（१२．१ टक्के）वाहने बृहन्मुंबईत होती．निवडक वर्षांकरिता १ जानेवारी रोजी राज्यात असलेल्या मोटार वाहनांचा तपशील या प्रकाशनाच्या भाग－२ मधोल तक्ता क्रमांक ३३ मध्ये दिला आहे．

तक्ता क्रमांक ७.३३
मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणाने हाती घेतलेले प्रकल्प
(रुपये कॉटोत)

७.३० बुहन्मूंबइमध्य १९९८-९९ मध्य असलेल्या हलक्या माटार वाहनांची $3.3 \%$ लाख ही संख्या आठ वर्षांच्या कालावधोत सुमारं दीडपटीने वाढृन २००६-०७ मध्ये तो $\gamma$ ६४ लाख झाली. तसेच याच कालावधीत दुजाकी बाहनांची संख्याही दुपटांपेक्षा जास्त होऊन २००६-०७ मध्ये तो ७.९३ लाख झालो. ब़न्मुंबइंतील हलक्या मोटारवाहनांच्या व दुचाकी वाहनांच्या संख्येतोल जलद वाढीमुळे रस्त्यांच्या पायाभूत सुविधेवर ताण पडत आहे आणि भविष्यात ही वाढ अशीच होत राहिल्यास ही परिस्थिती


आणखी बिकट होण्याची शक्यता आहे. म्हणृन बृहन्मुंबइंतील सार्वर्जानक प्रवासो वाहतूकव्यवस्थेमध्यें प्राथम्याने सुधारणा व बळकटोकरण करणे आवश्यक आहे.
७.३२ राज्यात मार्च, २००७ अगेंर मोटार वहनने चार्लावण्यासाठाच्या वैध अनुजप्तींची संख्या १६२.५३ लाख होती, तर माचं, २००६ अखेर ती १५४.०१ लाख होती. यावरून, राज्यातील प्रत्येक सातव्या व्यक्तोकडे वाहन चार्लावण्याची वैध अनुज़प्ती असल्याचे दिसृन येते
बृहन्मुंबईतील वर्षनिहाय दुचाकी व हलकी मोटार वाहने


७.३२ २००६-०७ मध्ये मोटरवाहनांवरील कर आणि शुल्के यांच्या महसुर्ली जमंत मागोल वर्षाच्या तुलनेत १३.४४ टक्क्यांनी वाढ होऊन तो २,०५९ कोटो रुपये इतको झाली. यामध्ये मुंबइं मोटार वाहन कर व प्रवासी कर यांची टक्केवारी अनुक्रमे ८९ व ११ होती. सीमा तपासणो नाके, भरारो पथके, अवेध वाहतृक कारवाई, प्रदृषण नियंत्रण तपासणी केंद्रे त्र अतभार मालवाहतृक कारवाई यांपासृन २००५-०६ मधील २२४.३७ काटी रुपयांच्या तुलनेत २००६-०७ मध्ये २४६.७३ कांटी रुपये वसृल वराल्यात आले.

## सार्वजनिक प्रवासी वाहतृक

७.३३ सार्वर्जनिक रस्ते वाहतूक यंत्रणा आर्थिक विकासात महत्त्वाचो भूमिका बजावते. सार्वजनिक वाहतृक यंत्रणंचो किफायतशीर व समन्न्वायत संवा यामुळं नागरिकांमध्ये ती अधिक पसंतीची बनली आहे. शिवाय, सार्वर्जानक वाहतृक व्यवस्था ही राज्याचो महत्त्वाची पायाभूत सुविधा आहे. राज्यात सार्वर्जानक प्रवासी वाहतुकोची सुाविधा महाराष्ट्र राज्य मार्ग पार्वहन (रा.प.) महामंडळ, तर मुंबईत ही सुविधा बृहन्मुंबई विद्युत पुरवठा व परिव्रहन उपक्रम (बेस्ट), तसंच ठाणं, नवो मुंबई, कल्याण-डोंबिवली, पुणे, पिंपरी-चिंचवड, कोल्हापृर व अहमदनगर या शहरात संबंधित महानगरपालिकांकडृन पुरविण्यात येते.

## महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन महामंडळ

७.३४ राप. महामंडळाने २००६-०७ या वर्षांत प्रतिदिन ५९.३८ लाख प्रवासो वाहतूक केलो अस्न तो आधीच्या वर्षातील वाहतुकोपेक्षा २.४१ टक्क्यानी जास्त होती. ही वाढ मुख्यत्वे करून "प्रवासी वाढवा अंभयान" चाल़ वर्षात रार्बववल्यामुळं झाली असावी. २००६-०७ मध्ये प्रांतदन वाहतृक केलल्या ४७.५४ लाख कि.मी. मध्य मागील वर्षापेक्षा सुमार एक टक्का इतको अल्प वाढ झाल्याचे दिसून येते. मार्च, २००७ अखेर राज्यातील सुमारे १,३६६ गावांमधील रहिवाशांना जवळच्या बसधांब्यावर पाहोंचण्यासाठी सरासरी $५$ कि.मी. पेक्षा जास्त अंतर चालावे

लागत होते. वाहने व चालक-वाहक ही वाहतृक व्यवसायाची प्रमुख संसाधनं आहेत. वाहन उत्पादकता व चालक-वाहक वापर यामध्ये २००६-०७ या वर्षांत गतवर्षीच्या तुलनेत अनुक्रमें २०.४ कि.मी. ने व ३.६ कि.मी. ने, इतकी लक्षणोय प्रमाणात वाढ झाली. २००६-०७ मध्य आसन क्षमतेच्या सरासरी वापरात $० . ६ ९$ टक्क बिंदृनी अल्पशी वाढ होऊन तो ५७.२८ टक्के इतका झाला. त्यामुळ २००६-०७ या वर्षांत वाहतूक महसुलामंध्य गतावर्षोच्या तुलनत C.५ टक्क्यांनी वाढ झाली. रा.प. महामंडळाचो वाहतूर्कविषयक आकडंवारी तक्ता क्र. ט.१४ मध्य दिली आहे.

तक्ता क्रमांक ज.१४
रा. प. महामंडळारी वाहतूक विषयक आकडेवारी

| बाब | 2004-0¢ | २OO¢-ov | शकडा <br> बदल |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| वर्ष अखेरीस वाहतूक करण्यात येत असलेले मार्ग (संख्या) वर्ष अखंरोस मागांची लांबी (लाख कि.मी.) | १६,६९७ १२.३० | १६,४८२ १२.३३ | $(-) २ . २ ९$ $0.2 \%$ |
| वाहत्क केलेले प्रारिदिन सरासरी सार्थ कि.मो. (लाख) | ช७. 2 E | ช७.4\% | $0.6 ?$ |
| वाहतूक केलेल्या प्रवाशांची प्रर्तिदिन सरासरी संख्या (लाख) | 49.98 | 49.36 | २. ४? |
| महामंडळाच्या मालकीच्या गाङ्यांची सरासरी संख्या | 24,044 | 24,342 | (-)2.4\% |
| मार्गस्थ असणा-या गाड्यांची प्रातदिन सरासरी (संख्या) | १४, ६७¢ | १ช, ช८* | (-)2.48 |
| बस ताफ्याचा सरासरो वापर (टक्क) | ) ९३.२६ | 9૪: 30 | Q.oQ* |
| वाहन उत्पादकता (कि.मी.) | २९९.३० | ३०९.६६ | $3.8 \%$ |
| चालक/वाहक वापर (कि.मी.) | २०4. २६ | २०C.८२ | २.ง३ |
| वाहतुकींपासृन वर्षतोल एक्षण जमा (कोटी रु.) | ३,200.४4 | ३, $8190.9 \rho$ | C. 84 |
| मार्गस्थ गाड्यांच्या आसनक्षमतेचा सरासरी वापर (लोड फेक्टर) (टक्क) | $4 \% .49$ | 419.26 | $0 . ६ 9^{*}$ |
| प्रति वाहन कर्मचा-यांचे प्रमाण (नियताप्रमाणें दि.३१, मार्च रोजो) | ง. 8 \% | ७.३७ | (-)0.4\% |
| एकूण वाहने (निकामी झ़ालेल्या वाहनांसहित fंदि.३१ मार्च रोजो) | 24,94\% | १4,३३२ | (-)३.ง2 |

[^3]७.३५ कर भरल्यानंतर आण पूर्वंकालीन समायोजन केल्यानंतर महामंडळाला २००६-०७ मध्ये मागील वर्षाच्या ३९.९० कोटी रुपये तांट्याच्या तुलनेत २३.३६ कोटी रुपये एकूण नफा झाला. रा.प. महामंडळाची वित्तीय आकडेवारी तक्ता क्र. ७.२५ मध्ये दिली आहे.

तक्ता क्रमांक ७．२५
राज्य मार्ग परिवहन महामंडळाची वित्तीय आकडेवारी

|  | （रुपये कोटीत） |  |
| :---: | :---: | :---: |
| बाब | 2004－0६ | 200६－0才 |
| एक्रूण जमा | ३．२९ち | ३，५९४ |
| एकूण खर्च（कर वगळ्न） | २，८७२ | ३，¢८६ |
| （अ）चम्लन खर्च | マ，くアマ | ३，०q， |
| （a）चालनेतर खर्च | $\cdots$ | ES |
| कपपव नफा | ४२૪ | 400 |
| एकृण कर | ४६५ | 400 |
| （अ）प्रवासी कर | 844 | \％¢о |
| （ब）मांटार वाहन व इतर कर | 9 | \％ |
| एकृष खर्च | ३，३३७ | ३，५С६ |
| निम्वळ नफा／तोटा | （－）$¢$ ¢ | 6 |
| पर्वकालीन समायोजन（नफा／तोटा） | १ | 24 |
| एक्ष्ट्ण नफा／तोटा | （－） r ○ | २३ |

७．₹₹६ रा．प．महामंडळ विद्यार्थी，वरिष्ठ नागरिक（६५ वर्षापेक्षा अधिक वंग्य असलेले），कॅन्सरचे रुगण，स्वातंत्यर्रोनिक，इ．प्रवाशांना बस भा：ड्यद्र सवलत देत असतं．२००६－o७ मध्ये समाजातील या वर्गाला दिलेली एकूण सवलत ४३२．३३ कोटी रुपये होती．याशिवाय，दुर्गम भागात अल्प उत्पन्न देणा－या＇क＇वर्गाच्या फे－या चालविल्या जातात（जे प्रामुख्याने बांधीलकीच्या स्वरुपाचे आहे），त्यामुळे रा．प．महामंडळाला २००F－O૭ मध्ये सुमारं १८८．४४ कोटी रुपये तोटा झाला．

७．३७ तक्ता क्रमांक ७．२५ वरून दिसून येते की，रा．प．महामंडळाने २००६－०७ भरलेल्या एकृा करांपैकी ९८ टक्के रक्कम（४९० कोटो रूपये ）प्रवासी करापोटो भरली होती．रा．प．महामंडळ वाहतूक महसुलाच्या टऱविक टक्केवारीने（१७．५ टक्के）प्रवासी कर भरत असते，तर －खाजगी वाहतृकदार प्रवासी कर प्रति आसन प्रति वर्ष या प्रमाणे भरतात． त्याभुळं रा．५．महामंडळाला खाजगी वाहतूकदारापेक्षा जादा प्रवासी कर अदा करावा लागतो．परिणामी，प्रबार्सीं कररचनेची पुनर्रचना करण्याची गरज आहे．

## शहरो प्रवासी वाहतूक

७．३८ राज्यातील १७ शहरांत सार्वजनिक वाहतूक व्यवस्था उपलब्ध आहे．३६ मार्च，२००७ रोजी या शहरांपैकी अर्नाळा，वसई，नालासोपारा， रत्नागरी，नांदड，सांगली－मिरज，नागपूर，चंद्रपूर आणि नाशिक या ९ शहरांत राज्य मार्ग परिवहन महामंडळ व उर्वरित ८ शहरांत संबधित महानगरपालिका वाहतूक सेवा पुरवीत आहेत．२००६－०७ मध्ये रा．प． महामंडळाच्या यासाठी प्रतिदिन सरासरी ५०३ बसगाड्या वापरात होत्या， तर महानगरपालिकांकडे प्रतिदिन सरासरी $૪, ७ २ ०$ बसेस वापरात होत्या． त्यापेंकी एकट्या मुंबईत बेस्टच्या मालकीच्या ३，०८१ बसेस（६५．३ टक्के） वापरात होत्या．या शहरी परिवहन सेत्रांची महत्त्वाच्या बार्बोंची आकडेवारी तक्ता क．७：श६ मध्ये दिली आहे．

तक्ता क्र．७．१६
महाराष्ट्रातील शहर वाहतूक व्यवस्थेबाबतची आकडेवारी（अस्थायी）

| परिवहन सेवा | वर्ष | प्रतिदिन <br> सरासरी <br> कि．मी． <br> वाहतूक <br> （लाखात） | प्रतिदिन <br> सरासरी <br> प्रवासी <br> वाहतुक <br> （लाखात） | वाहतुकीस मार्गस्थ असलेल्या बसेसचा सरासरी संख्या | निल्वळ नफा／तोटा <br> （ 万． लाखात） व्या |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| बेस्ट | 2004－0¢ | E．4C | ४१．३く | ३，०७५（－） | （－） $24,04 \mathrm{C}$ |
|  | 200६－0७ | ६．४¢ | ૪१．१¢ | ३，०८？（－） | （－）३६，४૪？ |
| टीएमटीयु | २00¢－0६ | $0.8 \bigcirc$ | २．९४ | २३६ | （－）५३८ |
|  | 200६－0७ | $0.8 \gamma$ | २．८६ | २६२ | $(-)$ ३२६ |
| केडीएम्टी | २004－0६ | 0.26 | －．७？ | く३ | （－）११४ |
|  | २00६－0७ | 0.99 | －．७१ | \％${ }^{\text {a }}$ | （－）श४० |
| एनएम्एम्टी | 2004－0¢ | 0.84 | २．७૪ | 2F\％ | $(-) \gamma$ |
|  | २००६－०७ | －． 8 ४ | ใ．勺७ | २२६ | उ．ना |
| पीएम्टी | 2004－0¢ | १．६？ | ६．८८ | ७८૪（ | （－）२，७३३ |
|  | २००६－०७ | २．६． | ६．84 | ७पर | उ．ना． |
| पीसीएमटी | २००५－0६ | －．३く | 0．919 | 249 | （－）१，१२९ |
|  | २००६－०७ | －．४३ | 2.00 | १६？ | （－）१，ง९६ |
| केएमटीयु | २00¢－0६ | －．३३ | －．9\％ | 9\％9 | （－）२६६ |
|  | २00६－0ง | －．३३ | 0.94 | १3¢ | （－） Pro |
| एएम्टी | २oo¢－0६ | － | － | － |  |
|  | २00¢－0७ | いい३ | 0.90 | 24 | १२ |
| एमएसआरटीसी （शहर वाहतूक） | २004－0¢ | 9.09 | ३．$¢$ ¢ | ५२2 | （－） $24<6$ |
|  | 200६－0७ | 8.0 C | ३．६६ | 403 | $(-) 9484$ |

उ．ना．－उपलब्ध नाही．
रेल्वे
७．३९ प्रवासी व मालवाहतुकीमध्ये गेल्या १५० वषांपासून भारतीय रेल्वेचा मोठया प्रमाणात सहभाग आहे．३१ मार्च，२००७ रोजी राज्यातील लोहमार्गाची एकृण लांबो ५，९०२ कि．मी．（३८२ कि．मी． कोकण रेल्वेसह）होती व ती भारतातील एकूण ६४，०६८ कि．मी． लांबीच्या ९．२ टक्के एवढी होती．लोहमागांच्या आकडेवारीवरून असे दिसून येते की，गेल्या ४८ वर्षांत राज्यातील लोहमार्गांची लांबी केवळ १३ टक्क्यांनी वाढली आहे．ही वाढ मुख्युतः कोकण रेल्वे अस्तित्वात आल्यामुले झाली आहे．रेल्वेन हाती धेतलेल्या कामांमध्ये बहुतांश कामे मीटरगेज（१ मी．）आणि नॅरोगेज（०．७६२ मी．／०．६१० मी．）लोहमार्गांचे ब्रॉडगेज（？．६७६ मी．）मध्ये रूपांतर करण्यासंबंधीची होती ३१ मार्च， २००ज रोजी राज्यातील लोहमार्गाच्या लांबीचे（कोकण रेल्वेसह）प्रति २，०00 चौ．कि．मी．भौगोलिक क्षेत्रामागे प्रमाण १९．२ कि．मी．，तर देशात हे प्रमाण २९．६ कि．मी．हांते．

७．४० राज्यात चालू असलेल्या रेल्वेच्या कामांची मार्च，२००७ अखेरची स्थिती तक्ता क्र．७．१७ मध्ये दिली आहे．

| मार्गाचे नाव | मार्गाची लांबो कि.मी. | एकूण अंदाजित खर्च कोटी रुपये | २००६-०७ अखेरची प्रगती |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| अमरावती-नरखेड (नवीन मार्ग) | १३८ | २८૪.२७ | $५ ७ ~ ट क ् क े ~ क ा म ~ प ू र ् ण ~ झ ा ल े ~ आ ह े . ~$ |
| अहमदनगर-बीड-परळी (नवीन मार्ग) | २६१ | ૪६२.६७ | १५ कि.मी.चे काम सुरु केले आहे. |
| बारामतो-लोणंद (नवीन मार्ग) | 4૪ | १३८.૪८ | $८$ टक्के काम पूर्ण. |
| पुणतांबा-शिर्डी (नवीन मार्ग) | १६ | ७¢.४३ | ६० टक्के काम पूर्ण. |
| मिरज-लातूर (३७४ कि.मी.ल्रॉडगेज ऊपांतर) <br> टप्पा-१ : कुड्डुवाडी-पंढरपूर <br> टप्पा-२: लातुर-लातुर रोड | $\begin{aligned} & \text { ५२ } \\ & \text { ३३ } \end{aligned}$ |  | काम पूर्ण झाले असून जून, ०१ मध्ये मार्ग सुरु करण्यात आला आहे. काम पूर्ण झाले असून डिसेंबर, ०३ मध्ये मार्ग सुरु करण्यात आला आहे. |
| टप्या-३ : अ) लातुर-उस्मानाबाद <br> ब) उस्मानाबाद- कुडुंवाडी <br> टप्पा-४ : तांढरग्रु-भेमरज | $\left.\begin{array}{c} \text { co } \\ \text { ७२ } \\ \text { १३७ } \end{array}\right\}$ | ८१६.>० | काम पूर्ण झाले असून सप्टेंबर, ०७ मध्ये मार्ग सुरु करण्यात आला आहे काम प्रर्गतिपथावर असून ते फेब्रुवारी, ०८ पर्यंत पूर्ण होणे अपेक्षित आहे. काम प्रर्गतिपथावर असन ते डिसेंबर, ०० परंत पृर्ण हंणा अप्रेक्षित आहे. |
| पाकणो-मोंाळळ (दुपदरीकरण) | २७ | उ.ना. | काम प्रर्गातपथावर अस्न ते मार्च, ०८ पर्यंत पूर्ण होणा अपंश्षित आहे, |
| पनवेल-जासई (दुपदरीकरण) | २९ | く१.९३ | काम पूर्ण झाले असून ऑगस्ट, ०६ मध्ये मार्ग सुरु करण्यात आला आहे. |
| मुदखेंड-किनवट (ब्रॉंडगेज रुपांतर) पूर्णा-अकोला (२०९ कि.मी.ब्रॉडगेज रुपांतर) | P\% | ३०६.६३ | काम पूर्ण झाले असून जाने., ० पासून मार्ग प्रवासी वाहतुकीसाठी खुला केला आहे. |
| अ) पृभाओ-हिंगालो <br> ब) हिंगोलो-अकोला | $\left.\begin{array}{c} \text { eo } \\ \text { १२९ } \end{array}\right\}$ | ४९७.६३ | काम पूर्ण, तपासणीनंतर तारीं २०0 कि.मी. वंगान वाहतुकोसाठी दि. २श/२२/०ज रोजी प्रमाणित केले आहं. काम प्रर्गातपथावर आहे. |

उ.ना. - उपलब्ध नाही.
७.४१ मुंबईतील गर्दी कमी करण्यासाठी आणि मुंबई महानगर क्षेत्र विकसित करण्यासाठो महानगर वाहतूक प्रकल्पांतर्गत चालू असलेल्या रेल्वेच्या कामांची प्रगती तक्ता क्र. ७.३८ मध्ये दिली आहे.

तक्ता क्र. ७.३८
महानगर नागरी परिवहन प्रकल्पांतर्गत चालू असलेली रेल्वेची कामे

| मार्गांचे नाव | मार्गाची | एकूण | ३१ मार्च, $\circ \bullet$ |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | लांबी | अंदाजित | अखेरची |
|  | कि.मी. | खर्च (कोटी रु.) | प्रगती |

ठाणे-तुर्भे-नेरूळ-वाशी(नवीन मार्ग)
$\left.\begin{array}{ll}\text { (अ) ठारों-तुर्भे-वाशी } & \text { १९ } \\ \text { (ब) तुर्भ-जुइंनगर-नेरुळ } & 4\end{array}\right\}$
बेलापूर-सीवूड-उरण २७ ४९५.४૪
कुलां-ताणे (५वी व दवी मार्गिका)
(अ) कुर्ला-भांडूप
(ब) भांड्रू-ठाणे ठाणे-मुंबा $\left.\begin{array}{l}80 \\ 9\end{array}\right\}$ २२२.८२ (4वी व ६ वी मार्गिका)
कल्याण यार्डाचे नूतनीकरण - २८.७२ काम प्रर्गातिपथावर आहे. कल्याण येथील स्टॅबलिग लाईन - ३७. ५७ काम प्रगतिपथावर आहे.

काम पूर्ण, १९/२२/०૪ पासून वाहतुकीस खुला. C० टक्के काम पूर्ण. काम प्रग्गतिपथावर आहे.

काम प्रग्गतिपथावर आहे. ४६ टक्के काम पूर्ण. काम प्रर्गतिपथावर आहे.

## जलवाहतूक

मोठी बंदरे
७.४२ राज्याच्या ७२० कि.मी. लांबीच्या किनारपट्टीवर मुंबई पोर्ट ट्रस्ट (एमबोपीटी) व न्हावा शंवा येथील जवाहरलाल नेहरु पोर्ट ट्रस्ट (जेएनपीटी) ही दोन मोठी. बंदरे कार्यान्वित आहेत. या मोठया बंदरांची २००५-०६ व २००६-०७ ची वाहतृक विषयक आकडेवारी तक्ता क्र. ७.श९ मध्ये दिली आहे. र००७-०८ मध्ये डिसेंबर अखेरपर्यंत एमबीपीटी व जेएनपीटी यांनी अनुक्रने ४०२.२९ व ४३२, ६२ लखख टन मालाची वाहतूक केली. ही वाहतूक मार्गाल वर्षांच्या नत्मम कालावधीतील वाहतूकोपेक्षा अनुक्रमे २३.५ व १२.५ टक्क्यांनी जास्त आहे.
७.४३ जास्त खोलीची गरज असणा-या मोठया जहाजांची वाढती मागणो विचारात घंऊन, "मुंबई पारबंदर खाडी व जवाहरलाल नेहरू बंदर खाडी यांची खोली व रुंदी वाढविण" साठो अंदाजे $C 00$ कोटी रुपयांच्या प्रस्तावास शासनाने ऑक्टोजर, २००६ गधंर्र-मंजुरी दिली असून कंत्राट देग्याची प्रक्रिया चालू अक्ेे.
७.४४ भविष्य काळातोल व्वाहत्कीच्या गरजा भागविण्यासाठी पोर्ट ट्रस्टने पुढील दोन प्रकल्प बांधा, वापरा आणि हस्तांतर करा या तत्त्वावर विकासित करण्यास सुरूवात केली आहे. (अ) न्हावा-शेवा

तक्ता क्र．७．१९
राज्यांतील मोठया बंदरांची वाहतूकविषयक आकडेवारी

| चाब | मार्च अखेर |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | एमबोपीटी |  | जेएनपीटी |  |
|  | २oo६ | 200¢ | २००६ | २00७ |
| एकृषण माल वाहतृक | ४२९．५ | ५०६．५ | ३७०．० | ५२६．० |
| क्षमता（लाख टन） |  |  |  |  |
| कर्मचारी संख्या | १५，२८६ | १४，१зи | १，心૭९ | १，७६६ |

माल वाहतूक（लाख टन）
（अ）आयात

| （१）समुद्रपार | २५२．४९ | ३०४．११ | १६६．०८ | १९०．३२ |
| :--- | ---: | ---: | ---: | ---: |
| （२）किनारी | १६．३८ | ६．७९ | १९．२९ | १६．९० |
| （३）एकृण | २६८．६७ | ३१०．९० | ३८५．३७ | २०७．२२ | （ब）नियांत


| （१）समुद्रपार | ४२．२२ | ५७．९२ | १८३．१९ | २३०．१० |
| :--- | ---: | ---: | ---: | ---: |
| （२）किनारी | १३०．३० | १५४．८२ | ९．८० | ९०．८३ |
| （३）एकूण | १७२．५२ | २१२．७४ | १९२．९९ | २४०．९३ | （क）एक्रूण

（१）समुद्रपार
२९४．७？
३६२．०३ ३૪९．२७ ૪२०．૪२
（२）किनारी
१४६．૪く २६२．६१
२९．०९ २७．७३
（३）एकूण
૪૪१．9९ ५२३．६४ ३७С．३६ ૪૪८．१५

प्रवासी वाहतूक（हजारात）

| （१）समुद्रपार | १．२६ | १．८३ |  | ＊ |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| （२）किनारी | С૪．६६ | १६०．4\％ | ＊ | ＊＊ |
| （३）एकृण | く५．C२ | १६२．३७ | ＊ |  |
| जमा महसूल（कोटी रुपये） | १，००२．३३ | १，१५५，४३ | ७५९．४२ | २ ९९०．૪६ |
| कृषण खर्च（कोटी रुपये） | ७२३．99 | ९७८．听 | ३४२．૪9 |  |
| फा／तोटा（कोटी रुपये） | २८？．१४ | ใ७७．३७ | ช१६．९३ | ३ ४५६．९० |

＊＊लागू नाही．
आंतरराष्ट्रीय कागों टर्मिनलच्या उत्तरंस सुमारे ६ लाख टीईयुज （वीस घटकांच्या समकक्ष）क्षमतेच्या कन्टेनर टर्मिनलचे ६०० कोटी रुपये खर्चुन विस्तारीकरण（३३० मीटर्स）करणे；प्रकल्प २००९－१० पयंत पूर्ण होणे अर्पक्षित आहे．（ब）प्रत्येकी २．२ दशलक्ष टीईयुज प्रतिवर्ष क्षमता असलेल चौथे कन्टेनर व सागरी रासायनिक टर्मिनल，जवाहरलाल नेहरू पोटंट्रस्ट येथे दोन टप्यांत विकसित करणे；या प्रकल्पांचा अंदाजित खर्च ६，००० कोटी रुपयं आहे．

लहान बंदरे
७．४५ शासनाने मेरोटाईम बोडांच्या नियंत्रणाखाली खाजगी क्षेत्राच्या सहभागाद्वारे राज्यातील सर्व ४८ लहान बंदरे विकसित करण्याचा धोरणात्मक निर्णय घेतला आहे．पहिल्या टप्यात सात लहान बंदरे
（दिघो，रेवस－आवरे，जयगड，विजयदुर्ग，रेडी，अंजनवेल（दाभोळ）आणि आलेवाडी）विकसित करण्याचे ठरविण्यात आले आहे．त्यापेकी अंजनवेल（दाभोळ）हे बंदर मे．रत्नागिरी गॅस अन्ड पॉवर प्रोजेक्ट लि． यांच्या सहाय्याने विर्कासत करण्यात आले आहे．लहान बंदरांची २००५－०६ व २००६－०७ ची वाहतूक विषयक आकडेवारी तक्ता क्र．७．२० मध्ये दिली आहे．

तक्त क्र．७．२०
राज्यातील लहान बंदरांची वाहतूकविषयक आकडेवारी

| बाब | मार्च अखेर |  |
| :---: | :---: | :---: |
|  | २००६ | Roov |
| मालवाहतूक（लाख टन） |  |  |
| （अ）आयात | $\rho \gamma . \gamma$ | १०४．२ |
| （ब）निर्यात | ใ७．४ | ११．\％ |
| （क）एकूण | ११२．८ | ११५．६ |
| प्रवासी वाहतूक（लाखात） |  |  |
| （अ）यांत्रिक बोटीतून | 228．4 | १२४． 4 |
| （ब）बिगर－यांत्रिक बोटीतून | १८． 3 | २？．？ |
| （क）एकूण | १४२．८ | १४५．६ |
| जमा महसूल（लाख रुपय） | 3，04२．७ | 8，द८？．4 |
| एकूण खर्च्च（लाख रुपये） | १，८६С．？ | १，С८૪．？ |
| नफा／तोटाए（लाख रुपये） | १，१८૪．६． | २，co૪．६ |

७．४६ एप्रिल ते डिसेंबर，२००७ या कालावधीत लहान बंदरांनी मिळ्न ८२．४४ लाख टन मालवाहतूक व १५．३६ लाख प्रवासीं वाहतूक केली．हो वाहतूक मागील वर्षाच्या तत्सम कालावधीतील वाहतुकीपंक्षा अनुक्रमे २．११ टक्क्यांनी जास्त व २६．९२ टक्क्यांनी कमी होती．

## विमान वाहतूक

७．४७ महाराष्ट्रामध्यं तोन आंतरराष्ट्रीय विमानतळ असून ते मुंबई （छत्रपती शिवाजी महाराज आंतरराष्ट्रीय विमानतळ），नागपूर आणि पुणें येथे आहेत．महाराष्ट्रातील आंतरराष्ट्रीय विमानतळ व देशांतर्गत पाच विमानतळांवरून करण्यात आलेल्या विमान उड्डाणांची आणि प्रवासी व माल वाहतुकीबाबतची माहिती तक्ता क्रमांक ७．२१ मध्ये देण्यात आली आहे．२००६－०७ मध्ये आधीच्या वर्षाच्या तुलनेत आंतरराष्ट्रीय विमान उड्डाणांत ९．६ टक्क्यांनी वाढ झाली，तर देशांतर्गत विमान उड्डाणांत २५．२ टक्क्यांनी वाढ झाली．राज्यातील विमानतळांवरून २००६－०७ मध्ये झालेल्या एकूण देशांतर्गत विमान उड्डाणांपैकी ८૪．२ टक्के उड्डाणे मुंबई विमानतळावरून झाली．तसेच या विमानतळावरून देशांतर्गत जाणा－या व येणा－या प्रवाशांचे प्रमाण २००५－०६ व २००६－०७ मध्ये अनुक्रमे ८१．३ टक्के व ८६．७ टक्के होते．

तक्ता क्रमांक ७．२？
महाराष्ट्रातील विमानतळांवरून विमान उड्डाणे आणि प्रवासी व माल वाहतूक

| 1न | \｛वमान उड्डाणे |  | प्रवासी（संख्या） |  |  |  | माल वाहतूक（टनांत） |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  | fिमानाने गेलेले |  | विमानाने आलेले |  | पार्ठववलेला |  | आलेला |  |
|  | 2004－0¢ | २०0द－0७ | २०0५－0६ | २००६－О | २004－0¢ | २00¢－0७ | २004 0¢ | 200\％－0＇ | 2004 OF | 200\％－00 |
| देशांतर्गत |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| मुंबई | १，२२，९५९ | 9，89，04\％ | 4¢，49，690 | ७४，५२，६९४ | ५८，२२，६५४ | ७४，૪९，६७९ | ¢९，¢३き | ७७，२२૪ | ७३，२२く | 198，934 |
| पुणे | १२，०६६ | १५，३५२ | 8，49，484 | ७，६९，५७२ | ૪，५३，७४\％ | ७，५८，३६६ | ३，७०૪ | 4．9५३ | ช，९६२ | ७，о८३ |
| नागपूप， | ५，२४२ | C，98？ | ¢， $60,99 ?$ | २，९५，२७९ | १，७¢，0૪¢ | २，८७，९२९ | १，990 | ヶ，セ¢ง | १，990 | २，2ง |
| आरंगाबाद | २，४०く | ५，२૪२ | ६९，२७२ | くद，¢CP | ६८，२२६ | く३，६૪३ | 48\％ | r६c | ५૪७ | ५२\％ |
| कोल्हापूर | ६く૪ | ७२६ | ४，९२२ | С．५६६ | ६，०२४ | 90，990 |  | － |  |  |
| एकूण | १，४९，३५९ ？ | २，७७，०३૪ | ६५，६६，६२० | CE，¢३，P00 | ६५，२२，६८५ | く५，९०，३२७ | ७૪，ム૪३ | く૪，८३マ | く0，७२७ | e४，७१४ |
| आंतरराष्ट्रीय |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| मुंबई | －9，8¢¢ | ५२，७२？ | 32，90，७с¢ | ३५，६२，૪く¢ | Р९，२५， | ३२，२३，९७२ | १，७9，68\％ | २，८६，९६९ | २，ף৩，५ヶ८ | श，82，043 |
| नागपूर | २५४ | ¢00 | २६，६२७ | ३७，८०१ | C，५く३ | ३२，दく५ | － | ใ | － | － |
| पुणे | २૪६ | く२C | ५，९२७ | १ง，८६० | ५，३७¢ | १६，४८¢ | － | $ง$ | － | － |
| एकूण | ૪९，६८६ | ५૪，8५७ | ३マ，२३，३ช゙ | ३द，२८，940 | २९，Р९，९२२ | ३२，७२，Р૪६ | १，७९，४૪२ | २，く६，९७७ | Q．9७，49¢ | १，४¢，०५३ |

## दळणवळण

७．४८ दळणवळण प्रणालीमध्ये टपाल，तार आणि ध्वनि，दृक व माहिती दृरसंचार यांचा समावेश होतो．अत्याधुनिक संपर्क व्यवस्था हा विकास प्राक्रियंचा एक अविभाज्य भाग असून १९९० च्या दशकात अंमलात आणलेल्या उदारीकरण व खाजगीकरणाच्या धोरणपश्चात तिच्यामध्ये वेगाने वाढ होत आहे．राज्यातोल दूरसंपर्क प्रणाली खाजगी आणि सार्वर्जानक अशा दोन्ही उपक्रमांकड्न राबविली जाते．

७．४९ मार्च，२००७ अखेर राज्याच्या ग्रामीण भागात ११，३३५ व नागरो भागात १，२८૪ टपाल कार्यालये，तसेच टपाल पेट्यांची संख्या ग्रामोण भागात ४२，०४२，तर नागरो भागात १०，५५० होती आणि राज्यात ८，९३२－पोस्टमन होते．

७．५० दूरसंचार सेवा पुरविण्यासाठी ‘भारत संचार निगम लिमिटेड’’ （बीएसएनएल）व＇महानगर टेलिफोन निगम लिमिटेड＇（एमटीएनएल） ह्या सार्वर्जनिक क्षेत्रातील कंपन्या स्थापन करण्यात आल्या．बृहन्मुंबईत अशा प्रकारच्या सेवा एमटीएनएल पुर्रविते आणि राज्यातील उर्वरित ठिकाणी ह्या संवा बीएस्एनएलमाफंत पुरविल्या जातात．याशिवाय $\cup$ खाजगी कंपन्या राज्यात दूरसंचार सेवा पुरवीत आहेत．मंडल／चालक निहाय दूरध्वनीची माहिती तक्ता क्र．७．२२ मध्ये दिली आहे．मार्च， २००७ अखेर राज्यातील दृरध्वनी जोडण्यांची एकृण संख्या ६४．४૪ लाख होती म्हणजे राज्यातील दर तिस－या कुटुंबाकडे दृरध्वनी जोडणी होती． 9.48 मार्च，२००७ अखेर एमटीएनएल व बीएसएनएल यांच्या अखत्यारीतील सार्वर्जनिक दूरध्वनींचो संख्या अनुक्रमे १．६९ लाख व २．४९ लाख इतकी होती，तर एस्सीडी व आयएसडी सुविधा

तक्ता क्र．७．२२
राज्यातील दूरध्वनीधारकांची संख्या
（लाखात）

| यंत्रणा | मुंबई मंडल |  |  | महाराष्ट्र（मुंबई मंडल वगळ्बू） |  |  | एकूण |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | मार्च， २००६ | मार्च， <br> २oov | सप्टेंबर， <br> २०OV | मार्च， <br> २००६ | मार्च， <br> २००७ | सप्टेंबर， 200 0 | मार्च， <br> 200६ | मार्च， <br> २oov | सप्टेंबर， <br> 20013 |
| एमटोएनएल | २२．११ | २१．३८ | २०．६६ | － | － | － | २२．११ | २१．३く | २०．६६ |
| बीएसएनएल | － | － | － | ३९．३३ | ३ 6.08 | 34.68 | ३९．३३ | ३८．0४ | ३५．८૪ |
| भारती | 0.94 | 0.180 | 0.99 | 0.0 ३ | 0.96 | －．२३ | $0.8<$ | $0.6<$ | २ २२ |
| रिलायन्स | 0.26 | $0 . C २$ | 0.96 | 0.96 | －．३७ | －．$\% 3$ | －． 8 ¢ | १．99 | १．४१ |
| टाटा | Q．C9 | २．३४ | २．६४ | －．39 | －．६？ | 0.68 | २．२८ | 2.94 | ३．३८ |
| एकूण | २४．४३ | २५．२४ | २4．2७ | ३९．9३ | ३९．२० | ३७．२૪ | ६४．३६ | $\xi ૪ . \gamma \gamma$ | ६२．५？ |

तक्ता क्र．७．२३
राज्यातील भ्रमण दूरध्वनीधारकांची संख्या
（लाग्बात）

| यंत्रणा | जीएसपग／ <br> सीडीएमा | मुंबई मंडल |  |  | महाराष्ट्र（मूंबई मंडल वगण्टन） |  |  | एकृष |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  | मार्च， २००६ | मार्च， <br> रoov | सट्टेबर， <br> २०ov | मार्च， <br> २००६ | माचं， <br> २oob | साप्टेंबर， २०Oज | मार्च， २०o६ | माच， <br> 200 9 | सट्टेबर， २oov |
| बोपोएल | जीए्सएम | २३．३७ | २०．७० | १२．५३ | － | － |  | १३．३७ | २०．७० | १२．43 |
| द्रोडाफोन | जोएसएम | २०．0才 | २४．६७ | २९．०१ | ७．३૪ | ११．३४ | 20.49 | २ง．३८ | ३६．०१ | ૪६．६० |
| आर्यडडया | जीएसएम | － | － | － | १ง．८२ | २८．${ }^{\text {¢ }}$ | ३६．९८ | ใ७．Cर | २e．७4 | ३६．९८ |
| एमटीएनाएल | जीएसएम | 20.04 | 98.94 | 24．34 | － | － | － | 90．04 | 9\％． 94 | १५．३५ |
|  | सीडोएमए | －．३६ | १．9\％ | १．३२ | － | － | － | －．३६ | 2．9\％ | १．३२ |
| बीए्सएनएल | जीएसएम | － | － | － | ११．३४ | २२．૪३ | २4．4६ | ११．३४ | २२．૪३ | २५． 4 \％ |
|  | सीडीएमए | － | － | － | －．$\%$ ¢ | ३．৩3 | 3．६६ | o．$\gamma \gamma$ | ३．७३ | ३．६६ |
| भारतो | जोए्सए्म | १२．३२ | 2C．49 | 2\％．३८ | १३．१४ | २५．३く | ३२．しく | 24． $\mathrm{F}_{6}$ | ૪३．९ง | 4\％．2¢ |
| ररलायन्स | सीडोएमए！ | 2¢．९○ | 2C． 94 | २२．७७ | १४．२३ | ९९．C૪ | २४．३६ | ३१．१३ | 3ง．99 | ૪६．१३ |
| टाटा | सीडोएमए， | ૪．२૪ | ११．3६ | ¢8．C9 | ३．くき | १६．३९ | २२．९F | ง．¢ง | २ง． 64 | ३७．く५ |
| एकृण |  | ७७．ఇ८ | ९८．७६ | 994．24 | ૬८．१४ | २२७．く६ | १६३．く९ | १४५．३२ | २२६．६२ | २७¢．१४ |

असलंल्या सार्वजनिक दूरध्वर्नींची संख्या अनुक्रमे २६，८२२ व ७८，७४८ इतकी होती．

ט．．सं संत्युल्नर तंत्रज्ञान हैं अलिकडील काळात विर्कसित झालेले जगभरातोल जलद संपकांच अर्धुनिक तंत्रज्ञान असृन त्याची वाढ आपट्याने होंत आहे．या संल्युत्नर सेवा सार्वर्जानक व खाजाो उपक्रमांतील कंपन्या पुरवीत आहेत．मंडल／चालक्कनहाय सेवा पुर्रांवाण－या संस्थेनुसार भ्रमण दूरध्वनो धारकांची आकडेवारी तक्ता क．凶．२३ मध्ये दिली आहे．राज्यात सटेंबर，२००७ अखेंर दर लाख लोकसंख्येमागे २६，००१ भ्रमण दूरध्वनी होते．म्हणजे राज्यातील प्रत्येक चौथ्या व्यक्तीकडे भ्रमण दूरध्वनी होता．

७．५३ राज्यात इंटरनंट ब्रॉडबँड वापरणा－यांचो मार्च， २००ज अखंरची मंडल／चालकनिहाय माहितो तक्ता क्र．७．२४ मध्यां दिली आहे．

तरका क्र． $1.2 \gamma$
राज्यात इंटरनेट ब्रॉडबँड वापरणा－यांची संख्या（३२ मार्च，२००७ रोजी）

| यंत्रणा | गुंबई मंडल | $\begin{aligned} & \text { महाराष्ट्र (मुंबई } \\ & \text { मंडल वगळ्नन) } \end{aligned}$ | एकृष |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| बीएसएग्नए | $v$ | १२，¢4९ |  |
| रिलायन्स | २，३९८ | ३，५२९ | 4，¢२७ |
| क्रोए | － | 4？，E\％${ }^{\text {\％}}$ | 4१，६७६ |
| एमटीएनएल | P，40，8\＆？ | － | र，40，\％¢？ |
| टाटा | ૪，१९\％ | ३，१७२ |  |
| भारती | － | ९，૪¢० | ¢，$¢ 90$ |
| सिफी | ५२，३४\} | $9,20<$ | ६१，4૪¢ |
| यु－टेलीकॉम | २૪，१२९ | ९，२३？ | ३३，३६० |
| हँथवे केबल | ३९，६२६ | $4,9 \gamma 4$ | 84，4ı？ |
| इन र केबल | ૪，9३८ | २९२ | $\gamma, \gamma ३ \frac{1}{}$ |
| ब्रॉडबँड पेसनेट | २， 8 Qく | － | २，8१¢ |
| इतर | १，३८？ | ૪ง？ | १，С५ २ |
| एकूण | ३，69，093 | $२,<\varnothing$ ¢，¢७ | 4，६५，价 |



## संस्थांद्वारे वित्त पुरवठा व भांडवली बाजार

८. $१$ वर्ष २९९२ मधोल अविनियमनापास्न (Deregulation) भारतातील वित्तीय क्षेत्रात टिकाऊ स्वरुपाची सात्यत्य्यपूण्ण वाइच होत आली आहे. जार्गातकीकरणाचे धोरण व जार्गतिक व्यापार संघटनेचो बंधने विचारात घंऊन खाजगी क्षेत्रास (विदेशी संस्थांसह) बँकिंग, विमा व भांडबली बाजार यांसारख्या काही क्षेत्रांमध्ये सहभागी होण्यास अनुमती देण्यात आली. खाजगी संस्थांचा वित्तीय क्षेत्रातील प्रवेश आणि भारतीय रिझर्द बँकेचे धोरण यांमुळे वित्तीय संस्थांना त्यांच्या कामात माहिती तंत्रज्ञान साधनांचा वापर करणें भाग'पडले आहे. वित्तीय अविनियमन आणि माहिती तंत्रज्ञानातोल साधनांचा वापर यांमुळे नावीन्यपूर्ण व दर्जदार सेवा मोठ्या प्रमाणात वाजवी व स्पर्धात्मक दरांत तसेच कार्यक्षमतेने व फायदेशीररित्यां देंत्रा 'येणें शक्य झाले आहे. देशातील वित्तीय संस्था ह्रा आर्थिक विकासामधें केवळ ठेवींचे संकलन आणि विविध क्षेत्रांना पतपुरवठ्याचे वितरण करणें याबाबतीतच नके, तर फायदेशीर उत्पादनांद्वारे उत्पत्राचे साधन पुरविण्याच्या बाबतीतही महत्व्वाची भूमिका बजावीत आहेत.

## अनुसूचित वाणिज्यिक बँका

C.२ वित्तीय क्षेत्रामध्ये बँका या ठेवी आणि कर्जे या दोहोंच्या बाबतीत महत्त्वाच्या संस्था असून आर्थिक व्यवहारात त्यांचा सिंहाचा वाटा आहे. बँका ह्या, त्यांच्या पारंपरिक बँकिंग व्यवहाराव्यत्तिरिक, भारतीय रिझर्क बँकेच्या देखरेखीखाली इतर आर्धिक व्यवहारांमध्ये सुद्धा सहभागो होऊ लागल्या आहेत. वाणिज्यिक बँकानी त्यांच्या व्यवसायास बळकटी आणण्यासाठी अनेक पाउले उचलली आहेत. भारतातील बँकिंग क्षेत्रामध्ये तक्ता क्र. ८.?
बँक कार्यालयांची संख्या

| गट | ३० सप्टेबर, २००७ राजी |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | महाराष्ट्र | भारत | हिस्सा (\%) |
| राष्ट्रीयीकृत बँका |  |  |  |
| स्टेट बँक ऑफ इंडिया व तिच्या संलग्न बैंका | $\bigcirc, 0<4$ | 98,940 | 6.6 |
| इतर राष्ट्रीयीकृत बैंका | ૪,२३३? | ३६,O७く | ใ१. ${ }^{\text {c }}$ |
| विदेशी बैंका | Go | 24v | २७.२ |
| प्रादेशिक ग्रामीण बैका | $4 \vee 0$ | 28,844 | ૪.о |
| इतर अनुसूचित वाणिज्यिक बँका | C૪? | ७, ใ७७ | ใ9.9 |
| एकूण | द, 099 | ७२,श?ง | 9.8 |

सर्वाधिक सहभाग/योगदान असणा-या अनुसृचित वार्णिज्यिक बँकांचो विभागणी त्यांच्या मालकांच स्वरूप आणि/किंवा कामाचं स्वरूप यावरून वेगवेगळया पाच गटांत करण्यात आली आहे, महाराष्ट्र आणि भारतातील बँक कार्यालयांची ३० सप्टेंबर, २००७ रोजीची गटनिहाय संख्या तक्ता क्र. ८.श मध्ये दिली आहे.
८.३ महाराष्ट्रातोल अनुसूचित वाणिज्यिक बँक कार्यालयांची ३० सटेंबर, २००७ रोजीची एकृण संख्या ६,७९७ होती व ती भारतातील अशा सर्व बँक कायांलयांच्या (७२,११७) ९.४ टके इतकी होती. भारतातील एक्कृण विदेशी बँक कार्यालयांपेकी २७.२ टक्के बँक काराललये महाराष्ट्रात आहेत.

## -महाराष्ट्रातील अनुसूचित वाणिज्यिक बैका

C.) राज्यातोल बैक कार्यालयांच्या संख्येत सप्टेंबर, २००७ अखेर संपलेल्या एका वर्षांत ३.७ टक्के इतकी वाढ झाली तर त्या आधीच्या तत्सम कालावधीसाठो ती २.७ टक्के होती. राज्यातील एकूण अनुसूचित वाणिज्यिक बँक कार्यालयांपेको ३० टक्के कार्यालये ग्रामीण भागात, ३८ टक्के कार्यालये निमनागरी (लोकसंख्या २०,०0० व त्यापेक्षा जास्त परंतु एक लाखापेक्षा कमी) भागात, तर ५२ टकेे कार्यांलये नागरी भागात होती. राज्याच्या नागरी भागातोल एकृण बँक कार्यालयांपैकी $\times \vartheta$ टक्के बैक कार्यालये एकट्या बृहन्मुंबईमध्ये होती. भारतातील एकृण बँक कायालयापैकी ग्रामीण, निमनागरी आणि नागरी भागांत अनुक्रमे ४२,


२३ आणि ३५ टक्के बँक कार्यालये होती．राज्यात दर लाख लंक्संख्यममागे बँक कायांलयांचो संख्या ३० सप्टेंबर，२००७ रोंजी ६．३ इतकी होती व ती अखिल भारतीय स्तरावरील तत्सम संख्येइतकीच होती．

C． 4 बँकांकडील ३० सटेंबर，२००७ रोजी असणा－या एकृण ठंवो व त्यांनी केलेला स्थृल पतपूरवठा या दोन्होबाबत भारतात महाराष्ट्राचा पहिला क्रमांक लागतो．भारतातील एकूण बँक कार्यालयांच्या संख्येमध्ये राज्याचा हिस्सा जरी ९．४ टक्के इतका असला तरी एकृषण ठेवी व स्थूल पतपुरवठयामध्ये राज्याचा हिस्सा मोठा म्हणजे अनुक्रमे २६ व ३३ टक्क इतका होता．राज्यातील अनुसूचित वाणणज्यिक बंकांच्या एकृण ठेवो ३० सप्टेंबर，२००७ रोजी ง，३२，८३० कोटी रुपयं इतक्या होत्या व त्या आधोच्या वर्षापेक्षा ३？टक्क्यांनी जास्त होत्या．याच कालावधीत बँकांनी केलेल्या स्थूल पतपुरवठ्यात २१ टक्क्यांनी वाढ हाऊन तो ६，६९，८६१ कोटी रुपये डतका झाला．अखिल भारतोय स्तरावरील बँकांच्या एकृण ठेवी व स्थूल पतपुरवठयामध्ये याच कालावधोत झालेली वाढ अनुक्रमें २५ टवके व २२ टक्के इतकी होती． पताुरवठ्यामधील वाढ हो ठवर्वंमध्यं झालेल्या वाढोपंक्षा कमी प्रमाणात झाल्याने याच कालावधीत महाराष्ट्रातोल पतपुरवळ्याचे ठेवींशी असलेले प्रमाण ९९ टक्क्यांवरून कमी होऊन ९२ टक्के इतके झाले．

Cद．राज्याच्या ग्रामोण व निमनागरी भागातोल सर्व अनुर्सूचित वार्गिज्यिक बँकांच्या एकूण ठंवी व पतपुरवठा ३० सप्टेंबर，२००७ अखेर अनुक्रमें ३६，३७३ कोटी रुपये व २६，६७० कोटी रुपये इतका होता आणि आधोच्या वर्षाच्या तुलनेत उेवो व स्थूल पतपुरवठ्यामध्ये अनुक्रमें २४ टक्के व १७ टक्के इतकी वाढ दिसून आली．देशातील ग्रामीण व निगनागरी भागातील एकूण ठेवी व पतपुरवठ्यामध्ये झालेली तत्सम बाढ अनुक्रमे १७ टक्के व २० टक्के इतको होती．अनुसूचित वाणिज्यिक बँकांच्या राज्यातोल एकूण शाखांपैकी ४८ टक्के शाखा जरी ग्रामीण व निमनागरो भागात असल्या तरो एकूण ठेवो व स्थृल पतपुरवठ्यामध्ये त्यांचा हिस्सा अनुक्रमे केवळ $\varphi$ टक्के आणि $\gamma$ टक्के इतकाच होता． सप्टेंबर，२००७ अखेरीस संपणा－या मागील पाच वर्षांच्या कालावधीत राज्यातील या बैकांच्या ठेवी व पतपुरवठा या दोन्हीमध्ये दुप्पटीने वाढ झाल्लो．पतपुरवठ्याचे ठंवींशी असणारं प्रमाण ६२ टक्क्यांवरून ७३ टक्क इतके वाढले，हे ग्रामीण भागातील लोकांचा बँकांकड बघण्याचा सकारात्मक दृष्टिकोन व बँकांची विश्वासाहंता वाढत असल्याचे दर्शवितं．

८．७ राज्यातील सर्व अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक शाखांच्या संख्येमध्ये एकट्या बृहन्मुंबईचा हिस्सा २४ टक्के होता．तथापि，ठेवी व पतपुरवऊ्यात त्यांचा अनुक्रमे $\langle ?$ व $\langle ७$ टक्के इतका भरीव हिस्सा होता．

C．८ राज्यातील अनुसृचित वार्णिज्यिक बँकांच्या ठेवी व पतपुरवठ्याबाबतचा साविस्तर तपशील भाग－२ मधोल तक्ता क्र．（२）मध्ये दलला आहे．

८． 9 राज्यातोल अनुसूचित वाणिज्यिक बँकांची ३० सप्टेंबर， २००७ रोजी ठेवींची दरडोई रक्कम ६८，१९१ रुपये होती व ती अखिल

भारतीय स्तरावरील तत्सम रकमंच्या（२४，९९० रुपयं）दुपटीपेक्षा जास्त होतो．राज्यातोल ह्या बैकांचा दरडांई पतपुरवठा ६२，४१७ रुपये हाता आर्ाण तो अखिल भारतोय स्तरावरोल अशा रकमेच्या（१७，८७१ रुपये） जवळपास चांपट होता．वृहन्मुंबई वगळता राज्यातील दरडोई ठंवी व पतपुरवठा अनुक्रमें केवळ १४，९२२ रुपयं आणि ९，३४४ रुपयें होता．

ठेवी व पतपुरवठा－आढावा
८．$१ ०$ महाराष्ट्रामध्ये खात्यांच्या प्रकारानुसार वेगन्तेगढ्या खात्यांमध्ये मार्च，२००६ च्या अखेरच्या शुक्रवारी जमा असलेल्या रकमांबाबत तपशील तक्ता क्र．८．२ मध्ये दिला आहे．
तक्ता क्र．८．२
खात्याच्या प्रकारानुसार ठेवी
（माच，२००६ च्या अखेर च्या शुक्रवारची स्थिती）
（रुपये कोटीत）

| खात्याचा प्रकार | खात्यांची संख्य्या संख्या（＇000） | ठेवी |
| :---: | :---: | :---: |
| चालू | २，६४० | ৩५，०४？ |
| बचत | ३द，३६९ | ७く，२५७ |
| मुदत ठेव | १૪，4૪૪ | ३，३マ，७२૪ |
| एकूण | ムア，¢५す | ૪，く६，०२२ |

बंकाकडील एकूण $૪, ८ ६, ० २ २$ कोटी रुपये ठेवींमध्ये घरगुती ठेव्वी प्रमाण सुमारे ४० टक्के होते．

C．$१ 2$ प्राधान्य क्षेत्रांना दिलंल्या अग्रिमाबाबतचा तपशील तक्ता क्र．C．३ मध्ये देण्यात आला आहे．२९，३३，१५२ खात्यांपेकी निम्म्यंपेक्षा जास्त खाती कृषि व संलग्न कार्यांबाबतरी होती，परंतु त्यांचा कर्जपुरवक्यातील हिस्सा फक्त २२ टक्के होता． तक्ता क्र．८．३
प्राधान्य क्षेत्रास कर्जपुरवठा
（२00५－०६）

| （रुपये कोटीत） |  |  |
| :---: | :---: | :---: |
| प्राधान्य क्षत्र | खात्यांची संख्या | कर्जपुरवठा |
| कृषष व संलग्न कायं | 24，00，200 | २२，२८¢ |
| लघु उद्योग | १，२५，३०६ | २५．६०？ |
| नवीन आद्योंगिक वसाहतो | ३，३ॅ८ | ६し |
| स्वसहाप्य गट | ६०，$\%$ ३७ | ३く？ |
| इतर प्राधान्य क्षेत्रे | १२，З५，940 | ૪く，७६२ |
| निर्यात पतपुरवठा＊ | P७¢ | ¢，く५३ |
| एकूण | २९，३३，१५२ | १，०६，9५० |
| （＊केवळ विदेशी बँकाना |  |  |

८．१२ एकृण येणं कर्जामध्ये राष्ट्रीयीकृत बैकांचा एकत्रित वाटा ६३．३ टक्के इतका मांठा होता．राज्यातील सर्व वाणिज्यिक बँकांच्या यंगे कर्जाबाबतची बैक गटनिहाय माहिती तक्ता क्र．C．४ मध्ये दिली आहे．

८．१३ राज्यातील सर्व अनुर्सूचित वाणिज्यिक बँकांची ३१ मार्च，

तक्ता क्र. ८. $૪$
महाराष्ट्रातील संस्थानिहाय येणे कर्जे
(रुपये कोटीत)


२००६ रोजी एकूण येणे कर्जे ३,३५,३६९ कोटी रुपये होती व ती आधीच्या वर्षोपेक्षा ३द टक्क्यांनी जास्त होती. देशातील एकूण येणे कर्जामध्ये ३२ मार्च, २००६ रोजी महाराष्ट्रातील बँकांचा हिस्सा २६ टक्के इतका होता व तो इतर राज्यांच्या तुलनेत सर्वाधिक होता. राज्यातील क्षेत्रवार येणे कर्जांचा तपशील तक्का क. ८.५ मध्ये दिला आहे.

वार्षिक पतपुरवठा योजना
८.१४ वार्षिक ग्रामीण पतपुरवठा वितरण व्यवस्थेत सुधारणा करण्याच्या हेतृने भारतीय रिझ़्क बँकेने सेवा क्षेत्र पध्दती (सर्किस एरिया अप्रोच) ही योजना कार्यान्वित केली आहे. ह्या सेवा क्षेत्र पध्दतीनुसार खेड्यांच्या एका समृहातील ग्रामीण जनतंच्या पतपुरवठ्याबाबतच्या सर्व गरजा पुर्रविण्याचे काम एकाच वित्तीय संस्थेकडे सोर्पविण्यात येते. या योजनेखाली पतपुरवठा वितरणाची वार्षिक लक्ष्ये वाणिज्यिक बँका, प्रार्देशिक ग्रामीण बँका आणि सहकारी बँका यांनी एकत्रितपणे साध्य करणें अपेक्षित असते. प्रत्येक जिल्ह्यासाठी पतपुरवठा वितरणाचे लक्ष्य जिल्ह्याशी संबंधित अग्रणी बँकेकडून निश्चित करण्यात येते. राज्यामध्ये या योजनेचे संनियंत्रण करण्यासाठी महाराष्ट्र बँक ही निमंत्रक बँक म्हणून कार्यरत आहे. या

तक्ता क्र. ८.५
महाराष्ट्रातील अनुसूचित वाणिज्यिक बँकांची क्षेत्रवार येणे कर्जे
(रुपये कोटीत)

| क्षेत्र | ३२ मार्च, रोजी येणे कर्जे |  |
| :---: | :---: | :---: |
|  | २००प | २००६ |
| कृषष व संलग्न कार्ये | १२,३४६ | २०,৩ov |
| खाणकाम व दगड खाणकाम | $4, \gamma$ ¢ | २,३५\% |
| वस्त्तुनिमाण * | १,०२,६०१ | २,३७,८३५ |
|  | (९,२२०) | ( $20, \bigcirc ६ ६$ ) |
| वीज, वायू व पाणीपुरवठा | 4,240 | ७,९६७ |
| बांधकाम | १३, ३३६ | २२,२५३ |
| परिवहन | ૪,40৩ | 90,0૪६ |
| व्यावसायिक व इतर सेवा | १३, ७¢¢ | २२,५३५ |
| व्यापार | ३७,७२७ | ช?,0५२ |
| वैर्यक्तिक करें | ૪५, ६¢७ | ૬૪,৩૪९ |
| इतर | 40,409 | छ५, ¢\%? |
| एकूण | २,९०,२०० | ३,¢५,३६९ |

योजनेअंतर्गत पतपुरवठा वितरणाबाबतची २००५-०६ आणि २००६-०७ या वर्षांसाठीची लक्ष्ष्ये व साध्ये तक्ता क्र. ८.६ मध्ये दर्शंविली आहेत.
८. १५ वार्षिक पतपुरवठा योजनेअंतर्गत २००५-०६ मध्ये राज्यामध्ये एकूण. १२,७२५ कोटी रुपयांच्या पतपुरवठ्याचे वितरण सुमारे १३ लाख लाभधारकांना करण्यात आलें व ९९ टक्के लक्ष्यपृर्ती साध्य करण्यात आली. कृषि व संलग्न काये या क्षेत्रम्ये ती $८ ७$ टक्क होती. वार्षिक पतपुरवठा योजने अंतर्गत २००६-०ज मथ्ये सट्टँबर, २००६ अखेरपयंत ८, ४०५ कोटो रुपयांच्या पतपुरवह्याचे वितरण ' 9.00 लाख लाभधारकांना करण्यात आले. या लंभधारकांपको ५.२७ लाख (ט५टक्क) लाभधारक कृषषष व संलम्न कार्यं ह्या क्षेत्रातोल होते. वार्षिक पतपुरवठा योजना २००७-०८ अंतर्गत पतपुरवठा वितरणाचे लक्ष्य २०,९०० कोटी रुपये इतक प्रस्तावित आहे.

तक्ता क्र. ८.६
वार्षिक पतपुरवठा योजनेअंतर्गत महाराष्ट्र राज्यातील पतपुरवठयाचे वितरण
(रुपये कोटीत)

| क्षेत्र | २००५-0६ |  |  | २00६-0७ |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | लक्ष्य | साध्य | लाभधारक (संख्या) | लक्ष्य | साध्य (*) | लाभधारक (*) <br> (संख्या) |
| कृषि व संलग्न कार्ये | C,CO4 | ७,६७२ <br> (く७) | C,0७,RO4 | १२,६०५ | $\begin{array}{r} \hline ५, ८ \succ ३ \\ (\gamma ६) \end{array}$ | ५,२७,३९० |
| ग्रामीण कारागीर, ग्राम व कुटीर उद्योग आणि लघु उद्योग | $94 \%$ | $\begin{aligned} & \text { १,०३२ } \\ & \text { (१०७) } \end{aligned}$ | $७, ९$ ७๐ | १,३६० | $\begin{aligned} & \text { ४८३ } \\ & (३ ६) \end{aligned}$ | २,८९५ |
| इतर क्षेत्रे | ३,०११ | $\begin{aligned} & \text { ४,०२२ } \\ & \text { (१३३) } \end{aligned}$ | ૪,८૪,१२० | ४,०६५ | २,०७९ <br> (49) | १,७६,७६९ |
| एकूण | १२,७७२ | १२,७२५ <br> (९९) | १२,९९,२५५ | १८,०३० | $\begin{aligned} & \ell, \text { ४०u } \\ & \text { (૪૪) } \end{aligned}$ | ७,०७,०५૪ |

टोप : क्सांतील आकडे साध्याची लक्ष्याशी टक्केवारी दर्शवितात. * सप्टेंबर २००६ अखेरपर्यंतची स्थिती

## संयुक्त भांडवली संस्था

८．३६ महाराष्ट्र राज्यात ३१ मार्च，२००६ रोजी १，५८，८६८ संयुक्त भांडवली संस्था होत्या व त्या मागील वर्षापेक्षा ६．५ टक्क्यांनी जास्त होत्या．याच कालावधीत अखिल भारतीय स्तरावर संयुक्त भांडवली संस्थांच्या संख्येत ७．७ टक्क्यांनी वाढ झाली．देशभरातील नोंदणीकृत संयुक्त भांडवली संस्थांची संख्या आणि त्यांनी भरणा केलेले भांडवल या मध्ये महाराष्ट्राचा वाटा अनुक्रमे २२．७ टक्के आणि १२．९ टक्के होता． नोंदणीकृत संयुक्त भांडवली संस्थांची संख्या आणि त्यांनी भरणा केलेले भांडवल तक्ता क्र．८．७ मध्ये दर्शविले आहे．

तक्ता क्र．८．७
संयुक्त भांडवली संस्थांची संख्या आणि भरणा केलेले भांडवल

| संस्थेचा प्रकार | ३१ मार्च अखेर |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | २oou |  | २००६ |  |
|  | महाराष्ट्र | भारत | महाराष्ट्र | भारत |
| खाजगी | $\begin{array}{r} \text { १, ३६,६५४ } \\ \text { (६,०७) } \end{array}$ | $\begin{aligned} & \hline ६, \circ १, ३ २ १ \\ & (६, ५ १) \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & \text { १,४६,०२० } \\ & (\xi, ८ 4) \end{aligned}$ | $\begin{array}{r} \text { ६,५२,०२८ } \\ (८ . ४ ३) \end{array}$ |
| सार्वर्जनिक | $\begin{aligned} & \text { १२,४७९ } \\ & \text { (२.२२) } \end{aligned}$ | ७く，३२८ (१.२३) | १२，$\subset \succ$ е $(२ . ९ ६)$ | $\begin{aligned} & \text { Co,१४१ } \\ & (२ . ३ १) \end{aligned}$ |
| एकूण | $\begin{array}{r} \text { १, ४९, १३३ } \\ (4 . ७ \gamma) \end{array}$ | $\begin{aligned} & \xi, ७ ९, ६ ૪ ९ \\ & (4 . ९ \gamma) \end{aligned}$ | $\begin{array}{r} १, 4 ८, ८ ६ C \\ (६, 4 ३) \end{array}$ | $\begin{array}{r} \text { ७,३२,१६९ } \\ \text { (७.७२) } \end{array}$ |
| भरणा केलेले भांडवल （रु．कोटीत） | $\begin{array}{r} \hline \text { १,०२,६५० } \\ \text { (७.२६) } \end{array}$ | $\begin{array}{r} 4,7 C, 2 \times 9 \\ (4.99) \end{array}$ | $\begin{aligned} & 49,74 v \\ & (-82.2 \end{aligned}$ | $\gamma, 4 \rho, \xi ६ \gamma$ <br> 6） |

टीप：कंसातील आकडे आधीच्या वर्षाशी वाढीची टक्केवारी दर्शावितात．

## अल्पबचत

८．२७ खात्रीशीर उत्पन्नासह गुंतवणूकीच्या परताव्याची हमी या दोन निकषांवर गुंतवणूक करणा－यांसाठी अल्पबचतीतील गुंतवणूक हे महत्त्वाचे साधन आहे．परंतु बँकांमधील ठेवींचे वाढते दर व

अल्पबचतीचे त्यामानाने कमी असणारे व्याजदर तसेच गुंतवणूकीसाठी आवश्यक पाच वर्ष किवा अधिक कालावधी या दोन्हीमुले मागील काही वर्षांत भारतातील अल्पबचतीतील गुंतवणूकीवर परिणाम झाल्याचे दिसून येत आहे．कुटुंबाच्या वित्तीय गुंतवणूकीची तक्ता क्र．८．८ मधील आकडेवारी पुरेशी बोलकी आहे．

तक्ता क्र．८．८
अल्पबचत ：उतरता कल
（रुपये कोटीत）

| बाब | 200ヶ－04 <br> （अस्थायी） | २००५－०६ <br> （अस्थायी） | २००६－0७ <br> （प्रारंभिक） |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| बँका व इतर वित्तीय संस्थांमधील ठेवी | $\begin{array}{r} \text { १,६२,४२६ } \\ {[३ ७ . २]} \end{array}$ | $\begin{array}{r} \text { २,८०,६०२ } \\ {[\gamma ७ . \ell]} \end{array}$ | $\begin{array}{r} \text { ४,२२,७३७ } \\ \text { [4५.७] } \end{array}$ |
| शासनाकडील मागणी <br> （अल्पबचत व शासनाक्डील जमानत） | $\begin{aligned} & \text { १,०६,४२० } \\ & {[२ ४, ५]} \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & ८ ७, १ ६ ८ \\ & {[१ ४, ६]} \end{aligned}$ | $\begin{array}{r} \text { ३९, १९७ } \\ {[4 . २]} \end{array}$ |
| इतर | $\begin{gathered} \text { १,६६,४८? } \\ {[३ ८ . ३]} \end{gathered}$ | $\begin{array}{r} \text { २,२७,૪६५ } \\ \text { [३८.३] } \end{array}$ | $\begin{array}{r} \text { २,९६,८२७ } \\ {[३ ९ . २]} \end{array}$ |
| एकूण | $\begin{array}{r} \hline \text { ४, ३४, ३१७ } \\ (१ ३ . ९) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 4,94, २ ३ 4 \\ \text { (२६.७) } \end{array}$ | $\begin{array}{r} 9,4 ८, 649 \\ (१ ८ .8) \end{array}$ |

［］कंसातील आकडे एकूणमधील वाटा दर्शवितात．
（ ）कंसातील आकडे देशांतर्गत स्थूल उत्पादाशी प्रमाण दर्शवितात．
८．३८ वर्ष २००६－०७ मध्ये अल्पबचतीअंतर्गत ७，८७૪ कोटी रुपये गोळा करण्यात आले होते व ते त्याआधीच्या वर्षाच्या तुलनेत ४？ टक्क्यांनी कमी होते．२००६－०७ साठी अल्पबचतीवर ९．५ टक्के दराने ९，२७७ कोटी रुपयांचे केंद्रिय कर्जसहाय्य प्राप्त झाले होते． ऑक्टोबर，२००७ अखेरपर्यंत अल्पबचत योजनेअंतर्गत निव्वळ जमा उणे २，३२७ कोटी रुपये इतकी होती व मार्च，२००८ अखेर अल्पबचतीची निव्वळ गुंतवणूक उणे स्थितीत राहिल्यास केंद्रीय कर्ज सहाय्य मिळू

तक्ता क्र．．८．९
अल्पबचत योजनेअंतर्गत जमा
（रुपये कोटीत）

| जमेचा प्रकार | २०04－0¢ |  | 200६－0¢ |  | २००७－०C（ऑक्ट्य．०७ पर्यंत） |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | स्थूल | निव्वळ | स्थूल | निव्वळ | स्थूल | निब्वळ |
| पोस्ट ऑफिस सेक्किंग्ज बैक | २，६०९ | १६С | २，७२७ | १४२ | १，4०३ | २९ |
| आवर्ती जमा | ३，३५२ | १，३५० | ३，७२८ | १，42C | २，०४૪ | ७マ२ |
| मुदत ठेव | ९६० | ३२४ | C24 | २८ | ३०७ | （－）३३८ |
| राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र | २，॰३૪ | १，0०૪ | १，६६？ | чз9 | ૪३७ | （－）३७ |
| किसान विकास पत्र | २，७३५ | १，४૪૪ | २，००० | ९३८ | ७०६ | （－）२१९ |
| इंदिरा विकास पत्र | － | （－）२०C | － | （－）$\uparrow 4$ | － | （－）¢ |
| मासिक उत्पन्न योजना | ६，¢८૪ | ३，७९९ | ३，७३६ | १२५ | Cr4 | （－）९७૪ |
| सार्वजनिक भविष्यनिर्वाह निधी | $\gamma, 04 \gamma$ | ३，२०७ | 4，09？ | ३，६६९ | ५७२ | （－）३८८ |
| एस्．सी．एस्．एस्． | २，६२९ | २，४७¢ | १，३८३ | १，043 | ムく७ | （－） 40 |
| इतर | － | $(-) 9 \% \%$ | १ | （－）१२२ | － | （－）६६ |
| एकूण | २५，३५८ | १३，२६ム | २२，२४२ | ७，८७૪ | ७，0०२ | $(-)$ २，३२७ |

शकणार नाही. २००७-०८ मध्ये नोक्केंबर, २००७ अखेरपयंत राज्य शासनास अल्यबचत निधीवर रु.२,३८८ कोटी इतके केंद्रीय कर्जसहाय्य प्राप्त झाले आहे. त्याचबरोबर, सदरचे कर्जसहाय्य न घेण्याचे शासनाने ठर्रावले आहे.

लॉटरी
C. 99 सामाजिक व अर्थिक विकासासाठी निधी उभारण्यार्करिता राज्य शासनाने १ मार्च, १९६९ पासून लॉटरी योजना सुरू केलो. या योंजनेखाली भव्यतम, मासिक, साप्ताहिक आणि दोन अंकी स़डडती काढण्यात येतात. २००६-०७ मध्ये लॉटरीपासून ३५.८७ कोटी रुपये इतका निव्वळ नफा झाला, तर आधीच्या वर्षी तो २७.०७ कोटी रुपये इतका होंता. २००७-०८ मध्ये नोक्केंबर, २००७ पर्यंत लॉटरीपासून १.२१ कांटो रुपये नफा झाला, तर आधीव्या वर्षी तत्सम कालावधीत २०.३४ कोटी रुपये नफा झाला होता. राज्याच्या महसुलात वाढ करण्याच्या दृष्टोने २० जानेवारी, २००७ पासून राज्यात काढण्यात येणा-या सर्व लॉटरी सोडतीवर लॉटरी कर लावण्यात आला. नवीन बक्षीस यांजनेच्या/संरचनेच्या सोडती सुरु करता याव्यात यासाठी कार्यान्वयीत दोन अंकी लॉटरी योजना स्थरिति करण्यात आल्या. परंतु इतर राज्यांतील लॉटरीच्या विक्रेत्यांनी लॉटरी कराविरोधात मुंबई उच्च न्यायालयात याराचका दाखल केली असृन तो प्रलंबित असल्यामुळे राज्याची दोन अंकी व ऑन-लाईन लॉटरी सध्या बंद आहे. त्यामुळे राज्य लॉटरीची उलाढाल व त्यापासून होणारा नफा यांवर परिणाम झाला आहे. त्यामुळे २००७-०८ मध्ये लॉटरीपासून होणारा नफा केवळ १.१४ कोटी रुपये इतका सिमीत होण्याची शक्यता आहे.
८.२० लॉटरीवरील कर गोळा करण्याचे अधिकार अल्पबचत व राज्य लॉटरी आयुक्तांना देण्यात आलेले आहेत. २००६-०७ मध्ये लॉटरीकर लागृ झाल्यापासून करापोटी जमा झालेला निव्वळ महसूल ५९.६४ कोटी रुपये होता. पूर्वोपासूनच्या / परंपरिक लॉटरी योजनेवरील कर राज्य शासनाकडून दिला जातो, परंतु न्यायालयाच्या अंतरिरम आदेशानुसार राज्य शासन हे इतर राज्यांच्या लॉटरी चालकांकडून कर गोळा करु शकत नाही. त्यामुळे लॉटरीवरील गोळा केलेल्या कराच्या रकमेत चालू वर्षात घट होऊन राज्य शासनाने जानेवारी, २००८ पर्यंत करापासून निव्वळ महसूल १४.૪० कोटी रुपये गोळा केलेला आहे.

## भांडबली बाजार

८.२१ जनतेकडील अतिरिक्त बचत विविध आर्थिक कार्यांकडे वळवृन अर्थव्यवस्थचचा विकास करण्यामध्ये भांडवली बाजार महत्त्वाची भूमिका पार पाडतो. महाराष्ट्रामध्ये मुंबई शेअर बाजार (बीएसई), राष्ट्रीय शेअर बाजार (एनएसई) व पुणे शेअर बाजार (पीएसई) असे तीन प्रमुख शेअर बाजार कार्यरत आहेत. त्याशिवाय, ओव्हर दि काउंटर स्टॉक एक्स्चेंज ऑफ इंडीया (ओटीसीईआय) व इंटर कनेक्टेड स्टॉक एक्स्चेंज (आयसीएसई) हे दोन इतर शेअर बाजार सुध्दा कार्यरत आहेत. गेल्या दशकात भांडवल उभारणी, रोजगार व महसूल निर्मितीमध्ये भांडवली बाजाराची भूमिका महत्त्वाची ठरली असल्याचे दिसून आले आहे.

## बाजारातील भांडवली मूल्य

८.२२ राष्ट्रोय शेअर बाजार व मुंबई शेअर बाजारातील उपलब्ध रोखे व्यवहारांच्या भांडनली मृल्यांमध्ये मागील वर्षांच्या तुलनेत वर्ष २००६-०७ मध्ये अनुक्रमे २० टक्के व १७ टक्के इतकी भरीव वाढ झाली. ही वाढ आधीच्या वर्षातील तत्सम अनुक्रमे ज७ व ७८ टक्के वाढीपेक्षा कमी होती. राष्ट्रीय शेअर बाजार व मुंबई शेअर बाजारातील भांडवली मूल्य मार्च, २००७ अखेर अनुक्रमें ३३,६७,३५० कोटी रुपये व ३५, ४५,०૪१ कोटी रुपये इतके होते. २००६-०७ मधील भांडवली मूल्यातील राष्ट्रीय व मुंबई शेअर बाजाराचे प्रमाण ४९:५१ असे पूर्वीप्रमाणेच रााहले.

## प्राथमिक रोखे बाजार

८.२३ एप्रिल-सप्टेंबर, २००७ या कालावधीत ४७ देकारांद्वारे उभारण्यात आलेली २०,९९९ कोटी रुपय भांडवली रक्कम ही आधीच्या वर्षांतील तत्सम कालावधीत २८ देकारांद्वारे उभारण्यात आलेल्या १२,१३? कोटी रुपये रकमेच्या तुलनेत ७३ टक्क्यांपेक्षा जास्त होती.

## दुय्यम रोखे बाजार

८.२४ सर्व शंअर बाजारांतील रोखे व्यवहारांत गेल्या काही वर्षांत मोठ्या प्रमाणात वाढ झाल्याचे दिसून येते. भारतातील सर्व शेअर बाजारांतील उलाढाल १९९૪-९५ मधील १,६४,०५७ कोटी रुपयांच्या तुलनेत २००६-०७ मध्ये २९,०३,०५८ कोटी रुपयांपर्यंत म्हणजे जवळपास १८ पटींनी वाढलेली होती. २००६-०७ मध्ये देशातील सर्व शेअर बाजारांच्या उलाढालोमध्ये राष्ट्रीय शेअरबाजार व मुंबई शेअरबाजाराचा वाटा जवळपास ९९ टक्के इतका होता. शेअरबाजार्रानहाय उलाढाल तक्ता क्र. ८.१० मध्ये दर्शविली आहे.

तक्ता क्र. C.9०
शेअर बाजारांतील उलाढाल
(रुपये कोटीत)

| शेअर <br> बाजार | उलाढाल |  |
| :---: | :---: | :---: |
|  | 2004-0¢ | २००६-०७ |
| राष्ट्रीय | १4, ६9,44\% | १९, ४५, २८७ |
|  | (६५.७) | (\%७.0) |
| मुंबई | C,9\%,O७¢ | ९,4६,२८५ |
|  | (३૪.१) | (३२.९) |
| इतर सर्व | ૪,૪७१ | १, ५८६ |
|  | (०.२) | (0.?) |
| एकूण | २३,९०,१०३ | २९,०३,04८ |
|  | (200.0) | (900.0) |

आधार : सेबी-वार्षिक अहवाल २००६-०७
टीप : कंसांतील आकडे टक्केवारी दर्शावतात.

## सिक्युरिटी अन्ड एक्स्चेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी)

८.२५ गुंतवणूकदारांचे हित जपण्यासाठी सेबी त्यांची संनियंत्रण आणि तपास यंत्रणा वर्षानुवर्षे अधिक बळकट करीत आहे. सेबीने

२००६-०७ अखेर प्राप्त झालेल्या एकूण तक्रारींपैकी ९४.३ टक्के (संचयी) प्रकरणांचे निराकरण केले आहे, तर आधीच्या वर्षापर्यंत तक्रार निवारणाची टक्केवारी ९४.५ किंवा त्यापेक्षा जास्त होती. सेबीकडे २००६-०७ मध्ये २६,४७३ तक्रारी प्राप्त झाल्या होत्या आणिण वर्ष अखेर १,६६,०९४ तक्रारी निवारणार्थ प्रलंबित होत्या.

## म्युच्युअल फंड

८.२६ भारतामध्ये युनिट ट्रस्ट ऑफ इंडियाच्या स्थापनेपासून (२९६४) म्युच्युअल फंड उद्योगाची सुरुवात झाली. सार्वजनिक क्षेत्रातील बँका व वित्तीय संस्थांनी म्युच्युअल फंड स्थापण्यास १९८७ मध्ये सुरुवात केली. खाजगी क्षेत्रातील बैकांना व विदेशी संस्थांना म्युच्युअल फंड स्थापन करण्यास १९९३ पासून परवानगी देण्यात आली. ह्या वेगाने वाढणा-या उद्योगाचे नियमन सेबीकड्न केले जाते. दि. ३२ मार्च, २००७ पर्यंत एकूण ४० म्युच्युअल फंड कार्यरत असून त्यांच्याकडे ३,२६,२९२ कोटी रुपये मत्ता (संपत्ती) होती. यापैकी ३६ (९० टक्के) म्युच्युअल फंड महाराष्ट्रात नोंदणी झालेले होते. या ३६ फंडांद्वारे २००६-०७ मध्ये ८९,५६९ कोटी रुपये इतकी निम्बळ रक्कम गोळा करण्यात आली होती.

## विक्रेय वस्तूंची बाजारपेठ

८.२७ भारतातील विक्रेय वस्तू बाजारास बराच मोठा इतिहास आहे. कृषि विषयक वायदे करार १८00 पासून, तर धातू विष्यक वायदे करार ९९३० पासून असित्वात आहे. विक्रेय वस्तू व्यापार पूर्वीपासून ‘अडत व वायदा व्यापार' म्हणून ओळखला जातो. बहुतांश / ब-याच विक्रेय वस्तूंच्या वायदे व्यापारावरील बंधने काढून टाकल्याने अधिकाधिक

वस्तूंचा वायदे बाजार व्यवहारात समावेश होऊ लागला आहे, ज्याचे नियमन वायदा बाजार नियमन अधिनियम, १९५२ द्वारे करण्यात येते. वायदे बाजारात वस्तूंचा व्यापार सुलभ क्ठावा म्हणुन शासनाने आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक विक्रेय वस्तू वायदे व्यापार केंद्रे स्थापन केली आहेत. दोन प्रमुख वस्तू विनिमय वायदे व्यापार केंद्रे - नॅशनलाइज्ड कमोडिटि अँड डेरिर्हेटिव्हज् एक्स्चेंज मर्यादित (NCDEX) व मल्टि कर्गोडिटि एक्स्चेंज ऑफ इंडीया मर्यादित (MCX) महाराष्ट्रात (मुंबई) २००३ मध्ये स्थापन होऊन तेक्हापासून कार्यरत आहेत. या दोन केंद्रात कृषी, धातू व उर्जा उत्पादने या मुख्य गटांमध्ये मोडणा-या वस्तूंचा वायदा व्यापार करण्यात येतो. या दोन केंद्रांमध्ये वायदा व्यापार करण्यात येणा-या वस्तूंचो संख्या आणि उलाढाल याबाबतचा तपशील तक्ता क्र. ८. .9 मध्ये दिला आहे.

तक्ता क्र. ८.११
वस्तू विनिमय वायदे व्यापार केंद्रांमधील उलाढाल

| (रुपये हजार कोटीत) |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| वस्तू विनीमय वायदे व्यापार केंद्र | वस्तूंची <br> संख्या | ऊलाढाल |  |
|  |  | २००६-0७ | २oo७-o८* |
| MCX | ७३ | २,२९४ | २,04८ |
|  |  | (२९) | (२३) |
| NCDEX | ५\% | १,२६७ | ५५२ |
|  |  | (\%५) | (34) |

टीप - कंसातील आकडे महाराष्ट्राचा हिस्सा दर्शावितात.


## सहकार

9． 2 सहकारी चळवळ सुरू करणारे महाराष्ट्र हे देशातील अग्रणी ग़ज्य आहे．सहकारी चळवळ म्हणजे जनतेने राज्य शासनाच्या सहकायंने सुरू केलेली चळवळ असून तिचा मूळ उद्देश शेतक－यांची सावकारांकडून होणारी पिळवणूक थांबविणे आणि विविध सामाजिक व आधिक कार्यात गुंतलेल्या कमकुवत व असंघटीत लोकांचा आर्थिक दर्जा उंचावणे हा होय．ही चळवळ सुरुवातीस प्रामुख्याने कृषि पतपुरवठ्याच्या क्षेत्रापुरतो मर्यादित होती．नंतरच्या काळात ही चळवळ शेतमाल प्रक्रिया， शेतमाल पणन，ग्रामोण उद्योग，ग्राहक भांडारे，इत्यादी सारख्या इतर क्षेत्रांत वेगाने प्सरली．परिणामी，राज्यभरात पुरेशा सामाजिक पायाभूत सुविधा असलेले विकास केंद्रे निर्माण झाली．तथापि，जागतिकीकरणाच्या या काळ्ठत चळवळीस बहुराष्ट्रीय कंपन्यांशी करावी लागणारी स्पर्धा，साधन संपत्तीर्च मयंदा आणि व्यावसायिक कौशल्यांचा अभाव，इत्यादीसारख्या गंभीर आवाहनांना सामोरे जावे लागत आहे．

१．？．१९६१ पासून आतापर्यंत गेल्या ४६ वर्षात सहकारी संस्थांच्या संख्येत भरीव वाढ झाली आहे．याबाबतचा तपशील तक्ता क्र．९．१ मध्ये दिला आाहे．राज्यातील सहकारी संस्थांच्या महत्त्वाच्या बाबी तक्ता क्र． ९．२ मध्ये दिल्या आहेत．

तक्ता क्रमांक ९．१
संस्थेच्या प्रकारानुसार राज्यातील सहकारी संस्थांची संख्या

| संस्थेचा प्रकार | अखेरची संख्या |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | जून，श९६१ | मार्च，२००६ | मार्च，२००७ |
| शिखर व मध्यवरी पतसंस्था |  |  |  |
| अ）कृष्ट | ३७ | ३३ | ३३ |
| ब）बिगर－कृषि | २ | 2 | २ |
| प्रार्थमिक पतसंस्था |  |  |  |
| अ）कृषष | २२，800 | २१，१६२ | २२，२३८ |
| ब）बिगर－कृषि | १，६३० | २६，¢८¢ | २६，६२९ |
| शेतमाल－पणन संस्था | ३४૪ | १，३＜0 | १， $6<4$ |
| उत्पादक उपक्रम | ૪，३०६ | ૪२，८९२ | ४૪，४०？ |
| समाजसेवी व इतर संस्था | ३，く૪६ | २，०१，१३९ | १，0६，9५？ |
| एकूण | ३श，५६५ | २，९२，け९७ | $२, 00,6 \times 0$ |

तक्ता क्रमांक ९．२ राज्यातील सहकारी संस्थांच्या महत्त्वाच्या बाबी
（ कोटी रुपये）

| बाब | मार्च अखेर |  | शेकडा बदल |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | २о०द | रoov＊ |  |
| संस्था（संख्या） | २，९२，७९७ | 2，00，¢8\％ | 6.9 |
| सभासद（लाखात） | ૪६२ | ૪६¢ | १．4 |
| भरणा भाग भांडवल | १२，३२९ | १२，६३६ | २．4 |
| त्यापैकी，राज्य शासनाचे | २，३६७ | २，३९० | १．0 |
| ठेवी | १，०९，६३५ | १，२२，७१४ | २．८ |
| खेळते भांडवल | २，००，२६४ | २，०९，く२३ | ૪．e |
| कर्जवाटप（स्थूल） | く२，०१९ | १२，९५१ | १३．३ |
| कर्जवाटप（निव्वळ） | ६९，१く६ | ६ఇ，く३७ | १．？ |
| नफ्यातील संस्था（संख्या） | ६३，¢०૪ | ६५，२०३ | 2.4 |
| ，तोट्यातील संख्था（संख्या） | ५१，२१३ | 44，¢，40 | 6.6 |
| नफा किंवा तोटा न | ૬，૪६६ | ७，१२२ | 90.9 |
| झालेल्या संख्था（संख्या） येणे कर्जे | १，०३，३६६ | १，१२，४＜＜ | C．C |

＊अस्थायी

९．३ सहकारी कृषि पतपुरवठ्यम्ध्ये त्रिस्तरीय कृषि पतपुरवठा संरचना आहे．प्राथमिक स्तरावर प्रार्थमिक कृषि पतपुरवठा संस्था，कृषक सेवा संस्था आणि बृहत् आदिवासी बहुउद्देशीय संस्था या शेतकरी सभासदांना कृषि पतपुरवठा करतात．या संस्थांना पतपुरवठा करण्याची महत्त्वाची भूमिका जिल्हा मध्यवर्ती सहकारी बँका मध्यवर्ती स्तरावर बजावतात，तर शिखर बँक म्हणजे महाराष्ट्र राज्य सहकारी बँक ही जिल्हा मध्यवर्ती सहकारी बँकांना कृषि पतपुरवठा करते．राज्यातील शिखर व मध्यवर्तो कृषि सहकारी पतसंस्थांविषयी महत्त्वाच्या बाबींवरील आकडेवारी तक्ता क्र．९．३ मध्ये दिली आहे．

९．४ ३२ मार्च，२००७ रोजी राज्यात प्राथमिक स्तरावर कृषष पतपुरवठा करणा－या २१，२३८ संस्था होत्या आणि त्यांची सभासद संख्या १．२३ कोटी होती．या संस्थांमध्ये प्राथमिक कृषि पतपुरवठा संस्था （२०，२२८），कृषक सेवा संस्था（२२），आदिवासी सहकारी संस्था（९४५）， धान्य बैका（२५）व जिल्हा सहकारी कृषि ग्रामीण बहुउद्देशीय विकास बँका（२९）यांचा समावेश आहे．

तक्ता क्रमांक ९．३
राज्यातील शिखर व मध्यवर्ती कृषि सहकारी
पतसंस्थांच्या महत्वाच्या बाबी
（कोटी रुपये）

| बाब | मार्च अखेर |  | शेकडा <br> बदल |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | २०0६ | २०0७＊ |  |
| महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैक |  |  |  |
| सभासद | 44，000 | ६२，000 | १०．९ |
| ठेवी | १३，६३५ | १૪，०७૪ | ३．२ |
| खेकते भांडवल | २८，७૪२ | २२，०८२ | १२．4 |
| स्थूल कर्जवाटप | ט，494 | ८，く६२ | १ง．9 |
| येणे कर्जे | ७，६३४ | १०，०१० | 32.9 |
| थकीत कर्जे | १，૪७२ | १，२४३ | （－）२५．६ |


| जिल्हा मध्यवर्ती सहकारी बँका（३१） |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| सभासद | १，२६，२૪६ | १，३१，४०૪ | १३．१ |
| ठेनी | २६，४०२ | २७，६५७ | ૪．e |
| खेळते भांडवल | ३६，८६૪ | ૪০，७०？ | २०．૪ |
| स्थूल करंजाटप | १३，३९९ | ५，३२३ | （－）$¢ 0.0$ |
| येणे कर्जे | १९，२५१ | २२，२५२ | १५．६ |
| थकीत कर्जे | ५，२६० | ५，५३४ | 4.2 |


| सभासद | Cマ | く२७ | ． 0 |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| खेळते भांडवल | १，493 | १，६३८ | C．3 |
| स्थूल कजंवाटप | 8.04 | २．५३ | （－）३७．५ |
| येगे कर्जे | ¢，२४¢ | १，३०३ | १३．८ |
| थकीत कर्जे | ३७६ | ६く५ | ८२．२ |

जिल्हास्तरीय महाराष्ट्र राज्य सहकारी कृषि व ग्रामीण विकास बैका（२९）

| सभासद（लाखात） | श१．५६ | श२．५५ | （－）0．0९ |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| खेळते भांडवल | २，499 | २，५८२ | ૪．？ |
| स्थूल कर्जवाटप | $\gamma$ | ३ | （－）२५．0 |
| येगे कर्जे | १，04३ | P40 | （－）९．८ |

＊अस्थायी

## प्राथमिक कृषि पतपुरवठा संस्था

९． 4 प्राथमिक कृषि पतपुरवठा संस्था ह्या निम्नतम स्तरावरील सहकारी पतपुरवठा संख्था असून त्या अल्प－मुदत कृषि पतपुरवठा करण्यामध्ये महत्त्वाची भूमिका पार पाडतात．तथापि，थकबाकीचे मोठे प्रमाण，शेतक－यांना कर्जपुरवठा करण्यासाठी अपुरा निधी व निधीच्या उपलब्धतेबाबत अनियमितता आणि संसाधने उभारण्यामधील असमर्थता हो प्राथमिक कृषि पतपुरवठा संस्था कमकुवत राहण्यामागील प्रमुख कारणे पूर्वीप्रमाणेंच कायम आहेत．प्राथमिक कृषि पतसंस्थांचे तपशील तक्ता क्रमांक ९．४，९．५ व ९．६ मध्ये दिले आहेत．

तक्ता क्रमांक ९．४ प्राथमिक कृषि पतसंस्थांबाबतचा तपशील
（कोटी रुपये）

| बाब | 2004－0¢ | 200¢－0७ |
| :---: | :---: | :---: |
| पतसंस्था（संख्या） | २२，१६२ | २२，२३८ |
| सभासद（लाखात） | १२१ | १२३ |
| खेळते भांडवल | १३，९६७ | १४，00७ |
| कर्जवाटप |  | 4，४¢С |
| कर्जदार सभासद（लाखात） | ३७． $4 ¢$ | ३७．९६ |
| त्यापैकी，अ）अल्पभूधारक | ९．३ | ९．૪ |
| ब）अत्यल्पभूधारक | 6.9 | 9.3 |
| अल्प व अत्यल्प भूधारकांना | १२，04० | १२，२८३ |
| वाटप केलेले सरासरी कर्ज（रुपये） येणे कर्जे | 20，0 34 | 20，4ア3 |
| कर्जाची वसुलीपात्र रक्कम | 6，044 | ७， 200 |
| त्यापैकी，केलेली कर्जवसुली | ૪，२३૪ | ૪，२७६ |
| थकीत कर्जे | २，८२？ | २，८२४ |
| वसुलीपात्र रकमेशी थकीत कर्जाची टक्केवारी | ช०．0 | ३९．८ |

तक्ता क्रमांक ९．५
प्राथमिक कृषि पतपुरवठा संस्थांनी（धान्यबैंका वगळून） २००६－०७ मध्ये केलेले कर्जवाटप

| $\begin{aligned} & \text { आकार } \\ & \text { वर्ग } \\ & \text { (हेक्टर) } \end{aligned}$ | सभासद <br> （लाखात） | कर्जदार <br> सभासद <br> （लाखात） | कर्जदार सभासदांची एकूण सभासदांशी टक्केवारी | प्रति कर्जदार सभासद कर्जपुरवठा （रुपये） |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| $<$ q | २९．७२ | 9.88 | 32．19 | १9，६4६ |
| \％－2 | २९．२८ | 9．0\％ | ३०．く७ | २२，9ヶ० |
| २－૪ | १९．०६ | C．६？ | ४4．2६ | ११，१८९ |
| $\gamma-\iota$ | १२．३く | 4.99 | ૪६．७¢ | १६，८६० |
| $><$ | ३．०く | ३．६४ | ११८．२९ | २२，१८० |
| इतर | १६．$¢ 9$ | १．$૪ ૪$ | 6.49 | २८，६२५ |
| एकूण | ११०．$\%$ १ | ३७．१७ | ३४．३९ | P\％，ช७૪ |

तक्ता क्रमांक ९．६
प्राथमिक कृषि पतपुरवठा संस्थांनी（धान्य बँका वगळून）
२००६－०७ मध्ये केलेल्या कर्जवाटपाचा तपशील
（कोटी रुपये）

| बाब | अत्यल्प भूधारक | अल्प भूधारक | सर्व सभासद |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| कर्जवाटप | १，२00 | १，६६७ | ५，४९६ |
| कर्जवाटपातील शेकडा हिस्सा | २०．० | २१．२ | 900．0 |
| येणे कर्जे | Я，७৫く | २，00८ | ¢，090 |
| येणे कर्जामधील शेकडा हिस्सा | २९．७ | २२．३ | 200．0 |
| प्रति कर्जदार सभासद येणे कर्ज（रुपये） | २८，८३७ | २२，२९९ | २३，७३० |

## बिगर－कृषि पतपुरवठा संस्था

९．६ सोलापूर जिल्हा औद्योगिक सहकारी बँक आणि महाराष्ट्र राज्य गृहनिर्माण वित्त महामंडळ या बिगर－कृषि पतसंस्था राज्यात कार्यरत आहेत．तथापि，सोलापूर जिल्हा औद्योगिक सहकारी बँक ही अवसायनात गेली आहे．शिखर व मध्यवर्ती बिगर－कृषि पतपुरवठा संस्थांचा तपशील तत्ता क्र．९．७ मध्ये दिला आहे．

तक्ता क्रमांक ९．७
शिखर व मध्यवर्ती बिगर－कृषि पत पुरवठा संस्थांचा तपशील

|  | （कोटी रुपये） |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| बाब | मार्च अखेर |  | शेकडा |
|  | २००६ | 2006＊ | बदल |
| सोलापूर जिल्हा औद्योगिक सहकारी बैंक |  |  |  |
| सभासद | २，९७२ | १，९ง？ | 0.0 |
| ठेवी | २७ | २？ | （－）२२．२ |
| खेळते भांडवल | ૪ | ૪¢ | （－）૪．२ |
| येण कर्ज | २६ | 24 | （－）३．く |
| थकीत कर्जे | २६ | 24 | （－）३．く |
| महाराष्ट्र राज्य सहकारी गृहनिर्माण वित्त महामंडळ |  |  |  |
| सभासद | १२，६२२ | ११，४६८ | （－） 9.3 |
| ठेवी | $\uparrow$ | १ | 0.0 |
| खेळते भांडवल | ३४२ | 342 | २．९ |
| स्थूल कर्जवारप | $\bigcirc$ | － | 0.0 |
| येणे कर्जे | 2\％${ }^{\text {¢ }}$ | ใช७ | （－）80．9 |
| थकीत कर्ज | १४\％ | १३७ | （－）२．८ |

＊अस्थायी
९．६．२ प्राथमिक बिगर－कृषि पतसंस्थांमध्ये नागरी सहकारी बँका， पगारदार नोकरांच्या सहकारो संस्था，बचत सहकारी संस्था，इत्यारींचा समावेश होतो．त्यांच्या बाबतचा तपशील तक्ता क्र．९．८ मध्ये दिला आहे．

तक्ता क्रमांक ९．८
प्राथमिक बिगर－कृषि पतसंस्थांचा तपशील
（कोटी रुपये）

| बाब | ३१ मार्च，२००६ | ३？मार्च，२००७ |
| :---: | :---: | :---: |
| संस्था（संख्या） | २६，३८¢ | २६，६२९ |
| सभासद（लाखात） | २०२．94 | 204．\％C |
| ठेनी | ६७，८३२ | ६९，२८＜ |
| खेळते भांडवल | १，¢0，०७५ | १，१२，૪७५ |
| कर्जवाटप | ५५，४४૪ | 44，99\％ |
| येणे कर्जे | ६१，६८२ | ६૪，७६६ |
| थकीत कर्जे | C，४४？ | C，4२६ |

## सहकारी पणन संस्था

९．७ शेतक－यांची व्यापा－यांकडून होणारी पिळवणूक थाबविणे व शेती उत्पादनाच्या विक्रीची व्यवस्था करून शेतक－यांस उत्पादनाचा चांगला मोबदला मिळण्यास मदत करणे，आणि त्याचबरोबर ग्राहकांना चांगल्या प्रतोचा माल वाजवी किंमतीमध्ये उपलब्ध करून दे $ऊ न$ त्यांना लाभ करून देणे ही सहकारी पणन संस्थांची मूळ उद्दिष्टे आहेत．ही उाद्दष्टं विचारात घंऊन सहकारो पणन संस्थांना त्यांच्या कार्याचा विस्तार

करण्यासाठो राज्य शासनाकडून भागभांडवल व कर्ज या स्वरूपात अर्थसहाय्य दिले जाते．

९．७．१ सहकारी पणनाची त्रिस्तरौयें प्रशासकीय संरचना आहे． महराष्ट्र राज्य सहकारी पणन महासंघ मर्यांदत ही शिखर संस्था असून मध्यवर्ती स्तरावर जिल्हा पणन संस्था कार्यंत आहेत，तर ग्राम स्तरावर जिल्हा पणन संस्थांच्या अधिपत्याखाली प्राथमिक सहकारी पणन संस्था कार्यरत आहेत．

९．७．२ शिखर व मध्यवर्ती स्तरावरील सहकारी पणन संस्थांची， तसेच प्राथ्थमिक सहकारी पणन संस्थांची माहिती अनुक्रमे तक्ता क्र．९．९ व ९．३० मध्ये दिली आहे．

तक्ता क्रमांक ९．९
शिखर व मध्यवर्ती स्तरावरील सहकारी पणन संस्थांचा तपशील
（कोटी रुपये）

| बाब | ३२ मार्च，श००६ | ३२ मार्च，२००७ |
| :---: | :---: | :---: |
| संस्था（संख्या） | 24 | 24 |
| सभासद（＇oo） | ช९१ | ૪९२ |
| भाग भांडवल | २．९३ | २．9३ |
| त्यापैकी，राज्य शासनाचे | १．३२ | Q．३२ |
| खेळते भांडवल | ช०．५३ | 80.49 |
| विक्नी |  |  |
| （अ）शेतमाल | २६． ¢ $^{\text {¢ }}$ | २६．६२ |
| （ब）खते | १६． 49 | १६．$¢$ १ |
| （क）बियाणे | 0.4 ？ | $0.4 २$ |
| （ड）ग्राहक वस्तू | CO．24 | co． 0.6 |
| नफ्यातील संस्था（संख्या） | १३ | १r |
| नफा | १．¢4 | १．६७ |
| तोट्यातील संस्था（संख्या） | ？\％ | ใ？ |
| तोटा | －．७७ | 0.93 |

तक्ता क्रमांक ९．९०
प्राथमिक सहकारी पणन संस्थांचा तपशील
（कोटी रुपये）

| बाब | ३१ मार्च，२००६ | ३१ मार्च，२००७ |
| :---: | :---: | :---: |
| संस्था（संख्या） | १，२४२ | २，२૪૪ |
| सभासद（＇oo） | く，२०३ | C，2०C |
| भाग भांडवल | ६१．०१ | ६१．०६ |
| त्यापैकी，राज्य शासनाचे | १४．४९ | १४．५० |
| खेळते भांडवल | ชจง．९ช | ૪マ८．0७ |
| विक्री |  |  |
| （अ）शेतमाल | १९४．७о | १९४．७६ |
| （ब）खते | ३७३．८६ | ३७૪．०१ |
| （क）बियाणे | ३५．५૪ | ३५．५६ |
| （ड）ग्राहक वस्तू | १६३．७३ | १६३．७२ |
| नफ्यातील संस्था（संख्या） | ช९३ | ४९૪ |
| नफा | С．८？ | c．c？ |
| तोट्यातील संस्था（संख्या） | 40\％ | 40\％ |
| तोटा | ३．७0 | ३．७२ |

## एकाधिकार कापूस खरेदी योजना

९．८ महाराष्ट्र कच्चा कापूस（प्रापण，संस्करण व पणन） अधिनियम，१९७१ अंतर्गत कच्च्या कापसाच्या खरेदीस राज्य शासनाने 200v－०८ या वर्षासाठी मुदतवाढ दिली आहे．या योजनेखाली महाराष्ट्र राज्य सहकारी कापूस उत्पादक पणन महासंघ मयांदित यांच्यामार्फंत कापसाची खरेदी केली जाते．त्याचबरोबर राज्य शासनाने खाजगी संस्थांना सुध्दा शेतक－यांकड्न कापूस खरेदी करण्यास परवानगी दिली आहे．या योजनेखाली कापसाच्या विविध जार्तीसाठी शासनाने जाहिर केलेल्या किमान आधारभूत किमतींनुसार महासंध शेतक－यांकडून कापसाची खरेदी करीत असते．योजनेखाली वाणनिहाय प्रति क्विंटल खरेदी किमत आणि कापूस खरेदी याबाबतची माहिती तक्ता क्र．९．९१ मध्ये तर कापूस खरेदीची माहिती तक्ता क्र．९．१२ मध्ये दिली आहे． तक्ता क्रमांक ९．११
वाणनिहाय प्रति क्विंटल खरेदी किमती व कापसाची खरेदी

| वाण | २००६－0७ |  | २००७－0¢\＃ |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | प्रति किंिटल खरेदी दर＊ （रुपये） | कापूस <br> खरेदी （क्विटटल） | प्रति क्विंटल खरेदी दर＊ （रुपये） | ल कापूस खरेदी （क्विटल） |
| बत्री | २，०२० | २७¢ | २，०७० | २२५ |
| ब्रम्ठा | २，०90 | － | २，040 | ३ |
| आरसीएच－रए | २，000 | － | २，०४० | － |
| एच－४／एच－६ | 2，990 | $3 \uparrow, ६ \subset, ९$ ¢ | २，०३० २， | १，२७，૪३९ |
| एमइसीएच | १，СР4 | १७，२२० | १，934 | － |
| एलआरए－५\％६६ | १，८3 | ६く，¢७？ | १，900 | ६\％C |
| डीएचवाय－२८६ | १，¢¢५ | ३，९०६ | १，८८५ | － |
| अंकुर－६५？ | १，¢४५ | く२ | श，С¢¢ | － |
| एमसीएच－१？ | ？，С४५ | ६७？ | ？，СС५ | － |
| एएचएच－૪६く | १，¢04 | २，२६૪ | १，¢૪५ | － |
| एनगएचए－४૪（विदभ） | $\uparrow, ७$ ¢0 | २，१२५ | $\uparrow, ७ ६ \bigcirc$ | $9 \%$ |
| एनएचएफ－४४ | १，६८५ | － | २，७३५ | － |
| （महाराष्ट्र व खान्देश） |  |  |  |  |
| वाय－१／एके | १，६८५ | १，२३९ | २，७३५ | २३३ |

तक्ता क्रमांक ९．१२
कापूस खरेदीचा तपशील

| बाब | 2004－0¢ | २00६－0७ | 2006－0く\＃ |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| कापूस खरेदी |  |  |  |
| १）राशी（लाख क्विंटल） | १८．C૪ | ३२．६4 | १．२९ |
| २）किंमत（कोटी रुपये） | ३३૬．३३ | ६४४．७૪ | २६．०९ |
| सरकी उत्पादन（लाख क्विंटल） | १२．७૪ | २०．？ | 0.60 |
| सरकी विक्री（कोटी रुपये） | 96.00 | २०4．६३ | २．४९ |
| बांधलेल्या गासड्या（लाखात） | ૪．0¢ | \＆．CC | －． $2 \%$ |
| विक्री केलेल्या गासड्या（लाखात） | ૪．о६ | ५．६३ | उ．ना． |
| प्रति गासडी सरासरी | ७，७३० | ९，०३२ | उ．ना． |
| विक्री किमत（रुपये）＊ |  |  |  |

\＃नोन्केंबर，२००७ अखेरपर्यंत＊प्रति गासडी वजन १७० कि．ग्रे．
उ．ना．उपलब्ध नाही

## शेतमाल प्रक्रिया करणारे उपक्रम

9.9 शेतमाल प्रक्रिया करणा－या सहकारी संस्थांना ग्रामीण अर्थव्यवस्थेमध्ये महत्त्वाचे स्थान आहे．शेतक－यांना चांगला आर्थिक मोबदला मिळावा यासाठी आरण शेतीवर आधारित ग्रामीण उद्योगांमध्ये शोषणरहित वातावरण निर्माण करण्यासाठी शेतमाल प्रक्रिया उपक्रम शेतक－यांना सहाय्य करतात．

९．९．$\frac{\text { उत्पादक उपक्रमांत कार्यरत असलेल्या सहकारी संस्थांची }}{\text { है }}$ संख्या ३२ मार्च，२००७ रोजी ४४，४०१ होती．या सर्व संस्थांमधील सदस्य संख्या ६६．८ लाख इतकी असून त्यांचे खेळते भांडवल ११，३०५ कोटी रुपये होते．

९．९．२ देशातील उसाखालील एकूण क्षेत्रामध्ये राज्याचा वाटा १२．१ टक्के इतका असून देशातील ऊस उत्पादनामध्ये राज्याने गोरवास्पद स्थान प्राप्त केले आहे．स्वातंत्रोत्तर काळात राज्याच्या ग्रामीण भागात विविध सामाजिक व आर्थिक परिवर्तने यशस्वीपणे घडवृन आणण्यामध्ये सहकारी साखर कारखान्यांची भ्मिमिका प्रभावी ठरल्याचे सिद्ध झाले आहे．सहकारी साखर कारखान्यांचा तपशील तक्ता क्र．९．१३ मध्ये दिला आहे．

तक्ता क्रमांक ९．१३
सहकारी साखर कारखान्यांचा तपशील
（कोटी रुपये）

| बाब | ३२ मार्च，०६ ३२ माँचं，०७ |  |
| :---: | :---: | :---: |
| नोंदणीकृत कारखाने | २०२ | २०२ |
| उत्पादन चालू असलेले कारखाने | १४२ | २६३ |
| ऊस उत्पादक सदस्य संख्या（＇०००） | ३३ | ३३ |
| राज्य शासनाचे भाग भांडवल | ९२，२०७ | उ．ना． |
| प्रत्तिदिन गालप क्षमता（लाख मे．टन） | ૪．૪९ | ૪．4\％ |
| गाळप झालेला ऊस（लाख मे．टन） | ชช4．७9 | －9¢．C3 |
| उसाचा दर（प्रति मे．टन रुपये） |  |  |
| अ）उसाचा सरासरी दर | cop．40 | ci9．co |
| ब）प्रत्यक्षात दिलेला सरासरी दर | १，200 | १，940 |
| साखर उत्पादन（लाख मे．टन） | 4२．9८ | 99.00 |
| सरासरी उतारा（टक्के） | ११．६८ | ११．39 |
| बगेस उत्पादन（लाख मे．टन） | २९．७૪ | २४．३० |
| मळी（लाख मे．टन） | १७．२४ | २८．C६ |
| कारखान्यांची संख्या |  |  |
| अ）आसवनी प्रकल्प असल्लेल्या | 4e | 4e |
| ब）वीज निर्मिती प्रकल्प असलेल्या | ใ9 | 29 |
| वीज निर्मिती（दशलक्ष युनिट） | २4७．く३ | 364.194 |
| नफ्यातील कारखाने（संख्या） | २३ | २e |
| तोट्यातील कारखाने（संख्या） | ११६ | १११ |
| संचित तोटा | उ．ना． | उ．ना． |

उ．ना．－उपलब्ध नाही
९．९．३ शेतमालावर स्वतंत्ररित्या प्रक्रिया करणा－या सहकारी संस्थांची २००६－०७ करिता माहिती तक्ता क्र．९．२४ मध्ये दिली आहे．

तक्ता क्रमांक ९．१४
शेतमालावर ख्वतंत्र्ररित्या प्रक्रिया करणा－या सहकारी संस्थांचा २००६－०७ मध्धोल तपशील

$\dagger$ प्रक्रिया केलेल्या मालाचे स्वरूप，ऊस，कच्चा कापूस，भात，तेर्लबिया स＊भात सडणीसह

९．९．४ महाराष्ट्रातील कापसाच्या लागवडीखालील क्षेत्र ३२．२४ लाख हेक्टर असून ते देशातील कापसाच्या लागवडीखालील एकूण क्षेत्राच्या ३६．८ टक्के इतके आहे．कापूस पिंजणी व गासङ्या बांधणा－या सहकारी संस्थांचा तपशील तक्ता क्र．९．श५ मध्ये दिला आहे．

तक्ता क्रमांक ९．२५
कापूस पिंजणी व गासड्या बांधणा－या सहकारी संस्थांचा तपशील
（कोटी रुपये）

| वाब | ३१ मार्च，२००६ ३१ मार्च，२००७ |  |
| :---: | :---: | :---: |
| संस्था（नंख्या） | २२२ | २२३ |
| त्यापंकी，उत्पादन चालू असलेल्या | १८३ | १く३ |
| सभासद（＇00） | २，५५૪ | २．५६३ |
| भाग भांडवल | C．C७ | ९．९० |
| त्यापंकी，राज्य शासनाचे | २．०३ | २．0૪ |
| खेळते भंडवल | く६．९२ | く७．३々 |
| पिंजणी केलेला कापूस（मे．टन） | श२．ช७ | १२．$¢$ ¢ |
| बांधलेल्य गासङ्या＊（लाख） | ४．0\％ | \＆．Cく |
| नफ्यातील संस्था（संख्या） | ६¢ | ७จ |

＊प्रति गानडी वजन श७० कि．ग्रे．

९．९．し सहकारी सूतगिरण्यांचा तपशोल तक्ता क्र．९．९६ मध्ये，तर प्रार्थमिक हातमाग व यंत्रमाग सहकारी संस्थांचा तपशील तक्ता क्र．९．१७ मध्ये दिल आहे．

तक्ता क्रमांक ९．९६ सहकारी सूतगिरण्यांचा तपशील
（कोटी रुपये）

| बाब | ३२ मार्च，२००६ | ३१ मार्च，२००७ |
| :---: | :---: | :---: |
| गिरण्यांची संख्या | १९० | १७७ |
| त्यापैकी，उत्पादन चालूू असलेल्या | ૪ | 43 |
| सभासद（＇०0） | 4.96 | 4.29 |
| भाग भांडवल | ७६७ | २，440 |
| त्यापैकी，राज्य शासनाचे | ६४૪ | ९२६ |
| चात्यांची संख्या（लाखात） | 律 | १६ |
| उत्पादित सूताचे मूल्य | ७२३ | 9r\％ |

तक्ता क्रमांक ९．२७ सहकारी हातमाग व यंत्रमाग संस्थांचा तपशील
（कोटी रुपये）

| बाब | हातमाग |  | यंत्रमाग |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | 2004＊ | २००६＊ | 2004＊ | 200\％＊ |
| संस्था（संख्या） | ૬く३ | ૬く३ | 2，040 | १，०७० |
| सभासद（ ${ }^{(1)}$ | १，१२७ | C20 | ४२५ | 390 |
| मागांची संख्या（（ 000 ） | ३२．३ | ३०． 6 | ३०．4 | 2ง．9 |
| उत्पादन मूल्य | c9 | ३६ | ३४ | २३ |

९．९．६ राज्यातील सहकारी दुग्ध संस्था व दुग्ध संघ यांचा तपशील तक्ता क्र．९．१८ मध्ये दिला आहे．

तका क्रमांक ९．३८
सहकारी दुग्ध संस्था व दुग्ध संघ यांचा तपशील
（कोटी रुपये）

| बाब | सहकारी दुग्ध संस्था |  | सहकारी दुग्ध संघ |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | 2004－0¢ | 200¢－0才 | 2004－0\％ | २00६－0७ |
| संख्या | २६，८८？ | ३०，१९३ | Cb | 94 |
| सभासद（लाखात） | १८．४२ | २२．१८ | 0.80 | 0.47 |
| भाग भांडवल | २४． 4 | २८．२ | ९о．३ | ९९．३ |
| त्यापैकी，राज्य शासनाचे | उ．ना． | उ．ना． | $0 . \gamma$ | －．$\gamma$ |
| खेळते भांडवल | 24.3 | २७．८ | ง๐．$\%$ | 勺ง．4 |
| दूध खरेदी（किमत） | १११．५ | १२८．३ | १४१．३ | 244．8 |
| दूध व दुग्धजन्य पदार्थांची विक्री（किमत） | ६७．？ | ७ง．？ | ૬५．$\%$ | ७？．9 |
| नफ्यातील संख्था（संख्या） | १४，૪३२ | १३，७२\％ | ชけ | $4 \%$ |
| तोट्यातील संख्था（संख्या） | ११，9ヶ？ | १३，१३५ | ३३ | ४4 |

उ．ना．－उपलब्ध नाही
९．९．७ राज्यात २००६－०७ मध्ये २，९०० प्राथमिक मत्स्यव्यवसाय सहकारी संस्था，३३ मत्स्स्यव्यवसाय सहकारी संघ आणि दोन महासंघ कार्यरत होते．या सर्व संस्थांची सभासद संख्या $३ . \circ १$ लाख होती．या

संस्थांचे खेळते भांडवल १२७ कोटी रुपये होते. त्यांनी मासे व माशांपासूनची उत्पादने यांच्या केलेल्या विक्रीची किमत १८५ कोटी रुपये होती. २००५-०६ मध्ये अशा विक्रीची किमत १८० कोटी रुपये होती.

## समाजसेवी आणि इतर सहकारी संस्था

९.९०.१ राज्यात ३१ मार्च, २००७ रोजी शिखर ग्राहक महासंघाव्व्यतिरिक ३६१ घाऊक ग्राहक भांडारे व ३,३३० प्राथमिक ग्राहक भांडारे होती. ग्राहक महासंघ, घाऊक व प्राथमिक ग्राहक भांडारांचा तपशील तक्ता क्र. ९.१९ मध्ये दिला आहे.
९.९०.२ ३१ मार्च, २००७ रोजी राज्यात ज०,५७४ सहकारी गृहनिर्माण संख्था होत्या आणि त्यांची सदस्य संख्या १८.९७ लाख होती. घरबांधणीसाठी महाराष्ट्र राज्य सहकारी गृहनिमांण वित्तपुरवठा महामंडळाकडून कर्ज मंजूर करण्यात आलेल्या सदनिकांची एकूण संख्या

३१ डिसेंबर, २००७ रोजी २.९९ लाख होती. ३२ डिसेंबर, २००७ पर्यंत त्यापैकी बहुतांश सदनिकांचे बांधकाम पूर्ण झाले होते. या संस्थांमध्ये मार्च, २००७ अखेर ३६,९९७ इतका रोजगार होता.
९.२०.३ राज्यात ३२ मार्च, २००७ रोजी १०,२२७ मजूर कंत्राट संस्था होत्या व त्यामध्ये एकृण ६.६६ लाख सभासद होते. २००६-०७ ह्या वर्षामध्ये ह्या सहकारी संस्थांनी ६२२ कोटी रुपयांची कामे केली, तर आधीच्या वर्षामध्ये ६श० कोटी रुपयांची कामे करण्यात आली होती. या संस्थांमध्ये मार्च, २००७ अखेरीस ९१,९५३ इतका रोजगार होता.
९.९०.४ ३१ डिसेंबर, २००७ रोजो राज्यामध्ये २९९ वन श्रमिक संस्था होत्या व त्यांच्या सभासदांची संख्या ६६ हजार होती. २००६-०७ मध्ये ह्या संस्थांनी लाकूड व इतर वन उत्पादनांची केलेली विक्री ५९ कोटी रुपये इतकी होती.

तक्ता क्रमांक ९.९९
ग्राहक महासंघ, घाऊक व प्राथमिक सहकारी ग्राहक भांडारांचा तपशील


## किमती व वितरण

## चलनवाढ

१०.१ किमतीत होणा-या बदलांचा परिणाम जनतेच्या, विशेषतः गरीब जनतेच्या, राहणीमानावर होतो. त्यामुळे बदलत्या किमितींवर सतत व्र बारकाइने लक्ष ठेवणे आवश्यक असते. किमतीत होणा-या असाधारण वाढीस उच्च चलनवाढ असे संबोधले जाते. या उलट २ ते 4 टक्के इतकी सोम्य चलनवाढ अर्थंव्यवस्थेच्या विकासास पोषक मानली जाते आणि ती अर्थन्यवस्थेचा समतोल राखण्यास प्रेरक ठरते.
१०.२ विशिष्ट कालावधीमध्ये किमतीत होणारे बदल ' किमतींचे निर्देशांक' या पध्दतीने मोजले जातात. किमर्तींचे निर्देशांक घाऊक व किरकोळ अशा दोन्हो किमतींच्या आधारे तयार केले जातात. घाऊक किमतोचा निदेशांक हा घाऊक व्यापार व देवाणघेवाण यांतील वस्तूंच्या किमतीतोल बदल मोजण्यासाठी वापरता जातो, तर ग्राहक किंमतींचे निदँशांक हे सर्वसाधारणपणेदेनंदिन उपभाग्य वस्तृंच्या किरकोळ किमतींच्या संनयंत्रणासाठी वापरले जातात. भारतामध्ये घाऊक किमती निर्देशांक प्रत्यंक आठवड्याकरितातयार केला जातो वतो त्यानंतर दोन आठवड्यांच्या आवश्यक किमान कालावधीने उपलब्ध होतो. त्यामुळे घाऊक किमती निदंशांक देशाच्या अर्थव्यवस्थतील चलनवाढीचा दर मोजणारा निदेशक म्हणृन शासन, व्यापार व उद्योग स्तरावर मोठया प्रमाणावर वापर ला जातो.

## अ. भारतातील किमतींविषयक स्थिती

## घाऊक किंमती निर्देशांकावर आधारित चलनवाढ


१०.३ अखिल भारतोय घाऊक किमतो निद्शांकावर (पायाभूत वर्ष १९९३-९४) आधारित वार्षिक सरासरी चलनवाढीचा दर १० व्या पंचवार्षिक योजनेच्या २००२-०३ या पहिल्या वर्षी ३.૪ टक्के इतका कमी होता. त्यानंतर दोन वर्षामध्ये त्यात सातत्याने वाढ झाली आणि २००४-०५ मध्ये तो ६.५ टक्क्यांपर्यंत पोहोचला. यथावकाश प्राथमिक वस्तू, इंधन, शक्ती, दिवाबत्ती व वंगण आणि वस्स्तुनिमांण या गटांतील वस्तृंच्या किंमती कमो झाल्यामुळे २००५-०६ मध्ये तो $\gamma . \gamma$ टक्के इतका कमी झाला. त्यानंतर, प्रार्थमिक वस्तू आणि वस्तुनिर्माण गटातील किमतीत वाढ झाल्यामुळे २००६-०७ मध्ये त्यात

## भारतातील चलनवाढ : एक दृष्टिक्षेप

घाऊक किमर्तींचा निर्दे शांक भारत सरकारचे आर्थिक सल्लागार, वाणिज्ट व उद्योग मंत्रालय, हे प्रकाशित करते. घाऊक किंमतो निर्देशांकावर आधारित चलनवाढीचा दर १९९९-९२ मधटो १३.७ टक्के या उ₹चतनम पातळोणर पोहोचला होता. नथाषण, चलनवाढीचा दर १९९५-९६ पास्न सातत्याने कमी होंत राहिला अर्गण १९९६-९७ ते २०00-0१ या कालावधीत चलनवाढीचा वार्षिक सरासरी दर 4.0 टक्के इतका माफक राहिला. २००२-०६ या चार वर्षांत $૪ . \rho$ टक्क इतका कमी राहिलेला चलनवाढोचा सरासरी दर २००६-०७ मध्ये ५.४ टक्क्यांपयंत वाढली. २००७-०८ मध्यो (जानेवारी, २००८ पर्यंत) तो ४.₹ टक्के इतका होंता.
५. ४ टक्के इतको वाढ झाली. २००७-०८ ची सुरुवात (बिंदृ ते बिंदू) ६.३ टक्के इतक्या उच्च चलनवाढीने झाली. तद्नंतर त्यात सातत्याने घट होऊन जानेवारी, २००८ मध्ये तो ३.९ टक्क्यांवर स्थिरावला. मुख्येतः प्राथमिक वस्तू व इंधन, शक्ती, दिवाबत्ती व वंगण या गटातील वस्तृंच्या किमती कमी झाल्यामुळे चलनवाढीच्या दरात घट झाली आहे. धाऊक


किंमतींचे अगदी अलिक्डील कालावधीचे गटवार निर्देशांक आर्गाण चलनवाढीचे दर तक्ता ऋ．३०．३ मध्ये दर्शववले आहेत．

तक्ता क्रमांक १०．？
अखिल भारतीय घाऊक किमतींचे प्रमुख गटवार निर्देशांक
（पायाभूत त्रर्ष १९९३－९૪）

|  | अख़ल | भारतीय घाऊक | किमतांचे | शांक |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| वर्ष／माहना | प्राथमिक वस्त् | इंधन，शक्षी， दिव्राबत्ती व बंगण | वस्तुनिर्माण उत्पादने | $\begin{aligned} & \text { सर्व } \\ & \text { वस्त्तू } \end{aligned}$ | चलन <br> वाढीचा <br> दर |
| भार | २२．०२ | १४．२३ | ६३．७५ | 900.00 | － |
| २००२－०३ | १७¢．O | २३९．२ | १४く．？ | २६६．C | ३．$૪$ |
| २00३－0才 | 24.4 | २५४．६ | १५६．\％ | १ง4．9 | 4.4 |
| 2008－04 | २८ง．я | २८०．？ | २६६．३ | ヶくง．३ | छ． 4 |
| ₹oou－0¢ | १९३．६ | ३०६．C | १७१．४ | २९५．६ | ૪．$૪$ |
| २००६．0७ | २०८．७ | इマ३．9 | ใ७९．० | २०६．२ | 4.8 |
| २○○६－○७＊ | २०७． 4 | ३२४．८ | १७८．$\chi^{\text {P }}$ | २०५．६ | 4.2 |
| 2001－0८＊ | २२२．८ | ३२४．५ | १८६．$७$ | २२૪．३ | ४．२ |
| एप्रल．०৩ | २श९．२ | ३२०．४ | शе४．६ | २१२．4 | ६．३ |
| जाने．，०८（3） | २२२．७ | ३३૪．३ | १CC．9 | 2\％७．0 | 3.9 |
| ※र० महनन्यं | सरासरी | （र्एप्रल त ज | जनेवारी） | （अ） | स्थायी |

श०．४＇प्राथमिक वस्त्＇या प्रमुख．गटाच्या एपिल，२००७ तं जानेवारी，२००८ या कालावधीच्या सरासरी निद्देशांकममध्यो आधोच्या वर्षातोल तत्सम कालावधीतील सरासरी निदेंशांकापेक्षा ७．. टक्के इतकी वाढ झाली आहे．अखिल भारतीय घाऊक किमती निद्देशांकामध्ये ‘र्राथमिक वस्त्र＇ह्या गटाचा भार २२．०२ टक्के असृन जानेवारी，२००७ तो जानेवारी，२००८ या कालावधीतील एकूण चलनवाढीमध्यो सदर गटाचा वाटा २२．०३ टक्के होता．आधीच्या वषांतोल तत्सम कालावधीत सदर वाटा ३४．९ टक्के इतका होता．
30.4 ＇ङंधन，शक्ती，दिवाबत्ती व वंगण’ या प्रमुख गटटातील एप्रिल，२००७ ते जानेवारी，२००८ या कालाबधीचा सरासरो निर्देशांक ०．१ टक्क्यांने किंचित कमी झाला आहे． अर्खल भारतीय घाऊक किमती निर्देशांकात सदर गटाचा भार २४．२३ टक्के असृन एकृण चलनवाढीतील सदर गटाचा वाटा २२．७७ टक्के होता．आधीच्या वर्षाच्या तत्सम कालावधीतोल（जानेवारी，२००६ ते जानेवारी，२००७）सदर गटाचा एकूण चलनवाढोतील वाटा १३．५ टक्के होता．

१०．६ ‘वस्त्तुfनिमांण उत्पादने’ या प्रमुख गटाच्या सरासरी निदेंशांकात एप्रिल，२००७ तो जानेवारी，२००८ या कालावधीत ४．८ टक्के वाढ झाली．आधीच्या वर्षांच्या तत्सम कालावधीत हो वाढ ३．९ टक्के इतकी होती．अखिल भारतीय घाऊक किम्मतो निद्दे शांकात ‘वस्त्तिनिर्मांण उत्पादने’ ह्या गटाचा भार ६३．ज५ टक्के असृन（जानेवारी，२००७ ते जानेवारी，२०००）


एकूण चलनवाढोतील सदर गटाचा चालू वर्षातील वाटा ५५．२० टक्के इतका होता，तर आधीच्या वर्षाच्या तत्सम कालावधीत तो ५२．६ टक्के होता．चालू वर्षात＇वस्तुनिर्मांण उत्पादन＇या गटाचा चलनवाढोतील वाटा तुलनात्मक दृष्षीने कमी होता．

ใ०．७ अखिल भारतोय घाऊक किंमतो निदेंशांकातील समाविष्ट तीन प्रमुख गटांपेकी ‘इंधन，शकी，दिवाबत्ती व वंगण’ या गटाचा चलनवाढीतील वाटा इतर गटांच्या तुलनेत जास्त होता．२००७－०८ या वित्तीय वर्षातील मासिक अखिल भारतीय घाऊक किमती निर्दे शांक एप्रिल，२००७ मध्यो २2१．५ होता，तों २．६ टक्क्यांनी वाढृन जानेवारी，२००८ मध्ये २१७．० इतका झाला．अखिल भारतीय घाऊक किंमती निदे शांकानुसार एप्रिल， २००७ मध्यं असलेल्या ६．३ टक्के चलन वाढोच्या दरात लक्षणीय घट होऊन तो जानावारी，२००८ मधयं ३．९ टक्क्वांपर्यंत खालो आला．

## ग्राहक किंमतीच्या निर्देशांकांवर आधारित चलनवाढ

१०．८ अर्थव्यवस्थेतील विविध सामाजिक ब आर्थिक गटांकरिता राष्ट्रीय पातळीवर ग्राहक किमती निर्देशांकांच्या चार मालिका सध्या प्रचालित आहेत．१）औद्योगिक कामगारांकरिता अखिल भारतोय ग्राहक किममतींचे निदेंशांक，२）नागरी श्रमिकेतर कर्मंचा－यांकरिता अखिल भारतीय ग्राहक किमतींचे निदेशेंक，३）शंतमजुरांकरिता अखिल भारतोय ग्राहक किमतींचे निर्देशांक आण ४）ग्रामीण मजुरांर्करिता अखिल भारतीय ग्राहक किंमतींचे निर्देशांक．

औद्योगिक कामगारांकरिता अखिल भारतीय ग्राहक किमतींचा निर्देशांक

१०．८．२ औद्योगिक कामगारांकरिता ग्राहक किंमती निर्देशांकाद्वारे देशातील औद्योगिकदृष्ट्या विकसित अशा ७० केंद्रांमधील जीवनावश्यक वस्तू व सेवा

तक्ता क्रमांक．१०．र
औद्योगिक कामृगारांकरिता अखिल भारतीय ग्राहक किंमतींचे प्रमुख गटवार निर्देशांक

| वर्ष／मर्महना | खाद्यपदार्थ | पान，सुपारी，तंबाखू व मादक पदार्थ | इंधन व <br> दिवाबत्ती | निवास | कापड，बिछाना व पादत्राणे | संकीर्ण | सर्वसाधारण निर्देशांक | चलन－ वाढीचा दर |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| （पायाभूत वर्ष २००१） |  |  |  |  |  |  |  |  |
| भार | 8\％．99 | २．२७ | ६． \％$^{\text {\％}}$ | P4．2७ | E．पC | २३．२६ | 200.00 | － |
| 2004－0¢ | १२4 | ११२ | १२३ | ११С | 2\％ | २२० | ใ१ง．$\%$ | ૪．૪ |
| 200E－O७ | २२६ | २१६ | १३० | श२६ | 29\％ | २२६ | Q२4．0 | $\xi_{\text {¢ ，ن }}$ |
| 200F－OG＊ | १२4 | 924 | १२९ | १२५ | ११३ | १२५ | १२૪．२ | E． $\mathrm{E}^{\text {E }}$ |
| 200才－0く＊ | ใ34 | १२७ | १३२ | १३० | ११८ | १३० | १३२．9 | ६．२ |
| एप्रिल，200७ | ¢30 | १२૪ | १३？ | १२८ | 2？ | १२く | श२C．0 | E．७ |
| डिसेंबर，poo७ | १३७ | १२९ | १३४ | १३३ | ११\％ | १३३ | १३४．० | 4.4 |

＊९ महिन्यांची सरासरी（एप्रिल ते डिसेंबर）

यांच्या मासिक किमितोमधील बदल मोजले जातात．श्रम केंद्र，सिमला ाांनी २००१ पायाभूत वर्ष धरुन ही मालिका सुधारित केलो आहे．या ७० केंद्रापेको मुंबड़，पुणे，नागपूर，सोलापूर व नाशिक हो पाच केंद्रे महाराष्ट्रतील आहेत．अलिकडील कालववधीचे ओद्यांगिक कामगारांकरिता अखिल भारतीय ग्राहक किमतींचे प्रमुख गटवार निर्देशांक आणि चलनवाढीचे दर तक्का क्रमांक ३०．२ मध्ये दर्शाविले आहेत．राज्यातील उपरोक्त पाच केंद्रांव्यर्तिरिक्त जळगांव，नांदेड，औरंगाबाद，काल्हापूर व अकोला या इतर पाच केंद्रांसाठी सुध्दा औद्योगिक कामगारांकरिता ग्राहक किमती निर्देशांक（पायाभूत वर्ष १९८२）कामगार आयुक्त कार्थालय，महाराष्ट्र शासन यांच्याकडून तयार केले जातान．औद्योगिक कामगारांकरिता ग्राहक किमती निदेशांकावर आधारित चलनवाढ ही निवडक संबांचा अंतर्भाव असलेल्या किरोोळ किमरींवर आधारित निदैशेंकावरून तयार केल्यामुळे तो सामान्य माणसांच्या रहणणोमानावर किमतींतोल वाढीमुळे होणारा परिणाम ठरविण्यासाठी सर्वसाधारणपणं याग्य निदेशांक म्हणून स्वीकारण्यात येतो．यास्तव हा निर्देशांक सार्वजनिक आणि खाजगी क्षेत्रातील कर्मचा－यांचा महागाई भत्ता ठरविण्यासाठो वापरला जातो．
i）ओद्योगिक कामगारांकरिता चलनवाढीचा दर वित्तीय वर्ष २००७－०८ च्या सुरुवातीस ६．७ टक्के होता आणि त्यात वाढ होऊन ऑगस्ट，२०o७ मध्ये तों $७ . ३$ टक्के इतका झाला．त्यानंतर त्याच्यात घट ड्रोऊन तो ऑक्टोबर，२००७ ते डिसेंबर，२००७ पर्यंत ५．५ टक्क्यांवर स्थिरावला．औद्योगिक कामगारांकरिता अखिल भारतीय ग्राहक किमर्तोंचा एप्रिल ते डिसेंबर，२००७ या कालावधीतोल सरासरी निद्देशांक（१३२．९）हा आधीच्या वर्षाच्या तत्सम कालावधीतील निदेंशांकांपेक्षा ६．२ टक्क्यांनी जास्त होता．२००७०८ या वित्तीय वर्षात डिसेंबर，२००७ मध्ये औद्योगिक कामगारांकरिता अखिल भारतीय ग्राहक किमतींचा निर्देशांक १३४ होता． मार्च，२००७ मधील निदेशांकापेक्षा（१२७）तो ५．५ टक्क्म्यांनी अधिक होता．
ii）राज्यातोल दहा केंद्रांतील औद्योगिक कामगारांकरिता प्रमुख गटवार ग्राहक किमतींचे निदेशांक या प्रकाशनाच्या भाग－२ मधील तक्ता क्रमांक ३८ मध्ये देण्यात आले आहेत．

घाऊक किमती निर्देशांक（घाकिंनि）व औद्योगिक कामगारांकरिता ग्राहक किमती निर्देशांक（ग्राकिंनि）

यानुरार वर्ष २००७ मधील चलनवाढीचे दर


महिने（जानेवारी ते डिसेंबर）
नागरी श्रमिकेतर कर्मचा－यांकरिता अखिल भारतीय ग्राहक किंमतींचे निद्देशांक

२०．८．२ केंद्रीय सांख्यिकीय संघटनेकड्न देशातील ५९ शहरांकरिता मासिक मालिकेच्या स्वरूपात नागरो श्रमिकेतर कमंचा－यांकरिता अखिल भारतीय ग्राहक किंमतीं निद्देशांक（पायाभूत वरं १९८૪－८५）प्रकाशत केला जातो．या शहरापेकी मुंबई，औरंगाबाद，नागपृर，पुणे आण्ण सोलापूर ही पाच शहरे महाराष्ट्रातील आहेत．

हा निर्देशांक नागरी श्रमिकेतर कर्मचा－यांच्या गटाकरिता जीवनावश्यक वस्तू आणि सेवांच्या किरकोळ किमतींतील बदल दर्शंवितों बँका आर्ण विदेशो दृतावास त्यांच्या कर्मंचा－यांच्या वेतन भरपाईकरिता या निर्देशांकाचा उपयोग करतात．नागरी श्र्रमकेतर कमंचा－यांकरिता ग्राहक किमिती निर्देशांकानुसार २००७－०८ या वर्षांतील（एप्रिल ते डिसेंबर） चलनवाढीचा दर आधीच्या वर्षाच्या तत्सम कालावधीच्या तृलनेत ६．？टक्के होता．तों २००६－०७ या संपृर्ण वर्षासाठी ६．६ टक्के होता．२००७－०८ （एप्रिल ते डिसेंबर）या वर्षांत राज्यातोल चलनवाढीचा दर अखिल भारतोय पातळीवरील ६．२ टक्क्यांपेक्षा मुंबई（५．८०）व नागपृ（३．६९）या शहरांकरिता कमी होता．मात्र，पुणे（७．६२），औरंगाबाद（७．२३）

आर्णण सोलाप़र（৩．३८）या शहरांचा चलनवाढीचा दर त्यापेक्षा जास्त होता．अखल भारत व राज्यातील पाच केंद्रांतोल नागरी श्र्रमकेतर कमंचा－ यांर्कारता ग्राहक किमतींचे निर्देशांक या प्रकाशनाव्या भाग－२ मधोल तक्ता कमांक ३९ मध्यं देण्यात आले आहेत．

शेतमजूर आणि ग्रामीण मजूर चांच्याकरिता अखिल भारतीय ग्राहक किमतींचे निर्देशांक

१०．८．३ श्रम केंद्र，सिमला हे देश व राज्यपातळीवर शेतमज़र आणि ग्रामोण मज़र यांच्यार्करता ख्वतंत्रपणें ग्राहक किमतींचे निर्देशांक（गायाभृत वर्ष १९८६－८७）मासिक मालिकेच्या स्वरूपात प्रकाशित करते．२००७－ $\circ$ ८ या वरामध्ये एग्रिल ते डिसेंबर या कालावधोसाठो ग्राहक किमतींच्या सरासरी निर्देशांकावर आधर्धारत चलनवाढीचा दर शेंतमजूर व ग्रामीण मजूर यांच्यासाठी अनुक्रमे ७．७३ व ७．४२ टक्के नोंदविण्यात आला आहे． शंतमजुरांकरिता असलेल्या ग्राहक किमती निदेशांकाचा वापर कृषि क्षेत्रातील क्कमान वेतन ठराविणं आणि तं सुर्धारित करणं यार्करिता केला जातो． राज्य व अखिल भारतातील शंतमजॄर व ग्रामीण मजुरांकरिता ग्राहक किमतींचे ननर्देशांक या प्रकाशनाच्या भाग－२ मधील तक्ता क्रमांक ४० मध्ये देण्यात आले आहेत．

## ब．महाराष्ट्रातील किमतींविषयक स्थिती



१०．9 देशातील किमतींविषयक स्थितीत होणा－ या बदलांचा परिणाम राज्यातोल किमतींच्या स्थितीवर होता．राज्यातोल किमतीविषयक स्थितीचा आढावा घेण्यासाठी महाराष्ट्र शासनाचे अर्थ व सांख्यिकी संचालनालय नागरी आणि ग्रामीण भागातील निवडक केंद्रांतृन जीवनावश्यक वस्तृ व संवा यांच्या किरकोळ किमतींसंबंधो माहिती निर्यमतपपणे गोळा करते．या किमतींच्या आधारे राज्याच्या नागरी आणि

ग्रामीण भागांकरिता वेगवेगळं ग्राहक किमतींचे मासिक निदेशांक（पायाभूत वर्ष－२००३）तयार करण्यात येतात．महाराष्ट्रातील ग्रामीण भागातील ग्राहक किमती निर्देशांक तयार करण्याकरिता ६८ ग्रामीण केंद्रांतून व नागरी भागाकरिता ग्राहक किमती निर्देशांक तयार करण्याकरिता ७४ नागरी केंद्रांतृन गोळा केलेल्या साप्ताहिक किमतींचा वापर करण्यात येतो． राज्य स्तरावर तयार करण्यात आलेल्या ग्राहक किमती निर्देशांकावरून असे निदर्शनास यंते को，राज्यातील नागरी आरण ग्रामीण भागांतील चलनवाढीचा दर २००७－०८（एप्रिल ते डिसेंबर）या वर्षात अनुक्रमे ७．८ टक्के व $२ 0.4$ टक्के होता．हा दर अखिल भारतीय पातळोवरील औद्योगिक कामगारांच्या ग्राहक किमती निद्देशांकावर आधारित चलनवाढीच्या ६．२ टक्के दरापेक्षा जास्त होता．

## राज्याच्या नागरी भागातील किमतींतील कल

i）२००७－०८ मधील एप्रिल ते डिसेंबर，२००७ या कालावधीतील नागरी ग्राहक किमतोंचा सरासरी निर्देशांक आधीच्या वर्षाच्या तत्सम कालावधीतील सरासरी निर्देशांकापेक्षा ७．८ टक्क्यांनो जास्त होता．
ii）मार्च，२००७（११९．०४）च्या तुलनंत डिसेंबर，२००७ चा नागरी ग्राहक किमती निर्देशांक（१२४．५४）૪．६ टक्क्यांनी जास्त होता या वाढीस प्रमुख्याने＇इंधन व दिवाबत्ती＇या गटातोल जळाऊ लाकृड व विजेचा दर यांच्या किमर्तीतील वाढ कारणीभूत होती．अगदी र्अलिकडील कालावधीसाठी महाराष्ट्राच्या नागरी भागार्करता असलेले ग्राहक किमतींचे प्रमुख गटवार निर्देशांक आणि चलनवाढीचे दर तक्ता क्रमांक १०．३ मध्ये दिले आहेत．

## राज्याच्या ग्रामीण भागातील किंमतींतील कल

iii）२००७－०८ मधील एग्रिल ते डिसेंबर २००७ या कालावधोतील ग्रामीण ग्राहक किमर्तीचा सरासरी निर्देशांक आधीच्या वष्षाच्या तत्सम कालावधीतील सरासरी निर्देशांकापेक्षा १०．५ टक्क्यांनी जास्त होता．

तक्ता क्रमांक $\{० . ३$
महाराष्ट्रातील नागरी व ग्रामीण भागांकरिता ग्राहक किंमींचे गटवार निदे ेशांक

| नागरी |  |  |  |  |  |  |  |  |  | ग्रामीण |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| खाद्य <br> पदाथ | पान इंधन सुपारी，वीज व व तंबाखू दिवाबत्ती | कापड बिछाना， व पादन्राणे | संकीण | सवं वस्तू | चलन－ <br> वाढीचा <br> दर | वर्ष／ महिना | खाद्य－ <br> पदार्थ | पान <br> सुपारी व तंबाखू | इंधन, <br> वीज व <br> दिवाबत्ती | कापड， बिछाना， त पादत्राणे | संकीण | $\begin{aligned} & \text { सर्व } \\ & \text { वस्तू } \end{aligned}$ | चलन－ <br> वाढीचा <br> दर |


| （पायाभूत वर्ष २००३） |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 84．60 | P．4． | ९०．२८ | － 4.49 | ३૪．८७ | ¢00．00 | － | भार | 42.64 | 2.94 | २०．६७ | C．43 | २५． 60 | 00.00 | － |
| 204 | ¢०३ | ९०३ | Q०२ | por | por | － | २०or－0¢ | por | 204 | 々०३ | ¢०२ | २०२ | por | － |
| gos | २ov | ¢06 | ¢03 | ৃo৩ | qoe | ३．२ | २००५－оद | pop | q09 | qoe | ¢о३ | 204 | 20¢ | $3 .<$ |
| २२० | q92 | १२४ | 904 | १\％ | 294 | ७．२ | マOOE－O७ | १\％ | ११ง | १२२ | 904 | 900 | ？ $29 \%$ | ७．${ }^{\text {¢ }}$ |
| १\％9 | १२२ | 926 | Por | q09 | ११४ | 4.9 | マ००६－o७＊ | ＊ Q $^{\text {¢ }}$ | श？ | १२५ | 90\％ | ¢оя | १¢\％ | 4.9 |
| १२く | २२० | १४૪ | QO६ | ११४ | २२३ | － 3. | २oob－oc＊ | ＊२२く | १२५ | श६， | २०६ | १24 | १२६ | 90.4 |
| १२३ | ११६ | १४\％ | ¢०६ | ११३ | २२० | १०．२ | एप्रिल，০७ | १२२ | १२२ | १५\％ | १०¢ | ११३ | २२२ | १२．६ |
| १३० | १२३ | १४\％ | १०७ | ११६ | २२५ | 4.0 | डिसेंबर，०७ | १३？ | १२く | १ง० | ¢Ob | ใุง | २२९ | ७． 3 |

[^4]iv) ग्रामोण ग्राहक किमतींचा निद्देशांक मार्च, २००७ (?२०.९४) च्या तुलनेत डिसेंबर, २००७ (१२९.२२) मध्ये ६.८ टक्क्यांनो जास्त होता. हो वाढ मुख्य्यत्वे 'इंधन व दिव्वाबत्ती ' या गटातोल जळाऊ लाक्ड व विजंचादर या वस्तृंच्या किमतोंत झालेल्या वाढोमुळे होती. अगदी अर्लिकडील कालावर्धर्कारताचे महाराष्ट्राच्या ग्रामीण भागाकरिता असलेले ग्राहक किंमतींचे प्रमुख गटवार निर्देशांक व चलनवाढीचे दर तक्ता क्रमांक $९ ० . ३$ मध्येदिले आहेत.

## महाराष्ट्रातील शेतमजूर आर्ण ग्रामीण मजूर यांच्याकरिता ग्राहक किमतींचे निदेशांक

१०.९. श्रम कंद्र, सिमला यांच्याकड़न प्रकाशित करण्यात आलेल्या महाराष्ट्र राज्याताल शेतमजूर आणि ग्रामीण मजूर यांच्यार्कारता ग्राहक किमती निर्देशांकांच्या मालिकेनुसार २००७-0८ मधील एप्रिल ते डिसेंबर या काळातील शंतमज़र व ग्रामीण मजुरांकरिता सरासरी ग्राहक किमती निनदेशांकाची दोंन्ही मालिकांतील वाढ आधंच्या वर्षाच्या तत्सम कालावधोतील सरासरी निर्देशांकांपक्षा अनुक्रमे ७.८७ टक्के आणण ७.३५ टक्क्यांनी कमी होती.
i) प्रमुखगटवार घाऊक आणग ग्राहक किमतींचे निद्देशांकव चलनवाढीचे दर या प्रकाशनाच्या भाग २ मधोल तक्ता क्रमांक ३६ तं ४३ मध्ये देण्यात आले आहेत.

## नागरी पुरवठा

## सार्वजनिक वितरण व्यवस्था

20.90 सार्वजनिक वितरण व्यवस्था (सा.वि.व्य) गरीब जनतेला अत्यावश्यक ग्राहक वस्तूंचा पुरवठा स्वस्त व अनुदानित दरात ऋरण्यासाठी व अत्यावश्यक वस्तूंच्या वाढत्या किमतीच्या परिणामापासून त्यांना संरक्षण देण्यासाठी आर्ण गरोबांचा किमान पोषणाचा स्तर कायम रान्बाप्याच्या प्रभुख उद्दशाने सुरु कंरण्यात आली. महाराष्ट्र हे अन्रधान्य उत्पादनाच्या बाबतीत तृटोचे राज्य असल्याने, राज्यातील गरीब जनतेला अन्नधान्य सुरक्षतता पुरविण्यात सार्वजनिक वितरण व्यवस्था महत्वाची भृमिका बजावते. अन्र धान्याची गरज स्थानिक उत्पादकांकड्रन तसेच सार्वर्जानक वितरण व्यवस्थेंतर्गंत केंद्र सरकारकड्र विवावध योजनांद्वारे धान्याचं प्रापण करून भार्गावली जाते. 'सार्वजनिक वितरण व्यवस्था हा कैंद्र व राज्य शासनाचा संयुक्त उपक्रम असल्याने त्या दोहोंमध्ये योजनेच्या

कामाच्या जबाबदा-यांची विभागणी झाली आहे. केंद्र श़ासन धान्याचे प्रापण व साठवण करते आणग राज्य सरकारला त्याचे वाटप करते तर दारिद्रय रेषंखालील कुटुंबांचो अंळख निश्चित करणं, पुरव्वठा पर्तिकांचे वाटप करणे, जीवनावश्यक वस्तृंचे वितरण करणं आणि रास्त भाव दुकानांच्या कामाचं पर्यंवेक्षण व संनियंत्रण या जबाबदा-या राज्य सरकारकडे आहेत.
१०.१०.१ १९५७ पासृन राज्य सरकार रास्त भात्व दुकानांमार्फत अन्रधान्याचा पुरवठा करण्यात कार्यक्षम भ्रिमका. बजावत आहे. शिधापत्रिकाधारकांची सोय व भृभागाची संरचना त्रिचारात घेऊन रास्त भाव दुकाने सुरू करण्यात आली आहेता. राज्यामध्यं ? ऑक्टोबर, २००७ रोजी $40, \circ ८ ३$ रास्त भाव दुकाने कारंरत होती. रास्त भाव दुकानांतील गैरव्यवहारांवर नियंत्रण ठेवण्यासाठी त्यांच्या नियमित व अचानक तगासण्या केल्या जातात. त्यांची परिणामकारक्ता वार्ढविण्यासाठी लगतच्या तालुक्यांतोल कर्मचा-यांकड्न ह्या तपासण्यांचे पुर्नपरीक्षण करण्यात यंते. अन्नधान्यांचे नमुने, साठ्याची स्थिती, तसेच किमती या बाबतची माहिती ठळकपणें दर्शाविणे रास्त भाव दुकानांना अनिवार्य आहे. राज्य सरकारने नोलेंबर, २००७ मध्ये नवीन रास्त भाव दुकानांसाठी व किरकोळ केर्रोसन दुकानांसाटो नवीन परवाने देताना स्व-सहाय्यीत गटांना प्राधान्य देग्याचा निणंय घंतला आहे.
१०.१०.२ बृहन्मुंबईंतोल विशेषत: दाक्षण भागातोल जमीनोंच वाढते भाव नविन रास्त भाव दुकानांच्या स्थापनंतोल प्रमुख अडथळा आहं. या अडथळयावर मात करण्यासाठो रोज्य सरकारने फिरती शिधावाटप दुकाने सुरु केली आहेत. केंद्र सरकारने ३३ फिरत्या शिधावाटप दुकानांच्या खरेदीसाठी ३८० लाख रुपये मंजूर केले आहेत. हो शिधावाटप दुकाने पणन महासंघ, ग्राहक Iहासंघ आणि अपना बाजार अशा सहकारी संस्थांना काही उराविक अटींवर चालविण्यासाठो दिलो आहेत यापेकी २ फिरती शिधावाटण दुकाने द्रार्रावितरण योजनंअंतरंत नंदुरबार जिल्द्यातील अक्राणी व अक्कलकुवा या तालुक्यांत चार्लविण्यासाठी पणन महासंघास हस्तांतरीत करण्यात आली आहेत.
१०.१०.३ सार्वजनिक वितरण व्यवस्थेअंतरंत, अन्नधान्याची उचल भारतीय अन्न महामंडळाच्या तोदामांतून करून राज्य शासनाच्या मालकोच्या अथवा भाडयाने घेतलेल्या गोदामांत साठवणृक केली जाते.


सध्या १,०२४ गोदामे (५.९२ लाख मे.टन क्षमतेची) राज्य शासनाच्या मालकीचो अहं तर राज्य शासनाने १९५ अरितिक्त गोदामें भाडे तत्त्वावर घंतली आहेत ( 0. ९६ लाख में.टन क्षमतंची). या २,२१९ गोदामापैेको १,०५० गांदामें (६.२७ लाख में.टन क्षमतेची) सध्या वापरात आहेत, ३५४ गोंदामं (०.६३ लाख मेंटन साठवणूक क्षमतेची) सध्या वापरात नाहीत तर $२ ५$ गोदामें ( 0.0 C लाख मेंटन साठवणृक क्षमतेची) भाडे तत्त्वावर देण्यात आलेली आहेत.

## लर्थ्य्यन्धारित सार्वजनिक वितरण व्यवस्था

२०.२१ शासनांच धरारण समाजातील कमकुवत व गरीब वरांकड कैद्रमपृत करण्याच्या उद्देशानं लक्ष्ष्यानर्धारेत सार्वर्जनक वितरण व्यवस्थेचा (ल.सा.वि.व्य.) पुरस्कार करण्यात आला. राज्यातील मार्चं, २००० मधोत्न लांकसंख्येच्या आधारे केंद्र शासनाने ६५.३४ लाख लाभार्थीं कुटुंबांचे लक्ष्य ठरवून दिले आहे. दारिद्रय रेषेच्यावरील्न (दा.रे.व.) कुटुंबांना सा.वि.व्य. अंतर्गत होणारा अन्रधान्याचा पुरवठा वळवून गरजू कुट्ंबांना जास्त प्रमाणात धान्य पुराविण्याच्या उद्देशाने राज्य सरकारने तिरंगो शिधारात्रिका योजना १ मे, १९९९ पासून सुरू केलो. त्यानुसार शिध्रार्णत्रकांचे न्राटप वार्षिक उत्पन्नाच्या निकषानुसार करण्यात येते. लर्ध्र्गनर्धारत सावर्जानक वितरण व्यव्वस्थंअंतर्गत प्रत्येक फिवळी शिधार्पत्रिका धारक दरमहा ३५ किलां अन्नधान्य (गहृ आणि/अथवा तांदृळ) मिळण्यास पात्र आं. या यंजनेंतंतरंत या शिधार्पत्रिकांधारकांना पुर्रावण्यात येणा-या तांदृळ व गक्काच्या किरकोळ किमती प्रति किलो अनुक्रमे ६ रुपये व 4 रुपये अशा निर्धारित करण्यात आल्या आहेत, तर केशरी शिधापत्रिका धारकांना दरमहा $३ ५$ किलो अन्नधान्य तांदूळ $९ .40$ रुपये प्रति किलो व गहृ $\checkmark$ रुपये प्रति किलो या दराने पुरविण्यात येत आहे. लक्ष्य निर्धारत सावंर्जनक वितरण व्यवस्थेअंतर्गत पांढरी शिधा पत्रिका धारक कांणन्याहो अन्नधान्य पुरवठ्यास पात्र नाहीत.

वार्षिक उत्पन्न मर्यादेनुसार पुरवटापत्रिका धारकांची संख्या


## अंत्योदय अत्र योजना

१०.१२ अंत्योदय अन्न यांजना (अं.अ.यो.) गरिबांतील गरिबांकडे लक्ष दोग्याच्या हेतूने डिसेंबर, २००० मध्यं सुरु करण्यात आलो. या योजनेअंतर्गत राज्याला सुरूवातीस १०.०२ लाख लाभार्थी कुटुंबांचे लक्ष्य्य ठरवून देण्यात आले हांते. त्यानुसार दारिद्र्य रेषखालील गारबातील गरिबांना ? मे, २००२ पासून गहू प्रति किलो २ रुपये व तांदृळ प्रति किलो ३ रुपये या दराने अत्रधान्याचा पुरवठा करण्यात येत आहे.

## विस्तारित अंत्योदय अन्न योजना

२०.१३ भारत सरकारने उंत्योंदय अन्र योजनंचा ऑक्टोबर,२००३ मध्यं विस्तार केला व राज्यासाठो $4.0 \vee$ लाग्व इतकी अरितिक्त लाभार्थी संख्या निश्चित करण्यात आलो. कुटुंब्रमुख विधवा स्त्री असलेलो सवं दुर्बल कुटुंब, अपंग, दुर्धर रोगग्रस्त व्यक्तो अथवा ६० वर्षावरोल वृध्द व्यक्ती, तसेच सर्व आदिम आद्वासी यांचा प्राधान्य सूचीत समावेश करण्यात आला आहे. त्यानुसार केंद्र शासनाज्या मार्गदर्शनाप्रमाण लाभाथ्यांची निवड करण्यात आली असून त्यांना लाभ देण्यात येत आहेत. भारत सरकारने सन २००४ मध्ये अंत्योद्य अन्र योजनेची व्याप्ती दुस-यांदा विस्तारित करुन लक्ष्यामध्ये ४.८१ लाख इतक्या लाभाश्य्यांची वाढ केलो. प्राधान्यसृचोमध्य भृांमहोन शेतमज़र, सिमांतिक शेतकरो, प्रामीण कारागीर/कुराल कारातर अर्זण असंधटित क्षेत्रहील रंजंदर्रोवर काम करणारे यांचा समावेश कराप्यात आला. त्यानुसार लाभाध्यांची निवड कराण्यात आली व लक्ष्य साध्य करण्यात आल. २००५ मधं्ये भारत सरकारने अंत्यांद्यय अन्र योजनेचा तिस-यांदा विस्तार केला व ५.२२ लाग्व लाभार्यांचे वाढीव लक्ष्य ठरवृन दिले. त्यानुसार आतापर्यंत ४.८० लाख लाभार्थ्यांची निवड करण्यात आली असून त्यांना निर्यमित लाभ देण्यात येत आहेत. अशाप्रकारे अंत्योदय अन्र योजने अंतर्गत एक्रण २४.६४ लाख कुटुंबांना निर्यामत लाभ देग्यात येत आहेत तर उर्वारत $० . ४ १$ लाख कुट्रंबांची अद्धाप आंकख पट्विण्यात येत आहे.


## अन्तधान्याचे नियतन व उचल

？० ₹\％अ习习习न्यांचे प्रापग करणणे व त्यांचे राज्यांना सार्वर्जनक वितरण ब्खावस्थ्थंअंतर्गत न्रितरणासाठी नियतन करणे ही जबाबदारो भारतोय अत्र महामंडळाकडे असते，भारत सरकारने नोद्केंबर，२००७ पस्न दारिद्रघ रेषंखालील कुट्टंबांसाठी सुधारारत नियतन मंज़र कलं आहे． केंद्र शासनाने दारारद्रच रेषेखालोल कुट्रंबांसाठी डिसेंबर，२००७ ते मार्च， २००० या कालावधीकरिता बाजरोचे $0 . \gamma १$ लाख में．टन व मक्याचे $0 . १ ३$ ल्नाख में．टन इतके नवीन नियतन मंजूर केले आहे．अंत्योदय अन्र योजना， दारद्र्रय रंषखख्वालोल（अं．अ．याँ．वगळ्टन）व दारिद्र्य रेषेवरोल（दा．रे．व．） क्टिंबांसाठो अन्तधान्याचे नियतन व उचल यांचा तर्पाशल तक्ता क．९०．४ मध्र दंला आहे

> तक्ता क्रमांक १०.४

अं．अ．यो，दा．रे．खा．（अं．अ．यो．वगळून）व दा．रे．व． कुटुंबासाठी अन्नधान्याचे नियतन व उचल

|  | （लाख टन |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| सन | नियतन |  | उचल |  | टक्केवारी |  |
|  | तांदुळ | गहु | तांदुळ | गहु | तांदुळ | गहु |

अं．अ．यो

| 2006．00 | ४．१२ | ૪．ъ८ | ३．३८ | ३．८श | 12 | 4 |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 300以象 | ₹．७¢ | 3.60 | ३．०૪ | ३．२く | e？ |  |

दा．रे．खा．（अं．अ．यो．वगळून）

| POUG ט | C．C\＆ | Q0．u | E． 98 | く．३७ | טC |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 2000－0c＊ | ६．२५ | ૬．४く | ४．९३ | ५．७६ | ง९ |

दा．रे．व．

| २00\％ 0 | १४．९६ | 8.42 | －．४૪ | १．9\％ | \％ | २¢ |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| マงロ७－0イ＊ | －．रE | १．१४ | －．र३ | $0 . ७ ¢$ | cc | ६८ |

उचन्नीची नियतनार्शा टवकेवारी दिली आहे
＊हंसंवर，200＇g पयंत

तांदळाचे दा．रे．खालील नियतन आणि उचल


गव्काचे दा．रे．खालील नियतन आणि उचल
（अं．अ．यो．वगळून）


अत्रपूर्णा योजना
१०．१4 अन्नपृण्णां यांजना ही 800 टक्के कैंद्रपुरस्क़त्त याजना २००१ मध्ये सुरू करण्यात आर्ली आहे．या योजनेअंतर्गत ६५ वर्ष व त्यावरोल निराधारांना दरमहा १० किलो धान्य मोफत पुराविले जाते．ही योजना व्यक्तीस वृध्दापकाळ निवृत्ती वंतन योजनेअंतर्गत अथवा राज्य निवृत्ती वंतन याजनंअंतर्गत निकृत्री वंतन प्राते हांत नसान्ने या अटोवर लग़ आहे．या यांजनेअंतांत २，२०，१४५ पात्र लाभाध्यांचो निवड करण्यात आली असृन त्यांना अन्नधान्याचे नियमोतपणे वाटप करण्यात येत आहे． भारत सरकाइने २००७－०८ मध्ये अन्रपृण्णा योजनेच्या लाभार्थ्यांसाठो १४，४०० मे．टन अन्नधान्याचे नियतन वितरीत केले आहे．

नवसंजीवन योजना
१०．१६ १९९५ पासून राज्यात नवसंजोवन योजना आदिवासी भागात पावसाळयाच्या काळात，विशेष्तः पृरग्रस्त गावात रार्बाव्वण्यात येत आहे． या योजनेंतंतंत स्वस्त धान्य दुकानदारांना गान्वसाक्याच्या संपृर्ग कालावधोत शिधापात्रक्रका धारकांची मागर्णा पुर्रविता यावी यास्तव धान्याचा अतिरिक्त साठा पुरविण्यात येतो．पुरग्रस्त भागात तात्पुरती गोदाम सुविधा देखील पुरविण्यात यंते．

द्वार वितरण योजना
२०．३७ हो योजना आदिवासी क्षेत्रात तसंच अवर्षणप्रवण क्षेत्रात राबविण्यात येते．यात शासकीय गोदामांपासून रास्त भाव दुकानांपयंत धान्यांची वाहतृक शासकीय वाहनाने शासकीय खर्चांने केली जाते．सध्या एकात्मिक आदीवासी विकास प्रकलई क्षेत्रातोल ५，६७३ रास्त भाव दुकानांना १६२ वाहनांद्वारे，तर अव्रं्षणग्रवण क्षंत्रातील $७, ० \circ ९$ रास्त भाव दुकानांना ९० वाहनांद्वारे अन्रधान्य पुरवठा केला जातां．आदिवासी भागात ही योजना महाराष्ट्र राज्य सहकारी आदिवासी व्रिकास महामंडळ मयादोत तर अवर्षणप्रव्रण भागात महाराष्ट्र राज्य सहकारी पणन महामंडळ मर्यादीत यांच्याद्वार राबविली जाते．

## सुधारित ग्राम धान्य कोष योजना

१०.२८ राज्यातील २१ जिल्ह्यांतील २०६ तालुक्यांतोल अवर्षण/ नेसारिक आपत्ती प्रवण क्षेत्रे आणि दुर्गम डोंगराळ अशा पूर्वीपासृनच्या अन्वंचाईंच्या काही क्षेत्रांत १,१२१ ग्राम धान्य कोंष या योंजनेअंतर्गत स्थापन करण्यात येणार आहेत. या योजनेंचा मुख्य उद्देश नैस्गिक आपत्तो अथवा टंचाइंच्या काळात शशधा खरेदोसाठो पुरेशी साधने नसतात तेद्धा अत्राच्या गरेजेबाबत असुरक्षित अशा कुट्रुंबांना उपासमारीपासून संरक्षण पुरविणे हा आहे. अशा परिस्थितीमध्ये गरजू लोक गावात सुरु करण्यात आलेल्या धान्य कोषातृन धान्य उधार घेऊ शकतात. केंद्र शासनाने या योंजनेकरिता ६.२९ कोटो रुपये मंनूर केले आहेत. २,२११ ग्राम धान्य कोषांपेकी २,०४० ग्राम धान्य काष सुरु करण्यात आले आहेत व त्यांना या कैंद्र पुरस्कृत यांजनंद्वारे डिसेंबर, २००७ अखेरपर्यंत २०,१६० मे.टन धान्याचे वाटप करण्यात आले आहं

## शिधापत्रिकांचे संगणकीकरण

२०.9. शिधाप्तित्रकांचा गेरवापर व त्यातील गेर््यवहार टाळण्यासाठी राज्य सरकारने शिधार्पात्रकांचे संगणकीकरण सुरू केले आहे. या कार्यक्रमाचा एक भाग म्हणून बनावट शिधापत्रिका शों मोहीम सुरू करण्यात आली आहे.

## बनावर शिधाप्पत्रिका शोध मोहीम

२०.२० राज्य शासनाने २००५ मध्ये राज्यातील बनावट व अपात्र शिधापत्रिका शोंध मोहीम सुरू केली आहे. ही योंजना तीन टप्यांत रार्बावण्यात येत आहे. पहिल्या टाप्यात सर्व महानगरपालिका व जिल्हा भुख्यालय क्षेत्रांत ही मोहीम राबविण्यात येत आहे. तर सर्व नगरपालिका क्षेत्रांत व सर्व महसुली गावे / ग्रामपंचायत क्षेत्रात अनुक्रमे दुस-या व तिस-या टप्प्यात ही मोहीम राबविण्यात येणार आहे. या मोहिमेअंतर्गत २८ जून, २००७ पयंत एकृण २२२.५४ लाख पुरवठा पत्रिकांची पडताळणी करण्यात आली आहे. यापेकी १७७.६९ लाख (७९.८५ टक्के) पुरवठा पत्रिका वैध असून ४४.८५ लाख (२०.२५ टक्के) पुरवठा पर्तिका पुरावा सादर न करणे व विहित अर्ज भरून न देणे या । कारणास्तव तात्पुरत्या स्वरुपात रद्द करण्यात आल्या आहेत.

## नियंत्रित (लेक्दी) साखर

१०.२२ १९७९ मध्ये साखर अंशतः नियंत्रणाखाली आणण्यात आली. १ मार्च, २००२ पासून केंद्र शासनाने एकूण साखर उत्पादनातील बुल्या बाजारात विकण्यात येणारी साखर व नियंत्रित (लेद्की) साखर यांचे प्रमाण ९:४ असे ठरविले आहे. अशा प्रकारे गोळा करण्यात आलेली नियंत्रित साखर सार्वजनिक वितरण व्यवस्थेमार्फत दारिद्रय रेषेखालील कुटुंबांना वितरित करण्यात येत आहे. २००६-०७ मध्ये १०,८२ लाख क्विटल साखरेचे नियतन मंजूर करण्यात आले होते, तर ५.४२ लाख

क्विटटल ( $4.0 \bigcirc$ टक्के) साखरेची उचल करण्यात आलो. २००७-०८ या वर्षात नोक्हेंबर, २००७ पयंत एकूण ११.६\} लाख क्विटल साखरेचे नियतन मंजूर करण्यात आले, तर यापैकी साखरेच्या उचलीचे प्रमाण केवळ o.५८ क्विटल (४.९६ टक्के) होते याचे प्रमुख कारण खुल्या बाजारातील व सार्वर्जनिक वितरण व्यवस्थंमाफ्फत पुरविणयात येणा-या साखरेच्या दरातील कमी होणारी तफावत आहे. दारार्रद्य रेषंखालील शिधापत्तिका धारकांना १३.५० रुपये प्रति किलां या दराने साखर पुराविण्यात येते.

## केरोसीन

२०.२₹ केरोसीन हैं इंधनाचे भ्रमुख साधन असल्याने त्याच्या किमतीचा गरीबांच्या क्रयक्षमतेवर मांठ्या प्रमाणात परिणाम होता है विचारात घंऊन केंद्र शासनाने केंरोसीन अनुदानित करण्याच्या योजनेचा अवलंब करण्यास सुरुवात केली आह. २००६-oง या वर्षांत केरोंसीनची मागणी २०.२८ लाख किलो लिटर होती, तर केरोसीनचे नियतन १६.४१ लाख किलो लीटर (८०.९२ टक्के) होते. २००७-०८ या वर्षांत नोक्ठंबर, २००७ पर्यंत केरोसीनची मागणो १३.५२ लाख किलो लीटर, तर केरासीनचे नियतन $२ ० . ९ \gamma$ लाख किलो लीटर (८०.९२ टक्क) होते.

## अन्रधान्यासाठीचे अर्थसहाय्य

१०.२३ सार्वर्जनिक वितरण व्यवस्थेमार्फत अन्नधान्याच्या वितरणासाठी देण्यात आलेले अर्थसहाय्य, प्रतिकूल काळासाठी ठेवावयाच्या राखीव साठ्याचा खर्च आर्ण अन्नधान्य प्रापणासाठोची किमत व विक्रीची किमत यातील राज्य शासनास सहन करावी लागणारी तूट यांना एकत्रित र्रित्या अत्रधान्याचे अर्थसहाय्य असे संबोंधल जाते. अन्रधान्यासाठीचे अर्थंसहाय्य व त्याचे राज्य शासनाच्या महसुली खर्चाशी शेकडा प्रमाण तक्ता क्र. १०.५ मध्ये दिले आहे.


अत्रधान्य अर्श्रसीय्याची मक्षलनी खुंशी टक्केवरी देण्यात आली आहे.



११．१ जनगणना－२००१ अनुसार महाराष्ट्राची लोकसंख्या ९．६९ कोटी असून ती भारताच्या त्यावेळच्या एकूण लोकसंख्येच्या（१०२．८६ कोटी） ९．४ टक्के इतकी होती．राज्याची ？मार्च，२००८ राजीची प्रक्षेपित लोकसंख्या सुमारे Q०．८० कोटी इतकी असून भारतार्ची प्रक्षेपित लाकसंख्या ११४．૪७ कोटी आहे． लोकसंख्यंच्या बाबतीत महाराष्ट्र हैं भारतामध्ये उत्तर प्रदेश या राज्याच्या खालोखाल दुस－या क्रमांकाचे मोठे राज्य आहे．महाराष्ट्राची व भारताची

तक्ता क्र．११．१
महाराष्ट्रातील व भारतातील लोकसंख्येबाबत
ठळक बाबी－जनगणना－२००१

| बाब | महाराष्ट्र | भारत |
| :---: | :---: | :---: |
| लोकसंख्या（कोटीमध्ये） |  |  |
| एकूण व्यक्ती | Q．६¢ | २०२．८६ |
| पुरुष | ५．0才 | ५३．२२ |
| स्त्रिया | ¢．$¢ 4$ | ૪९．६४ |
| ग्रामीण व्यक्ती | 4.46 | ७ช．קム |
| पुरुष | 2．c4 | ३く．？६ |
| स्त्रिया | २．७३ | ३६．०९ |
| नागरी व्यक्ती | ૪．9？ | २८．द？ |
| पुरुष | २．99 | 24．04 |
| स्त्रिया | १．९२ | १₹．4\％ |
| दशवार्षिक टक्केवाढ（१९९१－२००१） | २२．७ | २२． 4 |
| क्षेत्रफळ（लाख चौ．कि．मी．） | ३．०く | ३२．८७ |
| लोकसंग्ब्येची घनता（प्रात चौ कि．मी．） | ३24 | ३१३ |
| स्र्री．पुरुष प्रमाण（स्त्रियांची संख्या प्रति हजार पुरुष） नागरी लोकसंग्या（\％） | ૪२．૪ | २७．く |
| साक्षरता（ $\%$ ）（७ वर्षं व त्यावरोल） | ७६．9 | ६४．く |
| अनुसूचित जाती |  |  |
| लोकसंख्या（कोटीमध्ये） | 0.99 | १६．६६ |
| शेकडा प्रमाण | ใ0． 2 | १६．？ |
| स्त्री－पुरुष प्रमाण（स्त्रियांची संख्या प्रांत हजार पुरुष） | १५र | १३६ |
| नागरी लोकसंख्या（\％） | ३८．३ | 20．१८ |
| साक्षरता（\％）（ $७$ वर्ष व त्यावरील） | ७१．९ | ५૪．७ |
| अनुसूचित जमाती |  |  |
| लोकसंख्या（कोटीमध्ये） | －．CE | C．૪३ |
| शेकडा प्रमाण | C．9 | С．？ |
| स्त्री－पुरुष प्रमाण（स्त्रियांची संख्या प्रुति हजार पुरुष） | ९७३ | ९७く |
| नागरी लोकसंख्या（\％） | १२．७ | С．२९ |
| साक्षरता（\％）（ $७$ वर्षं वा त्यावरील） | 44.2 | ชง．？ |

दशवर्षिक लोकसंख्या वृद्धिदर（१९९९－२००९）

| बिहार | － | २८．६२ | पंजाब | － | २०．१० |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| हरयाणा | － | २८．४३ | आसाम | － | १८．९२ |
| राजस्थान | － | २८．$\%$ ？ | पश्चिम बंगाल | － | Q 9.69 |
| उत्तर प्रदेश | － | $24 . C 4$ | कनोंटक | － | ใง． 4 \％ |
| मध्य प्रदेश | － | २४．२६ | ओरिसा | － | २६．२५ |
| महाराष्ट्र | － | २२．19३ | आंध प्रदेश | － | 98.49 |
| गुजरात | － | २२．६६ | तामीळनाड़ू | － | ११．७२ |
| भारत | － | २२．4\％ | केरळ | － | ¢．४ ३ |

लोकसंख्या व साक्षरता यांबाबतचा १९५？पासूनच्या जनगणनांनुसार तपशील ह्या प्रकाशनाच्या भाग－२ मधील तक्ता क्र．४६ मध्ये，तर महाराष्ट्राच्या ग्रामीण व नागरी लोकसंख्येबाबंतचा जनगणना－१९०१ पासूनचा तपशील तक्ता क्र．४७ मध्ये दिला आहे．

११．२ जनगणना－२००१ अनुसार महाराष्ट्राच्या व भारताच्या लोकसंख्येबाबतच्या ठळक बाबो तक्ता क्र．११．१ मध्ये दिल्या आहत．

११．३ १९९१－२००१ या दशकात राज्याच्या लोकसंख्येमध्ये २२．७ टक्क्यांनी वाढ झाली（वार्षिक चक्रवाढ वृद्धिदर $2.0 \cup$ टक्क）．ती आधीच्या दशकातील २५．७ टक्के वाढीपेक्षा कमी होती．मागील चार दशकांमध्ये राज्याच्या लोकसंख्येचा दशवार्षिक वृर्द्धिदर，१९७१－८१ या दशकाचा अपवाद वगळता，भारताच्या लोकसंख्या वाढीच्या तत्सम वृद्धिदरापेक्षा जास्त होता．राज्याच्या लोकसंख्या वाढीचा दर जास्त असण्याच्या प्रमुख कारणांमध्य राज्याबाहरून राज्यात होणारे स्थल्लांतर है एक महत्त्वाचे कारण आहे．याबाबतचा तपशील तक्ता क्र．११．२ मध्ये दिला आहे．

तक्ता क．११．२
महाराष्ट्र व भारतासाठीचे दशवार्षिक लोकसंख्या वृद्धिदर

| दशक | लोकसंख्येतील दशवार्षिक टक्केवाढ |  |
| :---: | :---: | :---: |
|  | महाराष्ट्र | भारत |
| 2९६१－७？ | २७．४५ | २४．८o |
| 99७？－く？ | $2 \gamma .4 \gamma$ | 24.00 |
| 93C8－99 | २५．७३ | २3．く4 |
| १९९९－२००？ | २२．७३ | 29．4 $\gamma$ |

११．४ राज्यातील ग्रामीण व नागरी भागांतील लोकसंख्येच्या दशवर्षारक वृद्धिदरांवरून असे दिसून येते को，नागरी भागातील लोकसंख्या वृद्धिदर हे ग्रामीण भागातील वृद्धिदरांच्या तुलनेत जवळपास दुप्पट किंवा त्यापेक्षा जास्त आहेत．गेल्या चार दशकांमध्ये， १९८१－९१ या दशकाचा अपवाद वगळता，वृद्धिदरामध्ये उतरता कल दिसून येतो．


ग्रामीण व नागरी लोकसंख्या
११．५ २००१ च्या जनगणनेनुसार राज्यातील वस्ती असलेल्या ४१，०९५ खेंड्यांमध्ये राहणा－या ग्रामीण लोकसंख्येचे एकूण लोकसंख्येशी प्रमाण ५७．६ टक्के इतके होते，तर नागरी लोकसंख्येचे प्रमाण ४२．४ टक्के होते．राज्यातील नागरी लोकसंख्येचे प्रमाण भारताच्या तत्सम प्रमाणापेक्षा（२७．८ टक्के）बरेच जास्त होते आणि ते १९९१ मधील ३८．७ टक्क्यांवरून लक्षणीय प्रमाणात वाढलेले होते．नागरी लोकसंख्येच्या प्रमाणाच्या बाबतीत भारतातील प्रमुख राज्यांमध्ये तामीळनाडूनंतर（४४．० टक्के）महाराष्ट्राचा दुसरा क्रमांक लागतो．

महाराष्ट्र राज्यातील नागरी लोकसंख्येचे प्रमाण

＊महाप्रबंधक，भारत सरकार यांच्याकड्रून प्रक्षेपित

स्त्री－पुरुष प्रमाण
११．६ महाराष्ट्र राज्यातील स्त्री－पुरुष प्रमाण（स्त्रियांची संख्या प्रति हजार पुरुष）१९९१ मधील ९३४ वरून कमी होऊन ते २००१ मध्य आतापर्यंत सर्वात कमी म्हणजे ९२२ इतके झाले．देश पातळीवरील स्त्री－पुरुष प्रमाणामध्ये सुधारणा झालेली असताना राज्यातील स्त्री－पुरुष प्रमाणात झालेली घट ही चिंताजनक बाब आहे．राज्याच्या ग्रामीण भागातील स्त्री－पुरुष प्रमाण हे नागरी भागातील या प्रमाणापेक्षा गेल्या चारही दशकांमध्ये जास्त राहिले आहे．


वयोगटानुसार लोकसंख्या
११．७ १९९१ व २००१ च्या जनगणनांनुसार लोकसंख्येची वयोगटनिहाय टक्केवारी तक्ता क्र．११．३ मध्ये दिली आहे．

तक्ता क्र．११．३
वयोगटानुसार स्त्री－पुरुष प्रमाणासह लोकसंख्या

| वयोगट <br> （वर्षांमध्ये） | लोकसंख्येची टक्केवारी |  | स्त्री－पुरुष प्रमाण |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | 999？ | २00？ | 2999 | र०0？ |
| －－\％ | १ง． 20 | १४． q | 984 | ९१३ |
| ง－१४ | १С． 40 | १७．99 | ९३३ | 9\％\％ |
| 94－89 | 40．३६ | 4२．७३ | ९२२ | く९₹ |
| 40.49 | ६．$¢ 4$ | ૬．३२ | ¢१\％ | ९२२ |
| छ०＋ | \＆．96 | C．७३ | शoqく | ११40 |
| वय न सांगितलेले | －．૪० | －． 27 | く३？ | ७९७ |
| एकूण | १00．0 | 200．0 | ९३૪ | १२२ |
|  | $(\varphi . C \rho)$ | （९．६९） |  |  |

टीप：कंसांतील आकडे एकूण लोकसंख्या कोटीत दर्शवितात．

## बालकांमधील स्त्री－पुरुष प्रमाण

१२．८ वयोगटनिहाय स्त्री－पुरुष प्रमाणांवरून असे दिसून येते की， －ते ६ वर्षे ह्या वयोगटातील स्त्री－पुरुष प्रमाणात फार मोठ्या प्रमाणात घट झाली असून ती चितेची बाब आहे．


साक्षरता
११．९ राज्यातील ग्रामीण व नागरी भागांतील स्त्रियांचे आणि पुरुषांचे साक्षरता प्रमाण तक्ता क्र．११．४ मध्ये दिले आहे．लोकसंख्येच्या（वय वर्षे ७ व अधिक）साक्षरतेच्या प्रमाणात १९९१ मधील ६४．९ टक्क्यांवरून २००१ मध्ये ७६．९ टक्के अशी सुधारणा झाली．साक्षरता प्रमाणातील ही २२．० टक्के अंक वाढ गेल्या चार दशकांमधील सर्वाधिक वाढ होती．

तक्ता क्र．श१．४
महाराष्ट्रातील साक्षरतेचे प्रमाण
（टक्के）

| क्षेत्र | व्यक्ती | पुरुष | स्त्रिया |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| जनगणना－२००१ |  |  |  |
| एकृण | ७६．9 | C¢． | ¢७．O |
| ग्रामीण | ง0． 8 | C？．9 | ५e． 8 |
| नागरी | c4．4 | ९．．० | v9．？ |
| जनगणना－१९९९ |  |  |  |
| एकृण | ६४．9 | ७६．६ | ५२．३ |
| ग्रामीण | 44.4 | ६९．け | ४१．० |
| नागरी | ७९．२ | く६．$\gamma$ | vo．9 |

११．१० राष्ट्रोय नमुना पाहणीच्या ६४ व्या फेरीतील（जुलै，२००७－ जृन，२००८）पहिल्या दोन उपफे－यांतून（जुलै－डिसेंबर，२००७）उपलब्ध झालेल्या， साक्षरतेबाबतच्या अगदी अलिकडील अंदाजांवरून असे दिसून येते की एकृण व्यक्तो，पुरुष व स्त्रिया यांच्या बाबतीतील साक्षरतेचे प्रमाण वाढून ते अनुक्रमें ७८．२ टक्के，८६．२ टक्के व ६९．३ टक्के इतके झाले आहे．

१२．११ साक्षरतेच्या बाबतीत महाराष्ट्र राज्य राष्ट्रोय सरासरीपेक्षा नेहमीच वरच्या पातळीवर राहिले आहे．जनगणना－२००१ अनुसार साक्षरतेच्या प्रमाणाच्या बाबतीत भारतातील प्रमुख राज्यांमध्ये केरळ राज्यानंतर （९०．९ टक्के）महाराष्ट्राचा दूसरा क्रमांक लागतो．
राष्ट्रीय साक्षरता प्रमाणापेक्षा जास्त साक्षरता
प्रमाण असणारी राज्ये－जनगणना २००९
केरळ
महाराष्ट्र
तामीळनाडू
पंजाब
गुजरात
कर्नाटक
अखिल भारत

११．१२ राज्याने जरी साक्षरतेच्या प्रमाणात भरीव वाढ साध्य केली असली तरो राज्यातील निरक्षर व्यक्तींची संख्या सुमारे १९२ लाख असृन त्यापैकी सुमारे २६ लाख व्यक्ती ७－१५ वर्ष वयोगटातील होत्या，तसेच एकूण निरक्षरांमध्ये स्त्रियांची संख्या सुमारे १३२ लाख होती．

## शैक्षणिक पातळी

११．१३ राज्यातील एकूण ६३९．६६ लाख साक्षर व्यर्तीनी शैक्षणिक पातळ्ठी किती प्रमाणात प्राप्त केलेली आहे，याबाबतचा तपशील तक्ता क्र． $१ १ . ५$ मध्ये दिला आहे．त्यावरून दिसून येते की एकूण साक्षर व्यक्तीपैकी ४७．४५ टक्के व्यक्तींनी मॅंट्रिक／शालान्त／माध्यमिक व त्यावरील शैक्षणिक पातळी पूर्ण केलेली होती

## जननदर

११．१४ जनगणना，२००१ वर आधारित महाराष्ट्रातील महिलांचा एकूण जननदर २．२३ इतका होता आणि तो संपृर्ण भारतासाठीच्या २．५२ ह्या जननदराच्या तुलनेत बराच कमी होता．अनुसूचित जार्तीबाबतचा एकूण जननदर（२．४२）राज्य पातळीवरील जननदरापेक्षा（२．२३） थोडा जास्त होता आणि अनुसूचित जमार्तीबाबत तो बराच जास्त （३．१४）होता．

तक्ता क्र．११．५
राज्यातील साक्षरांनी प्राप्त केलेली शैक्षणिक पातळी
（लाखात）

| पर्ण केलेली रेद्षणिक पातळी | व्यक्ती | पुरुष | स्त्रिया |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| औपचारिक शिक्षण | २२．६२ | ७．99 | ५．४३ |
| न घेतलेले साक्षर | （\％．९७） | （५६．ア८） | （४३．०२） |
| प्राथामिकपेक्षा खालील | २६०．७२ | く६．७३ | ง३．¢¢ |
|  | （२५．9३） | （५३．९६） | （૪६．०४） |
| प्राथामिक | $\begin{gathered} \text { २६२.७८ } \\ (\text { २५.४५) } \end{gathered}$ | $\begin{aligned} & \text { く५.६૪ } \\ & (4 २ . ६ ?) \end{aligned}$ | $\begin{gathered} \text { ७.९૪ } \\ (\gamma ७ . ३ ९) \end{gathered}$ |
| मॅट्रिक／शालान्न／ | २००．२४ | २२३．८८ | 19६．3६ |
| माध्यमिक | （3\％．30） | （६\％．८७） | （३८．श3） |
| उच्च माध्र्यमिक | ४९．६५ | ३२．५४ | १७．१४ |
|  | （७．७६） | （६५．४८） | （३४．५२） |
| पदविका／प्रमाणपत्र | ૪．७¢ | 8．98 | ०．६५ |
|  | （0．04） | （く६．३५） | （93．६५） |
| पदवी व त्यावरोल | ૪く．く६ | ३८．७६ | ใ9．20 |
|  | （ง．६૪） | （६५．00） | （з५．00） |
| एकृण | ६३९．६६ | ३ง९．८५ | र६७．く々 |
|  | （800） | （५८．ヶ३） | （ヶヶ．C७） |

（कंसांतोल संख्या एकूणशी टक्केवारी दर्शावितात．）

## जन्माच्या वेळीचे आयुर्मान

११．१५ जनगणना－२००१ अनुसार जन्माच्या वेळीचे आयुर्मान महाराष्ट्रात ६९．६ वर्ष इतके होते．ते सर्वाधिक प्रमाणात पुणे जिल्न्यात （७४．० वर्ष）आणि सर्वांत कमी गडचिरोली जिल्ह्यामध्ये（६२．७ वर्ष）होते． स्थलांतर

११．२६ जनगणना－२००१ अनुसार महाराष्ट्राच्या ९．६९ कोटी इतक्या लंक्संख्येमध्ये ३२．३२ लाख（३．३४ टक्के）व्यक्ती भारतातील इतर राज्यांतृन आणि त्याशिवाय ०．४८ लाख（०．०५ टक्के）व्यक्ती इतर देशांतून १९९९－२००१ ह्या दशकात स्थलांतरित झालेल्या होत्या．इतर राज्यांतून आलेल्या ३२．३२ लाख स्थलांतरितांमध्ये मोठ्या संख्येने स्थलांतरित उत्तर प्रदेशातून（२८．५ टक्के），तर त्या खालोखाल ते कनांटक（१४．७ टक्के），मध्य प्रदेश（८．५ टक्के），गुजरात（७．६ टक्के）， बिंहार（७．१ टक्के）व आंध्र प्रदेश（६．० टक्के）ह्या राज्यांतृन आलेले होते．

११．३७ १९९१－२००१ ह्या दशकात राज्यातील लोकसंख्येत निव्वळ भर १．८० कोटीने पडली，ज्यामध्ये ३२．८० लाख（१८．२ टक्के）व्यक्ती स्थलांतरित होत्या．राज्यातून राज्याबाहेर स्थलांतर करणा－या व्यक्तींची संख्या ८．९७ लाख होती．अशा त－हेने राज्यात आलेल्या स्थलांतरितांची निव्वळ संख्या २३．८₹ लाख होती．याउलट राज्यातील लोकसंख्येची नैर्सार्गक वाढ विचारात घेता，नमुना नोंदणी पाहणीतून प्राप्त होणा－या जन्मदर व मृत्युदर यांतील १९९१ ते २००० ह्या कालावर्धीतील फरक प्रतिवर्ष १．७ टक्के इतका परिगणित होतो व त्यानुसार १९९१－२००१ ह्या दशकात राज्यात ४२ लाख इतके निव्वळ स्थलांतरित बाहेरून आले， असे सूचित होते．अशा त－हेने जनगणना－२००१ मधून उपलब्ध झालेली ＇राज्यात बाहेरून आलेल्या स्थलांतरितांची निव्वळ संख्या＇ब－याच खालच्या पातळीवर आहे，असे वाटते．

## जन्मदर，मृत्युदर व बालमृत्युदर

११．३८ नमुना नोंदणी पाहणीवर आधारित महाराष्ट्राचा वर्ष २००६ करिताचा जन्मदर，मृत्युदर आणि बालमृत्युदर अनुक्रमें $२ ., ५$ ，६．७ व $३ ५$ असून हे दर भारतासाठीच्या अनुक्रमे २३．५，७．५ आणि ५७ ह्या तत्सम दरांपेक्षा बरेच कमी होते．महाराष्ट्र आणि भारताबाबतची तपशीलवार माहिती भाग－२ मधील तक्ता क．४८ मध्ये दिली आहे．
$१ १ .9 १$ विविध कुटुंबकल्याण कार्यक्रम राबविण्यामध्ये महाराष्ट्र राज्य नेहमीच आघाडीवर राहिले आहे．तथााि，राज्यातील लोकसंख्या १९६१ ते २००१ या कालावधीत अडीचपट झाली．लोकसंख्या नियंत्रणासाठी उपाययोजना म्ठणून शासनाने ठरवून दिलेली लक्ष्य्य तक्ता क्र．११．६ मध्ये दिली आहेत．आरोर्ग्यविषयक कार्यक्रमांची कठारपणे अंमलबजावणी केल्यास राज्यास लोकसंख्याविषयक धोरणानुसार नेमून देप्यात आलेली लक्ष्ये साध्य करणे शक्य होईल．

तक्ता क्र．११．६
नवीन लोकसंख्याविषयक धोरणानुसार महाराष्ट्रासाठी निर्धारित लक्ष्ये

| निद्देशक | २०१० पर्यंत सुधारित लक्ष्य | २००६ पयंत साध्य |
| :---: | :---: | :---: |
| जन्मदर＊ | ใ4 | 2C． 4 |
| मृत्यूदर＊ | 4 | ६．७ |
| एकूण जननदर \＃ | 2.0 | $2 . ? \dagger$ |
| बालमृत्युदर ${ }^{\text {＠}}$ | 24 | そし |
| अर्भकमृत्युदर ${ }^{\text {（1）}}$ | २० | २६ $\dagger$ |

＊जन्मदर व मृत्युदर प्रति हजार लोकसंख्येमागे
\＃एकूण जननदर $२ ५$ ते $४ ९$ वर्षया जननक्षम वयोगटातील प्रति स्त्री मागे
$\dagger$ ．राष्ट्रीय कुटुंब आरोग्य पाहणी－३ वर आधारित
$\dagger$ २००४ साठी
＠बालमृत्युदर व अर्भकमृत्युदर प्रति हजार जीवित जन्मांमागे

## रोजगार, दारिद्रिच निर्मूलन व मानवविकास निर्देगांक

रोजगार

रोजगाराचे अंदाज
१२.१ हे अंदाज राष्ट्रीय नमुना पाहणीच्या (रा.न.पा.) १९९३-९४, १९९९-२००० आणि २००४-०५ मधील ५०, ५५ आणि ६१ व्या फेरीतील राज्य नमुना पाहणीवर आधारित आहे. राष्ट्रीय नमुना पाहणीच्या अलिकडील ६२ व्या फेरीतील राज्य नमुना माहितीतील आकडेवारो रोजगार वाढीच्या दरातील वाढता कल दर्शविते तर, आधीच्या काळात तो उतरता कल दर्शविते. १९९३-९४ ते १९९९-२००० या कालावधीतील रोजगार वाढीचा सरासरी दर ०.५२ टक्क्यांवरुन १९९९-२००० ते २००४04 या कालावधीत ३.३५ टक्क्यांपयंत वाढण्याचे अंदाजित केले होते. श्रमशक्ती वाढीच्या वार्षिक दरात देखोल पहिल्या कालावधीतील ०.६६ टक्क्यांवरुन दुस-या कालावधीत ३.३६ टक्क्यांपर्यत अशी लक्षणीय वाढ झाली आहे. रोजगाराच्या या भरीव वाढीचा परिणाम २०००-०५ या कालावधीत अतिरिक नवीन ६६ लाखाची रोजगार निमिती होण्यात झाला. त्यापैकी २९ लाख हे कृषोक्षेत्रतील होते. २००४-0५ मध्ये कृषी क्षेत्राचा रोजगार निर्मितीमध्ये सर्वात जास्त म्हणजे ५६ टक्के वाटा असून त्यानंतर सेवा क्षेत्राचा २८.५ टक्के तर वस्तू निर्माण क्षेत्राचा वाटा १०.६ टक्के इतका होता.
१२.२ विविध राष्ट्रीय नमुना पाहणीच्या आधारे क्षेत्रनिहाय रोजगार तक्ता क्र. १२.१ मध्ये दर्शविण्यात आला आहे.
१२.३ १९९१ व २००१ च्या जनगणनेनुसार राज्यातील काम करणा-यांची टक्केवारी तक्ता क्रमांक १२.२ मध्ये दिली आहे.
१२.૪ राज्यातील शेतकरी व शेतमजूर या वर्गातील काम करणा-यांचे प्रमाण १९९१ मधील ६२.१ टक्क्यांवरून कमी होऊन २००१ मध्ये ते ५५ टक्के इतके झाले, तर ‘इतर क्षेत्रांत’ काम करणा-यांचे प्रमाण ३६.२ टक्क्यांवरून वाढून ते $४ २ . ४$ टक्के इतके झाले. यावरून गेल्या दशकात काम करणा-यांचा ओघ कृषी क्षेत्राकडून इतर क्षेत्रांकडे वळल्याचे दिसते.

तक्ता क्र. १२.१
विविध क्षेत्रातील रोजगार

| ( लाखात) |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| क्षेत्र | १९९३-९४ | १९९९-२000 | 2006-04 |
| कृषी, वनीकरण आरण | २२३.し | २९३.० | २४२.O |
| मत्स्यव्यवसाय | (६३.०) | (4८.२) | (4\%.0) |
| खाणकाम व दगड काम | १.० | १.૪ | १.३ |
|  | (०.३) | (o. ${ }^{\text {¢ }}$ ) | (०.३) |
| वस्तू निर्माण | ३६.६ | ३८.२ | 84.6 |
|  | (१०.३) | (90.8) | (9०.६) |
| वीज, गॅस आणि | १. $\%$ | १.२ | -.C |
| पाणीपुरवठा | (o.૪) | (०.३) | (०.२) |
| बांधकाम | १३.4 | १६.८ | ใ9.0 |
|  | (3.6) | ( $\gamma . \xi_{\text {) }}$ | ( $૪ . \gamma$ ) |
| व्यापार, हॉटेल आणि | २५.६ | ३६.८ | $40 . \xi$ |
| उपाहारगृहे | (७,२) | (१०.१) | (29.0) |
| वाहतूक, साठवण आणि | ११.४ | १४. $\%$ | १९. $\%$ |
| दळणवळण | (३.२) | (३.く) | (\%.4) |
| अर्थ पुरवठा, विमा, स्थावर मालमत्ता व उद्योगधंदा सेवा | ५.६ | Q. 6 | १२.० |
|  | (१.६) | (२.?) | (२.८) |
|  |  |  |  |
| सामुहिक, सामाजिक आणि वैयक्तिक सेवा | ३६.२ | ३ง.० | 8श.? |
|  | (१०.०२) | (90.\%) | (9.4) |
| एकूण रोजगार | $344 . ?$ | ३६६.३ | ४३२.० |
|  | (800.0) | (१00.0) | (900.0) |

टौप :१. कंसांतील आकडे एकूण रोजााराशी टक्केवारी दर्शवितात २.रा.न.पा. च्या ५०, ५५ आणि ६१ व्या फेरीतील राज्य नमुना माहितीच्या आकडेवारीचे परिगणन करण्यात आले आहे.

तक्ता क्रमांक १२.२
जनगणना १९११ व २००१ अनुसार काम करणा-यांची टक्केवारी

| काम करणा-यांचा वर्ग | १९९१ | २००१ |
| :--- | ---: | ---: |
| शेतकरी | ३४.० | २८.७ |
| शेतमजूर | २८.१ | २६.३ |
| घरगुती उद्योग * | १.७. | २.६ |
| इतर क्षेत्रे | ३६.२ | ४२.४ |
| एकूण | १००.० | २००.० |
| एकूण काम करणारे (कोटीमध्ये) | ३.३१ | ४.१२ |

[^5]
## कारखान्योंतील रोजगार

१२.५ कारखाना अधिनियम, १९४८ च्या विभाग २एम्(एक) व विभाग २एम्(दोन) अंतर्गत वस्तुनिर्माण प्रक्रियेमध्ये अनुक्रमे १० किंवा त्यापेक्षा जास्त कामगार असणा-या व शक्तीचा वापर करणा-या, तसेच २० किवा त्यापेक्षा जास्त कामगार असणा-या व शक्तीचा वापर न करणा-या कारखान्यांची नोंदणी होते, तर विभाग ८५ अंतगंत २० पेक्षा कमी कामगार असणा-या व शक्तीचा वापर करणा-या, तसेच २० पेक्षा कमो कामगार असणा-या व शक्तीचा वापर न करणा-या कारखान्यांचो नोंदणी होते. ह्या कारखान्यांतील रोजगाराचा समावेश कारखाना रोजगारात होतो. राज्यातील कारखान्यांतील सरासरी दैनिक रोजगार २००५ मधील १२.५८ लाखांच्या तुलनेत २००६ मध्ये १२.८१ लाख होता. २००६ मध्ये कारखान्यांतील एकूण रोजगारामधील स्त्रियांचे प्रमाण जवळपास आधीच्या वर्षाइतकेच (७ टक्के) राहिल्याचे दिसून येते. कारखान्यांतील रोजगाराचे प्रमाण २००६ मध्यं ग्राहक वस्तु उद्योग, पुर्नर्निमाण वस्तु उद्योग व भांडवली वस्तु उद्योगांत अनुक्रमे ३३.० टक्के, ३२.१ टक्के आणि २६.८ टक्के असे होते. गेल्या काही वर्षांत कारखान्यांतील रोजगारातील वस्त्रोद्योगाचा हिस्सा जरी घटत असला तरी अद्यापही हा उद्योग सर्व उद्योग गटांत १४.८ टक्के रोजगारासह प्रथम स्थानावर आहे. असे दिसून आले आहे की, 40 पेक्षा कमी कामगार असणा-या कारखान्यांचे प्रमाण ८३ टक्के असून त्यांचा एकूण कारखान्यांतील रोजगारात वाटा २९ टक्के होता. राज्यातील कारखान्यांतील रोजगाराचा सविस्तर तपशील या प्रकाशनाच्या भाग-२ मधील तक्ता क्रमांक $4 ०, ~ ५ १$ आणि ५र मध्ये देण्यात आला आहे.


## - नव्याने नोंदणीकृत कारखाने

१२.६ कारखाने अधिनियम, १९४८ अंतर्गत राज्यात नव्याने नोंदणी झालेल्या कारखान्यांची संख्या २००५ मधील १,६५२ च्या तुलनेत २००६ मध्ये १,२०८ होती. या नव्याने नोंदणीकृत कारखान्यांत २००५ मधील $७ \uparrow$ हजार रोजगार संधींच्या तुलनेत २००६ मध्ये ९० हजार रोजगार संधी होत्या. २००६ मध्ये नव्याने नोंदणीकृत कारखान्यांपैकी ४५ टक्के कारखाने प्रत्येकी 40 किंवा त्यापेक्षा जास्त कामगार असणारे असून २००५ मध्ये तसं कारखाने २८ टक्के होते. या नव्याने नोंदणीकृत कारखान्यांकडून प्रामुख्याने पुढील प्रकारच्या उद्योगांमध्ये रोजगार निर्मिती झाली होती : (१) धातूची तयार उत्पादने (११.६ टक्के), (२)वस्त्रोद्योग (१०.२ टक्के), (३) मृलभूत धातू (८.૪ टक्के), (૪) रसायने (७.२ टक्के) व (५) खाद्य उत्पादने (४.श टक्के).

रोजगार क्षेत्र माहिती कार्यक्रम
१२.७ रोजगार क्षेत्र माहिती या कार्यक्रमाअंतर्गंत सार्वर्जनिक व खाजगो क्षेत्रांतील आस्थापनांची संख्या व त्यांतील रोजगार याबाबतची माहिती दर तिममहीसाठी निर्यमितपणं गाळ केली जाते. या कार्यक्रमांतर्गत सार्वजनिक व खाजगी क्षेत्रांतील, बृहन्मुंबईत ज्या आस्थापनांमध्ये २५ किंवा अधिक कर्मचारी आहेत आणि राज्यातील उर्वरित भागांत ज्या आस्थापनांमध्ये १० किंवा अधिक कर्मचारो आहेत, अशा आस्थापनांकडून रोजगाराबाबतची आकडेवारी गोळा करण्यात येते.
१२.८ 'रोजगार क्षेत्र माहिती' कार्यंक्रमांतरंत प्राप्त झालेल्या माहितीनुसार सार्वर्जनिक व खाजगी क्षेत्रांतील आस्थापनांमध्ये ३१ मार्च, २००७ रोजी एकूण रोजगार ३७.५ लाख (सार्वर्जनक क्षेत्रात २२.८ लाख


व खाजगी क्षेत्रात $१ ५ . ७$ लाख) होता व तो ३१ मार्च, २००६ रोंजोच्या ३६.१ लाख रोजगाराच्या तुलनेत ३.९ टक्क्यांनी जास्त होता. रोजगार क्षंत्र माहिती कार्यक्रमांतर्गत मार्च, २००७ अखेरपयंत नोंद झालेल्या एकूण रांजगारामध्ये स्त्रियांची टक्केवारी १७ होती. मार्च, २००७ अखेरच्या सार्वर्जनिक क्षेत्रातील २१.८ लाख रोजगारामध्ये स्थानिक स्वराज्य संस्थांचा वाटा सर्वाधिक म्हणजे ३२ टक्के व निम-राज्य शासकीय संस्थांचा वाटा सर्वांत कमी म्हणजे १० टक्के असा होता.


राज्य शासन व स्थानिक स्वराज्य संस्थांमधील रोजगार
१२.९ शासकीय कर्मचारी गणना, २००५ अनुसार राज्य शासन व स्थानिक स्वराज्य संस्थांमध्ये काम करीत असलेल्या निर्यमित व इतर कमंचा-यांची एकूण संख्या १२.३० लाख होती. त्यापैकी ६.०३ लाख कर्मचारी राज्य शासनाचे, ४.૪૪ लाख कर्मचारी जिल्हा परिषदांचे, ०.५७ लाख कर्मंचारी नगरपरिषदांचे, तर बृहन्मुंबई महानगरपालिका वगळून, उर्वारत महानगरपालिकांचे कर्मचारी १.२६ लाख होते. तपशोल तक्ता क्रमांक १२.३ मध्ये देण्यात आला आहे.

तक्ता क्रमांक १२.३
राज्य शासन व स्थानिक स्वराज्य संस्थांमधील कर्मचारी - १ जुलै, २००५ रोजी
(लाखात)

| प्रकार | निर्यमित | इतर @ | एकूण | पेकी, स्त्रियांची टक्केवारी |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| राज्य शासन | 4.24 | $0 . ७ ¢$ | ६.०३ | ? ${ }^{\text {¢ }}$ |
| जिल्हा परिषदा (३३) | ३.०२ | १.४२ | ૪.૪૪ | ૪६ |
| नगर्परिषदा (२२२) | 0.43 | 0.08 | 0.46 | २६ |
| महानगरपालिका**(२१) | १.२६ | - | १.२६ | २८ |
| एकूण | १०.०६ | २.२४ | १२.३० | २9 |

[^6]
## रोजगार व स्वयंरोजगार मार्गदर्शन केंदे

१२.१० महाराष्ट्र राज्यातील रोजगार व स्वयंरोजगार मारंदर्शन (रो.स्व.मा.) केंद्रांत नवीन नोंदणी झालल्या व्यक्तींच्या संख्येबाबतचा गेल्या $३ ५$ वर्षांतील कल आलेखामध्ये दर्शविण्यात आला आहे. नोंदणी झालेल्या व्यक्तींची संख्या, अधिसूचित केलेली रिक्त पदे व भरलेली पदे ह्याबाबतचा तपशील भाग-२ मधोल तक्ता क्रमांक ५३ मध्ये दिला आहे.

राज्यातील रोजगार व स्वयंरोजगार मार्गदर्शन केंद्रांत झालेली नोंदणी (हजारात)

१२.११ रोजगार व स्वयंरोंजगार मार्गदर्शन केंद्रांच्या चालू नोंदवहोत डिसेंबर, २००७ अखेर असलेल्या व्यक्तींची संख्या भाग-२ मधोल तक्ता क्र.५૪ मध्ये दिली आहे.
१२.१२ अतिरिक्त रोजगार निर्माण करणे, उत्पादक मत्ता निर्मांण करणे, तांत्रिक व उद्योजकता कौशल्यांबाबत प्रशिक्षण देणे आणि गरिबांची उत्पत्र पातळी वाढविणे या उद्देशाने दारिद्रय निर्मूलन कार्यक्रमांचे बळकटीकरण करण्यात आले आहे. केवळ रोजगार निर्मितीमधील वाढीमुळंच दारिद्र्याचे प्रमाण सातत्याने कमी करणं शक्य होते, याची शासनास पूर्वीपासून जाणोव झालेली होती व राज्यात रोंजगार हमी योजनेची झालेली अंमलबजावणी हे त्याचेच फलित होते. राज्यात रोजगार हमी योजनेव्व्यतिरिक्त राबविण्यात येणारे प्रमुख दारिद्रय निर्मूलन व रोजगारनिर्मिती कार्यक्रम म्हणजे संपृर्ण ग्रामीण रोजगार योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना, स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना, स्वर्ण जयंती शहरी रोजगार हमी योजना आणि पंतप्रधान रोजगार योजना हे होत.

## राज्य पुरस्कृत रोजगार योजना/कार्यक्रम

## (१) रोजगार हमी योजना

१२.१३ रोजगार हमी योजना राज्यात १९७२ पासून रार्बावण्यात येत आहे, राज्यातोल ग्रामीण भागात व 'क' वर्ग नगरपरिषदांच्या क्षेत्रात ज्यांना रोजगाराची गरज आहे व जे शारीरक श्रमाचे अकुशल काम करण्यास तयार आहेत त्यांना ‘मागेल त्याला काम’ या तत्त्वानुसार लाभदायक व उत्पादक रोजगार पुरविणे, हा या योजनेचा मूलभूत उद्देश

आहे. रांजगार हमी योजनेअंतगंत घंतलेल्या कामांचो संख्या, मनुर्ष्यदवस आणि झालेला खर्च या संबंधीची अलिकडील आकडेवारी तक्का क्रमांक १२.४ मध्ये देण्यात आली आहे. रोजगार हमी योजनेअंतर्गत तक्ता क्रमांक १२.४
रोजगार हमी योजनेअंतर्गत कामांची संख्या, मनुष्य दिवस आणि खर्च

| वष | पूर्ण केलेल्या <br> कामांची <br> संख्या <br> (मार्च अखेर) | मनुर्ष्यदवस <br> रोजगार <br> उपलब्धी <br> (कोटी) | झालेला खर्च (कोटी रुपये) |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| २००२-о३ | ४२,400 | 24.4 | ce? |
| २00३-0才 | ६८, ७८? | १८. 4 | १,04\% |
| 200\%-04 | ७૪,৩२૪ | २२.२ | १,२५९ |
| 2004-0¢ | २०,७२२ | १६.९ | ¢С३ |
| 200¢-0才 | १२,३३६ | ૪.७ | - ૬४० |

२००६-०७ मध्ये $૪ . ७$ कोटी मनुर्ष्यदवसांचे काम पुरविण्यात आले होते, तर २००५-०६ मध्ये ते १६.९ कोटी मनुर्ष्यादवस इतके होते. रोजगार हमी योजनेअंतगंत २००५-०६ आणि २००६-०७ मध्ये मजुरांची प्रत्तिदिन सरासरी उपस्थिती अनुक्रमें २.३ लाख आर्ाण १.३ लाख होती. रोजगार हमी योजनेखाली २००६-०७ मध्ये पूर्ण झालेल्या कामांपैकी मृद्संधारण व भू-विकासाची मिळ्ण एक्रित कामे ३२ टक्के होतो. आर्ण सिंचनाची कामे देखील ३२ टक्क होती. केंद्र शासन अशाच प्रकारची म्हणजेच राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना (रा.ग्रा.रो.ह.या.) राज्यात राबवित असल्यामुळे गल्या दोन वर्षात रोजगार हमी योजनेमध्ये पुरविण्यात आलेला रोजगार व झालेला खर्च कमी झाल्याची शक्यता आहे. रा.ग्रा.रो.ह.या. योजना पुढोल काळात सर्व जिल्द्यात राबवाविी जाण्याची शक्यता असल्यामुले सध्या ज्याप्रमाणे राज्यातील रोजगार हमी योजना रार्बविण्यात यंते त्याप्रमाणेच पुढे चालू ठेवावी किंवा कसे याबाबतचा आढावा घंणे गरजंचे आहे. रोजगार हमी योजनेखाली महाराष्ट्र राज्यात घेण्यात आलेली प्रकारानुसार कामे व त्यांवरील खर्च भाग-२ मधील तक्ता क्रमांक ५५ मध्ये देण्यात आला आहे.

## (२) रोजगार प्रोत्साहन कार्यक्रम

१२.१४ या कार्यक्रमाखाली रो.स्व.मा.केंद्रांत नोंदणी झालेल्या सुरिशक्षित बंरोजगारांच्या गटांना नोकरी मिळविण्यासाठी उपयोगी होईल असे कोशल्य संपादन करण्याकरिता/कोशल्याचा दर्जा वाढविण्याकरिता प्राशक्षण दिले जाते. २००६-०७ मध्ये प्रशिक्षणाथ्य्यांची संख्या ९,६७० होती, तर २००५-०६ मध्ये ती ८, ४५६ होती. २००६-०७ मध्ये प्रशिक्षण पूर्ण केलेल्या प्रशशक्षणाथ्यांची संख्या ४,८४२ होती, तर ती २००५-०६ मध्ये ६,२०६ होती. प्रशिक्षण घंतलेल्यांपैकी विविध नांक-यांमध्ये सामावृन घेतल्या गेलेल्या उमेदवारांची संख्या २००६-०७ मध्ये १,०१५ होती, तर आधीच्या वर्षी ती १,२३२ होती. २००७-०८ मध्ये डिसेंबर अखेरपर्यंत प्रशिक्षणासाठी दाखल केलेल्या उमेदवारांचो संख्या $७, ૪ ६ ७ ~ ह ो त ी ~ व ~$ त्यापैकी १,०९५ उमेदवार (१૪.७ टक्के) स्त्रिया होत्या, या तुलनेत अधीच्या वर्षो तत्सम कालावधीत प्रशिक्षणासाठी दाखल केलेल्या

उमेदवाराची संख्या ७,३५२ हांतो व त्यापेकी ૪०८ उमंदवार (५५ टक्के) स्त्रिया होत्या.

## (३) बीज भांडवल अर्थसहाय्य कार्यक्रम

१२.१५ या कार्यक्रमांतर्गंत महाराष्ट्रातील स्थायी रहिवासी असलेल्या आणि किमान सातवी परोक्षा उत्तीर्ण झालेल्या किंवा औद्योगिक प्राशक्षण संस्थांतून प्रशिक्षण पूर्ण केलेल्या सुशिक्षित बेरोजगारांना त्यांच्या प्रकल्प खर्च २५ लाखापयंत असलेल्या प्रकल्लांना प्रकल्प खर्चांच्या २५ टक्क्यांपर्यंत व जास्तीत जास्त ३.७५ लाख रुपये मर्यादेपयंत ‘बीज भांडवल अर्थसहाय्य' देण्यात येते. या कार्यक्रमांतगंत २००६-०७ या वर्षांत १,२९? लाभाथ्यांना 4.4 कोटी रुप्यांचे अर्थंसहाय्य देण्यात आले. एप्रल ते डिसेंबर, २००७ या कालावधोत ५९९ लाभाथ्यांना ३.३ कोटी रुपये अर्थसहाय्य देण्यात आले, तर आधीच्या वर्षी तत्सम कालावधीत $4 ६ ०$ लाभार्यांना २.५ कोटी रुपयांचे अर्थसहाय्य दे ण्यात आले होते

## (४) शिकाऊ उमेदवारी प्रशिक्षण कार्यक्रम

१२.२६ ह्या कार्यक्रमांतर्गत शैक्षणिक वर्ष २००७-०८ मध्ये (जुले ते जून) विविध व्यवसाय शाखांत प्रशिक्षण घेत असललल्या शिकाऊ उमेदवारांचो संख्या ३३.५ हजार असून ती आधीच्या शैर्ष्षणिक वर्षात शिक्षण घेतलेल्या ३२.३ हजार उमेदवारांपेक्षा ७.० टक्क्यांनी जास्त आहे.

## (५) उद्योजकता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम

१२.२७ स्रुशिक्षित बेरांजगार तरुणांना स्वयंरोजगारासाठो प्रवृत्त करणे व त्यांना प्रशिक्षण देणे हा या कार्यक्रमाचा उद्देश आहे. महाराष्ट्र उद्योजकता विकास केंद्राकडून आणि उद्योग संचालनालयाने मान्यता दिलेल्या अशासकीय संस्थामार्फत प्रशिक्षणाच कांयक्रम रार्बविल जातात. या कार्यक्रमाअंतर्गत प्रशिक्षण दिलेल्या तरुणांची संख्या २००६-०७ मध्ये २६,२२८ होती, तर २००७-०८ या वर्षात डिसेंबर अखेरपयंत ११,६८० तरुणांना प्रशिक्षण देण्यात आले होते

## केंद्र पुरस्कृत रोजगार कार्यक्रम

## (९) संपूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना

२२.३८ महाराष्ट्र राज्यात ही योजना जानेवारी, २००२ पासून सर्व जिल्ह्यात (बृहन्मुंबई वगळ्टन) रार्बाविण्यात येत होतो. तथापि २००६-०७ व २००७-०८ मध्ये अनुक्रमें २२ व ६ जिल्द्यांचा समावेश राष्ट्रोय ग्रामोण रोजगार हमी योजनेत करण्यात आल्यामुळे ही योजना आता उर्वरित ३५ जिल्ह्यांत राबविण्यात येत आहे.
१२.१९ या योजनेचा प्राथमिक उद्देश ग्रामीण भागात गरोब जनतेला उदरानिर्वाहाचो हमी देऊन अर्तिरक्त रोजगार पुरविणे व त्यासोबत त्या जनतेचा पोषण स्तर देखील सुधारणें हा आहे. या योजनेचा दुय्यम उद्देश ग्रामोण भागांत सामृहिक, सामाजिक व आर्थिक टिकाऊ मत्ता निमाण करणे व पायाभूत सायींचा विकास करणे हा आहे. ह्या योजनेवरोल केंद्र व राज्य शासनाच्या रोखोच्या खर्चांचे प्रमाण ७५:२५ असे आहे.

वस्तृरूपात दिल्या जाणा-या बाबीचा (अन्रधान्य) $९ 00$ टक्के खर्च केंद्र शासनाकडून भागविला जातो. या योजनेअंतर्गत मजुरांना प्रति मनुष्यदिवस $५$ कि.म्रू. अन्नधान्ये, गहू प्रात कि.ग्र. $\varphi$ रुपये व तांदूळ प्रति कि.ग्र. $\xi_{1}$ रुपयें या दराने उपलब्ध करून देण्यात येतात. एकूण मजुरीतून अन्नधान्यांची किमत वजा करून उर्वरित मजुरी रोखीने देण्यात यंते. ही याजना जिल्हा परिषद, पंचायत समिती व ग्राम पंचायत यांचेमार्फंत रार्बविण्यात येते.
२२.२० या योजनेअंतर्गत २००६-०७ मध्ये ४.५ कोटी मनुष्यादवस रोंजगार पुर्रावण्यात आला होता, तर २००५-०६ मध्ये ६.६ कोटी मनुष्यदिवस रोजगार पुरविण्यात आला होता. २००७-०८ या वर्षात नान्केंबर अखेरपयंत श९३.५ कोटी रुपये (मागील वर्षीचा अखर्चित निधी ८.५६ कोंटी रुपये जमेस धरून) उपलब्ध करून देण्यात आले व त्यापैकी १३६.०६ कोटो रुपये खर्च झाले असून सदर कालावधीत १.३ज कोटी मनुष्यादिवस रोंजगार निर्माण करण्यात आला.

## (२) राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना

१२.२१ केंद्रपुरस्कृत राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार हमी योजना हो पहिल्या टण्यात महाराष्ट्राच्या १२ जिल्हांतील ग्रामीण भागात फेब्रुवारी, २००६ पासृन राबविण्यात येत आहे. दुस-या टप्यात आणखी ६ जिल्द्यात (ठाणे, उस्मानाबाद, बुलढाणा, अकोला, वाशीम आणि वर्धा) सुरु करण्यात आली. या कार्यक्रमांतर्गत नोक्हेंबर, २००७ पर्यंत ३२,३०,६५७ कुटुंबांची नोंदणी करण्यात आली असून त्यापेकी २८,८६,८९३ कुटुंबांना रोजगार पत्रके पुरविण्यात आली. ६,२२,७४३ कुटुंबांना रोजगार पुरविण्यात आला व त्यावर योजना सुरु झाल्यापासून नोक्हेंबर, २००७ पयंत २६२.७३ कोटी रुपये खर्च करण्यात आले व २.८८ कोटी मनुष्य दिवस निर्मिती झाली.

## (३) स्वर्णजयंती ग्राम स्वरोजगार योजना

१२.२२ राज्यामध्ये 'स्वर्णजयंती ग्राम स्वरोजगार योजना' एप्रिल, १९९९ मध्ये सुरू करण्यात आली. ह्या योजनेअंतर्गत लाभार्थी गरीब कुट्रुबांना बँकेचे कर्ज व शासकीय अनुदान देऊन उत्पन्न निर्माण करणारी मत्ता पुरवृन तीन वर्षे कालावधीत दारिद्र्रेषेच्या वर आणणे हा ह्या योजनेचा उद्देश आहे. या योजनेसाठी वित्त पुरवठयाचे स्वरूप केंद्र व राज्य शासन यांमध्ये ७५:२५ या प्रमाणात आहे. ह्या कार्यक्रमाखाली व्यक्तीगत किंवा अनेक व्यक्ती मिळून बनलेल्या स्वसहाय्यित गटांना सहाय्य दिले जाते. कायक्रमामध्ये ग्रामीण भागातील गरिबांना स्वसहाय्यित गटांमध्ये संधटित करून या गट पध्दतीने सहाय्य देण्यावर जास्त भर दिला जातो. या कार्यक्रमाखालील लाभधारकांना स्वरोजगारी म्हणून ओळखले जाते. २००६-०७ मध्ये स्वर्णजयंती ग्राम स्वरोजगार योजनेअंतर्गत ८४,७०७ स्वरोजगारींना (वैयक्तिक व स्वसहाय्यित गट) ८२.०९ कोटी रुपयांचे अनुदान व १४४, ४३ कोटी रुपयांचे कर्जवाटप करण्यात आले. २००७$\circ$ ० मध्ये डिसेंबर अखेरपर्यंत ४९,०५४ स्वरोजगारींना ४६.२४ कोटी रुपयांचं अनुदान व ८६.२२ कोटी रुपयांचे कर्जवाटप करण्यात आले, तर अधीच्या वर्षी तत्सम कालावधीत ३९.२७३ स्वरोजगारींना ३८.०१

कोटी रुपयांचे अनुदान व ६६. $० ०$ कोंटी रुपयांचे कर्जवाटप करण्यात आले होते. २००६-०७ मध्ये ८૪,৩०७ स्वरोजगारीपेकी ७०,३५६ स्वरोजगारी (८३ टक्के) स्त्रिया होत्या. २००७-०८ मध्ये डिसेंबर अखेरपर्यंत एक्ण स्वरोजगारोंमध्ये स्त्री स्वरोजगारींचे प्रमाण तितकेच राहिले
२२.२३ २००६-०७ मधील एकूण ८૪, ४०७ स्वरोजगार्रीपैकी ७६,४५८ स्वरोजगारी हे ७,३४५ स्वसहाय्य गटांतोल होते. स्वसहाय्य गट स्वरोजगारोंमध्ये स्त्री स्वरोजगारींच प्रमाण २००६-०७ मध्ये ८१ टक्के होते, चालू वर्षात ते डिसेंबर, २००७ अखेरपर्यंत ८३ टक्के हांते. स्वसहाय्यित गटांना दिलेले अनुदान व कर्जांचा तपशील तक्ता क्रमांक १२.५ मध्ये देण्यात आला आहे.

तक्ता क्रमांक १२.५
स्वर्णजयंती ग्राम स्वरोजगार योजनेअंतर्गत स्वसहाय्यित
गटांना दिलेले अनुदान व कर्ज

| वर्ष | सहाय्यित स्वसहाय्यित गट (संख्या) | स्वसहाय्यित गट स्वरोजगारी (संख्या) | अनुदान <br> (कोटी <br> रुपये) | कर्ज <br> (कोटी <br> रुपये) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| २००३-०४ | ४, र६६ | ช4,0७\% | ૪૪.२४ | ६६.७९ |
| 200\%-04 | 4, ¢0३ | 49,99\% | ६9.44 | 990.4C |
| 2004-0¢ | E,29\% | ६५,२३९ | 4P.4\% | ९६.४६ |
| २о०६-a७ | ७,३४4 | ७द, उपС | ง9.09 | १२२.४९ |
| 200v-ac* | ४,२२४ | ૪૪,२२७ | 60.80 | ७३.૪० |

*डिसेंबर, २००ט अखेरपर्यंत

## (४) स्वर्णजयंती शहरी रोजगार योजना

१२.२४ केंद्र शासनानें ‘नेहरू रोजगार योजना', 'नागरो भागातील गरिबांसाठी असलेली मूलभूत सेवा योजना' आणि पंतप्रधानांचा एकात्मिक नागरी दारिद्रय निर्मूलन कार्यक्रम' या तीन योजनांऐवजी स्वर्णजयंती शहरी रोजगार' १९९७ मध्ये सुरू केली. या योजनेसाठी केंद्र व राज्य शासनांकडून $७ ५: २ ५$ या प्रमाणात निधी उपलब्ध करून दिला जातो. ह्या योजनेचा उद्देश नागरी भागातोल दारिद्रघरेषेखालील किमान इयत्ता नववीपयंत शिकलेल्या बेरोजगारांना किंवा अर्धरोजगारांना स्वयंरोजगार उपक्रम उभारण्यासाठी प्रोत्साहित करून रोजगार पुरविणे किंवा वेतनी रोजगार पुरविणे हा आहे. या योजनेत 'शहरी स्वयंरोजगार कार्यक्रम’ आणण 'शहरी वेतनी रोजगार कार्यकम' या दोन उपयोजनांचा समावेश आहे.
१२.२५ वरील योजनेअंतर्गत २००६-०७ व २००७-०८ (सप्टेंबर अखेर) झालेली प्रगती तक्ता क्र.१२.६ मध्ये देण्यात आली आहे.

## (५) पंतप्रधान रोजगार योजना

१२.२६ पंतप्रधान रोजगार योजना राज्याच्या ग्रामीण व नागरी भागातील सुरिक्षित बेरोजगार युवकांना स्वयंरोजगार उपलब्ध करून देण्यासाठी १९९३ पासून राबविण्यात येत आहे. या योजनेअंतर्गत १८ ते $३ ५$ वर्ष वयोगटातील (अनुसूचित जाती/अनुसूचित जमाती, माजी सैनिक, शारीरिक दृष्ट्या अपंग आणि स्त्रिया यांना १० वर्षेपर्यंत

तक्ता क्र．१？．६
स्वणंजयंती रोजगार योजनेअंतर्गत झालेला खर्च व लाभार्थांची संख्या
（रु．कोटीत）

| कयक्रम | 200¢－0才9 |  | २००७－०く（सप्टेंबर अखेर） |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | लाभधारक <br> संख्या | खर्च | लाभधारक संख्या | खर्च |
| शहरी स्वयंरोजगए | 2．986 | १．४४ | ३२け | 0.94 |
| शहरों स्वयंरोजगार प्राशक्ष्त्ण | २ง，१९२ | ૪．ו८ | 4，३44 | १．६७ |
| शहरी वेतन रोजगार | ७६，000＊＊ | २．9¢ | ७，000＊ | $0.4 ७$ |

शिधिलक्षम）किमान इयत्ता $\langle$ वी उत्तोर्ण किवा आयटीआय उत्तीर्ण किवा ६ महिन्यांचा शासकीय तांत्रिक शिक्षण कार्स घेतलेल्या，महाराष्ट्रात कमीत कमी तःन वर्षे वास्तव्य असलेल्या व ज्यांचे वार्षिक उत्पन्न १ लाखापर्यंत आहे अशा व्यक्ती लाभ घेण्यास पात्र असतात．या योजनेखाली व्यवसाय उपक्रमासाठी २ लाख रुपयांच्या，उद्योग व संवा क्षेत्रासाठी ५ लाख रुपयांच्या तसंच २ किवा २ पेक्षा जास्त लाभार्थींना भागीदारोमध्ये १० लाख रुपयाच्या प्रकल्पांना आर्थिक सहाय्य दिले जाते．केंद्र शासनातरे प्रकल्प खचांच्या १५ टक्के अनुदान १२，५०० रुपयांच्या मर्यादेपर्यंत उपलब्ध करुन दिले जाते．उद्योजकास ५ ते १६．२५ टक्के स्वत．चे नगदी भांडवल घालावे लागते．उर्वरित रक्कम कर्जाच्या स्वरूपात बँकेकडून मंजूर केली जाते． या योजनेखाली २००६－०७ वर्षात सुमारे ३६，७५० लाभाथ्यांना १९७．९२ कोटी रुपयांचे कर्ज बँकेने मंजूर केले व २००७－०८ मध्ये डिसेंबर अखेरपयंत १५，६०२ लाभाथ्य्यांना ९९．२९ कोटी रुपयांचे कर्ज मंजूर करण्यात आले．महाराष्ट्र राज्यात रार्बविण्यात येणा－या केंद्रपुरस्कृत रोजगार कार्यक्रमांचो प्रगती भाग－२ मधील तक्ता क्र．५६ मध्ये देण्यात आली आहे．

## औद्योगिक संबंध

१२．२७ कारखान्यातोल संप व टाळेबंदीमुळे राज्यात काम यांबलेल्या प्रकरणांची जानेवारी ते डिसेंबर，२००६ या वर्षातोल संख्या २३ होती व ती कमी होऊन २००७ च्या तत्सम काळात ती २२ झाली． काम थांबल्याच्या प्रकरणांमुले जानंवारी नैं डिसेंबर，२००७ मध्ये त्यात सहभागी असलेल्या कामगारांची संख्या（६，०८८）ही २००६ मधील सहभागी असलेल्या कामगारांच्या संख्यंपेक्षा ३८ टक्क्यांनी कमी होती． तसेच मागील वर्षापासून चालू असलेले व जानेवरी ते डिसेंबर २००७ या काळातील संप व टाळेबंदी यामुळे वाया गेलेल्या मनुष्यदिवसांची ९．५५ लाख ही संख्या २००६ मधील तत्सम कालावधीच्या संख्येपेक्षा（२०．८५ लाख）१२ टक्क्यांनी कमी झाली．महाराष्ट्र राज्यातील औद्योगिक विवादांचा तपशील भाग－२ मध्ये तक्ता क्र．५७ मध्ये दिला आहे．

## बंद पडलेले उद्योग

१२．२८ राज्यातील बंद पडलेले लघु，मध्यम व मोठे उद्योग आणि बाधित कामगारांची संख्या तक्ता क्रमांक १२．७ मध्ये देण्यात आली आहे．

तक्ता क्र．१२．७ बंद झालेले उद्योग व बाधित कामगार
（संख्या）

| वर्ष | लघु उद्योग |  | मध्यम व मोठे उद्योग |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | बंद | बाधित कामगार | बंद | बाधित कामगार |
| २00マ－०३ | ६，२૪९ | २С，99\％ | ३३९ | 84.409 |
| 200३－0才 | ช，\＆く¢ | २९，३७？ | २१३ | 4？，cor |
| 2008－04 | २，4६६ | १२，く३० | 363 | ३३，६२？ |
| 2004－0¢ | २，२१६ | ¢Я，७७¢ | ใ | ११，७२३ |
| 200६－0才 | 2？${ }^{\text {¢ }}$ | १，६६？ | १？ | १，ソ०¢ |
| २oov－oく＊ | 40 | ६९० |  | － |
| ＊ऑक्टोबर，२००७ अखेरपर्यत |  |  |  |  |
| १२.२९ <br> व बाधीत का <br> औद्योंगिक | क्र．१२． ांची संख्य वरणाचे | ७ मधील आकडे <br> द्या दरवर्षी कमी <br> निकोप लक्षण | वरून | बंद लधु उद्योगांची याचे दिसून येते |

## दारिद्रय

१२．३० निकृष्ट राहणोमान，मूलभृत गरजांचा अभाव，कुपोषण व निरक्षरता ही दारिद्रयाचो लक्षणे असून त्याचा अंतिम परिणाम मानव विकास निम्नस्तरावर राहण्यात होतो．राज्याच्या सुरुवातीपासून दारिद्रयनिर्मूलन हे नियोजनबद्ध विकासाचे ध्येय ठरविण्यात आले आहे．

१२．३१ सर्वसाधारणपणे，दारिद्रयाचे प्रमाण हे दारिद्रयेरेषेखालील जीवन जगणा－या लोकांचे एकूण लोकसंख्येशी असलेल्या टक्केवारीमध्ये व्यक्त केले जाते．नियोजन आयोगाने रानपाच्या ६१ व्या फेरीवर （जुलै，२००४－जून，२००५）आधारित तयार केलेल्या सर्वात दारिद्रयाच्या सर्वांत अलिकडील अंदाजानुसार राज्यामध्ये ही टक्केवारी १९९३－९४ मधील ३६．९ टक्क्यांवरून २००४－०५ मध्ये ३०．७ टक्क्यांपर्यंत कमी झाल्याचे दिसते．तथापि，संख्यात्मकदृष्ट्या या कालावधीत दारिद्रयंरेषेखालील लोकसंख्या १२．२५ लाखांनी वाढल्याचे दिसते．ही वाढ मुख्यत्वेकरून नागरी भागातील दारिद्र्यरेषेखालील लोकसंख्येच्या वाढीमुळे होती．

१२．३२ राष्ट्रीय नमुना पाहणो（रानपा）च्या ६१ व्या फेरीवर ${ }^{\circ}$ आधारित सर्वांत अलिकडील दारिद्रयाचे अंदाज असे दर्शवितात की， राज्यातील दारिद्र्याचे प्रमाण ३०．७ टक्के असून ते अखिल भारतीय प्रमाणापेक्षा（२७．५ टक्के）३．२ टक्के अंकानी जास्त आहे．तसेच， दारिद्रयरेषेखालील लोकसंख्येच्या बाबतीत महाराष्ट्र हे देशातील प्रमुख राज्यांमध्ये उ़त्तर प्रदेश आणि बिहार या राज्यंच्या खालोखाल तिस－या क्रमांकाचे राज्य आहे．१९९३－९४ मध्ये महाराष्ट्र，तामिळनाडू व पश्चिम बंगाल या राज्यांत दारिद्र्याचे प्रमाण जवळपास सारखेच होते．परंतु २००४－ 0 मध्ये तामिळनाडू व पश्चिम बंगाल या राज्यांत हे प्रमाण महाराष्ट्रापेक्षा बरेच कमी झाल्याचे दिसून आले．रानपाच्या केंद्र－नमुना पाहणीच्या निष्कषांवर आधारित प्रमुख राज्यांतील दारिद्र्यरेषेखालील लोकसंख्येचे प्रमाण तक्ता क्र．२२．८ मध्ये दिले आहे．

तक्ता क्र．१२．८
प्रमुख राज्यांतील दारिद्रचरेषेखालील लोकसंख्येचे प्रमाण

| राज्य | १९९३－९૪ |  |  | २०or－0¢ |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | ग्रार्मीण | नागरो | एकूण | ग्रामीण | नागरी | एकृण |
| ओरिसा | ४¢．७ | ૪२．६ | ४¢．६ | ૪६．८ | ४४．३ | ૪६．$૪$ |
| बिहार | ५С．？ | ३४．५ | 44.0 | ૪२．？ | ३४．६ | ૪จ．૪ |
| मध्य प्रदेश | ૪०．६ | ૪८．૪ | 82．4 | З६．9 | ૪२．？ | ३८．३ |
| उत्तर प्रदेश | ૪२．३ | 34.8 | ४०．9 | ३३．૪ | ३०．६ | ३२．८ |
| महाराष्ट्र | ३७．९ | ३५．२ | ३६．९ | २९．६ | ३२．२ | ३०．७ |
| कर्नाटक | २९．९ | ชо．？ | ३३．२ | २०．८ | ३२．६ | २५．0 |
| पश्चिम बंगाल | ૪o．¢ | २२．૪ | ३५．७ | २८．६ | १४．८ | Р૪．๒ |
| तामिळनाडू | ३२．५ | ३९．८ | 34.0 | २२．८ | २२．२ | २२．५ |
| राजस्थान | २६． 4 | ३०．4 | २७．$\%$ | ३．७ | $3 २ .9$ | २२．१ |
| आंध्र प्रदेश | ¢५．9 | ३८．३ | २२．२ | ११．२ | २． 0 | 24．e |
| केरळ | 24．C | २૪．६ | २५．૪ | १३．२ | २०．२ | 24．0 |
| भारत | ३७．३ | ३२．૪ | ३६．० | २८．३ | २५．७ | २ง．५ |

## मानव विकास

१२．३३ लोकांच्या आकांक्षा अमर्याद असतात आणि त्यामध्ये कालांतराने ब－याचदा बदल होत असतात．लोकांच्या या वाढत्या आकांक्षांची परिपूर्ती करण्याची प्रक्रिया अशी मानव विकासाची व्याख्या करता येईल．मानवाच्या तीन सर्वात महत्त्वाच्या आकांक्षा म्हणजे दीर्घ व आरोग्यपूणं जीवन जगणे，ज्ञान प्राप्त करणे आणि चांगल्या प्रतीचे राहणोमान उपभोगणे ह्या आहेत．ह्या आकांक्षा विचारात घेऊन मानव विकास निर्देशांक परिगणित करण्यात येतो．सर्वसाधारणपणं दीर्घायुष्य हे जन्मवेळच्या आयुर्मानात मोजले जाते，तर शिक्षण हे प्रौढ साक्षरता प्रमाण（६५ वर्षे व त्यापेक्षा जास्त वयाच्या व्यक्तींच्या साक्षरतेचे प्रमाण） व पटावरोल एकत्रित नोंदणीची गुणोत्तरे यांत आणि चांगल्या प्रतीचे राहणीमान हे दरडोई स्थूल देशांतर्गत उत्पन्चाच्या（युएस डॉलसंसधील परिवर्तित क्रयशक्ती）आधारे मोजण्यात येते．

१२．३३．१ राष्ट्रोय मानव विकास अहवाल，२००१ अनुसार प्रमुख राज्यांचे मानव विकास निद्देशांक（माविनि）तक्ता क्र．१२．९ मध्ये दिले आहेत．या अहवालात मानव विकास निद्देशांक परिगणित करण्यासाठी पुछॉल fनर्देशांक वापरले आहेत．

१）दरडोंई उपभोग्य बाबींवरोल खर्च（राष्ट्रीय नमुना पाहणीच्या अंदाजांवर आधारित）．

२）जनगणना，२००१ अनुसार ७ वर्ष व अधिक वयोगटासाठीचा साक्ष्रता दर．

३）जनगणना，२००१ च्या आधारे वय वर्ष एक असतानाचे आयुम्मान आणि नमुना नोंदणी पाहणीवर आधारित बालमृत्यूदर．

तक्ता क्रमाक १२．९
प्रमुख राज्यांचे मानव विकास निर्देशांक

| राज्य | 99C？ |  | 9999 |  | 2009 |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | माविनि | गुणानु－ <br> क्र्मांक | माविनि | गुणानु－ <br> क्रमांक | मार्विन | गुणानु－ <br> क्रमांक |
| केरळ | 0.400 | १ | 0.499 | ？ | －．६३८ | ？ |
| पंजाब | $0.8 १ २$ | २ | 0.894 | २ | 0.43 － | $२$ |
| तामिळनाडू | $0 . ३ ४ ३$ | $v$ | $0 . \gamma ६ \%^{\circ}$ | ३ | 0.432 | ३ |
| महाराष्ट्र | －．३द३ | ३ | $0.84 \%$ | $\gamma$ | $0.4 २ ३$ | $\gamma$ |
| हरयाणा | －३६० | 4 | －．૪૪३ | 4 | 0.409 | 4 |
| गुजरात | $0 . ३ ६ ०$ | ૪ | －．४३？ | ६ | $0.8 ७ 9$ | $\xi$ |
| कर्नाटक | －．३४६ | ६ | $0 . ૪$－${ }^{\text {－}}$ | $v$ | －． $\mathrm{\gamma}$ | $\checkmark$ |
| पश्चिम बंगाल | 0.304 | $\checkmark$ | －． $80 \%$ | $\zeta$ | $0.8 \bigcirc 2$ | 6 |
| राजस्थान | $0.24 \%$ | १२ | －．३४ | 93 | $0 . ४$ ¢४ | $\rho$ |
| आंध्र प्रदेश | －．२९८ | $\rho$ | －．३७७ | $\rho$ | 0.7 ¢\％ | q0 |
| ओंरिसा | －．२६ง | 29 | －३ु४4 | १२ | －．४०४ | ใ？ |
| मध्य प्रदेश | 0.284 | १४ | －．३२く | १३ | $0 . ३ ९ \gamma$ | १२ |
| उत्तर प्रदेश | 0.244 | १३ | －．३१४ | १\％ | －．3CC | ใ३ |
| आसाम | －．२७२ | 80 | $0 . ३ ४ ¢$ | 80 | －．3くを | १४ |
| बिहार | －．ママง | 24 | $0.30<$ | 84 | －．३३७ | 24 |
| भारत | 0.302 | － | $0 . ३ ८ ?$ | － | $0 . ช ७ ?$ | － |

१२.३३.२ मानव विकास निर्देशांक परिगणित करण्यासाठी युएनडीपीने निर्धारित केलेल्या पद्धतीनुसार राज्याच्या विविध महसुली विभागांसाठी जनगणना, २००१ च्या आकडेवारीवर आधारित मानव विकास निर्देशांक पर्रागणित केले असून ते तक्रा क. १२.२० मध्ये दिले आहेत. महाराष्ट्रासाठीचे तसेच राज्याच्या सर्व महसुली विभागांसाठीचे मानव विकास निदेशांक हे भारताच्या मानव विकास निर्देशांकापेक्षा जास्त आहेत. महाराष्ट्राचा मानव विकास निदेंश़ांक हा जगात ११४ व्या स्थानावर असलेल्या बोलीक्किया या देशाध्या मानव विकास निर्देशांकाइतका आहे. मुंबईसाठीचा मानव विकास निर्देशांक (०.७४६) हा जगातील ८८ व्या क्रमांकावर असलेल्या जॉर्जिया या देशाइतका आहे. मुंबईसाठीचा मानव विकास निर्देशांक हा श्रीलंका (०.७२९) आणि चीन (०.७२२) या देशांच्या मानव विकास निर्देशांकापेक्षा जास्त आहे.

तक्ता क्रमांक १२.१०

| विभाग | मानव विकास निर्देशांक-२००? |  |  | मार्विनि |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | जन्मवेळेचे आयुर्मान (वर्षामध्ये) | $\begin{aligned} & \text { प्रौढ } \\ & \text { साक्षरता } \\ & \text { दर } \end{aligned}$ | एकत्रित <br> पटावरील <br> विद्यार्थी <br> संख्या |  |
| कोकण * | ७२.\% | co.l | ७२.३ | -.७२३ |
| नाशिक | ६८.9 | ६८. 4 | ७¢.9 | -.६३८ |
| पुणे | ७३.0 | ७३.३ | 94.E | -.६९६ |
| औरंगाबाद | ¢, C. 4 | \&\%.3 | ७३.६ | -.¢१३ |
| अमरावती | ६७.६ | -3.4 | ७ช.६ |  |
| नागपूर | ¢५. 4 | '96.3 | ७ง.६ | -.६૪६ |
| महाराष्ट्र | ६9.६ | ७२.9 | ७३.८ | -.६७२ |
| भारत | ६३.३ | ५く.0 | ५¢ | 0.490 |

* मुंबईसह

आधार : १) अर्थ व सांख्यिकी संचलनालय, महाराष्ट्र
२) मानव विकास अहवाल, २००३

## सामाजिक क्षेत्रे

## शिक्षण

१३.१ शिक्षण हे राष्ट्रोय, तसंच वैयक्तिक विकास साधण्यामधील एक महत्वाचे साधन असल्याच सर्वंत्र मानण्यात येते. मानवी विकासात शिक्षण हे महत्त्वाची भूमिका बजावत असल्याने सर्वांना प्रार्थमिक शिक्षण उपलब्ध करून देऊन साक्षरतंची पातळी वार्ढावणे आणि अर्थव्यवस्थेच्या गरजा भाग्गवण्यासाठी लागणारे तांत्रिक कौशल्य निर्माण करण्यासाठो इच्छुकांना तंत्रिक शिक्षण उपलब्ध करून देणे आवश्यक आहे. देशाच्या सार्माजिक व आर्थिक विकासातोल शिक्षणाची महत्त्वाची भूमिका व घटनात्मक दायित्व विचारात घेऊन शिक्षणविषयक विविध कार्यक्रम राबविले जातात. राज्यात राबविण्यात येणारे सर्व शेक्षणिक कार्यक्रम, त्वातील सुधारणा अणि भविष्यातील धोरण हे शेक्षणिक पुनरंरचनेबाबतचे धोरण, शिक्षणविषयक राष्ट्रीय धोरण व केंद्रीय शिक्षण सल्लगगारमंडळाचे धोरण यांवर आधारलेले असते.
१३.२ शैक्षणिक कार्यक्रम, विशेषतः प्राथमिक शिक्षणासंबंधीचे शेक्षणिक कांक्रम, राज्य शासन आणि स्थानिक स्वराज्य संस्थांच्या संयुक्त प्रयलांद्वारे राबविले जातात. मूलभूत शिक्षणाची मुख्य जबाबदारी जरी राज्य शासनाची असलो तरी शैक्षणिक यंत्रणा स्थानिक परिस्थितीशी अधिक प्रतितादशील कावी व त्यामधं सामाजिक सहभाग मिळविणे सुलभ द्वावे या हेनूने ग्रामीण व नागरी ह्या दोन्ही भागांमध्ये स्थानिक स्वराज्य संस्थांना देब़ील शालंय शिक्षणामंध्ये सहभागी करून घेण्यात येते.

## शैक्षणिक प्रगती

१३.३ प्राथमिक शिक्षणाच्या सार्वत्रिकीकरणामुळे माध्यमिक शिक्षणाची मागणी मोठया प्रमाणात वाढली आहे. माध्यमिक शिक्षणाच्या क्षेत्रात खाजगी संस्था महत्त्वाची भूमिका बजावत आहेत. महाराष्ट्रात मोठ्या प्रमाणात शाळा खाजगी संस्थांकडृन चालविल्या जातात व त्यापैकी बहुतांश शाळा शासन अनुदानित आहेत. या बरोंबरच महानगरपालिका, नगरपालिका यांसारख्या स्थानिक स्वराज्य संख्था देखोल आपपलल्या कां्यक्षेत्रात माध्यमिक शाळा चालवीत असल्याने पटावरोल विद्याथ्यांच्या संख्येत मोठो वाढ झाली आहे. प्राथमिक ग़ाळांतोल प्रति शिक्षक विद्याथ्य्यांचे प्रमाण $२ ९ ९ ०-९$ ते २ $000-0$ या कालावधीत ३९ इतके जवळपास कायम राहिले आणि त्यानंतर ते कमी होऊन २००७-०८ मध्यं ३४ इतके झाले. तथापि, माध्र्यमिक व उच्च माध्यमिक शाळांसाठी एकत्रितरित्या या प्रमाणात

२९९०-९१ मधील ३२ विद्याथ्यांवरून २००७-०८ मध्ये ३८ विद्यार्थी अशशी वाढ झाली. राज्यातोल शैर्षणिक प्रगतीसंबंधीची १९६०-६१ पासूनची आकडेवारो या प्रकाशनाच्या भाग-२ मधील तक्रा क. ५८ मध्ये दिली आहे.
१३.૪ राज्यातील २००६-०४ व २००७-०८ या वर्षांतोल प्राथममक, माध्यमिक व उच्च माध्र्यमक शाळांची व पटावरोल विद्याथ्यांची अंदाजित संख्या तक्ता क्र. १३.१ मध्ये दिलो आहे.

तक्ता क्रमांक १३.१
महाराष्ट्र राज्यातील प्राथमिक, माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शाळांची
व पटावरील विद्यार्ध्यांची संख्या
( शिक्षक व पटावरोल विद्यार्थी यांची संख्या हजारात )
शैक्षणिक संस्थेचा २००६-०७* २००७-०く*
प्रकार(@)
१. प्राथमिक

| १) शाळा (१ ली ते ७ वी) | ६९,३३० | ६९,३३० |
| :--- | ---: | ---: |
| २) (अ) पटावरील विद्यार्थी | ११,६८८ | ११,५७१ |
| (ब) त्यापैकी मुली | ५,५९१ | ५,५३६ |
| ३) शिक्षक | ३४० | ३४१ |

२. माध्यमिक

| १) शाळा ( १ ली ते १० वी) | २५, ७६२ | १५,७६२ |
| :--- | ---: | ---: |
| २) (अ) पटावरोल विद्यार्थी | ५,७०९ | ५,८२४ |
| (ब) त्यापंकी मुली | र,६५५ | २,७०८ |
| ३) शिक्षक | १६४ | १६७ |

३. उच्च माध्यमिक
१) शाळा (१ ली ते १२ वी) ३,११४ ३,११४
$\begin{array}{lrl}\text { २) (अ) पटावरील विद्यार्थो } & \text { ४,५६२ } & \text { ४,५८० } \\ \text { (ब) त्यापैकी मुली } & \text { २,०९९ } & \text { २,२०७ }\end{array}$
३) शिक्षक ११४ ११ง
४. कनिष्ठ महाविद्यालय

| १) संस्था (११ वी व १२ वो) | ६६३ | ६६३ |
| :--- | :---: | ---: |
| २) (अ) पटावरोल विद्यार्थी | ७९२ | ८३२ |
| (ब) त्यापैकी मुली | ३२७ | ३४३ |
| ३) शिक्षक | १३ | १४ |

* अंदाजित
@ शालेय पातळीवरील व्यवसाय शिक्षण संस्था वगळून

१३．५ राज्याच्या ग्रामीण व नागरी भागातील शाळामधील २००६－०७ व २००७－०८ या वर्षांतोल इयत्ता गटनिहाय पटावरील विद्यार्थी संख्या तक्ता क्र．१३．२ मध्ये दिलो आहें．

तक्ता क्रमांक १३．२
इयत्ता गटानुसार पटावरील एकूण विद्यार्थी संख्या

| （हजारात） |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| इयत्ता गट |  | 200¢－06＊ | 200v－0c＊ |
| १ ते $\gamma$ | $\begin{aligned} & \text { ग्रामीण } \\ & \text { नागरी } \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 4,4 \rho 9 \\ & 3,4 ३ \beta \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 4, ६ q \gamma \\ & 3, ७ \gamma २ \end{aligned}$ |
| ५ते く | ग्रामीण <br> नागरो | $\begin{aligned} & 4,8 \subset \gamma \\ & 3,84 \xi \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 4,88 \mathrm{C} \\ & 3,8 ६ 4 \end{aligned}$ |
| ९ व २० | ग्रामेण <br> नगगरो | $\begin{aligned} & 8,004 \\ & 2,8,3 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & \text { Q, २२p } \\ & \text { Q,२२० } \end{aligned}$ |
| ११ व १२ | ग्रामेण <br> नागरो | $\begin{gathered} \text { ७२८ } \\ \text { १,९९२ } \end{gathered}$ | $\begin{gathered} \begin{array}{c} \xi ९ ६ \\ २, \mathrm{o} \mathrm{\gamma} \mathrm{\gamma} \end{array} \end{gathered}$ |

＊अंदाजित

＠१९९४－९५ पासून कनिष्ठ महचिध्यालये व उच्चा माध्यमिक धरून
१३．६ २००६－०७ मध्ये राज्य शासनाने प्राथमिक शिक्षण， माध्यमिक शिक्षण व उच्च माध्यमिक शिक्षणावर एकृण रुपये १०，३७२ ｜कोटो इतका खर्च केला असून सदर खर्च स्थूल राज्य उत्पनाच्या दोन टक्के इतका आहे．राज्य शासनाचा प्राथमिक，माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षणावर झाललला खर्च तक्ता क्र．१३．३ मध्ये दिला आहे．

तक्ता क्रमांक १३．३
राज्य शासनाचा प्राथमिक，माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षणावरील खर्च
（रु．कोटोत）

| वर्ष | प्रार्थामक | माध्ध्यमक | उच्च <br> मार्य्यमक | एकूण |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 200マ－०३ | ४，०३९ | ३，o०૪ | ૪৩く | ७，५२？ |
| 200३－0才 | ૪，१२？ | ३，३११ | प२？ | ७，९५३ |
| 200\％－04 | ४，४७૪ | ३，६१૪ | $44 \%$ | C，६३९ |
| 2004－0द | ૪，1909 | ३，७६३ | ६\％O | ९，०७४ |
| 200E－ob | 4，40く | ૪．श9\％ | ६७o | ใ०，३७२ |

＇प्रथम＇या नामवंत अशासकीय संस्थेद्वारे ऑक्टोबर－नोक्केंबर， २००७ मध्ये महाराष्ट्र राज्याच्या ग्रामोण भागातील ६ ते ३४ वर्ष वयांगटातील मुलांसाठी वाचन，लंखन व सांपी गांणते सांर्डावणे， इत्यादी प्रक्रियांमधील शैक्षणिक स्थिती जाणून घंण्यासाठी सवेक्षण केले．त्याचा वार्षिक स्थिती अहवाल－असर या नावाने प्रसिद्ध करण्यात आला．विद्यार्थाँना विचारण्यात आलेल्या प्रश्नांची काषठण्यमातलकी सर्वांत कठीण प्रश्न अगोदर घंऊन उतरत्या क्रमाने प्रश्न विचारण्यात आले व त्यावरून सबँक्षणातोल रिनिक्षणांचो टक्केवारी काढण्यात आली आहे．


सर्व शिक्षा अभियान
२३.७ शालेय शिक्षण पद्धतीतील साग्नाजिक सहभागाद्वारे प्रार्थमिक शिक्षणाचे सार्वत्रिकीकरण करण्यासाठी सर्व शिक्षा अभियान हा एक प्रयत्न आहे. देशातील सर्वांना गुणवत्तापुर्ण मूलभूत शिक्षण पुरविण्यासाठीच्या मागणीबाबतचा हा एक प्रतिसाद आहे. हा कार्यक्रम म्हणजे ६ ते १४ त्रर्ष ह्या वयोगटातील सर्व मुलांना सामाजिक मालकौच्या दर्जेदार शिक्षण पद्धतीद्रारे मानवी क्षमतामध्ये सुधारणा/विकास करण्याची संधी पुरविणे यासाठीचादेखील एक प्रयत्न असून मूलभूत शिक्षणाद्वारे सामाजिक न्यायास चालना देप्धाची ही एक संधी आहे. 'सर्वं शिक्षा अभियान' हा कार्यक्रम महाराष्ट्रात 'सवं शिक्षा मोहीम’ म्हणून ओळखला जातो. सर्व शिक्षण मोहिमेचो अंमलबजावणी महाराष्ट्र प्रार्थामक शिक्षण परिषद, मुंबई या स्वायत्त संस्थेकडे सोपविण्यात आली असून हो मांहीम प्रभावीपणे रार्बवविण्यासाठो प्रार्थमक शिक्षण संचालनालय, पुणे येथे सर्व शिक्षण मोहोम संनियंत्रण कक्ष स्थापन करण्यात आला आहे. २००६-०७ मध्ये या योजनेखाली रु. १,१६८.३२ कोटी तरतूद होती व रु. ८१५. २३ कोटी इतका खर्च करण्यात आला.

## शालेय पोषण आहार योजना

१३.८ प्रार्थमिक शाळांतील विद्यार्थ्यांच्या पट नोंदणीचे व उपस्थितीचे प्रमाण वाढविणे, गळतीचे प्रमाण कमी करणे आणि शैक्षणिक गुणवत्ता वाढविणे याद्वारे प्राथमिक शिक्षणाच्या सार्वत्रिकरणास उत्तेजन देण्यासाठी भारत सरकारने प्राथमिक शिक्षणास पोषण कार्यक्रमाद्वारे बळ देण्यासाठी देशव्यापी कार्यक्रम राज्य शासनाद्वारे राबाविण्यास सुरूवात केली आहे.
१३.८.१ शालेय पोषण आहार योजनेअंतर्गत शासनमान्य अनुद्दानित शाळा, स्थानिक स्वराज्य संस्थांच्या शाळा, अनुदानित, अंशतः अनुदार्नत आणि अनुदानास पात्र असलेल्या खाजगी शाळ्ठ, वस्ती शाळ्ठ, महत्मा फुले शिक्षण हमी योजनेअंतर्गत शैक्षणिक केंद्रे आणि अनुदानित अपंग व मूकबधोर शाळा इत्यादी शाळांतील इयत्ता १ ली ते ५ वी पर्यंतच्या आदिवासी भागातील विद्यार्थ्यांना जून, २००२ पासून आणि जानेवारी, २००३ पासून इतर सर्व शाळांत शिजवून अन्र देण्यात येत आहे. या योजनेअंतगत केंद्र शासनाकड्रून मोफत तांदूळ पुरविला जातो आणि रुपये ७५ प्रति क्विंटल प्रमाणे वाहतूक अनुदान उपलब्ध करून दिले जाते. अत्र शिजवून देण्याची जबाबदारी ग्रामीण भागामध्ये स्थानिक स्वराज्य संस्थांच्या शाळांमध्ये ग्राम शिक्षण समितीकडे, शहरी भागांमध्ये नगरपालिका/ महानगरपालिका शिक्षण मंडळे अथवा शिक्षण समित्यांकडे, तर खाजगी अनुदानित शाळांच्या बाबतीत संबंधित शाळांचे व्यवस्थापन यांच्याकडे सोर्पावली आहे. अन्न शिजवून देण्यासाठी राज्य शासनाकड्रून रुपये 0.40 प्रति विद्यार्थी प्रति शालेय दिन अनुदान दिले जाते. योजनेचे कामकाज पाहणारे मुख्याध्यापक/शिक्षक यांना विद्यार्थी संख्येच्या प्रमाणात मानधन दिले जाते.
१३.८.र या योजनअंतरंत माचं, २००७ पर्यंत ८०.९२ लाख विद्यार्थ्यांना लाभ देण्यात आला. २००७-०८ मध्ये या योजनेसाठी ३२२.२७ कोटी रुपयांची तरतूद करण्यात आली असून त्यामध्ये राज्य शासनाचा हिस्सा १३८.७८ कोटी रुपये व केंद्र शासनाचा हिस्सा १९३.३९ कोटी रुपये इतका आहे.


## वस्तीशाळा

१३.९ शिक्षणाच्या सार्वत्रिकीकरणाचा एक भाग म्हणून किमान २०० लोकसंख्या असलेल्या वस्तोच्या १.५ कि.मी. च्या परिसरात प्राथमिक शाळा उघडण्याचा निकष शासनाने निश्चित केला आहे. आदिवासी क्षेत्रासाठी हा निकष $\wp 00$ लोकसंख्या व १.० कि.मी. परिसर असा आहे. परंतु तरीदेखोल काही वस्त्यांच्या बाबतीत ह्या निकषाची पूर्तता होत नाही. अशा वस्त्यांसाठी शासनाने १.० कि. मी.च्या परिसरात किमान १५ विद्यार्थी उपलब्ध असतील अशा ठिकाणी पर्यायी शिक्षण म्हणून वस्तीशाळा सुरू केल्या आहेत. या योजनेअंतगंत राज्यात २००६-०७ मध्ये सर्व ८,७६४ वस्तीशाळा चालू होत्या व या शाळांमध्ये एकूण १.८७ लाख विद्यार्थी शिक्षणाचा लाभ घेत होते. त्यापैको ०.९० लाख मुली होत्या. २००७-०८ मध्ये एकूण ८,६६५ वस्तीशाळा चालू असून त्यामध्ये १.८૪ लाख विद्यार्थी शिक्षणाचा लाभ घेत आहेत. त्यातील मुलींची संख्या ०.८८ लाख आहे.

## महात्मा फुले शिक्षण हमी योजना

$१ ३ . १ ०$ नागरी व ग्रामीण भागात, मुख्यतः शेती, पशुपालन या क्षेत्रात बाल कामगार म्हणून काम करणारी मुले आणि/किवा बेघर मुले, हलाखीच्या आर्थिक स्थितोमुले प्राथमिक शिक्षणापासृन वंचित राहिलेली बेघर मुले यांच्याकरिता 'महात्मा फुले शिक्षण हमी योजना' राबविली जात आहे. राज्यात या योजनेअंतर्गत डिसेंबर, २००७ पयंत एकूण २७,०२० केंद्रांमधून ५.२४ लाख विद्यार्यांनी शिक्षणाचा लाभ घेतला आहे.

## स्त्री शिक्षण

१३.११ राज्यात २००६-०७ मध्ये केवळ मुर्लींसाठी असलेल्या १,९९८ प्रार्थमिक शाव्डा, ९२५ माध्यमिक शाळा व २८५ उच्च माध्यमिक संस्था होंत्या. राज्यात २००६-०७ मध्ये प्राथमिक शाळा, माध्यमिक शाळा व उच्च माध्यमिक संस्थांमधील एकूण विद्यार्थ्यांमध्ये मुलींचे शेकडा प्रमाण अनुक्रमे $૪$, , ४७ व ૪६ होते. १९८५-८६ मध्ये जेव्हा मुलींसाठी २० वी पर्यंतचे शिक्षण मोफत करण्यात आले तेव्हा हे शेकडा प्रमाण अनुक्रमे ४४, ३६ आणि ३२ होते. लोकसंख्येतील त्या त्या वयोगटातील स्त्री-पुरुष प्रमाण विचारात घेता प्राथमिक शाळांतील मुलींची पटसंख्या ही स्त्री-पुरुष प्रमाणाशी मिळतीजुळती दिसून येते, तर माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शाळांतील पटसंख्येच्या बाबतीतील स्त्री-पुरुष तफावत आलिकडच्या काळात वेगाने कमी होत आहे.

अहिल्याबाई होळकर योजना
१३.१२ मुलींच्या शिक्षणास प्रोत्साहन देण्यासाठी राज्य शासनाने १९९६-९७ मध्ये अहिल्याबाई होळकर योजनेअंतर्गत मुलींना मोफत प्रवासाची सवलत सुरू केली. या योजनेखाली ग्रामीण भागातील इयत्ता $५$ वी ते १० वी मधील मुलींना त्यांच्या गावात शाळा उपलब्ध नसेल तर शाळेत जाण्यासाठो महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन महामंडळाच्या बसमधून मोफत प्रवास करण्धाची सवलत देप्यात आली आहे. या योजनेखाली २००६-०७ मध्ये सुमारे १४.४४ लाख मुलींनी लाभ घेतला. या योजनेवर २००६-०७ मध्ये झालेल्या खर्चांची ७७.२५ कोटी रुपये ही रक्कम राज्य मार्ग परिवहन महामंडळाकडून शासनास देय असलेल्या प्रवासी करातून समायोंजित करण्यात आली.

## प्राथमिक शाळांतील मुलींना उपस्थिती भत्ता

१३.१३ शाळेत जाणा-या मुलींच्या उपस्थितीचे प्रमाण वार्ढविण्यासाठी व त्यांच्या गळतीचे प्रमाण कमी करण्यासाठी आदिवासी उपयोजना क्षेत्रातील दारिद्र्य रेषेखालील कुटुंबांतील सर्व मुलीकरिता व राज्याच्या उर्वरित भागांतील अनुसूचित जाती, अनुसृचित जमाती, विमुक्त जाती व भटक्या जमार्तीतील दारिद्रय रेषेखालील कुटुंबांतील मुलोंकरिता ही योंजना राज्यात १९९२ पासून राबविली जात आहे. या योजनेअंतर्गत इयत्ता ? ली ते $\gamma$ थी मधील मुलीना प्रतिदिन एक रुपया प्रमाणे उपस्थिती भत्ता देण्यात येतो. २००६-०७ मध्ये या योजनेअंतर्गत ३.९६ लाख मुलींना लाभ देण्यात आला व त्यासाठी एकूण रुपये ८.७२ कोटी इतका खर्च करण्यात आला, २००७-०८ मध्ये अंदाजे ६.६३ लाख मुलींना लाभ मिळण्याचे अपेक्षित असून त्यासाठी रुपये १४.५९ कोटी मंजूर करण्यात आले आहेत.

## महाराष्ट्र छात्र सेना

१३.१४ या योजनेचा उद्देश विद्यार्य्यांत नेतृत्व, बंधुभाव, खिलाडूवृत्ती, राष्ट्रीय ऐक्य, समाजसेवा, इत्यादी गुणांचे संवर्धन करणे हा आहे. या योजनेची वर्ष २००० मध्ये पुनर्रचना करण्यात आली असून ही योजना सर्व शाळ्ठांमध्ये आठवी व नववीमधील विद्यार्थ्यांसाठी राबविण्यात येत आहे. तथापि, ही योजना विद्यार्थ्यांसाठी ऐच्छिक ठेवण्यात आली आहे.

शाळेत किमान एक छात्र सेना तुकडी असावी. प्रत्येक छात्र सेना तुक्डोत नागरी भागात किमान $९ 00$ विद्यार्थी, ग्रामीण भागात किमान ५० विद्यार्थी आणि आदिवासी व डोंगराळ भागात किमान ३० विद्यार्थी समाविष्ट असावेत. मुलामुलींचे प्रमाण शक्यतो ५०:५० असे असावे. २००६-०७ मध्ये या योजनेखाली २१.७६ लाख विद्यार्थ्यांचा सहभाग होता व २००७-०८ मध्ये या योजनेखाली २४.३२ लाख विद्यार्थ्यांचा सहभाग अपेक्षित आहे.

## शिक्षण सेवक योजना

१₹.३५ शिक्षणाचा विस्तार आणि गुणात्मक वाढ होण्यासाठी राज्य शासनाने विविध प्रकारच्या योजना सुरू केलेल्या आहेत. त्यामुळे शैर्क्षणक खर्चात मोठ्या प्रमाणात वाढ झालेली आहे. राज्यात मोठ्या प्रभाणात रिक्त असलेली शिक्षकांची पदे भरण्यासाठी शासनाने वर्ष २००० पासून शिक्षण सेवक योजना सुरू केली आहे. शासनाने सर्व मान्यताप्राप्त/अनुदानित प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च माध्यमिक शाळा व कनिष्ठ महाविद्यालये, इत्यादौमध्ये शिक्षण सेवक नियुक्त करण्यास अनुमतो दिलो आहे. या शिक्षण सेवकांना त्यांच्या शैक्षणिक पात्रतेनुसार दरमहा ३,००० रुपये ते $५, 000$ रुपये पर्यंत मानधन देण्यात येते.

## गळतीचे प्रमाण

१३.१६ विद्यार्थ्यांच्या गळतीचे प्रमाण तक्ता क्र. १३.४ मध्ये दिले आहे. तक्ता क्रमांक १३.४
विद्यार्थ्यांचे गळतीचे प्रमाण
(टक्केवारी)

| गळतीचा स्तर | २९८--८? | १९९--९१ | 2000-0¢ | २००२-०३ |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| ५ वी मुले | ५३ | २९ | 24 | १३ |
| मुलो | ६३ | ३९ | १९ | १४ |
| ८ वी मुले | \& 4 | $\gamma$ ¢ | ३ 4 | ३? |
| मुलो | ve | ६२ | ¢? | ३६ |
| $\bigcirc ०$ वी मुले | ७૪ | ६४ | ५२ | 40 |
| मुलो | く६ | ७६ | 49 | 44 |

## गळतीचे प्रमाण : सूत्र

$\operatorname{DOR}_{(\mathrm{i}, \mathrm{j})}=$ इयत्ता ' i ' मधील विद्यार्थ्यांचे ' j ' हया वर्षाशी संबंधित गळतीचे प्रमाण

$$
=100 \times\left[1-\left(B_{(i, j)} / A_{(1, j-i+1)}\right)\right]
$$

येथे, $\mathrm{B}_{(\mathrm{i}, \mathrm{j})}=$ ' j ' वर्षाकरिता इयत्ता ' i ' मधील पटावरील विद्यार्थी संख्या
$A_{(1, j-i+1)}=(j-i+1)$ वर्षांतील इयत्ता पहिली मधील पटावरील विद्यार्थी संख्या

प्रौढ शिक्षण
१३.१७ १५ ते ३५ वर्ष या वयोगटातील निरक्षरतेचे निर्मूलन करायासाठी श९८८ मध्ये 'राष्ट्रीय साक्षरता मिशन' स्थापन करण्यात आलं. साक्षरता कार्यकमाचो अंमलबजावणी प्रभावीपणे करण्यासाठी १९९६ मध्ये राष्ट्रीय साक्षरता मिशनच्या मार्गदर्शंक तत्त्वांनुसार महाराष्ट्र राज्य साक्षरता परिषदेची स्थापना करण्यात आली. राज्यात संपूर्णं साक्षरता अभियान, साक्षरोत्तर कांयंक्रम आणि निरंतर शिक्षण कार्यक्रम प्रगतशीलतंने राबविण्यात येतात. साक्षरता कायंक्रमांच्या परिणामकारक अंमलबजावणीसाठी राज्यातील प्रत्यक जिल्ह्यात नोंदणीकृत जिल्हा साक्षरता समिती स्थापन करण्यात आली आहे.
२३.१७.१ महाराष्ट्रात सर्व जिल्ह्यांत संपूर्ण साक्षरता अभियान पूर्ण झालें आहे. या योजनेअंतगंत $२ ५$ ते ३५ वर्ष वयोगटातील ६९.८० लाख प्रौढ निरक्षरांना साक्षर करण्याचे लक्ष्य निर्धारित करण्यात आले होते. त्यापैकी ५४.१३ लाख निरक्षरांनी कार्यक्रम पूर्ण केला आहे. नवसाक्षरांनी प्राप्त केलेली साक्षरता कोशल्ये टिकविण्यासाठी व संपूर्ण साक्षरता अभियानामध्ये टक्केवारी वाढविण्यासाठी एक वर्ष मुदतीचा साक्षरोत्तर कार्यक्रम राबवावयाचा असतो. हा कार्यक्रम २७ जिल्ह्यांत पूर्ण झाला आहे. या कार्यक्रमांतर्गत ५१.९८ लाख नवसाक्षरांनी वाचन व अभ्यासांतील कौशल्य प्राप्त करण्याचे लक्ष्य ठरविण्यात आले होते. ४६.२५ लाख नोंदलेल्या नवसाक्षर्पांकी ३७.९४ लाख नवसाक्षरांनी साक्षरोत्तर कार्यक्रम-१ पूर्ण केला आहें साक्षरोत्तर कार्यक्रम पूर्ण झाल्यानंतर निरंतर शिक्षण कार्यंक्रम राज्यातोल २छ जिल्य्यांत राबविण्यात आला. त्यापेको १३ जिल्ह्यांनी निरंतर शिक्षण कार्यक्रमाचे पहिले वर्ष पूर्ण केले. या कार्यक्रमांतर्गत एकूण १६,६७़२ केंद्रे मंजूर असून १०,१९४ केंद्रे सध्या कार्यरत आहेत.
१३.१७.२ २००१ च्या जनगणननुसार २५-३५ वर्षे वयोगटातील साक्षरतेचे प्रमाण ८૪.७ टक्के असून पुरुषांकरिता ते ९१ टक्के, तर स्त्रियांकरिता ७७ टक्के होते. अद्याप ५र लाख निरक्षरांचा साक्षरता कार्यक्रमांत समावेश होणे बाकी आहे. या उर्वरित सर्व निरक्षरांचा साक्षरता कायंक्रमात व त्यानंतर साक्षरोत्तर व निरंतर शिक्षण कायंक्रमात समावेश करण्याचे प्रयत्न चालू आहेत.

प्राथमिक शाळांतील विद्यार्थ्यांना मोफत क्रमिक पुस्तकांचे वाटप
१३.३८ राज्यातील ज्या पंचायत समिती क्षेत्रांत स्त्री साक्षरतेचे प्रमाण राष्ट्रीय "साक्षरतेच्या प्रमाणापेक्षा (जनगणना १९९२ अनुसार ३९.३ टक्के) कमी आहे, अशा १०३ पंचायत समिती क्षेत्रांत साक्षरतेच्या प्रमाणात वाढ होण्यास उत्तेजन देण्यासाठी राज्य शासन ६९९६-९७ पासून प्राथमिक शाळांतोल इयत्ता १ ते ४ च्या सर्व विद्यार्थ्यांना मोफत क्रमिक पाठ्यपुस्तके पुरवीत आहे. या योजनेअंतर्गत २००६-०७ मध्ये इयत्ता १ ली व २ री मधोल ३.९६ लाख विद्याथ्यांना लाभ देण्यात आला व त्यासाठी एकूण १.५२ कोटी रुपये इतका खर्च करण्यात आला. या योजनेअंतर्गत २००७-०८ मध्ये इयत्ता १ ली व २ री मधील ३.९४ लाख विद्यार्यांना लाभ मिळण्याचे अपेक्षित असून त्यासाठी २.९? कोटी रुपयें इतका खर्च अपेक्षित आहे.

## पुस्तक पेढी योजना

१३.१९ या योजनेचा उद्देश अनुसूचित जाती, अनुसूचित जमाती, विमुक्त जाती व भटक्या जमाती यांतील आणि समाजाच्या इतर वंचित घटकांतोल विद्याथ्यांना क्रमिक पुस्तकांचे संच पुरविणं हा आहे. जिल्हा परिषदा, नगरपरिषदा आणि महानगरपालिकांकडून संचालित प्राथमिक व माध्यमिक शाळा आणि मान्यता प्राप्त/अनुर्दानतत माध्यमिक शाळांतील मुलांक्रिता शासनाने पुस्तक पेढ्या स्थापन केल्या आहेत. पुस्तक पेढौद्वारें वितरित केलेले क्रमिक पुस्तकांचे संच शैक्षणिक वर्षाच्या अखेरीस पुस्तक पेढोस परत करावयाचे असतात. या योजनेत इयत्ता १० वी पयंतच्या विद्यार्थ्यांचा समावेश आहे. २००७-०८ मध्ये या योजनेंतर्गत सुमारें २.२७ लाख विद्याथ्यांना लाभ मिळण्याचे अर्पक्षित असून त्यासाठी ३.७२ कोटी रुपयांची तरतूद केली आहे.

## सैनिकी शाळा

१३.२० या योजनेचा प्रमुख उद्देश विद्यार्थ्यांमध्ये राष्ट्रीयत्व, सहकार वृत्ती, शिस्त, नेतृत्चगुण, आत्त्मविश्वास, शौर्य आर्ण देशभक्ती इत्यादी गुणांचा विकास करणं हा आहं. १९९६-९७ मध्ये राज्य शासनाने अशासकीय संस्थांना परवानगी देऊन प्रत्येक जिल्ह्यांत सेंनिकी शाळा सुरू करण्याचा निणंय घेतला. या योजनेखाली ३३ जिल्ह्यांत (मुंबई शहर व उपनगर वगळ्टून) ४२ सैनिकी शाळा कार्यरत आहेत. यापेकी चार शाळा (पुणे, औरंगाबाद, बुलढाणा व नागपूर जिल्ह्यांत) केवळ मुलींसाठो आहेत. या शाळांतोल इयत्ता पाचवी ते बारावीच्या प्रत्येक तुकडीसाठी प्रवेशक्षमता ४५ इतकी निर्धारित करण्यात आली आहे. या सर्व सैनिकी शाळांमध्ये एकूण ११,६५३ विद्यार्थी शिक्षण घंत आहेत

## उच्च शिक्षण

१३.२२ उच्च शिक्षणामुळ्ड सवांगोण आर्थिक विकासासाठी मुख्य निविष्टो म्हणून आवश्यक असलेले तांत्रिक व कुशल मनुष्यबळ निमांण होते. उच्च शिक्षणात सर्वसाधारण उच्च शिक्षणाबरोबरच कृषष, पशुवैद्यक, वैद्यकीय, ओषध निर्माण विद्याशास्त्र, अभियांत्रिकी, तांत्रिक व व्यावसायिक शिक्षण, इत्यादींचा समावेश करण्यात आला आहे.
१३.२१.१ राज्यात एकृण चार कृषि विद्यापीठे, आरोग्य विज्ञान अभ्यासक्रमांकरिता एक विद्यापीठ, एक पशुवैद्यक विद्यापोठ, एक तंत्रशास्त्र विद्यापोठ आणि १२ बिगर-कृषि विद्यापोठे असून त्यामध्ये केवळ महिलांसाठी असणारे एस्एन्डोटी विद्यापीठ, मुंबई, अनौपचारिक शिक्षणासाठो असलेले यशवंतराव चव्हाण मुक्त विद्यापीठ, नाशिक आणि संस्कृत भाषेचा अ'भ्यास,संशाधन, विकास व प्रसार करण्यासाठी स्थापन करण्यात आलेले कवि कुलगुरू कालोदास विद्यापीठ, रामटेक यांचा समावेश आहे. याशिवाय राज्यात सहा अभिमत विद्यापीठे आहेत.

सर्वसाधारण उच्च शिक्षण
१३.२२ सर्वसाधारण महाविद्यालये व उच्च शिक्षणाच्या इतर संस्था यांची आणि पटावरील विद्यार्यांची संख्या तक्ता क्र. १३.५ मध्ये दिली आहे.

तक्ता क्रमांक १३．५
सर्वसाधारण शिक्षणाची महाविद्यालये आणि उच्च शिक्षणाच्या इतर संस्था यांची संख्या व पटावरील विद्यार्थी
（शिक्षक व पटावरील विद्यार्थी संख्या हजारात）

| शेक्ष्षणिक संस्थेचा प्रकार | २००६－o७＊ | २०o७－0く＊शेकडा वाढ |
| :---: | :---: | :---: |

१．सवसाधारण शिक्षणाची महाविद्यालये

| १）संख्या | २，२३३ | २२७० | १．७ |
| :--- | ---: | ---: | ---: |
| २）（अ）पटावरील विद्यार्थी | १，०५६ | १，१३० | ७．० |
| （ब）त्यापैकी मुली | ४५५ | ४८२ | ५．९ |
| ३）शिक्षक | ३० | ३२ | ३．३ |

२．उच्च शिक्षणाच्या इतर संस्था

| १）संख्या | Ү२ | ૪६ | ९．५ |
| :--- | :---: | :---: | :---: |
| २）（अ）पटावरील विद्यार्थी | ३८ | Ү० | $५ . ३ ~$ |
| （ब）त्यापेकी मुली | १४ | १५ | $७ . १$ |
| ३）शिक्षक | २ | २ | － |

३）शक्षक

| २，२७¢ | २，३२६ |
| :---: | :---: |
| १，०९૪ | १，२ง० |
| ૪६९ | ช9¢ |
| ३२ | ३४ |

＊अंदाजित
（a）कनिष्ठ，वैद्यकीय，अभियांत्रिकी व कृषि महाविद्यालये
अर्णि पदवीपूर्व व्यवसाय शिक्षण संस्था वाळ्टून
कृषि शिक्षण
१३．२३ राज्यातील चार कृषि विद्यापीठांशी संलग्न असलेल्या शासन अनुदानित व विनाअनुदानित महाविद्यालयांची संख्या，प्रवेशक्षमता व प्रवेश दिलेले विद्यार्थी याबाबतची माहिती तक्ता क्र．१३．६ मध्ये दिली आहे．

तक्ता क्रमांक १३．६
कृषि महाविद्यालयांची २००७－०८ मधील संख्या，प्रवेशक्षमता व प्रवेश दिलेले विद्यार्थी

| महाविद्यालयाचा प्रकार | अनुदानित |  |  | विनाअनुदानित |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | संख्या | प्रवेश－ <br> क्षमता | प्रवेश <br> दिलेले <br> विद्यार्थी | संख्या | प्रवेश－ <br> क्षमता | प्रवेश <br> दिलेले <br> विद्यार्थी |
| कृषष | १३ | १，५६४ | २，५६४ | २4 | २，800 | १，७३६ |
| उद्यानन्रिद्या | $\gamma$ | १३२ | १३२ | 90 | ९६० | २६५ |
| वनशास्त्र | २ | ૬૪ | ६३ | － | － | － |
| मत्स्य | १ | ro | २९ | － | － | － |
| कृषि <br> अभियांत्रिकी | $\gamma$ | २84 | 284 | ६ | ५७६ | २८9 |
| अन्र तंत्रज्ञान | $१$ | ६४ | ६४ | 9 | く६४ | ५६६ |
| गृह विज्ञान | ？ | ३२ | २९ | － | － | － |
| जैव तंत्रज्ञान | \＆ | ३२ | ३२ | 4 | ૪く० | उप६ |
| कृषि－पणन व व्यवस्थापन | － | － | － | ६ | ५७६ | २૪૪ |
| एकूण | २७ | २，१४३ | २，P२८ | द9 | ५，८4\％ | ३，४५६ |

१३．२३．१ पदव्युत्तर व पीएच्ड्डी．अभ्यासक्रमांकरिता असलेली प्रवेशक्षमता व २००७－०८ मध्ये प्रवेश दिलेले विद्यार्थी याबाबतचो माहिती अनुक्रमे तक्ता क्र．१३．७ व १३．८ मध्ये दिली आहे．

तक्ता क्रमांक १३．७
पदव्युत्तर अभ्यासक्रम，त्यांची प्रवेशक्षमता व प्रवेश दिलेले विद्यार्थी २००७－०८

| अभ्यासक्रम | प्रवेशक्षमता | प्रवेश दिलेले विद्यार्थी |
| :---: | :---: | :---: |
| एम्．एस्सी．（कृषि） | ६¢३ | ६४७ |
| एम्टेक．（कृषि अभियांत्रिकी） | क） | ३७ |
| एम्टेक．（अन्र विज्ञान） | \＆ | $\xi$ |
| एम्．एस्सी．（गृह विज्ञान） | १२ | \％O |
| एम्．एफ．एस्सी． | २४ | ใ३ |
| एकूण | ज५ง | ७२३ |
| तक्ता क्रमांक १३．८ <br> पीएच्：डी．अभ्यासक्रम，न्यातील प्रवेशक्षमता व प्रवेश दिलेले विद्यार्थी <br> २OOG－Oく |  |  |
| अभ्यासक्रम प्रवे | प्रवेशक्षमता | प्रवेश दिलेले विद्यार्थी |
| कृषि | ¢9 | द？ |
| गृह विज्ञान | २ | － |
| मत्स्य | ३ | － |
| एकूण | 908 | ¢？ |

## पशुवैद्यक शिक्षण

१३．२४ महाराष्ट्र पशु व मत्स्यविज्ञान विद्यापीठाची स्थापना राज्यात वर्ष २००० मध्ये झाली．या विद्यापीठाअंतर्गंत \＆पशुवैद्यक महाविद्यालये，एक दुग्धव्यवसाय तंत्रज्ञान महाविद्यालय व एक मत्स्स्यविज्ञान महाविद्यालय आहे．या महाविद्यालयांतील प्रवेशक्षमता व पटावरील विद्यार्यांची संख्या तक्ता क्र．१३．९ मध्ये दिली आहे．

तक्ता क्रमांक १३．१
पशुवैद्यक，दुग्धव्यवसाय तंत्रज्ञान व मत्त्यविज्ञान महाविद्यालयांतील २००७－०८ मधील प्रवेशक्षमता व पटावरील विद्यार्थ्यांची संख्या


## वैद्यकीय शिक्षण

१३．२५ राज्य शासनाने आरोग्य शास्त्रविषयक सर्व अभ्यासक्रमांचे एकत्रीकरण करण्याच्या उद्देशाने १९९८ मध्ये नाशिक येथे महाराष्ट्र आरोग्य विज्ञान विद्यापीठाची स्थापना केली．राज्यात २००७－०८ मध्ये २९ अलोपॉथिक，५८ आयुर्वेदिक，૪૪ होमिओपॉथिक，५ युनानी व २४ दंत पदवी महाविद्यालये／संस्था आहेत．ह्या महाविद्यालयांचो संस्थेच्या प्रकारानुसार （शासकीय，शासन अनुदानित व विनाअनुदानित）प्रवेशक्षमता या प्रकाशनाच्या भाग－२ मधील तक्ता क्रमांक ५९ मधे दिली आहे．ह्या आरोग्य शास्त्रविष्यक महाविद्यालयांशिवाय महाराष्ट्रामध्ये अभिमत विद्यापीठाचा दर्जा असलेली १० वैद्यकीय महाविद्यालये व ६ दंत महाविद्यालये आहेत，

## इतर वैद्यकीय अभ्यासक्रम

१३．२६ आरोग्य विज्ञान अभ्यासक्रम म्हणून समजले जाणारे वैद्यकीय प्रयोगशाळा व तंत्रज्रान पद्दविका（डोएमए्लटी），फिजिओथेरपी， ऑक्युपेशेनल थेरपी，ऑडिऑलॉजो अँन्ड स्पीच लंग्वेज पॅथॉलॉजी， प्रांस्थ्थेटक्स व ऑर्थोटिक्स असे बरेच अभ्यासक्रम आहेत．राज्यातील अशा अभ्यासक्रमांच्या बाबतीतील २००७－०८ मधील संख्यांची संख्या，प्रवेशक्षमता व प्रवेश दिलेले विद्यार्थी याबाबतची माहिती तक्ता क्र．$\uparrow ३ . \% 0$ मध्ये दिली आहे．

तक्ता क्रमांक १३．१०
इतर वैद्यकीय अभ्यासक्रमांच्या २००७－०८ मधील संस्थांची संख्या， प्रवेशक्ष्मता व प्रवेश दिलेले विद्यार्थी

| विद्याशाखा | संस्थांचो संख्या | प्रवेश－ <br> क्षमता | प्रवेश दिलेले विद्यार्थी |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| डी．एम．एल．टी． | 20 | १७६ | २७६ |
| फिजिओथेरपी | ใง | 480 | 480 |
| ऑक्युपेशनल थेरपी | छ | २२० | २२० |
| ऑडिऑलॉजी अन्ड <br> स्पीच लँग्वेज पॅथॉलॉजो | २ | २५ | २4 |
|  | १ | \％o | \％ |

## परिचर्या शिक्षण

१३．२७ राज्यात २००७－०८ मध्ये मूलभूत परिचया पदवोच्या ४० संस्था，मूलभूत परिचर्येंतरच्या पदवोच्या ७ संस्था आणि परिचर्या पदविका शिक्षणाच्या २०७ संस्था आहेत（सर्वसाधारण परिचर्या व प्रसविका परिचर्याच्या ११२ संस्था，सहाय्यकारी परिचर्या व प्रसविका परिचर्याच्या ११४ संस्था，सर्वसाधारण परिचर्या व प्रसविका आणि सहाय्यकारी परिचर्या व प्रसविकाच्या ११ संस्था），तसेच सर्वसाधारण परिचयां व प्रसविका प्रशशक्षण प्रमाणपत्रोत्तर शिक्षणाच्या $५$ संस्था आहेत．संस्थेच्या प्रकारानुसार（शासकीय，शासन अनुदानित व विनाअनुदानित）त्यांचो प्रवेशक्षमता या प्रकाशनाच्या भाग－२ मधील तक्ता क्र．५९ मध्यें दिली आहे．

## तांत्रिक व व्यावसायिक शिक्षण

१३．२८ राज्यात २००७－०८ या शैक्षणिक वर्षात २६९ अभियांत्रिकी पदवी महाविद्यालये（कीजेटोआय，मुंबई，अभियांत्रिकी महाविद्यालय，पुणे，

यूआयसीटी，मुंबई，एसजीजीएस कॉलेज，नांदेड आणि वालचंद कॉलेज， सांगली या पाच स्वायत्त संस्था वगळ्टन），३८ वास्तुशास्त्र पदवी व १३९ व्यवस्थापन शास्त्राची महाविद्यालये／संस्था आहेत．याशिवाय ९ हॉटेल व्यवस्थापन व खाद्यपेय व्यवस्था तंत्रज्ञान पदवी，२२७ औषधनिर्माण शास्त पदवो，१७८ अभियांत्रिको व तंत्रज्ञान पदविका，१ वास्तुशास्त्र पदववका，१९ हॉटेल व्यवस्थापन व खाद्यपंय व्यवस्स्था तंत्रज्ञान पदविका（हॉ．व्य．खा．व्य．तं．）， १९५ ओषधनिमाण शास्त्र पदविका，७३ एमसीए（मास्टर इन कॉम्प्युटर अप्तिकेशन）अभ्यासक्रमाच्या संस्था आणि ६श७ औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था आहेत．संस्थेच्या प्रकारानुसार（शासकीय，शासन अनुदानित क विनाअनुदानित）त्यांची प्रवेशक्षमता व प्रवेश दिलेल्या विद्यार्थ्यांची संख्या या प्रकाशनाच्या भाग－२ मधील तक्ता क्रमांक ६० मध्ये दिली आहे． डॉ．बाबासाहेब आंबेडकर तंत्र्ञान विद्यापोठ，लोणेरे，ता．माणगाव，जि． रायगड ही संस्था अभियांत्रिकी पदवी संस्थामध्ये समाविष्ट आहे．

१₹．२८．१ २००७－०С या वर्षासाठी विद्यापोठनिहाय अभियांत्रिकी पदवी महाविद्यालये／संस्थांची संख्या，त्यांची प्रवेशक्षमता व प्रवेश दिलेले विद्यार्थी याबाबतची माहिती तक्ता क्र．१३．११ मध्ये दिली आहे．

तक्ता क्रमांक १३．११
२००७－०८ मधील विद्यापीठनिहाय अभियांत्रिकी पदवी महाविद्यालये／ संस्थांची संख्या，प्रवेशक्षमता व प्रवेश दिलेले विद्यार्थी

| विद्यापीठ | संस्थांची <br> संख्या | प्रवेश <br> क्षमता | प्रवेश दिलेले विद्यार्थी |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| मुंबई विद्यापीठ | 84 | १३，८२० | १३，૪く९ |
| पुणे विद्यापीठ | 84 | १६，०६५ | २६，०९५ |
| उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ，जळगाव | १४ | ३，६१० | ३，५६८ |
| डॉ．बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ，औरंगाबाद | १३ | ३，३५२ | ३，३७९ |
| स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विद्यारीठ，नांदेड | ३ | Coo | C94 |
| शिवाजी विद्यापीठ，कोल्हापूर | १३ | ५，890 | ५，२९३ |
| संत गाडगे बाबा अमरावती विद्यापीठ | १9 | ३，२७० | ३，२०૪ |
| राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपूर विद्यापीठ | $2 \%$ | ७，૪७९ | ज，४¢？ |
| एस．एन．डी．टी．विद्यापीठ，मुंबई | १ | १८o | qve |
| डॉ．बाबासाहेब आंबेडकर तंत्रज्ञान विद्यापीठ लोणेरे（रायगड） | १ | ३९० | ३くら |
| सोलापूर विद्यापीठ | २ | $\gamma<0$ | ૪६¢ |
| एकूण | १६९＊५૪，७०६ |  | ५૪，२९२ |

＊प्रवेशक्षमतां २，०४१ व प्रवेश दिलेले विद्यार्थी २，०८१ असलेल्या ५ स्वायत्त संस्था वगळून

१३．२८．？अभियांत्रिकी पदवी महाविद्यालयांत शैक्षणिक वर्ष २००७－०८ मध्ये प्रवेश दिलेल्या ५४，२९२ विद्यार्थ्यापैकी ३५，३२३ （२८．२ टक्के）मुली होत्या，तर Ү१४（०．८ टक्के）जागा रिक्त राहिल्या．

१३.२८.३ पदवी अभ्यासक्रमातील मुलींचा सहभाग अभियांत्रिकी महाविद्यालयांत २८ टक्के, ओषधनिमांण शास्त्र महाविद्यालयांत ३५ टक्के, वास्तुशास्त्र महाविद्यालयांत २४ टक्के व हॉ.व्य.खा.व्य.तं.साठी १२ टक्के, पदव्युत्तर अभ्यासक्रमातील एम.सी.ए.साठी ३२ टक्के असा होता
१३.२८.४ मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार यांनी राष्ट्रीय प्रकल्प कार्यान्वयन केंद्रामार्फत (एनपीआययू) तंत्रशिक्षण दर्जा सुधार कार्यक्रमासाठी (टीईक्यूआयपी) महाराष्ट्रातील १७ संस्थांची निवड केली असून सदर प्रकल्पासाठी १ज०.२६ कोटी रुपये इतका निधी मंजूर केला आहे व त्यापैकी १५९.६६ कोटी रुपये उपलब्ध करून देण्यात आले आहेत. ३१ डिसेंबर, २००७ पयंत एकूण १४७.१७ कोटी रुपये खर्च करण्यात आला.
१३.२८.५ राज्यातील वर्ष २००७-०८ मधील कला महाविद्यालये/ संस्थांची. संख्या, त्यांची प्रवेशक्षमता व प्रवेश दिलेले विद्यार्थी याबाबतची माहिती या प्रकाशनाच्या भाग दोन मधोल तक्ता क्र. ६० मध्ये दिली आहे.

## कीडा प्रबोधिनी

१३.२९ महाराष्ट्र राज्यातून आंतरराष्ट्रीय व ऑलिपिक दर्जाचे जास्तीतजास्त खेळाडू तयार व्हावेत हा क्रोडाप्रबोधनोचा उद्देश आहे. ८ ते १४ वर्ष ह्या क्योगटातील विद्यार्थ्यांमधून त्यांना ८ ते १० वर्षांचे प्रशिक्षण देऊन राष्ट्रीय व आंतरराष्ट्रीय दर्जाचे खेळाडू तयार करण्याच्या उद्देशाने राज्यात पुणे येथे शिवछत्रपती क्रीडापीठ स्थापन करण्याचा निर्णय राज्य शासनाने १९९५ मध्ये घेतला. त्यानुसार राज्यात ११ ठिकाणी क्रीडा प्रबोधिनी सुरू करण्यात आल्या. या क्रोडा प्रबोधिनींतून अथलेटिक्स, जलतरण, डायक्तिंग, व्टॉलीबॉल, फूटबॉल, हैण्डबॉल, कुस्ती, ज्युडो, हॉकी, सायकलिंग, ट्रायथलॉन, धनुर्विद्या, रोईंग, नेमबाजी व जिम्नॅस्टिक्स या खेळांचे प्रशिक्षण देप्यात आले. २००६-०७ मधील ५२८ प्रशिक्षणार्यांमध्ये $९ १$ (३८ टक्के) मुली होत्या, तर २००७-०८ मधील निवडलेल्या ४९५ प्रशिक्षणार्थ्यांमध्ये ९३ (१९ टक्के) मुली होत्या.

## सार्वजनिक आरोग्य

१३.३० संयुक्त राष्ट्र संघाच्या 'इ.स.२०२० पर्यंत सर्वांना आरोग्य' या कार्यक्रमामध्ये सामान्य माणसास चांगल्या प्रकारच्या आरोग्य व वैद्यकिय सेवा पुरावाण्याच्या हेतुनें सार्वजनिक आरोग्य व वैद्यकिय सुविधा यामधील पायाभूत विकासास चालना देण्याची गरज प्रतिपादन केली आहे. हे ध्येय साध्य करणायासाठी महाराष्ट्र शासन राज्याच्या योजनेतील सार्वजनिक आरोग्य संवांवरील नियतव्ययामध्ये सातत्याने वाढ करीत आहे. राज्याच्या २००७-०८ च्या वार्षिक योजनेमध्ये सार्वर्जनिक आरोग्य सेवांसाठी नियतव्यय ९०७.६५ कोटी रुपये असून २००६-०७ च्या वार्षिक योजनेमध्ये तो ८१९.९७ कोटी रुपयं इतका होता. आरोग्यसंवा पुरविण्यासंदर्भात अकराव्या पंचवर्गिक योजनेमधील (२००७-१२) ठळक वैशिष्ट्यांमध्ये लोकसंख्येवर नियंत्रण ठेवणे, विविध स्तरांवरील आरोग्य सेवांमध्ये वाढ करणे, विद्यमान आरोग्य सेवांचे बळकटीकरण करणे, आरोग्य सेवांचा विस्तार करणं, विभागांतर्गत व आंतरविभागीय विषमता दूर करण्यासाठी आरोग्य सेवांची ग्रामोण, डोंगराळ व आदिवासी क्षेत्रांतील व्याप्ती वाढविणे, विभाग स्तरावरील संदर्भ सेवांचे विकेंद्रोकरण व बळकटोकरण करणे आणण बालमृत्युदर, माता मृत्युदर व जन्मदर लक्षणीय प्रमाणात कमी करणे या बाबींचा समावेश आहे. राज्यातील निवडक आरोग्य निर्देशकांबाबत २००६ चो स्थिती व केंद्र शासनाने अकराव्या पंचवार्षिक योजनेकरिता राज्यास ठरवून दिलेली लक्ष्ये याबाबतची माहिती तक्ता क्र.१३.१२ मध्ये दिली आहे.

तक्ता क्र. १३.१२
आरोग्य निर्देशक

| आरोग्य निर्देशक | २००६ ची स्थिती | अकराव्या पंचवार्षिक योजने अंतर्गत ठरविण्यात आलेले लक्ष्य |
| :---: | :---: | :---: |
| जन्मदर | \%. 4 | १६ |
| मृत्युदर * | ¢. 6 | 4 |
| बालमृत्युदर | ३५ | ใง |
| माता मृत्युदर | 934 | 40 |
| अर्भक मृत्युदर * | २६ | २० |
| एकूण जननदर | $२ . \%$ | २.? |

जन्मदर/मृत्युदर :- प्रति हजार लाकसंख्येमाग
बाल/अर्भक मृत्युदर :- प्रति हजार जीवित जन्मांमागे
मातामृत्यूदर :- प्रति लाख प्रसुतिमागे
एकूण जननदर :- २५ ते $४ ९$ वर्ष या जननक्षम वयोगटातील स्त्रीमागे

* २०२० पर्यंतचे लक्ष्ष्य
१३.३१ सार्वजनिक आरोग्य सेवा म्हणजे शासनाने जनतेसाठी रोगप्रतिबंध, आरोग्य सुधारणा व एकंदरीने आयुर्मानात वाढ करण्याकरिता केलेल्या दर्जेदार, कार्यक्षम, सहजगत्या उपलब्ध, परवडण्याजोग्या व व्यापक अशा संघटित उपाययोजना होत. याशिवाय पोषणविषयक, रोगप्रतिबंधक आणि रोगनिवारक उपचार उपलब्ध करून देऊन व सातत्याने पाठपुरावा करून जनतेच्या आरोग्याचे रक्षण, जतन आणि सुधारणा करणे हे

देखील सावंजनिक आरोग्य संवेचे उद्दिष्ट आहे．राज्यात आरोग्य संवा पुर्राविण्यासाठी २००६ अखेर सार्वजनिक व शासन अनुदानित १，०५४ रुगालालये，२，०७२ दवाखाने आणि २，८१२ प्राथमिक आरोग्य केंद्रे होती． या सर्व आरोग्य संवांमुळे राज्यातील जनतेच्या आरोग्याचा दर्जा सुधारण्यास मदत होत असल्याचे भारताच्या तुलनेत महाराष्ट्र राज्यातील कमी असणारे २००६ अखेरचे जन्मदर（३८．५），मृत्युदर（६．७）व बालमृत्युदर（३५）यावरून दिसृन येते．हे दर अखिल भारतासाठो जन्मदर २३．५．मृत्युदर ७．५ आणि बालमृत्युदर ५७ इतके होते．बालमृत्युदरासारख्या निर्देशकामध्ये झालेली सुधारणा हे स्वच्छता，पिण्याचे पाणी，महिलांचे शिक्षण व आरोग्य संवा वांसारख्या अनेक बाबींमधील सुधारणांचे प्रतिबिंब आहे．जन्माच्या वेळच्या आयुमांनाबाबतही महाराष्ट्र राज्याने सातत्याने सुधारणा दाराखावी आहे．३९९६－२००१ या कालावधीत पुरुषांचे व स्त्रियांचे जन्माच्या वेळी आयुमांन अनुक्रमें ६५．३ व ६८．$\%$ वर्ष होते，ते २००६－१० या कालावर्धीसठीच्या प्रक्षेपित अनुमानानुसार पुरुषांसाठी ६७．९ वर्ष तर स्त्रियांसाठी ७२．३ वष्ष असे आहे．राज्यातील जीवनविषयक संख्यिकीबाबतची आणि वैद्यकीय सेवांबाबतची सविस्तर माहिती भाग－दोन मधील अनुकमे तक्रा क्र．૪८ व तक्ता क्र．६२ मध्ये दिली आहे．प्रमुख राज्यनिहाय आरोग्यविषयक निदेशकांबाबतची २००६ फर्यंतो स्थिती तक्ता क्र．१३．३३ मध्यं दिली आहे．

तक्ता क्र．१३．१३
प्रमुख राज्यनिहाय आरोग्य विषयक निर्देशक－२००६

| राज्य | जन्मदर | मृत्युदर | बालमृत्युदर |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| करळ | १४．$¢$ | ६．७ | 24 |
| पंजाब | ใ७．く | ६．C | ૪૪ |
| प．बंगाल | १८．$\%$ | \＆．？ | ३し |
| महाराष्ट्र | १८． 4 | ¢．७ | 34 |
| आंध्र प्रदेश | QC． 9 | ७．३ | 4६ |
| कनाटक | २०．？ | 19.9 | ४く |
| ओरिसा | २२．९ | ९．३ | $\bigcirc 3$ |
| गुजरात | २३．५ | ७．३ | 43 |
| राजस्थान | २८．३ | ¢． 9 | छ७ |
| मध्य प्रदेश | २९．१ | 6.9 | ७૪ |
| बिहार | २९．९ | ७．७ | \＆o |
| उत्तर प्रदेश | ३०． 2 | C．\＆ | 心？ |

आधार ：नमुना नोंदणो पाहणी（ननोंपा），२००६

## राष्ट्रीय कुटुंब आरोग्य पाहणी

१३．३२ २००५－०६ या वर्षात घेण्यात आलेल्या राष्ट्रीय कुटुंब आरोग्य पाहणोतून（राकुआणा－३）भारतातील व सर्व राज्यांतील लोकसंख्या，आरोग्य व पोषण याबाबतची माहिती उपलब्ध होते． महाराष्ट्राकरिता महत्वाच्या निद्देशकांची माहिती व त्यांतील कल दर्शंविणारी अस्थायी माहिती तक्ता क्र．१३．२४（अ）आणण（ब）मध्ये देण्यात आली आहे．

महत्वाचे निदेश्रक व कल
तक्ता क्र．१३：१४（अ）
राकुआपा－३

| कुटुंबे | ग्रामीण | नागरी | एकूण |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| नळाद्वारें पिण्याच्या पाण्याचा पुरवठा असलेली | ६२．9 | 94.6 | ७८．६ |
| स्वच्छतागृह उपलब्ध असलेली | 20.4 | co．l | 4 ิ． 0 |
| पक्क्या घरात राहणारी | २२．८ | ७४．4 | ૪ง．३ |

तक्ता क्र．१३．२४（ब）

| बाब | राकुआपा－१ <br> （१९९२－९३） | राकुआपा－२ （२९९८－९९） | $\begin{aligned} & \text { राकुआपा-३ } \\ & \text { (२००५-०६) } \end{aligned}$ |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| एकूण जननदर | २．८६ | 2.42 | २．११ |
|  |  |  |  |
| दोन मुले हयात असलेल्या व आणखी मूल नको असलेल्या विवाहित महिला（टक्के） |  |  |  |
| अ．दोन मुलगे असलेल्या | C\％．${ }^{\text {c }}$ | 93.4 | 94.4 |
| ब．एक मुलगा，एक मुलगी असलेल्या | ७९．२ | С4．३ | ९२．८ |
| क．दोन मुली असलेल्या | ३७．६． | ช२．$\%$ | 44.9 |



## कुटुंब कल्याण

१३．३३ जनगणना २००१ अनुसार लोकसंख्येच्या बाबतीत महाराष्ट्र हे भारतात उत्तर प्रदेशच्या खालोखाल दुस－या क्रमांकाचे राज्य आहे， मोठया लोकसंख्येमुळे सार्वर्जनक सुविधांवर ताण पडून त्यांच्या गुणवत्तेवर परिणाम होतो．लोकसंख्या नियंत्रित ठेवण्याकरिता राज्य शासन कुटुंबकल्याण कार्यक्रम राबवीत आहे．कुटुंबकल्याण कार्यक्रमाचा मुख्य


उद्देश लोकसंख्या स्थिर करणे व लोकांच्या जीवनमानाचा दर्जा सुधारणे हा आहे. लोकसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम राज्यात प्रभावीपणे राबविल्यामुळे २००६ या वर्षाकरिता राज्यातील १८.५ हा जन्मदर अखिल भारताच्या २३.५ इतक्या जन्मदराच्या तुलनेत कमी असल्याचे दिसून येते. राष्ट्रीय कुटुंब आरोग्य पाहणी (राकुआपा-३) अनुसार राज्यात कुटुंब कल्याण कार्यक्रमाअंतर्गत कुटुंब नियोजनाच्या विविध पध्दर्तीनी संरक्षित केलेल्या जननक्षम जोडप्यांचे प्रमाण ६६.९ टक्के होते. या पाहणीवरून असेही दिसून आले की, राज्यातोल एकूण जननक्षम जोडप्यांपैकी ५३.२ टक्क जोडपी नसबंदी पध्दतीने संरक्षित होती.
१३.३३.१ राज्यात २००६-०७ या वर्षात ५.९६ लाख नसबंदी शस्त्रक्रिया करण्यात आल्या, तर २००५-०६ या वर्षांत ६.६० लाख इतक्या नसबंदी शस्त्रक्रिया करण्यात आल्या होत्या. राज्यात २००७-०८ या वर्षात जानेवारी, २००८ अखेरपर्यंत ४.३४ लाख नसबंदी शस्त्रक्रिया करण्यात आल्या.
१३.३३.२ पूर्वी कुटुंबकल्याण कार्यक्रमात मुख्य भर जरी नसबंदी शस्स्त्रक्रियांवर होता, तरी दोन अपत्यांच्या जन्मांत योग्य अंतर ठेवणे ही बाब तितकोच महत्त्वाची झालेली आहे. त्यामुळे शासन तांबो, इन्ट्रायुटेरिन साधने (आय.यू.डो.), पारंपरिक संततिर्त्रतिबंधक साधने, इत्यादी पध्दतींच्या प्रसारावर जास्त भर देत आहे. याचा परिणाम म्हणून एकूण संरक्षित जोडप्यांपैकी नसबंदी शस्त्रक्रियांव्यातिरिक्त इतर कुटुंब नियोजन पध्दत्तीनी संरक्षित असलेल्या जोडप्यांची टक्केवारी १२.० आहे (राकुआपा-३). २००७-०८ या वर्षात जानेवारी, २००८ अखेरपयंत तांबो बसवून घेतलेल्या स्त्रियांची संख्या $३ . \circ ७$ लाख इतकी होती.
१३.३३.३ जननसंख्येवर कुटुंबकल्याण कार्यक्रमाचा परिणाम प्रभावीपणे होण्याकरिता, ज्यांना एक किवा दोन मुले आहेत, अशा तरुण जोडप्यांकडून कुटुंबकल्याण कार्यक्रमाचा स्वीकार होणे गरजेचे असते. पुरुष नसबंदी केलेल्यांच्या बाबतीत, त्यांच्या हयात मुलांची सरासरी संख्या २९७२-७२ मध्ये ४.३ होती, ती २००५-०६ मध्ये २.६ इतकी कमी झाली आणि स्त्री नसबंदो केलेल्यांच्या बाबतीत ती ४.५ वरून २.४ इतकी कमी झाली. इन्ट्रायुटेरिन साधने (आय.यृ.डी.)स्वीकारणा-यांच्या बाबतीत मुलांची सरासरी संख्या १९७९-८० मधील २.३ वरून २००५-०६ मध्ये
१.४ अशी कमी झाली. त्याचप्रमाणे, त्याच कालावधीत, कुटुंब नियोजन पद्धती स्वीकारल्या त्या वेळीचे सरासरी वय, पुरुष नसबंदी केलेल्यांच्या बाबतीत ३९.५ वरून २९.५ वर्ष असे कमी झाले, तर स्त्री नसबंदी केलेल्यांच्या बाबतीत ते ३२.४ वरून २५.८ वर्ष असे कमी झाले, आर्शण इन्ट्रायुटेरिन साधने (आय.यू.डी.) स्वोकारणा-यांच्या बाबतीत ते २७.४ वरून २२.७ वर्ष असे कमी झाले, हे एक सुचिन्ह आहे. पुरुष नसबंदो करून घेणा-या दरिर्रद्रयेषेच्या वरील प्रत्येकास राज्य व केंद्र शासन यांच्याकडून अनुक्रमे रु.३५२ व रु.३५० एवढी रक्कम दिली जाते तर दारिद्रयरेषेखालील प्रत्येकासाठी राज्य व केंद्र शासन यांच्याकडून अनुक्रमें रु.३५१ व रु. 400 एवढी रक्कम दिली जाते. (एकूण प्रोत्साहनपर रक्कम दारिद्र्यरेषेच्या वरोल प्रत्येकासाठी रु. $५ ० १$ व दारिद्र्ररेषेखालील प्रत्येकासाठी रु.८५१ अशी आहे)

राष्ट्रीय ग्रामीण आरोग्य अभियान
१३.३४ राष्ट्रीय ग्रामीण आरोग्य अभियान भारंत सरकारने एप्रिल २००५ पासून कार्यान्वित केले असून या अभियानाचा कालावधी २००५-१२ असा आहे. या अभियानाचे उद्दिष्ट जनतेला, विशेषतः ग्रामीण भागात राहणारे, गरीब, महिला व बालके यांना उत्तम दर्जांची आरोग्य सेवा सहजपणे उपलब्ध होण्याबाबतच्या स्थितीत सुधारणा करणे हे आहे. या अभियानाअंतर्गत बालमृत्यूदर, मातामृत्यूदर व एकुण जननदर कमी करण्यासाठी लसीकरण, पोषण्णविषयक कार्यक्रम व आरोग्यविषयक इतर कारंक्रम राबविण्यात येतात. या अभियानामध्ये प्रजनन व बाल आरोग्य कायंक्रम, राष्ट्रीय रोर्गनयंत्रण कार्यक्रम, एकात्मिक बार्लवकास संवा कार्यक्रम व इतर कुटुंबकल्याण विषयक कायंक्रम देखील अंतभूंत करण्यात आले आहेत. या योजने अंतर्गत महाराष्ट्रासाठी २००६-०७ या वर्षाकरिता रु. १३६.२४ कोटी निधी मंजूर करण्यात आला व रु. ८.८१ कोटी खर्च करण्यात आले, तर २००५-०६ या वर्षाकरिता रु. २४.२८ कोटो निधी मंजूर करण्यात आला व रु. १.९३ कोटी खर्च करण्यात आले. या अभियानासाठी मंजूर झालेला निधी राज्य शासनाने जास्तीत जास्त खर्च करणे अरेक्षित असृनही तसा खर्च झालेला दिसून येत नाही.

## प्रजनन व बाल आरोग्य कार्यक्रम

१३.३५ राज्यामध्ये प्रजनन व बाल आरोग्य कार्यक्रमाचा दुसरा टप्पा एप्रिल, $२ 004$ पासून रार्बविण्यात येत आहे. या कार्यक्रमाच्या दुस-या टप्याचा कालावधी २००५-०६ ते २००९-१० असा आहे. या कायुंक्रमामध्ये सुरक्षित मातृत्व सेवा, बालकांसाठी आवश्यक असलेल्या आरोग्य सेवा पुरविणे, किशोरवयीन मुलांसाठी आरोग्य सेवा पुरविणे, कुटुंबकल्याण कायंक्रम, ४० वर्षांवरील लोकांसाठी आरोग्यसेवा पुरविणे आणि गर्भधारणा पूर्व व प्रसव पूर्व निदान तंत्रं (लिंग निवडीस मनाई) अधिनियमाची अंमलबजावणी करणे या बाबी अंतर्भूत आहेत. या कार्यक्रमांतगंत २००६-०७ या वर्षासाठी रु. १२४.३४ कोटी निधी मंजूर करण्यात आला व रु. ४०.५३े कोटो खर्च करण्यात आले तर २००५-०६ या वर्षासाठो रु. ५३.०७ कोटी निधी मंजूर करण्यात आला व रु.२४.३७ कोटी खर्च करण्यात आले. या योजनेखालीसुद्धा मंजूर तरतूदीपेक्षा झालेला खर्च अल्पसा आहे.

## सार्वत्रिक लसीकरण कार्यक्रम

१३.३६ सार्वंत्रिक लसीकरण कायंक्रम १९८५-८६ मध्ये सुरू करण्यात आला असून त्याचा उद्देश क्षयरोग, घटसपं, डांग्या खोकला, धनुर्वांत, पोलिओ व गोवर यांसारख्या लसीकरणाद्वारे प्रतिबंध करता येण्याजोग्या आजारांमुले होणा-या, अर्भके व लहान मुले यांच्या मृत्यूंचे व रोगग्रस्ततेचे प्रमाण कमी करणे हा आहे. राष्ट्रीय कुटुंब आरोग्य पाहणी-३ अनुसार महाराष्ट्रातील लसीकरणाद्वारे प्रतिबंध करता येण्याजोग्या रोगांचे प्रमाण लक्षणीयरित्या कमी झाले आहे. आरोग्य व्यवस्थापन व माहिती प्रणालीनुसार (एचएमआयएस) २००६-०७ या वर्षात महाराष्ट्रातील ९० टक्के बालकांना, शिफारस करण्यात आलेल्या सर्व लसी देण्यात आल्या.

## पल्स पोलिओ कार्यक्रम

१३.३७ राष्ट्रीय स्तरावरील पहिला पल्स पोलिओ कार्यक्रम राबविण्यास $९$ डिसेंबर, १९९५ रोजी प्रथमतः सुरूवात करण्यात आली. २००६-०७ व २०००-०८ (फेब्रुवारी २००८ अखेरपर्यंत) या दोन वर्षांत देण्यात आलेल्या पोलिओ लसीकरणाचा तपशील तक्ता क्रमांक १३.१५ मध्ये दिला आहे.

तक्ता क्र. १३.२५
२००६-०७ व २००७-०८ मधील पोलिओ डोसचे वितरण
(लाखामध्ये)

| (लाखामध्ये) |  |
| :---: | :---: |
| तारीख | लाभाथ्याची संख्या |
|  | एनआयडी/एसएनआयडी |
| अ) $200 \mathrm{G}-\mathrm{OU}$ |  |
| १) $९$ एप्रिल, ०६ | १८५.६?* |
| २) २९ मे, ०६ | ११४.३३* |
| ३) $९ 0$ सप्टेंबर, $0 ६$ | ४९.३२ |
| ४) २२ नोक्हेंबर, ०६ \# | १ใ५.く६ |
| ५) $७$ जानेवारी, ०७ | २ใง.३७* |
| ६) ११फेब्रुवारी, ०७ | ใุง.७?* |
| ब) २oov-०८ |  |
| २) २८ मार्च, ०७ | ५१. २६ |
| २) २९ एप्रिल, ० | ૪८.३० |
| ३) २० जून, ०७ | ३४.३१ |
| ૪) १ जुलै, ه७ | ३२.९५ |
| 4) 4 ऑगस्ट, $\circ$ ¢ | ३३.૪८ |
| ६) $९$ सप्टेंबर, ०७ | ३३.९९ |
| ৩) २८ ऑक्टोबर, ०७ | २९.૪६ |
| く) छ जानेवारी, ०८ | २२६.७૨* |
| ९) $\bigcirc \bigcirc$ फेब्रुवारी, $\circ<$ | १ใง.२९* |

* एनआयडी : संपूर्ण देशासाठी राष्ट्रीय लसीकरण दिवस एसएन आयडो : केवळ अंत्यंत संवेदनशील क्षेत्रांसाठी उपराष्ट्रीय लसीकरणदिवस
\# फक्त बूथमधोल प्रगती


## शालेय आरोग्य कार्यक्रम

१३.३८ प्राथमिक आरोग्यसेवेअंतर्गत शालेय आरोग्य कार्यक्रम ही महत्त्वाची प्रतिबंधत्मक उपाययोजना आहे. हा कार्यक्रम विद्यार्थी समूहातील, किंबहुना समाजातोल रोगग्रस्ततेचे व मृत्यूचे प्रमाण कमी करण्यासाठी उपयुक्त आहे. हा कार्यक्रम नियमित उपक्रम म्हणून राबविण्यात येत आहे. या कार्यक्रमाअंतरंत मोफत वैद्यकीय सेवा पुरविल्या जातात. गरज़ विद्याथ्यांसाठी हृदय शस्त्रक्रियेसारख्या मोठया शस्त्रक्रिया मोफत केल्या जातात, तसेच संदर्भसेवा मोफत पुरविल्या जातात. या कार्यक्रमांतगंत सार्वेजनिक व खाजगी प्रार्थमिक अशा दोन्ही प्रकारच्या शाळांचा समावेश करण्यात आला असून दरवर्षो इयत्ता पहिली ते चौथो मधोल विद्याथ्यांची आरोग्य तपासणी केली जाते. २००६-०७ या वर्षात हा कार्यक्रम जुलै ते ऑक्टोबर, २००६ या कालावधीमध्ये घेण्यात आला आणि राज्यातोल ५७,१५६ शाळ्ळांमधील सुमारे ६३.२६ लाख विद्याथ्यांची आरोग्याची तपासणी करण्यात आलो. किरकोल आजारांसाठी प्राथमिक स्वरूपाचे ओषधोपचार करण्यात आले व गंभीर स्वरूपाच्या आजारांबाबत संदर्भसेवा पुरविण्यात आल्या. विद्याध्यांच्या आरोग्य तपासणीमध्ये प्रामुख्याने दंत रोग, रक्तक्षय, कृमी प्रादुर्भाव, रातांधळपणा, कर्णरोग, खरुज, त्वचा रोग, डोळयांचे रोग हे रोग आढळ्न आले. कृमी प्रादुर्भाव व दंत रोग हे प्रामुख्याने $\varphi$ टक्क्यांपेक्षा जास्त विद्याध्यांमध्ये आढळ्रन आले. २००६-०७ या वर्षांत ४३ हुदय शस्स्त्राक्या करण्यात आल्या व त्यासाठी रु. ९९ लाख निधी मंजूर करण्यात आला, तर २००५-०६ या वर्षात ३९ हृदय शस्त्रकिया करण्यात आल्या व त्यासाठी रु. ८५ लाख निधी मंजूर करण्यात आला.

## जीवनदायी आरोग्य योजना

१३.३९ दारिद्रयरेषेखालील कुटुंबांसाठी जीवनदायो आरोग्य योजना - १९९७-९८ पासून राबविण्यात येत आहे. सदर योजनेअंतर्गत रुग्णांना मेंदू विकार, मुत्र्रपिंड विकार, हृदय विकार व मज्जारज्ज़ विकार या सारख्या आजारांवरील मोठ्या शस्त्रकियेसाठी अर्थसहाय्य देण्यात येते, या योजनेच्या सुरुवातीच्या काळात प्रति रुग्णास रु. 40,000 इतके अर्थसहाय्य देण्यात येत होते. परंतु २०00-०२ या वर्षापासून या योजनेअंतर्गत रुण्णांना देण्यात येणारे सदर अर्थसहाय्य रु. ज०,००० पर्यंत वाढविण्यात आले व तद्नंतर २००६-०७ या वर्षापासून ते रु. १.५ लाख पर्यंत वाढविण्यात आले. अलिकडेच शासनाने या योजनेमध्ये कर्करोगावरील उपचारांचा समावेश केला आहे. या योजनेच्या सुरुवतीच्या काळापासून २००६-०७ पर्यंत लाभार्थ्यांची संख्या २२,९५४ इतकी होती व २००७-०८ या वर्षात ऑक्टोबरपर्यंत लाभाथ्यांची संख्या १,३०२ इतकी होती. या योजनेअंतर्गत मोठ्या संख्येने रुग्णांना हृदय रोगाच्या उपचार व शस्स्रकियेसाठी अर्थंसहाय्य देप्यात आले आहे. या योजनेअंतर्गत २००६-०७ या वर्षी रु.९.४३ कोटी खर्च करण्यात आले व २००७-०८ या वर्षो ऑक्टोबर अखेरपर्यंत रु.९.६२ कोटी खर्च करण्यात आले. या योजनेअंतर्गत उपचार व शस्स्त्रक्रियेसाठी ९ शासकीय व महानगरपालिका रुग्णालये आणि २७ खाजगी व न्यासांची रुण्णालये, अशा एकूण ३६ रुण्णालयांना राज्य शासनाकडून मान्यता देण्यात आली आहे.

## सावित्रीबाई फुले कन्या कल्याण योजना

१३.४० सावित्रीबाई फुले कन्या कल्याण योजना राज्यात १९९५ पासून राब्वविण्यात येत आहे. राज्याच्या नवीन लोकसंख्याविषयक धोरणानुसार या योजनेत १ एप्रिल, २०00 पासून बदल करण्यात आला. सदर योजना केवळ दारिक्र्य रेषेखालील कुटुंबातील जोडप्यापैकी एक किंवा दोन मुली असणा-या व मुलगा नसलेल्या आणि नसबंदी शस्त्रक्रिया करून घेणा-या जोडप्यांना लागू आहे. या योजनेमध्ये जोडप्यास मुलगा नसताना एक मुलगी झाल्यानंतर नसबंदी शस्त्रक्रिया करून घेतल्यास जोड़प्याच्या मुलीच्या नावे $\{0,000$ रुपये १८ वर्षांच्या मुदत ठेवीच्या स्वरूपात देण्यात येतात आणि जोडव्यास मुलगा नसताना दोन मुली झाल्यानंतर नसबंदी शस्त्रक्रिया करून घेतल्यास प्रत्येक मुलोस ५,०00 रुपये प्रमाणे १८ वर्षांच्या मुदत ठेवीच्या स्वरुपात मुलींच्या नावे देण्यात येतात. या योजनेअंतर्गत २००५-०६ व २००६-०७ या वर्षांत लाभार्य्यांची संख्या अनुक्रमे २,०७३ व २,०२७ इतकी होती आणि त्यावर अनुक्रमे २०७.३ लाख व २०२.७ लाख रुपये इतका खर्च झाला. सदर योजना शासनाने १ एम्पिल २००७ पासून सुधारित केली आहे. या सुधारित योजनेमध्ये एक मुलगी असताना व मुलगा नसताना आणि नसबंदो शस्स्तक्रिया करून घेणा-या जोडप्यातील शस्स्रक्रिया करून घेणा-या व्यक्तीला रु.२,,00 रोख देण्यात येतात व मुलीच्या नावे रु.८,०00 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र मुदत ठेवीच्या स्वरूपात देण्यात येतात. दोन मुली असताना व मुलगा नसताना नसबंदी शस्त्रक्रिया करून घेणा-या जोडप्यातील शस्त्रक्रिया करून घेणा-या व्यक्तीला रु.२,000 रोख देग्यात येतात व दोन्ही मुलींच्या नावे प्रत्येको रु.४,०00 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र मुदत ठेवीच्या स्वरूपात देण्यात येतात.

## नवसंजीवनी योजना

१३.४१ आदिवासी भागातील अर्भंक मृत्युदर आणि माता मृत्युदर कमी करण्यासाठी नवसंजीवनी योजनेची सुरुवात १९९५-९६ मध्ये करण्यात आली. ही योजना महाराष्ट्रातील ३५ आदिवासी जिल्हयांमध्ये राबविण्यात येत आहे. या योजन्नेतील आरोग्य विभागाशी संबंधित बाबी पुढीलप्रमाणे आहेत.
१) अंगणवाडयांमधील बालकांची नियमित वैद्यकीय तपासणी, आजारी मुलांना औषधीपचार, गरज भासल्यास संदर्भसेवा उपलब्ध करून देणे आणि श्रेणी-३ व श्रेणी-૪ च्या बालकांसाठी तातडीचे उपचार.
२) ग्रामोण रुण्णालये आणि प्राथमिक आरोग्य केंद्रे यामध्ये मोफत जेवणाची उपलब्धता
३) अतिसंवेदनशील जिल्द्यांमध्ये जर कुपोषणग्रस्त बालकाला रुगणालयामध्ये दाखल करण्यात आले, तर त्या बालकाच्या नातेवाइकाला त्याच्या बुडीत रोजगाराची भरपाई म्हणून दर दिवशी ४० रुपये दिले जातात. तसेच त्या नातेवाइकाला दिवसातून दोन वेळा मोफत जेवण दिले जाते.

या योजनेबाबत राज्याने केलेली प्रगती तक्ता क्र. १३.३६' व तक्ता क्र. १३.२७ मध्ये देण्यात आली आहे.

तक्ता क्र. १३.१६ नवसंजीवनी योजने अंतर्गत प्रगती
(लाख रुपये)

| कार्यक्रमाचे नाव | खर्च |  |
| :--- | :---: | :---: |
|  | २००६-०७ | २००७-०८* |
| पाडा स्वयंसेविका मानधन | ३९९.९७ | १९५.४५ |
| भरारी पथक | १८८.९४ | १४९.७४ |
| मातृत्व अनुदान | ८९९.७३ | ४९६.०१ |
| माता आणि श्रेणी-३ व श्रेणी-४ च्या | ६३८.८३ | १२५.०८ |
| बालकांसाठी उपचार |  |  |
| दाइंच्या बेठका | २५.३९ | १०.०७ |
| एकूण | २९९२.८६ | ८९६.३५ |
| * डिसेंबर ,२००७ पर्यंत |  |  |

तक्ता क्र. १३.१७
नवसंजीवनी योजनेचे एकूण लाभधारक
(लाखात)

| कार्यक्रमाचे नाव | लाभधारकांची संख्या |  |
| :--- | :---: | :---: |
|  | २००६-०७ | २००७-०८ |
| मातृत्व अनुदान | ०.६ | $\circ . २$ |
| अंगणवाड्यांमधील मुलांची |  |  |
| वैद्यकीय तपासणी |  |  |

* डिसेंबर , २००७ पर्यंत


## राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम

१३.४२ एड्सच्या फेलावाला अटकाव करण्यासाठी भारत सरकारने, धोरणे, कार्यपध्दती निश्चित करणे आणि ह्या कार्यक्रमाची देशभरात अंमलबजावणी करणे यासाठी १९९२ मध्ये राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संस्था (नॅको) या स्वतंत्र संस्थेची स्थापना केली. नॅकोने राष्ट्रोय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम राबविण्यास सुरुवात केली. महाराष्ट्र शासनाने राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रमाच्या दुस-या टप्याची अंमलबजावणी करण्यासाठो १९९८ मध्ये महाराष्ट्र राज्य

तक्ता क्र. १३.१८
राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रमाची प्रगती
(कोटी रुपये)

| वर्ष | प्राप्त अनुदान | केलेला खर्च |
| :---: | :---: | :---: |
| २००३-0४ | $\bigcirc 0.00$ | १२.३९ |
| poor-04 | १९.३३ | १०.६८ |
| २00¢-०६ | २५.६७ | २२.७๐ |
| २००६-0ง | ४३.६५ | ३ง.२३ |
| 2oog-oく* | ३४.६२ | २७.६८ |

*डिसेबर, २००७ अखेरपर्यत

तक्ता क्र．१३．१९
महाराष्ट्र राज्यातील एचआयब्ही／एड्स विषयक आकडेवारी
（संख्या）

| बाब | २००३ | २००४ | २004 | २oo\＆ | 200७ |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| अंतिजोखीम गटातील तपासणी केलेल्या व्यक्ती | २，२८，७२५ | $३, ३ ९, १ ८ २$ | ४，५२，४०२ | ६，৩२，३०९ | ११，¢८，८९५ |
| अ）दोन चाचण्यांवरून एचआयक्छी बाधत | २०，cır | २५，८६¢ | ३०，६९७ | ३९，९६६ | $\xi \subset, O ¢ \xi$ |
| ब）एचआयद्ही बारित प्रमाण（टक्के） | १．१३ | ७．६१ | E．ט९ | 4.94 | 4．६७ |
| एड्स रुग्ण | ५，२९३ | ५，३६५ | $६, ६ १ ?$ | く，४૪く | ११，१३० |
| एड्सने मृत्यू | 844 | ૪く७ | ३९५ | ¢くU | ६६૪ |
| तपासलेले रक्त नमुने | ง，＜－，¢9\％ | C，३ $¢, C \in \zeta$ | C，৩४，०३૪ | ९，२९，९५२ | १०，०૪，२४३ |
| प़लिसा रिअंक्टिक्त रक्त नमुने | ૬，？४० | ६，२७く | ५，७¢¢ | 4，३९૪ | ५，६२४ |
| एलिसा रिंअक्टिक्टिी प्रमाण（टक्के） | $0 . \bigcirc \bigcirc$ | $0 . \bigcirc \bigcirc$ | ०．६६ | $0.4 C$ | $0.4 \%$ |

एच．आय．नी．－ह्युमन इमिनो डेफिशिअन्सी व्हायरस

एड्स नियंत्रण संस्था（एमएसएसीएस）स्थापन केली．राष्ट्रीय कुटुंब आरोग्य पाहणी－३ अनुसार भारतामध्ये एड्स या रोगाच्या प्रसाराचे स्थिरीकरण झालेले दिसून येते व महाराष्ट्रामधील एड्स या रोगाच्या प्रसाराचे प्रमाण कमी होत आहें．रा．कु．आ．पा．－३ अनुसार महाराष्ट्रामध्ये या रोगाच्या प्रसाराचे प्रमाण ०．६२ टक्के इतके आहे，या कायंक्रमासाठी प्राप्त झालेले अनुदान आणि झालेला खर्च याची आकडेवारी तक्ता क्र．१३．१८ मध्ये देण्यात आली आहे．राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रमाअंतर्गत महाराष्ट्र राज्यातील एड्स विषयक आकडेवारी तक्ता क्र．१३．१९ मध्ये दिली आहे．

## राज्य रक्त संक्रमण परिषद

१३．४३ राज्य रक्त संक्रमण परिषदेची स्थापना १९९४ मध्ये करण्यात आली असून राज्यात सुरक्षित रक्ताचा पुखवठा वाजवी किंमतीत क्कावा हे या परिषदेचे उद्दिष्ट आहे．राज्यात २५२ नोंदणीकृत रक्तपेढ्या आहेत．त्यापैकी ७३ शासकीय，११ रेडक्रॉस सोसायटी संचालित，१३२ धमादादा संस्था संचालित व ३६ खाजगी रक्तपेढया आहेत．रक्तसंकलनाची २००१ पासूनची वर्षनिहाय आक．डेवारी तक्ता क्र．१३．२० मध्ये दिली आहे．

तक्ता क्र．१३．२०
वर्षनिहाय रक्तसंकलन
（लाख घटकामध्ये）

| वर्ष |  | एकूण रक्तसंकलन पैकी एंच्छिक रक्तसंकलन |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| २009 |  | $19.0 \%$ | ช．4ง |
| २oo々 |  | ७．૪૪ | 8．9e |
| २००३ |  | ७．७६ | 4.44 |
| २००\％ |  | く．२६ | ६．०9 |
| २004 |  | C．७૪ | ६．4२ |
| २००६ |  | ९．२९ | ७．4ง |
| २oob | － | $9.4 C$ | ७．94 |

## मागासवर्गीयांचे कल्याण

२३．४४ अनुर्सूचित जाती व अनुस्सूचित जमाती यांच्या कल्याणार्करिता राज्य शासन राज्याच्या योजनेमध्ये पुरेशा प्रमाणात निधोची तरतूद करीत आहे．अनुसूचित जाती व जमाती यांच्या संपूर्ण विकासासाठी आणि अनुसूचित जाती，जमाती व इतर जनता यांच्यामध्ये असलेली सामाजिक， आर्थिक व शैक्षणिक विषमता दृर करण्याच्या दृष्टिकोनततून अनुसूचित जार्तोंकरिता विशेष घटक यांजना व अनुसूचित जमातीकरिता आदिवासी उपयोजना या दोन धोरणात्मक योजना राज्य शासन राबवीत आहे． दहाव्या पंचवार्षिक योजनेमध्यं विशेष घटक योजनेमधील तरतृद राज्यातील लोंकसंख्येपेकी अनुसूचित जातींच्या लोकसंख्येच्या प्रमाणापेक्षा म्हणजेच १०．२ टक्क्यांपेक्षा जास्त होतो व आदिवासी उपयोजनेमधील तरतूद राज्यातील अनुसूचित जमातींच्या लोकसंख्येच्या समप्रमाणात म्हणजे ८．९ टक्के इतकी होतो．

सामाजिक न्यायासाठीच्या योजना

## राष्ट्रीय सामाजिक सहाय्य कार्यक्रम

१३．४५ राष्ट्रीय सामाजिक सहाय्य कार्यक्रमांतर्गत दारिक्रय रेषेखालील कुटुंबंना सामाजिक सहाय्य पुरविण्यासाठी राष्ट्रीय वृध्दापकाळ निवृत्तिवेतन योजना आणि राष्ट्रीय कुटुंब लाभ योजना या दोन केंद्र पुरस्कृत योजना राज्यात राबविल्या जातात．

१）राष्ट्रीय वृष्द्यापकाळ निवृत्तिवेतन योजना ：－या योजनेअंतर्गत ६५ वर्ष व त्यापेक्षा जास्त वयाच्या प्रत्येक निराधार व्यक्तीस केंद्र शांसनाकडून याआधी दरमहा ७५ रुपये निर्वृत्तिवेतन देण्यात येत होते．एप्रिल，२००६ पासून केंद्र शासनाने निवृत्ति वेतनाच्या रकमेत वाढ करून ती दरमहा २०० रुपये इतकी केली आहे．त्याशिवाय या लाभार्थ्यास राज्य शासनाकड्डून श्रावणबाळ सेवा योजनेअंतर्गत दरमहा $१ ७ ६$ रुपये देण्यात येतात．२००६－०७ या वर्षात $७, ४ २, ५ ६ १$ लाभार्थ्यांना केंद्र शासनाच्या निधीतून १३३．५७ कोटी रुपये आणि राज्य शासनाच्या निधीतून १६०．६८ कोटी रुपये देण्यात आले．
२) राष्ट्रीय कुटुंब लाभ योजना :- या योजनेअंतर्गत दारिद्रय रेषेखालोल कुंदुंबतील ३८ ते ६४ वर्ष वयोगटातील प्रमुग कमावत्या व्यक्तीचा मृत्यू झाल्यास त्याच्या बाधित कुटुंबास अंतरिम सहाय्य म्हणून एकरकमी २०,००० रुपयांचे अर्थसहाय्य देण्यात येते. २००६-०७ या वर्षात २०,३३९ बाधित कुर्रुबांना केंद्र शासनाच्या निधीतून २०.३३ कोटी रुपये देग्यात आले. संजय गांधी निराधार/आर्थिक दुर्बलांसाठी अनुदान योजना
२३.४६ सदर योजना ६५ वषांखालील व्यक्ती व निराधार विधवा आणि अंधत्व, अपंगत्व, पक्षाघात, कर्करोग, क्षय, एड्स इत्यादी सारख्या दुर्धर शारीरिक/मानसिक आजारामुळे स्वतःचो उपजीविका चालवू न शकणारे यांना लागू आहे. सदर योजनेअंतर्गत लाभार्थ्यास दरमहा २५० रुपये देण्यात येतात. एखाद्या कुटुंबात दोन लाभार्थी असल्यास दरमहा 400 रुपये आण्ण दोन पेक्षा जास्त लाभार्थी असल्यास दरमहा ६२५ रुपयं एवढे अर्थसहाय्य त्या कुटुंबास देण्यात येते. २००६-०७ या वर्षात या योजनेअंतग्गत एकूण २,३३,१३६ लाभार्थ्यांना १०३.०૪ कोटी रुपये अर्थसहाय्य देण्यात आले.

इंदिरा गांधी निराधार आणि भूमिहीन शेतमजूर महिला अनुदान योजना
२३.४७ सदर यांजनेअंतगंत ६५ वषांखालील महिला, ज्या भूमिहीन शंतमजूर, निराधार विधवा, परित्यक्त्या, घटस्फोट प्रक्रियेतील, अत्याचारित, कुटुंब्रम्रुख पती तुरुंगात आहे अशा, वेश्या व्यवसायातून मुक्त केलेल्या स्त्रिया आणि अनाथ मुली यांना अर्थसहाय्य पुरविले जाते. लाभार्थ्यांचे कायमस्वरूपी पुनवर्वसन होईपयंत त्यांना प्रति महिना २५० रुपये दिले जातात. या योजनेतोल पात्रतेच्या इतर अटी व अर्थसहाय्याचे स्वरूप संजय गांधी निराधार/आर्थक दुर्बलांसाठी अनुदान योंजनेप्रमाणेच आहे. सदर योजनेअंतगंत २००६-०७ मध्ये ९५,५२७ लाभार्थी महिला/मुल्लीना २७.७० कोटी रुपये देण्यात आले.

## ज्येष्ठ नागरिकांना बस प्रवास सवलत

१३.४८ सामाजिक बांधीलकीच्या दृष्टीने व ६५ वषांवरील ज्येष्ठ 'नार्गरकांचा आदर करण्याच्या हेतूने राज्य शासन त्यांना महाराष्ट्र राज्य भार्ग परिवहन महामंडळाच्या साध्या बसच्या प्रवास भाडयात 40 टक्के सवलत देते. २००६-०७ या वर्षात अशा सवलतीची रक्कम १६२.४२ कोटी रुपये इतकी होती, तर २००७-०८ या वर्षांत डिसेंबर अखेरपयंत ती २४०.३८ कोटी रुपये इतकी होती.

## महिला धोरण

१३.४९ १९९४ मध्ये महिला धोरण तयार करणारे महाराष्ट्र हे भारतातील पहिले राज्य ठरले. तद्नंतर महिला विकासासंबंधो अनेक नवीन उपक्रम सुरू करण्यात आले. भारत सरकारने ७३ वी व ७४ वी घटना दुरुस्ती करून स्थानिक स्वराज्य संस्थांमष्ये महिलांसाठी एक-तृतीयांश आरक्षण ठंवण्याचा ऐतिहासिक निण्णय घेतला. १९९४ च्या महिलाविषयक धररणाचा आढावा दर तोन वर्षांनी घंण्याची तरतूद आहे आणि त्यानुसार

महिला धोरण, २००१ मध्ये विविध शिफारशी/उपाययोजनांची तरतूद करण्यात आली आहे. या धोरणामध्ये महिलांचा सहभाग, त्यांना संरक्षण, त्यांचा आर्थिक विकास, त्यांच्या क्षमतांचे संवर्धन आणाण या सवांसाठी अनुकूल वातावरण निर्मिती या स्वांचा समावेश आहे. महिला धोरणाची प्रमुख उद्दिष्टे पुढोलप्रमाणे आहेत.
१) शासकीय, निमशासकीय व शासनाचे अनुदान मिळणा-या सर्व संस्था यांमध्ये महिलांना केंद्रस्थानी मानून नियोजन करणे.
२) महिलांचे सबलीकरण करण्यासाठी पुरेसा निधी पुरविणे.
३) स्वसहाय्यित गटांद्वारे आर्थिक विकास.
४) कृषी व ग्रामीण विकासासंबंधित कार्यक्रम महिलांना केंद्रस्थानी ठेवून तयार करणे.

## बाल विकास धोरण

१३.५० महाराष्ट्र शासनाचे 'बाल विकास धोरण' हे राज्यातील मुख्यतः अनाथ, निराधार, बेघर व वाममार्गाला लागलेल्या बालकांसाठी आहे. या धोरणाच्या अंमलबजावणीची संकल्पना सुनियोजित, सुरचित आणि शिस्तबध्द पध्दतीने बालकांचा विकास साधणे ही आहे. बालविकास धोरणाची प्रमुख उद्दिष्टे पुढोलप्रमाणे आहेत.
१. बालकांच्या गभांवस्थेतील व अर्भंक अवस्थेतील आरोग्याच्या दक्षता सुविधांमध्ये वाढ करणे.
२. बालसंगोपन, प्रायोजकत्व व दत्तकविधान कार्यक्रमातील बालकांना शैक्षणिक व मनोरंजन विषयक सुविधा विनामूल्य पुरविणे.
३. बालकांचे लैंगिक शोषण व अनैतिक बाल व्यापार यास प्रतिबंध करणे आणि बालविवाह प्रतिबंधक अधिनियम, २९२९ ची अंमलबजावणी करणे.
૪. एच आय की बाधित बालके, हरविलेली बालके, शारीरिक व मार्नसिक दृष्ट्या अपंग बालके यांची सुरक्षा, शिक्षण व प्रशिक्षणाकरिता पुरेशा प्रमाणात संस्था स्थापन करणे.
५. डे केअर सेंटसं, पाळणाघरे, अल्पंमुदत निवासगहहे, अनुरक्षण गृहे, निरीक्षण गृहे आणि बाल गृहे यांतील बालकांना व्यावसायिक प्रशिक्षणाची साय उपलब्ध करून देणे.

## महिला व बाल विकास

१३.५२ जनगणना २००१ अनुसार महाराष्ट्रातील एकूण लोकसंख्येमध्ये स्त्रियांचे प्रमाण ४८ टक्के व बालकांचे (वयोगट ० ते १४ वर्ष) प्रमाण ३२ टक्के आहे. लोकसंख्येमधील स्त्रियांची व बाल़कांची मोठ्या प्रमाणावरील टक्केवारी विचारात घंऊन राज्य शासनाने महिला व बालकांचे कल्याण, विकास व सबलीकरण करण्यासाठी संरक्षणगृहे, देवदार्सीच्या बालकांसाठी वसतिगृहे, बहुउद्देशीय समाज केंद्रे अशा अनेक महत्व्वाच्या योजना सुरू केल्या आहेत. शेतक-यांच्या आत्महत्या रोखण्यासाठी राज्य शासनाने २००६-०७ मध्ये एक योजना जाहीर केली असून या योजनेचा एक भाग म्मणून विदभांतील सहा जिल्हांमध्ये शेतक-यांच्या मुल्लीच्या सामूहिक विवाहासाठी आर्थिक मदत देण्यात आली. राज्यातील महिलांच्या व बालकांच्या उत्रतीसाठी महत्त्वाच्या योजनांतर्गत केलेली प्रगती तक्ता क्र. १३.२श मध्ये दिली आहे.

तक्ता क्र. १३.२१
महिलांच्या व बालकांच्या उत्रतीसाठी राज्यातील महत्त्वाच्या योजनांतर्गत प्रगती : २००६-०७

** केंद्रे @ जिल्ह, \# जि.प.,

## रस्त्यांवरील मुलांकरिता एकात्मिक कार्यक्रम

१३.५२ रस्त्यांवरील म्मुलांना निवारा, पौष्टिक आहार, आरोग्य सेवा, शिक्षण व मनोरंजन यांसारख्या सुविधा पुरविणे, आणि त्यांचे समाजातील गैरवर्तणुक व पिळवणुकीपासून संरक्षण करणे हे या कार्यक्रमाचे उद्दिष्ट आहे. राज्यामध्ये ही योजना $९$ संस्थांद्वारे राबविली जात असून २००६-०७ या वर्षात लाभार्य्यांची संख्या २,५२२ इतको होती. एकात्मिक बालविकास सेवा योजना
१३.५३ एकात्मिक बालविकास सेवा योजनेचे मूलभूत उद्दिष्ट सहा वर्षाखालील बालके, गर्भवती स्त्रिया व स्तनदा माता यांचे आरोग्य व

पोषण स्थिती सुधारण्यासाठी तसेच शालेय पूर्व शिक्षणास उत्तेजन देणे याअंतर्गत सहा मुलभूत सेवा पुर्रावणे हे आहे. या सहा सेवा म्हणजे लसीकरण, पूरक पोषण आहार, आरोग्य तपासणी, संदर्भ सेवा, पोषण व आरोग्य शिक्षण आणि शालेय पूर्व शिक्षण. ही योजना गावपातळीवरोल अंगणवाङ्यांमार्फत राबविली जाते. राज्यात डिसेंबर, २००७ अखेरपर्यंत एकूण ७५,७०४ अंगणवाड्या कार्यरत होत्या. राज्यातील एकात्मिक बालविकास सेवा योजना कार्यक्रमावे संनियंत्रण प्रकल्प (तालुका/गट) पातळीवर स्थापन करण्यात आलेल्या $૪ ३ ६$ बालविकास प्रकल्प कार्यालयांकङ्डू करण्यात येते. यापैकी २७९ प्रकल्प ग्रामीण, ७८ प्रकल्प नागरी व ५९ प्रकल्प आदिवासी क्षेत्रात आहेत. पोषण कार्यक्रम
१३.५४ बालके, गर्भवती स्त्रिया व स्तनदा माता यांच्या पोषणाच्या किमान गरजा भार्गाविण्यासाठी व त्यांना आरोग्य सुविधा पुरविण्यासाठी राज्य शासन पोषण कार्यक्रमांतगंत विविध योजना राबविते.

## पूरक पोषण आहार कार्यक्रम

१३.५५ 'पूरक पोषण आहार कायंक्रम’ एकात्मिक बालविकास सेवा योजनेअंतर्गत राबविण्यात येतो. सहा वर्षांखालील बालकांना पौष्टिक आहार पुरविणे, समाजातील वंचित कुटुंबांतील गर्भवती स्त्रिया व स्तनदा माता यांच्या आरोग्याचा दर्जा उंचावणे, दुर्गम आणि संवेदनशील क्षेत्रांतील कुपोषणावर लक्ष केंद्रित करून ते नियंत्रणात आणणे आणि बालमृत्यू दर शक्य तितका कमी करणे ही या योजनेची उद्दिष्टये आहेत. पूरक पोषण आहार कार्यक्रमांतर्गत बालकांची पोषणश्रेणी निहाय टक्केवारीची २००५-०६ व २००६-०७ मधील माहितो तक्ता क्र. १३.२२ मध्ये दिली आहे. तथापि, रा.कु.आ.पा.-३ अहवालानुसार महाराष्ट्रामधील तोन वर्षांखालील बालकांपैकी ३८ टक्के बालके वाढ खुंटलेली, ३५ टक्के बालके खुजी व $४ ०$ टक्के बालके कमी वजनाची असल्याचे दिसून आले आहे.
१३.५५.१ या योजनेअंतर्गत आहारामधील ३०० उष्मांकांची आणि १० ते १२ ग्रॅम प्रधिनांची कमतरता भरून काढण्याकरिता प्रतिदिन प्रति लाभार्थी दोन रुपये पोषण खर्च म्हणून उपलब्ध करून देण्यात येतात. अंगणवाडी केंद्राद्वारे त्यांना ग्रामीण भागात 'उसळ' किंवा ‘खिचडी' अणि शहरी भागात तयार स्वरूपातील अन्न (शिरा किंवा उसळ) पुरविण्यात येते. आहारावरील खर्च राज्य शासनाकडून केला जातो, तर आहाराव्यतिरिक्त इतर खर्चाची प्रतिपूर्ती केंद्र शासनाकडून पूर्णत: केली जाते.
१३.५५.२ या योजनेअंतर्गत २००६-०७ या वर्षात ग्रामीण भागातील ०-६ वर्ष वयोगटातील बालके, गर्भवती स्त्रिया आणि स्तनदा माता या लाभाथ्यांची संख्या ५२.८१ लाख होती व त्यावर २३९.१३ कोटी रुपये खर्च करण्यात आले. २००७-०८ या वर्षात डिसेंबर अखेरपर्यंत ५५.३८ लाख लाभार्थ्यांवर १८३.२२ कोटी रुपये खर्च करण्यात आले.
१३.५५.३ या योजनेअंतर्गत २००६-०७ या वर्षांत नागरी भागातोल $0-६$ वर्ष वयांगटांतील बालके, गर्भवती स्त्रिया आणि स्तनदा माता या लाभाथ्यांची संख्या ८.३८ लाख होती व त्यावर ४०.७९ कोटी रुपये खर्च करण्यात आले. २००७-०८ या वर्षात डिसेंबर अखेरपयंत ९.३९ लाख लाभार्थ्यांवर २८.४९ कोटी रुपये खर्च करण्यात आले.

तक्ता क्र．१३．२२
पूरक पोषण आहार कार्यक्रमाअंतर्गत बालकांची पोषण श्रेणीनिहाय टक्केवारी


## गृहनिर्माण

१३．५६ निवारा ही मानवाची अन्र व वस्त्र यानंतरची मूलभूत गरज आहे．गृरनिमांण धोरण गरिबाभिमुख ठेवून या क्षेत्रातील आद्वाने पेलतणयासाठी राज्यशासन सक्रिय आहे．राज्याच्या गृहनिर्माण धोरणाच्या मसुद्यात कमी किममतोची घरे पुराविणे，मुंबइतील गर्दी कमी करणे व ग्राहक संरक्षणाच्या उपाययोजनांची अंमलबजावणी करणे या बार्बोंचा समावेश आहे．विकासकांना प्रोत्साहन देऊन त्यांच्या मदतीने पुढोल तीन वर्षांमध्ये कमी व मध्यम उत्पन्न गटासाठी ८ लाख घरे बांधण्याचे शासनाकडून प्रस्तावित आहे．तसेच，शिक्षण，आरोग्य सेवा इ．साखख्या सवांगीण सुविधांचा समावेश करून समूह योजनेद्वारे झोपडप्ट्ययांचा स्यर्धात्मक निविदा पध्दतीवर आधारित पुनार्विकास करण्याचे शासनाकडून प्रस्तावित आहे．

१३．५६．१ नागरी भागातील निवा－याचा प्रश्न प्रभावोपणे सोडविण्यासाठी महाराष्ट्र शासनाने महाराष्ट्र गृहनिम्माण व क्षेत्रविकास प्राधिकरण（म्हाडा） आणण शहर व औद्योगिक विकास महामंडळ（सिडको）मयांदित यांची स्थापना केली आहे．याशिवाय नागरी भागातील झोपडपट्ट्कीक्षेत्रांत घरे बांधण्यास़ाठी झोपडपट्टी पुनर्वसन योजना व शिवशाही पुनवर्वसन प्रकल्प यांचीही अंमलबजावणी करण्यांत येत आहे．बृहन्मुंबईत मुंबई नागरी

परिवहन प्रकल्प（एमयूटीपी）व मुंबई नागरी पायाभूत सुविधा प्रकल्प （एमयूआययी）हे प्रकल्प मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरणाकड्न （एमएमआरडीए）राबविले जात असून बाधित कुटुंबांना या प्रकल्प्पंतर्गत घरे बांधून देण्यात येतात．ग्रामीण भागातदेखील दारिद्रय रेषेखालील कुटुंबे व दुर्बल घटक यांना दर्ज्दार घरे उपलब्ध करून देण्यासाही शासनाने ईंदिरा आवास योजनेसाख्या ग्रामीण गृहिम्माण योजना यशस्वीपणे राबकिल्या आहेत．

## नागरी गृहनिर्माण

## महाराष्ट्र गृहनिर्माण व क्षेत्रविकास प्राधिकरण（म्हाडा）

१३．५७ महाराष्ट्र गृहनिम्माण व क्षेत्रविकास प्राधिकरणाचे（म्हाडा） प्रमुख उद्दिष्ट राज्यातील नागरी भागातील निवासाची गरज भागविणे हे आहे．गृहनिर्माण उपक्रमांसाठी लागणारा निधी म्हाडा स्वतःच्या स्त्रोतांतून， जसे जमीर्नवक्री，गुंतवणुकीवरील ब्याज，भाडे व सेवा शुल्के इत्यादीतून उभारते．शिवाय त्यास राज्य शासनाकडून अनुदान व बृहन्मुंबई महानगरपालिकेकडून अंशदान प्राप्त होते．म्हाडाने स्थापनेपासून मार्च， २००७ अखेरपर्यंत एकूण ४．२२ लाख सदनिका बांधल्या असून त्यापैकी ૪，०२४ सदनिका २००६－०७ या वर्षामध्ये बांधल्या आहेत．म्हाडाने २००१－०२ या वर्षापासून बांधलेल्या सदनिकांची प्रवर्गानहहांय संख्या व झ्ञालेला खर्च याबाबतचा तपशील तक्ता क्र．१३．२३ मध्ये दर्शविण्यात आला आहे．

तक्ता क्र．१३．२३
म्हाडाकडून बांधण्यात आलेल्या सदनिका

| वर्ष | प्रवर्ग |  |  |  |  | $\begin{aligned} & \text { एकण } \\ & \text { सदनिका } \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & \text { खर्च } \\ & \text { (लाख रुपये) } \end{aligned}$ |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | आधिक | अल्प | मध्यम | उच्च | इतर |  |  |
|  | दुर्बल गट | उत्पन्न गट | उत्पन्न गट | उत्पन गट |  |  |  |
| २00ヶ－02 | १，०9३ | ३，४४९ | 82C | २२३ | 40 | ५，२६० | १५，२३५ |
| २o०マ－○३ | ९३ | १，๑९६ | १，२३५ | $48 \%$ | ६̧C | ૪，३३८ | २४，५४६ |
| २00३－0\％ | १，३६？ | ३，८६२ | ९७५ | ६४२ | १，३०Q | c，9\％\％ | २०，द९९ |
| २00\％－04 | ९९७ | २，८२४ | ९о३ | १，२७๐ | く？ | ¢，¢\％ | ३०，4४\％ |
| 2004－0¢ | २ec | ३，३२५ | ¢0\％ | ६३૪ | з० | r，eve | २२，044 |
| २00६－0b | ¢o | २，६७¢ | २२く | १，११३ | 24 | ૪，०२૪ | ३२，६५६ |
| २ooけ－०く＊ | 200 | १，२०२ | ३८८ | २०६ | ३ | १，७९९ | २2，0२२ |

＊ऑक्टोबर ，२००७ अखेरपर्यंत

शहर व औद्योगिक विकास महामंडळ मर्यादित（सिडको）
१३．५८ राज्यातील नागरी भागांत विकास कामे करण्यासाठो महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगर नियोजन अधिनियम，१९६६ अन्वये सिडकोची स्थापना मार्च，१९७० मध्ये करण्यात आली．समाजाच्या सर्व घटकांतील जनतेसाठी शाळा，रुणालये，समाज केंद्रे，खेळाची मैदाने，करमणुकीची ठिकाणे，सार्वजनिक सुविधा व रमणीय भूप्रदेश इत्यादी सर्व संरचनेसह घरे बांधण्याचे（गृहनिर्माणाचे）महत्त्वाकांक्षी विकास कार्यक्रम सिडको राबवीत आहें．

१३．५८．१ सिडकांने स्थापनेपासून मार्च २००७ अखेरपपंत एकूण १，३३७ कोटी रुपये किमतीच्या १，७३，१४८ सदनिका बांधल्या आहेत． याबाबतची सविस्तर माहिती तक्ता क्र．१३．२४ मध्ये दर्शविण्यात आली आहे．

झोपडपट्टीवासियांचे जीवनमान उंचाविण्यासाठी आणि दारार्रच रेषेखालोल व आर्थिकदृष्ट्या दुर्बल घटकांतोल लोकांसाठी रार्बविण्यात येते．या योजनेमध्ये पुढील बाबी अंतर्भूत आहेत

१）लाभधारकांनी नवीन घरांचे बांधकाम स्वतः करून घेणे
२）सध्या अस्तित्वात असलेल्या झोपड्यांची श्रेणीवाढ／दुरुसी
३）निर्मल भारत अभियान अंतरंत शोचालयांचे बांधकाम
१३．६२．३ प्रत्येक लाभधारकास बांधकाम खर्चापोटी मेगा सिटीमथ्ये $६ 0,000$ रुपये，मेट्रों सिटीमध्ये 40,000 रुपये आणि उर्वरित शहरांमध्ये $४ 0,000$ रुपये देण्यात येतात．या योजनेअंतर्गंत सप्टेंबर， २००७ पयंत एकूण ४९९．५९ कोटो रुपये खर्च करण्यात आले असून ६९，७६९ घरकुलांचे बांधकाम，૪७४ घरांची श्रेणीवाढ व २७，७०६ शौचालयांचे बांधकाम पूर्ण करण्यात आले．

तक्ता क्र．१३．२४
सिडकोकडून मार्च २००७ अखेरपर्यंत बांधण्यात आलेल्या सदनिका

| ठिकाण | प्रवर्ग |  |  | एकूण सदनिका | $\begin{gathered} \text { खर्च } \\ \text { (रु.कोटीत) } \end{gathered}$ |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | आर्थिक दुर्बल गट／ अल्प उत्पत्र गट | $\begin{gathered} \text { मध्यम } \\ \text { उत्पन्न गट } \end{gathered}$ | $\begin{gathered} \text { उच्च } \\ \text { उत्पन्न गट } \end{gathered}$ |  |  |
| नवी मुंबई | ५९，७૪७ | ३२，६०३ | २ง，२१० | २．¢९，४६० | २，२३० |
| औरंगाबाद | २८，७५९ | २，८९७ | ४३マ | २२，०८८ | ૪७ |
| नाशिक | २२，३૪३ | २，६९९ | ५く？ | २४，५૪૪ | $\gamma$ २ |
| नांदेड | ७，७५く | १२६ | － | ७，८८૪ | $\rho$ |
| वाळूज（औरंगाबाद） | ७४२ | २३० | － | ९७२ | ？ |

गृहनिर्माण पुनर्वसन．
झोपडपट्टी पुनर्वसन योजना
१३．५९ झोपएपट्ट्टी पुनवर्वन प्राधिकरणाकडे सुरुवातीपासून（९९९५） डिसेंबर，२००७ अखेरपयंत एकुण २，०९२ पुनर्वसन प्रस्ताव प्राप्त झाले． त्यापैकी ९२५ प्रस्तावांना मंजुरी देण्यात आली．डिसेबर，२००७ अखेपपयंत ८૪，५३८ झोपडपट्टीवासी कुटुंबियांचे पुनव्वसन करण्यात आले．

## शिवशाही पुनर्वसन प्रकल्प मर्यादित

३३．६० शिवशाही पुनर्वसन प्रकल्पांतर्गत सुरुवातीपासून（३९९८） ऑक्टोबर，२००७ अखेरपयंत ६，६८७ सदनिका असलेल्या ७३ इमारर्तीचे काम पूर्ण झाले व ४，२६० सदनिका असलेल्या ३८ इमारतींचे काम प्रातिपथावर होते．

वाल्मिकी आंबेडकर आवास योजना
：१३．६१ वाल्मिकी आंबेडकर आवास ही केंद्र पुरस्कृत योजना （केंद्र－राज्य हिस्सा ५०：५०）सट्टेंबर，२००२ पासून महाराष्ट्र राज्यातील $<$ शहरांत राबविण्यात येत आहे．ही योजना शहरांतील व नागरी संकुलांतील झोपडपट्ट्यांमधील आरोग्यास प्रतिकूल परिस्थितीत राहणा－या

२३．६१．२ २००६－०७ वर्षामध्ये या योजनेअंतर्गत राज्यात ९३．०० कोटी रुपये खर्च करून १३，९४८ घरकुलांचे बांधकाम，२३८ घरांचो श्रेणीवाढ व ७，०३३ शौचालयांचे बांधकाम पूर्ण करण्यात आले．२००७－ ०८ वर्षात सप्टेंबर，२००७ पर्यंत ६，१६८ घरकुलांचे बांधकाम व १，३६२ शौचालयाचे बांधकाम पूर्ण करण्यात आले असून त्यासाठी $३ ३ . ८ ?$ कोटी रुपये खर्च करण्यात आले．या योजनेतील उर्करत सर्व कामे मार्च २००८ अखेरपयंत पूर्ण करण्याचे लक्ष्य ठेवण्यात आले आहे．

## बिडी कामगार घरकुल योजना

१३．६२ आर्धिकटृष्ष्या दुर्बल घटकांतील बिडी कामगारांचे जीवनमान उंचावण्याकरिता राज्य शासन बिडी कामगार घरकुल योजना जुलै，२००१ पासून राबवीत आहे．या योजनेअंतगंत राज्य व केंद्र शासन यांच्याकडून स्वतंत्रपणे प्रत्येकी २०，००० रुपये प्रति घरकुल अथंसहाय्य दिले जाते．या योजनेअंतर्गत ऑक्टोबर，२००ज पर्यंत सोलापूर＇शहरामधील बिडी कामगारांच्या चार सहकारी गृहनिमाण संस्थांना २१．८६ कोटी रुपयांचे अर्थसहाय्य देण्यात आले．या सहकारी संस्थांनी $\uparrow \uparrow, ० ५ १$ घरे बांधण्याचे प्रस्तावित केले असून त्यापेकी ऑक्टोबर，२००७ अखेरपर्यंत २०，७७४ घरांचे बांधकाम पूर्ण झाले．

मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण प्रकल्पाअंतर्गत पुनर्वसन

१३．६३ बृहन्मुंबइंमध्ये पायाभूत सुविधांचा विकास करण्यासाठी मुंबई महानगर प्देश विकास प्राधिकरणाने（एमएमआरडीए），मुंबई नागरी परिवहन प्रकल्प（एमयूटोपी），मुंबई नागरी पायाभूत सुविधा प्रकल्प（एमयूआयपी）， मिठी नदी विकास प्रकल्प，महात्मा गांधी पदपथमुक्त योजना，निर्मल मुंबई महानगर अभियान，मेट्रो रेल्वे，मोनो रेल आणि पादचा－यांसाठी उत्रत भार्ग （स्काय वॉक）हे प्रकल्प हाती घेतले आहेत．या प्रकल्पांतर्गंत येणा－या सुमारे चार लाख लोकसंख्येच्या ६५，०00 झोपडफट्ट्टीवासी कुटुंबियांचे स्थलांतर करणं आवश्यक आहे．एमयूटोपोमुळे बाधित १९ हजार，एमयुआयपोमुळं बांधित २४ हजार，मिठी नदी टप्पा－१ मुळे बाधित ५ हजार，मेट्रो रेल्वे बाधित $३, ५ 00$ तर महात्मा गांधी पदपथमुक्त योजनेमुले बाधित झालेल्या २，५०० झापडपप्ट्टोवासियांचे पुनर्वसन करण्यात आले आहे．महाराष्ट्र शासन व एमएमआरडेए यांनी सामाजिक बांधिलकोढी जाणीव ठेवून २२५ चौरस फुटांच्या सदनिका मुंबइत ३२ ठिकाणी बांधल्या आहेत．ह्या सदनिका बांधण्यासाठी २，००० कोटी रुपयापेक्षा जास्त निधी खर्च करण्यात आला आहे

## ग्रामीण गृहनिर्माण

इंदिरा आवास योजना
१३．६४ इंदिरा आवास योजनेचे उद्दिष्ट ग्रामीण भागातील दारिद्रियेषेखालील कुटुंबांना मोफत घरकुले पुरविणे हे आहे．टिकाऊ दर्जांची घरे बांधण्यासाठी राज्य शासनाने प्रति घरकुल ३०，000 रुपये इतका खर्च निश्चित केला आहे．निधी पुरवठयाचा एप्रिल，२००४ पासून अंमलात असलेला सध्याचा आकृतिबंध खालीलप्रमाणे आहे．

अ）केंद्र शासनाचा हिस्सा（७५ टक्के）रुपये ३८，७५०
ब）राज्य शासनाचा हिस्सा（२५ टक्क）रुपये ६，२५०


१३．६४．१ इंदिरा आवास योजनेच्चा सध्याच्या स्वरूपानुसार नवीन घरे बांधण्यास मर्यांदित वाव असल्याने ग्रामीण भागामधील वापरयोग्य नसलेल्या कच्च्या घरांच्या श्रेणीवाढीचा योजनेमध्ये समावेश करणे गरजेचे वाटले．त्या दृष्टीने शासनाने इंदिरा आवास योजनेमध्ये बदल केले असून योजनेखालील निधीपैकी ८० टक्के निधी नवोन घरे बांधण्यासाठी आणि २० टक्के मिंधी अस्तित्वात असलेल्या परंतु वापरयोग्य नसलेल्या कच्च्या घरांची सुधारण करण्यासाठी वापरावयाचा आहे．ह्या कामासाठो प्रति धटरक १२，400 रुपये निश्चित करण्यात आले असून हा निधी जिथे आवश्यक असेल तिथे घरांना जोडलेली सांडपाणी व्यवस्था，शौचालय व निर्धूर चुली यामध्ये सुधारणा करण्यासाठी देखील वापरता येतो．इंदिरा

आवास योजनेबाबतच्या प्रगतीचा तपशील तक्ता क्र．१३．२५ मध्ये दर्शविण्यात आला आहे．

तक्ता क्र．१३．२५
इंदिरा आवास योजनेची प्रगती

| वर्ष | घरांची संख्या |  | खर्च |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | लक्ष्त्य | साध्य | （कोटी रुपयान） |
| 200\％－04 | १，०५，६२२ | १，२५，३४७ | २२६ |
| २о0¢－оद | ७С，૪७¢ | $\rho \gamma, 04 \gamma$ | २३く |
| २००६－0才 | く३，૪३० | ७く，૪マง | २૪६ |
| 200७－0く＊ | २，१4，＜७ | ४२，६२० | Qu4 |

＊नोक्हेंबर，२००७ अखेरपर्यंत

## पाणीपुरवठा

१३．६५ आरोग्यपूर्ण राहणीमानासाठी पिण्याचे शुध्द पाणी व सांडपाण्याच्या निःसारणाचो व्यवस्था या दोन किमान आवश्यक गरजा आहेत．या सुविधा नागरी जनतंस पुराविण्याची जबाबदारो राज्य शासन व नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्थांवर आहे．पिण्याच्या पाण्याचा तुटवडा आर्ाण पिण्याच्या पाण्याचे नवीन स्तोत शोधण्याबाबत नागरी प्रशासनाची असमर्थता यामुळे पिण्याच्या पाणीपुरवठ्यासंबंधित गंभोर समस्या निर्माण होत आहेत．उन्हाकयामध्ये निर्माण होणारी पिण्याच्या पाण्याची तोव्र टंचाई ही नित्याची बाब झाली आहे．अकराव्या पंचवार्षिक योजनेत २७० नगरांसाठी पाणीपुरवठा विस्ताराच्या २८८ योजना हाती घेण्यात आल्या असून त्यापैकी ५५ योजना पूर्ण करण्यात आल्या आहेत आर्णि १३३ योजना प्रगतिपथावर आहेत．२००७－०८ या वर्षात नागरी पाणीपुरवठा कार्यक्रमाकरिता एकूण ४८．९९ कोटी रुपयांची तरतूद करण्यात आली आहे．

१३．६५．१ केंद्र व राज्य शासनाने पिण्याच्या पाणीपुरवठा कार्यक्रमास अत्युच्च प्राधान्य दिले आहे．या कांक्यमाचा समावेश＇२० कलमी कार्यक्रम’，तसंच ‘राष्ट्रीय किमान गरजा कार्यक्रमात＇करण्यात आला आहे．ग्रामीण．भागातील पिण्याच्या पाणीपुरवठा योजना ह्या उपलब्ध पाण्याचे स्त्रोत，भूप्रदेश व खेड्याची लोकसंख्या या बाबी विचारात घेऊन नळ पाणीपुरवठा，विंधण विहिरी अथवा विहिरी यांद्वारे राबविण्यात येतात．

१३．६५．२ सर्वसमावेशक कृति आराखड्यानुसार दिनांक १ एप्रिल， २००७ रोजी राज्यात पिण्याच्या पाण्याची समस्या असलेली १६，८२८ गावे／ वाड्या होत्या．२००७－०८ च्या वार्षिक योजनेत ग्रामीण पाणोपुरवठा कार्यक्रमासाठी १，२५० कोटी रुपयांची तरतूद करण्यात आली आहे． २००७－०८ मध्ये डिसेंबर अखेरपर्यंत सर्वसमावेशक कृति आराखड्यामधील गावे／वाड्यांपैकी ९४०，दुबार हाताळावयाच्या गावे／वाङ्यांपैकी ७४८ व गुणवत्ता बाधित ४६८ गावे／वाड्या，अशी एकूण २，२५६ समस्याग्रस्त गावे／वाड्या हाताळण्यात आल्या आणि त्याकरिता ४६१．१० कोटी रुपये खर्च करण्यात आला．
१३.६५.३ राज्यामध्ये अपु-या पावसामुळे व नियमित योजनांमधोल गाण्याच्या स्त्रोतांत कमतरता निर्माण झाल्यामुळे दरवर्षी ब-याच गावांत पिण्याच्या पाण्याची तीव्र टंचाईं निर्माण होत असते. अशा गावांत राज्य शासनाला तातडीच्या पाणीपुरवठा योजना हाती घ्याव्या लागतात. हे टंचाई निवारण कार्यक्रम राबविण्यासाठी व संनियंत्रणासाठी पुरेसे अधिकार जिल्हाधिकारी आणि विभागीय आयुक्तांना देण्यात आलेले आहेत. दरवर्षी टंचाई निवारण कार्यक्रम ऑक्टोबर ते जून ह्या कालावधीत राबविला जातो. ऑक्टोबर २००६ ते सप्टेंबर, २००७ या कालावधीत हा कार्यक्रम रार्बाविण्यात आलेल्या गावे/वाडयांची योजनानिहाय संख्या तक्ता क्र. १३.२६ मध्ये दिली आहे.

> तक्ता क्र. १३.२६

ऑक्टोबर, २००६ ते सप्टेंबर, २००७ या कालावधीत तातडीच्चा पाणीपुरवठा योजना रार्बविण्यात आलेल्या गावे/वाड्यांची योजनानिहाय संख्या

| योजनेचे नाव | गावे | वाड्या |
| :---: | :---: | :---: |
| नवोन विंधण विहिरी बांधणे | २,१७0 | ६३७ |
| नळ पाणीपुरवठा योजनांबाबत विशेष दुरुस्त्या | ७३? | ใ५३ |
| विधणण विहिरीच्या विशेष दुरुस्त्या | १, ८६२ | ३७ |
| तात्पुरत्या पूरक नळ पाणोपुरवठा योजना | १४२ | vo |
| टँकर/बेलगाडीने पाणीपुरवठा | १,२०८ | १,७७¢ |
| खाजगी विहिरींचे अधिग्रहण | २,२७२ | २६० |
| अस्तित्वात असलेल्या खाजगी विहिरी खोल करणे/गाळ काढणे | १२? | ३ |
| बुडक्या विहिरी बांधणे | $\varphi$ | २ |

१३.६५.४ पाणी पुरवठ्याच्या विविध योजनांवर २००६-०७ मध्ये झालेला खर्च रुपये ७४९.५८ कोटी इतका होता.

## स्वच्छता

१३.६६ व्यापक अर्थाने स्वच्छता म्हणजे सार्वर्जनिक आरोग्याचे रक्षण करण्यासाठी विविध उपाययोजना तयार करून त्यांची अंमलबजावणी करणे होय. विशेषत: पाणी व सांडपाणी यामधील प्रदुषणाचा विचार करून मानवी आरोग्य आणि जिवनमान यासाठी त्यावर नियंत्रण ठेवणे हा स्वच्छता विषयक कायंक्रमामध्ये उद्देश असतो.

## निर्मल ग्राम पुरस्कार योजना (हागणदारीमुक्त योजना)

१३.६७ ग्रामीण भागातील उघड्यावरील प्रातर्विधीची पद्धत पूर्णपणे बंद करण्यासाठी केंद्र शासनाने २००३-०४ या वर्षापासून निर्मल ग्राम पुरस्कार योजना सुरू केली आहे. या योजनेअंतर्गत उघड्यावरील प्रार्तिधिी पूर्णपणे बंद करून गावाचा परिसर स्वच्छ ठेवणा-या ग्रामपंचायर्तींना, पंचायत समित्यांना व जिल्हा परिषदांना रोख पारितोषिके देण्यात येतात. तसंच ग्रामस्थांना शौचालय बांधकामासाठी व त्यांच्या योग्य वापरासाठी उद्युक्त करणा-या व्यक्तीना/संस्थांना देखोल या योजनेअंतगंत रोख पारितोषिके देण्यात येतात. या कार्यक्रमांतर्गत देण्यात येणारी पारितोषिके

१०० टक्के केंद्र पुरस्कृत आहेत. त्याची माहिती तक्ता क्र. १३.२७ मध्ये देण्यात आली आहे.

तक्ता क. १३.२७
केंद्र पुरस्कृत पारितोषिके
(रु.लाखात)

| हागणदारी स्तर | लोकसंख्या- पा निकष | रितोषिकाची <br> रक्कम | वैर्यात्तक पारितोषक | संस्थासार्ठा पारितोषिक |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| ग्रामपंचायत | १००० पर्यंत | 0.40 | 0.90 | ०.२० |
|  | १,००० ते २००० | १.00 |  |  |
|  | २,000 ते 4,000 | २.00 |  |  |
|  | ५,000 ते 20,000 | ૪.00 |  |  |
|  | १०,000 पेक्षा अधिक | 4.00 |  |  |
| पंचायत समिती | 40,000 पर्यंत | 90.00 |  |  |
|  | 40,000 पेक्षा अधिक | 20.00 | -.२० | 0.34 |
| जिल्हा | १० लाखा पर्यंत | ३०.00 |  |  |
|  | १० लाखापेक्षा अधिक | 40.00 | -.३० | 0.40 |

१३.६७.१ संत गाडगेबाबा ग्राम स्वच्छता अभियानाचे यश विचारात घेतल्यानंतर हगगणदारी मुक्त गाव हे अभियान ग्रामीण जनता/संस्था यांच्या संयुक्त प्रयल्नाने राज्यात मोठ्या प्रमाणात राबविण्यात येत आहे. या प्रयत्नाला राज्याच्या ग्रामीण जनतेने सकारात्मक प्रतिसाद दिला असून स्वच्छता कार्यक्रमाच्या अंमलबजावणीत महाराष्ट्र राज्य संपूर्ण देशात आधाडीवर आहे. या योजनेमुळे ग्रामीण भागातील पर्यावरण व लोकांचे आरोग्य या सुधारणा होत आहे. दोन वर्षांच्या कालावधीमध्ये जवळपास १०० गावांनो ‘हागणदारी मुक्त गाव’ अशी स्थिती प्राप्त केली असून त्याशिवाय बरीच गावे त्या कार्यवाहीत आहेत.

## संत गाडगेबाबा ग्राम स्वच्छता अभियान

१३.६८ ग्रामीण स्वच्छतेच्या कार्यास अधिक चालना मिळावी व या कार्यक्रमात लोक सहभाग वाढवावा यासाठो संत गाडगेबाबा ग्राम स्वच्छता अभियान राज्याच्या ग्रामीण भागात राबविण्यात येत आहे. या मोहिमेत सर्वोत्कृष्ट ठरणा-या ग्रामपंचायतींची निवड करण्यासाठी जिल्हा परिषद मतदार संघस्तरापासून राज्य स्तरापर्यंत प्रत्येक स्तरावर तपासणी समित्या गठित करण्यात आल्या आहेत. प्रत्येक पंचायत समितोतील पहिल्या तोन सवोत्कृष्ट ग्रामपंचायर्तींना अनुक्रमे रु. २५ हजार, रु. २५ हजार व रु. १० हजाराची; प्रत्येक जिल्द्यातील पहिल्या तीन ग्रामपंचायतींना अनुक्रमे रु. ५ लाख, रु. ३ लाख, रु. २ लाखाची; प्रत्येक महसुली विभागातील पहिल्या दोन ग्रामपंचायतींना अनुक्रमे रु. १० लाख व रु. ६ लाखाची आणि संपूर्ण राज्यातील पहिल्या तीन ग्रामपंचायतींना अनुक्रमे रु. २५ लाख, रु. ३५ लाख व रु. १२.५ लाख अशी बक्षिसे राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज यांच्या नावे देण्यात येणार आहेत. तसेच हागणदारीमुक्त झालेल्या प्रत्येक पंचायत समितीस रु. $\gamma$ लाख व हागणदारीमुक्त झालेल्या प्रत्येक जिल्हा परिषदेस रु. २० लाख, त्याचप्रमाणे ज्या जिल्ड्यातून सर्वात जास्त ग्रामपंचायती हागणदारोमुक्त होतील त्या जिल्हा परिषदेस रु. १० लाख, अशी बक्षिसे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी यांच्या नावाने देण्यात येणार आहेत.
१३.६८.? २००५-०६ पासून ज्या शाळा स्वच्छतेच्या क्षेत्रात उत्कृष्ट कार्य करतील त्यांना साने गुरुजी स्वच्छता शाळा या नावाने व ज्या अंगणवाड्या स्वच्छतेच्या क्षेत्रात उत्कृष्ट कार्य करतील त्यांना सावित्रीबाई फुले स्वच्छ अंगणवाडी या नावाने प्रथम पारितोषिके रोख बक्षिसाच्या स्वरुपात देण्यात यंतील. त्याबाबत माहिती तक्ता क्र. १३.२८ मध्ये देण्यात आली आहे.

तक्ता क्र. १३.२८
स्वच्छ शाळा व स्वच्छ आंगणवाड्या कार्यक्रमांतर्गत द्यावयाच्या प्रथम पारितोषिकाची रक्कम
(रु.लाखात)

| स्तर | स्वच्छ शाळा | स्वच्छ आंगणवाङ्या |
| :---: | :---: | :---: |
| पंचायत समिती | 0.90 | 0.04 |
| जिल्हा | 0.40 | 0. 24 |
| विभाग | 2.00 | 0.40 |
| राज्य | ३.co | १.00 |

१३.६८.२ संत गाडगेबाबा ग्राम स्वच्छता अभियानांतर्गत २०००-०१ ते २००६-०७ या सात वर्षांच्या कालावधीत ७,३५० ग्रामपंचायतींना बक्षिसं देण्यात आली. या बक्षिसांसाठी एकूण रु. 40 कोटी खर्च झाला. शासनाकडून कोणत्या प्रकारचे अर्थसहाय्य न घेता अनेक गावांनी स्वयंस्फूर्तीने विविध प्रकारची विकास कामे केली आहेत. त्याशिवाय यातून निमाण झालंली जनजागृती, गावातोल उत्साह, एकता इ. बार्बींचे मूल्य होऊ शकत नाही.

## पर्यावरण संवर्धन

१३.६९ राज्यातील महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळ हे जागतिक पर्यावरण संनियंत्रण यंत्रणा (जेम्स) व भारतीय राष्ट्रीय जलस्त्रोत संनियंत्रण (मिनार्स) प्रकल्पांखाली राज्यातील प्रमुख नद्यांच्या पाण्याच्या पर्यावरणीय दर्जांचे संनियंत्रण ४८ ठिकाणी नियमितपणे करते. २००६-०७ मध्ये ह्या ४८ ठिकाणांपैकी ३५ ठिकाणी पाण्याचा दर्जो खाल्यावल्याचे आढळले.
१३.६९.१ बृहन्मुंबई परिसरातील हवेच्या दर्जाबाबत बृहन्मुंबई महानगरपालिकेक्डून ६ ठिकाणी संनियंत्रण करण्यात येते. राज्यात ४० ठिकाणी राष्ट्रीय हवा संनियंत्रण कार्यक्रमाअंतर्गत महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळ व विविध शैक्षणिक संस्थांद्वारे हवेच्या गुणवत्तेचे संनियंत्रण करण्यात यंत आहे. यापेकी $\succ$ ठिकाणी महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळाकडून हवेच्या गुणवत्तेचे संनियंत्रण केले जाते व उर्वरित ३६ ठिकाणी ते शैक्षणिक व स्थानिक संस्थांकडून केले जाते.
१३.६९.२ सदर मंडळ राज्यातील सर्व प्रमुख आस्थापनांकडून जल व वायू प्रदूषणाबाबत विविध बार्बोंवर माहिती गोळा करते आणि त्यावर नियमितपणे संनियंत्रण करते. मंडळाने 'जल व वायू प्रदूषण अर्धिनयम' अंतगंत २००६-०७ मध्ये विविध उद्योगांना स्थापना किंवा विस्ताराबाबत १२,७०९ परवानग्या दिल्या. त्या अधिनियमातील तरतुदीनुसार मंडळ विशिष्ट उद्योगांकडून व स्थानिक स्वराज्य संस्थांकडून त्यांनी वापरलेल्या पाण्याबद्दल पाणीपट्टी वसूल करते. २००६-०७ मध्ये मंडळाने करापोटी ३० कोटी रुपये गोळा केले.
१३.६९.३ जैविक-वैद्यकीय नियम, १९९८ अंमलात आणीत असताना महाराष्ट्र शासनाने महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळाची अंमलबजावणी प्राधिकरण म्हणून नियुक्ती केली आहे. मंडळाने जैविक-वैद्यकीय कचरा निर्माण करणा-या इस्पितळ/वैद्यकीय संस्थांची सूची तयार करण्याच्या कामास आधीच सुरुवात केली आहे. मंडळाने ऑक्टोबर, २००७ अखेरेपर्यंत ८,७२० वैद्यकीय संस्थांना अधिकृत प्रमाणपत्रे दिली आहेत.

## राष्ट्रीय नदी कृती आराखडा

१३.७० केंद्र शासनाने राष्ट्रीय नदी कृतो आरखड्याअंतर्गत देशातील प्रमुख नद्यांच्या प्रदूषित क्षेत्राचे शुध्दीकरण करण्याचे ठराविले आहे. राष्ट्रीय नदी कृती आराखडा राज्यात १९९५ मध्ये कार्यान्वित करण्यात आला आहे. हा आराखडा एप्रिल, ९९९७ पयंत १०० टक्के केंद्र पुरस्कृत होता. दहाव्या पंचवार्षिक योजनेत भारत सरकारने त्यात बदल केला असून त्यानुसार खर्चाचा ७० टक्के हिस्सा केंद्र शासनाचा व ३० टक्के हिस्सा संबंधित महानगरपालिका/नगरपरिषदेचा राहणार आहे. या योजनेचा मुख्य उद्देश नागरी घरगुती सांडपाण्यामुळे होणा-या नदीच्या पाण्याच्या प्रदूषणाचे प्रमाण कमी करणे हा आहे. या योजनेअंतर्गत सांडपाणो प्रक्रिया केंद्र उभारणे, सांडपाणी अडविणे व वळविणे, नदीघाटाचा विकास करणे, कमी खर्चाची स्वच्छतागृहे बांधणे, शवदाहिन्यांचा विकास व वनीकरण यासारख्या उपयोजना हाती घेण्यात येतात. या योजनेअंतगंत सुरुवातीपासून नोक्केंबर, २००७ अखेरपर्यंत करण्यात आलेला संचयी खर्च तक्ता क्र. १३.२९ मध्ये दर्शविण्यात आला आहे.

तक्ता क. १३.२९
राष्ट्रीय नदी कृती आराखड्या अंतर्गत झालेला खर्च
(लाख रुपये)

| शहराचे नाव | संचयी खर्च |
| :---: | :---: |
| त्र्यंबकेश्वर | १,१४८ |
| नाशिक | ६,३३१ |
| नांदेड | १,२०७ |
| कराड | ३०९ |
| सांगली | १,८૪५ |

## राष्ट्रीय सरोवर संवर्धन योजना

१३.७१ राष्ट्रीय सरोवर संवर्धन योजना ही केंद्र पुरस्कृत योजना असून त्यात राज्याचा सहभाग ३० टक्के असतो. या योजनेचा उद्देश शहरी व निमशहरी भागातील पर्यावरणीयदृष्ट्या दर्जा खालावलेले तलाव पुर्ववत् करून त्यांचे संरक्षण व संवर्धन करणे हा आहे. या योजनेअंतगंत महाराष्ट्रातून १३ तलावांचे प्रकल्प हाती घेण्यात आले आहेत. त्यामध्ये मुंबईतील पवई तलाव, ठाणे शहरातील $\rho$ तलाव (रु. २.५१ कोटी), महालक्ष्मी तलाव-वडगाव (रु. १.८५ कोटी), रंकाळा तलाव-कोल्हापूर (रु. ८.६५ कोटी) आणि वारलादेवी तलाव-भिवंडी (रु. ४.६० कोटी) यांचा समावेश आहे. २००३ मध्ये पवई तलावाचे

काम पूर्ण झाले असून त्यासाठी रु.४.३२ कोटी इतका खर्च झाला. या योजनेअंतगंत मान्यता देण्यात आलेल्या सर्व प्रकल्पांचा एकूण अपेक्षित खर्च रु. २२.९३ कोटी आहे.

## राज्य सरोवर संवर्धन योजना

१३.७२ तलाव हे भूजलाची पातळी वाढविण्यासाठी, जैव वैविधता आणि स्थानिक सूक्ष्म हवामानाचा समतोल राखण्यासाठी, तसेच पिण्याचे पाणी, मासेमारी, मनोरंजन आणि पूर नियंत्रण यासाठी उपयोगी ठरतात. त्यांचे महत्व विचारात घेऊन राज्य शासन दर्जा खालावलेल्या तलावांच्या संवर्धनासाठो निधी उपलब्ध करून देते. या योजनेअंतर्गत यमाई तलावपंढरपूर (रु. २.१२ कोटी), हनुमान तलाव-काटोल (रु. २.१३ कोटी), शालेंट तलाव-माथेरान (रु. ३.६३ कोटी) आणि जयसिंगराव तलाव-कागल (रु. २.६१ कोटी) हे प्रकल्प मंजूर करण्यात आले असून त्यांच्यासाठी निधी देण्यात आला आहे. हे तलाव पूवरवत् करण्याची व त्यांचे संवर्धन करण्याची कामे प्रर्गतिपथावर आहेत.

## पर्यावरण माहिती प्रणाली (एन्दिस)

१३.७३ एन्न्हिस ही १०० टक्के केंद्र पुरस्कृत योजना असून या योजनेचा उद्देश पयांवरण विषयक माहितीचा महाजाल विर्कसित करणे हा आहे. या योजनेत मुख्यत्वे पयांवरणाशी निगडीत विविध क्षेत्रातील शास्त्रीय माहितीचे संकलन करून तो विविध मागांने जनसामान्यांपर्यंत पोहर्चविणे असा असून त्यामुले धोरणात्मक निण्णय घेणारे, शास्त्रज, विद्याथी व सामान्य जनता इत्यार्दीपर्यंत अचूक माहिती योग्य वेळतेत उपलब्ध होऊ शकेल. राज्याचे एन्वीस केंद्र मार्च, २००३ पासून

कार्योन्वित झाले असून या केंद्राने संपूर्ण पर्यावरणविषयक माहितीवर आधारित URL:http://envis.maharashtra.gov.in. हे संकेतस्थळ विक्कसित केले आहे. या संकेतस्थळावर पर्यावरणविषयक सद्य:स्थिती अहवाल, पर्यावरणविषयक मुलभूत माहितो, कायदे, योजना, पर्यावरणविषयक बातम्यांचा साठा, ई-ग्रंथालय, स्लाईंड शो, छायाचित्र दालन, चर्चा दालन, तक्रार निवारण प्रणाली, पर्यावरण शिक्षण, मुलांसाठी प्रश्नमंजुषा आणि विविध संदर्भित पुस्तके उपलब्ध करून देण्यात आली आहेत. या केंद्राद्वारे ‘ऋणानुबंध' नावाचे मराठी मासिक वा 'एन्वीस न्युज लेटर' हे बातमीपत्र नियमितपणं प्रसिध्द करण्यात येते

## राष्ट्रीय हरित सेना

१३.७४ 'राष्ट्रीय हरित सेना' हा एक महत्त्वाकांक्षी १०० टक्के केंद्र पुरस्कृत कार्यक्रम आहे. या योजनेचा उद्देश शालेय विद्याथ्यांना पर्यावरणाचे संवर्धन व संरक्षण याबाबतच्या विविध सहभागात्मक कार्यक्रमांद्वारे शिक्षण देऊन त्यांच्याद्वारे पयांवरणविषयक जगगृतीचा प्रसार करणे हा आहे. ही योजना २००२ पासून सुरू झाली असून महाराष्ट्रात प्रत्येक जिल्ह्यातून निवडलेल्या शाळांत २५० इको क्लब स्थापन करण्यात आले आहेत. प्रत्येक इको क्लबमध्ये 40 विद्यार्थ्यांना समाविष्ट करण्यात येते. आतापर्यंत राज्यात $८, ८ ૪ ૪$ इको क्लब स्थापन करण्यात आले असून त्यामध्ये ४,४२,५00 विद्यार्थी सहभागी आहेत. या इको क्लब्जच्या विद्यार्थ्यांकड्रन स्मृतिवन विकास, बोज भांडार, फटाक्यांचे दुष्परिणाम, ध्वनी व जल प्रदूषण इत्यादी सारखे विविध सहभागात्मक प्रकल्प राबविण्यात येतात. यासाठी प्रत्येक इको क्लबला केंद्र शासनाकडून दरवर्षी रु. २,५०० अनुदान देण्यात येते.

## विशेष अभ्यास

१४.१ प्राथमिक सांख्यिकीमधील आकडेवारीची कमतरता नमुना पाहण्यांद्वारे भरून काढण्याच्या उद्देशाने प्रा.पी.सी.महालनोबिस यांच्या शिफारशीनुसार भारत सरकारने राष्ट्रीय नमुना पाहणी संघटनेची १९५० मध्ये स्थापना केली. राष्ट्रीय नमुना पाहणी ही सातत्याने घेतली जाणारी दरवर्षीच्या क्रमागत फे-यांच्या स्वरूपातील मोठ्या प्रमाणावरोल देशव्यापी पाहणी प्रक्रिया आहे. १९५५ पासून महाराष्ट्र शासन या पाहण्यांमध्ये अनुरूप नमुना तत्त्वावर सहभागी होत आहे. आतापर्यंत विविध सामाजिक व आर्थिक बार्बीवर अशा ६३ पाहण्या घेण्यात आल्या असून चालू ६४ व्या पाहणीचे (जुलै, २००७-जून, २००८) क्षेत्रकाम प्रग्गतिपथावर आहे. या फेरीमध्ये ‘शिक्षणातील सहभाग व त्यावरील खर्च' आणि 'रोजगारबेरोजगार व स्थलांतराचा तपशील' यावर माहिती गोळा करण्यात येत आहे. जुलै ते डिसेंबर, २००७ या कालावधीत (पहिल्या दोन उपफे-या) राज्य नमुन्यात गोळा करण्यात आलेल्या आकडेवारीच्या शीघ्रतक्तोकरणावर आधारित काही महत्त्वाचे निष्कर्ष या प्रकरणात देप्यात आले आहेत. हे निष्कर्ष अस्थायी असून या फेरीच्या संपूर्ण आकडेबारीवर आधारित तपशीलवार तक्तीकरण उपलब्ध झाल्यानंतर त्यात बदल होण्याची शक्यता आहे.
१४.२ या पाहणी दरम्यान उपयोगात आणलेल्या काही संकल्पना व व्याख्या यांचा खाली थोडक्यात ऊहापोह करण्यात आला आहे.
१४.२.१ शैक्षणिक स्तरः निर्धारित विविध स्तरांपैकी व्यक्तीने संपादित केलेला उच्चतम शैक्षणिक स्तर म्हणजे शैक्षणिक स्तर होय.
१४.२.२ चालू शैक्षणिक उपस्थिती स्तरः एखादी व्यक्ती तिचे/ त्याचे सध्याचे शिक्षण ज्या स्तरात घेत आहे तो त्या व्यक्तीचा चालू शैक्षणिक उपस्थिती स्तर समजण्यात येतो.
१४.२.३ साक्षरः आकलनासह किमान एका भाषेत साधा संदेश लिहिता-वाचता येणा-या व्यक्तीला साक्षर असे संबोधले जाते.
१४.२.४ गळती व खंडः यापूर्वी कधीही पटावर नोंदणी असलेला विद्यार्थी सध्या शिक्षण घेत नसल्यास त्याचे कारण एकतर १) ज्या स्तराकरिता त्याने/तिने नाव नोंदविले होते तो स्तर पूर्ण केल्यानंतर शिक्षण थांबविले असावे किंवा २) विशिष्ट शैक्षणिक स्तर प्राप्त करण्यापूर्वौच त्याने/तिने शिक्षण सोडले असावे. स्पष्टपणे येथे पहिले उदाहरण हे शिक्षणातील खंडाचे तर नंतरचे उदाहरण गळतीचे आहे.
१४.२.५ नित्य राहण्याचे स्थान: एखाद्या ठिकाणी सहा महिने किवा त्यापेक्षा जास्त काळ सातत्याने व्यतीत केलेल्या ठिकाणास (गाव/ शहर) त्या व्यक्कीचे नित्य राहण्याचे स्थान समजण्यात आले आहे.
१४.२.६ स्थलांतरितः ज्याचे यापूर्वीचे नित्य राहण्याचे स्थान सध्याच्या प्रगणन स्थानापेक्षा भिन्र आहे अशा कुटुंबातील सदस्य व्यक्तीला स्थलांतरित असे समजण्यात आले आहे.
२४.२.७ बाह्यस्थलांतरित: ज्याने गतकाळात केव्हातरो गावाच्या/ शहराच्या बाहेर राहण्यासाठी कुटुंब सोडले आहे, अशा कुटुंबातील माजी सदस्य व्यक्तीस जर तो/ती पाहणीच्या दिवशी ह्यात असेल तर बाह्यस्थलांतरित असे समजण्यात आले आहे.
१४.२.८ बाह्यस्थलांतरितांकड्रून प्राप्ती: बाह्यस्थलांतरित माजी सदस्याने त्याच्या कुट्रुंबास रोख किंवा वस्तुस्वरूपात दिलेली सुपूद्दोग म्हणजे बाह्यस्थलांतरितांकडून झालेली प्राप्ती होय. या पाहणीच्या उद्देशाकरिता गतकाळ्ठत केव्हाही कुटुंब सोडून गेलेले माजी सदस्य विचारात घेण्यात आले असून त्यांच्याकडून मागील ३६५ दिवसांत देण्यात आलेल्या सुपूर्दगीस बाह्यस्थलांतरितांकडून झालेली प्राप्ती असे समजण्यात आले आहे. कर्जांच्या स्वरूपातील सुपूर्दगी हो प्राप्ती म्हणून विचारात घेण्यात आलेली नाही. वस्तुस्वरूपात कुटुंबास प्राप्त झालेल्या वस्तुंची बाजारभावाने किमत विचारात घेऊन प्राप्तीचे मोजमाप करण्यात आले आहे. पाठविलेला पैसा कोणत्याही विदेशी चलनाने प्राप्त झाला असल्यास त्यास विनिमय दर लावून भारतीय रुपयांत त्याची किंमत ठरविण्यात आली आहे.
१४.३ या पाहणीसाठी नमुना निवड बहुस्तरोय विभागणी निवड पद्धतीचा वापर करून करण्यात आली आहे. त्यानुसार, येथे दिलेले निष्कर्ष ग्रामीण भागातील २५२ गावांमधून आणि नागरी भागातील ३७६ नागरी पाहणी गटांमधून गोळा करण्यात आलेल्या आकडेवारीवर आधारित आहेत. 'शिक्षणातील सहभाग व त्यावरील खर्च' यावरील माहिती ग्रामीण भागातील १,९८० व नागरी भागातील २,१२६ कुटुंबांकंडून गोळा करण्यात आली आहे. रोजगार-बेरोजगार व स्थलांतराचा तपशील' यावरोल माहिती ग्रामीण भागातील २,४४२ आणि नागरी भागातील ३, ५८८ कुटुंबांकडून गोळा करण्यात आली आहे.

## शिक्षणातील सहभाग व त्यावरील खर्च

१४．४ सदर पाहणीतील निरीक्षणांवर आधारित，महाराष्ट्राकरिता सात वर्ष व त्यापेक्षा अधिक वय असलेल्या लोकसंख्येकरिता अंदाजित साक्षरता दर तक्ता क्र．१४．१ मध्ये देण्यात आला आहे．पाहणीदरम्यान व्यक्तीच्या शैक्षणक स्तराची खातरजमा करण्यात आली आहे．सात वर्ष व त्यापेक्षा अधिक वय असलेल्या लोकसंख्येचा शैक्षणिक स्तरावर आधारित सर्वसाधारण साक्षरता दर ७८．२ टक्के，ग्रामीण भागासाठी ७२．७ टक्के व नागरी भागासाठी ८७．७ टक्के इतका आहे．जनगणना， २००१ अनुसार हे दर अनुक्रमे ७६．९ टक्के，ज०．४ टक्के व ८५．५ टक्के इतके होंते

तक्ता क्र．१४．？
महाराष्ट्राकरिता अंदाजित साक्षरता दर
（जुले－डिसेंबर，२००७）

| भाग | व्यक्ती | पुरुष | स्त्रिया |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| राज्य | ७८．？ | く६．२ | ६९．३ |
|  | （७६．९） | （く६．0） | （६७．०） |
| ग्रामीण | ७२．७ | CR．4 | ६२．३ |
|  | （७०．૪） | （ç．9） | （4८．\％） |
| नागरी | c७．७ | ९३．० | く२．६ |
|  | （く4．4） | （99．0） | （७९．9） |

कंसांतील आकडे जनगणना，२००१ अनुसार
२४．५ शैक्षणिक स्तराप्रमाणे सात वर्ष व त्यापेक्षा अधिकं वय असलेल्या व्यक्तीची टक्केवारी तक्ता क्र．१४．२ मधे देण्यात आली आहे． ग्रामीण भागाच्या तुलनेत नागरी भागात उच्चशिक्षित लोकसंख्येचे（सात वर्ष व त्यापेक्षा अधिक）प्रमाण प्रामुख्याने जास्त आहे．

> तक्ता क्र.१४.२

शेक्षणिक स्तराप्रमाणे सात वर्षे व अधिक बयाच्या व्यक्तींची टक्केवारी

| शैक्षणिक स्तर | ग्रामीण | नागरी |
| :---: | :---: | :---: |
| निरक्षर | २८．३ | १२．३ |
| प्रार्थमिकपेक्षा कमी | ง．0 | 4．६ |
| प्रार्थमिक | १९．७ | १६．३ |
| पूर्व माध्यमिक | २४．६ | २५．२ |
| माध्यमिक | ११．२ | 34.4 |
| उच्च माध्यमिक | 4.6 | 90.0 |
| पदरिका／प्रमाणपत्र | 0.9 | १．9 |
| पदवी | २．？ | १०．$\%$ |
| पदव्युत्तर पदवी | 0.4 | २．८ |
| सर्व | 900.0 | १००．0 |

१४．६ प्राथमिक，पूर्व माध्यमिक व माध्यमिक वर्ग असलेल्या शाळेची कुटुंबाच्या निवासस्थानापासून वाजवी अंतरावर असलेली उपलब्धता अजमावण्यासाठी अशा प्रकारच्या शाळेच्या अंतराबाबत पाहणी दरम्यान विचारणा करण्यात आली होती．असे ठराविक वर्ग

असलेल्या शाळेच्या किमान अंतऱनुसार कुट्रुबांची टक्केवारी तक्ता क्र．१४．३ मध्ये दिलीं आहे．ग्रामीण भागतील ९८ टक्के आणि नागरी भागातील १२ टक्के कुटुंबांना प्रार्थमिक वर्ग असलेली शाळा १ किमी अंतराच्या सात्निध्यात होती．अंतराचा विचार करता पूर्व माध्यमिक व माध्यमिक वर्ग असलेल्या शाळेची सुविधा नागरी भागात ग्रामीण भागापेक्षा चांगली होती．ग्रामीण भागात सुमारे १५ टक्के व नागरी भागात २ टक्के कुटुंबांना माध्यमिक वर्ग असलेली शाळा अद्यापही त्यांच्या निवासस्थानपपासृन $५$ किमीपेक्षा जास्त अंतरावर उपलब्ध होतो．

तक्ता क्र．१४．३
शाळा सुविधेच्या अंतरानुसार कुटुंबांची टक्केवारी

| शाळा सुविधंच अंतर （किमी） | सुविधा उपलब्ध असलेली कुटुंब |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | प्रार्यमक | पूर्व माध्यमिक | माध्यमिक |
| अ्रामीण |  |  |  |
| $<$ Q | ९७．७ | ง३．0 | 43.4 |
| १－२ | २．？ | ९．६ | 80.0 |
| २－३ | －．२ | ८．६ | 90.0 |
| 3－4 | 0.0 | ६．२ | १२．9 |
| $>4$ | 0.0 | २．६ | १४．६ |
| सर्व | 900．0 | १00．0 | 900．0 |
| नागरी |  |  |  |
| $<$ १ | ९२．७ | co．e | co．l |
| १－२ | ७．3 | १३．${ }^{\text {¢ }}$ | १३． 9 |
| マ－३ | －．६． | ३．२ | ३．२ |
| 3－4 | $0 . ३$ | 0.6 | －．${ }^{\text {¢ }}$ |
| $>4$ | 0.2 | १．६ | १．\％ |
| सर्व | ¢00．0 | ¢00．0 | 900.0 |

१४．७ पाहणी दरम्यान ५－२९ वर्ष वयोगटातील व्यक्तींची शिक्षणातील सहभाग या विषयी विस्तृत माहिती गोळा करण्यात आली．६－१४ वर्ष， १५－१८ वर्षं आणि १९－२३ वर्ष या वयोगटांसाठी स्वतंत्रपणे विस्तृत निष्कषांचा ऊहापोह केला आहे．हे वयोगट ढोबळमानाने अनुक्रमे प्राथमिक，उच्च माध्यमिक व उच्च माध्यमिकोत्तर शैक्षणिक स्तरांशी संबंधित आहेत．चालू उपस्थितीनुसार ६－१४ वर्ष वयोगटातील मुलामुलींकरिता टक्केवारी तक्ता क्र．१४．૪ मध्ये दिली आहे．या मुलामुलींकरिता स्थूल उपस्थिती गुणोत्तर ग्रामीण भागात सुमार ९२ टक्के，तर नागरी भागात सुमारे ९४ टक्के असल्याचे दिसून यंते．ग्रामीण व नागरो या दोन्ही भागांत मुलीकरिता स्थूल उपस्थिती गुणोंत्तर मुलांपेक्षा कमी आहे，तथापि， हा फरक केवळ जवळपास २ टक्क आहे．६ ते १४ वर्षे वयोगटातील शाळाबाहय मुलांचे प्रमाण ग्रामीण भागात सुमारे $८$ टक्के，तर नागरी भागात सुमारे ६ टक्के आहे．या पाहणीमध्ये शाळेतील गळती व खंड याबाबत माहिती गोळा करण्यात आली आहे．जरी दोन्ही संकल्पना सारख्याच वापरात असल्या तरी समस्येचे गांभीर्य जाणून घंण्यासाठी हे निष्कर्ष स्वतंत्रपणे तयार केले आहेत．ग्रामीण भागातील $८$ टक्के शाळाबाह्य मुलांपैकी २० टक्के मुलांनी शालेय शिक्षण यशस्वीपणे पूर्ण केल्यानंतर खंडित केले होते，तर ३७ टक्के मुलांची खरोखर शाळेतून गळती झाली होती आणि उर्वरित ४३ टक्के मुले कधीही कोणत्याही शाळेत गेलेली नव्कती．नागरी भागातील ६ टक्के शाळाबाहय मुलांपैकी

तक्ता क्र.१४.૪
चालू उपस्थितीनुसार ६-१४ वर्षे वयोगटातील मुलामुलींकरिता टक्केवारी

| चालू उपस्थिती | ग्रार्मीण |  |  | नागरी |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | मुले | मुलो | एकृष | गुल | मुली | एकृण |
| कधीच शाळेत न गोलेली | ३.८ | ३. 0 | 3.4 | श.६ | 8.6 | ३.0 |
| यापूर्वी शाळेत गोलेली, परंतु सध्या न जाणारी | 3.4 | ६.२ | ૪.७ | २.0 | ३.८ | 2.9 |
| (खंडित) | (१.३) | (2.?) | (\%.७) | (0.६) | (१.४) | (\%.0) |
| (गळती) | (२.२) | (8.9) | (३.०) | (१.४) | (2.8) | (१.९) |
| सध्या शाळेत जाणारी | ¢P. 6 | po.l | ९१.C | ९६. $\%$ | 99.4 | $9 \% . \%$ |
| सर्व | P00.0 | Q00.0 | १00.0 | Q00.0 | 900.0 | 900.0 |

१७ टक्के मुलांनो शिक्षण खंडित केले होते व ३२ टक्के मुलांची शाळेतून गळतो झाली होती, तर ५१ टक्के मुले कधीही कोणत्याही शाळेत गेलेली नव्हती.
१४.८ चालू उपस्थितीनुसार २५-१८ वर्ष व २९-२३ वर्ष या वयोगटातील व्यक्तींची टक्केवारी तक्ता क्र.श४.५ मध्ये दिली आहे. १५-२८ वर्षं व १९-२३ वर्षं वयाच्या कधीच शाळेत न गेलेल्या व्यक्तींचे प्रमाण नागरी भागाच्या तुलनेत ग्रामीण भागात दुपटीपेक्षा जास्त होते. या वयोगटांकरिता गळतीचे प्रमाण नागरी भागाच्या तुलनेत ग्रामीण भागात लक्षणीयरित्या जास्त होते.
२४.९ चालू उपस्थिती स्तरानुसार ५-२९ वर्षे वयोगटातील व्यक्तीची टक्केवारी तक्रा क्र.श४.६ मध्ये दिली आहे. सध्या उच्च माध्यमिकोत्तर वगांमध्ये शिक्षण घेणा-या ५-२९ वर्ष वयोगटातील व्यक्तीचे प्रमाण, विशेषतः ग्रामीण भागात, फारच कमी असल्याचे आढख्बन आले आहे.
१४. $२ ०$ प्रत्येक चालू उपस्थिती स्तराकरिता संस्थेच्या प्रकारानुसार $५$-२९ वर्ष वयोगटातील व्यक्तीची टक्केवारी तक्ता क्र.२४.७ मध्ये दिली आहे. उच्च स्तरांच्या वर्गात खाजगी अनुदानित व विनाअनुदानित शाळांमध्ये शिक्षण घेणा-या व्यर्तरीचे प्रमाण लक्षणीयरित्या जास्त असल्याचे आढळून आले. प्राथमिक शिक्षणाच्या बाबतीत बहुतेक व्यक्ती एकतर शासकीय किंवा स्थानिक स्वराज्य संस्थांच्या संस्थांमध्ये शिक्षण घेत होत्य्या. नागरी भागात बहुतेक शैक्षणिक स्तरांमध्ये खाजगी संस्थांमध्ये शिक्षण घेणा-या व्यत्तांचे प्रमाण लक्षणीयरित्या जास्त होते.
१४.११ या पाहणीमध्ये घरापासून दूर राहृन शिक्षण घेणा-या $५$-२९ वर्ष वयोगटातील कुटुंबांवर अवलंबून असणा-या व्यक्तीववर चालू शैक्षणिक वांत होणा-या खर्चाबाबत माहिती गोळा करण्यात आली होती सर्व प्रकारचे शैक्षणिक स्तर विचारात घेता हा प्रति कुटुंब खर्च ग्रामीण भागातील कुटुंबांकरिता रुपये ९,७२२, तर नागरी भागातील कुटुंबांकरिता

तक्ता क्र.३४.६
चालू उपस्थिती स्तरानुसार ५-२९ वर्षे वयोगटातील व्यक्रीची टक्केवारी

| शैक्षणिक स्तर | ग्रामीण | नागरो |
| :---: | :---: | :---: |
| प्रार्थमिक | ૪ง | ३८ |
| पूर्व माध्यमिक | २६ | २४ |
| मार्यामक | १२ | १r |
| उच्च माध्यमिक | P | ¢0 |
| पदरविका/प्रमाणपत्र | $\gamma$ | 6 |
| पदवी | २ | 4 |
| पदव्युत्तर पदवी | नगण्य | ? |
| सवे | ¢00 | 900 |

रुपये ४२,१४૪ इतका असल्याचे दिसून आले. घरापासून दूर राहून शिक्षण घेणा-या व कुटुंबावर अवलंबून असणा-या प्रति सदस्याकरिता हो रक्कम ग्रामीण भागात रुपये ५,८७२, तर नागरी भागात रुपये २२,८९२ इतकी होती.

तक्ता क्र.१४.५
चालू उपस्थितीनुसार १५-१८ बर्षें व १९-२३ वर्षे वयोगटातील व्यक्तीची टक्केवारी

| चालू ऊपस्थिती | वयोगट १५-१८ वर्ष |  | वयोगट १९-२३ वर्ष |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | ग्रामीण | नागरी | ग्रामीण | नागरी |
| कधीच शाळंत न गेलेली | ६. $\rho$ | ३.० | १२.४ | 4.2 |
| यापूर्वी शाळेत गेलेली, परंतु सध्या न जाणारी | ३९.६ | ३४.६ | ७१.६ | ૬¢. ${ }^{\text {¢ }}$ |
| (खंडित) | (१७.६) | (३६.६) | (३६.८) | (४१.C) |
| (गळ्ळती) | (२२.०) | (?C.0) | (३४.く) | (२७.३) |
| सध्या श़्डेत जाणारी | ५३.4 | ६२.૪ | १६.० | २५.७ |
| सर्व | 900.0 | P00.0 | 900.0 | १00.0 |

तक्ता क्र.१४. 19
प्रत्येक चालू उपस्थिती स्तराकरिता संस्थेच्या प्रकारानुसार व्यक्तींची टक्केवारी

| संस्थेचा प्रकार | व्यर्क्तीची चालू उपस्थिती (५-२९ वर्ष वयागट) |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | प्रार्थामक | पूर्व माध्यमिक | माध्यममक | उच्च माध्य्यमक | उच्च मार्ध्यमकांत्तर |
| ग्रामीण |  |  |  |  |  |
| शासकीय व स्थानिक स्वराज्य संस्था | く३.9 | 47.0 | ३३. ৩ | १\%.? | २२.७ |
| खाजगी अनुदानित संस्था | 9\%.4 | 84.9 | ६२.८ | co.? | Go. 0 |
| खाजगी विनाअनुदानित संख्था | १.० | १.? | १.३ | २. $\gamma$ | ७.3 |
| प्रकार सांगितला नाही | $0 . \xi$ | १.० | २.२ | १.४ | 0.0 |
| सर्व | 900.0 | 200.0 | 900.0 | 900.0 | 900.0 |
| नागरी |  |  |  |  |  |
| शासकीय व स्थानिक स्वराज्य संस्था | ૪ง.९ | ३९.६ | २ง.० | १9. 19 | १७.० |
| खाजगी अनुदानित संस्था | ३८.し | 49.4 | ६४.? | ७२.३ | ६२.० |
| गाजगी विनाअनुदानित संस्था | १२.८ | C.F | C. 8 | $\bigcirc$-9 | 99.4 |
| प्रकार सांगितला नाही | 0.4 | -.३ | 0.4 | 0.9 | 9.4 |
| सर्व | 900.0 | १00.0 | 900.0 | 900.0 | 200.0 |

१४.१२ चालू शैक्षणिक स्तरानुसार ५-२९ वर्षे वयोगटातील, कुटुंबासमवेत राहणा-या विद्याथ्यांच्या वार्षिक सरासरी खर्चाची बाबननहाय टक्केवारो तक्ता क्र.श४.८ मध्ये दिली आहे. प्रार्थमिक शिक्षण घेणा-या विद्याथ्यांवर होणारा खर्च ग्रामीण भागात रुपये ६७६, तर नागरी भागात तो रुपये ३, ५३७ इतका होता.

## स्थलांतर

१४.२३ या पाहणी दरम्यान लोकांच्या स्थलांतराच्या तपशीलाविषयी माहहती गोळा करण्यात आली होती. स्थलांतराच्या तपशीलामध्ये

कुटुंबाच्या सदस्याचे अंतर्गत-स्थलांतर, बाहयस्थलांतर आणि संपूर्ण कुट्रुंबाचे स्थलांतर याचा समावेश आहे. पाहणोपूर्वीच्या ३६५ दिवसांमध्यं एखादे गणना केले जात असलेले कुटुंब गणनंच्या ठिकाणी स्थलांत्ररीत झालें असल्यास त्यास स्थलांतरित कुटुंब समजण्यात आले होते. अशा कुटुंबांचे ग्रामोण व नागरी या दोन्ही भागांत प्रमाण ३ टक्के होते. दोन-तृतीयांश स्थलांतरित कुटुंबांचे स्थलांतर रोजगारासंबंधित कारणास्तव झाले होते, त्याखालोखाल स्थलांतर शिक्षगासाठो झाल्याचे दिसते. स्थलांतराच्या कारणनुसार स्थलांतरित कुटुंबांची टक्केवारी तक्ता क्र.श४.९ मध्ये दिली आहे.

तक्ता क्र.१४.८
चालू शेक्षणिक स्तरानुसार ५-२९ वर्ष वयोगटातील कुटुंबासमवेत राहणा-या विद्यार्थ्यांच्या वार्षिक सरासरी खर्चाची बाबनिहाय टक्केवारी

| खर्चांची बाब | चालू शैक्षणिक स्तर |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | प्रार्थमिक | पूर्व मार्यमिक | माध्यमिक | उच्च माध्यमिक | उच्च माध्यमिकोंत्तर |
| ग्रामीण |  |  |  |  |  |
| शुल्क | 34.3 | शง.८ | १६. ${ }^{\text {¢ }}$ | २३.५ | ६५.७ |
| पुस्तके व लेखनसाहित्य | ३०.८ | ३६.१ | ३३.२ | २६.9 | १३.૪ |
| गणवेश | ३०.७ | २६.३ | १९.4 | ११.4 | २.६ |
| वाहतृक | C. 3 | ६.३ | ६.3 | ใ७.२ | ९.९ |
| खाजगी शिकवणी | 4.7 | ६.\% | १६.९ | १३.? | ३.9 |
| इतर खर्च | ९.७ | ง.¢ | C.? | ७.¢ | 8.4 |
| एकूण | १०0.0 | P00.0 | \{00.0 | १००.0 | \$00.0 |
| सरासरी खर्च (रु.) | ६७६ | १,१६८ | ९,९э૪ | ३, ०६७ | ¢,¢९\% |
| नागरी |  |  |  | , |  |
| शुल्क | ३८.३ | ३३.६ | २६.६ | ३२.९ | ६९.९ |
| पुस्तके व लेखनसाहित्य | १५.६. | १७.९ | ใ५. \% | १४.९ | २०.२ |
| गणवेश | ¢0.? | $\bigcirc .4$ | ६.C | २.9 | $\uparrow .9$ |
| वाहतृक | २२.८ | ૬.9 | ૬.9 | ९.० | E.C |
| खाजगी शिकवणी | १८.9 | २८.७ | ४२.० | ३६. ४ | 6.9 |
| इतर खर्च | ૪.३ | ३. $\downarrow$ | २.३ | ३.9 | ३.? |
| एकूण | १००.0 | १00.0 | १00.0 | P00.0 | P00.0 |
| सरासरी खर्च (रु.) | ३,५३७ | ३, ९०? | ५,६९६ | C,Cos | २१,८૪२ |

तक्ता क्र.१४.९
स्थलांतराच्या कारणानुसार स्थलांतरित कुटुंबांची टक्केवारी

| स्थलांतराचे कारण | ग्रामीण | नागरी |
| :---: | :---: | :---: |
| रोजगार | दर | ६३ |
| व्यवसाय | ३ | $\checkmark$ |
| शिक्षण | २० | २२ |
| धराची समस्या | $\gamma$ | $\bigcirc$ |
| सेवानिवृत्ती | ३ | 9 |
| इतर | c | $\bigcirc$ |
| सर्व | 900 | 900 |

१४.१४ स्थलांतरानंतरच्या कालावधीनुसार स्थलांतरित लोकसंख्येची टक्केवारी तक्ता क्र.श४.१० मध्ये दिली आहे. १० वर्षे व अधिक कालावधोपासून स्थलांतरित झालेल्या व्यक्तीचे प्रमाण बरेच जास्त असल्याचे आढळून आले.

तक्ता क्र. $\uparrow \gamma . \rho_{\circ}^{\circ}$
स्थलांतरानंतरच्या कालावधीनुसार स्थलांतरित लोकसंख्येची टक्केवारी

| स्थलांतरानंतरचा कालावधो (वर्षे) | ग्रामीण | नागरी |
| :---: | :---: | :---: |
| $\bigcirc$ | २.३ | १.६ |
| १-४ | १६. छ | १९.६ |
| ५-९ | १३.९ | ใง.? |
| १० आणि अधिक | ६७.२ | ६o.9 |
| सर्व | १00.0 | QQO.0 |
| स्थलांतरित लोकसंख्येचे प्रमाण (टक्केवारी) ३० |  | \$6 |

१४.१५ यापूर्वीच्या नित्य राहण्याच्या ठिकाणानुसार स्थलांतरित व्यक्तीची टक्केवारी तक्ता क्र.२४. $2 \%$ मध्ये दिली आहे. महाराष्ट्राच्या नागरी भागात इतर राज्यांतून येणा-या स्थलांतरित व्यक्तींचे प्रमाण ३२ टक्के असल्याचे दिसून येते. राज्याच्या ग्रामीण भागात अंतर्गत स्थलांतर प्रामुख्याने दिसून येते.

तक्ता क्र.१४.११
यापूर्वीच्या नित्य राहण्याच्या ठिकाणानुसार स्थलांतरित व्यक्तीची टक्केवारी

| यापूर्वाच नित्य राहण्याच ठिकाण | ग्रामीण | नागरी |
| :--- | :---: | :---: |
| जिल््यांतर्गत |  |  |
| ग्रामीण भागातून | ५९.० | १५.४ |
| नागरी भागातून | ७.८ | १०.५ |
| इतर जिल्ह्यातोल |  |  |
| ग्रामीण भागातून | २२.४ | २०.९ |
| नागरी भागातून | ७.३ | २०.८ |
| इतर राज्यातील |  |  |
| ग्रामोण भागातून | २.५ | २४.३ |
| नागरी भागातून | १.० | ८.१ |
| सर्व | १००.० | १००.० |

१४.१६ यापूर्वोचे नित्य राहण्याचे ठिकाण सोड़्याच्या कारणानुसार स्थलांतरित व्यक्तींचो टक्केवारी तक्ता क्र.२४.१२ मध्ये दिली आहे, 'विवाह' हे स्थलांतररामागचे महत्वाचे एक कारण असून त्याखालोखाल 'पालक/कमावत्या सदस्याचे स्थलांतर' हे कारण होते. ‘रोजगार' हे ग्रामीण भागापेक्षा नागरी भागात लक्षणोयरित्या महत्त्वाचे स्थलांतराचे कारण आहे.

## तक्ता क्र.१४.१२

स्थलांतराच्या कारणानुसार स्थलांतरित व्यक्तीची टक्केवारी

| स्थलांतराचे कारण | ग्रामीण | नागरी |
| :--- | :---: | :---: |
| रोजगार | ६.९ | २६.९ |
| व्यवसाय | $0 . ७$ | २.० |
| शिक्षण | २.४ | २.४ |
| विवाह | ७७.० | ३५.८ |
| पालक/कमावत्या व्यक्तीचे स्थलांतर | ९.२ | २६.० |
| इतर | ३.८ | ६.९ |
| सर्व | ९००.० | १००.० |

१४.१७ या पाहणीत, गतकाळात कधीतरी कुटुंब सोडून गेलेल्या कुटुंबातील माजी सदस्यांकडून पाठविलेल्या पैशांच्या प्राप्तीबाबत माहिती गोळा करण्यात आली होती. बाह्यस्थलांतरित सदस्य असलेल्या कुटुंबांचे प्रमाण ग्रामीण भागात ८ टक्के व नागरो भागात २ टक्के होते. अशा कुटुंबांना प्राप्त झालेल्या पाठविलेल्या पैशांची वार्षिक सरासरी रक्कम ग्रामीण भागात रुपये ११,८१७, तर नागरी भागात रुपये ३८,१४४ होती. प्राप्त पैशांच्या विविध वापरांबाबत प्रतिवेदन करणा-या कुटुंबांचे प्रमाण तक्ता क्र.२४.१३ मध्ये दिले आहे. बहुतेक कुटुंबांनी प्राप्त पैशांचा वापर घरगुती खर्चातील खाद्य बार्बांवर केल्याचे दिसून येते. तसेच आरोग्याची निगा राखण्यासाठी प्राप्त पैशांचा वापर केल्याचे प्रतिवेदन करणा-या कुटुंबांचे प्रमाण लक्षणीय होते.

तक्ता क्र.१४.१३
प्राप्त पैशांच्या विविध वापरांबाबत प्रतिवेदन करणा-या कुटुंबांचे प्रमाण
(टक्के)

| प्राप्त पैशांचा वापर | ग्रामीण | नागरी |
| :---: | :---: | :---: |
| घरगुतो वापरावर |  |  |
| खाद्य पदार्थ | 96 | $\checkmark 4$ |
| शिक्षण* | २० | ३५ |
| टिकाऊ वस्तू | १\% | २? |
| विवाह व इतर समारंभ | $२$ | $२$ |
| आरोग्य | ३ 6 | ३९ |
| घर सुधारणा | ૪ | 4 |
| कर्ज परतफेड | २ | १ |
| भांडवल | २ | २ |
| बचत | 0 | $\gamma$ |
| इतर | 4 | $\xi$ |

STATE INCOME
 AT CONSTANT (1999-2000) PRICES

राज्य व राष्ट्रीय उत्पन्नाचे वृध्दिदर GROWTH RATES OF STATE \& NATIONAL INCOME

स्थिर (१९९९-२०00) किंमतीनुसार / AT CONSTANT (1999-2000) PRICES


## राज्य उत्पन्न STATE INCOME


चालू किंमतीनुसार
AT CURRENT PRICES $\quad$ स्थिर $(\imath ९ ९ ९-२ ० 0 \%)$ किंमतीनुसार
AT CONSTANT (1999-2000) PRICES

## राज्य व राष्ट्रीय उत्पन्नाचे वृध्दिदर

## GROWTH RATES OF STATE \& NATIONAL INCOME

स्थिर (१९९९-२०००) किंमतीनुसार / AT CONSTANT (1999-2000) PRICES


## स्थूल राज्यांतर्गत उत्पाद : क्षेत्रवार विभागणी

## SECTORAL COMPOSITION OF GSDP


$2,47,830$ कोटी रुपये / Rs. CRORE 1999-2000

$5,09,356$ कोटी रुपये / Rs. CRORE 2006-2007
$\square$ द्वितीय SECONDARY $\square$ तृतीय SECONDARY TERTIARY

## स्थूल देशांतर्गत उत्पाद : क्षेत्रवार विभागणी SECTORAL COMPOSITION OF GDP


$17,86,525$ कोटी रुपये / Rs. CRORE 1999-2000

$37,90,063$ कोटी रुपये / Rs. CRORE 2006-2007

महाराष्ट्र राज्य MAHARASHTRA STATE

## दरडोई राज्य व राष्ट्रीय उत्पन्न

## PER CAPITA STATE AND NATIONAL INCOME

चालू किंमरींनुसार AT CURRENT PRICES


## महाराष्ट्र राज्य MAHARASHTRA STATE

## अन्नधान्य उत्पादन FOODGRAINS PRODUCTION

हजार टन / THOUSAND TONNES


महाराष्ट्र राज्य MAHARASHTRA STATE

## कृषि उत्पादनाचे निर्देशांक

## INDEX NUMBERS OF AGRICULTURAL PRODUCTION

पाया : त्रैवर्षीय सरासरी / BASE :TRIENNIAL AVERAGE 1979-82 $=100$


महाराष्ट्र राज्य MAHARASHTRA STATE

## कारखाने आणि कारखान्यांतील रोजगार

## FACTORIES AND FACTORY EMPLOYMENT

कारखान्यांची संख्या
NUMBER OF FACTORIES


कारखान्यांतील सरासरी दैनिक रोजगार
AVERAGE DAILY FACTORY EMPLOYMENT


## महाराष्ट्र राज्य MAHARASHTRA STATE <br> विजेची एकूण निर्मिती आणि वापर

## TOTAL ELECTRICITY GENERATION AND CONSUMIPTION



विजेचा वापर / ELECTRICITY CONSUMPTION


2,720 बरालक्ष किलोवेर तास / MILLION KWH


14,034 चगलक्ष किलोवॅट तास / MILLION KWHऔद्योगिक $\square$ कृषि AGRICULTURE $\square$ घरगुती DOMESTIC $\square$ वाणिज्यिक $\square$ रेल्वे COMMERCIAL RAILWAY INDUSTRIAL AGRICULTURE -

21.0\%

47,289 दरातधा किलोवॅट तास / MILLION KWH

15.7\%

62,085 शरलब किल्लोवॅट तास / MILLION KWH

## महाराष्ट्र राज्य MAHARASHTRA STATE

## सहकारी संस्थांची वाढ GROWTH OF CO-OPERATIVE SOCIETIES





# IN MAHARASHTRA \& REST OF INDIA 

महाराप्ट्र आणि उर्वरित भारतातील
एकूण साखर कारखान्यांची संख्या
Total no.of Sugar Factories
in Maharashtra \& Rest of India
महाराप्ट्र आणि उर्वरित भारतातील
सहकारी साखर कारखान्यांची संख्या
No. of Co-operative Sugar Factories
in Maharashtra \& Rest of India

## अखिल भारतीय घाऊक किंमतींचे निर्देशांक

## ALL INDIA WHOLESALE PRICE INDEX NUMBERS

 पायाभूत वर्ष / BASE YEAR 1993-94 = 100वार्षिक निर्देशांक / ANNUAL INDICES

## सर्व वस्तू / ALL COMMODITIES



प्राथमिक वस्तू / PRIMARY ARTICLES


इंयन, उर्जा, दिवाबत्ती व वंगण / FUEL, POWER, LIGHT AND LUBRICANTS



वस्तु निर्माण उत्पादने । MANUFACTURED PRODUCTS



जा. फे. मा. ए. मे जू. जु. ऑ. स. ऑ. नो. डि. $J \quad F M \quad A M \quad J \quad J \quad A \quad S \quad N \quad D$

* अस्थायी / PROVISIONAL

महाराष्ट्र राज्य MAHARASHTRA STATE औद्योगिक कामगारांकरिता ग्राहक किंमतींचे निर्देशांक CONSUMER PRICE INDEX NUMBERS FOR INDUSTRIAL WORKERS

वार्षिक निर्देशांक ANNUAL INDICES

सर्वसाधारण निर्देशांक GENERAL INDEX

CENTRAL CENTRES
मासिक निर्देशांक MONTHLY INDICES

BASE YEAR 1982 $=100$ मुंबई / MUMBAI BASE YEAR 2001 $=\mathbf{1 0 0}$











* नकु महिन्यांची सरासरी / AVERAGE FOR NINE MONTHS नाशिक केंद्राचे निर्देशांक ऑक्टोबर, १९८८ पासून प्रसारित करण्यात येत आहेत.
THE INDEX NUMBERS FOR NASHIK CENTRES ARE RELEASED FROM OCTOBER, 1988


# औद्योगिक कामगारांकरिता ग्राहक किंमतींचे नेर्देशांक 

## CONSUMER PRICE INDEX NUMBERS

## FOR INDUSTRIAL WORKERS <br> STATE CENTRES

वार्षिक निर्देशांक
ANNUAL INDICES
खाद्यपदार्थ गट सर्वसाधारण निद्देशांक FOOD GROUP $-\square$ GENERAL INDEX

## मासिक निर्देशांक MONTHLY INDICES

BASE YEAR 2001 $=100$

NANDED



कोल्हापूर / KOLHAPUR


अकोला/ AKOLA


डि. जा. फे. मा. ए, मे जू, जु. ऑ. स. ऑ. नो, डि.


* नऊ महिन्यांची सरासरी / AVERAGE FOR NINE MONTHS

कोल्हापूर आणि अकोला कैद्राचे निर्देश्शाक मे, १९८१ पासून प्रसारित करण्यात येत आहेत.
THE INDEX NUMBERS FOR KOLHAPUR AND AKOLA' CENTRE ARE RELEASED FROM MAY, 1989.

## महाराष्ट्रातील नागरी व ग्रामीण भागाकरिता ग्राहक किंमतींचे निर्देशांक <br> CONSUMER PRICE INDEX NUMBERS FOR URBAN AND RURAL MAHARASHTRA

पायाभूत वर्ष / BASE YEAR 2003=100 नागरी / URBAN [-] - ग्रामीण / RURAL

मासिक निर्देशांक / MONTHLY INDICES


जा. फे. मा. ए. मे जू. जु. ऑ. स. ऑ. नो. डि. $J \quad F \quad M \quad A \quad M \quad J \quad J \quad A \quad S \quad O \quad N \quad D$

2006 $\qquad$


जा. फे. मा. ए. मे जू. जु. ऑ. स. ऑ. नो. डि.
$\qquad$


जा. फे. मा. ए. मे जू. जु. ऑ. स. ऑ. नो. डि.



जा. फे. मा. ए. मे जू. जु. ऑ. स. ऑ. नो. डि.



लोकसंख्या / POPULATION


महाराष्ट्राच्या लोकसंख्येतील वयोगटनेहाब बदल AGE-SPECIFIC POPULATION TRANSITION

OF MAHARASHTRA


साक्षरतेचे प्रमाण / LITERACY RATE


काम करणान्या लोकसंख्येची (श ५-५९ वर्ष)) ४० वर्षातील बदलती रचना
CHANGING STRUCTURE OF WORKING POPULATION (15-59 YEARS) OVER 40 YEARS


दृष्टिक्षेपात महाराष्ट्र / MAHARASHTRA AT A GLANCE

| बाब <br> (1) | $1960-61$ (2) | 1970-71 <br> (3) | 1980-81 <br> (4) | 1990-91 <br> (5) | 2006-07* <br> (6) | Item (1) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| भौगोलिक क्षेत्र - (हजार चौ.कि.मी.) | 306 | 308 | 308 | 308 | 308 | Geographical Area- (Thousand Sq.Km.) |
| प्रशासकीप रचना - |  |  |  |  |  | Administrative Setup - |
| महसुली विभाग | 4 | 4 | 6 | 6 | 6 | Revenue Divisions |
| जिल्हे | 26 | 26 | 28 | 31 | 35 | Districts |
| तहसील | 229 | 235 | 301 | 303 | 353 | Tahsils |
| वस्ती असलेली गावे | 35,851 | 35,778 | 39,354 | 40,412 | 41,095 | Inhabited villages |
| वस्ती नसलेली गावे | 3,016 | 2,883 | 2,479 | 2,613 | 2,616 | Un-Inhabited villages |
| शहरे \# | 266 | 289 | 307 | 336 | 378 | Towns \# |
| जनगणनेनुसार लोकसंख्या - (हजारात) | (1961) | (1971) | (1981) | (1991) | (2001) | Population as per Census- (In thousand) |
| एकुण | 39,554 | 50,412 | 62,784 | 78,937 | 96,879 | Total |
| पुरुष | 20,429 | 26,116 | 32,415 | 40,826 | 50,401 | Males |
| स्त्रिया | 19,125 | 24,296 | 30,369 | 38,111 | 46,478 | Females |
| ग्रामीण | 28,391 | 34,701 | 40,791 | 48,395 | 55,778 | Rural |
| नागरी | 11,163 | 15,711 | 21,993 | 30,542 | 41,101 | Urban |
| अनुसूचित जाती | 2,227 | 3,177 | 4,480 | 8,758 | 9,882 | Scheduled Castes |
| अनुसूचित जमाती | 2,397 | 3,841 | 5,772 | 7,318 | 8,577 | Scheduled Tribes |
| लोकसंख्येची घनता (प्रति चौ.कि.मी.) | 129 | 164 | 204 | 257 | 315 | Density of population (per Sq. Km.) |
| साक्षरता प्रमाण (टक्के) | 35.1 | 45.8 | 57.1 | 64.9 | 76.9 | Literacy rate (Percentage) |
| स्त्री-पुरुष प्रमाण (स्त्रिया प्रति हजार पुरुष) | 936 | 930 | 937 | 934 | 922 | Sex ratio (Females per thousand males) |
| नागरी लोकसंख्येचे प्रमाण (टक्के) | 28.22 | 31.17 | 35.03 | 38.69 | 42.43 | Percentage of urban population |
| राज्य उत्पत्र - (चालू किमततीनुसार) (१९९९-२००० च्या मालिकेप्रमाणे) |  |  |  |  |  | State Income - (At current prices) (As per 1999-2000 series) |
| राज्य उत्पन्न (कोटी रुपये) | 2,074 | 5,149 | 17,500 | 62,190 | 4,37,035+ | State Income (Crore Rs.) |
| प्राथमिक क्षेत्र (कोटी रुपये) | 652 | 1,137 | 4,114 | 13,194 | 65,329+ | Primary Sector (Crore Rs.) |
| द्वितीय क्षेत्र (कोटी रुपये) | 474 | 1,486 | 5,319 | 19,620 | 1,12,978+ | Secondary Sector (Crore Rs.) |
| जृतीय क्षेत्र (कोटी रुपये) | 948 | 2,526 | 8,067 | 29,376 | 2,58,728+ | Tertiary Sector (Crore Rs.) |
| दरडोई राज्य उत्पष्र (रुपये) | 531 | 1,041 | 2,811 | 7,958 | 41,331+ | Per capita State income (Rs.) |
| कृषि - (क्षेत्र हजा़ हेक्टर्समध्ये) |  |  |  |  | (2005-06) | Agriculture - (Area in thousand hectares) |
| निव्बळ पेरणी क्षेत्र | 17,878 | 17,668 | 18,299 | 18,565 | 17,473 | Net area sown |
| पिकांखालील. स्थूल क्षेत्र | 18,823 | 18,737 | 19,642 | 21,859 | 22,556 | Gross cropped area |
| स्यूल सिंचित क्षेत्र | 1,220 | 1,570 | 2,415 | 3,319 | 3,810 | Gross irrigated area |
| स्थूल सिंचित क्षेत्राचे पिकांखालील एकूण स्थूल क्षेत्राशी प्रमाण (टक्के) | 6.5 | 8.4 | 12.3 | 15.2 | 16.9 | Percentage of gross irrigated area to gross cropped area |
| प्रमुख पिकांखालील क्षेत्र - <br> (हजार हेक्टर्समध्ये) |  |  |  |  |  | Area under principal crops(In thousand hectares) |
| तादूंब | 1,300 | 1,352 | 1,459 | 1,597 | 1,529 | Rice |
| गहू | 907 | 812 | 1,063 | 867 | 1,231 | Wheat |
| ज्वारी | 6,284 | 5,703 | 6,469 | 6,300 | 4,618 | Jowar |
| बाजरी | 1,635 | 2,039 | 1,534 | 1,940 | 1,452 | Bajra |
| सर्व तृणधान्ये | 10,606 | 10,320 | 19,976 | 11,136 | 9,621 | All cereals |
| सर्व कडधान्ये | 2,349 | 2,566 | 2,715 | 3,257 | 3,828 | All pulses |
| सर्व अम्रधान्ये | 12,955 | 12,886 | 13,691 | 14,393 | 13,449 | All foodgrains |

अस्थायी / Provisional + प्रारंभिक अंदाज / Preliminary estimates गणना शहरांसह / Including census towns.

दृष्टिक्षेपात महाराष्ट्र / MAHARASHTRA AT A GLANCE

| बाब <br> (1) | $1960-61$ <br> (2) | 1970-71 <br> (3) | $1980-81$ <br> (4) | $1990-91$ <br> (5) | 2006-07* <br> (6) | Item <br> (1) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| ऊस क्षेत्रऊस तोडणी क्षेत्रकापूसभुईमूग | 155 | 204 | 319 | 536 | N.A. | Sugarcane Area |
|  | 155 | 167 | 258 | 442 | 849 | Sugarcane Harvested area |
|  | 2,500 | 2,750 | 2,550 | 2,721 | 3,107 | Cotton |
|  | 1,083 | 904 | 665 | 864 | 448 | Groundnut |
| 7. प्रमुख पिकांचे उत्पादन (हजार टनात) | 1,369 |  | 2,315 | 2,344 |  | Production of principal crops- <br> (In thousand tonnes) |
| तादूंळ |  | $1,662$ |  |  | 2,569 | Rice |
| गहू | 401 | 440 | 886 | 909 | 1,869 | Wheat |
| ज्वारी | 4,224 | 1,557 | 4,409 | 5,929 | 3,772 | Jowar |
| बाजरो | 489 | 824 | 697 | 1,115 | 1,059 | Bajra |
| सर्व तणधान्ये | 6,755 | 4,737 | 8,647 | 10,740 | 10,577 | All cereals |
| सर्व कडधान्ये | 989 | 677 | 825 | 1,441 | 2,304 | All pulses |
| सर्व अन्नधान्ये | 7,744 | 5,414 | 9,472 | 12,181 | 12,882 | All foodgrains |
| ऊस | 10,404 | 14,433 | 23,706 | 38,154 | 66,277 | Sugarcane |
| कापूस (रुई) | 284 | 82 | 208 | 319 | 79 | Cotton (lint) |
| भुईमूग | 800 | 586 | 451 | 979 | 399 | Groundnut |
| 8. कृषि उत्पादनाचा निर्देशांक @ - | - | - | - | 136.5 | 178.7 | Index number of agricultural production @ - |
| 9. कृषि गणना - |  | (1970-71) | (1980-81) | (1990.91) | (2000-01) | Agricultural Census - <br> Number of operational holdings (In tho |
| वहित खातैदारांची संख्या (हजारात) |  | 4,951 | 6,863 | 9,470 | 12,100 |  |
| वहितीचे क्षेत्र (हजार हेक्टर्समध्ये) |  | 21,179 | 21,362 | 20,925 | 20,062 | Area of operational holdings (In thousand hectares) |
| वहितीचे सरासरी क्षेत्र (हेक्टर) |  | 4.28 | 3.11 | 2.21 | 1.66 | Average size of operational holdings ( H |
| 10. पशुधन गणना - | (1961) | (1966) | (1978) | (1987) | (2003) | Livestock Census - |
| एकूण पशुधन (हजारात) | 26,048 | 25,449 | 29,642 | 34,255 | 37,058 | Total livestock (In thousand) |
| एकूण कोंबड्या-बदके (हजारात) | 10,577 | 9,902 | 18,791 | 24,839 | 34,596 | Total poultry (In thousand) Tractors |
| ट्रंक्टर | 1,427 | 3,274 | 12,917 | 34,529 | 1,05,611 |  |
| 11. वन क्षेत्र (चौ.कि.मी.) | 63,544 | 62,311 | 64,222 | 63,798 | 61,939 | Forest Area (Sq.Km.) $\rceil$ |
| 12. कारखाने - @@ | (1960) | (1970) | (1980) | (1990) | (2006) | Factories - @@ |
| चालू कारगाने | 8,010 | 9,803 | 15,170 | 23,410 | 30,684 | Working Factories <br> Average daily employment (In thousan |
| देनिक सरासरी रोजगार (हजारात) | $\begin{array}{r} 746 \\ 1,886 \end{array}$ | $\begin{array}{r} 952 \\ 2,031 \end{array}$ | $\begin{aligned} & 1,177 \\ & 1,958 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 1,163 \\ & 1,483 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 1,281 \\ & 1,212 \end{aligned}$ |  |
| दर लाख लोकसंख्येमागे रोजगार |  |  |  |  |  | Employment per lakh of population |
| बीज- (दशलक्ष कि.वे.तास) |  |  |  |  |  | Electricity - (Million KWH) |
|  |  | 9,134 | 18,751 | 37,311 | 73,129 | Total generation |
|  |  |  | 7,650 | 14,034 | 29,971 | 62,085 | Total consumption |
|  |  | 5,312 | 8,130 | 14,706 | 26,535 | Industrial consumption |
|  |  | 356 | 1,723 | 6,604 | 9,749 | Agricultural consumption |
|  |  | 732 | 1,779 | 5,065 | 14,284 | Domestic Consumption |

[^7]दृष्टिक्षेपात महाराष्ट्र / MAHARASHTRA AT A GLANCE

| $\begin{aligned} & \text { बाब } \\ & \text { (1) } \end{aligned}$ | $\begin{gathered} 1960-61 \\ (2) \end{gathered}$ | $1970-71$ <br> (3) | $1980-81$ <br> (4) | $\begin{gathered} 1990-91 \\ (5) \end{gathered}$ | $2006-07 \text { * }$ <br> (6) | Item <br> (1) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| बैका (अनुसूचित वाणणज्यिक) |  | (June 1971) | (June 1981) | (June 1991) | (Sept.2007) | Banking - (Scheduled Commercial) |
| बँक कार्यालये | N.A. | 1,471 | 3,627 | 5,591 | 6,797 | Banking offices |
|  |  |  |  | (Mar.1991) | (Mar:2005) $\dagger \dagger$ |  |
| बँक कार्यालये असलेली गावे. | N.A. | 450 | 1,355 | 2,749 | 2082 | Villages having banking offices |
| शिक्षण - |  |  |  |  | (2007-08)@ | Education - |
| प्राथ्थमक शाळा | 34,594 | 44,535 | 51,045 | 57,744 | 69,330 | Primary schools |
| विद्यार्थी (हजारात) | 4,178 | 6,539 | 8,392 | 10,424 | 11,571 | Enrolment (In thousand) |
| माध्य्यमक शाळा (उच्च माध्यमिक सह) | 2,468 | 5,313 | 6,119 | 10,519 | 20,339 | Secondary schools (Incl. Higher Secondary) |
| विद्यार्थी (हजारात) | 858 | 1,985 | 3,309 | 6,260 | 11,236 | Enrolment (In thousand) |
| आरोग्य - |  | (1971) | (1981) | (1991) | (2006) | Health - |
| रुग्णालये | N.A. | 299 | 530 | 768 | 1,054 | Hospitals |
| दवाखाने | N.A. | 1,372 | 1,776 | 1,896 | 2,072 | Dispensaries |
| दर लाख लोकसंख्येमागे खाटा | N.A. | 88 | 114 | 144 | $\begin{array}{r} 90 \\ (2006) \end{array}$ | Beds per lakh of population |
| जन्मदर @ (**) | 34.7 | 32.2 | 28.5 | 26.2 | 18.5 | Birth rate @ (**) |
| मृत्युदर @ (**) | 13.8 | 12.3 | 9.6 | 8.2 | 6.7 | Death rate @ (**) |
| बाल मृत्युदर @ (+) | 86 | 105 | 79 | 60 | 35 | Infant mortality rate @ (+) |
| वाहतूक - |  |  |  |  |  | Transport - |
| रेल्चे मारांची लांबी (किलोमीटर) \# | 5,056 | 5,226 | 5,233 | 5,434 | 5,902 | Railway route length (Kilometer) \# |
| एकूण रस्यांची लांबी (किलोमीटर) $\dagger$ | 39,241 | 65,364 | 1,41,131 | 1,72,965 | 2,33,664 | Total road length (Kilometer) $\dagger$ |
| त्यापैकी पृष्ठांकित | 24,852. | 35,853 | 66,616 | 1,32,048 | 2,08,571 | Of which surfaced |
| मोटार वाहने (हजारात) | 100 | 312 | 805 | 2,641 | 12,171 | Motor vehicles (In thousand) |
| सहकार - |  |  |  |  |  | Co-operation - |
| प्राथमिक कृषि पतसंस्था | 21,400 | 20,420 | 18,577 | 19,565 | 21,238 | Primary agricultural credit societies |
| सभासद (हजारात) | 2,170 | 3,794 | 5,416 | 7,942 | 12,271 | Membership (In thousand) |
| सहकारी संस्थांची एकूण संख्या | 31,565 | 42,597 | 60,747 | 1,04,620 | 2,00,740 | Total No.of Co-op.societies |
| एकूण सभासद (हजारात) | 4,191 | 8,581 | 14,783 | 26,903 | 46,945 | Total membership (In thousand) |
| सहकारो संस्थाचे एकूण <br> डेकते भांडवल (कोटी रु.) | 291 | 1,490 | 5,210 | 24,283 | 2,09,823 | Total working capital of Co-op. societies (Rs.crore) |
| स्थानिक स्वराज्य संस्था - |  |  |  |  |  | Local bodies - |
| जिल्हा परिषदा | 25 | 25 | 25 | 29 | 33 | Zilla Parishads |
| ग्रामपंचायती | 21,636 | 22,300 | 24,281 | 25,827 | 27,916 | Gram Panchayats |
| पंचायत समित्या | 295 | 296 | 296 | 298 | 351 | Panchayat Samitis |
| नगर परिषदा | 219 | 221 | \% 220 | 228 | 222 | Municipal Councils |
| महानगरपालिका | 3 | $\because 4$ | $\cdots 5$ | 11 | 22 | Municipal Corporations |
| नगर पंचायत |  | Af |  |  | 3 | Nagar Panchayat |
| कटकमंडळे | 7 | 7 | 7 | 7 | 7 | Cantonment Boards |
| अस्थायी / Provisional अं अंदाजित / Estimatedनमुना नोंदणी पाहणीनुसार / As per Sample Registration Scheme |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
| प्रति हजार लोकसंख्येमागे / Per th सार्वजनिक बांधकाम विभाग व जिल्ह कोकण रेल्वे मार्माची लांबी धरून / आधार/Source - भारतातील अनुसूचित | परand pop cludes Kok बंकाचा बी | ulation देखभालीखाल n Railway एस.आर,अंक- | औल रस्ते / R ngth. ४૪. / B.S.R | Roads main of Schedu | (+) प्रति ह tained by P.W <br> led Comm B | जार जीवित जन्मामागे / Per thousand live births. D. and Z.P. <br> nk in india Volume - 34. |

## महाराष्ट्राची आणि भारताची तुलनात्मक माहिती MAHARASHTRA'S COMPARISON WITH INDIA

| बाब (1) | परिमाण (2) | महाराष्ट्र Maharashtra <br> (3) | भारत India <br> (4) | $\begin{gathered} \text { भारताशी } \\ \text { तुलना } \\ \text { (टक्केवारी) } \\ \text { Comparison } \\ \text { with India } \\ \text { (Percentage) } \\ (5) \end{gathered}$ | Unit <br> (2) | Item (1) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 1. लोकसंख्या (२००१)\# |  |  |  |  |  | Population (2001) \# |
| 1.1 एकुण लोकसंख्या | हजारात | 96,879 | 10,28,610 | 9.4 | In Thousand | Total population |
| (१) पुरुष | -". | 50,401 | 5,32,157 | 9.5 | -"- | (i) Males |
| (२) स्त्रिया | $\cdots$ | 46,478 | 4,96,453 | 9.4 | -"- | (ii) Females |
| 1.2 (अ) ग्रामीण लोकसंख्या | हजारात | 55,778 | 7,42,491 | 7.5 | In Thousand | (a) Rural population |
| (ब) ग्रामीण लोकसंख्येची एकूण लोकसंख्येशी टक्केवारी | टक्के | 57.57 | 72.18 | .. | Per cent | (b) Percentage of rural population to total population |
| 1.3 (अ) नागरी लोकसंख्या <br> (ब) नागरी लोकसंख्येची एकूण लोकसंख्येशी टक्केवारी | $\begin{aligned} & \text { हजारात } \\ & \text { टक्के } \end{aligned}$ | 41,101 42.43 | $\begin{array}{r} 2,86,120 \\ 27.82 \end{array}$ | 14.4 | In Thousand Per cent | (a) Urban population <br> (b) Percentage of urban population to total population |
| 1.4 स्र्री-पुरुष प्रमाण | दर हजार पुरुषांमागे स्त्रियांची संख्या | 922 | 933 | $\ldots$ | Females per thousand males | Sex Ratio |
| 1.5 लोकसंख्येतील शेकडा बाढ (२९९२-२००१) | टक्के | 22.73 | 21.54 | ... | Per cent | Percentage growth of population during 1991-2001 |
| 1.6 साक्षरता प्रमाण | टक्के | 76.88 | 64.84 | $\ldots$ | Per cent | Literacy rate |
| 1.7 अनुसूचित जाती व अनुसूचित जमात्तीची लोकसंख्या (२00१) | हजारात | 18,459 | 2,50,962 | 7.4 | In Thousand | population of scheduled castes and scheduled tribes (2001) |
| 1.8 एकुण काम करणारे (२००१) | हजारात | 41,173 | 4,02,235 | 10.2 | In Thousand | Total workers (2001) |
| 1.9 भौगोलिक क्षेत्र (२००१) | लाख चौ.कि.मी. | 3.08 | 32.87 | 9.4 | Lakh Sq. Km | Geographical area (2001) |
| 2. कृषि (२०0४-O५) * |  |  |  |  |  | Agriculture (2004-05) ${ }^{\text {\% }}$ |
| 2.1 निव्वळ पेरणी क्षेत्र | हजार हेक्टर | .17,490 | 1,41,139 | 12.1 | In Thousand hectares | Net area sown |
| 2.2 पिकांखालील स्थूल क्षेत्र | -"- | 22,368 | 1,90,422 | 11.8 | -" | Gross cropped area |
| 2.3 स्थूल सिंचित क्षेत्र | -"- | 3,665 | 79,997 | 4.5 | -"- | Gross irrigated area |
| 2.4 स्थूल सिंचित क्षेत्राची एकूण पिकां खालील स्थूल क्षेत्राशी टक्केवारी | टक्के | 16.4 | 42.0 | $\ldots$ | Per cent | Percentage of gross irrigated area to gross cropped area |
| 2.5 प्रमुख पिकांग्वालील क्षेत्र (२००३-०र ते २००५-०६ या वर्षांची सरासरी) |  |  |  |  |  | Area under principal crops (average for years2003-04 to 2005-06) |
| (?) तादूंब | हजार हेक्टर | 1,519 | 42,720 | 3.6 | In Thousand hectares | (i) Rice |
| (२) गह | -"- | 785 | 26,487 | 3.0 | $\cdots$ | (ii) Wheat |
| (३) ज्वारी | -" | 4,645 | 9,030 | 15.4 | $\cdots$ | (iii) Jowar |
| (४) बाजरी | -"- | 1,429 | 9,809 | 14.6 | -"- | (iv) Bajra |
| (५) एक़ण तृणधान्ये | -"- | 9,027 | 98,837 | 9.1 | -"- | (v) All cereals |
| (६) एकुण अन्रधान्ये (तृणधान्ये व कडधान्ये ) | $\cdots$ | 12,345 | 1,21,698 | 10.1 | -"- | (vi) All foodgrains (cereals and pulses) |
| (७) ऊस क्षेत्र | $\cdots$ | 423 | 3,934 | 10.7 | -"- | (vii) Sugarcane Area |
| तोडणी क्षेत्र |  | 327 | N.A. | N.A. |  | Harvested Area |
| (c) कापूस | -"- | 2,826 | 8,354 | 33.8 | -"- | (viii) Cotton |
| (9) भुईमूग | -" | 416 | 6,454 | 6.5 | -"- | (ix) Groundnut |

* अस्थायी /Provisional \# मणिपूर राज्यातील सेनापती जिल्ह्यांतील माओ-मारम, पाओमाटा आणि पुरुल हे उपविभाग वगखून
\# Excludes Mao-Maram, Paomata and Purul sub divisions of Senapati district of Manipur


## महाराष्ट्राची आणि भारताची तुलनात्मक माहिती—चालू MAHARASHTRA'S COMPARISON WITH INDIA--- contd.

\begin{tabular}{|c|c|c|c|c|c|c|}
\hline बाब
(1) \& परिमाण

(2) \& \begin{tabular}{l}
महाराष्ट्र Maharashtra <br>
(3)

 \& 

भारत <br>
India <br>
(4)

\end{tabular} \& \[

$$
\begin{gathered}
\text { भारताशी } \\
\text { तुलना } \\
\text { (टक्केवारी) } \\
\text { Comparison } \\
\text { with India } \\
\text { (Peroentage) } \\
(5)
\end{gathered}
$$

\] \& | Unit |
| :--- |
| (2) | \& | Item |
| :--- |
| (1) | <br>

\hline 3. पशुधन गणना (२००३) \& \& \& \& \& \& Livestock census (2003) <br>
\hline 3.1 एकूण पशुधन \& हजारात \& 37,058 \& 4,85,002* \& 7.6 \& In Thousand \& Total livestock <br>
\hline 3.2 द्वील्ड ट्रॅक्टर्स \& -"- \& 106 \& 2,361* \& 4.5 \& In Thousand \& Wheeld Tractors <br>
\hline 3.3 सिचनार्कारता वापरलेली डिझेल इंजने व इलेक्ट्रीक पंप \& -" \& 1,174 \& 15,684* \& 7.5 \& In Thousand \& Diesel engines \& Electric pumps for irrigation <br>
\hline 4. वने \& \& \& \& \& \& Forests <br>
\hline 4.1 एकूण वन क्षेत्र (२००३) : \& चौ. कि.मीटर \& 61,939 \& 7,74,740 \& 8.0 \& Sq.km. \& Total forest area (2003) * <br>
\hline 5. उद्योग \& \& \& \& \& \& Industry <br>
\hline 5.1 कारग्गाने- (२००५) \# (अ) चालू कारखाने \& संख्या \& \& \& 13.9 \& Number \& Factories- (2005) \# <br>
\hline (ब) दैनिक सरासरी रोजगार \& हजारात \& 1,162 \& 8,454 \& 13.7 \& In Thousand \& (b) Average daily <br>
\hline 6. वीज (Poor-o५) \& \& \& \& \& \& Electricity (2004-05) <br>
\hline 6.1 एकूण उत्पादन \& दशलक्ष कि.व̆.तास \& 68,507 \& 5,94,456 \& 11.5 \& Million kwh. \& Total generation <br>
\hline 6.2 एकूण वापर \& दशलक्ष कि.व̆.तास \& 55,684 \& 3,86,134 \& 14.4 \& Million kwh. \& Total consumption <br>
\hline 6.3 (अ) औद्योगिक वापर \& दशलक्ष कि.व̆.तास \& 22,515 \& 1,37,589 \& 16.4 \& Million kwh. \& (a) Industrial consumption <br>
\hline (ब) औद्योगिक वापराची एकूण वापराशी टक्के वारी \& टक्के \& 40.4 \& 35.6 \& $\ldots$ \& Per cent \& (b) Percentage of <br>
\hline 7. बैंका \& \& \& \& \& \& Banking <br>
\hline . 7.1 बंक कार्यालये (अनुसूचित वाणिज्यिक) (सप्टें.२००७) \& संख्या \& 6,797 \& 72,117 \& 9.4 \& Number \& Banking offices(Scheduled commercial) (Sept. 2007) <br>
\hline 7.2 बैक कार्यालये ( अनुसूचित वाणिज्यिक) असलेली शहरे व गावे (सप्टें.२००७) \& संख्या \& 2,460 \& 34,337 \& 7.2 \& Number \& Towns and Villages having banking offices (Scheduled commercial) (Sept. 2007) <br>
\hline 8. राज्य / राष्ट्रीय उत्पप्र (२००६-०७) \& \& \& \& \& \& State / National Income
(2006-07) <br>
\hline 8.1 चालू किममर्तीनुसार उत्पत्न \& कोटी रुपये \& 4,37,035 $\dagger$ \& 33,25,817** \& 13.1 \& Crore Rs. \& Income at current prices <br>
\hline 8.2 चालू किंमर्तीनुसार दरडोई उत्पन्न \& रुपये \& 41,331 $\dagger$ \& 29,642** \& $\ldots$ \& Rs. \& Per capita income at current prices <br>

\hline 8.3 घटक उत्पादन मूल्यानुसार स्थूल राज्यांतर्गत/देशांतर्गत उत्पाद \& कोटी रुपये \& 5,09,356† \& 37,90,063** \& 13.4 \& Crore Rs. \& | Gross State Domestic |
| :--- |
| Product (GSDP) / (GDP) |
| at factor cost | <br>

\hline 8.4 स्थूल दरडोई उत्पन्न \& रुपये \& 48,171 $\dagger$ \& 33,780** \& $\cdots$ \& Rs. \& Gross per capita income <br>
\hline
\end{tabular}

[^8]
## भारतातील राज्यांचे निवडक सामाजिक व आर्थिक निर्देशक／

| राज्य | भौगोलिक <br> क्षेत्र（लाख <br> चौ．कि．मी．） <br> Geo－ <br> graphical area <br> （lakh sq． km．） | लोकसंख्या <br> （लाखांत） <br> Popula－ <br> tion <br> （In lakh） | लोक－ <br> संख्येची <br> घनता <br> Density of popula－ tion | नागरी <br> लोक्संख्येची एकूण लोकसंख्येशी टक्केवारी <br> Percentage of urban population to total population | राज्टाच्या लोकसंख्योची <br> भारताच्या <br> लोकसंख्येशी <br> टक्केवारी <br> Percent－ age of of State popula－ tion to All－India population | लोकसंख्ये－ <br> तील दशवर्षीय चाढ （टक्के） <br> Decennial growth rate of population （per cent） | $\begin{array}{\|c} \text { स्त्री- } \\ \text { पुरुष } \\ \text { प्रमाण } \\ \text { Sex } \\ \text { ratio } \end{array}$ | अनुसूचित जातो आणिण अनुर्सूचित जमानी यांच्री एकृण लोकसंख्येशी टक्केवारी <br> Percent－ age of scheduled castes and scheduled tribes to total population | $\begin{aligned} & \text { मुख्युत: } \\ & \text { काम } \\ & \text { करणा-यांची } \\ & \text { एकूण } \\ & \text { लोकसंख्येशी } \\ & \text { टक्केवारी } \\ & \text { Percent- } \\ & \text { age of } \\ & \text { main } \\ & \text { workers } \\ & \text { to total } \\ & \text { popula- } \\ & \text { tion } \end{aligned}$ | कृषि <br> विषयक <br> काम करणा।－यांची एकूण काम करणा－यांशी टक्के $\frac{1 र ी}{}$ <br> Percent－ age of agricul－ tural workers to total workers |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| संदर्भ वर्ष किंवा | （2001） | （2001） | （2001） | （2001） | （2001） | （1991－01） | （2001） | （2001） | （2001） | （2001） |
| （1） | （2） | （3） | （4） | （5） | （6） | （7） | （8） | （9） | （10） | （11） |
| 1 आंध्र प्रदेश | 2.75 | 762.10 | 277 | 27.30 | 7.41 | 14.59 | 978 | 22.78 | 38.11 | 62.16 |
| 2 अरुणाचल प्रदेश | 0.84 | 10.98 | 13 | 20.75 | 0.11 | 27.00 | 893 | 64.79 | 37.80 | 61.74 |
| 3 आसाम | 0.78 | 266.56 | 340 | 12.90 | 2.59 | 18.92 | 935 | 19.26 | 26.69 | 52.36 |
| 4 बलहार | 0.94 | 829.99 | 881 | 10.46 | 8.07 | 28.62 | 919 | 16.64 | 25.37 | 77.25 |
| 5 झारखंड | 0.80 | 269.46 | 338 | 22.24 | 2.62 | 23.36 | 941 | 38.14 | 23.92 | 66.68 |
| 6 दिल्ली＊ | 0.01 | 138.50 | 9，340 | 93.18 | 1.35 | 47.02 | 821 | 16.92 | 31.17 | 1.17 |
| 7 गोला | 0.04 | 13.48 | 364 | 49.76 | 0.13 | 15.21 | 961 | 1.81 | 31.56 | 16.49 |
| 8 गुजरात | 1.96 | 506.71 | 258 | 37.36 | 4.93 | 22.66 | 920 | 21.85 | 33.60 | 51.58 |
| 9 हरियाणा | 0.44 | 211.45 | 478 | 28.92 | 2.06 | 28.43 | 861 | 19.35 | 29.52 | 51.29 |
| 10 हिमाचल प्रदेश | 0.56 | 60.78 | 109 | 9.80 | 0.59 | 17.54 | 968 | 28.74 | 32.31 | 68.47 |
| 11 जम्मू व काश्मीर | 2.22 | 101.44 | 100 | 24.81 | 0.99 | 31.42 | 892 | 18.50 | 25.72 | 48.96 |
| 12 कनांटक | 1.92 | 528.50 | 276 | 33.99 | 5.14 | 17.51 | 965 | 22.76 | 36.64 | 55.71 |
| 13 केरळ | 0.39 | 318.41 | 819 | 25.96 | 3.10 | 9.43 | 1，058 | 10.95 | 25.87 | 22.80 |
| 14 मध्य प्रदेश | 3.08 | 603.48 | 196 | 26.46 | 5.87 | 24.26 | 919 | 35.44 | 31.65 | 71.49 |
| 15 छत्तीसगड | 1.35 | 208.34 | 154 | 20.09 | 2.03 | 18.27 | 989 | 43.37 | 33.86 | 76.47 |
| 16 महाराष्ट्र | 3.08 | 968.79 | 315 | 42.43 | 9.42 | 22.73 | 922 | 19.05 | 35.87 | 54.96 |
| 17 र्माणपूर | 0.22 | 21.67 ＊ | 97 | 26.58 | 0.21 | 17.94 | 978 | 36.98 | 30.43 | 52.19 |
| 18 मेघालय | 0.22 | 23.19 | 103 | 19.58 | 0.23 | 30.65 | 972 | 86.42 | 32.65 | 65.84 |
| 19 मिझोराम | 0.21 | 8.89 | 42 | 49.63 | 0.09 | 28.82 | 935 | 94.49 | 40.79 | 60.60 |
| 20 नागालंड | 0.17 | 19.90 | 120 | 17.23 | 0.19 | 64.53 | 900 | 89.15 | 35.38 | 68.38 |
| 21 ओरिसा | 1.56 | 368.05 | 236 | 14.99 | 3.58 | 16.25 | 972 | 38.66 | 26.05 | 64.77 |
| 22 पंजाब | 0.50 | 243.59 | 484 | 33.92 | 2.37 | 20.10 | 876 | 28.85 | 32.17 | 38.95 |
| 23 राजस्थान | 3.42 | 565.07 | 165 | 23.39 | 5.49 | 28.41 | 921 | 29.72 | 30.86 | 65.91 |
| 24 सिक्कोम | 0.07 | 5.41 | 76 | 11.07 | 0.05 | 33.06 | 875 | 25.62 | 39.36 | 56.36 |
| 25 तापिकनाडू | 1.30 | 624.06 | 480 | 44.04 | 6.07 | 11.72 | 987 | 20.04 | 38.07 | 49.33 |
| 26 1习习习习र | 0.10 | 31.99 | 305 | 17.06 | 0.31 | 16.03 | 948 | 48.42 | 28.52 | 50.83 |
| 27 उत्तर प्रदेश | 2.41 | 1，661．98 | 690 | 20.78 | 16.16 | 25.85 | 898 | 21.21 | 23.67 | 65.89 |
| 28 उत्तरांचल | 0.53 | 84.89 | 159 | 25.67 | 0.83 | 20.39 | 962 | 20.89 | 27.36 | 58.38 |
| 29 पश्विम बंगाल | 0.89 | 801.76 | 903 | 27.97 | 7.79 | 17.77 | 934 | 28.51 | 28.72 | 44.15 |
| भारत＊ | 32.87 | 10，286．10 ${ }^{\text {\＃}}$ | 325 | 27.82 | 100.00 | 21.54 | 933 | 24.40 | 30.43 | 58.20 |

[^9]
## SELECTED SOCIO-ECONOMIC INDICATORS OF STATES IN INDIA

| काम <br> करणा-या <br> स्त्रियांचा <br> सह भाग <br> दर <br> Female <br> workers <br> particip- <br> ation <br> rate | मानव विकासाबाबततचे मूलभूत निर्देशक <br> Basic Indicators of Human Development |  |  |  |  |  |  |  |  | दर हजार लोकसंख्येमागे प्रार्थमिक व माध्यमिक शाळांमधील विद्यार्थांची संख्या <br> Number of students in primary and secondary schools per thousand population | State |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | साक्षरतेची टक्केवारी† $\dagger$ <br> Literacy percentage |  |  | जन्माच्यावेळचीआयुर्मयादा(वर्ष)Life expectancyat birth(years) |  | जन्म <br> दर <br> Birth <br> rate | $\left.\begin{array}{\|c\|} \text { मृत्यू } \\ \text { दर } \\ \text { Death } \\ \text { rate } \end{array} \right\rvert\,$ | $\begin{array}{\|c\|} \hline \text { बालमृत्यू } \\ \text { दर } \\ \text { Infant } \\ \text { morta- } \\ \text { lity } \\ \text { rate } \\ \text { @@ } \end{array}$ | चालू <br> किमर्तीनुसार दरडोई उत्पत्र (रुपये) <br> Per capita income at current prices (Rs.) (P) |  |  |
|  | पुरुष <br> Males | स्त्रिया <br> Females | एकूण <br> Total |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | पुरुष <br> Males | स्त्रिया Females |  |  |  |  |  |  |
| (2001) | (2001) | (2001) | (2001) | $\begin{gathered} (2006- \\ 10) \end{gathered}$ | $\begin{gathered} (2006- \\ 10) \end{gathered}$ | (2006) | (2006) | (2006) | (2005-06) | (30.9.2004) | Reference year or date |
| (12) | (13) | (14) | (15) | (16) | (17) | (18) | (19) | (20) | (21) | (22) | (1) |
| 35.11 | 70.32 | 50.43 | 60.47 | 65.4 | 69.4 | 18.9 | 7.3 | 56 | 26,211 | 166 | Andhra Pradesh |
| 36.54 | 63.83 | 43.53 | 54.34 | N.A. | N.A. | 22.5 | 5.0 | 40 | 23,788 | 237 | Arunachal Pradesh |
| 20.71 | 71.28 | 54.61 | 63.25 | 61.6 | 62.8 | 24.6 | 8.7 | 67 | 18,598 | 195 | Assam |
| 18.84 | 59.68 | 33.12 | 47.00 | 67.1 | 66.7 | 29.9 | 7.7 | 60 | 7,875 | 149 | Bihar |
| 26.41 | 67.30 | 38.87 | 53.56 | 66.0 | 64.0 | 26.2 | 7.5 | 49 | N.A. | 165 | Jharkhand |
| 9.37 | 87.33 | 74.71 | 81.67 | 71.4 | 74.8 | 18.4 | 4.7 | 37 | 61,676 | 175 | Delhi * |
| 22.36 | 88.42 | 75.37 | 82.01 | N.A. | N.A. | 15.1 | 7.4 | 15 | 70,112 | 148 | Goa |
| 27.91 | 79.66 | 57.80 | 69.14 | 67.2 | 71.0 | 23.5 | 7.3 | 53 | 34,157 | 191 | Gujarat |
| 27.22 | 78.49 | 55.73 | 67.91 | 67.9 | 69.8 | 23.9 | 6.5 | 57 | 38,832 | 169 | Haryana |
| 43.67 | 85.35 | 67.42 | 76.48 | 69.8 | 73.3 | 18.8 | 6.8 | 50 | 33,805 | 227 | Himachal Pradesh |
| 22.45 | 66.60 | 43.00 | 55.52 | 65.0 | 67.0 | 18.7 | 5.9 | 52 | N.A. | 148 | Jammu \& Kashmir |
| 31.98 | 76.10 | 56.87 | 66.64 | 66.5 | 71.1 | 20.1 | 7.1 | 48 | 27,101 | 185 | Karnataka |
| 15.38 | 94.24 | 87.72 | 90.86 | 72.0 | 76.8 | 14.9 | 6.7 | 15 | 30,668 | 158 | Kerala |
| 33.21 | 76.06 | 50.29 | 63.74 | 62.5 | 63.3 | 29.1 | 8.9 | 74 | 15,853 | 238 | Madhya Pradesh |
| 40.04 | 77.38 | 51.85 | 64.66 | 61.0 | 64.0 | 26.9 | 8.1 | 61 | 20,151 | 226 | Chhatisgarh |
| 30.81 | 85.97 | 67.03 | 76.88 | 67.9 | 71.3 | 18.5 | 6.7 | 35 | 36,090 | 200 | Maharashtra |
| 39.02 | 80.33 | 60.53 | 70.53 | N.A. | N.A. | 13.4 | 4.5 | 11 | 20,326 | 222 | Manipur |
| 35.15 | 65.43 | 59.61 | 62.56 | N.A. | N.A. | 24.7 | 8.0 | 53 | 23,420 | 269 | Meghalaya |
| 47.54 | 90.72 | 86.75 | 88.80 | N.A. | N.A. | 17.8 | 5.5 | 25 | 23,900 | 215 | Mizoram |
| 38.06 | 71.16 | 61.46 | 66.59 | N.A. | N.A. | 17.3 | 4.8 | 20 | N.A. | 162 | Nagaland |
| 24.66 | 75.35 | 50.51 | 63.08 | 62.3 | 64.8 | 21.9 | 9.3 | is: | 17,299 | 206 | Orissa |
| 19.05 | 75.23 | 63.36 | 69.65 | 68.7 | 71.6 | 17.8 | 6.8 | 44 | 34,929 | 137 | Punjab |
| 33.49 | 75.70 | 43.85 | 60.41 | 66.1 | 69.2 | 28.3 | 6.9 | 67 | 17,863 | 225 | Rajasthan |
| 38.57 | 76.04 | 60.40 | 68.81 | N.A. | N.A. | 19.2 | 5.6 | 33 | 26,412 | 220 | Sikkim |
| 31.54 | 82.42 | 64.43 | 73.45 | 67.6 | 70.6 | 16.2 | 7.5 | 37 | 29,958 | 186 | Tamil Nadu |
| 21.08 | 81.02 | 64.91 | 73.19 | N.A. | N.A. | 16.6 | 6.3 | 36 | 24,706 | 220 | Tripura |
| 16.54 | 68.82 | 42.22 | 56.27 | 64.0 | 64.4 | 30.1 | 8.6 | 71 | 13,262 | 200 | Uttar Pradesh |
| 27.33 | 83.28 | 59.63 | 71.62 | 64.0 | 68.0 | 21.0 | 6.7 | 43 | 26,118 | 229 | Uttaranchal |
| 18.32 | 77.02 | 59.61 | 68.64 | 68.2 | 70.9 | 18.4 | 6.2 | 38 | 25,156 | 178 | West Bengal |
| 25.63 | 75.26 | 53.67 | 64.84 | 65.8 | 68.1 | 23.5 | 7.5 | 57 | 25,956 | 189 | India* |

[^10]भारतातील राज्यांचे निवडक सामाजिक व आर्शिक निर्दे शक।

| राज्य | दर हेक्टरी उत्पादन (किलोग्रूममध्ये) <br> Yield per hectare (in kg.) (P) |  |  |  |  | दरडोई अम्नधान्य उत्पादन (कि.ग्रॅ) <br> Foodgrain production per capita (Kg.) | पिकांखालील <br> दर हेक्टर <br> क्षेत्रामागे <br> बतांचा वापर <br> (कि.ग्र̆) <br> Consum- <br> ption of <br> fertilizers <br> per <br> hectare <br> of <br> cropped <br> area <br> (Kg.) | एकूण <br> सिचीत <br> क्षेत्राची पिकांखालील एकूण क्षेत्राशी टक्केवारी <br> Percent- <br> age <br> of gross <br> irrigated <br> area to <br> gross <br> cropped area | दर शेतक-यामागे निव्बळ पेरणी क्षेत्र (हेक्टर) Net area sown per cultivator (Hectare) | दर लाख लोकसंख्येमागे कारखान्यातील सरासरी देनिक रोजगार (संख्या) <br> Average daily <br> factory employment per lakh of population (No.) (P) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | एकुण <br> तृणधान्ये <br> Total <br> cereals | $\begin{array}{\|c\|} \hline \text { एकुण } \\ \text { कडधान्य } \\ \text { Total } \\ \text { pulses } \end{array}$ | एकुण अम्नधान्ये <br> Total food grains | $\begin{gathered} \text { कापूस } \\ \text { (रुई) } \\ \text { Cotton } \\ \text { (lint) } \end{gathered}$ | $\begin{gathered} \text { ऊस } \\ \text { Sugar- } \end{gathered}$ cane |  |  |  |  |  |
| संदर्भ वर्षं किंवा दिनांक |  | $\begin{aligned} & \text { क सरासरी } \\ & \text { ( } 200 \end{aligned}$ | -Trienni 03-04 to | l avera |  | (2004-05) | (2004-05) | (2004-05) | (2004-05) | (2001) |
| (1) | (23) | (24) | (25) | (26) | (27) | (28) | (29) | (30) | (31) | (32) |
| 1 आंध प्रदेश | 2,792 | 630 | 2,176 | 345 | 74,676 | 166.0 | 158.79 | 39.8 | 1.3 | 948 |
| 2 अरुणाचल प्रदेश | 1,230 | 1,048 | 1,221 | N.A. | 15,333 | 194.2 | 2.89 | 17.1 | 0.6 | N. A. |
| 3 आसाम | 1,469 | 552 | 1,432 | 170 | 38,000 | 126.2 | 43.96 | 4.3 | 0.7 | 370 |
| 4 बिहार | 1,440 | 759 | 1,374 | N.A. | 41,217 | 262.9 | 93.78 | 53.8 | 0.7 | N. A. |
| 5 झारखंड | 1,386 | 554 | 1,269 | N.A. | 35,000 | 144.2 | 59.71 | 10.3 | 0.5 | N. A. |
| 6 दिल्ली * | 3,027 | 2,000 | 3,044 | N.A. | N.A. | 6.4 | 12.44 | 75.6 | 0.7 | (R)1,706 |
| 7 गोवा | 2,931 | 968 | 2,616 | N.A. | 58,333 | 104.6 | 34.08 | 23.7 | 2.7 | 2,584 |
| 8 गुजरात | 1,737 | 710 | 1,534 | 484 | 73,367 | 95.6 | 103.48 | 37.1 | 1.7 | (R)1,739 |
| 9 हरियाणा | 3,179 | 710 | 3,068 | 489 | 61,199 | 562.3 | 163.43 | 84.6 | 1.2 | N. A. |
| 10 हिमाचल प्रदेश | 1,845 | 528 | 1,797 | N.A. | 15,222 | 249.7 | 47.00 | 18.7 | 0.3 | (R)1,447 |
| 11 जम्मू व काश्मीर | 1,729 | 488 | 1,690 | N.A. | N.A. | 137.0 | 68.27 | 41.1 | 0.5 | N. A. |
| 12 कर्नाटक | 1,755 | 390 | 1,386 | 205 | 75,872 | 186.6 | 100.98 | 26.0 | 1.5 | (R)1,859 |
| 13 केरळ | 2,170 | 833 | 2,141 | 246 | 1,06,500 | 20.2 | 67.27 | 15.2 | 3.0 | N. A. |
| 14 मध्य प्रदेश | 1,373 | 758 | 1,171 | 194 | 42,414 | 212.5 | 52.78 | 30.7 | 1.4 | 674 |
| 15 छत्तोसगड | 1,245 | 494 | 1,108 | 170 | 2,647 | 222.3 | 63.38 | 23.0 | 1.1 | N.A. |
| 16 महारष्ट्र | 1,008 | 549 | 882 | 184 | 67,032 | 100.6 | 77.75 | 17.4 | 1.5 | 1,285 |
| 17 मगिगूर | 2,413 | 478 | 2,333 | N.A. | 67,000 | 194.1 | 85.71 | 22.7 | 0.6 | N.A. |
| 18 मेघालय़ | 1,650 | 923 | 1,621 | 194 | N.A. | 91.1 | 18.60 | 27.9 | 0.5 | N.A. |
| 19 मिझोराम | 1,885 | 1,125 | 1,833 | 340 | 15,000 | 132.1 | 14.79 | 19.8 | 0.4 | N.A. |
| 20 नागालंड | 1,663 | 925 | 1,584 | 68 | 48,200 | 190.7 | 1.58 | 27.4 | 0.6 | N.A. |
| 21 ओरिसा | 1,474 | 396 | 1,326 | 418 | 60,674 | 177.2 | 40.75 | 30.9 | 1.4 | 369 |
| 22 पंजाब | 4,005 | 802 | 3,985 | 667 | 56,826 | 985.1 | 193.66 | 96.6 | 2.1 | 1,902 |
| 23 राजस्थान | 1,343 | 415 | 1,081 | 319 | 53,450 | 195.1 | 36.15 | 33.7 | 1.3 | 663 |
| 24 सिक्कीम | 1,427 | 952 | 1,382 | N.A. | N.A. | 180.6 | 5.04 | 8.1 | 0.9 | N.A. |
| 25 तारामळनाडू | 2,058 | 376 | 1,763 | 245 | 1,00,340 | 94.8 | 161.66 | 52.4 | 1.0 | N.A. |
| 26 त्रिपुरा | 2,219 | 654 | 2,164 | 340 | 50,667 | 163.2 | 39.76 | 30.8 | 0.9 | 970 |
| 27 उत्तर प्रदेश | 2,270 | 849 | 2,072 | 183 | 58,124 | 206.4 | 134.56 | 72.6 | 0.8 | N.A. |
| 28 उत्तरांचल | 1,690 | 628 | 1,639 | N.A. | 60,196 | 191.0 | 88.34 | 42.6 | 0.5 | N.A. |
| 29 पश्चिम बंगाल | 2,502 | 790 | 2,441 | 408 | 72,000 | 188.4 | 134.18 | 58.3 | 1.0 | N.A. |
| भारत * | 1,948 | 603 | 1,698 | 330 | 63,745 | 178.7 | 96.20 | 41.9 | 1.1 | 1,119 |

[^11]
## SELECTED SOCIO-ECONOMIC INDICATORS OF STATES IN INDIA--contd.

| उद्योगातील दरडोई स्थूल उत्पादन (रुपये) per capita gross output in industries (Rs.) \# | उद्योगातील दरडोई मूल्यवृद्धी (रुपये) <br> Per capita value added in industries (Rs.) \# | विजेचादरडोईघरगुतीवापर(कि.वॅ.ता.)Domesticconsum-ption ofelectri-city percapita(kwh.)(P) | विजेचादरडोईऔद्योगिकवापर(कि.वॅ.ता.)Indus-trialconsum-ptionofelectri-city percapita(kwh.)(P) @ | दर लाख लोकसंख्येमागे मोटार वाहने (संख्या) Motor vehicles per lakh of population (No.) (P) | दर शंभरघौरस किलोमीटरक्षेत्रामागेएकूणरस्त्यांचीलांबोTotalroadlengthperhundredsq. km.of area(Km.)** | दर लाख लोकसंग्व्येमागे रास्त भावाच्या/ शिधावाटप दुकानांची संख्या <br> Number of <br> fair price/ ration shops per lakh of population | अनुसूचित वाणिज्यिक बँका Scheduled commercial banks |  |  | State |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |  |  |  |  | दर लाख लोकसंख्येमागे बैक कायालयांची संख्या | दरडोई <br> ठेवी <br> (रुपये) <br> Deposits <br> per | $\begin{aligned} & \text { दरडोई } \\ & \text { दिलेले } \\ & \text { कर्ज } \\ & \text { (रुपये) } \\ & \text { Bank } \end{aligned}$ |  |
|  |  |  |  |  |  |  | Number of banking offices per lakh of popul- ation (No.) | capita (Rs.) | credit per capita (Rs.) |  |
| (2004-05) | (2004-05) | $(2004-05)$ | (2004-05) | (31-3-04) | (31-3-02) | (2001) | $\begin{aligned} & (31-3- \\ & 2006) \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & (31-3- \\ & 2006) \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & (31-3- \\ & 2006) \end{aligned}$ | Reference year or date |
| (33) | (34) | (35) | (36) | (37) | (38) | (39) | (40) | (41) | (42) | (1) |
| 12,945 | 2015 | 99.61 | 146.74 | 7,277 | 71 | 53 | 6.9 | 17,393 | 15,230 | Andhra Pradesh |
| N. A. | N. A. | 56.52 | 3.91 | 1,842† | , 22 | 94 | 6.1 | 15,300 | 4,101 | Arunachal Pradesh |
| 7,783 | 1,313 | 25.49 | 20.86 | 2,588 | 115 | 123 | 4.3 | 8,856 | 3,835 | Assam |
| 1,378 | 103 | 13.64 | 9.24 | 854 | 81 | 57 | 3.9 | 6,164 | 1,858 | Bihar |
| 13,160 | 5,875 | 29.43 | 223.76 | 4,295 | 14 | 31 | 5.1 | 12,489 | 4,240 | Jharkhand |
| 11,377 | 1,579 | 407.01 | 125.91 | 27,943 | 2,579 | 22 | 10.8 | 2,03,521 | 1,44,294 | Delhi * |
| 1,04,561 | 20,142 | 206.56 | 693.12 | 29,966 | 242 | 37 | 23.5 | 1,14,404 | 30,065 | Goa |
| 48,468 | 6,695 | 101.25 | 295.65 | 13,308 | 70 | 29 | 6.7 | 20,962 | 13,523 | Gujarat |
| 33,634 | 5,195 | 126.25 | 154.57 | 11,415 | 64 | 39 | 7.6 | 25,514 | 14,698 | Haryana |
| 14,488 | 3,451 | 127.93 | 235.68 | 4,589 | 53 | 58 | 13 | 26,026 | 10,805 | Himachal Pradesh |
| 3,564 | 518 | 137.19 | 69.38 | 4,004 | 11 | 29 | 7.8 | 19,759 | 9,339 | Jammu \& Kashmir |
| 19,715 | 3,719 | 89.18 | 117.2 | 7,248 | 79 | 39 | 9.1 | 30,177 | 23,380 | Karnataka |
| 10,921 | 1,229 | 129.79 | 90.98 | 8,489 | 387 | 44 | 10.9 | 28,394 | 18,063 | Kerala |
| 7,227 | 854 | 58.97 | 72.51 | 5,913 | 52 | 31 | 5.2 | 9,679 | 6,020 | Madhya Pradesh |
| 12,487 | 3,910 | 62.25 | 193.77 | 5,516 | 26 | 31 | 4.6 | 10,638 | 5,639 | Chhatisgarh |
| 34,990 | 5,003 | 124.70 | 217.5 | 8,847 | 87. | 52 | 6.3 | 62,113 | 60,859 | Maharashtra |
| 139 | 23 | 45.01 | 3.19 | 4,238 | 52 | 76 | 3.4 | 6,159 | 3,293 | Manipur |
| 2,340 | 379 | 70.61 | 201.98 | 3,025^ | 43 | 155 | 7.5 | 15,496 | 5,552 | Meghalaya |
| N.A. | N.A. | 90.13 | 2.05 | 4,506 | 24 | 104 | 8.8 | 12,596 | 6,778 | Mizoram |
| 522 | 95 | 57.15 | 1.74 | 8,226 | 124 | 21 | 3.6 | 10,470 | 3,027 | Nagaland |
| 6,065 | 1,574 | 69.34 | 93.33 | 3,995 | 152 | 68 | 6.0 | 10,593 | 6,780 | Orissa |
| 20,783 | 2,275 | 198.33 | 341.53 | 13,916 | 123 | 59 | 10.8 | 32,032 | 19,991 | Punjab |
| 7,382 | 1,083 | 55.53 | 85.57 | 6,368 | 39 | 35 | 5.6 | 9,287 | 7,662 | Rajasthan |
| N.A. | N.A. | 172.81 | 47.37 | 3,004 | 29 | 155 | 10.1 | 26,421 | 13,836 | Sikkim |
| 24,773 | 3,350 | 172.12 | 219.25 | 13,385 | 128 | 44 | 7.7 | 24,846 | 27,891 | Tamil Nadu |
| 1,835 | 689 | 44.19 | 14.93 | 2,282 | 163 | 36 | 5.4 | 11,567 | 3,928 | Tripura |
| 6,103 | 800 | 57.75 | 36.68 | 3,649 | 103 | 45 | 4.6 | 9,677 | 4,368 | Uttar Pradesh |
| 11,180 | 2,162 | 112.14 | 98.65 | 5,774 | 63 | 31 | 9.8 | 31,266 | 8,437 | Uttaranchal |
| 8,598 | 1,252 | 66.71 | 102.11 | 3,045 | 103 | 26 | 5.4 | 17,449 | 10,921 | West Bengal |
| 15,337 | 2,383 | 87.77 | 126.24 | 6,726 | 75 | 46 | 6.3 | 23,001 | 17,255 | India* |

(P) अस्थायी /Provisional @ यात नॉनयुटीलिटीच्या स्वनिर्मितीचा समावेश आहे / This includes self generation of non-utilities
^ २००२-०३ चे आकडे आहेत/Data relates to 2002-03 †१९९६-९७ चे आकडे आहेत/Data relates to 1996-97. \# वा.उ.पा /A.S.I.
** सार्वजनिक बांधकाम खाते, जिल्हा परिषदा, महानगरपालिका, नगरपरिषदा, पाटबंधारे विभाग व वन विभाग यांच्याकडील रस्त्यांचा समावेश आहे
** This includes roads under P.W.D., Z.P., Municipal Corporations, Municipal Councils, Irrigation Department and Forest Department

## EXECUTIVE SUMMARY

## Economic situation in the country

National Income

1.1 As per the advance estimates prepared by CSO, the economic growth of the country (at 1999-2000 prices) is likely to be 8.7 per cent in 2007-08, as against the growth of 9.6 per cent 2006-07 and 9.4 per cent in 2005-06. The economy grew at an average rate of 7.8 per cent during the Tenth Five Year Plan (X-FYP) period, the highest ever achieved in any plan period. The sectoral growth rates of GDP for 2007-08 are estimated to be 2.7 per cent for Primary Sector, 9.4 per cent for Secondary Sector and 10.7 per cent for Services sector. The GDP for 2006-07 at current prices is estimated at Rs. $37,90,063$ crore and the Net National Product (i.e. National Income) at Rs. $33,25,817$ crore. The per capita National Income during 2006-07 is estimated at Rs. 29,642; higher by 14.2 per cent over the previous year.

## Monsoon-2007

1.2 The weighted seasonal rainfall, for the country as a whole, during the south-west monsoon (June-September) 2007 was 5 per cent pigher than the long period average (LPA). The southern peninsula experienced the maximum rainfall ( 26 per cent more) followed by Central India ( 8 per cent) and North-East India ( 4 per cent), over and above the respective LPAs. The rainfall in North-West India was in deficient by 15 per cent. Out of the 533 meteorological districts in the country, 32 per cent experienced excess rainfall, 40 per cent normal, 24 per cent deficient, whereas, the remaining 4 per cent experienced scanty rainfall. During the season, the rainfall was not uniformly distributed over the time and across the country reporting significant variations to relative LPAs. The cumulative post-monsoon
rainfall from October 1 to December 31, 2007, was excess to normal in 9 meteorological subdivisions and deficient/scanty in the remaining 27 meteorological subdivisions in the country.

## Agriculture Production

1.3 The foodgrains production in 2007-08 is expected to be at 219.3 million tonnes, marginally higher ( 0.9 per cent) than the production of 217.3 million tonnes in 2006-07. The production of cereals is expected to be at 205 million tonnes as against 203.1 million tonnes during 2006-07. However, the production of wheat is expected to decline marginally by one million tonne at 74.8 million tonnes. The oil seeds production is estimated at 27.2 million tonnes, more by 12 per cent than the earlier year's production of 24.3 million tonnes. The production of cotton is expected to increase from 22.6 million bales to 23.4 million bales in 2007-08. However, the sugarcane production is projected at 340 million tonnes during 2007-08, less than the production of 355 million tonnes during the previous year.

## Industrial Production

1.4 During 2007-08, the All-India Index of Industrial Production (Base 1993-94), for the period April-December, 2007, was 261.4, higher by 9 per cent than that for the corresponding period of the previous year. A notable feature of growth during X-FYP was resurgence of manufacturing sector. There was a sharp acceleration in the growth of manufacturing sector from 3.3 per cent during IX-FYP to 8.6 per cent during the X-FYP. However, the first eight months of the current fiscal, till November, 2007, witnessed a moderate slowdown in the growth of the industrial sector. The manufacturing sector, which witnessed the growth of 12.5 per cent in 2006-07, is estimated to experience slowdown at 9.8 per cent during April-November, 2007.

## Service Sector

1.5 The services sector, which accounts for about 56 per cent share in GDP, is expected to grow at 10.7 per cent during 2007-08, as against 11.1 per cent growth during 2006-07. The impressive progress in the telecommunication and higher growth in transport played an important role in the growth of this sector. During X-FYP, besides manufacturing sector, the communication and construction were two sectors that had contributed in the high growth of GDP.

## Public Finance

1.6 The fiscal deficit of the Central Government, as a proportion to GDP, is expected to decrease to 2.5 per cent in 2008-09 (BE) as against 3.1 per cent in 2007-08 (RE). In the year 2008-09 (BE), the revenue deficit as a proportion to GDP is also expected to fall down at 1.0 per cent as against 1.4 per cent in 2007-08 (RE). The tax-GDP ratio is expected to increase to 13 per cent in 2008-09.

## Import-Export

1.7 The exports of the country in first nine months (April to December) of the current year 2007-08 are increased by 21.6 per cent over the corresponding period of the previous year. These are estimated at US $\$ 1,10,965$ million. During the same period, imports are estimated at US \$ $1,68,803$ million, which are also higher by 25.9 per cent. The trade deficit for the period April to December, 2007 was US $\$ 57,838$ million. The foreign currency assets with Reserve Bank of India stood at US $\$ 2,81,183$ million at the end of February 8, 2008, as against US $\$ 1,91,924$ million by the end of March, 2007. The average exchange rate for the period April to December, 2007 was Rs. 40.41 per US dollar:

## Balance of Payments

1.8 An increase in international prices of petroleum products and gold resulted in widening trade deficit and thereby increasing current account deficit. During 2006-07, on balance of payments ( BoP ) basis, the exports and imports were placed at 14 per cent and 20.9 per cent of GDP, resulting in trade deficit of 6.9 per cent of GDP. However, the higher invisible surpluses, basically private transfer receipts have resulted in reducing the extent of current account deficit to 1.1 per cent of GDP. During the first half of the current year (April-September), the current account deficit is
expected to be at US $\$ 10.7$ billion, equivalent to 2 per cent of GDP. However, a heavy increase in foreign investment (US\$ 22.2 billion) and increase in commercial borrowings have resulted in increase in net capital inflows to US $\$ 51.1$ billion in the first six months of 2007-08. Apart form this, the appreciation of rupee in international currency has ultimately resulted in surplus balance of payments of US $\$ 48.6$ billion.

## Money Supply

1.9 During the current year, on the year-onyear basis, the growth of broad money supply ( $\mathrm{M}_{3}$ ), which reflects monetary developments, as on January 4, 2008, amounted to 22.4 per cent, higher than 20.8 per cent on the corresponding date of the previous year. The growth in $\mathrm{M}_{3}$ during 2007-08 has been running ahead of the target as well as the growth of the earlier year. The credit to the commercial sector during the current financial year, up to January 4, 2008, decelerated to 20.2 per cent as against 28 per cent as on January 5, 2007. During the year 2007-08, among the various components of money supply, the rate of expansion in currency with public on-year-on basis, till January 4, 2008, was 15.1 per cent, which was marginally less than that of 16.8 per cent as on January 5, 2007.

## Price Situation

1.10 The point-to-point to inflation measured on the basis of WPI was recorded at 3.9 per cent on January 19, 2008, down sharply from 6.3 per cent recorded a year ago. There was a sharp decline in inflation rate of primary articles to 3.8 per cent on January 19, 2008, compared to 10.2 per cent a year ago. Also, the other two major components of WPI, viz. 'fuel, power, light \& lubricants' and 'manufactured products' showed deceleration in the annual inflation during 2007-08. The 52 week average inflation rate as recorded on January 18, 2008 was 4.6 per cent as against 4.9 per cent for the 52 weeks ended on January 19, 2007.
1.11 The inflation rate, based on All-India Consumer Price Index for the Industrial Workers (CPI-IW), during 2006-07 was observed at 6.7 per cent as against 4.4 per cent in 2005-06. In the current fiscal this rate was 6.7 per cent during April, 2007, which increased to 7.3 per cent in August, 2007. Thereafter, it started decelerating and reached to 5.5 per cent in December, 2007. The average inflation rate for the period April to December, 2007 was 6.2 per cent.

## Economic Situation in Maharashtra

## Gross State Domestic Product


1.12 As per the advance estimates, Gross State Domestic Product (GSIDP) of Maharashtra, at constant (1999-2000) prices, is expected to grow at the rate of 9.0 per cent during 2007-08. The sectoral growth rates of GSDP are expected to be at 5.7 per cent for Primary, 10.4 per cent for Secondary and 9.1 per cent for Tertiary Sectors. For 2006-07, the GSDP at constant (1999-2000) prices for Maharashtra is estimated at Rs. $3,76,783$ crore as against Rs. $3,43,501$ crore in 2005-06. At current prices, GSDP for 2006-07 is estimated at Rs. $5,09,356$ crore as against Rs. $4,38,058$ crore in the previous year, showing an increase of 16.3 per cent.

## State Income

1.13 As per the preliminary estimates, the State Income (i.e. Net State Domestic Product) of Maharashtra at current prices for the year $2006-07$ is Rs. $4,37,035$ crore and the per capita State Income is Rs. 41,331 . At constant (1999-2000) prices, the State Income for 2006-07 is estimated at Rs. $3,25,148$ crore and the per capita State Income at Rs. 30,750.

## Public Finance

1.14 The total revenue receipts of the State Government increased from Rs. 31,103 crore during 2002-03 to Rs. 60,267 crore during 2006-07. Thus the revenue receipts have almost doubled during X-FYP. Both the tax revenue and non-tax revenue have increased almost at equal pace. The budget estimates of 2007-08 reveal that the revenue receipts of the State Government will increase by 13.3 per cent to' Rs. 68,299 crore, as against Rs. 60,267 crore in 2006-07. The tax revenue of the Government is also expected to increase by 14.3 per cent i.e. from Rs. 46,347 crore in $2006-07$ to Rs. 53,002 crore in 2007-08. The tax revenue for the first nine months of the current fiscal was 68.8 per cent (Rs. 36,458 crore) of the budget estimates. The debt burden of the State Government is expected to be at Rs. 1,44,325 crore in 2007-08 as against Rs.1,34,493 crore in 2006-07.
1.15 During X-FYP, the revenue expenditure of the State Government has increased from Rs. 40,474 crore to Rs. 63,460 crore. It is further
expected to increase to Rs. 67,788 crore in 2007-08. The component of plan expenditure in the total expenditure of the Government is expected to increase from 8.4 per cent in 2002-03 to 24.3 per cent in 2007-08. The Government has succeeded in containing the proportion of expenditure on establishment to revenue receipts from 59.4 per cent in 2002-03 to 41.7 per cent in 2007-08.
1.16 The revenue and fiscal deficits as a per cent of GSDP were maximum in 2003-04 at 2.4 per cent and 5.3 per cent respectively. But implementation of 'Fiscal Responsibility and Budgetary Management' (FRBM) Act has helped the Government in reducing both revenue and fiscal deficits. The budget estimates of 2007-08 expect revenue surplus of Rs. 511 crore ( 0.1 per cent of GSDP), whereas the fiscal deficit is expected to fall down from Rs. 15,620 crore ( 3.1 per cent of GSDP) in 2006-07 to Rs. 11,158 crore ( 1.9 per cent of GSDP) during 2007-08.

## Monsoon-2007

1.17 The South-West monsoon arrived in the State on 13th June, 2007, late by 6 days. The rainfall received in the months of June, July, August, September and October, 2007 was 148 per cent, 89 per cent, 111 per cent, 115 per cent and 35 per cent of the normal rainfall respectively. The overall rainfall received by the State during monsoon 2007 was in excess by 9 per cent of the normal rainfall. Nanded district received deficient rainfall ( 73 per cent) than the normal. Six districts viz. Dhule, Nandurbar, Pune, Satara, Amravati and Wardha received 120 per cent and more (excess) rainfall.

## Agriculture Production

1.18 During 2007-08, the foodgrains production in the State is expected to be at 152.85 lakh Metric Tonnes, more by about 20 per cent than that in 2006-07. The production of cotton (lint) is expected to be around 58.15 lakh bales, more by 26 per cent than during the previous year. The oil seeds production is expected to increase by 32 per cent to 47.08 lakh tonnes. The sugarcane production is also expected to be much more at 806 lakh tonnes, more by 22 per cent than in the previous year.

## Milk Production

1.19 The milk production in the State during 2007-08 is estimated at 72 lakh M.T., more by

3 per cent than in the previous year. The average daily collection of milk by the Government and co-operative dairies in the State (excluding Greater Mumbai) during 2007-08 (up to November 2007), is expected to be 44 lakh litres, as against the average daily collection of 45 lakh litres during 2006-07.

## Fish Production

1.20 During 2007-08, up to the end of December, 2007, the estimated marine and inland fish production in the State is 3.26 lakh M.T. and 0.97 lakh M.T. respectively. During 2006-07, this production was 4.60 lakh M.T. and 1.30 lakh M.T. The approximate gross values of marine and inland fish production during 2006-07 and 2007-08 (up to December, 2007) were Rs. 2,045 crore and Rs. 1,465 crore respectively.

## New Investment Proposals

1.21 Since adoption of liberalisation policy, till the end of July, 2007, total 14,193 industrial projects with investment of Rs. $4,37,078$ crore and employment potential of about 25.60 lakh have been registered with the Government of India to set up units in the State. Out of these, 6,499 projects involving investment of Rs. $1,01,547$ crore have already started their production till the end of July, 2007 and employment of about 6.41 lakh is generated.

## Foreign Direct Investment

1.22 Since adoption of liberalisation policy till the end of July, 2007, under Foreign Direct Investment (FDI), 3,982 projects with investment of Rs. 70,856 crore have been approved by the Government of India for setting up industries in the State. Of these, $1 ; 623$ projects ( 41 per cent) with investment of Rs. 39,121 crore ( 55 per cent) were commissioned up to July, 2007. Of the proposed total investment under FDI in the country, Maharashtra continued to be at the top position. The FDI projects approved are mainly in the field of services ( 24 per cent), IT ( 21 per cent), infrastructure ( 12 per cent), automobiles ( 10 per cent).

## Industrial Production

1.23 It is surmised that the industrial production (manufacturing) in the State in the first nine months of 2007-08 has registered a growth of 9.6 per cent as against 9.0 per cent in 2006-07.

## Information Technology

1.24 The State Government is developing public Information Technology (IT) parks in different areas of the State through City and Industrial Development Corporation (CIDCO) and Maharashtra Industrial Development Corporation (MIDC). Accordingly, 33 Government/public IT parks and 245 private IT parks are being developed. These IT Parks are expected to generate 11.54 lakh employment opportunities with private investment of Rs. 15,005 crore.

## Industrial Relations

1.25 The number of work stoppages in factories due to strikes and lockouts during 2007 was 22 , less than that of 23 during 2006. The number of persondays lost due to work stoppages including continuing work stoppages was 9.55 lakh in 2007, and was less than that of 10.85 lakh persondays lost during 2006.

## Mineral Production

1.26 The potential mineral bearing area of the State is about 58 thousand sq. km (i.e. about 19 per cent of the total geographical area). The total value of minerals extracted in the State during 2006-07 was Rs. 4,183 crore, in which the share of coal was about 80 per cent (Rs. 3,335 crore).

## Price Situation

1.27 The Consumer Price Index Numbers compiled separately for the urban and rural areas of the State reveal that, during April to December, 2007, the average urban CPI has increased by 7.8 per cent, whereas for the rural area the rise was 10.5 per cent.

## Public Distribution System

1.28 Under Targeted Public Distribution System, during 2007-08, up to December, 2007, the off-take of rice and wheat by BPL families (excluding A.A.Y.) was 79 per cent and 89 per cent respectively. Similarly, the off-take under Antyodaya Anna Yojana up to December, 2007, was 81 per cent and 85 per cent respectively.

## Electricity Generation

1.29 The installed capacity of electricity generation in Maharashtra including captive and non-conventional source at the end of March, 2007 stood at 15,453 MW, whereas, including
the State's share in NTPC/NPC, the total available capacity for Maharashtra stood at $17,984 \mathrm{MW}$. During 2007-08, there was no capacity addition upto the end of December, 2007 by MAHAGENCO. During 2007-08, the generation of electricity in the State upto the end of December, 2007 was 51,040 million KWH, higher by 3.4 per cent than that in the corresponding period of 2006-07. During 2007-08 upto December, 2007, the peak demand of 17,489 MW was recorded on 18th December, 2007 which was met with load shedding of $4,618 \mathrm{MW}$. As the State is facing power deficit, the load shedding has become a regular feature. The transmission and Distribution losses of the State owned companies were 5.5 per cent and 29.5 per cent respectively in 2006-07. The expected capacity addition by MAHAGENCO and central sector in XI-FYP is $6,657 \mathrm{MW}$ and $10,249 \mathrm{MW}$ respectively. As one of the steps towards private public participation (PPP) in electricity generation, the Government of Maharashtra has signed MOUs with 8 private companies for total capacity addition of $12,500 \mathrm{MW}$.

## Transport and Communications

1.30 By the end of March, 2007, the total road length maintained by PWD and ZPs in the State was 2.34 lakh km ., whereas the total rail-route length in the State was $5,902 \mathrm{~km}(9.2$ per cent of $64,068 \mathrm{~km}$ rail-route of the country). The total number of motor vehicles on road in the State as on 1st January, 2008 was 130.3 lakh. The number of post offices in the State at the end of March, 2007 was 12,599 , of which 11,315 were in rural areas and 1,284 in urban areas. There were 64.44 lakh telephone connections in the State as on 31st March, 2007. At the end of September, 2007, there were 279.14 lakh cell phones in Maharashtra, out of which 115.25 lakh ( 41.3 per cent) were in Mumbai Circle.

## Population

1.31.1 As per the Population Census 2001, Maharashtra's population was 9.69 crore. The projected population of the State as on 1st March, 2008 is about 10.80 crore.
1.31.2 As per the Census 2001, literacy rate was 76.9 per cent. It was 86.0 per cent and 67.0 per cent for males and females respectively. However, as per the results of first tow subrounds of NSS 64th Round (July, 2007-June, 2008), the literacy rates for males and females have increased to 86.2 per cent and 69.3 per cent respectively.
1.31.3 The information based on Sample Registration Scheme (SRS) shows significant improvement in the demographic indicators viz., consistent decline in the birth rate (18.5), death rate (6.7) and infant mortality rate (35) for Maharashtra for the year 2006.

## Employment

1.32. As per the estimates of State sample of N.S.S. 61st round conducted during July, 2004 - June, 2005, the employment in various sectors of the State was 432 lakh. The maximum employment of 242 lakh ( 56 per cent) was observed in the Agriculture and allied activities. The employment in manufacturing sector was 45.8 lakh ( 10.6 per cent), whereas in services sector it was 123 lakh ( 28.5 per cent). Maharashtra State was first in the country to introduce the Employment Guarantee Scheme. Apart from EGS, the Government is running various employment generation schemes such as Sampoorna Gramin Rojgar Yojana, centrally sponsored Rashtriya Gramin Rojgar Hami Yojana. According to factory statistics, the average daily factory employment in the State for the year 2006 was 12.8 lakh, 1.8 per cent more than that for 2005.

## Education

1.33 Education is universally acknowledged as one of the key inputs contributing to the process of national and individual development. During 2007-08, there were 69,330 primary, 15,762 secondary, 3,914 higher secondary schools and 663 junior colleges in the State. The enrolment in primary, secondary, higher secondary schools and junior colleges in the State during 2007-08 was 115.71 lakh, 58.24 lakh, 45.80 lakh and 8.32 lakh respectively.

## Agricultural Credit

1.34 The agricultural credit for seasonal agricultural operations is made available through Primary Agricultural Credit Societies (PACS) from the co-operative network, Commercial Banks and Regional Rural Banks (RRBs). During 2006-07, the aggregate loans advanced for seasonal agricultural operations in the State was of the order of Rs. 7,798 crore, of which the loans through PACS were Rs. 5,498 ciore ( 70 per cent), through Commercial Banks were Rs.1,999 crore ( 26 per cent) and through RRBs were Rs. 301 crore (4 per cent).

## Scheduled Commercial Banks

1.35 As on 30th September, 2007, the total number of banking offices (branches) of Scheduled Commercial Banks in the State was 6,797 , which accounted for 9.4 per cent of the total scheduled commercial banking offices $(72,117)$ in the country. The aggregate deposits with the scheduled commercial banks in the State, as on 30th September, 2007 were Rs. 7,31,830 crore, which were higher by 31 per cent than those in the previous year. During the same period, gross credits of these banks increased impressively by 21 per cent and reached Rs. $6,69,861$ crore. The Credit-Deposit Ratio (CDR) of' all the scheduled commercial banks in the State at the end of September, 2007 was 92 per cent. In respect of both the bank deposits and gross bank credits of scheduled commercial banks in the country as on 30th September, 2007, Maharashtra stands first among all the states.

## Mutual Funds

1.36 Mutual Funds is a fast growing financial service, regulated by SEBI. As on 31st March, 2007, there were 40 mutual funds registered in India with the total assets of Rs. $3,26,292$ crore, of which 36 mutual fund houses were registered in Maharashtra. The net amount mobilised by these 36 fund houses during 2006-07 was Rs. 89,569 crore.

## Special Study

1.37 In the 64th round of National Sample Survey (July, 2007 to June, 2008) the information on 'l'articipation \& Expenditure on Education'
and 'Employment-Unemployment \& Migration Particulars' is being collected. Some of the important results based on quick tabulation of selected items of the State sample data collected in the first two sub-rounds (July-December, 2007) of the survey are given below.
i) The proportion of out of school children in the age group of 6-14 years is about 8 per cent in the rural areas and about 6 per cent in the urban areas.
ii) The annual average expenditure per student staying with the household and studying in the primary classes was Rs. 676 in the rural areas and Rs. 3,537 in the urban areas. The expenditure per dependent member studying away from home was Rs. 5,872 in rural areas and Rs. 22,892 in the urban areas.
iii) The proportion of in-migrant households migrated during last 365 days was 3 per cent of the total households both in rural and urban areas. Employment is the main reason for in-migration followed by education.
iv) The proportion of migrated persons was 30 per cent in rural areas and 37 per cent in the urban areas. Marriage is one of the important reasons for migration followed by migration of parents/earning members.
v) The proportion of households having out-migrant members was 8 per cent in the rural areas and 2 per cent in the urban areas. The average annual amount of remittances received by such households was Rs. 11,817 in the rural areas and Rs. 38,144 in the urban areas.

# ECONOMIC OUTLOOK AND POLICY IMPERATIVES 

## State Economy

2.1 The State Economy has shown consistent and impressive growth in the last three years of the X -FYP. During 2002-03 \& 2003-04 (first two years of X-FYP), Gross State Domestic Product (GSDP) registered an average growth of about 7 per cent which subsequently increased by 8.2 per cent in 2004-05, 9.3 per cent in 2005-06 and 9.7 per cent in 2006-07. The overall performance of 8.3 per cent compound average growth rate in $\mathrm{X}-\mathrm{FYP}$ is commendable considering target of 8.0 per cent and much lower growth of 3.8 per cent achieved in the IX-FYP. It is expected that the growth in the economy will continue and as per the advance estimates for 2007-08, the growth of GSDP is expected to be at 9.0 per cent. The expected sector wise growth rates of economy during 2007-08 are promising with the primary sector touching 5.7 per cent, secondary 10.4 per cent and tertiary 9.1 per cent. The sectoral growth rates for the X-FYP period were 4.3 per cent in primary, 9.6 per cent in secondary and 8.7 per cent in tertiary sectors. Better monsoon during last three years i.e. from 2005-06 to 2007-08 as compared to drought situation prior to that resulted in comparative better agricultural production. The recovery in the agricultural and allied services from the negative growth rate of 6.3 per cent in 2004-05 to average growth rate of 8.0 per cent in 2005-06, 2006-07 \& 2007-08 has been encouraging 'and has contributed to higher growth in the economy.
2.2 The consistent growth in the GSDP in last four years signals the potential of higher growth trajectory in all the sectors of the State economy in the near future. However, broad based balanced
economic growth calls for focused efforts for the development of agriculture and allied sectors, up-gradation of rural infrastructure, strong integration of urban and rural areas. Skill development of the work force is necessary for reducing dependency on agriculture for livelihood. The State has already identified the tourism potential and new opportunities for development of this sector such as Coastal Tourism, Eco-Tourism, Agro-Tourism, Health Tourism, etc. This needs to be translated into time-bound actions for generating employment and to boost rural economy. While achieving a high growth rate of the economy, care needs to be taken to address socio-economic issues of human development such as, unemployment, poverty, health, education, etc.

## Public Finance

2.3 The main objective of Fiscal Responsibilities and Budget Management Act (FRBM), 2005 is to wipe out revenue deficit by 2008-09. Concerted efforts put in by the State in implementing FRBM Act and VAT system has succeeded in reducing extent of fiscal deficit from 5.3 per cent of GSDP in 2003-04 to 3.1 percent in 2006-07. During 2003-04 to 2006-07, the revenue receipts increased annually at growth rate of over 20.6 per cent, while revenue expenditure increased by 14.1 per cent. The tax and non-tax revenues have recorded an impressive growth of 20.3 per cent and 40.3 per cent respectively in 2006-07 as compared to the previous year. Thus, the Maharashtra state is now moving from fiscal consolidation to fiscal stabilization. However, the increasing debt of the State Government and rising interest payment burden are major concerns for the State. In 2007-08, the overall debt of the State Government
is expected to be Rs. $1,44,325$ crore which is 24.9 percent of GSDP and the expected expenditure towards interest payment is Rs. 12,406 crore i.e. 18.2 per cent of revenue receipts.
2.4 For further strengthening the financial condition of the State, fiscal measures adopted by the State such as implementation of FRBM Act, 2005 need to be continued. For achieving fiscal health, it is necessary to increase tax and non-tax revenues, reduce expenditure on subsidies, borrowings, curtail non-development expenditure and containment of expenditure on salaries and pension, etc. As per recommendations of XII, Finance Commission, the Central Govt. has discontinued advancing loans to States. As borrowings and rate of interest depend on fiscal health of the State, the Govt. has to go cosiously for open market borrowings to finance the capital expenditure.

## Infrastructure

2.5 For the State, to continue to be a favourable destination for foreign investors, the present infrastructure needs to be augmented and developed at par with global standards. As land and other natural resources are amply available in the State, opportunities for development of infrastructure are wide open. Road and railway networks, air and water transport facilities, power (electricity), water and human resources are the important basic components of physical infrastructure required for increase in the pace of the economy. As services sector contributes maximum share to GSDP, overall infrastructure development will definitely have a greater impact on the State economy and can put State on a higher growth trajectory. Infrastructure development requires huge amount of investments. The Public Private Partnership Model has good potential for raising the quantity and quality of infrastructure in a time bound manner.

## Irrigation

2.5.1 Water is not a requirement of the agriculture only but it is also a basic requirement for other sectors too. The percentage of gross irrigated area to gross cropped area in the State is
about 17 per cent as against 43 per cent at national level. The created irrigation potential in the State is not being actually fully utilized. According to the Maharashtra Water and Irrigation Commission (1999), the irrigation potential in the State is estimated to be 126 lakh hectares. Despite huge investments by the State, the percentage of gross irrigated area has almost remained same ( 15 to 17 per cent) since last 15-20 years. Serious efforts are, therefore, needed for optimal utilization of existing irrigation potential and priority needs to be given for the completion of projects in advanced stages.

## Road Network

2.5.2 The total road length maintained by PWD and ZPs in the State is 2.34 lakh km., of which about 50 per cent are concrete and tar roads. In the X -FYP, total road length has increased by 5 per cent only, whereas, motor vehicles have increased by 54 per cent. Road length per thousand sq. km. area of the State was 87 km . as against the national average of 75 km . However, it is much below as compared to 128 kms in Tamilnadu and 103 km . in U.P. \& West Bengal. Adequate road infrastructure is needed to be developed to accommodate the ever-increasing motor vehicles and to ensure the quality of the roads by surfacing and regular maintenance. In terms of road connectivity in the rural areas, about 96 per cent villages are connected by all weather roads. For integration of rural areas with urban areas and over all development of villages, cent percent village connectivity by roads needs to be ensured.

## Railway Network

2.5.3 The total rail length in the State was $5,902 \mathrm{kms}$ as on $31^{\text {st }}$ March, 2007, which has hardly increased by 13 per cent in last 50 years. The railway route length per $1,000 \mathrm{sq} . \mathrm{km}$. area in the State is 19 (which is almost at par with the National level) and the State is at twelfth rank as far as railway route density is considered. States like Bihar, Harayana, Punjab, Tamil Nadu, U.P and West Bengal have density of rail route over 30 km . Local trains in Mumbai are the lifelines of Mumbaits. Wide gap can be seen in the rate of increase of passengers carrying capacity of local
trains and actual passengers carried. Efforts are required to increase the railway network in the State so also to connect all district headquarters by high-speed railway. Though a lot of initiatives have been taken for upgradation of railway infrastructure, especially in Mumbai, the pace of the progress of the works seems to be slow.

## Air Transport

2.5.4 The State has three international Airports located at Mumbai, Pune \& Nagpur. In addition, there are five domestic airports in the State. Airport at Mumbai (domestic \& international terminals) is already congested. To meet the ever increasing air traffic demand, facilities at the airports are required to be augmented and proposed new airport projects are also required to be built on a priority basis.

## Water Transport

2.5.5 The State has 720 km . of coastal line with two major ports and 48 minor ports. Performance of major ports in the State is encouraging. As against this, only one minor port (Dhabol) has been developed. The water transport system is required to be strengthened by developing minor ports. Focused attention needs to be given to develop minor ports in a time bound manner. In addition to this, to boost rural economy on the coastal line, construction of jetties for fish landing needs to be taken up on priority.

## - Publíc Transport

2.5.6 The public road transport system plays an important role in the overall development. The State has 22 municipal corporations, of which 12 have their own public transport system. The performance \& efficiencies of city transport services need to be evaluated from the facility point of view rather than financial considerations. The MSRTC is incurring heavy losses due to the operation of obligatory loss making services in remote rural areas, city operations and concessions in fares to the particular categories of the society. The State Government may reimburse such losses to the MSRTC for augmenting fleet and rendering better quality services. Cities like Pune, Nagpur, Aurangabad and Nashik are facing lack of
adequate and efficient public transport systems. It is, therefore, necessary to consider developing mass rapid transport systems like Metro rail/Mono rails/ Local rails, etc. in these cities on a priority basis using PPP model. Even for improving existing public transport facilities in cities, privatisation option may be examined.

## Power

2.5.7 One of the reasons for the energy crunch that the State has been facing since last decade or so is meagre investment in this sector. The percentage of plan expenditure on power sector to the total plan expenditure was 34 per cent during V-FYP, which reduced to 11 per cent in X -FYP. Since 2000-01, there has been only a marginal addition to the installed capacity. This has resulted in a mismatch in the demand and generation of electricity. MAHATRANSCO could marginally reduce transmission losses from 6.4 per cent in 2005-06 to 5.5 per cent in 2006-07. MAHADISCOM could remarkably reduce losses from 29.5 per cent in 2006-07 to 21.9 per cent in the current year up to October, 2007. The transmission and distribution losses of electricity continued to be areas of concern. Consequently, the load shedding has become a regular phenomenon in the State. To overcome this problem, all out efforts are needed to put capacity addition projects (both Public and Private) on fast track implementations. The State has signed eight MoUs with private companies for total capacity addition of $12,500 \mathrm{MW}$ on PPP Model. However, the progress of these companies in completion of projects is required to be closely monitored for time bound implementation. The power situation in the State is likely to improve after 2012.

## Agriculture

2.6 The agriculture sector is highly volatile due to fluctuating monsoon conditions in the State. Majority of the work force ( 55 per cent) resides in rural areas and is dependent on agriculture as a primary source of livelihood. The Planning Commission has set the target of 4 per cent growth in agriculture in XIth FYP. The gap in domestic production of foodgrains and requirements of the state is widening day by day. To achieve targeted
growth serious efforts are, therefore, needed for optimal usage of available potential by bringing unused cultivable land under agriculture, tapping unused irrigation potential (including farm ponds, dug wells, malgujari tanks, water bodies, etc.), involving agricultural universities \& promoting research and modern methods of agriculture and improving marketing, cold storage \& agro processing facilities, etc. Desiltation of old irrigation projects need to be taken up so as to increase storage capacity of the water. In addition to this, efforts are required to provide adequate and timely credit flow to agriculture through financial institutions.

## Industry

2.7 The State has succeeded in maintaining its position (first) in India as far as the State's contribution in value of output ( 21 per cent) and net value added ( 20 per cent) in the organized sector are considered. As far as foreign direct investments are considered, the State has remained most favoured State in India. Even in case of domestic investments the State has attracted maximum number of proposals. For sustaining investments (domestic as well as foreign), physical infrastructure bottlenecks need to be identified and addressed to suit the demands of the industries. Shortage of power continues to be major hurdle in the development. Concerted efforts are required for developing water transport and improving the rail network in the State. Apart from these, industrial sickness is one of the major hurdles in the growth of manufacturing sector leading to the major problems like locking up of capital assets, loss of productivity and increase in unemployment. Proper diagnostic and redressal mechanisms for this purpose need to be introduced.

## Employment

2.8 The population census 2001 reveals that the proportion of workers in agriculture \& allied activities has decreased to 55 per cent in 2001 as compared to 62 per cent in 1991 and shift of work force from agriculture to other sectors. The latest round of National Sample Survey shows an increasing trend in employment growth at the rate
3.4 per cent during the period 1999-2000 to 2004-05 as against decreasing trends observed earlier. This up swing in the employment growth is estimated to have translated into 66 lakh new jobs during 2000-2005.
2.9 The population profile of the State indicates that about 45 per cent of the population is in the age group of $15-40$ years. This potential of huge work force needs to be tapped to address up-coming new employment opportunitios created in the process of liberalisation. It is, therefore, essential to restructure education system to develop skills, technical and professional capabilities on a large scale as per the requirements of the industries, trade and services sectors. To do this, the Government may approach corporate houses for their participation in upgradation of human skills. As the Government of India has decided to implement National Rural Employment Guarantee Scheme in all districts of the country, the State needs to harness the State EGS scheme for water and soil conservation works for improving agriculture productivity.

## Poverty

2.10 According to the latest poverty estimates prepared by the Planning Commission on the basis of NSS 61st round, the State is having 3.17 crore population below poverty line in 2004-05, which is 30.7 per cent of the total population in the State. As compared to 1993-94, the percentage of below poverty line people has declined by about 6 percentage points. As per the target set by the Planning Commission, the State has to reduce the poverty ratio to 15 per cent by the end of XI -FYP. To achieve this target, the Government needs to reformulate anti-poverty strategy by exact identifying BPL families and ensuring that the benefits of various anti poverty programmes reach them on time. A special thrust is required to be given towards urban poverty reduction. Further, for effective monitoring of anti poverty programmes, an independent monitoring mechanism needs to be evolved. Information technology interventions may provide better options for successful implementation of anti poverty programmes.

## Education

2.11 The education has ever remained a determining factor in the progress of the human-kind. The State is firmly committed to provide education to all. The education policy forcefully spells out the universalisation of primary education. Though the State has performed better in terms of literacy rate much is required to be done to be on par with States like Kerala. As per census 2001, the literacy rate of the State was 76.9 per cent, which has increased to 78.2 per cent in December, 2007 as per NSS 64 ${ }^{\text {th }}$ Round. The survey also indicates that male literacy rate is higher at 86.2 per cent as compared to 69.3 per cent for female. To increase overall literacy and to reduce the gender gap in literacy, special emphasis on girl education is needed. Also by using innovative technologies (like e-education) school education may be made more attractive. E-education could be the cost effective option for providing quality education to all. Reforms, reorientation and infrastructure investments are required in higher education to meet the needs of IT, bio-technology, BPO and other up coming fields.

## Health

2.12 The State Government is committed to the goal 'Health For All'. National Family Health Survey (NFHS-III, 2005-06) reveals that the State has performed well as far as health indicators like CBR, CDR, IMR, NMR, TFR, etc. are considered. However, the performance with respect to Maternal Mortality Rate is well below satisfaction. Despite the wide network of primary health centers, sub enters and rural hospitals created in the State, the quantity and quality of health services still need improvement. Tele-Medicine could be the cost effective and fast track solution to provide quality medical services to the rural remote areas. The State has to gear up the health machinery for pimproving overall health services in the State.

## Administrative Reforms and Disaster Management

2.13 E-Governance and administrative reforms must be given emphasis for rendering 'quality services to the citizens, to improve internal
efficiency and to contain administrative expenditure. The State has recently established Disaster Management Authority to address issues arising from disasters and exigencies. The preparedness of the Disaster Management System must be ensured at all levels regularly.

## Summing Up

2.14 The State has achieved a commendable position as far as financial reforms and economic growth are considered. The economic growth of the State needs to be balanced across the sectors and between geographical areas to ensure that the benefits of the economic growth are reaching all sections of the society. The performance of the agriculture sector in the State is monsoon dependent. To minimize such dependencies, for achieving self-sufficiency in meeting domestic requirement of food grains and to remove distress in agriculture sector, serious efforts are required for optimal utilization of irrigation potential and other resources. Public investments in the agriculture sector also need to be revisited. Similarly, to address sickness in industries, especially in SMEs, early identification of the problems leading to sickness and redressal thereof is necessary to boost manufacturing sector in the State. Innovative policies related to industry, labour and infrastructure need to be evolved for creating investor-friendly environment in the State. As infrastructure is a crucial driver of the overall cconomic development, the projects which can be taken on the PPP model need to be identified, prioritized, implemented in a time bound manner and need to be closely monitored. Such infrastructure development should take into account needs of the tourism sector as well. Rigorous follow-ups and persuasion by the State are required for infrastructure projects which fall under the jurisdiction of Government of India. The State is implementing various schemes in the areas of poverty, education, employment, health, etc. Proper independent monitoring and evaluation mechanism using the latest technology needs to be evolved to ensure full benefits of such schemes are reaching the targeted population on time.

## STATE INCOME

## Forecast of GDP for 2007-08


3.1 As per the advance estimates released by the Central Statistical Organisation (CSO), the Gross Domestic Product (GDP), which is the aggregate National Income, at constant (1999-2000) prices, is poised to grow at 8.7 per cent during $2007-08$ as against 9.6 per cent in 2006-07. This growth of Indian economy is mainly due to growth in the sectors of 'trade, hotels, transport and communications' (12.1 per cent), 'financing, insurance, real estate and business services' (11.7 per cent), 'construction' ( 9.6 per cent) and 'manufacturing' ( 9.4 per cent). The growth in agriculture and allied activities is likely to decelerate to 2.6 per cent in 2007-08 as against 3.8 per cent in 2006-07. The industry sector is expected to grow by 8.9 per cent during 2007-08,

Net National Product (NNP), which is also commonly known as National Income (NI), is a measure, in monetary terms, of all goods and services produced (without duplication) within the geographical boundries of the country during a given period of time (generally, one year). It also takes into account the netting of recipts from and payments towards abroad.
Net Domestic Product (NDP), is the Net National Product without component of netting to and from abroad.
Gross Domestic Product (GDP): When consumption of fixed capital is added to the Net Domestic Product (NDP), it is termed as Gross Domestic Product and when consumption of fixed capital is added to Net National Product (NNP), it is termed as Gross National Product (GNP).
mainly due to expected substantial growth of 9.4 per cent in manufacturing and 9.6 per cent in construction sub-sectors. The services sector is expected to grow by 10.7 per cent, mainly due to expected buoyant growth of 12.1 per cent in trade, hotels \& restaurants, transport and communications.

## Forecast of GSDP for 2007-08


3.2 The advance estimates of Gross State Domestic Product (GSDP) of Maharashtra State for the year 2007-08 are worked out considering the anticipated level of agricultural and industrial productions and performance of key sub-sectors like transport, communications, trade, hotels \& restaurants, real estate $\&$ business services etc.. The GSDP for the State at constant (1999-2000). prices is expected to grow at 9.0 per cent during 2007-08 as against 9.7 per cent during 2006-07. This significant growth in GSDP is due to satisfactory monsoon, sustained growth in industrial production and improvement in growth rate of services sector. Due to good monsoon during the current year, which in turn augured well for kharif and rabbi productions, the GSDP originating from agriculture and allied activities is poised to grow at 5.8 per cent. The industry sector is expected to grow by 10.3 per cent during 2007-08, mainly due to buoyant growth in manufacturing ( 9.8 per cent) and construction

| Expected Growth Rates : 2007-08 <br> (Per cent)     <br> Sector India (GDP) Maharashtra (GSDP)    <br> Agriculture \& 2.6 5.8    <br> allied activities      <br> Industry 8.9 10.3    <br> Services 10.7 9.1    <br> Total    $\mathbf{8 . 7}$ $\mathbf{9 . 0}$ |  |
| :--- | :---: | :---: |

(14.1 per cent) sub-sectors. The services sector maintained the growth momentua in the State economy, which is liks. to grow ly 9.1 per cent during 2007-08.

Net State Domesiic Product (NSDP), which is also commonly known as State Income, is a measure, in monetary terms, of all goods and services produced [without duplicationl within the geographical boundries of the State during a given period of time (generally, one year).
Gross State Domestic Product (GSDP): When the consumption of fixed capital is added to NSDP, it is termed as Gross State Domestic Product.

## GSDP for 2006-07

3.3 As per preliminary estimates, the GSDP of Maharashtra during 2006-07, at constant (1999-2000) prices, is Rs. $3,76,783$ crore, as against Rs. $3,43,501$ crore in 2005-06, showing an increase of 9.7 per cent. The corresponding growth rate for All India was 9.6 per cent. The agriculture sector showed an impressive growth

Table No. 3.1

of 9.1 per cent over the previous year, mainly because of the wide spread and satisfactory monsoon in the State, which resulted in better kharif and rabbi crops. The industry sector has showed a growth of 12.6 per cent due to high comes from manufacturing and construction subsectors. The service sector considered as driver of the economy had showed 12.1 per cent growth during 2004-05 and thereafter, this growth rate remained hovering around 9 per cent in the subsequent three years. The details of sectoral annual growth rates of GSDP are presented in Table No. 3.1.
3.4 As per the preliminary estimates, GSDP during 2006-07 at current prices is Rs. $5,09,356$ crore, which is higher by 16.3 per cent than that of 2005-06. It is worth noting that during the period of seven years from 1999-2000 to 2006-07, the GSDP in real terms increased by about 52 per cent. Sectorwise details of GSDP are given in Table No. 3.2.

Table No.3.2
Sectorwise GSDP for Maharashtra
(Rs. in crore)

| Year | Primary | Secondary | Tertiary | Total |
| :--- | :---: | :---: | :---: | :---: |
| At Current Prices |  |  |  |  |
| $1999-00$ | 40,870 | 71,280 | $1,35,680$ | $\mathbf{2 , 4 7 , 8 3 0}$ |
| $2000-01$ | 40,601 | 67,558 | $1,44,124$ | $\mathbf{2 , 5 2 , 2 8 3}$ |
| $2001-02$ | 44,812 | 70,164 | $1,59,107$ | $\mathbf{2 , 7 4 , 1 1 3}$ |
| $2002-03$ | 45,719 | 78,382 | $1,76,375$ | $\mathbf{3 , 0 0 , 4 7 6}$ |
| $2003-04$ | 52,519 | $\mathbf{9 1 , 7 2 2}$ | $1,97,183$ | $\mathbf{3 , 4 1 , 4 2 4}$ |
| $2004-05$ | 52,811 | $\mathbf{1 , 0 5 , 0 9 2}$ | $2,29,487$ | $\mathbf{3 , 8 7 , 3 9 0}$ |
| $2005-06$ | 59,654 | $\mathbf{1 , 2 0 , 8 6 1}$ | $2,57,543$ | $\mathbf{4 , 3 8 , 0 5 8}$ |
| $2006-07$ | 69,791 | $1,43,064$ | $2,96,501$ | $\mathbf{5 , 0 9 , 3 5 6}$ |
| $\mathbf{4 t} \mathbf{C o n s t a n t}$ | $\mathbf{1 9 9 9 - 2 0 0 0 )}$ | Prices |  |  |
| $2000-01$ | 39,203 | 64,814 | $1,38,598$ | $\mathbf{2 , 4 2 , 6 1 5}$ |
| $2001-02$ | 41,974 | 64,416 | $1,46,682$ | $\mathbf{2 , 5 3 , 0 7 2}$ |
| $2002-03$ | 43,050 | 69,485 | $1,57,635$ | $\mathbf{2 , 7 0 , 1 7 0}$ |
| $2003-04$ | 47,588 | 76,320 | $1,66,560$ | $\mathbf{2 , 9 0 , 4 6 8}$ |
| $2004-05$ | 44,902 | 82,738 | $1,86,672$ | $\mathbf{3 , 1 4 , 3 1 2}$ |
| $2005-06$ | 48,796 | 90,934 | $2,03,771$ | $\mathbf{3 , 4 3 , 5 0 1}$ |
| $2006-07$ | 52,950 | $1,02,693$ | $2,21,140$ | $\mathbf{3 , 7 6 , 7 8 3}$ |

## Per Capita Gross State Domestic product

3.5 The Per Capita GSDP at constant (1999-2000) prices increased by 8.0 per cent in 2006-07 over 2005-06 and at current prices, it increased by 14.5 per cent. Details of Per Capita GSDP are given in Table No. 3.3.

Table No. 3.3
Per Capita GSDP for Maharashtra

|  |  |  | (In Rs.) |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| Year | At current prices | At constant (1999-2000) prices | Index |
| 1999-00 | 26,257 | 26,257 | 100.0 |
| 2000-01 | 26,234 | 25,228 | 96.1 |
| 2001-02 | 27,992 | 25,843 | 98.4 |
| 2002-03 | 30,238 | 27,188 | 103.5 |
| 2003-04 | 33,816 | 28,769 | 109.6 |
| 200405 | 37,770 | 30,645 | 116.7 |
| 2005-06 | 42,056 | 32,978 | 125.6 |
| 2006-07 | 48,171 | 35,633 | 135.7 |

## Growth Trends

3.6 The compound annual growth rate of GSDP, at constant (1999-2000) prices, during the last seven years i.e. from 1999-2000 to 2006-07 was 6.6 per cent. During this period, the Per Capita Gross State Domestic Product grew by 4.9 per cent. The sectoral growth rates during this period for primary, secondary and tertiary sectors were 3.9 per cent, 6.3 per cent and 7.6 per cent respectively.
3.7 The trend in the growth of GSDP, at constant (1999-2000) prices, for the last seven years is not uniform for the three sectors of the economy. The income from the primary sector increased from Rs. 40,871 crore in 1999-2000 to Rs. 52,950 crore ( 29.6 per cent) in 2006-07. In the years 2000-01 and 2004-05, agriculture sector recorded negative growth due to drought situation,

which had a dampening effect on primary sector. After this set back, agriculture sector attained a sizeable average growth of 9.1 per cent in 2005-06 and 2006-07. During 1999-2000 to 2006-07, the income from secondary sector grew from Rs. 71,280 crore to Rs. 1,02,693 crore (44.1 per cent). Further, income from the tertiary sector during this period showed increase from Rs. $1,35,680$ crore to Rs. $2,21,140$ crore ( 63.0 per cent), showing variations in growth rates between 2.2 to 12.1 per cent. The sectorwise annual growth rates of GSDP are given in Table No. 3.4.

Table No. 3.4
Sectorwise Annual Growth Rates of GSDP
(in per cent)

| Year | Primary | Secondary | Tertiary | GSDP |
| :---: | ---: | :---: | :---: | :---: |
| $2000-01$ | $(-) 4.1$ | $(-) 9.1$ | 2.2 | $(-) 2.1$ |
| $2001-02$ | 7.1 | $(-) 0.6$ | 5.8 | 4.3 |
| $2002-03$ | 2.6 | 7.9 | 7.5 | 6.8 |
| $2003-04$ | 10.5 | 9.8 | 5.7 | 7.5 |
| $2004-05$ | $(-) 5.6$ | 8.4 | 12.1 | 8.2 |
| $2005-06$ | 8.7 | 9.9 | 9.2 | 9.3 |
| $2006-07$ | 8.5 | 12.9 | 8.5 | 9.7 |
| $2007-08$ | $*$ | 5.7 | 10.4 | 9.1 |

* Advance estimates.
3.8 The data in Table No. 3.4 reveals that the State economy has attained more than 9.0 per cent growth in the last three successive years. During the last two years in succession, the secondary sector attained double digit growth rate. This high rate of economic growth has been attributed to acceleration in secondary and tertiary sectors. It can, therefore, be surmised that Maharashtra's economy is growing robustly and is on higher growth path. However, concerted efforts are necessary to maintain this accelerated growth of the State economy in future also.
3.9 Planned economic development is the responsibility of the Government. The GSIDP is the composite indicator to measure its level of development. It is, therefore, inevitable to continuously measure and monitor the growth of GSDP in different plan periods. The compound annual growth rates of GSIPP in the VIIIth, IXth and Xth Five Year Plans (FYP) were 7.8 per cent, 3.8 per cent and 8.3 per cent respectively. The plan periodwise sectoral growth rates of GSDP are presented in Table No. 3.5.

Table No. 3.5
Plan periodwise / sectoral growth rates of GSDP

|  |  |  | (In per cent) |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| FYP | Primary | Secondary | Tertiary | Total |
| VI | 1.3 | 3.8 | 5.4 | 4.0 |
| VII | 7.9 | 7.4 | 6.5 | 7.1 |
| VIII | 8.4 | 7.4 | 7.7 | 7.8 |
| IX | 1.3 | $(-)$ | 0.4 | 6.9 |
| X * | 4.3 | 9.6 | 8.7 | 8.8 |

* Provisional


## State Income

$3.10 \Lambda \mathrm{~s}$ per the preliminary estimate of State Income i.e. Net State Domestic Product (NSDP) of Maharashtra, at current prices, is Rs. 4,37,035 crore in 2006-07, higher by 16.3 per cent than that of 2005-06. The primary sector registered growth of 17.2 per cent, whereas the secondary and tertiary sectors registered growths of 18.7 per cent and 15.0 per cent respectively.
3.11 At constant (1999-2000) prices, the State Income in 2006-07 is estimated at Rs. $3,25,148$ crore, showing an increase of 9.8 per cent over that of Rs. $2,96,155$ crore in 2005-06. This increase is the net effect of increase of 8.6 per cent in primary, 13.4 per cent in the secondary and 8.6 per cent in the tertiary sectors.

## Per Capita State Income

3.12 As per the preliminary estimate, Per Capita State Income (i.e. Per Capita NSDP) of Maharashtra at current prices is Rs. 41,331 in Fhe year 2006-07, as against Rs. 36,090 in 2005-06. The per capita State income at constant (1999-2000) prices for the year 2006-07 is Rs. 30,750 as against Rs. 28,433 in 2005-06. In terms of growth rate, it increased by 8.1 per cent in 2006-07 as against 7.9 per cent in 2005-06.

## Sectoral composition of the State Income

3.13 The sectoral composition of the State Income (at current prices) in 2006-07 indicates that the share of primary, secondary and tertiary sector was 14.9 per cent, 25.9 per cent and 59.2 per cent respectively. In 1999-2000, the corresponding shares were 17.8 per cent, 26.7 per cent and 55.5 per cent respectively.
3.14 The sectoral composition of the State


Income has undergone considerable changes during 1960-61 to 2006-07. Over these 46 years, the share of primary sector has declined steadily from 31 per cent to 15 per cent, the share of secondary sector has remained in between 23 to 32 per cent, while the share of tertiary sector has increased from 46 per. cent to 59 per cent. It may, therefore, be concluded that tertiary sector has flourished very rapidly in the economy. The sectoral compostion of the State Income is given in Table No. 3.6.

Table No. 3.6
Sectoral composition of the State Income

|  |  |  | (In per cent) |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| Year | Primary | Secondary | Tertiary |
| $1960-61$ | 31 | 23 | 46 |
| $1970-71$ | 22 | 29 | 49 |
| $1980-81$ | 24 | 30 | 46 |
| $1990-91$ | 21 | 32 | 47 |
| $2000-01$ | 17 | 25 | 58 |
| $2006-07 *$ | 15 | 26 | 59 |

* Provisional


## Inter-State Comparison

3.15 The State Income and Per Capita State Income at current prices for the year 2005-06 and compound annual growth rates of State Income and Per Capita State Income for major States in India for the period 1999-2000 to 2005-06 are given in Table No. 3.7. Among the major States in India, Maharashtra ranks second (after Haryana) in per capita State income.

Table No. 3.7
State Income, Per Capita State Income and growth rates for major states

| State | At current prices (2005-06) |  | Growth rate * (\%) |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  | Per Capita State Income (Rs.) | State Income | Per Capita State Income |
| Haryana | 89,857 | 38,832 | 7.5 | 5.2 |
| Maharashtra | 3,75,915 | 36,090 | 5.8 | 4.0 |
| Punjab | 92,538 | 34,929 | 3.6 | 1.8 |
| Gujarat | 1,86,642 | 34,157 | 8.8 | 6.9 |
| Himachal Pradesh | sh 22,390 | 33,805 | 6.3 | 4.5 |
| Kerala | 1,02,508 | 30,668 | 12.5 | 5.9 |
| Tamil Nadu | 1,94,528 | 29,958 | 4.4 | 3.5 |
| Karnataka | 1,51,741 | 27,101 | 5.6 | 4.2 |
| Andhra Pradesh | 2,10,657 | 26,211 | 6.3 | 5.1 |
| All-India 28 | 28,46,762 | 25,956 | 6.4 | 4.6 |
| West Bengal | 2,13,427 | 25,156 | 6.0 | 4.7 |
| Orissa | 67,090 | 17,299 | 6.3 | 5.0 |
| Madhya Pradesh | 1,04,485 | 15,853 | 3.0 | 1.1 |
| Uttar Pradesh | 2,41,196 | 13,262 | 4.2 | 2.1 |
| Bihar | 71,006 | 7,875 | 3.9 | 1.8 |

* Compound annual growth rates at constant ( 1999-2000)
prices for the period 1999-2000 to 2005-06.


## Comparison :

## A) GDP and GSDP


3.16 At current prices, the Gross Domestic Product i.e. GDP is estimated at Rs. 37,90,063 crore in 2006-07 as against Rs. 32,75,670 crore in 2005-06, showing an increase of 15.7 per cent. The corresponding increase in GSDP was 16.3 per cent. At constant (1999-2000) prices, the GDP in 2006-07 is estimated at Rs. $28,64,309$ crore as against Rs. $26,12,847$ crore in 2005-06, showing an increase of 9.6 per cent. The corresponding increase in GSDP was 9.7 per cent.

## B) National Income and State Income

3.17 The National Income (i.e. Net National Product at factor cost) at current prices is estimated at Rs. $33,25,817$ crore in 2006-07, as against Rs. $28,70,750$ crore in 2005-06, showing an increase of 15.9 per cent. The corresponding increase in the State Income was 16.3 per cent. During 2006-07, the Per Capita National Income at current prices was Rs. 29,642 , whereas the per
capita State Income was Rs. 41,331. At constant (1999-2000) prices, the National Income for 2006-07 was increased by 9.7 per cent and State Income was increased by 9.8 per cent over 2005-06.
3.18 The growth rates of State and National income are given in Table No. 3.8. It is creditable on part of State that it has continued to maintain its leading position in the country's economy with contribution of about 13 per cent in the National Income.

Table No. 3.8
Growth rates of State and National Income

| Year | State <br> Income | Per Capita <br> State Income | National <br> Income | Per Capitu <br> National <br> Income |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| $2000-01$ | $(-) 3.1$ | $(-) 4.9$ | 3.7 | 1.8 |
| $2001-02$ | 3.5 | 1.6 | 5.8 | 3.7 |
| $2002-03$ | 6.9 | 5.3 | 3.6 | 2.0 |
| $2003-04$ | 7.2 | 5.5 | 8.7 | 7.1 |
| $2004-05$ | 8.4 | 6.7 | 7.2 | 5.5 |
| $2005-06$ | 9.5 | 7.9 | 9.6 | 7.9 |
| $2006-07 *$ | 9.8 | 8.1 | 9.7 | 8.1 |
| * Provisional |  |  |  |  |

* Provisional
3.19 The shares of primary, secondary and tertiary sectors, at current prices, in the National Income during 2006-07 were 22.0 per cent, 24.2 per cent and 53.8 per cent respectively. The corresponding shares in the State Income were 14.9 per cent, 25.9 per cent and 59.2 per cent respectively.

3.20 The sectorwise details of Gross State Domestic Product, State Income at current and at constant (1999-2000) prices and those of National Income at current and at constant (1999-2000) prices for the years 1999-2000 to 2006-07 are presented in Table Nos. 1 to 7 of Part II of this publication.


## District Domestic Product

3.21 Estimates of domestic product at district level are compiled by the 'Income originating approach', the method used for calculating the State Domestic Product. Therefore, district domestic products estimates have all the inherent limitations of the State Domestic Product estimates. Though, the income accruing is a better method to work out estimates of district income, it cannot be adopted because economic activities at the district level are more open ended and inter-district flows cannot be captured fully. The availability of districtwise basic data required for estimation of income at the district level is not still up to the mark. The data in respect of commodity producing sector are mostly available, but the data for other sectors are very scanty. As such, wherever the basic data are available,

[^12]the methodology used at the State level has been followed for preparation of estimates at district level. Proxy indicators are used to allocate State level estimates to districts, as and when the actual data are not available. Because of the paucity of data, use of proxy indicators and various limitations in estimation procedure, the district domestic products may be used with a margin of error and can be used to have a broad judgement of income at district level. The district domestic product estimates are presented in Table No. 8 of part-Il of this publication.

## Per Capita Net District Domestic Product

3.22 Among the districts, Greater Mumbai with Per Capita Net District Domestic Product (at current prices) at Rs. 65,361 in 2006-07 was at the top in the State, followed by Pune (Rs. 60,375 ), Thane (Rs. 58,224 ), Raigad (Rs. 47,648), Nashik (Rs. 46,064) and Nagpur (Rs. 44,598). Washim district was the lowest in Per Capita Income (Rs. 20,774).

## Regionwise Per capita Income (Rs.) <br> 2006-07 (At current Prices)



## PUBLIC FINANCE

## State Finances


4.1 A fiscal disciplinary action of enactment of Fiscal Responsibility and Budgetary Management (FRBM) Act, 2005 has helped the Maharashtra State to bring out overall state finances in order in the recent past. The State is set to wipe out its revenue deficit during the current year and join a special league of states (viz. Haryana, Tamil Nadu, Karnataka and NCT Delhi) that have achieved this distinction and entered the surplus zone. Before enactment of FRBM Act, only during 1994-95, the State had enjoyed revenue surplus. Thereafter, during the last 12 years the state was facing revenue deficit position. During 2002-03, the state's revenue deficit was maximum at 30.1 per cent of revenue receipts and gradually it declined and reached to the lowest point of 5.3 per cent in 2006-07. This has happened mainly due to about two-fold increase in revenue receipts during the Tenth Five Year Plan (X-FYP).
4.2 During 2003-04, the state's fiscal deficit was maximum at 5.3 per cent of GSDP. It declined gradually and reached to 3.1 per cent in 2006-07. In overall, the State has achieved a marked reduction in both revenue and fiscal deficits, which is one of the important achievements of FRBM Act. Thus, the Maharashtra State is now moving from fiscal consolidation to fiscal stabilisation.
4.3 The state Government had presented the budget 2007-08 against the backdrop of the commitment to pursue the process of fiscal correction and consolidation. The state has achicved impressive growth in revenue receipts and considerable containment in revenue expenditure in the last few years. During 2003-04 to 2006-07, the revenue receipts increased annually at 20.6 per cent while the revenue expenditure increased at 14.1 per cent, leading to a substantial reduction in revenue deficit. The growth in revenue receipts
of the State was 18.1 per cent during the year $2005-06$, which increased to 24.4 per cent in 200607 . The revenue receipts are estimated to grow at 13.3 per cent in the year $2007-08$, while the growth in revenue expenditure is expected to be at 6.8 per cent.
4.4 Despite the higher allocation for maintenance of assets, containment in non-plan expenditure is achieved mainly due to containing the expenditure on establishment. The expenditure on wages \& salaries, pensions and interest payment has declined from 68.4 per cent of revenue receipts in 2005-06 to 61.8 per cent in 2006-07 and expected further to decline to 59.9 per cent in 2007-08.

Table No. 4.1
Trends in State Budget deficits
(Rs. crore)

| Year | Revenue <br> Deficit | Primary <br> Deficit | Fiscal <br> Deficit |
| :---: | :---: | :---: | :---: |

Pre-FRBM Act Position

| $2000-01$ | 7,834 | 3,751 | 8,976 |
| :--- | ---: | ---: | ---: |
|  | $(3.1)$ | $(1.5)$ | $(3.6)$ |
| $2001-02$ | 8,189 | 4,469 | 10,898 |
|  | $(3.0)$ | $(1.6)$ | $(4.0)$ |
| $2002-03$ | 9,371 | 7,160 | 14,290 |
|  | $(3.1)$ | $(2.4)$ | $(4.8)$ |

Post-FRBM Act Position

| $2003-04$ | 8,310 | 9,593 | 17,928 |
| :--- | ---: | ---: | ---: |
|  | $(2.4)$ | $(2.8)$ | $(5.3)$ |
| $2004-05$ | 10,033 | 9,641 | 18,620 |
|  | $(2.6)$ | $(2.5)$ | $(4.8)$ |
| $2005-06$ | 3,842 | 8,283 | 17,630 |
|  | $(0.9)$ | $(1.9)$ | $(4.0)$ |
| $2006-07(\mathrm{RE})$ | 3,192 | 3,850 | 15,620 |
|  | $(0.6)$ | $(0.8)$ | $(3.1)$ |
| $2007-08(\mathrm{BE})$ | $(-) 511$ | $(-) 956$ | 11,158 |
|  | $(-)(0.1)$ | $(-)(0.2)$ | $(1.9)$ |

RE: Revised Estimates BE: Budget Estimates Figures in brackets indicate percentage to GSDP. The minus figures for $2007-08$ indicate surplus.

4.5 Though the State is leading to become a revenue surplus State, the debt stock of the State Government in absolute number is increasing year after year and thereby increasing the burden of debt servicing and interest payments. Therefore, growing debt stock and high debt servicing to the revenue receipt ratio has been a matter of concern for the State. However, as a result of better fiscal management and increase in the state income, the State has been able to reduce the burden of debt to 26.4 per cent (of GSDP) in 2006-07 as against 28.4 per cent in 2005-06. It is further estimated "to decline to 24.9 per cent in 2007-08. Interest payment and debt servicing to revenue receipts ratio which was as high as 20.1 per cent in 2005-06, has increased to 20.4 per cent in 2006-07 and is estimated to decline to 18.6 per cent in 2007-08.

## Budgetary Position 2007-08

4.6 The State Budget 2007-08 shows surplus on both the revenue and capital accounts at Rs. 511 crore and Rs. 2,395 crore respectively, thereby aggregating total budgetary surplus at Rs. 2,906 crore. Taking into account the opening balance of Rs. $(-) 889$ crore, the budget for the year 2007-08 reveals a net surplus of Rs. 2,017 crore. The details are given in Table No. 4.2.

Table No. 4.2
Overall Budgetary Position for 2007-08


## Revenue Receipts

4.7 The total revenue receipts of the State Government increased from Rs. 31,103 crore during 2002-03 to Rs. 60,267 crore during 2006-07. Thus the revenue receipts have almost doubled during X-FYP. Both the tax revenue and non-tax revenue have increased almost at equal pace. During the last three years the overall revenue receipts have remained around 12 per cent of GSDP. The details are given in Table No. 4.3.

Table No. 4.3
Revenue Receipts of Maharashtra State

| (Rs. crore |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| Year | Tax <br> Revenue | Non-Tax Revenue | Total <br> Revenue Receipts | $\begin{gathered} \% \text { to } \\ \text { GSDP } \end{gathered}$ |
| 2002-03 | 25,079 | 6,024 | 31,103 | 10.4 |
| 2003-04 | 28,552 | 5,819 | 34,371 | 10.1 |
| 2004-05 | 34,201 | 6,812 | 41,013 | 10.6 |
| 2005-06 | 38,522 | 9,916 | 48,438 | 11.1 |
| 2006-07(RE) | 46,347 | 13,920 | 60,267 | 11.8 |
| 2007-08(BE) | 53,002 | 15,297 | 68,299 | 11.8 |

RE : Revised Estimates BE: Budget Estimates

| State's Own Tax Revenue for |  | 2006-07 <br> (Rs. crore) |
| :--- | :---: | :---: |
| State | State's <br> Own Tax <br> Revenue | $\%$ to <br>  <br>  <br> GSDP |
| Karnataka | 22,534 | 11.5 |
| Tamil Nadu | 27,011 | 10.9 |
| Andhra Pradesh | 23,668 | 9.4 |
| Kerala | 11,768 | 8.7 |
| Punjab | 9,811 | 8.6 |
| Rajasthan | 10,932 | 8.1 |
| Madhya Pradesh | 10,029 | 7.9 |
| Maharashtra | 40,323 | 7.9 |
| Uttar Pradesh | 23,484 | 7.6 |
| Gujarat | 16,258 | 6.4 |
| Bihar | 4,523 | 5.3 |

4.8 The tax revenue of the State consists of Own Tax Revenue (OTR) and Share in Central Taxes. During X-FYP, the total tax revenue of the State Government increased from Rs. 25,079 crore in 2002-03 to Rs. 46,347 crore in 2006-07. Further in 2007-08, it is expected to increase to Rs. 53,002 crore. The State's OTR which includes Value Added Tax (VAT), stamps and registration fees, state excise duties and electricity duties etc., by contributing about 88 to 90 per cent share, plays an important role in the State's total tax revenue.
4.9 Apart from State's OTR, the State Government is getting share in Central Taxes. As per the recommendations of Twelfth Finance Commission Maharashtra is receiving a share of 4.997 per cent of devoluble amount of central taxes. Accordingly, the State has received Rs. 4,983 crore for the year 2005-06. This amount has increased to Rs. 6,024 crore for 2006-07 and is expected to increase to Rs. 7,129 crore during 2007-08. The details are given in Table No.4.4.

Table No. 4.4
Tax Revenue of Maharashtra State
(Rs. crore)

| Year | Statc's <br> own tax <br> revenue | Share in <br> Central <br> taxes | Total <br> tax <br> revenue | $\%$ to <br> GSDP |
| :--- | :---: | :---: | :---: | :---: |
| $2002-03$ | 22,814 | 2,265 | 25,079 | 8.3 |
| $2003-04$ | 25,181 | 3,371 | 28,552 | 8.4 |
| $2004-05$ | 30,605 | 3,596 | 34,201 | 8.8 |
| $2005-06$ | 33,539 | 4,983 | 38,522 | 8.8 |
| $2006-07(\mathrm{RE})$ | 40,323 | 6,024 | 46,347 | 9.1 |
| $2007-08(\mathrm{BE})$ | 45,873 | 7,129 | 53,002 | 9.2 |
| RE $:$ Revised Estimates | BE $:$ Budget Estimates |  |  |  |

4.10 The Value Added Tax (VAT) is a major contributor ( 60 per cent) of State's OTR. The revenue from VAT has increased by 22 per cent in absolute terms during 2006-07 over the previous year. The compensation to the tune of Rs. 3,670 crore has been received from the Central Government in lieu of losses incurred during 2005-06 due to implementation of VAT. Similarly, a compensation of Rs. 3,061 crore is expected for 2006-07. Also, a claim of Rs. 700 crore for the first half of 2007-08 has been submitted to the Central Government. The details are given in Table No. 4.5.

| Item | 2005-06 <br> (Actual) | $\begin{gathered} 2006-07 \\ (R E) \end{gathered}$ | $\begin{gathered} 2007-08 \\ (\mathrm{BE}) \end{gathered}$ |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| Value Added Tax (VAT) | 19,677 | 23,962 | 27,465 |
| Stamps \& Reg. fees | 5,266 | 6,250 | 7,200 |
| State excise duties | 2,824 | 3,250 | 3,500 |
| Taxes \& Duties on Electricity | 1,661 | 1,697 | 1,781 |
| Other taxes on income and expenditurre | 1,157 | 1,232 | 1,298 |
| Taxes on vehicles | 1,309 | 1,800 | 2,070 |
| Other taxes and duties on commo. \& services | 712 | 986 | 1,275 |
| Taxes on goods and passengers | 504 | 546 | 594 |
| Land revenue | 429 | 600 | 690 |
| Total <br> \% to Revenue Receipts | $\begin{array}{r} 33,539 \\ (69.2) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 40,323 \\ (66.9) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 45,873 \\ (67.2) \end{array}$ |

## Tax Collection during April to December, 2007

4.11 As per the data received from Civil Accounts for the period from April to December, 2007, the total revenue receipts has increased by 10.6 per cent in the corresponding period of the previous year. During the same period, tax revenue increased by 13.3 per cent whereas the non-tax revenue declined by 1.4 per cent. The increase in State's OTR was just 11.8 per cent, in which the revenue from VAT has increased by 9 per cent, stamps \& registration fees by 25.6 per cent, state excise duties by 17.2 per cent and the taxes on vehicles by 12.8 per cent than such receipts in the corresponding period of the previous year. However, taxes and duties on Electricity has declined by 13 per cent than the such receipts during the corresponding period of the previous year. The details are given in Table No. 1.6.

Table No. 4.6
Tax Collection during April to December 2007
(Rs. crore)

| Item | April December, 2006 | $\begin{gathered} \text { April - } \\ \text { December, } \\ 2007 \end{gathered}$ | Increase over previous year |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| A) Total Revenue Receipts ( $a+b$ ) | $\text { ts } 39,492$ | 43,672 | 10.6 |
| a) Tax Revenue | 32,172 | 36,458 | 13.3 |
| b) Non-tax Revenue | 7,320 | 7,214 | -1.4 |
| Own Tax Revnue (1 to 9) | ) 28,523 | 31,875 | 11.8 |
| 1) Value Added Tax (VAT | T) 17,723 | 19,314 | 9.0 |
| 2) Stamps \& Reg. fees | 4,477 | 5,621 | 25.6 |
| 3) State Excise duties | 2,203 | 2,581 | 17.2 |
| 4) Taxes \& duties on Electricity | 1,099 | 956 | -13.0 |
| 5) Land Revenue | 253 | 258 | 2.0 |
| 6) Taxes on Vehicles | 1,314 | 1,482 | 12.8 |
| 7) Other taxes on Income \& Expenditure | 910 | J,073 | 17.9 |
| 8) Taxes on goods \& passengers | 86 | 27 | -68.6 |
| 9) Other taxes \& duties on commodities \& ser. | 458 | 563 | 22.9 |

4.12 During the first nine months of this fiscal, the total revenue receipts were 63.9 per cent of budget estimates, in which the total tax revenue receipts were 68.8 per cent of the budgeted tax revenue. During the same period, the total non-tax revenue receipts were just 47.2 per cent of the budgeted non-tax revenue. The details are given in Table No. 4.7.

Table No. 4.7
Revenue Receipts during April to December, 2007

|  |  | (Rs. crore) |  |
| :--- | :---: | :---: | :---: |
|  | Budget <br> Estimates <br> $2007-08$ | Receipts <br> during <br> first nine <br> months | $\%$ <br> to |
| A) Tax Revenue (i+ii) | $\mathbf{5 3 , 0 0 2}$ | $\mathbf{3 6 , 4 5 8}$ | $\mathbf{6 8 . 8}$ |
| i) State's own tax | 45,873 | 31,875 | 69.5 |
| Revenue |  |  |  |
| ii) Share in Central Taxes | 7,129 | 4,583 | 64.3 |
| B) Non-Tax Revenue (i+ii) | $\mathbf{1 5 , 2 9 7}$ | $\mathbf{7 , 2 1 4}$ | 47.2 |
| i) Non-Tax Revenue | 5,748 | 3,246 | 56.5 |
| ii) Grants-in-aid from | 9,549 | 3,968 | 41.6 |
| Centre |  | $\mathbf{4 3 , 6 7 2}$ | $\mathbf{6 3 . 9}$ |
| C) Total Revenue Receipts | $\mathbf{6 8 , 2 9 9}$ |  |  |
| (A+B) |  |  |  |

## Non-Tax Revenue

4.13 The receipts from Non-Tax Revenue consist of four items viz. (1) Interest Receipts, (2) Dividends and Profits, (3) Central Grants and (4) Other Non-Tax Revenue in the purview of the State, such as the reccipts from fees, fines, penalties, etc. During 2006-07, a heavy rise in grants from Central Government (more than double) led to increase in non-tax revenue by about 40.4 per cent over the previous year. The receipts from non-tax revenue were Rs.9,916 crore during 2005-06 which increased to Rs. 13,920 crore during 2006-07 and are expected to be at Rs. 15,297 crore in 2007-08. However, apart from grants from Central Government, there is not much addition to other non-tax revenue. The details are given in Table No. 4.8. The increase in the non-tax revenue will help in the overall increase in revenue receipts of the State. Recognising the importance of augmentation of non-tax revenue, the state has to put more efforts to increase other non-tax revenue.

Table No. 4.8
Non-Tax Revenue of Maharashtra State
(Rs. crore)

| Item | $2005-06$ <br> Actuals | $2006-07$ <br> (RE) | $2007-08$ <br> (BE) |
| :--- | ---: | ---: | ---: |
| Interest Receipts | 1,737 | 1,053 | 1,027 |
| Dividends \& Profits | 4 | 4 | 4 |
| Central Grants | 3,981 | 8,598 | 9,549 |
| Other Non-Tax Revenue | 4,194 | 4,265 | 4,717 |
| TotaI | 9,916 | 13,920 | 15,297 |
| \% to Revenue Receipts | 20.5 | 23.1 | 22.4 |

RE : Revised Estimates BE: Budget Estimates

## Revenue Expenditure

4.14 The Revenue Expenditure of the State Government which consists of Development and Non-Development Expenditures was Rs.40,474 crore during 2002-03. This increased to Rs. 52,280 crore during 2005-06 and Rs.63,460 in 2006-07. It is further expected to increase to Rs.67,788 crore during 2007-08. Though the revenueexpenditure is increasing in absolute number over the period of time, its proportion to revenue receipts is decelerating.
4.15 As per the data received from Civil Accounts for the period from April to December, 2007, the total revenue expenditure of the Government was at Rs. 39,423 crore ( 58.2 per

| Development and Non-Development <br> Expenditure on Revenue Account <br> (Rs. crore) |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| Year | Development <br> Expenditure | Non- <br> Development <br> Expenditure | Total <br> Revenue <br> Expenditure |
| $2002-03$ | 22,527 | 17,947 | 40,474 |
| $2003-04$ | 22,860 | 19,820 | 42,680 |
| $2004-05$ | 28,776 | 22,271 | 51,047 |
| $2005-06$ | 30,583 | 21,697 | 52,280 |
| $2006-07(\mathrm{RE})$ | 36,811 | 26,649 | 63,460 |
| $2007-08$ (BE) 37,917 | 29,871 | 67,788 |  |

development expenditure was Rs. 23,288 crore (61.4 per cent of budget estimates) and non-development expenditure was Rs.16,135 crore (54 per cent of budget estimates). In the development expenditure, expenditure on social services was Rs. 16,919 crore and expenditure on economic services was Rs. 5,870 crore.

| Revenue <br>  <br> Yeceipts and Revenue Expenditure <br> of Maharashtra State |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | Revenue <br> Receipts | Revenue <br> Expenditure | \% of Exp. <br> to Revenue <br> Receipts |
| $2002-03$ | 31,103 | 40,474 | 130.1 |
| $2003-04$ | 34,370 | 42,680 | 124.2 |
| $2004-05$ | 41,013 | 51,047 | 124.5 |
| $2005-06$ | 48,438 | 52,280 | 107.9 |
| $2006-07$ (RE) | 60,267 | 63,460 | 105.3 |
| $2007-08$ (BE) | 68,299 | $67,788^{\circ}$ | 99.3 |

## Plan and Non-plan Expenditure

4.16 The total expenditure of the Government is classified into Plan and Non-plan. During X-FYP, the share of plan expenditure in the total expenditure increased from 8.4 per cent during 2002-03 to 22.4 per cent in 2006-07. This increase is mainly due to increasing emphasis by the Government on development expenditure; basically in social and economic services. However, the Government incurs heavy non-plan expenditure mainly on salary, wages, pensions and interest payments. The details are given in Table No. 4.9 and 4.10.

Table No. 4.9
Plan and Non-plan expenditure of total budget

| Year | Plan <br> Exp. | Non-plan <br> Exp. | Total <br> Expenditure |
| :--- | ---: | ---: | ---: |
|  |  |  |  |
| $2002-03$ | 5,167 | 56,048 | 61,215 |
|  | $(8.4)$ | $(91.6)$ | $(100.0)$ |
| $2003-04$ | 7,570 | 62,786 | 70,356 |
|  | $(10.8)$ | $(89.2)$ | $(100.0)$ |
| $2004-05$ | 9,229 | 66,977 | 76,206 |
|  | $(12.1)$ | $(87.9)$ | $(100.0)$ |
| $2005-06$ | 12,980 | 59,381 | 72,361 |
|  | $(17.9)$ | $(82.1)$ | $(100.0)$ |
| $2006-07(\mathrm{RE})$ | 18,123 | 62,799 | 80,922 |
|  | $(22.4)$ | $(77.6)$ | $(100.0)$ |
| $2007-08(\mathrm{BE})$ | 20,777 | 64,860 | 85,637 |
|  | $(24.3)$ | $(75.7)$ | $(100.0)$ |

Table No. 4.10
Expenditure on salary, wages, pensions \& interest payments
(Rs. crore)

| Year | Salary <br> wages <br> pension | Revenue to <br> Receipts | Interest <br> pay- <br> ments | $\%$ to <br> Revenue <br> Receipts |
| :--- | :---: | :---: | ---: | :---: |
| $2000-01$ | 18,850 | 63.8 | 6,234 | $21.1-$ |
| $2001-02$ | 18,855 | 62.7 | 7,834 | 26.0 |
| $2002-03$ | 18,466 | 59.4 | 8,714 | 28.0 |
| $2003-04$ | 19,476 | 56.7 | 9,902 | 28.8 |
| $2004-05$ | 20,513 | 50.0 | 10,258 | 25.0 |
| $2005-06$ | 22,623 | 46.7 | 10,523 | 21.7 |
| $2006-07(\mathrm{RE})$ | 25,145 | 41.7 | 12,093 | 20.1 |
| $2007-08(\mathrm{BE})$ | 28,448 | 41.7 | 12,406 | 18.2 |

## Capital Receipts and Expenditure

4.17 The capital receipts consist of three parts viz. (1) Recovery of loans, (2) Other receipts viz. inter-state settlement, Contingency Fund and its appropriation, etc. and (3) Borrowings and other liabilities.
4.18 Borrowings and other liabilities include a) the net receipts from internal debt of the State Government, b) loans and advances from Central Government and c) the net receipts on Public Account bearing and not-bearing intercst obligations such as Provident Funds, Reserve Funds, Civil Deposits \& advances; Suspense \& Misc. and Remittances, etc. The borrowings and

| Capital Receipts and Capital <br> of Maharashtra State <br> Year |  |  |
| :---: | :---: | :---: |
| Capital <br> Receipt | Capital <br> Expenditure |  |
| $2002-03$ | 14,754 | 5,388 |
| $2003-04$ | 18,222 | 10,101 |
| $2004-05$ | 20,783 | 10,628 |
| $2005-06$ | 18,434 | 14,340 |
| $2006-07(\mathrm{RE})$ | 15,234 | 12,932 |
| $2007-08(\mathrm{BE})$ | 14,598 | 12,203 |

other liabilities contribute maximum share (i.e. about 90 per cent) of the total capital receipts. The capital receipts of the Government are diminishing as a result of reduction in borrowings and other liabilities.
4.19 The capital expenditure consists of two parts viz.(1) Capital Expenditure outside the Revenue Account and (2) Loans and Advances given by the State Government. Major portion (at about 71 to 81 per cent) of the total capital expenditure is covered by capital expenditure outside the revenue account which is fully a development expenditure. During 2005-06, the capital expenditure was Rs. 14,340 crore, which has declined to Rs. 12,932 crore during 2006-07.


## Debt Position of Maharashtra

4.20 There are three types of debts raised by the State Government viz. (1) Public Debts, (2) Borrowings from the Small Savings \& Provident Funds and (3) Borrowings from the Public Account transactions i.e. Interest Bearing and Not- Interest Bearing Obligations, such as Reserve Funds and Civil Deposits. As per the recommendations of Twelfth Finance Commission, the Central Government has discontinued to advance loans and advances to the State Government except for externally aided projects, as a result of which, the extent of fresh loans received from Central Government have been reduced substaintially. Also, in the recent years, the Government has stopped off-budget borrowing completely. Though the debt burden of the State is increasing in absolute number, its percentage to GSDP is decreasing. The debt burden of the State which was Rs.82,549 crore in $2002-03$ increased to ${ }^{-}$ Rs.1,34,493 crore in 2006-07. However, its percentage to GSDP has declined from 27.5 per cent to 26.4 per cent. Further, during 2007-08, the burden of debt is expected to be at Rs. $1,44,325$ crore which is 24.9 per cent of GSDP. The details are given in Table No. 4.11. As a part of medium term fiscal policy of the State, the Government is aiming to reduce the burden of debt stock to the extent of 25 per cent of GSDP.

Table No. 4.11

## Total Outstanding Liabilities and Interest Payment

| Year | Outstanding <br> Liabilities | Interest <br> Payment | Average cost <br> of borrowings <br> (per cent <br> per annum) |
| :--- | ---: | ---: | :---: |
| $2002-03$ | 82,549 | 8,714 | 12.1 |
| $2003-04$ | 97,674 | 9,902 | 12.0 |
| $2004-05$ | $1,09,167$ | 10,258 | 10.5 |
| $2005-06$ | $1,24,365$ | 10,523 | 9.6 |
| $2006-07(\mathrm{RE})$ | $1,34,493$ | 12,093 | 9.7 |
| $2007-08(\mathrm{BE})$ | $1,44,325$ | 12,406 | 9.2 |

RE : Revised Estimates BE : Budget Estimates
Note : Average Cost of borrowings is the percentage of Interest Payment to the outstanding liabilities in preceding year.

| Statewise debt position for | 2006-07 <br> (Rs. crore) |  |
| :--- | ---: | :--- |
| State | Total <br> Debt | $\%$ to <br> GSDP |
| Bihar | 54,897 | 63.8 |
| Rajasthan | 72,652 | 53.6 |
| Uttar Pradesh | $1,61,358$ | 52.2 |
| Punjab | 57,609 | 50.8 |
| West Bengal | $1,26,226$ | 48.3 |
| Orissa | 39,388 | 47.4 |
| Kerala | 57,688 | 42.8 |
| Madhya Pradesh | 53,545 | 42.0 |
| Andhra Pradesh | 91,445 | 36.2 |
| Gujarat | 86,138 | 34.2 |
| Tamil Nadu | 68,655 | 27.6 |
| Karnataka | 53,909 | 27.5 |
| Maharashtra | $\mathbf{1 , 3 4 , 4 9 3}$ | $\mathbf{2 6 . 4}$ |

## Interest payments

4.21. The nature of expenditure incurred on interest payments is non-developmental. High expenditure on interest payments always has impact on revenue and fiscal deficits. In the past few years, with concerted efforts of the State Government to restructure debt portfolio, the average cost of borrowings has declined from 12.1 per cent in 2002-03 to 9.7 per cent in 2006-07.


The State Government is trying to restructure its portfolio further to lower its average cost of borrowing. However, duc to the lack of call/put options in some earlier high-cost borrowings, the Government could not phase out all of its high-cost debts. The expenditure on interest payments was Rs. 10,523 crore in 2005-06 which increased to Rs.12,093 crore during 2006-07. During 2007-08, this expenditure is expected to be at Rs. 12,406 crore.

Some important per capita financial indicators for 2006-07

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | (Rupees) |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| Financial <br> Indicators | A.P. | Bihar | Gujrat | Karnataka | Kerala | M.P.Maharashtra Punjab Rajasthan |  |  |  | Tamil <br> Nadu | U.P. | West <br> Bengal |
| Revenue Receipts | 5,502 | 2,446 | 5,410 | 6,632 | 5,629 | 3,642 | 5,616 | 7,475 | 3,969 | 6,138 | 3,179 | 3,120 |
| Tax Revenue | 4,096 | 1,832 | 3,996 | 5,044 | 4,511 | 2,606 | 4,319 | 4,262 | 2,821 | 5,224 | 2,450 | 2,428 |
| State's OTR | 3,078 | 486 | 3,285 | 4,170 | 3,561 | 1,489 | 3,757 | 3,670 | 1,766 | 4,255 | 1,291 | 1,446 |
| Share in Central 'Taxes | 1,018 | 1,346 | 711 | 874 | 950 | 1,117 | 561 | 592 | 1,055 | 969 | 1,159 | 981 |
| Grants from Center | 734 | 577 | 701 | 838 | 808 | 694 | 801 | 1,003 | 652 | 474 | 443 | 553 |
| Revenue Exp. | 5,509 | 2,526 | 5,090 | 6,138 | 7,385 | 3,383 | 5,913 | 8,300 | 3,954 | 6,175 | 3,001 | 4,092 |
| Dev. Expenditure | 4,927 | 2,073 | 4,494 | 5,111 | 4,207 | 2,823 | 4,518 | 4,833 | 3,147 | 4,664 | 2,325 | 2,394 |
| Social 'Sector Exp. | 2,574 | 1,331 | 2,319 | 2,702 | 2,899 | 1,666 | 2,789 | 2,232 | 2,028 | 2,849 | 1,358 | 1,670 |
| Salary \& Wages Exp. | 1,469 | N.A. | 1,718 | 1,184 | 2,431 | 1,011 | 2,365 | N.A. | 1,128 | 1,926 | 636 | 1,319 |
| Exp. on Int. Payment | 973 | 413 | 1,214 | 739 | 1,316 | 623 | 1,097 | 1,613 | 892 | 833 | 562 | 1,255 |
| Capital Receipts | 1,899 | 556 | 1,512 | 907 | 2,737 | 792 | 1,573 | 2,094 | 1,040 | 1,741 | 730 | 1,624 |
| Capital Expenditure | 1,889 | 793 | 1,805 | 1,599 | 1,149 | 1,108 | 1,379 | 1,808 | 1,113 | 1,903 | 897 | 892 |
| Outstanding Loans | 13,563 | 5,213 | 15,847 | 9,322 | 16,195 | 7,885 | 15,012 | 20,834 | 11,094 | 10,382 | 9,078 | 14,181 |

## Local Self-Government Institutions

4.22 Local Self-Government (LSG) institutions are the prominent organisations playing an important role in development at local level. These are distinctly divided into rural and urban areas. The financial resources as well as the composition of expenditure of the Local Self-Covernment institutions in rural and urban areas also differ.
4.23 The typewisc Local Self-Government institutions functioning in the State by the end of March, 2007, their total income (including opening balance) and total expenditure during 2006-07 are given in Table No. 4.12. Though the urban LSG institutions are less in number, their total income and total expenditure during 2006-07 was more than that of rural LSG institutions.

Table No. 4.12
Income and expenditure of
Local Self-Government institutions 2006-07

|  |  |  | (Rs. in crore) |
| :--- | :---: | ---: | :---: |
| LSG | Number | Total * | Total |
| institution | $31 / 3 / 07$ |  |  |
|  |  |  |  |
| Rural LSG Institutions |  |  |  |
| Gram Panchayats | 27,916 | 1,310 | 938 |
| Zilla Parishads | 33 | 12,582 | 10,475 |
| Urban LSG Institutions |  |  |  |
| Municipal Corporations | 22 | 18,670 | $\mathbf{1 4 , 8 2 0}$ |
| Municipal Councils | 222 | 2,539 | 1,840 |
| Nagar Panchayats | 3 | 14 | 12 |
| Cantonment Boards | 7 | 188 | 163 |
| Total |  |  |  |

## * Including opening balance

## Gram Panchayats

4.24 The major sourcewise income and broad headwise expenditure of all Gram Panchayats in the State together for the years 2005-06 and 2006-07 are given in Table No. 4.13.
4.24.1 The total receipts of all Gram Panchayats in the State during 2006-07 were Rs. 990 crore registering 15 per cent increase over the previous year. The Government grants remained the major source of receipts for the Gram Panchayats and their share in total receipts was at about 38 per cent in 2006-07. The Government grants increased from Rs. 293 crore

Table No. 4.13
Income and expenditure of Gram Panchayats

|  |  |  | (Rs. | in crore) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| Item | 2005-06 |  | 2006-07 |  |
|  | Actuals | Percentage ${ }^{*}$ | Actuals | Per- <br> centage ${ }^{*}$ |
| Income |  |  |  |  |
| (A) Opening balance | 292 | - | 320 | - |
| (B) Receipts |  |  |  |  |
| 1. Taxes |  |  |  |  |
| i) Taxes on houses \& other properties | 239 | 27.9 | 258 | 26.0 |
| ii) Other taxes | 142 | 16.6 | 172 | 17.4 |
| Total taxes (i+ii) | 381 | 44.5 | 430 | 43.4 |
| 2. Government grants | 293 | 34.1 | 376 | 38.0 |
| 3. Contributions and donations | 112 | 13.1 | 113 | 11.4 |
| 4. Other receipts | 72 | 8.3 | 71 | 7.2 |
| Total receipts (B) | 858 | 100.0 | 990 | 100.0 |
| Total Income ( $\mathrm{A}^{\text {+ }} \mathrm{l}$ ) | 1,150 | - | 1,310 | - |
| Expenditure |  |  |  |  |
| 1. Administration | 136 | 16.6 | 154 | 16.4 |
| 2. Health and Sanitation | 197 | 24.0 | 241 | 25.7 |
| 3. Public works | 317 | 38.6 | 352 | 37.5 |
| 4. Public lighting | 41 | 5.0 | 47 | 5.0 |
| 5. Education | 19 | 2.4 | 20 | 2.2 |
| 6. Welfare of people | 54 | 6.6 | 44 | 4.7 |
| 7. Other expenditure | 56 | 6.8 | 80 | 8.5 |
| Total expenditure $\text { ( } 1 \text { to } 7 \text { ) }$ | 820 | 100.0 | 938 | 100.0 |

* Excluding opening balance

in 2005-06 to Rs. 376 crore in 2006-07 showing an increase of about 28 per cent. The share of Government grants in the total receipts of all the Gram Panchayats was about 26 per cent during 2001-02, which rose to about 38 per cent during 2006-07. The average receipts per Gram Panchayat during 2006-07 were Rs. 3.54 lakh.
4.24.2 The total expenditure of all the Gram Panchayats increased from Rs. 820 crore in 2005-06 to Rs. 938 crore i. e. by 14.4 per cent in 2006-07. Of the total expenditure, the highest expenditure incurred was on public works at 38 per cent, followed by health \& sanitation with a share of 26 per cent. The average expenditure per Gram Panchayat during 2006-07 was Rs.3.36 lakh


## Zilla Parishads

4.25 The major sourcewise income of all Zilla Parishads in the State during 2005-06 (Actuals) and 2006-07 (RE) is given in Table No. 4.14 .
4.25.1 Total receipts of all the Zilla Parishads taken together had increased by 7.5 per cent from Rs. 9,996 crore in $2005-06$ to Rs. 10,801 crore in 2006-07. During 2006-07, with about 72 per cent share in total receipts, the Government grants remained major source of income for the

Table No. 4.14
Income of Zilla Parishads
(Rs. in crore)

| Item | 2005-06 |  | 2006-07 |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | Actuals | Percentage: ${ }^{\text {: }}$ | RE | Percent age* |
| A) Opening balance | 1,570 | - | 1,781 | - |
| B) Revenue receipts |  |  |  |  |
| 1. Self-raised resources | 154 | 1.5 | 147 | 1.4 |
| 2. Government grants | 7,394 | 74.0 | 7,773 | 71.9 |
| 2.1 Statutory Grants |  |  |  |  |
| i) Purposive | 3,662 | 36.6 | 3,805 | 35.2 |
| ii) Establishment | 1,774 | 17.7 | 1,775 | 16.4 |
| iii) Plan | 708 | 7.2 | 809 | 7.5 |
| iv) Others | 460 | 4.6 | 560 | 5.2 |
| Total (2.1) | 6,604 | 66.1 | 6,949 | 64.3 |
| 2.2 For agency schemes | 790 | 7.9 | 824 | 7.6 |
| 3. Income from other-sources | 181 | 1.8 | 189 | 1.8 |
| Total Revenue receipts $(1+2+3)$ | 7,729 | 77.3 | 8,109 | 75.1 |
| C) Capital reccipts | 2,267 | 22.7 | 2,692 | 24.9 |
| D) Total Receipts $(\mathbf{B}+\mathrm{C})$ | 9,996 | 100.0 | 10,801 | 100.0 |
| Total Income(A+D) | 11,566 | $\bullet$ | 12,582 | - |

* Excluding opening balance

Zilla Parishads. Apart from Government grants, capital receipts contributed 25 per cent in the

Components of receipts \& expenditure of Zilla Parishads 2006-07


Expenditure

total receipts of ZPs. The share of Government grants in total receipts of all ZPs in 2001-02 was about 85 per cent, which declined to about 72 per cent in 2006-07, whereas during the same period, the percentage share of capital receipts has increased from about 12 per cent to 25 per cent. The revenue receipts from self raised resources declined from Rs. 154 crore during 2005-06 to Rs. 147 crore during 2006-07.
4.25.2 The major headwise expenditure of Zilla Parishads during 2005-06 (Actuals) and 2006-07 (RE) is given in Table No. 4.15.

Table No. 4.15
Expenditure of Zilla Parishads

|  |  |  |  | in crore) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| Item | 2005-06 |  | 2006-07 |  |
|  | Actuals | Percentage | RE | Percentage |


| (A) Revenue Expenditure |  |  |  |  |
| :--- | ---: | ---: | ---: | ---: |
| 1. General <br> administration | 569 | 6.0 | 575 | 5.5 |
| 2. Education | 3,489 | 36.8 | 3,638 | 34.7 |
| 3. Public works | 502 | 5.3 | 591 | 5.6 |
| 4. Irrigation | 216 | 2.3 | 239 | 2.3 |
| 5. Agriculture | 75 | 0.8 | 92 | 0.9 |
| 6. Animal husbandry | 100 | 1.1 | 115 | 1.1 |
| 7. Forests | 9 | 0.1 | 7 | 0.1 |
| 8. Public health | 827 | 8.7 | 946 | 9.0 |
| 9. Social welfare | 629 | 6.6 | 737 | 7.0 |
| 10. Other expenditure | 1,079 | 11.4 | 1,221 | 11.7 |
| $\quad$ Total(A) | $\mathbf{7 , 4 9 5}$ | $\mathbf{7 9 . 1}$ | $\mathbf{8 , 1 6 1}$ | $\mathbf{7 7 . 9}$ |
| (B) Capital | $\mathbf{1 , 9 8 4}$ | $\mathbf{2 0 . 9}$ | $\mathbf{2 , 3 1 4}$ | $\mathbf{2 2 . 1}$ |
| Expenditure |  |  |  |  |
| Total Expenditure | $\mathbf{9 , 4 7 9}$ | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ | $\mathbf{1 0 , 4 7 5}$ | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ |
| (A+ B) |  |  |  |  |

4.25.3 The total expenditure of all the Zilla Parishads in 2006-07 was Rs. 10,475 crore, higher -by 10.5 per cent over the total expenditure of Rs.9,479 crore in 2005-06. The major expenditure ( 35 per cent) was incurred on education, followed by capital expenditure of 22 per cent. There was substantial increase in the expenditure incurred on public works ( 18 per cent) and public health (14 per cent) over the previous year.

## Urban Local Self-Government Institutions

4.26 The Urban Local Self-Government Institutions in Maharashtra State by the end of March, 2007 comprise of 22 Municipal Corporations, 222 Municipal Councils and 3 Nagar Panchayats. Of the 222 Municipal Councils, 18 were 'A' class (having population more than one lakh), 62 were ' B ' class (having population more than 40,000 but not more than one lakh) and 142 were ' C ' class (having population of

40,000 or less). Besides these, there were 7 Cantonment Boards and 3 Nagar Panchayats in the state. The income and expenditure of the urban LSG institutions (excluding Nagar Panchayats) during 2005-06 and 2006-07 are given in Table No. 4.16.

Table No.4. 16
Income and expenditure of urban LSG institutions
(Rs. in crore)

| Item | $2005-06$ | $2006-07$ |
| :--- | ---: | ---: |
| A) Municipal Corporations |  |  |
| 1. Number | 22 | 22 |
| 2. Income | $\mathbf{1 4 , 4 6 7}$ | $\mathbf{1 8 , 6 7 0}$ |
| 2.1 Opening Balance | 1,540 | 2,453 |
| 2.2 Receipts | 12,927 | 16,217 |
| 3. Expenditure | 12,335 | 14,820 |
| B) Municipal Councils |  |  |
| 1. Number | 222 | 222 |
| 2. Income | $\mathbf{1 , 8 8 1}$ | $\mathbf{2 , 5 3 9}$ |
| 2.1 Opening Balance | 379 | 477 |
| 2.2 Receipts | 1,502 | 2,062 |
| 3. Expenditure | $\mathbf{1 , 4 2 9}$ | $\mathbf{1 , 8 4 0}$ |
| C) Cantonment Boards |  |  |
| 1. Number | 7 | 7 |
| 2. Income | $\mathbf{1 8 2}$ | $\mathbf{1 8 8}$ |
| 2.1 Opening Balance | 20 | 29 |
| 2.2 Receipts | $\mathbf{1 6 2}$ | $\mathbf{1 5 9}$ |
| 3. Expenditure | $\mathbf{1 4 4}$ | $\mathbf{1 6 3}$ |

4.26.1 The major sourcewise income and broad headwise expenditure of urban LSG institutions for 2006-07 are given in Table No. 16 of Part II of this publication.

## Municipal Corporations

4.27 The total receipts of all Municipal Corporations (excluding BEST undertaking) during 2006-07 were Rs. 16,217 crore and were higher by 25.4 per cent over previous year. The major contribution in total receipts was from octroi collection ( 40 per cent), receipts from water charges ( 7 per cent) and property tax $(6$ per cent). Apart from this, Government grants \& contributions and loans \& deposits contributed 4 per cent each in the total receipts of the municipal corporations of the State.
4.27.1 During 2006-07, the total expenditure of all Municipal Corporations (excluding BEST undertaking) increased by 20 per cent and was at Rs. 14,820 crore. The share of expenditure incurred on establishment has declined from 38 per cent in 2005-06 to 29 per cent in 2006-07. The share of expenditure incurred on water
supply, drainage \& sewerage and construction works was 9.5 per cent, 7 per cent and 10 per cent respectively.
4.27.2 During 2006-07, the total receipts of Municipal Corporation of Greater Mumbai (MCGM) (excluding BEST undertaking) were Rs. 9,644 crore, more by 25 per cent than that of previous year and were 59 per cent of the total receipts of all Municipal Corporations in the State.
4.27.3 The total expenditure of MCGM (excluding BEST undertaking) during 2006-07 was Rs. 8,503 crore, which was 57 per cent of the total expenditure of all Municipal Corporations in the State.
4.27.4 The total receipts of BES'T undertaking during 2006-07 were Rs. 2,481 crore, of which electric supply division contributed 64 per cent. The total expenditure incurred by BEST during 2006-07 was Rs. 3,168 crore, in which the expenditure incurred on establishment was Rs. 964 crore ( 30 per cent). During 2006-07, both the electricity supply division and transport service division incurred losses of Rs. 323 crore and Rs. 364 crore respectively.

## Municipal Councils

4.28 The total receipts of all Municipal Councils in the State for 2006-07 were at

Rs. 2,062 crore and were more by 37 per cent than those in the previous year. The Government grants was a major source of income for all the Municipal Councils, contributing about 61 per cent in the total receipts. Apart from Government grants, share of taxes, fees \& rents was 24 per cent and share of deposits \& loans was 9 per cent.
4.28.1 The total expenditure of all Municipal Councils during 2006-07 was Rs. 1,840 crore, more by 29 per cent than that in the previous year. Out of this expenditure, 30 per cent was on establishment, 20 per cent on construction works, 7 per cent on water supply and 11 per cent on debt services.

## Nagar Panchayats and Cantonment Boards

4.29 As on 31st March, 2007, there were three Nagar Panchayats in the State viz. Dapoli (District Ratnagiri), Kankavali (District Sindhudurg) and Shrirdi (District Ahmednagar). Their total receipts and expenditure in 2006 - 07 were Rs. 14.42 crore and Rs. 12.42 crore respectively.
4.30 As on 31st March, 2007, there were seven Cantonment Boards in the State. Their total receipts and expenditure in 2006-07 were Rs. 159.18 crore and Rs. 163.40 crore respectively.

## AGRICULTURE AND ALLIED ACTIVITIES

## Maharashtra Scenario


5.1 Nearly 55 per cent of the State's population depends on agriculture for it's livelihood. This sector has been the single largest provider of employment to the rural people of the State. However, the contribution of agriculture sector in the State economy is reducing over the period because of unfavourable agro-climatic situation and faster growth in other sectors especially in services sector. Nearly, one-third area of the State falls under rain-shadow region, where the rains are scanty and erratic. In these areas, only dry land cultivation is undertaken. Out of the total geographical area of the state, the proportion of area under agriculture ( 56.8 per cent in 2005-06) is much more than that at national level ( 43.2 per cent). Despite huge spending on the irrigation projects, the proportion of gross area irrigated to gross cropped area in the State is around 17 per cent as against about 43 per cent at the national level.
5.1.1 The gross cropped area in the State has increased by about 20 per cent from 188.2 lakh hectares in 1960-61 to 225.6 lakh hectares in 2005106. However, the pace of growth of area under foodgrains during the same period of 45 years was just around four per cent. The agricultural productivity has not increased much as compared to the national level increase despite concerted efforts and large scale spending on soil conservation and watershed development works. The per hectare yield ( 924 kg .) of the State in respect of foodgrains for 2005-06 was far below the national average ( $1,716 \mathrm{~kg}$.). It is, therefore, needed to focus on increasing the production and productivity of the foodgrains and also to ensure sustainable growth of agriculture sector by facilitating the farmers to enhance their income resources.

Foodgrains : Domestic consumption and shortages

Data collected on monthly household consumption of cereals and pulses in the National Sample Survey 61st Round (2004-05) is used to estimate the domestic consumption of important agricultural commodities and their shortages in the State with reference to the year 2005-06. The results are as under:

| Commodity | Monthly per capita consumption (kg.) |  | Estimates of domestic Estimated  <br> Prod- Con- shortfall <br> uction sump-  <br> $2005-06$ tion (Lakh MT) <br> (L.akh MT) (Lakh MT)  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | Rural | Urban |  |  |  |
| Rice | 3.01 | 2.97 | 24.62 | 38.49 | 13.87 |
| Wheat | 3.62 | 4.55 | 13.95 | 51.90 | 37.95 |
| Jowar | 2.58 | 0.95 | 37.02 | 23.85 | $(-) 13.17$ |
| Bajra | 0.92 | 0.19 | 10.39 | 7.65 | (-) 2.74 |
| Other cereals | 0.12 | 0.01 | 11.48 | 0.91 | $(-) 10.57$ |
| Total cereals | $10.25$ | 8.67 | 97.46 | 122.80 | 25.34 |
| Tur | 0.30 | 0.40 | 7.57 | 4.43 | (-) 3.14 |
| Udid | 0.04 | 0.04 . | 2.08 | 0.51 | $(-) 1.57$ |
| Mung | 0.14 | 0.14 | 2.20 | 1.80 | $(-) 0.40$ |
| Gram | 0.11 | 0.11 | 6.99 | 1.42 | (-) 5.57 |
| Other pulses |  | 0.22 | 1.50 | 2.54 | 1.04 |
| Total Pulses | $0.77$ |  | 20.34 | 10.70 | (-) 9.64 |
| Total foodgr | $\begin{gathered} 11.02 \\ \text { ains(N) } \end{gathered}$ |  | 117.80 | 133.50 | 15.70 |

5.1.2 The percentage of expenditure on agriculture \& allied services and irrigation \& flood control in total State plan expenditure during FYP periods is shown in Table No. 5.1.

## Table No. 5.1

Percentage of expenditure on agriculture $\&$ allied services and irrigation $\&$ flood control to total State plan expenditure

| FYP | Percentage of expenditure |  | Total |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | Agri. \& Allied services | Irrig. \& flood control | Expenditure (Rs.in crore) |
| III | 30.9 | 14.9 | 434.73 |
| IV | 22.1 | 16.5 | 1,000.51 |
| V | 12.9 | 18.5 | 2,660.13 |
| VI | 6.0 | 22.0 | 6,549.39 |
| VII | 5.6 | 20.3 | 11,044.21 |
| VIII | 5.7 | 22.0 | 25,751.66 |
| K | 3.3 | 36.7 | 44,656.17 |
| X | 3.5 | 27.5 | 55,323.72 |

5.1.3 The information on growth rates of agriculture and allied activities vis-a-vis Gross State Domestic Product (GSDP) in recent plan periods is given in Table No. 5.2

## Table No. 5.2

Growth Rates of Agriculture \& allied activities vis-a-vis Gross State Domestic Product (GSDP)
(At constant 1999-2000 prices)
(Per cent)

| FYP/Annual Plan |  |  |
| :---: | :---: | :---: |
| Period | Growth rate |  |
| IX (1997-2002)\# | 3.8 | GSDP <br> and allied <br> activities |
| X (2002-07) | 8.3 | 4.1 |
| $2007-08^{*}$ | 9.0 | 5.8 |
| \# revised | $*$ | Annual Plan (Anticipated) |

XI-FYP Policy
5.2 Growth of agriculture sector is important for sustaining food security and improving rural standard of living. In this endeavour, both the central and state governments are playing a pivotal role in mobilizing resources, creating infrastructure, facilitating easy availability of inputs, supporting research and technology development, institutional support services and putting in place contingency measures to safeguard the crops from the adverse effects of natural calamities. The National Development Council has passed $53^{\text {rd }}$ resolution in May 2007 to achieve

4 per cent growth rate in agriculture sector during XI- FYP through effective implementation of Food Security Mission and Rashtriya Krishi Vikas Yojana (RKVY). The broad measures are as follows:
i) Preparation of agriculture development plan for entire State including plans for agriculture and allied sectors for each district.
ii) Efficient and effective use of irrigation water by micro irrigation system.
iii) To increase the production and productivity of cereals, pulses and oilseeds in rainfed area.
iv) To enhance farmers' income through adopting allied activitics like animal rearing, dairy development, fisheries and sericulture along with agriculture, horticulture, olericulture and floriculture etc.
v) Value addition of agricultural produce by incorporating agro-processing units.
vi) Incorporation of agriculture market management in agriculture development for fetching attractive prices to agricultural produce.

## Monsoon - 2007

5.3 The South-West monsoon arrived in the State late by 6 days i.e. on $13^{\text {th }}$ June, 2007. Initially, rains occurred in Konkan, central Maharashtra and Vidarbha at isolated places. It was active from $21^{\text {st }}$ June and entire state received heavy rains by the end of Junc. The State received satisfactory rains in the first week of July, 2007. In the second week of July, the intensity of rain was more in the State except in the districts of Aurangabad and Latur divisions. In July 2007, a dry spell of 2 to 3 weeks occurred in the districts of Marathwada region except Nanded. In August , rainfall received was 60 to 80 per cent of normal rainfall in Jalgaon, Aurangabad, Jalna, Beed, Latur, Osmanabad, Nanded, Parbhani, Hingoli, Yavatmal and Gondia districts and in the remaining districts it was more than 100 per cent. A dry spell of two weeks was observed in Marathwada and Vidarbha regions in August. During September, the State received satisfactory rains.
5.3.1 The rainfall received in the months of June, July, August, September and October, 2007 was 148 per cent, 89 per cent, 111 per cent, 115 per cent and 35 per cent of the normal rainfall respectively. The overall rainfall received by the State during monsoon 2007 was in excess by 9 per cent of the normal rainfall.
5.3.2 As against the normal area under kharif crops (134.2 lakh hectares), about 50 per cent sowing of kharif 2007 was completed in June 2007, 102 per cent upto July and 111 per cent i.c. 149.2 lakh hectares by the end of season as against 105 per cent in the last year. The areas under maize, mung, udid and sugarcane increased in the range of 23 to 28 per cent, while the areas under rice, tur, soyabean and cotton increased marginally between 2 to 5 per cent. The overall condition of kharif crops was good due to satisfactory rains in August and September, 2007. Due to dry spell in latter half of July and August 2007 in Latur and Aurangabad divisions, the production of short duration crops like mung and udid might have been affected to some extent. The normal area under rabi crops is 53.67 lakh hectare and sowing was completed on 60.83 lakh hectare as on 8th February, 2008, which is about 113 per cent of the normal rabi area.
5.3.3 Out of the 33 districts (excluding Mumbai City and Mumbai Suburban districts), only one district viz. Nanded received deficient (73 per cent) rainfall. 26 districts received normal rainfall between 81 to 119 per cent, out of which 9 districts viz. Jalgaon, Aurangabad, Jalna, Osmanabad, Hingoli, Washim, Yavatmal, Bhandara and Gondia received rainfall between 81 to 100 per cent and 17 districts viz. Thane, Raigad, Ratnagiri, Sindhudurg, Nashik, Ahmednagar, Solapur, Sangli, Kolhapur, Beed, Latur, Parbhani, Buldhana, Akola, Nagpur, Chandrapur and Gadchiroli districts received rainfall between 101 to 119 per cent. 6 districts viz. Dhule, Nandurbar, Pune, Satara, Amravati and Wardha districts received 120 and more per cent (excess) rainfall. The information of districts according to extent of rainfall received as per the classification of India Meteorological Department of Govt. of India is shown in Table No.5.3.

Table No. 5.3

> | Classification of districts according to |
| :---: |
| the percentage of rainfall received |
| during monsoon 2007 |

| Rainfall percentage class | Number of <br> districts: | Percent- <br> age |  |
| :---: | :--- | :---: | :---: |
| Upto -40 | (Scanty) | 0 | 0 |
| $41-80$ | (Deficient) | 1 | 3.0 |
| $81-119$ | (Normal) | 26 | 78.8 |
| 120 and more | (Excess) | 6 | 18.2 |
| Total |  | 33 | 100.0 |

* Excluding Mumbai City and Mumbai Suburban districts
5.3.4. The revenue divisionwise classification of talukas according to rainfall percentage class is shown in Table No.5.4.

Table No. 5.4
Classification of talukas according to the percentage of rainfall received during monsoon 2007

| Rainfall percentage class | Number of talukas |  |  |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | Kon- <br> kan | Nashik | Pune | A'bad | Amra vati | Nagpur | Total |  |
|  |  |  |  |  |  |  | No | Per-centage |
| 1-40 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 41-80 | 4 | 10 | 3 | 22 | 5 | 8 | 52 | 14.7 |
| 81-119 | 32 | 22 | 19 | 47 | 35 | 34 | 189 | 53.2 |
| 120 \& more | 11 | 22 | 36 | 7 | 16 | 22 | 114 | 32.1 |
| T'otal | 47 | 54 | 58 | 76 | 56 | 64 | 355 | 100:0 |

Distribution of talukas by rainfall during monsoon 2007

5.3.5. The number of talukas by quantity of rainfall received is given in Table No. 5.5.

Table No. 5.5
Number of talukas by rainfall received, during monsoon 2007

| Rainfall classes <br> (In mm) | Number of talukas |  |
| :---: | :---: | :---: |
| Monsoon 2007 | Long-term average |  |
| Up to 250 | 0 | 0 |
| $251-500$ | 15 | 33 |
| $501-750$ | 116 | 104 |
| $751-1,000$ | 78 | 87 |
| $1,001-2,000$ | 84 | 78 |
| $2,001-3,000$ | 25 | 26 |
| $3,001-4,000$ | 24 | 24 |
| $4,001-5,000$ | 9 | 1 |
| Above 5,000 | 4 | 2 |
| Total | $\mathbf{3 5 5}$ | $\mathbf{3 5 5}$ |

## Reservoir Storage Status

5.4 The total live storage as on $15^{\text {lh }}$ October, 2007 in the major, medium and minor irrigation (State sector) reservoirs in the State taken together was 29, 107 million cubic meters (MCM), which was about 89 per cent of the storage capacity, as against 93 per cent in 2006 and 86 per cent in 2005. The divisionwise information is presented in Table No. 5.6.

Table No. 5.6
Live storage status of reservoirs

| Division | No.of reservoirs | Live Storage (MCM) |  | Percentage of live storage as on $15^{\text {th }}$ October |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  | As per As onproject $15^{\text {th }}$design Oct. 2007 |  |  |  |  |
|  |  |  |  | 2007 | 2006 | 2005 |
| Konkan | 140 | 926 | 690 | 75 | 76 | 66 |
| Nashik | 364 | 3,875 | 3,617 | 93 | 98 | 88 |
| Pune | 505 | 9,580 | 9,085 | 95 | 93 | 91 |
| Aurangabad | d 532 | 6,446 | 5,082 | 79 | 96 | 78 |
| Anaravati | 341 | 2,504 | 2,167 | 87 | 93 | 78 |
| Nagpur | 360 | 3,450 | 2,926 | 85 | 81 | 87 |
| Others* | 14 | 5,820 | 5,540 | 95 | 96 | 92 |
| Total | 2,256 | 32,601 | 29,107 | 89 | 93 | 86 |

## Land utilisation

5.5 As per the land utilisation statistics for the year 2005-06, out of the total 307.6 lakh hectare geographical area of the State, the gross cropped area was 225.6 lakh hectare, net area sown was 174.7 lakh hectare, area under forest was 52.1 lakh hectare, land not available for cultivation was 31.3 lakh hectare, other uncultivated land was 24.2 lakh hectare and fallow land was 25.3 lakh hectare. The details of

land utilisation statistics of the State are given in Table No. 17 of Part-II of this publication.

## Agricultural Production Prospects : 2007-08

5.6 According to the preliminary forecast by the Commissionerate of Agriculture, Pune, total foodgrains production in the State during $2007-08$ is expected to be 152.85 lakh M.T., more by 20 per cent than the production of 127.77 lakh M.T during the previous year. The details of the foodgrains and oilseeds production are given in Table No. 5.7.

Table No. 5.7

## Foodgrains and oilseeds production in Maharashtra

| Crop | (L.akh M.T.) <br> (Final <br> forecast) |  |  |
| :---: | ---: | ---: | :---: |
|  | 2006-08 <br> (Tentative) | Percentage <br> increase (+)/ <br> decrease (-) |  |
| Kharif + Rabi |  |  |  |
| (i) Cereals | 104.73 | 122.65 | 17 |
| (ii) Pulses | 23.04 | 30.20 | 31 |
| Total foodgrains | 127.77 | $\mathbf{1 5 2 . 8 5}$ | 20 |
| Oilseeds | 35.6 .3 | 47.08 | 32 |

## Kharif and Rabi Crops

5.7 The details of area and production of principal kharif and rabi crops during 2006-07 (final forecast) and 2007-08 (tentative) are given in Table No. 5.8 and 5.9 respectively. The detailed information on area, production and productivity of principal crops is given in Table No. 18 of partII of this publication. The broad observations on area and production are as follows.
5.7.1 Cereals accounted for about 41.2 per cent of Gross Cropped Area (GCA) during 2005-06. The share of pulses and oilseeds was about 15.2 per cent and about 16.2 per cent respectively during the same year. The other crops viz. cotton and sugarcane accounted for 12.8 per cent and 2.2 per cent of GCA respectively.
5.7.2 During 2006-07, jowar, rice, bajra and wheat contributed about 92 per cent of the area under cereals, while gram, tur, mung and udid contributed about 91.4 per cent share in pulses. Under oilseeds, soyabean alone (25.2 lakh hectare) contributed 65 per cent of total area. under oilseeds in 2006-07, which had increased significantly i.e. more than 12 times in comparison with 2.01 lakh hectare in 1990-91.
5.7.3 During 1990-91 to 2006-07 the area under sugarcane and horticultural crops has

Table No. 5.8
Area and production of principal kharif crops in Maharashtra State
[Area in thousand hectare, Production in thousand tonnes (except cotton)]

| Crop | Area |  |  | Production |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | $2006-07$ (Final forecast) | $\begin{gathered} 2007-08 \\ \text { (T'entative) } \\ \hline \end{gathered}$ | Percentage change | 2006-07 <br> (Final forecast) | $\begin{gathered} 2007-08 \\ \text { (T'Tentative) } \end{gathered}$ | Percentage change |
| Rice .. | 1,491 | 1,524 | 2 | 2,489 | 2,905 | 17 |
| Bajra ... ... | 1,452 | 1,221 | (-) 16 | 1,059 | 1,097 | 4 |
| Kharif jowar ... | 1,409 | 1,224 | (-) 13 | 1,684 | 1,841 | 9 |
| Ragi ... ... | 136 | 130 | (-) 4 | 123 | 120 | (-) 2 |
| Maize ... | 475 | 610 | 28 | 948 | 1,649 | 74 |
| Other kharif cereals | 70 | 61 | (-) 13 | 33 | 34 | 3 |
| Total hharif cereals | 5,038 | 4,770 | (-) 5 | 6,336 | 7,646 | 21 |
| Tur ... | 1,123 | 1,181 | 5 | 815 | 937 | 15 |
| Mung ... ... | 573 | 704 | 23 | 236 | 386 | 64 |
| Udid ... ... | 490 | 615 | 26 | 200 | 338 | 69 |
| Other kharif pulses | 188 | 177 | (-) 6 | 64 | 75 | 17 |
| Total kharif pulses | 2,374 | 2,677 | 13 | 1,315 | 1,736 | 32 |
| Total kharif foodgrains | - s -407 | 7,447 | 1 | 7,651 | 9,382 | 23 |
| Soyabeen... | 2,521 | 2,651 | 5 | 2,892 | 3,924 | 36 |
| Kh.Groundnut ... | 342 | 320 | (-) 6 | 254 | 369 | 45 |
| Kh.Sesamum ... | 100 | 76 | $(-) 24$ | 24 | 24 | 0 |
| Nigerseed ... | 54 | 48 | $(-) 11$ | 12 | 13 | 8 |
| Kh.Sunflower ... | 121 | 89 | (-) 26 | 64 | 62 | (-) 3 |
| Other oilseeds ... | 12 | 12 | 0 | 4 | 4 | 0 |
| Total kharif oilseeds | 3,150 | 3,196 | 1 | 3,250 | 4,396 | 35 |
| Cotton (Lint)* ... | 3,107 | 3,191 | 3 | 4,618 | 5,815 | 26 |
| Sugarcane** ... | 849 | 1,088 | 28 | 66,277 | 80,599 | 22 |
| Total | 14,513 | 14,922 | 3 |  |  |  |

Table No. 5.9
Area and production principal rabi crops in Maharashtra State

* (Areat in thousand hectare, Production in thousand tonnes)

| Crop (Fin | srea |  |  | Production |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | $\begin{aligned} & 2006-07 \\ & \text { inal forecast) } \end{aligned}$ | $\begin{gathered} 2007-08 \\ \text { (Tentative) } \end{gathered}$ | Percentage change | $2006-07$ (Final forecast) | $\begin{gathered} 2007-08 \\ \text { (Tentative) } \end{gathered}$ | Percentage change |
| Rabi jowar | 3,209 | 2,842 | (-) 11 | 2,088 | 2,359 | 13 |
| Wheat | 1,231 | 1,237 | 0 * | 1,869 | 2,081 | 11 |
| Rabi Maize | 86 | 83 | $(-) 4$ | 177 | 177 | 0 |
| Other rabi cereals | 5 | 5 | 0 | 3 | 2 | (-)33 |
| Total rabi cereals | s 4,531 | 4,167 | (-) 8 | 4,137 | 4,619 | 12 |
| Gram | 1,308 | 1,324 | 1 | 924 | 1,214 | 31 |
| Other rabi pulses | 146 | 142 | (-) 3 | 66 | 70 | 6 |
| Total rabi pulses | s 1,454 | 1,466 | 8 | 990 | 1,284 | 30 |
| Total rabi foodgrains | rains 5,985 | 5,633 | (-) 6 | 5,127 | 5,903 | 15 |
| Rabi Sesamum | 5 | 3 | (-) 40 | 2 | 1 | (-) 50 |
| Safflower | 279 | 216 | (-) 23 | 169 | 154 | (-) 9 |
| Rabi Sunflower | 224 | 150 | (-) 33 | 122 | 127 | 4 |
| Linseed | 68 | 72 | 6 | 16 | 26 | 63 |
| Rapeseed \& Mustard | rd 14 | 9 | (-)36 | 5 | 4 | (-)20 |
| Total Rabi Oilseeds | eds 590 | 450 | (-)24 | 313 | 312 | 0* |
| Total Rabi Crops | -6,575 | 6,083 | $(-) 7$ |  |  |  |

[^13]increased significantly from 5.4 lakh hectare to 8.5 lakh hectare ( $21 / 2$ times) and from 2.4 lakh hectare to 14.0 lakh hectare (about 5 times) respectively.
5.7.4 During last two decades, the production of foodgrains has increased from 87.1 lakh M.T. to 128.8 lakh M.T. in 2006-07, oilseeds from 10.0 lakh M.T. to 37.2 lakh M.T., sugarcane production from 232.7 lakh M.T. to 662.8 lakh M.T. and cotton from 19.8 lakh bales to 46.2 lakh bales.
5.7.5 The productivity of different crops in the State is relatively low as compared to the productivity in major States. This can be seen from the statewise data given in Table No.5.10.

Table No.5. 10
Per hectare yield of important crops
(kg.per hectare for 2005-06)

| State | Rice | Wheat | Jowar | Bajra | Cotton |
| :--- | ---: | ---: | ---: | ---: | ---: |
| Andhra Pradesh | 2939 | 818 | 1324 | 1012 | 347 |
| Karnataka | 3868 | 858 | 1095 | 977 | 228 |
| Tamilnadu | 2546 | 0 | .732 | 1158 | 258 |
| Gujarat | 1949 | 2700 | 1138 | 1169 | 604 |
| Madhya Pradesh | 999 | 1613 | 1088 | 1491 | 204 |
| Maharashtra | $\mathbf{1 7 6 8}$ | $\mathbf{1 3 9 3}$ | 783 | 650 | 187 |
| Punjab | 3858 | 4179 | 0 | 1000 | 731 |
| Haryana | 3051 | 3844 | 273 | 1147 | 437 |
| Uttar Pradesh | 1996 | 2627 | 1065 | 1434 | 201 |
| Orissa | 1531 | 1364 | 600 | 552 | 435 |
| West Bengal | 2509 | 2109 | 429 | 0 | 510 |
| Bihar | 1075 | 1617 | 1024 | 1070 | 0 |
| Kerala | 2284 | 0 | 480 | 0 | 220 |
| Rajasthan | 1425 | 2762 | 288 | 556 | 317 |
| All India | $\mathbf{2 1 0 2}$ | 2619 | 880 | $\mathbf{8 0 2}$ | 362 |

Index Numbers of Agricultural Production
5.8 The index number of agricultural production in Maharashtra (Base: Triennial average 1979-82=100) for $2006-07$ was 178.7 , more by 32 per cent than that in 2005-06. The groupwise indices for 2006-07 were 116.2 cereals, 231.7 pulses, 139.1 total foodgrains, 84.1 oilseeds, 315.4 fibres, 235.0 miscellaneous and 222.7 total nonfoodgrains. The details of these index numbers are given in Table No. 19 of part-II. The Compound Annual Growth Rate (CAGR) of foodgrains production in the State during last 26 years works out to (1980-81 to 2006-07)1.2 per cent.

## Operational Holdings

5.9 The information on operational holdings by size class and area as per Agricultural

Census, 2000-01 is presented in Table No. 5.11 and in Table No. 21 of Part-II of this publication.

Table No. 5.11
Operational holdings and area in the State as per Agricultural

Census, 2000-01

| Size <br> class <br> (Hectares) | No. of <br> operational <br> holdings | Area of <br> operational <br> holdings | Average size of <br> holding <br> (In h.a.) |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | (In 00') | (In 00' ha.) | $2000-01$ | $1995-96$ |
| $0.0-1.0$ | 52,880 | 26,408 | 0.50 | 0.49 |
| $1.0-2.0$ | 35,974 | 51,153 | 1.42 | 1.45 |
| $2.0-5.0$ | 26,435 | 77,552 | 2.93 | 2.99 |
| $5.0-10.0$ | 4,849 | 31,920 | 6.58 | 6.68 |
| $10.0-20.0$ | 768 | 9,898 | 12.89 | 13.13 |
| 20.0 and above | 96 | 3,684 | 38.37 | 39.95 |
| Total | $1,21,002$ | $2,00,615$ | 1.66 | 1.87 |

## Agriculture Finance

5.10 The National Bank for Agriculture and Rural Development (NABARD), the apex bank in the country for supporting and promoting agricultural and rural development, performs pivotal role in development of agriculture. The agencies involved in financing Seasonal Agriculture Operations (SAOs) are NABARD (refinancing through Maharashtra State Co-operative Bank and Regional Rural Banks), Maharashtra State Co-operative Bank (refinancing through District Central Co-operative Banks (DCCBs)), DCCBs, RRBs, Nationalised and Scheduled Commercial Banks ultimately financing to Primary Agricultural Co-operative Credit Societies (PACS).
5.10.1 During 2006-07, short-term credit limit sanctioned for SAOs by NABARD was Rs. 1,569 crore as compared to Rs. 562 crore during 2005-06. In addition, NABARD had sanctioned Rs. 3.53 crore to RRBs for other than SAO purposes. During 2007-08 (upto December 2007), NABARD sanctioned credit limit of Rs. 2,044 crore for supporting SAOs.
5.10.2 The financial institutions directly associated with agricultural finance at grassroot level in the State are Primary Agricultural Credit Co-operative Societies (PACS) extending short-term crop loans to their cultivator members. The number of PACS at the end of 2006-07 was 21,238 with a membership of 123 lakh. During . 2006-07, the amount of loans advanced to the cultivators by the PACS was Rs. 5,498 crore (against Rs.4,928 crore in 2005-06) of which

Rs. 2,267 crore i.e. 41 per cent were given to small and marginal farmers.
5.10.3 The data on disbursement of direct finance for agriculture and allied activities during 2005-06 and 2006-07 by Scheduled Commercial Banks (including nationalised banks) and Regional Rural Banks (RRBs) is given in Table No. 5. 12.

Table No. 5.12

## Loans disbursed by Commercial Banks \& RRBs to agriculture sector

|  |  |  |  |  | (lRs. in | n crore) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | Sche | duled |  | B.s | Tot |  |
| Item Con | ommerc | al Bank |  |  |  |  |
|  | 2005-06 | 2006-07 | 2005-06 | 2006-07 | 2005-06 | 2006-07 |
| SAOs | 1,935 | 1,999 | 177 | 301 | 2,112 | 2,300 |
| Dairy \& Ald** | 221 | 250 | 6 | 13 | 227 | 263 |
| Poultry | 45 | 60 | 1 | 1 | 46 | 61 |
| Fisheries | 8 | 11 | 1 | 1 | 9 | 12 |
| Anricultural implements | 213 | 280 | 6 | 12 | 219 | 292 |
| Horticulture | 439 | 583 | 3 | 6 | 442 | 589 |
| Minorirrigation | - 177 | 213 | 7 | 18 | 184 | 231 |
| Storage and market yards | 70 | 38 | 1 | 2 | 71 | 40 |
| Forestry \& waste land dev. | 20 | 53 | 1 | 2 | 21 | 55 |
| Others | 696 | 1,008 | 8 | 11 | 704 | 1,019 |
| Total | 3,824 | 4,495 | 211 | 367 | 4,035 | 4,862 |

5.10.4 During 2006-07, the amount of loans advanced for agriculture and allied activities by PACS, Commercial Banks (including nationalised banks) and Regional Rural Banks (RRBs) in the State was Rs. 10,360 crore, which is more by 16 , per cent than previous year (Rs. 8,963 crore).

## Investment Credit

5.10.5 A refinance assistance of about Rs. 401 crore was sanctioned by NABARD to various credit agencies in the State under investment credit during 2006-07, which was less by about of 33 per cent over previous year. Major purposes for which refinance disbursed were nonfarm sector ( 25.5 per cent), farm mechanisation (18.2 per cent), Agro Economic Zones (AEZ) (14.0 per cent) and minor irrigation ( 13.0 per cent).

## Finances to SHGs

5.11 The Self Help Groups(SHGs) are playing important role in meeting the financial needs of the weaker sections of the economy through micro finance. In Maharashtra State,
various types of 69 banks viz. 19 Commercial Banks, 7 Regional Rural Banks, 30 District Central Co-operative Banks and 13 Urban Co-operative Banks are actively involved in SHG bank linkage programme. During 2007-08, the number of families benefited (upto December 2007) is 37.46 lakh. The information on performance of SHG bank linkage (upto December 2007) is given in Table No.5.13.

Table No. 5.13
Finances to Self Help Groups

| Year | SHGs financed by banks |  |  | Bank loan (Rs.crore) |  |
| :--- | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |

## Kisan Credit Card Scheme

5.12 The Kisan Credit Card Scheme is launched in the State in 1999 with a view to provide adequate and timely credit to meet the comprehensive credit needs of farmers including short-term crop loans and a reasonable component for consumption needs under single window with flexible and simplified procedure. Upto 2005-06, the disbursements under this scheme was confined only to short term credit. However, since 2006-07, long-term loans are also sanctioned.
5.12.1 The number of kisan credit cards issued in the State by the end of November, 2007 was 51.93 lakh. The short-term credit limit sanctioned during 2006-07 was Rs.18,408 crore as against Rs. 7,033 crore in 2005-06. During 2007-08 (upto November 2007), credit limit sanctioned was Rs. 9,468 crore. The long-term credit limit sanctioned in 2006-07 was Rs. 8.19 crore and in 2007-08 (upto November 2007), it was Rs. 11.74 crore.

## Improved seeds

5.13 Among the various measures taken for increasing the agricultural production in the State, distribution of hybrid and improved, certified and quality seeds of various crops is of prime importance. The public and private sectors play a significant role in distribution of such seeds. Seed replacement programme is also implemented to a
large extent for most of the crops. The major cropwise quantity of seed distributed is shown in Table 5.14.

Table No. 5.14
Seeds distribution in Maharashtra State
(In '000' Quintals)


| (A) Kharif |  |  |  |  |  |  |
| :--- | ---: | ---: | ---: | ---: | ---: | ---: |
| $\quad$ Soyabean | $\mathbf{4 6 4}$ | 178 | 642 | 556 | 378 | 934 |
| Hybrid Jowar | 15 | 75 | 90 | 14 | 76 | 90 |
| Paddy | 106 | 29 | 135 | $\mathbf{1 1 0}$ | 35 | $\mathbf{1 4 5}$ |
| Hybrid Cotton | 5 | 36 | 41 | 3 | 34 | 37 |
| Hybrid Bajra | 3 | 33 | 36 | $\mathbf{1}$ | 29 | 30 |
| Tur | 12 | 19 | 31 | 15 | 21 | 36 |
| Mung | 9 | 10 | 19 | 13 | 13 | 26 |
| Udid | 9 | 16 | 25 | 28 | 14 | 42 |
| Others | 32 | 116 | 148 | 23 | 100 | 123 |
| (7 crops) |  |  |  |  |  |  |
| Sub-total (a) | $\mathbf{6 5 5}$ | $\mathbf{5 1 2}$ | $\mathbf{1 , 1 6 7}$ | $\mathbf{7 6 3}$ | $\mathbf{7 0 0}$ | $\mathbf{1 , 4 6 3}$ |


| (B) Rabi |  |  |  |  |  |  |
| :--- | ---: | ---: | ---: | ---: | ---: | ---: |
| $\quad$ Wheat | 196 | 265 | 461 | 197 | 214 | 411 |
| Gram | 37 | 4 | 41 | 60 | 19 | 79 |
| Jowar | 12 | 28 | 40 | 11 | 42 | 53 |
| Others | 7 | 4 | 11 | 3 | 13 | 16 |
| (3 crops) |  |  |  |  |  |  |
| Sub-total (b) | $\mathbf{2 5 2}$ | $\mathbf{3 0 1}$ | $\mathbf{5 5 3}$ | $\mathbf{2 7 1}$ | $\mathbf{2 8 8}$ | $\mathbf{5 5 9}$ |
| Total (a+b) | $\mathbf{9 0 7}$ | $\mathbf{8 1 3}$ | $\mathbf{1 , 7 2 0}$ | $\mathbf{1 , 0 3 4}$ | $\mathbf{9 8 8}$ | $\mathbf{2 , 0 2 2}$ |
| Tentative |  |  |  |  |  |  |

## Use of chemical fertilisers and pesticides

5.14 The details of total consumption and per hectare consumption of fertilisers in the State are shown in Table No.5.15.

Table No.5. 15
Consumption of Chemical Fertilisers

| Year | Consumption <br> (in lakh MT) | Per hectare <br> consumption <br> $(\mathrm{Kg}$ ) |
| :---: | :---: | :---: |
| $1999-00$ | 19.3 | 90.3 |
| $2000-01$ | 16.5 | 74.1 |
| $2001-02$ | 16.9 | 75.4 |
| $2002-03$ | 16.5 | 73.7 |
| $2003-04$ | 14.4 | 64.9 |
| $2004-05$ | 17.4 | 77.8 |
| $2005-06$ | 19.7 | 87.3 |
| $2006-07$ | 22.6 | 100.1 |
| $2007-08$ (anticipated) | 25.1 | 111.4 |

5.14.1 During 2006-07, the distribution of fertilisers was made through 33,491 fertiliser distribution outlets, out of which 3,998 were in co-operative sector, 219 in public sector and 29,274
were in private sector.
5.14.2 The statewise and national level information on per hectare consumption of chemical fertilisers is shown in Table No.5.16.

Table No.5. 16
Per hectare consumption of chemical fertilisers

|  |  | $(\mathrm{Kg} / \mathrm{ha})$. |
| :--- | :---: | :---: |
| State | $2003-04$ | $2004-05$ |
| Punjab | 194.6 | 210.1 |
| Tamil Nadu | 159.1 | 183.7 |
| Andhra Pradesh | 158.6 | 203.6 |
| Haryana | 155.1 | 166.7 |
| Uttar Pradesh | 134.1 | 140.4 |
| West Bengal | 129.7 | 127.5 |
| Bihar | 99.8 | 152.3 |
| Karnataka | 99.5 | 117.3 |
| Gujarat | 99.5 | 111.1 |
| Uttaranchal | 88.9 | 94.2 |
| Chhatisgarh | 65.2 | 67.4 |
| Maharashtra | $\mathbf{6 4 . 9}$ | $\mathbf{7 7 . 8}$ |
| Madhya Pradesh | 53.4 | 47.1 |
| All India | $\mathbf{9 4 . 5}$ | $\mathbf{1 0 4 . 5}$ |

5.14.3 The consumption of technical grade pesticides during 2006-07 was 3,193 M.T. which was just the same as that of previous year. While in 2007-08, this consumption tentatively, will be 3,050 M.T..

## Organic Farming

5.15 Organic farming is a welcome alternative due to reduction in cost of cultivation, quality and food safety, reduction in the use of chemical fertilisers, pesticides, herbicides etc. In Maharashtra State practising organic farming has started recently. The pioneer efforts were made by some of the innovative farmers from Dhule and Yeotmal districts. At present the area under organic farming is about 6.5 lakh hectare.
5.15.1 Presently two schemes, one under 100 per cent Centrally Sponsored Plan and another under Vasantrao Naik Sheti Swavlamban Mission (100 per cent State), are implemented for organic farming. The expenditure during 2006-07 and 2007-08 (upto December, 2007) was Rs. 16.13 crore and Rs. 3.55 crore on former scheme and Rs. 9.59 crore and Rs. 1.47 crore on the latter scheme respectively.
5.15.2 Under organic farming upto December, 2007, about 1.09 lakh vermi compost units and 1.01 lakh bio-dynamic compost units were set up and 20 model organic farms were developed.

## Irrigation

5.16 The net area irrigated of the State in 2005-06 was 31.5 lakh hectare, which had increased by 7.1 per cent over $2004-05$. Of the net irrigated area, the area irrigated under wells was 20.8 lakh hectare. The gross irrigated area in 2005-06 was 38.1 lakh hectare. The percentage of gross irrigated area to gross cropped area in 2005-06 was 16.9 . This percentage has remained almost between 15 to 17 per cent since 1990-91. The area irrigated by various sources in the State is given in Table No. 20 of Part-II of this publication.

## Irrigation Projects

5.17 The Maharashtra Water and Irrigation Commission (1999), considered water availability in river basins, cultivable land, augmentation of ground water, ground water recharge facilitated through watershed area development, use of modern irrigation techniques and improvement in the water application systems on farms and estimated that the irrigation potential of the State can be increased upto 126 lakh hectare. The Commission has also anticipated that out of the total potential of 126 lakh hectare, the share of surface storages and
wells in command area would be around 85 lakh hectare.
5.17.1 Number of major, medium and minor irrigation projects have been taken up by the State Government to create the maximum possible irrigation potential. The details of irrigation projects taken up and the irrigation potential created therefrom are given in the Table No. 5.17.


Table No. 5.17
Number of irrigation projects and irrigation potential created in the State

|  | Item | Major | Med- <br> ium | Minor <br> (State sector) | Minor (Local sector) |  |  |  |  |  | Total <br> minor <br> (State <br> + local) | Total |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |  |  | K.T. <br> Weirs | Perco- <br> lation <br> tanks | Lift <br> Irrigation | M.I. tanks | Others | Total minor (Local) |  |  |
| (I) | No. of projects completed upto 30.6.2007 * | 32 | 183 | 2,411 | 9,347 | 18,089 | 2,854 | 1,953 | 20,146 | 52,389 | 54,800 | - |
| (II) | No.of on going projects upto 30.6.2007 :** | 33 | 73 | 358 | 1,931 | 2,930 | 111 | 377 | 2,270 | 7,619 | 7,977 | - |
| (111) | Irrigation potential created (in completed and on going projects) |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | i) Upto $30.6 .2007^{* * *}$ (Lakh ha.) | 24.37 | 7.31 | 11.26 | 2.62 | 5.59 | 0.36 | 2.00 | 2.04 | 12.61 | 23.87 | 55.55 |
|  | ii) Upto 30.6 .2006 (Lakh ha.) | 23.31 | 7.09 | 10.56 | 2.59 | 5.57 | 0.36 | 1.99 | 1.43 | 11.94 | 22.50 | 52.90 |
| (IV) | Actual utilisation of irrigation potential during 2006-07 (Lakh ha.) | 11.80 | 2.76 | 3.78 | 0.91 | 1.39 | 0.14 | 0.60 | 1.38 | 4.42 | 8.20 | 22.76 |
| (V) | Area under irrigation on wells in command area in addition to Sr.no.(iv) (Lakh | $\begin{array}{r} 6.35 \\ \text { ha.) } \end{array}$ | 1.25 | 0.86 | - | - | - | - | - | - | 0.86 | 8.46 |

## Bharat Nirman Yojana

5.18 The Government of India has announced Bharat Nirman Yojana for development of infrastructure in rural areas during 2005-06 to 2008-09. Under this programme, it is proposed to create one crore hectare additional irrigation potential in the country. The target set for Maharashtra State is 18.45 lakh hectare. Under this programme during 2005-06 and 2006-07, additional irrigation potential of 1.28 lakh hectare and 1.62 lakh hectare was created respectively.
5.18.1. Despite huge spendings in the five year plan periods, the achievements in the creation of additional irrigation potential are not satisfactory. Also there is a wide gap in irrigation potential created and its use. It is, thereforè, essential to closely monitor projectwise progress of works and usage of irrigation potential created.

## Reforms in the Irrigation Sector

5.19 The State Government had already initiated some reforms in irrigation sector which
include declaration of water non:ow, wament of Water Resources Rectiatury Authority, Management of Irrigation System by Farmers and Water Users Associations. About 7,100 Water Uscrs Associations covering about 25.6 lakh hectare of Culturable Command Area (CCA) are under various stages of formation.

## Irrigation Development Corporations

5.20 In order to accelerate completion of irrigation projects in the State, Government has established five Irrigation Development Corporations during February, 1996 to August, 1998. The details of these corporations are given in Table No. 5.18.

## Restoration of Water Bodies

5.21 The Ministry of Water Resources (MOWR), Government of India in 2006 has sanctioned a 75 per cent centrally assisted project for restoration of water bodies. The object of the project is to restore the reduced storage capacity of water bodies which are directly linked to agriculture so as to achieve extension of existing

Table No. 5.18
Details of Irrigation Development Corporations established by the State Government

| Item | Unit | Maharashtra Krishna Valley Development Corp. | Konkan <br> Irrigation Development Corporation | Tapi Irrigation Development Corporation | Godavari- <br> Marathwada Irrigation Dev.Corp. | Vidarbha <br> lrrigation Developinent Corporation | Total |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| (I) No. of on going projects incorporated |  |  |  |  |  |  |  |
| i) Major | Nos. | 30 | 5 | 9 | 15 | 15 | 74 |
| ii) Medium | Nos. | 53 | 12 | 40 | 26 | 49 | 180 |
| iii) Minor* | Nos. | 282 | 77 | 113 | 332 | 188 | 992 |
| Sub-Total |  | 365 | 94 | 162 | 373 | 252 | 1,246 |
| (iI) Target of irrigation potential | Lakh hectare | 10.85 | 2.52 | 5.23 | 5.61 | 9.96 | 34.17 |
| (1II) Estimated <br> cost of balance works as on 1-4-2006 | Crore Rs. | 13,610 | 4,728 | 5,885 | 5,640 | 11,493 | 41,356 |
| (IV) Govt's share capital (upto 31.3.2007) | Crore Rs. | 4,960.5 | 518.5 | 1,187.3 | 3,502.8 | 3,675.0 13 | 13,844.1 |
| (V) Interest on debentures paid upto 31.3 .2007 | Crore Rs. | 4,618.7 | 388.9 | 628.3 | 879.1 | 1,174.5 | 7,689.5 |
| (VI) funds raised through debentures upto 31.3.2007 | Crore Rs. | 6,237.2 | 594.8 | 1,320.9 | 1,850.8 | 2,098.9 12 | 12,102.6 |

* Including Lift irrigation
irrigation facilities. A proposal of Beed district is sanctioned by the Central Government in March, 2006. The Central Government has sanctioned Rs. 13.83 crore towards first instalment. The State Goverment has also sanctioned Rs. 5.00 crore towards state share for this project. The expenditure incurred by end of November, 2007 was Rs. 4.34 crore.


## Sprinkler and drip irrigation

5.22 Adoption of sprinkler and drip irrigation systems enables 28 to 56 per cent economy in the quantity of water to be used for irrigation, which in turn enables to bring 25 to 40 per cent additional area under irrigation. Moreover, it reduces the extent of soil erosion, facilitates tilling operations, increases efficiency of fertilizers, reduces the damages through pests and consequently, enhances the crop production by 12 to 31 per cent depending upon the crop. The State Government encourages the cultivators to adopt these irrigation systems by giving them subsidy for purchase of sprinkler/drip irrigation equipments. Up to the end of March, 2007, the total area brought under sprinkler and drip irrigation in the State was 1.68 lakh hectare and 3.83 lakh hectare respectively. The subsidy given to the cultivators during 2006-07 and 2007-08 (upto February, 2008) was Rs. 17.56 crore and Rs. 16.34 crore for sprinkler and Rs. 81.74 crore and Rs. 55.79 crore for drip irrigation.

## Soil and Water Conservation

5.23 The works of soil and water conservation are taken up on large scale for increasing productivity of dry land farming and preventing deterioration of soil. The programmes presently implemented under soil and water conservation include Integrated Watershed Area Cevelopment Programme, Western Ghat pevelopment Programme, River Valley Project, National Watershed Development Project for Rainfed Areas and programmes under Vasantrao Naik Sheti Swavlamban Mission. As per the norins laid down, 17,351 villages are selected and works of 27,573 watersheds are undertaken in $\boldsymbol{\mu} 3,569$ villages. The expenditure incurred during 2006-07 and 2007-08 (upto December, 2007) was Rs. 465 crore and Rs. 293 crore respectively.

## Agriculture Marketing

5.24 A network of 294 main markets and 607 sub-markets of Agriculture Produce Market Committees (APMCs) is created for trading the agriculture produce in the State. The value of arrivals in the market committees in the State was

Rs. 19,061 crore, Rs. 17,567 crore and Rs. 16,599 crore during 2003-04, 2004-05 and 2005-06 respectively. About 75 per cent of the value of the arrivals was constituted by Rice, Cotton, Wheat, Soyabean, Onion, Tur dal, Tur, Potato, Paddy, Gram and Jaggery.
5.24.1 Maharashtra State Agricultural Marketing Board established in 1984 looks after co-ordination, export promotion, organising workshops, exhibitions and training programmes etc. activities of Market Committecs. The Board has initiated "MARKNET" project for computerisation of APMCs in the State. At present, all main markets and 54 sub-markets are computerised and connected to MSAMB's website through Internet. For dissemination of market information at market yards, MSAMB has installed Information Display (Projection TVs) at 67 APMCs in the State. MSAMB's www.msmab.com website is in functioning for information of various schemes, projects and activities carried by the Board. This web site also contains information on arrivals and prices of Agriculture Commodities.

## Minimum Support Price Scheme

5.25 The procurement under Minimum Support Price (MSP) scheme is undertaken by the Maharashtra State Co-operative Marketing Federation, Maharashtra State Co-operative Tribal Development Corporation, National Agricultural Co-operative Marketing Federation (NAFED) and Maharashtra State Co-operative Cotton Growers Federation. The details of commoditywise MSP declared by Govt. of India and procurement made are given in Table No. 5.19.

Table No. 5.19

## Minimum Support Prices declared and Procurement



## National Food Security Mission

5.26 As per the resolution of the National Development Council (NDC) in May, 2007, Food Security Mission is launched to increase the production of rice, wheat and pulses from Rabi, 2007-08 season. Under this mission, 18 districts for pulses, 6 districts for rice and 8 districts for wheat have been selected from Maharashtra State. During 2007-08, the Govt. of India has sanctioned central assistance of Rs. 11.43 crore for this mission.

## National Agricultural Insurance Scheme

5.27 The National Agricultural Insurance Scheme (NAIS) is implemented in the State since Rabi 1999-2000, which covers 26 crops ( 16 Kharif and 10 Rabi ). The details of implementation of NAIS during 2006-07 are given in Table No. 5.20.

Table No. 5.20
Progress of National Agricultural Insurance Scheme during 2006-07

| Season/ Crop | No. of farmers covered (In lakh) | Sum insured (Crore Rs.) | Premium collected (Crore Rs) | Bene ficiaries (In 00) | Compensation paid (Crore Rs.) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |


| (A) Kharif |  |  |  |  |  |
| :--- | ---: | ---: | ---: | ---: | ---: |
| Paddy | 1.74 | 171.98 | 4.77 | 276 | 6.13 |
| Cotton | 1.91 | 138.40 | 16.88 | 83 | 0.89 |
| Soyabean | 3.64 | 266.84 | 7.87 | 1,960 | 84.01 |
| Groundnut | 0.66 | 30.50 | 1.12 | 116 | 1.09 |
| Tur | 1.28 | 31.33 | 0.97 | 445 | 4.36 |
| Jowar | 1.56 | 49.21 | 1.30 | 341 | 2.75 |
| Bajra | 1.31 | 30.99 | 1.12 | 109 | 0.51 |
| Mung | 2.09 | 58.03 | 1.96 | 1,445 | 20.56 |
| Udid | 1.49 | 43.52 | 1.59 | 1,068 | 17.40 |
| Sesamum | 0.45 | 7.73 | 0.31 | 338 | 2.77 |
| Others (6 crops) | 0.24 | 6.59 | 0.27 | 19 | 0.11 |
| Sub-Total (a) | $\mathbf{1 6 . 3 8}$ | $\mathbf{8 3 5 . 1 1}$ | $\mathbf{3 8 . 1 6}$ | $\mathbf{6 , 2 0 0}$ | $\mathbf{1 4 0 . 5 8}$ |
| (B) Rabi |  |  |  |  |  |
| Wheat(irriga.) | 0.14 | 6.38 | 0.10 | 4 | $0.00^{*}$ |
| Jowar(irrga.) | 0.01 | 0.21 | $0.00 *$ | $0^{*}$ | $0.00^{*}$ |
| Jowar(unirriga.) | 0.10 | 2.00 | 0.04 | $0^{*}$ | $0.00^{*}$ |
| Gram | 0.11 | 6.15 | 0.13 | 0 | 0.00 |
| Others (6 crops) | 0.02 | 0.58 | 0.02 | 0 | $0.00^{*}$ |
| Sub-Total (b) | $\mathbf{0 . 3 8}$ | $\mathbf{1 5 . 3 4}$ | $\mathbf{0 . 2 9}$ | $\mathbf{5}$ | $\mathbf{0 . 0 0}$ |
| Total(a + b) | $\mathbf{1 6 . 7 6}$ | $\mathbf{8 5 0 . 4 5}$ | $\mathbf{3 8 . 4 5}$ | $\mathbf{6 , 2 0 5}$ | $\mathbf{1 4 0 . 5 8}$ |
| Negligible |  |  |  |  |  |
| Nan |  |  |  |  |  |

## Farmers Personal Accident Insurance Scheme

5.28 Farmers are prone to accidents while performing their farming operations. Due to death /disability of earning hand of family, the family
members of farmers have to face critical financial situation. In order to give financial assistance to the aggrieved family members of the ill-fated farmers the State Government, during 2005-06, introduced Farmers Personal Accident Insurance Scheme. The insurance coverage for 13 perils is provided to 106 lakh farmers of the State. The benefit in the form of compensation of Rs.1.00 lakh is paid for death, loss of two limbs or two eyes and loss of one limb and one eye and Rs. 50,000 is paid for loss for one limb or one eye. The details of this scheme are given in Table No.5.21.

Table No.5.21
Details of Farmers Personal Accident Insurance Scheme
(Rs.crore)

| Year | Premium | Compen- <br> sation | Benefici- <br> aries <br> (No.) |
| :--- | :---: | :---: | :---: |
| $2005-06$ | 8.10 | 6.29 | 638 |
| $2006-07$ | 7.74 | $6.53^{*}$ | 653 |
| Provisional |  |  |  |
| Schemes under Work Plan |  |  |  |

5.29 Under work plan, various schemes for development of agriculture sector are implemented since 2001-02 with 90 per cent central assistance. The schemes for increasing crop production and productivity, change in cropping pattern, strengthening of agricultural extension services, stress on mechanisation, increasing women participation, development of infrastructure, management of natural resources, water conservation, etc. are included under this plan. The expenditure incurred upto 2006-07 from Central share was Rs. 740.30 crore, while the anticipated expenditure during 2007-08 is about Rs. 137.48 crore. The important achievements of this plan are as follows:
(i) Strengthening of 240 training institutes, 51 laboratories, 194 taluka seed multiplication farms and 136 Government Horticulture nurseries and Establishment of 6 centres for soil and micro nutrient testing.
(ii) Generation of self-employment through establishment of 230 agricultural input distribution centres in inaccessible belts, 1,775 cashewnut processing centres, 160 common agricultural processing units, 1,075 spices
processing centres, 65 aromatic plant distillation units, 1,226 fruit juice centres, 1,050 fruit handling centres and 89 floriculture development centres.
(iii) Formation of about 74,000 Self Help Groups (SHGs) with a view to increase women participation.
(iv) More than 1.50 lakh hectares of land brought under organic farming with installation of about 60,000 vermicompost production units.

## Horticulture Development

5.30 Fruit crops are cash crops giving high per hectare return as compared to the foodgrain crops. Up to 1990-91, the area under fruit crops in the State was 2.42 lakh hectare. The State Government is implementing programmes to promote horticulture development by establishing nurseries to supply genuine plants of various fruit crops to farmers and granting subsidies to encourage them to grow fruit crops. Since 1990-91, horticulture development is linked with the Employment Guarantee Scheme (EGS). During 2007-08 (upto November, 2007), 0.65 lakh hectare of land was brought under fruit crops benefiting about 88,478 farmers. By the end of March, 2007, the total area under all horticulture crops in the State, was 13.95 lakh hectare. The information on area and production of main horticultural crops is given in the Table No. 5.22 and inTable No. 22 of part -II of this publication.

Table No. 5.22

## Area and production of main horticultural crops

(Area in ' 000 ' hectare, Production in ' 000 ' MT)

|  | Fruit crop |  |  |  | $1990-91$ |  |  | 2006-07 |  |
| :--- | :--- | :--- | ---: | ---: | ---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | Area | Prod. |  | Area | Prod. |  |  |  |  |
| Banana | 29 | 1,604 |  | 73 | 4,622 |  |  |  |  |
| Orange | 30 | 229 |  | 122 | 724 |  |  |  |  |
| Grapes | 15 | 245 |  | 45 | 1,284 |  |  |  |  |
| Mango | 78 | 244 |  | 448 | 646 |  |  |  |  |
| Cashewnut | 15 | 11 |  | 165 | 161 |  |  |  |  |
| Pomegranate | N.A. | N.A. |  | 94 | 602 |  |  |  |  |
| Sweet Orange | N.A. | N.A. |  | 94 | 617 |  |  |  |  |
| Sapota | N.A. | N.A. |  | 64 | 267 |  |  |  |  |
| Guava | N.A. | N.A. |  | 31 | 228 |  |  |  |  |
| Others | 75 | N.A. |  | 259 | 1,173 |  |  |  |  |
| Total | $\mathbf{2 4 2}$ | N.A. | $\mathbf{1 , 3 9 5}$ | $\mathbf{1 0 , 3 2 4}$ |  |  |  |  |  |

National Horticulture Mission and Schemes of National Medicinal Plants Board
5.31 The National Horticulture Mission has been launched in 2005-06 with the main objective of doubling the area under horticulture by March 2012. This scheme was 100 per cent centrally sponsored during X - FYP. However, it is 85 per cent centrally assisted during XI- FYP.
5.31.1 Maharashtra State Horticulture and Medicinal Plants Board(MSHMPB) is established in 2005 to implement the schemes of National Horticulture Mission and National Medicinal Plants Board. The MSHMPB received grants of Rs. 314 crore under NHM and Rs. 2.23 crore from NMPB during 2007-08 (upto January, 2008). The expenditure under NHM by the end of November, 2007 was Rs. 217 crore and under NMPB schemes, it was Rs. 1.62 crore by end of January 2008.
5.31.2 The achievements under NHM include establishment of 48 new nurseries, new fruit plantation on 1.01 lakh hectare, rejuvenation of old fruit crop plantation on about 21 thousand hectare, construction of 2,165 community tanks, organic farming on 11,316 hectare, 409 pack houses and infrastructure for post harvest management etc. Upto the end of January, 2008 under the schemes of NMPB 122 beneficiaries are covered under contract farming.

## Vasantrao Naik Sheti Swavlamban Mission

5.32 In order to effectively deal with the problem of suicides of farmers in Vidarbha region, State Government, during 2005-06, has announced a special package of Rs. 1,075 crore for three years (2005-06 to 2007-08) and established Vasantrao Naik Sheti Swavalamban Mission. This package is mainly for 6 most suicide prone districts viz. Amravati, Akola, Yeotmal, Washim, Buldhana and Wardha. However, some of the schemes under the package are also applicable to the other areas of the State.
5.32.1 In addition to the above, during 2006-07, the Hon'ble Prime Minister has launched a special rehabilitation package of Rs. 3,750 crore for three years (2006-07 to 2008-09) for the same area.
5.32.2 The total provision proposed under both the packages for three years is of Rs. 4,825 crore. The progress of these packages as on 31st December 2007, is shown in Table No.5.23.

Table No. 5.23
Progress of schemes implemented under Vasantrao Naik Sheti SwavLamban Mission
(Rs. in crore)

| Scheme | Provisions <br> proposed | Expenditure <br> upto 31/12/07 | Achievements <br> upto 31/12/07 |
| :--- | :---: | :---: | :--- |
| I) State Government's Package(2005-06 to 2007-08) |  |  |  |
| 3 per cent Capital formation <br> fund for Cotton Monopoly Scheme | 370.00 | 438.58 | 13.23 lakh farmers covered |
| Relief to cotton growing <br> farmers | 134.00 | 130.76 | 11.54 lakh farmers covered |
| Interest subsidy on |  |  |  |
| rescheduled crop loans | 225.00 | 239.12 | 4.20 lakh farmers covered |
| Package of Rs. 25000/- |  |  |  |
| for inputs, implements etc. | 150.00 | 80.66 | 12,000 Bullock pairs, 10,000 pumsets, 14,000 |
| Agriculture \& allied activities | 30.00 | 24.22 | vermi units |
| Community marriages | 6.00 | 16.53 | 16,000 milch animals, 4,000 sheep and goat units |
| Organic farming | 30.00 | 11.36 | 1 lakh hect. covered |
| Crop insurance scheme | 30.00 | 9.93 | 3.15 lakh farmers covered |
| Vidharbha watershed mission | 100.00 | 44.29 | 5 lakh ha. area taken up |
| Sub-Total (I) | $\mathbf{1 , 0 7 5 . 0 0}$ | $\mathbf{9 9 5 . 4 5}$ |  |

II) Hon'ble Prime Minister's Special Relief Package(2006-07 to 2008-09)

| Waiving of overdue interest | 712.00 | 837.50 | Interest on 9.37 lakh accounts waived |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| Assured irrigation | 2,177.00 | 1,103.43 | 45,860 ha.irrigation potential created |
| Micro irrigation | 78.00 | 44.92 | Distribution of micro irrigation sets for irrigation on $20,774 \mathrm{ha}$. in 2006-07 and on 16,548 hect. in 2007-08 (upto Dec.07) |
| Water conservation <br> a) Check dams | 180.00 | 53.06 | 2,618 check dams completed and 3,000 check dams in progress |
| b) Watershed development | 54.00 | 9.58 | 1 lakh ha. |
| c) Water Harvesting | 6.00 | 0.62 | 3000 farm ponds \& bunds completed under NREGS */EGS @ |
| Sub-Total ( $\mathrm{a}+\mathrm{b}+\mathrm{c}$ ) | 240.00 | 63.26 |  |
| Agricultural extension services | 3.00 | 4.44 | SHGs of farmers for all the districts being strengthened |
| Seeds replacement | 180.00 | 51.42 | 1.25 lakh quintal, 3.22 lakh quintal and 1.41 lakh quintal seeds distributed during Rabi 2006, Kharif 2007 and Rabi 2007 respectively. |
| National horticulture mission | 225.00 | 28.38 | Fresh plantation taken up on 7,800 ha. |
| Subsidary occupation to agriculture | 135.00 | 12.42 | 6,977 milch cattle distributed |
| Sub-Total (II) | 3,750.00 | 2,145.77 |  |
| Grand Total (I + II) | 4,825.00 | 3,141.22 |  |

## Animal Husbandry

5.33 Livestock plays an important role in the development of rural economy. It's share in Gross State Domestic Product of agriculture sector during 2006-07 was about 21 per cent. As per Livestock Census, 2003, the total livestock in the State was about 3.71 crore, less by 6.3 per cent as
compared to Livestock Census, 1997. The total poultry population was 3.46 crore. The density of livestock per sq.km. was 120 . In the total livestock and in poultry population, the share of State in India was 7.6 per cent and 7 per cent respectively. The information of livestock censuses is shown in Table No. 23 of part-II of this publication.

5.33.1 Milk, eggs, meat and wool are the main livestock products. The details of their production are shown in Table No.5.24.

Table No. 5.24
Livestock and Poultry Production

| Item | Unit | $2006-07$ | $2007-08^{*}$ | Percentage <br> Increase |
| :--- | :--- | ---: | ---: | :---: |
| Milk | 000 ' MT | 6,978 | 7,187 | 3.0 |
| Eggs | Crore | 340 | 351 | 3.2 |
| Meat | $000{ }^{\prime}$ MT | 243 | 250 | 2.9 |
| Wool | Lakh kg. | 16.67 | 16.96 | 1.7 |

*Provisional
5.33.2 During 2006-07, the per capita daily availability of milk in the State was 180 gm . which was below than 245 gm . at the national level.

1 $\quad 5.33 .3$ A net work of 31 veterinary policlinics, 1,517 veterinary dispensaries, 2,928 primary veterinary aid centres, 65 mobile veterinary clinics, 27 district artificial insemination centres and 172 taluka veterinary mini-polyclinics have been created upto the end of March 2007, for rendering veterinary services. The artificial insemination (AI) facility is provided at all of these 4,740 institutes.
5.33.4 For production of frozen semen, there are three laboratories in the State located at Pune, Nagpur and Aurangabad. The performance under AI programme is shown in Table No. 5.25.

Table No. 5.25
Performance under Artificial
Insemination(AI) Programme

|  |  | (No.in Lakh) |  |
| :--- | ---: | ---: | ---: |
| Particulars | $2005-06$ | $2006-07$ | $2007-08^{*}$ |
| I) Cow(AI) |  |  |  |
| i) Cross breed | 7.31 | 8.03 | 4.79 |
| ii) Exotic | 2.80 | 2.57 | 1.54 |
| iii) Indigenous | 0.59 | 0.73 | 0.56 |
| Sub- total (1) | 10.70 | 11.33 | 6.69 |
| II) Buffalo(A) | -5.32 | 5.41 | 3.08 |
| Total (I+II) | 16.02 | $\mathbf{1 6 . 7 4}$ | $\mathbf{9 . 9 7}$ |
| No.of calves born |  |  |  |
| (a) Cow | 3.87 | 3.80 | 2.42 |
| (b) Buffato | 1.74 | 1.72 | $\mathbf{1 . 0 3}$ |
| Total | $\mathbf{5 . 6 1}$ | $\mathbf{5 . 5 2}$ | $\mathbf{3 . 4 5}$ |

*(Upto November, 2007)

## National Project for Cattle and Buffalo Breeding

5.33.5 This 100 per cent centrally sponsored project is implemented through Maharashtra Livestock Development Board, Akola for strengthening and expansion of breeding services and indigenous breed preservation. Under this programme, modernisation of 3 laboraties for Frozen Sperms, provision of Liquified Nitrogen $\left(\mathrm{LN}_{2}\right)$ containers at 4,873 institutes and provision of mobile AI facility at 1,050 institutes etc. are carried out. The expenditure under this scheme during 2004-05 to 2006-07 was Rs.6.56 ,crore while during 2007-08 (upto December 2007), it was Rs. 2.11 crore.

## Livestock insurance Scheme

5.33.6 This centrally sponsored scheme is implemented through Maharashtra Livestock Development Board, Akola since 2006-07 on pilot basis for 2 years in 6 districts viz. Ahmednagar, Pune, Kolhapur, Satara, Sangli and Solapur. Under this scheme, 100 per cent central assistance for payment of 50 per cent of premium is received. The expenditure on remaining 50 per cent of premium is to be borne by cattle owner. Upto December 2007, 31,826 cows and buffaloes have been given insurance coverage. The expenditure under this scheme during 2006-07 and 2007-08 (upto December 2007) was Rs. 1.98 crore and Rs. 0.61 crore respectively.

## Poultry Development

5.33.7 In order to make available improved layers / eggs to farmers as well as to poultry centres at village, taluka and district levels, the Government has established four central hatcheries, 16 poultry development blocks and two poultry extension centres. The number of birds supplied through government hatcheries during 2006-07 was 2.01 lakh as against 4.26 lakh in 2005-06.

## Dairy Development

5.34 During 2007-08, there were 76 milk processing plants and 114 government/cooperative milk chilling centres with per day capacity of 77.22 lakh litres and 21.41 lakh litres respectively. The average daily collection of milk by the government and co-operative dairies taken together (excluding Greater Mumbai) during 2007-08 (upto November, 2007) was 44.00 lakh litres. The average daily collection during 200607 was 45.00 lakh litres. The information regarding milk products of Government Milk Scheme is given in Table No. 5.26.

Table No. 5.26
Production of Milk Products

| Product | Unit | Production |  |  |  |
| :--- | :--- | ---: | ---: | ---: | :---: |
|  |  | $2005-06$ | 2006-07 | 2007-08* |  |
| SMP | MT | $3,178.0$ | $1,789.4$ | 363.0 |  |
| W. Butter | MT | $1,727.7$ | $1,023.8$ | 200.6 |  |
| Ghee | MT | 85.9 | 129.9 | 35.6 |  |
| Shrikhand | MT | 6.6 | 4.1 | 0.6 |  |
| Energy | Lakh | 87.1 | 70.9 | 46.6 |  |
|  | bottles |  |  |  |  |
| Lassi | $-7-$ | 70.2 | 67.3 | 40.7 |  |
| Masala Milk | $-"-$ | 11.4 | 10.7 | 6.3 |  |
| LLCM | $-"-$ | 2.8 | 2.6 | 2.0 |  |
| SMP- Skimmed Milk Powder | "Upto November, 2007. |  |  |  |  |
| W. Butter - White Butter |  |  |  |  |  |
| LLCM - Long Life Cow Milk |  |  |  |  |  |

5.34.1 The Intensive Dairy Development Project-III having estimated cost of Rs. 10 crore is implemented in five districts viz. Amravati, Nanded, Nandurbar, Latur and Nagpur for removing the imbalance in milk production. The expenditure on this project by end of January, 2008 is Rs. 4.3 crore.

## Fisheries

5.35 Fishing is an important economic activity, especially in coastal area of the State. It
generates employment and helps many subsidiary activities. The area suitable for marine, inland and brackish water fishing in the state is 1.12 lakh sq.km., 3.01 lakh sq.km. and 0.19 lakh hectare respectively.
5.35.1 In order to achieve the optimum capacity of the fish production, 71 medium size boats have been financed. Fishing in deep sea is carried out by using mechanised boats which resulted in increased fish production. Out of the 13 ports and 38 jetties proposed under Konkan Development Programme, construction of 1 port and 17 jetties is completed and the works of 2 ports and 5 jetties are in progress.
5.35.2 The potential of marine fish production has been estimated at 6.3 lakh M.T. The information on some important aspects of fisheries sector is given in Table No.5.27.

Table No. 5.27

## Information on important aspects of fisheries sector

| Item | Unit | 2005-06 | 2006-07 | 2007-08* |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| Total fish production |  |  |  |  |
| Marine La | Lakh M.T. | 4.5 | 4.6 | 3.26 |
| Inland La | Lakh M.T. | 1.4 | 1.3 | 0.97 |
| Total |  | 5.9 | 5.9 | 4.23 |
| Gross value of fish production |  |  |  |  |
| Marine $\quad$ C | Crore Rs. | 1,246 | 1,423 | 1,011 |
| Inland | Crore Rs. | 635 | 622 | 454 |
| Total |  | 1,881 | 2,045 | 1,465 |
| Export of fish produce |  |  |  |  |
| a) Quantity La | Lakh M.T. | 1.24 | 1.40 | N.A. |
| b) Value C | Crore Rs. | 1,242 | 1,347 | N.A. |
| Marine fishing boats | ats No. | 22,434 | 22,693 | 22,693** |
| of which mechanised | ised No. | 11,745 | 11,798 | 11,798** |
| Fish landing centres | No. | 184 | 184 | 184** |

## Sericulture

5.36 Sericulture is an agro-cottage industry helping increase in income of the cultivators and creates employment. State's environment is favourable for sericulture and there is a wide scope to develop this industry. State stands first in the non traditional states growing silk. The Directorate of Sericulture is established in September 1997. Sericulture activity covers plantation of Mulberry and Ain trees, rearing of silk worms, production of cocoons and raw silk. Mulberry Silk Development Programme is implemented in 23 districts and Tasar Silk Development Programme is implemented in

4 districts of Vidarbha viz. Gadchiroli, Chandrapur, Bhandara and Gondia. The performance of this programme is given in Table No.5.28.

Table No. 5.28
Performance under sericulture programme

| Item | Mulberry silk |  |  | Tasarsilk |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | $\begin{gathered} 1997 \\ 98 \end{gathered}$ | 200607 | $\begin{gathered} 2007 \\ 08^{*} \end{gathered}$ | 2006- <br> 07 | $\begin{gathered} 2007- \\ 08^{*} \end{gathered}$ |
| Area under plantation(Ha.) | 706 | 2,669 | 4,216 | 18,519 | 18,519 |
| Production of raw silk (M.T.) | - | 15.31 | 16.17 | 4.30 | 0.75 |
| Supply of DFLs\# (Lakh No.) | 5.53 | 17.47 | 21.63 | 2.89 | 3.92 |
| Cocoon production @ | 161 | 766.0 | 908.0 | 86.65 | 15.21 |
| Employment generation (No. of persons) | 9,000 | 35,000 | 52,695 | 27,700 | 13,060 |

\# DFLs = Disease Free Layings.

* Upto Jan. 2008.
@ Mulberry in Metric Tonnes and Taser in lakh No.


## Forests

5.37 The National Forest Policy - 1988 has set a goal to cover 33 per cent of country's geographical area under forest and tree cover. The total forest area in the State as per State Forest Report 2003 is 61,939 sq.kms., which is 20.1 per cent of State's geographical area and 8 per cent of the country's total forest area. The forest cover was 46,865 sq.kms. which accounts for 15.2 per cent of State's geographical area. Of the total forest cover 17.2 per cent was very dense forest, 43.4 per cent was moderately dense forest and 39.4 per cent was open forest.

| Statewise percentage of <br> forest cover -2003 |  |
| :--- | :---: |
| State | Percentage |
| Chattisgarh | 41 |
| Orissa | 31 |
| Madhya Pradesh | 25 |
| Karnataka | 19 |
| Tamil Nadu | 17 |
| Andhra Pradesh | 16 |
| Maharashtra | $\mathbf{1 5}$ |
| Gujarat | 8 |
| Uttar Pradesh | 6 |
| Rajasthan | 5 |

5.37.1 In order to increase forest cover, the State Government implements various afforestation programmes. During 2006-07, about 37,912 hectare of forest land as well as village community land was covered under afforestation programines, which was 12 per cent higher than that of previous year ( 33,844 hectare).

## Forest Produce

5.37.2 The details of production and value of major and minor forest produce in the State are given in Table No. 5.29.

Table No. 5.29
Production and value of forest produce

| (Value in Rs. crore) |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| Forest Produce | $\begin{aligned} & \text { Unit } \\ & \text { of } \\ & \text { produ- } \\ & \text { ction } \end{aligned}$ | $2006-07$ <br> (Provisional) |  | $\begin{gathered} 2007-08 \\ \text { (Anticipated) } \end{gathered}$ |  |
|  |  | Production | Vaiue | Production | Value |
| (A) Major forest produce |  |  |  |  |  |
| Timber | LCM | 1.40 | 150.0 | 1.21 | 84.9 |
| Firewood | LCM | 4.16 | 25.8 | 3.06 | 26.4 |
| Total( $A$ ) |  |  | 175.8 |  | 111.3 |
| (B) Minor forest Produce |  |  |  |  |  |
| Bamboo | LMT | 1.62 | 21.1 | 2.29 | 15.1 |
| 'Tendu | L.SB | 6.06 | 35.0 | 7.47 | 95.6 |
| Grass | MT | 6,395 | 0.3 | 314 | 0.1 |
| Gum | Qtls. | 21,855 | 0.3 | 1,600 | 0.1 |
| Others |  | . | 1.7 | - | 3.5 |
| Total(B) |  |  | 58.4 |  | 114.4 |
| Total ( $\mathrm{A}+\overline{\mathrm{B}})$ |  |  | 234.2 |  | 225.7 |

** LCM - Lakh Cubic Meter LMT - Lakh Metric Tonnes
LSB - Lakh Standard Bags MT - Metric Tonnes
5.37.3. Sant Tukaram Vangram Yojana is launched in 2006-07 with a view to create awareness regarding the importance of forest and wild life, to protect the forest from illegal tree cutting, encroachment, etc. Under this scheme, 12,391 Joint Forest Management Committees are constituted. The best performing three committees at district and State level are awarded with Sant Tukaram Vangram Yojana Best Joint Forest Committee Management Award. The expenditure during 2006-07 was Rs. 48.5 lakh, while Rs. 50 lakh is sanctioned for 2007-08.

## Wildlife and National Parks/Sanctuaries

5.38 As per the Wildlife Census, 2005, there were 268 tigers and 717 panthers against 238 and 513 of Wildlife Census, 2001. The information on Centrally Sponsored schemes implemented under Wildlife and National Parks/ sanctuaries is given in Table No. 5.30.

Table No. 5.30
Information of schemes under Wild life \& National parks/Sanctuaries

| Scheme | Expenditure (Rs. in crore) |  |  | Area sq.km. |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | $\overline{2005-06}$ | 2006-07 | 2007-08* |  |
| 1 Tiger Projects |  |  |  |  |
| i) Melghat | 2.48 | 2.17 | 0.99 | 1,677 |
| ii) Tadoba-Andhari | 1.17 | 0.91 | 0.56 | 620 |
| iii) Pench | 1.19 | 0.77 | 0.33 | 257 |
| II Development of National Parks/ Sanctuaries | 2.32 | 2.78 | 1.59 |  |
| Total | 7.16 | 6.63 | 3.47 |  |

## Social forestry

5.39 Social Forestry Department plays an important role in meeting the needs of fuel and fodder. During 2006-07, the plantation on about 2,877 hectare and 724 kms . of community land was carried out. The department has also supplied 3.63 crore plants for plantations on private land. In 2007-08 (upto December, 2007), plantation on about 3,936 hectare and 546 kms . of community land was carried out and 4.43 crore plants were distributed for plantations on private land.

## INDUSTRIES

## National Scenario


6.1 The growth of industry sector in the country during last fifteen years is the outcome of liberal and positive policy reforms carried out by the Government which has resulted in enhancing competitiveness and thereby production and productivity in this sector. Labour reforms, concessional tariff/duty rates, enhancement in infrastructural facilities and investor friendly environment resulted in attracting more and more foreign investment, have helped in sustained growth in industrial sector. Being feader for services sector, the growth in industrial sector became responsible for high growth of services sector, especially the trade, transport, construction and communication.
6.2 The growth in industrial sector has also enhanced the employment opportunities. The results based on NSS $61{ }^{\text {st }}$ round (2004-05) reveals that the employment growth is accelerated by 2.5 * per cent per annum during the period 1999-2000 to 2004-05. However, as per the Employment Market Information System of Ministry of Labour, the employment in organised sector had registered negative growth rate. Thus, employment opportunities is mainly due to increase in employment generation in unorganised sector. The XI-FYP targets to reduced the work force dependent on agriculture sector by generating more and more employment opportunities in secondary and tertiary sectors. Sustained growth in industry will help in generating more and more employment opportunities and will help in absorbing diguised labour force dependant upon agriculture. For this, training infrastrucral facilities are needed for genrating industrial skilled manpower.

## State Scenario


6.3 In accordance with the central policy, Maharashtra State has also taken steps to attract more and more investments in industrial sector and has succeeded in maintaining the leading position in the country. As a part of this Government of Maharashtra has taken number of initiatives in designing and implementing policies with respect to SEZs, ITs and MSMEs.

## New Industrial Investment

6.4 The industrial policy reforms have reduced the industrial licensing requirements, removed restrictions on investment \& expansion and facilitated easy access to foreign technology as well as foreign direct investment. Under the de-licensing policy, the Government of India is receiving large number of applications of Industrial Entrepreneur Memorandum (IEM) / Letter of Intents (LoI)/ $100 \%$ Export Units (EOU). and Memorandum of Understanding ( MoU ) for setting up new industries/mega projects in the State. Upto the end of July, 2007 the State's share in proposed industrial investment and employment to be generated therein in the country is 12 per cent

Table No. 6.1
Status of project implementation in Maharashtra
(Cumulative since August 1991 to July, 2007)

| Projects | IEM/LoI/ 100\%EOU | MoU |
| :--- | ---: | ---: |
| Approved |  |  |
| $\quad$ Number | 14,069 | 55 |
| Investment (Crore Rs.) | $3,89,190$ | 47,500 |
| $\quad$ Employment (No.) | $25,06,798$ | 43,919 |
| Completed |  |  |
| (Production started) |  |  |
| $\quad$ Number | 6,475 | $*$ |
| Investment (Crore Rs.) | $1,01,416$ | $*$ |
| Employment (No.) | $6,38,559$ | $*$ |

[^14]
and 16 per cent respectively. The sectors such as Chemicals \& Fertilisers and Metallurgical (14 per cent each) and Food Processing ( 11 per cent) are dominating in the total proposed investment, followed by the sectors like Textiles ( 6 per cent), Engineering (5 per cent), IT and Rubber \& Petroleum ( 4 per cent each). The status of projects (IEM/LoI/ $100 \%$ EOU, MoU) implemented during August, 1991 upto July, 2007 is given in Table No. 6.1.
6.4.1 The statewise information on industrial investment (through IEM, LoI and $100 \%$ EOU) for major states in India, given in the Table No. 6.2 reveals that Maharashtra has remained a favoured destination for industrial investment in the country. Maintaining its status of the most industrialised state, Maharashtra has successfully attracted bulk of industrial investment in the post liberalisation era, from both the domestic as well as foreign entities.
$$
\text { Table No. } 6.2
$$

## Industrial Investment Proposals

(since August 1991 to July 2007)

| State | Proposals (IEM, LoI and $100 \%$ EOU) |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | No. | Investment (Rs.in crore) | Employment (In lakh no.) |
| Gujarat | 9,440 | 4,52,983 | 15.84 |
| Maharashtra | 14,069 | 3,89,190 | 25.07 |
| Chhatisgarh | 1,883 | 3,23,956 | 4.13 |
| A. Pradesh | 5,976 | 2,73,540 | 10.36 |
| Orissa | 1,212 | 2,50,549 | 3.56 |
| Karnataka | 3,628 | 2,37,823 | 6.60 |
| Tamilnadu | 7,654 | 2,29,529 | 21.00 |
| U. Pradesh | 6,790 | 1,86,314 | 16.21 |
| M.Pradesh | 2,860 | 98,370 | 5.98 |
| All India | 79,465 | 31,65,645 | 155.87 |

FDI in Maharashtra and major states
(cumulative August, 1991 to July, 2007)


Rs. in crore

## Salient features of FDI in Maharashtra

| \% Projects approved |  |  |
| :---: | :---: | :---: |
|  | Number | 3,982 |
|  | Investment | 70,856 |
|  | (Rs.in crore) |  |
| $\stackrel{ }{*}$ | Projects commmissioned |  |
|  | Number | 1,623 |
|  | Investment | 39,121 |
|  | (Rs.in crore) |  |
| * | Most favoured Sectors* |  |
|  | Services | (24\%) |
|  | IT Industry | (21\%) |
|  | Infrastructure | (12\%) |
|  | Automobiles | (10\%) |

* Figures in bracket indiactes share in FDI
6.5 As regards foreign direct investment (FDI), total 3,982 projects with Rs. 70,856 crore of investment in the state have been approved by Government of India during the post-liberalisation period August, 1991 to July, 2007, which accounts for about 24 per cent share in the total FDI in the country. Of these approved proposals, 1,623 projects with investment of Rs. 39,121 crore ( 55.2 per cent) have been commissioned by July, 2007.


## Special Economic Zones (SEZ)

6.6 The SEZ Act, 2005, with SEZ Rules, came into effect on 10th February, 2006, with provision of drastic simplification of procedures and for single window clearance on matters relating to Central as well as State Governments. The main objectives of the SEZ Act are:

- Promotion of exports of goods and services
- Promotion of investment from domestic and foreign sources
- Creation of employment opportunities
- Development of infrastructure facilities
- Generation of additional economic activities
6.6.1 It is expected that this will trigger inflow of large foreign and domestic investment in SEZs, infrastructure and productive capacities which will lead to generation of additional economic activities and employment opportunities. Upto the end of October, 2007, in all 175 SEZ proposals were received in the State of which 122 were approved ( 84 formal and 38 in-principle approvals) and 21 proposals were already notified. The region wise proposals approved, land requirement, investment therein and likely employment generation through these SEZs are given in the Table No. 6.3.

Table No. 6.3

## Details of Approved SEZs in the State

(As on 31.10. 2007)

| Region | Approved SEZ Proposals |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | No. | Area in hectares | Invest ment* | Employ ment\# |
| Konkan | 58 | 29,668 | 95,296 | 35.36 |
| Western Mah. | 42 | 10,228 | 22,607 | 10.73 |
| Marathwada | 13 | 3,980 | 4,265 . | 1.56 |
| Vidarbha | 9 | 6,004 | 10,409 | 5.84 |
| Total | 122 | 49,880 | 1,32,578 | 53.48 |

* Rs.in crore \#.Figures in lakh
6.6.2 Out of the 122 approved SEZs, 98 are private/joint ventures. Maximum number (45) of approved SEZs are from IT sector, where as 21 are multiproduct SEZs and 56 are single product EEZs. Of these single product SEZs, 2 are captive power projects.


## Organized Manufacturing

6.7 The liberlisation policy has resulted in the rapid increase in the share of industrial sector in gross value added and employment. The manufacturing sector is the major constituent of the organized industrial sector. The data pertaining to the organized industrial sector are collected through Annual Survey of Industries (ASI). Based on the latest available ASI 2004-05 results, contribution of Maharashtra state in the value of output and the net value added in the organized industrial sector of India is about 21 per cent and 20 per cent respectively. Thus,


Maharashtra state has succeeded in maintainins the first position in India in its shave in industrialisation and hence is playing 9 leading role.

## Index number of Industrial Production


6.8 The Index number of Industrial Production (IIP) covering mining, manufacturing and electricity sectors is a statistical tool to measure the industrial growth and the same is being published by the Central Statistical Organisation for All-India as a monthly series with the base year 1993-94. The manufacturing sector, (which accounts for 79.4 per cent weightage in the index),

showed an increase of 12.5 per cent during 2006-07 against the increase of 9.1 per cent recorded during 2005-06. The growth in the IIP of manufacturing sector during 2007-08 (April to December), over the corresponding period of 2006-07 was 9.6 per cent. The IIP of manufacturing sector for the month of December, 2007 was 305.7 (provisional) showed an increase of 8.4 per cent over that for December, 2006 and 12.4 per cent over that for April, 2007. The details of IIP of All-India level are given in the Table No. 24 of Part II of this publication.

## Table No. 6.4 <br> Index Numbers of Industrial Production in India

| (Base year 1993-94=100) |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| Item | Weight | Average Indices |  | Percentage growth |  |
|  |  | 2006-07 | 2007-08* | 2006-07 | 2007-08* |
| Gen.Index | 100.00 | 247.1 | 261.4 | 11.6 | 9.0 |
| Mining | 10.47 | 163.2 | 164.3 | 5.4 | 4.9 |
| Manufacturing | 79.36 | 263.5 | 279.9 | 12.5 | 9.6 |
| Electricity | 10.17 | 204.7 | 216.7 | 7.2 | 6.6 |

* April to December, 2007 (Provisional)

6.9 It has been observed that the industry groups viz. refined petroleum products; chemicals and chemical products; machinery and equipments not elsewhere classified; basic metals; motor vehicles, trailers; food products; other transport equipments and metal products contribute substantially to the net value added of the State and at All-India level as well. Their contribution together was more than 77 per cent in the net value added in the State and it was about 71 per cent at All-India level during the year 2004-05. Based on the average IIP in India during 2006-07 (April to December), it is surmised that the industrial production of the manufacturing sector in the State has registered a growth of 9.6 per cent against the growth of 9.0 per cent during the corresponding period of the previous year.


## ASI : Maharashtra's Scenario

6.10 The ASI results for 2004-05 revealed that in the organized industrial sector in India, the State contributed 21.5 per cent in the gross value of output and 19.7 per cent in net value added; by deploying 18.7 per cent of fixed capital and 17.9 per cent of productive capital. Some of the

## Annual Survey of Industries (ASI)

The ASI is the principal source of industrial statistics, which is conducted across the country by the National Sample Survey Organisation (NSSO), Government of India. It covers all factories registered under section $2 \mathrm{~m}(\mathrm{i})$ and $2 \mathrm{~m}(\mathrm{ii})$ of Factories Act, 1948 and bidi \& cigar manufacturing establishments registered under Bidi \& Cigar Workers (Conditions of Employment) Act, 1966. It also covered electricity undertakings registered under Central Electricity Authority, certain services like cold storage, water supply, repairs of motor vehicles etc. The sampling design and the scope of the ASI have undergone revisions in 1997-98, 1998-99 and again in 2004-05. All departmental undertakings and all electricity undertakings covered earlier have been kept outside the purview of the survey 2004-05. The National Industrial Classification (NIC) of 2004 has been introduced in the survey since 2004-05.
important per factory indicators for the State and All-India based on ASI 2003-04 and 2004-05 are given in the Table No. 6.5.

## Table No.6.5 <br> Per factory indicators as per ASI

(Rs. in lakh)

| Indicator | $2003-04$ | $2004-05$ |
| :--- | :---: | :---: |
| Investment on fixed capital |  |  |
| $\quad$ Maharashtra | 481 | 509 |
| India | 365 | $\mathbf{3 7 6}$ |
| Value of goods \& services |  |  |
| produced |  |  |
| $\quad$ Maharashtra | 1,352 | 1,898 |
| India | 996 | 1,227 |
| Net value added |  |  |
| $\quad$ Maharashtra | 241 | 271 |
| India | 169 | 191 |
| Employment (No.) | 63 | 61 |
| Maharashtra | 61 | 62 |
| India |  |  |

6.11 As per ASI 2004-05, out of the 25 major industry divisions (at 2 digit level of NIC 2004) the State occupied first position in respect of value of output in India in 15 industry divisions of which prominent five divisions are i) food products and beverages, ii) basic metals, iii) machinery and equipments, iv) motor vehicles and v) furnitture. The State had more than 20 per cent share in the total value of either output or net value added or

As per ASI 2004-05, the per capita net value added (Rs. 5,002 ) for the State was more than double that at All-India (Rs.2,383).

both in India in respect of each of the 7 industry divisions as depicted in the adjoining graph.
6.12 The industry divisions which contributed more than 10 per cent to the industrial production of the State according to ASI 2004-05 results were (i) motor vehicles ( 20.6 per cent), (ii) chemicals and chemical products ( 12.4 per cent), (iii) basic metals ( 11.6 per cent), (iv) coke, refined petroleum products and nuclear fuel etc. ( 11.6 per cent). Similarly, from the point of consumption of inputs, the above major industry divisions together consumed about 56 per cent of total inputs

consumed by all industries covered under ASI in the State. In the case of investment also, these industry divisions accounted for 50 per cent of fixed capital deployed in all industries taken together. In the total production, share of 'motor vehicles' is consistently increasing while it is decreasing in the case of 'food products'. Earlier the share of 'basic metals' industry division was decreasing, while it has increased during 2004-05.
6.13 As observed from ASI data, the composition of organized industrial sector in Maharashtra has undergone considerable changes over the decades. In 1960, the consumer goods industries were predominant with about 52 per cent of the total net value added. The share of consumer goods industries in the net value added has gradually declined, it has increased in intermediate goods industries while it has remained almost same ( 31 per cent) over the period from 1992-93 to 2004-05.

6.14 The net value added by all industries covered under ASI in the State during 2004-05 was Rs. 51,309 crore, higher by 20.4 per cent than that in 2003-04. The salient features of industrial sector in the State based on ASI data are given in the Table No. 25 of Part II of this publication.
6.15 Some economic indicators of industries are presented in the Table No.6.6.
6.16 The capital to value added ratio provides a measure of capital required to produce one rupee worth, of net value added. This ratio for 2004-05 was 1.9 as against 2.0 in 2003-04. The level of efficiency is measured by the ratio of net value added to gross output. This ratio for 2004-05 was

Table No. 6.6
Some economic indicators of industries

| State | Labour productivity (Net value added per rupee in wages) |  | Total input per worker (Rs. in lakh) |  | Total output per worker (Rs. in lakh) |  | Annual wages per worker (in Rs.) |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | 2003-04 | 2004-05 | 2003-04 | 2004-05 | 2003-04 | 2004-05 | 2003-04 | 2004-05 |
| India | 6.66 | 7.73 | 17.08 | 20.65 | 21.15 | 25.34 | 50,071 | 50,9688 |
| Maharashtra | 7.54 | 8.35 | 24.39 | 36.64 | 30.79 | 44.06 | 71,778 | 75,404 |
| Gujarat | $\mathfrak{7 0 . 3 5}$ | 11.09 | 31.67 | 35.61 | 38.53 | 42.97 | 51,811 | 53,53.5 |
| Tamilnadu | 5.07 | 5.09 | 11.19 | 12.66 | 13.71 | 15.24 | 39,732 | 40,474 |
| Karnataka | 7.23 | 8.84 | 16.42 | 19.66 | 20.81 | 25.24 | 49,312 | 53,85!9 |
| Andhra pradesh | 5.61 | 5.87 | 9.13 | 10.55 | 11.43 | 13.06 | 33,007 | 34,612 |

0.14 as against 0.18 in 2003-04. Broad industry groupwise ratios of economic importance relating to organized industries in the State are given in the Table No. 28 of Part II of this publication.

## Micro, Small and Medium Enterprises Development (MSMED) Act, 2006

6.17 To address and streamline the issues being faced by the micro, small and medium industries, the Government of India has enacted Micro, Small and Medium Enterprises Development (MSMED) Bill, 2006 and the same is being implemented by Government of Maharashtra from 2nd October, 2006. The Bill handles the issues related to Inspector Raj, labour laws that intervene with the daily operations of a micro unit and also suggests measures to check delayed payments and encourage flow of credit by banks and financial institutions to the micro industries. Under this law, the concept of 'Industry' has been changed to 'Enterprise'. The Enterprises are broadly classified into two categories: (i) manufacturing and (ii). those engaged in providing/ rendering services. Both the

Table No. 6.7
MSME \& Large Enterprises in Maharashtra
(As on $30^{\text {th }}$ September, 2007)

| Region | MSME |  | Large Scale Units |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | Units | Employ ment | Units | Employ ment |
| Konkan | 24,526 | 2,09,579 | 1,289 | 1,30,114 |
| Nashik | 20,278 | 1,35,335 | 361 | 73,342 |
| Pune | 72,634 | 3,62,684 | 1,982 | 3,45,146 |
| Aurangabad | 9,976 | 79,920 | 240 | 82,363 |
| Amarawati | 6,331 | 35,245 | 60 | 13,114 |
| Nagpur | 13,779 | 97,658 | 243 | 52,761 |
| Maharashtra | 1,47,524 | 9,20,421 | 4,175 | 6,96,840 |

categories of enterprises have further been classified into Micro, Small, Medium and Large enterprises based on their investment in plant and machinery (for manufacturing enterprises) or on equipments (in the case of enterprises providing or rendering services). Till July, 2007, total 69 new enterprises having investment of Rs. 388 crore and estimated employment of 9,130 , have been registered under this Act . Out of these, 24 proposals with Rs. 131 crore of investment and providing 2,146 employment have already started their production. The regionwise break up of MSMEs (erstwhile SSI units) and Large units working in the state is given in the Table No.6.7.

## Package Scheme of Incentives, 2007

6.18 In order to promote balanced industrial development in the state, the Package Scheme of Incentives was introduced in 1964 and the scheme has been amended from time to time to incorporate structural changes in the economy. Recently, Government of Maharashtra has declared Package Scheme of Incentives (PSI), 2007 which is to be implemented in the next four financial years starting from 1st April, 2007. Eligible Micro and Small Enterprises, Medium Enterprises and Large Scale Industries from all sectors except Central Public Sector, are considered for incentiwes under PSI 2007. In order to implement the scheme effectively, tehasils in the state are classified into A, B,C,D, D+ and 'No Industry District' according to their level of industrial development.

The highlights of this scheme are

- Promote new SMEs/ expansion of existing units through 'Industrial Promotion Subsidy' for Fixed Capital Investment
- Provide cushion to new SMEs in textile, hosiery, knitwear and readymade garment sector through Interest Subsidy for acquisition of fixed capital assets.
- To reduce the burdens of various taxes/ duties on the SMEs for sustained growth by means of exemptions from electricity duty, waiver of stamp duty, royalty refund (specifically for units in Vidarbha Region), refund of octroi/ entry tax (in lieu of octroi.)
- To attract large scale investment by facilitating conducive environment for industries, some of these benefits are extended to IT/ BT units and mega projects.
- To increase the quality of the production and efficiency of MSEMs, subsidy for (i) capital equipment for technology upgradation, (ii) quality certification, (iii) cleaner production measures (iv) patent registration.
- Customized and special/extra incentives to prestigious mega projects.


## Information Technology (IT)

6.19 The Government has taken a number of initiatives to promote development of IT/ITES sector in the state. The steps include formulation of a progressive sector-specific policy, development of IT parks and the knowledge corridor. As envisaged in 'Information Technology (IT) and Information Technology Enabled Services (ITES) Policy, 2003' the state has offered various fiscal incentives to IT / ITES industries. Besides, non-fiscal incentives like additional FSI, permitting software industry in residential areas, extended working hours for women employees under Shop and Establishment Act, suitable permissions to develop communication systems, self certifications under labour laws are offered.

## Public and Private IT Parks

6.19.1 Emergence of IT parks has triggered development of integrated infrastructure needed for this industry. These parks are supposed to be centers of excellence with reference to various infrastructure facilities and overall ambiance required for industry. In view of this, 33 public IT Parks are established by MIDC and CIDCO. For getting private participation in creating world class infrastructure for IT industry, 245 private IT Parks have been approved, out of which 46 IT parks have started functioning. These 46 IT parks are covering approximately 93.62 lakh sq. ft of built-up area (BUA) with investment of Rs. 1,952 crore and are creating 1.50 lakh jobs. The remaining 199 IT parks covering 653 lakh Sq.ft.

BUA with investment of Rs. 13,053 crore have given Letters of Intent and are expected to generate 10.04 lakh job opportunities. However, the private IT parks are mainly concentrated in Greater Mumbai (107), Thane (28) and Pune (106) districts.
6.19.2 The software export from IT parks in the State has registered impressive growth of 44 per cent (CAGR) during 2000-01 to 2004-05 as against the All-India 37 per cent (CAGR). The comparison of software exports from IT parks of the state against the states of Karnataka, Tamil Nadu and other states is given in Table No. 6.8.

Table No. 6.8
Statewise Software exports from IT Parks

|  |  |  |  | (Rs. In crore) |  |
| :--- | ---: | ---: | ---: | ---: | ---: |
| State | $2000-01$ | $2001-02$ | $2002-03$ | $2003-04$ | 200405 |
| Karanataka | 7,475 | 9,904 | 12,350 | 18,100 | 27,600 |
| Tamilnadu | 2,956 | 5,014 | 6,305 | 7,621 | 10,790 |
| Maharashtra | 2,570 | 4,603 | 5,508 | 8,518 | 11,642 |
| Other states | 7,050 | 10,002 | 13,013 | $\mathbf{1 7 , 2 2 9}$ | 23,987 |
| India | $\mathbf{2 0 , 0 5 1}$ | $\mathbf{2 9 , 5 2 3}$ | $\mathbf{3 7 , 1 7 6}$ | $\mathbf{5 1 , 4 6 8}$ | $\mathbf{7 4 , 0 1 9}$ |

## Mumbai-Pune Knowledge Corridor

6.19.3 A unique and first of its kind initiative of the Government of Maharashtra, the MumbaiPune Knowledge Corridor is fast emerging as the IT hub of the country. Main features of this corridor are :

- A six lane, dual carriage expressway between the two cities
- Optical-fiber cable link provided between the two cities
- Six major IT parks set-up in the two cities, three each in Mumbai and Pune, providing world-class IT infrastructure
- Mumbai and Pune provide the best infrastructure in terms of housing, education, transport and electricity


## Bio-Technology

6.20 With a rich bio-diversity and a strong presence of the pharmaceuticals sector, the state has a large potential in biotechnology. The Indian biotechnology sector is poised for an exponential growth with the consumption of biotech products estimated to increase by ten-fold in near future. The State has strong research capabilities and accounts large number of country's patents. Presence of several specialised research institutions and reputed companies focusing on the biotech are
advantageous to the State. In order to promote the sector, the Bio-Tech policy was declared by the State Government in 2001. Bio-Tech (BT) parks are developed in the State at Jalna and Hinjawadi (Pune). There are 51 MSME BT units and 13 Large Scale BT units in the State with total investment of about Rs. 205 crore.

## Co-operative Industrial Estates

6.21 Establishment of co-operative industrial estates is targeted to encourage entrepreneurs for setting up industries in less industrialized areas and thereby generate more employment opportunities. The Co-operative industrial estates are developed on the areas other than MIDC areas. The status of co-operative industrial estates in the State as on 31st December, 2007 is given in Table No. 6.9.

Table No. 6.9
Status of Co-operative Industrial Estates
(as on $31^{\text {st }}$ December, 2007)

| Region | Industrial Estates <br>  <br>  <br> Regi- Indl. <br> stered |  |  |  |
| :--- | ---: | ---: | ---: | ---: |
| Fuction- units <br> ing | Employ- <br> ment |  |  |  |
| Greater Mumbai | 3 | 3 | 224 | 11,123 |
| Konkan | 14 | 12 | 500 | 9,653 |
| Nashik | 33 | 26 | 1,272 | 38,294 |
| Pune | 44 | 33 | 2,783 | 48,203 |
| Aurangabad | 26 | 13 | 430 | 3,961 |
| Amravati | 10 | 3 | 74 | 575 |
| Nagpur | 10 | 4 | 267 | 2,710 |
| Total | 140 | 94 | 5,550 | $1,14,519$ |

## Assistance to industries

6.22 In view of globalization, the local industrics, specifically MSMEs, need support from the Governments, both at Centre and State. The State Government is taking steps towards ease of administration and enforcement, to minimise compliance burdens, to address competitive concerns, financial and technical support, etc. through the state level agencies like Maharashtra State Finance Corporation (MSFC), Maharashtra Industrial Development Corporation (MIDC), Maharashtra Small Scale Industries Development Corporation (MSSIDC), etc. and central level financing agencies such as Small Industries Development Bank of India (SIDBI), Industrial Finance Corporation of India Ltd., etc.

## (A) State Level Industrial Development Institutions

## (i) Maharashtra Industrial Development Corporation (MIDC)

6.23 In order to achieve planned and systematic growth throughout the state, MIDC is developing industrial areas with essential infrastructure like internal roads, water, electricity and other internal services to entrepreneurs. To achieve decentralized as well as faster industrial development, the State Government is implementing the following important programmes through MIDC:

- Establishment of growth centres
- Establishment of mini-industrial areas to cover all tehasils
- Setting-up of 'Five Starred' industrial areas

Table No. 6.10
Operational data regarding MIDC Industrial areas in the State (As on 31st March, 2007)

| Region | MIDC Industrial areas |  |  |  | Industrial units |  |  | No. of plots |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | Major | Mini | Growth Centre | Total | No. | Invest ment | Employment | Devp. | Allotted |
| Greater Mumbai | i 1 | 0 | 0 | 1 | 305 | 346 | 28,670 | 354 | 332 |
| Konkan | 22 | 3 | 3 * | 28 | 9,570 | 6,000 | 1,66,201 | 16,323 | 14,552 |
| Nashik | 10 | 9 | 11* | 30 | 5374 | 3,363 | 98,411 | 8,672 | 7,682 |
| Pune | 28 | 18 | 17 | 63 | 7,901 | 10,779 | 1,51,552 | 14,929 | 12,972 |
| Aurangabad | 14 | 19 | 12 * | 45 | 3,895 | 1,200 | 49,272 | 9,148 | 8,253 |
| Amravati | 7 | 32 | 8* | 47 | 1,269 | 394 | 16,564 | 4,451 | 3,046 |
| Nagpur | 11 | 25 | 10 * | 46 | 2,019 | 6,965 | 73,881 | 5,436 | 4,321 |
| Total | 93 | 106 | 61 | 260 | 30,333 | 29,047 | 5,84,551 | 59,313 | 51,158 |

* Of which one center each is being developed by Government of India
6.24 Operational data regarding MIDC industrial areas in the State is given in Table No. 6.10 and the performance status of MIDC as on 31st March, 2007 is given in Table No. 6.11.

Table No. 6.11
Performance status of MIDC as on
31 ${ }^{\text {st }}$ March, 2007

| Item | Status |
| :--- | ---: |
| No. of MIDC areas | 260 |
| Area notified (Hect.) | 68,093 |
| Area under possession (Hect.) | 53,121 |
| Plots demarcated | 59,313 |
| a) No. | 24,246 |
| b) Area (Hect.) |  |
| Plots alloted |  |
| a) No. | 51,158 |
| b) Area (Hect.) | 21,832 |
| Galas/shades (No.) | 6,536 |
| a) Constructed | 5,296 |
| b) Alloted |  |
| Industrial Units (No.) | 30,333 |
| a) Production started | 3,018 |
| b) Under construction | 2,241 |
| Per day Water supply capacity |  |
| (Million lit.) |  |

## (ii) Maharashtra Small Scale Industries Development Corporation

6.25 The Maharashtra Small Scale Industries Development Corporation (MSSIDC) was set up in the year 1962 with the objective of assisting the development of small scale industries. The main activities of MSSIDC are (i) Procurement and distribution of raw materials required by small scale industries, (ii) Providing assistance in marketing their products and making available acilities for warehousing and handling of material (iii) Assisting small scale industries for import export, (iv) Helping handicraft artisans and (v) Organising exhibitions. The performance of MSSIDC is shown in Table No. 6.12.

Table No. 6.12
Performance of MSSIDC

|  | Turnover (Rs. in crore) |  |
| :--- | ---: | ---: |
| Item | $2006-07$ | $2007-08^{*}$ |
| Procurement | 26.92 | 39.38 |
| of raw materials |  |  |
| Marketing Assistance | 2.77 | 0.45 |
| Others | 36.38 | 19.23 |
| Total | $\mathbf{6 6 . 0 7}$ | $\mathbf{5 9 . 0 6}$ |
| * Upto Nov., 2007 |  |  |

* Upto Nov., 2007


## (iii) Maharashtra State Khadi and Village Industries Board

6.26 The Maharashtra State Khadi and Village Industries Board (MSKVIB) was established in the year 1962. The main functions of the Board are to organise, develop and expand activities of Khadi and Village Industries (KVI) in the State. The Board provides financial assistance to individuals, registered institutions and co-operatives. It also provides technical guidance and training to individual beneficiaries and makes arrangements in marketing of products of village industries. Presently, 116 categories of industries are under the purview of the KVI sector.
6.27 In 2006-07, Rs. 470 lakh of financial assistance in the form of subsidy was given to KVIs in the state and Rs. 150 lakh (estimated) are proposed to be disbursed in 2007-08 through KVI Commission. In 2006-07, State Government has disbursed Rs. 250 lakh against the subsidy to KVIs.
6.28 Under Artisan Employment Guarantee Scheme, 4.46 lakh employment opportunities were provided to artisans in the year 2006-07 as compared to 3.28 lakh in the previous year. It is expected that during 2007-08, employment opportunities will be provided to five lakh artisans.
6.29 The value of production and employment generated by KVI units in the State is given in Table No. 6.13.

Table No. 6.13
Performance of KVI units

| Year | Units <br> assisted | Value of <br> production <br> (Rs. in crore) | Employ- <br> ment <br> (In lakh) |
| :--- | :---: | :---: | :---: |
| $2003-04$ | $2,48,089$ | 1,132 | 5.18 |
| $2004-05$ | $2,59,162$ | 1,333 | 5.18 |
| $2005-06$ | $2,26,449$ | 898 | 3.56 |
| $2006-07$ | $3,45,940$ | 622 | 6.17 |
| $2007-08^{*}$ | $2,50,000$ | 1,000 | 6.20 |

* Estimated


## (B) State and Central Level Financial Institutions

6.30 Several Central as well as State level major financial institutions are providing financial assistance to the industries in Maharashtra. The Central level major financial institutions are Life Insurance Corporation of India, General Insurance Corporation of India, Industrial Finance Corporation of India Ltd., Small Industries

Development Bank of India and Industrial Investment Bank of India Ltd.,etc, whereas the State level financial institutions are SICOM Ltd. and Maharashtra State Financial Corporation. The details of financial assistance sanctioned and disbursed by financial institutions to the industries in Maharashtra are given in Table No. 29 of part II.

## Rehabilitation of Sick Industries

## Large Scale Industries

6.31 Industrial sickness is one of the major hurdles to industrial growth due to locking up of capital assets, loss of productivity and increase in unemployment. Since inception, the Board for Industrial and Financial Reconstruction (BIFR) formed by Government of India has received 900 cases up to December, 2007 from the State under Sick Industry Companies Act (Special Provision), 1985 for rehabilitation of medium and large scale industries. Of these, 140 cases are sanctioned for rehabilitation including 5 cases of rehabilitation through workers co-operative scheme and 101 cases are recommended for winding up, whereas 114 cases were rejected. The data on number of cases filed to BIFR from major states in India is given in Table No. 6.14 which shows that state has noticeable share in the cases registered to BIFR ( 20 per cent), locked in net worth ( 24 per cent), losses accumulated ( 22 per cent), employment lost (13 per cent).

Table No. 6.14
Details of companies registered to BIFR
(Cumulative as on 31.12.2005)

| State | Companies.Net <br> registered <br> worth* <br>  <br> Accumu- <br> lated <br> losses* |  |  |  |
| :--- | ---: | ---: | ---: | ---: |
| Maharashtra | 1,076 | 16,547 | 29,429 | No. of <br> workers |
| Tamil Nadu | 521 | 3,375 | 7,120 | $1,59,962$ |
| Gujrat | 504 | 7,364 | 16,151 | $2,15,023$ |
| A.P. | 503 | 4,827 | 9,431 | $2,14,339$ |
| West Bengal | 392 | 9,164 | 17,273 | $6,15,496$ |
| U.P. | 344 | 2,927 | 6,062 | $1,60,572$ |
| NCT Delhi | 335 | 7,430 | 14,554 | 84,741 |
| Karnataka | 282 | 2,746 | $\mathbf{4 , 9 1 4}$ | $\mathbf{1 , 1 2 , 7 5 0}$ |
| Other states | 1,370 | 14,072 | 29,979 | $6,15,949$ |
| All India | $\mathbf{5 , 3 2 7}$ | $\mathbf{6 8 , 4 5 2}$ | $\mathbf{1 , 3 4 , 9 1 2}$ | $\mathbf{2 5 , 0 9 , 8 7 5}$ |

* (Rs. in crore)

Sick MSMEs
6.32 Since inception, State Government has issued certificates of sickness to 254 MSMEs having 2,712 employment up to the end of November, 2007 which enables these units to obtain re-scheduling of outstanding dues of sales tax and electricity charges.


Exports from Maharashtra
6.33 Exports from Maharashtra have maintained the growth momentum in tune with the buoyant economy, registering growth of 16.5 per cent (CAGR) during the period 2001-02 to 2005-06. The comparative details of exports from Maharashtra vis-a-vis India are given in Table No. 6.15. The main products exported from the State are software, gems \& jewelleries, textiles, ready-made garments, cotton yarns, made-up fabrics, metal \& metal products, agro-based products, engineering items, drugs and pharmaceuticals, plastic \& plastic items. For recognition of efforts put by the exporters and to boost the exports from the State, Government is taking initiatives like giving 'The Best Export Awards' and organization of exhibition of products

Table No. 6.15
Exports from Maharashtra and India
( Rs. in crore)

| Year | Maharashtra | India |
| :---: | :---: | :---: |
| $2001-02$ | 73,865 | $2,44,245$ |
| $2002-03$ | $(30.24)$ | $3,00,290$ |
|  | 99,778 |  |
| $2003-04$ | $(33.23)$ |  |
|  | 85,916 | $3,49,617$ |
| $2004-05$ | $(24.57)$ |  |
|  | $1,93,832$ | $4,34,979$ |
| $2005-06$ | $(44.56)$ |  |
|  | $1,13,700$ | $4,54,800$ |
| $2006-07^{*}$ | $(25.00)$ |  |
|  | $1,04,002$ | $4,16,011$ |
|  | $(25.00)$ |  |

* (upto Dec.,06)

Figures in brackets indicate percentage to India
in foreign countries. From the year 2006-07, ten International Exhibitions are organized in various countries.

## Industrial pollution

6.34 The industrial pollution is one of the major concerns for the State's environment. As per the information received from Maharashtra Pollution Control Board, (MPCB), out of the total 61, 792 industries, 17 per cent were air pollution prone, 14 per cent were water pollution prone and 7 per cent were hazardous waste prone industries at the end of March, 2007. In order to reduce the pollution MPCB had issued directions to 1,148 industries under section 33A of Water Act, 1974 and to 789 industries under section 31A of Air Act, 1981 during 2006-07. Common Effluent Treatment Plants (CETP) are being commissioned in 22 industrial areas covering 7,714 industries of the State. Of these CETP's 16 were in operation at the end of March, 2007. Apart from these efforts, bank guarantee was taken from certain industries and electricity and water supply of few polluting industries was stopped until pollution control measures are implemented.


## Minerals

6.35 In Maharashtra, districts namely, Bhandara, Chandrapur, Gadchiroli, Nagpur, Yavatmal in Vidarbha region and Kolhapur, Satara, Raigad, Ratnagiri, Sindhudurg and Thane districts in Western ghat have deposits of minerals like coal, limestone, manganese ore, bauxite, iron ore, dolomite, laterite, kyanite, fluorite (graded), chromite, etc. The total potential mineral area is about 58 thousand sq.km. comprising about 19 per cent of the State's total geographical area. The production of major
minerals along with their values is given in Table No. 30 of Part II.
6.36 Upto 31st March, 2007 total 151 mines with 33,628 employment are working in the State. The State accounts 6.2 per cent share in the country as regards employment in mining sector. The total value of minerals extracted during 2006-07 was Rs.4,183 crore (about 1 per cent GSDP). The value of coal extracted during $2006-07$ was Rs. 3,335 crore, which was 80 per cent of the total value of minerals extracted in the State.

## Tourism

6.37 The state has a large untapped tourism potential, with diverse offerings including 720 kms . coastline dotted with long stretches of clean virgin beaches, forts and monuments, hill stations, heritage/pilgrimage centres and wild life sanctuaries. Maharashtra's key advantage is the fact that Mumbai serves as the entry point for the international tourists arriving in India. Mumbai has better connectivity to key tourist destinations in the State. Taking into consideration the employment potential, both direct and indirect, the State has articulated the action plan in "Tourism Policy 2006' for the development of tourism sector. The thrust areas of this policy are improvement in infrastructral facilities at tourist places, encourage private participation in capacity building related to tourist accommodation, recreation facilities, etc. by enabling various fiscal incentives. The Maharashtra Tourism Development Corporation (MTDC) is designated for the implementing the policy in the State.
6.38 At present MTDC is implementing various tourism development projects in the State. These includes infrastructure development at various tourist spots, arrangement of renowned Festivals like Pune Festival, Ellora Festival, Elephanta Festival, etc. The financial information on projects undertaken by MTDC is given in Table No. 6.16.

Table No. 6.16
Financial information of projects undertaken by MTDC

| Year | Estimated cost of <br> sanctioned projects | Amount <br> released |
| :--- | :---: | :---: |
| $2005-06$ | 2030.72 | 1629.54 |
| $2006-07$ | 2869.32 | 2296.46 |
| $2007-08^{*}$ | 905.02 | 724.01 |

[^15]
## INFRASTRUCTURE

7.1 The physical infrastructure plays an important role for sustained economic growth. It broadly covers power, irrigation, communication and surface-water-air transport. The infrastructures like power, irrigation, communication and transport require huge capital investment. Until recently the public sectors were taking lead in the infrastructure development. However, due to strained fiscal position, lack of vision and competitiveness, the public sector could not keep pace with the ever increasing demand. Considering this fact and the important role of infrastructure in the economic development, the Government has adopted liberalisation policy since 1990s and has thereby opened the doors to the domestic private corporate sectors and the foreign direct investors for development of infrastructure. The Indian Union is dreaming to be a super power by 2020. For this, the infrastructure policy needs to be evolved to deliver the infrastructure services efficiently with high quality and at competitive prices. Finally, the success of infrastructure policy may be judged by the quality, quantity and the prices that the end users would be charged for the services in comparision with global standards.

## Energy

## Electricity

7.2 Electricity is one of the key drivers of the economy. Nearly a decade and half ago, the availability of electricity in the state was in surplus. However, in the post-liberalisation era the public sector investments in the power sector reduced considerably. Consequently, there was no addition in the installed capacity. Hence the gap between demand and supply of the electricity in the State is ever widening and is a cause of concern. The Government has realised the scriousness of the problem and has taken number of steps for capacity addition and modernisation of existing infrastructure for transmission and distribution.

## Installed capacity

7.3 The installed capacity in the State had increased marginally by 348 MW at the end of 2006-07 over the previous year and stood at 15,453 MW. This was mainly due to addition in non-conventional sources ( 345 MW ). During 2006-07 and even in the current year upto January, 2008, there is no capacity addition by MAHAGENCO. However, MAHAGENCO has planned to raise installed capacity by $6,657 \mathrm{MW}$ in XI-FYP. In addition, the state is likely to get share of 10,249 MW from Central Sector. The details of installed capacity by type of source is given in Table No. 7.1.

Table No. 7.1
Installed Capacity
(MW)

| Type of source | As on 31st March |  |
| :---: | :---: | :---: |
|  | 2006 | 2007 |
| (A) In the State |  |  |
| (i) Mahagenco |  |  |
| Thermal | 6,425 | 6,425 |
| Hydro | 2,450 | 2,450 |
| Natural Gas | 852 | 852 |
| Sub-total(i) | 9,727 | 9,727 |
| (ii) Tata |  |  |
| Thermal | 1,150 | 1,150 |
| Hydro | 444 | 447 |
| Natural Gas | 180 | 180 |
| Sub-total(ii) | 1,774 | 1,777 |
| (iii) Reliance |  |  |
| Thermal | 500 | 500 |
| (iv) Dabhol (RGPPL) |  |  |
| Natural Gas | 728 | 728 |
| (v) Captive power | 908 | 908 |
| (vi) Non-conventional | 1,308 | 1,653 |
| (vii)Nuclear* | 160 | 160 |
| Total (A) | 15,105 | 15,453 |
| (B) NTPC/NPC@ | 2,394 | 2,531 |
| Total (A+B) | 17,499 | 17,984 |


7.4 Of the total installed capacity by all types of sources in the State as on $31^{\text {st }}$ March, 2007, the thermal source once again remains the mainstay with 52 per cent share. The derated capacity of electricity generation plant of MAHAGENCO as on $31^{\text {t }}$ March, 2007 was 9,592 MW.

7.5 The proposed capacity addition programme during XI-FYP is given in Table No. 7.2.

## Generation of Electricity

7.6 During 2006-07, the total generation of electricity (including non-conventional sources) in the State was 73,129 million Kilo Watt Hours (KWH), higher by 6.2 per cent over the previous year. MAHAGENCO accounted for 70 per cent, followed by Tata 15 per cent and Reliance six per cent. The details of electricity generated in the State by type of source are given in Table No. 7.3.

Table No. 7.2
Expected capacity addition in XI-FYP
for the State
(MW)

| Year/Project | Mahagenco | Central projects |
| :---: | :---: | :---: |
| 2007-08 |  |  |
| GTPS | 792 | - |
| Parali TPS expn.-1 | 250 | - |
| Paras TPS expn.-1 | 250 | - |
| Vindhyanchal stage-3, U-10 | - | 169 |
| Kahalgaon stage-2, U-5 | - | 70 |
| Kahalgaon stage-2, U-6 | - | 30 |
| Sipat stage-2, U 4 \& 5 | - | 319 |
| Kawas expn. project | - | 375 |
| Sub -total | 1,292 | 963 |
| 2008-09 |  |  |
| Sipat stage-1, U 1 \& 2 | - | 230 |
| Barh U-1 | - | 33 |
| Kawas expn. project | - | 375 |
| Ghatghar Hydro project | 250 | - |
| Sub-total | 250 | 638 |
| 2009-10 |  |  |
| New Parali expn.-2 | 250 | - |
| Paras expn.-2 | 250 | - |
| Uran Gas Turbine expn. blk-1 | 700 | - |
| Sipat stage-1, U-3 | - | 115 |
| Barh U-2 | - | 33 |
| Gandhar expn. project | - | 375 |
| Sub-total | 1,540 | 523 |
| 2010-11 |  |  |
| Khaperkheda TPS expn. | 500 | - |
| Bhusawal TPS expn. U-1 | 500 | - |
| Bhusawal TPS expn. U-2 | 500 | - |
| Barh U-3 | - | 34 |
| Gandhar expn. project | - | 375 |
| North Karanpura U-1 | - | 33 |
| North Karanpura U-3 | - | 34 |
| Subhanshri Hydro | - | 600 |
| Uran Gas Turbine expn. blk-2 | 340 | - |
| Old unit | 1,035 | - |
| Sub-total | 3,575 | 1,076 |
| 2011-12 |  |  |
| Barh stage2 U-1 | - | 66 |
| North Karanpura U-2 | - | 33 |
| Mouda power project | - | 400 |
| Dhopwe U-1 | - | 800 |
| Dhopwe U-2 | - | 800 |
| Mundra Mega Power project | - | 800 |
| Krishnapattanam | - | 800 |
| Zarkhand | - | 300 |
| Costal Tamidnadu | - | 400 |
| Sub-total | - | 4,399 |
| Lanco Energy Pvt. Ltd. | - | 500 |
| RGPPL (DPC) | - | 2,150 |
| Total | 6,657 | 10,249 |

Table No. 7.3
Generation of Electricity in the State
( Million KWH)

| Type of source | $2005-06$ | $2006-07$ | $\%$ change |
| :--- | ---: | ---: | ---: |
| (A) In the State |  |  |  |
| (i)Mahagenco |  |  |  |
| Thermal | 40,928 | 41,261 | 0.8 |
| Hydro | 5,651 | 5,651 | 0 |
| Natural Gas | 3,777 | 4,028 | 6.6 |
| Sub-total (i) | 50,356 | 50,940 | 1.2 |
| (ii)Tata |  |  |  |
| Thermal |  |  |  |
| Hydro | 7,854 | 7,840 | $(-) 0.2$ |
| Natural Gas | 2,020 | 2,137 | 5.8 |
| Sub-total (ii) | 1,331 | 1,339 | 0.6 |
| (iii)Reliance |  | 11,316 | 1.0 |
| Thermal | 4,326 | 4,458 | 3.1 |
| (iv) Dabhol (RGPPL) |  |  |  |
| Natural Gas |  | 1,640 | - |
| (iv) Captive power | 350 | 440 | 25.7 |
| (v)Non-conventional | 888 | $\mathbf{1 , 8 9 3}$ | $\mathbf{1 1 3 . 2}$ |
| (vi) Nuclear * | $\mathbf{1 , 7 4 0}$ | $\mathbf{2 , 4 4 2}$ | 40.3 |
| Total (A) | $\mathbf{6 8 , 8 6 5}$ | $\mathbf{7 3 , 1 2 9}$ | 6.2 |
| (B) NTPC/NPC@ | $\mathbf{1 9 , 1 1 3}$ | $\mathbf{2 2 , 1 6 8}$ | $\mathbf{1 6 . 0}$ |
| Total (A+B) | $\mathbf{8 7 , 9 7 8}$ | $\mathbf{9 5 , 2 9 7}$ | $\mathbf{8 . 3}$ |
| * State's share | $@$ Central allocation |  |  |

7.6.1 During 2007-08 upto the end of December, the total generation of electricity in the State was 51,040 million KWH, higher by 3.4 per cent than that in the corresponding

period of 2006-07.

## Privatisation of Electricity Generation

7.7. As one of the steps towards public private partnership (PPP) in electricity generation, Government of Maharashtra has signed MoUs with 8 private companies in 2005-06 for total capacity addition of $12,500 \mathrm{MW}$ viz.. (1) CIPCO (2,000 MW), (2) ESSAR (1,500 MW), (3) GMR Energy (1,000 MW), (4) ESPAT Energy (1,000 MW), (5) Reliance Energy (4,000 MW), (6) Spectrum Technology (500 MW), (7) Tata Power Corporation ( $1,500 \mathrm{MW}$ ) and (8) Jindal Power Corporation ( $1,000 \mathrm{MW}$ ). The MAHADISCOM plans to purchase the electricity on competitive prices from the above companies. Except GMR Energy and Spectrum Technology, all the other companies have started acquisition of land, making arrangements for availability of fuel, evacuation arrangement and environment studies. However, progress of these companies seems to be very slow and needs close monitoring.

## Purchase of Electricity

7.8 During 2006-07, the State purchased 49,710 million KWH electricity costing Rs. 11,706 crore, more by 27,475 million KWH incurring an additional expenditure of Rs. 5,889 crore than in the year 2005-06. The details of purchase of electricity are shown in Table No. 7.4.

Table No.7.4
Purchase of Electricity in 2006-07

| Name of Company | Million <br> KWH | Rs. <br> in crore |
| :--- | ---: | ---: |
| NTPC and NPC | 19,570 | $3,543.63$ |
| BHEP (Dodson) | 54 | 11.98 |
| Power Trading Corporation | 530 | 212.86 |
| of India |  |  |
| Adani Export Ltd | 498 | 237.71 |
| Landed CAS | 23,908 | $5,541.52$ |
| Others | 5,150 | $2,056.72$ |

## Consumption of Electricity

7.9 The aggregate consumption of electricity in the State during $2006-07$ was 62,085 million KWH, higher by 4.7 per cent as compared to 59,287 million KWH during 2005-06. The industrial sector ( 42.7 per cent) was the largest consumer of the electricity in the State, followed by domestic ( 23 per cent) and agriculture sector (15.7 per cent). These three sectors together accounted for 81.5 per cent of the total electricity
consumption in the State. The details of consumption of electricity in the State are given in Table No. 7.5.

Table No. 7.5
Consumption of electricity in the State

|  | (Million KWH) |  |  |
| :--- | ---: | ---: | ---: |
| Type | $2005-06$ | $2006-07$ | \% change |
| Domestic | 13,572 | 14,284 | 5.3 |
| Commercial | 4,841 | 6,940 | 43.4 |
| Industrial | 25,692 | 26,535 | 3.3 |
| Agriculture | 11,094 | 9,749 | $(-) 12.1$ |
| Public lighting | 622 | 672 | 8.0 |
| Railways | 1,861 | 1,987 | 6.8 |
| Public water works | 1,526 | 1,600 | 4.8 |
| Miscellaneous | 79 | 318 | 302.2 |
| Total | 59,287 | $\mathbf{6 2 , 0 8 5}$ | 4.7 |

7.9.1 As per the latest available data, the per capita total, industrial and domestic consumption of electricity for All-India in 2004-05 was $411.0 \mathrm{KWH}, 126.2 \mathrm{KWH}$ and 87.8 KWH and corresponding consumption in Maharashtra was $537.9 \mathrm{KWH}, 217.5 \mathrm{KWH}$ and 124.7 KWH respectively. For 2006-07, the corresponding figures for Maharashtra were 578.5 KWH, 247.2 KWH and 133.1 KWH respectively.


## Plant Availability and Load Factors

7.10 The Average Plant Availability Factor (AVF) and the Plant Load Factor (PLF) are two important measures of the operational efficiency of thermal power plants. The AVF is influenced by many factors like the quality of coal, quality of maintenance and age of plant, while the PLF is influenced by the quality of load management.

Theoretically, the AVF and PLF should be as far as equal. The details of PLF and AVF are given in Table No. 7.6.

Table No. 7.6
PLF \& AVF of thermal power plants 2006-07

| Company | (\%) PLF | (\%) AVF |
| :--- | :---: | :---: |
| Mahagenco | 73.7 | 82.1 |
| Tata Electricity Co. | 78.8 | 91.6 |
| Reliance Energy | 101.8 | 96.8 |

## Peak Demand

7.11 During 2006-07, the peak demand of 16,388 MW electricity was met on $30^{\text {th }}$ December, 2006 with load shedding of 3,912 MW. During 2007-08, upto December, the peak demand of $17,489 \mathrm{MW}$ was met on $18^{\text {th }}$ December, 2007 with load shedding of $4,618 \mathrm{MW}$.
7.11.1 During 2006-07, the maximum monthly average peak demand of $16,841 \mathrm{MW}$ electricity was met in February, 2007 with average load shedding of $4,815 \mathrm{MW}$.


## Transmission Losses

7.12 As on $31^{\text {st }}$ October, 2007, the MAHATRANSCO had 490 high tension sub-centres having 58,529 MVA transmission capacity. Similarly, the MAHATRANSCO had high tension transmission circuit of 35,842 circuit kms . In the XI-FYP, the expected addition of high tension sub-centres, transmission capacity and high tension transmission circuits are 134, 39,575 MVA and 20,142 circuit kms. respectively. The transmission losses had marginally decreased to 5.5 per cent in 2006-07 from 6.4 per cent in 2005-06.

## Distribution Losses

7.13. The MAHADISCOM has initiated measures like replacement of faulty meters, load reduction on overloaded HT \& LT circuits by providing additional tranformers/lines/circuits, erection and commissioning of new sub-stations, transformers and lines under various schemes. A massive drive has also been initiated against theft and unauthorised use of energy. As a result, distribution losses had reduced to 29.5 per cent in 2006-07 from 31.7 per cent in 2005-06. However, during current year upto October, 2007, it has been further reduced to 21.9 per cent which is a remarkable achievement by MAHADISCOM.
7.13.1 In order to detect and curb the theft of electricity, there are 36 flying squads operative at different places in the State. During 2006-07, these squads detected 12,219 irregular/ unauthorised electric connections, of which 3,063 were theft cases. During 2007-08 upto the end of December, 2007, the corresponding detected theft cases were 2,241 .

## Rural Electrification

7.14 In order to stimulate the growth of small-scale industries, electrification of agriculture pump sets, to promote more balanced and diversified economy and rapid rural electrification, the Góvt. of India has declared a new rural electrification policy. It states that "A village would be decldred as electrified if electricity is provided to public places like schools, panchayat office, health centres, dispensaries, community centres, ett. and the number of households electrified should be at least 10 per cent of the total number of households in the village". As per the new definition of rural electrification, the number of villages electrified in the State as on $31^{\text {st }}$ March, 2007 was 36,115 , as against 36,010 upto $31^{\text {st }}$ March in the previous year. Considering the new definition and its scope for electrification of a village, there are still, 4,980 villages left in the state. All Harijan Basties feasible for electrification ( 33,711 ) in the State have been electrified. Apart from this, 121 wadis were electrified during 2006-07, bringing the total number of wadis electrified to 38,062 .
7.14.1 During 2006-07, in all $1,23,558$ agricultural pumps were energised, bringing the total number of agricultural pumps energised in the State to 27.77 lakh by the end of March, 2007. The number of pending applications for energisation of pump sets as on $31^{\text {st }}$ March, 2007 was 3 lakh. Data reveals that on an average in a year, about 70,000 new applications are received for energisation of agricultural pump sets.

| Ending March | Agri. <br> pumps energised (Cumulative) | New applications for energisation of punips | Domestic consumers (Cumulative) |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| 2001. | 23.28 | 0.77 | 129.73 |
| 2002 | 23.67 | 0.55 | 130.43 |
| 2003 | 24.17 | 0.48 | 133.12 |
| 2004 | 24.91 | 1.06 | 135.32 |
| 2005 | 25.73 | 0.32 | 136.56 |
| 2006 | 26.53 | 1.02 | 139.17 |
| 2007 | 27.77 | 0.49 | 146.83 |

## Maharashtra Electricity Regulatory Commission

7.15 The Gevernment of Maharashtra has set up the Maharashtra Electricity Regulatory Commission (MERC) under the provisions of the Electricity Regulatory Commission Act, 1998 for clectricity price regulation, economic management and reforms of the power sector. The Commission is primarily entrusted with the task of pricing of electricity in a rational and transparent manner.
7.15.1 The MERC had declared the latest current average cost of power supply per unit as Rs. 3.50 by their order dated $18^{\text {di }}$ May, 2007. However, the electricity is not charged at uniform rate to all the users. The details are given in Table No. 7.7.

Table No. 7.7
Per unit average realisation and cost differential of power supply

| Category of <br> user | Average <br> realisation <br> (Rs./unit) | Difference ${ }^{*}$ <br> (Rs./unit) |
| :--- | :---: | :---: |
| Low Tension Power |  |  |
| Domestic | 3.53 | 0.03 |
| Non-Domestic | 5.07 | 1.57 |
| General motive power | 4.27 | 0.77 |
| Public Water Works | 1.97 | $(-) 1.53$ |
| Agriculture | 1.88 | $(-) 1.62$ |
| Street Lighting | 2.71 | $(-) 0.79$ |
| High Tension Power |  |  |
| Industry |  |  |
| (i) Continuous | 4.01 | 0.51 |
| (ii) Non-continuous | 5.57 | 2.07 |
| Railways | 4.15 | 0.65 |
| Water works | 3.83 | 0.33 |
| Agriculture | 1.71 | $(-) 1.79$ |
| Bulk supply |  |  |
| (i) Residential | 2.93 | $(-) 0.57$ |
| (ii) Commercial | 4.81 | 1.31 |

Note: Average cost of power supply per unit is Rs.3.50.
: Difference between average realisation and average cost of power supply

## Captive Power Generation

7.16 Captive Power Plant is a generation plant set up by an industrial unit for supplying power primarily for its own consumption. Under this scheme, a threshold level is prescribed for the industry's own consumption from the captive units and capacity in excess is permitted for sale into the grid. In accordance with this policy, the MAHADISCOM granted permission and gave 'No Objection Certificate' to 163 projects based on conventional energy generation for total capacity of $1,757 \mathrm{MW}$ upto March, 2007. Out of these projects, the total capacity commissioned was 908 MW by 78 captive power plants.

## Non-Conventional Energy Sources

7.17 Maharashtra Energy Development Agency (MEDA), a Government of Maharashtra undertaking is functioning under Ministry of non-conventional energy. MEDA has taken lead in promoting stand-alone renewable energy devices, renewable power generation and energy conservation, especially in rural areas, since its inception in the year 1985.
7.17.1 With the excellent participation of the private sector, MEDA has been able to facilitate establishment of about $1,950 \mathrm{MW}$ of installed capacity in renewable power generation upto the end of September, 2007.

## Co-generation of Electricity by Sugar Factories

7.18185 sugar factories in Maharashtra . are having potential of about $1,250 \mathrm{MW}$ capacity of power generation. MAHADISCOM has signed energy purchase agreement with 40 sugar factories for co-generation having fcapacity of 464 MW , of which 22 projects of 183 MW capacity have been commissioned. Out of the commissioned projects, 18 projects of 159 MW capacity were in operation as on $31^{\text {st }}$ December, 2007. In addition, MEDA has approved 18 projects having total capacity of 281 MW .

## Wind Energy

7.19 Wind power potential in Maharashtra is $4,584 \mathrm{MW}$. The sites with annual mean Wind Power Density more than 200 Watts per square meter are considered as potential sites. Maharashtra has 31 such sites. Technical viability and investor friendly policy announced by the Government of Maharashtra have facilitated

private entrepreneurs for investment of more than Rs. 9,000 crore in the wind energy sector. Private wind power projects of nearly $1,600 \mathrm{MW}$ have been installed in the State at 16 sites upto September, 2007. During 2006-07, 1,663 million KWH energy was generated by these projects. Asia's single largest wind farm is developed by MEDA in Dhule district with installed capacity of 545 MW .

## Biomass Power

7.20 The potential of grid quality power from surplus biomass material in the State is 781 MW. The policy for attracting private participation in Maharashtra is showing encouraging trend. As a result, agro-waste power project of 14 MW has been commissioned. MAHADISCOM has signed energy purchase agreement with 24 Biomass developers having total capacity of 268 MW . Most of the projects are likely to be commissioned in 2008-09.

## Energy Conservation Programme

7.21 Under this programme, energy audits of various industrial establishments are undertaken by MEDA in order to identify inefficient use of energy and to suggest ways and means to save the energy. The estimated scope for energy conservation in industrial, agricultural, domestic and commercial sectors is 25 per cent, 30 per cent, 20 per cent and 30 per cent respectively. Under Save Energy Programme, MEDA had done remarkable work upto $30^{\text {th }}$ September, 2007 and energy audit was carried out in 425 industries which resulted in substantial energy saving.
7.21.1 The performance in respect of important schemes implemented by MEDA is shown in Table No. 7.8.

$$
\text { Table No. } 7.8
$$

Performance of important schemes implemented by MEDA

| Item | During <br> $2006-07$ | Cumulative <br> upto <br> March, 2007 |
| :--- | :---: | :---: |
| (1) Installed capacity of (MW) |  |  |
| (a) Wind Energy Power <br> Projects | 484.5 | $1,485.6$ |
| (b) Biomass Power Project <br> (c) Bagasses Co-generation | 8.0 | 14.0 |
| (2) Solar Energy Programmes | 153.4 |  |
| (a) Solar cookers sold (No.) <br> (b) Parabolic solar <br> cookers sold (No.) | 285 | 47,937 |
| (c) Total capacity of |  |  |
| solar systems |  |  |
| (Lakh litres per day) | 177 | 820 |
| (d) Solar Photovoltaic | 2.0 | 85.5 |
| street light (No.) <br> (e) Solar Photovoltaic <br> lanterns installed (No.) <br> (f) Wind Aerogenerator (No.) | 12 | 482 |

## Transport and Communications

## Public Transport

7.22 The transport system comprises of distinct modes and services which includes road transport, railways, water transport and air transport. An efficient transport system is one of the prerequisites for sustained and overall economic development as it integrates remote backward and urban areas. It is a key infrastructural input for the growth process. In order to increase productivity an efficient transport network plays a vital role.

## Road Network

7.23 The road infrastructure development works in the State are carried out by Public Works Department (PWD) of the State Government, Zilla Parishads (ZPs), Municipal Corporations, Municipal Councils, Maharashtra State Road Development Corporation (MSRDC), Forest Department, Maharashtra Industrial Development Corporation (MIDC), City and Industrial Development Corporation (CIDCO), etc. The
maintenance and upkeepment of the road network is important for smooth operation of transport system. It is essential to keep pace in the expansion of road network with the traffic growth so as to avoid heavy congestions and ensure road safety. The total road length maintained together by PWD and ZPs (excluding internal road length of local bodies) at the end of March, 2007 was 2.34 lakh km . The proportion of surfaced ( $2,08,571 \mathrm{~km}$ ) and unsurfaced ( $25,093 \mathrm{~km}$ ) road length to the total road length was 89.3 per cent and 10.7 per cent respectively. The road length by categories of road is given in Table No. 7.9 and the details of yearwise road length by types of road in the State is given in Table No. 32 in part II of this publication.

Table No. 7.9
Road length maintained by PWD and ZPs

| Category |  |  | (In km.) |
| :--- | ---: | ---: | ---: |
|  | Ending March |  | Per cent <br> increase |
| National Highways | 4,367 | 4,367 | 0.00 |
| State Highways | 33,571 | 33,675 | 0.31 |
| Major District Roads | 48,987 | 49,147 | 0.33 |
| Other District Roads | 45,226 | 45,674 | 0.99 |
| Village Roads | 99,279 | $1,00,801$ | 1.53 |
| Total | $2,31,430$ | $2,33,664$ | 0.97 |

7.24 In addition to above, road length maintained by Forest Department, MIDC, CIDCO and Municipal Corporations at the end of March, 2006 and March, 2007 are given in Table No. 7.10.

Table No. 7.10
Road length maintained by Forest Deptt., MIDC, CIDCO and Municipal Corporations

| Agency |  |  | (In km.) |
| :--- | ---: | ---: | ---: |
|  | Ending |  | March |
|  | Per cent |  |  |
|  | 2006 | $2007 ;$ | increase |
| Forest Department | 11,412 | 11,412 | 0.00 |
| MIDC | 2,423 | 2,514 | 3.76 |
| CIDCO | 341 | 438 | 28.45 |
| Municipal | 15,909 | 16,288 | 2.38 |
| Corporations |  |  |  |
| Total | 30,085 | 30,652 | 1.88 |

7.25 By March, 2007, about 96 per cent villages in the State were connected by allweather roads, while about three per cent were connected by fair-weather roads. Remaining 425 (about one per cent) villages were not connected by all-weather or fair-weather roads.



## Maharashtra State Road Development Corporation

7.26 Maharashtra State Road Development Corporation (MSRDC) was established in 1996 for road development, mainly through private participation. Most of the projects undertaken by MSRDC are on ' Build, Operate and Transfer' (BOT) basis. The details of such projects are given |n Table Nos. 7.11 and 7.12.
7.27 The total toll collected from the rompleted projects (including upfront receipts) up to $31^{\text {st }}$ December, 2007 was of Rs. 2259.5 crore, as against the total expenditure of Rs. 6674.4 crore.

## Mumbai Metropolitan Region Development Authority

7.28 In order to promote civic infrastructure levelopment and to improve the quality of life of

Table No. 7.11
Projects completed by MSRDC
(Crore Rs.)

| Name of the Project | (Crore Rs.) |  |
| :--- | ---: | ---: |
|  | Estimated <br> Project cost | Expenditure <br> upto Dec., 07 |
| Mumbai-Pune Expressway | 2,136 | 2,122 |
| 50 Flyovers \& 5 underground | $\mathbf{1 , 6 1 7}$ | 1,205 |
| sub-ways in Mumbai |  |  |
| Railway Over Bridges | 195 | $199^{-}$ |
| Kalyan-Durgadi Bridge | N.A. | 18 |
| Thane-Ghodbunder Road | 118 | 72 |
| Wardha-Nakoda Road | N.A. | 8 |
| PWD Projects | 43 | 79 |
| Road works in Latur | 33 | 33 |
| Four laning Satara-Kolhapur- | 750 | 792 |
| Kagal Section of NH-4 |  |  |

N.A. - Not available

Table No. 7.12
Ongoing projects undertaken by MSRDC

|  |  | (Crore Rs.) |  |  |  |
| :--- | ---: | ---: | ---: | :--- | :---: |
| Name of the Project | Estimated <br> Project <br> cost | Expen- <br> diture <br> upto <br> uec., | EYC |  |  |

EYC* - Expected Year of Completion
people in Mumbai Metropolitan Region, the Mumbai Metropolitan Region Development Authority (MMRDA) has undertaken some ambitious and innovative projects viz., Mumbai Urban Transport Project (MUTP), Mumbai Urban Infrastructure Project (MUIP), Mithi River Development Project, Nirmal Mahanagar Abhiyan, Metro Railway, Mono-Rail and Skywalk. The status of these projects are given in Table No. 7.13.

## Motor Vehicles

7.29 The total number of motor vehicles on road in the State as on $1^{\text {st }}$ January, 2008 was 130.3 lakh (i.e. 12,092 vehicles per lakh population), showing an increase of 9.98 per cent over the previous year. Of the total vehicles, about 16 lakh vehicles ( 12.1 per cent) were in Greater Mumbai.


The details of motor vehicles on road as on $1^{\text {st }}$ January for selected years in the State are given in the Table No. 33 in Part-II of this publication.
7.30 The number of light motor vehicles in Gr. Mumbai during 1998-99 was 3.11 lakh which increased by about one and half times to 4.64 lakh during 2006-07 i.e. in the period of 8 years. During the same period, number of two wheelers became

more than double to 7.93 lakh by 2006-07. This rapid increase in the number of light motor vehicles and two wheelers in Gr. Mumbai has put strain on the road infrastructure and is likely to further, deteriorate the position if such growth continues. It is, therefore, necessary to improve and strengthen the public transport system in the city of Gr. Mumbai on priority basis.

## Table No. 7.13 <br> Projects undertaken by MMRDA

(Crore Rs.)

| Name of the Project | Cost of project | Expenditure <br> up to $31^{\text {st }}$ <br> March, 2007 | Progress as on 31 ${ }^{\text {st }}$ March, 2007 |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| MUTP : Rail Components |  |  |  |
| Phase- I : New lines : Mahim - Santacruz, Kurla - Thane, Borivli - Virar, DC to AC conversion, etc. | 3,125 | 1,550 | All the project components are in advanced stage of implementation and are expected to be completed by June, 2008. |
| Phase - II : New lines : Kurla - CST, <br> Thane - Diva, Borivli - Mumbai Central, Extn. of harbour line to Goregaon, DC to AC conversion, stabling lines for EMUs, etc. | 4,509 |  | The project after State Govt. approval has been forwarded to the Govt. of India for further approval and funding clearances. |
| MUIP : Roads, Flyovers, Subways, etc. | 2,647 | 1,123 | Some are completed, some are nearing to completion and others are in progress. |
| Mumbai Metro Railway Project Three phases, 9 routes, 146.5 km . | 20,000 | - | Work of Versova-Andheri-Ghatkopar route ( 11 km .) from first stage is being started and its estimated cost is Rs. 2,356 crore. |
| Nirmal Mahanagar Abhiyan Construction of 30,905 toilets in 5 municipal corporations and 13 municipal councils areas in MMR | 2,50 | - | Three NGOs are appointed for this work. Funds will be allotted to Urban Local Bodies \& work is just started. |
| Mumbai Mono Rail Project Four corridors, approximately 70 km . Mithi River Development Project | 1,500 24 | 24 | Authority accorded in principle appproval to implement the project for 25 Km . on pilot basis. Phase-I is completed. |
| Deepening and widening |  |  |  |
| Skywalk: Bandra(E) to Kalanagar | 14 |  | Work started in January, 2008. |


7.31 The number of valid motor driving licenses in the State at the end of March, 2007 was 162.53 lakh, as against 154.01 lakh at the end of March, 2006. This means that every $7^{\text {th }}$ person living in the State is having a driving license.
7.32 During 2006-07, the revenue receipts of the State from taxes and fees on motor vehicles were Rs. 2,059 crore, higher by 13.44 per cent over the previous year, in which the share of Mumbai Motor Vehicle Tax and Passenger Tax was 89 per cent and 11 per cent respectively. The total collection from border check posts, flying squads, clandestine operations, PUC and overloading of goods was Rs. 246.73 crore during 2006-07, as against Rs.224.37 crore during 2005-06.

## Public Passenger Transport

7.33 Public road transport system plays an important role in the economic development. Economical and co-ordinated services rendered by the public transport system make it most favourable transport option for the citizens. Public transport is also an important infrastructure of the State. In the State, public passenger transport facility is provided by Maharashtra State Road Transport Corporation (MSRTC), Brihan Mumbai Electricity Supply \& Transport (BEST) in Mumbai and other Municipal Corporations operating in respective cities viz. Thane, Navi Mumbai, Kalyan-Dombivli, Pune, Pimpri-Chinchvad, Kolhapur and Ahmednagar.

## Maharashtra State Road Transport Corporation

7.34 The MSRTC carried 59.38 lakh
passengers per day during 2006-07, more by 2.41 per cent than that in the previous yoar, which may be mainly due to implementation of "Pravasi Vadhava Abhiyan" during the year. The operation in terms of kilometers has also increased to 47.54 lakh km. per day during 2006-07 showing a marginal rise by about one per cent over previous year. At the end of March, 2007, the residents in about 1,366 villages in the State required to walk more than 5 km . to reach the nearest bus stop. Vehicles and crews are the main resources of the transport business. During 2006-07 vehicle productivity and crew duty have increased substantially by 10.4 km . and 3.6 km . respectively over previous year. During the year 2006-07, load factor has increased marginally by 0.69 percentage points and stood at 57.28 per cent. This has resulted in increase in traffic receipts by 8.5 per cent during 2006-07 over previous year. The operational statistics of MSRTC is presented in the Table No. 7.14.

Table No. 7.14
Operational Statistics of MSRTC

| Item | $2005-06$ | $2006-07$ | Percentage <br> change |
| :--- | :---: | :---: | :---: | :---: |
| Routes operated at the end <br> of the year (No.) | 16,697 | 16,482 | (-) 1.29 |
| Route length at the end of <br> the year (Lakh km.) | 12.30 | 12.33 | 0.24 |
| Average effective kms. operated <br> per day (Lakh) | 47.16 | 47.54 | 0.81 |
| Average number of passengers <br> carried per day (Lakh) | 57.98 | 59.38 | 2.41 |
| Average number of buses <br> owned by the MSRTC (No.) | 15,756 | 15,352 | (-) 2.56 |
| Average number of buses on <br> road per day (No.) | 14,679 | 14,457 | (-) 1.51 |
| Average fleet utilisation <br> (Per cent) | 93.16 | 94.17 | $1.01^{*}$ |
| Vehicle Productivity (In Km.) | 299.30 | 309.66 | 3.46 |
| Crew Duty (In Kms.) <br> Total traffic receipts(Crore Rs.) <br> Average seat capacity utilisa- | 205.26 | 208.82 | 1.73 |
| tion of buses on road |  |  |  |
| (Load Factor)(Per cent) | 56.59 | 57.28 | $0.69^{*}$ |
| Bus : Staff Ratio (on Schedule <br> as on 31st March) | 7.41 | 7.37 | (-) 0.54 |
| Total Vehicle's (Including scra- <br> pped vehicle's held as on <br> 31st March) (No.) | 15,956 | 15,362 | (-) 3.72 |

[^16]7.35 After paying taxes and prior adjustment, total profit of MSRTC in 2006-07 was

Rs. 23.36 crore, against the losses of Rs. 39.90 crore incurred in the previous year. The financial statistics of MSRTC is given in Table No. 7.15.

Table No. 7.15
Financial Statistics of Maharashtra State Road Transport Corporation

| Item | (Crore Rs.) |  |
| :--- | ---: | ---: |
| Total receipts | $2005-06$ | $2006-07$ |
| Total expenses (excl. taxes) | 3,296 | 3,594 |
| (a) Operating expenses | 2,872 | 3,086 |
| (b) Non-operating expenses | 60 | 3,017 |
| Profit before taxes | 424 | 50 |
| Total taxes | 465 | 500 |
| (a) Passenger tax | 455 | 490 |
| (b) Motor vehicle \& other taxes | 9 | 10 |
| Total expenses | 3,337 | 3,586 |
| Net profit / loss | $(-) 41$ | 8 |
| Prior period adjustment | 1 | 15 |
| (Profit /loss) |  |  |
| Total profit /loss | $(-) 40$ | 23 |

7.36 The MSRTC gives various types of concessions in the bus fares viz. to students, senior citizens (above 65 years), cancer patients, freedom fighters, etc. The total amount of concession given to such sections of the society was Rs. 431.33 crore during 2006-07. Further, low paying 'c' category trips are operated in remote areas (which is mainly obligatory in nature), due to which MSRTC incurred losses of approximately Rs. 188.44 crore during 2006-07.
7.37 Table No. 7.15 shows that out of total taxes paid by MSRTC, 98 per cent were towards passenger tax (Rs. 490 crore) during 2006-07. MSRTC is paying passenger tax as a fixed percentage ( 17.5 per cent) of traffic receipts, whereas, private operators are paying passenger tax per seat per year. Consequently, MSRTC is required to pay higher passenger tax as compared to the private operators. The passenger tax structure, therefore, needs to be rationalised.

## City Passenger Transport

7.38 Public transport facility is available in 17 cities in the State. Of these cities, MSRTC provides local transport facility in 9 cities viz. Arnala, Vasai, Nalasopara, Ratnagiri, Nanded, Sangli-Miraj, Nagpur, Chandrapur and Nashik as on $31^{\text {st }}$ March, 2007 and in remaining 8 cities,
the respective Municipal Corporations are providing such facilities. In the year 2006-07 MSRTC was operating on an average 503 city buses per day, while local municipal transports were operating on an average 4,720 city buses per day, out of which BEST alone in Mumbai was operating 3,081 city buses ( 65.3 per cent). Operational statistics of important parameters of these City Transport Services is presented in Table No. 7.16.

Table No. 7.16
Operational Statistics of City Passenger Transport in Maharashtra (Provisional)

| Transport Service | Year | Average effective kms. operated per day (ln lakh) | Average no. of passengers carried per day (In lakh) | Average no.of buses on road |  | Net profit/ loss (Rs.in lakh) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| BEST | 2005-06 | 6.58 | 41.38 | 3,075 |  | 25,058 |
|  | 2006-07 | 6.49 | 41.18 | 3,081 | $(-)$ | 36,441 |
| TMTU | 2005-06 | 0.47 | 2.94 | 236 |  | (-) 538 |
|  | 2006-07 | 0.44 | 2.86 | 262 |  | (-) 326 |
| KDMT | 2005-06 | - 0.18 | 0.71 | 83 |  | (-) 114 |
|  | 2006-07 | 0.19 | 0.71 | 85 |  | (-) 140 |
| NMMT | 2005-06 | 0.45 | 1.74 | 226 |  | (-) 4 |
|  | 2006-07 | 0.44 | 1.77 | 226 |  | N.A. |
| PMT | 2005-06 | 1.61 | 6.88 | 784 |  | -) 2,733 |
|  | 2006-07 | 1.68 | 6.45 | 752 |  | N. A . |
| PCMT | 2005-06 | 0.38 | 0.97 | 159 |  | -) 1,129 |
|  | 2006-07 | 0.43 | 1.07 | 161 |  | -) 1,796 |
| KMTU | 2005-06 | - 0.33 | 0.96 | 139 |  | (-) 266 |
|  | 2006-07 | 0.33 | 0.95 | 138 |  | (-) 140 |
| AMT | 2005-06 | - | - | - |  |  |
|  | 2006-07 | 0.03 | 0.10 | 15 |  | 12 |
| MSRTC <br> (City operations) | 2005-06 | 1.09 | 3.41 | 521 |  | (-) 1588 |
|  | 2006-07 | 1.08 | 3.66 | 503 |  | (-) 1545 |

N.A. - Not Available

## Railways

7.39 Indian Railways has been contributing to a large extent in public \& goods transport for over 150 years. The railway route length in the State as on $31^{\text {st }}$ March, 2007 was 5902 km . (including 382 km . of Konkan Railway), which is 9.2 per cent of the total railway route length 64,068 km . in the country. The data of total railway route length in the State shows that the increase in the length is hardly about 13 per cent over last 48 years. This increase is mainly due to Konkan Railway. Most of the works carried out by railways were converting meter gauge ( 1 metre) and narrow

Table No. 7.17
On- going Railway works in the State

| Name of Route | Route length in km . | Total estimated cost (crore Rs.) | Progress ending March, 2007 |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| Amravati-Narkhed (New line) | 138 | 284.27 | 57 per cent work is completed. |
| Ahmednagar-Beed-Parli (New line) | 261 | 462.67 | Work of 15 km is started. |
| Baramati-Lonand (New line) | 54 | 138.48 | 8 per cent work is completed. |
| Puntamba-Shirdi (New line) | 16 | 78.43 | 60 per cent work is completed. |
| Miraj - Latur ( 374 km . gauge conversion) |  |  |  |
| Phase - I : Kurduwadi-Pandharpur | 52 | 816.40 | Completed and commissioned in June, 2001. |
| Phase - II : Latur-Latur Road | 33 |  | Completed and commissioned in Dec., 2003. |
| Phase - III : (a) Latur-Osmanabad | 80 |  | Completed and commissioned in Sept., 2007. |
| (b) Osmanabad-Kurduwadi | 72 |  | Work is in progress and is expected to be completed by February, 2008. |
| Phase - IV : Pandharpur-Miraj | 137 |  | Work is in progress and is expected to be completed by December, 2009. |
| Pakni - Mohol (Doubling) | 17 | N.A. | Work is in progress and is expected to be completed by March, 2008. |
| Panvel-Jasai (Doubling) | 29 | 81.93 | Completed and commissioned in August, 2006. |
| Mudkhed-Kinwat (Gauge conversion) Purna-Akola ( 209 km . gauge conv | $\begin{gathered} 117 \\ \text { ion) } \end{gathered}$ | 306.63 | Completed and opened for passenger traffic in Jan.,2007. |
| (a) Purna-Hingoli <br> (b) Hingoli-Akola | $\begin{array}{r}80 \\ 129 \\ \hline\end{array}$ | 497.63 | Completed and authorisation is issued on 21.11.07 with 100 kmph . for passenger traffic after inspection Work is in progress |

gauge ( 0.762 metre/ 0.610 metre) into broad gauge ( 1.676 metre). The railway route length per $1,000 \mathrm{sq} . \mathrm{km}$. of geographical area as on $31^{\text {st }}$ March, 2007 was 19.2 km . (including Konkan Railway) in the State as against 19.6 km . in the country .
7.40 The status of on-going works of Railways at the end of March, 2007 in the State is given in Table No. 7.17.
7.41 The progress of railway works under taken under Metropolitan Transport Project in order to decongest Mumbai and to develop MMR is given in Table No. 7.18.

## Water Transport

## Major Ports

7.42 Along the 720 km coastal line of the State, two major ports, namely Mumbai Port Trust (MbPT) and Jawaharlal Nehru Port Trust (JNPT) at Nhawa-Sheva are in operation. The operational statistics of these major ports for the years 200506 and 2006-07 is given in Table No. 7.19. MbPT and JNPT handled 402.29 and 431.62 lakh tonnes cargo traffic respectively during 2007-08 upto December, which were respectively 23.5 and 12.5 per cent more than that during the corresponding period of the previous year.

Table No. 7.18
$\left.\begin{array}{ccc}\begin{array}{c}\text { On- going } \\ \text { Metropolitan }\end{array} & \text { Railway works under Transport Project } \\ \text { (Crore Rs.) }\end{array}\right]$

Thane-Turbhe-Nerul-Washi (New Line)

| (a) Thane-Turbhe-Washi | 19 | 403.92 | Completed and opened for traffic on 19.11.2004 |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| (b) Turbhe-Juinagar-Nerul |  |  | 80 per cent work is completed |
| Belapur-Seawood-Uran | 27 | 495.44 | Work is in progress |
| Kurla-Thane (5th \& 6th line) |  |  |  |


| (a) Kurla - Bhandup <br> (b) Bhandup - Thane | $\left.\begin{array}{r} 10 \\ 7 \end{array}\right\}$ | 222.82 | Work is in progress <br> 46 per cent work is completed |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| Thane-Mumbra (5th \& 6th line) | 9 | 118.08 | Work is in progress |
| Remodelling of Kalyan yard | - | 28.72 | Work is in progress |
| Stabling lines at Kalyan | - | 37.57 | Work is in progress |

7.43 To mect the increasing demand of the deep drought vessels, proposal for "Deepening and Widening of Mumbai Harbour Channel and JN Port Channel" at an estimated cost of Rs. 800 crore
was approved by Govt. in October, 2005. Award of contract is under process.

Table No. 7.19

| Operational Statistics of Major Ports in the State |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| Item | At the end of March |  |  |  |
|  | MbPT |  | J N |  |
|  | 2006 | 2007 | 2006 | 2007 |
| Total cargo capacity (Lakh tonnes) | 429.5 | 506.5 | 370.0 | 526.0 |
| No. of employees | 15,186 | 14,935 | 1,779 | 1,766 |
| Cargo traffic handled (Lakh tonnes) (A) Import |  |  |  |  |
| (i) Overseas | 252.49 | 304.11 | 166.08 | 190.32 |
| (ii) Coastal | 16.18 | 6.79 | 19.29 | 16.90 |
| (iii) Total | 268.67 | 310.90 | 185.37 | 207.22 |
| (B) Export |  |  |  |  |
| (i) Overseas | 42.22 | 57.92 | 183.19 | 230.10 |
| (ii) Coastal | 130.30 | 154.82 | 9.80 | 10.83 |
| (iii) Total | 172.52 | 212.74 | 192.99 | 240.93 |
| (C) Total |  |  |  |  |
| (i) Overseas | 294.71 | 362.03 | 349.27 | 420.42 |
| (ii) Coastal | 146.48 | 161.61 | 29.09 | 27.73 |
| (iii) Total | 441.19 | 523.64 | 378.36 | 448.15 |


| Passengers Traffic handled (in thousand) |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| (i) Overseas | 1.16 | 1.83 | * |  |
| (ii) Coastal | 84.66 | 160.54 |  |  |
| (iii) Total | 85.82 | 162.37 |  |  |
| Revenue collected (Crore Rs.) | 1,002.33 | 1,155.43 | 759.42 | 910.46 |
| Total expenditure (Crore Rs.) | 721.19 | 978.06 | 342.49 | 453.56 |
| Profit/Loss <br> (Crore Rs.) | 281.14 | 177.37 | 416.93 | 456.90 |

* Not Applicable
7.44 To cope up with the freight traffic requirements in future, the port trust has initiated two projects for development on BOT basis viz. (a) extension of container terminal ( 330 metres) towards north of Nhava Sheva International Cargo Terminal (NSICT) with a capacity of about 6 lakh TEUs (Twenty Equivalent Units) at a cost of Rs. 600 crore; project is scheduled for completion by 2009-10, (b) development of fourth container and marine chemical terminal at JNPT in two phases with an estimated capacity of 2.2 million TEUs per annum each at an estimated cost of Rs. 6,000 crore.


## Minor Ports

7.45 The Government has taken a policy-decision to develop all 48 minor ports in the State with participation of private sector under control of Maharashtra Maritime Board. In the
first phase it has been decided to develop seven minor ports (Dighi, Rewas-Aware, Jaigad, Vijaydurg, Reddy, Ajanwel (Dhabhol)and Alewadi) and at present Anjanwel (Dabhol) Port has been developed with the help of M/s Ratnagiri Gas and Power Project Ltd. Operational statistics of Minor ports for the years 2005-06 and 2006-07 in the State is given in Table No. 7.20.

Table No. 7.20
Operational Statistics of Minor Ports
in the State

| Item | Ending March <br>  |
| :---: | :---: | :---: |

Cargo traffic handled (Lakh tonnes)

| (A) Import | 94.4 | 104.2 |
| :--- | ---: | ---: |
| (B) Export | 17.4 | 11.1 |
| (C) Total | 111.8 | 115.6 |

Passengers Traffic handled (Lakh)

| (A) By mechanised vessels | 124.5 | 124.5 |
| :--- | ---: | ---: |
| (B) By non-mechanised vessels | 18.3 | 21.1 |
| (C) Total | 142.8 | 145.6 |
| Revenue collected (Lakh Rs.) | $3,05.7$ | $4,689.5$ |
| Total Expenditure (Lakh Rs.) | $1,868.1$ | $1,884.9$ |
| Profit/Loss (Lakh Rs.) | $1,184.6$ | $2,804.6$ |

7.46 The minor ports together handled 82.44 lakh tones cargo traffic and 95.36 lakh passenger traffic during April to December, 2007, which was more by 2.11 per cent and less by 26.92 per cent respectively than that during the corresponding period of the previous year.

## Air Transport

7.47 There are three international airports in Maharashtra located at Mumbai (Chhatrapati Shivají Maharaj International Airport), Nagpur and Pune. The details regarding aircrafi movement as well as passenger and cargo traffic from these international airports and five other domestic airports in the State are presented in Table No. 7.21. During 2006-07 international aircraft movement increased by 9.6 per cent, whereas the domestic aircraft movement increased by 25.2 per cent as compared to the previous year. The number of domestic aircraft flights routed through Mumbai airport accounted for 84.2 per cent of the total domestic flights taken place in the State during 2006-07. Similarly, the number of domestic passengers embarked and disembarked through this airport during 2005-06 and 2006-07 accounted for 89.3 per cent and 86.7 per cent respectively.

Table No. 7.21
Aircraft movement, passenger and cargo traffic by airports in Maharashtra

| Airport |  |  | Passengers |  |  |  | Cargo (tonnes) |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | Total Flights |  | Embarking |  | Disembarking |  | Loaded |  | Unloaded |  |
|  | 2005-06 | 2006-07 | 2005-06 | 2006-07 | 2005-06 | 2006-07 | 2005-06 | 2006-07 | 2005-06 | 2006-07 |
| Domestic |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Mumbai | 1.21,959 | 1,49,051 | 58,59.790 | 74,52,694 | 58,22,654 | 74,49,679 | 69,133 | 77,224 | 73,228 | 74,935 |
| Pune | 11,066 | 15,352 | 1,51,545 | 7,69,572 | 4,53,746 | 7,58,366 | 3,704 | 5,953 | 4,962 | 7,083 |
| Nagpur | 5,242 | 8,112 | 1,80.191 | 2,95,279 | 1,71,045 | 2,87,929 | 1,190 | 1,187 | 1,990 | 2,170 |
| Aurangabad | 2,408 | 3,793 | 69,172 | 86,989 | 68,216 | 83,643 | 516 | 468 | 547 | 526 |
| Kolhapur | 684 | 726 | 4,922 | 8,566 | 6,024 | 10.710 | - | - | - | - |
| Total | 1,41,359 | 1,77,034 | 65,65,620 | 86,13,100 | $\mathbf{6 5 , 2 1 , 6 8 5}$ | 85,90,327 | 74,543 | 84,832 | 80,727 | 84,714 |
| International |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Mumbai | 49,186 | 52,729 | 31,90,789 | 35,62,489 | 29,15,960 | 32,23,972 | 1,71,442 | 1,86,969 | 1,17,518 | 1,41,053 |
| Nagpur | 254 | 900 | 16,627 | 37,801 | 8,583 | 31,685 | - | 1 | - | . |
| Pune | 246 | 828 | 5,927 | 17,860 | 5,379 | 16,489 | - | 7 | - | - |
| Total | 49,686 | 54,457 | 32,13,343 | 36,18,150 | 29,29,922 | 32,72,146 | 1,71,442 | 1,86,977 | 1,17,518 | 1,41,053 |

## Communications

7.48 The communication system comprises posts, telegraphs and voice, video and data telecommunication. The modern hightech communication system is an integral part of the development process and is growing rapidly after liberalisation and privatisation policies implemented since 1990s. The telecommunication system in the State is operated both by the private operators and the public undertakings.
7.49 At the end of March, 2007, the number of Post Offices in the rural areas of the State was 11,315 and in the urban areas, it was 1,284 ; the number of letter boxes in the rural areas was

42,042 and in the urban areas was 10,550 and delivery postmen in the State were 8,931 .
7.50 Public Sector Companies viz. Bharat Sanchar Nigam Ltd (BSNL) and Mahanagar Telephone Nigam Ltd (MTNL) were established to provide telecommunication services. In Greater Mumbai, M'INL is providing such services and in the rest of the State, telecommunication services are provided by BSNL. Also seven private companies are providing telecommunication services in the State. Circle/operatorwise data of landline phones is given in Table No. 7.22. The total number of landline connections at the end of March, 2007 in the State was 64.44 lakh. This means that every $3^{\text {rd }}$ household in the State is having landline connection.

Table No. 7.22
Landline phone users in the State

| Operator | Mumbai Circle |  |  | Maharashtra (excluding Mumbai Circle) |  |  | Total |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | $\begin{gathered} \hline \text { March } \\ 2006 \end{gathered}$ | $\begin{gathered} \hline \text { March } \\ 2007 \end{gathered}$ | $\begin{gathered} \hline \text { Sept. } \\ 2007 \end{gathered}$ | $\begin{gathered} \text { March } \\ 2006 \end{gathered}$ | $\begin{gathered} \hline \text { March } \\ 2007 \end{gathered}$ | $\begin{aligned} & \text { Sept. } \\ & 2007 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & \text { March } \\ & 2006 \end{aligned}$ | $\begin{gathered} \text { March } \\ 2007 \end{gathered}$ | $\begin{aligned} & \hline \text { Sept. } \\ & 2007 \end{aligned}$ |
| MTNL | 22.11 | 21.38 | 20.66 | - | - | - | 22.11 | 21.38 | 20.66 |
| BSNL | - | - | - | 39.33 | 38.04 | 35.84 | 39.33 | 38.04 | 35.84 |
| Bharati | 0.15 | 0.70 | 0.99 | 0.03 | 0.18 | 0.23 | 0.18 | 0.88 | 1.22 |
| Reliance | 0.28 | 0.82 | 0.98 | 0.18 | 0.37 | 0.43 | 0.46 | 1.19 | 1.41 |
| Tata | 1.89 | 2.34 | 2.64 | 0.39 | 0.61 | 0.74 | 2.28 | 2.95 | 3.38 |
| Total | 24.43 | 25.24 | 25.27 | 39.93 | 39.20 | 37.24 | 64.36 | 64.44 | 62.51 |

Table No. 7.23
Cell phone users in the State
(In lakh)

| Operator | $\begin{gathered} \text { GSM/ } \\ \text { CDMA } \end{gathered}$ | Mumbai Circle |  |  | Maharashtra (excluding Mumbai Circle) |  |  | Total |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  | March 2006 | $\begin{gathered} \text { March } \\ 2007 \end{gathered}$ | $\begin{aligned} & \text { Sept. } \\ & 2007 \end{aligned}$ | $\begin{gathered} \text { March } \\ 2006 \end{gathered}$ | $\begin{gathered} \text { March } \\ 2007 \end{gathered}$ | $\begin{aligned} & \text { Sept. } \\ & 2007 \end{aligned}$ | $\begin{gathered} \text { March } \\ 2006 \end{gathered}$ | $\begin{gathered} \text { March } \\ 2007 \end{gathered}$ | $\begin{aligned} & \text { Sept. } \\ & 2007 \end{aligned}$ |
| BPL | GSM | 13.37 | 10.70 | 11.53 | - | - | - | 13.37 | 10.70 | 11.53 |
| Vodaphone | GSM | 20.04 | 24.67 | 29.01 | 7.34 | 11.34 | 17.59 | 27.38 | 36.01 | 46.60 |
| Idea | GSM | - | - | - | 17.82 | 28.75 | 36.98 | 17.82 | 28.75 | 36.98 |
| MTNL, | GSM | 10.05 | 14.15 | 15.35 | - | - | - | 10.05 | 14.15 | 15.35 |
|  | Cl)MA | 0.36 | 1.14 | 1.32 | - | - | - | 0.36 | 1.14 | 1.32 |
| BSNL | GSM | - | - | - | 11.34 | 22.43 | 25.56 | 11.34 | 22.43 | 25.56 |
|  | CDMA | - | - | - | 0.44 | 3.73 | 3.66 | 0.44 | 3.73 | 3.66 |
| Bharati | GSM | 12.32 | 18.59 | 21.38 | 13.14 | 25.38 | 32.78 | 25.46 | 43.97 | 54.16 |
| Reliance | CDMA | 16.90 | 18.15 | 21.77 | 14.23 | 19.84 | 24.36 | 31.13 | 37.99 | 46.13 |
| Tata | CDMA | 4.14 | 11.36 | 14.89 | 3.83 | 16.39 | 22.96 | 7.97 | 27.75 | 37.85 |
| Total |  | 77.18 | 98.76 | 115.25 | 68.14 | 127.86 | 163.89 | 145.32 | 226.62 | 279.14 |

7.51 At the end of March, 2007, the number of PCOs under MTNL and BSNL were 1.69 lakh and 2.49 lakh respectively. PCOs with STD and ISD facilitics under MTNL and BSNL were 26,822 and 78,748 respectively.
7.52 Cellular Technology is the most recently developed fast communication technology all over the world and is growing by leaps and bounds. These cellular services are provided by public and private operators. Service providerwise data of cell phones is given in the Table No. 7.23. The number of cell phone users per lakh population at the end of September, 2007 in the State was 26,001 . In other words, every $4^{\text {th }}$ person living in the State is having cell phone.
7.53 The Circle/operatorwise Internet broadband subscribers in the State at the end of March, 2007 are given in the Table No. 7.24.

Table No. 7.24
Internet Broadband Subscribers in the State (as on 31st March, 2007)

| Operator | Mumbai <br> Circle | Maharashta <br> (excluding <br> Mumbai Circle) | Total |
| :--- | ---: | ---: | ---: |
| BSNL | 7 | 91,659 | 91,666 |
| Reliance | 2,398 | 3,529 | 5,927 |
| VSNL | - | 51,676 | 51,676 |
| MTNL | $2,50,461$ | - | $2,50,461$ |
| TATA | 4,194 | 3,172 | 7,366 |
| Bharati | - | 9,490 | 9,490 |
| Sify | 52,341 | 9,208 | 61,549 |
| You Telecom | 24,129 | 9,231 | 33,360 |
| Hathway Cable | 39,626 | 5,945 | 45,571 |
| In2cable | 4,138 | 292 | 4,430 |
| Broadband Pacenet | 2,418 | - | 2,418 |
| Other | 1,381 | $\mathbf{4 7 1}$ | 1,852 |
| Total | $\mathbf{3 , 8 1 , 0 9 3}$ | $\mathbf{1 , 8 4 , 6 7 3}$ | $\mathbf{5 , 6 5 , 7 6 6}$ |



## INSTITUTIONAL FINANCE AND CAPITAL MARKET

8.1 Financial sector in India has shown sustained growth since the deregulation in 1992. In concurrence with globalisation policy and World Trade Organisation (WTO) obligations, private sector including foreign institutions are allowed to participate in some areas such as banking, Insurance and Capital market. The entrance of the private institutions in the financial sector and RBI policy have forced the financial institutions to use various IT tools for their workings. Financial deregulation and use of IT tools in financial sector have enhanced delivering wide range of innovative quality services at reasonable and competitive cost with efficiency and profitability. The financial institutions in the country are playing important role in economic development, not only in mobilisation of deposits and credit disbursement to various sectors, but also in providing means of earning through profitable products.

## Scheduled Commercial Banks

8.2 The banking institutions are prime institutions in financial sector both in deposits and advances and are having lion's share in economic activities. Under the supervision of RBI, the banks have started participating in other economic activities, apart from traditional 'banking' activities. The commercial banks have adopted several measures to strengthen their business operations. The scheduled commercial banks which are major contributor in India, are categorised into five different groups according to their ownership and/or nature of operations. The bank groupwise number of banking offices in Maharashtra and India as on 30th September, 2007 are presented in Table No. 8.1.
8.3 The total number of banking offices of scheduled commercial banks in Maharashtra, as on 30th September, 2007 was 6,797 which was 9.4 per cent of the total such banking offices $(72,117)$ in India. Of the total foreign banking offices in India, 27.2 per cent are located in Maharashtra.

Table no. 8.1
Number of banking offices

| Group M | As on 30th September, 2007 |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | Maharashtra | India | Share (\%) |
| Nationalised Banks |  |  |  |
| State Bank of India and its associates | 1a 1,085 | 14,150 | 7.7 |
| Other Nationalised Banks | d 4,231 | 36,078 | 11.7 |
| Foreign Banks | 70 | 257 | 27.2 |
| Regional Rural Banks | s 570 | 14,455 | 4.0 |
| Other Scheduled | 841 | 7,177 | 11.7 |
| Commercial Banks |  |  |  |
| Total | 6,797 | 72,117 | 9.4 |
| Scheduled Com Maharashtra | ommercial | Ban | s |

8.4 The number of banking offices in the State increased by 3.7 per cent in one year ending September,2007 as compared to 1.7 per cent in the previous year. Of the total scheduled commercial banking offices in the State, 30 per cent were in rural areas, 18 per cent were in semi-urban areas (population 10,000 and above but less than one lakh) and 52 per cent were in urban areas. Greater Mumbai alone accounted for 47 per cent of the banking offices in urban areas of the State. Of the total banking offices in India, the rural, semi-urban and urban areas accounted for 42,23 and 35 per cent of the banking offices respectively. The number of scheduled commercial banking offices per lakh population in the State as on 30th September, 2007 was 6.3 which was almost same as that for All-India.
8.5 Maharashtra stands first in India in respect of both the aggregate bank deposits and gross bank credits as on 30th September, 2007. Though the State had a share of 9.4 per cent in the total number of banking offices in India, its share in the aggregate deposits and gross credits was as high as 25 and 33 per cent respectively.


The aggregate deposits of the scheduled commercial banks in the State as on 30th September, 2007 were Rs. $7,31,830$ crore, higher by 31 per cent than those in the previous year. During the same period, gross credits of these banks increased by 21 per cent and reached Rs. $6,69,861$ crore. The corresponding increase in aggregate deposits and gross credits at All-India level was 25 per cent and 22 per cent respectively. As increase in the credits is not as high as the increase in the deposits in Maharashtra over the previous year, credit -deposit ratio (CDR) for the same period reduced from 99 per cent to 92 per cent.
8.6 As on 30th September, 2007, deposits and credits of all scheduled commercial banks in the rural and semi-urban areas taken together for the State were Rs. 36,373 crore and Rs. 26,670 crore respectively, showing an increase in deposits by 24 per cent and in credits by 17 per cent over the previous year. The corresponding increase in deposits and credits in the country was 17 per cent and 20 per cent respectively. Even though the rural and semi-urban areas of the State accounted for 48 per cent branches of the scheduled commercial banks, their share in aggregate deposits and gross credits was merely at 5 per cent and 4 per cent respectively. Both the deposits and credits of these scheduled commercial banks in the State doubled during the span of last five year's period ending September, 2007. The increase in the credit-deposit ratio (CDR) from 62 per cent to 73 per cent during the same period shows the positive attitude towards banking and its reliability in rural areas.
8.7 Greater Mumbai alone accounted for 24 per cent branches of all scheduled commercial
banks in the State. However, their share in total deposits and credits was as high as 81 per cent and 87 per cent respectively.
8.8 The details of deposits and credits of the scheduled commercial banks in the State are given in Table No. $\frac{32}{34}$ of Part II.
8.9 As on 30th September, 2007, the per capita deposits of scheduled commercial banks in the State were Rs. 68,191, more than double that for All-India (Rs. 24,990). The per capita credits of these banks in the State were Rs. 62,417, almost four times that for All-India (Rs. 17,871). The per capita deposits and credits for the State, excluding Greater Mumbai, were merely at Rs. 14,922 and Rs. 9,344 respectively.

## Deposits and Credits- An overview

8.10 The amount deposited as on last friday of March, 2006, according to type of accounts, for Maharashtra is given in Table No. 8.2.

Table No. 8.2
Deposits according to types of accounts
(As on last friday of March, 2006)
(Rs. in crore)

| Type of <br> accounts | No. of <br> accounts <br> $\left({ }^{\circ} 000\right)$ | Deposits |
| :--- | ---: | ---: |
| Current | 2,640 | 75,041 |
| Savings | 36,369 | 78,257 |
| Term deposits | 14,544 | $3,32,724$ |
| Total | 53,553 | $4,86,022$ |

The share of household savings in total bank deposits of Rs. $4,86,022$ crore was around 40 per cent.
8.11 Advances given by all scheduled commercial banks to priority sectors are shown in Table No. 8.3. Out of the $29,33,152$ accounts, more than half the accounts were from

Table No.8.3
Advances to Priority Sector
(2005-06)
(Rs. in crore)

| Priority Sector | No. of <br> accounts |  |
| :--- | ---: | ---: |
|  | Advances |  |
| Agriculture \& allied activities | $15,07,100$ | 22,285 |
| Small scale industries (SSI) | $1,25,306$ | 25,601 |
| New industrial estates | 3,384 | 68 |
| Self Help Groups | 60,437 | 381 |
| Other priority sectors (OPS) | $12,35,950$ | 48,762 |
| Export credit * | 975 | 9,853 |
| Total | $29,33,152$ | $1,06,950$ |
| (*Applicable to foreign banks only.) |  |  |

agriculture and allied activities, where as share of this sector in advances was just 21 per cent.
8.12 In the total outstanding credits, Nationalised Banks have sizeable share of 63.3 per cent. The bank groupwise data on outstanding credits of all commercial banks in the State is presented in Table No. 8.4.

Table No. 8.4

## Institutionwise outstanding credits in Maharashtra

|  |  | (Rs. in crore) |
| :---: | :---: | :---: |
| Type | Outstanding eredits (as on 31st March) |  |
|  | 2005 | 2006 |
| Nationalised Banks |  |  |
| State Bank of India and its associates | 49,399 | 69,833 |
| ()ther Nationalised banks | 1,34,173 | 1,79,681 |
| Foreign banks | 31,817 | 35,405 |
| Rogional Rural Banks | 951 | 1,017 |
| Other scheduled | 73,760 | 1,09,433 |
| commercial banks |  |  |
| Total | 2,90,100 | 3,95,369 |

8.13 The outstanding credits of all scheduled commercial banks in the State as on 31st March, 2006 were Rs. $3,95,369$ crore and were higher by 36 per cent than those of the previous year. The share of Bank in Maharashtra in total outstanding credits at All-India level was 26 per cent as on 31st March, 2006 and was the highest among all the states. The sectorwise outstanding credits in the State are given in Table No. 8.5.

Table No. 8.5
Sectorwise outstanding credits of scheduled commercial banks in Maharashtra
(Rs. in crore)

| Sector | Out standing credits (as on 31st March) |  |
| :---: | :---: | :---: |
|  | 2005 | 2006 |
| Agriculture and allied activities | 12,346 | 20,707 |
| Mining and quarrying | 5,446 | 2,354 |
| Manulacturing * | $\begin{gathered} 1,01,601 \\ (9,220) \end{gathered}$ | $\begin{aligned} & 1,37,895 \\ & (10,766) \end{aligned}$ |
| Electricity, Gas and Water Supply | 5.150 | 7,967 |
| Construction | 13,336 | 22,153 |
| Transport | 1,507 | 10,046 |
| Professional and other services | 13,799 | 22,535 |
| Trade | 37,717 | 41,052 |
| Personal loans | 45,697 | 64,749 |
| Others | 50,501 | 65,911 |
| Total | 2,90,100 | 3,95,369 |
| Figures in brackets village industries and | icate the SSI's. | of artisa |

## Annual Credit Plan

8.14 With a view to improve the annual rural credit delivery system, Service Area Approach (SAA) scheme has been introduced by Reserve Bank of India. As per the SAA, all credit requirements of the rural population from a cluster of villages are allocated to a unique financial institution. The commercial banks, regional rural banks and co-operative banks together are expected to achieve the yearly targets of credit disbursement. The target of credit disbursement is fixed by the respective lead bank in each district. Bank of Maharashtra is

Table No. 8.6
Credit disbursement in Maharashtra State under Annual Credit Plan
(Rs. in crore)

| Sector | 2005-06 |  |  | 2006-07 |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | Target | Achievement | No. of beneficiaries | Target | Achievement(*) | No. of (*) beneficiaries |
| Agriculture and allied activities | 8,805 | $\begin{array}{r} 7,672 \\ (87) \end{array}$ | 8,07,205 | 12,605 | $\begin{array}{r} 5,843 \\ (46) \end{array}$ | 5,27,390 |
| Rural artisans, village \& cottage industries and SSI | 956 | $\begin{aligned} & 1,032 \\ & (107) \end{aligned}$ | 7,930 | 1,360 | 483 <br> (36) | 2,895 |
| Other Sectors | 3,011 | $\begin{aligned} & 4,021 \\ & (133) \end{aligned}$ | 4,84,120 | 4,065 | $\begin{array}{r} 2,079 \\ (51) \end{array}$ | 1,76,769 |
| Total | 12,772 | $\begin{array}{r} 12,725 \\ (99) \end{array}$ | 12,99,255 | 18,030 | $\begin{array}{r} 8,405 \\ (44) \end{array}$ | 7,07,054 |

[^17](*) : Upto the end of September, 2006
functioning as the convener bank to monitor the scheme in the State. The targets and achievements in respect of credit disbursement under this scheme for the years 2005-06 and 2006-07 are given in Table No. 8.6.
8.15 During the year 2005-06 under the Annual Credit Plan, total credit of Rs. 12,725 crore was disbursed to about 13 lakh beneficiaries in the State and it was 99 per cent of the set target. In the agriculture and allied activities it was 87 per cent. During year 2006-07, under the Annual Credit Plan, by the end of September, 2006, credit of Rs. 8,405 crore was disbursed to 7.07 lakh beneficiaries. Out of these, 5.27 lakh ( 75 per cent) beneficiaries were from agriculture and allied activities. The target of credit disbursement proposed under Annual Credit Plan 2007-08 is Rs. 20,900 crore.

## Joint Stock Companies

8.16 The number of joint stock companies as on 31st March, 2006, in Maharashtra State was $1,58,868$, higher by 6.5 per cent over the previous year. The increase in the number of joint stock companies at the All-India level during the same period was 7.7 per cent. The share of joint stock companies registered in Maharashtra and their paid up capital in the country were 21.7 per cent and 12.9 per cent respectively. Number of joint stock companies and there paid up capital is presented in Table No. 8.7.

## Small Savings

8.17 Small Savings is an important source of investment for guaranteed income and assurance of return from the invested amount. The increase in the interest rates of bank deposits and

Table No. 8.7
Number and paid-up capital of joint stock companies

| Type | As on 31st March |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | 2005 |  | 2006 |  |
|  | Maharashtra | India | Maharashtra | India |
| Private | 1,36,654 | 6,01,321 | $\begin{gathered} 1,46,020 \\ (6.85) \end{gathered}$ | $\begin{gathered} 6,52,028 \\ (8.43) \end{gathered}$ |
| Public | 12,479 | 78,328 | $\begin{aligned} & 12,848 \\ & (2.96) \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 80,141 \\ & (2.31) \end{aligned}$ |
| Total | 1,49,133 | 6,79,649 | $\begin{gathered} 1,58,868 \\ (6.53) \end{gathered}$ | $\begin{gathered} 7,32,169 \\ (7.73) \end{gathered}$ |
| Paid-up capital <br> (Rs. in cro | $1,02,650$ <br> rore) | $5,28,249$ | $\begin{aligned} & 59,257 \\ & (-4,20) \\ & (-42.27) \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 4,59,664 \\ & (-12.98) \end{aligned}$ |

Note : Figures in brackets show percentage increase over the previous year.

Table No. 8.8
Small Savings : Diminishing trend
(Rs. in crore)

| Item | $2004-05$ <br> $(\mathbf{p})$ | 2005-06 <br> $(\mathbf{p})$ | 2006-07 <br> $(\mathbf{p r})$ |
| :--- | ---: | ---: | ---: |
| Deposits in banks | $1,61,416$ | $2,80,602$ | $4,22,737$ |
| and finanical institutions | $[37.2]$ | $[47.1]$ | $[55.7]$ |
| Claims on Government | $1,06,420$ | 87,168 | 39,197 |
| (Small Savings \& | $[24.5]$ | $[14.6]$ | $[5.2]$ |
| government securities) |  |  |  |
| Others | $1,66,481$ | $2,27,465$ | $2,96,817$ |
|  | $138.3]$ | $[38.3]$ | $[39.1]$ |
| Total | $\mathbf{4 , 3 4 , 3 1 7}$ | $\mathbf{5 , 9 5 , 2 3 5}$ | $\mathbf{7 , 5 8 , 7 5 1}$ |
|  | $(13.9)$ | $(\mathbf{1 6 . 7})$ | $\mathbf{( 1 8 . 4 )}$ |

p-provisional pr-preliminary
Figures in I] shows share in total
Figures in () shows percentage proportion to GDP

Table No. 8.9
Collections under Small Savings Scheme
(Rs. in crore)

| Type of saving | 2005-06 |  | 2006-07 |  | 2007-08(Oct.07 ending) |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | Gross | Net | Gross | Net | Gross | Net |
| Post Office Savings Bank | 2,609 | 168 | 2,727 | 142 | 1,503 | 29 |
| Recurring Deposit | 3,352 | 1,250 | 3,728 | 1,518 | 2,044 | 721 |
| Time Deposit | 960 | 314 | 815 | 28 | 307 | (-) 338 |
| National Savings Certificate | 2,034 | 1,004 | 1,661 | 539 | 437 | (-) 37 |
| Kisan Vikas Patra | 2,735 | 1,444 | 2,000 | 938 | 706 | (-) 219 |
| Indira Vikas Patra | - | (-) 208 | - | (-) 15 | - | (-) 6 |
| Monthly Income Scheme | 6,984 | 3,719 | 3,736 | 125 | 845 | (-) 974 |
| P.P.F. | 4,054 | 3,207 | 5,091 | 3,669 | 572 | (-) 388 |
| S.C.S.S. | 2,629 | 2,479 | 1,383 | 1,053 | 587 | (-) 50 |
| Others | - | (-) 111 | 1 | (-) 121 | - | (-) 66 |
| Total | 25,358 | 13,265 | 21,142 | 7,874 | 7,002 | (-) 1,327 |

comparatively less interest rates with at least five years or more investment period, have affected the investment in small savings in India for last few years. The information in Table No. 8.8, on financial assets of household savings clarifies the situation.
8.18 In 2006-07, the net collection from small savings in Maharashtra was Rs. 7,874 crore, substantially less by 41 per cent than the previous year. The central loan assistance received for 2006-07 against the small savings was Rs. 9,277 crore with the interest rate of 9.5 per cent. By the end of October, 2007 the net collection from small savings was (-) Rs. 1,327 crore and if by the end of March, 2008, the small savings investment is going minus, the State cannot get central loan. During 2007-08, upto November, 2007, the State Government was liable to recieve Rs. 2,188 crore as Central loan assistance against the small saving funds. Subsequently, government has decided not to take this central loan assistance.

## Lottery

8.19 In order to raise resources for the socioeconomic development, the State Government introduced the scheme of Lottery in the State from 1st March, 1969. Under this scheme, bumper, monthly, weekly and two-digit draws are being arranged. During 2006-07, the net profit from lottery was Rs. 35.87 crore as against Rs. 27.07 crore in the previous year. During 2007-08 upto November, 2007, profit from lottery was Rs. 1.21 crore. For the same period in the previous year it was Rs. 20.34 crore. In order to increase revenue of the State, Lottery Tax has been implemented on all lottery draws run in the ftate from 20th January, 2007. Ongoing two digit lottery schemes are suspended so that lottery draws with new prize structure can be introduced. However, lottery operators of other states have filed writ petition against Lottery Tax in the Mumbai High Court which is pending and hence two digit and online lottery of the State are not being conducted. As a result, turnover and profit from State Lottery has been affected. The Profit from lottery is therefore, expected to be only Rs. 1.94 crore in the 2007-08.
8.20 Commissioner, Small Savings and State Lotteries has been authorised to collect lottery tax. Net revenue from lottery tax collected during 2006-07, after implementation of tax is 59.94 crore. Lottery tax is paid on traditional lottery
scheme by the State Government, but as per Court's interim order, State Government cannot collect tax from lottery operators of other States. Therefore, there is decrease in lottery tax collection in the current financial year and Rs. 14.40 crore net revenue has been collected up to January, 2008 by the State.

## Capital Market

8.21 Capital Market plays a vital role in the development of economy by channelising surplus savings to various economic activities. In Maharashtra, three major stock exchanges are functioning viz. Bombay Stock Exchange (BSE), National Stock Exchange (NSE) and Pune Stock Exchange (PSE). Apart from above, two other stock exchanges i.e. Over The Counter Stock Exchange of India (OTCEI) and Inter Connected Stock Exchange (ICSE) are also functioning. The capital market is showing significant performance in capital mobilisation, employment and revenue generation during last decade.

## Market Capitalisation

8.22 Market capitalisation of equity shares available for trading on Indian bourses witnessed high growth of 20 and 17 per cent on NSE and BSE respectively during 2006-07. It was substantially low as compared to the similar figures of 77 and 78 per cent respectively for previous year. The total market capitalisation of NSE and BSE as at the end of March, 2007 amounted to Rs. $33,67,350$ crore and Rs. $35,45,041$ crore respectively. The share of NSE and BSE remained at 49:51 in market capitalisation during 2006-07.

## Primary Security Market

8.23 During April-September, 2007, the total amount of resources mobilised through 47 issues was Rs. 20,999 crore, more by 73 per cent as compared to Rs. 12,131 crore mobilised through 28 issues during the corresponding period of the previous year.

## Secondary Security Market

8.24 The trading volumes in the equity segments of all the stock exchanges have been witnessing a phenomenal growth in the last few years. The turnover of business at all the stock exchanges in the country had increased about 18 times from Rs. $1,64,057$ crore in 1994-95 to Rs. $29,03,058$ crore in 2006-07. During 2006-07, about 99 per cent of the total turnover at all the
stock exchanges in the country was from NSE and BSE. Stock exchange wise turnover is shown in Table No. 8.10.

Table No. 8.10
Turnover in the Stock Exchanges
(Rs. in crore)

| Stock | Turnover |  |
| :--- | ---: | ---: |
|  | $2005-06$ | $2006-07$ |
| NSE | $15,69,558$ | $19,45,287$ |
|  | $(65.7)$ | $(67.0)$ |
| BSE | $8,16,074$ | $9,56,185$ |
|  | $(34.1)$ | $(32.9)$ |
| All others | 4,471 | 1,586 |
|  | $(0.2)$ | $(0.1)$ |
| Total | $23,90,103$ | $29,03,058$ |
|  | $(100.0)$ | $(100.0)$ |

Source:- SEBI-Annual Report 2006-07
Note: Figures in brackets indicate percentages.

## Security and Exchange Board of India (SEBI)

8.25 In order to protect the investors interest, SEBI has been strengthening its regulating investigation activities over the years. The redressal rate of grievances received (cumulative) to SEBI upto the year $2006-07$ was 94.3 per cent which was 94.5 per cent or more upto earlier year. The number of grievances received to SEBI during 2006-07 was 26,473 and by the year end, pending cases with SEBI were $1,66,094$.

## Mutual Fund

8.26 In India, the 'Mutual Fund' industry started with setting up of Unit Trust of India in (1964). The public sector banks and financial institutions began to establish mutual funds in 1987. The private sector and foreign institutions were allowed to set up mutual funds since 1993. This fast growing industry is regulated by SEBI. As on 31 March, 2007, there were 40 mutual funds
and the total assets of these funds were Rs. 3,26,292 crore. Out of these, 36 ( 90 per cent) mutual funds were registered in Maharashtra. The net amount mobilised by these 36 funds during 2006-07 was Rs. 89,569 crore.

## Commodity Market

8.27 Indian Commodities markets have a long history. Agriculture futures contracts trading is existing since 1800s and metal future contracts since 1930s. The commodities business is traditionally known as 'Adat and Vayada Vyapar'. With removal of restriction on future trading in most of the commodities, more and more commodities are qualifying for commodities trading regulated by the Forward Contracts Regulation Act (FCRA), 1952. To facilitate the future trading in commodities, the Government has set up modern electronic trading commodity exchanges. The two main commodity exchanges located in Maharashtra (Mumbai) are Nationalised Commodity and Derivatives Exchange limited (NCDEX) and Multi Commodity Exchange of India limited (MCX), established and started working since 2003. The major groups of items in which the futures trading is facilitated by these exchanges are agriculture, metals and energy products. The number of commodities traded and the turnover in these two markets is given in Table No. 8.11.

Table No. 8.11
Turnover in the Commodity Exchanges
(Rs. in '000 crore)

| Commodities | No. of | Turnover |  |
| :--- | :---: | ---: | ---: |
| Exchange | commodities | $2006-07$ | $2007-08^{*}$ |
| MCX | 73 | 2,294 | 2,058 |
|  |  | $(29)$ | $(23)$ |
| NCDEX | 54 | 1,167 | 552 |
|  |  | $(15)$ | $(15)$ |

Source:- MCX and NCDEX *- upto Dec. 07
Note: Figures in brackets indicate percentage share of Maharashtra.

## CO-OPERATION

9.1 Maharashtra is the pioneer State in the country to initiate the co-operative movement. Co-operative movement is basically people's initiative supported by the State Government's facilitation for prevention of exploitation of cultivators from money lenders and for raising economic levels of vulnerable, unorganised people engaged in various social and economic activitics. Initially, the movement was confined mainly to the field of agricultural credit. Later on, it spread rapidly to other fields such as agro-processing, agro-marketing, rural industries, consumer stores, etc. This has resulted in development of growth centres across the State with adequate social infrastructure facilities. However, in the globalisation scenario, the movement has been facing serious challenges of competition from multinationals, resource constraints and lack of professionalism, etc.
9.2 The number of co-operative societies in the State has substantially increased over the last 46 years since 1961. Details of the same are provided in Table No. 9.1. Important characteristics of co-operative societies in the State are summarised in Table No. 9.2.

Table No. 9.1
Typewise number of co-operative societies in the State

| Type of Society | By the end of |  |  |
| :--- | ---: | ---: | ---: |
|  | June,1961 | March,2006 March,2007 |  |
| Apex \& Central Credit |  |  |  |
| a) Agricultural | 37 | 33 | 33 |
| b) Non-agri. | 2 | 2 | 2 |
| Primary Credit |  |  |  |
| n!! Agricuitural | 21,400 | 21,162 | 21,238 |
| b) Non-agri. | 1,630 | 26,189 | 26,629 |
| Agro-marketing | 344 | 1,380 | 1,485 |
| Productive | 4,306 | 42,892 | 44,401 |
| Social service \& others | 3,846 | $\mathbf{1 , 0 1 , 1 3 9}$ | $1,06,952$ |
| Total | $\mathbf{3 1 , 5 6 5}$ | $\mathbf{1 , 9 2 , 7 9 7}$ | $\mathbf{2 , 0 0 , 7 4 0}$ |

Table No. 9.2
Important characteristics of co-operative societies in the State
(Rs. crore)

| Item | Ending March |  | Percentage change |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | 2006 | 2007* |  |
| Societies (No.) | 1,92,797 | 2,00,740 | 4.1 |
| Members (In lakh) | 462 | 469 | 1.5 |
| Paid-up share capital | 12,329 | 12,636 | 2.5 |
| Of which, State Govt. | 2,367 | 2,390 | 1.0 |
| Deposits | 1,09,635 | 1,12,714 | 2.8 |
| Working capital | 2,00,264 | 2,09,823 | 4.8 |
| Advances (Gross) | 82,019 | 92,951 | 13.3 |
| Advances (Net) | 61,186 | 61,837 | 1.1 |
| Societies in profit (No.) | 63,604 | 65,203 | 2.5 |
| Societies in loss (No.) | 51,213 | 55,650 | 8.7 |
| Societies with no profit no loss (No.) | 6,466 | 7,122 | 10.1 |
| Outstanding loans | 1,03,366 | 1,12,481 | 8.8 |

9.3 There is a three-tier agricultural credit structure in co-operative agricultural finance. At primary level, Primary Agricultural Credit Societies (PACS), Farmers Service Societies (FSS) and Large Size Adivasi Multipurpose Societies (LAMPS) disburse agricultural credit to cultivator members. The District Central Co-operative Banks play a major role in disbursement of credit to these societies at central level, while the apex body, namely Maharashtra State Co-operative Bank disburses agricultural credit to District Central Co-operative Banks. The data on important items regarding apex and central agricultural co-operative credit societies are presented in Table No. 9.3.
9.4 As on $31^{\text {st }}$ March, 2007, there were 21,238 agricultural credit societies at primary level and their membership was 1.23 crore. These societies include Primary Agricultural Credit Societies ( 20,218 ), Farmers Service Societies (21), Adivasi Co-operative Societies (945), Grain Banks (25) and District Co-operative Agriculture Rural Multipurpose Development Banks (29).

Table No. 9.3
Important characteristics of the apex and central agricultural co-operative credit societies in the State
(Rs. crore)

| Item | Ending | March | Percentage change |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | 2006 | 2007* |  |
| Maharashtra State Co-operative Bank |  |  |  |
| Members | 55,000 | 61,000 | 10.9 |
| Deposits | 13,635 | 14,074 | 3.2 |
| Working capital | 18,742 | 21,082 | 12.5 |
| Gross loans advanced | 7,515 | 8,862 | 17.9 |
| Loans outstanding | 7,634 | 10,010 | 31.1 |
| Overdues | 1,472 | 1,243 | (-) 15.6 |
| District Central Co-operative Banks (31) |  |  |  |
| Members | 1,16,146 | 1,31,404 | 13.1 |
| Deposits | 26,402 | 27,657 | 4.8 |
| Working capital | 36,864 | 40,701 | 10.4 |
| Gross loans advanced | 13,319 | 5,323 | (-) 60.0 |
| loans outstanding | 19,251 | 22,252 | 15.6 |
| Overdues | 5,260 | 5,534 | 5.2 |
| Maharashtra State Co-operative Agricultural |  |  |  |
| Rural Multipurpose Development Bank |  |  |  |
| Members | 827 | 827 | 0.0 |
| Working capital | 1,513 | 1,638 | 8.3 |
| Gross loans advanced | 4.05 | 2.53 | (-) 37.5 |
| Loans outstanding | 1,145 | 1,303 | 13.8 |
| Overdues | 376 | 685 | 82.2 |
| District Level Maharashtra State Agricultural and |  |  |  |
| Rural Development Banks (29) |  |  |  |
| Members (In lakh) | 11.56 | 11.55 | (-) 0.09 |
| Working capital | 1,519 | 1,582 | 4.1 |
| Gross loans advanced | 4 | 3 | (-) 25.0 |
| Loans outstanding | 1,053 | 950 | (-) 9.8 |

* Provisional


## Primary Agricultural Credit Societies

9.5 Primary Agricultural Credit Societies (PACS) are the grassroot level co-operative credit societies playing a vital role in the disbursement of short-term agricultural credit. However, the high level of overdues, inadequacy and irregularity in availability of funds for giving credit to the farmers and incapability of resource mobilisation have continued to be major reasons for weaknesses of PACS. Details about PACS are given in Table Nos. 9.4, 9.5 and 9.6.

## Non-Agricultural Credit Societies

9.6 Solapur District Industrial Co-operative Bank and the Maharashtra State Co-operative Housing Finance Corporation are the central non-agricultural credit institutions functioning in the State. However, Solapur District Industrial Co-operative Bank is gone in to liquidation. Details of apex and central non-agricultural credit societies are given in Table No. 9.7.

Table No. 9.4 Details about PACS
(Rs. crore)

| Item | $2005-06$ | $2006-07$ |
| :--- | ---: | ---: |
| PACS (No.) | 21,162 | 21,238 |
| Members (In lakh) | 121 | 123 |
| Working Capital | 13,967 | 14,007 |
| Loans advanced | 5,417 | 5,498 |
| Loanee members (In lakh) | 37.59 | 37.96 |
| Of which, |  |  |
| i) Small farmers | 9.3 | 9.4 |
| ii) Marginal farmers | 8.9 | 9.3 |
| Average loan advanced per | 12,050 | 12,283 |
| small \& marginal farmer (Rs.) |  |  |
| Loans outstanding | 10,035 | 10,537 |
| Loans due for recovery | 7,055 | 7,100 |
| Loans recovered | 4,234 | 4,276 |
| Loans overdue | 2,821 | 2,824 |
| Proportion of overdues to | 40.0 | 39.8 |
| loans due for recovery (\%) |  |  |

Table No. 9.5
Land holdingwise loans advanced by PACS (excluding grain banks) during 2006-07

| Size class <br> (Hectares) | Members <br> (In lakh) | Borrowing <br> members <br> (In lakh) | Percetage of <br> borrowing <br> members <br> to total <br> members | Loan <br> advanced <br> per <br> borrowing <br> member <br> (Rs.) |
| :---: | ---: | :---: | ---: | ---: |
| $<1$ | 29.72 | 9.44 | 31.77 | 11,656 |
| $1-2$ | 29.28 | 9.04 | 30.87 | 12,910 |
| $2-4$ | 19.06 | 8.62 | 45.26 | 11,989 |
| $4-8$ | 12.38 | 5.79 | 46.78 | $\mathbf{1 6 , 8 6 0}$ |
| $>8$ | 3.08 | 3.64 | $\mathbf{1 1 8 . 2 9}$ | 22,180 |
| Others | $\mathbf{1 6 . 8 9}$ | $\mathbf{1 . 4 4}$ | 8.51 | 28,625 |
| Total | $\mathbf{1 1 0 . 4 1}$ | $\mathbf{3 7 . 9 7}$ | $\mathbf{3 4 . 3 9}$ | $\mathbf{1 4 , 4 7 4}$ |

Table No. 9.6
Details of loans given by PACS (excluding grain banks) during 2006-07

| Item |  | (Rs. crore) |  |
| :--- | :---: | :---: | :---: |
|  | Marginal <br> land <br> holders | Small <br> land <br> holders | All <br> members |
| Loans advanced | 1,100 | 1,167 | 5,496 |
| Percentage share in <br> loans advanced | 20.0 | 21.2 | 100.0 |
| Loans outstanding | 1,778 | 2,008 | 9,010 |
| Percentage share in <br> loans outstanding | 19.7 | 22.3 | 100.0 |
| Loan outstanding per <br> loanee member (Rs.) | 18,837 | 22,219 | 23,730 |

Table No. 9.7
Details of apex and central non-agricultural co-operative credit societies
(Rs. crore)

| Item | Ending | March | Percentage change |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | 2006 | 2007* |  |
| Solapur District Industrial Co-operative Bank |  |  |  |
| Members | 1,971 | 1,971 | 0.0 |
| Deposits | 27 | 21 | (-) 22.2 |
| Working capital | 48 | 46 | $(-) 4.2$ |
| Loans outstanding | 26 | 25 | (-) 3.8 |
| Overdues | 26 | 25 | (-) 3.8 |
| Maharashtra State Co-op.Hsg. Finance Corporation |  |  |  |
| Members | 11,622 | 11,468 | (-) 1.3 |
| Deposits | 1 | 1 | 0.0 |
| Working capital | 342 | 352 | 2.9 |
| Gross loans advanced | 0 | 0 | 0.0 |
| L,oans outstanding | 165 | 147 | (-) 10.9 |
| Loans Overdue | 141 | 137 | (-) 2.8 |

9.6.1 Urban co-operative banks, salary earners co-operative societies, thrift co-operative societies, etc. come under primary non-agricultural credit socicties. The details of the same are presented in Table No. 9.8.

Table No. 9.8
Details of primary non-agricultural
(Rs. crore)

| Item | $31^{\text {st }}$ March, 06 | $31^{\text {st }}$ March, 07 |
| :---: | :---: | :---: |
| Societies (No.) | 26,189 | 26,629 |
| Members (In lakh) | 202.15 | 205.18 |
| Deposits | 67,832 | 69,188 |
| Working capital | 1,10,075 | 1,12,475 |
| Loans advanced | 55,444 | 55,998 |
| Loans outstanding | 61,682 | 64,766 |
| Loans overdue | 8,441 | 8,526 |

## Co-operative Marketing Societies

9.7 The basic objectives of the co-operative marketing societies are to prevent exploitation of the agriculturists by traders and to enable them to have better returns of their produce by making arrangements for sales of their produce and also to benefit consumers to avail quality goods at reasonable prices. With these objectives in view, financial assistance in the form of share capital and loans is provided by the State Government to co-operative marketing societies for enhancing the scope of their activities.
9.7.1 Co-operative marketing is a three-tier organisational structure. The Maharashtra State Co-operative Marketing Federation Ltd. is an apex body, whereas District Marketing Societies are functioning at central level. The primary co-operative marketing societies at village level are functioning under regulation of district marketing societies.
9.7.2 Details of apex and central level co-operative marketing societies and primary co-operative marketing societies are given in Table No. 9.9 and 9.10 respectively.

Table No. 9.9
Details of apex and central level co-operative marketing societies
(Rs. crore)

| Item | $31^{\text {st }}$ | March,06 |
| :--- | ---: | :---: |
| $31^{\text {st }}$ | March,07 |  |
| Socieities (No.) | 25 | 25 |
| Members ('00) | 491 | 492 |
| Share capital | 2.93 | 2.93 |
| $\quad$ Of which, State Govt. | 1.32 | 1.32 |
| Working capital | 40.53 | 40.59 |
| Sales |  |  |
| $\quad$ (a) Agril. produce | 26.77 | 26.62 |
| (b) Fertilizers | 1.59 | 16.61 |
| (c) Seeds | 0.52 | 0.52 |
| (d) Consumer goods | 80.25 | 80.74 |
| Societies in profit (No.) | 13 | 14 |
| Amount of profit | 1.65 | 1.67 |
| Societies in loss (No.) | 11 | 11 |
| Amount of loss | 0.77 | 0.13 |

Table No. 9.10
Details of primary co-operative marketing societies

|  |  | (Rs. crore) |
| :--- | :---: | :---: |
| Item | $31^{t \mathrm{t}}$ March, 06 | $31^{\mathrm{a}}$ March, 07 |
| Societies (No.) | 1,142 | 1,144 |
| Members ('00) | 8,203 | 8,208 |
| Share capital | 61.01 | 61.06 |
| $\quad$ Of which, State govt | 14.49 | 14.60 |
| Working Capital | 427.94 | 428.07 |
| Sales |  |  |
| (a) Agri, produce | 194.70 | 194.76 |
| (b) Fertilizers | 373.86 | 374.01 |
| (c) Seeds | 35.54 | 35.56 |
| (d) Consumer goods | 163.73 | 163.72 |
| Societies in profit (No.) | 493 | 494 |
| Amount of profit | 8.82 | 8.81 |
| Societies in loss (No.) | 504 | 504 |
| Amount of loss | 3.70 | 3.72 |

## Monopoly Cotton Procurement Scheme

9.8 The State Government has given extension to the Maharashtra Raw Cotton (Procurement, Processing and Marketing) Act, 1971 for procurement of raw cotton during 2007-08. Cotton is procured under the scheme through the Maharashtra State Co-operative Cotton Growers Marketing Federation Lid. At the same time, the State Government has also given permission to private institutions for purchasing cotton from cultivators. The Federation is purchasing cotton from cultivators
under the scheme as per the minimum support prices declared by the Government for different varieties of cotton. Details of varietywise per quintal purchase prices and cotton procured under the scheme are given in Table No. 9.11 and details of cotton procurement are given in Table No. 9.12.

Table No. 9.11
Varietywise per quintal purhcase prices and cotton procured

| Variety P | 2006-07 |  | 2007-08\# |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | Per quintal ${ }^{*}$ purchase rate (Rs.) | $\begin{gathered} \text { lot }^{\text {Cotton }} \\ \text { purch- } \\ \text { ased } \\ \text { (Quintal) } \end{gathered}$ | Per quintal purchase rate (Rs.) | * Cotton purchased (Quintal) |
| Banni | 2,020 | 279 | 2,070 | 225 |
| Brahma | 2,010 | -- | 2,050 | 3 |
| RCH-2A | 2,000 | -- | 2,040 | -- |
| H-4/H-6 | 1,990 | 31,68,987 | 2,030 | 1,27,439 |
| MECH | 1,895 | 17,120 | 1,935 | -- |
| LRA-5166 | 1,835 | 68,971 | 1,900 | 618 |
| DHY-286 | 1,845 | 3,906 | 1,885 | -- |
| Ankur-651 | 1,845 | 82 | 1,885 | -- |
| MCH-11 | 1,845 | 679 | 1,885 | -- |
| AHH-468 | 1,805 | 1,264 | 1,845 | -- |
| NHH-44 (Vidarbha) | 1,710 | 2,125 | 1,760 | 91 |
| NHF-44 (Maharashr | ra 1,685 | -- | 1,735 | -- |
| \& Khandesh) |  |  |  |  |
| Y-1/AK | 1,685 | 1,239 | 1,735 | 233 |

*For fairly average quality (FAQ) \# Up to November, 2007
Table No. 9.12
Details of cotton procurement

| Item | $2005-06$ | $2006-07$ | 2007-08\# |
| :--- | ---: | ---: | ---: |
| Cotton purchased |  |  |  |
| 1) Quantity (In lakh quintal) | 18.84 | 32.65 | 1.29 |
| 2) Value (Rs. crore) | 336.33 | 644.74 | 26.09 |
| Cotton seed |  |  |  |
| 1) Produced (In lakh quintal) | 11.74 | 20.18 | 0.70 |
| 2) Sold (Rs. crore) | 98.00 | 205.63 | 1.49 |
| Bales pressed (In lakh) | 4.06 | 6.88 | 0.16 |
| Bales sold (In lakh) | 4.06 | 5.63 | N.A. |
| Average selling price |  |  |  |
| per bale* (Rs.) | 7,730 | 9,032 | N.A. |
| \# Up to November, 2007 | * a bale weighing 170 Kg |  |  |
| N.A. - Not Available |  |  |  |

## Agro-processing Enterprises

9.9 The agro-processing co-operatives have a strategic place in rural economy. Co-operative agro-processing enterprises help farmers in getting better returns and creating non-exploitative environment in the rural agro-based industries.
9.9.1 The number of co-operative societies engaged in productive activities as on $31^{\text {st }}$ March, 2007 was 44,401 . The membership of all these societies was 66.8 lakh and their working capital was Rs. 11,305 crore.
9.9.2 The State has a well recognized pride position on the sugarcane map of India by contributing 12.1 per cent of the area under sugarcane in the country. Co-operative sugar factories have proved to be remarkably influential in bringing about various socio-economic transformations in rural part of the State during the post-independence period. Details of co-operative sugar factories are given in Table No. 9.13.

Table No. 9.13
Details of co-operative sugar factories
(Rs. crore)

9.9.3 Details of co-operative societies engaged in independent agro-processing activities during 2006-07 are given in Table No. 9.14.
9.9.4 In Maharashtra, area under cotton cultivation is 31.24 lakh hectares, which is 36.8 per cent of the total area under cotton in the country. Details of co-operative cotton ginning and pressing societies are given in Table No. 9.15.

Table No. 9.14
Details of co-operative societies engaged in independent agro-processing activities during 2006-07

| Co-operative <br> society | Number | In production | (Provisional) <br> Quantity <br> processed $\dagger$ <br> (In M.T.) |
| :--- | :---: | :---: | :---: |
| Sugar factories | 202 | 163 | 79,839 |
| Cotton ginning \& | 222 | 183 | 1,147 |
| pressing societies |  |  |  |
| Rice mills** | 90 | 90 | 404 |
| Oil mills | 13 | 11 | 30 |
| Others | 332 | 297 | 58 |
| Total | $\mathbf{8 5 9}$ | $\mathbf{7 4 4}$ |  |

$\ddagger$ Quantity processed pertains to sugarcane, raw cotton, paddy, oil sceds. **Including paddy processing

Table No. 9.15
Details of co-operative cotton ginning \& pressing societies
(Rs. crore)

|  |  |  |
| :---: | :---: | :---: |
| Item | $31^{\text {st }}$ March, 06 | $31^{\text {st }}$ March, 07 |
| Societies (No.) | 222 | 223 |
| Of which, in production | 183 | 183 |
| Members ('00) | 2,554 | 2,563 |
| Share capital | 8.87 | 9.90 |
| Of which, State Govt. | 2.03 | 2.04 |
| Working Capital | 86.92 | 87.31 |
| Raw cotton ginned (M.T.) | 11.47 | 11.49 |
| Bales* pressed (In lakh) | 4.06 | 6.88 |
| Societies in profit (No.) | 69 | 72 |

*a bale weighing 170 Kg .
9.9.5 Details of co-operative spinning mills are given in Table No. 9.16, whereas details about primary handloom and powerloom co-operative societies are given in Table No. 9.17.

Table No. 9.16
Details of co-operative spinning mills (Rs. crore)

| Item | $31^{\text {st }}$ March, 06 | $31^{\text {st }}$ March, 07 |
| :---: | :---: | :---: |
| Number of mills | 190 | 177 |
| Of which, in production | 48 | 53 |
| Membership ('00) | 5.18 | 5.29 |
| Share capital | 767 | 1,550 |
| Of which, State Govt. | 644 | 926 |
| No. of spindles (In lakh) | 16 | 16 |
| Value of Yarn produced | 723 | 944 |

9.9.6 Details of co-operative dairy societies and dairy unions in the State are given in Table No. 9.18 .

Table No. 9.17
Details of co-operative handloom and powerloom societies

| Item | (Rs. crore) |  |  |  |  |
| :--- | ---: | ---: | ---: | ---: | ---: |
|  | Handloom |  |  | Powerloom |  |
|  | $2005^{*}$ | $2006^{*}$ |  | $2005^{*}$ | $2006^{*}$ |
| Societies (No.) | 683 | 683 |  | 1,050 | 1,070 |
| Members ('00) | 1.127 | 820 |  | 425 | 390 |
| No. of looms ('000) | 31.3 | 30.4 | 30.5 | 17.9 |  |
| Production value | 89 | 36 | 34 | 23 |  |
| As on $31^{\text {st }}$ March |  |  |  |  |  |

Table No. 9.18
Details of co-operative dairy societies and dairy unions

| Item |  |  | (Rs. crore) |  |
| :--- | ---: | ---: | ---: | ---: | ---: |

N.A. - Not Available
9.9.7 In 2006-07, there were 2,900 primary fisheries co-operative societies, 33 fisheries co-operative unions and two federations. All these societies had membership of 3.01 lakh. They had working capital of Rs. 117 crore and they sold fish and fish products worth Rs. 185 crore, as against the sale of Rs. 180 crore in 2005-06.
Social service and other co-operative societies
9.10.1 As on $31^{\text {st }}$ March, 2007, besides the apex consumers federation, there were 161 wholesale consumers stores and 3,310 primary consumers stores working in the State. The details of Consumer Federation, wholesale and retail co-operative stores are given in Table No. 9.19.
9.10.2 As on $31^{\text {st }}$ March, 2007, there were 70,574 co-operative housing societies in the State with 18.97 lakh members. The progressive number of tenements as on $31^{\text {st }}$ December, 2007 for which loans were sanctioned by the Maharashtra State Co-operative Housing Finance Corporation was 2.19 lakh, of which the construction work of almost all the tenements was completed by $31^{\text {st }}$ December, 2007. At the end of March, 2007, the total employment in these societies was 36,997 .
9.10.3 As on $31^{\text {st }}$ March, 2007, there were 10,227 labour contract societies in the State with 6.66 lakh members. These societies executed work of Rs. 622 crore during 2006-07, as against Rs. 610 crore during the previous year. The total employment in these societies as at the end of March, 2007 was $91,953$.
9.10.4 As on $31^{\text {st }}$ December, 2007, there were 299 forest labour societies in the State with 66,000 members. The wood and other forest produce worth Rs. 59 crore were sold by these societies during the year 2006-07.

Table No. 9.19
Details of Consumers Federation, wholesale and retail co-operative consumer stores
(Rs. crore)

| Item | Consumer federation |  | Wholesale consumer stores |  | Primary consumer stores |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | 2005-06 | 2006-07 | 2005-06 | 2006-07 | 2005-06 | 2006-07 |
| Number | 1 | 1 | 150 | 161 | 3,276 | 3,310 |
| Membership ('00) | 6 | 6 | 441 | 445 | 15,592 | 15,597 |
| Share capital | 1.64 | 1.64 | 17.97 | 18.10 | 25.18 | 25.19 |
| Of which, State Govt. | 1.14 | 1.14 | 4.76 | 4.91 | 1.43 | 1.43 |
| Sale | 89.02 | 112.18 | 454.12 | 459.17 | 299.37 | 300.27 |
| Societies in profit (No.) | 14 | 14 | 104 | 106 | 1,559 | 1,558 |
| Amount of profit | 1.41 | 1.52 | 3.09 | 3.17 | 8.46 | 8.48 |
| Socities in loss (No.) | 5 | 6 | 54 | 56 | 821 | 819 |
| Amount of loss | 0.60 | 0.69 | 3.42 | 3.48 | 3.86 | 3.87 |

## Inflation

10.1 Variations in the price level affect the living conditions of the people, especially the poor people. As such, constant and close watch on the variations in prices is imperative. Abnormal increase in prices is commonly termed as high inflation. Against this, a mild inflation to the tune of 2 to 5 per cent is considered as conducive for the development and also it works as a stimulant for balancing the economy.
10.2 The changes in prices over a period of time are measured in terms of index number of prices. The price indices are calculated at both the wholesale and retail levels of prices. Wholesale Price Index (WPI) is used to measure movements in prices of commodities in wholesale trade \& transactions and Consumer Price Indices (CPIs) are used for monitoring the movement of retail prices of items of daily consumption. As in India, Wholesale Price Index (WPI) is available on weekly basis and also with the shortest possible time lag of two weeks, it is widely used in government, business \& industry circles and is generally taken ass an indicator to assess the rate of inflation in the economy of the country.

## Price situation in India <br> snflation based on WPI


10.3 In the first year 2002-03 of Xth Five Year Plan, the annual average inflation rate based on All- India Wholesale Price Index (Base year 1993-94) was low at 3.4 per cent. Thereafter, it increased continuously in two years and reached to 6.5 per cent in 2004-05. Subsequently, due to fall in the prices in the group of primary articles, fuel, power, light and lubricants and manufacturing, it decreased to 4.4 per cent in 2005-06. Thereafter it rose to 5.4 per cent in 2006-07 due to increase in the prices in the primary articles and

## Inflation in India: An Overview

WPI is released by the office of the Economic Adviser, Ministry of Commerce \& Industry, Govt. of India. The inflation rate based on WPI attained the peak level of 13.7 per cent in 1991-92. However, since 1995-96 onwards, there was continuous deceleration and the average annual inflation rate for the period 1996-97 to $2000-01$ was moderate at 5.0 per cent. After remaining subdued during the four years 2002-06 at 4.9 per cent, the average inflation rate increased to 5.4 per cent during 2006-07. During 2007-08 (up to January, 08) it was 4.2 per cent.
manufacturing groups. The year 2007-08 started with [point to point] high inflation rate of 6.3 per cent. Thereafter it decreased continuously and stood at 3.9 per cent in the month of January, 2008. This was mainly due to fall in the prices of the items in the group of primary articles and fuel, power and lubricants. The groupwise wholesale price indices and inflation rates for the latest periods are shown in Table No. 10.1.


Table No. 10.1
Major Groupwise All-India Wholesale Price Index Numbers
(Base year 1993-94)

| All - India WPI for |  |  |  |  |  |
| :--- | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| Year/ | Primary <br> articles | Fuel, <br> power, <br> light and <br> lubricants | Manu- <br> factured <br> products | All <br> commo- <br> dities | Infla- <br> (ionth <br> rate |
| Weight | $\mathbf{2 2 . 0 2}$ | $\mathbf{1 4 . 2 3}$ | $\mathbf{6 3 . 7 5}$ | $\mathbf{1 0 0 . 0 0}$ | - |
| $2002-03$ | 174.0 | 239.2 | 148.1 | 166.8 | 3.4 |
| $2003-04$ | 181.5 | 254.6 | 156.4 | 175.9 | 5.5 |
| $2004-05$ | 187.9 | 280.2 | 166.3 | 187.3 | 6.5 |
| $2005-06$ | 193.6 | 306.8 | 171.4 | 195.6 | 4.4 |
| $2006-07$ | 208.7 | 323.9 | 179.0 | 206.2 | 5.4 |
| $2006-07^{*}$ | 207.5 | 324.8 | 178.2 | 205.6 | 5.2 |
| 2007-08* | $\mathbf{2 2 2 . 8}$ | $\mathbf{3 2 4 . 5}$ | $\mathbf{1 8 6 . 7}$ | $\mathbf{2 1 4 . 3}$ | $\mathbf{4 . 2}$ |
| April, 07 | 219.2 | 320.4 | 184.6 | 211.5 | 6.3 |
| Jan.,08(P) | 222.7 | $\mathbf{3 3 4 . 3}$ | 188.9 | 217.0 | 3.9 |

* 10 months' average (April to January) (P) Provisional
10.4 The average index of the major group 'primary articles' for the period April, 2007 to January, 2008 registered increase of 7.4 per cent over the average index of the corresponding period of the earlier year. This group with a weight of 22.02 per cent in WPI, contributed 22.03 per cent to overall inflation for January, 2007 to January, 2008 against 34.9 per cent during the corresponding period of the earlier year.
10.5 The average index of the major group 'fuel, power, light and lubricants' for the period April, 2007 to January, 2008 decreased marginally by 0.1 per cent. This group with a weight of 14.23 per cent in WPI contributed 22.77 per cent to the overall inflation as compared to 13.5 per cent in the corresponding period (January, 2006 to January, 2007) a year ago.
10.6 In the case of major group 'manufactured products', the increase in the average index was 4.8 per cent during the period April, 2007 to January, 2008. The increase during the corresponding period of the earlier year was 3.9 per cent. Manufacturing group with a weight of 63.75 per cent contributed 55.20 per cent to overall inflation in the current year (January, 2007 to January, 2008) as compared to 51.6 per cent during the corresponding period a year ago. The contribution of manufacturing group is comparatively low in overall inflation during current year.

10.7 Among all the three major groups covered under WPI, 'fuel, power, light and lubricants' group contributed more to overall inflation as compared to other groups. During the financial year 2007-08, the monthly all-India WPI moved up from 211.5 in April, 2007 to 217.0 in January, 2008, showing an increase by 2.6 per cent. WPI recorded an inflation of 3.9 per cent in January, 2008 which had declined sharply from 6.3 per cent inflation in the month of April, 2007.


## Inflation based on CPI

10.8 At present, there are four series of CPIs used for different socio-economic groups. These are viz.1) All-India CPI for Industrial Workers (CPI-IW), 2) All-India CPI for Urban NonManual Employees (CPI-UNME), 3) All-India CPI for Agricultural Labourers and 4) All India CPI for rural labourers.

## All-India CPI for Industrial Workers (CPIIW)

10.8.1 This index measures monthly movement of retail prices of essential commodities and services in 70 industrially developed centres in the country. Labour Bureau, Simla has revised this index series with 2001 as base year. Out of the 70 centres, five centres viz. Mumbai, Pune, Nagpur, Solapur and Nashik are from Maharashtra State. The major groupwise all-India CPI-IW and inflation rates for the latest periods are given in Table No.10.2. In addition to the above five centres in the State, CPIIW is also compiled (with tuase year 198亿) for five more centres in the State viz. Jalgaon, Nanded, Aurangabad, Kolhapur and Akola by the office of the Labour Commissioner, Government of Maharashtra. It is generally accepted that inflation,

Table No. 10.2
Major Groupwise All-India Consumer Price Index Numbers for Industrial Workers

| Year/ <br> Month | Food | Pan,supari, <br> tobacco and <br> intoxicants | Fuel <br> and <br> light | Housing <br> $\%$ | Clothing, <br> bedding <br> and footwear | Miscell- <br> aneous | General <br> index | Inflation <br> rate |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | (Base year 2001) |  |  |  |  |  |  |  |
| Weight | 46.19 | 2.27 | $\mathbf{6 . 4 3}$ | $\mathbf{1 5 . 2 7}$ | $\mathbf{6 . 5 8}$ | $\mathbf{2 3 . 2 6}$ | $\mathbf{1 0 0 . 0 0}$ | - |
| $2005-06$ | 115 | 112 | 123 | 118 | 110 | 120 | 117.1 | 4.4 |
| $2006-07$ | 126 | 116 | 130 | 126 | 114 | 126 | 125.0 | 6.7 |
| $2006-07^{*}$ | 125 | 115 | 129 | 125 | 113 | 125 | 124.2 | 6.6 |
| $2007-08^{*}$ | 135 | 127 | 132 | 130 | 118 | 130 | 131.9 | 6.2 |
| April, 2007 | 130 | 124 | 131 | 128 | 117 | 128 | 128.0 | 6.7 |
| Dec., 2007 | 137 | 129 | 134 | 131 | 118 | 133 | 134.0 | 5.5 |

* 9 months' average (April to December)
based on CPI-IW is an appropriate index to determine the impact of price rise on the cost of living of the common man as the same is based on retail prices which include selected services also. That is why this index is used to determine dearness allowances of employees in public and private sectors.
i) The inflation rate based on CPI-IW was 6.7 per cent in the beginning of 2007-08 and it increased to 7.3 per cent in August, 2007. Then it started declining and remained stable at 5.5 per cent during October, 2007 to December, 2007. The average all-India CPI-IW for the period April to December, 2007 (131.9) was higher by 6.2 per cent than the index for the corresponding period of the previous year. During the financial year 2007-08, CPI-IW for December, 2007 was 134 . This was higher by 5.5 per cent than that for March, 2007 (127).
ii) Major groupwise CPI-IW for all the ten centres in the State are given in Table No. 38 in Part-II of this publication.


## All-India CPI for Urban Non-Manual Employees (CPI-UNME)

10.8.2 CPI(UNME) (base year 1984-85) is released by Central Statistical Organisation as a monthly series for 59 cities in the country. Out of these cities, five cities viz. Mumbai, Aurangabad, Nagpur, Pune and Solapur are from Maharashtra.
i) This index indicates the changes in retail prices of essential commodities and services for the group of urban non-manual employees.

Banks and foreign embassies use this index for wage compensation of their employees. The inflation rate for the year 2007-08 (April to December) as per CPI-UNME over the corresponding period of the previous year was 6.1 per cent. The same for the entire year 2006-07 was 6.6 per cent. During 2007-08 (April to December) inflation rate for Mumbai ( 5.80 ) and Nagpur (3.69) cities in the State was lower but it was higher in Pune(7.62), Aurangabad(7.23) and Solapur (7.18) cities than that of all-India level of 6.1 per cent. CPI - UNME for All-India \& all five centres in the State are given in Table No. 39 in Part-II of this publication.

## All-India CPI for Agricultural and Rural Labourers

10.8.3 Labour Bureau, Simla releases CPI for agricultural and rural labourers separately (base year 1986-87) as a monthly series for the country

and for state level. During the year 2007-08 (April to December), the average consumer price indices of agricultural labourers and the rural labourers recorded inflation rate 7.73 and 7.41 per cent respectively. The CPI for agricultural labourers is used for fixation and revision of minimum wages in agriculture sector. CPI for agricultural labourers and rural labourers in All-India and Maharashtra are given in Table No. 40 in Part II of this publication.

## B. Price situation in Maharashtra


10.9 The price situation in the country has its impact on the price behaviour in the State. For assessing the price situation in the State, the Directorate of Economics and Statistics, Government of Maharashtra collects on a regular basis the retail prices of essential commodities and services from selected centres in the urban and the rural areas. On the basis of these prices, monthly Consumer Price Index Numbers (base year 2003) are compiled separately for the urban and rural areas of the State. Weekly price quotations from 68 rural centres are used for CPI for rural Maharashtra and those from 74 urban centres are used for the CPI for urban Maharashtra. It is observed that during 2007-08 (April to December), the inflation rates in urban (7.8) and rural (10.5) areas were higher than the All-India Consumer Price Index for industrial workers (6.2).

## Price behaviour in urban areas of the State

i) During 2007-08, the average Urban

Consumer Price Index (U-CPI) for the period April to December, 2007 was higher by 7.8 per cent than the corresponding average for the previous year.
ii) The U-CPI for December, 2007 (124.54) was higher by 4.6 per cent over that for March, 2007 (119.04). This increase was mainly due to rise in the prices of items like fire wood and electricity charges in the 'fuel, power and light' group. The major groupwise U-CPI and inflation rates for the latest periods are given in Table No.10.3.

## Price behaviour in rural areas of the State

iii) During 2007-08, the average Rural Consumer Price Index (R-CPI) for the period April to December, 2007 was higher by 10.5 per cent than the corresponding average for the previous year.
iv) The R-CPI for December, 2007 (129.12) was higher by 6.8 per cent over that for March, 2007 (120.94). This was mainly due to increase in the prices of commodities like fire wood and electricity charges in the 'fuel, power and light' group. The major groupwise R-CPI and inflation rates for latest periods are given in Table No.10.3.

## CPI for Agricultural and Rural Labourers in Maharashtra

10.9.1 As per the CPI series for agricultural and rural labourers in Maharashtra released by the Labour Bureau, Simla, the average indices for agricultural labourers and rural labourers during the year 2007-08 for the period April to December were lower by 7.87 per cent and 7.35

Table No. 10.3
Groupwise Consumer Price Index Numbers for Urban and Rural Maharashtra

| URBAN |  |  |  |  |  |  |  | RURAL |  |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| Food | $\begin{aligned} & \text { Pan,supari } \\ & \text { and } \\ & \text { tobacco } \end{aligned}$ | Fuel, power and light | Clothing, bedding and footwear | Miscellaneous | All commodities | Inflation rate | Year and month | Food | Pan,supari and tobacco | Fuel, power and light | Clothing, bedding and footwear | Miscellaneous | All commo dities | Inflation rate |
| ( Base Year 2003 ) |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 45.80 | 1.54 | 10.28 | 7.51 | 34.87 | 100.00 | - | Weight | 52.85 | 2.15 | 10.67 | 8.53 | 25.80 | 100.00 | - |
| 105 | 103 | 103 | 102 | 104 | 104 | -- | 2004-05 | 104 | 105 | 103 | 102 | 102 | 104 | - |
| 109 | 107 | 107 | 103 | 107 | 108 | 3.2 | 2005-06 | 109 | 109 | 108 | 103 | 105 | 107 | 3.8 |
| 120 | 112 | 124. | -105 | ${ }^{1} 10$ | 115 | 7.2 | 2006-07 | 118 | 117 | 132 | 105 | 108 | 116 | 7.8 |
| 119 | 112 | , 118 | 104 | 109 | 114 | 5.9 | 2006-07* | 117 | 116 | 125 | 104 | 106 | 114 | 5.9 |
| 128 | 120 | 444 | 106 | 114 | 123 | 7.8 | 2007-08* | 128 | 125 | 161 | 106 | 115 | 126 | 10.5 |
| 123 | 116 | 141 | 106 | 113 | 120 | 10.2 | April, 07 | 122 | 122 | 154 | 106 | 113 | 122 | 12.6 |
| 130 | 123 | 144 | 107 | 116 | 125 | 5.0 | Dec.,07 | 131 | 128 | 170 | 107 | 117 | 129 | 7.3 |

[^18]per cent respectively in both the series over the corresponding period of earlier year.

The major groupwise WPI, CPIs and the inflation rates are given in Table Nos. 36 to 43 in Part II of this publication.

## Civil Supplies

## Public Distribution System

10.10 The Public Distribution System (PDS) was started with the basic objective of providing consumer goods at cheap and subsidised rates to the poor so as to protect them from the impact of rising prices of essential commodities and to maintain the minimum nutrition status of the poor. Maharashtra being a deficit State in foodgrains production, PDS plays a vital role in providing food security to the poor. The requirement of foodgrains is fulfilled by procuring foodgrains from local producers and also from Central Government through various schemes. PDS being a joint collaboration of central and state governments, responsibilities of work under this system are shared by both of them. The central government procures and stores foodgrains and allocates it to the state government, whereas responsibilities like identification of families below poverty line, issuing of ration cards, allotment of commodities, supervision and monitoring function of Fair Price Shops (FPS) lie with the state government.
10.10.1 Since 1957, the state has been playing an active role in supplying foodgrains through Fair Price Shops. Fair Price Shops are opened taking into consideration the convenience of the cardholders and topography of the area. There were 50,083 FPS operating in the state as on 1st October, 2007. In order to keep check on the malpractices of FPS, their regular and surprise inspections are carried out. To increase its effectiveness, these inspections are re-examined by the employees from adjoining tehsils. It is
mandatory for the FPS to 'isplay foodgrain samples, stock position, as well as prices prominently. In November, 2007 state government has taken a decision to give priority to self-help groups while sanctioning new FPS and retail kerosene licenses.
10.10.2 Sky-rocketing prices of land in Greater Mumbai especially in southern part are acting as a major hindrance in establishment of new FPS. To overcome this problem, mobile FPS are started by the state government. The Government of India has sanctioned Rs. 180 lakh for purchasing 33 mobile FPS. These mobile FPS are handed over to co-operative institutions like Marketing Federation, Consumer Federation and Apna Bazar for operation on certain conditions. Of these, 2 mobile FPS have been transferred to Marketing Federation for operation under Door Step Delivery Programme in Akrani and Akkalkuwa talukas of Nandurbar district.
10.10.3 Under PDS, foodgrains are lifted from Food Corporation of India (FCI) godowns and stored in state owned godowns or hired godowns. At present there are 1,024 state owned godowns (storage capacity of 5.92 lakh MT), whereas 195 additional godowns are hired by state government ( 0.96 lakh storage capacity). Of these 1,219 godowns, 1,050 godowns ( 6.17 lakh MT storage capacity) are currently in use, 154 godowns ( 0.63 lakh MT storage capacity) are not in use and 15 godowns ( 0.08 lakh MT storage capacity) are given on rental basis.

## Targeted Public Distribution System

10.11 Targeted Public Distribution System (TPDS) was advocated with the aim of focussing policy towards the vulnerable and poor section of the population. The Government of India has fixed the target of 65.34 lakh beneficiary families based on state's population of March, 2000. The state government has introduced tri-coloured

| Foodgrain requirement of BPL population in Maharashtra |  |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| Food grains | Monthly per capita average requirement of total population ( Kg ) |  | Estimated requirement* of 317.4 lakh BPL population, for a year (Lakh MT) |  |  | Foodgrain allotment by Central Govt. (2006-07)(Lakh MT) |
|  | Rural | Urban | Rural | Urban | Total |  |
| Rice | 3.01 | 2.97 | 6.3 | 5.3 | 11.6 | 12.9 |
| Wheat | 3.62 | 4.55 | 7.5 | 8.1 | 15.6 | 14.5 |
| Jower | 2.58 | 0.95 | 5.4 | 1.7 | - 7.1 | - |
| Bajara | 0.92 | 0.19 | 1.9 | 0.3 | 2.3 | - |

BPL Population is taken from NSSO 61 st round (2004-05)
:* NSS 61st round (2004-05)
supply card scheme w.e.f. 1st May, 1999 to curb the diversion of foodgrains to APL (Above Poverty Line) families under PDS and provide more foodgrains to the needy families. Accordingly, supply cards are issued on the basis of annual income criterion. Under TPDS, every yellow card holder is entitled to get 35 kg of foodgrains (wheat and/or rice) per month. The retail prices of rice and wheat to be supplied to these card holders under this scheme are fixed at Rs. 6 and Rs. 5 per kg respectively, whereas, saffron card holders are provided monthly quantum of 35 kg . of foodgrains at the selling price of Rs. 9.50 per kg for rice and Rs. 7 per kg. for wheat. White card holders are not eligible to get any foodgrain supply under PDS.


## Antyodaya Anna Yojana

10.12 Antyodaya Anna Yojana (AAY) was launched in December, 2000 with the objective of targeting poorest among poor. Under this scheme, initially a target of 10.02 lakh beneficiary families was given to the state. Accordingly, the poorest of the poor households from the BPL are being provided foodgrains such as wheat at Rs. 2 per kg and rice at Rs. 3 per kg w.e.f. 1st May, 2001.

## Extended Antyodaya Anna Yojana

10.13 The Government of India extended the AAY in October, 2003 and additional target of 5.01 lakh beneficiaries was set for the State. Weaker families with widow as family head,
disabled, terminally ill person or person aged above 60 years, as well as all primitive tribal households are included in the priority group of the scheme. Accordingly, the identification of such beneficiaries was completed as per the directions of Government of India and bencfits are being given to them. In the year 2004, the Government of India extended AAY for the second time by adding a target of 4.81 lakh beneficiaries. Landless agricultural labourers, marginal farmers, rural artisans/ craftsmen and daily wage earners in the unorganised sector were added to the priority list. Accordingly, beneficiaries were selected and the target was achieved. In 2005, the Government of India gave third extension to AAY and set additional target of 5.21 lakh beneficiaries. Accordingly, so far 4.80 lakh beneficiaries have been selected and regular benefits are being given to them. Thus under AAY, in all 24.64 lakh families are getting regular benefits till date whereas, remaining 0.41 lakh families are yet to be identified.


## Allotment and off-take of foodgrains

10.14 The Food Corporation of India (FCI) bears the responsibility of procurement of foodgrains and their allocation to the states for distribution under the PDS. Government of India has sanctioned revised allotment since November, 2007. Central government has sanctioned new allotment of 0.41 lakh MT of Bajra and 0.13 lakh MT of maize for the period of December, 2007 to March, 2008. The details of allotment and offtake under AAY, BPL (excluding AAY) and for Above Poverty Line (APL) families are given in Table No. 10.4.

Table No. 10.4
Allotment and off-take of foodgrains under AAY, BPL(Excl. AAY) and APL
(Lakh tonnes)

| Year | Allotment |  | Off-take |  | Percentage |  |
| :--- | ---: | ---: | ---: | ---: | ---: | ---: |
|  | Rice | Wheat | Rice | Wheat Rice | Wheat |  |
| AAY |  |  |  |  |  |  |
| 2006-07 | 4.12 | 4.48 | 3.38 | 3.81 | 82 | 85 |
| 2007-08* | 3.76 | 3.87 | 3.04 | 3.28 | 81 | 85 |
| IBPL (Excl. AAY) |  |  |  |  |  |  |
| 2006-07 | 8.81 | 10.02 | 6.91 | 8.37 | 78 | 84 |
| 2007-08* | 6.25 | 6.48 | 4.93 | 5.76 | 79 | 89 |
| APL |  |  |  |  |  |  |
| 2006-07 | 14.96 | 4.52 | 0.44 | 1.14 | 3 | 25 |
| 2007-08* | 0.26 | 1.14 | 0.23 | 0.78 | 88 | 68 |

lorcentage of off-take is given w.r.t. allotment

* Upto December, 2007




## Annapurna Scheme

10.15 Annapurna scheme is a 100 per cent Centrally Sponsored Scheme launched in 2001. Under this scheme, monthly quantum of 10 kg of foodgrains is provided free of cost to the destitutes of age 65 years and above. This scheme is applicable subject to the condition that the person should not be in reccipt of pension under the national old age pension scheme or state pension scheme. Under this scheme $1,20,145$ eligible beneficiaries have been identified and foodgrains are being distributed to them regularly. The Government of India has released $14,400 \mathrm{MT}$ of foodgrains during 2007-08 for Annapurna beneficiaries.

## Navsanjivan Yojana

10.16 Navsanjivan yojana is being implemented in the state since 1995 in tribal areas especially in flood affected villages during the course of rainy season. The Government through this scheme provides additional quota of foodgrains to the fair price shopkeepers to fulfill the demands of card holders during the entire course of rainy season. Temporary godown facility is also provided in such villages.

## Door Step Delivery Scheme

10.17 This scheme is being implemented in tribal areas and Drought Prone Area Programme (DPAP) areas wherein the commodities are transported from government godowns upto door step of FPS by government vehicles at government cost. At present, 5,673 FPS in Integrated Tribal Development Project (ITDP) areas are covered by 162 vehicles and 7,009 FPS in DPAP areas are covered by 90 vehicles. In tribal areas, this scheme is being implemented through the Maharashtra State Co-operative Tribal Development Corporation Limited, while in DPAP areas, it is implemented through Maharashtra State Cooperative Marketing Federation Limited.

## Revised Village Grain Bank Scheme

10.18 In some chronically food scarce areas like drought / natural calamity prone areas, tribal areas and inaccessible hilly areas of 106 tehsils from 21 districts of the state, 1,111 grain banks are to be established under this scheme. The main objective of this scheme is to provide safeguard against starvation during the period of natural calamity or during lean season when the marginalized and food insecure households do not have sufficient resources to purchase rations.

In such situation, needy people will be able to borrow foodgrains from village grain banks set up within the village. Central government has sanctioned Rs. 6.19 crore for this scheme. Out of the 1,111 village grain banks, 1,040 grain banks have been set up and 20,160 MT foodgrains have been distributed under this scheme till the end of December, 2007.

## Computerisation of Ration Cards

10.19 To avoid malpractices and misuse of ration cards, the state government has started computerisation of ration cards. As a part of this programme, bogus ration card detection drive has been launched.

## Bogus Ration Card Detection Drive

10.20 The state government has launched a special detection drive to weed out ineligible and bogus ration cards in 2005. This scheme is to be executed in three phases. All municipal corporations and district headquarters are to be covered in the first phase. All municipal council areas and all revenue villages / Grampanchayats are to be covered in the second and third phase respectively. Under this scheme, till 28 June, 2007 total number of ration cards varified was 222.54 lakh. Out of these, 177.69 lakh ( 79.85 per cent) supply cards are valid, whereas 44.85 lakh (20.15 per cent) supply cards are temporarily cancelled on the basis of not providing proof or not filling up the prescribed form.

## Levy Sugar

10.21 In 1979, sugar has been brought under partial control. Since 1st March, 2002, Government of India has fixed the ratio of sugar to be sold in open market and levy sugar as 9:1 of the total sugar production. Levy sugar thus collected is being supplied to the BPL families through PDS. In 2006-07, total allotment of sugar was 10.82 lakh quintals, whereas lifting was 5.42 lakh quintals ( 50.09 per cent). In 2007-08 till November, 2007, total allotment was 11.61
lakh quintals, whereas lifting was only 0.58 lakh quintals ( 4.96 per cent). Major reason of this is declining gap between PDS and market prices. Sugar is supplied to BPL cardholders at the rate of Rs. 13.50 per kg.

## Kerosene

10.22 As kerosene is a major mean of fuel, its prices affects the purchasing ability of the poor to a great extent. Taking this into consideration, central government has adopted a policy of subsidising kerosene. In the year 2006-07, demand for kerosene was 20.28 lakh KL, whereas its allotment was 16.41 lakh KL (i.e. 80.92 per cent). In the year 2007-08 till November, 2007, demand for kerosene was 13.52 lakh KL , whereas allotment of kerosene was 10.94 lakh KL (i.e. 80.92 per cent).

## Food subsidy

10.23 The subsidy provided for supply of foodgrains through PDS, the cost of maintaining the buffer stock and the difference between procurement prices \& issue prices borne by the state government is collectively called as 'Food subsidy'. Food subsidy and its percentage to the revenue expenditure of the state government is shown in Table No. 10.5.

Table No. 10.5
Food subsidy and its percentage to revenue expenditure

| Year | Food <br> subsidy | Revenue <br> expenditure. | Percentage |
| :--- | ---: | :---: | :--- |
| $2002-03$ | 59.69 | 40,475 | 0.15 |
| $2003-04$ | 109.40 | 42,680 | 0.26 |
| $2004-05$ | 125.04 | 51,047 | 0.24 |
| $2005-06$ | 128.17 | 52,280 | 0.25 |
| $2006-07$ (R.E.) | 206.25 | 63,460 | 0.32 |
| $2007-08$ (B.E.) | 191.20 | 67,788 | 0.28 |

Percentage of food subsidy is given w.r. Revente Expenditure.

## POPULATION


11.1 Population of Maharashtra as per the Population Census-2001 was 9.69 crore, contributing 9.4 per cent of the then total population ( 102.86 crore) of India. As on 1st March 2008, the projected population of Maharashtra is 10.80 crore and that of India is 114.47 crore. In respect of population, Maharashtra is the second largest state in India after Uttar Pradesh. Details of population and literacy in Maharashtra and in India for the Censuses 1951 onwards are given Table No. 11.1
Salient features of population in Maharshtra and India - Census 2001

| Item |  |  |
| :--- | ---: | ---: |
| Population (In Crore) |  |  |
| Total Persons |  |  |
| Males | 9.69 | 102.86 |
| Females | 4.65 | 53.22 |
| Rural Persons | 5.58 | 74.64 |
| Males | 2.85 | 38.16 |
| Females | 2.73 | 36.09 |
| Urban Persons | 4.11 | 28.61 |
| Males | 2.19 | 15.05 |
| Females | 1.92 | 13.56 |
| Decadal percentage growth | 22.7 | 21.5 |
| (1991-2001) | 3.08 | 32.87 |
| Area (In lakh sq.km.) | 315 | 313 |
| Population Density (Per sq.km.) | 933 |  |
| Sex ratio (Females per 000' males) | 922 | 27.8 |
| Urban population (\%) | 42.4 | 64.8 |
| Literacy (\%) (7 years \& above) | 76.9 | 6.8 |
| Scheduled Castes |  |  |
| Population (In crore) | 0.99 | 16.66 |
| Percentage proportion | 10.2 | 16.2 |
| Sex ratio (Females per 000' males) | 952 | 936 |
| Urban population (\%) | 38.3 | 20.18 |
| Literacy (\%) (7 years \& above) | 71.9 | 54.7 |
| Scheduled Tribes |  |  |
| Population (In crore) | 0.86 | 8.43 |
| Percentage proportion | 8.9 | 8.2 |
| Sex ratio (Females per 000' males) | 973 | 978 |
| Urban population (\%) | 12.7 | 8.29 |
| Literacy (\%) (7 years \& above) | 55.2 | 47.1 |

in Table No. 46 and details of rural and urban population etc. of Maharashtra since the 1901 censuses are given in Table No. 47 of part-II of this publication.
11.2 The salient features of population of Maharashtra and India according to the Population Census-2001 are shown in Table No.11.1.

11.3 During the decade 1991-2001, the population growth in Maharashtra was 22.7 per cent (compound annual growth rate 2.07 per cent), less as compared to that of 25.7 per cent in the earlier decade. The decadal population growth rate of Maharashtra during the last four decades remained higher than that for India, except for the 1971-81 decade. In-migration is one of the major reasons for the high population growth rate of the state. The details are shown in Table No.11.2.

Table No. 11.2
Decadal growth rates of population for Maharashtra and India

| Decade | Decadal percentage increase <br> in population |  |
| :---: | :---: | :---: |
|  | Maharashtra | India |
| $1961-71$ | 27.45 | 24.80 |
| $1971-81$ | 24.54 | 25.00 |
| $1981-91$ | 25.73 | 23.85 |
| $1991-2001$ | 22.73 | 21.54 |

11.4 The decadal population growth rates for rural and urban areas in the state indicate that the population growth rate in urban areas is almost double or more than that in rural areas. The decadal growth rate indicates decreasing trend in the last four decades except for 1981-91.


Population : Rural and Urban
11.5 As per the Population Census-2001, the rural population of the State living in inhabited 41,095 villages was 57.6 per cent and urban population was 42.4 per cent of the total population. The percentage of urban population in the state was much higher than that for AllIndia (27.8 per cent) and it had substantially increased from 38.7 per cent in 1991. In respect

of the proportion of urban population, the State stands second amongst the major states in the country after Tamil Nadu ( 44.0 per cent).

## Sex Ratio

11.6 In Maharashtra State, sex ratio (No.of females per thousand males) declined to all time low at 922 in 2001 from 934 in 1991. As there is improvement in the sex ratio at the national level, the decline in the State is a cause of concern. The sex ratio in rural areas of the State remained higher than that for the urban areas through out the last four decades.


## Population by Age Group

11.7 The age-groupwise percentage classification of population in the State as per 1991 and 2001 censuses is shown in Table No. 11.3.

Table No. 11.3
Age-groupwise population with sex ratio

| Age group <br> (In years) | Population percentage |  |  | Sex ratio |  |
| :--- | ---: | ---: | ---: | ---: | ---: |
|  | 1991 | 2001 |  | 1991 | 2001 |
| $0-6$ | 17.10 | 14.11 |  | 945 | 913 |
| $7-14$ | 18.50 | 17.99 |  | 933 | 918 |
| $15-49$ | 50.36 | 52.73 |  | 922 | 893 |
| $50-59$ | 6.65 | 6.32 |  | 914 | 922 |
| $60+$ | 6.98 | 8.73 | 1,018 | 1,150 |  |
| Age not stated | 0.40 | 0.12 | 831 | 797 |  |
| Total | 100.0 | 100.0 | 934 | 922 |  |
|  | $(7.89)$ | $(9.69)$ |  |  |  |

[^19]

## 'hild Sex Ratio

11 \& The age spectice ser mation indiente then there was diastic reduction in the sex ratio for the age group of 6 yoars which is a cions: of concern.

## Likeracy

11.9 The literacy rates for males and females in the rural and urban areas of the state are given in Table No. 1P.4. The literacy rate of population (age 7 years $;$ ) has improved from 61.9 per cent in 1991 to 76.9 per cent in 2001. This rise of 12.0 percentage points was the neximum rise during the last four decades.

Table No. 11.4
Literacy rates in Maharashtra
(Perceni)

| Area | Persons | Males | Females |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| Census 2001 |  |  |  |
| $\quad$ Total | 76.9 | 86.0 | 67.0 |
| Rural | 70.4 | 81.9 | 58.4 |
| Chban | 85.5 | 91.0 | 79.1 |
| Consus 1901 |  |  |  |
| $\quad$ Total | 64.9 | 76.6 | 52.3 |
| Rural | 555 | 69.7 | 41.0 |
| Urban | .9 .2 | 86.4 | 70.9 |

11.10 The latest estimates on literacy available through the first two sub-rounds jJuly-December, 2007) of NSS 64th round (July, 2007 -June,2008) reveal that the literacy bercentages for total persons, males and females have been increased to 78.2 per cent, 86.2 per pent and 69.3 per cont respectively.
11.1. Jahamatita has akwas remained much above the mational average in literacy performance. Among the major states in India, as per Consus-2001, Maharashtra ranked second in respect of literacy rate after Kerala (90.9 per cent).

| States having literacy | rates above |  |
| :---: | :---: | :---: |
| national average- Census-2001 |  |  |
| Kcrala | - | 90.9 |
| Maharashtra | - | 76.9 |
| Tamil Nadu | - | 73.5 |
| Punjab | - | 69.7 |
| Gujarat | - | 69.1 |
| Karnataka | - | 66.6 |
| All India | - | $\mathbf{6 4 . 8}$ |

11.12 Though the State has registered an impressive growth in literacy, still there were 192 lakh illiterace persons in the State, of which, about 16 lakh persons belonged to the age group 7-15 years, and out of the total illiterates, 132 lakh were females.

## Educational Levels

11.13 The details about the educational levels attained by the total 639.66 lakh literates in the State are given in Table No.11.5, which shows that 47.45 per cent of the total literate persons had completed Matric / S.S.C. / Secondary and higher level of education.

Table No. 11.5
Educational levels attained by the literates in the State

| Educational level completed | Persons | Males | Females |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| Literate without formal education | $\begin{gathered} 12.62 \\ (1.97) \end{gathered}$ | $\begin{array}{r} 7.19 \\ (56.98) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 5.43 \\ (43.02) \end{array}$ |
| Below primary | $\begin{aligned} & 160.72 \\ & (25.13) \end{aligned}$ | $\begin{array}{r} 86.73 \\ (53.96) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 73.99 \\ (46.04) \end{array}$ |
| Primary | $\begin{gathered} 162.78 \\ (25.45) \end{gathered}$ | $\begin{gathered} 85.64 \\ (52.61) \end{gathered}$ | $\begin{array}{r} 77.14 \\ (47.39) \end{array}$ |
| Matric/S.S.C./ <br> Secondary | $\begin{gathered} 200.24 \\ (31.30) \end{gathered}$ | $\begin{gathered} 123.88 \\ (61.87) \end{gathered}$ | $\begin{array}{r} 76.36 \\ (38.13) \end{array}$ |
| Higher Secondary | $\begin{gathered} 49.65 \\ (7.76) \end{gathered}$ | $\begin{array}{r} 32.51 \\ (65.48) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 17.14 \\ (34.52) \end{array}$ |
| Diploma/Certificate | $\begin{array}{r} 4.79 \\ (0.75) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 4.14 \\ (86.35) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 0.65 \\ (13.65) \end{array}$ |
| Graduation and above | $\begin{array}{r} 48.86 \\ (7.64) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 31.76 \\ (65.00) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 17.10 \\ (35.00) \\ \hline \end{array}$ |
| Total | $\begin{gathered} 639.66 \\ (100) \end{gathered}$ | $\begin{gathered} 371.85 \\ (58.13) \end{gathered}$ | $\begin{aligned} & 267.81 \\ & (41.87) \end{aligned}$ |

(Figures in brackets indicate percentage to total.)

## Fertility Rates

11.14 Based on the Population Census-2001, the Total Fertility Rate (TFR) of the women in Maharashtra was 2.23 , much less as compared to that for All-India at 2.52. The TFR for Scheduled Castes (2.42) was slightly more than the state average (2.23) and that for Scheduled Tribes, it was still much higher (3.14).

## Life Expectancy at Birth

11.15 According to the Population Census2001, the life expectancy in Maharashtra at birth was 69.6 years. It was the highest in Pune district ( 74.0 years) and the lowest in Gadchiroli district ( 62.7 years).

## Migration

11.16 According to the Population Census2001, among the population of 9.69 crore of Maharashtra, 32.32 lakh persons ( 3.34 per cent) were in-migrants from other states in India and in addition, 0.48 lakh persons ( 0.05 per cent) were in-migrants from other countries during the 1991-2001 decade. Out of the 32.32 lakh in-migrants from other states, large number of in-migrants were from Uttar Pradesh ( 28.5 per cent), followed by Karnataka ( 14.7 per cent), Madhya Pradesh ( 8.5 per cent), Gujarat ( 7.6 per cent), Bihar ( 7.1 per cent) and Andhra Pradesh (6.0 per cent).
11.17 The net addition in the State's population in 1991-2001 decade was 1.80 crore, of which 32.80 lakh ( 18.2 per cent) were in-migrants. The number of out-migrants was 8.97 lakh, thus the net in-migrants in the Sitate were 23.83 lakh. On the contrary, considering the natural growth of population in the State, the difference betwcen Crude Birth Rate (CBR) and Crude Death Rate (CDR) from Sample Registration Scheme for the period 1991 to 2000 works out to 1.7 per cent per annum indicating about 42 lakh net in-migrants in the State during the decade 1991-2001. Thus the net number of in-migrants in the State as reported by the Census-2001 seems to be at much lower lewel.

## Birth rate, Death rate and Infant Mortality rate

11.18 The birth rate, death rate and infant mortality rate for Maharashtra, based on Sample Registration Scheme (SRS), for the year 2006 were 18.5, 6.7 and 35 respectively. These rates were much less than that for India, which were 23.5, 7.5 and 57 respectively. Detailed information for Maharashtra and India is given in Table No. 48 of part II.
11.19 Maharashtra State has always remained on the fore-front in implememting various family welfare programmes. However, the population of the State is multiplied by 2.5 times between 1961 to 2001. As a popullation control measure, the targets set by the Government are given in Table No.11.6. With rigorous implementation of the health programme, the State may achicve the targets as envisaged in the population policy.

Table No. 11.6
Targets set under new population policy
for Maharashtra

| Indicator | Revised Target by 2010 | Achievement by 2006 |
| :---: | :---: | :---: |
| Crude Birth Rate* | 15 | 18.5 |
| Crude Death Rate * | 5 | 6.7 |
| Total Fertility Rate \# | 2.0 | 2.1 |
| Infant Mortality Rate ${ }^{\text {e }}$ | 25 | 35 |
| Neo-natal Mortality Rate ${ }^{\text {c }}$ | © 20 | 26 ¢ |

* Crude Birth Rate and Crude Death Rate are per thousand population.
\# Total Fertility Rate is per female in reproductive age group of 15 to 49 years.
$\dagger$ Based on National Family IIcalth Survey-III.
$\dagger \dagger$ For 2004
© Infant Mortality Rate and Neo-natal Mortality Rate ard per thousand live births.


# EMPLOYMENT, POVERTY ERADICATION AND HUMAN DEVELOPMENT INDICATORS 

## Employment

Employment estimates

12.1 These estimates are based on state sample under National Sample Survey (NSS) 50th, 55th and 61th round conducted during 1993-94, 1999 -2000 and 2004-05 respectively. The latest state sample data of NSS $61^{\text {st }}$ round shows an increasing trend in employment growth rate, whereas, in earlier periods it had showed a declining trend. Employment growth had been estimated to have increased from an annual average rate of 0.52 per cent in the period 199394 to 1999-2000 to 3.35 per cent in the period 1999-2000 to 2004-05. There was also a sharp increase in the annual average growth rate of additional of the labour force from 0.66 per cent in the first period to 3.36 per cent in the second period. The distinct upswing in employment has translated into additional 66 lakh new jobs during 2000-2005, of which, 29 lakh were from agricultural sector. During 2004-05 agriculture continued to account for the largest share in employment at 56 per cent; services were second at 28.5 per cent while share of manufacturing was at 10.6 per cent.
12.2 Sectorwise employment as per various NSS rounds is shown in Table No. 12.1.
12.3 The percentage distribution of workers in the State as per 1991 and 2001 censuses is presented in Table No. 12.2.
12.4 The proportion of workers in agriculture and other agricultural activities was 62.1 per cent in 1991 whereas it has been reduced to 55 per cent in 2001. The proportion of 'workers in other sector' increased from 36.2 per cent to 42.4 per cent. This may indicate that, there was a shift of workforce from agriculture to other sectors in the last decade.

Table No. 12.1
Employment in various sectors
(In lakh)

| Sectors | $1993-94$ | $1999-2000$ | $2004-05$ |
| :--- | ---: | ---: | ---: |
| Agriculture, | 223.8 | 213.0 | 242.0 |
| forestry \& fishing | $(63.0)$ | $(58.2)$ | $(56.0)$ |
| Mining \& quarrying | 1.0 | 1.4 | 1.3 |
|  | $(0.3)$ | $(0.4)$ | $(0.3)$ |
| Manufacturing | 36.6 | 38.2 | 45.8 |
|  | $(10.3)$ | $(10.4)$ | $(10.6)$ |
| Electricity, Gas \& | 1.4 | 1.2 | 0.8 |
| Water Supply | $(0.4)$ | $(0.3)$ | $(0.2)$ |
| Construction | 13.5 | 16.8 | 19.0 |
|  | $(3.8)$ | $(4.6)$ | $(4.4)$ |
|  | 25.6 | 36.8 | 50.6 |
| Trade, hotels \& | $(7.2)$ | $(10.1)$ | $(11.7)$ |
| restaurant | 11.4 | 14.1 | 19.4 |
| Transport, storage \& | $13.2)$ | $(3.8)$ | $(4.5)$ |
| communication | $(3.2 .6$ | 7.8 | 12.0 |
| Financing, insurance, | 5.6 | $(2.1)$ | $(2.8)$ |
| real estate and | $(1.6)$ |  |  |
| business services |  | 37.0 | 41.1 |
| Community, social \& | 36.2 | $(10.1)$ | $(9.5)$ |
| personal services | $(10.2)$ | $(10.0$ |  |
| Total employment | 355.1 | 366.3 | .432 .0 |
|  | $(100.0)$ | $(100.0)$ | $(100.0)$ |

Note : 1. Figures in brackets denote percentage to total employment.
2. The figures are derived from the State sample data of NSS $50^{\text {th }}, 55^{\text {th }} \& 61^{\text {tt }}$ Round.

## Table No. 12.2 <br> Percentage distribution of workers as per 1991 and 2001 censuses

| Class of workers | 1991 | 2001 |
| :--- | ---: | ---: |
| Cultivators | 34.0 | 28.7 |
| Agricultural labourers | 28.1 | 26.3 |
| Household Industry ${ }^{*}$ | 1.7 | 2.6 |
| Other sectors | 36.2 | 42.4 |
| Total | 100.0 | 100.0 |
| Total workers | 3.39 | 4.12 |
| $\quad$ (In crore) |  |  |

* This relates to production, processing, servicing, reparing and making or selling of goods in household industry.


## Factory Employment

12.5 The factories with power and employing 10 or more workers and those without power employing 20 or more workers in manufacturing process are registered under sections $2 \mathrm{~m}(\mathrm{i})$ and 2 m (ii) respectively, while the factories with power and employing less than 10 workers and those without power employing less than 20 workers are registered under section 85 of the Factories Act, 1948. The employment in these factories is covered under factory employment. The average daily factory employment in the State was 12.81 lakh in 2006 as against 12.58 lakh in 2005. The proportion of female workers in the total factory employment has remained almost the same (at 7 per cent) during 2006 as in the earlier year. The proportion of the factory employment during 2006 in the consumer goods industries, intermediate goods industries and capital goods industries was 33.0 per cent, 32.1 per cent and 26.8 per cent respectively. Although the share of the textiles industry in the factory employment is reducing over the years, it is still on the first position in all the industry divisions with 14.8 per cent of the total factory employment. It is observed that the proportion of factories employing less than 50 workers was 83 per cent with 29 per cent share in the total factory employment. The details of the factory employment in the State are presented in the Table Nos. 50, 51 and 52 of Part II of this publication.


Newiy megisiened lactories
13,6 The number of factories newly registered under the Factories Act, 1948 was 1,208 in 2006 as against 1,652 in 2005 . The employment opportunities in these newly registered factories in 2006 were about 90 thousand as against ? thousand in 2005. During 2006, amongst the newly registered factories, 45 per cent factories were omploying 50 or more workers as against 28 per cent factorios in 2005 . The employment generated by these newly registered factoric: was mainly in the following types of industries: (i) Fabricated metal products (11.6 per ceni) (ii) Trextiles ( 10.2 per cent, (iii) Basie motals 6 a per cont), (iv) Chemicals (7.2 per cent) and (v) Food products (4.1 per cont:

## Employment Market Information Programme

12.7 The information about the number of establishments in public and private sectors and employment therein is collected quarterly under Employment Market Information ( $\mathbb{E M I}$ ) programme. Under this programme, lata on employment is collected on regular basis from public and private sector establishments, those employing 25 or more employees in Greater Mumbai and 10 or more employces in the rest of the Statc.

12.8 The total employment in the public and private sector establishments reported under EMI programme as on 31st March, 2007 was 37.5 lakh (in public sector 21.8 lakh and in private sector 15.7 lakh) which was more by 3.9 per cent than that of 36.1 lakh reported as on 31st March, 2006. Of the total employment reported under EMI at the end of March, 2007, female percentage was 17 . Of the 21.8 lakh employment in the public sector as at the end of March, 2007, the share of local bodies was maximum at 31 per cent and share of Quasi-State Government was lowest at 10 per cent.


## Employment in the State Government and

 Local Bodies12.9 As per the Census of Government Employees, 2005, the total number of regular and other employees in State Government and local

Table No. 12.3
Employees in State Government and Local Bodies as on $1^{\text {st }}$ July, 2005

| Category | Regular | Others@ | TotalOf which, <br> females <br> percentage |  |
| :--- | ---: | ---: | ---: | ---: |
| State Govt. | 5.25 | 0.78 | 6.03 | 17 |
| Z.Ps. (33) | 3.02 | 1.42 | 4.44 | 46 |
| M. Councils (222) | 0.53 | 0.04 | 0.57 | 26 |
| M.Corpns.**(21) | 1.26 | - | 1.26 | 28 |
| Total | 10.06 | 2.24 | 12.30 | 29 |

[^20]bodies was 12.30 lakh, of which 6.03 lakh employees were in the State Government, 4.44 lakh in Zilla Parishads, 0.57 lakh in Municipal Councils and1.26 lakh in Municipal Corporations (excluding Greator Mumbai). The details are given in Table No. 12.3.

## Employment and Self-Employment Guidance Centres

12.10 The trend in number of persons newly registered in the Employment and SelfEmployment Guidance Centres (ESGC) in the State during the last 15 years is shown in the graph. The data about registrations, vacancies notified and placements effected are given in Table No. 53 of Part - II.

12.11 The number of persons on the Live Register of Employment and Self-Employment Guidance Centres as at the end of December, 2007 is given in the Table No. 54 of Part-II.
12.12 The anti-poverty programmes have been strengthened in order to generate additional employment, create productive assets, impart technical and entrepreneurial skills and raise income level of the poor. The government was long realised that employment intensive growth can only make continued poverty reduction possible and the EGS was the outcome of this. Apart from EGS, other major poverty alleviation and employment generation programmes implemented in the State are Sampoorna Gramin Rojgar Yojana (SGRY), National Rural Employment Guarantee Scheme, Swarna Jayanti Gram Swarojgar Yojana, Swarna Jayanti Shahari Rojgar Yojana and Prime Minister's Rojgar Yojana.

State Sponsored Employment Schemes/ Programmes

## (1) Employment Guarantee Scheme

12.13 The Employment Guarantee Scheme (EGS) is being implemented in the State since 1972. The fundamental objective of the scheme is to provide gainful and productive employment to the people who are in need of work and are prepared to do unskilled manual work, on the principle of 'Work on Demand' in the rural areas and in the areas of ' C ' class municipal councils. Data regarding number of works, persondays provided and expenditure incurred under EGS for the latest periods are given in Table No.12.4.

Table No. 12.4
Number of works, persondays and expenditure incurred under EGS

| Year | No. of works completed (Ending March) | Personday provided <br> ) (Crore) | Expenditure incurred (Rs. in crore) |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| 2002-03 | 42,500 | 15.5 | 889 |
| 2003-04 | 68,782 | 18.5 | 1,051 |
| 2004-05 | 74,724 | 22.2 | 1,259 |
| 2005-06 | 20,722 | 16.9 | 983 |
| 2006-07 | 12,336 | 4.7 | 640 |

During 2006-07, work of 4.7 crore persondays was provided under EGS as against 16.9 crore persondays provided during 2005-06. The average per day labour attendance under EGS during 2005-06 and 2006-07 was 2.3 lakh and 1.3 lakh respectively. Of the completed works during 2006-07 under EGS, soil conservation and land development works together accounted for 32 per cent and irrigation works also accounted 32 per cent. It appears that employment so provided and expenditure incurred under EGS is reducing during last two years. This may be due to the introduction of similar scheme viz. National Rural Employment Guarantee Scheme (NREGS) by Government of India. In near future, it envisages that NREGS is likely to be introduced in all districts in the state. Therefore, it has become necessary to review the present structure of the EGS scheme whether to continue it in the same format or change according to the need. Information about categorywise number of works and expenditure incurred thereon under the EGS in Maharashtra State is given in the Table No. 55 of Part-II.

## (2) Employment Promotion Programme

12.14 Under this programme, groups of educated unemployed who are registered in ESGCs are given training for acquisition/ upgradation of skills for enabling them to secure employment. The number of candidates placed under training during $2006-07$ was 9,670 as against 8,456 during 2005-06. The number of trainees who completed training during 2006-07 was 4,842 as against 6,206 during $2005-06$. Of the trained candidates, the number of candidates absorbed in various jobs during 2006-07 was 1015 as against 1,232 absorbed in the previous year. The number of candidates placed under training during 2007-08 up to the end of December was 7,467 of which 1,095 ( 14.7 per cent) were females, as compared to the 7,352 candidates placed under training during the corresponding period of the previous year, of which 408 candidates ( 5.5 per cent) were females.

## (3) Seed Money Assistance Programme

12.15 Under this programme, the educated unemployed who are domiciled in Maharashtra and have passed minimum standard-VII or are ITI trained are given 'Seed Money Assistance' to the exteat of 15 per cent of the project cost, subject to e limit of Rs. 3.75 lakh for project cost upto Rs. 28 lath. Under this programme, during 200607, Rs.5.5 crore were given as assistance to 1,291 beneficiaries. During April to December, 2007, assistance of Rs. 3.3 crore was given to 599 beneficiaries as against Rs. 2.5 crore given as assistance to 560 beneficiaries during corresponding period of the previous year.

## (4) Apprenticeship Training Programme

12.16 Under this programmes the number of apprentices undergoing training in various trades during the academic year 2007-08 (July to June) is 33.5 thousand, which is 7.0 per cent more than apprentices ( 31.3 thousand) having undergone training during the previous academic year.

## (5) Entrepreneurial Development Training Programme

12.17 The programme intends to motivate and train the educated unemployed youths to take up self-employment. Training programmes are arranged by the Maharashtra Centre for Entrepreneurship Development (MCED) and other non-government institutions approved by Directorate of Industries. Under this programme,
during 2006-07, the number of youths trained was 26,218 and the number of youths trained during 2007-08 up to the end of December was 11,680.

## Centrally Sponsored Employment Programmes

## (1) Sampoorna Gramin Rojgar Yojana

12.18 In Maharashtra State, this scheme was being implemented since January, 2002 in all the districts (except Greater Mumbai). However, in the year 2006-07 and 2007-08, 12 and 6 districts respectively have been transferred to National Rural Employment Guarantee Scheme. Currently this scheme is implemented in remaining 15 districts only.
12.19 The primary objective of the scheme is to provide additional employment in all rural areas for providing food security and also to improve nutritional level of the poor masses. The secondary objective is to create durable community, social and economic assets and infrastructural development in rural areas. Cash component of the expenditure of the scheme is borne between Central and the State Government in the ratio 75:25. The cost of kind component (foodgrains) is borne 100 per cent by the Government of India. Under this scheme, 5 Kg of foodgrains (wheat/rice) is made available per personday to the workers at a rate of Rs. 5 per Kg . for wheat and Rs. 6 per Kg . for rice. The remaining wages are paid in cash after deducting the cost of foodgrains. The scheme is implemented by Zilla Parishads, Panchayat Samitis and Gram Panchayat.
12.20 Under this scheme during 2006-07, employment of 4.5 crore persondays was provided, against 6.6 crore persondays provided during 2005-06. During 2007-08, by the end of November, an amount of Rs. 193.5 crore was made available (including unspent balance of Rs. 8.56 crore of the last year) against which an expenditure of Rs. 136.06 crore was incurred and/ employment of 1.37 crore persondays was provided.

## (2) National Rural Employment Guarantee Scheme

12.21 The Centrally sponsored National Rurad Employment Guarantee Scheme in the $I^{\text {st }}$ phase is
being implemented since February, 2006 in rural areas of 12 districts of Maharashtra. In the II ${ }^{\text {n"d }}$ phase this scheme was introduced in six more districts namely Thane, Osmanabad, Buldhana, Akola, Washim and Wardha. Under this programme, $32,30,657$ families have been registered and $28,86,893$ job cards are issued upto November, 2007. Employment has been provided to $6,22,743$ families. Since inception of the scheme an expenditure of Rs. 262.73 crore was incurred and 2.88 crore persondays are generated upto November 2007.

## (3) Swarnajayanti Gram Swarojgar Yojana

12.22 Swarnajayanti Gram Swarojgar Yojana (SGSY) has been started in the state im April 1999. This scheme intends to bring the assisted poor families above the poverty line within three ycars by providing them income generating assets through a mix of bank credit and Government subsidy. The financial pattern of this scheme is $75: 25$ basis between Central and State Government. Under this programme, either individuals or Self Help Groups (SHGs) are given assistance. This programme lays more emphasis on group approach, under which the rural poor are organised into Self Help Groups. The bencficiaries are known as Swarojgaries under this programme. Ender SGSY during 2006-07, subsidy of Rs. 81.09 crore and credit of Rs. 144.43 crore was disbursed to 84,707 swarojgaries (individuals and SHGs). During 2007-08 by the end of December, 2007 a subsidy of Rs. 46.24 crore and credit of Rs. 86.22 crore was disbursed to 49,054 swarojgaries as against the subsidy of Rs. 38.01 crore and credit of Rs. 66.80 crore disbursed to 39,273 swarojgaries during the corresponding period of the previous year. During 2006-07, out of the 84,707 swarojgaries, 70,356 swarojgaries ( 83 per cent) were females. The female component remained the same during 2007-08 by the end of December.
12.23 During 2006:07, out of the total 84,707 swarojgaries, 76,458 were from 7,345 SHGs. During 2006-07, the proportion of female swarojgaries in SHG to total swarojgaries was 89 per cent, which was 83 per cent during current year upto December, 2007. The details of subsidy and credit given to SHG swarojgaries are given in Table No. 12.5.

Table No. 12.5
Subsidy and credit given to SHGs under SGSY

| Year | SFFGs <br> Assisted <br> (No.) | SHG <br> Swaroj- <br> garies <br> (No.) | Subsidy <br> (Rs.in <br> crore) | Credit <br> (Rs.in <br> crore) |
| :--- | :---: | :---: | :---: | :---: |
| $2003-04$ | 4,266 | 45,074 | 44.24 | 66.79 |
| $2004-05$ | 5,603 | 59,194 | 69.55 | 110.58 |
| $2005-06$ | 6,191 | 65,239 | 59.56 | 96.46 |
| $2006-07$ | 7,345 | 76,458 | 71.01 | 122.49 |
| $2007-08^{*}$ | 4,224 | 44,227 | 40.40 | 73.40 |

* Upto the end of December, 2007


## (4) Sivarnajayanti Shahari Rojgar Yojana(SSRY)

12.24 The Swarnajayanti Shahari Rojgar Yojana has been started by the Central Government in December 1997, replacing three schemes viz. Nehru Rojgar Yojana, Urban Basic Services for Poor and Prime Minister's Integratcd Urban Poverty Eradication Programme. The Central and the State Government provide the funds to the scheme in the ratio of $75: 25$. This scheme secks to provide employment to the urban unemployed or underemployed living Below Poverty Line and educated minimum upto standard-IX by encouraging them for setting up self-employment ventures or by providing wage employment. This scheme comprises of two subschemes viz. Urban Self Employment Programme (USEP) and Urban Wage Employment Programme (UWEP).
12.25 The progress of scheme during 2006-07 and 2007-08 (upto Sept.) is given in table No.12.6.

Table No. 12.6

## Beneficiaries and expenditure incurred under SSRY

(Rs. crore)

|  | 2006-07 |  | 2007-08 (upto Sept.) |  |
| :--- | :---: | :---: | :---: | :---: |
| Progranme | No. of <br> benefi- <br> ciarics | Expen- <br> diture | No. of <br> benefi- <br> ciaries | Expen- <br> diture |
| Urban self- <br> employment | 2,918 | 1.14 | 327 | 0.15 |
| Training of | 17,192 | 4.88 | 5,355 | 1.67 |
| Self-cmployment <br> Urban wage <br> employment <br> $7,000^{*}$ | 2.96 | $7,000^{*}$ | 0.57 |  |

* Persondays


## (5) Prime Minister's Rojgar Yojana

12.26 The Prime Minister's Rogra- Yojana (PMRY) is implemented both in the uban and rural areas of the State since 1993 with a viow to provide self employment to the educated unemployed youths. Any person between the age group of 18 to 35 years (SC/ST, ex-servicemen, handicapped and women have age rlaxation upto 10 years), Villth passed or I.T.I. passed or having undergone Govermment iechnical course for 6 months and permanent resdent of Maharashtra for at least last threc yzars and whose annual income is upto Rs. $1,00,000$ per annum is eligible for assistance. For business activity, Rs. 2 lakh and for industry anc service, Rs. 5 lakh as project cost is provided under this scheme. If two or more cligible persons join together in partnership, Rs. 10.00 lakh es project cost is provided under this schenc. The Government of India provides subsidy 15 per cent of the project cost, subject to a ceiling of Rs. 12,500 per entrepreneur. An entrepreneur is required to contribute between 5 to 16.25 per cent of the project cost as margin money. The balanee is to be sanctioned as loan by the banks During 2006-07, Rs. 197.92 crore loan was sanctioned by banks to about 36,750 beneficiaries and during $2007-08$ by the end of December, Rs. 99.29 crore loan was sanctioned to 15,602 beneficiaries. The performance of centrally sponsored employment programmes implemented in Maharashtra State is given in Table No. 56 of Part-II.

## Industrial Relations

12.27 The number of work stoppages (strike:s and lockouts) decreased from 23 during the period of January to December 2006 to $2 \%$ during January to December 2007. The number of workers $(6,088)$ involved in the work s:oppages during January to December, 2007 was lower by 18 per cent than that in the corresponding period of 2006. The number of persondays lost due to work stoppages including continu:ng work stoppages of earlier year was lower by 12 per cent and stood at 9.55 lakh during January to December, 2007 against 10.85 lakh pe:sondays lost during January to December, 206. The details of industrial disputes in Maharashtra State are given in Table No. 57 of Part:II.

## Closed Industries

12.28 The number of small scale, medium and large scale industries closed down in the State and the workers affected are given in Table No.12.7.

Table No. 12.7
Industries closed down and workers affected

|  |  | (In numbers) |  |  |  |
| :---: | ---: | ---: | ---: | ---: | ---: |
| Year | Small Scale <br> Industries |  |  | Medium \& Large <br> Scale Industries |  |
|  | Closed <br> down | Workers <br> affected |  | Closed <br> down | Workers <br> affected |
| $2002-03$ | 6,249 | 28,996 |  | 339 | 45,509 |
| $2003-04$ | 4,686 | 29,371 |  | 213 | 51,804 |
| $2004-05$ | 2,566 | 12,830 |  | 343 | 33,621 |
| $2005-06$ | 2,216 | 11,779 |  | 17 | 11,723 |
| $2006-07$ | 217 | 1,661 |  | 11 | 1,707 |
| $2007-08^{*}$ | 50 | 690 | - |  |  |

* Upto the end of October, 2007
12.29 The data in table No. 12.7 reveals that the number of small scale industries (SSI) units closed down and the number of workers affected thereby has been reducing over the years which is a good sign for healthy industrial atmosphere.


## Poverty

12.30 Poverty leads to a poor quality of life, deprivation, malnutrition, illiteracy and at the end it results in low human development. Poverty reduction has been an important goal of
development planning since the formation of the State.
12.31 Generally, the incidence of poverty is expressed as percentage of people living below poverty line to the total population. Based on the NSS $61^{\text {st }}$ Round (July 2004 - June 2005), latest estimates of poverty prepared by Planning Commission have shown a declining trend in the State from 36.9 per cent in 1993-94 to 30.7 per cent in 2004-05. However, in absolute number, the population below poverty line has increased by 12.15 lakh in the same period. This increase was mainly on account of increase in below poverty line population in urban areas only.
12.32 The poverty estimates based on latest NSS $61^{\text {st }}$ Round reveal that the poverty ratio in the State is 30.7 per cent, more by 3.2 percentage points than that of All-India ( 27.5 per cent) and as regards the population below poverty line in absolute number, the State stands third amongst major states in the country after Uttar Pradesh and Bihar. Maharashtra, Tamil Nadu and West Bengal were having about the same level of incidence of poverty in 1993-94, but in 2004-05 poverty ratios for the states Tamil Nadu and West Bengal are much less than that of Maharashtra. The incidence of poverty for major states based on NSS central sample results are shown in Table No.12.8.

Table No. 12.8
Percentage of population below poverty line for major states

| State | 1993-94 |  |  | 2004-05 |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | Rural | Urban | Total | Rural | Urban | Total |
| Orissa | 49.7 | 41.6 | 48.6 | 46.8 | 44.3 | 46.4 |
| Bihar | 58.2 | 34.5 | 55.0 | 42.1 | 34.6 | 41.4 |
| Madhya Pradesh | 40.6 | 48.4 | 42.5 | 36.9 | 42.1 | 38.3 |
| Uttar Pradesh | 42.3 | 35.4 | 40.9 | 33.4 | 30.6 | 32.8 |
| Maharashtra | 37.9 | 35.2 | 36.9 | 29.6 | 32.2 | 30.7 |
| Karnataka | 29.9 | 40.1 | 33.2 | 20.8 | 32.6 | 25.0 |
| West Bengal | 40.8 | 22.4 | 35.7 | 28.6 | 14.8 | 24.7 |
| Tamil Nadu | 32.5 | 39.8 | 35.0 | 22.8 | 22.2 | 22.5 |
| Rajasthan | 26.5 | 30.5 | 27.4 | 18.7 | 32.9 | 22.1 |
| Andhra Pradesh | 15.9 | 38.3 | 22.2 | 11.2 | 28.0 | 15.8 |
| Kerala | 25.8 | 24.6 | 25.4 | 13.2 | 20.2 | 15.0 |
| Nll-India | 37.3 | 32.4 | 36.0 | 28.3 | 25.7 | 27.5 |

## Human Development

12.33 The people's choices are unlimited and often undergo changes over the passage of time. Human development can be defined as the process of meeting these enlarged choices. The three most essential aspirations are to lead a long and healthy life, to acquire knowledge and to enjoy a decent standard of living. Considering these, human development index (HDI) is worked out. Generally, longevity is measured in terms of life expectancy at birth, knowledge is measured in terms of adult literacy rates (literacy rate of persons of age 15 years $\&$ above) and combined gross enrolment ratios and the decent standard of living is measured by per capita gross domestic product in terms of purchasing power parity (PPP) in US\$.
12.33.1 The human development indices (HDIs) of major states, as per the National Human Development Report 2001, are given in

Table No. 12.9
Human Development Index of Major States

| State | 1981 |  | 1991 |  | 2001 |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | HDI | Rank | HDI | Rank | HDI | Rank |
| Kerala | 0.500 | 1 | 0.591 | 1 | 0.638 | 1 |
| Punjab | 0.412 | 2 | 0.475 | 2 | 0.537 | 2 |
| T'amil Nadu | 0.343 | 7 | 0.466 | 3 | 0.531 | 3 |
| Maharashtra | 0.363 | 3 | 0.452 | 4 | 0.523 | 4 |
| Haryana | 0.360 | 5 | 0.443 | 5 | 0.509 | 5 |
| Gujarat | 0.360 | 4 | 0.431 | 6 | 0.479 | 6 |
| Karnataka | 0.346 | 6 | 0.412 | 7 | 0.478 | 7 |
| West Bengal | 0.305 | 8 | 0.404 | 8 | 0.472 | 8 |
| Rajasthan | 0.256 | 12 | 0.347 | 11 | 0.424 | 9 |
| Andhra Pradesh | 0.298 | 9 | 0.377 | 9 | 0.416 | 10 |
| Orissa | 0.267 | 11 | 0.345 | 12 | 0.404 | 11 |
| Madhya Pradesh | h. 245 | 14 | 0.328 | 13 | 0.394 | 12 |
| Uttar Pradesh | 0.255 | 13 | 0.314 | 14 | 0.388 | 13 |
| Assam | 0.272 | 10 | 0.348 | 10 | 0.386 | 14 |
| Bihar | 0.237 | 15 | 0.308 | 15 | 0.367 | 15 |
| All India | 0.302 | -- | 0.381 | -- | 0.472 | -- |

Table No. 12.9. In the report, HDIs are calculated using the following indicators :

1) Per capita consumption expenditure (Based on NSS estimates).
2) Literacy rate for the age group 7 years and above as per population census 2001.
3) Life expectancy at age one as per Census 2001 data and infant mortality rate based on SRS data.
12.33.2 The HDIs for different revenue divisions of the State are worked out using Census, 2001 data as per the procedure laid down by United Nations Development Project (UNDP). The same are given in Table No. 12.10. The HDI for Maharashtra and HDI for all revenue divisions in the State are higher than the HDI of India. The HDI of Maharashtra is at par with HDI of Bolivia which is at $114^{\text {th }}$ position in the world. The HDI of Mumbai ( 0.746 ) is at par with that of Georgia which is at $88^{\text {th }}$ rank in the world. The HDI of Mumbai is higher than the HDI of Sri Lanka (0.729) and China (0.721).

Table No. 12.10
Human Development Indices - 2001

| Division | Life expec- <br> tancy at <br> birth <br> (Years) | Adult <br> literacy <br> rate | Combined <br> Gross <br> enrolmen $i$ <br> ratio | HDI |
| :--- | :---: | :---: | :---: | :---: |
| Konkan $^{*}$ | 71.4 | 80.8 | 72.3 | 0.723 |
| Nashik $^{\text {Pune }}$ | 68.9 | 68.5 | 71.1 | 0.638 |
| Aurangabad | 73.0 | 73.3 | 75.6 | 0.696 |
| Amravati | 68.5 | 61.3 | 73.6 | 0.613 |
| Nagpur | 67.6 | 73.5 | 74.6 | 0.636 |
| Maharashtra | 65.5 | $\mathbf{6 9 . 6}$ | $\mathbf{7 4 . 3}$ | 77.6 |
| India | $\mathbf{6 3 . 3}$ | $\mathbf{5 8 . 0}$ | $\mathbf{7 3 . 8}$ | $\mathbf{0 . 6 4 6}$ |
| In6 | $\mathbf{0 . 5 9 0}$ |  |  |  |

* Including Mumbai.

Source: 1) Directorate of Economics \& Statistics, Maharashtra
2) Human development report, 2003

## SOCIAL SECTORS

## Education

13.1 Education is universally acknowledged as one of the key inputs contributing to the process of national and individual development. Since education plays a pivotal role in human development, it is necessary to increase the level of literacy by providing elementary education to all and to build technical skills to cater the needs of the economy by providing technical education to the aspirants. Keeping in view the importance of education in the socio-economic development of the country and constitutional obligation, various educational programmes are implemented. All educational programmes implemented in the State, reforms therein and future policy are based on educational restructuring policy, national policy on education and the policy of Central Educational Advisory Board.
13.2 Educational programmes, especially for primary education, are executed through collaborative efforts of the State Government and local bodies. Though the major responsibility for basic education lies with the State Government, the local self-government bodies, both in rural and urban areas, have also been associated with school cducation in order to make the education system more responsive to local conditions and facilitate community participation.

## Educational progress

13.3 Universalisation of primary education has led to massive demand for secondary education. In the field of secondary education, non-government institutions are performing important role. In Maharashtra State, a large number of schools are run by private organisations and most of them are Government aided. In addition to this, local bodies like municipal corporations, municipal councils are also running secondary schools in their jurisdictions, resulting into phenomenal increase in the enrolment. The teacher-student ratio for
primary schools remained almost the same from 1990-91 to 2000-01 at 39 and thereafter it decreased to 34 in 2007-08. However, this ratio for secondary and higher secondary institutions taken together has increased from 32 students in 1990-91 to 38 students in 2007-08. The educational progress in the State from 1960-61 onwards is presented in Table No. 58 of part II of this publication.
13.4 The estimated number of primary, secondary and higher secondary schools in the State and the enrolment therein for 2006-07 and 2007-08 are given in Table No. 13.1.

Table No. 13.1
Number of primary, secondary and higher secondary schools and enrolment in Maharashtra State
(Teachers and enrolment in thousand)

| Type of <br> educational <br> institution @ | $2006-07^{*}$ | $2007-08^{*}$ |
| :--- | ---: | ---: |
| 1. Primary |  |  |
| 1) Schools (I to VII) | 69,330 | 69,330 |
| 2) (a) Enrolment | 11,688 | 11,571 |
| (b) Ofthese, girls | 5,591 | 5,536 |
| 3) Teachers | 340 | 341 |
| 2. Secondary |  |  |
| 1) Schools (I to X) | 15,762 | 15,762 |
| 2) (a) Enrolment | 5,709 | 5,824 |
| (b) Ofthese, girls | 2,655 | 2,708 |
| 3) Teachers | 164 | 167 |
| 3. Higher Secondary | 3,914 | 3,914 |
| 1) Schools (I to XII) | 4,562 | 4,580 |
| 2) (a) Enrolment | 2,099 | 2,107 |
| (b) Ofthese, girls | 114 | 117 |
| 3) Teachers |  |  |
| 4. Junior College | 663 | 663 |
| 1) Institutes (XI \& XII) | 792 | 832 |
| 2) (a) Enrolment | 327 | 343 |
| (b) Ofthese, girls | 13 | 14 |
| 3) Teachers |  |  |

[^21]13.5 The enrolment according to group of standards in schools for the years 2006-07 and $2007-08$ in the rural and urban areas of the State is given in Table No. 13.2.

Table No. 13.2
Enrolment of students by group of standards

|  |  |  | ( In '000) |
| :--- | :--- | :--- | :--- |
| Group of <br> Standards |  | $2006-07^{*}$ | $2007-08^{*}$ |
| I-IV | Rural | 5,599 | 5,614 |
|  | Urban | 3,733 | 3,742 |
| V-VIII | Rural | 5,184 | 5,198 |
|  | Urban | 3,456 | 3,465 |
| IX-X | Rural | 1,775 | 1,829 |
|  | Urban | 1,183 | 1,220 |
| XI-XII | Rurai | 728 | 696 |
|  | Urban | 1,092 | 1,044 |

*Estimated

13.6 The State Government's total expenditure on primary, secondary and higher secondary education for the year 2006-07 was Rs. 10,372 crore, which was two per cent of the Gross State Domestic Product. The State Government's expenditure on primary, secondary and higher secondary education is given in Table No. 13.3.

Table No. 13.3
Expenditure incurred on primary, secondary and higher secondary education by the State Government
(In crore Rs.)

| Year | Primary | Secondary | Higher <br> secondary | Total |
| :--- | :--- | :---: | :---: | ---: |
| $2002-03$ | 4,039 | 3,004 | 478 | 7,521 |
| $2003-04$ | 4,121 | 3,311 | 521 | 7,953 |
| $2004-05$ | 4,474 | 3,614 | 551 | 8,639 |
| $2005-06$ | 4,701 | 3,763 | 610 | 9,074 |
| $2006-07$ | 5,508 | 4,194 | 670 | 10,372 |

A survey titled 'Annual Status of Education Report' (ASER) was carried out by a reputed NGO 'PRATHAM' during October - November, 2007 in rural parts of Maharashtra State in order to understand the educational status in respect of reading, writing and doing simple arithmetic operations, etc. for the children in the age group 6 to 14 . The set of questions were canvassed in order of their standard from top to bottom and accordingly the percentage status (inclusive) was worked out.

Estimates for the rural Maharashtra
(A) Reading level : Percentage of children who (Marathi) can read

| Std. | Nothing | Letter | Word | Std.-1 <br> text | Std-2 <br> text | Total |
| :--- | ---: | ---: | ---: | ---: | ---: | ---: |
| I | 12.2 | 43.0 | 32.2 | 7.5 | 5.1 | 100 |
| II | 3.5 | 15.7 | 32.5 | 31.6 | 16.7 | 100 |
| III | 1.9 | 6.2 | 17.1 | 38.0 | 36.8 | 100 |
| IV | 1.0 | 2.5 | 8.1 | 29.0 | 59.4 | 100 |
| V | 0.6 | 1.6 | 5.3 | 18.5 | 74.0 | 100 |
| VIII | 0.6 | 0.5 | 1.2 | 6.8 | 90.9 | 100 |

(B) Reading level: Percentage of children (English) who can read

| Std. | Cannot read capital <br> letters | Capit letter | Small letters | Simple words | Easy sen- <br> tences |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| I | 72.0 | 16.8 | 7:6 | 2.6 | 1.0 | 100 |
| II | 48.0 | 25.5 | 17.2 | 6.6 | 2.7 | 100 |
| III | 30.3 | 25.9 | 22.5 | 15.5 | 5.8 | 100 |
| IV | 16.7 | 23.8 | 23.7 | 23.2 | 12.6 | 100 |
| V | 5.8 | 14.1 | 18.0 | 33.0 | 29.1 | 100 |
| VII | 2.4 | 5.7 | 6.0 | 18.4 | 67.5 | 100 |
| (C) Arithmetic level : |  |  | Percentage of children who can |  |  |  |


| Std. | $\begin{gathered} \hline \text { Do } \\ \text { not- } \\ \text { hing } \end{gathered}$ | Recognise nos. between |  | Do <br> sub- <br> trac- <br> tion | $\begin{gathered} \text { Do } \\ \text { divi- } \\ \text { sion } \end{gathered}$ | Total |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  | 1 to 9 | 10 to 99 |  |  |  |
| I | 10.5 | 52.5 | 31.2 | 5.1 | 0.7 | 100 |
| II | 3.4 | 22.4 | 50.1 | 21.4 | 2.7 | 100 |
| III | 1.9 | 10.0 | 36.0 | 42.3 | 9.8 | 100 |
| IV | 1.1 | 4.7 | 23.8 | 42.6 | 27.8 | 100 |
| V | 0.9 | 3.1 | 14.9 | 36.8 | 44.3 | 100 |
| NIII | 0.6 | 0.8 | 8.0 | 17.2 | 73.4 | 100 |

Source: Annual Status of Education Report(ASER-2007 prepared by 'PRATHAM' in Oct.- Nov., 2007

## Sarva Shiksha Abhiyan

13.7 'Sarva Shiksha Abhiyan' is an effort to universalise elementary education by community-ownership of the school system. It is a response to the demand for quality basic education to all in the country. This programme is also an attempt to provide an opportunity for improving human capabilities to all children belonging to age group of 6 to 14 years, through provision of community-owned quality education and it is an opportunity for promoting social justice through basic education. 'Sarva Shiksha Abhiyan' is known as 'Sarva Shikshan Mohim' in Maharashtra. Execution of 'Sarva Shiksha Abhiyan' is entrusted to autonomous institute Maharashtra Prathamik Shikshan Parishad, Mumbai for its effective implementation, 'Sarva Shikshan Mohim' monitoring unit has been established at the Directorate of Primary Education, Pune. During the year 2006-07, under this scheme, provision of Rs. $1,168.32$ crore was made and expenditure of Rs. 895.23 crore was incurred.

## Mid Day Meal Scheme

13.8 Government of India has launched a countrywide Programme of Nutritional support to Primary Education through the State Governments, in order to give boost to universalisation of Primary Education by increasing enrolment, attendance and retention in Primary Education and to improve the standard of education.
13.8.1 Under this scheme all students in Std. I to V from Govt. aided schools, local bodies schools, aided, partly aided private schools, private schools eligible for grants, Vasti Shala, Centres under Mahatma Phule Education Guarantee Scheme, aided handicapped and dumb-deaf schools are being provided cooked meal in tribal areas from June 2002 and to students from other eligible schools from January 2003 onwards. For this scheme, the Government of India provides foodgrains (rice) free of cost and also provides reimbursement of transport charges @ Rs. 75 per quintal. The responsibility to provide cooked meal to students has been entrusted to Village Education Committee in local bodies school in rural areas, in urban areas to Educational Boards or Education Committees of Municipality/Municipal Corporation and in
the case of private aided schools, to the management. The State Government gives assistance for cooking meal at the rate of Re. 0.50 per student per school day. The Head Masters/teachers looking after this scheme are provided honorarium on the basis of strength of students.
13.8.2 Under this scheme, 80.92 lakh students were benefited upto March, 2007. A provision of Rs. 312.17 crore is made under this scheme for the year 2007-08. Out of this, State Government's share is Rs. 118.78 crore and Central Government's share is Rs. 193.39 crore.

| Water, Toilet and Mid day meal status - Rural Maharashtra |  |  |
| :---: | :---: | :---: |
| Available facilities _S | Std.I-IV/V | Std. I-VIII |
| in schools | Percentage of schools |  |
| No water provision | 28.5 | 16.9 |
| Water provision but not available | 7.1 | 7.8 |
| Water provision and available also | 64.4 | 75.3 |
| No toilet provision | 15.5 | 8.6 |
| Toilet provision but not being used | 8.2 | 8.6 |
| Toilet provision and in use | se 76.3 | 82.9 |
| Mid day meal served on survey day | 98.5 | 99.2 |

Source: Annual Status of Education Report(ASER-2007) prepared by 'PRATHAM' in Oct.- Nov., 2007

## Vasti Shala

13.9 As a part of universalisation of education, the Government has fixed the norm to open a primary school within vicinity of 1.5 km . of a habitation having minimum population of 200. This norm for tribal areas is 1.0 km . vicinity and population 100. But still there are some habitations which do not fulfil this norm. For such habitations, the Government has started 'Vasti Shalas' as alternative education within a radius of 1.0 km . for at least 15 students. During 2006-07, under this scheme, in all 8,76 4 vastif shalas were functioning and total 1.87 lakh students were taking education, out of which 0.90 lakh were girls. During 2007-08, under this scheme, in all 8,665 vasti shalas are functioning and total 1.84 lakh students are taking education, out of which 0.88 lakh are girls.

## Mahatma Phule Shikshan Hami Yojana

13.10 For children working as child labourer in urban and rural areas, mainly in agricultural field, animal rearing and / or for shelterless, deprived from primary education due to poor economic condition, the 'Mahatma Phule Shikshan Hami Yojana' is being implemented. Under this scheme, upto December 2007, total 5.24 lakh students have taken education from 27,020 centers in the State.

## Women Education

13.11 During 2006-07, there were 1,998 primary schools, 925 secondary schools and 285 higher secondary institutions exclusively for girls, in the State. The percentage of girls in the total enrolment in primary, secondary and higher secondary schools in the State in 2006-07 was 48,47 and 46 respectively. In 1985-86, when education for girls was made free upto standard X , the corresponding percentages were 44,36 and 32 respectively. Enrolment figures, at least at primary school level, indicate that the girls' enrolment is matching to the sex ratio in the respective population group and the gender gap in enrolment at secondary and higher secondary school levels is also reducing fast in the recent years.

## Ahilyabai Holkar Scheme

13.12 To promote education amongst girls, the State Government has started Ahilyabai Holkar Scheme providing free travel concession to girl students from 1996-97. Under this scheme, girls in the rural areas studying in standards $V$ to $X$ are provided free travel in Maharashtra State Road Transport Corporation buses to attend school, if such school is not available in their village. During 2006-07, about 14.44 lakh girls availed such facility. During 2006-07 under this scheme, Government of Maharashtra adjusted an amount of Rs. 77.25 crore from the dues of passenger tax by way of book adjustment of Maharashtra State Road Transport Corporation.

## Attendance Allowance to Girls Learning in Primary Schools

13.13 With a view to increase the extent of attendance and to reduce the drop out rates of the school going girls, this scheme is being implemented in the State from 1992 for the girls
from below poverty line families in tribal sub-plan areas and the girls from below poverty line families from scheduled castes, scheduled tribes and vimukta jati / nomadic tribes in remaining parts of the State. Under this scheme, one rupee per day per girl student is paid as attendance allowance for girls studying in Standard I to IV. During 2006-07, under this scheme, 3.96 lakh girl students were benefited and expenditure incurred was Rs. 8.72 crore. During $2007-08$, Rs. 14.59 crore have been sanctioned and about 6.63 lakh girl students are expected to get benefit.

## Maharashtra Cadet Corps

13.14 The objective of the scheme is to foster the qualities such as leadership, brotherhood, sportsmanship, national integrity, social service, etc. among the students. This scheme has been restructured in the year 2000 and is implemented in all the schools for students of standards VIII and IX. However, it is kept voluntary for the students. The school shall have at least one troop in it. Each troop shall consist of minimum 100 students in the school in urban areas, 50 in rural and 30 in tribal and hilly areas. The ratio of boys and girls should be maintained $50: 50$ as far as possible. During 2006-07, this scheme covered 21.76 lakh students and during 2007-08, about 24.32 lakh students are expected to get benefit.

## Shikshan Sevah Yojana

13.15 The Government of Maharashtra has introduced various schemes for expansion as well as for the qualitative improvement in education, which has resulted in enormous rise in the education expenditure. For filling up the large number of vacant posts of teachers in the State, the Government has started Shikshan Sevak Yojana from 2000. The Government has given permission to appoint Shikshan Sevaks in all recognised / aided primary, secondary, higher secondary schools and junior colleges, etc. These Shikshan Sevaks are being paid with Rs. 3,000 to Rs. 5,000 as honorarium per month according to their educational qualifications.

## Drop Out Rates

13.16 The students' drop out rates are given in Table No. 13.4.

Table No. 13.4
Drop out rates of students
(Percentage)

| Dropout level | $1980-81$ | $1990-91$ | $2000-01$ | $2002-03$ |  |  |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| $\mathbf{V}$ |  |  |  |  |  |  | Boys | 53 | 29 | 15 | 13 |
|  | Girls | 63 | 39 | 19 | 14 |  |  |  |  |  |  |
| VIII | Boys | 65 | 47 | 35 | 31 |  |  |  |  |  |  |
|  | Girls | 78 | 62 | 41 | 36 |  |  |  |  |  |  |
| $\mathbf{X}$ | Boys | 74 | 64 | 52 | 50 |  |  |  |  |  |  |
|  | Girls | 86 | 76 | 57 | 55 |  |  |  |  |  |  |

DROP OUT RATE: FORMULA
$\operatorname{DOR}_{(\mathrm{i}, \mathrm{j})}=$ Drop Out Rate of students ! for standard ' i ' with reference to year ' $j$ '
$=100 \times\left[1-\left(\mathrm{B}_{(\mathrm{i}, \mathrm{j} \mathrm{j}} / \mathrm{A}_{(1, \mathrm{j}-\mathrm{i}+\mathrm{i})}\right)\right]$
where, $\mathrm{B}_{(\mathrm{i}, \mathrm{j})}=\quad$ No. of students on enrolment in standard ' i ' for the year ' j '
$A_{(1, j-i+1)}=$ No. of students on enrolment in the first standard in the year ( $\mathrm{j}-\mathrm{i}+1$ ).

## Adult Education

13.17 In order to eradicate the illiteracy in the age group of 15-35, National Literacy Mission was established in 1988. For effective implementation of the Literacy Programme, Maharashtra Rajya Saksharata Parishad was established in the year 1996, as per the guidelines of the National Literacy Mission. Total Literacy Campaign, Post Literacy Programme and Continuing Education Programme are being implemented in the State progressively. For effective implementation of Mass Literacy Programme, Zilla Saksharata Samiti (ZSS), a rcgistered body is established in each district of the State.
13.17.1 Total Literacy Programme (TLP) has been completed in all districts of Maharashtra State. The target fixed under this programme was to literate 69.80 lakh adult illiterates in the age group of $15-35$, out of which 54.13 lakh completed the programme. Post Literacy Programme of one year duration is implemented after completion of TLP for retention and enhancement of literacy skills achieved by
neo-literates in TLP. 27 districts have completed this programme. The target of 51.98 lakh neo-literates in achieving skills of reading and learning was fixcd. 46.15 lakh neo-literates were enrolled, out of which 37.94 lakh neo-literates have completed Post Literacy-I. After completion of post litcracy programme, Continuing Education Programme is implemented in 26 districts of the State. Out of these, 13 districts have completed first year of Continuing Education Programme. Under this programme, total 16,672 centres are sanctioned. At present, 10,994 centres are functioning.
13.17.2 As per Census 2001, literacy percentage in the age group $15-35$ years was 84.7 per cent, for males it was 91 per cent and for females it was 77 per cent. Still there are 52 lakh illiterates remaining to be covered under literacy programmes. Efforts are being made to cover all these remaining illiterates under total literacy programme and then in turn to Post Literacy and Continuing Education Programmes.

## Free text books to primary students

13.18 In order to boost the literacy rate in the Panchayat Samiti areas where the female literacy rate is below the national average (i.e. 39.3 per cent as per 1991 census), the State Government is supplying free text books to all primary school students of standard I to IV from 1996-97 in 103 panchayat samiti areas in the State identified for this purpose. During 2006-07, under this scheme, 3.96 lakh students studying in standards I and II were benefited and expenditure incurred was Rs. 1.52 crore. During 2007-08, under this scheme, 3.94 lakh students (std. I \& II) are expected to get benefit and expenditure of Rs. 2.91 crore is expected.

## Book Bank Scheme

13.19 Objective of this scheme is to provide textbooks to students belonging to scheduled castes, scheduled tribes and vimukta jati/nomadic tribes and other deprived sections of the community. The Government has established book banks for the students of primary and secondary schools run by zilla parishads, municipal councils and municipal corporations and also by the recognised/aided secondary schools. The set of text books supplied is to be returned to the book bank at the end of academic year. The scheme covers the students upto standard X. During 2007-08, provision of

Rs. 3.72 crore is made and about 2.27 lakh students are expected to get benefit.

## Sainiki Schools

13.20 The main objective of the scheme is to develop the spirit of nationality, co-operation, discipline, leadership, self confidence, valour and patriotism amongst the students. In 1996-97, the State Government has taken the decision to start sainiki school in every district by giving permission to non-government organisations. There are 42 sainiki schools in 33 districts are in operation (except Mumbai and Mumbai Suburban). Of these, four schools (in Pune, Aurangabad, Buldhana and Nagpur districts) are exclusively for girls. Intake capacity per class in these schools for standard V to XII is fixed at 45 students and 11,653 students are taking education in all these schools.

## Higher Education

13.21 Higher education creates technical and skilled human resource as an important input necessary for the overall economic development. It covers education in agriculture, veterinary, medical, pharmaceutical, engineering, technical and vocational education, etc. along with general higher education.
13.21.1 There are four agriculture universities, one university for health science courses, one university for veterinary science, one technological and 12 non-agricultural universities in the State, including SNDT University, Mumbai which is exclusively for women, Yeshwantrao Chavan open University, Nasik for non-formal education and Kavi Kulguru Kalidas University, Ramtek established for conduct of studies, research, development and spread of Sanskrit language. In addition, there are six deemed universities in the State.

## General Higher Education

13.22 The number of colleges for general education and other higher educational institutions and enrolment therein are given in the Table No. 13.5.

## Agricultural Education

13.23 The number, intake capacity and admitted students in Government aided and unaided colleges affiliated to the four agricultural universities in the State are given in Table No. 13.6.

| Table No. 13.5 <br> Colleges for general education and other higher educational institutions and enrolment (Teachers and enrolment in thossand) |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| Type of educational institution | 2006-07* | 2007-08* | Percentage increase |
| 1. Colleges for general education |  |  |  |
| (1) Number | 2,233 | 2,270 | 1.7 |
| (2) (A) Enrolment | 1,056 | 1,130 | 7.0 |
| (B) Of these, girls | 455 | 482 | 5.9 |
| (3) Teachers | 30 | 31 | 3.3 |
| 2. Other higher educational institutions |  |  |  |
| (1) Number | 42 | 46 | 9.5 |
| (2) (A) Enrolment | 38 | 40 | 5.3 |
| (B) Ofthese, girls | 14 | 15 | 7.1 |
| (3) Teachers | 2 | 2 | -- |
| Total |  |  |  |
| (1) Number@ | 2,275 | 2,316 | 1.8 |
| (2) (A) Enrolment | 1,094 | 1,170 | 6.9 |
| (B) Of these, girls | 469 | 496 | 5.8 |
| (3) Teachers | 3! | 34 | 6.2 |

* Estimated
@ Excluding Junior, Medical, Engineering \& Agricultural Coleges and pre-degree vocational education institutions

Table No. 13.6
No. of Agricultural Colleges, their intake capacity and admitted students during 2007-08

| Type of college | Aided |  |  | Unaided |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  | Intake capacity | Admitted students |  | Intake capacity | Admitted students |
| Agriculture | 1.3 | 1,564 | 1,564 | 25 | 2,400 | 1,736 |
| Horticulture | 4 | 132 | 132 | 10 | 960 | 265 |
| Forestry | 2 | 64 | 63 | -- | -- | -- |
| Fisheries | 1 | 40 | 29 | -- | -- | -- |
| Agriculture Engineering | 4 | 215 | 215 | 6 | 576 | 289 |
| Food <br> Technology | 1 | 64 | 64 | 9 | 864 | 566 |
| Home <br> Science | 1 | 32 | 29 | -- | -- | -- |
| Bio- <br> Technology | 1 | 32 | 32 | 5 | 480 | 356 |
| Agriculture Marketing \& Management | -- | -- | -- | 6 | 576 | 244 |
| Total | 27 | 2,143 | 2,128 | 61 | 5,856 | 3,456 |

13.23.1 Intake capacity and admitted students for post-graduation and Ph.D courses during 2007-08 are given in Table Nos. 13.7 and 13.8 respectively.

Table No. 13.7
Post Graduate courses, their intake capacity and admitted students during 2007-08

| Courses | Intake <br> capacity | Admitted <br> Students |
| :--- | :---: | :---: |
| M.Sc. (Agriculture) | 663 | 647 |
| M.Tech. (Agri. Engg.) | 52 | 37 |
| M.Tech. (Food Science) | 6 | 6 |
| M.Sc. (Home Science) | 12 | 10 |
| M.F.Sc. (Fishery Science) | 24 | 13 |
| Total | 757 | $\mathbf{7 1 3}$ |

Table No. 13.8
Ph.D. courses, their intake capacity and admitted students during 2007-08

| Courses | Intake <br> capacity | Admitted <br> Students |
| :--- | :---: | :---: |
| Agriculture | 99 | 61 |
| Home Science | 2 | - |
| Fisheries | 3 | - |
| Total | $\mathbf{1 0 4}$ | $\mathbf{6 1}$ |

## Veterinary Education

13.24 Maharashtra Animal and Fishery Sciences University was established in Maharashtra in the year 2000. Under this university there are 6 veterinary, one dairy technology college and one fishery science college. The intake capacity and enrolment in these colleges are given in Table No. 13.9.

Table No. 13.9
Intake capacity and enrolment of students in veterinary, dairy technology and fishery science colleges during 2007-08

|  | Faculty | Intake <br> capacity | Enrol- <br> ment |
| :--- | :---: | :---: | :---: |
| Curriculum <br> period <br> (in years) |  |  |  |
| 1. Veterinary Colleges <br> (1) Graduate <br> (BVSc \& AH) | 287 | 225 | 5 |
| (2) Post Graduate <br> (MVSc) | 186 | 137 | 2 |
| (3) Doctorate (Ph.D.) <br> Dairy Technology College <br> B.Tech, | 54 | - | 3 |
| Dairy Technology | 36 | 27 | 4 |
| 3. Fishery Science College |  |  |  |
| B.F.Sc. |  |  |  |

## Medical Education

13.25 The State Government has established Maharashtra University of Health Sciences at Nashik in the year 1998 for integration of all the
health science courses. During 2007-08, there are 29 Allopathic, 58 Ayurvedic, 44 Homeopathic, 5 Unani and 24 Dental degree colleges/institutions in the State. Their intake capacity by type of institution (Government, Government aided and unaided) is given in Table No. 59 in part II of this publication. Apart from these health science colleges, there are 10 Medical colleges and 6 Dental Colleges in Maharashtra having Deemed University status.

## Other Medical Courses

13.26 Several other courses such as Diploma in Medical Laboratory and Technology (D.M.L.T.), physiotherapy, occupational therapy, audiology and speech language pathology, prosthetics and orthotics are considered as health science courses. The number of institutions, their intake capacity and admitted students in respect of these courses for the year 2007-08 is given in Table No. 13.10.

Table No. 13.10
Number of institutions, their intake capacity and admitted students for other medical courses in the year 2007-08

| Faculty | No. of institutions | Intake capacity | Admitted students |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| D.M.L.T. | 10 | 176 | 176 |
| Physiotherapy | 17 | 510 | 510 |
| Occupational Therapy | 6 | 120 | 120 |
| Audiology and Speech Language pathology | 2 | 25 | 25 |
| Prosthetics and orthotics | s 1 | 10 | 10 |

## Nursing Education

13.27 During 2007-08, there are 40 basic nursing and 7 post-basic nursing degree institutions, 207 institutions of nursing diploma education (112 institutions of General Nursing and Midwifery Nursing [G.N.M.], 114 institutions of Auxiliary Nursing and Midwifery Nursing [A.N.M.], 19 institutions of G.N.M. and A.N.M.) and 5 institutions of post-certificate courses after G.N.M. nursing training in the State. Their intake capacity by type of institution (Government, Government aided and unaided) is given in Table No. 59 in part II of this publication.

## Technical and Vocational Education

13.28 During the academic year 2007-08, there are 169 engineering degree colleges (excluding 5 autonomous inatitutions viz. VJTI, Mumbai, College of Engineering, Pune, UICT, Mumbai, SGGS college, Nanded and Walchand
college, Sangli), 38 architectural degree and 139 management science colleges/ institutions in the State. In addition, there are 9 institutions of degree in hotel management and catering technology, 117 pharmaceutical science degree, 178 diploma in engineering and technology, 1 architecture diploma, 19 hotel management and catering technology (HMCT) diploma, 195 pharmaceutical science diploma, 73 institutions of M.C.A. (Master in Computer Application) and 617 industrial training institutions. Their intake capacity and total number of students admitied by type of institution (Government, Government aided and unaided) is given in Table No. 60 in part II of this publication. Dr. Babasaheb Ambedkar Technological University at Lonere, taluka Mangaon, district Raigad is included in engineering degree institutions.

13.28.1 The details of universitywise number of engineering degree colleges/institutions, their intake capacity and admitted students for the year 2007-08 are given in Table No. 13.11.
13.28.2 During the academic year 2007-08 students admitted for engineering degree courses were 54,292 , out of which 15,323 were girls ( 28.2 per cent) and 414 ( 0.8 per cent) seats remained vacant.
13.28.3 Womens' participation in Degree courses is 28 per cent in Engineering/Technology, 35 per cent in Pharmacy, 24 per cent in Architecture, 12 per cent in HMCT, for PG level in MCA 32 per cent.
13.28.4 Ministry of Human Resource Development, Government of India, through National Project Implementation Unit has selected

Table No. 13.11
Universitywise No. of engineering degree colleges/ institutions, their intake capacity and admitted students in the year 2007-08

| University In | No. of Institutions | Intake capacity | Admitted students |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| Mumbai University | 45 | 13,820 | 13,489 |
| Pune University | 45 | 16,065 | 16,095 |
| North Maharashtra University, Jalgaon | 14 | 3,610 | 3,568 |
| Dr.Babasaheb Ambedkar Marathwada University, A'bad | 13 | 3,352 | 3,379 |
| Swami Ramanand Tirth Marathwada University, Nanded | ded 3 | 870 | 815 |
| Shivaji University, Kolhapur | 13 | 5,190 | 5,293 |
| Sant Gadge Baba Amravati University | 11 | 3,270 | 3,204 |
| Rashtrasant Tukadoji <br> Maharaj Nagpur University | 21 | 7,479 | 7,412 |
| S.N.D.T. University, Mumbai | 1 | 180 | 179 |
| Dr. Babasaheb Ambedkar Technological University, Lonere (Raigad) | 1 | 390 | 389 |
| Solapur University | 2 | 480 | 469 |
| Total | 169* | 54,706 | 54,292 |

* Excluding 5 autonomous institutions having intake capacity 2,041 and the number of admitted students 2,089

17 institutes from Maharashtra for the Technical Education Quality Improvement Programme (TEQIP) and allocated Rs. 170.16 crore for these institutes and has released Rs. 159.66 crore. The cumulative expenditure incurred upto 31st December, 2007 was Rs. 147.17 crore.
13.28.5 The number of Art Colleges/ Institutions in the State, their intake capacity and the number of admitted students for the year 2007-08 are given in Table No. 60 in part II of this publication.

## Sports Academy

13.29 The objective of the Sports Academy is to produce maximum number of International sports persons and Olympic medalists from the State of Maharashtra. For development of sports persons of national and international standard from the students of 8 to 14 years age group by imparting them training for about 8 to 10 years, the State Government in 1995 took the decision to establish Shiv Chattrapati Kridapeeth at Pune. Under this sports scheme, 11 Krida Prabodhinis were set up providing trainings for athletics, swimming, diving, volleyball, football, hand ball, wrestling, judo, hockey, cycling, traithlone, archery, rowing, shooting and gymnastics are given. The number of trainees during 2006-07 were 518, out of which 91 ( 18 per cent) were girls and in 2007-08 out of 495 selected trainees 93 (19 per cent) are girls.

## Public Health

13.30 The United Nations Organisation's programme 'Health for all by 2020 AD' contemplates to expand the infrastructure for public health and medical care in order to insure quality medical services to a common man. To achieve this goal, the Government of Maharashtra has continuously been increasing allocation for health services in the state's plan. In the Annual Plan 2007-08, allocation for health services is increased to Rs. 907.65 crore as compared to Rs.819.97 crore in 2006-07. The salient features of Health services in the XI FYP(2007-12) include population control, increase in health services at various stages, strengthening existing health services, extension of health services and increasing scope to rural, hilly \& tribal areas to remove intra-regional and regional disparity, decentralisation and strengthening of regional referral services and substantial reduction in the Infant Mortality Rate, Maternal Mortality Rate \& Birth Rate. Status in 2006 for some selected health indicators and targets suggested by Government of India for XI FYP for the State are given in Table No. 13.12.

Table No. 13.12
Health Indicators

| Health Indicators | Status <br> in 2006 | Target for <br> XI-FYP |
| :--- | ---: | :---: |
| Crude Birth Rate (CBR) | 18.5 | 16 |
| Crude Death Rate (CDR)* | 6.7 | 5 |
| Infant Mortality Rate (IMR) | 35 | 17 |
| Maternal Mortality Rate(MMR) | 135 | 50 |
| Neonatal Mortality Rate(NMR)* | 26 | 20 |
| Total Fertility Rate (TFR) | 2.1 | 2.1 |


| CBR/CDR | $:-$ | Per 1,000 population |
| :--- | :--- | :--- |
| IMR/NMR | $:-$ | Per 1,000 live births |
| MMR | $:-$ | Per $1,00,000$ deliveries |
| TFR | $:-$ | Per female in reproductive age |
|  |  | group of 15 to 49 years |

* Target upto 2010
13.31 Public Health Services refer to organised measures taken by Government to prevent diseases, promote health and prolong life of the people as a whole by ensuring quality, efficiency, accessibility, affordability and wide coverage. It also aims to protect, preserve and improve the health of people by creating nutritive, preventive and curative measures and constant follow-up. The State's health institutions include

1,054 public and government aided hospitals, 2,072 dispensaries and 1,812 primary health centres for rendering health services as at the end of 2006. The public health services have helped to improve the health standard of the people in the State, which is evident from the relatively low Crude Birth Rate(CBR) (18.5), low Crude Death Rate(CDR) (6.7) and low Infant Mortality Rate(IMR)(35) achieved at the end of 2006 in the State, as compared with the corresponding rates of $\operatorname{CBR}(23.5), \operatorname{CDR}(7.5)$ and IMR(57) for All-India. Improvement in the indicator like infant mortality rate is a reflection of improvement in a large number of factors such as sanitation, drinking water, education of women and health services. Maharashtra has also shown continuous improvement in life expectancy at birth. During the period 1996-2001, the life expectancy at birth for males and females was 65.3 and 68.1 years respectively, which, as per projection for the period of 2006-10 is 67.9 years for males and 71.3 years for females. The details of vital statistics and medical facilities are given in Table No. 48 and Table No. 61 respectively in part-II of this publication. Some important health indicators for major states in 2006 are given in Table No. 13.13.

Table No.13.13
Health Indicators for major States-2006

| States | CBR | CDR | IMR |
| :--- | :---: | :---: | :---: |
| Kerala | 14.9 | 6.7 | 15 |
| Punjab | 17.8 | 6.8 | 44 |
| West Bengal | 18.4 | 6.2 | 38 |
| Maharashtra | 18.5 | 6.7 | $\mathbf{3 5}$ |
| Andhra Pradesh | 18.9 | 7.3 | 56 |
| Karnataka | 20.1 | 7.1 | 48 |
| Orissa | 21.9 | 9.3 | 73 |
| Gujarat | 23.5 | 7.3 | 53 |
| Rajasthan | 28.3 | 6.9 | 67 |
| Madhya Pradesh | 29.1 | 8.9 | 74 |
| Bihar | 29.9 | 7.7 | 60 |
| Uttar Pradesh | 30.1 | 8.6 | 71 |

Source : Sample Registration Scheme (SRS), 2006

## National Family Health Survey

13.32 The report on National Family Health Survey 2005-06 (NFHS-3 ) provides information on population, health and nutrition for India and its states. Important information (provisional) on key indicators and their trends for Maharashtra are given in Table Nos. 13.14 (a) and (b).

Important Indicators and Trends
Table No.13.14(a)
NFHS-3 (Percentage)

| Households | Rural | Urban | Total |
| :--- | :---: | :---: | :---: |
| Using piped drinking water | 62.9 | 95.4 | 78.6 |
| Having access to toilet facility | 20.5 | 87.8 | 53.0 |
| Living in a pucca house | 21.8 | 74.5 | 47.3 |

Table No. 13.14 (b)

| Item | NFHS-1 <br> $(1992-93)$ | NFHS-2 <br> $(1998-99)$ | NFHS-3 <br> $(2005-06)$ |
| :--- | :---: | :---: | :---: |
| Total Fertility Rate | 2.86 | 2.52 | 2.11 |
| Median age at first childbirth | 19.0 | 19.0 | 19.9 |
| for women age 15-49 years |  |  |  |
| Married women with |  |  |  |
| two living children wanting |  |  |  |
| no more children (\%) |  |  |  |
| a. Two sons | 81.7 | 93.5 | 95.5 |
| b. One son, one daughter | 79.2 | 85.3 | 92.8 |
| c. Two daughters | 37.6 | 41.4 | 55.1 |

Total Fertility Rate in Maharashtra



## Family Welfare

13.33 According to Census 2001, Maharashtra is the second largest state in India in respect of population after Uttar Pradesh. Large population creates strain on public utility, thereby affecting the quality of services. The State Government is implementing Family Welfare Programme to control population . The main objective of the Family Welfare Programme is to stabilize population and improve quality of life of the people. The effective implementation of population control programme has reflected in the relatively low birth rate of 18.5 in the State as compared with that of 23.5 for All-India for the year 2006. The percentage of eligible couples effectively protected by the various family planning methods was 66.9 as observed in the NFHS-3. It was also revealed that out of the total eligible couples, 53.2 per cent were covered under the sterilization methods.
13.33.1 The number of sterilization operations performed in the State during 2006-07 was 5.96 lakh as against 6.60 lakh during 2005-06. During 2007-08 upto the end of January 2008, the number of sterilization operations performed in the State was 4.34 lakh.
13.33.2 Though sterilization was the main stay of the Family Welfare Programme in the past, spacing in between the births of two children has become an equally important aspect. The Government is, therefore, giving more stress on propagation of spacing methods like Copper-T, Intra Uterine Device (IUD), Conventional Contraceptives etc. As a result, among all the protected couples, the percentage of couples protected by family planning methods other than sterilization is 12.0 as observed in the NFHS-3. During the year 2007-08 upto the end of January 2008, the number of Copper-T acceptors in the State was 3.07 lakh.
13.33.3 For effective impact of Family Welfare Programme on fertility, it is essential that the programme is accepted by younger couples having one or two living children. The average number of living children in the case of vasectomy acceptors has declined from 4.3 in 1971-72 to 2.6 in 2005-06 and that for tubectomy acceptors, it has declined from 4.5 to 2.4. In respect of I.U.D acceptors, it has declined from 2.3 in 1979-80 to 1.4 in 2005-06. Similarly, average age at acceptance has declined during the corresponding periods from 39.5 to 29.5 yeard
for vasectomy acceptors, from 32.4 to 25.8 years for tubectomy acceptors and from 27.4 to 22.7 years for I.U.D. acceptors, which is a good sign. For every vasectomy acceptor above the poverty line the incentive provided by State and Central Government is Rs. 351 and Rs. 150 respectively whereas the incentive provided to every vasectomy acceptor below poverty line by State and Central Government is Rs. 351 and Rs. 500 respectively (i.e. Total incentive of Rs. 501 for person above poverty line and Rs. 851 for person below poverty line).

## National Rural Health Mission

13.34 National Rural Health Mission (NRHM) has been launched by Government of India from April 2005 for the period of 2005-2012. The aim of NRHM is to improve the availability of and access to quality health care, especially for those residing in rural areas, poor people, women and children. Immunisation, nutrition programme and other health programmes are implemented under this mission to reduce Infant Mortality Rate, Maternal Mortality Rate and Total Fertility Rate. Reproductive and Child Health Programme, National Disease Control Programme, Integrated Child Development Service Programme and other Family Welfare Programme are also included under this mission. In Maharashtra under NRHM during 2006-07, grant of Rs. 136.24 crore was sanctioned and expenditure incurred was Rs. 8.89 crore as against Rs 24.18 crore sanctioned during 2005-06 and an expenditure incurred was Rs. 1.93 crore. From above data it reveals that the expenditure incurred under NRHM as against sanctioned amount is very poor.

## Reproductive and Child Health Programme

13.35 The State is implementing Reproductive and Child Health (RCH) Programme-Phase II from April 2005 for the period 2005-06 to 2009-10. The components of RCH Programme are Safe Motherhood Services, Child Survival Services, Adolescent Health, Family Planning, 40 + Services and implementation of Preconception \& Prenatal Diagnostic Techniques (PNDT) Act. Under RCH-II during 2006-07, grant of Rs 124.34 crore was sanctioned and expenditure incurred was Rs. 40.53 crore as against Rs. 53.07 crore sanctioned during 2005-06 and an expenditure incurred was Rs. 14.37 crore. Here also, expenditure incurred against sanctioned amount is very meager.

## Universal Immunisation

13.36 Universal Immunisation programme started in 1985-86 aimed at reduction in mortality and morbidity among infants and younger children due to vaccine- preventable diseases such as T.B., diptheria, whooping cough, tetanus, polio and measles. Incidence of vaccine- preventable diseases has reduced to a measurable level in the state as observed in NFHS-3. In Maharashtra, according to Health Management and Information system, 90 per cent of children received all recommended vaccines during 2006-07.

## Pulse Polio Programme

13.37 The first National Pulse Polio Immunisation Programme was introduced on $9^{\text {th }}$ December, 1995. Details of polio doses administered during 2006-07 and 2007-08 upto the end of February, 2008 are given in Table No. 13.15.

Table No. 13.15
Distribution of Polio doses during 2006-07 and 2007-08

|  | (In lakh) |
| :---: | :---: |
| Date | Beneficiaries under NID/ SNID |
| A) 2006-07 |  |
| i) $9^{\text {th }}$ April, 06 | 115.61* |
| ii) $21^{\text {st }}$ May, 06 | 114.33* |
| iii) $10^{\text {th }}$ September, 06 | 49:32 |
| iv) $12^{\text {th }}$ November, 06 \# | 115.86 |
| v) $7^{\text {th }}$ January, 07 | 117.37* |
| vi) $11^{\text {th }}$ February, 07 | 117.71* |
| B) $\mathbf{2 0 0 7 - 0 8}$ |  |
| i) $18^{\text {th }}$ March, 07 | 51.26 |
| ii) $29^{\text {th }}$ April, 07 | 48.30 |
| iii) $10^{\text {th }}$ June, 07 | 34.31 |
| iv) $1^{\text {st }}$ July, 07 | 31.95 |
| v) $5^{\text {th }}$ August, 07 | 33.48 |
| vi) $9^{\text {th }}$ September, 07 | 33.99 |
| vii) $28^{\text {th }}$ October, 07 | 29.46 |
| viii) $6^{\text {th }}$ January, 08 | 116.72 * |
| ix) $10^{\text {th }}$ February, 08 | 117.21* |

* National Immunisation Day( NID) for whole country
Sub National Immunisation Day (SNID) for high risk areas only
\# Only Booth performance


## School Health Programme

13.38 School health programme is an important preventive measure under primary healthcare. This programme helps in reducing morbidity and mortality in student groups as well as community. This programme is being conducted as a regular activity. Under this programme, free of cost medical services are provided. For needy students, even major operations like cardiac surgeries and referral services are provided free of cost. Both the public and private primary schools are covered under this programme. Students from 1st to 4th standards are examined every year. During the year 2006-07, this programme was taken up from July to October, 2006 and about 63.26 lakh students from 57,156 schools throughout the State were examined and primary treatment was given for minor illnesses and referral services were provided for major illnesses. Dental defects, anaemia, worm-infestation, night blindness, otatis, scabies, skin diseases, eye diseases were the main diseases found during the medical check up of students. Worm-infestation and dental defects are the diseases mainly found in more than 5 per cent students. During the year 2006-07, 43 heart surgeries were done and funds of Rs. 99 lakh were sanctioned for the same, as against 39 heart surgeries done during the year 2005-06 and funds of Rs. 85 lakh sanctioned.

## Jeevandayi Arogya Yojana

13.39 Jeevandayi Arogya Yojana was introduced for Below Poverty Line families in the year 1997-98. Under this scheme, financial assistance is provided for major surgeries of organs viz. brain, kidney, heart and spinal cord. At the commencement of the scheme, such assistance was provided upto Rs. 50,000 per beneficiary. Subsequently, the amount of financial assistance was raised upto Rs. 70,000 in 2000-01 and further upto Rs. 1.5 lakh in 2006-07. Recently, Government has included treatment for cancer under this scheme. Since inception upto 2006-07, the number of beneficiaries under this scheme was 12,954 and during 2007-08 upto October, it was 1,302 . It is observed that majority of the patients were given financial assistance for treatment on heart ailment. Under this scheme, expenditure of Rs. 9.43 crore was incurred during 2006-07 and upto the end of October 2007 of current year, it was Rs. 9.62 crore. Under this scheme, for treatment and surgery, 36 hospitals are approved by the State Govt., of which 9 are government and municipal corporation hospitals and 27 are private and trust hospitals.

## Savitribai Phule Kanya Kalyan Scheme

13.40 Savitribai Phule Kanya Kalyan Scheme is implemented in the state from 1995. As per the State's new population policy, the scheme was modified with effect from $1^{\text {st }}$ April, 2000. This scheme is applicable only to below poverty line families having one or two daughters and no male child and accepting sterilization. The couple having no male child and accepting terminal method after one daughter is given an incentive of Rs. 10,000 in the form of fixed deposit for 18 years in the name of daughter and couple having no male child and accepting terminal method after two daughters is given an amount of Rs. 5,000 to each daughter in the form of fixed deposit for 18 years in the name of daughters. During 2005-06 and 2006-07, under old scheme there were 2,073 and 2,027 beneficiaries and the total expenditure of Rs. 207.3 lakh and Rs. 202.7 lakh was incurred respectively. This scheme is revised from 1st April, 2007 by State Government. Under this scheme in the case of couple with no male child and accepting terminal method after one daughter, Rs. 2000 are given to operated person in cash and Rs. 8000 are kept in the name of daughter in the form of fixed deposit in National Saving Certificate. In the case of couple having no male child and accepting terminal method after two daughters, Rs. 2000 are given to operated person in cash and Rs. 4000 each are kept in the names of both the daughters in the form of fixed deposit in National Saving Certificate.

## Navsanjeevani Yojana

13.41 Navsanjeevani Yojana has been initiated in 1995-96 with the aim of reducing Infant Mortality Rate and Maternal Mortality Rate in tribal areas. It is being implemented in 15 tribal districts of Maharashtra. The components of this scheme pertaining to Health Department are as follows :

1) Regular medical check-up of children in Anganwadi, provision of medical treatment and referral services to sick children and instant treatment to grade III / IV children.
2) Availability of free meals at rural hospitals and primary health centres.
3) In highly sensitive districts, if a child suffering from malnutrition is admitted in a hospital, Rs. 40 per day are paid to the relative of the patient as a compensation for his/her loss
of daily wages. Also, free meal is provided twice a day to the relative.

Progress of the scheme is given in Table No. 13.16 and Table No. 13.17.

Table No. 13.16
Progress under Navsanjeevani Yojana
(Rs. In lakh)

| Name of scheme | Expenditure incurred |  |
| :--- | :---: | :---: |
|  | $2006-07$ | $2007-08^{*}$ |
| Honorary pay for <br> Pada Volunteers | 319.97 | 195.45 |
| Vigilance Squad <br> Matrutva Anudan <br> Treatment for mothers <br>  <br> grade-IV children <br> Meetings of Nursing <br> Assistants <br> Total | 638.83 | 188.94 |

* Upto December, 2007

Table No. 13.17
Total Beneficiaries under Navsanjeevani Yojana

|  | (In lakh) |  |
| :--- | :---: | :---: |
| Name of scheme | No. of Beneficiaries |  |
|  | $2006-07$ | 2007-08* |
| Matrutva Anudan | 0.6 | 0.2 |
| Medical check-up of <br> children in Anganwadi | 9.8 | 6.7 |

* Upto December, 2007


## National AIDS Control Programme

13.42 In order to control the HIV/AIDS pandemic, the Government of India established a separate body, the National AIDS Control Organisation (NACO) in 1992, for defining policies, strategies and implementing the programme in the country. The NACO launched National AIDS Control Programme (NACP). The Government of Maharashtra formed Maharashtra State AIDS Control Society (MSACS) in 1998 to implement phase II of NACP. As observed in NHFS-3, HIV prevalence is stabilizing in India and there is a declining trend in HIV prevalence in Maharashtra State. HIV prevalence rate for Maharashtra state is 0.62 per cent according to NFHS-3. Funds received and expenditure incurred for this programme are shown in Table No. 13.18. The statistics regarding the AIDS control programme for Maharashtra is given in the Table No. 13.19.

Table No. 13.18
Progress under NACP
(Rs. In crore)

| Year | Funds received | Expenditure <br> incurred |
| :--- | :---: | :---: |
| $2003-04$ | 10.00 | 12.39 |
| $2004-05$ | 19.33 | 10.68 |
| $2005-06$ | 25.67 | 22.70 |
| $2006-07$ | 43.65 | 37.23 |
| $2007-08^{*}$ | 34.62 | 27.68 |
| * Upto December, 2007. |  |  |

Table No. 13.19
Statistics regarding HIV/AIDS in the Maharashtra State

| Item |  |  |  | (Number) |  |
| :--- | ---: | ---: | ---: | ---: | ---: |
| Persons screened from risk groups | 2003 | 2004 | 2005 | 2006 | 2007 |
| a) HIV positive by 2 tests | 20,725 | $3,39,982$ | $4,52,402$ | $6,71,309$ | $11,98,895$ |
| b) HIV positivity rate (per cent) | 9.13 | 25,869 | 30,697 | 39,966 | 68,016 |
| AIDS cases | 5,293 | 5,61 | 6.79 | 5.95 | 5.67 |
| AIDS deaths | 455 | 487 | 6,611 | 8,448 | 11,130 |
| Blood units screened | $7,87,197$ | $8,34,865$ | $8,74,034$ | $9,29,952$ | $10,04,243$ |
| Elisa Reactive | 6,140 | 6,178 | 5,769 | 5,394 | 5,624 |
| Elisa Reactivity Rate (Per cent) | 0.78 | 0.74 | 0.66 | 0.58 | 0.56 |

HIV - Human Immuno-deficiency Virus

## State Blood Transfusion Council

13.43 State Blood Transfusion Council was established in 1994. The objective of the Council is to make available safe blood at reasonable price. There are 252 registered blood banks in the State, out of which 73 are Government blood banks, 11 are administered by Red Cross Society, 132 are administered by charitable trusts and 36 are private blood banks. Yearwise blood collection since 2001 is given in Table No. 13.20.

Table No. 13.20

| Yearwise blood collection |  |  |
| :---: | :---: | :---: |
| (In lakh units) |  |  |

## Welfare of Backward Classes

13.44 Government of Maharashtra is making adequate provision in the state's plan for welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes. The Special Component Plan (SCP) for Scheduled Castes and the Tribal Sub-Plan (TSP) for Scheduled Tribes are two strategic policy initiatives to secure overall development of the $\mathrm{SCs} / \mathrm{STs}$ and to remove all socio-economic and educational disparities between them and the rest of the population. During X-FYP, the outlay provided for SCP was more than the share of SCs in state population i.e. 10.2 per cent, while in respect of TSP, the outlay provided was commensurate with the percentage of population of ST i.e.8.9 per cent.

## Schemes for Social Justice

## National Social Assistance Programme

13.45 National Old Age Pension Scheme and National Family Benefit Scheme are the two centrally sponsored schemes implemented under the National Social Assistance Programme in the state for social assistance to below poverty line households.

1) National Old Age Pension Scheme:Under this scheme, each old and destitute person above 65 years was provided with an assistance of Rs. 75 per month by Central Government. From April 2006, the Central Government raised pension to the beneficiary from Rs. 75 to Rs. 200 per month. These beneficiaries are also provided with an assistance of Rs. 175 per month from the State Government under Shravanbal Seva Yojana. During 2006-07, Rs. 133.57 crore from the Central Government's fund and Rs. 160.68 crore from the State Government's fund have been paid to $7,42,561$ beneficiaries.
2) National Family Benefit Scheme:In the case of death of a primary bread winner of a family and in the age group of 18 to 64 years living below poverty line, the affected family is provided with an assistance of Rs. 10,000 lump sum under this scheme as an interim relief. During the year 2006-07, Rs. 20.33 crore from Central Government's fund were paid to 20,339 affected families.

## Sanjay Gandhi Niradhar / Arthik Durbalansathi Anudan Yojana

13.46 This scheme is applicable to the persons and destitute widows below the age of 65 years and those who cannot earn due to physical/mental illness like blindness, handicapped, paralysis, cancer, T.B, AIDS, etc. Under this scheme, Rs. 250 per month are given to the beneficiary. If there are two beneficiaries in a family, such family is given Rs. 500 per month and if there are more than two beneficiaries in a family, they get Rs. 625 per month. Under this scheme during the year $2006-07$, Rs. 103.04 crore were paid to $2,33,116$ beneficiaries.

## Indira Gandhi Niradhar and Bhoomiheen Shetmajoor Mahila Anadan Yojana

13.47 Under this scheme, women belos the age of 65 years and in the categories of lardless agricultural labourer, destitute wicows, parityaktya, women in divorce process, sexually abused women, those whose husband is head of family and is in prison, released from prostitution and orphan girls are benefitted. The beneficiaries are paid Rs. 250 per month up to their permanent rehabilitation. Under this scheme, other eligbility conditions and pattern for financial assistance is similar as that of Sanjay Gandhi Niradhar/Arthik

Durbalansathi Anudan Yojana. Under this scheme, 95,527 women/girls were benefitted during 2006-07 and Rs. 27.70 crore were disbursed.

## Bus fare concession to senior citizens

13.48 As a social obligation and to honour the senior citizens above 65 years of age, Government of Maharashtra is granting 50 per cent concession to senior citizens in ordinary bus fare of Maharashta State Road Transport Corporation (MSRTC). In 2006-07, the amount of such concession was Rs. 162.41 crore, while during 2007-08 upto December, it was Rs. 140.38 crore.

## Women Policy

13.49 Maharashtra was the first state in India to formulate Women Policy in the year 1994. A large number of initiatives emerged thereafter. The Government of India took a historic decision to provide one-third reservation for women in public representation in the Local Self Government Institutions through $73^{\text {rd }}$ and $74^{\text {th }}$ Constitutional Amendments. The Women Policy, 1994 provides for review after every three years, and accordingly, revised policy and various recommendations / measures for the development of the women are incorporated in the Women's Policy, 2001. This Policy provides for participation, protection, economic development, capacity building and a supportive environment to the women. The main objectives of Women Policy are :
i) Women focussed planning in Government, scmi-Government and all organisations funded by Government.
ii) To provide sufficient fund for women's empowerment.
iii) Economic development through self help groups.
iv) Formulation of programmes relating to agriculture and rural development keeping focus at women.

## Child Development Policy

13.50 The child development policy of Government of Maharashtra mainly covers orphan, destitute, homeless and deviated children within the State. The concept of implementation
of this policy is to achieve child development in a planned, structured and disciplined manner. The main objectives of the policy are as follows:
i) Enhancement of antenatal and postnatal care of child health.
ii) To provide free of cost educational and entertainment facilities in foster care, sponsorship and adoption programme.
iii) Prevention of the sexual exploitation and trafficking of children and implementation of the Child Marriage Restraint Act, 1929.
iv) To establish sufficient institutions for HIV affected children, missing children, physieally and mentally challenged children for their protection, education and training.
v) To provide facilities of occupational training to children in day care centers, creches, short stay homes, after care homes, observation homes, Juvenile homes.

## Women and Child Development

13.51 According to population census 2001, women constitute 48 per cent and children (age group 0 to 14) constitute 32 per cent of the total population of Maharashtra State. Taking into account major share of population, for welfare, development and empowerment of women and children, the Government of Maharashtra has introduced many important schemes such as protective homes, hostel for devdasi children, multipurpose community centers. In 2006-07, to prevent farmers' suicides, State Government has declared a package. As a part of this package financial assistance for collective marriages of farmers' daughters was given in six districts of Vidharbha. The performance under the important schemes for upliftment of women and children during 2006-07 in the State is shown in the Table No. 13.21.

## Integrated Programme for Street Children

13.52 The integrated programme for street children provides basic facilities like shelter, nutrition, health care, education and recreation facilities and seeks to protect street children from abuse and exploitation. This scheme is implemented in the State through nine institutions and the number of beneficiaries during $2006-07$ was 2,522 .

Table No. 13.21
Performance under important schemes for upliftment of women and children during 2006-07 in the State


[^22]Table No. 13.22
Percentage of children according to grades of nutrition under Supplementary Nutrition Programme

| Year | Type of | Percentage of children under SNP |  |  |  |
| :---: | :--- | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | Project | Normal child | Grade - I | Grade- II | Grades - III and IV |
| $2005-06$ | Rural | 55.2 | 37.2 | 7.5 | 0.1 |
|  | Tribal | 39.5 | 41.7 | 18.2 | 0.6 |
|  | Urban | 44.3 | 37.1 | 18.1 | 0.5 |
|  | Total | 51.7 | 37.9 | 10.2 | 0.2 |
| $2006-07$ | Rural | 58.1 | 35.0 | 6.8 | 0.1 |
|  | Tribal | 42.4 | 41.9 | 15.2 | 0.5 |
|  | Urban | 48.7 | 35.8 | 16.2 | 0.3 |

13.55.1 In order to cover the gap of 300 calories and 10 to 12 gms . of proteins in diet, Rs. 2.00 per day per beneficiary are made available under this scheme as the feeding cost for providing 'usal' or 'khichdi' at Anganwadi centre in rural area and diet in 'ready to eat' form (sheera or usal) in urban area. The expenditure on nutrition is borne by the Government of Maharashtra, while the expenditure other than nutrition is fully reimbursed from the Government of India.
13.55.2 During 2006-07, the number of beneficiaries covered under supplementary nutrition programme in rural areas of the State was 51.81 lakh including the children in the age-group $0-6$ years, pregnant women and nursing mothers and expenditure of Rs. 239.13 crore was incurred thereon. During 2007-08 upto the end of December 2007, total beneficiaries covered under this programme was 55.38 lakh and the expenditure incurred thereon Rs. 183.22 crore.
13.55.3 During 2006-07, the number of beneficiaries covered uhder supplementary nutrition programme in urban areas of the State was 8.38 lakh including the children in the age group 0-6 years, pregnant women and nursing mothers and expenditure of Rs. 40.79 crore was incurred thereon. During 2007-08 upto the end of December 2007, total beneficiaries covered under this programme was 9.39 lakh and the expenditure incurred thereon was Rs. 28.49 crore.

## Housing

13.56 Shelter is a basic human need next to food and clothing. The State Government has been pro-active in its pro-poor housing palicies to meet housing challenges. The draft housing policy of the State enhances providinuthatert housing, decongesting Mumbai and int whery
 has proposed to build 8 lath d whtheng of

 providing incentiver. Aleo, the 3 Nomstict proposes to adopt cluster appenagh, 41 whit redevelopment with complete fectimithe schooling healthcare, etc. to be devebpet on comptitive bidding basis.
卉解.
P18.56.1 In order to effectivaly gddress ppusing problems in urban areae, the State. Government has set up Maharachtre Hinuts and Area Development Authority (MGADA) ${ }^{3}$ ? City and Industrial Development (CIDCO) Limited. Apart from thee, Rehabilitation Scheme and Shlun Punarvasan Prakalpare also being impizmented to construct houses in urban slums. Mumbai Urban Transport Project (MUTP) and Mumbai Urban Infrastructure Project (MUIP) are implemented in Greater Mumbai by Mumbai Metropolitan Region Development Authority

 areas also, the Government has gutwe

Table No. 13.23

## Progress of dwelling units constructed by MHADA

| Year | Category |  |  |  |  | Total <br> dwelling <br> units | Expenditure <br> (In lakh Rs.) |
| :--- | ---: | ---: | ---: | ---: | ---: | ---: | ---: |
|  | EWS | LIG | MIG | HIG | Others |  |  |
| $2001-02$ | 1,013 | 3,549 | 418 | 223 | 57 | 5,260 | 15,235 |
| $2002-03$ | 93 | 1,796 | 1,235 | 516 | 698 | 4,338 | 24,546 |
| $2003-04$ | 1,361 | 3,862 | 975 | 642 | 1,301 | 8,141 | 20,619 |
| $2004-05$ | 997 | 2,824 | 903 | 1,270 | 816 | 6,810 | 30,541 |
| $2005-06$ | 288 | 3,325 | 601 | 634 | 30 | 4,878 | 21,755 |
| $2006-07$ | 90 | 2,678 | 128 | 1,113 | 15 | 4,024 | 32,656 |
| $2007-08^{*}$ | 100 | 1,202 | 388 | 106 | 3 | 1,799 | 11,021 |

* Upto the end of October, 2007

EWS - Economically Weaker Section, LIG - Lower Income Group,
MIG - Middle Income Group, HIG - Higher Income Group
implemented the rural housing schemes such as 'Indira Awas Yojana' with a view to provide quality houses to the families below poverty line and for weaker sections.

## Urban Housing

## Maharashtra Housing and Area Development Authority (MHADA)

13.57 The main objective of MHADA is to meet the need for housing in urban areas of the State. MHADA secures funds for housing activities from its own sources such as sale of land, interest on investments, rent and service charges, etc. and also receives grants from government, subsidy from Brihan Mumbai Municipal Corporation. MHADA had constructed in all 4.12 lakh dwelling units since inception up to the end of March, 2007, of which 4,024 dwelling units were constructed during 2006-07. Categorywise details of construction of dwelling
units and expenditure incurred since 2001-02 are shown in Table No.13.23.

## City and Industrial Development Corporation Ltd. (CIDCO)

13.58 CIDCO was established in March, 1970 under the Maharashtra Regional and Town Planning Act, 1966 for undertaking development works in the urban areas of the State. CIDCO is implementing ambitious development programmes covering housing for all sections of the community, providing infrastructure like schools, hospitals, community centres, playgrounds, recreational arcas, public utilities and land scaping, etc.
13.58.1 Since inception, CIDCO has constructed $1,73,948$ tenements by March, 2007 with total cost of Rs. 1,337 crore. The details are provided in Table No. 13.24.

Table No. 13.24
Tenements constructed by CIDCO upto march, 2007

| Place |  | Category |  |  |  | Total |
| :--- | ---: | ---: | ---: | ---: | ---: | ---: |
|  | EWS/ | MIG | HIG | Tenements | Expenditure <br> (Rs. in crore) |  |
|  | LIG |  |  |  |  |  |
| Navi Mumbai | 59,747 | 32,603 | 27,110 | $1,19,460$ | 1,230 |  |
| Aurangabad | 18,759 | 1,897 | 432 | 21,088 | 47 |  |
| Nashik | 21,343 | 2,619 | 582 | 24,544 | 42 |  |
| Nanded | 7,758 | 126 | - | 7,884 | 9 |  |
| Waluj (Aurangabad) | 742 | 230 | - | 972 | 9 |  |

## Housing Rehabilitation Slum Rehabilitation Scheme(SRS)

13.59 The Slum Rehabilitation Authority received 2,092 proposals since inception (1995) upto December, 2007, of which 925 proposals were approved. By the end of December, 2007, total 84,538 slum families were rehabilitated.

## Shivshahi Punarvasan Prakalp Ltd.

13.60 Under Shivshahi Punaruasan Prakalp Ltd. (SPPL), since inception (1998) upto the end of October, 2007, construction work of 73 buildings comprising 6,687 tenements was completed and work of 4,260 tenements in 38 buildings was in progress.

## Valmiki Ambedkar Awas Yojana

13.61 The Valmiki Ambedkar Awas Yojana, a centrally sponsored scheme (sharing pattern $50: 50$ ) is being implemented in 80 cities in Maharashtra State since September, 2002 with a view to upgrading the living standard of the slum dwellers who have been living in unhygienic conditions and also for the people below poverty line and belonging to economically weaker sections. The scheme envisages -
i) Construction of new houses by the beneficiaries themselves
ii) Upgradation / Repairs of the existing slums
iii) Construction of toilet seats under Nirmal Bharat Abhiyan.
13.61.1 In lieu of construction cost, each beneficiary in Mega city is given Rs. 60,000, Metro cities Rs. 50,000 and other cities Rs. 40,000 . Under this scheme, total expenditure of Rs. 419.59 crore was incurred upto September, 2007 and construction work of 69,769 houses, upgradation of 474 houses and construction of 27,706 toilet seats was completed.
13.61.2 Under this scheme, during 2006-07, construction of 13,948 houses, upgradation of 238 houses and construction of 7,033 toilet seats was completed and expenditure of Rs. 93.00 crore was incurred. During 2007-08 upto September, 2007, construction of 6,168 houses and 1,361 toilet seats was completed and expenditure of Rs. 31.81 crore was incurred. It
is targeted to complete all the balance works upto March, 2008.

## Beedi Worker Gharkul Yojana

13.62 The State Government has been implementing Beedi Worker Gharkul Yojana since July, 2001 in order to raise the living standard of the Beedi workers belonging to economically weaker section. Under this scheme, financial assistance of Rs. 20,000 per house from the State and the Central Governments is given separately. Under this scheme upto October, 2007, financial assistance of Rs. 21.86 crore was given to four co-operative housing societies of Beedi workers in Solapur. These societies proposed to construct 11,051 houses, of which 10,774 houses were completed by the end of October, 2007 since inception.

## Rehabilitation under Mumbai Metropolitan Region Development Authority (MMRDA) Project

13.63 To develop infrastructure facilities in Municipal corporation, Mumbai Metropolitan Region Development Authority has undertaken the projects of Mumbai Urban Transport Project (MUTP), Mumbai Urban Infrastructure Project (MUIP), Mithi River Development Project, Mahatma Gandhi Footpath- Free Scheme, Nirmal MMR Abhiyan, Metro Railway, Mono Rail and Skywalk for pedestrians. Out of the 4 lakh population, it is necessary to shift about 65 thousand slum dwellers that were affected by the development projects. About 19,000 slum dwellers affected by MUTP, 14,000 affected by MUIP, 5,000 affected by Mithi River phase-1, 3500 affected by Metro Railway and 2500 affected under Mahatma Gandhi Footpath-Free Scheme were rehabilitated. Government of Maharashtra and MMRDA are committed to carry out development with social objective have constructed 225 sq.ft. tenements at 32 different locations in Mumbai. In total, more than Rs. 2,000 crore has been spent on it.

## Rural Housing <br> Indira Awas Yojana

13.64 The objective of Indira Awas Yojana (IAY) is to provide houses free of cost to below poverty line families in rural areas. In order to construct houses of durable quality, the State Government has fixed cost per house at

Rs. 30,000 . The funding pattern of this scheme currently in force from April, 2004 is as follows.
a) Central Government's Rs. 18,750
share ( 75 per cent)
b) State Government's share ( 25 per cent)
Sub-total
c) State Government's additional share
d) Beneficiary's share

## Total

13.64.1 As IAY has a limited scope of construction of new houses, it was felt necessary to include upgradation of unserviceable Kutcha houses in rural areas under IAY. In view of this, Government has modified the scheme and 80 per cent of the funds under IAY are to be used for construction of new houses and 20 per cent of the funds for upgradation of existing unserviceable Kutcha houses. For this work, Rs. 12,500 per unit are fixed which can also be used for improving sanitary, latrine and smokeless chulhas attached to the houses, wherever necessary. The details of the progress of IAY are given in Table No. 13.25.

Table No. 13.25
Progress under Indira Awas Yojana

| Year | No. of houses |  | Expenditure <br> (Rs.crore) |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | Target | Achievement |  |
| 2004-05 | 1,05,622 | 1,25,347 | 226 |
| 2005-06 | 78,478 | 94,054 | 238 |
| 2006-07 | 83,430 | 78,427 | 246 |
| 2007-08* | 1,15,879 | 42,620 | 175 |

* Upto the end of November, 2007


## Water Supply

13.65 Availability of safe drinking water and provision of sanitation facilities are the basic minimum requirements for healthy living. State Government and urban local bodies are responsible for providing such facilities to the urban population. The supply of drinking water in cities is posing serious problems because of scarcity of water and inability of civic authorities to access new sources of potable water. Acute scarcity of water in summer has become common. During the XI - FYP, 188 augmentation water supply schemes for 170 towns are taken up, of which, 55 are completed and 133 are on going. Provision of Rs. 48.99 crore is made for 2007-08 for the Urban Water Supply Programme.
13.65.1 Government of India and State Government have accorded very high priority to the drinking water supply programme. This programme has been included in the ' 20 point programme' and also in the 'National Minimum Needs Programme'. The rural drinking water supply schemes are implemented by providing piped water supply, bore wells and dug wells, depending on the source of water, terrain and population of the village.
13.65.2 As per comprehensive action plan, there were 16,828 villages/wadies having problem of drinking water in the State as on $1^{\text {st }}$ April, 2007. A provision of Rs. 1,250 crore is earmarked for rural water supply programme in the Annual Plan 2007-08. During 2007-08, upto the end of December, 2007, 940 villages/ wadies from comprehensive action plan, 748 villages/wadies from slipped back and quality affected 468 villages/wadies, thus in all 2,156 villages/wadies were tackled for which an expenditure of Rs. 461.10 crore was incurred.
13.65.3 Due to inadequacy of rainfall and water shortage in the sources of regular schemes, acute scarcity of drinking water arises in a number of villages in the State every year. The State Covernment has to take emergency water supply schemes in these villagee/towns. The District Collectors and Divisional Conmissioners have been given adequate powers for execution and monitoring of the scarcity programmes. Every year, the scarcity programme is implemented during the period from October to June. The schemewise number of villages/wadis covered under this programme during the period from October, 2006 to September, 2007 are shown in Table No. 13.26.

Table No. 13.26
Villages/wadies covered under emergency water supply schemes during October, 2006 to September, 2007

| Name of the scheme | Villages | Wadis |
| :--- | ---: | ---: |
| Construction of new borewells | 1,170 | 637 |
| Special repairs to piped | 731 | 153 |
| water schemes |  |  |
| Special repairs to borewells | 1,862 | 374 |
| Temporary supplementary | 141 | 70 |
| piped water schemes |  |  |
| Supply of water by <br> tankers/bullock carts | 1,208 | 1,778 |
| Requisition of private wells | 2,171 | 260 |
| Deapeningldenitiation of | 121 | 3 |
| existing wells |  | 9 |

13.65.4 The total expenditure incurred during 2006-07 on the various schemes of water supply under emergency amounted to Rs. 749.58 crore.

## Sanitation

13.66 Sanitation, in its broadest meaning refers to formulation and application of measures designed to protect public health. It aims to control environmental pollution, particularly in water and waste water, that could harm health and survival of human beings.

## Nirmal Gram Purskar Yojana(Open Defecation Free Scheme)

13.67 The Government of India has launched Nirmal Gram Purskar Yojana in 2003-04 with the aim to completely stop the practice of open defecation in raral areas. Under this scheme, cash prizes are given to village Panchayats, Panchayat Samitis and Zilla l'arishads who stop open defecation completely and thereby keep village clean. Under this scheme cash prizes are also given to persons/ institutions who promote toilet construction and their proper use in rural people. Under this programme 100 per cent centrally sponsored prizes are given and the details thereof are given in Table No.13.27.

Table No. 13.27
Centrally Sponsored Prizes

| Open defecation $\sim^{\prime}$ free area | Population criteria | Cash incentive recommended | Incentive to individual | Incentive to arganisation/s other than PRIs |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| Gram | Upto 1000 | 0.50 |  |  |
| Panchayat | 1,000 to 2000 | 1.00 |  |  |
|  | 2,000 to 5,000 | 2.00 | 0.10 | 0.20 |
|  | 5,000 to 10,000 | 4.00 |  |  |
|  | Above 10,000 | 5.00 |  |  |
| \| Block | Upto 50,000 | 10.00 |  |  |
|  | Above 50,000 | 20.00 | 0.20 | 0.35 |
| District | Upto 10 lakh | 30.00 | , |  |
|  | Above 10 lakh | 50.00 | 0.30 | 0.50 |

13.67.1 Government of Maharashtra with , the success of Sant Gadgebaba Clean Village Campaign has organised Open Defecation- Free Village Campaign on large scale in the state with joint efforts of rural people/organisations. Rural people of the state have given positive
response to these efforts and Maharashtra State is leading in the implementation of Cleanliness Campaign in the country. This Campaign is improving environment and health of people in rural area. In a short span of 2 years about 100 villages have achieved the status of 'Hagandari Mukt Gaon' and many more are in the process.

## Sant Gadgebaba Gram Swachhata Abhiyan

13.68 With the intention to gear up the programme of rural sanitation and to increase the peoples participation, Sant Gadgebaba Gram Swachhata Abhiyan is being implemented in rural areas of the State. The selection committees are constituted at various levels from Zilla Parishad constituency to State level to select the best Gram Panchayats in this programme. The first three best Gram Panchayatis from each Panchayat Samiti will be awarded Rs. 25,000, Rs. 15,000 and Rs. 10,000 respectively. First three Gram Panchayats in each district will be awarded Rs. 5 lakh, Rs. 3 lakh and Rs. 2 lakh respectively. Likewise, in each division two Gram Panchayats will be awarded Rs. 10 lakh and Rs. 6 lakh and first 3 Grampanchayats in the State will be awarded Rs. 25 lakh, Rs. 15 lakh and Rs. 12.50 lakh respectively in the name of Rashtra Sant Tukdoji Maharaj. Also Open Defecation Free Panchayat Samitis in the State will be awarded Rs. 4 lakh each, and Open. Defecation Free Zilla Parishads in the State will be awarded Rs. 20 lakhs each, as well as those districts making maximum number of Open Defecation Free Gram Panchayats will be awarded Rs. 10 lakh in the name of Rashtrapita Mahatma Gandhi.
13.68.1 It has been decided in 2005-06 to honour schools doing the best work in the field of sanitation by giving cash prizes in the name of Sane Guruji Clean School and to honour the Anganwadi doing the best work in the field of sanitation by giving cash prizes in the name of Sawitribai Phule Clean Anganwadi. Details are given in Table No. 13.28.

Table No. 13.28

## Amount of first prize for clean Schools and Anganwadis

|  |  | (Rs. in lakhs) |
| :--- | ---: | :---: |
| Level | Schools | Anganwadi |
| Panchayat Samiti | 0.10 | 0.05 |
| District | 0.50 | 0.25 |
| Division | 1.00 | 0.50 |
| State | 3.00 | 1.00 |

13.68.2 Since $2000-01$ to $2006-07$ within the period of seven years, 7,350 Village Panchayats have been awarded prizes under Sant Gadgebaba Gram Swachhata Campaign. Total Rs. 50 crore have been spent on this award. Without taking any financial assistance from Government, the villages have done various types of development works spontaneously. Besides this, under this campaign, a lot of public awareness, villagers' enthusiasm, unity etc. are generated which is invaluable.

## Environment Conservation

13.69 The Maharashtra Pollution Control Board (MPCB) in the State is regularly monitoring environmental water quality of main rivers at 48 locations under Global Environmental Monitoring System (GEMS) and Monitoring of Indian National Aquatic Resources (MINARS) projects. Out of these 48 locations, the water quality was found to be deteriorated at 35 locations during 2006-07.
13.69.1 The ambient air quality in Greater Mumbai is monitored by Brihan Mumbai Municipal Corporation at 6 locations. MPCB and various educational institutes are monitoring air quality at 40 locations under National Air Monitoring Programme (NAPM) in the State. MPCB is monitoring air quality at 4 locations and at the remaining 36 stations it is monitored by the educational institutes and local bodies.
13.69.2 The Board collects data on various aspects of water and air pollution from all major establishments in the State and regularly monitors them. During 2006-07, under 'Water and Air Pollution Act,' the Board issued 12,709 consents to various industries to establish or expand. As per the provision under the Act, the Board collects water cess from the specified industries and local bodies on the basis of consumption of water. An amount of Rs. 30 crore was collected as cess during 2006-07.
13.69.3 In pursuance to the Bio-medical Rules, 1998 the State Government has appointed MPCB as an implementing authority. The Board has already started preparing inventory of Biomedical waste generating hospitals/medical institutions. Till the end of October, 2007, the Board had given authorisation certificates to 8,710 health care establishments.

## National River Action Plan

13.70 Under National River Action Plan, the Central Government has decided to purify the polluted area of main rivers in the country. The National River Action Plan has been launched in 1995 in the State. This was 100 per cent Centrally sponsored scheme up to April, 1997. In the X-FYP, Government of India has changed the sharing pattern and accordingly 70 per cent cost will be shared by the Central Government and 30 per cent cost will be shared by the concerned Municipal Corporation/ Municipal Council. The main objective of this scheme is to reduce river water pollution due to municipal sewage/domestic liquid wastes. Subschemes like sewage treatment plant, interception and diversion, river front development, low cost sanitations, crematoria development and afforestation works are undertaken under this scheme. The cumulative expenditure incurred under the scheme since inception upto the end of November, 2007 is given in Table No. 13.29.

Table No. 13.29
Expenditure incurred under the National River Action Plan
(In lakh Rs.)

| Name of Town | Cumulative Expenditure |
| :--- | :---: |
| Tryambakeshwar | 1,148 |
| Nashik | 6,331 |
| Nanded | 1,207 |
| Karad | 309 |
| Sangli | 1,845 |

## National lake conservation plan

13.71 National lake conservation plan is a centrally sponsored scheme with 30 per cent state share. The objective of the scheme is to restore, protect and conserve ecologically degraded and polluted lakes in urban and semi-urban areas. Under this scheme, 13 lakes have been facilitated in the Maharashtra State viz. Powai LakeMumbai, 9 lakes from Thane (Rs. 2.51 crore), Mahalakshmi Lake-Vadgaon (Rs. 1.85 crore), Ranakala Lake-Kolhapur (Rs. 8.65 crore) and Varaladevi Lake-Bhivandi (Rs. 4.60 crore). Work of Powai lake was completed in April, 2003 with the cost of Rs. 4.32 crore. Total cost of the all the approved projects is of Rs. 21.93 crore.

## State Lake Conservation Scheme

13.72 Lakes are useful for groundwater recharging, supporting bio-diversity and microclimate, drinking water, fishing, recreation and for flood mitigation. Considering their vital importance the State Government provides funds for conservation of degraded lakes. Projects approved and funded under this scheme are Yamai Lake-Pandharpur (Rs. 2.92 crore), Hanuman Lake-Katol (Rs. 2.13 crore), Charlotte Lake-Matheran (Rs. 3.63 crore) and Jaysingrao Lake-Kagal (Rs. 2.61 crore). The conservation and restoration works of these lakes are in progress.

## Environmental Information System (ENVIS)

13.73 Environmental information system is 100 per cent centrally sponsored scheme with an objective to develop environmental information highway. The main focus is to collate, collect and disseminate proper and scientific information related to environmental issues for decision-makers, policy makers, scientists, students and public. State ENVIS centre is established in March, 2003. This centre has developed dedicated website with an URL:http:envis.maharashtra.gov.in. Website contains information on Status of Environment such as Environmental data bank, News

Repository System, E-library, Legislation Schemes, Slide shows, Photo gallery, Discussion forum, Complain Redressal System, Environmental Education, Kid's Corner with quiz and books on environmental for children. This centre also publishes monthly Marathi magazine 'Runanubandh' and electronic 'ENVIS NEWSLETTER' to disseminate environmental information.

## National Green Corps

13.74 National Green Corps is an ambitious programme 100 per cent centrally sponsored. The objective of the scheme is to spread environmental awareness through school students by educating them through various participatory programmes on environmental Conservation and Protection. Since 2002, in the selected schools of each district in the State 250 Eco-clubs have been established. Each Eco-club involves participation of 50 students. As on today, 8,844 Eco-clubs with 4,42,500 students are actively working. Various participatory projects like Smritivan Development, Seed Bank, impact of fire crackers, noise and water pollution etc. are being conducted by students in these Eco-clubs. Government of India provides funds of Rs. 2,500 per annum to each Eco-club.
14.1 The National Sample Survey (NSS) Organisation of the Government of India was established in the year 1950 on the recommendation of Prof. P. C. Mahalanobis in order to fill up the data gaps in the primary statistics through sample surveys. The NSS is a nationwide, large scale, continuous survey operation conducted annually in the form of successive rounds. The Government of Maharashtra participates in these surveys on matching sample basis since 1955. So far, 63 such surveys on various socio-economic aspects have been conducted and the fieldwork of the current $64^{\text {th }}$ round survey (July, 2007-June,2008) is in progress. In this round, information on 'Participation \& Expenditure on Education' and 'Employment-Unemployment \& Migrafion Particulars' is being collected. Some of the important results based on the quick tabulation of the State sample data collected during July to December, 2007 (first two sub-rounds) are presented in this chapter. These results are provisional and subject to revision after detailed tabulation of the complete data for the round are available.
14.2 Some of the concepts and definitions used during the survey are briefly discussed below.
14.2.1 Educational level: It is the highest level of educational attainment by a person among the different levels defined for this purpose.
14.2.2 Level of current attendance: It refers to the current educational level in which a person is pursuing his/her current education.
14.2.3 Literate: A person is considered as literate if he/she can read and write a simple message in at least one language with understanding.
14.2.4 Drop out and Discontinuance: An ever-enrolled student currently not pursuing
education, may be due to either : (i) he/she has discontinued after completing the last level of education for which he/she was enrolled; or (ii) he/she has discontinued education before attaining a specific level. Here, the former is the clear case of discontinuation and the latter one is drop out.
14.2.5 Usual place of residence: The usual place of residence of a person is defined as a place (village/town) where the person had stayed continuously for a period of six months or more.
14.2.6 Migrant: A household member whose last usual place of residence is different from the present place of enumeration is considered as a migrant member in a household.
14.2.7 Out-migrant: Any former member of a household who left the household, any time in the past, for stay outside the village/town is considered as out-migrant provided he/she is alive on the date of survey.
14.2.8 Remittances from out-migrants: These are the transfers, either in cash or kind, to the households by their former members who had migrated out. For the purpose of the survey, the former household members, who had migrated out any time in the past, are considered and the transfers by them during last 365 days are treated as remittances. The transfers in the form of loans are not considered as remittances. The valuation of the remittances received in kind is done by considering the market value of the kind received by the household. If cash remittances are in any foreign currency, exchange value of the cash remittances in Indian Rupee is arrived at to. determine the amount of remittances.
14.3 The samples for the survey are selected by adopting multi-stage stratified sampling design. Accordingly, the results presented here, are based on the data collected from 252 villages in the rural areas and 376 UFS blocks in the urban
areas of the State. The information on 'Participation \& Expenditure on Education' is collected from 1,980 households located in the rural areas and 2,926 households located in the urban areas. The information on 'EmploymentUnemployment \& Migration Particulars' is collected from 2,441 households located in the rural areas and 3,588 households located in the urban areas.

## Participation and expenditure on education

14.4 As per the survey results, the estimates of literacy rates for Maharashtra for the population of age 7 years and above are presented in the Table No.14.1. The educational level of the persons is ascertained during the survey. On the basis of the educational level, the overall literacy rate of the population aged 7 years and above is estimated at 78.2 per cent, for the rural areas is 71.7 per cent and for the urban areas is 87.7 per cent. As per the Census, 2001, these rates are 76.9 per cent, 70.4 per cent and 85.5 per cent respectively.

Table No. 14.1

## Estimates of literacy rates for <br> Maharashtra

(July - December, 2007)
(Per cent)

|  |  |  | (Per cent) |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| Area | Persons | Males | Females |
| State | 78.2 | 86.2 | 69.3 |
|  | $(76.9)$ | $(86.0)$ | $(67.0)$ |
| Rural | 71.7 | 81.5 | 61.3 |
|  | $(70.4)$ | $(81.9)$ | $(58.4)$ |
| Urban | 87.7 | 93.0 | 81.6 |
|  | $(85.5)$ | $(91.0)$ | $(79.1)$ |

Figures in brackets as per Census, 2001
14.5 The percentage distribution of the population of age 7 years and above by level of education is given in the Table No.14.2. The percentage of population (age 7 years and above) with higher education is significantly high in the urban areas as compared to the rural areas.
14.6 To assess the availability of school having primary, middle and secondary level classes within a reasonable distance from the residence of the household, the nearest distance to such school for the household was ascertained during the survey. The percentage distribution of households by distance to the nearest school with specified level classes is given in the Table No.14.3. It is observed that 98 per cent households in the rural areas and 92 per cent households in

Table No. 14.2
Percentage distribution of population of age 7 years \& above by level of education

| Level of education | Rural | Urban |
| :--- | :---: | :---: |
| Not Literate | 28.3 | 12.3 |
| Below Primary | 7.0 | 5.6 |
| Primary | 19.7 | 16.3 |
| Middle | 24.6 | 25.2 |
| Secondary | 11.2 | 15.5 |
| Higher Secondary | 5.7 | 10.0 |
| Diploma/Certificate | 0.9 | 1.9 |
| Graduate | 2.1 | 10.4 |
| Post Graduate | 0.5 | 2.8 |
| AlI | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ |

the urban areas had school with primary level classes within a vicinity of one km . The availability of school facility with middle and secondary level classes is seen to be better, as far as the distance is considered, in the urban areas than in the rural areas. About 15 per cent of the rural households and 2 per cent of the urban households still had school with secondary level classes beyond 5 km of distance from their residences.
14.7 During this survey, detailed information on participation in education of the persons of age 5 to 29 years is gathered. The detailed results for the sub-groups 6 -14 years, $15-18$ years and 19-23 years are separately discussed. These age groups broadly relate to primary, higher secondary and above higher secondary levels of

Table No.14.3
Percentage distribution of households by distance of school facility

| Distance (km) of Facility available to households |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: |
| school facility | Primary | middle | Secondary |
| Rural |  |  |  |
| <1 | 97.7 | 73.0 | 53.5 |
| 1-2 | 2.1 | 9.6 | 10.0 |
| 2-3 | 0.2 | 8.6 | 10.0 |
| 3-5 | 0.0 | 6.2 | 11.9 |
| > 5 | 0.0 | 2.6 | 14.6 |
| All | 100.0 | 100.0 | 100.0 |
| Urban |  |  |  |
| <1 | 91.7 | 80.8 | 80.8 |
| 1-2 | 7.3 | 13.7 | 13.7 |
| 2-3 | 0.6 | 3.2 | 3.2 |
| 3-5 | 0.3 | 0.7 | 0.7 |
| $>5$ | 0.1 | 1.6 | 1.6 |
| All | 100.0 | 100.0 | 100.0 |

Table No. 14.4
Percentage distribution of children of age 6-14 years by current attendance

| Current attendance | Rural |  |  |  |  | Urban |  |  |
| :--- | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | Boys | Girls | Total |  | Boys | Girls | Total |  |
| Never attended | 3.8 | 3.0 | 3.5 |  | 1.6 | 4.7 | 3.0 |  |
| Ever attended, but currently not attending | 3.5 | 6.2 | 4.7 |  | 2.0 | 3.8 | 2.9 |  |
| (Discontinuation) | $(1.3)$ | $(2.1)$ | $(1.7)$ | $(0.6)$ | $(1.4)$ | $(1.0)$ |  |  |
| (Drop out) | $(2.2)$ | $(4.1)$ | $(3.0)$ | $(1.4)$ | $(2.4)$ | $(1.9)$ |  |  |
| Currently attending | 92.7 | 90.8 | 91.8 | 96.4 | 91.5 | 94.1 |  |  |
| All | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ |  |  |

education respectively. The percentage distribution of children of age 6-14 years by current attendance is given in the Table No.14.4. It is observed that the gross attendance ratio for children of age $6-14$ years is about 92 per cent in the rural areas and about 94 per cent in the urban areas. The gross attendance ratio for girls is lower than that for boys in both the rural and urban areas, however, the difference is only about 2 per cent. The proportion of out of school children of age 6-14 years is about 8 per cent in the rural areas and about 6 per cent in the urban areas. In this survey, information on drop out and discontinuance from school is collected. Although both the terms are used alike, the results are separately generated so as to have some idea about the gravity of the problem. It is seen that of the 8 per cent out of school children in the rural areas, about 20 per cent had discontinued education after successful completion, while about 37 per cent had been actually dropped out of the education system and rest 43 per cent had never attended any school. Of the 6 per cent out of school children in the urban areas, 17 per cent had discontinued and about 32 per cent had been dropped out, while 51 per cent had never attended any school.
14.8 The percentage distribution of persons of age 15-18 years and 19-23 years by current
attendance is given in the Table No.14.5. The proportion of never attended persons of age $15-18$ years and 19-23 years is more than double in the rural areas as compared to the urban areas. The proportion of drop outs for these age groups is considerably high in the rural areas as compared to the urban areas.

Table No.14.6
Percentage distribution of persons of age 5-29 years by level of current attendance

| Level of education | Rural | Urban |
| :--- | :---: | :---: |
| Primary | 47 | 38 |
| Middle | 26 | 24 |
| Secondary | 12 | 14 |
| Higher Secondary | 9 | 10 |
| Diploma/Certificate | 4 | 8 |
| Graduate | 2 | 5 |
| Post Graduate | neg. | 1 |
| All | $\mathbf{1 0 0}$ | $\mathbf{1 0 0}$ |

14.9 The percentage distribution of persons of age 5-29 years by level of current attendance is given in the Table No.14.6. It is observed that the proportion of persons of age 5-29 years who are currently attending higher secondary and above classes is very low, especially in the rural areas.
14.10 For the persons of age 5 to 29 years, the percentage distribution by type of institution for

Table No. 14.5
Percentage distribution of persons of age $15-18$ years and $19-23$ years by current attendance

| Current attendance | Age group 15-18 years |  |  | Age group 19-23 years |  |
| :--- | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | Rural | Urban |  | Rural | Urban |
| Never attended | 6.9 | 3.0 |  | 12.4 | 5.2 |
| Ever attended, but currently not attending | 39.6 | 34.6 |  | 71.6 | 69.1 |
| (Discontinuation) | $(17.6)$ | $(16.6)$ |  | $(36.8)$ | $(41.8)$ |
| (Drop out) | $(22.0)$ | $(18.0)$ |  | $(34.8)$ | $(27.3)$ |
| Currently attending | 53.5 | 62.4 | 16.0 | 25.7 |  |
| All | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ |  |

Table No.14.7
Percentage distribution of persons by type of institution for each level of current attendance

|  | Persons currently attending (age group 5-29 years) |  |  |  |  |
| :--- | ---: | ---: | ---: | ---: | ---: |
| Type of institution |  |  |  | Primary | Middle |
|  |  | Secondary | Higher <br> Secondary | Higher <br> Secondary + |  |
| Rural |  |  |  |  |  |
| Government \& Local bodies | 83.9 | 52.0 | 33.7 | 16.1 | 22.7 |
| Private aided | 14.5 | 45.9 | 62.8 | 80.1 | 70.0 |
| Private unaided | 1.0 | 1.1 | 1.3 | 2.4 | 7.3 |
| Type not stated | 0.6 | 1.0 | 2.2 | 1.4 | 0.0 |
| All | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ |
| Urban |  |  |  |  |  |
| Government \& Local bodies | 47.9 | 39.6 | 27.0 | $\mathbf{1 9 . 7}$ | 17.0 |
| Private aided | 38.8 | 51.5 | 64.1 | 72.3 | 62.0 |
| Private unaided | 12.8 | 8.6 | 8.4 | 7.9 | $\mathbf{1 9 . 5}$ |
| Type not stated | 0.5 | 0.3 | 0.5 | 0.1 | 1.5 |
| All | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ |

each level of current attendance is given in the Table No.14.7. It is observed that the proportion of persons attending private aided and unaided schools is significantly high for higher level classes. In the case of primary education, most of the children are studying in institutions belonging to either government or local bodies. In the urban areas, the proportion of persons studying in
private institutions is significantly high for almost all the levels.
14.11 During this survey, information on expenditure incurred on dependents of age 5-29 years studying away from home, by the household for the current academic year was collected. It is observed that such expenditure at all the levels of education taken together for the households in

Table No. 14.8
Percentage distribution of average expenditure per annum per student of age 5-29 years staying with household by items of expenditure for each level of current educational attendance

|  | Current educational attendance |  |  |  |  |
| :--- | ---: | ---: | ---: | ---: | ---: |
| Item of expenditure | Primary | Middle | Secondary | Higher <br> Secondary | Higher <br> Secondary + |
| Rural |  |  |  |  |  |
| Fees | 15.3 | 17.8 | 16.0 | 23.5 | 65.7 |
| Books \& Stationery | 30.8 | 36.1 | 33.2 | 26.9 | 13.4 |
| Uniform | 30.7 | 26.3 | 19.5 | 11.5 | 2.6 |
| Transport | 8.3 | 6.3 | 6.3 | 17.2 | 9.9 |
| Private coaching | 5.2 | 6.1 | 16.9 | 13.1 | 3.9 |
| Other expenditure | 9.7 | 7.4 | 8.1 | 7.8 | 4.5 |
| Total | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ |
| Average expenditure (Rs.) | $\mathbf{6 7 6}$ | $\mathbf{1 , 1 6 8}$ | $\mathbf{1 , 9 3 4}$ | $\mathbf{3 , 0 6 7}$ | $\mathbf{9 , 6 9 4}$ |
| Urban |  |  |  |  |  |
| Fees | 38.3 | 33.6 | 26.6 | 32.9 | 69.9 |
| Books \& Stationery | 15.6 | 17.9 | 15.4 | 14.9 | 10.2 |
| Uniform | 10.1 | 9.5 | 6.8 | 2.9 | 1.1 |
| Transport | 12.8 | 6.9 | 6.9 | 9.0 | 6.8 |
| Private coaching | 18.9 | 28.7 | 42.0 | 36.4 | 8.9 |
| Other expenditure | 4.3 | 3.4 | 2.3 | 3.9 | 3.1 |
| Total | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ |
| Average expenditure (Rs.) | $\mathbf{3 , 5 3 7}$ | $\mathbf{3 , 9 0 1}$ | $\mathbf{5 , 6 1 6}$ | $\mathbf{8 , 8 0 9}$ | $\mathbf{2 1 , 8 4 2}$ |

the rural areas was Rs. 9,721 per household as against Rs. 42,144 for the households in the urban areas. This amount per dependent member studying away from home was Rs. 5,872 in the rural areas and Rs.22,892 in the urban areas.
14.12 The percentage distribution of average expenditure per student of age $5-29$ years staying with the household by items of expenditure for each level of current attendance is given in the Table No.14.8. It is observed that the average expenditure for students studying in primary classes was Rs. 676 in the rural areas and Rs. 3,537 in the urban areas.

## Migration

14.13 During this survey, information on migration particulars of the population is collected. The migration particulars include in-migration, out-migration of members of households and household migration as a whole. If the entire household which is enumerated has moved to the place of enumeration during the last 365 days preceding the date of survey, it was considered as a migrant household. The proportion of migrant households was 3 per cent of the total households in both the rural and urban areas. The reasons for household migration indicate that two-third of the migrant households have moved due to employment related reasons, which is followed by education. The percentage distribution of migrant households by reasons for migration is given in the Table No.14.9.

Table No. 14.9
Percentage distribution of migrant households by reasons for migration

| Reason for migration | Rural | Urban |
| :--- | :---: | :---: |
| Employment | 62 | 63 |
| Business | 3 | 7 |
| Lüucation | 20 | 21 |
| Housing problems | 4 | 2 |
| Post retirement | 3 | 7 |
| Others | 8 | 0 |
| All | $\mathbf{1 0 0}$ | $\mathbf{1 0 0}$ |

14.14 The percentage distribution of migrated population by period since migrated is given in the Table No.14.10. It is observed that the proportion of migrated persons migrated since 10 years and above is considerably high.
14.15 The percentage of migrant population by location of last usual place of residence is

Table No. 14.10
Percentage distribution of migrated population by period since migrated

| Period since migrated <br> (In years) | Rural | Urban |
| :--- | ---: | ---: |
| 0 | 2.3 | 1.6 |
| $1-4$ | 16.6 | 19.6 |
| $5-9$ | 13.9 | 17.9 |
| $10 \&$ above | 67.2 | 60.9 |
| All | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ |
| Proportion ofmigrated | 30 | 37 |

given in the Table No.14.11. It is observed that the proportion of migrants coming from other states is about 32 per cent in the urban areas of Maharashtra. The internal migration is seen to be prominent in the rural areas of the State.

Table No.14.11
Percentage of migrants by location of last usual place of residence

| Location of last usual <br> place of residence | Rural | Urban |
| :--- | ---: | ---: |
| From same district |  |  |
| $\quad$ Rural to | 59.0 | 15.4 |
| $\quad$ Urban to | 7.8 | 10.5 |
| From other district |  |  |
| Rural to | 22.4 | 20.9 |
| Urban to | 7.3 | 20.8 |
| From other state |  |  |
| $\quad$ Rural to | 2.5 | 24.3 |
| Urban to | 1.0 | 8.1 |
| All | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ |

14.16 The percentage distribution of migrants by reason for leaving last usual place of residence is given in the Table No.14.12. It is observed that 'marriage' is one of the important reasons for

Table No.14.12
Percentage distribution of migrants by reason for migration

| Reason for migration | Rural | Urban |
| :--- | ---: | ---: |
| Employment | 6.9 | 26.9 |
| Business | 0.7 | 2.0 |
| Education | 2.4 | 2.4 |
| Marriage | 77.0 | $\mathbf{3 5 . 8}$ |
| Migration of parents/ |  |  |
| earning member | 9.2 | $\mathbf{2 6 . 0}$ |
| Others | 3.8 | 6.9 |
| All | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ | $\mathbf{1 0 0 . 0}$ |

migration, followed by 'migration of parents/ earning members'. 'Employment' is considerably important reason for migration in the urban areas than that in the rural areas.
14.17 During this survey, the information on remittances received from any former member of the household who left the household any time in the past was collected. The proportion of households with out-migrant members was 8 per cent in the rural areas and 2 per cent in the urban areas. The average annual amount of remittances received by such households was Rs. 11,817 in the rural areas and Rs. 38,144 in the urban areas. The proportion of households reporting various uses of the remittances is given in the Table No.14.13. It is observed that most of the households used the amount of remittances for the purpose of household consumption expenditure on food items. The proportion of households reporting the use of remittances for the health care expenditure is also seen to be significant.

Table No. 14.13
Proportion of households reporting various uses of the remittances
(Per cent)

| Use of remittances | Rural | Urban |
| :--- | ---: | ---: |
| On household consumption |  |  |
| $\quad$ Food items | 74 | 75 |
| Education | 20 | 35 |
| Durable goods | 14 | 21 |
| Marriage \& other ceremonies | 2 | 2 |
| $\quad$ Health care | 37 | 39 |
| Improvement in housing | 4 | 5 |
| Debt repayments | 2 | 1 |
| Financing working capital | 2 | 2 |
| Savings | 0 | 4 |
| Others | 5 | 6 |

$$
\frac{\text { भाग दोन }}{\text { सांख्यिकीय तक्ते }}
$$

## PART II

STATISTICAL TABLES

औद्योगिक स्त्रोतांनुसार स्थूल राज्यांतर्गत उत्पाद - चालू किमतींनुसार
GROSS STATE DOMESTIC PRODUCT BY INDUSTRY OF ORIGIN AT CURRENT PRICES
(रुपटो करेटीतन/Rs. in crore)


[^23][^24]तक्ता क्रमांक / TABLE No. 2
औद्योगिक स्र्रोतांनुसार स्थूल राज्यांतर्गत उत्पाद - स्थिर (९९९९-२०००) किमतींनुसार GROSS STATE DOMESTIC PRODUCT BY INDUSTRY OF ORIGIN AT CONSTANT (1999-2000) PRICES

| अनु. क्र Sr. No <br> (1) | क्र. उद्योग <br> No. (2) | $1999-00$ (3) | $2000-01$ (4) | 2001-02* (5) | 2002-03* (6) | 2003-04* <br> (7) | 2004-05* <br> (8) | 2005-06* <br> (9) | 2006-07† <br> (10) | Industry <br> (2) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | कृषि | 36,207 | 34,580 | 37,169 | 38,292 | 42,601 | 40,001 | 43,634 | 47,600 | Agriculture |
| 2 | वन संवर्धन आणि ओंडके पाडणे | 1,783 | 1,667 | 1,694 | 1,628 | 1,589 | 1,413 | 1,417 | 1,600 | Forestry and logging |
| 3 | मासेमारी | 915 | 873 | 924 | 916 | 965 | 916 | 1,025 | 1,026 | Fishing |
| 4 | खाण व दगड खाणकाम | 1,965 | 2,083 | 2,187 | 2,214 | 2,433 | 2,572 | 2,720 | 2,724 | Mining and quarrying |
|  | एकूण - प्राथमिक | $\begin{array}{r} 40,870 \\ (100.0) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{gathered} 39,203 \\ (95.9) \end{gathered}$ | $\begin{array}{r} 41,974 \\ (102.7) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 43,050 \\ (105.3) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 47,588 \\ (116.4) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 44,902 \\ (109.9) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 48,796 \\ (119.4) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} \mathbf{5 2 , 9 5 0} \\ (129.6) \\ \hline \end{array}$ | Sub-Total - Primary |
|  | वस्तुनिमांण (कारखाने) - <br> अ) नोंदगीकृत <br> ब) अनोंदणीकृत | $\begin{aligned} & 39,067 \\ & 12,093 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 33,309 \\ & 13,036 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 32,072 \\ & 12,771 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 35,672 \\ & 13,660 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 40,110 \\ & 14,501 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 44,250 \\ & 15,721 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 48,399 \\ & 16,617 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 54,597 \\ & 18,257 \end{aligned}$ | Manufacturing- <br> a) Registered <br> b) Un-registered |
| 6 | बांधकाम | 13,253 | 11,698 | 13,040 | 13,051 | 14,148 | 14,581 | 17,199 | 20,813 | Construction |
|  | वीज, वायू (गॅस) आणि पाण्णपुरवठा | 6,867 | 6,771 | 6,533 | 7,102 | 7,561 | 8,186 | 8,719 | 9,026 | Electricity, gas and water supply |
|  | एकूण - द्वितीय | $\begin{array}{r} 71,280 \\ (100.0) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 64,814 \\ (90.9) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} \mathbf{6 4 , 4 1 6} \\ (90.4) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 69,485 \\ (97.5) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 76,320 \\ (107.1) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} \mathbf{8 2 , 7 3 8} \\ (116.1) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{gathered} 90,934 \\ (127.6) \\ \hline \end{gathered}$ | $\begin{array}{r} 1,02,693 \\ (144.1) \\ \hline \end{array}$ | Sub-Total - Secondary |
|  | परिवहन, साठवण व दळणवळण, व्यापार, हॉटेल्स व उपाहारगृहे. | $\begin{gathered} 55,121 \\ (100.0) \end{gathered}$ | $\begin{gathered} 57,548 \\ (104.4) \end{gathered}$ | $\begin{gathered} 60,581 \\ (109.9) \end{gathered}$ | $\begin{gathered} 64,921 \\ (117.8) \end{gathered}$ | $\begin{gathered} 70,583 \\ (128.1) \end{gathered}$ | $\begin{array}{r} 81,104 \\ (147.1) \end{array}$ | $\begin{gathered} 88,670 \\ (160.9) \end{gathered}$ | $\begin{array}{r} 98,881 \\ (179.4) \end{array}$ | Transport, storage and communications, trade, hotels and restaurants. |
|  | बँका व विमा उद्योग, स्थावर मालमत्ता व राहत्या घरांची मालकी, व्यवसाय सेवा, सार्वर्जनिक प्रशासन आ़िण इतर सेवा | $\begin{gathered} 80,559 \\ (100.0) \end{gathered}$ | $\begin{array}{r} 81,050 \\ (100.6) \end{array}$ | $\begin{gathered} 86,101 \\ (106.9) \end{gathered}$ | $\begin{gathered} 92,714 \\ (115.1) \end{gathered}$ | $\begin{aligned} & 95,977 \\ & (119.1) \end{aligned}$ | $\begin{array}{r} 1,05,568 \\ (131.0) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 1,15,101 \\ (142.9) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 1,22,259 \\ (151.8) \end{array}$ | Banking \& insurance, real estate \& ownership of dwellings, business services, public administration and other services |
|  | एकूण - तृतीय | $\begin{array}{r} 1,35,680 \\ (100.0) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 1,38,598 \\ (102.2) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 1,46,682 \\ (108.1) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 1,57,635 \\ (116.2) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 1,66,560 \\ (122.8) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 1,86,672 \\ (137.6) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} \mathbf{2 , 0 3 , 7 7 1} \\ (150.2) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} \mathbf{2 , 2 1 , 1 4 0} \\ (163.0) \\ \hline \end{array}$ | Sub-Total - Tertiary |
|  | एकूण - स्थूल राज्यातर्गत उत्पाद | $\begin{array}{r} 2,47,830 \\ (100.0) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 2,42,615 \\ (97.9) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 2,53,072 \\ (102.1) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} \mathbf{2 , 7 0 , 1 7 0} \\ (109.0) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} \mathbf{2 , 9 0 , 4 6 8} \\ (117.2) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 3,14,312 \\ (126.8) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 3,43,501 \\ (138.6) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 3,76,783 \\ (152.0) \\ \hline \end{array}$ | Total-Gross State Domestic Product. |
|  | दरडोई स्थूल राज्य उत्पत्र (रुपये) | $\begin{gathered} 26,257 \\ (100.0) \end{gathered}$ | $\begin{gathered} 25,228 \\ (96.1) \end{gathered}$ | $\begin{gathered} 25,843 \\ (98.4) \end{gathered}$ | $\begin{array}{r} 27,188 \\ (103.5) \end{array}$ | $\begin{gathered} 28,769 \\ (109.6) \end{gathered}$ | $\begin{array}{r} 30,645 \\ (116.7) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 32,978 \\ (125.6) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 35,633 \\ (135.7) \end{array}$ | Per capita Gross State Income (Rs.) |

## * अस्थायी / Provisional

टीप - कंसांतोल आकडे स्तंभ (३) शी टक्केवारी दर्शवितात.
आधार - अर्थ व सांख्यिकी संचालनालय, महाराष्ट्र शासन, मुंबई.
† प्रारंभिक अंदाज / Preliminary Estimates
Note . Figures in brackets show percentages to Col. (3).
Source Directorate of Economics and Statistics, Government of Maharashtra, Mumbai.

औद्योगिक स्त्रोतांनुसार निब्वळ राज्यांतर्गत उत्पाद - चालू किमततीनुसार
NET STATE DOMESTIC PRODUCT BY INDUSTRY OF ORIGIN AT CURRENT PRICES
(रुपये कोटीत / Rs.in crore)

| अनु. क्र. उद्योग <br> Sr. No.  <br> (1) (2) | $1999-00$ <br> (3) | $2000-01$ <br> (4) | $2001-02^{*}$ <br> (5) | $2002-03^{*}$ (6) | $2003-04 *$ <br> (7) | $2004-05 *$ <br> (8) | 2005-06* <br> (9) | $2006-07+$ (10) | Industry (2) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 1 कृषि | 34,551 | 33,681 | 37,221 | 37,796 | 43,731 | 42,924 | 48,807 | 57,409 | Agriculture |
| 2 वन संदर्धन आणि ओंडके पाडणे | 1,720 | 2,003 | 2,190 | 2,179 | 2,206 | 2,247 | 2,509 | 3,389 | Forestry and logging |
| 3 मासेमारी | 824 | 804 | 857 | 936 | 1,079 | 1,169 | 1,260 | 1,346 | Fishing |
| 4 खाण व दगड खाणकाम | 1,556 | 1,778 | 1,945 | 2,116 | 2,400 | 2,981 | 3,189 | 3,185 | Mining and quarrying |
| एकूण - प्राथमिक | $\begin{array}{r} 38,651 \\ (17.8) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 38,266 \\ (17.5) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 42,213 \\ (17.9) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 43,027 \\ (16.6) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 49,416 \\ (16.8) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 49,321 \\ (14.8) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 55,765 \\ (14.8) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} \mathbf{6 5 , 3 2 9} \\ (14.9) \\ \hline \end{array}$ | Sub-Total - Primary |

5 वस्तुनिर्माण (कारखाने) -
अ) नोंदणीकृत

| 31,239 | 27,068 | 25,579 | 30,448 | 36,669 | 44,084 | 50,921 | 60,536 |
| ---: | ---: | ---: | ---: | ---: | ---: | ---: | ---: |
| 10,104 | 11,214 | 10,964 | 12,121 | 13,439 | 15,175 | 16,339 | 18,989 |
| 12,920 | 12,573 | 14,412 | 14,809 | 18,120 | 20,061 | 23,873 | 29,057 |
| 3,829 | 2,812 | 3,086 | 3,905 | 4,235 | 3,418 | 4,017 | 4,396 |
| $\mathbf{5 8 , 0 9 2}$ | $\mathbf{5 3 , 6 6 7}$ | $\mathbf{5 4 , 0 4 1}$ | $\mathbf{6 1 , 2 8 3}$ | $\mathbf{7 2 , 4 6 3}$ | $\mathbf{8 2 , 7 3 8}$ | $\mathbf{9 5 , 1 5 0}$ | $\mathbf{1 , 1 2 , 9 7 8}$ |
| $(26.7)$ | $(24.5)$ | $(22.9)$ | $(23.7)$ | $(24.6)$ | $(24.8)$ | $(25.3)$ | $(25.9)$ |
|  |  |  |  |  |  |  |  |
| 46,508 | 49,053 | 52,172 | 56,958 | 64,370 | 79,868 | 91,391 | $1,07,765$ |
| $(21.4)$ | $(22.4)$ | $(22.1)$ | $(22.0)$ | $(21.9)$ | $(24.0)$ | $(24.3)$ | $(24.7)$ |
| 73,947 | 78,052 | 87,345 | 97,719 | $1,08,222$ | $1,21,220$ | $1,33,609$ | $1,50,963$ |
| $(34.1)$ | $(35.6)$ | $(37.1)$ | $(37.7)$ | $(36.7)$ | $(36.4)$ | $(35.6)$ | $(34.5)$ |
|  |  |  |  |  |  |  |  |

Manufacturing-
a) Registered
b) Un-registered

Construction
Electricity, gas and water supply
Sub-Total - Secondary

| एकूण - निब्वळ राज्यांतर्गत उत्पाद | $\ldots$ | $2,17,198$ <br> $(100.0)$ | $2,19,038$ <br> $(100.0)$ |
| :--- | :--- | :--- | :--- | :--- |
| दरडोई राज्य उत्पत्र (रुपये) | 22,777 |  |  |

Transport, storage and
communications, trade,
hotels and restaurants.
Banking \& insurance, real
estate \& ownership of dwellings,
business services, public
administration and other services
Sub-Total - Tertiary
Total - Net State Domestic
Product.
Per capita State Income (Rs.)

* अस्थायी / Provisional

आधार - अर्थ व सांख्यिकी संचालनालय, महारष्ट्र शासन, मुंबई
† प्रारंभिक अंदाज / Preliminary Estimates
Note - Figures in brackets show percentages to Net State Domestic Product.
Source - Directorate of Economics and Statistics, Government of Maharashtra, Mumbai

तक्ता क्रमांक / TABLE No. 4
औद्योगिक स्र्रोतांनुसार निव्वळ राज्यांतर्गत उत्पाद - स्थिर (१९९९-२०००) किमतरीनुसार NET STATE DOMESTIC PRODUCT BY INDUSTRY OF ORIGIN AT CONSTANT (1999-2000) PRICES

| (रुपये कोटीत/Rs. in crore) |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  | 1999-00 | 2000-01 | 2001-02* | 2002-03* | 2003-04* | 2004-05* | 2005-06* | 2006-07¢ | Industry |
| $\begin{gathered} \text { Sr. No. } \\ (1) \end{gathered}$ | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (2) |
| 1 | कृषि | 34,551 | 32,878 | 35,355 | 36,421 | 40,511 | 37,795 | 41,341 | 45,098 | Agriculture |
| 2 | वन संवर्धन आणि ओंडके पाडणे | 1,720 | 1,598 | 1,619 | 1,552 | 1,511 | 1,335 | 1,336 | 1,508 | Forestry and logging |
| 3 | मासेमारी | 824 | 781 | 814 | 786 | 810 | 747 | 801 | 803 | Fishing |
| 4 | ग्राण व दगड ग़ाणकाम | 1,556 | 1,653 | 1,730 | 1,847 | 2,021 | 2,167 | 2,294 | 2,297 | Mining and quarrying |
|  | एकूण - प्राथमिक | $\begin{array}{r} 38,651 \\ (100.0) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 36,910 \\ (95.5) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{gathered} 39,518 \\ (102.2) \\ \hline \end{gathered}$ | $\begin{array}{r} 40,606 \\ (105.1) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 44,853 \\ (116.0) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 42,044 \\ (108.8) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 45,772 \\ (118.4) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 49,706 \\ (128.6) \\ \hline \end{array}$ | Sub-Total - Primary |
|  | वस्तुनिम्माण (कारखाने) - <br> अ) नोंदणीकृत | 31,239 | 24,873 | 23,062 | 26,083 | 29,798 | 33,002 | 35,828 | 40,416 | Manufacturing- <br> a) Registered <br> b) Un-registered |
|  | ब) अनोंदणीकृत | 10,104 | 10,880 | 10,528 | 11,252 | 11,852 | 12,782 | 13,399 | 14,722 |  |
| 6 | बांधकाम | 12,920 | 11,347 | 12,632 | 12,625 | 13,626 | 14,010 | 16,570 | 20,051 | Construction |
|  | बीज, वायू (गॅस) आणि पाणीपुरवठा | 3,829 | 4,479 | 3,581 | 4,315 | 4,479 | 5,055 | 5,673 | 5,873 | Electricity, gas and water supply |
|  | एकृण - द्वितीय | $\begin{array}{r} 58,092 \\ (100.0) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 51,579 \\ (88.8) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 49,803 \\ (85.7) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 54,275 \\ (93.4) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 59,755 \\ (102.9) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 64,849 \\ (111.6) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 71,470 \\ (123.0) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 81,062 \\ (139.5) \\ \hline \end{array}$ | Sub-Total - Secondary |
|  | परिवहन, साठवण व दळणवळण, व्यापार, हॉटेल्त व उपाहारगृहे. | $\begin{gathered} 46,508 \\ (100.0) \end{gathered}$ | $\begin{gathered} 48,349 \\ (104.0) \end{gathered}$ | $\begin{gathered} 50,370 \\ (108.3) \end{gathered}$ | $\begin{array}{r} 54,002 \\ (116.1) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 58,530 \\ (125.8) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 68,370 \\ (147.0) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 74,655 \\ (160.5) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 83,596 \\ (179.7) \end{array}$ | Transport, storage and communications, trade, hotels and restaurants. |
|  | बँका व विमा उद्योग, स्थावर मालमत्ता व राहत्या घरांची मालकी, व्यवसाय सेवा, सावर्जनिक प्रशासन आणिए इतर सेवा | $\begin{gathered} 73,947 \\ (100.0) \end{gathered}$ | $\begin{gathered} 73,688 \\ (99.6) \end{gathered}$ | $\begin{gathered} 78,116 \\ (105.6) \end{gathered}$ | $\begin{aligned} & 83,862 \\ & (113.4) \end{aligned}$ | $\begin{array}{r} 86,320 \\ (116.7) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 95,087 \\ (128.6) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 1,04,258 \\ (141.0) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 1,10,784 \\ (149.8) \end{array}$ | Banking \& insurance, real estate \& ownership of dwellings, business services, public administration and other services |
|  | एकृण - तृतीय | $\begin{array}{r} 1,20,455 \\ (100.0) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 1,22,037 \\ (101.3) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 1,28,486 \\ (106.7) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 1,37,864 \\ (114.5) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 1,44,850 \\ (120.3) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 1,63,457 \\ (135.7) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 1,78,913 \\ (148.5) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 1,94,380 \\ (161.4) \\ \hline \end{array}$ | Sub-Total - Tertiary |
|  | एकूण - निब्वळ राज्यांतर्गत उत्पाद | $\begin{array}{r} 2,17,198 \\ (100.0) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 2,10,526 \\ (96.9) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 2,17,807 \\ (100.3) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 2,32,745 \\ (107.2) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 2,49,458 \\ (114.9) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 2,70,350 \\ (124.5) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 2,96,155 \\ (136.4) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 3,25,148 \\ (149.7) \\ \hline \end{array}$ | Total - Net State Domestic Product. |
|  | दरडोई राज्य उत्पत्न (रुपये) | $\begin{array}{r} 23,011 \\ (100.0) \end{array}$ | $\begin{gathered} 21,892 \\ (95.1) \end{gathered}$ | $\begin{array}{r} 22,242 \\ (96.7) \end{array}$ | $\begin{gathered} 23,422 \\ (101.8) \end{gathered}$ | $\begin{array}{r} 24,707 \\ (107.4) \end{array}$ | $\begin{gathered} 26,359 \\ (114.5) \end{gathered}$ | $\begin{array}{r} 28,433 \\ (123.6) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 30,750 \\ (133.6) \end{array}$ | Per capita State Income (Rs.) |

[^25]$\dagger$ प्रारंभिक अंदाज / Preliminary Estimates
Note - Figures in brackets show percentages to Col. (3).
Source - Directorate of Economics and Statistics, Government of Maharashtra, Mumbai

औद्योगिक स्त्रोतांनुसार निन्बळ देशांतर्गत उत्पाद व राष्ट्रीय उत्पत्र - चालू किंमर्तीनुसार
NET NATIONAL DOMESTIC PRODUCT BY INDUSTRY OF ORIGIN AND NATIONAL INCOME AT CURRENT PRICES
(रुपये कोटीत/Rs. in crore)

| अनु. क्र <br> Sr. No. <br> (1) | $\qquad$ | 1999-00 <br> (3) | $\begin{gathered} 2000-01 \\ (4) \\ \hline \end{gathered}$ | 2001-02* <br> (5) | 2002-03* <br> (6) | 2003-04* <br> (7) | 2004-05* <br> (8) | 2005-06* <br> (9) | 2006-07i <br> (9) | Industry $\qquad$ <br> (2) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 1 | कृषि | 3,90,591 | 3,88,831 | 4,20,144 | 4,01,295 | 4,56,831 | 4,71,880 | 5,24,366 | 5,98,222 | Agriculture |
| 2 | वन संवर्धन आणि ओंडके पाडणे | 17,286 | 18,641 | 20,199 | 20,295 | 21,559 | 22,447 | 24,864 | 25,805 | Forestry and logging |
| 3 | मासेमारी | 17,075 | 19,059 | 20,307 | 22,048 | 22,928 | 22,834 | 27,379 | 27,799 | Fishing |
| 4 | खाण व दगड खाणकाम | 33,001 | 36,661 | 38,056 | 52,471 | 52,834 | 71,951 | 79,469 | 85,461 | Mining and quarrying |
|  | एकूण - प्राथमिक | $\begin{array}{r} 4,57,953 \\ \quad(28.5) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 4,63,192 \\ (26.9) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 4,98,706 \\ (26.7) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 4,96,109 \\ (24.7) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 5,54,152 \\ (24.5) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 5,89,112 \\ (23.1) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 6,56,078 \\ (22.7) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 7,37,287 \\ (22.0) \end{array}$ | Sub -Total - Primary |
|  | वस्त्तुनिर्माण (कारखाने) - <br> अ) नोंदणीकृत <br> ब) अनोंदणीकृत | $\begin{array}{r} 1,29,469 \\ 77,717 \end{array}$ | $\begin{array}{r} 1,49,782 \\ 85,932 \end{array}$ | $\begin{array}{r} 1,58,274 \\ 84,841 \end{array}$ | $\begin{array}{r} 1,76,005 \\ 91,767 \end{array}$ | $\begin{aligned} & 1,99,411 \\ & 1,01,610 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 2,35,779 \\ & 1,14,043 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 2,69,354 \\ & 1,27,049 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 3,21,410 \\ & 1,50,567 \end{aligned}$ | Manufacturing - <br> a) Registered <br> b) Un-registered |
| 6 | बांधकाम | 99,367 | 1,08,940 | 1,17,207 | 1,30,919 | 1,51,808 | 2,06,742 | 2,57,324 | 3,10,810 | Construction |
| 7 | वीज, वायू (गॅस) आणि पाणीपुरवठा | 24,217 | 23,955 | 22,870 | 28,158 | 27,833 | 27,225 | 27,838 | 30,059 | Electricity, gas and water supply |
|  | एकूण - द्वितीय | $\begin{array}{r} 3,30,770 \\ (20.6) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 3,68,609 \\ (21.4) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 3,83,192 \\ (20.5) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 4,26,849 \\ (21.2) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 4,80,662 \\ (21.3) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 5,83,789 \\ (22.9) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 6,81,565 \\ (23.5) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 8,12,84 \mathbf{6} \\ (24.2) \\ \hline \end{array}$ | Sub-Total - Secondary |
|  | परिवहन, साठवण व दळणवळण, व्यापार, हॉटेल्स व उपाहारगृहे. | $\begin{array}{r} 3,56,250 \\ (22.2) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 3,94,021 \\ (22.9) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 4,37,346 \\ (23.4) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 4,82,921 \\ (24.0) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 5,56,021 \\ (24.6) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 6,48,634 \\ (25.5) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 7,50,837 \\ -\quad(25.9) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 8,77,227 \\ (26.1) \end{array}$ | Transport, storage and communications, trade, hotels and restaurants. |
|  | बँका व विमा उद्योग, स्थावर मालमत्ता व राहला घरांची मालकी, व्यवसाय सेवा, सावर्जनिक प्रशासन आणि इतर सेवा | $\begin{array}{r} 4,60,130 \\ (28.7) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 4,97,378 \\ (28.8) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 5,50,184 \\ (29.4) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 6,05,059 \\ (30.1) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 6,67,354 \\ (29.6) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 7,27,248 \\ (28.5) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 8,08,386 \\ (27.9) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 9,28,235 \\ (27.7) \end{array}$ | Banking \& insurance, real estate \& ownership of dwellings, business services, public administration and other services |
|  | एकूण - तृतीय | $\begin{array}{r} 8,16,380 \\ (50.9) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 8,91,399 \\ (51.7) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 9,87,530 \\ (52.8) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 10,87,980 \\ \quad(54.1) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 12,23,375 \\ (54.2) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 13,75,882 \\ (54.0) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 15,59,223 \\ \quad(53.8) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 18,05,462 \\ (53.8) \\ \hline \end{array}$ | Sub - Total - Tertiary |
|  | एकूण - निब्बळ देशांतर्गत उत्पाद | $\begin{array}{r} 16,05,103 \\ (100.0) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 17,23,200 \\ (100.0) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 18,69,428 \\ (100.0) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 20,10,938 \\ (100.0) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 22,58,189 \\ (100.0) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 25,48,783 \\ (100.0) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 28,96,866 \\ (100.0) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 33,55,595 \\ (100.0) \\ \hline \end{array}$ | Total - Net National Domestic Product. |
|  | $\begin{aligned} & \text { एकूण - निल्बळ राष्ट्रीय उत्पाद } \\ & \text { (राष्ट्रीय उत्पत्र) } \end{aligned}$ | 15,89,672 | 17,00,467 | 18,49,360 | 19,94,248 | 22,39,939 | 25,26,408 | 28,70,750 | 33,25,817 | Total - Net National Product (i.e. National Income) |
|  | दरडोई राष्ट्रीय उत्पत्र (रुपये) | 15,881 | 16,688 | 17,782 | 18,885 | 20,895 | 23,199 | 25,956 | 29,642 | Per capita National Income (Rs.) |

[^26]$\dagger$ प्रारंभिक अंदाज / Preliminary Estimates
Note - Figures in brackets show percentages to Net National Domestic Product.
Sarre - Central Statistical Organisation, New Delhi.

## तक्ता क्रमांक / TABLE No. 6

## औद्योगिक स्त्रोतांनुसार निन्वळ देशांतर्गत उत्पाद व राष्ट्रीय उत्पत्र - स्थिर (९९९९-२०००) किंमर्तीनुसार

NET NATIONAL DOMESTIC PRODUCT BY INDUSTRY OF ORIGIN AND NATIONAL INCOME AT CONSTANT (1999-2000) PRICES
(रुपथ कोटात/Rs. in crore)

| अनु. क्र. Sr. No. <br> (1) | उद्योग <br> (2) | $1999-00$ <br> (3) | $2000-01$ <br> (4) | $2001-02^{*}$ <br> (5) | $2002-03^{*}$ <br> (6) | $2003-04^{*}$ <br> (7) | 2004-05 (8) | 2005-06* <br> (9) | $2006-07 \div$ (10) | Industry (2) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 1 | कृषष | 3,90,591 | 3,87,365 | 4,12,457 | 3,76,116 | 4,18,264 | 4,17,032 | 4,42,683 | 4,59,237 | Agriculture |
| 2 | वन संवर्धन आणि ओंडके पाडणे | 17,286 | 17,750 | 18,291 | 18,401 | 18,148 | 18,535 | 18,875 | 19,211 | Forestry and logging |
| 3 | मासेमारी | 17,075 | 17,641 | 18,156 | 18,556 | 18,917 | 18,015 | 18,911 | 19,311 | Fishing |
| 4 | खाण व दगड खाणकाम | 33,001 | 33,819 | 34,349 | 38,036 | 39,114 | 42,385 | 44,122 | 46,463 | Mining and quarrying |
|  | एकूण - प्राथमिक | $\begin{array}{r} 4,57,953 \\ (100.0) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} \mathbf{4 , 5 6 , 5 7 5} \\ (99.7) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 4,83,253 \\ (105.5) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 4,51,109 \\ (98.5) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 4,94,443 \\ (108.0) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 4,95,967 \\ (108.3) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 5,24,591 \\ (114.6) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} \mathbf{5 , 4 4 , 2 2 2} \\ (118.8) \\ \hline \end{array}$ | Sub-Total - Primary |
| $5$ | वस्तुनिमांण (कारखाने) - <br> अ) नोंद्णीकृत <br> ब) अनोंदणीकृत | $\begin{array}{r} 1,29,469 \\ 77,717 \end{array}$ | $\begin{array}{r} 1,39,627 \\ 83,459 \end{array}$ | $\begin{array}{r} 1,44,942 \\ 81,518 \end{array}$ | $\begin{array}{r} 1,56,581 \\ 85,436 \end{array}$ | $\begin{array}{r} 1,67,711 \\ 89,394 \end{array}$ | $\begin{array}{r} 1,82,834 \\ 95,265 \end{array}$ | $\begin{aligned} & 1,97,682 \\ & 1,02,756 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 2,20,440 \\ & 1,14,749 \end{aligned}$ | Manufacturing - <br> a) Registered <br> b) Un-registered |
| 6 | बांधकाम | 99,367 | 1,05,463 | 1,09,370 | 1,17,828 | 1,31,824 | 1,53,197 | 1,78,505 | 1,99,792 | Construction |
| 7 | वीज, वायु (गॅस) आणि पाणीपुरवठा | 24,217 | 24,076 | 23,736 | 24,952 | 25,899 | 28,708 | 29,805 | 31,619 | Electricity, gas and water supply |
|  | एकूण - द्वितीय | $\begin{array}{r} 3,30,770 \\ (100.0) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 3,52,625 \\ (106.6) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 3,59,566 \\ (108.7) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 3,84,797 \\ (116.3) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 4,14,828 \\ (125.4) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 4,60,004 \\ (139.1) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} \mathbf{5 , 0 8 , 7 4 8} \\ (153.8) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} \mathbf{5 , 6 6 , 6 0 0} \\ (171.3) \\ \hline \end{array}$ | Sub-Total - Secondary |
| $8$ | परिवहन, साठवण व दळणवळण, व्यापार, हॉटेल्स व उपाहारगृहे. | $\begin{array}{r} 3,56,250 \\ (100.0) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 3,82,456 \\ (107.4) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 4,18,093 \\ (117.4) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 4,57,801 \\ (128.5) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 5,13,946 \\ (144.3) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 5,69,286 \\ (159.8) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 6,36,667 \\ (178.7) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 7,13,847 \\ (200.4) \end{array}$ | Transport, storage and communications, trade, hotels and restaurants. |
| $9$ | बैका व विमा उद्योग, स्थावर मालमत्ता व राहत्या घरांची मालकी, व्यवसाय सेवा, सार्वर्जनिक प्रशासन आणि इतर सेवा | $\begin{array}{r} 4,60,130 \\ (100.0) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 4,78,792 \\ (104.1) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 5,03,225 \\ (109.4) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 5,30,928 \\ (115.4) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 5,58,172 \\ (121.3) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 6,00,761 \\ (130.6) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 6,56,575 \\ (142.7) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 7,24,979 \\ (157.6) \end{array}$ | Banking \& insurance, real estate \& ownership of dwellings, business services, public administration and other services. |
|  | एकूण - तृतीय | $\begin{array}{r} 8,16,380 \\ (100.0) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 8,61,248 \\ (105.5) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 9,21,318 \\ (112.9) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} \mathbf{9 , 8 8 , 7 2 9} \\ (121.1) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 10,72,118 \\ (131.3) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} \mathbf{1 1 , 7 0 , 0 4 7} \\ (143.3) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 12,93,242 \\ (158.4) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 14,38,826 \\ (176.2) \\ \hline \end{array}$ | Sub-Total - Tertiary |
|  | एकूण - निव्यळ देशांतर्गत उत्पाद | $\begin{array}{r} \mathbf{1 6 , 0 5 , 1 0 3} \\ (100.0) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 16,70,448 \\ (104.1) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 17,64,137 \\ (109.9) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 18,24,635 \\ (113.7) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 19,81,389 \\ (123.4) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 21,26,018 \\ (132.5) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 23,26,581 \\ (144.9) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 25,49,648 \\ (158.8) \end{array}$ | Total - Net National Domestic Product. |
|  | एकूण - निल्वळ राष्ट्रीय उत्पाद (राष्ट्रीय उत्पत्र) | $\begin{array}{r} \hline 15,89,672 \\ (100.0) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 16,47,903 \\ (103.7) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 17,43,466 \\ (109.7) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 18,05,830 \\ (113.6) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} \mathbf{1 9 , 6 3 , 5 4 4} \\ (123.5) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 21,04,520 \\ (132.4) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 23,06894 \\ (145.1) \\ \hline \end{array}$ | $\begin{array}{r} 25,30,494 \\ (159.2) \\ \hline \end{array}$ | Total - Net National Product (i.e. National Income) |
|  | दरडोई राष्ट्रीय उत्पत्र (रुपये) | $\begin{array}{r} \mathbf{1 5 , 8 8 1} \\ (100.0) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 16,172 \\ (101.8) \end{array}$ | $\begin{aligned} & 16,764 \\ & (105.6) \end{aligned}$ | $\begin{array}{r} 17,101 \\ (107.7) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 18,317 \\ (115.3) \end{array}$ | $\begin{array}{r} \mathbf{1 9 , 3 2 5} \\ (121.7) \end{array}$ | $\begin{gathered} 20,858 \\ (131.3) \end{gathered}$ | $\begin{gathered} 22,553 \\ (142.0) \end{gathered}$ | Per capita National Income (Rs.) |

* अस्थायी/Provisional
$\dagger$ प्रारंभिक अंदाज / Preliminary Estimates
टीप - कंसांतील आकडे स्तंभ (३) शी टक्केवारी दर्शावितात
Note - Figures in brackets show percentages to Col. (3)
आधार - केट्रीय सांख्यिकीय संघटना, नवी दिल्ली
Source - Central Statistical Organisation, New Delhi


## तक्ता क्रमांक / TABLE No. 7

स्थूल/निव्वळ राज्यांतर्गत उत्पादाचे आणि दरडोई उत्पन्नाचे वार्षिक वृद्धिदर ANNUAL GROWTH RATES OF GROSS/NET STATE DOMESTIC

PRODUCT AND PER CAPITA INCOME


[^27]महाराप्र्राची आध्थिक पाहणी २००ज-०ट
ECONOMIC SURVEY OF MAHARASHTRA 2007.08

\begin{tabular}{|c|c|c|c|c|c|c|c|c|c|c|c|c|}
\hline \multicolumn{13}{|c|}{\begin{tabular}{l}
तक्ता क्रमांक / TABLE No. 8 \\
स्थूल/निल्बळ जिल्द्यांतर्गत उत्पाद आणि दरडोई निब्वळ जिल्हा उत्पन्र GROSS/NET DISTRICT DOMESTIC PRODUCT AND PER CAPITA NET DISTRICT INCOME
\end{tabular}} \\
\hline \multirow[b]{3}{*}{\begin{tabular}{l}
अनुक्रमांक \\
Serial \\
No. \\
(1)
\end{tabular}} \& \multirow[b]{3}{*}{\begin{tabular}{l}
जिल्हा \\
(2)
\end{tabular}} \& \multicolumn{4}{|c|}{\begin{tabular}{l}
चाल्लू किमतीनुसार (रु. कोटीत) \\
At Current Prices (Rs. in Crore)
\end{tabular}} \& \multicolumn{7}{|l|}{स्थिर(१९९९-२०00) किमतीनुसार (रु. कोटीत) दरडोई निव्वळ जिल्ह्यांतर्गत उत्पत्र (रुपये)
At Constant (1999-2000) Prices (Rs. in Crore)

Per Capita Net District
Domestic Income (Rs.)} <br>
\hline \& \& \multicolumn{2}{|l|}{स्पूल जिल्द्यांतर्गत उत्पाद GDDP} \& \multicolumn{2}{|l|}{निव्वळ जिल्द्यांतर्गत उत्पाद NDDP} \& \multicolumn{4}{|l|}{स्थूल जिल्द्यांतर्गत उत्पाद निव्वळ जिल्द्यांत्गात उत्पाद
GDDP
NDDP} \& \multicolumn{2}{|l|}{चालू किंमतीनुसार (रु.) At Current Prices (Rs.)} \& District <br>

\hline \& \& | $2005-06 \text { * }$ |
| :--- |
| (3) | \& | 2006-07@ |
| :--- |
| (4) | \& | 2005-06 * |
| :--- |
| (5) | \& | 2006-07 @ |
| :--- |
| (6) | \& | 2005-06 * |
| :--- |
| (7) | \& | 2006-07 @ |
| :--- |
| (8) | \& | 2005-06 * |
| :--- |
| (9) | \& \[

$$
\begin{gathered}
2006-07 @ \\
(10)
\end{gathered}
$$

\] \& \[

$$
\begin{gathered}
\text { 2005-06 * } \\
(11)
\end{gathered}
$$

\] \& \[

$$
\begin{gathered}
2006-07 @ \\
(12)
\end{gathered}
$$
\] \& (2) <br>

\hline 1 \& मुंबई \# \& 92,919 \& 1,08,426 \& 76,733 \& 89,735 \& 73,600 \& 80,709 \& 60,961 \& 67,069 \& 57,229 \& 65,361 \& Mumbai \# <br>
\hline 2 \& ठाणे \& 54,052 \& 62,846 \& 45,686 \& 53,034 \& 41,916 \& 45,968 \& 35,638 \& 39,099 \& 51,153 \& 58,224 \& Thane <br>
\hline 3 \& रायगड \& 11,971 \& 13,849 \& 9,787 \& 11,301 \& 9,144 \& 10,000 \& 7,483 \& 8,185 \& 41,771 \& 47,648 \& Raigad <br>
\hline 4 \& रत्नागिरी \& 6,045 \& 6,896 \& 5,211 \& 5,936 \& 4,826 \& 5,279 \& 4,190 \& 4,589 \& 29,214 \& 32,946 \& Ratnagiri <br>
\hline 5 \& सिंधुदुर्ग \& 2,998 \& 3,448 \& 2,655 \& 3,049 \& 2,489 \& 2,717 \& 2,227 \& 2,431 \& 29,106 \& 33,099 \& Sindhudurg <br>
\hline \& कोकण विभाग \& 1,67,985 \& 1,95,465 \& 1,40,072 \& 1,63,055 \& 1,31,975 \& 1,44,673 \& 1,10,499 \& 1,21,373 \& 51,162 \& 58,375 \& KONKAN DIV. <br>
\hline 6 \& नाशिक \& 25,273 \& 28,938 \& 21,916 \& 25,028 \& 19,427 \& 21,024 \& 16,923 \& 18,283 \& 40,924 \& 46,064 \& Nashik <br>
\hline 7 \& धुळे \& 4,578 \& 5,362 \& 4,002 \& 4,690 \& 3,597 \& 3,963 \& 3,160 \& 3,487 \& 22,052 \& 25,522 \& Dhule <br>
\hline 8 \& नंदुरबार \& 3,953 \& 4,388 \& 3,597 \& 3,988 \& 2,991 \& 3,145 \& 2,733 \& 2,874 \& 25,997 \& 28,517 \& Nandurbar <br>
\hline 9 \& जळगांव \& 12,642 \& 14,587 \& 11,049 \& 12,736 \& 10,380 \& 11,385 \& 9,194 \& 10,091 \& 28,185 \& 32,072 \& Jalgaon <br>
\hline 10 \& अहमदनगर \& 14,105 \& 17,134 \& 12,524 \& 15,242 \& 10,847 \& 12,169 \& 9,659 \& 10,850 \& 29,300 \& 35.252 \& Ahmednagar <br>
\hline \& नाशिक विभाग \& 60,551 \& 70,409 \& 53,088 \& 61,684 \& 47,242 \& 51,686 \& 41,669 \& 45,585 \& 31,698 \& 36,362 \& NASHIK DIV. <br>
\hline 11 \& पुणे \& 48,995 \& 57,084 \& 41,526 \& 48,310 \& 38,148 \& 42,145 \& 32,369 \& 35,742 \& 52,811 \& 60,375 \& Pune <br>
\hline 12 \& सातारा \& 11,128 \& 12,689 \& 9,829 \& 11,184 \& 8,630 \& 9,369 \& 7,658 \& 8,309 \& 33,216 \& 37,398 \& Satara <br>
\hline 13 \& सांगली \& 9,616 \& 11,000 \& 8,550 \& 9,772 \& 7,624 \& 8,248 \& 6,825 \& 7,381 \& 31,181 \& 35,201 \& Sangli <br>
\hline 14 \& सोलापूर \& 14,180 \& 16,927 \& 12,597 \& 15,064 \& 10,856 \& 12,270 \& 9,680 \& 10,970 \& 30,667 \& 36,186 \& Solapur <br>
\hline 15 \& कोल्हापूर \& 16,148 \& 18,749 \& 14,249 \& 16,524 \& 12,592 \& 13,793 \& 11,165 \& 12,225 \& 37,958 \& 43,448 \& Kolhapur <br>
\hline \& पुणे विभाग \& 1,00,067 \& 1,16,449 \& 86,751 \& 1,00,854 \& 77,850 \& 85,825 \& 67,697 \& 74,627 \& 40,489 \& 46,404 \& PUNE DIV. <br>
\hline
\end{tabular}



[^28]
# GOVERNMENT OF MAHARASHTRA : BUDGET AT A GLANCE 

(रुपये कोटीत/Rs. im crore)

| बाब (1) | 2002-03 <br> (Actuals) प्रत्यक्ष (2) | 2003-04 <br> (Actuals) प्रत्यक्ष (3) | 2004-05 (Actuals) प्रत्यक्ष (4) | 2005-06 <br> (Actuals) प्रत्यक्ष <br> (5) | $\begin{gathered} 2006-07 \\ \text { (R/E) } \\ \text { (सु.अं.) } \\ (6) \end{gathered}$ | $\begin{gathered} 2007-08 \\ \text { (B/E) } \\ \text { (अ.अं.) } \\ (7) \end{gathered}$ | Item <br> (1) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 1. महसुली जमा (अ + ब) | 31,103.05 | 34,370.52 | 41,013.33 | 48,438.30 | 60,267.38 | 68,298.88 | Revenue Receipts ( $\mathbf{a}+\mathrm{b}$ ) |
| अ) कर महसूल | 25,079.42 | 28,551.65 | 34,200.78 | 38,522.25 | 46,347.20 | 53,002.12 | a) Tax Revenue |
| ब) कराव्य्यतिरिक महसूल | 6,023.63 | 5,818.87 | 6,812.55 | 9,916.05 | 13,920.18 | 15,296.76 | b) Non-Tax Revenue |
| 2. महसुली खर्च त्यापैकी | 40,474.30 | 42,680.06 | 51,046.66 | 52,279.85 | 63,459.87 | 67,788.20 | Revenue Expenditure of which |
| अ) व्याज प्रदान | 7,129.75 | 8,335.48 | 8,978.56 | 9,347.24 | 11,769.30 | 12,113.86 | a) Intrest Payments |
| ब) प्रशासकीय सेवा | 3,152.03 | 3,386.71 | 3,776.45 | 4,207.40 | 5,151.15 | 7,072.91 | b) Administrative Serwices |
| क) निवृत्ती वेतन आणि संकीर्ण सर्वसाधारण सेवा | 2,801.91 | 3,244.13 | 3,513.80 | 4,104.24 | 4,799.56 | 5,511.56 | c) Pensions \& Misc. gen. Services |
| 3. महसुली तूट (2-1) | 9,371.25 | 8,309.54 | 10,033.33 | 3,841.55 | 3,192.49 | (-) 510.68 | Revenue Deficit (2-1) |
| 4. निळ्वळ भांडवली जमा त्यापैकी | 14,754.25 | 18,221.58 | 20,783.48 | 18,434.52 | 15,234.30 | 14,598.14 | Net Capital Receipts of which |
| अ) कर्जाची वसुली | 469.16 | 482.16 | 2,040.94 | 551.25 | 505.02 | 534.34 | a) Recovery of loans |
| ब) इतर भांडवली जमा | 5,183.41 | 2,454.22 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | 0.00 | b) Other capital receipts |
| क) कर्जे व इतर दायित्वे | 9,101.68 | 15,285.20 | 18,742.54 | 17,883.27 | 14,729.28 | 14,063.80 | c) Borrowings \& Other Liabilities |
| 5. भांडवली खर्च | 5,387.76 | 10,101.13 | 10,627.64 | 14,340.06 | 12,932.13 | 12,202.68 | Capital Expenditure |
| 6. एकूण जमा $(1+4)$ | 45,857.30 | 52,592.10 | 61,796.81 | 66,872.82 | 75,501.68 | 82,897.02 | Total Recipts ( $1+4$ ) |
| 7. एकूण खर्च $(2+5)$ | 45,862.06 | 52,781.19 | 61,674.30 | 66,619.91 | 76,392.00 | 79,990.88 | Total Expenditure ( $2+5$ ) |
| 8. अर्थसंकल्पीय तूट (7-6) (1) | 4.76 | 189.09 | (-) 122.51 | -252.91 | 890.32 | (-)2,906.14 | Budgetary Deficit (7-6) @ |
| 9. राजकोषीय तूट ( $8+4$ क) | 9,106.44 | 15,474.29 | 18,620.03 | 17,630.36 | 15,619.60 | 11,157.66 | Fiscal Deficit (8+4C) |
| 10. प्राथमिक तूट (9-2 अ) | 1,976.69 | 7,138.81 | 9,641.47 | 8,283.12 | 3,850.30 | (-) 956.20 | Primary Deficit (9-2 a) |

स्थूल राज्य उत्पन्नाशी टक्केवारी / As per cent of G.S.D.P.

| 1. महसुली जमा (अ+ब) | 10.4 | 10.1 | 10.6 | 11.1 | 11.8 | 11.8 | Revenue Receipts ( $\mathbf{a}+\mathbf{b}$ ) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| अ) कर महसूल | 8.3 | 8.4 | 8.8 | 8.8 | 9.1 | 9.2 | a) Tax Revenue |
| ब) कराव्यतिरिक महसूल | 2.0 | 1.7 | 1.8 | 2.3 | 2.7 | 2.6 | b) Non - Tax Revenue |
| 2. महसुली खर्च त्यापैकी | 13.5 | 12.5 | 13.2 | 11.9 | 12.5 | 11.7 | Revenue Expenditure of which |
| अ) व्याज प्रदान | 2.4 | 2.4 | 2.3 | 2.1 | 2.3 | 2.1 | a) Intrest Payments |
| ब) प्रशासकीय सेवा | 1.0 | 1.0 | 1.0 | 1.0 | 1.0 | 1.2 | b) Administrative Services |
| क) निवृत्ती वेतन आणि संकीर्ण सर्वसाधारण सेवा | 0.9 | 1.0 | 0.9 | 0.9 | 0.9 | 1.0 | c) Pensions \& Misc. gen. Services |
| 3. महसुली तूट (2-1) | 3.1 | 2.4 | 2.6 | 0.9 | 0.6 | (-) 0.1 | Revenue Deficit (2-1) |
| 4. निव्वळ भांडवली जमा त्यापैकी | 4.9 | 5.3 | 5.4 | 4.2 | 3.0 | 2.5 | Net Capital Receipts of which |
| अ) कर्जाची वसुली | 0.2 | 0.1 | 0.5 | 0.1 | 0.1 | 0.1 | a) Recovery of loans |
| ब) इतर भांडवली जमा | 1.7 | 0.7 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | b) Other capital receipts |
| क) कर्जे ब इतर दायित्व | 3.0 | 4.5 | 4.8 | 4.1 | 2.9 | 2.4 | c) Borrowings \& Other Liabilities |
| 5. भांडवली खर्च | 1.8 | 3.0 | 2.7 | 3.3 | 2.5 | 2.1 | Capital Expenditure |
| 6. एकूण जमा $(1+4)$ | 15.3 | 15.4 | 16.0 | 15.3 | 14.8 | 14.3 | Total Receipts ( $1+4$ ) |
| 7. एकूण खर्च $(2+5)$ | 15.3 | 15.5 | 15.9 | 15.2 | 15.0 | 13.8 | Total Expenditure ( $2+5$ ) |
| 8. अर्थसंकल्पीय तूट (7-6) | 0.0 | 0.1 | 0.0 | (-)0.1 | 0.2 | (-) 0.5 | Budgetary Deficit (7-6) |
| 9. राजकोषीय तूट ( $8+4$ क) | 3.0 | 4.5 | 4.8 | 4.0 | 3.1 | 1.9 | Fiscal Deficit (8+4C) |
| 10. प्राथमिक तूट (9-2 अ) | 0.7 | 2.1 | 2.5 | 1.9 | 0.8 | (-) 0.2 | Primary Deficit ( 9 - 2a) |
| महाराष्ट्र राज्याचे स्थूल राज्य उत्पत्र | 3,00,476 | 3,41,424 | 3,87,390 | 4,38,058 | 5,09,356 | 578,475 | G.S.D.P. of Maharashtra State |
| $\mathrm{R} / \mathrm{E}=$ सुधारलेले अंदाज <br> आधार - राज्य अर्थसंकल्प | / Revised | stimates. |  | $\mathrm{B} / \mathrm{E}=$ अर्थसंकल्पीय अंदाज / Budget Estimates. <br> Source - State Budgets |  |  |  |



[^29]तक्ता क्रमांक / TABLE No. 11
महाराष्ट्र शासन अर्थसंकल्प : महसुली व भांडवली लेख्यांवरील खर्चातील कल
GOVERNMENT OF MAHARASHTRA BUDGET : TRENDS IN EXPENDITURE ON REVENUE AND CAPITAL ACCOUNTS
(रुपये कोटीत/Rs. in crore)

| बाब (1) | 2002-03 प्रत्यक्ष <br> Actuals (2) | 2003-04 <br> प्रत्यक्ष <br> Actuals (3) | 2004-05 प्रत्यक्ष Actuals (4) | 2005-06 प्रत्यक्ष Actuals (5) | $\begin{gathered} \text { 2006-07 } \\ \text { सु.अं. } \\ \text { (R/E) } \\ (6) \end{gathered}$ | $\begin{gathered} 2007-08 \\ \text { अ.अं. } \\ (\mathrm{B} / \mathrm{E}) \\ (7) \\ \hline \end{gathered}$ | Item (1) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| (अ) महसुली खर्च ( $\uparrow+$ २) | 40,475 | 42,680 | 51,047 | 52,280 | 63,459 | 67,788 | (A) Revenue Expenditure (1+2) |
| (१) विकास खर्च (अ+ब+क) | 22,528 | 22,860 | 28,776 | 30,583 | 36,811 | 37,917 | (1) Development Expenditure ( $\mathrm{a}+\mathrm{b}+\mathrm{c}$ ) |
| (अ) सामाजिक सेवा (१ ते ८) | 14,218 | 15,990 | 17,549 | 19,917 | 24,219 | 24,517 | (a) Social Services ( 1 to 8) |
| (२) शिक्षण, क्रीडा, कला व संस्कृती | 8,937 | 9,432 | 10,184 | 10,762 | 12,533 | 12,314 | (1) Education, Sport, Art \& Culture |
| (२) आरोग्य व कुटुंब कल्याण | 1,656 | 1,768 | 1,891 | 2,124 | 2,483 | 2,668 | (2) Health \& Family Welfare |
| (३) पाणीपुरवठा, स्वच्छता, गृहनिर्माण व नगरविकास | 1,480 | 1,894 | 2,491 | 2,302 | 4,025 | 4,792 | (3) Water Supply Sani. Housing and Urban Development |
| (४) माहिती व ध्वनी प्रसारण | 19 | 20 | 28 | 22 | 25 | 25 | (4) Information \& Broadcasting |
| (५) अ.जा.,अ.ज. व इ.मा.व. यांचे कल्याण | 831 | 1,080 | 1,302 | 1,653 | 2,075 | 2,295 | (5) Welfare of SC. ST. \& OBC |
| (६) कामगार व कामगार कल्याण | 189 | 194 | 222 | 273 | 344 | 337 | (6) Labour and Labour Welfare |
| (७) समाज कल्याण व पोषण आहार | 1,079 | 1,571 | 1,399 | 2,749 | 2,685 | 2,040 | (7) Social Welfare and Nutrition |
| (c) इतर | 27 | 31 | 32 | 32 | 49 | 46 | (8) Others |
| (ब) आध्धिक सेवा (९ ते ९) | 7,636 | 5,883 | 10,381 | 9,315 | 11,646 | 12,464 | (b) Economic Services (1 to 9) |
| (१) कृषि व संलग्न सेवा | 2,651 | 2,386 | 3,492 | 2,732 | 3,297 | 3,055 | (1) Agriculture and Allied activities |
| (२) ग्राम विकास | 905 | 2,065 | 2,234 | 2,018 | 3,090 | 3,653 | (2) Rural Development |
| (३) विशेष क्षेत्र कार्यक्रम | 53 | 51 | 40 | 21 | 33 | 23 | (3) Special Area Programme |
| (४) पाटबंधारे व पूर नियंत्रण | 1,811 | 357 | 815 | 1,318 | 1,414 | 1,722 | (4) Irrigation and Flood control |
| (५) ऊर्जा | 759 | 353 | 2,983 | 1,993 | 2,317 | 2,348 | (5) Energy |
| (६) उद्योग व खानिे | 226 | 201 | 304 | 458 | 511 | 609 | (6) Industry and Minerals. |
| (७) वाहतूक आणि दळणवळण | 997 | 262 | 220 | 555 | 636 | 700 | (7) Transport and Communication |
| (C) विज्ञान, तंत्रशास्त्र व पर्यावरण | 7 | 15 | 9 | 13 | 25 | 25 | (8) Science, Technology \& Environment |
| (९) सर्वसाधारण आर्थिक सेवा | 227 | 193 | 284 | 207 | 323 | 329 | (9) General Economic Services |
| (क) स्थानिक संस्था आणि पंचायत राज्य संस्था यांना सहायक अनुदाने व अंशदाने | 674 | 987 | 846 | 1,351 | 946 | 936 | (c) Grants-in-Aid \& contributions to Local Bodies \& P.R. Institutions |
| (२) विकासेतर खर्च (अ+ब) | 17,947 | 19,820 | 22,271 | 21,697 | 26,648 | 29,871 | (2) Non-Development Expenditure (a+b) |
| (अ) सर्वसाधारण सेवा (१ ते ५) | 10,661 | 11,292 | 13,069 | 11,941 | 14,353 | 17,196 | (a) General Services ( 1 to 5) |
| (१) राज्यांची अंगे | 325 | 390 | 599 | 434 | 531 | 555 | (1) Organs of State |
| (२) करवसुली खर्च | 345 | 548 | 2,985 | 761 | 740 | 698 | (2) Collection Charges |
| (३) प्रशासकीय सेवा | 3,152 | 3,387 | 3,776 | 4,208 | 5,151 | 7,073 | (3) Administrative Services |
| (४) निवृत्ती वेतन आणि संकोर्ण सर्वसाधारण सेवा | 2,802 | 3,244 | 3,514 | 4,104 | 4,800 | 5,512 | (4) Pensions and Miscellaneous General Services |
| (५) राखीव निधीकडे हस्तांतरण | 4,037 | 3,723 | 2,195 | 2,434 | 3,131 | 3,358 | (5) Transfers to Reserve Funds |
| (ब) ॠण सेवा | 7,286 | 8,528 | 9,202 | 9,756 | 12,295 | 12, $\mathbf{6} \mathbf{6 7 5}$ | (b) Debt Services |


| बाब (1) | 2002-03 <br> Actuals <br> (2) | 2003-04 <br> Actuals <br> (3) | 2004-05 <br> Actuals <br> (4) |  | 2006-07 सु.अ. (R/E) (6) | $\begin{gathered} 2007-08 \\ \text { अ.3ं. } \\ (\mathrm{B} / \mathrm{F}) \\ (7) \end{gathered}$ | Item <br> (1) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| (ब) भांडवली खर्च (१+२) | 20,740 | 27,676 | 25,159 | 20,082 | 17,463 | 17,849 | (B) Capital Expenditure (1+2) |
| (9) विकास खर्च (अ+ष) | 5,387 | 10,101 | 10,627 | 14,340 | 12,932 | 12,203 | (1) Development Expenditure (a+b) |
| (अ) महसुली लेख्याबाहेरोल भांडवली खर्च | 3,683 | 8,199 | 7,877 | 10,078 | 10,516 | 10,690 | (a) Capital Expenditure outside the Revenue Account |
| (ब) राज्य शासनाने दिलेली कर्जे व आगाऊ रक्कम | 1,704 | 1,902 | 2,750 | 4,262 | 2,416 | 1,513 | (b) Loans and Advances given by the State Government |
| (२) विकासेतर खर्च (अ+ब) (सरकारी ऋणाची परतफेड) | 15,353 | 17,575 | 14,532 | 5,742 | 4,531 | 5,646 | (2) Non-Development Expenditure (a+b) (Repayment of Public debt) |
| (अ) राज्य शासनाचे देशांतर्गत ऋण | 14,231 | 9,732 | 5,149 | 5,216 | 4,205 | 5,230 | (a) Internal Debt of the State Government |
| (ब) केंद्र शासनाकडून घेतलेली करें व आगाऊ रकमा | 1,122 | 7,842 | 9,383 | 526 | 326 | 416 | (b) Loans \& Advances from Central Govt. |
| एकूण खर्च (अ + ब) | 61,215 | 70,356 | 76,206 | 72,362 | 80,922 | 85,637 | Total Expenditure ( $\mathrm{A}+\mathrm{B}$ ) |

R/E = सुधारलेले अंदाज / Revised Estimates.
आधार - संक्षिप्त अर्थसंकल्प, महाराष्ट्र शासन
$\mathrm{B} / \mathrm{E}=$ अर्थसंकल्पीय अंदाज / Budget Estimates.
Source - Budget-in-Brief, Government of Maharashtra.

तक्ता क्रमांक / TABLE No. 12
महाराष्ट्र राज्यातील कृषि क्षेत्रावरील करांपासून महसुली जमा REVENUE RECEIPTS FROM TAXES ON AGRICULTURE SECTOR IN MAHARASHTRA STATE
(रुपये लाखात/Rs. in lakh)


R/E = सुधारलेले अंदाज / Revised Estimates
आधार - वित्त विभाग, भहाराष्ट्र शासन, मुंबई.
$\mathrm{B} / \mathrm{E}=$ अर्थसंकल्पीय अंदाज / Budget Estimates
Source - Finance Depatrment, Government of Maharashtra, Murnbai

$$
\text { T- } 15
$$

तक्ता क्रमांक / Table No. 13
वर्षभरातील कर्जे व इतर दायित्वे
BORROWINGS \& OTHER LIABILITIES DURING THE YEAR
(रुपये कोटीत / Rs. in crore)

| 2 | बाब (1) | 2002-03 <br> (Actuals) प्रत्यक्ष <br> (2) | 2003-04 <br> (Actuals) प्रत्यक्ष (3) | 2004-05 <br> (Actuals) प्रत्यक्ष <br> (4) | 2005-06 <br> (Actuals) प्रत्यक्ष <br> (5) | $\begin{gathered} \text { 2006-07 } \\ \text { (R/E) } \\ \text { (सु.अ.) } \\ \text { (6) } \end{gathered}$ | 2007-08 <br> (B/E) <br> (अ.अं.) <br> (7) | Item <br> (1) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |


| एक - ॠण प्राप्ती $(1+2+3)$ (व्याजी) | 9,101.68 | 15,285.20 | 12,545.20 | 19,060.88 | 11,837.75 | 11,409.47 | 1 Debt Receipts ( $1+2+3$ ) (bearing interest) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 1) राज्य शासनाचे देशांतगंत ऋण (निव्वळ) | 8,563.42 | 20,717.78 | 18,776.01 | 17,952.30 | 10,280.33 | 9,719.21 | Internal Debt of the <br> State Government (net) |
| 2) केंद्र शासनाकड्नन कर्जे व आगाऊ रकमा (निव्वळ) | (-)160.31 | (-)6,589.84 | (-)7,581.13 | (-) 35.30 | 303.88 | 402.00 | Loans \& Advances from <br> Central Government (net) |
| 3) व्याजी गटबंधने (अ+ब+क) | 698.57 | 1,157.26 | 1,350.32 | 1,143.88 | 1,253.54 | 1,288.26 | Interest bearing obligations $(a+b+c)$ |
| अ) भवविष्य निवाह निधी (निव्वळ) | 58.01 | 487.45 | 495.09 | 586.81 | 711.35 | 863.04 | a) Provident Fund (net) |
| ब) राखीव निधी (निव्बळ) | 3.36 | (-) 7.07 | 15.53 | 2.63 | (-) 1.24 | 6.66 | b) Reserve Fund (net) |
| क) नागरी ठेवी (निव्वळ) | 637.20 | 676.88 | 839.70 | 554.44 | 543.43 | 418.56 | c) Civil Deposites (net) |
| दोन - ॠण प्राप्ती (१+२) (बिन व्याजी) | 5,183.41 | 2,454.22 | 6,197.34 | (-)1,177.61 | 2,891.53 | 2,654.33 | II Debt Receipts (1+2) <br> (Not bearing interest) |
| 1) लोकलेख्यातील निव्बळ जमा @ | 5,204.45 | 2,464.87 | 6,197.34 | (-)1,043.56 | 2,891.53 | 2,654.33 | Net receipts on Public Account @ |
| 2) इतर भांडबली जमा (निब्वळ) \# | (-) 21.04 | (-)10.65 | 0.00 | (-) 134.05 | 0.00 | 0.00 | Other capital receipts (net) \# |

एकूण कर्जे व इतर दायित्वे (एक $+द ो न)$
$14,285.09 \quad 17,739.42 \quad 18,742.54 \quad 17,883.2714,729.28 \quad 14,063.80 \quad$ Total Borrowings \& other Liabilities ( $\mathbf{I}+\mathrm{II}$ )
@ लोकलेख्याच्या निव्वळ प्राप्तीमध्ये राखीव निधी, ठेवी, निलंबन व संकीणं आणि वित्त प्रेषणे लेखा यांचा अंतर्भाव आहे.
@ Net Receipts on Public Account consist of Reserve Funds, Deposits, Suspense \& Misc. and Remittances Accounts.
\# यामध्ये अंतरराज्यीय तडजोड (निव्वळ), आकस्मिक्ता निधीमध्ये केलेले विनियोजन (निव्वळ) आणि आक्मिकता निधी (निव्वळ) यांचा समावेश आहे.
\# It comprises the receipts of Inter-State Settlement (net), Appropriation to the Contingency Fund (net) and Contingency Fund (net)

आधार - महाराष्ट्र राज्य अर्थसंकल्प Source - Maharashtra State Budget.

|  |  |  |  |  |
| :--- | :--- | :--- | :--- | :--- |

सु.अं. - सुधारित अंदाज $\quad \mathrm{PE}$ - Revised Estimates
टीप - (१) १९८३-८૪ पर्यतच्या आर्थिक पाहणीच्या प्रकाशनांत प्रसिद्ध केलेल्या उदेशानुसार वर्गीकरणात व येथे सादर केलेल्या वर्गीकरणात थोडा फरक आहे.
(२) सर्वसाधारण सेवेत प्रशासनिक व न्यायदान, कायदा व सुव्यवस्था, करवसुलीविषयक सेवा व इतर सर्वसाधारण सेवा यांचा अंतर्भाव होतो.
(३) सामाजिक व सामूहिक सेवांत मूलभूत सामाजिक सेवा उदा.शिक्षण, सार्वजनिक आरोग्य, कुटुंबकल्याण, वैद्यकीय सोयी, मागासवर्गीयांचे कल्लाण व इतर सामाजिक सेवा उदा. सामाजिक सुरक्षा व कल्याण कार्यक्रम व करमणूक, सार्वजनिक उद्यान इत्यादी बाबतीतील सेवांचा समावेश होतो.
(४) आर्थिक सेवांत कृषि, लघु पाटबंधारे, मृद संधारण, क्षेत्र विकास, पशुसंवर्धन, दुग्ध व कुक्कुट विकास, वन, शिकार व मत्स्यव्यवसाय, जल व गीज विकास, उद्योग खनिजे, परिवहन व दळणवळण, सहकार इत्यादि विषयक सेवा या कार्यक्रमांचा अंतरांव होतो.
(4) इतर सेवा या सदरात आपत्तीच्या निवारणासाठी केलेला खर्च, जमिनीची कमालमर्यादा, जमीनदारी पद्धती निर्मूलनामुळे भूधारकांना नुकसान भपपाई, सरकारी ऋणावरील व्याज प्रदान, सरकारी ऋण व्यवहार इत्यादीचा समावेश होतो.
आधार - राज्य अर्थसंकल्पाचे आर्थिक व उद्देशानुसार वर्गीकरण.

TABLE No. 14
आर्थिक व उद्देशानुसार वर्गीकरण
MAHARASHTRA STATE GOVERNMENT BUDGET


| 2,213 | 2,698 | 3,274 | 4,552 | 12,587 | 19,547 | ... | 1. Current Expenditure <br> (a) Consumption expenditure |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 1,516 | 1,497 | 2,242 | 2,526 | 8,619 | 10,844 | ... | (b) Interest payments |
| 2,651 | 2,804 | 3,923 | 4,731 | 15,079 | 20,313 | $\cdots$ | (c) Grants |
| 595 | 467 | 881 | 788 | 3,387 | 3,381 | ... | (d) Other current expenditure |
| 6,975 | 7467 | 10,321 | 12,597 | 39,672 | 54,086 | ..* | Total-(1) |
|  |  |  |  |  |  |  | 2. Capital Expenditure -- |
| 6,058 | 7,210 | 2 | 1 | 7,169 | 8,536 |  | 2.1 (a) Gross capital formation |
| 2,025 | 2,412 | 1 | 1 | 2,397 | 2,856 | ... | (b) Capital grants |
| 195 | 233 | 0 | 0 | 232 | 276 | -•• | (c) Investment in shares |
| 1,295 | 1,991 | 0 | 0 | 1,533 | 2,357 | ... | (d) Loans |
| 52 | 61 | 0 | 0 | 61 | 72 | ... | (e) Other capital transfers |
| 9,625 | 11,907 | 3 | 2 | 11,392 | 14,097 | ... | Sub-total - 2.1 |
| 0 | 0 | 11,294 | 5,793 | 11,294 | 5,793 | ... | 2.2 Repayment of Debt |
| 9,625 | 11,907 | 11,297 | 5,795 | 22,686 | 19,890 | $\cdots$ | Total - (2) |
| 16,600 | 19,374 | 21,617 | 18,392 | 62,358 | 73,976 | ... | Grand Total - ( $1+2$ ) |

Note - (1) The purpose classification presented here slightly differs from those published in the Economic Surveys upto 1983-84.
(2) General services cover the services which are administrative and judiciary, those related to the maintenance of law and order and the tax collection and other general services.
(3) Social and community services cover the basic social services like education, public health, family welfare, medical facilities, backward class welfare and other social services like social security and welfare activities, recreation, public gardens etc.
(4) Economic services cover the services like agriculture, minor irrigation, soil conservation, area development, animal husbandry, dairy and poultry development, forests, hunting and fisheries, water and power development, industry and minerals, transport and communications, co-operative activities etc.
(5) Other services cover the outlay in connection with relief on calamities, land ceiling, compensation to land owners on abolition of Zamindari system, payment of interest on public debt, public debt transactions etc.
Source - Economic and purpose classification of State Budgets.

# CAPITAL FORMATION BY STATE GOVERNMENT AND ITS FINANCING 

(रुपये कोटीत / Rs. in crore)

| बाब (1) | 2001-02 (Actuals) प्रत्यक्ष <br> (2) | $\begin{gathered} 2002-03 \\ \text { (Actuals) } \\ \text { प्रत्यक्ष } \\ \text { (3) } \end{gathered}$ | 2003-04 <br> (Actuals) प्रत्यक्ष <br> (4) | 2004-05 <br> (Actuals) प्रत्यक्ष <br> (5) | 2005-06 <br> (Actuals) प्रत्यक्ष <br> (6) | $\begin{gathered} 2006-07 \\ (\mathrm{R} / \mathrm{E}) \\ \text { (सु.अं.) } \\ \text { (7) } \end{gathered}$ | Item <br> (1) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 1. राज्य शासनाची एकूण भांडवल निर्मिती | 3,264.15 | 4,450.80 | 8,898.20 | 2,462.06 | 2,414.22 | 3,943.25 | Gross capital formation by the State Government |
| 2. उर्वरित अर्थव्यवस्थेस भांडवल निर्मितीकरिता वित्तीय सहाय्य (अ+ब+क+ड) | 2,996.08 | 2,618.78 | 4,151.68 | 5,433.00 | 4,223.00 | 5,561.00 | Financial assistance for capital formation to the rest of economy (a+b+c+d) |
| अ) भांडवली अनुदाने | 1,518.03 | 1,503.85 | 2,975.50 | 3,084.00 | 2,397.00 | 2,856.00 | a) Capital Grants |
| ब) इतर हस्तांतरित भांडवली रकमा | 41.88 | 77.10 | 293.74 | 79.00 | 61.00 | 72.00 | b) Other capital transfers |
| क) भांडवल निर्मितीसाठो कजे | 1,000.78 | 692.52 | 595.14 | 1,972.00 | 1,533.00 | 2,357.00 | c) Loans for capital formation |
| ड) भाग भांडवलात केलेली गुंतवणूक | - 435.39 | 345.31 | 287.30 | 298.00 | 232.00 | 276.00 | d) Investment in shares |
| 3. राज्य शासनाच्या अर्थसंकल्पीय उपाययोजनांतून होणारी एकूण भांडवल निर्मिती $(1+2)$ | 6,260.23 | 7,069.58 | 13,049.88 | 7,895.06 | 6,637.22 | 9,504.25 | Gross Capital formation out of bugetary resources of State Government ( $\mathbf{1 + 2 )}$ |

स्थूल राज्य उत्पत्राशी टक्केवारी / As per cent of G.S.D.P.

| 1. राज्य शासनाची एकूण भांडवल निम्मिती | 1.2 | 1.5 | 2.6 | 0.6 | 0.6 | 0.8 | Gross capital formation by the State Government |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 2. उर्वरित अर्थव्यवस्थेस भांडवल निमितीकरिता वित्तीव सहाय्य (अ+ब+क+द) | 1.1 | 0.9 | 1.2 | 1.4 | 1.0 | 1.1 | Financial assistance for capital formation to the rest of economy (a+b+c+d) |
| अ) भांडवली अनुदाने | 0.6 | 0.5 | 0.9 | 0.8 | 0.5 | 0.6 | a) Capital Grants |
| ब) इतर हस्तांतरित भांडवली रकमा | 0.0 | 0.0 | 0.1 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | b) Other capital transfers |
| क) भांडवल निर्मितीसाठी कर्जे | 0.4 | 0.2 | 0.2 | 0.5 | 0.3 | 0.5 | c) Loans for capital formation |
| ड) भाग भांडवलात केलेली गुंतवणूक | 0.2 | 0.1 | 0.1 | 0.1 | 0.1 | 0.1 | d) Investment in shares |
| 3. राज्य शासनाच्या अर्थसंकल्पीय उपाययोजनांतून होणारी एकूण भांडवल निमिती $(1+2)$ | 2.3 | 2.4 | 3.8 | 2.0 | 1.5 | 1.9 | Gross Capital formation out of bugetary resources of State Government (1+2) |
| महाराष्ट्र राज्याचे स्थूल राज्य उत्पत्र | 2,74,113 | 3,00,476 | 3,41,424 | 3,87,390 | 4,38,058 | 5,09,356 | G.S.D.P. of Maharashtra State |

तक्ता क्रमांक / TABLE No. 16
नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्थांचे २००६-०७ मधील उत्पत्र व खर्च

## INCOME AND EXPENDITURE OF URBAN LSG INSTITUTIONS DUIIING 2006-07



| बाब | महानगरपालिका <br> Municipal <br> Corpo- <br> rations | नगरपरिषदा/Municipal Councils |  |  |  | नगर <br> पंचायती <br> Nagar <br> Panchayats <br> (7) | कटक मंडळे <br> Cantonment <br> Boards | सर्व नागरी संस्था All Civic Bodies | Item |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  | वर्ग 'अ' | वर्ग 'ब' | वर्ग 'क' | सर्a |  |  |  |  |
|  |  | Class'A' | Class'B' | Class'C' | All |  |  |  |  |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) |  | (8) | (9) | (1) |


| उत्पत्र |  |  |  |  |  |  |  |  | Income |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 1. आरंभीची शिल्लक | 2,452.99 | 130.47 | 144.78 | 202.06 | 477.31 | 6.22 | 28.64 | 2,965.16 | Opening Balance |
| 2. जमा |  |  |  |  |  |  |  |  | Receipts |
| 2.1. पट्टी, कर इत्यादी | 11,147.15 | 163.65 | 209.13 | 131.35 | 504.13 | 3.37 | 79.92 | 11,734.57 | Rents, taxes etc. |
| 2.2. शासकीय अनुदाने | 635.57 | 422.99 | 440.06 | 397.86 | 1,260.91 | 8.27 | 13.42 | 1,918.17 | Government grants |
| 2.3. वार्णिज्यिक | 199.07 | 0.00 | 2.51 | 0.73 | 3.24 | 0.00 | 0.01 | 202.32 | Commercial |
| उपक्रमांपासून |  |  |  |  |  |  |  |  | enterprises |
| 2.4. ठेवी आणि कर्जे इ. | 640.01 | 84.12 | 65.55 | 38.35 | 188.02 | 1.72 | 48.22 | 877.97 | Deposits and Loans etc. |
| 2.5. इतर उत्पत्न | 3,595.34 | 61.75 | 2.51 | 41.69 | 105.95 | 1.06 | 17.61 | 3,719.96 | Other Income |
| एकूण जमा (2) | 16,217.14 | 732.51 | 719.76 | 609.98 | 2,062.25 | 14.42 | 159.18 | 18,452.99 | Total receipts(2) |
| एकूण उत्पन्न (1+2) | 18,670.13 | 862.98 | 864.54 | 812.04 | 2,539.56 | 20.64 | 187.82 | 21,418.15 | Total Income ( $1+2$ ) |

खर्च

1. प्रशासन

| (अ) आस्थापना | 4,264.74 | 159.17 | 215.47 | 171.47 | 546.11 | 1.84 | 38.61 | 4,851.30 | (a) Establishment |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| (ब) इतर | 209.15 | 11.61 | 19.55 | 14.02 | 45.18 | 0.27 | 1.46 | 256.06 | (b) Others |
| 2. कर वसुली | 44.85 | 0.94 | 4.60 | 1.82 | 7.36 | 0.00 | 0.28 | 52.49 | Recovery of taxes |
| 3. सार्यर्जनक दिवाबत्ती | 274.06 | 14.11 | 18.94 | 12.08 | 45.13 | 0.52 | 3.70 | 323.41 | Street lighting |
| 4. पाणीपुरबठा | 1,409.81 | 54.31 | 51.59 | 30.74 | 136.64 | 0.51 | 1.95 | 1,548.91 | Water supply |
| 5. सार्वर्जनक सुरक्षा | 42.40 | 3.94 | 5.11 | 2.80 | 11.85 | 0.18 | 2.05 | 56.48 | Public security |
| 6. सार्वर्ननक आरोग्य | 650.66 | 19.33 | 22.44 | 12.57 | 54.34 | 0.73 | 3.44 | 709.17 | Public health |
| 7. जलनिःसारण व मर्लनन:सारण | 1,047.45 | 25.01 | 10.93 | 9.58 | 45.52 | 0.04 | 1.91 | 1,094.92 | Drainage and Sewerage |
| 8. बांधकामे | 1,461.85 | 127.47 | 110.15 | 140.09 | 377.71 | 5.13 | 21.10 | 1,865.79 | Construction works |
| 9. परिवहन | 438.75 | 1.27 | 0.28 | 1.50 | 3.05 | 0.07 | 0.00 | 441.87 | Transport |
| 10. शिक्षण | 288.77 | 7.78 | 11.58 | 5.45 | 24.81 | 0.05 | 0.44 | 314.07 | Education |
| 11. दुर्बल घटकांवरील खर्च | 58.38 | 4.53 | 6.00 | 4.15 | 14.68 | 0.04 | 0.00 | 73.10 | Expenditure on weaker sections |
| 12. विशेष खर्च व दिलेली कर्जे | 870.90 | 100.51 | 54.96 | 41.95 | 197.42 | 0.87 | 72.63 | 1,141.82 | Extraordinary <br> expenditure and loans extended |
| 13. इतर खर्च | 3,757.85 | 103.99 | 120.89 | 105.46 | 330.34 | 2.17 | 15.83 | 4,106.19 | Other expenditure |
| एकूण खर्च (१ ते १३) | 14,819.62 | 633.97 | 652.49 | 553.68 | 1,840.14 | 12.42 | 163.40 | 16,835.58 | Total expenditure (1 to 13) |

टीप - १) विविध विभागांतर्गत कर्मचारी / आस्थापनांवरील खर्च एकत्रित करण्यात आला असून बाब क्र.१ (अ) समोर दर्शविला आहे.
२) आकडे संक्षिप्तात दिल्याने बेरजा जुळतीलच असे नाही.

Note - 1) Expenditure on staff / establishements under various sections has been clubbed and shown at item 1(a).
2) Details may not add upto totals due to rounding.

तक्ता क्रमांक / TABLE No. 17
महाराष्ट्रातील जमिनीच्या वापराची आकडेवारी
LAND UTILISATION STATISTICS OF MAFIARASHTRA
(क्षेंगे ह जार हे कट सा माधटा /Area in thousand hectares)

| वर्ष <br> Year |  | भौगोलिक <br> क्षेत्र <br> Geographical area | वनाखालील क्षेत्र <br> Area under forests | मशागतीसाठी उपलख्ध नसलेले क्षेत्र <br> Land not available for cultivation |  | मशागत न केलेले इतर क्षेत्र Other uncultivated land |  |  | पडीत जामिनी <br> Fallow lands |  | पिकांग्रालील क्षेत्र Cropped Area |  | पिकाखालील एकूण क्षेत्र |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |  |  |  | Gross <br> cropped area |  |  |  |  |
| (1) |  | (2) | (3) | नापीक <br> वा <br> मशागतीस <br> अयोग्य <br> जमीन <br> Barren and uncultivable land <br> (4) | विगर-शेती वापराखाली आणलेली जमीन <br> Land put to non-agricultural uses <br> (5) |  |  |  | मशागत- <br> योग्य <br> पडीत <br> जमीन <br> Cultur- <br> able <br> waste <br> land <br> (6) | कायमची कुरणे व <br> चराक कुरणे <br> Permanent pastures and grazing land <br> (7) | किरकोळ झाडे, झुङुपे यांच्या समूहा <br> खालील क्षे Land under miscellaneous tree crops and groves (8) | चालू पड <br> Current <br> fallows <br> (9) | इतर <br> पड <br> Other <br> fallows <br> (10) | निव्वळ पेरणी क्षेत्र Net area sown <br> (11) | दुसोटा/ <br> तिसोटा <br> क्षेत्र <br> Area <br> sown <br> more <br> than <br> once <br> (12) | (13) |
| 1986-87 | $\ldots$ | 30,758 | 5,350 | 1,679 | 1,152 | 1,044 | 1,367 | 196 | 909 | 1,057 | 18,004 | 2,320 | 20,324 |
| 1987-88 | ... | 30,758 | 5,305 | 1,622 | 1,179 | 946 | 1,271 | 189 | 989 | 1,119 | 18,139 | 2,803 | 20,942 |
| 1988-89 | $\ldots$ | 30,758 | 5,229 | 1,635 | 1,182 | 1,009 | 1,135 | 247 | 973 | 1,131 | 18,219 | 3,267 | 21,486 |
| 1989-90 | $\ldots$ | 30,758 | 5,126 | 1,614 | 1,092 | 984 | 1,112 | 297 | 881 | 1,090 | 18,563 | 3,105 | 21,668 |
| 1990-91 | $\ldots$ | 30,758 | 5,128 | 1,622 | 1,091 | 966 | 1,125 | 301 | 898 | 1,063 | 18,565 | 3,295 | 21,859 |
| 1991-92 | $\ldots$ | 30,758 | 5,134 | 1,635 | 1,166 | 967 | 1,138 | 283 | 1,416 | 1,125 | 17,895 | 2,239 | 20,133 |
| 1992-93 | $\ldots$ | 30,758 | 5,145 | 1,591 | 1,187 | 948 | 1,180 | 287 | 1,306 | 1,094 | 18,020 | 3,168 | 21,189 |
| 1993-94 | $\cdots$ | 30,758 | 5,146 | 1,562 | 1,281 | 943 | 1,173 | 273 | 979 | 1,214 | 18,188 | 3,221 | 21,409 |
| 1994-95 | $\ldots$ | 30,758 | 5,147 | 1,542 | 1,317 | 948 | 1,173 | 280 | 912 | 1,387 | 18,053 | 3,305 | 21,358 |
| 1995-96 | ... | 30,758 | 5,148 | 1,544 | 1,349 | 960 | 1,166 | 292 | 1,072 | 1,248 | 17,980 | 3,524 | 21,504 |
| 1996-97 | $\ldots$ | 30,758 | 5,149 | 1,544 | 1,350 | 958 | 1,174 | 308 | 1,028 | 1,401 | 17,848 | 3,988 | 21,836 |
| 1997-98 | $\cdots$ | 30,758 | 5,148 | 1,544 | 1,350 | 963 | 1,180 | 330 | 1,081 | 1,441 | 17,722 | 3,662 | 21,384 |
| 1998-99 | $\cdots$ | 30,758 | 5,150 | 1,544 | 1,352 | 959 | 1,168 | 328 | 1,132 | 1,286 | 17,841 | 3,748 | 21,589 |
| 1999-00 | $\cdots$ | 30,758 | 5,136 | 1,544 | 1,360 | 959 | 1,168 | 365 | 1,215 | 1,350 | 17,662 | 3,720 | 21,382 |
| 2000-01 | ... | 30,758 | 5,296 | 1,696 | 1,301 | 903 | 1,341 | 226 | 1,189 | 1,171 | 17,636 | 4,619 | 22,256 |
| 2001-02 | ... | 30,758 | 5,216 | 1,721 | 1,374 | 914 | 1,249 | 246 | 1,216 | 1,192 | 17,631 | 4,773 | 22,405 |
| 2002-03 | $\cdots$ | 30,758 | 5,214 | 1,720 | 1,380 | 915 | 1,249 | 247 | 1,255 | 1,200 | 17,579 | 4,808 | 22,388 |
| 2003-04 | ... | 30,758 | 5,214 | 1,725 | 1,390 | 917 | 1,249 | 251 | 1,364 | 1,216 | 17,432 | 4,753 | 22,190 |
| 2004-05 | $\cdots$ | 30,758 | 5,213 | 1,726 | 1,393 | 918 | 1,251 | 249 | 1,316 | 1,204 | 17,490 | 4,873 | 22,368 |
| 2005-06 | $\cdots$ | 30,758 | 5,212 | 1,720 | 1,407 | 914 | 1,252 | 249 | 1,327 | 1,204 | 17,473 | 5,083 | 58,556 |

टीप - २०00-०२ ते श००५-०६ चे आकडे अस्थायी आहेत
आधार - कृषि आयुक्तलय, महाराष्ट्र राज्य, पुणे

Note - The figures for 2000-01 to 2005-06 are provisional.
Source - Commissionerate of Ágriculture, Maharashtra State, Pune

तक्ता क्रमांक / TABLE No. 18
महाराष्ट्र राज्यातील मुख्य पिकांखालील क्षेत्र, पीक उत्पादन आणि दर हेक्टरी उत्पादन
AREA UNDER PRINCIPAL CROPS, PRODUCTION AND YIEL, PER HECTARE IN MAHARASHTRA STATE
(क्षेत्र हजार हेक्टर्समध्ये/Area in thousand hectares,
अत्रधान्ये
Foodgrains

|  |  |  | तांदुळ/Rice |  |  | गहू/Wheat |  |  | ज्वारी/Jowar |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| अनुक्रमाक Scrial No. <br> (1) | वर्ष <br> Year <br> (2) |  | क्षेत्र <br> Anea <br> (3) | उत्पादन <br> Production <br> (4) | दर हेक्टरी उत्पादन Yield per hectare (5) | क्षेत्र Area <br> (6) | उत्पादन <br> Production <br> (7) | दर हेक्टरी उत्पादन Yield per hectare (8) | क्षेत्र <br> Area <br> (9) | उत्पादन <br> Production <br> (10) | दर हेक्टरी उत्पादन Yieldper hectare (11) |
| 1 | 1960-61 | $\ldots$ | 1,300 | 1,369 | 1,054 | 907 | 401 | 442 | 6,284 | 4,224 | 672 |
| 2 | 1970-71 | $\ldots$ | 1,352 | 1,662 | 1,229 | 812 | 440 | 542 | 5,703 | 1,557 | 273 |
| 3 | 1980-81 |  | 1,459 | 2,315 | 1,587 | 1,063 | 886 | 834 | 6,469 | 4,409 | 681 |
| 4 | 1985-86 | $\ldots$ | 1,536 | 2,161 | 1,406 | 888 | 652 | 734 | 6,628 | 3,918 | 591 |
| 5 | 1990-91 | $\ldots$ | 1,597 | 2,344 | 1,467 | 867 | 909 | 1,049 | 6,300 | 5,929 | 941 |
| 6 | 1995-96 | $\ldots$ | 1,552 | 2,659 | 1,713 | 770 | 977 | 1,270 | 5,658 | 5,200 | 919 |
| 7 | 2000-01 | ... | 1,512 | 1,930 | 1,277 | 754 | 948 | 1,256 | 5,094 | 3,988 | 783 |
| 8 | 2003-04 | $\ldots$ | 1,535 | 2,839 | 1,849 | 665 | 778 | 1,171 | 4,440 | 2,888 | 651 |
| 9 | 2004-05 | ... | 1,509 | 2,147 | 1,423 | 756 | 1,017 | 1,345 | 4,756 | 3,623 | 762 |
| 10 | 2005-06 | $\ldots$ | 1,515 | 2,695 | 1,768 | 933 | 1,300 | 1,393 | 4,740 | 3,711 | 783 |
| 11 | 2006-07 | ... | 1,529 | 2,569 | 1,680 | 1,231 | 1,869 | 1,518 | 4,618 | 3,772 | 817 |
|  |  |  | बाजरी/Bajra |  |  | इतर तृणधान्ये/Other cereals |  |  | सर्व तृपधान्य/All cereals |  |  |
| अनु- <br> क्रमांक <br> Serial <br> No. <br> (1) | वर्ष <br> Year <br> (2) |  | क्षेत्र <br> Area <br> (12) | उत्पादन <br> Production <br> (13) | दर हेक्टरी उत्पादन Yieldper hectare (14) | क्षेत्र <br> Arca <br> (15) | उत्पादन <br> Production <br> (16) | दर हेष्टरी उत्पादन Yieldper hectare (17) | क्षेत्र <br> Area <br> (18) | उत्पादन <br> Production <br> (19) | दर हेक्टरी उत्पादन Yieldper hectare (20) |
| 1 | 1960-61 | ... | 1,635 | 489 | 299 | 480 | 273 | 568 | 10,606 | 6,755 | 637 |
| 2 | 1970-71 | $\ldots$ | 2,039 | 824 | 404 | 414 | 253 | 611 | 10,320 | 4,737 | 459 |
| 3 | 1980-81 | ... | 1,534 | 697 | 454 | 451 | 341 | 755 | 10,976 | 8,647 | 788 |
| 4 | 1985-86 | $\ldots$ | 1,717 | 420 | 245 | 440 | 404 | 918 | 11,209 | 7,554 | 674 |
| 5 | 1990-91 | $\ldots$ | 1,940 | 1,115 | 575 | 432 | 443 | 1,026 | 11,136 | 10,740 | 964 |
| 6 | 1995-96 | $\ldots$ | 1,732 | 972 | 561 | 408 | 474 | 1,162 | 10,120 | 10,282 | 1,016 |
| 7 | 2000-01 | $\ldots$ | 1,800 | 1,087 | 604 | 664 | 544 | 819 | 9,824 | 8,497 | 865 |
| 8 | 2003-04 | $\ldots$ | 1,325 | 896 | 676 | 603 | 966 | 1602 | 8,568 | 8,367 | 977 |
| 9 | 2004-05 | $\ldots$ | 1,529 | 1,126 | 734 | 660 | 949 | 1,438 | 9,210 | 8,863 | 962 |
| 10 | 2005-06 | $\ldots$ | 1,434 | 932 | 650 | 683 | 1.138 | 1,666 | 9,303 | 9,776 | 1,051 |
| 11 | 2006-07 | ... | 1,452 | 1,059 | 729 | 791 | 1,308 | 1,654 | 9,621 | 10,577 | 1,099 |


| अनुक्रमाक Serial No. (1) | वर्ष <br> Year <br> (2) |  | तूर/Tur |  |  | हर भरा/Gram |  |  | मुग/Mung |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  | क्षेत्र Area (21) | उत्पादन <br> Production <br> (22) | दर हेक्टरी उत्पादन <br> Yieldper hectare (23) | क्षेत्र Area (24) | उत्पादन Production <br> (25) | दर हेक्टरी उत्पादन Yieldper hectare (26) | क्षेत्र Area <br> (27) | उत्पादन Production <br> (28) | दर हैक्टरी उत्पादन Yieldper hectare (29) |
| 1 | 1960-61 | $\ldots$ | 530 | 468 | 883 | 402 | 134 | 334 | 0 | 0 | 0 |
| 2 | 1970-71 | ... | 627 | 271 | 432 | 310 | 87 | 281 | 0 | 0 | 0 |
| 4 | 1980-81 | $\ldots$ | 644 | 319 | 495 | 410 | 137 | 335 | 0 | 0 | 0 |
| 5 | 1985-86 | $\ldots$ | 758 | 454 | 599 | 501 | 161 | 320 | 0 | 0 | 0 |
| 6 | 1990-91 |  | 1,004 | 419 | 417 | 668 | 355 | 532 | 0 | 0 | 0 |
| 7 | 1995-96 | ... | 1,039 | 606 | 583 | 733 | 386 | 526 | 0 | 0 | 0 |
| 8 | 2000-01 | ... | 1,096 | 660 | 602 | 676 | 351 | 519 | 714 | 244 | 341 |
| 9 | 2003-04 | $\ldots$ | 1,046 | 693 | 662 | 795 | 421 | 530 | 700 | 391 | 558 |
| 10 | 2004-05 | . | 1,074 | 658 | 613 | 830 | 466 | 562 | 656 | 228 | 347 |
| 11 | 2005-06 | ... | 1,100 | 792 | 720 | 1,020 | 705 | 691 | 534 | 189 | 354 |
| 11 | 2005-06 | ... | 1,123 | 815 | 726 | 1,308 | 924 | 706 | 573 | 236 | 412 |

(पुढे चालू/contd.)

तक्ता क्रमांक / TABLE No. 18
महाराष्ट्र राज्यातील मुख्य पिकांखालील क्षेत्र, पीक उत्पादन आणि दर हेक्टरी उत्पादन

## AREA UNDER PRINCIPAL CROPS, PRODUCTION AND YIELD PER HECTARE IN MAHARASHTRA STATE

(क्षेत्र हजार हेक्टर्समध्ये/Area in thousand hectares,
अन्रधान्ये
Foodgrains
उत्पादन हजार टनामध्ये/Production in thousand tonnes,
दर हेक्टरी उत्पादन किलोग्रूममध्ये/Yield per hectare in kilogram)

| अनु- क्रमाक Serial No. <br> (1) | वर्ष Year <br> (2) | उडिद/Udid |  |  |  | इतर कडधान्ये/Other pulses |  |  | सर्बे कडधान्ये/All pulses |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  | क्षेत्र Area | उत्पादन Production <br> (31) | दर हेक्टरी उत्पादन Yield per hectare (32) | क्षेत्र <br> Area <br> (33) | उत्पादन <br> Production <br> (34) | दर हेक्टरी उत्पादन Yield per hectare (35) | क्षेत्र <br> Area <br> (36) | उत्पादन <br> Production <br> (37) | दर हेक्टरी उत्पादन Yield per hectare (38) |
| 1 | 1960-61 | ... | 0 | 0 | 0 | 1,417 | 387 | 273 | 2,349 | 989 | 421 |
| 2 | 1970-71 | $\ldots$ | 0 | 0 | 0 | 1,629 | 319 | 196 | 2,566 | 677 | 264 |
| 3 | 1980-81 | ... | 0 | 0 | 0 | 1,661 | 369 | 222 | 2,715 | 825 | 304 |
| 4 | 1985-86 | $\ldots$ | 0 | 0 | 0 | 1,581 | 543 | 343 | 2,840 | 1,158 | 408 |
| 5 | 1990-91 | $\ldots$ | 0 | 0 | 0 | 1,585 | 668 | 421 | 3,257 | 1,441 | 442 |
| 6 | 1995-96 | $\ldots$ | 0 | 0 | 0 | 1,589 | 682 | 429 | 3,361 | 1,673 | 498 |
| 7 | 2000-01 | ... | 574 | 205 | 357 | 497 | 177 | 356 | 3,557 | 1,637 | 460 |
| 8 | 2003-04 | ... | 601 | 359 | 598 | 294 | 91 | 310 | 3,436 | 1,955 | 569 |
| 9 | 2004-05 | ... | 531 | 217 | 408 | 294 | 99 | 336 | 3,385 | 1,668 | 493 |
| 10 | 2005-06 | $\ldots$ | 468 | 199 | 424 | 310 | 107 | 345 | 3,432 | 1,992 | 581 |
| 11 | 2006-07 | ... | 490 | 200 | 408 | 334 | 129 | 386 | 3,828 | 2,304 | 602 |


| अनु- क्रमाक <br> Serial <br> No. <br> (1) | वष <br> Year <br> (2) |  | सर्ष अन्तधान्ये/All foodgrains |  |  | भुईमूग/ Groundnut |  |  | सोयाबिन/Soyabean |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  | क्षेत्र <br> Area <br> (39) | उत्पादन Production <br> (40) | दर हैक्टरी उत्पादन Yield per hectare (41) | क्षेत्र Area <br> (42) | उत्पादन Production <br> (43) | दर हेक्टरी उत्पादन Yield per hectare (44) | क्षेत्र <br> Area <br> (45) | उत्पादन <br> Production <br> (46) | दर हेक्टरी उत्पादन <br> Yield per hectare (47) |
| 1 | 1960-61 | $\ldots$ | 12,955 | 7,744 | 598 | 1,083 | 800 | 739 | 0 | 0 | 0 |
| 2 | 1970-71 | $\ldots$ | 12,886 | 5,414 | 420 | 904 | 586 | 649 | 0 | 0 | 0 |
| 3 | 1980-81 | ... | 13,691 | 9,472 | 692 | 695 | 451 | 648 | 0 | 0 | 0 |
| 4 | 1985-86 | $\ldots$ | 14,049 | 8,712 | 620 | 670 | 491 | 732 | 33 | 10 | 318 |
| 5 | 1990-91 | ... | 14,393 | 12,181 | 846 | 864 | 979 | 1,132 | 201 | 190 | 947 |
| 6 | 1995-96 | $\ldots$ | 13,481 | 11,955 | 887 | 590 | 642 | 1,089 | 617 | 698 | 1,131 |
| 7 | 2000-01 | ... | 13,382 | 10,133 | 757 | 490 | 470 | 958 | 1,142 | 1,266 | 1,109 |
| 8 | 2003-04 | $\ldots$ | 12,004 | 10,322 | 860 | 390 | 453 | 1,162 | 1,589 | 2,219 | 1,397 |
| 9 | 2004-05 | ... | 12,595 | 10,531 | 836 | 416 | 459 | 1,103 | 2,102 | 1,892 | 900 |
| 10 | 2005-06 | ... | 12,735 | 11,768 | 924 | 442 | 440 | 996 | 2,347 | 2,527 | 1,077 |
| 11 | 2006-07 | ... | 13,449 | 12,882 | 958 | 448 | 399 | 891 | 2,521 | 2,892 | 1,147 |


|  |  |  | करडई/Safflower |  |  | इतर तेलबिया/Other oilseeds |  |  | एकूण तेलबिया/Total oilseeds |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| अनुक्रमांक Serial No. <br> (1) | वर्ष <br> Year <br> (2) |  | क्षेत्र <br> Area <br> (48) | उत्पादन Production <br> (49) | दर हेक्टरी उत्पादन Yield per hectare (50) | क्षेत्र Area (51) | उत्पादन <br> Production <br> (52) | दर हेक्टरी उत्पादन Yield per hectare (53) | क्षेत्र <br> Area <br> (54) | उत्पादन <br> Production <br> (55) | दर हेक्टरी उत्पादन Yield per hectare (56) |
| 1 | 1960-61 | $\ldots$ | 331 | 0 | 0 | 454 | 0 | 0 | 1,868 | 0 | 0 |
| 2 | 1970-71 | $\ldots$ | 406 | 102 | 252 | 408 | 65 | 159 | 1,718 | 753 | 438 |
| 3 | 1980-81 | $\ldots$ | 480 | 174 | 363 | 605 | 103 | 171 | 1,780 | 728 | 426 |
| 4 | 1985-86 | $\ldots$ | 612 | 248 | 406 | 870 | 254 | 292 | 2,185 | 1,003 | 459 |
| 5 | 1990-91 | $\ldots$ | 634 | 258 | 408 | 1,127 | 455 | 404 | 2,826 | 1,882 | 666 |
| 6 | 1995-96 | $\ldots$ | 497 | 279 | 562 | 973 | 436 | 448 | 2,677 | 2,055 | 768 |
| 7 | 2000-01 | ... | 296 | 122 | 412 | 631 | 241 | 383 | 2,559 | 2,099 | 820 |
| 8 | 2003-04 | ... | 245 | 87 | 357 | 538 | 163 | 303 | 2,762 | 2,922 | 1,058 |
| 9 | 2004-05 | ... | 252 | 120 | 477 | 555 | 226 | 407 | 3,325 | 2,697 | 811 |
| 10 | 2005-06 | ... | 263 | 159 | 604 | 608 | 278 | 457 | 3,660 | 3,404 | 930 |
| 11 | 2006-07 | ... | 279 | 169 | 606 | 615 | 262 | 426 | 3,863 | 3,722 | 963 |

तक्ता क्रमांक / TABLE No. 18 - (समाप्त/concld.)

नगदी पिके
Cash crops
(क्षेत्र हजार हेक्टसंमध्ये / Area in thousand hectares,
उत्पादन हजार टनांभध्यो (जपसा व्यतिरिक्त) /Production in thousand tonnes (except cotton) दर हेक्टरी उत्पादन किलोग्रॉममध्यो/Yield per hectare in kilogram)

|  |  |  | ऊस/Sugarcane |  |  |  | कापूस( रुई)/Cotton (lint) |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| अनु |  |  | तोडणी |  |  | दर हेक्टरी |  |  | दर हेक्टरी |
| क्रमांक | वर्ष |  | क्षेत्र | क्षेत्र | उत्पादन | उत्पादन | क्षेत्र | उत्पादन \# | उत्पादन |
| Serial No. | Year |  | Harvested area | Area | Production | Yield per hectare | Area | Production \# | Yield per |
| (1) | (2) |  | (57) | (58) | (59) | (60) | (61) | (62) | hectare (63) |
| 1 | 1960-61 | $\ldots$ | 155 | 155 | 10,404 | 66,924 | 2,500 | 1,673 | 114 |
| 2 | 1970-71 | ... | 167 | 204 | 14,433 | 86,531 | 2,750 | 484 | 30 |
| 3 | 1980-81 | $\ldots$ | 258 | 319 | 23,706 | 91,742 | 2,550 | 1,224 | 82 |
| 4 | 1985-86 | $\ldots$ | 265 | 355 | 23,268 | 87,771 | 2,709 | 1,984 | 125 |
| 5 | 1990-91 | $\ldots$ | 442 | 536 | 38,154 | 86,400 | 2,721 | 1,875 | 117 |
| 6 | 1995-96 | ... | 527 | 657 | 44,194 | 83,800 | 3,065 | 2,799 | 155 |
| 7 | 2000-01 | ... | 595 | 687 | 49,569 | 83,267 | 3,077 | 3,064 | 100 |
| 8 | 2003-04 | $\ldots$ | 526 | 442 | 26,982 | 51,315 | 2,762 | 3,080 | 190 |
| 9 | 2004-05 | $\ldots$ | 327 | N.A. | 23,914 | 73,000 | 2.840 | 2,939 | 176 |
| 10 | 2005-06 | ... | 501 | N.A. | 38,814 | 78,000 | 2,875 | 3,160 | 187 |
| 11 | 2006-07 | ... | 849 | N.A. | 66,277 | 78,000 | 3,107 | 4,618 | 253 |


|  |  |  | तंबाख//Tobacco |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| अनु- |  |  |  |  | दर हेक्टरी |
| क्रमांक | वर्ष |  | क्षेत्र | उत्पादन | उत्पादन |
| Serial | Year |  | Area | Production | Yield per |
| No. |  |  |  |  | hectare |
| (1) | (2) |  | (64) | (65) | (66) |
| 1 | 1960-61 | $\ldots$ | 25 | 12 | 480 |
| 2 | 1970-71 | $\ldots$ | 12 | 5 | 448 |
| 3 | 1980-81 | $\ldots$ | 12 | 8 | 648 |
| 4 | 1985-86 | $\ldots$ | 10 | 8 | 775 |
| 5 | 1990-91 | $\ldots$ | 8 | 8 | 1,039 |
| 6 | 1995-96 | $\ldots$ | 5 | 5 | 1,040 |
| 7 | 2000-01 | ... | 8 | 9 | 1,148 |
| 8 | 2003-04 | ... | 6 | 7 | 1,113 |
| 9 | 2004-05 | ... | 6 | 7 | 1,111 |
| 10 | 2005-06 | ... | 6 | 6 | 1,071 |
| 11 | 2006-07 | ... | N.A. | N.A. | N.A. |

N.A. = उपलब्ध नाही / Not available

टीप -(१) माहिती अंतिम अनुमानावर आधारित आहे.
Note - (1) Information is based on final forecast.
(२) कापसाचे उत्पादन १७० किग्रू/गासडी याप्रमाणे $\bigcirc 00$ गासड्यामधयो.
(2) Production of cotton in $170 \mathrm{~kg} /$ Bale in ${ }^{\prime} 000^{\prime}$ bales.

आधार - कृषि आयुकालय, महाराष्ट्र राज्य, पुणे Source - Commissionerate of Agriculture, Maharashtra State, Pune

तक्ता क्रमांक / TABLE No. 19

## महाराष्ट्र राज्यातील कृषि उत्पादनाचे पीकनिहाय निर्देशांक

CROPWISE INDEX NUMBERS OF AGRICULTURAL PRODUCTION IN MAHARASHTRA STATE
(त्रैवर्षाय सरासरी - पाया : ९९७९-८२= $000 /$ TTriennial average - Base : 1979-82=100)

१. अत्रधान्ये-

| (3) तृणधान्ये-- |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | (a) Cereals- |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| (Q) तांदुळ | 9.49 | 87.4 | 79.8 | 106.1 | 109.0 | 113.7 | 115.9 | 87.4 | 120.1 | 84.0 | 128.3 | 97.2 | 120.9 | 116.3 | (i) Rice |
| (२) गहू | 5.92 | 80.6 | 58.4 | 93.9 | 118.8 | 133.6 | 148.3 | 97.9 | 111.3 | 101.6 | 80.4 | 104.9 | 134.3 | 193.0 | (ii) Wheat |
| (३) ज़्वारी | 22.16 | 95.5 | 63.4 | 121.1 | 95.9 | 93.3 | 95.8 | 81.4 | 79.8 | 79.3 | 59.0 | 75.8 | 75.8 | 77.0 | (iii) Jowar |
| (४) बाजरी | 3.08 | 64.2 | 64.6 | 154.3 | 153.3 | 207.8 | 157.0 | 150.5 | 115.0 | 158.7 | 124.1 | 129.8 | 129.0 | 146.6 | (iv) Bajra |
| (५) बार्ली | 0.02 | 37.7 | 56.6 | 17.0 | 24.5 | 20.8 | 20.7 | 13.2 | 17.0 | 9.4 | 15.1 | 11.3 | 11.3 | 13.2 | (v) Barley |
| (E) मका | 0.46 | 36.9 | 63.4 | 105.2 | 274.3 | 369.8 | 362.7 | 253.8 | 491.8 | 622.9 | 630.3 | 635.0 | 828.6 | 963.7 | (vi) Maize |
| (७) नाचणी | 0.85 | 92.0 | 70.5 | 98.4 | 80.6 | 76.3 | 79.4 | 60.8 | 85.8 | 58.7 | 80.4 | 69.6 | 62.5 | 58.1 | vii) Ragi |
| (C) कोदरा | 0.05 | 73.7 | 61.9 | 66.6 | 48.9 | 47.7 | 47.7 | 43.6 | 34.2 | 41.3 | 28.3 | 34.2 | 27.1 | 27.7 | (viii) Kodra |
| (९) इतर तृणधान्ये | 0.19 | 76.7 | 83.7 | 150.8 | 83.9 | 120.9 | 91.4 | 162.5 | 94.9 | 49.1 | 51.7 | 59.5 | 54.1 | 48.0 | (ix) Other cereals |
| एकूण - तृणथान्ये | 42.22 | 88.5 | 66.7 | 115.7 | 107.7 | 114.6 | 114.6 | 91.9 | 100.4 | 94.5 | 88.9 | 95.4 | 105.8 | 116.2 | Total - Cereals |
| (ब) कडधान्ये-- |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | (b) Pulses- |
| (१) हरभरा | 1.47 | 78.4 | 80.5 | 215.8 | 277.6 | 342.6 | 364.9 | 213.3 | 274.0 | 272.8 | 256.1 | 283.5 | 428.8 | 562.0 | (i) Gram |
| (२) तूर | 5.45 | 96.1 | 90.6 | 105.2 | 128.7 | 210.3 | 218.2 | 166.0 | 193.7 | 195.3 | 179.2 | 165.4 | 199.1 | 204.7 | (ii) Tur |
| (३) इतर कडधान्ये | 3.52 | 112.5 | 110.3 | 160.0 | 171.1 | 216.0 | 177.5 | 150.0 | 157.8 | 196.9 | 201.6 | 130.3 | 118.6 | 135.6 | (iii) Other pulses |
| एकूप - कडधान्ये | 10.44 | 99.2 | 95.8 | 139.2 | 163.9 | 230.9 | 225.1 | 167.3 | 192.9 | 206.8 | 195.0 | 170.2 | 204.3 | 231.7 | Total - Pulses |
| एकूण - अन्रथान्ये | 52.66 | 90.6 | 72.5 | 120.4 | 118.8 | 137.6 | 136.5 | 106.8 | 118.8 | 116.8 | 109.9 | 110.2 | 125.3 | 139.1 | Total - Foodgrains |
| २. अन्नधान्येतर <br> (अ) गळिताची धान्ये-- |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 2. Non-Foodgrains <br> (a) Oil Seeds- |
| (१) भुईमूग | 7.23 | 71.4 | 72.4 | 158.9 | 103.2 | 108.7 | 92.9 | 76.2 | 79.9 | 73.1 | 70.9 | 74.5 | 71.3 | 64.8 | (i) Groundnut |
| (२) तोळ | 0.57 | 94.2 | 141.0 | 223.7 | 161.6 | 133.4 | 115.7 | 88.9 | 110.1 | 103.9 | 111.9 | 74.2 | 84.2 | 77.1 | (ii) Sesamum |
| (३) मोहरी, राई आणि जवस | 0.78 | 73.4 | 66.0 | 86.5 | 72.8 | 52.5 | 52.6 | 30.8 | 39.8 | 23.5 | 29.1 | 23.2 | 38.8 | 35.4 | (iii) Rape, mustard and linseed |
| (४) एरंडी | 0.01 | 25.0 | 83.3 | 166.7 | 166.7 | 225.0 | 233.3 | 358.3 | 258.3 | 566.7 | 391.7 | 283.3 | 500.0 | 333.3 | (iv) Castor seed |
| (५) सूर्यफूल | 0.57 | 76.8 | 170.8 | 609.8 | 573.3 | 379.2 | 422.2 | 352.3 | 263.8 | 287.3 | 203.0 | 334.5 | 415.1 | 397.3 | (v) Sunflower |
| एकूण - गठिताची धान्ये | 9.16 | 73.3 | 82.3 | 184.8 | 133.5 | 122.4 | 111.5 | 90.6 | 90.0 | 84.6 | 78.5 | 86.5 | 91.2 | 84.1 | Total - Oil seeds |

त्वक्ता क्रमांक / TABLE No. 19


टीप - ९९९९-२००० ते २००६-०७ चे निद्देशांक अस्थायी आहेत.
Note - Index numbers for 1999-2000 to 2006-07 are provisional.
आधार - कृषि आयुकालय, महाराष्ट्र शासन, पुणे
Source - Commissionerate of Agriculture, Maharashtra State, Pune


| महराष्ट्राची आर्धिक पाहणी P००७-०८ |  | तक्ता क्रमांक / TABLE No. 21 <br> कृषि गणनांनुसार महाराष्ट्रातील एकूण वहिती खातेदार, वहितीचे एकूण क्षेत्र व सरासरी क्षेत्र <br> TOTAL NUMBER, AREA AND AVERAGE SIZE OF OPERATIONAL HOLDINGS IN MAHARASHTRA ACCORDING TO AGRICULTURAL CENSUSES |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | अनुक्रमांक | आकारवर्ग | Nu | वहिती <br> mber of <br> (In | खातेदारांची शंभरात) <br> perationa <br> hundred | संख्या <br> al holdings <br> d) |  |  | Area of (In h | हितीचे एकूण (शंभर हेक्टर्संभ operationa hundred he | क्षेत्र <br> मध्ये) <br> l holdings <br> ectares) |  |  | Avera | तीचे सरास <br> (हेक्टर) <br> ge size of (hectar | क्षेत्र <br> holdings |  |
|  | No. <br> (1) | Size class (Hectare) (2) | $1970-71$ <br> (3) | $1980-81$ <br> (4) | $1990-91$ <br> (5) | $1995-96$ <br> (6) | $2000-01$ <br> (7) | $1970-71$ <br> (8) | $1980-81$ <br> (9) | 1990-91 <br> (10) | 1995-96 <br> (11) | $2000-01$ <br> (12) | $1970-71$ <br> (13) | $1980-81$ <br> (14) | $1990-91$ (15) | $1995-96$ <br> (16) | 2000-01 <br> (17) |
|  | 1 | Below 0.5 <br> पेक्षा कमी | 6,834 | 9,914 | 16,672 | 22,409 | 27,352 | 1,634 | 2,630 | 4,119 | 5,746 | 7,303 | 0.24 | 0.27 | 0.25 | 0.26 | 0.27 |
|  | 2 | 0.5-1.0 | 5,585 | 9,345 | 16,075 | 20,252 | 25,528 | 4,142 | 7,103 | 12,057 | 15,120 | 19,105 | 0.74 | 0.76 | 0.75 | 0.75 | 0.75 |
|  | 3 | 1.0-2.0 | 8,783 | 15,409 | 27,276 | 31,755 | 35,974 | 12,842 | 23,337 | 39,833 | 46,059 | 51,153 | 1.46 | 1.51 | 1.46 | 1.45 | 1.42 |
|  | 4 | 2.0-3.0 | 6,266 | 10,275 | 13,969 | 14,745 | 15,745 | 15,386 | 25,363 | 33,689 | 35,420 | 37,307 | 2.46 | 2.47 | 2.41 | 2.40 | 2.37 |
|  | 5 | 3.0-4.0 | 4,606 | 6,583 | 7,289 | 6,774 | 6,924 | 15,920 | 22,815 | 25,108 | 23,303 | 23,594 | 3.46 | 3.47 | 3.44 | 3.44 | 3.40 |
|  | 6 | 4.0-5.0 | 3,576 | 4,601 | 4,469 | 3,874 | 3,766 | 15,961 | 20,556 | 19,864 | 17,210 | 16,651 | 4.46 | 4.47 | 4.44 | 4.44 | 4.42 |
|  | 7 | 5.0-10.0 | 8,715 | 9,316 | 7,241 | 5,558 | 4,849 | 61,213 | 63,937 | 48,700 | 37,150 | 31,920 | 7.02 | 6.86 | 6.73 | 6.68 | 6.58 |
|  | 8 | 10.0-20.0 | 4,180 | 2,819 | 1,530 | 1,029 | 768 | 56,302 | 37,213 | 19,749 | 13,514 | 9,898 | 13.47 | 13.20 | 12.91 | 13.13 | 12.89 |
| $$ | 9 | 20.0 व त्यापेक्षा <br> अधिक/and | 961 | 363 | 176 | 132 | 96 | 28,394 | 10,662 | 6,129 | 5,274 | 3,684 | 29.55 | 29.37 | 34.82 | 39.95 | 38.37 |
| $\begin{gathered} \overline{3} \\ 0 \\ 0 \\ 0 \end{gathered}$ |  | एकूण / Total | 49,506 | 68,625 | 94,697 | 1,06,528 | 1,21,002 | 2,11,794 | 2,13,616 | 2,09,248 | 1,98,796 | 2,00,615 | 4.28 | 3.11 | 2.21 | 1.87 | 1.66 |

आधार - कृषि आयुक्तालय, महाराष्ट्र राज्य, पुणे
Source - Commissionerate of Agriculture, Maharashtra State, Pune

तक्ता क्रमांक / TABLE No. 22
राज्यातील फळपिकांखालील क्षेत्र व उत्पादन
AREA AND PRODUCTION OF HORTICULTURAL FRUITS IN MAHARASHTRA STATE
(संख्या '000 / Figures im 'OOO)

| वर्ष Year | केळी <br> Banana |  | संत्री Orange |  | द्राक्षे <br> Grapes |  | आंबा <br> Mango |  | काजू <br> Cashewnut |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | क्षेत्र Area <br> (2) | उत्पादन <br> Production <br> (3) | क्षेत्र <br> Area <br> (4) | उत्पादन <br> Production <br> (5) | क्षेत्र Area (6) | उत्पादन <br> Production <br> (7) | क्षेत्र <br> Area <br> (8) | उत्पादन <br> Production <br> (9) | क्षेत्र <br> Area <br> (10) | उत्पादन <br> Production <br> (11) |
| 1990-91 | 29 | 1604 | 30 | 229 | 15 | 245 | 78 | 244 | 15 | 11. |
| 1991-92 | N.A. | N.A. | N.A. | N.A. | N.A. | N.A. | N.A. | N.A. | N.A. | N.A. |
| 1992-93 | N.A. | N.A. | N.A. | N.A. | N.A. | N.A. | N.A. | N. A. | N.A. | N. A |
| 1993-94 | 47 | 2,529 | 60 | 867 | 26 | 641 | 53 | 694 | 34 | 34 |
| 1994-95 | 37 | 2,118 | 44 | 439 | 26 | 433 | 55 | 722 | 20 | 20 |
| 1995-96 | 61 | 3,678 | 53 | 558 | 28 | 678 | 64 | 844 | 20 | 16 |
| 1996-97 | 48 | 2,663 | 87 | 1,205 | 28 | 751 | 40 | 528 | 31 | 32 |
| 1997-98 | 53 | 3,130 | 101 | 1,078 | 24 | 553 | 55 | 727 | 31 | 12 |
| 1998-99 | 59 | 3,438 | 123 | 1,295 | 26 | 664 | 56 | 188 | 68 | 76 |
| 1999-2000 | 61 | 3,678 | 141 | 1,323 | 30 | 779 | 38 | 501 | 131 | 96 |
| 2000-01 | 72 | 4,331 | 132 | 1,078 | 30 | 779 | 404 | 501 | 138 | 102 |
| 2001-02 | 72 | 4,331 | 148 | 833 | 30 | 779 | 410 | 559 | 153 | 125 |
| 2002-03 | 57 | 3,608 | 151 | 882 | 35 | 989 | 420 | 616 | 159 | 135 |
| 2003-04 | 57 | 3,559 | 130 | 875 | 39 | 896 | 425 | 685 | 162 | 158 |
| 2004-05 | 72 | 4,535 | 119 | 718 | 44 | 1,234 | 433 | 434 | 164 | 160 |
| 2005-06 | 73 | 4,608 | 122 | 721 | 45 | 1,275 | 445 | 639 | 164 | 160 |
| 2006-07 | 73 | 4,622 | 122 | 724 | 45 | 1,284 | 448 | 646 | 166 | 161 |


| वर्ष <br> Year | डाळिब <br> Pomegranate |  | Swee | मोसंबी <br> Orange | चिकू <br> Sapota |  | पेरु Guava |  | इतर फले Other fruits |  | एकूण फळे Total fruits |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| (1) | क्षेत्र Area <br> (12) | उत्पादन Production (13) | क्षेत्र <br> Area <br> (14) | उत्पादन Production (15) | क्षेत्र <br> Area <br> (16) | उत्पादन Production (17) | क्षेत्र <br> Area <br> (18) | $\begin{aligned} & \text { उत्पादन } \\ & \text { Production } \\ & \text { (19) } \end{aligned}$ | क्षेत्र Area (20) | उत्पादन Production (21) | क्षेत्र <br> Area <br> (22) | $\begin{aligned} & \text { उत्पादन } \\ & \text { Producttion } \\ & \text { (23)) } \end{aligned}$ |
| 2002-03 | 81 | 510 | 80 | 554 | N.A. | N.A. | N.A. | N.A. | N.A. | N.A. | N.A. | N..A. |
| 2003-04 | 84 | 533 | 81 | 564 | N.A. | N.A. | N.A. | N.A. | N.A. | N.A. | N.A. | N..A. |
| 2004-05 | 89 | 568 | 85 | 587 | 60 | 244 | 31 | 212 | 243 | 1,342 | 1,340 | 10,0134 |
| 2005-06 | 91 | 594 | 92 | 612 | 63 | 256 | 31 | 224 | 244 | 1,163 | 1,370 | 10,2:52 |
| 2006-07 | 94 | 602 | 94 | 617 | 64 | 267 | 31 | 228 | 258 | 1,173 | 1,395 | 10,3:24 |

N.A. - उपलब्ध नाही/Not Available

आधार - कृषि आयुक्तालय, महाराष्ट्र राज्य, पुणे
Source - Commissionarate of Agriculture, Maharashtra State, $\mathbb{P}$ Pune

तक्ता क्रमांक / TABLE No. 23
महाराष्ट्र राज्यातील पशुधन आणि कोंबड्या व बदके
LIVESTOCK AND POULTRY IN MAHARASHTRA STATE
(हजारात/In thousand)

\begin{tabular}{|c|c|c|c|c|c|c|c|c|c|c|}
\hline अन्तु क्रमांक Scrial No. \& वर्ष
Year

(2) \& \begin{tabular}{l}
गाई-बैल <br>
Cattle <br>
(3)

 \& 

म्हशी-रेडे <br>
Buffaloes <br>
(4)

 \& 

मेंढ्या <br>
आणि <br>
शेळ्या <br>
Sheep <br>
and <br>
goats <br>
(5)

 \& 

इतर* <br>
पशुधन <br>
Other* <br>
live <br>
stock <br>
(6)

 \& 

एकूण <br>
पशुधन <br>
Total live stock
(7)

 \& 

दर शंभर हेक्टर चराई क्षेत्रामागे शेळया, मेंढ्या <br>
(संख्या) <br>
Sheep and goats per hundred hectares of grazing and pasture land (No.)
(8)

 \& 

पिकांखालील <br>
दर शंभर <br>
हेक्टर निव्वळ <br>
क्षेत्रामागे <br>
पशुधन <br>
( संग्वा) <br>
Live- <br>
stock per <br>
hundred <br>
hectares of net area cropped (No.) <br>
(9)

 \& 

दर लाख <br>
लोकसंख्ये- <br>
मागे <br>
पशुधन <br>
No. of Live- <br>
stock per <br>
lakh of population

 \& 

एकूण <br>
कोंबड्या <br>
व बदके <br>
Total poultry <br>
(11)
\end{tabular} <br>

\hline 1 \& 1961 \& 15,328 \& 3,087 \& 7,273 \& 360 \& 26,048 \& 512 \& 144 \& 66 \& 10,578 <br>
\hline 2 \& 1966 \& 14,729 \& 3,042 \& 7,326 \& 352 \& 25,449 \& 522 \& 140 \& 57 \& 9,902 <br>
\hline 3 \& 1972 \& 14,705 \& 3,301 \& 8,038 \& 317 \& 26,361 \& 491 \& 164 \& 52 \& 12,217 <br>
\hline 4 \& 1978 \& 15,218 \& 3,899 \& 10,199 \& 326 \& 29,642 \& 650 \& 162 \& 51 \& 18,791 <br>
\hline 5 \& 1982 \& 16,162 \& 3,972 \& 10,376 \& 410 \& 30,919 \& 673 \& 175 \& 48 \& 19,845 <br>
\hline 6 \& 1987 \& 16,983 \& 4,755 \& 12,068 \& 448 \& 34,255 \& 950 \& 189 \& 48 \& 24,839 <br>
\hline 7 \& 1992 \& 17,441 \& 5,447 \& 13,015 \& 489 \& 36,393 \& 940 \& 202 \& 45 \& 32,187 <br>
\hline 8 \& 1997 \& 18,071 \& 6,073 \& 14,802 \& 692 \& 39,638 \& 1,104 \& 223 \& 50 \& 35,392 <br>
\hline 9 \& 2003 \& 16,738 \& 6,084 \& 13,624 \& 612 \& 37,058 \& 1,016 \& 213 \& 39 \& 34,596 <br>
\hline
\end{tabular}

* '३तर पशुधन' या बाबीमध्ये डुकरे, घोडे व शिंगरे, खेचरे, उंट, गाढवे आणि ससे यांचा समावेश करण्यात आला आहे.
: 'Other livestock' includes pigs, horses and ponies, mules, camels, donkeys and rabbits.
टीप - आकडे संक्षिप्तात दिल्याने बेरजा जुकतीलच असे नाही.
Note - Details may not add up to totals due to rounding.
आधार - पशुधन गणना
Source- Livestock Census


[^30]
## महाराष्ट्र राज्यातील उद्योगांच्या महत्त्वाच्या बाबी

IMPORTANT CHARACTERISTICS OF INDUSTRIES IN MAHARASHTRA STATE

| दोन अंकी उद्योग गर <br> (1) | वर्ष Year (2) | स्थिर भांडवल Fixed capital | खेलते भांडबल Working capital (4) | कामगारांचे वेतन Wages to workers (5) | एकूण उत्पादन Total output (6) | वापरलेला माल Material consumed (7) | एकूण <br> निनिष्टी <br> Total <br> input <br> (8) | मूल्यवृद्धी Value added <br> (9) | Industry groups at two digit level <br> (1) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| (1) सरकी काढणे, वटणी, सफाई इत्यादी (०Q) | 2003-04 | 116 | 60 | 18 | 777 | 665 | 724 | 38 | Cotton ginning, cleaning etc. (01) |
|  | 2004-05 | 169 | 22 | 21 | 394 | 247 | 320 | 52 |  |
| (2) मिठाचे उत्पादन (१४) | 2003-04 | 2 | 2 | 3 | 6 | 0 | 2 | 4 | Extraction of salt. (34) |
|  | 2004-05 | 1 | 1 | 2 | 6 | 0 | 2 | 4 |  |
| (3) खाद्य उत्पादने व पेये (१५) | 2003-04 | 8,210 | 2,472 | 606 | 27,879 | 18,431 | 24,348 | 2,792 | Food products and beverages (15) |
|  | 2004-05 | 8,121 | 1,057 | 551 | 28,679 | 19,947 | 25,226 | 2,692 |  |
| (4) तंबाग्बू उत्पादने (१६) | 2003-04 | 209 | 128 | 117 | 1,181 | 519 | 834 | 323 | Tobacco products (16) |
|  | 2004-05 | 192 | 152 | 85 | 1,081 | 486 | 764 | 296 |  |
| (5) वस्त्रोद्योग (१७) | 2003-04 | 6,781 | -961 | 592 | 11,348 | 6,435 | 9,112 | 1,563 | Textiles (17) |
|  | 2004-05 | 6,692 | -87 | . 567 | 13,055 | 7,863 | 10,927 | 1,513 |  |
| (6) परिधान करण्याची वस्त्रे (१८) | 2003-04 | 265 | 188 | 65 | 1,630 | 705 | 1,268 | 327 | Wearing apparel (18) |
|  | 2004-05 | 303 | 299 | 85 | 1,513 | 735 | 1,223 | 255 |  |
| (7) कातडी कमावणे व चामडयाची उत्पादने (१९) | 2003-04 | 30 | 42 | 8 | 240 | 122 | 195 | 41 | Tanning and dressing of leather(19) |
|  | 2004-05 | 48 | 79 | 12 | 260 | 150 | 212 | 41 |  |
| (8) लाकूड व लाकडाची उत्पादने (२०) | 2003-04 | 176 | 70 | 13 | 367 | 215 | 308 | 43 | Wood and wood products (20) |
|  | 2004-05 | 178 | 62 | 13 | 571 | 326 | 504 | 52 |  |
| (9) कागद व कागदाची उत्पादने (२२) | 2003-04 | 2,186 | 202 | 103 | 3,447 | 1,792 | 2,731 | 553 | Paper and paper products (21) |
|  | 2004-05 | 2,692 | 318 | 108 | 3,974 | 2,388 | 3,261 | 496 |  |
| (10) प्रकाशन आणि मुद्रण (२२) | 2003-04 | 1,044 | 348 | 90 | 2,596 | 1,115 | 1,726 | 752 | Publishing and printing (22) |
|  | 2004-05 | 1,101 | 551 | 101 | 3,521 | 1,708 | 2,473 | 916 |  |
| (11) कोळसा, शुध्द पेट्रोलियम यांची उत्पादने इत्यादी. | 2003-04 | 4,629 | 2,316 | 166 | 33,589 | 22,602 | 23,314 | 9,994 | Coke, refined petroleum products etc. (23) |
|  | 2004-05 | 6,550 | 3,167 | 169 | 41,470 | 29,106 | 29,965 | 11,122 |  |
| (12) रसायने व रासायनिक उत्पादने इ. (२४) | 2003-04 | 14,652 | 4,551 | 940 | 37,527 | 18,127 | 28,099 | 7,893 | Chemicals and chemical products (24) |
|  | 2004-05 | 15,374 | 5,022 | 887 | 44,413 | 23,857 | 34,366 | 8,543 |  |
| (13) रबर आणि प्लास्टिक उत्पादने (२५) | 2003-04 | 3,796 | 1,459 | 240 | 7,541 | 4,510 | 5,836 | 1,350 | Rubber and plastic products (25) |
|  | 2004-05 | 7,440 | 1,288 | 248 | 13,286 | 8,956 | 10,936 | 1,813 |  |

तक्ता क्रमांक / TABLE No. 25 - (समाप्त/concld.)

| दोन अंकी उद्योग गट <br> (1) | वर्ष <br> Year <br> (2) | स्थिर भांडवल Fixed capital (3) | खेळते भांडवल Working capital <br> (4) | कामगारांचे वेतन Wages to workers (5) | एकूण उत्पादन Total output (6) | वापरलेला माल <br> Material consumed (7) | एकूण निविष्टी Total input (8) | मूल्यवृद्धी <br> Value <br> added <br> (9) | Industry groups at two digit level <br> (1) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| (14) इतर अधातू खानिज उत्पादने (२६) | $\begin{aligned} & 2003-04 \\ & 2004-05 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 4,109 \\ & 3,460 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 689 \\ & 624 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 145 \\ & 137 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 4,463 \\ & 3,929 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 1,714 \\ & 1,487 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 3,056 \\ & 2,776 \end{aligned}$ | $\begin{array}{r} 1,105 \\ 883 \end{array}$ | Other non-metallic mineral products (26) |
| (15) मूलभूत धातू (२७) | $\begin{aligned} & 2003-04 \\ & 2004-05 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 18,489 \\ & 19,062 \end{aligned}$ | $\begin{array}{r} -982 \\ 2,485 \end{array}$ | $\begin{aligned} & 346 \\ & 402 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 24,673 \\ & 41,626 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 16,153 \\ & 30,036 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 21,275 \\ & 35,726 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 2,568 \\ & 4,470 \end{aligned}$ | Basic metals (27) |
| (16) धातूध्या तयार वस्तू (२८) | $\begin{aligned} & 2003-04 \\ & 2004-05 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 2,374 \\ & 2,406 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 1,476 \\ & 1,812 \end{aligned}$ | 301 308 | $\begin{array}{r} 9,197 \\ 12,230 \end{array}$ | $\begin{aligned} & 4,382 \\ & 5,392 \end{aligned}$ | $\begin{array}{r} 7,351 \\ 10,003 \end{array}$ | $\begin{aligned} & 1,568 \\ & 1,969 \end{aligned}$ | Fabricated metal products (28) |
| (17) यंत्र व यंत्रसाभग्री (२९) | $\begin{aligned} & 2003-04 \\ & 2004-05 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 4,353 \\ & 4,887 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 2,091 \\ & 2,884 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 618 \\ & 639 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 16,379 \\ & 22,571 \end{aligned}$ | $\begin{array}{r} 8,746 \\ 12,340 \end{array}$ | $\begin{aligned} & 12,575 \\ & 17,754 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 3,265 \\ & 4,198 \end{aligned}$ | Machinery and equipments (29) |
| (18) कार्यालयीन, लेखांकन व संगणना यंत्रसामग्री <br> (३०) | $\begin{aligned} & 2003-04 \\ & 2004-05 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 118 \\ & 129 \end{aligned}$ | $\begin{array}{r} 40 \\ 116 \end{array}$ | $\begin{aligned} & 13 \\ & 16 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 513 \\ & 878 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 391 \\ & 630 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 451 \\ & 741 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 48 \\ & 91 \end{aligned}$ | Office, accounting and computing machinery (30) |
| (19) विद्युत यंत्रसामगी व उपकरणे (३२) | $\begin{aligned} & 2003-04 \\ & 2004-05 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 1,888 \\ & 1,851 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 1,039 \\ & 1,108 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 243 \\ & 254 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 6,740 \\ & 8,406 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 3,647 \\ & 5,076 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 5,040 \\ & 6,340 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 1,440 \\ & 1,838 \end{aligned}$ | Electrical machinery and apparatus (31) |
| (20) रेंडिओ, दूरदर्शन, दळणवळण सामर्री आणि उपकरणे (३२) | $\begin{aligned} & 2003-04 \\ & 2004-05 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 2,711 \\ & 2,956 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 1,173 \\ & 1,411 \end{aligned}$ | 82 74 | $\begin{aligned} & 5,281 \\ & 6,107 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 3,270 \\ & 3,919 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 4,277 \\ & 5,065 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 705 \\ & 695 \end{aligned}$ | Radio, T.V. and communication equipments and apparatus (32) |
| (21) बैद्यकीय, अचूक मोजमापनाची व ऑप्टिकल साधने इत्यादी | $\begin{aligned} & 2003-04 \\ & 2004-05 \end{aligned}$ | 320 472 | 306 166 | 59 | $\begin{aligned} & 1,431 \\ & 1,335 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 668 \\ & 510 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 962 \\ & 847 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 434 \\ & 451 \end{aligned}$ | Medical, precision and optical instruments <br> (33) |
| (22) मोटार वाहने, ट्रेलर्स (३४) | $\begin{aligned} & 2003-04 \\ & 2004-05 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 4,536 \\ & 7,181 \end{aligned}$ | 151 $-1,178$ | 542 772 | $\begin{aligned} & 15,523 \\ & 74,074 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 10,200 \\ & 22,572 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 12,166 \\ & 69,095 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 2,717 \\ & 3,989 \end{aligned}$ | Motor vehicles, trailers (34) |
| (23) इतर परिवहन सामग्री - (३५) | 2003-04 | 1,890 2,589 | 79 -450 | 227 | 7,755 12,874 | 4,945 8,319 | 5,945 9,763 | $\begin{aligned} & 1,523 \\ & 2,768 \end{aligned}$ | Other transport equipments (35) |
| (24) फर्निचर (इतरत्र वर्गीकरण न केलेले) (३६) | $\begin{aligned} & 2003-04 \\ & 2004-05 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 1,165 \\ & 1,362 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 2,773 \\ & 3,243 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 267 \\ & 301 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 11,768 \\ & 15,040 \end{aligned}$ | $\begin{array}{r} 7,543 \\ 10,864 \end{array}$ | $\begin{aligned} & 10,304 \\ & 13,252 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 1,333 \\ & 1,616 \end{aligned}$ | Furniture (not elsewhere classified) (36) |
| (25) इतर | $\begin{aligned} & 2003-04 \\ & 2004-05 \end{aligned}$ | 1,008 952 | -832 60 | 89 68 | 7,403 7,587 | 993 697 | $\begin{aligned} & 7,080 \\ & 6,947 \end{aligned}$ | 238 <br> 546 | Others |
| एकू ण | $\begin{aligned} & 2003-04 \\ & 2004-05 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 85,056 \\ & 96,168 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 18,880 \\ & 24,212 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 5,892 \\ & 6,142 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 2,39,255 \\ & 3,58,880 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 1,37,889 \\ & 1,97,611 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 1,88,979 \\ & 2,98,488 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 42,617 \\ & 51,309 \end{aligned}$ | Total |

आधार - २००३-०४ ची आकडेवारों अर्थ व सांख्यिकी संचालनालय, मुंबई.
poor-04 ची आकडेवारी केंद्रीय सांख्यिकी संघटना, कोलकता.

Source - 2003-04 data Directorate of Economics and Statistics, Mumbai 2004-05 data Central Statistical Organisation, Kolkata.

महाराष्ट्रातील निवडक उद्योग गटांतील कारखान्यांची रोजगार आकारवर्गाप्रमाणे टक्केवारी २००४-०५
PERCENTAGE DISTRIBUTION OF FACTORIES BY SIZE CLASS OF EMPLOYMENT
IN SELECTED INDUSTRY GROUPS IN MAHARASHTRA 2004-05

|  | उद्योग गट / Industry groups |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| रोजगार आकार वर्ग <br> (1) | सर की <br> काढणे <br> Cotton ginning <br> (2) | मिठाचे <br> उत्पादन <br> Salt extraction <br> (3) | खाद्य उत्पादने <br> Food products <br> (4) | तंबाखू उत्पादने Tobacco products <br> (5) | बस्त्रोद्योग <br> Textiles <br> (6) | परिधान करण्याची वस्त्रे Wearing apparel <br> (7) | चामड्याची उत्पादने <br> Products of leather (8) | लाकडाची उत्पादने <br> Wood products <br> (9) | कागदाची उत्पादने Paper products <br> (10) | प्रकाशन, मुद्रण <br> Publishing, printing <br> (11) | कोळसा, <br> पेट्रोलियम <br> इत्यादी <br> Coke, petroleum products (12) | रासायनिक उत्पादने <br> Chemical products <br> (13) | रबर, <br> प्लॅस्टिक <br> उत्पादने <br> Rubber, plastic products (14) |  | Size class of employment |
| २० पेक्षा कमी | 44.9 | 47.3 | 58.5 | 24.2 | 48.8 | 50.6 | 57.3 | 74.8 | 64.9 | 59.9 | 46.5 | 46.7 | 66.9 | . | Below 20 |
| २०-४९ | 28.8 | 23.6 | 20.3 | 23.3 | 24.9 | 35.7 | 33.2 | 17.9 | 24.4 | 27.6 | 17.5 | 29.2 | 19.3 | . | 20-49 |
| 40-99 | 20.5 | 23.6 | 7.7 | 6.3 | 9.3 | 8.7 | 0.0 | 5.0 | 5.2 | 6.8 | 29.8 | 11.8 | 4.5 |  | 50-99 |
| 200-999 | 5.8 | 5.5 | 5.0 | 20.1 | 8.0 | 2.8 | 8.6 | 1.4 | 3.9 | 4.2 | 3.1 | 6.4 | 5.7 |  | 100-199 |
| 200-४९९ | 0.0 | 0.0 | 5.5 | 7.4 | 6.5 | 2.2 | 0.9 | 0.9 | 1.1 | 1.3 | 0.8 | 3.9 | 2.8 |  | 200-499 |
| 400 आणि जास्त | 0.0 | 0.0 | 3.0 | 18.7 | 2.5 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.5 | 0.2 | 2.3 | 2.0 | 0.8 | . | 500 and above |
| एकूण | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | . | Total |


|  | उद्योग गट / Industry groups |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| रोजगार आकार वर्ग <br> (1) | अधातू खानि उत्पादने <br> Non-metal mineral products (15) | मूलभूत धातू <br> Basic metals <br> (16) | धातूच्या <br> वस्तू <br> Metal products <br> (17) | यंत्रे <br> Machinery <br> (18) | कार्यालयीन यंत्रसामग्री Office machinery (19) | विद्युत यंत्रसामग्री Electrical machinery (20) | दळणवळण सामग्री <br> Communication equipments (21) | मोजमापाची <br> साधने इ. <br> Precision instruments etc (22) | मोटार <br> वाहने <br> Motor vehicles <br> (23) | इतर परिवहन सामग्री Other transport equipments (24) | फर्निचर <br> Furniture <br> (25) | एकूण <br> Total <br> (26) | Size class of employment |
| २० पेक्षा कमी | 74.0 | 48.5 | 67.2 | 52.8 | 66.7 | 58.6 | 47.6 | 41.9 | 36.0 | 47.4 | 60.4 | 47.7 | Below 20 |
| 20-४९ | 14.7 | 27.2 | 20.0 | 29.0 | 33.3 | 25.6 | 29.0 | 37.3 | 33.0 | 21.0 | 14.6 | 37.0 | 20-49 |
| 40-99 | 5.4 | 12.0 | 7.7 | 7.9 | 0.0 | 7.6 | 10.5 | 13.4 | 12.3 | 15.5 | 12.1 | 10.9 | 50-99 |
| 200-q9? | 2.4 | 5.0 | 2.6 | 5.4 | 0.0 | 3.8 | 6.7 | 3.7 | 11.2 | 6.4 | 7.8 | 4.1 | 100-199 |
| 200-४९9 | 2.2 | 4.8 | 1.9 | 3.9 | 0.0 | 3.2 | 2.8 | 2.4 | 5.8 | 4.3 | 4.4 | 0.2 | 200-499 |
| 400 आणि जास्त | 1.3 | 2.5 | 0.6 | 1.0 | 0.0 | 1.2 | 3.4 | 1.3 | 1.7 | 5.4 | 0.7 | 0.1 | 500 and above |
| एकूण | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | Total |

आधार - केंद्रीय सांख्यिकीय संघटना, नवी दिल्ली. Source - Central Statistical Organisation, New Delhi.

महाराष्ट्रातील निवडक उद्योग गटांतील कारखान्यांची स्थिर भांडवल आकारवर्गाप्रमाणे टक्केवारी २००४-०५
PEŘCENTAGE DISTRIBUTION OF FACTORIES BY SIZE CLASS OF FIXED CAPITAL
IN SELECTED INDUSTRY GROUPS IN MAHARASHTRA 2004-05

|  | उद्योग गट / Industry groups |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| स्थिर भांडवल आकार वर्ग (रूपये) <br> (1) | सरकी <br> काढणे <br> Cotton <br> ginning <br> (2) | मिठाचे <br> उत्पादन <br> Salt extraction <br> (3) | खाद्य उत्पादने <br> Food products <br> (4) | तंबाखू उत्पादने Tobacco products <br> (5) | वस्त्रोद्योग <br> Textiles <br> (6) | परिधान करण्याची वस्त्र Wearing apparel <br> (7) | चामडयाची उत्पादने <br> Products of leather (8) | लाकडाची उत्पादने <br> Wood products <br> (9) | कागदाची उत्पादने Paper products <br> (10) | प्रकाशन, मुद्रण Publishing, printing <br> (11) | कोळसा, पेट्रोलियम इत्यादी Coke, petroleum products (12) | रासार्यनक उत्पादने <br> Chemical products <br> (13) | रबर, <br> प्ल"स्टिक उत्पादने <br> Rubber, <br> plastic products <br> (14) | Size class of Fixed Capital (Rs.) <br> (1) |
| २.५ लाखापेक्षा कमी | 28.8 | 61.8 | 17.0 | 49.6 | 22.6 | 45.9 | 18.3 | 45.9 | 13.3 | 16.2 | 8.7 | 14.5 | 17.9 | Less than 2.5 lakh |
| २.4 लाख ते ५.0 लाख | 10.4 | 11.8 | 7.4 | 7.4 | 5.5 | 8.6 | 7.2 | 3.5 | 7.3 | 7.9 | 0.0 | 4.4 | 8.3 | 2.5 lakh to 5.0 lakh |
| ५.0 लाख ते ७.५ लाग | 5.6 | 11.8 | 5.3 | 3.7 | 7.6 | 6.7 | 8.3 | 2.8 | 7.9 | 5.1 | 0.0 | 3.6 | 9.0 | 5.0 lakh to 7.5 lakh |
| ७.4 लाख ते 80.0 लाख | 7.0 | 0.0 | 4.8 | 0.9 | 3.3 | 2.9 | 8.3 | 2.2 | 6.3 | 5.8 | 0.0 | 2.6 | 7.3 | 7.5 lakh to 10.0 lakh |
| 80.0 लाख ते $१ 4.0$ लाख | 6.8 | 11.8 | 8.8 | 1.9 | 3.5 | 4.4 | 13.0 | 4.5 | 14.7 | 4.5 | 0.0 | 5.5 | 7.0 | 10.0 lakh to 15.0 lakh |
| १५.0 लाख ते २०.० लाख | 8.0 | 2.8 | 6.2 | 5.4 | 7.1 | 4.0 | 11.8 | 7.4 | 6.4 | 9.0 | 3.6 | 3.8 | 2.9 | 75.0 lakh to 20.0 lakh |
| २०.० लाख ते 40.0 लाख | 17.8 | 0.0 | 18.2 | 11.0 | 14.8 | 11.0 | 14.7 | 13.2 | 19.0 | 22.1 | 20.8 | 18.2 | 16.1 | 20.0 lakh to 50.0 lakh |
| 40.0 लाख ते ? कोटी | 8.4 | 0.0 | 8.0 | 10.8 | 8.1 | 7.3 | 7.2 | 7.1 | 9.8 | 13.3 | 14.5 | 11.0 | 10.3 | 50.0 lakh to 1 crore |
| १ कोटी ते 4 कोटी | 7.2 | 0.0 | 11.3 | 5.6 | 18.6 | 8.5 | 11.2 | 9.2 | 9.6 | 13.1 | 20.5 | 21.0 | 13.6 | 1 crore to 5 crore |
| 4 कोटी व त्याहून जास्त | 0.0 | 0.0 | 13.0 | 3.7 | 8.9 | 0.7 | 0.0 | 4.2 | 5.7 | 3.0 | 31.9 | 15.4 | 7.6 | 5 crore and above |
| एकूण | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | Total |


|  | उद्योग गट / Industry groups |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| स्थिर भांडवल आकार वर्ग (रूपये) <br> (1) | अधातू खानिज उत्पादने <br> Non-metal mineral products (15) | मूलभूत धातू <br> Basic metal <br> (16) | धातूच्या वस्तू <br> Metal products <br> (17) | यंत्रे <br> Machinery <br> (18) | कार्यालयीन यंत्रसामग्री Office machinery (19) | विद्युत यंत्रसामग्री Electrical machinery (20) | दळणवळण सामग्री <br> Communication equipments (21) | मोजमापाची साधने इ. <br> Precision instruments etc (22) | मोटार वाहने Motor vehicles <br> (23) | इतर परिबहन <br> सामग्री <br> Other <br> transport equipments <br> (24) | फ.र्निचर <br> Furniture (25) | एकूण <br> Total <br> (26) | Size class of Fixed Capital (Rs.) |
| २.4 लाग्रापेक्षा कमी | 38.8 | 13.2 | 22.8 | 14.9 | 0.0 | 20.8 | 26.6 | 16.9 | 7.4 | 18.4 | 34.4 | 21.8 | Less than 2.5 lakh |
| २.4 लाख ते 4.0 लाख | 11.1 | 3.4 | 11.2 | 6.7 | 0.0 | 8.4 | 5.6 | 2.7 | 5.2 | 6.0 | 6.7 | 8.9 | 2.5 lakh to 5.0 lakh |
| 4.0 लाख ते ७.५ लाख | 8.7 | 4.8 | 9.9 | 6.0 | 0.0 | 5.0 | 2.7 | 5.9 | 4.3 | 6.4 | 4.9 | 2.8 | 5.0 lakh to 7.5 lakh |
| ©.५ लाख ते 90.0 लाख | 4.2 | 5.3 | 6.9 | 5.7 | 0.0 | 4.2 | 11.0 | 0.0 | 3.2 | 10.3 | 8.1 | 4.6 | 7.5 lakh to 10.0 lakh |
| १.0 लाख ते १५.० लाख | 8.0 | 7.4 | 7.5 | 7.7 | 16.7 | 3.6 | 4.8 | 6.8 | 6.3 | 7.7 | 6.3 | 1.7 | 10.0 lakh to 15.0 lakh |
| १५.० लाख ते २०.० लाख | 4.2 | 6.1 | 4.9 | 4.7 | 0.0 | 3.5 | 2.7 | 3.5 | 8.8 | 6.6 | 3.0 | 5.1 | 15.0 lakh to 20.0 lakh |
| २०.0 लाख ते 40.0 लाख | 10.0 | 19.7 | 15.0 | 19.8 | 16.7 | 21.0 | 18.7 | 24.8 | 15.7 | 10.8 | 10.5 | 20.3 | 20.0 lakh to 50.0 lakh |
| ५०.0 लाख ते १ कोटी | 1.5 | 10.5 | 8.9 | 13.5 | 16.7 | 16.8 | 2.9 | 18.8 | 15.4 | 6.0 | 3.9 | 13.0 | 50.0 lakh to 1 crore |
| १ कोटी ते $५$ कोटी | 8.6 | 16.8 | 9.0 | 13.2 | 33.3 | 9.7 | 15.5 | 14.0 | 23.0 | 14.4 | 17.6 | 20.0 | 1 crore to 5 crore |
| 4 कोटी व त्याहून जास्त | 4.9 | 12.8 | 3.9 | 7.8 | 16.6 | 7.0 | 9.5 | 6.6 | 10.7 | 13.4 | 4.6 | 1.8 | 5 crore and above |
| एक्षू | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | Total |

तक्ता क्रमांक / TABLE No. 28
महाराष्ट्र राज्यातील उद्योगांकरिता ढोबळ उद्योग गट समूहानुसार महत्त्वाची गुणोत्तरे
IMPORTANT RATIOS FOR BROAD GROUPS OF INDUSTRY DIVISIONS OF INDUSTRIES IN MAHARASHTRA STATE

| ढोबळ उद्योग गट समूह <br> (1) | वर्ष <br> Year <br> (2) | स्थिर भांडवलाचे निव्वळ मूल्यवृद्धीशी गुणोत्तर <br> Fixed capital to net value added ratio (3) | स्थिर भांडवलाचे उत्पादनाशी गुणोत्तर Fixed capital to output ratio (4) | निब्वळ मूल्यवृद्धीचे <br> उत्पादनाशी <br> गुणोत्तर <br> Net value <br> added to output ratio <br> (5) | उत्पादनाचे <br> निविष्टीशी <br> गुणोत्तर <br> Output <br> to input <br> ratio <br> (6) | वादरलेल्या <br> मालाचे <br> उत्पादनाशी <br> गुणोत्तर <br> Material input to output ratio (7) | Broad groups of Industry divisions |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| खाद्य उत्पादने, पेये व तंबाखूची उत्पादने | $\begin{aligned} & \text { 2002-03 } \\ & 2003-04 \\ & 2004-05 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 2.07 \\ & 2.70 \\ & 2.78 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & \hline 0.22 \\ & 0.29 \\ & 0.28 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 0.11 \\ & 0.11 \\ & 0.10 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 1.15 \\ & 1.15 \\ & 1.14 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 0.65 \\ & 0.65 \\ & 0.69 \end{aligned}$ | Food products, beverages and tobacco products |
| वस्त्रोद्योग, परिधान करण्याची वस्त्रे इ. | $\begin{aligned} & 2002-03 \\ & 2003-04 \\ & 2004-05 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 4.28 \\ & 3.71 \\ & 3.93 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 0.51 \\ & 0.52 \\ & 0.48 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 0.12 \\ & 0.14 \\ & 0.12 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 1.20 \\ & 1.24 \\ & 1.20 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 0.55 \\ & 0.57 \\ & 0.59 \end{aligned}$ | Textiles, wearing apparels, etc. |
| चामडे आणि चाभड्याची उत्पादने, लाकूड, कागदाची उत्पादने, प्रकाशन, मुद्रण इ. | $\begin{aligned} & 2002-03 \\ & 2003-04 \\ & 2004-05 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 3.70 \\ & 2.47 \\ & 1.72 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 0.63 \\ & 0.52 \\ & 0.23 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 0.17 \\ & 0.21 \\ & 0.13 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 1.30 \\ & 1.34 \\ & 1.19 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 0.47 \\ & 0.49 \\ & 0.66 \end{aligned}$ | Leather and leather products, wood, paper products, publishing, printing etc. |
| शुद्ध पेट्रोलियम, रसायने, रबर, प्ल्लिस्टिक उत्पादने इ. | $\begin{aligned} & 2002-03 \\ & 2003-04 \\ & 2004-05 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 1.31 \\ & 1.20 \\ & 1.37 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 0.30 \\ & 0.29 \\ & 0.30 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 0.23 \\ & 0.24 \\ & 0.22 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 1.34 \\ & 1.37 \\ & 1.32 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 0.60 \\ & 0.58 \\ & 0.62 \end{aligned}$ | Kefined petroleum, chemicals, rubber and plastic products etc |
| अधातू खर्वनिज उत्पादने, मूलभूत आणि धातूच्या तयार वस्तू | $\begin{aligned} & 2002-03 \\ & 2003-04 \\ & 2004-05 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 6.42 \\ & 4.92 \\ & 3.40 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 0.68 \\ & 0.66 \\ & 0.43 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 0.11 \\ & 0.13 \\ & 0.13 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 1.18 \\ & 1.21 \\ & 1.19 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 0.58 \\ & 0.58 \\ & 0.64 \end{aligned}$ | Non-metallic mineral products, basic metal and fabricated metal products |
| यंत्रे, परिबहन सामग्री आणि इतर यंत्र सामग्री | $\begin{aligned} & 2002-03 \\ & 2003-04 \\ & 2004-05 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 2.05 \\ & 1.58 \\ & 1.43 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 0.31 \\ & 0.29 \\ & 0.16 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 0.15 \\ & 0.19 \\ & 0.11 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 1.24 \\ & 1.29 \\ & 1.15 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 0.62 \\ & 0.60 \\ & 0.42 \end{aligned}$ | Machinery, transport equipment and other equipment |
| सर्व उद्योग महाराष्ट्र | $\begin{aligned} & 2002-03 \\ & 2003-04 \\ & 2004-05 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 2.17 \\ & 2.00 \\ & 1.87 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 0.35 \\ & 0.36 \\ & 0.27 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 0.16 \\ & 0.18 \\ & 0.14 \end{aligned}$ | $\begin{array}{r} 1.24 \\ 1.27 \\ 1.20 \\ \hline \end{array}$ | $\begin{aligned} & 0.60 \\ & 0.58 \\ & 0.55 \end{aligned}$ | All Industries Maharashtra |
| सर्व उद्योग भारत | $\begin{aligned} & 2002-03 \\ & 2003-04 \\ & 2004-05 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 2.57 \\ & 2.16 \\ & 1.97 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 0.39 \\ & 0.37 \\ & 0.31 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 0.15 \\ & 0.17 \\ & 0.16 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 1.23 \\ & 1.26 \\ & 1.23 \end{aligned}$ | $\begin{aligned} & 0.62 \\ & 0.61 \\ & 0.61 \end{aligned}$ | All Industries India |



रिप - १) कंसातील आकडे सदर संस्थेची भारतातील एकूणाशी महाराष्ट्राची टक्केवारी दर्शावितात/ Figures in brackets indicate percentage of Maharashtra to all India total.
२) \# आयसीआयसीआय, भारतीय औद्योगिक विकास बैक व युनिट ट्रिस्ट ऑफ इंडिया या वित्तिय संस्थांनी केलेल्या अर्थसहाय्याचा यात समावेश आहे. या संस्थांनी उद्योगांन्न अर्थसहाय्य देणे बंद केले आहे./ Includes the financial assistance given by ICICI, IDBI, UTI. These institutions have stopped giving assistance to industries.
३) * यामध्ये वित्तीय संस्थांचे बाँडस् व शासनाची हमी असलेल्या बाँडस्चा अंतर्भाव आहे. /Includes Bonds of Financial Institutions and Government guranteed Bonds.

आधार - ह्या तक्त्यात उल्लेखिलेल्या वित्तीय संस्था Source - Financial institutions mentioned in this table

## MINERALS PRODUCTION IN MAHARASHTRA STATE

(उत्पादन हजार टनात/Quantity in thousand tonnes)
(मूल्य हजार रुपदात/Value in thousand Rs.)

| अ.क्र. Sr. No. (1) | खनिज पदार्थ <br> (2) | उत्पादन/मूल्य <br> (3) | $1961^{*}$ <br> (4) | $1971^{*}$ <br> (5) | 1980-81 <br> (6) | $1990-91$ <br> (7) | $2000-01$ <br> (8) | 2004-05 <br> (9) | 2005-06 <br> (10) | $\begin{gathered} 2006-07 \\ \text { (Provisional) } \\ \text { (11) } \end{gathered}$ |  | Quantity/ Value (3) | Minerals <br> (2) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 1 | क्रोमाईट | उत्पादन | 1 | 3 | 2 | $\ldots$ | 0.6 | 0.002 | 0 | 0.002 |  | Quantity | Chromite |
|  |  | मूल्य | 108 | 468 | 539 | $\cdots$ | 792 | 10 | 0 | 11 | $\ldots$ | Value |  |
| 2 | कोळसा | उत्पादन | 856 | 2,085 | 5,770 | 16,848 | 28,754 | 34,529 | 36,119 | 36,215 | $\ldots$ | Quantity | Coal |
|  |  | मूल्य | 18,643 | 74,517 | 6,68,090 | 47,24,381 | 2,10,19,200 | 3,2139,938 | 3,60,71,043 | 3,61,66,834 | $\ldots$ | Value |  |
| 3 | कच्चे लोग्रंड | उत्पादन | 362 | 613 | 1,456 | 645 | 22 | 669 | 520 | 416 | $\ldots$ | Quantity | Iron ore |
|  |  | मूल्य | 5,099 | 6,933 | 65,657 | 38,427 | 3,097 | 50,683 | 1,87,599 | 1,50,650 | $\ldots$ | Value |  |
| 4 | चुनखडी | उत्पादन | 55 | 363 | 715 | 5,135 | 6,066 | 10,369 | 10,113 | 9,898 | ... | Quantity | Limestone |
|  |  | मूल्य | 230 | 3,316 | 16,318 | 1,96,850 | 5,26,625 | 10,02,530 | 10,21,077 | 9,92,242 | $\ldots$ | Value |  |
| 5 | कच्चे मॅगॅनीज | उत्पादन | 179 | 218 | 232 | 276 | 363 | 561 | 512 | 632 | $\ldots$ | Quantity | Manganese ore |
|  |  | मूल्य | 20,625 | 14,784 | 55,315 | 1,61,462 | 6,27,980 | 20,64,723 | 17,53,209 | 20,02,487 | $\ldots$ | Value |  |
| 6 | के ओलिन(नैसर्गिक) | उत्पादन | 2 | 3 | 5 | 3 | 0.2 | 0.89 | 0.37 | 0.38 | $\ldots$ | Quantity | Kaolin(Natural) |
|  |  | मूल्य | 13 | 16 | 114 | 94 | 29 | 111 | 22 | 48 | $\cdots$ | Value |  |
| 7 | बॉक्साईंट | उत्पादन | 27 | 302 | 365 | 543 | 1,027 | 1,450 | 1,255 | 1,344 | $\ldots$ | Quantity | Bauxite |
|  |  | मूल्य | 199 | 2,052 | 13,742 | 44,263 | 1,70,492 | 2,76,183 | 4,70,542 | 4,46,077 | $\ldots$ | Value |  |
| 8 | मीठ | उत्पादन | 384 | 472 | 540* | 229* | 148 | 183 | 193 | 188 | $\cdots$ | Quantity | Salt |
| 9 | डोलोमाइट | उत्पादन | 6 | 5 | 27 | 28 | 65 | 109 | 133 | 104 | $\ldots$ | Quantity | Dolomite |
|  |  | मूल्य | 38 | 53 | 750 | 2,667 | 14,538 | 13,855 | 18,858 | 14,171 | $\ldots$ | Value |  |
| 10 | सिलिका सँड | उत्पादन | 5 | 27 | 89 | 197 | 168 | 243 | 304 | 288 | $\ldots$ | Quantity | Silica sand |
|  |  | मूल्य | 34 | 346 | 2,474 | 8,717 | 22,845 | 35,531 | 51,014 | 47,375 | $\ldots$ | Value |  |
| 11 | फ्लोराईट (ग्रेडेड) | उत्पादन | ... | ... | ... | 3 | 3 | 5 | 4 | 3 | ... | Quantity | Fluorite |
|  |  | मूल्य | $\ldots$ | $\ldots$ | ... | .. | 2,444 | 9,401 | 10,822 | 10,025 | $\ldots$ | Value | (Graded) |
| 12 | लॅटेराईट | उत्पादन | $\ldots$ | ... | ... | 85 | 83 | 172 | 113 | 56 | $\ldots$ | Quantity | Laterite |
|  |  | मूल्य | $\ldots$ | ... | ... | 7,603 | 10,728 | 29,501 | 22,364 | 8,299 | ... | Value |  |
| 13 | कायनाइंट | उत्पादन | ... | 5 | 22 | 15 | 0.2 | 1 | 2 | 1 | $\cdots$ | Quantity | Kyanite |
|  |  | मूल्य | $\ldots$ | 1,066 | 5,312 | 8,529 | 149 | 575 | 1,615 | 931 | $\ldots$ | Value |  |
| 14 | इतर ** | उत्पादन | $\ldots$ | 4 | 544 | 912 | 306 | 755 | 1,029 | 1,189 | $\ldots$ | Quantity | Others** |
|  |  | मूल्य | $\ldots$ | 36 | 2,717 | 19,610 | 4,855 | 24,537 | 52,529 | 57,547 | $\ldots$ | Value |  |
|  | एकूप मूल्य (१ ते १४) † |  | $\begin{array}{r} 44,989 \\ (100) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 1,03.587 \\ (230) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 8,31,028 \\ (611) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 52,15,047 \\ (11,592) \end{array}$ | $\begin{array}{r} \mathbf{2 , 2 4 , 0 9 , 2 0 7} \\ (26,774) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 3,56,51,508 \\ (79,245) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 3,96,60,720 \\ (88,156) \end{array}$ | $\begin{array}{r} 3,98,96,660 \\ (88,681) \end{array}$ | $\cdots$ | Total Valu | ( 1 to 14$) \div$ |

* आकडे कैलेंडर वर्षांकरिता आहेत/Figures are for calendar year.
** कोरंडम, क्ले, पायरोफायलाइट, स्फटटक, वाळू(इतर), सिलोमानाइट अर्शण शेल हे इतर खनिजांमध्ये अंतर्भूत आहेत /Others include minerals like Corundum, Clay, Pyrophyllite, Quartz, Sand (others), Sillimanite and Shale.
टीप - (१) १९६१ चे पायाभूत वर्ष धरुन कंसातील आकडे सापेक्ष टक्केवारी दर्शवितात. Note - (1) Figures in the brackets show the percentage relative by taking 1961 as base.
(२) $\uparrow$ मिठाचे मूल्य एकूण मूल्यात अंतर्भूत केलेले नाही.

आधार - (१) इंडियन ब्युरो ऑफ माईन्स, भारत सरकार, नागपूर.
(२) सहाय्यक मीठ आयुक्त, भारत सरकार, मुंबई (फक्त मीठाकरिता).
(2) + Value of salt is not included in the total value.

Source -(1) Indian Bureau of Mines, Government of India, Nagpur.
(2) Assistant Salt Commissioner, Government of India, Mumbai (for salt only).

## ELECTRICITY SUPPLY IN MAHARASHTRA STATE



| बाब <br> (1) | 1960-61 <br> (2) | $1970-71$ <br> (3) | $1980-81$ <br> (4) | $1990-91$ <br> (5) | 2000-01 <br> (6) | 2002-03 <br> (7) | 2003-04 <br> (8) | 2004-05 <br> (9) | 2005-06 <br> (10) | $\begin{gathered} 2006-07 \\ (11) \end{gathered}$ | Item <br> (1) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| क. वापर <br> (दशलक्ष किलोवॅट तास) |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Consumption <br> (Million Kilo Watt Hour) - |
| (1) घरगुती | 260 | 732 | 1,779 | 5,065 | 11,172 | 12,267 | 12,617 | 12,916 | 13,572 | 14,284 | Domestic |
| (2) वाणिज्यिक | 198 | 547 | 949 | 2,068 | 4,105 | 4,669 | 5,015 | 5,420 | 4,841 | 6,940 | Commercial |
| (3) उद्योगधंद्याकरिता वीज | 1,853 | 5,312 | 8,130 | 14,706 | 18,363 | 18,156 | 19,806 | 22,515 | 25,692 | 26,535 | Industrial |
| (4) सार्वजनिक दिवाबत्ती | 20 | 74 | 159 | 291 | 551 | 666 | 632 | 630 | 622 | 672 | Public lighting |
| (5) रेल्वे कर्षण | 339 | 421 | 766 | 970 | 1,581 | 1,748 | 1,749 | 1,850 | 1,861 | 1,987 | Railways |
| (6) कृषि | 15 | 356 | 1,723 | 6,604 | 9,940 | 10,642 | 10,572 | 10,733 | 11,094 | 9,749 | Agriculture |
| (7) सार्वजनिक पाणी पुरवठा | 35 | 146 | 330 | N.A. | 1,199 | 1,416 | 1,493 | 1,544 | 1,526 | 1,600 | Public Water works |
| (8) संकीर्ण | $\ldots$ | 62 | 198 | 267 | 378 | 381 | 349 | 76 | 79 | 318 | Miscellaneous |
| एकूण | 2,720 | 7,650 | 14,034 | 29,971 | 47,289 | 49,945 | 52,233 | 55,684 | 59,287 | 62,085 | Total |

ङ दरडोई विजेचा बापर -
(किलोवेट तास)
(1) वाणिज्यिक
(2) औद्योगिक

| 5.0 | 10.9 | 15.1 | 27.5 | 42.7 |
| ---: | ---: | ---: | ---: | ---: |
| 46.8 | 105.4 | 129.5 | 195.4 | 191.2 |

46.8
182.0

| 49.1 | 52.4 | 46.5 | 64.6 |
| ---: | ---: | ---: | ---: |
| 194.0 | 217.5 | 246.8 | 247.2 |

D. Per capita consumption of electricity (KiloWatt Hour) Commercial
Industrial

Neg.-नगण्य / Negligible
टीप - (१) वरील आकडे केवळ सार्वर्जनिक विद्युत व्यवसायी यंत्रणेचे आहेत
(२) आकडे संक्षिप्तात दिल्याने बेरजा जुळतीलच असे नाही.
(३) * यात राष्ट्रीय औष्णिक ऊर्जा महामंडळ व अणुशक्ती महामंडळाकडील वाटप न झालेला तसेच गोणा राज्याचा शिलकी ३२३ मेगॅॅॅटचा अतिरिक्त वाटा समाविष्ट आहे .
(४) \# यात बंदिस्त विद्युत व अपारंपरिक उर्जाची आकडेवारी समाविष्ट आहे.

आधार - (१) केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, भारत सरकार, नवी दिल्ल्नी.
(२) महाराष्ट्र राज्य विद्युत निर्मिती कंपनी, मुंबई.
(3) महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी, मुंबई.
N.A. = उपलब्ध नाही / Not available

Note - (1) The above figures are related to public utilities only
(2) Details may not add up to the totals due to rounding.
(3) *This includes additional share of 323 MW from NTPC/NPC which was unallocated share and surplus from Goa.
(4) \# This includes figures of captive power and non-conventional energy.

Source-(1) Central Electricity Authority, Government of India, New Delhi.
(2) Maharashtra State Electricity Generation Company Ltd., Mumbai.
(3) Maharashtra State Electricity Distribution Company Ltd., Mumbai.

$$
\mathrm{T}-41
$$

> तक्ता क्रमांक / TABLE No. 32
> महाराष्ट्र राज्यातील रस्त्यांची प्रकारांनुसार लांबी
> (सार्वजनिक बांधकाम विभाग व जिल्हा परिषदा यांच्या देखभालीखालील)
> ROAD LENGTH BY TYPE OF ROAD IN MAHARASHTRA STATE (MAINTAINED BY PUBLIC WORKS DEPARTMENT AND ZILLA PARISHADS)


टीप - (१) ग्रामीण रस्त्यांमध्ये अवर्गीकृत रस्यांचा समावेश आहे.
Note - (1) Unclassified roads included in village roads.
(२) @ ९९८७ पर्यंतच्चा रस्ते लांबोची विभागणी १९६१-८१ रस्ते विकास योजनेनुसार आणि २९८७-८८ पासून ही विभागणी १९८२-२००१ रस्ते विकास योजनेनुसार केली आहे. खालच्या दर्जांच्या रस्त्यांची दर्जोत्नती झाल्याने रकाना क्र.७ मध्ये रस्त्यांचे बाबतीत रस्त्यांची लांबी कमी झालेली दिसते.
(2) @ The classification of road length upto 1987 is according to " Road Development Plan, 1961-81" and 1987-88 onwards it is according to 1981-2001 Road Development Plan. Due to upgradation of lower category roads to upper category roads there is reduction on column No. 7.

आधार - सार्वर्जनिक बांधकाम विभाग, महाराष्ट्र शासन, मुंबई.
Source - Public Works Department, Government of Maharashtra, Mumbai.


तक्ता क्रमांक / TABLE No. 34
महाराष्ट्र राज्याच्या ग्रामीण, निमनागरी व नागरी/महानगर क्षेत्रांतील सर्व अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकांच्या ठेवी व कर्जे DEPOSITS AND CREDITS OF ALL SCHEDULED COMMERCIAL BANKS IN RURAL, SEMI-URBAN AND

URBAN/METROPOLITAN AREAS OF MAHARASHTRA STATE

| वर्ष <br> Year | वर्षाच्या जून महिन्यातील शेवटच्या शुक्रवारची स्थिती Position as on last Friday of June of the year |  |  |  |  |  | एक्षूण ठेवी Total deposits | एकूण <br> कर्जे <br> Total credits | दरडोई ठेवी (रुपये) Per capita deposits (in Rs.) | दरडोई कर्ज <br> (रुपये) <br> Per <br> capita <br> credits <br> (in Rs.) | एकूण बैक कार्यालयांची संख्या No of banking offices |  |  | दर लाग्र <br> लोकसंख्येमागे बँक कार्यालयांचो संख्या <br> Number of banking offices per lakh of population (15) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | ग्रामोण <br> Rural |  | निमनागरी <br> Semi-Urban |  | नागरी/महानगर <br> Urban/Metropolitan |  |  |  |  |  | ग्रामीण व निमनागरी | नागरी/महानगर क्षेत्रातील | $\begin{aligned} & \text { एकूण } \\ & \text { Total } \end{aligned}$ |  |
|  | ठे वो <br> Deposits | करें <br> Credits | ठेवी <br> Deposits | कर्जे <br> Credits | ठेवी <br> Deposits | कर्जे <br> Credits |  |  |  |  | semi- <br> Urban | Metropolitan |  |  |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) | (12) | (13) | (14) |  |
| 1971 | N.A. | N.A. | N.A. | N.A. | N.A. | N.A. | 1,460.06 | 1,291.20† | 290 | 256 | N.A. | N.A. | 1,471 | 2.9 |
| 1981 | 308.51 | 226.20 | 713.56 | 383.55 | 6,568.26 | 5,320.98 | 7,590.33 | 5,930.72 | 1,204 | 940 | N.A. | N.A. | 3,627 | 5.8 |
| 1991 | 1,700.76 | 1,356.90 | 2,347.38 | 1,354.43 | 36,181.44 | 26,935.52 | 40,229.58 | 29,646.85 | 5,344 | 3,580 | 3,353 | 2,238 | 5,591 | 7.4 |
| 1996 | 3,285.64 | 2,044.94 | 4,959.32 | 2,408.91 | 82,416.66 | 61,059.35 | 90,661.62 | 65,513.19 | 10,369 | 7,493 | 3,339 | 2,538 | 5,877 | 6.7 |
| 1998 | 4,356.24 | 2,787.33 | 6,501.61 | 2,638.55 | 1,10,969.38 | 76,912.46 | 1,21,827.22 | 82,338.35 | 13,626 | 9,209 | 3,372 | 2,731 | 6,103 | 6.8 |
| 1999 | 5,100.69 | 3,142.13 | 7,535.99 | 3,088.63 | 1,20,609.52 | 90,031.19 | 1,33,246.20 | 96,261.95 | 14,731 | 10,642 | 3,398 | 2,811 | 6,209 | 6.9 |
| 2000 | 5,981.05 | 4,109.96 | 8,815.25 | 3,649.93 | 1,35,705.41 | 1,20,595.82 | 1,50,501.71 | 1,28,355.72 | 16,461 | 14,039 | 3,379 | 2,845 | 6,224 | 6.8 |
| 2001 | 6,768.70 | 5,028.75 | 10,033.74 | 4,137.97 | 1,59,198.90 | 1,34,339.88 | 1,76,001.33 | 1,43,506.59 | 18,106 | 14,763 | 3,380 | 2,914 | 6,294 | 6.5 |
| 2002 | 7,383.50 | 6,848.91 | 10,911.60 | 4,567.24 | 2,16,620.09 | 2,07,032.17 | 2,34,915.19 | 2,18,448.32 | 23,667 | 22,008 | 3,380 | 2,940 | 6,320 | 6.4 |
| 2003 | 7,995.72 | 7,488.71 | 12,110.58 | 5,220.14 | 2,41,394.39 | 2,14,735.11 | 2,61,500.68 | 2,27,443.97 | 25,824 | 22,461 | 3,360 | 2,957 | 6,317 | 6.2 |
| 2004 | 10,231.00 | 8,175.00 | 14,104.00 | 6,167.00 | 3,04,995.00 | 2,69,249.00 | 3,29,330.00 | 2,83,591.00 | 32,256 | 27,776 | 3,326 | 3,006 | 6,332 | 6.2 |
| 2005* | 10,952.00 | 9,472.00 | 15,956.00 | 8,784.00 | 3,99,391.00 | 3,92,141.00 | 4,26,299.00 | 4,10,398.00 | 41,188 | 39,652 | 3,327 | 3,119 | 6,446 | 6.2 |
| 2006* | 11,010.00 | 10,241.00 | 18,105.00 | 12,523.00 | 5,31,634.00 | 5,32,780.00 | 5,60,750.00 | 5,55,544.00 | 51,889 | 51,410 | 3,261 | 3.293 | 6,554 | 6.1 |
| 2007* | 13,234.00 | 12,000.00 | 23,139.00 | 14,670.00 | 6,95,456.00 | 6,43,191.00 | 7,31,830.00 | 6,69,861.00 | 68,191 | 62,417 | 3,296 | 3,501 | 6,797 | 6.3 |

$\dagger$ आकडे जून, १९७२ च्या दुस-या शुक्रवारचे आहेत/ + Data relate to the second Friday of June, 1971.

* सप्टेंबर, पर्यंत

टीप - आकडे संक्षिप्तात दिल्याने बेरजा जुळतीलच असे नाही.
आधार - भारतीय रिझर्द बँक, मुंबई.
N.A. = उपलिब्ध नाही / Not Available.

* As on September,

Note - Details may not add up to totals due to rounding.
Source - Reserve Bank of India, Mumbai.

तक्ता क्रमांक / TABLE No. 35
महाराष्ट्र राज्यातील सहकारी संस्था (ठळक वैशिष्ट्ये)
CO-OPERATIVE SOCIETIES IN MAHARASHTRA STATE (Salient Features)


* यात प्रार्थमिक कृषि पतसंस्था, प्राथमिक भू विकास बंका आणि धान्य बंका यांचा ९९७०-७२ पयंत समावेश आहे,
* नाममात्र सभासद वगळ्ून/Excludes Nominal Members.
*Includes primary agricultural credit societies, primary land development banks and grain banks upto 1970-71
@ २०००-०१ या वर्षापासून उपसा सिंचन संस्थांचा समावेश 'उत्पादक' ऐवजी समाजसेवा व इतर सहकारी संस्था या प्रकारात करण्यात आला आहे.
@ Lift Irrigation societies are classified in Social Services \& Other Co-op. Societies category instead of 'Productive' category since 2000-01.


टीप -- (१) २००६-०७ ची आकडेवारी अस्थायी आहे. (२) ९९९०-९१ पयन्तची आकडेवारी जून अखेरपर्यन्तची आहे.
Note--(1) Figures for 2006-07 are provisional. (2) Figures upto 1990-91 are at the end of June.
आधार -- सहकार आयुक्त व निबंधक सहकारी संस्था, महाराष्ट्र शासन, पुणे.
Source.-Commissioner for Co-operation and Registrar, Co-operative Societies, Government of Maharashtra, Pune.

तक्ता क्रमांक / TABLE No. 36
अखिल भारतीय घाऊक किंमतींचे निद्देशांक

## ALL-INDIA WHOLESALE PRICE INDEX NUMBERS

(पायाभूत वर्ष / Base year: 1993-94)

| वर्ष/माहना Year / Month <br> (1) | प्रार्थमिक वस्तू Primary articles <br> (2) | इंधन, शाक्ति, दिवाबत्ती व वंगण Fuel, power, light and lubricants <br> (3) | वस्त्तुनिर्माण उत्पादने <br> Manufactured products <br> (4) | सर्व वस्त् <br> All commodities <br> (5) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| भार / Weight | 22.025 | 14.226 | 63.749 | 100.000 |
| 1995-96 | 125.3 | 114.5 | 121.9 | 121.6 |
| 1996-97 | 135.8 | 126.4 | 124.4 | 127.2 |
| 1997-98 | 139.4 | 143.8 | 128.0 | 132.8 |
| 1998-99 | 156.2 | 148.5 | 133.6 | 140.7 |
| 1999-00 | 158.0 | 162.0 | 137.2 | 145.3 |
| 2000-01 | 162.5 | 208.1 | 141.7 | 155.7 |
| 2001-02 | 168.4 | 226.7 | 144.3 | 161.3 |
| 2002-03 | 174.0 | 239.2 | 148.1 | 166.8 |
| 2003-04 | 181.5 | 254.6 | 156.4 | 175.9 |
| 2004-05 | 187.9 | 280.2 | 166.3 | 187.3 |
| 2005-06 | 193.6 | 306.8 | 171.4 | 195.6 |
| 2006-07 | 208.7 | 323.9 | 179.0 | 206.2 |
| 2007-08 * ${ }^{(P)}$ | 222.8 | 324.5 | 186.7 | 214.3 |
| जानेवारी/January,2007 | 214.2 | 322.1 | 181.7 | 208.8 |
| फेब्रुवारी/February,2007 | 215.0 | 319.8 | 182.0 | 208.9 |
| मार्च/March,2007 | 214.6 | 319.8 | 183.5 | 209.8 |
| एप्रिल/April, 2007 | 219.2 | 320.4 | 184.6 | 211.5 |
| मे/ May, 2007 | 220.9 | 322.1 | 184.8 | 212.3 |
| जून/June, 2007 | 220.6 | 322.0 | 184.9 | 212.3 |
| जुलै/July, 2007 | 224.5 | 321.9 | 185.7 | 213.6 |
| ऑगस्ट/August, 2007 | 223.8 | 322.4 | 186.1 | 213.8 |
| सप्टेंबर/September, 2007 | 226.0 | 321.9 | 187.5 | 215.1 |
| ऑक्टोबर/October, 2007 | 223.8 | 323.7 | 188.0 | 215.2 |
| नोद्हेंबर/November, 2007 | 223.9 | 327.1 | 188.3 | 215.9 |
| डिसेंबर/December, 2007 (P) | 222.7 | 329.2 | 188.2 | 215.9 |
| जानेवारी/January, 2008 (P) | 222.7 | 334.3 | 188.9 | 217.0 |

[^31]आधार - आर्थिक सल्लागार, वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, नवी दिल्ली, यांचे कार्यालय.
Source - Office of the Economic Adviser, Ministry of Commerce and Industry, Government of India, New Delhi.

तक्ता क्रमांक / TABLE No. 37
औद्योगिक कामगारांकरिता अखिल भारतीय ग्राहक किमतींचे निर्देशांक
ALLL-INDIA CONSUMER PRICE INDEX NUMBERS FOR INDUSTRIAL WORKERS

| वर्ष/महिना Year/Month <br> (1) | खाद्यपदार्थ Food <br> (2) | पान, सुपारी, तंबागु, ब मादक पदार्थ Pan, supari, tobacco and intoxicants (3) | इंधन व <br> दिवाबत्ती <br> Fuel and light <br> (4) | निवास Housing <br> (5) | कापड, बिछाना ब पादत्राणे Clothing, bedding and footwear (6) | $\begin{array}{cc} & \text { सरंसाधारण } \\ \text { संकोण } & \text { निदेशांक } \\ \text { Miscellaneous } & \text { General index }\end{array}$ <br> (7) <br> (8) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |  |  |  | ( पायाभूटा वर्ष / Base year : 1982) |
| भार / Weight | 57.00 | 3.15 | 6.28 | 8.67 | 8.54 | 16.36 |
| 1990-91 | 199 | 243 | 186 | 185 | 154 | 187193 |
| 1991-92 | 230 | 280 | 204 | 198 | 169 | 210219 |
| 1992-93 | 254 | 315 | 220 | 212 | 185 | 233240 |
| 1993-94 | 272 | 340 | 234 | 224 | 201 | 251258 |
| 1994-95 | 304 | 368 | 243 | 237 | 227 | 273284 |
| 1995-96 | 337 | 397 | 260 | 255 | 253 | 294313 |
| 1996-97 | 369 | 432 | 295 | 280 | 271 | 322 342 |
| 1997-98 | 388 | 479 | 328 | 304 | 286 | 354366 |
| 1998-99 | 445 | 515 | 353 | 389 | 296 | 386414 |
| 1999-00 | 446 | 565 | 379 | 437 | 306 | 416428 |
| 2000-01 | 453 | 592 | 454 | 463 | 315 | 442444 |
| 2001-02 | 466 | 620 | 483 | 514 | 325 | 463 463 |
| 2002-03 | 477 | 633 | 534 | 556 | 332 | 489482 |
| 2003-04 | 495 | 655 | 566 | 582 | 338 | 507500 |
| 2004-05 | 506 | 674 | 613 | 652 | 346 | 525 |
| 2005-06 | 527 | 688 | 585 | 732 | 355 | 547542 |
|  |  |  |  |  |  | (पायाभूत वर्ष / Base year: 2001) |
| भार / Weight | 46.19 | 2.27 | 6.43 | 15.27 | 6.58 | $23.26 \quad 100.00$ |
| 2005-06 | 115 | 112 | 123 | 118 | 110 | 120117 |
| 2006-07 | 126 | 116 | 130 | 126 | 114 | 126 |
| 2006-07* | 125 | 115 | 129 | 125 | 113 | 125124 |
| 2007-08 * | 135 | 127 | 132 | 130 | 118 | 130132 |
| जानेवारी/January, 2007 | 128 | 118 | 132 | 128 | 115 | 127 127 |
| फेंब्रुवारी/February, 2007 | 129 | 118 | 132 | 128 | 116 | 127 128 |
| मार्च/March, 2007 | 129 | 119 | 130 | 128 | 116 | 127127 |
| एप्रिल/April, 2007 | 130 | 124 | 131 | 128 | 117 | 128 128 |
| मे/ May, 2007 | 131 | 125 | 131 | 128 | 117 | 128129 |
| जून/June, 2007 | 133 | 126 | 131 | 128 | 118 | 129130 |
| जुले/July, 2007 | 136 | 127 | 131 | 131 | 118 | 129132 |
| ऑगस्ट/August, 2007 | 137 | 128 | 131 | 131 | 118 | 130133 |
| सप्टेंबर/September, 2007 | 137 | 128 | 132 | 131 | 119 | 131 |
| ऑक्टोबर/October, 2007 | 139 | 128 | 132 | 131 | 118 | 132134 |
| नोक्हेबर/November, 2007 | 138 | 128 | 133 | 131 | 119 | 132134 |
| ¢डसेंबर/December, 2007 | 137 | 129 | 134 | 131 | 118 | 133134 |

[^32]आधार - श्रम केंद्र, भारत सरकार, सिमला.
Source-Labour Bureau, Government of India, Simla.

तक्ता क्रमांक / TABLE No. 38
महाराष्ट्र राज्यातील निवडक केंद्रांमधील औद्योगिक कामगारांकरिता ग्राहक किंमतींचे निर्देशांक
CONSUMER PRICE INDEX NUMBERS FOR INDUSTRIAL WORKERS AT SELECTED CENTRES IN MAHARASHTRA STATE
(CENTRAL CENTERS)



* $\rho$ महिन्यांची सरासरी / * Average for 9 months

आधार - कामगार आयुक्त यांचे कार्यालय, मुंबई.
Source - Office of the Labour Commissioner, Mumbai.

तक्ता क्रमांक / TABLE No. 39
नागरी श्रमिकेतर कर्मचा-यांकरिता ग्राहक किमतींचे निर्देशांक
CONSUMER PRICE INDEX NUMBERS FOR URBAN NON-MANUAL EMPLOYEES

| वर्ष/ Year <br> (1) |  |  | मुंबई Mumbai <br> (2) | औरंगाबाद Aurangabad (3) | नागपूर Nagpur <br> (4) | पुणे Pune <br> (5) | सोलापूर Solapur (6) | अरिल भारत्त All India (7) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 1995-96 | $\cdots$ | $\ldots$ | 260 | 277 | 251 | 251 | 256 | 259 |
| 1999-00 | $\ldots$ | $\ldots$ | 353 | 369 | 339 | 355 | 342 | 352 |
| 2000-01 | $\ldots$ | $\ldots$ | 375 | 393 | 359 | 384 | 359 | 371 |
| 2001-02 | $\ldots$ | $\ldots$ | 395 | 420 | 375 | 404 | 368 | 390 |
| 2002-03 | $\ldots$ | $\ldots$ | 406 | 443 | 388 | 421 | 386 | 405 |
| 2003-04 | $\ldots$ | ... | 415 | 470 | 407 | 439 | 402 | 420 |
| 2004-05 | $\ldots$ | $\ldots$ | 434 | 486 | 421 | 453 | 412 | 436 |
| 2005-06 | $\cdots$ | $\cdots$ | 450 | 499 | 438 | 471 | 425 | 456 |
| 2006-07 | $\cdots$ | $\ldots$ | 478 | 547 | 469 | 509 | 450 | 486 |
| 2007-08* | $\cdots$ | $\ldots$ | 501 | 580 | 484 | 543 | 477 | 512 |

*९ महिन्यांची सरासरी/Average for 9 months आधार -केंद्रीय सांख्यिकीय संघटना,नवी दिल्ली. \Source - Central Statistical Organisation, New Delhi

## तक्ता क्रमांक / TABLE No. 40

महाराष्ट्र व अखिल भारतातील शेतमजुरांकरिता व ग्रामीण मजुरांकरिता ग्राहक किमतींचे निर्देशांक CONSUMER PRICE INDEX NUMBERS FOR AGRICULTURAL LABOURERS AND RURAL LABOURERS IN MAHARASHTRA AND ALL-INDLA
(पायाभूत वर्ष / Base year: 1986-87)


[^33]तक्ता क्रमांक / TABLE No. 41 महत्त्वाच्या किंमत निर्देशांकांवर आधारित चलनवाढीचे दर
INFLATION RATES BASED ON IMPORTANT PRICE INDICES

|  | चलनवाढीचे दर/Inflation Rates |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| Year/Month <br> (1) | अगिल भारतीय घाऊक किमर्तीचा निद्देशांक <br> 1 India wholesale price index number @ | औद्योगिक कामगारांसाठी <br> अखिल भारतीय <br> ग्राहक किमर्तांचा निर्देशांक <br> All India consumer price index number for <br> industrial workers + (3) | नागरी श्रमिकेतर कर्मचा-यांकरिता अखिल भारतीय ग्राहक किंमतीचा निर्देशांक All India consumer price index number for urban non-manual employees @@ | शेतमजुरां करिता अगिल भारतीय प्राहक किमत्तांचा निदेंशांक <br> All India consumer price index number for agricultural labourers + (5) | प्रामीण मजुरांकरिता अखिल भारतीय ग्राहक किमतींचा निदेंशांक <br> All India consumer price index number for rural labourers + (6) |
| 1993-94 | ... | 7.28 | 6.93 | 3.48 | $\ldots$ |
| 1995-96 | 7.99 | 9.96 | 9.48 | 10.74 |  |
| 1996-97 | 4.63 | 9.43 | 9.27 | 9.10 | $\ldots$ |
| 1997-98 | 4.38 | 6.84 | 6.89 | 3.39 | 3.77 |
| 1998-99 | 5.94 | 13.13 | 11.30 | 10.97 | 10.65 |
| 1999-00 | 3.33 | 3.42 | 4.51 | 4.43 | 4.33 |
| 2000-01 | 7.13 | 3.82 | 5.59 | (-) 0.33 | 0.03 |
| 2001-02 | 3.62 | 4.31 | 5.12 | 1.09 | 1.33 |
| 2002-03 | 3.38 | 3.98 | 3.78 | 3.16 | 3.13 |
| 2003-04 | 5.49 | 3.85 | 3.74 | 3.90 | 3.79 |
| 2004-05 | 6.48 | 3.83 | 3.62 | 2.60 | 2.58 |
| 2005-06 | 4.43 | 4.41 | 4.75 | 3.85 | 3.85 |
| 2006-07 | 5.43 | 6.83 | 6.61 | 7.85 | 7.52 |
| 2007-08 \% | 4.23 | 6.18 | 6.12 | 7.73 | 7.41 |
| डिसेंबर/December, 2006 | -6.68 | 6.72 | 6.94 | 8.93 | 8.31 |
| जानेवारी/January, 2007 | $7 \quad 6.37$ | 6.72 | 7.36 | 9.52 | 8.91 |
| फेब्रुवारी/February, 2007 | $7 \quad 6.36$ | 7.56 | 7.81 | 9.80 | 9.47 |
| माचे/March, 2007 | 6.61 | 6.72 | 7.56 | 9.50 | 9.16 |
| एप्रिल/April, 2007 | 6.28 | 6.66 | 7.74 | 9.44 | 9.12 |
| मे/May, 2007 | 5.46 | 6.61 | 6.79 | 8.22 | 7.90 |
| जून/June, 2007 | 4.53 | 5.69 | 6.08 | 7.83 | 7.52 |
| जुले/July, 2007 | 4.71 | 6.45 | 6.86 | 8.60 | 8.02 |
| ऑगस्ट/August, 2007 | 4.14 | 7.26 | 6.40 | 8.80 | 8.51 |
| सप्टेंबर/September, 2007 | $07 \quad 3.51$ | 6.40 | 5.74 | 7.89 | 7.61 |
| ऑक्टोबर/October, 2007 | $7 \quad 3.11$ | 5.51 | 5.48 | 6.99 | 6.72 |
| नोक्हेंबर/November, 2007 | $07 \quad 3.25$ | 5.51 | 5.06 | 6.15 | 5.88 |
| डिसंबर/December, 2007 | $7 \quad 3.60$ (P) | 5.51 | $\dot{5} .07$ | 5.90 | 5.63 |
| जानेवारी/January, 2008 | $8 \quad 3.93$ (P) | N.A. | N.A. | N.A. | N.A. |

N.A. = उपलब्ध नाही /Not available (P) अस्थायी / Provisional * $\rho$ महिन्यांची सरासरी / Average for 9 months. टीप - चलनवाढ दर $=$ मागी़ल वर्षाच्या तत्सम कालावर्धीतील निर्देशांकापेक्षा चालू कालावधीतील निर्देशांकात झालेली टक्केवारीतील वाद.
Note - Inflation rate = Percentage rise in the index of the current period over that of corresponding period of the previous year. आधार - @ आर्थिक सल्लागार, वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, नवी दिल्ली यांचे कार्यालय. + श्रम केंद्र, भारत सरकार, सिमला. ${ }^{0}$ केंद्रोय सांख्यिकीय संघटना, नवी दिल्ली.
Source - @ Office of Economic Adviser, Ministry of Commerce and Industry, Government of India, New Deihi .

+ Labour Bureau, Government of India, Simla.
@@ Central Statistical Organisation, New Delhi.
महाराष्ट्रच्चो आर्धिक पाहणी २००७-०६

तक्ता क्रमांक / TABLE No. 42
महाराष्ट्रातील नागरी भागाकरिता ग्राहक किंमतींचे गटवार निर्देशांक
GROUPWISE CONSUMER PRICE INDEX NUMBERS FOR URBAN MAHARASHTRA
(पायाभूत वर्ष / Base Year 2003)

| वर्ष/ <br> यहिना <br> (1) | खाद्यपदार्थ <br> Food <br> (2) | पान, सुपारी आणि तंबाखू Pan, Supari \& Tobacco (3) | इंधन, वीज व दिवाबती Fuel, power \& Light <br> (4) | काषड, बिछाना व पादत्राणे Clothing, Bedding \& Footwear (5) | संकीर्ण <br> Miscellaneous <br> (6) | सर्व वस्तू All Commodities <br> (7) | चलनवाढ़ीचा <br> दर <br> Inflation rate <br> (8) | Year/ <br> Month <br> (1) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| भार | 45.80 | 1.54 | 10.28 | 7.51 | 34.87 | 100.00 | ... | Weight |
| poor-04 | 105 | 103 | 103 | 102 | 104 | 104 | $\ldots$ | 2004-05 |
| 2004-0\% | 109 | 107 | 107 | 103 | 107 | 108 | 3.20 | 2005-06 |
| २००६-ه७ | 120 | 112 | 124 | 105 | 110 | 115 | 7.19 | 2006-07 |
| २००६-o७* | 119 | 112 | 118 | 104 | 109 | 114 | 5.85 | 2006-07* |
| 2006-0く* | 128 | 120 | 144 | 106 | 114 | 123 | 7.80 | 2007-08* |
| जानेवारी, २००७ | 124 | 114 | 139 | 105 | 111 | 119 | 11.29 | January, 2007 |
| फेब्रुवारी, २00७ | 124 | 114 | 140 | 105 | 111 | 120 | 11.45 | February, 2007 |
| मार्च, २००७ | 122 | 114 | 140 | 105 | 112 | 119 | 10.88 | March, 2007 |
| एप्रिल, २००७ | 123 | 116 | 141 | 106 | 113 | 120 | 10.23 | April, 2007 |
| मे, 2000 | 125 | 118 | 144 | 106 | 113 | 121 | 9.69 | May, 2007 |
| जून, २००७ | 127 | 119 | 144 | 105 | 113 | 122 | 8.78 | June, 2007 |
| जुलै, २००७ | 131 | 121 | 144 | 106 | 113 | 124 | 9.96 | July, 2007 |
| ऑगस्ट, २००७ | 130 | 121 | 144 | 106 | 113 | 124 | 8.88 | August, 2007 |
| सप्टेंबर, २००७ | 129 | 121 | 144 | 106 | 113 | 123 | 8.04 | September, 2007 |
| ऑक्टोबर, २०0७ | 130 | 122 | 144 | 106 | 114 | 124 | 4.99 | October, 2007 |
| नोक्हेंबर, २००७ | 130 | 122 | 144 | 107 | 115 | 124 | 5.11 | November, 2007 |
| डिसेंबर, २००७ | 130 | 123 | 144 | 107 | 116 | 125 | 5.04 | December, 2007 |

[^34]तक्ता क्रमांक / TABLE No. 43
महाराष्ट्रातील ग्रामीण भागाकरिता ग्राहक किंमतींचे गटवार निर्देशांक
GROUPWISE CONSUMER PRICE INDEX NUMBERS FOR RURAL MAHARASITTRA
(पायाभूत वर्ष/Base Year 2003)

| वर्ष / <br> महिना <br> (1) | खाद्यपदार्थ <br> Food <br> (2) | पान, स़पारी आण तंबाखू Pan, <br> Supari \& Tobacco <br> (3) | इंधन, बीज, व दिवाबत्ती <br> Fuel power \& Light <br> (4) | कापड, बिचना व पादत्राणे Clothing, Bedding \& Footwear | संकीर्ण <br> Miscellaneous <br> (6) | सर्व वस्त्तू All Commodities <br> (7) | चलनवाढीचा <br> Inflation rate <br> (8) | Year/ <br> Month <br> (1) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| भार | 52.85 | 2.15 | 10.67 | 8.53 | 25.80 | 100.00 | ... | Weight |
| 200\%-04 | 104 | 105 | 103 | 102 | 102 | 104 | $\ldots$ | 2004-05 |
| 2004-08 | 109 | 109 | 108 | 103 | 105 | 107 | 3.80 | 2005-06 |
| 200\%-0才 | 118 | 117 | 132 | 105 | 108 | 116 | 7.83 | 2006-07 |
| 200६-0.6* | 117 | 116 | 125 | 104 | 106 | 114 | 5.97 | 2006-07* |
| 2000-0く** | 128 | 125 | 161 | 106 | 115 | 126 | 10.46 | 2007-08 * |
| जानेवारी, २००७ | 124 | 120 | 149 | 105 | 112 | 122 | 13.63 | January, 2007 |
| फेब्रुवारो, 200७ | 123 | 120 | 151 | 105 | 112 | 122 | 13.91 | February, 2007 |
| मार्च, २००७ | 121 | 120 | 151 | 105 | 113 | 121 | 12.85 | March, 2007 |
| एप्रिल, २००७ | 122 | 122 | 154 | 106 | 113 | 122 | 12.58 | April, 2007 |
| मे, 200v | 123 | 124 | 157 | 106 | 114 | 123 | 11.32 | May, 2007 |
| जून, २००७ | 125 | 124 | 157 | 106 | 114 | 124 | 11.69 | June, 2007 |
| जुलै, 2000 | 129 | 124 | 160 | 106 | 114 | 126 | 13.05 | July, 2007 |
| ऑगस्ट, २००७ | 129 | 125 | 160 | 106 | 114 | 127 | 11.98 | August, 2007 |
| सप्टंबर, २००७ | 129 | 126 | 162 | 107 | 114 | 127 | 11.18 | September, 2007 |
| ऑक्टोबर, २००७ | 131 | 126 | 165 | 106 | 115 | 128 | 8.17 | October, 2007 |
| नोन्हेंबर, २००७ | 130 | 126 | 168 | 107 | 116 | 128 | 7.51 | November, 2007 |
| डिसेंबर, २००७ | 131 | 128 | 170 | 107 | 117 | 129 | 7.31 | December, 2007 |

* २ म्महिन्यांची सरासरी / Average for 9 months

आधार - अर्थ व सांख्यिकी संचालनालय, महाराष्ट्र शासन, मुंबई
Source - Dixectorate of Economics \& Statistics, Government of Maharashtra, Mumbai

तक्ता क्रमांक / TABLE No. 44
महाराष्ट्रातील अधिकृत शिधावाटप/रास्त भाव दुकानांना देण्यात आलेला तांदूळ व गहू QUANTITY OF RICE AND WHEAT ISSUED TO AUTHORISED RATION/ FAIR PRICE SHOPS IN MAHARASHTRA
(परिमाण लाख टनात/ Quantity in lakh tonness)

|  | तांदूळ/Rice |  |  | गहू/Wheat |  |  | शिधावाटप/ |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| वर्ष | मुंबइ शिधावाटप क्षेत्र | $\begin{aligned} & \text { इतर } \\ & \text { जिल्हे } \end{aligned}$ | एकूण (रकाना <br> २+ रकाना ३) | मुंबई शिधावाटप क्षेत्र | इतर <br> जिल्ह | $\begin{aligned} & \text { एकूण (रकाना } \\ & \text { द+ रकाना ६) } \end{aligned}$ | दुकानांची संख्या |
| Year <br> (1) | Mumbai rationing area (2) | Other districts <br> (3) | Total (Col. 2+ Col. 3) <br> (4) | Mumbai rationing area (5) | Other districts <br> (6) | Total (Col.5+ Col.6) (7) | No. of raton/fair price shops (8) |
| 2001-02 (एकूण/ Total) | 0.02 | 5.16 | 5.18 | 0.05 | 8.48 | 8.53 | 48,655 |
| पैकी, लसाविव्य / Of which, TPDS' | 0.02 | 5.00 | 5.02 | 0.04 | 8.27 | 8.31 | $\ldots$ |
| 2002-03 (एकूण/ Total) | 0.08 | 6.72 | 6.80 | 0.14 | 11.46 | 11.60 | 49,502 |
| पैकी, लसाविव्य / Of which, TPDS | 0.05 | 6.62 | 6.67 | 0.07 | 11.28 | 11.35 | ... |
| 2003-04 (एकूण/ Total) | 0.06 | 7.15 | 7.21 | 0.16 | 13.25 | 13.41 | 49,921 |
| पैकी, लसाविव्य / Of which, TPDS | 0.06 | 7.10 | 7.16 | 0.09 | 12.95 | 13.04 | $\ldots$ |
| 2004-05 (एकूण/ Total) | 0.09 | 8.42 | 8.51 | 0.25 | 14.77 | 15.02 | 50,160 |
| पैकी, लसाविव्य / Of which, TPDS | 0.07 | 8.35 | 8.42 | 0.09 | 14.43 | 14.52 | ... |
| 2005-06 (एकूण/ Total) | 0.09 | 9.37 | 9.46 | 0.55 | 14.99 | 15.54 | 50,019 |
| पंकी, लसाविव्य / Of which, TPDS | 0.07 | 9.27 | 9.34 | 0.10 | 14.32 | 14.42 | $\ldots$ |
| 2006-07 (एकूण/Total) | 0.28 | 10.45 | 10.73 | 0.47 | 12.85 | 13.32 | 50,019 |
| पैकी, लसाविव्य / Of which, TPDS | 0.08 | 10.21 | 10.29 | 0.07 | 12.11 | 12.18 | $\ldots$ |
| 2007-08 (एकूण/Total) <br> (डिसेंबर, २००ज पयंत/upto Dec., 2007) | 7) 0.10 | 8.10 | 8.20 | 0.25 | 9.57 | 9.82 | 50,083 |
| पेकी, लसाविव्य / Of which, TPDS | 0.05 | 7.92 | 7.97 | 0.05 | 8.99 | 9.04 | $\cdots$ |

तक्ता क्रमांक / TABLE No. 45

## भारत सरकारकडून महाराष्ट्र राज्याला मिळालेले नियतन <br> ALLOTTMENT BY GOVERNMENT OF INDIA TO MAHARASHTRA STATE

(लाख टनात/Lakh tonnes)


[^35]| वर्ष <br> Year |  | एकूण लोकसंख्या (कोटीत) <br> Total population (In crore) |  | दशवर्षीय वाढ (+) किंवा घट (-) टक्केवारी <br> Decennial percentage increase ( + ) or decrease (-) |  | साक्षरतेची टक्केवारी †† <br> Literacy percentage |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  | महाराष्ट्र Maharashtra <br> (2) | भारत <br> India <br> (3) | महाराष्ट्र Maharashtra <br> (4) | भारत <br> India <br> (5) | महाराष्ट्र Maharashtra (6) | भारत <br> India <br> (7) |
| 1951 | $\ldots$ | 3.20 | 36.11 | (+) 19.27 | (+) 13.31 | 20.5 | $18.3 \dagger$ |
| 1961 | ... | 3.96 | 43.92 | (+) 23.60 | (+) 21.51 | 35.1 | 28.3 |
| 1971 | $\ldots$ | 5.04 | 54.82 | (+) 27.45 | (+) 24.80 | 45.8 | 34.5 |
| 1981 | $\ldots$ | 6.28 | 68.52 | (+) 24.54 | (+) 25.00 | 55.8 | 43.7 * |
| 1991 | $\ldots$ | 7.89 | 84.63 † | (+) 25.73 | (+) $23.85 \dagger$ | 64.9 | 52.2 @@ |
| 2001 | ... | 9.69 | 102.86 | (+) 22.73 | (+) 21.54 | 76.9 | 64.8 ** |

$\dagger$ जम्मू व काश्मीरची प्रक्षेपित केलेली लोकसंख्या धरून/Including projected population of Jammu \& Kashmir.
$\dagger$ १९५१, १९६१ व ११७२ ची साक्षरतेची टक्केवारी ५ वर्षे व त्यापेक्षा अधिक वयाच्या लोकसंख्येसाठी आहे. १९८२, १९९१ व २००१ ची साक्षरतेची टक्केवारी ७ वर्षे व त्यापेक्षा अधिक बयाच्या लोकसंख्येसाठी आहे. / Literacy rates for 1951, 1961 and 1971 relate to population aged 5 years and above. The rates for the years 1981, 1991 and 2001 relate to population aged 7 years and above.

* १९८१ च्या साक्षरतेची टक्केवारी आसाम आणि जम्मू व काश्मीर सोडून/Literacy percentage of 1981 is excluding Assam and Jammu \& Kashmir. @@ २९९१ च्या साक्षरतेची टक्केवारी जम्मू व काश्मीर सोडून/Literacy percentage of 1991 is excluding Jammu \& Kashmir.
** २००१ च्या साक्षरतेची टक्केवारी गुजरात व हिमाचल प्रदेश मधील नैसर्गिक आपसीमुने बाधित झालेल्या क्षेत्रांतील लोकसंख्या व साक्षरांची संख्या वगव्यून./
Literacy percentage of 2001 is excluding the population and number of literates in the areas affected by natural calamities in Gujrat and Himachal Praderh


## तक्ता क्रमांक / TABLE No. 47 <br> महाराष्ट्रातील ग्रामीण आणि नागरी लोकसंख्या RURAL AND URBAN POPULATION IN MAHARASHTRA

| अनु.क्र. <br> Serial <br> No. | वर्ष <br> Year | लोकसंख्या (कोटीत)/Population (In crore) |  |  |  |  | नगरी लोकसंख्येची एक्ण लोकसंख्येशी टक्केवारी Percentage of urban population to total population <br> (8) | स्त्री-पुरुष प्रमाण (स्त्रियांची संख्या प्रति हजार पुरुष) Sex Ratio (No.of females per thousand males) |  |  | घनता <br> (लोकसंख्या प्रति चौ. कि.मीटर) Density (No. of persons per <br> sq. km.) <br> (12) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  | ग्रामीण <br> Rural | नागरी <br> Urban | $\begin{aligned} & \text { एकूण } \\ & \text { Total } \end{aligned}$ | पुरुष <br> Males | स्त्रिया <br> Females |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  | एकूण <br> Total | ग्रामीण <br> Rural | नागरी <br> Urban |  |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |  | (9) | (10) | (11) |  |
| 1 | 1901 | 1.62 | 0.32 | 1.94 | 0.98 | 0.96 | 16.59 | 978 | 1,003 | 862 | 67 |
| 2 | 1911 | 1.82 | 0.32 | 2.15 | 1.09 | 1.06 | 15.13 | 967 | 1,000 | 796 | 75 |
| 3 | 1921 | 1.70 | 0.39 | 2.09 | 1.07 | 1.02 | 18.50 | 950 | 994 | 776 | 73 |
| 4 | 1931 | 1.95 | 0.45 | 2.40 | 1.23 | 1.17 | 18.60 | 947 | 987 | 790 | 83 |
| 5 | 1941 | 2.12 | 0.57 | 2.68 | 1.38 | 1.31 | 21.11 | 949 | 989 | 810 | 94 |
| 6 | 1951 | 2.28 | 0.92 | 3.20 | 1.65 | 1.55 | 28.75 | 941 | 1,000 | 807 | 106 |
| 7 | 1961 | 2.84 | 1.12 | 3.96 | 2.04 | 1.91 | 28.22 | 936 | 995 | 801 | 129 |
| 8 | 1971 | 3.47 | 1.57 | 5.04 | 2.61 | 2.43 | 31.17 | 930 | 985 | 820 | 164 |
| 9 | 1981 | 4.08 | 2.20 | 6.28 | 3.24 | 3.04 | 35.03 | 937 | 967 | 850 | 204 |
| 10 | 1991 | 4.84 | 3.05 | 7.89 | 4.08 | 3.81 | 38.69 | 934 | 972 | 875 | 257 |
| 11 | 2001 | 5.58 | 4.11 | 9.69 | 5.04 | 4.65 | 42.43 | 922 | 960 | 873 | 315 |

[^36]
## तक्ता क्रमांक / TABLE No. 48

महाराष्ट्र राज्याचे नमुना नोंदणी पाहणीवर आधारित जन्मदर, मृत्युदर, बालमृत्युदर व एकूण जननदर
BIRTH RATES, DEATH RATES, INFANT MORTALITY RATES AND TOTAL FERTILITY RATES BASED ON SAMPLE REGISTRATION SCHEME, MAHARASHTRA STATE


टीप/Note - (१) कंसांतील आकडे भारताकरिता आहेत/Bracketed figures are for India.
(२) * जम्म व काशमीर वगळन / Excludes Jammu \& Kashmir
(३) जन्म दर व मृत्यू दर एक हजार लोकसंख्येमागे आहेत/Birth rates and Death rates are per thousand population
( $\gamma$ ) बालमृत्यू दर एक हजार जीवित जन्मामागे आहेत/Infant mortality rates are per thousand live births.
(५) \# नागालँड (ग्रामीण) वगळून /Excludes Nagaland (Rural)

आषार - (१) नमुना नोदणी पाहणी पत्रिका, महानिबंधक, भारत सरकार, नवी दिल्ली
(२) $\$$ राष्ट्रीय कुटुंब आरोग्य पाहणी - ३

Source
(1) Sample Registration Scheme Bulletin, Registrar General of India, New Delhi
(2) $\$$ National Family Health Survey - III

तक्ता क्रमांक / TABLE No. 49
काम करणा-या लोकांची जनगणना २००१ अनुसार आर्थिक वर्गवारी

## ECONOMIC CLASSIFICATION OF WORKERS AS PER POPULATION CENSUS 2001

(हजारात/In thousand)

| करणा-यांची वर्गवारी <br> (1) | मुख्यतः/ <br> सीमांतिक। <br> एकूण <br> (2) | महाराष्ट्र <br> Maharashtra |  |  | $\begin{aligned} & \text { भारत * } \\ & \text { India* } \end{aligned}$ |  |  | Main/ <br> Marginal/ Total <br> (2) | Class of workers(1) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  | पुरुष <br> Males <br> (3) | स्त्रिया <br> Females <br> (4) | एकूण <br> Total <br> (5) | पुरुष <br> Males <br> (6) | स्त्रिया <br> Females (7) | एकूण <br> Total <br> (8) |  |  |
| (अा) काम करणारे 1 शेतकरी |  |  |  |  |  |  |  |  | (A) Workers |
|  | मुख्यत: | 6,181 | 4,001 | 10,182 | 78,259 | 25,367 | 1,03,626 | Main | Cultivators |
|  | सीमांतिक | 500 | 1,132 | 1,632 | 7,158 | 16,529 | 23,687 | Marginal |  |
|  | एकूण | 6,681 | 5,133 | 11,813 | 85,416 | 41,896 | 1,27,313 | Total |  |
| 2 शेतमजूर | मुख्यत: | 3,942 | 3,700 | 7,641 | 41119 | 22,378 | 63,497 | Main | Agricultural labourers |
|  | सीमांतिक | 982 | 2,192 | 3,174 | 16,210 | 27,068 | 43,278 | Marginal |  |
|  | एकूण | 4,924 | 5,891 | 10,815 | 57,329 | 49,446 | 1,06,775 | Total |  |
| 3 घरगुती उद्योग | मुख्यत: | 494 | 316 | 810 | 7,509 | 4,697 | 12,206 | Main | Workers engorad in |
|  | सीमांतिक | 73 | 206 | 279 | 1,235 | 3,516 | 4,751 | Marginal | Household Inustries |
|  | एकूण | 567 | 522 | 1,089 | 8,744 | 8,213 | 16,957 | Total |  |
| इतर | मुख्यत: | 13,800 | 2,315 | 16,115 | 1,13,261 | 20,415 | 1,33,676 | Main | Other |
|  | सीमांतिक | 881 | 460 | 1,340 | 10,264 | 7,250 | 17,514 | Marginal |  |
|  | एकूण | 14,681 | 2,775 | 17,455 | 1,23,525 | 27,665 | 1,51,190 | Total |  |
| एकूण (अ) | मुख्यत: | 24,416 | 10,332 | 34,748 | 2,40,148 | 7.2,857 | 3,13,005 | Main | Total (A) |
|  | सीमांतिक | 2,436 | 3,989 | 6,425 | 34,867 | 54,363 | 89,230 | Marginal |  |
|  | एकूण | 26,852 | 14,321 | 41,173 | 2,75,014 | 1,27,220 | 4,02,235 | Total |  |
| (ब) काम न करणारे एकूण (अ+ब) | एकूण | 23,549 | 32,157 | 55,705 | 2,57,142 | 3,69,233 | 6,26,376 | Total | (B) Non-Workers |
|  |  | 50,401 | 46,478 | 96,879 | 5,32,157 | 4,96,454 | 10,28,610 |  | Total ( $\mathrm{A}+\mathrm{B}$ ) |

* मणिपूर राज्यातील सेनापती जिल्हयातील माओ-मारम, पाओमाटा आणि पुरूल हे उपविभाग वगळून.

Excludes Mao-Maram, Paomata and Purul sub-divisions of Senapti district of Manipur state.
ट्टीप - आकडे संक्षिप्तात दिल्याने बेरजा जुळतीलच असे नाही.
.Note - Figures may not add up to totals due to rounding.
आधार - i) महानिबंधक व गणना आयुक, भारत सरकार, नवी दिल्ली
ii) संचालक, जनगणना कार्यालय, महाराष्ट्र, मुंबई
:Source- i) Registrar General and Census Commissioner, Government of India, New Delhi
ii) Director of Census Operations, Maharashtra, Mumbai

## महाराष्ट्र राज्यातील प्रमुख उद्योग गटांनुसार कारखान्यांतील रोजगार

FACTORY EMPLOYMENT IN MAJOR INDUSTRY DIVISIONS IN MAHARASHTRA STATE

| उद्योग गट | सरासरी दैनिक रोजगार (संख्या) <br> Average daily employment (No.) |  |  | एकूणशी टक्केवारी Percentage to total |  |  | Industry Division |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| (1) | 1961 <br> (2) | $2005$ <br> (3) | 2006 <br> (4) | 1961 <br> (5) | 2005 <br> (6) | 2006 <br> (7) |  |
| (अ) ग्राहक वस्तू उद्योग | 5,10,254 | 4,21,571 | 4,22,523 | 64.8 | 33.5 | 33.0 | A. Consumer goods industries |
| 1. खाद्य उत्पादने, पेये, व तंबाखूची उत्पादने | 90,190 | 1,55,464 | 1,53,858 | 11.4 | 12.4 | 12.0 | Food products,beveragees and tobacco products |
| 2. वस्त्रोद्योग <br> (परिधान करण्याची वस्त्रे धरुन) | 3,69,157 | 1,91,670 | 1,89,650 | 46.9 | 15.2 | 14.8 | Textiles <br> (including wearing appareels) |
| 3. लाक्ड आणि लाकडाची उत्पादने. | 10,873 | 15,980 | 16,677 | 1.4 | 1.3 | 1.3 | Wood and wood productts |
| 4. कागद आणि कागदाची उत्पादने, मुद्रण, प्रकाशन इत्यादी | 38,982 | 55,444 | 59,214 | 5.0 | 4.4 | 4.6 | Paper and paper productrs, pubblishing, printing etcc. |
| 5. कातडी कमावणे व घामड्याची उत्पादने | 1,052 | 3,013 | 3,124 | 0.1 | 0.2 | 0.3 | Tanning and dressing off leather and leather products |
| (ब) पुनर्निर्माण वस्तू उद्योग | 1,29,631 | 3,94,592 | 4,10,767 | 16.5 | 31.4 | 32.1 | B. Intermediate goods industries |
| 6. रसायने व रासायनिक उत्पादने | 34,048 | 1,44,222 | 1,46,352 | 4.3 | 11.5 | 11.4 | Chemicals and chemical products |
| 7. पेट्रोलियम, रबर, प्लास्टिक यांची उत्पादने | 17,379 | 63,691 | 65,698 | 2.2 | 5.1 | 5.2 | Petroleum, rubber, plastic products |
| 8. अधातू खानज उत्पादने | 28,351 | 33,227 | 32,086 | 3.6 | 2.6 | 2.5 | Non-metallic mineral products |
| 9. मूलभूत धातू व धातू उत्पादने | 49,853 | 1,53,452. | 1,66,631 | 6.4 | 12.2 | 13.0 | Basic metals and metall products |
| (क) भांडवली वस्तू उद्योग | 1,21,920 | 3,39,883 | 3,43,905 | 15.5 | 27.0 | 26.8 | C. Capital goods industries |
| 10. यंत्रे व यंत्रसामग्री (परिवहन सामग्री वगळून) | 59,396 | 1,74,921 | 1,78,367 | 7.5 | 13.9 | 13.9 | Machinery and equipments (other than transport equipments) |
| 11. परिवहन सामग्री | 46,867 | 95,528 | 95,852 | 6.0 | 7.6 | 7.5 | Transport equipments |
| 12. इतर वस्तुनिम्माण उद्योग | 15,657 | 69,434 | 69,686 | 2.0 | 5.5 | 5.4 | Other manufacturing industries |
| (ड) इतर |  |  |  |  |  |  | D. Others |
| 13. इतर | 25,574 | 1,02,152 | 1,03,522 | 3.2 | 8.1 | 8.1 | Others |
| . एकूण | 7,87,379 | 12,58,198 | 12,80,717 | 100.0 | 100.0 | 100.0 | Total |

[^37]

\begin{tabular}{|c|c|c|c|c|c|c|c|c|c|c|c|c|}
\hline \& \& \& \multicolumn{3}{|r|}{शकीवर चालणारे कारखाने Power operated factories} \& \multicolumn{3}{|l|}{बिगर शक्रीवर चालणारे कारखाने Non-power operated factories} \& \multicolumn{3}{|c|}{\begin{tabular}{l}
सर्व कारखाने \\
All factories
\end{tabular}} \& \\
\hline वर्ष
(1) \& \begin{tabular}{l}
बाब ** \\
Item \\
(2)
\end{tabular} \& \& \begin{tabular}{l}
40 पेक्षा कमी कामगार कामावर असलेले Employing less than 50 workers \\
(3)
\end{tabular} \& \begin{tabular}{l}
40 किवा अधिक कामगार कामावर असलेले Employing 50 or more workers \\
(4)
\end{tabular} \& शक्तीवर चालणारे एकुण कारखाने Total power operated (5) \& \begin{tabular}{l}
40 पेक्षा कमी कामगार कामाबर असलेले \\
Employing less than 50 workers (6)
\end{tabular} \& 40 किवा अधिक कामगार कामावर असलेले Employing 50 or more workers (7) \& बिगर शक्तीवर चालणारे एकूण कारखाने Total non-power operated (8) \& \begin{tabular}{l}
५० पेक्षा कमी \\
कामगार \\
कामावर \\
असलेले \\
Employing \\
less than \\
50 workers \\
(9)
\end{tabular} \& 40 किवा अधिक कामगार कामावर असलेले Employing 50 or more workers (10) \& \begin{tabular}{l}
एकूण सर्व कारखाने \\
Total all factories (11)
\end{tabular} \& Year

(1) <br>

\hline २००? \& | कारखाने / Factories |
| :--- |
| रोजगार/Employment | \& $\ldots$ \& \[

$$
\begin{array}{r}
15,977 \\
266
\end{array}
$$

\] \& \[

$$
\begin{array}{r}
3,929 \\
891
\end{array}
$$

\] \& \[

$$
\begin{array}{r}
19,906 \\
1,157
\end{array}
$$

\] \& \[

$$
\begin{array}{r}
8,393 \\
42
\end{array}
$$

\] \& \[

$$
\begin{array}{r}
25 \\
2
\end{array}
$$

\] \& \[

$$
\begin{array}{r}
8,418 \\
44
\end{array}
$$

\] \& \[

$$
\begin{array}{r}
24,370 \\
308
\end{array}
$$

\] \& \[

$$
\begin{array}{r}
3,954 \\
893
\end{array}
$$

\] \& \[

$$
\begin{array}{r}
28,324 \\
1,201
\end{array}
$$
\] \& 2001 <br>

\hline २00६ \& | कारखाने / Factories |
| :--- |
| रोजगार / Employment | \& $\ldots$ \& \[

$$
\begin{array}{r}
17,315 \\
330
\end{array}
$$

\] \& \[

$$
\begin{array}{r}
5,213 \\
909
\end{array}
$$

\] \& \[

$$
\begin{array}{r}
22,528 \\
1,239
\end{array}
$$

\] \& \[

$$
\begin{array}{r}
8,137 \\
40
\end{array}
$$

\] \& 19 \& \[

$$
\begin{array}{r}
8,156 \\
42
\end{array}
$$

\] \& \[

$$
\begin{array}{r}
25,452 \\
370
\end{array}
$$

\] \& \[

$$
\begin{array}{r}
5,232 \\
911
\end{array}
$$

\] \& \[

$$
\begin{array}{r}
30,684 \\
1,281
\end{array}
$$
\] \& 2006 <br>

\hline
\end{tabular}

** कारखाने-चालू कारखान्यांची संख्या, रोजगार-रोजगारांची दैनिक सरासरी.
३९७४ पासून विडी कारखान्यांची नोंद यातून कादून वेगळ्या अधिनियमाखाली समाविष्ट करण्यात आली आहे.

टीप - (१) रोजगारात प्रपत्र न पाठविणा-या कारखान्यांतील देनिक सरासरी रोजगारांचा समावेश आहे.
(२) वरील आकडे १९४८ च्या कारखाना अधिनियमांखाली येणा-या कारखान्यासंबंधीचे आहेत.
(३) २००६ चे आकडे अस्थायी स्वरूपाचे आहेत.
(४) "बिगर शत्तीवर चालणारे कारखाने" यामध्ये कारखाना अधिनियम, ३९४८ च्या विभाग ८५ खाली नोंदविलेल्या शत्तीवर चालणा-या लहान कारखान्यांचा समावेश आहे.
(५) रोजगाराचे आकडे संक्षिप्तात लिहिल्यामुळे काही ठिकाणी बेरजा जुळणार नाहीत.

आधार - ओध्योगिक सुरक्षा व आरोग्य संचालनालय, महाराष्ट्र राज्य, मुंबई.

* F Factories-Number of working factories, Employment-Average Daily Employment. Bidi factories are deregistered and covered under separate Act from 1974.

Note - (1) Employment includes estimated average daily employment of factories not submitting returns.
(2) Figures pertain to the factories registered under the Factories Act, 1948.
(3) Figures for 2006 are provisional
(4) Non-power operated factories are inclusive of the power operated small factories registered under section 85 of the Factories Act,1948.
(5) Details may not add up to totals due to rounding in respect of employment.

Source - Directorate of Industrial Safety and Health, Maharashtra State, Mumbai.

| EMPLOYMENT IN DIFFERENT INDUSTRIES IN MAHARASHTRA STATE |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | (शंभरात /In hundred) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| अनुक्रमांक <br> Serial <br> उद्योग गट | सरासरी दैनिक रोजगार |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Industry Group |
| No. <br> (1) <br> (2) | $\begin{gathered} 1961 \\ (3) \end{gathered}$ | $\begin{gathered} 1966 \\ (4) \end{gathered}$ | $\begin{gathered} 1971 \\ (5) \end{gathered}$ | $\begin{gathered} 1976 \\ (6) \end{gathered}$ | $\begin{gathered} 1981 \\ (7) \end{gathered}$ | $\begin{gathered} 1986 \\ (8) \end{gathered}$ | $\begin{gathered} 1991 \\ (9) \end{gathered}$ | $\begin{aligned} & 1996 \\ & (10) \end{aligned}$ | $2001$ | $\begin{aligned} & 2006 \\ & (12) \end{aligned}$ | (2) |
| 1 खाद्य उत्पादने, पेये व तंबाखूची उत्पादने | 902 | 916 | 921 | 839 | 965 | 1,196 | 1,330 | 1,591 | 1,662 | 1,539 | Food products, beverages and tobacco products |
| 2 वस्त्रोद्योग (परिधान करण्याची वस्त्रे धरुन) | 3,691 | 3,470 | 3,516 | 3,567 | 3,554 | 2,928 | 2,527 | 2,477 | 2,167 | 1,897 | Textiles (including wearing apparels) |
| 3 लाकूड आणि लाकडाची उत्पादने | 109 | 111 | 75 | 62 | 75 | 152 | 152 | 153 | 154 | 167 | Wood and wood products |
| 4 कागद, कागदाची उत्पादने, मुद्रण व प्रकाशन | 390 | 451 | 494 | 511 | 549 | 530 | 491 | 546 | 525 | 592 | Paper, paper products, printing and publishing |
| 5 कातडी कमावणे व चामड्याची उत्पादने | 11 | 13 | 14 | 23 | 25 | 27 | 35 | 36 | 25 | 31 | Tanning and dressing of leather and leather products |
| 6 रसायने व रासार्यानक उत्पादने | 340 | 519 | 760 | 947 | 1,059 | 1,034 | 1,215 | 1,361 | 1,299 | 1,463 | Chemicals and chemical products |
| 7 पेट्रोलियम, रबर, प्लास्टिक यांची उत्पादने | 174 | 245 | 349 | 353 | 421 | 464 | 482 | 563 | 535 | 657 | Petroleum, rubber, plastic products |
| 8 अधातू खनिज उत्पादने | 284 | 339 | 402 | 403 | 403 | 399 | 423 | 368 | 317 | 321 | Non-metallic mineral products |
| 9 मूलभूत धातू, धातूची उत्पादने | 499 | 708 | 924 | 1,044 | 1,310 | 1,181 | 1,301 | 1,448 | 1,311 | 1,666 | Basic metals, metal products |
| 10 यंत्रे व यंत्रसामग्री (परिवहन सामग्री वगबून) | 594 | 1,017 | 1,322 | 1,431 | 1,786 | 1,728 | 1,614 | 1,773 | 1,720 | 1,784 | Machinery and equipments (other than transport equipments) |
| 11 परिवहन सामग्री | 469 | 502 | 608 | 701 | 903 | 1,004 | 867 | 1,018 | 1,025 | 958 | Transport equipments |
| 12 इतर वस्तुनिम्याण उद्योग | 157 | 186 | 180 | 169 | 209 | 171 | 231 | 301 | 395 | 697 | Other manufacturing industries |
| 13 इतर | 256 | 315 | 412 | 431 | 663 | 681 | 1,016 | 1,152 | 870 | 1,035 | Others |
| एकूण | 7,873 | 8,792 | 9,977 | 10,481 | 11,922 | 11,496 | 11,684 | 12,787 | 12,006 | 12,807 | Total |

टीष - (?) आकडे संक्षिप्तात दिल्याने काही ठिकाणी बेरजा जुळणार नाहीत.
(२) २९७४ पासून विडी कारखान्यांची नोंद वेगळला अधिनियमात करण्यात आली.
(३) २००६ चे आकडे अस्थायी आहेत.

आधार - औद्योगिक सुरक्षा व आरोग्य संचालनालय, महाराष्ट्र राज्य, मुंबई.

Note .
(1) Details may not add up to totals due to rounding.
(2) Bidi factories are covered under separate Act from 1974
(3) Figures for 2006 are provisional.

Source - Directorate of Industrial Safety and Health, Maharashtra State, Mumbai.

तक्ता क्रमांक / TABLE No. 53
राज्यातील रोजगार व स्वयंरोजगार मार्गदर्शन केंद्रांमध्ये नोंदणी झालेल्या व्यक्तींची संख्या, अधिसूचित केलेली रिक्त पदे ब भरलेली पदे
REGISTRATIONS IN THE EMPLOYMENT AND SELF EMPLOYMENT GUIDANCE CEN'TRES IN THE STATE, THE VACANCIES NOTIFIED AND PLACEMENTS EFFECTED
(हजारात/In thousand)


आधार - रोजगार व स्वयंरोजगार संचालनालय, महाराष्ट्र शासन, नवी मुंबई.
Source - Directorate of Employment and Self - Employment, Government of Maharashtra, Navi Mumbai.

तक्ता क्रमांक / TABLE NO. Fu
रोजगार व स्वयंरोजगार मार्गदर्शन केंद्रांच्या चालू नोंदवहीत डिसेंबर, २००७ अखेर असलेल्या न्यक्तींची संख्या NUMBER OF PERSONS ON THE LIVE REGISTER OF EMPLOYMENT AND SELF-EMPLOYMENT GUIDANCE CENTRES AS AT THE END OF DECEMBER, 2007

| 月 ${ }^{\text {d }}$ |  | वराइतो | पेकां स्त्रिया | स्नियांची टक्केवारी | एकूण बंर्जेर्शी ट्यक्तींचीं टक्केवारी |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| Sreve | सेक्ष्तोण गत्रता | Persons | of which, females | Percentage of females | Percentage of persons to grand total | Educational Qualification |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (2) |


| 1 नाधांगक गालांत परीक्षेपेक्षा करी ( $ल न \overrightarrow{क ् ष र ~ ध र न न) ~}$ | 4,89,677 | 94.689 | 19.33 | 15.24 | Below S.S.C <br> (including illiterates) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | 10.57.245 | 2,40,408 | 23.59 | 32.90 | S.s.6. Passed |
| 3. 亏- मध्यमिक झालनात परीक्षा उर्ताणं | 8,88,399 | 2,35,676 | 26.52 | 27.64 | IISC. Passed |
| 1. 3ंनस प्रशश्क्ष्त व ंशकाक उमेदवार | 1,82,867 | 19,78i | 1082 | 5.69 | 1.T.l. trained and Apprentices |
| 5 उर्यांकाधारक |  |  |  |  | Diploma holder |
| 3.1 र्अभयगांत्रिकी/तंत्रज्ञान | 45,477 | 5,898 | 12.96 | 1.42 | Engineering/Technology |
| $\therefore 2$ वैद्यकीय. डौगएम एल्न ही व गार्मंसं | - | -- | -- | -- | Medicine, DMLT and Pharmacy |
| 6.3 हतर | 61.973 | 6,217 | 8.41 | 1.92 | Others |
| एकूण (5.1 ते 5.3) | 1,07,450 | 11,115 | 10.34 | 3.34 | Total (5.1 to 5.3) |
| 6. चंतोधर |  |  |  |  | Graduate |
| Q. 1 सभयांत्रको/तंत्ञान | 16,292 | 3,026 | 18.57 | 0.51 | Engineering/Techuology |
| 6.2 बौद्यकीय | 3,060 | 1,469 | 48.00 | 0.09 | Medicine |
| 6.3 इतर | 4,29,263 | 1,51,270 | 35.23 | 13.36 | Others |
| एकुण 6.1 ते (6.3) | 4,48,615 | 1,55,765 | 34.72 | 13.96 | Total (6.1 to 6.3) |
| 7. पदक्युत्तर पदर्वाधर |  |  |  |  | Post-Graduate |
| T. 1 अभयदांत्रिकी/तंत्रज्ञान | 903 | 33 | 3.65 | 0.03 | Engineering/Technology |
| 7.2 वंद्यकीय | 77 | 64 | 83.11 | * | Medicine |
| 7.3 इतर | 38,594 | 15,066 | 39.03 | 1.20 | Others |
| अकूप (7.1 ते 7.3) | 39,574 | 15,163 | 38.31 | 1.23 | Total (7.1 to 7.3) |
| एक्ण बेरीज | 32,13,827 | 7,81,652 | 24.32 | 100.00 | Grand Total |

टीप, Note - *नगण्य / Negligible
आधार - रोजगार व स्वयंरोजगार संचालनालय, महाराष्ट्र शासन, नवी मुंबई
Source - Directorate of Employment and Self-Employment, Government of Maharashtra, Navi Mumbai

तक्ता क्रमांक / TABLE No. 55
रोजगार हमी योजनेखाली महाराष्ट्र राज्यात घेण्यात आलेली प्रकारानुसार कामे व त्यांवरील खर्च CATEGORYWISE NUMBER OF WORKS AND EXPENDITURE INCURRED THEREON UNDER THE EMPLOYMENT GUARANTEE SCHEME IN MAHARASHTRA STATE
(रुपये लाखात/Rs. in lakh)


## (0) फळबागा वगळून / Excluding Horticuiture

आधार - नियोजन विभाग, महाराष्ट्र शासन, मुंबई
Source- Planning Department, Government of Maharashtra,Mumbai.

# महाराष्ट्र राज्यात राबविण्यात येणा-या केंद्र पुरस्कृत रोजगार कार्यक्रमांची प्रगती <br> PERFORMANCE OF CENTRALLY SPONSORED EMPLOYMENT PROGRAMMES IMPLEMENTED IN MAHARASHTRA STATE 



| १. संपूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना ** |  |  |  |  | * Sampoorna Gramin Rojgar Yojana |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| अ) उपलब्ध निधी मागोल वर्षांचा अखर्चित निधी धरुन (कोटी रुपये) | 564.81 | 383.39 | 314.07 | 193.49 | a) Funds available including unspent balance of last year (Crore Rs.) |
| ब) झालेला खर्च (कोटी रुपये) | 533.61 | 367.38 | 223.40 | 136.06 | b) Expenditure incurred (Crore Rs.) |
| क) रोजगार निर्मिती (कोटी मनुर्ष्यदिवस) | 6.59 | 4.46 | 2.63 | 1.37 | c) Employment generated (crorepersondays) |

२ स्वर्णजयंती ग्राम स्वरोजगार योजना

| २.१ एकूण स्वरोजगारी (संख्या) | 73,839 | 84,707 | 39,273 | 49,054 |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| अ) वैर्यक्तिक स्वरोजगारी (संख्या) | 8,600 | 8,249 | 3,502 | 4,827 |
| ब) स्वस्लाग्य गट स्वरोजगारी (संख्या) | 65,239 | 76,458 | 35,771 | 44,227 |
| २.२ स्वरोजगारोंना एकूण अनुदान (कोटी रुपये) | 69.06 | 81.09 | 38.01 | 46.24 |
| अ) वैयक्तिक स्वरोजगारी (कोटी रुपये) | 9.50 | 10.08 | 4.65 | 5.84 |
| ब) स्वसहाख्य गट स्वरोजगारी (कोटी रुपये) | 59.56 | 71.01 | 33.36 | 40.40 |
| २.३ स्वरोजगारीना एकुण कर्ज (कोटी रुपये) | 117.45 | 144.43 | 66.80 | 86.22 |
| अ) वैर्यक्तिक स्वरोजगारी (कोटी रुपये) | 20.99 | 21.94 | 10.01 | 12.82 |
| ब) स्वसहाय्य गट स्वरोजगारी (कोटी रुपये) | 96.46 | 122.49 | 56.79 | 73.40 |
| २.४ सहाय्योत स्वसहाय्य गट (संख्या) | 6,191 | 7,345 | 3,446 | 4,224 |

₹ स्वर्णजयंती शहरी रोजगार योजना
३.? उपलब्ध निधी

| अ) केंद्र शासन (कोटी रुपये) | 25.52 | 37.76 | 32.76 | 59.44 |
| :--- | ---: | ---: | ---: | ---: |
| ब) राज्य शासन (कोटी रुपये) | 9.92 | 11.10 | 6.92 | 12.00 |
| शहरी स्वयंरोजगार कायंक्रम *ंः* |  |  |  |  |
| अ) लक्ष्य (लाभधारकांची संख्या) | 14,689 | 7,510 | 7,510 | 23,121 |
| ब) साध्य (लाभधारकांची संख्या) | 7,162 | 2,918 | 620 | 327 |
| क) झालेला खर्च (कोटी रुपये) | 2.90 | 1.44 | 0.23 | 0.15 |

Swarnajayanti Gram Swarojgar Yojana
2.1 Total Swarojgaries (Number)
a) Individuals Swarojgaries (Number)
b) SHG swarojgaries (Number)
2.2 Total subsidy to Swarojgaries (Crore Rs.)
a) Individuals Swarojgaries (Crore Rs.)
b) SHG swarojgaries (Crore Rs.)
2.3 Total credit to Swarojgaries (Crore Rs.)
a) Individuals Swarojgaries (Crore Rs.)
b) SHG swarojgaries (Crore Rs.)
2.4 Self Help Group Assisted (Number)

Swarnjayanti Shahari Rojgar Yojana
3.1 Funds available
a) Central Government (Crore Rs.)
b) State Government (Crore Rs.)
***:3.2 Urban Self Employment Programme
a) Target (Number of Beneficiaries)
b) Achievement (Number of Beneficiaries)
c) Expenditure incurred (Crore Rs.)
****3.3 Training
a) Target (Number of Trainees)
b) Achievement (Number of Beneficiaries)
c) Expenditure incurred (Crore Rs.)
*: *: 3.4 Urban Wage Employment Programme
a) Target (Lakh person days)
b) Achievement (Employment generated lakh person days)
c) Expenditure incurred (Crore Rs.)

४ पंतप्रधान रोजगार योजना
अ) मंजूर कर्ज (कोटी रुपये
ब) लाभधारक (संख्या)
200.45
197.92
102.71
99.29

Prime Minister's Rojgar Yojana
a) Loan sanctioned (Crore Rs.)
b) Beneficiaries (Number)
\% वार्षिक / Annual
\#** आकडे नोक्ठेंबर, ० पर्यंतचे आहेत.
*** आकडे सप्टेंबर, o७ पर्यंतचे आहेत.
**: Figures are upto November-2007
*** Figures are upto September-2007

# तक्ता क्रमांक / TABLE No. 57 

महाराष्ट्र राज्यातील औद्योगिक विवाद *

## INDUSTRIAL DISPUTES IN MAHARASHTRA STATE *

(भाग घंतलेले कामगार ब वाया गेलेले श्रर्मदन शंभरात/


| 1. कापड गिरण्या-- |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Textile mills - |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| (अ) संप व टाळेबंदींचो संख्या | 34 | 156 | 72 | 66 | 28 | 10 | 11 | 12 | 6 | 6 | 6 | 4 | (a) No. of strikes and lockouts |
| (ब) भाग घेतलेले कामगार | 172 | 3,197 | 955 | 564 | 108 | 61 | 38 | 86 | 17 | 17 | 17 | 14 | (b) Workers participated |
| (क) वाया गेलेले मनुष्यदिन | 356 | 9,702 | 1,917 | 47,356 | 5,920 | 2,368 | 5,492 | 4,533 | 5,666 | 3,063 | 938 | 856 | (c) Person days lost |
| 2. अभियांत्रिकी कारखाने-- <br> (अ) संप व टाळेबंदोंची संख्या | 57 | 211 | 143 | 119 | 65 | 59 | 47 | 28 | 12 | 9 | 7 | 8 | Engineering factories (a) No. of strikes and lockouts |
| (ब) भाग घेतलेले कामगार | 122 | 469 | 276 | 412 | 140 | 110 | 184 | 65 | 25 | 30 | 20 | 11 | (b) Workers participated |
| (क) वाया गेलेले मनुष्यदिन | 1,071 | 5,641 | 1,747 | 16,209 | . 10,927 | 14,462 | 26,720 | 25,786 | 25,317 | 18,024 | 2,890 | 2452 | (c) Person days lost |
| 3. संकीर्ण-- |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Miscellaneous - |
| (अ) संप व टाळेबंदीची संग्र्या | 183 | 323 | 122 | 451 | 207 | 148 | 54 | 19 | 9 | 8 | 10 | 10 | (a) No. of strikes and lockouts |
| (ब) भाग घेतलेले कामगार | 541 | 841 | 287 | 1,031 | 584 | 423 | 144 | 85 | 23 | 17 | 38 | 36 | (b) Workers participated |
| (क) वाया गेलेले मनुष्यादिन | 4,329 | 5,182 | 546 | 31,489 | 36,131 | 29,663 | 15,148 | 15,896 | 12,561 | 6,738 | 7,024 | 6,245 | (c) Person days lost |
| 4. एकूण-- |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Total - |
| (अ) संप व टाळ्बेंदीची संग्या | 274 | 690 | 337 | 636 | 300 | 217 | 112 | 59 | 27 | 23 | 23 | 22 | (a) No. of strikes and lockouts |
| (ब) भाग घेतलेले कामगार | 834 | 4,507 | 1,519 | 2,007 | 831 | 594 | 366 | 237 | 65 | 63 | 75 | 51 | (b) Workers participated |
| (क) बाया गेलेले मनुर्प्यदिन | 5,756 | 20,525 | 4,210 | 95,054 | 52,978 | 46,493 | 47,360 | 52,309 | 43,543 | 27,825 | 10,852 | 9,553 | (c) Person days lost. |

टीप- (१) @ २००७ चे आकडे अस्थायी स्वरुपाचे आहेत.
(२) बाब क्रमांक $\gamma$ (ब) व $\gamma$ (क) समोरील आकडे संक्षिप्तात दिल्याने प्रत्यक्ष बेरजेशी जुळतीलच असे नाही.
(३) * राज्य औद्योगिक संबंध यंत्रणणालील. आधार - कामगार आयुक, महाराष्ट्र शासन, मुंबई

Note. (1) @ Figures for 2007 are provisional.
(2) Figures against item No. 4 (b) and 4 (c) may not tally against actual totals due to rounding.
(3) * Under State Industrial Relations Machinery.

Source - Commissioner of Labour, Government of Maharashtra, Mumbai.


## E- अंदाजित/Estimated.

$\dagger$ शालेय व पदवीपूर्व व्यवसाय शिक्षण संस्था वगळ्टून/Excluding school level and pre-degree level vocational institutions.
@ १९९४-१५ पासून कनिष्ठ महाविद्यालयांचा समावेश उँच्च माध्यमिक शिक्षणामध्ये केला आहे/From 1994-95 onwards junior colleges are included in higher secondary education.

* १९९४-९५ पासून वैद्यकीय, अभियांत्रिकी व कृषि संस्था वगळल्या आहेत/From 1994-95 Medical, Engineering and Agricultural Institutions are excluded.

आधार - शिक्षण संचालनालय, महाराष्ट्र शासन, पुणे.
Source - Directorate of Education, Government of Maharashtra, Pune


[^38]** यात सर्वसाधारण परिचर्यां व प्रसविका आरण सहाय्यकारी परिचर्या व प्रर्ावकाच्या १९ संस्थांचा समावेश आहे./ This includes 19 institutions of G.N.M. \& AN.M.
आधार - संचालनालय वैद्यकीय शिक्षण आणि संशोधन, महाराष्ट्र शासन, मंबई
Source - Directorate of Medical Education \& Research, Government of Maharashtra, Mumbai.
\# आयुवंद संचालनालय, महाराष्ट्र शासन, मुंबई * महाराष्ट्र परिचया परिषद, मुंबइ.
\# Directorate of Ayurved, Government of Maharashtra, Mumbai *Maharashtra Nursing Council. Mumbai

तक्ता कमांक / TABLE No. 60
राज्यातील वर्ष २००७-०८ मधील तंत्र, कला शिक्षणाची महाविद्यालयो / संस्थांची संख्या, त्यांची प्रवेशक्षमता व प्रवेश दिलेले विद्यार्थी NUMBER OF TECHNICAL, ART COLLEGES / INSTITUTIONS IN THE STATE, THEIR INTAKE CAPACITY AND ADMITTED STUDENTS FOR THE YEAR 2007-08

| विद्याशाखा | शासकीय <br> Government |  |  | शासन अनुदानित Government aided |  |  | विनाअनुदानित Unaided |  |  | एकूण <br> Total |  |  | Faculty |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  | प्रवेश- <br> क्षमता <br> Capacity | प्रवेश दिलेले विद्यार्थी Admitted students | संस्था <br> Institutions | प्रवेश- <br> क्षमता <br> Capacity | प्रवेश दिलेले विद्यार्थी <br> Admitted students | संस्था <br> Insti- <br> tutions | प्रवेश- <br> क्षमता Capacity | प्रवेश दिलेले विद्यार्थी Admitted students |  | प्रवेश- <br> क्षमता <br> Capacity | प्रवेश दिलेले विद्यार्थी Admitted students |  |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (11) | (12) | (13) | (1) |



## तक्ता क्रमांक / TABLE No60 (समाप्त/Concld.)

राज्यातील वर्ष २००७-०८ मधील तंत्र, कला शिक्षणाची महाविद्यालये / संस्थांची संख्या, त्यांची प्रवेशक्षमता व प्रवेश दिलेले विद्यार्थी NUMBER OF TECHNICAL, ART COLLEGES/INSTITUTIONS IN THE STATE, THEIR INTAKE CAPACITY AND ADMITTED STUDENTS FOR THE YEAR 2007-08

| विद्याशाखा | शासकीय Government |  |  | शासन अनुदानित / विनाअनुदानित Govt. Aided / Unaided |  |  | एकूण <br> Total |  |  | Faculty |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  | संख्था | प्रवेशक्ष्पतता | प्रवेश दिलेले विद्यार्थी | संस्था | प्रवेशक्षमता | प्रवेश दिलेले विद्यार्थी | संस्था | प्रवेशक्षमता | प्रवेश दिलेले विद्यार्थी |  |
|  | Institutions | Capacity | Admitted students | Institutions | Capacity | Admitted students | Institutions | Capacity | Admitted students |  |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) | (1) |

8. रेखाकला व रंगकला,

शिल्पकला, कला व शिल्प,
उपयोजित कला

| 8.1 पदवी | 4 | 1,360 | 1,325 | -- | -- | -- | 4 | 1,360 | 1,325 |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |

मूलभूत, कला शिक्षक
पदविका, रेखाकला व
रंगकला, उपयोजित कला,
शिल्पकला व प्रतिमानबंध,
इंटेरिअर डेकोरेशन, वस्त्रकाम,
धातूकाम, मातकाम,
ए.एम.व डीप.ए.एड.

| 8.2 | पद्विका | 3 | 220 | 225 | 231 | 11,964 | 10,895 | 234 | 12,184 | 11,120 |  |
| :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- | :--- |

एम.एफ.ए. (पेंटिंग),
एम.एफ.ए.
(उपयोजित कला)
8.3 पदव्युत्तर

3
225
$231-11,964$
10,895
234
12,184
11,120
Drawing \& Painting
Sculpture \& Modelling Art \& Craft, Applied Art

Graduate
Foundation, Art Teacher Diploma, Drawing \&

Painting, Applied Art, Sculpture \& Modelling, Interior Decoration, Textile, Metal Art, Ceramic, Art Master, Diploma in Art Education

Diploma
Master of Fine Art (Painting), Master of Fine Art (Applied art)

आधार - (१) तंत्रशिक्षण संचालनालय, मुंबई
(२) * व्यवसाय शिक्षण संचालनालय, मुंबई.

Source - (1) Directorate of Technical Education, Mumbai
(३) कला संचालनालय, मुंबई
(2) * Directorate of Vocational Education, Mumbai
(४) N.A.-उपलब्ध नाही
(3) Directorate of Art , Mumbai
(4) N.A. - Not Available

# तक्ता क्रमांक / TABLE No. 61 महाराष्ट्र राज्यातील उपलब्ध वैद्यकीय सुविधा <br> <br> MEDICAL FACILITIES AVAILABLE IN MAHARASHTRA STATE <br> <br> MEDICAL FACILITIES AVAILABLE IN MAHARASHTRA STATE (सार्वजनिक आणि शासन सहाय्यित) (Public and Government aided) 

|  |  |  |  |  |  | क्षयरोग रुण्णालय |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| अन्नुक्रमांक Sjerial No. <br> (1) | वर्ष Year | रुगणालये <br> (संख्या) <br> Hospitals (No.) <br> (3) | दवाखाने <br> (संख्या) <br> Dispensaries (No.) <br> (4) | प्राथमिक आरोग्य केंद्रे (संख्या) Primary Health Centres (No.) <br> (5) | प्रार्थमक आरोग्य पथके (संख्या) Primary Health Units (No.) <br> (6) | आर्ण रुण्ण चिकित्सालये <br> (संख्या) <br> T. B. <br> Hospitals and Clinics (No.) (7) | संस्थांतील @@ <br> खाटा <br> (संख्या) <br> Beds in <br> Institu- <br> tions <br> (No.) <br> (8) | दर लाख @ लोकसंख्येमागे खाटा Beds per lakh of population <br> (9) |
| 1 | 1971 | 299 | 1,372 | 388 | 1 | 72 | 43,823 | 88 |
| 2 | 1976 | 423 | 1,502 | 409 | 220 | 90 | 48,748 | 105 |
| 3 | 1981 | 530 | 1,776 | 454 | 400 | 90 | 71,385 | 114 |
| 4 | 1986 | 769 | 1,782 | 1,539 | 81 ++ | 90 | 99,487 | 142 |
| 5 | 1991 | 768 | 1,896 | 1,672 | 81 | 1,977 | 1,09,267 | 144 |
| 6 | 1994 | 826 | 1,404 + | 1,669 | 167 | 2,489 | 88,676 | 105 |
| 7 | 1995 | 828 | 1,404 $\dagger$ | 1,672 | 167 | 2,494 | 88,143 | 101 |
| 8 | 1996 | 828 | 1,399* | 1,675 | 167 | 2,497 | 88,530 | 99 |
| 9 | 1997 | 839 | 1,388** | 1,683 | 167 | 2,516 | 89,155 | 97 |
| 10 | 1998 | 843 | 1,396 | 1,683 | 169 | 2,520 | 89,575 | 96 |
| 11 | 1999 | 887 | 1,396 | 1,762 | 169 | 2,520 | 91,273 | 98 |
| 12 | 2000 | 889 | 1,629 | 1,768 | 169 | 2,520 | 97,007 | 104 |
| 13 | 2001 | 981 | 1,629 | 1,768 | 169 | 2,520 | 1,01,670 | 105 |
| 14 | 2002 | 964 | 2,081 | 1,806 | 174 | 2,520 | 92,106 | 93 |
| 15 | 2003 | 945 | 2,019 | 1,807 | 177 | 2,520 | 92,472 | 92 |
| 16 | 2004 | 1,028 \$ | 2,058 | 1,807 | 177 | 2,520 | 96,464 ${ }^{\text {\$ }}$ | 93 |
| 17 | 2005 | 1,047 | 2,072 | 1,809 | 177 | 2,520 | 95,762 ${ }^{\text {\$ }}$ | 92 |
| 18 | 2006 | 1,054 | 2,072 | 1,812 | 177 | 2,520 | 95,115 ${ }^{\text {\$ }}$ | 90 |

@@) फक्त सार्वजनिक व शासन सहाय्यित रुग्णालयातील खाटांचा समावेश आहे. खाजगी रुण्णालयातील खाटांचा समावेश केलेला नाही. Includes beds in General and Government Aided Hospitals only. Beds in Private Hospitals not included.
@ संबंधित वर्षाच्या मध्याकरिता अंदाजित लोकसंख्येवर आधारित आहे. / Based on mid year projected population of respective year.

* नागरी दवाखाना कंधार, बिलोली, हदगाव, मुखेड (जि.नांदेड) बंद झाल्यामुळे.

Due to Closure of Urban Dispensaries Kandhar, Biloli, Hadgaon, Mukhed (Dist.-Nanded)
** जिल्हा परिषद, यवतमाळ सेस फंडाअंतर्मत ११ अनुदानित दवाखान्यांचे अनुदान बंद केल्यामुळे संख्या कमी.
Due to stopping of the aid from Zilla Parishad Cess Fund, 11 Dispensaries are reduced.
$\uparrow$ जिल्हा परिषद, अमरावती सेस फंडाअंतर्गत २२ अनुदानित दवाखाने सर्वसाधारण सभेतील ठरावानुसार बंद करण्यात आल्यामुळे संख्या कमी झाली. As per resolution passed in general body meeting 22 aided Dispensaries under Zilla Parishad Amaravati Cess Fund have been ciosed, hence reduction in number
++ प्राथमिक आरोग्य केंद्र म्हणून श्रेणीवाढ झाल्यामुले / Reduction in numbers due to upgradation as Primary Health Centers.
\$ महाराष्ट्र आरोग्यसेवा विकास प्रकल्पांतर्गत रुग्णालये कार्यांन्वित झाल्यामुके संख्या वाढली आहे.
Number has increased as Hospital under Maharashtra Health Services Development Board have started functioning.
\$\$ बृहन्मुंबई महानगरपालिकेची काही प्रसूतीगृहे व राज्यातील काही प्रसूतीपश्चात दक्षता केंद्रे बंद झाल्यामळे.
Due to closing of some Maternity hospitals in Mumbai \& some aftercare centre in maharashtra.
आधारः - आरोग्यसेवा संचालनालय, महाराष्ट्र शासन, पुणे.
Sourree - Directorate of Health Services, Government of Maharashtra, Pune.

तक्ता क्रमांक /
उपभोग्य वस्तूंच्या गटानुसार
MONTHLY PER CAPITA EXPENDITURE (MPCE)


टीप - वरील आकडेवारी राष्ट्रीय नमुना पाहणीच्या विविध राज्य नमुन्यातील फे-ययांच्या माहितीवर आधारित आहे.
आधार - अर्थ व सांख्यिकी संचालनालय, महाराष्ट्र शासन, मुंबई

TABLE No. 62
दरडोई मासिक खर्च (द.मा.ख.)
BY GROUP OF ITEMS OF CONSUMPTION
(द.मा.ख.रुपयात/MPCE in Rs.)

| July, 1999 to June, 2000 |  |  | जुलै, २००४ ते जून, २00५/July, 2004 to June, 2005 |  |  |  |  |  |  | Group of items of consumption <br> (1) |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| Uribam | राज्य/State |  | ग्रामीण/Rural |  | नागरी/Urban |  | राज्य/State |  |  |  |
| टक्केवारी | द.मा.ख. | टक्केवारी | द.मा.ख. | टक्केवारी | द.मा.ख. | टक्केवारी | द.मा.ख. | टक्केवारी |  |  |
| Percentage (11) | M.P.C.E <br> (12) | Percentage <br> (13) | M.P.C.E. <br> (14) | Percentage <br> (15) | M.P.C.E. <br> (16) | Percentage (17) | M.P.C.E. <br> (18) | Percentage <br> (19) |  |  |
| 11.06 | 88.01 | 13.67 | 80.86 | 14.12 | 102.24 | 8.30 | 89.10 | 10.77 | $\ldots$ | Cereals |
| 3.01 | 23.66 | 3.67 | 20.38 | 3.56 | 26.64 | 2.16 | 22.79 | 2.76 | ... | Pulses |
| 7.53 | 46.24 | 7.18 | 33.98 | 5.93 | 81.98 | 6.65 | 52.48 | 6.35 | $\ldots$ | Milk and milk products |
| 26.50 | 176.69 | 27.44 | 158.53 | 27.67 | 277.89 | 22.55 | 204.54 | 24.73 | ... | Other food items |
| 48-10 | 334.60 | 51.96 | 293.75 | 51.28 | 488.75 | 39.66 | 368.91 | 44.61 | $\cdots$ | Total - Food items |
| 6.31 | 44.01 | 6.83 | 23.67 | 4.13 | 36.55 | 2.97 | 28.63 | 3.46 | ... | Clothing |
| 7.57 | 50.43 | 7.83 | 65.84 | 11.49 | 121.85 | 9.89 | 87.43 | 10.57 | ... | Fuel and light |
| 38.02 | 214.88 | 33.38 | 189.59 | 33.10 | 585.21 | 47.48 | 342.08 | 41.36 | ... | Other non-food items |
| 51.90 | 309.32 | 48.04 | 279.10 | 48.72 | 743.61 | 60.34 | 458.14 | 55.39 | ... | Total - Non-food items |
| 1100.00 | 643.92 | 100.00 | 572.85 | 100.00 | 1,232.36 | 100.00 | 827.05 | 100.00 | $\cdots$ | Total |

Note - Figures are based on the State sample data of various rounds of the National Sample Survey.
Source. Directorate of Economics and Statistics, Government of Maharashtra, Mumbai.

| तक्ता क्रमांक / TABLE No. 63 <br> दरडोई मासिक खर्चाच्या वर्गानुसार लोकसंख्येची टक्केवारी PERCENTAGE DISTRIBUTION OF POPULATION ACCORDING TO MONTHLY PER CAPITA EXPENDITURE CLASS |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| दरडोई मासिक खर्चाचे | जुलै, १९९३ ते जून, १९९૪ <br> July, 1993 to June, 1994 |  |  | जुलै, २९९९ ते जून, २००० July, 1999 to June, 2000 |  |  | जुलै, २००४ ते जून, २००५ July, 2004 to June, 2005 |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| वर्ग (रुपये) | ग्रामीण | नागरी | राज्य | ग्रामोण |  | राज्य | Rural | नागरो | राज्य |
| Monthly per capita expenditure | Rural | Urban | State | Rural | Urban | State | Rural | Urban | State |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) | (8) | (9) | (10) |
| Below 100 पेक्षा कमी | 0.15 | 0.01 | 0.10 | 0.07 | 0.00 | 0.04 | 0.24 | 0.01 | 0.15 |
| 100-200 | 16.25 | 3.29 | 11.69 | 1.72 | 0.10 | 1.08 | 0.64 | 0.09 | 0.43 |
| 200-400 | 61.55 | 38.01 | 53.27 | 37.32 | 10.17 | 26.72 | 28.53 | 5.88 | 19.80 |
| 400-600 | 15.64 | 28.37 | 20.12 | 42.08 | 23.81 | 34.94 | 38.77 | 15.29 | 29.72 |
| 600-800 | 3.83 | 14.91 | 7.73 | 12.17 | 21.48 | 15.81 | 18.31 | 17.23 | 17.89 |
| 800-1000 | 1.38 | 7.38 | 3.48 | 3.60 | 14.60 | 7.90 | 7.37 | 16.16 | 10.76 |
| 1000 आणि अधिक/ and above | 1.20 | 8.03 | 3.61 | 3.04 | 29.84 | 13.51 | 6.14 | 45.34 | 21.25 |
| एकूण / Total | 100.00 | 100.00 | 100.00 | 100.00 | 100.00 | 100.00 | 100.00 | 100.00 | 100.00 |

टीप- वरील आकडेवारी राष्ट्रीय नमुना पाहणीच्या विविध फे-यांच्या राज्य नमुन्यातील माहितीवर आधारित आहे
Note - Figures are based on the State sample data of various rounds of the National Sample Survey.
आधार - अर्थ व सांख्यिकी संचालनालय, महाराष्ट्र शासन, मुंबई.
Source - Directorate of Economics and Statistics, Government of Maharashtra, Mumbai.


टीप/Note - आकडे संक्षिप्तात दिल्याने टक्केवारी नुक्षतीलच असे नाही / Percentage may not tally due to rounding.
आधार/Source - अथ ब सांख्यिकी संचालनालमू, महराष्ट्र शासन, मुंबई / Directorate of Economics and Statistics, Government of Maharashtra, Mumbai


[^39]
[^0]:    * डिसेंबर, २००ज पर्यंत.

[^1]:    ＊（डिसेंबर，२००६ पर्यंत）
    टोप ：कंसांतोल आकडे भारताशी टक्केवारी दर्शवितात．

[^2]:    उ．ना ：उपलब्ध नाही．

[^3]:    * प्रत्यक्ष तफावती

[^4]:    ＊$९$ माहन्यांची सरासरी（एप्रिल ते डिसेंबर）

[^5]:    * घरगुती उद्योगातील उत्पादन, प्रक्रिया, सेवा, दुरुस्ती आणि वस्तू तयार करणे अथवा विकणे यांच्याशी संबंधित

[^6]:    (11) यात रोंजंदारीवरील/मानधनावरील व अंशकालीन कर्मंचा-यांचा समावेश आहे.
    **निर्यमित व इतर कर्मंचारी अशी विगतवारी उपलख्ध नाही. /बृहन्मुंबई वाळून

[^7]:    * अस्थायी / Provisional
    @ पाया :- त्रैवर्षीय सरासरी १९७९-८२ = 900 / Base :- Triennial Average 1979-82=100
    @@ कारखाना अधिनियम, १९४८ खालील / Covered under Factories Act, 1948

[^8]:    * अस्थायी /Provisional
    \# वा.उ.पा /A.S.I.
    $\dagger$ प्रारंभिक अंदाज / Preliminary estimates
    ** शीघ्र अंदाज / Quick estimates

[^9]:    ＊केंद्रशासित प्रदेश धरून／Includes Union Territories
    N．A．－उपलब्ध नाही／Not available
    \＃गमfिपूर राज्यातील सेनापती जिल्हांतील माओ－मारम，पाओमाटा आणि पुरुल हे उपविभाग वगळून／Excludes Mao－Maram，Paomata and Purul sub divisions of Senapati district of Manipur State

[^10]:    
    
     years and above

[^11]:    * केंद्रशासित प्रदेश धरुन /Includes Union Territories (R) मागील वर्षाचो मालिती / Previous year's data
    (P) - अस्थायी /Provisional
    N.A. - उपलब्ध नाही /Not available

[^12]:    Net District Domestic Product (NDDP), which is also commonly known as District Income, is a measure, in monetary terms, of all goods and services produced /without duplication] within the geographical boundries of the district during a given period of time (generally, one year).
    Gross District Domestic Product (GDDP): When the consumption of Fixed Capital is added to NDDP, it is termed as Gross District Domestic product.

[^13]:    ${ }^{\text {F Negligible }}$

[^14]:    * Not yet started.

[^15]:    * Upto Dec., 2007

[^16]:    * Actual Variations

[^17]:    Note : Figures in brackets indicate percentages of the achievement to target.

[^18]:    * 9 months' average (April to December)

[^19]:    Note: Figures in brackets denote total population $n$ crore.

[^20]:    (11) Covers daily wage/honorary and part-time employees
    ** Breakup as regular and other employees is not available/ excluding Greater Mumbai

[^21]:    * Estimated
    @ Excluding school level vocational education institutions

[^22]:    *) Contre: Districts \# Zilla Parishads
    $\rightarrow$

    BCowerr survty or MAHARASHTRA 2007.08

[^23]:    * अस्थायी / Provisional

    टीप - कंसांतील आकडे स्यूल राज्यांत्गंत उत्पादाशी टक्केवारी दर्शावितात.
    आधार - अर्थ ब संख्यिकी संचालनालय, महाराष्ट्र शासन, मुंबई.

[^24]:    + प्रारंभिक अंदाज / Preliminary Estimates
    Note - Figures in brackets show percentages to Gross State Domestic Product.
    Source - Directorate of Economics and Statistics, Government of Maharashtra, Mumbai.

[^25]:    * अस्थायी / Provisional

    टीप - कंसांतील आकडे स्तंभ (३) शी टक्केवारी दर्शावितात.
    आधार - अर्थ व सांख्यिकी संचालनालय, महाराष्ट्र शासन, मुंबई.

[^26]:    * अस्थायी / Provisional

    टीप - कसंांतील आकडे निन्वळ राष्टीव देशांतर्गत उत्पादाशी टक्केवारी दर्शावितात.
    आधार - केद्रीय सांख्यिकीय संघटना, नवी दिल्ली

[^27]:    * अस्थायी/Provisional $\dagger$ प्रारंभिक/Preliminary $\dagger \dagger$ आगाऊ अंदाज / Advance Estimates

[^28]:    * अस्थायी / Provisional @ प्रारंभिक / Preliminary \# मुंबई शहर+ मुंबई उपनगर जिल्हा Mumbai City + Mumbai Suburban District

    आधार - अर्थ व सांख्यिकी संचालनालय, महाराष्ट्र शासन, मुंबई.
    Source - Directorate of Economics \& Statistics, Government of Maharashtra, Mumbai.

[^29]:    $\ddagger$ यात 'आंतरराज्यीय तडजोड' (निव्वळ), 'आकस्मिकता निधीमध्ये केलेले विनियोजन' (निव्वळ) आणि 'आकस्मिकता निधो' (निव्वळ) यांचा समावेश आहे $\ddagger$ It comprises 'inter-state settlement' (net), 'appropriations to the contingency fund' (net) and 'contingency fund' (net)

    * अर्थोपाय व आगाऊ रकमा धरुन आधार - संक्षप्त अर्थसंकल्प, महाराष्ट्र शासन, मंबई. Source - Budget-in-Brief, Government of Maharashtra, Mumbai

[^30]:    आधार - केंद्रीय सांख्यिकीय संघटना, नवी दिल्ली
    Source - Central Statistical Organisation, New Delhi

[^31]:    * $१ 0$ महिन्यांची सरासरी/ Average for 10 months
    (P) अस्थायी / Provisional.

[^32]:    * ९ र्मान्यांची सरासरी/Average for 9 months

[^33]:    * $९$ महिन्यांची सरासरी/Average for 9 months.

    आधार - श्रम केंद्र, भारत सरकार, सिमता \Source - Labour Bureau, Government of India, Simla.

[^34]:    * ९ महिन्यांची सरासरी / Average for 9 months

    आधार - अर्थ व सांख्यिकी संचालनालय, महाराष्ट्र शासन, मुंबई
    Source - Directorate of Economics \& Statistics, Government of Maharashtra, Mumbai

[^35]:    टीप - अंत्योदय अन्न योजनेची आकडेवारो लक्ष्यनिर्धारित सार्वर्जनिक वितरण व्यवस्थेअंतर्गत आकडेवारीमध्ये समाविष्ट केलेली आहे.
    Note - Figures of Antyodaya Anna Yojana are included in Targeted Public Distribution System
    आधार - अन्न, नागरी पुरवठा व ग्राहक संरक्षण विभाग, महाराष्ट्र शासन, मुंबइं.
    Source- Food, Civil Supplies and Consumer Protection Department, Government of Maharashtra, Mumbai.

[^36]:    टीप - आकडे संक्षिप्तात दिल्याने बेरजा जुळतीलच असे नाही. / Note - Details may not add up to totals due to rounding.
    आधार - i) महानिबंधक व गणना आयुक्त, भारत सरकार, नवी दिल्ली
    ii) संचालक, जनगणना कार्यालय, महाराष्ट्र, मुंबई

    Source - i) Registrar General and Census Commissioner,Government of India, New Delhi
    ii) Director of Census Operations, Maharashtra, Mumbai

[^37]:    आधार - औद्योगिक सुरक्षा व आरोग्य संचालनालय, महाराष्ट्र राज्य, मुंबई
    Source - Directorate of Industrial Safety and Health, Maharashtra State, Mumbai

[^38]:    @ महानगरपालिकां व शासकीय महाविद्यालये धरुन / Including Municipal Corporation and Government Colleges.

[^39]:    टीप - स्तंभ क्रमांक ५ ते श० मधील आकडे संक्षिप्तात दिल्याने बेरजा जुळतीलच असे नाही.
    आधार - अर्थ व सांख्यिकी संचालनालय, महाराष्ट्र शासन, मूंबईे.
    Note - Details may not add up to totals due to rounding of figures in column No. 5 to 10. Note - Details may not add up to totals due to rounding of figures in column No. 5 to - Directorate of Economics and Statistics, Government of Maharashtra, Mumber

